गुजराती-हिन्दी कोश

सो रूपिया

पहली आवृत्ति, प्रत १०,०००
प्रथम पुनर्मुद्रण, प्रत ५,०००, डिसम्बर १९९२

मुद्रक
जितेन्द्र ठा देसाई
नवजीवन मुद्रणालय, अमदावाद ३८००१४

प्रकाशक
विनोद रेवाशंकर त्रिपाठी
मंत्री, गुजरात विद्यापीठ मंडळ
गुजरात विद्यापीठ, अमदावाद ३८००१४

प्रकाशकनु निवेदन

गुजराती हिन्दी शब्दकोश अने संस्कृत-गुजराती शब्दकोश प्रसिद्ध करवानु गुजरात विद्यापीठे ई स १९५५मा ठरावेलु आ बे शब्दकोशो पैकी गुजराती-हिन्दी शब्दकोश आजे गुजरातनी जनता समक्ष रजू करता आनंद अनुभवीए छीए आ शब्दकोशनी योजना श्री मगनभाई देसाईए शरू करावेली, एटले तेनु प्रास्ताविक निवेदन लखी आपवानी तेमने विनति करी तेनो स्वीकार करी आ निवेदन लखी आपवा बदल तेमनो आभार मानु छु

आ ग्रंथना प्रकाशन-खर्च पेटे भारत सरकारना वैज्ञानिक संशोधन अने सांस्कृतिक बाबतोना खाता तरफथी आर्थिक मदद मळी छे तेनो उल्लेख करता आनंद थाय छे

गुजरातनी जनता आ ग्रंथने उत्साहपूर्वक वधावी लेशे एवी आशा छे

ता० १२-१२-६१

प्रकाशकनुं निवेदन

गुजराती हिन्दी शब्दकोश अने संस्कृत-गुजराती शब्दकोश प्रसिद्ध करवानुं गुजरात विद्यापीठे ई० स० १९५९मां ठरावेलुं. आ बे शब्दकोशो पैकी गुजराती हिन्दी शब्दकोश आजे गुजरातनी जनता समक्ष रजू करतां आनंद अनुभवीए छीए. आ शब्दकोशनी योजना श्री मगनभाई देसाईए शरू करावेली एटले तेनुं प्रास्ताविक निवेदन लखी आपवानी तेमने विनंति करी. तेनो स्वीकार करी आ निवेदन लखी आपवा बदल तेमनो आभार मानुं छुं.

आ ग्रंथना प्रकाशन-खर्च अंगे भारत सरकारना वैज्ञानिक संशोधन अने सांस्कृतिक बाबतोना खाता तरफथी आर्थिक मदद मळी छे तेनो उल्लेख करतां आनंद थाय छे.

गुजरातनी जनता आ ग्रंथने उत्साहपूर्वक वधावी लेशे एवी आशा छे.

ता० १२-१२-'६१

निवेदन

भाई रामलाले जणाव्यु के, जे कोशना संपादनमा,— तेना संकल्पथी मांडीने लगभग ते छपाई रहेवा आव्यो त्या सुधी,— मारो हाथ हतो, ते प्रजा पासे जाय त्यारे ए कामने अंगे निवेदन हु करु, ए उचित थशे आ विनती मान्य राखी हु आ निवेदन करु छु तेम करवानी मने तक आपी तेने माटे विद्यापीठनो आभारी छु

ई स १९३५ मा सरकारना कबजामाथी विद्यापीठ छूट्यु पछी नवेसर तेणे जे कामो शरू कर्या, तेमा राष्ट्रभाषा हिंदी हिंदुस्तानीना प्रचारनु काय खास हतु ते अंगेना कार्यक्रममा एक नानकडो हिंदी-गुजराती कोश तैयार करवो जोईए, एम नक्की थयु अने ते काम में शरू करीने १९३९ मा प्रसिद्ध कर्यु हतु आ ग्रंथने खूब सारो आवकार मळ्यो कुल ७,००० नकलोनी बे आवृत्तिओ पूरी थई गया पछी, १९५६ मा बहार पाडेली (कुल १०,००० नकलोनी) आवृत्ति अत्यारे प्रजा आगळ चाले छे

उपरनो कोश बहार पड्या पछी थोडा ज वर्षोमा, स्वाभाविक रीते मने थयु अने एवा माग पण थई के, हवे गुजराती हिंदी कोश पण तैयार करीने गुजरातने आपवो जोईशे १९५० बाद गुजरातमा हिंदीनो अभ्यास सरकारी निशाळोमा शरू थयो, एटले पण आवा कोशनी जरूर वधु ने वधु देखावा लागी तेथी १९५५ मा विद्यापीठे विचार्यु के एक नानकडो गुजराती हिंदी कोश पण हवे बनती त्वराए तैयार करवो जोईए एवो कोई कोश चालु उपलब्ध नथी, तेथी शिक्षण अने साहित्य क्षेत्रे आ जातना प्रकाशननी खोट छे न पहेची तके दूर करवामा आवे एटले आ काम विद्यापीठना हिंदी विभागना अध्यक्ष भाई गिरिराज किशोर जोडे चर्चीने शरू करवानु नक्की करवामा आव्यु अने ते माटेनी योजना विचारीने तेमने जणावी, काम उपाडवा व्यवस्था करी

पहेलु पगलु ए हतु के कया अने केटला गुजराती शब्दो सामान्यपणे आ कोशमा लेवा ए विचारवु लोकोपयोगितानी दृष्टिए जरूरी हतु के, कोश अति मोटो न करवो तेम ज नानो पण न चाले हिंदी शिक्षण अने प्रचारनी गुजरातनी चालु स्थितिनी मागने पहोची वळे एटली शब्द-सामग्री (शब्द-प्रयोगो सहित) ओछामा ओछी होवी घटे ते दृष्टिए कोशमा लेवाना गुजराती

शब्दोनी पसदगीनु काम पहेलु उपाडयु आ अरसामा गुजराती विनीत जोडणा कोशनी शाळोपयोगी आवृत्ति बहार पाडवामा आवी हती तेने आधार शब्दोनी विणामणा करवी सारी एम विचायु अने ते काम विद्यापीठना हिंदी विभागना सवक श्री नानुभाई बारोटने साप्यु

जेम शब्दोनी पसन्दगी थाय तेम तेना काड बनाववामा आवता एटलु थये ते शब्दोना हिन्दी पर्यायो मूकवानु शरू करवानु बीजु पगलु भरवामा आव्यु हतु ते पछी श्री नानुभाई साथ विद्यापीठ हिन्दी विभागना बीजा सवक श्री अबाशकर नागरने हिन्दी पर्यायो जाई जवा माट श्री नानुभाई साथ थवानु साप्यु श्री गिरिराज किशोर पण आ काममा घटतु ध्यान राखी हिंदी पर्याया विष बरोबर चकासणी करी ल ए उचित हतु श्री अबाशकर आम गुजराती छ परतु ते घणो काळ राजस्थानमा हता अने श्री गिरिराज किशोर हिंदी भाषी प्रदेशना ज छ आ बे जण हिंदी पर्यायोनी सचाई समपरता विषे शब्दोन तपास्या छ तथी आ कोशने गुजराती भाषी तेम ज हिंदी भाषी एम बन प्रकारना सपादकानो लाभ मळयो छ अल्बत्त मुख्य काम श्री नानुभाईए सभाळ्यु छ, तेनी नाध लेता आनद थाय छ ते गुजरातना एक जूना हिन्दी प्रचारक अने अनुभवी शिक्षक तथा साहित्यप्रेमी छ

आगळनु पगलु हतु शब्दोना काई परथी कोशनु हस्तलिखित—प्रेस कॉपी तयार करवानु ए काम थय आ त्रण मित्रोए पाछु ए सळग जोई लई प्रेसमा छपाववा माट मोकल्वा सारु छेवटनु करी लीधु अने हिन्दी विभाग तरफथी श्री गिरिराजजीए मने जणाव्यु के हवे छापकाम शरू करावी शकाय छ

कोशना काममा खूब झीणवटभरी महेनत करवानी हाय छ ए तो मो जाण छ पण तेमा अमुक कसब पण जरूरनो छ ते दृष्टिए पण आ काम जावु जोईए उपरना त्रण मित्रो माटे कोशनु काम नवु हतु तेथी आ करवामा श्री गोपाळदास पटेल अने में ध्यान आप्यु हतु मारे अहीया कबूल करवु जोईए के अनेक बीजां कामोने लईने हु मने गमे तेटलु वधु ध्यान आपी शक्यो नथी परतु प्रयत्नु सपादन बरोबर थाय ए खातरी मळववा पूरतु काम कर्यानो सतोष मने छ

छपाती वखते नवजीवन ना हिंदी विभागमां काम करता श्री सोमेश्वरजी पुरोहित श्री तिवारीजी वगेरे भाईओनी कीमती मदद मळी छ तेनी साभार नाध लेवी जोईए आ बेन भाईओ गुजराती जाण छ तेथी शब्दोना समपक हिन्दी पर्याय आपवामा एमना सलाह सूचना कीमती नीवडया छ

आम तैमार थयलु काम हवे प्रजा आगण रजू थाय छे आशा छे के, तमने ते उपयोगी नीवडशे विद्यापीठ आ एक कीमती काम करी शक्यु तेथी पोताने कृतार्थ थयु माने छे

२

कोशना सामान्य दृष्टिए केटलीक बाबतो कहेवा जेवी गणाय, ते उपर हवे आवु

आ कोश तयार करती वखते गुजरातना विशाळ विद्यार्थीवर्गने नजर समक्ष राखवामा आव्यो छे बीजी दृष्टि गुजराती भाषाना लोकभोग्य साहित्यने हिंदीमा उतारवाना कायमा आ काम द्वारा कईक मदद थशे एवी पण आशा छे

गुजराती अने हिंदी भाषामा घणु साम्य छे तेथी आवा कोशमा शब्दोनी पसदगी करवामा घणी सावधानी राखवी पडे छे सस्कृत तत्सम शब्दो, के जेना अर्थ अने जोडणी बन्ने भाषामा सरखा होय तेवा शब्द लीधा नथी पण तेवा शब्दना शब्दप्रयोग लेवा योग्य होय तो तेवा तत्सम शब्दोने स्थान आप्यु छे उदा० सिंह, स्वभाव इ० जोडणीमा सामान्य फरक होय तेवा समानार्थ हिंदी के उर्दू-फारसी शब्दाने खास लीधा छे उदा० 'महनत, जात मा इ०' क्रियापद लगभग बधा लीधा छे क्रियापदना कर्मणि, भावे तेम ज प्रेरक रूपोना अर्थ शक्य होय त्या सुधी आपवानो प्रयत्न करवामा आव्यो छे जेम के, 'गवावु, चवावु आदिना अर्थ 'गाया जाना, चबा जाना' आप्या छे कोशमा आवा रूपोना पर्याय आपवानु उचित गणवामा नथी आवतु 'गाया जाना' व्यवहारमा वापरी शकाय छे, पण कोशमा मुकाता नथी पण आ कोश विद्यार्थीओ माटे छे तेथी तमने भाषांतर करता मुश्केली न पडे एम मानी, आवा पर्याय आप्या छे

एम काम करता आ कोशमा कुल लगभग २५ हजार शब्दो सघराया छे आ सख्या ठीक काम द एवडी गणाय आगळनी आवृत्तिओमा, जरूर प्रमाणे वधारो थतो रहेशे

हिंदी अर्थ छूटथी आप्या छे, जेथी कोश वापरनार तेना अनेक पर्याय जाणी शके अर्थ आपवामा बोलचालनी हिंदी हिंदुस्तानी भाषानो सविशेष उपयोग करवामा आव्यो छे हिंदी बहु मोटा जनसमूहनी भाषा छे तेथी शक्य छे के, एक प्रदेशमा वपराता शब्द ते ज रूपे बीजा प्रदेशमा न वपरातो होय आथी पण बन्या तेटला जुदा जुदा बधु पर्याय आप्या छे

शब्दप्रयोग खास आप्या छे समजवा सरळ होय तेवा शब्दप्रयोग नथी आप्या बधा ज प्रयोगो आपवा जतां कोशनु कद तथा किंमत वधी जाय ए पण संभाळवु रह्यु

शब्दनी व्युत्पत्ति आपी नथी आवा नाना कोशमा व्युत्पत्ति आपीने तेनु कद वधारवु आ तबक्के जरूरी नथी मान्यु

गुजराती शब्दोना हिंदी अर्थ आगळ बतावेली दृष्टिने ध्यानमा राखीने आपवामां आव्या छे जरूरी लाग्यु छे त्या शब्दनी व्याख्या आपीने पछी तेना पर्याय आपवानो प्रयत्न कर्यो छ जेम के ठीकरु न० मिट्टीके बरतनका टूटा हुआ टुकडा, ठीकरा

आ कोश तयार करवामा मुख्यत्वे गूजरात विद्यापीठना साथ गूजराती जोडणीकोश', विनीत जोडणीकोश तथा हिंदी-गूजरातो कोश' नो उपयोग करवामा आव्यो छे हिंदी पर्याय माटे ज्ञानमडल लिमिटेड, बनारस,ना 'बृहत् हिंदी कोश तथा नागरी प्रचारिणी सभा, काशी नो 'संक्षिप्त हिंदी शब्द-सागर -नो अने फिरोजउल लुगात' उर्दूना विशष उपयोग कर्यो छे उपरात बीजा नाना मोटा कोशोनो पण उपयोग करवामा आव्यो छ ते बधानी आभारपूर्वक नोध लेवामा आवे छे

अते आ बहार पडे छे त्यारे मारो आनद अने सतोष प्रगट करु छु के, हिंदी प्रचारना काममा आवा एक कोशनी जरूर मानी हती, ते आज ईश्वरकृपाए पूरी थई शकी छे हवे तेने वधु ने वधु उपयोगी बनाववानु काम तेना वापरनारानु छे तेओ तेने सुधारवा वधारवा माटे, पोताना अनुभव मांथी मळता सूचनो विद्यापीठने करता रहेशे एवी विनती छे तो आ कोश तेनी उत्तरोत्तर आवृत्तिओ रूपे पोतानी साहित्य-अने शिक्षणमा सेवा आपवानी शक्ति वधारतो रही शकशे

१२-१२-६१ मगनभाई देसाई

कोश वापरनारने सूचनाओ

शब्दोनी गोठवणी

शब्दोनी गोठवणी गूजराती कक्कावारीना सामान्य धोरणे करवामा आवी छे एटले अनुनासिक के अनुस्वारवाळा अक्षर ते वगरना अक्षरनी पछी मूकवामा आव्या छे जेम के 'चचर', 'चपल' वगेरे शब्दो 'चरबी' 'चल्म' पछी आवे आ ज प्रथा बधा अक्षरोमा अपनाववामा आवी छे ते सिवाय बाकीनी गोठवणी कक्कावारीना सामान्य क्रममा छे

मूळ शब्दना विकल्प होय तो तमने मूळ शब्द पछी अल्पविराम मूकीने आपवा लखवामा आव्या छे जेम के,

अवढबखड अखडाबखडी

जातवत जातवान

पण आ रीत बधे अखत्यार करवामा नथी आवी केटलीक जग्याए मूळ शब्दनो विकल्पने टूकावीने नीच प्रमाणे मूक्या छे

अकेक(–कु)–अकेक, अकेकु

जडबा(–बां)तोड–जडबातोड, जडबांतोड

हिंगळो(०क)—हिंगळो हिंगळोक

सदा(०काळ)—सदा, सदाकाळ

एटले के, आ '–' सना तेना पूर्वेना अक्षरने बदले एना पछीना शब्दना अने आ '०' सना तमा उमेरीने बनता शब्दना विकल्प सूचवे छे

आ कोशमा लिपि देवनागरी वापरी छे प्रथम गुजराती शब्द काळा टाइपमा मूक्या छे पछी तेना उच्चारणना संकेत ( ) आवा कौंसमा आप्या छे पछी ते गुजराती शब्दनु व्याकरण आवे छे शब्दना सामान्य अर्थ पूरा थया पछी तेना प्रयोगो आप्या छे जेम के, लोथ (थ) स्त्री० लोथ लाश (२) आफत बला (ला) (३) वि० बहुत थका हुआ, लोथपोथ। [–थव = थकभर चूर होना]

उच्चारण

शब्दोना उच्चारण विषे संकेत मूकवामा आव्या छे, ते शब्द पछी तरत ज अने व्याकरण बताव्यु छे ते पहेला ( ) आवा कौंसमा छे जेम

के साकळ (०) स्त्रा० उच्चारणमा हश्रुति यश्रुति पाचा अनुनासिक, पहोळा एँ, आ, अने वयाक लघुप्रयत्न अकार (जेम के ग्हेवु) बनाव्या छे दरेक सवेतनी समज मक्तसूचीमा आपी छे

शब्दप्रयोग

जे शब्दना प्रयोग होय ते ए शब्दना सामान्य अर्थो पूरा थया पछी नागरीनु पूर्णविरामनु । चिह्न कर्या पछी [ ] आवा कौंसमा आपवामा आव्या छे एक शब्दप्रयोग पूरो थाय एटले तेने छेडे । आवु चिह्न मूक्यु छे शब्दप्रयोग पूरा थाय त्यारे गुजराती पूर्णविरामनु ' आवु चिह्न मूकी कौंस पूरो कर्यो छ

टूकाणने खातर शब्दप्रयोग त्यवहामा मूळ शब्द फरी न लखता तेने स्थाने – आवी नानी लीटी मकाने चलाव्यु छ जेम क आंख शब्दमा। [–आडा कान करवा=सुनी अनसुनी करना।–नठे चढवु=देख लेना नजर डालना]

ज्या मूळ शब्दनु रूपातर थईने शब्दप्रयोग बने त्या त शब्द आखा लख्यो छे जेम क **आखे पाटा बांधवा, आंखो बोचीए आववी,** इ०

शब्दप्रयोग वक्कावार क्रममा मक्या छे ज्या मूळ शब्द आगळ कोई पद आवे तवो शब्दप्रयोग होय (जेम के, मों शब्दमा **गळघु मों करवु, कराववु**) त्या त शब्दना सामान्य प्रयोगो पूरा थया पछी अने तेमना क्रममा आपवामा आव्या छ

पर्यायवाचक शब्दाना अर्थ दरेक ठेकाणे लखवाने बदले एक ठेकाणे लखी बीज ठकाणे देखिये लखीने पछी आवा चिह्नमा ते शब्द जणाववानो रिवाज राख्यो छे ज्या ते शब्दना बधा अर्थ लागु न पडता होय त्या अर्थनो अमुक नबर जोवानु कह्यु छे स्थळसकोचन कारणे आवा पर्यायवाची शब्दो एकसाथ मूकीने पछी तेना अर्थमा **देखिये**—आदि कह्यु छे उदा० **सांझ, सांझरे, सांझे** देखिये साज आदि

केटलाक पारिभाषिक शब्दाना हिंदीमा अर्थ आप्या पछी तेनो आवा चिह्नमा नागरी लिपिमा अग्रेजी अर्थ आप्यो छ

सक्षेपोनी समज

अ० अव्यय

अ० क्रि० अकर्मक क्रियापद

उदा० उदाहरण

कर्मणि कर्मणि प्रयोगनु रूप
ग० गणितशास्त्र
न० नपुंसक लिंग
न०ब०व० नपुंसक लिंग बहुवचन
प० पद्यमा वपराता शब्द
पु० पुल्लिग
पु०ब०व० पुलिंग, बहुवचन
प्रेरणायक प्रेरक भेदनु रूप
भावे भावे प्रयोगनु रूप
ला० लाक्षणिक
वि० विशेषण
वि०पु० विशेषण पुलिंग
वि०स्त्री० विशेषण, स्त्रीलिंग
व्या० व्याकरण
स० सर्वनाम
स०क्रि० सकर्मक क्रियापद
स्त्री० स्त्रीलिंग
स्त्री०ब०व० स्त्रीलिंग बहुवचन

उच्चारणनो संकेत

(०) पोचो अनुनासिक छे एम बतावे छे जेम के आख (०)
(ऍ) पहोळो छे एम बतावे छे जेम के, पेठे (पॅ)
(ऑ) पहोळो छे एम बतावे छे जेम के मोळु (मॉ)
(') वर्णनी पछी उपर मूकेलु अल्पविराम ते वर्णमा हश्रुति छे एम बतावे छे जेम के वील्हु (वी')
(,) वर्णनी पछी नीचे मूकेलु अल्पविराम ते वर्णमा यश्रुति बतावे छे जेम के, वाड (ड)
(्) खोडानु चिह्न लघुप्रयत्न अकार बतावे छे जेम के, रहेवु (रहॆ)

अखरयारनामु न०,अखरयारपत्र न० पु० मुखतारनामा, अधिकार-पत्र
अखबारनवीस पु० अखबारनवीस, सवाददाता
अखरामण न० जामन वह चीज जिसे दूधमें डालकर दही जमाते है
अखराबु अ० क्रि० जमना (दही)
अखरोट न० अखरोट
अखाडो पु० अखाडा दगल (२) साधुओका मठ। [अखाडा करवा= सुनी-अनसुनी करना ध्यान न देना]
गखात पु० अखात खाडी
अखात्रीज स्त्री० आखातीज वशाख शुक्ल तीज
अखूट वि० अखूट जो खुटे नहीं
अख्खड वि० देखिये अखड'
अगड पु० वह मदान जहां जानवर लडाये जाते है [पु० अवधूत साधु
अगडबब वि० खूब मोटा सड मुसड(२)
अगडबगड वि० खरा-खोटा (२) न० अड-बड बेमायने बात
अगणोतेर वि० उनहत्तर, ६९
अगण्याएशी वि० उन्नासी ७९
अगत्य स्त्री०,न० महत्त्व(२)जरूरत। [-आपवी(-वु) =महत्त्व देना]
अगथियो पु० एक पेड, अगस्ति
अगन स्त्री० अगन अग्नि (२) जलन
अगमचेती स्त्री० आगम सोच दूरदेशी पेशबदी
अगमनिगम न० भूत और भविष्य(२) (स आगम निगम) वेद और शास्त्र
अगमबुद्धि स्त्री० आगम-बुद्धि दूर दर्शिता पेशबदी [वाणी गूढ गिरा
अगमवाणी स्त्री० अगमबानी रहस्य
अगर पु० आगर (२) न० अगर अगरु (३) अ० अगर यदि,जो(४)अथवा
अगरबत्ती स्त्री० अगरबत्ती,धूपबत्ती, उदबत्ती
अगरियो पु० नमक बनानेवाला आगरी
अगवड स्त्री० दिक्कत कठिनाई बाधा, अडचन [झूठ वादे
अगस्त्यना वायदा=पूरे न होनेवाले
अगाउ अ० आगे पहले
अगाउथी अ० अगाऊ पहलेसे, आगेसे
अगाडी अ० अगाडी, आगे अगाडू
अगाडीपछाडी अ० आगे-पीछे(२)स्त्री० अगाडी पिछाडी घोडेके गले और पांवमें बांधनेकी रस्सियां
अगाशी (-सी) स्त्री० छत
अगियार वि० ग्यारह
अगियारमु वि० ग्यारहवां (२) न० एकादशाह, मृत्युकी तिथिसे ग्यारहवां दिनका कम(३)उस दिन होनेवाला भोज [शी, हरिवासर
अगियारश (-स) स्त्री० ग्यारस एका
अगियारा पु०ब०व० ग्यारहका पहाडा। [-गणवा, भणवा=नौ दो ग्यारह होना चपत होना]
अगियारी स्त्री० अगियारी पारसी लोगोका मदिर आतिशखाना
अगुवो पु० अगुआ मुखिया(२)आगे चलनेवाला
अग्रणी पु० अगुआ
अग्रलेख पु० अग्रलेख, लीडिंग आर्टिकल'
अघटतु वि० अघटित अनुचित अयोग्य, बेजा [नाजायज़
अघटित वि० अघटित अयोग्य,बजा,
अघण न० हगनेकी क्रिया हगना(२)गुदा
अघणखाड(-ण)स्त्री० हगनेका गडढा, हगनहटी [बार हगे ऐसा, हग्गू
अघणशी (-सी) वि० हगोडा बार

अघमूतर स्त्री० हगना और मूतना
अघरणी न०, स्त्री० पहले पहल गर्भ धारण करना (२) सीमंत, सीमंतोन्नयन संस्कार, आठवां पूजना
अघरु वि० मुश्किल, कठिन
अघववु स० क्रि० हगाना, पाखाना फिराना (२) खूब पीटना (३) जबरदस्ती वसूल करना, हगा लेना
अघवु अ० क्रि० हगना, पाखाना फिरना (२) दबावके कारण विवश होकर दे देना हग देना [ला]
अघाट वि० अपार, अनंत (२) (दस्तावेजमें) कुल हकोंके साथका (३) पु० शिलालेख (४) माफीकी जमीन जिसे उसका स्वामी बेच न सके अघाट (५) घाट
अघाटियु वि० कुल हकोंके साथ दिया हुआ (२) नमकहराम [कराना
अघाडवु स० क्रि० हगाना, मलत्याग
अघाणु वि० पाखानेकी हाजतवाला
अघामण स्त्री० अतिसार, दस्त लगना (२) भय या सख्त परिश्रमसे दस्त लग जाय ऐसी स्थिति
अघाववु स० क्रि० देखिये 'अघववु'
अघार स्त्री० बीट, चिड़ियाका मल
अघोर वि० भयानक अति घोर
अघोरी वि० सुस्त, निद्रालु अहदी (२) घिनौना (३) पु० अघोरी, अघोरपंथी साधु औघड
अचकवु अ० क्रि० अटकना, ठिठकना, रुकना [अचरज अचंभा
अचरज(-त) न०, (-ती) स्त्री०
अचबो पु० अचंभा, आश्चर्य, हैरत
अचानक अ० अचानक, यकायक
अचूक वि० अचूक, खाली न जानेवाला (२) अ० बिना चूके सही
अच्छेर पु० आधा सेर (कच्चा)
अच्छेरो पु० अधसेरा (कच्चा)
अछत स्त्री० कमी, न्यूनता
अछबडा पु० ब० व० छोटी माता, चेचकका एक प्रकार [जातिका
अछूत वि० अछूत, अस्पृश्य (२) अछूत
अछो अछो करवु, अछो अछो वानां करवां = लाड-प्यार करना, अक्खो-मक्खो करना (२) प्रेमपूर्वक आव-भगत करना
अछोडो पु० पघा (२) एक लड़कीकी गलेकी माला (३) घड़ीकी जंजीर या साँकल
अजगर पु० अजगर साँप
अजमायश स्त्री० आजमाइश, परीक्षा, अजमाइश [करना
अजमाववु स० क्रि० आजमाना, जाँच
अजमो पु० अजवायन [जो पचे नहीं
अजर वि० अजर, जरारहित (२)
अजरामर वि० अजर और अमर, अविनाशी, जरा मरणरहित
अजरो पु० अपच, बदहजमी, अजीर्ण
अजवाळवु स० क्रि० माँजना, रगड़कर उजला करना (२) उजाला करना (३) नाम रोशन करना (४) इज्जत बरबाद करना (व्यंगमें)
अजवाळियु न० शुक्ल पक्ष, उजाला पाख (२) रोशनदान
अजवाळी वि० स्त्री० चाँदनी रात
अजवाळु न० उजाला, प्रकाश, रोशनी
अजंप(-पो) पु० घबड़ाहट, अशान्ति, बेकरारी [अज्ञान
अजाण वि० अनजान नावाकिफ (२)
अजाणतां अ० अनजाने [अजनबी
अजाण्यु वि० अनजाना, अपरिचित,

अजायब वि० अजीब, आश्चर्यकारक
अजायबी स्त्री० आश्चर्य तअज्जुब
अजीठुं वि० जूठा (२) जिसमें खाया पिया गया हो (बरतन, चौका) (३) जूठनसे गंदा (४) न० जूठन
अजीरण न० अजीरन, बदहज़मी
अजीर्ण वि० अजीर्ण जो पचा न हो (२) न० अजीरन, अपच बदहज़मी
अजुक्त (–गतुं) वि० अनुचित अयुक्त नामुनासिब [लाजवाब
अजोड वि० बेजोड, अद्वितीय लासानी
अटक स्त्री० अटक रुकावट, बाधा (२) मुश्किल (३) शंका (४) हवालात हिरासत (५) टेकन (६) प्रतिज्ञा संकल्प (७) देखिये अडक¹
अटकचाळु वि० नटखट शरारती (२) न० शरारत नटखटी
अटकण वि० जो ठहरा रहे (२) स्त्री० न० टउकी टेकन (३) ठोकर (४) मशीनको चलाने या बंद करनेकी कल
अटकवुं अ०क्रि० अटकना रुकना थमना
अटकळ स्त्री० अटकल अंदाज़ा अनुमान
अटकायत स्त्री० रुकावट रोक अटकाव (२) हिरासतमें रखना
अटकायती वि० हवालातमें रखा हुआ नज़रबंद (कैदी)
अटकाव पु० अटकाव रुकावट अटक (२) अड़चन, बाधा (३) मासिक-धर्म
अटकाववुं स० क्रि० अटकाना रोकना
अटपटुं वि० अटपटा पेचीदा
अटवावुं अ०क्रि० भटकना (२) परामें उलझना (३) उलझनमें पड़ना
अटवावुं अ० क्रि० पिसना चूर होना (२) धुंटना पिलना

अटापटा पु०ब०व० रंगबिरंगी धारियाँ (२) पटा
अटामण न० पलेथन
अटारी स्त्री० अटारी, कोठा, झरोखा
अटारो (–रो) पु० अटाला कबाड़ (घरका टूटा फूटा सामान)
अटाळी स्त्री० देखिये अटारी
अटूलुं वि० अकेला, तनहा एकला
अटेरण न० अटेरन (सूत लपेटनेका साधन) [अटल
अटूल वि० पक्का पूरा (२) अडिग,
अट्टहास पु० न० अट्टहास्य न० अट्टहास जोरकी हँसी कहकहा
अठवाडिक वि० प्रति सप्ताह होनेवाला साप्ताहिक (२) न० साप्ताहिक पत्र
अठवाडियुं न० अठवारा सप्ताह हफ्ता
अठंग वि० चालाक उस्ताद चट
अठिंगण न० टेकन सहारा तकिया
अठिंगवुं स०क्रि० सहारा लेना उठंगना टेकना
अठिंगुं वि० हठी ज़िद्दी (२) मोटा
अठ्ठारका = यहां पडाव
अठ्ठाणुं (–णुं) वि० अठ्ठानबे ९८
अठ्ठावन वि० अठ्ठावन ५८ [२८
अठ्ठावीश (–स) वि० अठ्ठाईस अठ्ठाइस
अठ्ठोतेर वि० अठहत्तर अठत्तर ७८
अठ्यासी (–सी) वि० अठासी ८८
अडक स्त्री० उपनाम अल्ल जाति वा धंधे और रहनेकी जगह आदिके आधार पर रखा गया नाम
अडकवुं स०क्रि० छूना (२) अ०क्रि० अड़ना अटकना
अडकाडवुं स० क्रि० छुआना छुलाना
अडकाव पु० स्त्रीका रजस्वला होना
अडकावबुं स० क्रि० बंद करना, उठंगाना, ओठंगाना (८)

अडकावु अ० क्रि० रजस्वला होना (२) बद होना, लगना [अगल-बगल
अडखेपडखे अ० इद गिद, आस-पास,
अडग वि० दृढ, अडिग
अडचण स्त्री० अडचन, बाधा (२) मुश्किल (३) स्त्रीका रजस्वला होना
अडण न० चोरी थन
अडताळीस वि० अडतालीस, ४८
अडद पु० ब० व० उरद, उडद
अडदावो(-ळो) पु० कुटनेसे नरम होना (२) मारसे हड्डी पसलीका धुसना, हडफूटन (३) थक्कर चूर हो जाना । [-काढवो = काम या मारसे भरता बना देना, कचूमर निकालना, हल्वा निकालना । -नीकळवो = थक्कर चूर हो जाना हल्वा निकल जाना]
अडध वि० आधा
अडधियु न० अद्धा (तौल) (२) हाथीदाँतकी आधी चूडी (३) थोडे डिब्बाकी थोडी दूर जानेवाली रेल-गाडी, शटल
अडधु वि० आधा, नीम [बहुत
अडधुपडधु वि० लगभग आधा, थोडा
अडधो पु० अठन्नी
अडधोअडध वि० आधो-आध आधे आध
अडधोजी पु० अधेला, धेला
अडपलु वि० शरारती, नटखट (२) न० शरारत, छेडछाड, नटखटी
अडफ(-फे-फो)ट स्त्री० चपेट । [-मां आववु = किसीके साथ टक्करा जाना किसीकी ठोकर लगना, बीचमें आ जाना]
अडफाउ वि० फालतू, बेकार
अडबडियु न० चक्कर, लडखडाहट, लडखडी
अडबग वि० नादान (२) मूख, अविचारी
अडबोत (-थ) वि० गावदी, गँवार (२) स्त्री० धौल, चपत
अडबडियु न० देखिये 'अडबडियु'
अडवाणु वि० नगे पैर चलनेवाला
अडवु वि० बेहूदा, बेतुका, शोभाहीन (२) नगे पाँव चलनेवाला
अडवु स० क्रि० छूना (२) अटकना, अडना (३) घाटा या नुकसान होना (४) अ० क्रि० साथ होना (५) लगा रहना, -आरभ होकर जारी रहना (६) (घोडेका) अडना
अडसट्टे अ० अदाजन्
अडसट्टो पु० अदाजा, अनुमान
अडसठ वि० अडसठ, ६८
अडगो पु० अडगा (२) कुश्तीका एक दाँव
अडाउ वि० बिना बोये उगनेवाला, खुदरौ
अडाडवु स० क्रि० छुआना (२) धकेल देना, भीतर घुसेडना
अडायु न० कडा, गोईंठा
अडाववु स० क्रि० गप मारना (२) झूठ कहना (३) खूब खाना (४) घुसाना (५) धमकाना, डाँटना
अडाळी स्त्री० बरामदा, बारजा
अडाळीपडाळी-) स्त्री० आगे-पीछेका बरामदा
अडियल वि० अडियल
अडिगो पु० अड्डा, डेरा
अडीओपटी स्त्री० जडचन, सकट, जरूरतका वक्त, अडी
अडीखम वि० शूरवीर, हट्टा कट्टा
अडूकदडूकियु वि० दोनो पक्षोंमें रहने-वाला औडर (२) अस्थिर
अडोशपडोश पु० अडोस-पडोस

अड्डो पु० अड्डा (२) व्यापक असर [ला]
अडपु वि० रुका हुआ
अडपुलडपु वि० अटका या रुका हुआ
अडळक वि० बेशुमार ढेर, पुष्कळ
अढार वि० अठारह, १८
अढी वि० ढाई, २॥
अढोडम्पु वि० बौना (२) लुच्चा, बदमाश [ला] [उठंगना
अढेलवु स०क्रि० सहारा लेना टेकना,
अण नकार और निषेधसूचक उपसर्ग – अन, उदा० 'अनबन' (२) पु० का स्त्री० बनानेवाला प्रत्यय (३) क्रिया परस सज्ञा बनानेवाला प्रत्यय
अणआवड(०त) स्त्री० किसी चीजके न आनेका भाव, अज्ञान, अकौशल
अणकी स्त्री० खेलमें उलटा-सीधा बोलना रागटी
अणकू(–को)ट पु० अन्नकूट
अणखूट(–टपु) वि० अखूट
अणखेडपु वि० बिना जोता हुआ
अणगमतु वि० नापसद, अप्रिय
अणगमो पु० नापसदगी (२) अरुचि
अणघड वि० अनगढ अपढ, अशिक्षित
अणचियु वि० बेईमानी करनेवाला खेलमें रागटी खानेवाला
अणचितव्यु अणचितु(–व्यु) वि० अन चीता (२) आकस्मिक यकायक
अणची स्त्री० देखिय 'अणकी'
अणछतु वि० गुप्त छिपा हुआ
अणजाण वि० अनजान(२)स्त्री० अज्ञान
अणदीठ(–ठुं) वि० अनदेखा, अदृष्ट
अणधार्यु वि० यकायक अचानक बिना सोचा हुआ अचीता [झुका हुआ
अणनम वि० अडिग, जो न झुके न
अणपतीज स्त्री० अविश्वास
अणबनाव पु० अनबन, बिगाड, खटपट
अणमानीतु वि० अप्रिय
अणवर पु० शहबाला विनायक दुल्हा या दुल्हिनका साथी [अल्हडपन
अणसमज(०ण) स्त्री० बेसमझ,
अणसमजणु, अणसमजु वि० बेसमझ, नादान अनाडी
अणसार पु० समानताका या सादृश्यका अश (२) सूक्ष्म असर [भनक आहट
अणसार(–रो) पु० इशारा, सकेत (२)
अणि स्त्री० अनी, नोक (२) घाटी, शिखर (३) अत सिरा (४) सकटकी स्थिति, अडी
अणिदार वि० नोकदार नुकीला
अणियाळु वि० नोकदार नुकीला
अणियु न० लेखनीकी नोक, टॉक
अणिशुद्ध वि० समूचा अखडित (२) सपूर्ण दोषरहित
अणी स्त्री० अणीदार वि० अणीशुद्ध वि० देखिय 'अणि' आदिमें
अणुमात्र वि० बिल्कुल थोडा लेशमात्र
अणू(–णो)जो पु० कारीगरोकी छुट्टीका दिन अझा, छुट्टी [मिजाजी
अतडु वि० मिलनसार नही ऐसा,
अतरडो पु० बढईका एक औजार, रेती
अताग वि० अथाह
अतूट वि० अटूट अखड
अतोभ्रष्ट ततोभ्रष्ट वि० न घरका न घाटका, कहीका न रहनेवाला
अत्तर न० इत्र अतर
अत्तरघडी अ० अब ही
अत्तरदानी स्त्री० अतरदान इत्रदान
अत्तरपगले अ० देखिये अत्तरघडी
अत्यार स्त्री० चालू समय, वर्तमान काल
अत्यारे अ० अभी फिलहाल, हाल ही

अत्रे अ० यहाँ
अथडाअथडी स्त्री० बेकार घूमना, आवारागर्दी (२) टक्कर (३) लड़ाई
अथडामण(-णी) स्त्री० मुठभेड टक्कर (२) आवारागर्दी
अथडावु अ०क्रि० टकराना, भिड जाना (२) भटकना (३) व्यर्थ कोशिश करना [ला] (४) तकरार होना
अथवा अ० अथवा या, ख्वाह
अथाक वि० अथक
अथाग(-ग) वि० अथाह बेहद
अथाणु न० अथाना, अचार, सधाना
अदकु वि० अधिक, ज्यादह, विशेष
अदना(-नु) वि० अदना, तुच्छ
अदब स्त्री० अदब, विवेक, शिष्टाचार (२) दाना हाथ कोहनीमेंसे मोडकर आमने-सामने कोहनीके पास रखनेकी विनय-सूचक एक मुद्रा
अदबद वि० अनिश्चित
अदबसर अ० विनयपूर्वक, लिहाजसे
अदल वि० सही । [-नो काटो = सच्चा न्याय । -नो घट = पुराने जमानेमें इन्साफ चाहनेवाले फरियादी के लिए लगा हुआ घंटा]
अदलबदल अ० रद्द-बदल फेरफार
अदलाबदली स्त्री० अदलोबदलो पु० अदला-बदला, हेर-फेर
अदा स्त्री० अदा नखरा चेष्टा (२)हाव भाव अदा (३) अ० चुकता बेबाक
अदालत स्त्री० अदालत, न्यायालय
अदावत स्त्री० अनबन, वैर
अदावतियु वि० अदावती अदावत रखनेवाला [हुआ अदीठ [प]
अदीठ (-ठु) वि० अनदेखा, न देखा
अदूगडु वि० देखिये 'अधूकडु'

अदेखाई स्त्री० डाह ईर्ष्या [ईर्ष्यालु
अदेखियु, अदेखु वि० अदेखी, डाही,
अद्दल अ० सही, बराबर
अध वि० अर्ध, आधा, अध (समासमें)
अधकचरु वि० अधकुटा (२) कच्चा पक्का (३) कच्चा समझवाला [ला]
अधखोलु वि० अधखुला
अधडूकु वि० देखिये 'अधूकडु'
अधधध अ० अहाहा [(कच्चा)
अधमण न० मनका आधा भाग, अधमन
अधमणियो, अधमणीको पु० अधमनका बाट (कच्चा)
अधमूउ वि० अधमरा, अधमुआ
अधरात स्त्री० अधरात, आधी रात (२) जरूरतका वक्त
अधरात मधरात अ० आधी रातका, बहुत रात बीते – जब चाहे तब (२) ऐन या जरूरतके वक्त
अधवच स्त्री० मध्य, बीच (२) अ० अधबीच बीचमें (३) समाप्तिसे पहले
अधवचाळ अ० देखिये 'अधवच'
अधवधरु वि० कच्ची समझवाला
अधवारवु अ०क्रि० आधा होना, (२) स०क्रि० आधे-आध करना, अधियाना
अधवारु न० अधियारी, अधियार (२) दो जगह पर भाग करके रहना
अधाधध, अधाधु(-घू)ध(-धी) स्त्री० देखिये अधाधूधी
अधिकार पु० अधिकार, सत्ता, हुकूमत (२) पद (३) लियाकत पात्रता (४) हक (५) प्रकरण
अधिवेशन न० अधिवेशन, बैठक
अधीराई स्त्री०, अधीरापणु न० अधीरता, उतावली
अधीरु वि० अधीर, धैर्यरहित, उतावला

अधूकडुं वि० जो उकडूं बैठा हो
अधूरं वि० अधूरा बाकी। [-मां पूरु = बिगड हुए कामको और बिगाडना तुर्रा यह कि। अधूरे आवयु, अवतरयु, जन्मवु = पूरे समयसे पहले ही जन्म होना। अधूरे जवु = अधूरा जाना हमल गिरना, रुका जाना। अधूरो घडो छलकावो = अधजल गगरी छलकत जाय अनाविकाका भानी होनेका घमंड करना]
अधेली स्त्री० अधली अठन्नी
अधेलो पु० अधला धेला
अधोतुं न० बरता हुआ या जीर्ण वस्त्र
अधोठ न० आधी छटाँक (कच्ची)
अधोळ न० आधी छटाँक (कच्ची)
अध्धर अ० अंतरिक्षमें हवामें लटकता (२) अनिश्चित
अध्धरताल अ० लटकता अनिश्चित
अध्धर-पध्धर अ० बिलकुल अंतरिक्षमें
अननास न० अनन्नास
अनशन न० अनशन आहारका त्याग
अनहद वि० बहद असीम
अनाज न० अनाज नाज
अनाड पु० बिगाड नुकसान (२) अडचन (३) वि० देखिये अनाडी'
अनाडी वि० गँवार मूर्ख (२) जिद्दी हठी
अनाथ वि० अनाथ निराधार (२) स्त्री० गरीबी कंगालियत
अनाम वि० अनाम बगैर नामका (२) अप्रसिद्ध (३) अवर्णनीय (४) पु० परमेश्वर
अनामत स्त्री० न० अमानत थाती
अनामी वि० (२) पु० देखिये अनाम' (३) स्त्री० अरथी
अनार न० अनार

अनावड, अनावडत स्त्री० किसी चीजके न आनेका भाव अकौशल अनभिज्ञता
अनुकूल(-ळ) वि० अनुकूल(२)हितकर
अनुक्रम पु० अनुक्रम सिलसिला
अनुक्रमणिका, अनुक्रमणी स्त्री० अनुक्रमणी, विषय सूची
अनुप वि० बेजोड अनुपम, लासानी
अनुबंध पु० अनवय, संबंध
अनुभव पु० अनुभव, प्रत्यक्ष ज्ञान, तजरबा
अनुभववु स० क्रि० अनुभव करना, मालूम करना या होना
अनुरूप वि० अनुरूप, योग्य, लायक
अनुलक्षवु स० क्रि० लक्ष्यमें रखना
अनुवाद पु० कही हुई बातको दोबारा कहना (२) अनुवाद तरजुमा
अनुसंधान न० अनुसंधान पहले आई हुई बातके साथ संबद्ध बात (२) योग्य संबंध (३) जाँच-पड़ताल
अनुसार अ० अनुसार मुताबिक
अने (नें) अ० और तथा
अनेनास न० देखिये 'अननास
अनेरु वि० निराला (२) अपूर्व अनोखा
अनोखुं वि० अनोखा अनूठा
अन्न न० अन्न खुराक
अन्नजल अन्नजळ न० अन्न-जल दाना पानी (२) लेना-देना किस्मत [ला]
अन्नपाणी न० अन्नजल खाना-पीना, गुजारेका साधन [मुकत
अन्नयु वि० देखिये अणचिंतु अन्याय
अन्वये अ० अनुसार मुताबिक
अपचो पु० अपच बदहजमी अजीर्ण
अपजश, अपजस पु० अपजस अपयश बदनामी
अपढ वि० अपढ अनपढ़

अपनाववु स० क्रि० अपनाना, अपना बना लेना या मानना [(३) सौत न

अपर वि० दूसरा, भिन्न (२) पीछेका

अपर मा, अपर माता स्त्री० सौतेली माँ

अपरपार वि० अपार [(२) पाप

अपराध पु० अपराध, दोष गुनाह जुर्म

अपलक्षण न० अपलक्षण (२) दुराचरण

अपवाद पु० अपवाद (२) निंदा, लाछन ऐब। [-बेसवो, लागवो =ऐब लगना]

अपवास पु० उपवास, फाका

अपशुकन पु० अपशकुन, असगुन

अपशुकनियाळ, अपशुकनियु वि० बद शगुन, मनहूस अशुभ

अपंग वि० अपंग, पंगु, अंगहीन (२) लाचार [ला] [रहनेका स्थान

अपासरो वि० उपाश्रय जैन साधुओंके

अपील स्त्री० अपील, साग्रह प्रार्थना (२) निचली अदालतके फैसले पर पुनर्विचार करनेके लिए दरख्वास्त (३) चंदेके लिए प्रार्थना। [-करवु =दिल पर असर हो इस प्रकार विनती करना। -थवु = दिल पर असर करना जँचना। -मां जवु =अपील अदालतमें अपील करना]

अपील कोर्ट स्त्री० अपील अदालत

अपूरतु वि० अपर्याप्त जो काफी न हो

अपूर्णांक पु० पूर्ण संख्यासे कम संख्या, भिन्न [ग]

अपोशण अपोशण न० भोजनके प्रारंभ तथा अंतमें किया जाता आचमन (२) भोजनके प्रारंभमें थोडा भात परोसा जाता है वह

अप्रिय वि० अप्रिय (२) न० अनिष्ट

अफघान वि० (२) पु० अफगान काबुली

अफर वि० निश्चित, अटल

अफरावु अ० क्रि० अफरना

अफलातून पु० अफलातून, प्लेटो (२) वि० सुंदर

अफवा स्त्री० अफवा, अफवाह, गप

अफळावु अ० क्रि० टकराना, भिडना

अफाट वि० (२) अ० बहुत विशाल, अस्खलित [(चाज)

अफाळवु स० क्रि० टकराना पटकना

अफीण न० अफीम, अफ्यून

अफीणियु, अफीणी वि० अफीमी, अफीमची (२) सुस्त, आल्सी

अबघडी अ० अभी, इसी क्षण, फौरन्

अबज वि० (२) पु० अब्ज अरब

अबतर वि० खराब बिगडा हुआ

अबधूत पु० अवधूत (२) वि० मस्त

अबनूस न० आबनूस

अबरक, अबरख न० अबरक

अबला, अबळा वि० स्त्री० अल्प बलवाली (२) स्त्री० अबला स्त्री

अबळखा स्त्री०, अबळखो पु० इच्छा, अरमान, चाव (२) गर्भिणीकी इच्छा, दोहद बिराँय

अबाब पु० लग्न आदि अवसर पर लेन-देनकी तय हुई बात (२) नेग-दस्तूर

अबी अ० अभी, इसी क्षण

अबीर, अबील न० अबीर

अबुध वि० अबोध नासमझ (२) मूर्ख (३) अल्हड

अबूज वि० नाकदर

अबूझ वि० देखिये 'अबुध'

अबे अ० अबे, अरे (तिरस्कारसूचक)

अबेतबे करवु = अबेतबे करना

अबोला पु० ब० व० वरको खिलाये जानेवाले खाजे (२) अरुचि, अनिच्छा।

[अबोले पडवु = (किसी चीज पर) अरुचि पदा होना]

अबोट पु० चौका लगाना (२) बिना स्नान किये जहाँ जाया या छूआ न जाये एसी जगह चौका

अबोटियु न० खाना पकाने या खाने समय पहननेका रेशम सन या ऊनका वस्त्र

अबोध वि० देखिये 'अबुध'

अबोल वि० जो बोला न जा सके (२) अबोल गूंगा चुप (३) बेहोश

अबोला पु० ब० व० अबोला

अब्बा पु० अब्बा बाप

अम्मा स्त्री० माँ (२) बूढ़ी स्त्री (३) फूफू-फुफ्फा (सलमें)

अब्बाजान पु० अब्बाजान पिताजी

अभक्षाभक्ष पु० देखिये 'अभक्ष्यभक्षण

अभक्ष्यभक्षण न० निषिद्ध आहार करना मांसाहार करना

अभडावु अ० क्रि० छूत लगना (२) स्त्रीका रजस्वला होना, कपडासे होना

अभण वि० अनपढ़ निरक्षर

अभरखो पु० देखिये 'अबळखा'

अभराई स्त्री० टांड परछती । [-उपर चढावबु मूकवु=(काममेंसे या विचार मेंसे) दूर करना अलग रखना ध्यान न देना]

अभरे भरवु = समृद्ध करना खूब भरना

अभागण अभागणी वि०स्त्री०अभागिनी

अभागियु वि० देखिये 'अभागी'

अभागी वि० अभागी कमनसीब, अभागा (२) जायदादमें हिस्सा पानेका अनधिकारी अभागी

अभावा पु० ब० व० गर्भिणीकी अभि लाषा दोहद बिराँय

अभावो पु० अरुचि

अभिनंदन न० अभिनंदन, धन्यवाद, बधाई (२) अनुमति (३) स्तुति

अभिनंदवु स० क्रि० अभिनंदन करना, बधाई देना (२) अ० क्रि० आनंदित होना

अभिनेता पु० अभिनेता नट

अभिप्राय पु० अभिप्राय राय (२) हेतु, मतलब आशय

अभिलाख पु० अभिलाष मनोकामना (२) उत्कट इच्छा

अभिलाष पु० अभिलाषा स्त्री० अभिलाष अभिलाषा

अभिलाषी वि० अभिलाषी

अभिवदन न० अभिवंदना स्त्री० अभिवंदन अभिवंदना नमस्कार (२) देवकी आरती भस्म वगैरह लेना

अभिवृद्धि स्त्री० अभिवृद्धि बढ़ती (२) उन्नति

अभ्यास पु० अभ्यास पढ़ाई (२) पुनरावृत्ति (३) अभ्यास आदत, मुहावरा । [-पडवो = मुहावरा या अभ्यास हो जाना आदी होना (२) बीचमें मुहावरा छूट जाना (३) बीचमें पढ़ाई रुक जाना]

अभ्यासी वि० अभ्यासी अभ्यस्त, आदी (२) उद्यमी (३) पु० विद्यार्थी (४) पंडित

अभ्रक न० अभ्रक अबरक

अमथु वि० व्यर्थ (२) अकारण, बिलावजह (३) मुफ्तका

अमन न० अमन शान्ति (२) सुख चैन

अमनचमन न० अमन-चैन सुख शांति

अमरपटो पु० अमरपट्टा वरदान या पट्टा । [-लईने, लखावीने आववु = अमर होकर जन्मना या अमर होना]

अमरवेल स्त्री० अमरवेल, अकासबेल
अमराई स्त्री० अमराई, आमका बाग
अमल, अमळ वि० अमल, निर्मल, शुद्ध
अमल पु० अमल, सत्ता, अधिकार (२) हुकूमत, शासन, व्यवस्था (३) अमल, नशा या नशीली चीज, अफीम (४) समयका शुमार (५) व्यवहारमें लाना। [–ऊतरवो=सत्ता या नशेका दूर होना। –करवु अमल करना, आचरण करना। –करवो=अमल-पानी करना। –चडवो = नशा छाना। –थवो = अमल दर-आमद होना। –मां आणवु, मूकवु, लाववु = –का अमल करना कार्यमें लाना]
अमलदार पु० अमलदार, अधिकारी
अमलदारी स्त्री० अधिकारीका काम या पद
अमलपाणी न० अफीम-पानी
अमस्तुं अमस्तु वि० देखिये 'अमथु'
अमळाट पु० ऐंठन, रस्सी आदिकी ऐंठन, बट (२) पेटमें ऐंठन, मरोड (३) बल लचक (४) मिजाज (५) बर
अमळावु अ० क्रि० ऐंठा जाना, बल खाना (२) पेटमें दुखना मरोड आना (३) दिल दुखना [दुर्भाग्य
अमगल, अमगळ वि० अमगल (२) न० अमात्य पु० अमात्य, मन्त्री, वजीर
अमाव (–वा) स्या, अमास स्त्री० अमावस, अमावास्या, मावस
अमी न० अमृत अमी [प] (२) मिठास (३) कृपा (४) थूक (५) (जमीनका) रस और कस
अमीट वि० अनिमेष
अमीदृष्टि, अमीनजर स्त्री० दयादृष्टि, कृपा, मेहरबानी
अमीन वि० अमीन, विश्वसनीय (२) पु० एक अल्ल (३) अभिभावक, ट्रस्टी (४) पच, मध्यस्थ (५) गाँवका बडा हाकिम, अमान
अमीनिधि पु० अमृतका भडार (२) चन्द्र
अमीर पु० अमीर, सरदार (२) अफगानिस्तानके राजाकी उपाधि (३) अमीर रईस, धनी व्यक्ति
अमीरस पु० अमृत रस, सुधा
अमीराई, अमीरात स्त्री० अमीरी, दौलतमदी (२) अमीर-वृत्ति, अमीरी
अमीरी वि० अमीरके जैसा, अमीराना (२) स्त्री० अमीरी
अमुक वि० अमुक, फलाँ (२) अनिश्चित (३) स० अमुक, ढिमका
अमुक तमुक वि० अमुक-अमुक, फलाँ फलाँ [उद्विग्न होना
अमुझावु अ० क्रि० घबराना, अकुलाना,
अमूलख, अमूलु वि० देखिये 'अमूल्य'
अमूल्य वि० अमूल्य, अनमोल, बहुमूल्य
अमूझण स्त्री० घबडाहट
अमूझावु अ० क्रि० देखिये 'अमुझावु
अमृत वि० अमृत (२) अमर (३) न० अमृत रस
अमोल, अमोलु वि० देखिये 'अमूल्य
अयोग्य वि० अयोग्य, नामुनासिब (२) नाकाबिल
अरक पु० अर्क, सत्त्व
अरगजो पु० अरगजा [फरियाद
अरज स्त्री० अर्ज निवेदन प्रार्थना (२)
अरजदार वि० अर्ज करनेवाला, फरियादी
अरजी स्त्री० अरजी, निवेदन फ़रियाद (२) अर्जी, प्रार्थना-पत्र, अरज़ी
अरडूसी स्त्री० अडूसा

अरणि, अरणी स्त्री० अरनी, अर्णि
अरधु वि० देखिये 'अडधु [बहुत
अरधुपरधु वि० लगभग आधा थोडा
अरधोअरध वि० आधो-आध आध-आध
अरब पु० अरब (देश), अरबिस्तान (२) अरब निवासी अरब
अरबी वि० अरबी, अरब देशका (२) अरब निवासीसे सबद्ध (३) स्त्री० अरबी अरबकी भाषा
अरमान स्त्री० अरमान अभिलाषा
अरमार स्त्री० जहाज़ी बडा नौसेना
अरर अ० अरर, अहह
अरसपरस अ० आपसमें परस्पर
अरसो पु० अरसा (२) मौका
अराजक वि० अराजक, बिना राजाका (२) न० राजाका न होना अराजक (३) अधाधुध अव्यवस्था
अराजकता स्त्री० अराजकता अव्यवस्था, अधाधुध
अरीठी स्त्री० रीठी (पेड)
अरीठु न० अरीठा रीठा
अरीसो पु० अरीसा आईना शीशा
अरुचतु वि० अरुचिकर नापसद
अरुचि स्त्री० अरुचि अनिच्छा नफरत (२) भूख न लगना अरुचि
अरुणु वि० अरुण लाल रगका
अरुपरु अ० इधर उधर, आगे-पीछे
अरे अ० अरे (२) स्त्री० हाय, दु खकी पुकार (३) चिंता फिक्र
अरेराट पु० अरेराटी स्त्री० दु ख या चिंता होना
अर्घ्य वि० अर्घ्य मूल्यवान(२)पूजनीय अर्घ्य (३) ० पूजा सम्मान। [-आपवु = (पुजापा लेकर) पूजना (२) पायमाल करना (व्यग्यमें)]
अर्थ पु० अर्थ हेतु (२) अर्थ मानी (३) गरज, प्रयोजन (४) धन सपत्ति अर्थ। [-आववु = काममें आना, सहायक होना। -बेसवो = बराबर अर्थ होना समझमें आना। -बसाडवो = अर्थ बठाना। -सरवो=हेतु सिद्ध होना, अर्थ सरना काम चलना] [तत्रकी व्यवस्था
अर्थकारण न० अर्थव्यवस्था, आर्थिक
अर्थघन वि० अर्थपूर्ण
अर्थतत्र न० अर्थव्यवस्था
अर्थे अ० लिए, वास्ते
अर्ध वि० अर्ध आधा नीम (२) न० एक चीज़के दो समान हिस्सोंमेंसे एक
अर्धगोळ पु० गोलार्ध (२) वि० अर्ध गोलाकार
अर्धदग्ध वि० अर्धदग्ध अधजला (२) अधकचरा अधूरे ज्ञानवाला
अर्धविराम न० अर्धविराम
अर्पवु स० क्रि० अर्पण करना (२) भेंटके रूपमें देना [स्त्रियोंकी चोटी
अलक पु० अलक लट ज़ुल्फ (२)
अलकमलक पु० देश विदेश
अलग वि० अलग जुदा (२) दूर
अलगार स्त्री० पक्ति कतार
अलड(ल) वि० देखिये अल्लड
अलफाउ वि० निकम्मा फ़ालतू
अलबत(-त्त-त्तो) अ० अलबत्ता
अलबेलु वि० अलबेला बाँका (२) आशिक
अलमस्त वि० अलमस्त मौजी, मस्त (२) ज़ोरावर हट्टा-कट्टा
अलमारी स्त्री० अल्मारी, आल्मारी (२) कई खानावाला ताखा या आला
अलवण वि० अलोना
अलाणवु अ० क्रि० (झटका) बलबलाना

अलाणी स्त्री० मोट खींचनेवाले बलके आने-जानेके लिए कुँएके पास बनाया हुआ ढाल, नची
अलावला स्त्री० बला, प्रेम-बाधा
अलायदु(ला') वि० अलहदा अलग
अली स्त्री० अली सखी (२) अ० एक स्त्रीवाचक संबोधन, अरी
अलूणां न०ब०व० अलोना-व्रतके दिन
अलूणु वि० अलोना (२) न० अलोना रहना (व्रत) [होना, अनशन
अलेणाभाव पु०, अलेणु न० लेन-देन न
अलेलु (ले') वि० अल्हड नासमझ
अलेलटप्पु वि० अललटप्पू, अटकलपच्चू
अलयां बलयां न०ब०व० बलायें लेना
अलोप वि० अलोप, नदारद
अल्प वि० अल्प तुच्छ थोडा
अल्पविराम न० अल्पविराम
अल्या, अल्यो अ० अबे
अल्लड (ल') वि० अल्हड नासमझ (२) उच्छृंखल
अल्ला पु० अल्ला, अल्लाह खुदा। [-नी गाय,गावडी = गरीब स्वभावका मनुष्य अल्लाह मियाँकी गाय]
अवक्रा (-ळा) स्त्री० देखिये 'अवक्रिया'
अवकळा स्त्री० व्याकुलता, बेकली (२) उल्टा असर
अवकाश पु० अवकाश खाली जगह (२) मौका (३) क्षेत्र (४) फुरसत
अवक्रिया स्त्री० उल्टा असर नुकसान
अवगणना स्त्री० अवगणना अवज्ञा
अवगणवु स०क्रि० गिनतीमें न लेना, उपेक्षा करना
अवगतिक, अवगतियु वि० मरनेके बाद भूत प्रेत होनेवाला (२) नरकमें पडनेवाला, अधोगामी

अवगुण पु० अवगुण, दोष, दुर्गुण (२)हानि(३)अपकार [दुर्गुणी
अवगुणियु, अवगुणी वि० कृतघ्न (२)
अवजोग पु० दुर्योग, अशुभ मुहूर्त
अवड(व) वि० खाली, जो मुद्दतसे काममें न लाया गया हो, अव्यवहृत
अवतरण न० अवतरण नीचे उतरना (२) अवतार, जन्म (३) ढलवाँ उतार (४) अवतरण, उद्धरण
अवतरण चिह्न न० अवतरण चिह्न, ( ) ऐसा चिह्न [जन्म लेना
अवतरवु अ०क्रि० नीचे उतरना (२)
अवतार पु० नीचे उतरना, अवतार (२) जन्म देहधारण (३) जिन्दगी (४) देव या ईश्वरका अवतार
अवतारी वि० अवतारी (२) दैवी, ईश्वरी
अवध (ध,) स्त्री० देखिये 'अवधि'
अवधि पु०, स्त्री० अवधि हद (२) अंत (३) नियत काल, मीयाद
अवनवु वि० अभिनव नया(२)अद्भुत
अवयव, पु० अवयव(२)वस्तुका विभाग, अंग(३)साधन(४) 'फैक्टर' [ग]
अवरजवर पु०, स्त्री० आना-जाना
अवल वि० अव्वल, पहला (२) उत्तम
अवलकारकुन पु० मुख्य कारकुन
अवल मजल स्त्री० (पारसियोंकी) उत्तरक्रिया
अवलबवु स०क्रि० (किसीका)सहारा या आधार लेना (२) अ०क्रि० लटकना
अवलबित वि० अवलबित आश्रित (२) लटकता हुआ [शुकन'
अवश(-प)कन पु० देखिये 'अप
अवस्था स्त्री० अवस्था, हालत, दशा (२)आयुष्यके चार अंश अवस्थाए (३) बुढापा

अवहेलन न०,अवहेलना, अवहेला स्त्री० अवहेलना अवहेला, अनादर
अवळचडाई स्त्री० शरारत
अवळचडु वि० कहे इगम उल्टा करनेवाला (२) शरारती (३) उल्टी खोपडीका
अवळवाणी स्त्री० उल्ट-बाँसी गूढ़ बानी (२) उल्टा बोलना (३) अशुभ बानी
अवळसवळ अ० उलटा-साधा उल्टा पलटा
अवळासवळी स्त्री० एक बल (२) अ० उलटा-पुल्टा या उलटा-सीधा
अवळु वि० उल्टा, औंधा (२) टेढ़ा आडा (३) विपरीत। [अवळा करवा के थवा = घाटा उठाना या होना कसर खाना। अवळा पाटा बांधवा = गलत समझाना भ्रममें डालना उलटी पट्टी पढ़ाना। अवळा पूर्जेला = गत जन्ममें पाप किये हुए होगे। अवळे हाथे देवो = जोरसे चपत लगाना]
अवळुसवळु वि० उल्टा पलटा
अवाज पु० आवाज ध्वनि, शब्द (२) आवाज स्वर
अवाडु न० खोरी थन
अवाडो(वा) पु० देखिये 'हवाडो'
अवारनवार अ० कभी कभार कभी कभी (२) बारी-बारीसे
अवावरु वि० देखिये अवड
अवाळु पु० न० मसूडा मसूढा
अविचारी वि० अविचारी विवेकहीन (२) उतावला [(२) पैसा पूजी
अवेज पु० एवज बदला मुआवजा
अवेजी वि० बदलेमें काम करनेवाला एवजी (२) स्त्री० एवजी होनेका भाव

अवेर (वॅ) न० वैरका अभाव प्रेम
अवेर पु० निगरानी, कावू (२) विवेका उपयोग, सुव्यवस्था (३) मितव्ययिता किफायत (४) सॅभालना [रखना
अवेरवु स०क्रि० सभालना सुव्यवस्थित
अशक्य वि० अशक्य, नामुमकिन
अशनाई स्त्री० आशनाई (२) प्रेम
अशरफी स्त्री०अशरफी (सोनेकी) मुहर
अशराफ वि० शरीफ
अषाड(-ढ) पु० असाढ़
अष्टकल्याणी वि० आठ शुभ लक्षणों वाला (अश्व जिसके चारों पाँव ललाट सीना, कधा और पूछ सफेद हो)
अष्टकोण वि० (२) पु० अष्टकोण
अष्टपष्ट अ० उलटा-सीधा सही-गलत
असल वि० असल असली मूल (२) पुराना (३) उत्तम (४) सही असल खालिस (५) अ० पहले [पुराना
असलनु, असली वि० असली आगेका
असवार पु०सवार घुड़सवार(२)सिपाही
असवारी स्त्री० सवारी
असहकार पु० असहयोग (२) ब्रिटिश शासनका सहयोग न देनेके लिए गाधीजी द्वारा चलाये गये आंदोलनका नाम
असाड पु० देखिये 'अषाड'
असावध, असावधान वि० असावधान गाफिल बेखबर
असीम वि० असीम बेहद, अपार
असील वि० असील खानदानी (२) भला असील (३) पु० मुवक्किल
असूम वि० जो कंजूस न हो, उदार
असूर, असूरु अ० देरसे विलंबस
असेंमसे अ० किसी भी मिस या बहाने
अस्तर न० अस्तर

अस्तरो, अस्त्रो पु० उस्तुरा, अस्तुरा, उस्तरा
अहसान न० देखिये 'अहेशान'
अहालेक पु० अलख
अहित न० अहित, अकल्याण (२) हानि
अहीर पु० अहीर, ग्वाला आभीर
अहीं अ० यहा अत्र, इधर
अहींतहीं अ० इधर उधर
अहींया अ० यहाँ, इधर
अहेवाल पु० अहवाल, वृत्तात
अहेशान न० एहसान, आभार [कृतज्ञ
अहेशानमद वि० अहसानमद, आभारी,
अहोभाग्य न० बडा भाग्य, खुश-नसीबी
अहोहो अ० अहह
अळखामणु वि० अप्रिय
अळगु वि० अलग, दूर (२) न्यारा, निराला (३) न० रजोदशन
अळतो पु० अलता, महावर (२) मेहँदीका लोदा [ला]
अळवी स्त्री० अरवी, घुइयाँ
अळवीतरु वि० तूफानी ऊधमी (२) न० तूफान
अळशियु, अळसियु न० अलसीका तेल
अळशी स्त्री० अलसी
अळसियु न० केंचुआ गिंजाई [घाम
अळाई स्त्री० अम्हौरी, गरमी-दाना
अक पु० अक चिह्न, छाप, निशान (२) सख्याका चिह्न, अक (३) दाग़ कलक (चद्रमें) (४) गोद, अक (५) नाटकका एक भाग, अक
अकगणित न० अकगणित
अके अ० अकामें [जकडकर
अकोडाबध अ० शृखलाबद्ध रीतसे (२)
अकोडी स्त्री० अँकुडी, लग्गी (२) लग्गी, लक्सी (३) कँटिया
अकोडो पु० अकुडा, जजीरका आँकडा (२) अकुडा, हुक (३) सँडसा
अग न० अग शरीर (२) अवयव (३) भाग (४) खुद, आप। [-तळे घालवु = किसीकी कोई वस्तु हडपना, दबा बठना, हज़म करना। -तूटवु = देह टूटना, अग टूटना, अँगडाई। -तोडवु = खूब मेहनत करना। -भराई आववु, जवु = (थकावट या मेहनत-मजदूरीसे) शरीरका जकडना या दुखना। -भरावु = देहके जकडनेका असर मालूम होना ज्वरके लक्षण दिखाई देना। -भारे थवु = शरीरका बोझ बढना, मस्ती या सुस्ती आना]
अगउधार वि० (२) अ० हाथ-उधार
अगकसरत स्त्री० कसरत, व्यायाम
अगत वि० खानगी, निजी
अगतु वि० निजका, खानगी (२) विश्वासी (३) नजदीकी (सगा)
अगमहेनत स्त्री० शारीरिक श्रम
अगमोडा पु० ब० व० अँगडाई आना, देहका टूटना
अगरखु न०, अगरखो पु० अँगरखा
अगवस्त्र न० उपरना (२) रखेली [ला]
अगार पु० अग्नि (२) अगार अगारा (३) जलन (४) कपूत [ला]। [अगारा ऊठवा = अगारा पर लोटना, खूब अखरना]
अगारवायु पु० कार्बोलिक एसिड गस'
अगारी स्त्री० अगारी, चिनगारी (२) अँगीठी
अगारो पु० देखिये 'अगार'
अगियु न० झगा [आस्तीनकी)
अगियो पु० अगिया, चोली (बिना

अगुर न० पु० अगूर (धावका)
अगुल पु० अगुल (२) उगली अगुस्त
अगुलि(-ली)निर्देश पु० अगुल्यादेश
अगूछो पु० अगोछा गमछा
अगूठी स्त्री० परके अगूठमें पहननका स्त्रियाका एक गहना ( ) अगुस्ताना
अगूठो पु० अगूठा। [**अगूठा पकडवा** =खर हो नीचे झुककर परके अगूठ पकडना एसा करनकी सजा होना (२) आगके लिए सीख ग्रहण करना गुनाह कबूल करके उसमस नसीहत पाना [ला] । **अगूठ कमाड ठलवु** = किसीको मालूम न हो इस तरह कोई काम करना या किसीकी मदद करना । -**आपवो करी आपवो पाडवो**= (दस्तावेज़ आदिमें) अगूठका निशान लगाना (२) दस्तखत करना मजर रखना । -**देखाडवो बतावयो**=ठगा अगूठा दिखाना]
अगूर स्त्री० अगूर
अगे अ० -की बाबत -के बारेमें
अगेअग अ० अग अगमें
अग्रेज पु० अगरज अँग्रेज़
अघोळ न० स्नान
अघोळवु अ०क्रि० नहाना
अचाळियु न० नहानका पानी गरम कर नेका पात्र (२) नहान बठनका पीढा
अचई स्त्री० रोगकी बईमानी (खल्म)
अचळवो अचठो पु० बच्चाके ओढनके काम आनवाला बहुरगी रूमाल (२) तेलमें डुबाकर सुलगाई हुई रस्सी
अजन न० अजन काजल (२) एक वृक्ष
अजळ अजळपाणी न० दाखिय अन्नजल
अजाम पु० अजाम अत (२) परिणाम
अजाववु स० क्रि० अँजाना अँजवाना
अजावु अ० क्रि० चौंधियाना (२) किसीसे प्रभावित हो जाना (३) आजवु क्रियाका कर्मणिरूप
अजीर न० अजीर (फल और पेड)
अजुमन न० अजुमन सभा मजलिस
अटस पु० आट कट्टर वर
अटोळकाटलु न० खोटा बाट (२) आवारा आदमी [ला]
अडळ वि० बिना मेहनतका हरामका
अडळगडळ वि० अड-बड झूठ-सच
अतर वि० अतर भीतरका (२) नज़दीकी (३) न० भीतरका हिस्सा (४) अत करण मन दिल (५) अवकाश फासला अतर (६) बीचका समय (७) फर्क अतर (८) भेद जुदाई (९) समासके अतमें अन्य या बीजु एस अर्थम उदा० रूपातर (१०) स्त्री० (खबर के साथमें) आतरिक समाचार। [-**खोलवु**=दिल खोलना (२) मनकी बात साफ साफ बता देना । -**पडवु**=अतर पडना (२) फर्क होना (३) जुदाईका भाव पदा होना]
अतरछाल स्त्री० अतरछाल
अतरजामी वि० अतरजामी अतर्यामी (२) पु० परमात्मा
अतरपट न० अतरपट परदा
अतरवेल स्त्री० अमरवल
अतरस न० पानी या खराकका श्वास नलिकामें घुस जाना
अतरग वि० अतरग नजदीकी भीतरी (२) आत्मीय दिली (३) विश्वसनीय (४) न० अन्दरका हिस्सा अतराल
अतराई स्त्री० अतर फासला (२) जुदाई
अतराय पु० अतराय विघ्न बाधा

अतराल न० अतराल, बीचकी जगह (२) अतर, फासला (३) अवकाश, जगह
अतरावु अ०क्रि० रुकना, घिरना, फँसना
अतराळ न० देखिये 'अतराल'
अतरियाळ अ० अधर, अतरीक्षमें
अतरो पु० अतरा ध्रुपदके तीन हिस्सामेंसे दूसरा, ध्रुपदके बाद आनेवाली हर एक टेक
अतवेळा स्त्री० अतकाल
अतिम वि० अतिम आखिरी
अते अ० अतमें, आखिरकार
अत्य वि० अत्य आखिरी, अतिम
अत्यज वि० अत्यज (२) पु० अछूत जातिका मनुष्य, हरिजन
अदर अ० अदर, भीतर
अदरखाने, अदरखानेथी अ० अदरूनी तौर पर
अदाज पु० अदाज अदाजा अटकल। [-काढवो=अदाजा लगाना। -लेवो =अन्दाजा पानेके लिए कसना आजमाना]
अदाजपत्र, अदाजपत्रक पु० न० 'बजट' आय व्ययका चिटठा
अदाजी वि० अदाजसे नियत किया हुआ
अदेश, अदेशो पु० वहम आशका अदेशा
अध वि० अध अधा (२) विचारहीन, नासमझ [ला]
अधकार पु० अधकार, अँधेरा
अधभक्ति स्त्री० अधभक्ति, विवेकहीन भक्ति [अधेर, अराजकता
अधाधूध, अधाधूधी स्त्री० अधाधुध,
अधापो पु० अधापा, अधापन
अधारघोट पु० घनघटा घनघटासे छानेवाला अँधेरा
अधारकोटडी स्त्री० अँधेरी कोठरी (२) कालकोठरी (३) कैदखाना
अधारपछेडी स्त्री०, अधारपछेडो पु० वह (काला या जादुई) वस्त्र जिसे ओढकर अदृश्य या गुप्त रहा जाय। [-ओढाडवी, (-वो)=अँधेरी डालना, धोखा देना]
अधारवु अ०क्रि० आकाशका बादलासे छा जाना, घटा घिरना, घुमडना
अधारां न०ब०व० आँखाके आगे अँधेरा छाना, चक्कर आना। [-उलेचवां (प्रकाश पानेके लिए) व्यर्थ कोशिश करना]
अधारियु वि० अँधेरा, अँधियारा (२) न० अँधेरा पाख, अँधेरिया
अधारी स्त्री० अँधेरी, अँधियारी (२) सुनारका एक औजार (३) अँधेरी डालना धोखा देना (४) चक्कर (५) जेलकी अँधेरी कोठरी (६) काल कोठरीकी सजा
अधारु न० अँधेरा (२) अधेर [ला] (३) गुप्तता (४) अज्ञान
अधारु घोर वि० (२) न० घना अधकार, अँधेरा घुप्प
अधेर न० अधेर, अव्यवस्था
अबाडियु न० उपलोका ढेर गोहराका अबार
अबाडी स्त्री० अबारी, हौदा
अबार पु० अबार, ढेर
अबावु अ०क्रि० (दाँत) खटाना गुठलाना
अबोडी स्त्री० छोटा जूडा
अबोडो पु० जूडा, खोपा
अबोळवु स०क्रि० खटाई लगाना (२) बढाना मिलाना

आ

आ पु० वर्णमालाका दूसरा अक्षर—एक स्वर
आ स० (२) वि० यह
आई स्त्री० मा (२) दासी (३) देवी
आईजी स्त्री० सास
आउ न० धन, सीरी
आक्डी स्त्री० आकका एक प्रकार
आक्डो पु० आकडा थाक
आकरु वि० कडा सख्त (२) कठिन मुश्किल (३) तेज तीखा (४) महगा
आकर्षण न० आकर्षण खिचाव (२) मोह
आकर्षवु स० क्रि० खीचना आकृष्ट करना (२) मुग्ध करना
आकस्मिक वि० आकस्मिक, अचानक
आकळविकळ वि० आकुल बेचैन
आकळु वि० अधीर (२) गुस्सावर
आका पु० आका मालिक
आकाडोडी आकादाडी स्त्री० आकका घूआ या डाडी
आकार पु० आकार आकृति शक्ल (२) लगान मुकरर
आकारणी स्त्री० तमावदा (२) ऊँचाई कूत (३) आकनेका औजार अकन
आकारवु स० क्रि० मूल्य ठहराना (२) कूतना आकना (३) पमाइश करना (४) —के नाम डालना
आकाश न० खाली या शून्य स्थान अवकाश (२) आकाश गगन
आकीन पु० न० यकीन श्रद्धा
आकुल, (—ळ), व्याकुल (—ळ) वि० बहुत घबडाया हुआ व्याकुल

आक्षेप पु० आक्षेप, इल्जाम (२) निन्दा
आखडवु अ० क्रि० भटकना (२) ठोकर खाना (३) भिड जाना
आखडी स्त्री० मानता, मनौती
आखर स्त्री० आखिर अत (२) अ० आखिरमें
आखरघडी स्त्री० अतिम पल (२) मौतका वक्त, अतकाल
आखरण न० जामन
आखरवु स० क्रि० जमाना (दही)
आखरी वि० आखिरी अतिम
आखरे अ० आखिरकार (२) हारकर
आखलो पु० साँड
आखळियो पु० (रोटी बेलनेका) चकला
आखाखाउ वि० (बगर हक) पूराका पूरा खा जानेकी वृत्तिवाला लोभी
आखाबोलु वि० स्पष्टवादी (२) कटुभाषी
आखु वि० पूरा अखड साबित
आग पु० आगम आना
आग स्त्री० आग अग्नि (२) जलन (३) आग (लगना) (४) क्रोध
आगगाडी स्त्री० रेलगाडी
आगतास्वागता स्त्री० आगत-स्वागत, आव भगत
आगबोट स्त्री अग्निबोट स्टीमर
आगमच, आगमज अ० आगसे पहलेसे
आगमण स्त्री चल्हेका अगला हिस्सा (जहाँ कोयले बुझाये जाते है)
आगमन न० आगमन
आगरण स्त्री० लोहारखाना या लुहारकी भट्ठी (२) सुनारकी भट्ठी

आगली पाछली स्त्री० पुरानी या गई गुजरी बात । [–काढवी = पुरानी बातें याद करना, गडे मुर्दे उखाडना । –काढी नाखवी, भूलवी = गई गुजरी भूल जाना माफ करना]
आगलु (लु) वि० अगला (२) मुख्य
आगलुपाछलु वि०(२)न० आगे-पीछेका, अगला पिछला
आगवाळो पु० आगवाला, फायरमन
आगवु वि० अपना
आगवो पु० अगुआ राहवर
आगळ अ० अगाडी आगे (२) पासमें, बगलमें (३) सामने (४) आइंदा, आगे
आगळियो पु०, आगळी स्त्री०, आगळो पु० अगडी अरगल
आगाही स्त्री० आगाही भविष्यवाणी
आगियो पु० जुगनू (२) ज्वार बाजरेका एक रोग, आगडा (३) सफेद ज्वार (४) वेताल
आगुवो पु० देखिये आगवो
आगे अ० आगे, अगाडी
आगेकदम न०, आगेकूच स्त्री० आगे बढना, प्रगति
आगेवान वि० आगे चलनेवाला (२) पु० नेता, अगुआ
आगेवानी स्त्री० अगुआई, अगवानी
आगोतर, आगोतरु वि० आगेका, शुरूका पहलेका (२) पासका
आघु वि० दूर (२) क्रि०वि० आगे पास उदा० आघु आव
आघुपाछु वि० (समय या अंतरमें) आगे-पाछेका (२) (स्थान फेरके कारण) जो नजर न आये (३) पूठ-मच । [–करवु = हेर-फेर करना (२) छिपाना । –जोवु = आगे पीछेका पूरा ख्याल करना, परिणाम पहलेसे सोचना । –थवु = इधर उधर बेकार घूमना (२) छिपना या हट जाना]
आघे अ० दूर, परे
आघेथी अ० दूरसे
आघेनु वि० दूरका (२) भविष्यका
आचकी स्त्री० नसोका तनाव ऐंठन
आचको पु० हचकोला, दचका धक्का (२) सकोच, आना-कानी[ला] (३) धडका (४) हानि, घाटा
आचमन न० आचमन अचवन (२) प्रवाही प्रसाद
आचमनी स्त्री० आचमनी
आचरकूचर वि० फुटकर (२) न० खानेकी फुटकर चीजें (३) फुटकर चीज वस्तु
आचार पु० आचार, बरताव (२) सदाचरण (३) आचार विधि (४) शास्त्रोक्त आचार (५) शिष्ट सप्रदाय
आचारविचार पु० ब० व० आचार-विचार (२) धार्मिक रीति रिवाज और मान्यताएँ
आछकलाई स्त्री०, आछकलापणु न०, आछकलावेडा पु० ब० व० छिछोरापन
आछकलु वि० छिछोरा (२) फूलकर कुप्पा हो जानेवाला
आछर पु० पोशाक (२) बिछावन (३) गधेकी पीठ पर रखनेकी गद्दी
आछरवु अ० क्रि० घटना उतरना (२) नरम होना (३) बिछाना
आछु वि० छिदरा झीना (२) कम, थोडा (३) धुंधला
आछुपातळु वि० थोडा-बहुत (२) जैसा तसा
आज अ० आज (२) स्त्री० आज
आजकाल अ० आज-कल (२) अभी हाल (३) स्त्री० आज-कल । [–करवी

=आज कल करता, टाल मटोल करना]
आजनु वि० आजका हालका (२) आज-कलका अर्वाचीन (३) कमसिन
आजम वि० आजम बडा (२) माननीय वुजुग [मक रोग
आजार पु० आज़ार बीमारी (२) मत्रा
आजारी वि० बीमार रोगी मरीज
आजी स्त्री० माँकी माँ नानी
आजीजी स्त्री० आजिजी गिडगिडाहट
आजीविका स्त्री० आजीविका गुजरान, निर्वाह (२) निर्वाहका साधन, रोजी
आजुबाजु, आजूयाजू अ० आस-पास, इर्द गिर्द चारो ओर
आजे अ० आज
आजो पु० माँका बाप नाना
आज्ञा स्त्री० आज्ञा (२) रजा इजाजत
आज्ञापत्रिका स्त्री० आज्ञापत्र फरमान (२) सरकारी 'गजट , गजट
आज्ञार्थ पु० आज्ञार्थ विध्यर्थ [व्या]
आज्ञांकित वि० आज्ञाकारी ताबेदार
आझम वि० देखिये आजम'
आझाद वि० आज़ाद स्वतत्र
आझादी स्त्री० आज़ादी स्वतत्रता
आटआटलु वि० इतना इतना
आटलामा अ० इतनेमें (२) पासहीमें यही कही
आटलु वि० इतना
आटापाटा पु० व० व० एक खेल
आटापाणी न० व० व० दाना पानी खराक (२) आजीविकाके साधन [ला]
आटालूण न० आटा-नमक (२) व्यय होना [ला]
आटो पु० आटा पिसान (२) चूरा। [-काढवो =खूब थका डालना]
आटोपवु स०क्रि०समेटना (२) निबटाना, समाप्त करना (३) बद करना
आठ वि० आठ ८
आठम स्त्री० आठें, अष्टमी
आड(ड) स्त्री० आड आडा निलर (२) हठ। [-पकडवी, लेवी =हठ या जिद पकडना]
आड(ड) स्त्री० आड ओट परदा (२) रोक रुकावट (३) प्रतिबध बाधा (४) उप जैसा पूवग जो गौण अथ बताता है उदा० आडकथा। [-मां मूकवु= कज लेते समय जमानतके तौर पर कोई चीज एवजमें रखना] [परोक्ष
आडकतरु वि० टेढा-मेढा तिरछा (२)
आडकथा स्त्री० उपकथा (२) बात चीतमें विषयातर करना
आडखील (-ली) स्त्री० आडखीलो पु० विघ्न (२) अगला
आडगीरो पु० बधक रखी हुई चीजको दुबारा बधक रखना
आडणी स्त्री० (रोटी बेलनेका) चकला
आडत स्त्री० आढत
आडतियो पु० आढतिया आढतदार
आडत्रीस वि० अडतीस ३८
आडधधो पु० गौण धधा [भूला हुआ
आडफेटियु,आडफटु वि० गुमराह रास्ता
आडभींत स्त्री० ओट या परदेके लिए बनाई हुई दीवार
आडरस्तो प०राजमार्ग नही ऐसा गली कूचेका रास्ता (२) पथ भ्रष्टता गुमराही
आडश स्त्री० आड परदा [अडेर
आडसर पु० स्त्री० न० पाल बाँध (२)
आडबर पु० घटाटोप (२) ठाट-बदबा (३) आडबर दिखावा (४) अहकार
आडबरी वि० आडबरी ढोगी

आडाई स्त्री० आडापन, टेढ़ाई (२) हठ, दुराग्रह, जिद
आडाबोलु वि० झूठ बोलनेवाला, टेढ़ी बात करनेवाला
आडियु न० आरा, करवत (२) तिलक करनेका साधन(३)आधी आलीभरकी एक माप (४) बच्चाका आस्तीनसे नाकके रटका पोछना
आडो स्त्री० आड़े रखनेकी चीज(२) (बडरमे पतली) बल्ली (३) मनौती (४) हठ (५) सीमा (६) कुस्तीका एक पेंच (७) आडा तिलक आड
आडीवाडी स्त्री० कुटुब-कबीला, बाल बच्चे
आडु वि० आडा जो सीधा न हो (२)खडका उलटा (३) बीचमें पडा हुआ या बीचमें आये ऐसा (४) हठी (५) अडगेबाज, रुकावट डालनेवाला (६) परोक्ष (७) टेढ़ा, बाँका (८) विरुद्ध, बीचमें आता हुआ (९) अ० तिरछी दिशामें (१०) न० बलगाडीका खडा डडा (११) भूत-पलात इत्यादि । [आडी जीभ करवी =बीचमें झूठ बोलकर रुकावट डालना । -(-डे) आववु =बीचमें (बाधा या मददके रूपमें) पडना । -(-डे) ऊतरवु = कायके बीचमें आकर विघ्न या मदद पहुँचाना(२) असगुन होना (खास करके बिल्लीसे) । -थवु = लेटना (२) आडा, विरुद्ध या हठी होना । -पडवु = लेटना(२) बीचमें बाधा डालना विरोध करना। -फाटवु=बीचमेंसे दूसरे रास्ते मुड जाना (२) बुरा रास्ता पकडना(३) बाधक होना]
आडु अवळु वि० (२)अ० उल्टा-सीधा, इधर-उधर (२) बेढगा [ला] (३) खरा खोटा झूठा सही-गलत । [-वेवु = खूब धमकाना, आडे हाथो लेना (२) घूस खाना] [बात
आडुदोडु वि० उलटा-सीधा (२) न० वैसी
आडे अ० आडे, बीचमें (२) विरोधमें
आडेदहाडे अ०बहुत कामके या त्योहारके दिनके सिवा और किसी दिन
आडेधड, आडेधडे अ० अधाधुध, बेहिसाब, मनचाहे वैसे
आडो पु० विरोध, रुकावट(२)हठ, जिद
आडो आंक पु० सीमा, हद, मर्यादा । [-वाळवो =हद करना, गजब ढाना]
आडोडाई स्त्री० देखिये 'आडाई'
आडोशपाडोश पु० अडास-पडोस, पास पडोस(२)आसपास रहनेवालोका समूह
आडोशीपाडोशी पु० न०अडोसी-पडोसी
आण (ण,) स्त्री० आज्ञा, आन (२) मनाही, शपथ (३) घोषणा । [-देवी = (किंव देवी आदिका नाम लेकर) मना करना । -फरवी, वरतवी =हुक्म या सत्ता चलना । -फेरववी, वर्तावबी = हुक्म चले ऐसा करना, ढिढोरा पिटवाना] [(२) अधिकार
आणदाण स्त्री० वसूल करनेका सत्ता
आणपाण स्त्री० चवन्नी, आना, पसा बतानेवाली आडी-खडी लकीर, पाई आदि उदा० '०।≈।।।
आणवु स० क्रि० लाना, ले आना
आणी स्त्रीलिंगका एक प्रत्यय -आनी उदा० देवर-देवराणी'
आणीकोर, आणीगम, आणीतरफ, आणीपा अ० इस ओर
आणीपार अ० इस पार, इस तरफ

आणीपास अ० इस ओर
आणीपेर अ० इस तरह
आणीवाजु अ० इस तरफ
आणु न० गौना (२) उस समयका नेग। [–आववु=वधूको ससुरालसे बुलावा आना। –करवु=गौना करना (२) गौनकी रस्म करना]
आणे (आ णे) स० इस आदमीने (२) इससे
आतम पु० आत्मा
आतमराम पु० अपनी आत्मा
आतवार पु० रविवार इतवार
आतश, आतस पु० आतिश आतश अग्नि (२) जलन (३) क्रोध
आतशपरस्त वि० आतिशपरस्त अग्नि-पूजक (२) पु० पारसी
आतशबेहेराम पु० अगियारी *आतिशखाना*
आतशबाजी स्त्री० आतिशबाजी
आतुर वि० आतुर –रा पीडित (२) अधीर आकुल (३) उत्सुक
आतो पु० ज्येष्ठ पुत्र (२) दादा
आत्मपरीक्षण न० आत्मनिरीक्षण
आत्मबंधु पु० अपना – निजी सबंधी (मामा मौसी या फूफी आदिका बेटा)
आत्मबुद्धि स्त्री० अपनी समझ (२) अपनेपनकी समझ (३) स्वार्थपरता खुदगर्जी [भान
आत्मभान न० अपनी जातका भान –
आत्मभाव पु० आत्मभाव गर्व अहंभाव (२)अपनी रक्षा और विकासकी इच्छा (३) सबमें अपनासा आत्मा है एसी भावना
आत्मसमर्पण न० आत्मनिवेदन अपने आपको और अपना सब कुछ ईश्वरके चरणोंमें समर्पित करना, नवधा भक्तिका एक प्रकार
आत्माराम वि० आत्माराम (२) पु० आत्म ज्ञानका प्रयासी योगी (३) जीव न्मुक्त योगी (४) आत्मा परमात्मा
आथडवु अ०क्रि० भटकना (२) लडना
आथमणु वि० पश्चिमी, मग़रिबी
आथमवु अ० क्रि० अस्त होना (२) पतनकी ओर जाना
आथर पु० घासकी तह (२) चादरा बिछावन
आथरण न० चादर(२)बिस्तर बिछौना
आथरवु स०क्रि० बिछाना (२) घासकी गंजी बनाना (३) ढकना
आथवण न० खमीर (२) पाचनक्रियामें उपयोगी पदार्थ एंज़ाईम '[र वि]
आथवु स० क्रि० फल या तरकारीको मिर्च मसाला लगाकर तेलमें रखना (२) खमीर उठाना
आथो पु० खमीर उठना (२) खमीर। [–आववो, चडवो=खमीर उठना]
आदत स्त्री० आदत टेव अभ्यास
आदम पु० आदम (२) मनुष्य
आदमजात स्त्री० *मनुष्यजाति*
आदमी पु० आदमी मनुष्य
आदर पु० आदर सम्मान पूज्यभाव
आदरवु स० क्रि० शुरू करना (२) आदर-सत्कार करना (३) प्रेम न्योतना (विवाहके लिए)
आदवेर न० पुराना बैर कदीमी अदावत (२) कट्टर बैर
आदानप्रदान न० आदान प्रदान लेन-देन
आदापाक पु० अदरक-पाक (२) मार मरम्मत [ला]
आदानीनी स्त्री० आधासीसी

आदि वि० आदि, आदिका (२) मुख्य, प्रधान (३) वगरह इत्यादि (४) पु० प्रारंभ, शुरु (५) मूल कारण (६) पहला पद [ग]
आदिमजाति स्त्री० आदिमजाति
आदिवासी वि० आदिवासी
आदु न० अदरक
आध वि० आधा
आधण, आधरण न० अदहन
आधार पु० आधार, टेक (२) सहारा, आलंबन (३) सबूत, प्रमाण (४) 'फन्त्रम' [प वि] [ग्रंथ
आधारग्रंथ पु० प्रमाणभूत या प्रमाणरूप
आधाशीशी स्त्री० आधासीसी
आधीन वि० अधीन, मातहत
आधेड वि० अधेड, ढलती उम्रका
आनंदवु अ० क्रि० खुश होना
आनंदी वि० आनंदी खुशमिज़ाज
आनाकानी स्त्री० आनाकानी आगापीछा
आनावारी स्त्री० कनकूत, दानाबंदी
आनी स्त्री० इकन्नी (२) सोलहवाँ भाग [ला]
आप न० आपा, अपना स्वरूप (२) खुदी अहंता (३) स्वशरीर (४) स० आप, 'तुम' का आदरार्थक रूप (५) खुद, स्वयं (समासमें) [अपना
आपआपणु वि० अपना-अपना आप
आपआपमां अ० आपस-आपसमें अंदर ही अंदर [स्वोपार्जित धन
आपकमाई स्त्री० खुदकी कमाई,
आपकर्मी वि० अपने ही पुरुषार्थ पर आधार रखनेवाला स्वावलंबी
आपखुद वि० खुदराय, स्वेच्छाचारी निरंकुश [चार
आपखुदी स्त्री० खुदमुख्तारी स्वेच्छा
आपघात पु० खुदकुशी, आत्महत्या
आपण स० (सामान्यत पद्यमें) मैं या हम और तुम या आप, अपन [प]
आपणु स० अपना (२) हमारा
आपणे स० देखिये 'आपण' (२) म, उदा० 'भाई आपणे एमां मानता नथी' (३) तुम, आप [कठिनाईके दिन
आपत्काळ पु० आपत्काल, मुसीबत—
आपत्ति स्त्री० आपत्ति (२) दुःख मुश्किल
आपद, आपदा स्त्री० आपद्, आपदा
आपभोग पु० स्वार्थत्याग
आपमतलबियु, आपमतलबी वि० मतलबी, खुदगरज, स्वार्थी
आपमतियु, आपमतीलु वि० अपनी ही बुद्धिके अनुसार चलनेवाला, खुदराय
आपमुखत्यार वि० खुदमुख्तार, स्वतंत्र
आपमेळे अ० अपने-आप, खुद-ब-खुद
आपरखु वि० अपना ही खयाल रखनेवाला (२) स्वार्थी
आपले स्त्री० लेना-देना, आदान प्रदान
आपवडाई स्त्री० आत्मश्लाघा, खुद नुमाई
आपवीती स्त्री० आपबीती (२) आत्मकथा
आपवु स० क्रि० देना (२) सौंपना
आपे अ० आप ही आप, स्वतः मन ही मन [बुजुर्ग [ला]
आपो पु० पिता (२) वृद्ध मनुष्य,
आपोआप अ० खुद-ब-खुद, स्वयं, आप ही आप (२) स्वाभाविक रीतिसे
आफणीए अ० [प] अपने-आप (२) यकायक
आफत स्त्री० आफत
आफरवु अ० क्रि० अफरना
आफरीन अ० कुरबान, फिदा, खुश-खुश हुआ हो ऐसे, बलि गया हो ऐसे (२)

आफरी, आवान, घय (उद्गार) (३) स्त्री० नावानी [तानेस)
आफरो पु० अफरा अफारा (ज्यादा
आफलातुन पु० देखिये अफलातून (२) वि० सुदर
आफळवु अ० क्रि० टकराना भिड जाना (२) विफल होना
आफूस स्त्री० आमकी एक जाति
आफ्रिदी वि० भारतकी पश्चिमोत्तर सीमा पर बसनेवाली एक पठान जातिका (२)पु०उस जातिका आदमी अफरीदी
आब न० आब, पानी (२) तज नूर (३) धारकी तेजी—तीक्ष्णता
आबकारी स्त्री०शराब चुआने या खीच नेका काम (२) शराब वगैरह मादक चीजों पर कर (३) वि० उस करसे सबधित
आबखोरो पु० आबखोरा
आबरू स्त्री० आबरू, कीर्ति साख, नाम (२) स्त्रीकी लाज [ला]। [-उघाडवी उघाडी करवी=इज्जत उतारना बेआबरू करना। -काढवी =नाम निकालना (२) (व्यग्यमें) नाम डुबाना बदनाम होना। -ना कांकरा =बेआबरू फजीहत। -पर हाथ नाखवो=इज्जत पर हाथ डालना(२) स्त्रीकी लाज लेना बलात्कार करना]
आबरूदार वि० प्रतिष्ठित, इज्जतदार
आबा पु० अब्बा, पिता (२) दादा
आबाद वि० आबाद बस्तीवाला (२) सपन्न खुशहाल फलता-फूलता (३) उपजाऊ, जरखेज (जमीन) (४) सलामत, सुखी (५) सुदर खूब (६)अचूक(७)अ० बिना चूके, खूब

आबादानी, आबादी स्त्री० आबादानी आबादी, समृद्धि
आबेहूब वि० हूबहू, वसा ही
आबोहवा स्त्री० आबहवा हवापानी
आभ न० आकाश आसमान (२) बादल। [-तूटी पडवु=आसमान फटना। -फाटवु=आसमान सिर पर टूट पडना। -ना तारा देखाडवा =खूब परेशान करना। -नो साथे बाथ भीडवी=बेतेग ज्यादा हिम्मत करना]
आभडछट स्त्री० अस्पृश्यको छूना(२) छूतछातका खयाल छुआछूत (३) रजस्राव (४) प्रसवके समय निकलने वाला लहू आँवल वगैरह
आभडवु अ० क्रि० अस्पृश्यको छूनेसे अपवित्र होना (२) स्पर्श करना छूना। [आभडवा जवु=किसीके अत्येष्टि सस्कारमें जाना]
आभलु न० आकाश आसमान (२) बादल(३) आईना(४) छोटा गोल दर्पण (जो कपडा पर लगाया जाता है)
आभार पु० उपकार एहसान
आभारदर्शन न० एहसान मानना
आभालाडु पु० (मनमे गढा हुआ) भारी मुनाफा—फायदा (२) मनके लडडू, खयाली पुलाव (३) असभव आशा
आभु वि० चकित हैरान भौंचक
आम पु० आँव (२) पचिश
आम अ० इस तरह(२)इस ओर यहाँ
आम वि० आम, साधारण सामान्य
आमचु न० कच्चे आमकी सुखाई हुई फाँक अमहर (२) किसी भी खट्टे फलकी सुखाई हुई फाँक
आमचूर न० आमका अचार आदि

आमजनता स्त्री० आम लोग, जनता
आमटी स्त्री० इमलीके पानीकी कढी या दाल (दक्षिणी ढगकी)
आमणे(आ'म) स० इहोरे
आमतेम अ० अव्यवस्थित ढगसे, किसी भी तरहसे (२) इधर-उधर
आमतेमथी अ० किसी भी प्रकारसे (२) कहीस, इधर-उधरस
आमथी अ० इस ओरसे
आमदनी, आमदानी स्त्री० आमदनी, आय (२) पैदावार, उपज
आमनु वि० इस ओरका इधरका(२) (आ'म) स० इनका । [आमनो सूरज आम ऊगवो=अनहोनी होना इधरकी दुनिया उधर हो जाना]
आमन्या स्त्री० आज्ञापालन(२)मर्यादा, लिहाज ।[-पाळवी, मानवी, राखवी =आज्ञानुसार बरतना आज्ञा शिरोधार्य करना(२)अदब लिहाज रखना। -मां रहेवुं=-की आज्ञा या मर्यादाका लोप न करना] [गधक
आमलसारो गधक पु० आंवलासार
आमली स्त्री० इमली, इमलीका पेड और उसका फल [(लडकाका)
आमलीपीपळी स्त्री० एक खेल
आमवर्ग पु० आम—साधारण लोगोका समाज जनसाधारण
आमसभा स्त्री० आम-जलसा जन-साधारणकी सभा (२) उसके प्रति-निधियोकी सभा [डना उमेठना
आमळवु स०क्रि० बटना, ऐंठना मरो
आमळी स्त्री० आंवला, आवलेका पेड
आमळु न० आंवला, आमला (फल)
आमळो पु० बट, ऐंठन (२) टेक, अभिमान (३) द्वेष डाह। [-देवो =बट देना । -राखवो=टेक या द्वेषका भाव होना]
आमत्रणपत्रिका स्त्री० निमत्रण-पत्र
आमेज वि० आमेज शामिल, मिलाया हुआ
आय न० आयु, उम्र
आय स० (२) वि० यह (पारसी)
आय पु० आय, लाभ (२) उपज
आय(आ'य) स्त्री० ताकत (२) हिम्मत
आयखु न० आयुष्य, ज़िंदगी, जीवन
आयत स्त्री० आयत, कुरानका वाक्य
आयताराम पु० मुफ्तखोर [मुफ्तका
आयतु वि० अनायास मिला हुआ,
आयनो पु० आईना [विरसा
आयपत स्त्री० आय, आमदनी (२)न०
आयपतवेरो पु० आयकर
आयव्यय पु० आय-व्यय, आमद-खर्च
आयदे अ० आयदा, आइदा, भविष्यमें (२) अतमें, फलत
आया स्त्री० आया, धाय
आयात वि० आयात, बाहरसे आया हुआ (माल) (२) स्त्री० बाहरसे आनेवाले मालकी आमद
आयोजन न० आयोजन, व्यवस्था, प्रबंध (२) उसकी साधन-सामग्री
आयोजना स्त्री० व्यवस्था, सगठन
आर(आ'र) पु० माडी (२) आहार
आर स्त्री० आर अरई (लोहेकी) (पैने आदिकी) (२)छोटा पना(३) आर, सूआ (मोचीका)
आरगणु न० आरा, सूआ (मोचीका)
आरजू स्त्री० आरजू इच्छा(२)आशा (३) आतुरता
आरडवु अ०क्रि० गला फाडकर बोलना डकराना (चौपायो आदिका) (२)

ऊची बेसुरी आवाज निकालना, रकना [ला] [अनिश्चित

आरणकारण न० बहाना (२) वि०

आरत वि० आर्त (२) विपद्ग्रस्त (३) जरूरी (४) आतुर

आरत स्त्री० आर्ति, पीडा सकट (२) चाव उत्साह [रखनेका पात्र

आरतियु न० आरती आरतीका दीपक

आरती स्त्री० आरती देव आदिकी मूर्तिके समक्ष दीपक घुमाना (२) उस समय गाया जानेवाला स्तोत्र आरती (३) आरतीका दीपक रखनेका पात्र आरती (४) एक छन्द। [-उतारवी, करवी = आरती उतारना (२) मान, पूजा या अभिनन्दन करना [ला]]

आरपार अ० आर-पार

आरब पु० अरब अरब देशका निवासी

आरस, आरसपहाण पु० सगमरमर

आरसो पु० बडी आरसी आईना

आरभ पु० आरभ तयारी शुरू

आरभवु स० क्रि० शुरू करना (२) तयारी करना

आरभशूर, आरभशूरु वि० क्षणिक उत्साह दिखानेवाला, शुरूमें उत्साह दिखाकर बादमें शिथिल होनेवाला

आराम पु० आराम गुलशन (२) शान्ति (३) दु ख वगैरहमेंसे छुटकारा (४) कवायदमें आरामसे खडा रहनेका हुक्म। [-मळवो = थकावट दूर करनेके लिए समय या अवकाश मिलना]

आरामखुरशी स्त्री० आरामकुरसी

आरिया न० ब० व० नाव जहाज वगैरहके पाल उतारना

आरियु न० टोकरा

आरियु न० आरिया फूट

आरी स्त्री० आरी छोटा करवत (२) मोचीका एक औजार सूआ

आरेडु वि० तूफानी (२) हक्की न्ठा (३) न० पक्के साढ़े तीन मनकी एक माप या वजन

आरो पु० किनारा (२) अत (३) छूटनेका उपाय चारा [ला]

आरो पु० आरा पहियेकी गडारी और पुठीके बीचकी पटरी

आरोगवु स० क्रि० जीमना

आरोप पु० आरोप इल्जाम (२) आरोपण लगाना-रखना। [-आववो = दोष या इल्जाम लगना। -मूकवो, लगाववो = दोष लगाना]

आरोपण न० आरोपण एक वस्तुमें दूसरीके गुण धर्मकी कल्पना (२) आरोप इल्जाम (३) सस्थापन (४) रोपना लगाना रखना मढ़ना

आरोपवु स० क्रि० एक पदार्थमें दूसरेके गुण धर्मकी कल्पना करना (२) ऐब या इल्जाम लगाना (३) घालना रखना लगाना डालना उदा० वरमाळा आरोपवी मन प्रभुमा आरोपवु इ०

आरोपी वि० मुल्जिम अभियुक्त

आरोवारो पु० छुटकारा (२) आखिर

आरोहण न० आरोहण चढना (२) सवार होना (३) ऊपर बठना

आर्द्रतामापक वि० आर्द्रता या नमी नापे ऐसा (२) न० ऐसा यत्र बरोमीटर

आर्द्रवायु पु० हाइड्रोजन

आलपाको पु० अलपाका एक प्रकारकी भेड (२) उसके ऊनसे बनाया जाता कपडा अलपाका

आल्पाल स्त्री० सेवा टहल (२) देख भाल (बालकाकी)
आलबम न० अल्बम
आल्बेल स्त्री० सब सलामत है ऐसा सूचित करनेवाली सन्तरीकी पुकार। [–पोकारवी='आलबेल' पुकारना]
आलमगीर वि० दुनियाको जीतनेवाला (२) पु० औरंगज़ेबका उपनाम
आलवु स० क्रि० देना
आलवन न० आलवन
आला वि० आला, श्रेष्ठ
आलापवु स० क्रि० अलापना, बोलना (२) आलापके साथ गाना, आलापना, अलापना
आलावाला न० ब० व० बहाने
आलिम वि० आलिम पण्डित विद्वान
आलिंगवु स० क्रि० भेंटना गले लगाना
आली वि० आली भव्य, उच्च ऊँचा
आलीशान वि० देखिये 'आलेशान'
आलु न० जरदालू, खूबानी
आलेख पु० आलेख, लिखावट (२) पट्टा दस्तावेज (३) सनद (४) मुहर, 'सील' (५) ग्राफ आलेख मानचित्र (६) चित्र
आलेखवु स० क्रि० अंकित करना, रेखा खींचना (२) उरेहना (३) लिखना
आलेशान वि० प्रतिष्ठित उत्तम (२) बहुत बड़ा (३) आलीशान, भव्य शानदार
आलोकवु स० क्रि० देखना (२) अवलोकन करना
आलोपालो पु० आला-पाला पडकी पत्तियाँ, जड़ें वगैरह वनस्पति
आव स्त्री० आमद आयात
आवक स्त्री० आना, आगमन (२) आय, आमदनी (३) कमाई उपज
आवकजावक स्त्री० आना-जाना (२) आय-व्यय (३) उसकी वही
आवकवेरो पु० आयकर (२) चुंगीकर आयातकर
आवकार पु० आव भगत, सत्कार। [–आपवो, देवो=स्वागत करना, खुश-आमदीद कहना]
आवकारवु स० क्रि० आव भगत या स्वागत-सत्कार करना
आवची बावची स्त्री० एक वनस्पति या उसके बीज, वनतुलसी
आवजा, आवजाव स्त्री० आना जाना, आमद रफ्त
आवड, आवडत स्त्री० आना, जानकारी, कुशलता
आवडवु अ० क्रि० आना, जानना, –से वाकिफ होना –की जानकारी होना
आवडु वि० इतना
आवरदा पु०, स्त्री०, न० आयुष्य (२) जिंदगानी। [–बहु लांबो छे=किसीको याद करते ही वह आ पहुँचे तब बोला जाता उद्गार। –नु पूरु, –नु बळियु=पूरी उमरवाला, नसीबदार]
आवरवु स० क्रि० ढँकना (२) छा जाना व्याप्त होना (३) घेरना
आवरो पु०, मासिक आय व्ययके हिसाबकी खाताबही (२) आमद
आवरोजावरो पु० आना जाना (२) आय-व्यय
आववु अ० क्रि० आना, दूरकी जगहसे पास पहुँचना (२) आना अंतर्भाव होना उदा० 'अमदावाद गुजरातमा आव्यु' (३) पैदा होना, निकलना (फल, फूल क्रोध दांत आदि) (४) (कपडा वगैरह) ठीक बैठना, छोटा बड़ा न होना, अँटना (५) (हिसाब)

वैठना मिलना (६) समाना (७) -में दद होना, (आँख) उठना। [आवी चडवु = आ धमकना। आवी धूरवु = पूरा हो जाना (२) कम पडना। आवी पडवु = आ पडना। आवी बनवु = भारी सकटमें आ जाना। आवी मळवु = अचानक मिल जाना या प्राप्त होना]

आवळ पु० स्त्री० एक वनस्पति

आ वार अ० इस बार इस समय

आवु (आ वु) वि० ऐसा

आवृत्ति स्त्री० आवृत्ति चक्कर लगाना (२) लौटना (३) बार बार होना बार बार करना (४) पुस्तकका फिरसे छपना आवृत्ति सस्करण

आवेग पु० आवेग प्रबल मनोवेग जोश (२) आवेश, क्षोभ (३) उतावली, दौडा-दौडी [गुस्सा

आवेश पु० आवेश जोश उत्साह (२)

आशक पु० आशिक, प्रेमी (२) वि० आशिक आसक्त, मोहित फ़िदा

आशकमाशूक न० ब० व० आशिक माशूक ,आदि लगना

आशका स्त्री० देवताकी आरती भस्म

आशनाई स्त्री० आशनाई मित्रता दोस्ती

आशय पु० आशय मनसूबा इरादा (२) न० स्थान आशय (३) पात्र (४) कियें हुए कर्मोंके सस्कार या उनका समूह

आशरे अ० करीब लगभग अदाजन्

आशरो पु० आसरा आश्रय छत्रछाया सहारा (२) आधार अवलब (३) अन्दाजा तखमीना। [आशरे जवु = शरणमें जाना आश्रय स्वीकार करना। -काढवो = अन्दाज़ लगाना]

आशाभर्यु वि० आशान्वित

आशावादी वि० आशावादी जो होता है वह भलेके लिए होता है इस सिद्धान्तको माननेवाला (२) पु० ऐसा पुरुष

आश्रम पु० न० आश्रम, विश्रामस्थान रहनेका स्थान (२) विश्रान्ति (३) साधु-सतकी कुटी पर्णकुटी (४) जीवनके चार विभाग या अवस्थाएँ, आश्रम (५) राष्ट्रीय या धार्मिक हलचलका प्रधान स्थान

आसन न० आसन बैठनेकी जगह (२) बैठन सोने या खड रहनेका ढग (३) वह चीज जिस पर बैठा जाय आसन (४) लकीरोंसे बनाया हुआ कोष्ठक खाना

आसनावासना स्त्री० आश्वासन (२) खातिरदारी आव भगत

आसनियु न० आसनी छोटा आसन

आसमान न० आसमान। [-जमीन एक थवां = आकाश-पाताल एक होना बहुत बडा अनय होना, प्रलय होना। सातमा आसमान पर चडवु = आसमान पर उडना]

आसमानी वि० आसमानी आसमानके रगका (२) दैवी (३) स्त्री० आसमानी गजब दैवकोप

आसमानी सुलतानी स्त्री० दैवकी और राजाकी ओरसे ढाया जानेवाला दोहरा गजब

आसध स्त्री० एक औषधि असगध

आसाएश स्त्री० आसाइश आराम

आसान वि० आसान सहल

आसानकेद स्त्री० सादी कद कद महज़

आसामी पु० स्त्री० आसामी, आदमी व्यक्ति (२) कर्जदार असामी (३)

मालदार–प्रतिष्ठित आदमी (४) ग्राहक, मुवक्किल
आसुर(–री)विवाह पु० आसुर विवाह, कन्याविक्रयवाला विवाह
आसो पु० असोज आश्विन मास कुआर
आसोपालव पु० अशोक वृक्ष
आस्ते अ० आहिस्ता
आस्था स्त्री० आस्था, आदरभाव (२) श्रद्धा धर्मविश्वास यकीन (३) पूंजी
आह स्त्री० आह हाय (२)अ० आह हा
आहा,(०हा) अ० आहा
आहीर पु० अहीर, ग्वाला
आहीरडी (–ण –णी) स्त्री० अहीरिन अहीरकी स्त्री
आहेडी पु० अहेरी, शिकारी
आळ न० कलंक, तोहमत(२) ढकोसला बहाना (३) स्त्री० नटखटी । [–ऊतरवु = कलंक टलना । –मूकवु = बोहतान जोडना तोहमत लगाना]
आळपंपाळ वि० मिथ्या (२) जो सत्य न हो (३) फुसलानेवाला (४) न० आश्वासन (५) भूतप्रेतादि
आळवीतरु वि० तूफ़ानी, ऊधमी
आळस स्त्री० न० आलस्य सुस्ती, काहिली, ढिलाई । [–आववी,(–वु) –चडवी, (–वु) अलसाना सुस्ती लगना । –खावी, (–वु) = आलसी होकर पडा रहना । –मरडवी = जम्हाई लेना]
आळसु वि० आलसी काहिल, सुस्त । [–नो पीर = बहुत बडा आलसी]
आळु वि० गीला (२) ताजा उधेडा हुआ कच्चा (चमडा) (३) जरा छूनेसे दर्द हो ऐसा (४) नरम गुदगुदा [बालक
आळुभोळु वि० भोला भाला (२) न०
आळेखवु स० क्रि० देखिये 'आलेखवु'
आळोटवु अ०क्रि० लोटना
आंक(०) पु० आँक, अंक (२) दर, मूल्य (३) मोटाईका या पतलेपनका हिसाब (सूतका) (४) निशानी चिह्न (५) अंदाज़ा (६) सीमा, हद (७) पु०ब० व० पहाडे । [–पाडवो, माडवो = दाम ठहराना] [करनेकी बही
आंकडावही(०) स्त्री० बीजक दर्ज
आंकडाशास्त्र(०) न० अंकशास्त्र, संख्याशास्त्र, 'स्टेटिस्टिक्स'
आंकडी(०) स्त्री० अँकुडी, हुक (२) कँटिया मछली पकडनेकी बंसी (३) आँतोंमें होनेवाली पीडा मरोड (४) अकडबाई (रोग) (५) सख्त एतराज़ नाराजगी [ला] [ऐंच-पेंच
आंकडीयूकडी(०) स्त्री० आँट साँट,
आंकडो(०) पु० आँकडा अँकुडा, हुक (२) कँटिया (३) डंक (बिच्छू वगैरहका) (४) मूछके सिरेकी ऐंठन
आंकडो(०) पु० आँकडा अंक संख्या संख्याका चिह्न (२) लेन देनका हिसाब या चिट्ठी (३) मिल (४) हेज़ । [–पाडवो = लिखना दाम ठहराना । –मूकवो = ठहराई हुई रकम लिखना । बे आंकडा (भणवा, आवडवा) = थोडा, सामान्य (पढना, आना)]
आंकणी(०) स्त्री० आँकने या लकीर खींचनेका साधन (२) अँकाई कूतना
आंकणु(०) न० चिह्न लगानेका बढईका एक औजार किलकी
आंकवु(०) स० क्रि० आँकना निशान लगाना (२) लकीर खींचना (३) कूतना अंदाजा करना आँकना (४)

इनामदार वि० इनाम पानेवाला (२) जिसके पास इनाममें मिली जमीन या गाँव हो, माफीदार, इनामदार (४) पु० एक अल्ल

इनामी वि० इनामसे संबंधित (२) इनाममें पाया हुआ (३) इनाम मिले ऐसा

इनायत स्त्री० इनायत भेंट

इन्कमटॅक्स पु० आय कर

इन्कार पु० मना (२) इनकार अस्वीकृति

इन्कारवु स० क्रि० इनकार करना

इन्किलाब झिंदाबाद = इनक्लाब जिंदाबाद क्रांति बनी रहे

इन्शाअल्लाह = ईश्वरेच्छा

इन्सान पु० न० इनसान मनुष्य (२) मनुष्य जाति [वता सज्जनता

इन्सानियत स्त्री० इनसानियत मान

इन्साफ पु० इंसाफ न्याय (२) फैसला। [–मागवो = न्याय करनेको कहना – अर्ज करना]

इन्साफी वि० इंसाफसे संबद्ध (२) न्यायी (३) स्त्री० इंसाफकी रीति (४) अदालत

इबादत स्त्री० इबादत भक्ति स्तुति

इबादतखाना न० **इबादतगाह** स्त्री० इबादतखाना, उपासना मंदिर

इमाम पु० इमाम (२) मुल्ला, काज़ी (३) वह झंडा जो ताजियेके आगे रखा जाता है पंजा (४) तसबीका सुमारदाना

इमारत स्त्री० इमारत हवेली

इमारती वि० इमारतसे संबद्ध (२) इमारतके कामका

इयत्ता स्त्री० नियत परिमाण संख्या आदि (२) इयत्ता प्रमाण (३) मात्रा

इयळ स्त्री० पिल्लू ढोला

इरादो पु० इरादा उद्देश आशय

इलकाब पु० खिताब पदवी

इलम पु० इल्म विद्या (२) जादू (३) जंतर मंतर, वशीकरण (४) उपाय

इलमबाज, इलमी वि० इल्म जाननेवाला (२) काबिल

इलाको (–खो) पु० इलाका प्रांत प्रदेश (२) हुकूमत – अधिकारका प्रदेश (३) हक इलाका

इलाज पु० इलाज उपाय (२) चिकित्सा

इलायची स्त्री० न० इलायची लायची

इलायदु वि० दखिये अलायदु

इलाही वि० खुदा-संबंधी ईश्वर-विषयक (२) वंदनीय [आदि

इशक, (०बाजी), (–की) दखिये इश्क

इशारत स्त्री० इशारत संकेत इशारा

इशारो पु० इशारा संकेत (२) सूचन

इश्क पु० इश्क प्रेम (२) कामविकार (३) आसक्ति [व्यापार

इश्कबाजी स्त्री० भोगविलास प्रणय

इश्की वि० आशिक (२) छैला

इश्की टट्टु न० इश्कबाज व्यभिचारी या कामी पुरुष

इसप (–ब)गूल न० इसबगोल

इसम पु० मनुष्य व्यक्ति शख्स

इस्कामत स्त्री० मालमत्ता मिल्कियत

इस्कोतरो पु० छोटा संदूक

इस्क्रू पु० स्क्रू। [–ढीलो होवो = मगज अस्थिर होना या ऐसा प्रतीत होना]

इस्टापडी स्त्री० सिटकिनी, खटका स्टॉपर

इस्तरी स्त्री० इस्तरी कस्तिरा

इस्तेमाल पु० इस्तमाल उपयोग

इस्त्री स्त्री० इस्तरी

इस्पिताल (–ळ) स्त्री० अस्पताल

इस्रायल्त वि०(२)पु० देखिये 'इसरायल'
इस्लाम पु० इसलाम
इस्लामी वि० इसलामी इसलाम सबधी (२) इसलामका अनुयायी
इगळा स्त्री० इगला, इडा नाडी
इच पु० इच
इजिन न० इजन
इतेजाम पु० इतजाम, बदोबस्त
इतेजार वि० आतुर, अधीर
इतेजारी स्त्री० इतजार, आतुरता
इद्रगोप पु० इद्रगोप, बीर-बहूटी
इद्रजव पु० इद्रजौ कुटजका बीज
इद्रवारणु न० इद्रायन (२) रूपवान किंतु कपटी मनुष्य [ला]

ई

ई स्त्री० देवनागरी वर्णमालाका चौथा वर्ण – एक स्वर
ईचवु (ई) स० क्रि० ठूसकर खाना (२) गुच्ची पर रखी हुई गुल्लीको डडेसे उछालना [पीडा चोट
ईजा स्त्री० ईजा कष्ट (२)(शारीरिक)
ईतरावु अ० क्रि० इतराना
ईनमीन नें (०साड)तीन=इने गिने, अल्प थोड
ईमान पु०, न० ईमान, श्रद्धा (२) धर्म, ईमान (३) अत करण (४) प्रामाणिकता, सचाई
ईमानदार वि० ईमानदार, सच्चा
ईमानदारी स्त्री० ईमानदारी दयानत
ईमानी वि० ईमानवाला प्रामाणिक
ईव स्त्री० हौवा, आद्य स्त्री
ईशान स्त्री० ईशान (२) पु० शिव
ईशानकोण पु० ईशान [ईशानी
ईशानी वि० ईशानका (२) स्त्री० दुर्गा
ईश्वर पु० ईश्वर, प्रभु (२) स्वामी मालिक (३) राजा। [–उपर चिठ्ठी = केवल ईश्वराधार। –ना घरनी चिठ्ठी, घरनु तेडु = खुदाके घर जाना, मौत आना। –ने खोळे बेसवु = ईश्वराधीन होना। –ने माथे के वचमा राखीने = ईश्वरको साक्षी बनाकर, खुदाका दरमियानमें रखकर, ईश्वरका डर रखकर। –ने लेखे, –ना नाम पर, –ने खातर = खुदाके वास्ते ईश्वरका डर रखकर, धर्म, दया या सत्यकी खातिर खुदाकी राह। ईश्वरे सामु जोवु = ईश्वरकी कृपा दृष्टि होना]
ईश्वरी वि० ईश्वर सबधी (२) स्त्री० दुर्गा ईश्वरी (३) देवी
ईस स्त्री० चारपाईके ढाँचेके दाहिनी और बायी ओर लगी दो लबी लकड़ियाँ, पाटी
ईसवी वि० ईसवी ईसाका
ईसवीसन पु०, स्त्री० ईसवी सन्
ईसाई वि० ईसाई (२) ईसाका
ईसामसीह ईसुख्रिस्त पु० ईसामसीह
ईस्वी वि० ईसवी
इट स्त्री० इट
इटवाडो पु० इटका भट्ठा, पजावा
इटाळो पु० इटकोहरा, इटका टुकडा (२) इटें बनानेका साँचा [हुआ
इटेरी (–ल) वि० इटोसे चुना जोडा

ईंडाळ स्त्री० अडे लेकर जानेवाली चीटियोकी पंक्ति (२) छोटे छोटे अडाका ढेर (३) बच्चाकी धाड, कच्चे-बच्चे [ला]

ईंडुं न० अंडा (२) मंदिरका कलश

ईढोणी स्त्री० इडुरी गेंडुरी, ईंडरी

ईंधण (-णुं) न० ईंधन जलावन

उ

उ पु० नागरी वर्णमालाका पाँचवाँ अक्षर – एक मुख्य स्वर

उकरडी स्त्री० कूडेका छोटा ढेर (२) ब्याहके अवसर पर कूडा-करकट डालनेकी जगह(३)एक मलिन देवता

उकरडो पु० घूरा (२) गंदा स्थान गंदगी [ला] [व्याकुलता

उकराटो पु० जोश आवेश (२)

उकळाट पु० ऊमस (२) गुस्सा (३) संताप

उकाळवुं स० क्रि० उबालना (२)फायदा करना [ला] (३) बिगाडना (व्यंग्यमें)

उकाळाव अ० क्रि० उबाला जाना

उकाळो पु० उबालना (२) काढा धनिया लौंग आदि मसालोको पानीमें औटाकर बनाया हुआ पेय (३) ऊमस (४) कुढन संताप

उकाटो पु० आवेश जोश (२) उबकाई (३) अरुचि उकताना (४) कंप सिहरन (५) अव्यवहृत किनारा

उकासण न० उकसाहट उत्तजना

उकासवुं स० क्रि० खोद निकालना बाहर निकालना (२) ध्यान पर लाना पुरानी भूली हुई बातोंकी याद दिलाना [ला] (३) उकसाना उभारना

उकेरो पु० देखिये उकरडा

उकेल पु० स्त्री० सूझ समझ (२) रास्ता हल सुलझाव। [–काढवो = निबटारा या फैसला करना, उपाय बताना सुलझाना। –पडवो = सूझना हल होना, निबटना]

उकेलवुं स० क्रि० खोलना उधेडना (लपेट बट गुत्थी, टाँका आदि) (२) बाँचना (३) खतम करना निबटाना (४) उकेलना खोलना खुला करना

उकेलावुं अ० क्रि० उकेलवुं क्रियाका कर्मणिरूप उकेला जाना

उखडियो पु० खुरचनी

उखरडुं (-णुं) वि० खुला (२) न० दूसरेकी बात जाहिर करना

उखराटुं वि० खुला

उखरांटो पु० धातुके पात्र परका दाग

उखाडवुं स०क्रि० ऊखडवुं क्रियाका प्रेरणार्थक रूप(२)उखाडना(३)पदच्युत करना [ला] (४) नाश करना

उखाणुं न० (–णो) पु० समस्या पहेली (२) कहावत मिसाल दृष्टांत

उखाळवुं स०क्रि० उखाडना(२)उकेलना उधेडना (३) भूली हुई बातोंको याद दिलाना [ला]

उखेड वि० जोतनेके अयोग्य (जमीन) खराब (२)जो परती रहा हो वीरान (३)पु० स्त्री० उखाडी हुई चीज, परत

उखेडवुं स० क्रि० देखिये उखाडवुं

उखेडावु अ० क्रि० 'उखेडवु' क्रियाका कर्मणिरूप, उखेडा जाना

उगटणु न० हलदी और तेल मिला उबटन जो वर-कन्याको लगाते हैं

उगम पु० उगना उदय (२)आरंभ मूल

उगमणु वि० पूरबका, मशरिकी

उगाडवु स० क्रि० उगाना

उगामवु स० क्रि० मारनेके लिए उठाना, तानना [(२)बचत लाभ

उगार पु० उबार, बचाव, छुटकारा

उगारवु स०क्रि० उबारना, बचा लेना (२) बचत करना ['उगावो

उगारो पु० देखिये 'उगार'(२)देखिये

उगावो पु० उगना फलना फूलना(२) वर्षाकालमें उगनेवाले छोटे-छोटे पौधोंका समूह

उघडाववु स०क्रि० 'ऊघडवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप, खुलवाना

उघराई स्त्री० उगाही लगान, कर्ज कर इत्यादिकी वसूली

उघराणियो पु० तलबगार, वसूलीका काम करनेवाला

उघराणी स्त्री० उगाही (२)तकाजा

उघराणु न० चंदा, फंड

उघरात स्त्री० देखिये उघराई

उघरातदार वि० वसूली करनेवाला, तलबगार

उघराववु स०क्रि० उगाहना तहसीलना

उघलाववु स० क्रि० ऊघलवु क्रियाका प्रेरणार्थक रूप बरयात्रा निकालना

उघाड पु० बादलोंका हट जाना आकाशका खुलना (२) भाग्यका उदय लाभ [ला] । [-नीकळवो = (बादल आदिका हटकर) धूप निकलना]

उघाडपगु वि० नंगे पैर चलनेवाला

उघाडबारु वि० जो चोरको सुगम हो, खुला (२) न० भाग छूटनेका रास्ता, चोर खिडकी [करना

उघाडवास स्त्री० खोलना और बंद

उघाडवु स० क्रि० उघाडना खोलना

उघाडु वि० खुला, जो ढँका, बंद या भिडा हुआ न हो (२) जिसने ओढा, पहना न हो नंगा (३) साफ, स्पष्ट (४) प्रकट, जाहिर (५) अरक्षित। [**-करवु, पाडवु** = खुला या प्रकट करना (२)जाहिरमें बदनाम हो और सब निंदा करे ऐसा करना। **-थवु, पडवु** = जाहिर होना, परदा खुलना (२) बदनाम होना। **उघाडे चोक, उघाडे छोगे, उघाडे बारणे** = जाहिरमें, खुले आम, खुले खजाने]

उघाडु पुगाडु वि० नंगा, नंगधडंग

उचकामण न०, (-णी) स्त्री० ढोनेकी मजदूरी ढुलाई

उचकाववु स०क्रि० 'ऊचकवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप उठवाना

उचाट पु० उचाट फिक्र (२) अधीरता

उचापत स्त्री० हडप अनुचित रीतिसे किसी चीजको उडाना

उचाळो पु० घरका माल असबाब। [**उचाळा भरवा** = घर-बार खाली करके निकलना या भाग जाना, बोरिया-बँधना उठाना या समेटना (२) चपत होना चलते बनना]

उचेडवु स०क्रि० उधेडना, (छाल) उतारना

उच्चक वि० मोल-तोल किये बिना ऐसे ही दिया हुआ रखा हुआ या ठहराया हुआ

उच्चरवु स० क्रि० बोलना

उच्चारवु स० क्रि० उच्चारण करना (२) बोलना
उच्चालक पु० ऊँचा उठानेका मुख्य साधन उत्तोलनदंड लीवर' [प वि]
उच्चालन न० ऊंचा करना उचकाना (२) लीवरकी मददसे बल लगानेकी एक योजना [प वि]
उच्छेदवु स० क्रि० उच्छेद करना
उच्छेदियुं वि० लावारिस, निर्वंश (२) उच्छेदी(३) न० लावारिसकी जायदाद
उछरंग पु० आनंद या आनंदकी उछाल
उछरंगी वि० हर्षोन्मत्त आनंदविभोर
उछाट पु० उछाल आवेग
उछामणी स्त्री० होड स्पर्धा (२) नीलाम
उछाळ स्त्री० उछाल
उछाळवु स०क्रि० उछालना (२) ऊपर नीचे करना (नाक इ०) (३) (धनका) दुरुपयोग करना
उछाळाबंध अ० उछलते हुए
उछाळो पु० उछाल छलांग (२) यकायक बढती (३) आवेश जोश (४) हमला (५) उबकाई। [-आववो =एकदम उछल पडना ऊंचे जाना। -मारवो=जोरसे उछलना]
उछांछळवेडा पु०ब०व० उद्धत बरताव
उछांछळुं वि० उद्धत(२)बेहया निलज्ज
उछीतुं (-नुं) वि० लौटानेकी शर्त पर मांगकर लिया या दिया हुआ मंगनीका
उछेदियुं वि० (२) न० देखिये 'उच्छेदियुं'
उछेर पु० स्त्री० पालन-पोषण परवरिश (२) शिक्षा-दीक्षा तालीम
उछेरवु स० क्रि० पाल-पोसकर बडा करना (२) शिक्षा-दीक्षा देना संस्कारवान बनाना
उजवणी स्त्री० (पर्व तिथि त्योहारादि) उत्सव मनाना (२) वनभोजन
उजवणुं न० व्रतादिकी समाप्तिका उत्सव
उजवावु स० क्रि० ऊजववु क्रियाका प्रेरणार्थक रूप किसी कार्यको संपन्न करवाना [उच्चजातीय
उजळियात वि० उच्च (ऊंच) जातिका
उजागर वि० उजागर चमकदार
उजागरो पु० उजागरा रतजगा (२) चिंता
उजाड स्त्री० बरबादी तबाही
उजाडवु स० क्रि० उजाडना
उजाणी स्त्री० वनभोजन (२) जियाफत
उजाश (-स) पु० उजास रोशनी
उजाळवु स० क्रि० उजालना (२) चमकाना रोशन करना [ला]
उजाश (-स) पु० देखिये उजास
उज्जड वि० उजाड वीरान
उझरडवु स० क्रि० नोचना
उझरडावु अ०क्रि० नुचना नोचा जाना
उझरडो, उझेडो पु० खरोंच रगड
उटकटो पु० एक वनस्पति उत्कटो
उटकामण न० (बरतन) मांजनेमें काम आनेवाली चीज (२) मांजनेकी मजदूरी मजाई
उटकाववु स० क्रि० मजवाना
उटपट(-टा)ग वि० (२) न० देखिये उटंग
उटवणुं न० उबटन
उटंग वि० ऊटपटांग असंगत (२) न० बेसिर-परकी बात गप (३) तरंग मनकी लहर
उटंगी वि० मनमौजी (२) गप्पी
उटांग वि० देखिए 'उटंग

उटाटियु न०, (–यो) पु० कुकुरखांसी
उठम(–व)णु न० मतक व्यक्तिके घर बैठने जानेकी एक रीति, मानमपुरसी
उठाउ, (०गीर) वि० उठाईगीरा, उचक्का चाईं ।(३)खडा करना
उठाडवु स०क्रि० उठाना (२) जगाना
उठामणु न० देखिये 'उठमण'
उठाव पु० उठाव उभार (२)ऊँचाई, उठान (३) खपत बिक्री (४) कल्पना, मनकी लहर (५) देखाव, तडक भडक [सुहावना
उठावदार वि० असरकारक, दर्शनीय,
उठाववु स०क्रि० उठाना, उचवाना (२) चुपकेसे उठाकर चलते बनना चुराना (३) (खूब) खाना (४) जगाना माथे टूटको उठाना (५) खडा करना, तैयार करना (६) पालन करना मानना अमल करना (हुकम सवादि)
उठावावु अ० क्रि० उठाया जाना
उठावु अ० क्रि० ऊठवु क्रियाका भावे रूप उठा जाना
उठावो पु० मनगढत या बनावटी बात (२) खपत उठाव
उठातरी स्त्री० चपत बनना चल देना। [–करवी = नौ दो ग्यारह होना]
उडताळीस वि० देखिये अडताळीस'
उडाउ वि० उडाऊ, फजूलखच
उडाउपणु न० उडाऊपन, फजूलखर्ची
उडाडवु स०क्रि० देखिये उडाववु (२) उडाना (मक्खी चिडिया आदिको)
उडाण (–न) वि० जो उडता हो ऐसा लगे, वायुवगी (२) न० उडान
उडाणघोडो पु० उडनेवाला घोडा (२) वायुवगी घोडा
उडाववु स० क्रि० उडाना (पतग) (२) उडा देना, फजूल खर्च करना (३) अफवाह फैलाना (४) धकमा दना, धाका दना, उडान मारना (५)मजाक उडाना (६) (परीक्षामें) फेल करना। [उडावी देवु = लापता कर देना (२) फजूल खच कर डालना उडा देना (३) (सिर अग) काट डालना, मार डालना, नष्ट–ध्वस्त कर देना (सुरग आदिसे)]
उडावु अ० क्रि० उडा जाना
उडरणु न० बीड, बिडई
उढाणी, उढेणी स्त्री० इडुरी, इडुवा गूथी हुई छोटी बिडई
उढाणु न० देखिये 'उढरणु'
उतरड स्त्री० एकके ऊपर एक (एकस एक छोटा ऐसे क्रममें) रखे बरतन
उतरडवु स० क्रि० उधेडना (२) (छाल, चमडी इ०) खीचना
उतराण स्त्री० मकर-सक्राति (२) मकर-सक्राति (त्योहार), खिचडवार
उतराण न० उतार वह जगह जहासे नदी चलकर पार की जा सके
उतरातु (–वु) वि० उत्तरका, उत्तरी
उतरामण न०, (–णी) स्त्री० उतराई
उतराववु स० क्रि० उतरवाना (२) 'ऊतरवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप (३) (सिर परका बोझ) उतारनेमें मदद करना
उतार पु० उतार उतराव ढाल(२) भाटा (३) (नशा, जहर मत्र, खराब असर, दवा इ० का) प्रभाव दूर करने या उतारनेका उपाय, उतार(४)रोग या भूत प्रेतके असरको उतारनेके लिए सिर परसे वारी हुई सामग्री, उतारा

(५) अधमाधम मनुष्य या ऐसे मनुष्योंका गुट [ला]

उतारवु स० क्रि० ऊतरवु' क्रियाका प्रेरणायक रूप (२) उतारना (३) खराद या चाक आदि पर चीज तयार करना, उतारना (४) सान चढाना (५) लिखना, नकल करना (६) जहरका असर उतारना (७) पार पहुँचाना (८) भूत प्रेतके असरको दूर करनेके लिए सिर परसे वारना। [**उतारी पाडवु**=बात काटना बातका बीचमें खडन करना (२) मान भग करना हलकी या नीची श्रेणीमें रख देना]

उतारु पु० प्रवासी मुसाफिर (२) (सराय होटल आदिमें) ठहरनेवाला

उतारो पु० उतारा पडाव मुकाम (२) अवतरण उद्धृत अश

उतावळ स्त्री० उतावली जल्दी

उतावळियु वि० उतावला जल्दबाज (२) अधीर [उतावला

उतावळु वि० तेज वेगी (२) अधीर

उतावु अ० क्रि० ऊतवु क्रियाका भावरूप उकठना

उतेडवु स० क्रि० देखिये उतरडवु'

उत्केंद्रकोण पु० केंद्रापसारी कोण एक्सेंट्रिक एगल [ग]

उत्तर वि० उत्तर पिछला (२) पीछे आनेवाला (३) –से अधिक ज्यादा (४) बायाँ (५) पु० न० जवाब उत्तर (६) बचाव सफाई (अभियोगसे) (७) स्त्री० उत्तर दिशा (८) अ० पीछे। [**–आपवो**=जवाब देना (२) बचावमें कहना, सफाई पेश करना]

उत्तरध्रुव पु० उत्तरी ध्रुव

उत्तरपक्ष पु० बचावपक्ष प्रतिवादी (२) प्रतिवादीका जवाब (३) कृष्णपक्ष

उत्तरपत्र न० पु० उत्तर पुस्तक

उत्तरवही स्त्री० उत्तर-पुस्तक

उत्तेजन न० उत्तेजन प्रोत्साहन (२) उत्तेजना। [**–आपवु, देवु**=बढावा देना भडकाना उकसाना। **–मळवु**= प्रोत्साहन मिलना]

उत्तेजवु स० क्रि० हौसला बढाना, बढावा देना

उत्थान न० उत्थान (२) उदय (३) उन्नति, जागति (४) उत्साह हौसला (५) सहायता

उत्थापवु स० क्रि० खडन करना उखाडना (२) (आज्ञा नियम आदिका) तोडना या न मानना (३) उठाना जगाना

उत्पन्न वि० उत्पन्न जनमा हुआ (२) उपजा हुआ बना हुआ (३) उगा हुआ (४) न० पैदावार उपज (५) कमाई (६) नफा लाभ

उत्पात पु० उछाल छलाँग (२) धांधल ऊधम उत्पात (३) विपत्सूचक आकस्मिक घटना (४) विनाशकारी आपत्ति (भूकप आदि) उत्पात

उत्पातियु, उत्पाती वि० उत्पाती खुराफाती शात न रहनेवाला (२) ऊधमी शैतान (३) उत्पात मचानेवाला उपद्रवी

उत्पादन न० उत्पादन पैदा करना (२) पैदावार उपज (३) फल लाभ

उत्साह पु० उत्साह हौसला उमग (२) आनद हर्ष (३) तत्‍परता खत। [**–रेडवो**=जोश पैदा करना हौसला बढाना

उथलाववु स०क्रि० 'ऊथल्वु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप, उथल-पुथल कर देना (२) पदच्युत करना (३) पलटना बदलना

उथापन न०,(–ना) स्त्री० उत्थापन उठाना, जगाना (२) मदिरमें देवताका सोकर उठना (३) न मानना

उथापवु स० त्रि० बदलना या हटा देना (२) उलटना पलटना (३) आज्ञाका उल्लघन करना

उथामवु स० त्रि० इधरसे उधर उठाना और रखना बार बार उठाना (२) बिखेरना, तितर बितर या ऊपर-नीचे कर देना (३) व्यर्थ श्रम करना (४) इधर उधर खोजना

उदबत्ती स्त्री० ऊदबत्ती अगरबत्ती

उदमात पु० ऊधम, उत्पात

उदमातियु वि० ऊधमी शरारती उत्पाती

उदय पु० उदय, उगना (२) बढती, उन्नति (३) प्रकट होना उद्भव। [–पामवु = उदित होना उगना (२) उन्नति होना]

उदयात वि० सूर्योदयकालमें पडनेवाली तिथि उदया तिथि

उदर न० उदर पेट (२) गर्भाशय (३) भीतर खाखला भाग (पेड पहाडका) (४) आजीविका रोजी [ला] (५) वस्तुका भीतरी भाग। [–भरवु=खाना (२) गुजारा करना पेट पालना]

उदरनिर्वाह पु० आजीविका गुजरान

उदरस स्त्री० देखिये उधरस

उदबर (–रो), **उदुबर** पु० गूलर (२) देहली (३) हिजडा

उदारमतवाद पु० रूढिवादी न रहकर नये सुधाराके लिए अवकाश रखनेवाला वाद, 'लिबरलिज्म'

उदास वि० उदासीन, निरपेक्ष तटस्थ बेपरवाह (२) विरक्त विषयवासनाकी इच्छासे रहित (३) गमगीन, उदास, खिन्न [तटस्थ, निष्पक्ष

उदासीन वि० उदासीन, विरक्त (२)

उदाहरण न० उदाहरण मिसाल। [–आपवु, देवु = मिसाल देना। –लेवु = सबक लेना, दृष्टात परसे सीख लेना, समझना]

उद्गार पु० उद्गार, बोल, शब्द। [–काढवो = उच्चारण करना बोलना (भाव या लागणी के साथ)]

उदगारचिह्न न० आश्चर्यचिह्न '!'

उदघाटन न० उद्घाटन खोलना (२) स्पष्ट करना, समझाना (३) खोलनेका साधन (कुजी वगैरह) (४) रहँट

उदघाटनक्रिया स्त्री० उदघाटन विधि

उद्देश पु० उद्देश, हेतु, इरादा

उद्देशवु स० क्रि० नाम लेकर या लक्ष्य करके कहना [उद्देश्य [व्या]

उद्देश्य वि० उद्देश्य लक्ष्य (२) न०

उद्देश्यवधक न० उद्देश्यवधक [व्या]

उद्धारवु स० क्रि० उद्धार करना

उदभववु अ० क्रि० उत्पन्न होना

उद्योग पु० उद्योग पेशा व्यवसाय (२) कामकाज उद्यम (३) मेहनत, श्रम

उद्योगधधो पु० उद्योग धधा काम-काज रोजगार [स्त्री० उद्योगशाला

उद्योगमदिर न० उद्योगशाला (–ळा)

उधडकवु अ० क्रि० (हृदयका) धडकना काँपना (२) सोते सोते यकायक जाग उठना उचकना

उघमात पु० (–तियु) वि० देखिये उन्मात आदि

उघरस स्त्री० खाँसी। [–आववी = खाँसी आना। –खावी = खाँसना]

उघान न० ऊँचे चढ़ना (२) दमा (३) बड़ा ज्वार (समुद्रके जलका) (४) पशुओंकी संभोगकी इच्छा (५) तीनकी संख्याका व्यापारियोंका संकेत। [–चडवु = बडा ज्वार आना (२) दमेका हमला होना]

उधामो पु० प्रयत्न (२) मिथ्या दौड धूप। [–करवो = बहुत दौड धूप करना, महा प्रयत्न करना]

उधायेलु वि० दीमकका खाया हुआ

उधार वि० उधार (२) चुकता न किया हुआ (३) गया बाता निकृष्ट बोझ-सा [ला]। [–करवु = नाम पर लिखवाकर खरीदना, कर्ज करना। –लेवु = पैसे बाकी रखकर माल खरीदना]

उधारनोंध स्त्री० उधार बचा हुआ माल लिखनेकी बही, उधार नोंधबही

उधारपासु न० बहीका वह भाग जहाँ खर्चकी रकमें लिखी जाती है, खर्चबाजू

उधारवही स्त्री० देखिये उधारनोंध

उधारवु स०क्रि० नामे लिखना, खर्च लिखना

उधारावु अ०क्रि० उधारवु क्रियाका कर्मणि रूप, नाम पर लिखा जाना

उधारियु वि० बार बार उधार पर खरीदनेवाला

उधारु वि० देखिये उधार

उधारो पु० उधार या खर्चका हिसाब (२) वादा (३) विलंब, ढिलाई (४) घाटा

उधई स्त्री० दीमक

उधेडवु स० क्रि० देखिये 'उखेडवु'

उध्धड वि० देखिये ऊधड

उनामणियु, उनामणु(ना) न० नहानेका पानी गरम करनेका पात्र

उनाळु(ना) वि० गरमियोंमें बोया जानेवाली या तयार होनेवाली, चैती (२) ग्रीष्म-संबंधी, ग्रीष्मकालीन

उनाळो(ना) पु० गरमीका मौसम, गरमी

उमनु वि० उन्मना, अधीर, आतुर (२) खिन्न, अनमना [उपजाऊ

उपजाउ वि० उत्पादक (२) जरखेज,

उपकार पु० उपकार (२) मदद, सहायता (३) एहसान। [–चडवो = एहसानमंद होना। –मानवो = एहसान मानना]

उपजाववु स० क्रि० 'ऊपजवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप (२) मनसे उपजाना, बनाना, गढ़ना

उपटण (–णु) न० उबटन

उपडाई स्त्री० (–मण) न० (–मणी) स्त्री० उठानेकी उजरत, उठौनी

उपडाववु स० क्रि० 'उपाडवु', 'ऊपडवु' की प्रेरणार्थक क्रिया

उपणाववु स० क्रि० ऊपणवु क्रियाका प्रेरणार्थक रूप, ओसानेमें मदद करना

उपतंत्री पु० सहायक संपादक

उपदेशवु स० क्रि० उपदेश देना

उपनगर न० उपनगर

उपमंत्री पु० उपमंत्री, सहायक मंत्री

उपयोग पु० उपयोग, काम, व्यवहार, प्रयोग (२) जरूरत, उपयोग (३) ध्यान, सतर्कता (जैन)। [–लेवो = काममें लाना, इस्तेमाल करना]

उपयोगिता स्त्री० उपयोगिता
उपयोगी वि० उपयोगी, काममें आनेवाला कार-आमद
उपर अ० ऊपर (२) ऊँचे, नीचेका उल्टा (पद स्थान, क्रम आदिसे) (३)–से ज्यादह अलावा अतिरिक्त (४)(–से)आगे, ऊँचे दरजेमें (५) आगे, पहले पूर्व (६) –के सहारे –की वजहसे (७) बारेमें, –की बाबत (८) किनारे पर। [–जवु =जात या स्वभाव पर जाना। –नीचे थवु=अधीर बनना। –बेसवु, –ने उपर बेसवु=निगरानी रखकर काम लेना (किसी व्यक्ति या कामकी)। –ने उपर राखवु=अपना पल्ला नीचे न पड़ने देना (२) खूब दुलारना। –पग मूकवो=न मानना अवगणना करना (२) कुचलना। –पडवु= प्रतियोगिता या होड़में उतरना (२) काम बिगाड़ना रुकावट डालना(३) –के आसरे जाना, योग्य बनना (४) रूप, गुण आदिमें मिलना-जुलता होना उदा० 'ए एना बाप उपर पड्यो छे'। –रहीने=जान बूझकर]
उपरउपरथी अ० ऊपर ऊपर बाला बाला (२) जरा-जरा
उपरउपरनु वि० ऊपरी, दिखाऊ
उपरचोटियु, उपरछलु (–ल्लु) वि० ऊपर-ऊपरका छिछला, दिखावटी
उपरटपके अ० ऊपर ऊपर (२) हिसाब-वहीमें चढाये बिना
उपरणी स्त्री० ओढना, छोटा उपरना
उपरणु न०,(–णो)पु० उपरना दुपट्टा
उपरवट स्त्री० अनधिकार बड़े अधिकारीका भाव जताना(२)उल्लंघन, अवगणना (३) वि० विरुद्ध, अवगणना करनेवाला (४) बढ़ेचढ़े ऐसा, सवाया। [–जवु,थवु=अवगणना करके काम करना]
उपरवटणो पु० सरलकी मूसली, बट्टा
उपरवाड स्त्री० घर मुहल्ले या गावके पासका हिस्सा
उपरवास अ० पानी या पवनके बहावकी उलटी दिशामें, उजान
उपरवास पु० बालाखानेमें रहना
उपराउपर, उपराउ(–छा)परी अ० लगातार, एकके बाद एक
उपराणु न० पक्ष लेना तरफदारी
उपरामणी स्त्री० दो चीजोंके अदल बदलमें मूल्यका तफावत जो अधिक देनेका हो फर्क
उपराळु न० देखिये 'उपराणु
उपरात अ० ज्यादा, अधिक (२) अतिरिक्त, सिवा, (इसके) अलावा (३) बाद, ऊपरसे उपरांत
उपरी पु० बडा अधिकारी बडा अफसर (२)वि० ऊपरी [बर्ताव
उपरीपणु न० बडा अफसर हो ऐसा
उपरु वि० तिरछा पहलूके बल (२) खडा उदा० खाटलो उफरो करवो
उपलक वि० ऊपर-ऊपरका(२)फालतू (३) हिसाबवहीमें नोंध किया हुआ मगर किसी खास खानेमें नहीं चढ़ाया हुआ उचत। [–माडवु, राखवु= किसी खास खातेमें चढाये बिना वहीमें दर्ज कर लेना या नोंध करना]
उपलक्यि वि० छिछला ऊपर ऊपरका दिखावेका
उपलाण वि० ऊपरका ऊपरके हिस्सेका (२)न० ऊपरका हिस्सा या बाजू

(४) नये सिरेसे शुरू होना रुके हुए कामका जारी होना खुलना (स्कूल आदि)

ऊथलवु अ० क्रि० घोडी चढना (२) बदनाम होना (कटाक्षमें)

ऊचक अ० देखिये उच्चक

ऊचकवु स० क्रि० उठाना ऊँचा करना सिर पर रख लेना (२) उलाहना देना धमकाना [ला]

ऊचकावु अ० क्रि० उठाया जाना

ऊचकी स्त्री० हिचकी

ऊचकु वि० मँगनीका (२) नाप्तार

ऊचक्को पु० उचक्का (२) ठग

ऊचमूच अ० अचानक [लेना

ऊचो जवु अ० क्रि० दूध देना बन्द कर

ऊछरवु अ० क्रि० पलना

ऊछळवु अ० क्रि० उछलना (२) जोश मारना (३) छलाँग भरना उछलना (४) धडाधड चलना (लाठी तलवार वस्तु इत्यादि) (५) खूब बढ़ जाना (चीजोंके दाम)

ऊजड वि० देखिये उजड वीरान

ऊजववु स० क्रि० (व्रतादिका) उद्यापन करना (२) उत्सव मनाना (३) बदनाम करना (कटाक्षमें) [कर्मणिरूप

ऊजवावु अ० क्रि० ऊजववु क्रियाका

ऊजळाई स्त्री० चमक उजलापन (२) स्वच्छता (३) सच्चारित्रता (४) धन संपत्तिसे पूर्ण होनेका आडंबर

ऊजळाट पु० (–पण) स्त्री० न० (–प) स्त्री० उजलापन

ऊजळु वि० उजला सफेद (२) उजागर चमकदार (३) निर्मल स्वच्छ (४) उच्च वर्णका (५) अच्छी चाल चलनेवाला सदाचारी (६) धनसे सुखी। [ऊजळां पगलांनु =नेक कदम, शुभ सगुनवाला। ऊजळे लुगडे=आबरूके साथ, बिना बदनामीके]

ऊजळु (०फट), (०फटाक), (०बग), (०बग जेवु) वि० एकदम सफेद

ऊझवु स० क्रि० त्याग करना छोडना

ऊटकवु स० क्रि० माँजना

ऊटकावु अ० क्रि० माजा जाना

ऊटोकूटो पु० अनाजको कूटकर फट कनेके बाद रहनेवाले छिलके भूसी

ऊठ (–ठु) वि० साढ़े तीनगुना

ऊठबेस स्त्री० उठ बैठ (२) उठने बैठनेकी कसरत उठा-बैठी (३) एक प्रकारकी सजा (४) बार बार उठना और बैठना (बेकरारी या घबडाहटसे)

ऊठवु अ०क्रि० उठना खडा होना (२) जागना (३) चौकन्ना – सजग होना उद्यत होना या उठ खडा होना (४) अचानक उपस्थित होना आ पडना टूट पडना (दंगा आँधी) (५) काम खतम करके उठना (सभा अदालत) (६) खिलना निखरना, बराबर खुलना उभरना (७) दिलसे उतरना मन फिर जाना। [ऊठ पहाणा पग पर=अपने ही हाथों अपना खराब करना। ऊठतां बेसतां उठते-बैठते हर वक्त। ऊठी जवु =चला जाना (२) (शाला) छोड देना (३) दिवाला निकालना तबाह होना (४) मर जाना। ऊठीने बेठु थवु=बीमारीमेंसे अच्छा होना]

ऊठवेठ स्त्री० सेवा-टहलमें हरदम हाजिर रहनेसे होनेवाला श्रम (२) वह श्रम जो बेगार-सा लगे

ऊठां न० ब० व० साढे तीनका पहाडा, हूँठा । [—गणाववां, भणाववां = भरमाना, धोखा देना, छलना]
ऊडकवु,ऊडकावु देखिये 'ऊटकवु' आदि
ऊडझूड अ० अधाधुध, बिना सोचे-विचारे, आँखें मूदकर
ऊडझूडियु वि० अधाधुध, विचारहीन (२) वैसे काम करनेवाला, अधा
ऊडण वि० उडाकू, उडनेवाला (२) छुतहा, सक्रामक (३) साधारण तापमान पर उड जानेवाला (तेल आदि), वोलेटाइल [र वि]
ऊडणखाटली स्त्री० उडनखटोला बलून
ऊडणघो स्त्री० चदनगोह
ऊडणघोडो पु० उडनघोडा
ऊडणपावडी स्त्री० पवनपादुका
ऊडमूड अ० यकायक, चुपकेसे
ऊडवु अ० क्रि० उडना (२) तेज चलना, दौडना (३) फीका पडना—उडना (रग आदि) (४) भागना, छू होना (५) बिकना, खपना (वस्तु, माल आदि) (६) फलना (७) (किसी पर) आक्रमण करना, टूट पडना (८) (परीक्षामें) असफल रहना । [ऊडता काग पाडे एवु = चकोर, बाहोश, कसे भी पार पाये ऐसा, घाघ (२) धारारती, उत्पाती । ऊडीने आखे वाळवु = एकदम सुदर लगना, आँखमें बसना]
ऊडझूड अ० बिना सोचे-समझे, बिना इत्तला दिये
ऊडाऊड (—डी) स्त्री० बार-बार उडना
ऊडी स्त्री० उडी, मालखमकी एक कसरत
ऊडी जवु = भापके रूपमें हवामें उड जाना (गध कपूर, स्पिरिट आदिका)

ऊडेल (—लु) वि० चचल वृत्तिका (२) बहका हुआ
ऊढण न० इडुवा, विडई
ऊण वि० ऊन, यून, अधूरा (२) स्त्री० कमी, न्यूनता
ऊणप (—म) स्त्री० न्यूनता, कमी (२) अपूणता (३) दोप, बुराई
ऊणु वि० अपूण, कम, अधूरा
ऊतडवु स० क्रि० देखिये 'उतरडवु'
ऊतरचड स्त्री० चढा उतरी
ऊतरवु अ० क्रि० उतरना (२) गिरना घटना, कम होना (वस्तुओके भाव) (३) (गुण, स्थिति, स्वभावमें) हल्का पडना, बिगडना खानेकी चीजोंका बिगडना औसना (४) तौलमें ठीक उतरना (५) होना, उपजना, पाना (फसल) (६) ठहरना, मुकाम करना (७) हूबहू बनना (नकल, छबी) (८) (स्पर्धा, नाटक आदिमें) शरीक होना (९) (किसी अग या हड्डीका अपने स्थानसे हटना उखडना (१०) (ग्रह या दशाका) योग समाप्त होना, असर हटना (११) लज्जित होना, मुह लटक जाना (१२) (रग) घुल जाना (१३) (मन, हृदय, ध्यानमें) ठीक जमना, बठना, खयालमें आना, भाना, घर करना, जगह करना (१४) (बाल) झडना, निकलना (१५) स० क्रि० पार करना, पार उतरना (नदी, पुल आदि) । [ऊतरतां पाणी = कम होता जाता जोश, हौसला, जोर या स्थिति (२) बुढापा । ऊतरी जवु = सडना या औसना (२) ठीक उतरना । ऊतरी पडवु = जल्दी उतरना (२) गुस्सा होकर

लडने पर उतारू होना, आपेसे बाहर होना, डाँटना, (५) उलहना देना]

ऊतरावु अ० क्रि० ऊतरवु क्रियाका भावेरूप उतरा जाना

ऊतरेलु वि० निकृष्ट उपयोगमें से रद्द किया हुआ (कपडा वगैरह) उतरन 'सेकंड हैंड'

ऊतवु अ० क्रि० हवा या पानीके असरसे (लकडीका) ऐंठ जाना, उचटना

ऊतळु वि० उथला कम गहरा

ऊथपाथल वि० उलट-पलट परिवर्तित (२) स्त्री० उथल पुथल

ऊथल(-ला)वु अ० क्रि० औंधा होकर गिरना, उलटना

ऊथलो पु० पलटा, पलटा खाना (२) अच्छा होनेके बाद फिर रोगका आक्रमण होना, दौरा (३) कवितामें छदातर सूचित करनेवाला पद्य (४) प्रत्युत्तर। [-खावो = उलटना, औंधा या उलटा होना (२) बीमारीमें से उठकर फिर रोगग्रस्त होना। -मारवो = पलट देना, नीचेका भाग ऊपर करना (२) पलटा खाना, उलट जाना]

ऊदबत्ती स्त्री० ऊदबत्ती, अगरबत्ती

ऊदु वि० बगनी ऊदा

ऊधई स्त्री० दीमक

ऊधड वि० मोल-तोल किये विना ऐसे ही दिया लिया या अदाजसे ठहराया हुआ (ऐसी दर नाप खरीद)

ऊधडु वि० देखिये ऊधड' (२) न० ऐसा काम। [-लेवु = आडे हाथो लेना, खूब धमकाना]

ऊधर(-रा)वु अ० क्रि० खचमें लिखा जाना (२) दूर होना टलना (३) पलना

ऊनवा (न) पु० एक मूत्ररोग, सूजाक

ऊनु(नु) वि० गरम, तप्त (२) ज्वरयुक्त। [ऊनी आच (आववी, लागवी) = आँच आना, कुछ नुकसान, भय, जोखिम या बेइज्जती हो ऐसा प्रसग या समय। ऊनी वराळ काढवी = दिलका गुबार निकालना, अपना दुखडा रोना]

ऊपज स्त्री० उपज, पैदावार (२) आमदनी प्राप्ति (३) नफा

ऊपजनीपज स्त्री० पदावार और बढती (२) उपज (३) शुद्ध आय असल आमदनी

ऊपजवु अ०क्रि० उपजना उत्पन्न होना जनमना (२) बनना परिणत होना (३) मिलना सिद्ध होना प्राप्त होना या आमदनी होना (४) दाम मिलना (५) असर पडना वस चलना

ऊपजवेरो पु० आयकर

ऊपटवु अ० क्रि० उडना (रग आदिका)

ऊपडवु अ०क्रि० उभरना ऊँचा होना (२) उठाया जाना (३) प्रस्थान करना निकलना उठना, चलना छूटना (४) अचानक शुरू होना उठना (पीडा रोग आदिका) (५) चुराया जाना हडप हो जाना (६) पसाका वापस लिया जाना (७) बिकना खपना (८) झपटना, लपकना। [ऊपडता(-ती)नें = एकदम यकायक]

ऊपणवु स० क्रि० ओसाना

ऊपणावु अ० क्रि० ओसा जाना

ऊपणु न० खाटके सिरहाने या पातेके तरफकी लकडी

ऊपस(-सा)वु अ० क्रि० उभरना (२) फूलना (३) सूजना

ऊफव वि० देखिये 'उपव'
ऊब स्त्री० फफूंदी, भुकडी
ऊबक स्त्री०, (–को) पु० उबकाई
ऊबट वि० सडा हुआ, बिगड़ा हुआ (२) उतरा हुआ (तेल, अनाज आदि)
ऊबडु वि० उकडूं बैठा हुआ (२) औंधा। [–रहीने = झख मारकर, अपने आप ठिकाने आकर, मजबूर होकर, अपनी ग़रजसे] [जमना
ऊबवु अ० क्रि० देखिये 'उबावु, फफूंदी
ऊबळवु अ० क्रि० (बटका) खुलना, उकलना (२) (घाव या बीमारी ठीक हो जानेके बाद) फिर शुरू होना, पलटा खाना
ऊभड पु० हर रोज उजरत पर काम करनेवाला मजदूर (२) अनिकेत, खानाबदोश
ऊभडु वि० देखिये 'ऊभु'
ऊभणी स्त्री० मकानके फर्शसे बालाखाने तककी ऊँचाई (२) (घरकी) कुरसी
ऊभर(–रा)वु अ०क्रि० उफानसे बाहर निकलना, उमडना (२) छलकना (३) बहुत बडी संख्यामें इकट्ठा होना – उमड पडना
ऊभरो पु० उफान उछाला (२) मनकी वृत्तिका उछाल या गुबार। [–आववो, चडवो = जोश आना, गुबार निकलना]
ऊभवु अ० क्रि० खडा रहना – होना (२) थमना (३) डटना, टक्कर लेना मुकाबला या सामना करना
ऊभळवु अ० क्रि० देखिये 'ऊबळवु'
ऊभाऊभ स्त्री० लगातार खडा रहना (२) अ० बिना रुके, खडे-खडे, बग़ैर कल पाये (३) जल्दी, तुरत
ऊभु वि० खडा (२) थमा हुआ, चलता बंद पडा हुआ, रुका हुआ (३) सीधा, तना हुआ (४) खडी चढ़ाईवाला (५) अधूरा जारी बाकी आगे चलनेकी या पूरा होनेकी अपेक्षा रखनेवाला (६) सीधा, जो एक ही दिशामें गया हो, जिसमें घुमाव न हो (७) ज़िंदा, मौजूद (पति) (८) लंबरूप। [ऊभां हाडकांनु = कामचोर आलसी। ऊभी पूंछडीए नासवु = दुम दबाकर भागना। –करवु = खडा करना क़ायम करना, उद्यत करना, रचना, उपजाना, बनाना (प्राय जहाँ कुछ न हो उसमें से पैदा करनेका तथा कृत्रिमता या बनावटका भाव बताता है)। – थवु = खडा होना, स्थापित किया जाना (२) बीमारीमेंसे उठना (३) चुनावमें खडा होना। –थई रहेवु = राह देखते खडा रहना (२) बाट देखना, रुकना (३) चकित होना, भौंचक खडा रहना। ऊभु ने ऊभु बाळी के सळगावी मूकवु = जिस स्थितिमें हो उसी हालतमें एकदम जला डालना (२) रीस या खीज चढे ऐसा कहना या करना जी जलाना। –रहेवु = रुकना (२) बाट देखना (३) टिकना न डिगना सामना करना, कम न होना। –वरस = सारा साल, पूरा वर्ष। ऊभे पगे = लगातार काममें लगा हुआ (२) झटपट, बिना रुके। ऊभे पगे थई रहेवु = अधीर हो उठना, बेसब्र बनना]
ऊमटवु अ०क्रि० उमडना, जोशमें आकर बढना (२) पकना
ऊमडवु अ० क्रि० देखिये 'ऊमटवु'

ऊमर, ऊमरो पु० देहली चौखटकी नीचेवाली लकडा। [ऊमरा घसवा = (बेकार) घर घर भटकना। ऊमरा वच्चे बेसवु = (आना जाना रुके इस तरह) चौखटके बीच बठना (२) फाका करते हुए धरना देना, तक़ाजा करना। ऊमरे चढवु = (किसीके) घर जाना। –ऊखडी जवो = निवश होना घर बेचिराग हो जाना। –खोदी नाखवो = लेनदारका तकाज़ा जारी रहना। –घसी नाखवो = बार बार किसीके घर जाना]

ऊमरो पु० उदुंबर गूलर

ऊमलवु अ०क्रि० खिलना विकसित होना (२) (पशुका) वियानेकी स्थितिमें होना (३) (चूनेका) फटना

ऊर्मिकाव्य, ऊर्मिगीत न० गीति काव्य, लिरिक

ऊर्मिल वि० भावुक तरगी

ऊल स्त्री० जीभका मल, जिह्वामल। [–उतारवी = (दातुनकी चीर या जीभीसे) जीभका मल साफ़ करना]

ऊलक (ल') स्त्री० हुलकी, क़ै, उलटी

ऊलकु न० मात्र हल्ले-गुल्लेसे मचनेवाली भगदड और घबडाहट हुल्लड। [–पडवुं = भगदड होना मचना]

ऊलट स्त्री० हौसला उमग

ऊल्ट वि० उलटा, विपरीत। [–टपाले = लौटती डाकसे]

ऊलटतपास स्त्री० ज़िरह

ऊलटपा(–पू)लट वि० उलट-पलट परिवर्तित (२) अव्यवस्थित अस्त व्यस्त (३) स्त्री० उलट-पलट जाँच (४) अव्यवस्था

ऊलटभेर अ० उमगके साथ, बाहौसला

ऊलटवु अ० क्रि० उमगसे करना (२) उमडना, बढ़ आना (३) हमला करना टूट पडना (४) औंधा हो जाना उलटना (५) दोहराना उलटना

ऊलटसवाल पु० प्रतिप्रश्न

ऊलटसूलट वि० उलट-सुलट अस्त व्यस्त (२) उल्टा-सीधा इधर उधर

ऊल्टानु वि० उलटा

ऊलटासूलटी वि० देखिये ऊलटसूलट'

ऊलटी स्त्री० उलटी, वमन

ऊलटु वि० उलटा औंधा (२) विरुद्ध, आडा (३) खिलाफ़ उलटा। [ऊलटी गगा वहेवी = उलटी गगा बहना, स्वाभाविकके बदले उलटा होना अनहोनी होना]

ऊलवु (ल) अ० क्रि० (मौसमका) बीत जाना खत्म होना

ऊलळवु (ल) अ० क्रि० झुक जाना, नमित होना (२) गाडी आदिका आगेसे ऊचा हो जाना उलार होना (३) उल्टना, सीधेका औंधा हो जाना (४) कूदना (५) खत्म होना, नाश होना (६) उत्साहके साथ आगे बढना – पांव धरती पर न रखना [ला]

ऊल्यु न० जीभी

ऊंग्यु न० हसिया

ऊस पु० रेह, कल्लर [सवनाश

ऊसरपाटो पु० विनाश (२) सत्यानास

ऊहापोह पु० चर्चा

ऊघ स्त्री० ऊँघ, निद्रा, नीद। [–ऊडी जवी = नीद उचट जाना जाग पडना (२) आलस्य या अज्ञान दूर होना, होशमें आना। –काढवी = नींद लेना (२) (रतजगेके कारण) भरी नींद निकालना। –वेचीने उजागरो

पहोरवो = जान-बूझकर दुख या झमटमें फँसना। –मां जवु = ग़फलत या अनजानमें जाना]

ऊघण स्त्री० ऊँघ (२) बहुत सोनेकी आदत [आलसी, अहदी

ऊँघणशी वि० ऊँघनेका आदी (२)

ऊँघवुं अ० क्रि० ऊँघना, नींद लेना (२) आलसी होकर पडे रहना, अलसाना (३) अनजाने-अज्ञानमें रहा करना [ला]। [ऊघी जवु = सो जाना, गहरी नीदमें गडप होना (२) (किसी बात या कार्यमें असरकारक होनेसे) बचना, बलासे पड़ा रहना, धरा रहना, उदा० ऊघी जाय न आवे तो']

ऊघाडवु अ० क्रि० सुलाना (२) छाड देना, शात करना

ऊघाळ (०वु) वि० ऊँघनेका आदी (२) जरा जरामें ऊँघे ऐसा

ऊँच वि० उच्च, –पे बढ़कर, श्रेष्ठ (२) उमदा, बढिया, [सिर पर उठाना

ऊचकवु स० क्रि० उठाना (२) (बोझ)

ऊचकामण न०, (–णी) स्त्री० उठानेकी उजरत, ढुलाई [मदद करना

ऊचकाववु स० क्रि० उठवाना उठानेमें

ऊचकावु अ० क्रि० उठाया जाना

ऊच-नीचभाव पु० अमुक ऊँचा और अमुक नीचा ऐसी भावना

ऊँचाई स्त्री० ऊँचाई बुलदी

ऊचाण न० ऊँचाई (२) ऊँची जगह टीला

ऊचु वि० ऊँचा, बुलद, नीचाका उलटा (२) उच्च, बढकर उमदा (कद प्रमाण आदिमें) (३) खूब चढ़ाया हुआ (स्वर, आवाज) (४) अनमना उदास (मन, जीव)। [ऊची आंख करवी = (किसी काममें से) आँख उठाना, ध्यान दूसरी ओर जाने देना (२) क्रोध या विरोध दिखाना, आँख दिखाना। –आववुं = (दुःख, पीडा, भार आदिसे) छूटना, उबरना मुक्त होना। –करवु = बोझ सिर पर रखना, इसके लिए मदद करना (२) गडे मुर्दे उखाडना। –चडाववु = झूठा बखान करना, अति मान देना, चढ़ाना। –जोवु = काममेंसे अवकाश निकालना या पाना (२) निगाह डालना, खयाल रखना। –ने ऊचु मायुं राखवु = गवसे इतराना, घमडमें चूर होना। –मूकवु, मेलवु = अलग या दूर रखना, छोड देना, भूल जाना (काम, हया, पढ़ाई आदि) (२) छिपाकर रखना, छिपा देना, बचत करना, सँभालना]

ऊचुनीचु वि० ऊँचा-नीचा, ऊबड खाबड। [–करवु = तरतीबसे रखना, साफ-सूफ करके व्यवस्थित करना (२) खलबली पैदा करना, अशान्ति खडी करना [ला]। ऊचो नीचो हाथ पडवो = अन्यायसे धन कमाना, ऊपरकी आमदनी करना]

ऊचे अ० ऊँचे। [–चडाववु = देखिये 'ऊचु चडाववु']

ऊँचेथी अ० ऊँचाईसे, ऊपरसे (२) छूए विना, ऊँचेसे (३) ऊँची आवाजसे, ऊँचेसे (४) आकाशमेंसे

ऊँजण न० तेल देना (२) तौलनेका द्रव्य – तेल, अरडीका तेल वग़ैरह

ऊजवु स० क्रि० तौलना, तेल लगाना (२) रोग या भूत प्रेत निकालनेके लिए मत्र पढकर फूकना, झाड़ना

ऊजाववु स० क्रि० 'ऊजवु' क्रियाका प्रेरणायक रूप, तुल्वाना

ऊट न० ऊँट । [—जेवु=बहुत लबा लब-तडग (२)बेवकूफ, गँवार। —ना अढारे वाकां=स्वभावसे ही टेढ़ापन ऊटकी सब कले टेढी, ऊटकी कौनसी कल सीधी]

ऊटडी स्त्री० ऊँटनी, साडनी (२) सुनारका एक औजार

ऊटडो पु० ऊट (२) देखिये 'ऊटियो

ऊटवद पु० नीम हकीम, अनाई वद्य

ऊटवदु न० कठवदई, अनाडी उपचार

ऊटिया(-यु) जीरु न० इसबगोल

ऊटियो वि० ऊँट जसा ऊँचा, लब तडग (२) पु० ऊट (३) मदबुद्धि और आल्सी व्यक्ति(४)भारी बोझ ऊचा करनेवाला यत्र हत्था बालाकुप्पी (५) उटडपा (गाडीका)

ऊडळ स्त्री० पेटका वायुगोला मरोडा

ऊडाई स्त्री० गहराई (२) इमकी माप

ऊडाण न० देखिये ऊडाई (२)निचान

ऊडु वि० सतहसे नीचा नीचा (२) उथलाका उलटा, गहरा(३)भीतरसे लबा, दूर तक अदर ही अदर चला गया हो ऐसा (४) धना (बन)(५) गभीर गहन जिमके मनकी थाह न लगे [ला]

ऊदर पु० चूहा

ऊदरी स्त्री० उन्री गज रोग

ऊधलोदियु वि० उलटे काम करनेवाला

ऊधांधळु वि० धुधला (२) चुधा (३) मूख (४) उडाऊ

ऊधी पूतळीनु वि० जिसकी आँखकी पुतलीमें उलटा या औंधा प्रतिबिंब पडता हो

ऊधु वि० औंधा, उलटा (२)आडा, विरुद्ध, सीधा या सुलटका बिल्कुल उलटा झूठा। [ऊधा पाटा बाधवा= उल्टा सीधा समझाकर बहकाना, उलटी पट्टी पढाना। ऊधां पगलांनु= कमनसीब, नहसकदम। ऊधी पाघडी मूकवी=दिवाला निकालना। —करवु =औंधाना (२) देखिये 'ऊधु मारवु । —घालवु = शरमाना, लज्जित होना। —घालीने=दूसरी ओर निगाह डाले बिना (२) बिना सोचे समझे आख मूदकर(३)माहसके साथ। —मारवु=बिगाडना चौपट करना। —वाळवु = बिगाडना। —वेतरवु= गुड गावर कर देना, उलटा कर देना]

ऊधुच(-छ)तु वि० उलटा-सुल्टा

ऊबाडियु न० लूका लुआठा

ऊबेलो पु० मरोड मरोड

ऊहकारो पु० ऊह ऐसा उद्गार ऊह

ऊहु अ० ऊँहूँ इनकार या हठसूचक उद्गार

ऋ

ऋ पु० देवनागरी वर्णमालाका सातवाँ अक्षर – एक स्वर [बोझ, ऋण

ऋण न० ऋण, कर्ज (२) एहसानका

ऋणसबंध पु० पूर्वजन्मका लेन देन

ऋणानुबंध पु० पूर्वजन्मका लेन-देन (२) लेन-देन

ऋणियु, ऋणी वि० ऋणी, कर्जदार, देनदार (२) आभारी

ऋतु पु० गर्भाधानका काल (२) रजोदर्शन (३) दो मासका नियत काल, ऋतु (४) मौसम, किसी चीजके होनेका उपयुक्त काल [ला] (५) आबोहवा। [–बेसवी=मौसमका शुरु होना]

ए

ए पु० देवनागरी वर्णमालाका दसवाँ अक्षर – एक स्वर

ए स० (निश्चयवाचक) वह (२) वर या वधूकी संज्ञा (हिंदुओंमें) (३) वि० वह

एक वि० एक, १ (२) बेजोड, अद्वितीय (३) अमुक, एक उदा० 'एक राजा हतो' (४) भेदरहित, समान (५) एक मतका, एकजबान (६) (संख्यावाचक शब्दके अंतमें) 'करीब', 'लगभग' ऐसे अर्थमें उदा० 'पांचेक सोएक' (७) सिर्फ या मात्र' के भावमें, उदा० एक पिताना वचनने सारु'। [–अस्त्रे मूडवु = (बिना लिहाजके सबके साथ) एकसा बरताव करना, एक लाठीसे सबको हाँकना। –आंख थवी = आँखें चार होना। –आंखे जोवु = पक्षपात करना। –इंद्रियनु ज्ञान = एक ही दिशा या हेतुका ज्ञान, सब तरफका नहीं। –कानथी बीजे कान जवु = कानाकान बात फैलना, एक कानसे दूसरेमें जाना। –काने सांभळी बीजे काने काढी नाखवु = सुनी अनसुनी करना, सीख गाँठमें न बाँधना। –कांकरे बे पक्षी मारवा = एक पंथ दो काज। –गुरुना चेला = एक थैलीके चट्टे-बट्टे। –घाए बे कटका = झटपट जवाब या फैसला (करना देना)। –पग दूधमां ने एक पग दहींमां = दोनों पक्षोंमें, दो नावों पर चढ़ना। –पछी एक = क्रमसे एकके बाद एक। –पायो ओछो होवो = जरा पागल या अल्हड होना। –भवमां बे भव करवा = धर्म-भ्रष्ट या जातिच्युत होना (२) किसीके घर बैठ जाना। –मगनी (०बे) फाड = एक चनेकी दाल, सहोदर।

–माळाना मणका = एक तवेकी रोटी क्या मोटी और क्या छोटी। –लाकडीए हांकवु = एक लाठीसे हांकना (२) एकसा रौब चलाना। –हाथे ताळी न पडे = एक हाथसे ताली नहीं बजती। –नु बे न थवु = जिद न छोडना, अपनी बात पर कायम रहना बात पर अडना]

एक एक वि० एक दफा एक (२) एकके बाद एक क्रमिक

एककेसरी वि० एक केसरवाला (फूल)

एककोशी वि० एककोशी

एकगांठ स्त्री० एका मेल मित्रता

एकचक्री वि० एकचक्र एक पहियेवाला (२) चक्रवर्ती (३) स्त्री० एकचक्री, एक पहियेवाली साइकल

एकचक्रे अ० एक ही आदमीके पास सब सत्ता रखकर

एकचित्त वि० एकचित्त तल्लीन, दत्त चित्त (२) न० ध्यान, एकाग्रता

एकछत्र वि० एकच्छत्र, एक नरेशवाला (२) न० एकतंत्र शासन प्रणाली, एकहत्थी हुकूमत [जगह पर

एकजथे (–थ्थे) अ० एकसाथ एक ही

एकजीव वि० एकजीव अभिन्न

एकटाणु न० एक जून भोजन करना

एकठु वि० इकट्ठा एकत्रित (२) अ० एकसाथ, एक जगह पर एकत्र

एकडो पु० एककी सख्या बतानेवाला अक – १ (२) हस्ताक्षर (३) क़बूल (४) बिरादरीका गोल। [**एकडा वगरनु मींडु** = जो गिनतीमें न हो मामूली निकम्मा। **एकडे एकथी** = गुरूसे। –करवो = एकका अक लिखना (२) सही, क़बूलत करना (३) शादीके लिए बिरादरीका मडल बनाना। –काढी नाखवो = गिनतीमेंसे हटा देना, सबध विच्छेद करना (२) जिद छोड देना। –कापवो = बिरादरीसे खारिज करना (२) शुमारमें न लेना। –पाडवो = शिक्षारभ करना (२) सही करना, स्वीकृति देना]

एकढाळियु वि० एकपलिया (छाजन)(२) न० एकपलिया मकान या ओसारा

एकतरफी वि० एकतरफा, एकपक्षीय

एकतत वि० आग्रही (२) पु० आग्रह

एकतते अ० साथ मिलकर साथमें, एकजीव होकर (२) लगा रहकर, जारी रहकर तदेही और आग्रहपूर्वक

एकतार वि० एक तारवाला (२) एक सरीखा (३) एकरस (४) एकचित्त

एकतारो पु० एकतारा, इकतारा

एकताळीस वि० एकतालीस इक तालीस ४१

एकताळो पु० एकतालीस सेरकी मन वाली माप

एकत्रीस वि० इक्तीस ३१

एकत्र अ० एक जगह पर, साथमें (२) एकत्र, इकट्ठा मिले-जुले

एकत्रीस वि० देखिये 'एकतीस'

एकदम अ० एकदम तुरत (२) बिल कुल निपट उदा० एकदम काळु'

एकदळ वि० जिसकी दाल न बनती हो ऐसा

एकदिल वि० एकदिल अभिन्न हृदय

एकदिली स्त्री० एकदिली एकदिल होना (२) मनका मेल एका

एकदेशी (०य) वि० एकदेशीय एक ही देशका (२) जो एक ही देश या

हिस्सेको लागू हो ऐसा, एकतरफा, एकांगी (३) संकुचित, मर्यादित
एकधार वि० एकसा, फेरफाररहित
एकपगे अ० अधीर हुआ हो ऐसे
एकम पु० इकाई, एकाई, 'यूनिट' (२) एकका अंक, एक (३) गणनामें दाहिनी ओरसे प्रथम अंक या उसका स्थान, एकाई (४) स्त्री० पडवा, प्रतिपदा
एकमत वि० एकमत [एकवाक्यता
एकमती स्त्री० सबका एकमत होना,
एकमार्गी वि० एक ही मार्गको पकडे रहनेवाला (२) सरल, सीधी राह चलनेवाला
एकमेक अ० परस्पर, आपस-आपसमें
एकमेळ पु० मेल, एका (२) वि० सहमत, अनुकूल (३) मेल रखनेवाला
एक्कर पु० एकड
एकरंगियु वि० झक्की
एकरस वि० एकरस (२) मशगूल
एकराश वि० एक राशिका – एक सरीखा, समान गुणोंवाला (२) स्त्री० समानता (३) मेल, एका
एकलक्षी वि० एक ही लक्ष्य या हेतुवाला
एकलडोकल वि० अकेला, अकेला-दुकेला, इक्का दुक्का
एकलता स्त्री० अकेलापन, तनहाई
एकलदोकल जि० देखिये 'एकलडोकल'
एकलपेटु वि० अक्लखुरा, खुदगर्ज
एकलमूडियु, एकलमूडु वि० स्त्री पुत्र आदिसे रहित, निरा अकेला
एकलवायु वि० अकेला, अकेला-दुकेला
एकलवीर पु० अकेला जूझनेवाला वीर
एकलसूरु वि० अकेला संगी-साथीहीन (२) मतलबी
एकलियु न० एक आदमीके सोनेकी नापकी तोशक
एकलु वि० अकेला, एकाकी, तनहा
एकवचन न० एकवचन [व्या]
एकवचनी वि० कहा पालनेवाला, बातका धनी
एकवडु वि० एकहरा, इकहरा [धान
एकवारियु न० एक बारका छडा हुआ
एक्वीस वि० इक्कीस, २१
एकसठ वि० इक्सठ, ६१
एकसरखु वि० एक सरीखा, समान
एकसप वि० मेलवाला (२) पु० ऐक्य, मेल
एकसपी स्त्री० (२) वि० देखिये 'एकसप'
एकसाथे अ० एकसाथ, मिले-जुले
एकसेरु वि० एक लडीवाला
एकसो (–सौ) वि० एक सौ, १००
एकहथु (–थ्थु) वि० एकहत्था, एक व्यक्ति द्वारा संचालित
एकंदर वि० सारा, कुल
एकंदर (–रे) अ० आम तौरसे, समग्रतया
एकाएक अ०, एकाएक अचानक
एकाकार वि० एकाकार, एकरूप (२) मिला-जुला गड्ड मड्ड [निराधार
एकाकी वि० एकाकी, अकेला (२)
एकाक्ष (–क्षी) वि० एकाक्ष (२) काना (३) पु० कौआ
एकाणु (–णुं) वि० एक्यानबे, ९१
एकाद (–दु) वि० एक-आध एकाध, कोई एक (२) एक-दो (३) शायद एक
एकावन वि० इक्यावन, ५१
एकाशण (–णु) न० एकाशना, एक जून भोजन करना
एकाशी (–सी) वि० इक्यासी ८१
एकासण (–णु) न० देखिये 'एकाशण'

एकासूय अ० प्रत्येक, एक-एक, तमाम
एकांक वि० एक अकवाला (२) एक अकवाला (नाटक), एकांकी (३) न० इकाई, 'यूनिट'
एकांकी वि० देखिये 'एकांक'
एकांग वि० एक अगवाला (२) अपग (३) पु० अगरक्षक
एकांगी वि० देखिये 'एकांग' (२) एकतरफा एकागी (३) हठी एक ही बातको पकडे रहनेवाला
एकांत वि० सूना, निर्जन (२) अकेला, एकात (३) खानगी (४) एक ही ओर लगा हुआ (५) न० स्त्री० सूना स्थान, एकांत
एकांतरा (०) अ० बीचमें एकका छोडकर [बारीका बुखार
एकांतरियो पु० एकांतर, अंतरा,
एकांतरे अ० देखिये 'एकांतरा'
एकी वि० जो दोसे नि शेष विभाजित न हो सके (सख्या), ताक (२) स्त्री० एकता (३) पेशाबकी हाजत [ला]। [-करवी = पेशाब करना। -लागवी = पेशाबकी हाजत होना। -थवी = पेशाब होना]
एकी वि० एक ही (अव्यय जसे प्रयोगमें, उदा० एकीकरण)
एकीकलमे अ० एककलम एकबारगी
एकीटशे (-से) अ० एकटक अनिमेष
एकीबेकी स्त्री० बालकोका एक खेल
एकीवखते, एकीवारे अ० एक साथ
एकीसाथे अ० एक-साथ
एके वि० एक भी
एकेक वि० एक-एक (२) अलग, जुदा (३) अ० एक एक
एकेकु वि० एकके बाद एक
एकोतेर वि० एकहत्तर ७१
एक्के वि० देखिये एरे
एक्को पु० एक्का एक बूटीवाला ताशका पत्ता (२) एक ही बल या घोडेकी दो पहियावाली गाडी, इक्का (३) एका, मेल (४) सबसे होशियार या कुशल आदमी बेजोड या श्रेष्ठ पुरुष, एक [ला]
एक्याशी (-सी) वि० इक्यासी, ८१
एखरो (ऍ) पु० एक औषधि (२) इसका पौधा (३) रद्दी-सी चाजें [ला]
एखलास पु० देखिये इखलास' दोस्ती
एजन अ० एजन फिर वही ऊपर बताये अनुसार [मुताबिक एजेंट
एजंट पु० आढतिया (२) प्रतिनिधि,
एजन्सी स्त्री० आढत (२) आढतकी दुकान, एजेंसी (३) अग्रेजोके अम लमें सरकारी एजेंटके अधीन (देशी रियासतोका) प्रदेश
एटएटलु वि० इतना ज्यादा
एटलामां अ० इतनमें इतने समयमें
एटलुं वि० उतना। [एटला माटे = इसलिए, इस कारण]
एटलुं बधु वि० इतना अधिक पुष्कल
एटले अ० अर्थात्, यानी (२) इससे इस परसे (३) वहाँ तक उस हद तक (४) उस समय, इतनेमें
एटलेथी अ० वहाँसे, उस स्थानसे
एठ (ऍ) वि० जूठा (२) स्त्री० जूठा
एठवाड (-डो) (ऍ) पु० खाने-पीनके कारण होनेवाली गदगी (जूठा बरतन, जूठन वगैरह) (२) कूडा-करकट, मलिनता। [एठे हाथे कूतरुं न मारवुं? — एठे पाणीए छांटे तेवु नथी = जूठे हाथसे कुत्ता न मारे ऐसा बहुत कजूस]

एठु (ऍं) वि० किसीके खानेसे बचा हुआ, उच्छिष्ट (२) खा-पीकर या छूकर जुठारा हुआ या जुठारने योग्य, जूठा (३) जिसमें खाया पिया गया हो या जूठन लगी हो, जूठा (बरतन, चौका, हाथ) (४) न० जूठा या जुठारा जाय ऐसा अन्न

एठु जूठु (ऍं) वि० जूठा (२) न० उच्छिष्ट, जूठन

एड (–डी) स्त्री० एडी, एड (२) बूटकी एड (३) बूटमें लगाई जानेवाली घोडेको मारनेकी कील, एड

एणी (ए') पु० नेह, स्नेह [ओर

एणी कोर, एणी गम, एणी पा अ० उस

एणे (ऍं) स० उसने

एदी (ऍं) वि० अहदी, आलसी, प्रमादी

एदीखानु (ऍं) न० अहदीखाना

एधाण (ऍं) न०, (–णी) स्त्री० निशानी, पहचान, चिह्न। [–आपवी, कहेवी = पहचान या यादके लिए निशानी देना। –मूकवी = पहचानका चिह्न या निशानी करना या इसके लिए कोई चीज रखना]

एन (ऍं) वि० ऐन, ठीक, असल, खरा (२) खास मुख्य (३) सुंदर (४) काम-चलाऊ, मामूली (५) स्त्री०, न० शान, आबरू (६) जरूरतका वक्त, ऐन वक्त [वक्त, अडी

एनवेळा (ऍं) स्त्री० ऐन वक्त जरूरतका

एनायत स्त्री० देखिये 'इनायत'। [–करवु = इनायत फरमाना]

एप्रिल पु० अप्रल

एब (ऍं) स्त्री० ऐब, दोष, खामी (२) बुराई, कलक। [–उघाडवी = दोष या बुराई बताना। –खोळवी = ऐब ढूढना, ऐबजोई करना। –ढांकवी = शरीरका गुह्यांग ढकना (२) कलंक पर परदा डालना, ऐबपोशी करना। –लागवी = धब्बा लगना]

एम (ऍं) अ० उस तरह। [–करता = उस तरहसे, या। –नु एम, एम ने एम = जैसेका तैसा, बिना फेरफारके, ज्याका त्यो]

एम छतां (ऍं) अ० फिर भी

एमनु (ऍं) वि० उस ओरका, उस रीतका, वैसा (२) (ए) स० उनका

एमां (ऍं) स० उसमें।

एरण (–णी) (एर') स्त्री० निहाई। [–नी चोरी ने सोयनु दान = बडे पापके अनुपातमें प्रायश्चित्तके तौर पर किया जानेवाला अल्प दान या शुभ काम]

एरंडियु न० रेंडीका तेल। [–पीवु = मुहका स्वाद खराब हो जाना, मुह बिगाडना, मुह उतरना (मुह बिगडा या खराब हुआ हो तब प्रयुक्त होता है)]

एरंडी स्त्री० एरंडकी छोटी जाति, अंडी (२) रेंडके बीज, रेंडी

एरंडो पु० एरंड, रेड, अंडी, अरंड

एरिंग न० कानकी बाली, कणफूल

एरु (ऍं) पु० सांप [जतु

एरु झांझर (ऍं) न० सांप आदि जहरीले

एरो (ऍं) पु० आना-जाना (२) उबारा

एरोसेरो पु० सोनारूपाका चूरा, (भगरा)

एलची पु० एलची, राजदूत

एल (–ळ) ची न०, स्त्री० इलायची

एलफेल (ऍं, फॅं) वि० उल्टा-सीधा, अंड-बंड (२) अविचारी, अट सट (३) असभ्य (४) न० मसखरा, शरारत (५) बकाप-शनाप

एलळवु (ऍ॑ल॑) अ० क्रि० पानी छूटना (हाथ नमक आदिमेंसे)
एवडु वि० उतना (२) उतना अधिक
एवामां (ए॑) अ० इतनेमें
एवु (ए) वि० वसा उस तरहका (२) उसके जसा
एवे (ए॑) अ० उस समय
एश (ऍ॑) स्त्री० ऐश सुख चन
एशआराम (ऍ॑) पु० ऐशोआराम, भोग विलास
एसरवु (ऍ॑) अ० क्रि० द्रवना, पानी छूटना (२) कम होना घटना (३) विकार उत्पन्न होना, औसना
एळियो पु० एलुवा, मुसब्बर
एळे (०बेळे) (ऍ॑ बॅ॑) अ० वृथा, बेकार (२) बिना मेहनतके, मुफ्तमें। [-जवु = व्यर्थ या बेकार जाना]
एंजिन (ऍ॑) न० इंजन एंजिन
एंजिनियर (ऍ॑) पु० इंजीनियर
एंट (ऍ॑०) स्त्री० ऐंठ, हठ जिद (२) इतबार (लेन-देन संबंधी), साख (३) टेक प्रतिज्ञा
एंटवु (ऍ॑०) अ० क्रि० ऐंठना, अकडना (२) जिद करना
एंठ (०वाड), (-ठु) (ऍ॑०) देखिये 'एठ' आदि
एंधर्णा (ऍ॑०) न० ब० व० इंधन
एंधाण (ऍ॑०) न०, (-णी) स्त्री० देखिये 'एंधाण
एंशी, (-सी) (ऍ॑०) वि० अस्सी, ८०

ऐ

ऐ स्त्री० देवनागरी वणमालाका ग्यारहवां वण – एक स्वर
ऐंड वि० आडा जिद्दी, ऐंडा
ऐंडअतर वि० पूरा आडा ऐंडा बेंडा

ओ

ओ पु० देवनागरी वणमालाका बारहवां अक्षर – एक स्वर
ओड्यां (ओ) अ० डकार लेते समय होनेवाला संतोषजनक उद्गार (२) न० डकार या उसकी आवाज (३) डकार जाना हजम कर लेना
ओकवु (आ) स० क्रि० ओकना के करना उबकना (२) हजम किया हुआ माल वापस करना, उगलना [ला] (३) वह डालना जाहिर करना
ओकारी (ऑ) स्त्री० उबकाई, उलटी
ओकावयु (आ) स० क्रि० ओकवु की प्रेरणार्थक क्रिया
ओक्टोबर पु० अक्तूबर
आक्सिजन पु० आक्सिजन
ओखर (आ) न० मला गन्गी। [-करवु = (गाय, भस आदि चौपायोंका) विष्टा खाना]
ओखात (-द) (ऑ) स्त्री० ताकत बूता (२) औकात हैसियत बिसात

ओगणचालीस वि० उनचालीस, उन-तालीस, ३९ [४९

ओगणपचास वि० उनचास, उचास,

ओगणसाठ वि० उनसठ, ५९

ओगणीस वि० उन्नीस, १९

ओगणोतेर वि० उनहत्तर, ६९

ओगण्याएशी वि० उन्नासी, ७९

ऑगस्ट पु० अगस्त

ओगळवु(आ) अ० क्रि० ठोस वस्तुका प्रवाही होना, गलना, पिघलना (२) (शरीर) घुलना, दुबला होना (३) दयार्द्र होना, पसीजना, दिल पर असर होना [ला]

ओगाट (-ठ) (ऑ) पु० मवेशियोंका खाते खाते छोडा हुआ चारा, आखोर

ओगान पु० पानीकी तरंग

ओगास(ऑ) पु०,न० देखिये 'ओगाट'

ओगाळवु(आ) स० क्रि० 'ओगळवु'की प्रेरणार्थक क्रिया (२) धीरे धीरे खा जाना [(२) ढेर, राशि

ओघ पु० ओघ, बाढ़का पानी, प्रवाह

ओघड(ऑ) वि० औघर, अनगढ, बुद्धू (२) भावहीन, लागणीशून्य, जिसे भयका खयाल न हो

ओघराळु (आ) वि० धब्बेदार

ओघराळो (ऑ) पु० डोई (२) लसदार चीज़का दाग़

ओघलो, ओघो पु० ओघ, ढेर, गंजी (२) बिखरे हुए बालोंका समूह (३) भोज लेनेवालोंका बडा समूह

ओचर (-रियु) (ऑ) न० हिसाबके ब्योरेका आधाररूप पुरजा, वाउचर

ओचिंतु (ऑ) वि० अनचीता (२) अ० यकायक अचानक

ओच्छव (ऑ) पुं० उत्सव, धूमधाम (२) (गाते-बजाते हुए) भजन-कीर्तन

ओछ (०प) स्त्री० न्यूनता, कमी

ओछाड(ऑ) पु० बिछानेका कपडा, चादर, आच्छादन (२) गिलाफ, खोल

ओछाडवु (ऑ) स० क्रि० ढकना, ओढाना (२) छाना, छाव करना

ओछाबोलु वि० कम बोलनेवाला, मितभाषी [सकोच, लज्जा

ओछायो (ऑ) पु० छाँह, परछाइ (२)

ओछु वि० थोडा, कम (२) अधूरा, अपूर्ण (३) घटिया हल्का। [-आणवु, आववु = दिल दुखी होना, बुरा लगना (२) अपनेमें हीनभावका अनुभव करना। -थवु = बला टलना, दूर होना। -पडवु = कम या थोडा है ऐसा लगना, इसका दुख या अपमान लगना। -पात्र = कम यो-ग्यतावाला या नीचे कुलका, ओछा आदमी (२) जिसके पेटमें बात न पचे (३) अभिमानी, बडाई हांकनेवाला, ओछा आदमी। -लागवु = बुरा लगना, दिल दुखी होना। -लावबु = देखिये 'ओछु आववु'। -ओछु थई जवु = प्रेम या हर्षके भावसे पुलकित हो जाना]

ओछुवत्तु वि० कम-बेश, थोडा-बहुत

ओजार (ऑ) न० औज़ार, आला, राछ, साधन

ओझल(ऑ) पु०,स्त्री०,न० ओझल, परदा, बुरका (२) जनाना। [-पाळवु = स्त्रियोंका परदेमें रहना। -रहेवु = परदेमें रहना (२) शरमाना [ला]]

ओझलपड (-र) दो(ऑ) पु० स्त्रियों और पुरुषोंके बैठनेकी जगहके बीचमें डाला हुआ परदा (२) परदा रखनेका रिवाज

ओशी स्त्री० कुम्हारिन

ओशो पु० कुम्हार

ओट पु०, स्त्री० भाटा (२) आड, ओट (३) पतन [ला] (४) अ० वापस

ओटण न० तुरपन (२) बखिया

ओटणी स्त्री० तुरपन (२) तुरपनेकी मजदूरी

ओटली स्त्री० छोटा चबूतरा

ओटलो पु० बडा चबूतरा (किसी मकानसे सटकर बनाया हुआ)। [-ऊठवो = खूब नुकसान होना, तबाह होना (२) निवंश होना, घर बेचिराग होना। -घसी नाखवो = बार बार चक्कर लगाना (आजिजी या खुशामदके लिए)। ओटले बेसवु = (कर्जकी तलबीके लिए) चौखटके बीचमें बैठना तकाजा करना (२) घर उजडना, बुरा हाल होना (३) (वेश्याका) चकलेमें बैठना]

ओटवु स० क्रि० बखिया करना तुरपना

ओटी स्त्री० अंटी, टेंट, आँटी

ओटो पु० चबूतरा चौतरा

ओठ (ओं) पु० होठ ओठ। [-ऊघडवा = जबान खुलना शब्द निकलना। -उघाडवा = जबान हिलाना बोलना। -करडवा = होठ काटना या चबाना (हताशा पछतावा या क्रोधके कारण)। -पीसवा = होठ चबाना (क्रोधसे) गुस्सा होना। -मुधी आववु = होठों पर आना बोलनेको उद्यत होना]

ओठववु (आ) स० क्रि० ग़लत बात बनाकर कहना, झूठ बोलना (२) रखना सजाकर रखना जमाना (३) ठूसकर खाना

ओठु (ओं) वि० झेंपू, खिसियाना (२) न० परदा ओट (३) ओटके कारण बनी हुई एकान्त और अंधेरी जगह (४) छिपने या आश्रय पानेकी जगह (५) परछाईं, अक्स (६) दाग, धब्बा (७) बहाना (८) नमूना, नक़ल (९) तुच्छ व्यक्ति पुतला (व्यक्ति) (१०) ताना, चुटीली बात

ओड पु० ओड

ओड (ऑ) स्त्री० गला गरदन

ओडकार पु० डकार

ओडण स्त्री० ओड जातिकी स्त्री

ओडनु चोडनु (ऑ चॉ) वि० कुछका कुछ। बिलकुल उलटा विचित्र। [-वेतरवु = बिल्कुल उलटा कर डालना]

ओडवु न० एक फल (२) छोटी नाव, डोंगी (३) स० क्रि० पेश करना (४) रोकना (५) अ० क्रि० मुश्किलसे बोलना या अपनी बात समझाना [बाल

ओडिया (आ) न० ब० व० गरदन परके

ओडु न० (खेतका) धडका (२) काम चलाऊ खडा किया हुआ निकम्मा आदमी पुतले जैसा आदमी

ओढण न० (-णी) स्त्री० (-णु) न० ओढना, ओढनी

ओढवु स० क्रि० ओढना (२) अपने ऊपर जिम्मे लेना ओढना [ला] (३) दिवाला निकालना

ओढाडवु स० क्रि० 'ओढवु' का प्रेरणा यक रूप, ओढाना

ओढो पु० ओढना खोल ढक्कन

ओण (आ) अ० इस साल (२) चालू समयमें

ओतणी स्त्री० ढालनेका काम, ढलाई (२) ढालनेका पात्र (३) उसकी कला (४) धातु गलानेकी भट्ठी (५) उसकी मजदूरी, ढँलाई

ओतराग(आ) पु०, न० उतरग

ओतराचीतरा न० ब० व० उत्तरा फाल्गुनी और चित्रा नक्षत्राका असह्य गरमीका समय [उत्तरकी ओरका

ओतरादु (–दु) (ओं) उत्तर दिशाका,

ओतवु स० क्रि० धातु ढालनेका काम करना, ढालना [रास्ता भूला हुआ

ओताडु(आ) वि० (मागसे) अपरिचित

ओत्तारी अ० ओहो! वाह!

ओथ स्त्री० आसरा (२) मदद, शरण

ओथमीर पु० ('अक्कल' शब्दके साथ प्रयुक्त होता है) मूख

ओथो (ओं) पु० आसरा, शरण (२) ओट बीचमें आना (३) छाया, छाँह

ओधान(आ) न० गर्भ रहना, गर्भाधान

ओध्धेदार (–री), ओध्धो देखिये होद्देदार, –री होद्दो'

ओप पु० ओप, चमक मुलम्मा (२) पालिश रौनक। [–आपवो, चडा मवो, देवो = रौनक बढाना, चमकदार बनाना]

ओपटी स्त्री० ओपटी अडचन, कठिनाई (२) रजोदर्शन (३) प्रसूति

ओपणी स्त्री० ओप (२) मुलम्मा चढानेका औजार

ओपवु अ० क्रि० सोहना शोभा देना (२) स० क्रि० माँज, रगडकर चमक लाना, ओपना (३) (चाँदी या सोनेका) पानी चढाना

ओफिस स्त्री० आफिस कार्यालय दफ्तर

ओबाळ (–ळो) पु० ईंधन (२) नदीक द्वारा लाई गई मिट्टी भाठ

ओभा स्त्री० आफत, पीडा बला

ओभामण (–णी) स्त्री० आफतमें फँसना उलझन

ओभावु अ० क्रि० कठिनाईमेंसे या प्रसूतिकी वेदनामेंसे छूटनेके लिए व्यग्र प्रयत्न करना (२) घबडाना पसोपेशमें पडना फँस जाना (३) आफतमें आ जाना पचडेमें फँसना [भाटा

ओर स्त्री० लाग-डाट, चढा-चढी (२)

ओर(आ) वि० और, अन्य, दूसरा (२) निराला, अजीब, विचित्र

ओर(ओं) स्त्री० आँवल (गर्भका) (२) आमको पालमें डालना

ओरडी स्त्री० छोटा कमरा

ओरडो पु० बडा कमरा (२) घर (३) अत पुर, जनानखाना [ला]। [ओरडे अजवाळु होवु = घरमें धन दौलत और सतान होना। ओरडे ताळां देवावा = घर बेचिराग होना नि सतान होना। –वसावो = नि सतान होना]

ओरणी स्त्री० बोआई (२) बोआईका समय (३) बाँसा (बीज बोनेका) (४) चक्कीका मुह (५) गलेमें ठूसना – बहुत अधिक खाना (तिरस्कारमें)

ओरणु न० उतना अनाज जितना एक बार पीसनेके लिए चक्कीमें डाला जाय, झीका घान

ओरत (ओं) स्त्री० औरत स्त्री

ओरतो (ओं) पु० अरमान। [–रही जवो = मनकी मनमें रहना अरमान रह जाना। –वीतवो = इच्छा पूरी होना अरमान निकलना]

ओरमाई (–न, –यु) (ओं) वि० सौतेला (माँ या बालकके लिए)। [–करवु = (बालकके लिए) सौतेली माँ लाना (२) सौतेली माँकी तरह बरताव करना]

ओरवु स० क्रि० –में डालना, उदा० घटीमा दळवानु अनाज ओरवु ' (२) (बीज) बोना, बाँसेसे (खेतमें) बोना (३) (पकानेके लिए) दाने अन्हनमें – खौल्ते हुए पानीमें – डालना (४) मुहमें ठूसना, खाना (तिरस्कारमें)

ओरसियो पु० होरसा, पत्थरका चकला। [ओरसिया जबू साफ = बिलकुल सपाट (२) निवश, सतति रहित [ला]]

ओरस पु० देखिये उरस '

ओराडवु स० क्रि० देखिये जोडाडवु

ओरियो (आ) पु० देखिये आरलो (२) किनारे परका कुँआ

ओरी स्त्री० एक छूतहा रोग (प्राय बालकोंका) खसरा

ओलववु (ल') स० क्रि० बुझाना

ओला पु० कच्चा चमडा, खाल [पौदर

ओलाण (–णु) (ओं, ला) न० नदी

ओलाद (ओं) स्त्री० औलाद सतान (२) कुल

ओलां न० ब० व० ओले

ओलियु (ओं) वि० भोला सरल उदार (२) भक्त [बदा भक्त

ओलियो (ओं) पु० औलिया (२) खुदाका

ओलु वि० वह [हुआ छोटा चूल्हा

ओलो (ओं) पुं० चूल्हेके साथ लगाया

ओल्यु वि० वह

ओवारणु न० किसीके अमगल या दुःखके निवारणके लिए आशिष देनेकी एक रस्म वारना [(२) निछावर करना

ओवारवु स० क्रि० वारना, बल्या लेना

ओवारो पु० (नहाने, धोनेका) घाट

ओशरी (ओं) स्त्री० ओसारी, दालान, बरामदा

ओशलो पु० छाती (२) (बाजरेकी) मोटी रोटी (तिरस्कारमें)। [–नो ओशलो कूटवो = मर जा मुआ ऐसी बददुआ देना। –करवो टीपवो = रोटियाँ बनाना (२) रसाई करना (३) खूब पीटना]

ओशियाळ वि० देखिये 'ओशियाळु' (२) स्त्री०, न० आश्रय गरज या एहसानके कारण उत्पन्न होनेवाली पराधीनता या दीनता

ओशियाळु वि० आश्रय, गरज या एहसानके कारण दबल या पराधीन (२) गमिंदा (३) न० उक्त प्रकारकी पराधीनताका भाव

ओशिंकळ, ओशिंगण (आ) वि० आभारी

ओशीकु न० सिरहाना तकिया

ओसड न० औषध दवा (२) उपाय इलाज [ला]। [–करवु = दवा या इलाज करना (२) विघ्न दूर करनेका इलाज करना। –वाटवु = सज़ा करना (२) बदनाम करना]

ओसडवेसड न० दवा-दारू

ओसडियु न० दवाके गुणोवाली वनस्पति

ओसरवु (आ) अ० क्रि० पीछे हटना, सिकुडना (२) कम होना घटना (३) सूखना (४) लज्जित होना शरमाना

ओसरी (ओं) स्त्री० देखिये ओशरी

ओसववु स० क्रि० पसाना

ओसवावु अ० क्रि० (दाना) पकना, गलना, सीझना (२) जज्ब होकर कम होना (३) मनमें दुःखी होना मन मसोसना [ला] (४) लज्जित होना

ओसगो (ओं) पु० शरम सकोच

ओसाण (–न) (ओं) पु० हिम्मत जोश धैर्य (२) निशानी, चिह्न

ओसामण न० मांड, पसावन (२)श्लके पानीसे बनाई जाती एक खाद्य वस्तु
ओसारो पु० ओसारा, दालान
ओसाववु स० क्रि० देखिये 'ओसववु'
ओहिया अ० देखिये 'ओइया'
ओळ(ळ,) स्त्री० कतार, पांत (२) श्रेणी वर्ग (३) गली, कूचा
ओळख स्त्री० पहचान, परिचय (२) अल्ल, उपनाम (३) पहचाननेका निशान परिचायक चिह्न
ओळखपत्र न० परिचयपत्र
ओळखवु स० क्रि० पहचानना पिछानना
ओळखाण स्त्री०,न० पिछान परिचय पहचान (२) पहचाननेका निशान, परिचायक चिह्न (३) पहचाननेवाले मनुष्यका सबूत
ओळखावबु स० क्रि० पहचान कराना
ओळखावु अ० क्रि० 'ओळखवु' क्रिया का कर्मणिरूप (२) परखा जाना, पहचाना जाना, भला-बुरा मालूम होना (३) प्रसिद्धि प्राप्त करना
ओळखीतु वि० जान-पहचानवाला, परिचित
ओळवबु स० क्रि० हडपना, पराये मालको अनुचित रीतिसे आत्मसात् कर लेना, पचाना (२) छिपाना
ओळवु(ओ') स०क्रि० कघी करना, (बाल) सँवारना
ओळवुचोळवु(ओ') स० क्रि० मिट्टी, साबुन वगरहसे बालोको धोना और बादमें कघीसे सँवारना-सुलझाना
ओळगवु स० क्रि० पार जाना लाघना, फांदना, ऊपरसे होकर जाना (२) कूद जाना (३) उल्लघन करना, अवज्ञा करना, (आज्ञा, नियमको) तोडना
ओळडवु स० क्रि० ऊपरसे होकर जाना लांघना
ओळबो पु० साहुल सहानल गुनिया
ओळा पु० ब० व० बूट हरे चनेकी फलियाँ, चनेके फलदार हरे पौधेकी पूलियाँ, होरहा (२) होरा, होला
ओळाओळ अ० एक कतारमें स्थित, श्रेणीबद्ध (२) एकके बाद एक पक्तिमें आया हो ऐसे
ओळायो(ळा,) पु० देखिये 'होळायो'
ओळांडवु स० क्रि० देखिये 'ओळडवु'
ओळासवु स० क्रि० मालिश करना, मलना (२) खुशामद करना [ला]
ओळो पु० चनेकी अधपकी फलियाँ, होरा
ओळो पु० परछाइ (२) थोडा स्पर्श या सबध [ला] (३) रक्षण, आश्रय

क

क पु० देवनागरी वर्णमालाका पहला व्यजन – कठ्य वर्ण
कअवसर पु० प्रतिकूल समय
कई स० (२) वि० स्त्री० कौनसी
कऋतु स्त्री० प्रतिकूल ऋतु (२) असाधारण या बेमौसिम समय
ककडतु वि० कडकडाता हुआ (२) कलफदार और साफ़ (कपडा) (३) कडाकेका (सर्दी) [महान, भव्य
ककडधज वि० मजबूत (२) सीधा (३)
ककडभूस अ० 'कड कड' आवाज़के साथ (टटना, गिरना आदि)

कक्डवु अ० क्रि० कडकडाना (२) दाँत किटकिटाने लगें इतना काँपना बत्तीसी बजना (३) कड-कड आवाज हो इतना खौलना

कक्डाट पु० कडकडाहट (२) अ० तज़ीसे, फर्राटेसे (३) बिना रुके, एकसमान रीतिसे

ककडी स्त्री० छोटा टुकडा

ककडीने अ० कडाकेका, जोरका

ककडे बचके अ० थोडा थोडा करके, टुक-टुक

ककडो पु० टुकडा

ककरु वि० करकरा खुरदरा (२) तेज स्वभावका [ला] [चीख-पुकार

ककलाण न० रो-पीट कलपना (२)

कक्ळवु अ० क्रि० कल्पना विसूरना (२) बडबडाना (३) उबलना। [कक्ळी ऊठवु = कुहराम मचाना (२) (जी) जलना – दु खी होना]

कक्ळाट पु० कजिया कलेश किकियाना (२) चीख-पुकार

कक्ळाटियु वि० झगडालू कलहप्रिय

कक्ळाण न० देखिये कक्लाण

ककाटियो पु० चकमक

कक्कावारी स्त्री० वणमालाका अनुक्रम

कक्को पु० क वण (२) ककहरा वण माला (३) ककहरा एक तरहकी कविताकी रचना जिसके चरण वणमालाके अक्षरोके क्रमके अनुसार आरभ होते हैं अखरावट (४) प्राथमिक ज्ञान [ला]। [-खरो करवो = अपनी राय या जिद दूसरेसे स्वीकृत कराना। -घूटवो = अगर घोटना (२) अक्षरारभ करना (३) किसी काममें प्रारभिक अवस्थामें होना। -घूटया करवो = अपनी बात पर आना अपनी गाना]

कक्षा स्त्री० कक्षा ग्रहोंका भ्रमणपथ (२) स्थिति श्रेणी, कक्षा (३) कमर (४) कछोटा (५) कमरा, खास कमरा अत पुर

कगरवु अ० क्रि० गिडगिडाना

कच स्त्री० कच-कच किच किच

कचकच स्त्री० किच किच माथापच्ची (२) कजिया हुज्जत

कचकचाववु स० क्रि० कच-कच कराना (२) कसकर बाधना (३) हैरान करना

कचकचियु वि० झगडालू, हुज्जती (२) माथापच्ची करनेवाला

कचकडु न० (–डो) पु० कचकडा

कचडवु स० क्रि० देखिये कचरवु

कचरकूट स्त्री० कुचलना और कूटना (२) मशक्कत रगड

कचरपचर वि० कच्चा जो मनमे आया एसा – पक्व या अपक्व (खाना)

कचरवु स० क्रि० कुचलना (२) बारीक कुचलना (३) कूटना चूर्ण करना

कचरापटी (–ट्टी) स्त्री० कूडा (२) कचरेका ढेर

कचरापेटी स्त्री० कचरापेटा कूडा डालने या इकट्ठा करनेका सदूक

कचरु न० कचरा रद्दी चीज़

कचरो पु० कचरा कूडा (२) कीचड (३) मिट्टीका गारा (४) अति खराब या निकम्मा आदमी [ला]

कचवाट पु० कचवाट असतोष (२) अनबन (३) माथापच्ची [असतुष्ट

कचवाटियु वि० कचवाट करनेवाला

कचवाववु स० क्रि० दिल दुखाना

कचवावु अ० क्रि० दिलमें दुःख होना, चुभना [(३) कुटेव

कचाल पु० कुप्रथा (२) स्त्री० कुचाल

कचाश स्त्री० कचाई (२) न्यूनता
कचिपु वि० देखिये 'कचकचिपु'
कचुबर स्त्री०, न० कचूमर
कचूको पु० चिउँ
कचूडो पु० झूला
कचूमर स्त्री० देखिये 'कचुबर'
कचूरो पु० कुचला
कचेरी स्त्री० कचहरी, अदालत (२) आफिस, दफ्तर, कार्यालय (३) इजलास दीवानखाना। [–ए चढवु, जवु = कचहरी चढना]
कचोरी स्त्री० कचौरी
कचोरो पु० कुचला [रखनेका पात्र
कचोलु न० कचुल्ला, कटोरा (२) रोली
कच्चर वि० कुचला हुआ (२) गुप्त (मार)
कच्चरघाण पु० कचरघान, पूरी पामाली। [–नीकळवो, वळवो = बिल्कुल तबाह होना]
कच्चावच्चा न० ब० व० कच्चे-बच्चे
कच्छ पु० कच्छ, लँगोट (२) कछुआ (३) कछार, किनारेकी जमीन (४) हमेशा जहां पानी रहे वह देश, कच्छ (५) पु०, न० कच्छ प्रदेश जो सौराष्ट्रके उत्तरमें है
कच्छी वि० कच्छी, कच्छ देशका (२) स्त्री० कच्छकी बोली, कच्छी
कच्छो पु० कच्छ, लँगोट
कछोटी स्त्री० लँगोटी (२) इसमें आवृत अवयव
कछोटो पु० कछोटा, कछनी (२) कछोटेमें आवृत अवयव
कछोरु (–रु) न० बुरा औलाद, कपूत
कजळ(–ळा)वु अ० क्रि० कजलाना, झवाना
कजात वि० कुजन्मा, कमजात, नीच
कजारजा स्त्री० खुदाका कहर, आफत (२) कजा, मौत
कजावो पु० कजावा
कजियाखोर वि० झगडालू
कजियो पु० कजिया, तकरार
कजोडु न० स्वभाव, रूप, वय आदिमें असमान जोडा (वर-कन्याका), बेमेल जोडा
कट स्त्री० कुट्टी (लडकोंके खेलमें)
कट पु० कट, काट (पोशाक)
कट अ० तुरत, पट, खटसे। [–दईने, लईने = खट आवाजके साथ (टटना)]
कटकट स्त्री० उब पैदा करनेवाली आवाज (२) बक-बक, चिढ चढे ऐसी टोक, किट किट (३) अ० 'किट किट' आवाजके साथ (४) कडकडाते हुए
कटकटाववु स० क्रि० कटकटाना
कटकणु वि० कनकना (टूटना), खस्ता
कटकियु वि० कनकना (२) न० छप्पर (३) बालाखाना, मंजिल
कटकियो पु० सैनिक
कटकी स्त्री० छोटा टुकडा, कुटका
कटकु न० छोटा खेत, गाटा
कटको पु० टुकडा
कटलु न० कुटिया (२) टट्टर
कटाकटी स्त्री० मारपीट मारकाट (२) जानलेवा दुश्मनी (३) जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता (४) नाजुक समय, अडी
कटाणु वि० कसला (२) कसला (स्वाद) (३) बिगाडा हुआ बनाया हुआ (मुँह) (४) न० अयोग्य समय
कटामणु वि० कसाव चढावे ऐसा (२) जिसमें कसाव उतरे ऐसा (३) कसला
कटार स्त्री० (अखबारका) कालम
कटार (–री) स्त्री० कटार (शस्त्र),

कणव् अ० क्रि० कराहना
कणसल् न० बाल (जौ गहूँ आदिकी)
कणसव् अ० क्रि० कराहना
कणिक पु० स्त्री० बाल खोशा (२) कण किरच (३) गूंधा हुआ आटा
कणिका स्त्री० कणिका परमाणु (२) रगडसे शरीर पर पडा हुआ चिह्न, घट्ठा
कणी स्त्री० देखिए कणिका
कणेजरो पु० एक वनस्पति–औषधि
कणो पु० सपोला पोआ (२) पेंटा (३) ओटनीकी धुरी (४) ओटनीकी पेचदार लाट [कची कची
कतरणी स्त्री० धातुके पत्तर काटनेकी
कतरातु (-यु) वि० कतराता हुआ तिरछा जाता हुआ
कतराव् अ० क्रि० कतराना तिरछा जाना (२) विरुद्ध जाना (३) कटना
कतल स्त्री० कतल कत्ल
कतलखानु न० कत्लगाह, वधस्थल
कतलनी रात स्त्री० कतलकी रात, मुहर्रम महीनेकी दसवी रात (२) बहुत धमाल और जोरोंकी तयारीका समय किसी कामको पूरा करनेके वास्ते जोर शोरसे की जानवाली पूर्व तयारी या उसकी धमाल
कतार स्त्री० कतार, पंक्ति
कथनी स्त्री० कथा, बात कथनी [प]
कथरोट स्त्री० कठौता कठला
कथव् स० क्रि० कहना, बोलना (२) कथा वार्ता करना (३) टीका या विवचन करना [(२) बिगडना
कथळव् अ० क्रि० (हड्डी आदिका) उखडना
कथाकार पु० कथक्कड कथक (२) कहानी रचनवाला कहानीकार
कथीर न० रांग और सीसेके मेलसे बनी हुई धातु जस्ता (२) हलकी तुच्छ वस्तु [ला]
कथीरी स्त्री० बिल्ली चिचडी
कथीरो पु० बडी बिल्ली चिचडा
कथोल स्त्री० अच्छा लगवा अभाव (२) विराग्ना
कथोल (-लु) वि० कुठौरका (२) असु विधाजनक (३) प्रतिकूल बाधक
कथ्थाई वि० कत्थई, खरा
कद= कु'–खराब निंद्य (यह पूर्वग है और नामके पहले आता है) उदा० 'कदरूपु'
कद न० कद देहकी ऊंचाई (२) प्रमाण, विस्तार आकार (३) वजन, भार (४) पद मरजा। [-खसवु=कुल दरजा या आबरू जाना या कम होना]
कदम न० कदम पांव (२) डग
कदमबोसी स्त्री० कदमबोसी (२) साष्टांग प्रणाम नमस्कार
कदर स्त्री० कद्र कदर
कदरदान वि० कदरदान कद्रदान
कदरूपु वि० कुरूप बेडौल
कदा अ० कब (२) कभी, शायद
कदाच अ० कदाचित शायद (२) कभी (संभवत) किसी समय
कदाचित अ० कदाचित् कभी
कदापि अ० कदापि कभी (२) हरगिज
कदावर वि० कद्दावर बडे डील-डौलका (२) मजबूत
कदी अ० कदापि कभी (२) किसी समय
कदीक अ० शायद ही छठे छमासे
कदी कदी अ० कभी कभी
कनकवी स्त्री० छोटा कनकौवा
कनकवो पु० कनकौवा। -अपाववो, मुकावबो=पतंगको उडता करनेके

लिए दूसरका उस दूर ले जाकर छोडना, दरियाई देना। —चगाववी =पतग उडाना]

कनडगत स्त्री० कष्ट, दु ख देना

कनडवु स० क्रि० दु ख देना, सताना

कनात स्त्री० कनात (२) मोटे कपडेका पर्दा

कने अ० कने, पास

कन्ना स्त्री० कन्ना (पतगका) [—खावी= कनियाना, कन्नी खाना। —बाधवी= कन्नेकी डोर बाधना]

कन्नावु अ० क्रि० कनियाना, कन्नी खाना

कन्नी स्त्री० कन्नी, धज्जी (पतगकी (२) छोटी पतग

कन्या स्त्री० कन्या क्वारी लडकी (२) पुत्री (३) कन्या (राशि) (४) पार्वती (५) कन्या। [—ऊतरवी = विवाह-सबध होना, बेटी-व्यवहार होना]

कन्याकाळ पु० कुआरपनका काल (२) कन्याका विवाह करनेका समय

कन्याराशि वि० कन्याराशी स्त्री-स्वभाववाला (२) स्त्री० एक राशि, कन्या

कन्याविक्रय पु० कन्या देनेके बदलेमें लिये जानेवाले पैसे, कन्याशुल्क

कप पु० कप प्याला (२) प्रतियोगितामें विजेताको मिलनेवाला प्याले जसा विजय प्रतीक

कपची स्त्री० गिट्टी (२) पत्थरका चूरा

कपट न० कपट। [—रमवु =धोखा देना, कपट करना]

कपटवेश पु० कपटवेश, बनावटी भेस

कपडछाण वि० कपडछान, कपडेसे छाना हुआ (२) (औषध आदि) कपडेमें मीवर मिट्टीसे लीपा हुआ कपडमिट्टी किया हुआ (३) न० कपडछन

कपडमट्टी स्त्री० कपडमिट्टी

कपडांलत्तां न० ब० व० कपडा-लत्ता

कपडु न० कोरा कपडा (२) वस्त्र, कपडा

कपरु वि० कठिन (२) तेज स्वभाववाला, सख्त (३) दबग (आदमी)

कपातर वि० देखिये 'कुपात्र'

कपाशियो पु० बिनौला (२) कुमी आदिको दबानेसे निकलनेवाली कडी पीप, कील

कपाशी, कपासी स्त्री० (पाँवके) तलवोंमें गाँठ पड जाना, गोखरू

कपास पु० कपासका पौधा (२) बीज समेत रुई, कपास

कपासियो पु० देखिये 'कपाशियो'

कपाळ न० ललाट, भाल (२) कपाल, खोपडी (३) भाग्य [ला]

कपाळकूट स्त्री० माथापच्ची किच किच

कपूत पु० कपूत (बेटा)

कपूर न० कपूर [सुगधित जडी)

कपूरकाचरी (—ली) स्त्री० कपूरी (एक

कपूरिया न० ब० व० कपूरी (नागरदलके पान) (२) कच्चे आमकी लबी फाँके

कपूरी वि० कपूरी कपूरके रगका (२) कपूरी नामका (पान)

कपेच वि० पेचीदा, अटपटा

कपोटी स्त्री० (—टु) न० पपडी (रोटीकी) (२) पतली छाल, ऊपरी पतली परत

कपोळकल्पित वि० कपोलकल्पित

कप्तान पु० अगुआ, मुख्य या बडा अफसर (२) जहाज या स्टीमरका मुखिया, कप्तान (३) पल्टन या किसी टुकडीका नायक दल-नायक

कफ पु० कफ, शरीरकी तीन धातुओंमें से एक (२) खासी (३) बलगम, कफ

कफ पु० चकमकसे झडी हुई आगको पकडनेवाली रुई कफ

कफन न० कफन (२) मुर्दा रखनेका वस्त्र
कफनी स्त्री० कफनी, फकीरोंका बिना बाँहका कुरता (२) छोटी बाँहका लम्बा कुरता
कफा वि० खफा, नाराज, कुपित
कफामरजी स्त्री० खफगी नाराजगी
कफोडु वि० प्रतिकूल, विषम (२) बेढंगा, मुश्किल [(२) कोष्ठबद्ध
कबज वि० जो कब्ज़ा या अधिकारमें हो
कबजागीरो पु० भागबंध पटबंध
कबजिय(-या)त स्त्री० रुकावट अवरोध (२) कब्ज़ कब्ज़ियत
कबजदार वि० कब्जेवाला (२) पु० ऐसा व्यक्ति काबिज़
कबजो पु० कब्ज़ा अधिकार दखल (२) दबाव पकड काबू (३) बिना बाँहका या छोटी बाँहका कुरता (४) चोली अंगिया। [-करवो = कब्ज़ा या अधिकार करना हथियाना। -मेळववो, लेवो = बाकायदा कब्ज़ा लेना]
कबजोभोगवटो पु० कब्ज़ा और उपभोग अधिकार और भुक्ति
कबर स्त्री० कबर, कब्र (२) मुर्दा गाड़नेके बाद उसके ऊपर बनाया हुआ चबूतरा
कबरस्तान न० कब्रिस्तान, कबरिस्तान
कबाट पु०, न० अलमारी
कबाड वि० कुरूप दुष्ट (२) पु० घासका भरा हुआ गाडा (३) न० मकान बनानेकी लकडी
कबाडी वि० बुरे काम करनेवाला (२) पु० मकानकी लकडीका व्यापारी (३) लकडहारा
कबाड वि० बेडौल कुढंगा कुरूप (२) बुरा, दुष्ट, व्यभिचारी (३) न० बुरा काम
कबाब पु० कबाब
कबाबचीनी स्त्री० कबाबचीनी
कबालो पु० कबाला, एवज विनिमय (२) कबाला, बयनामा (३) वादेके मुताबिक पैसा देनेकी शर्त पर की हुई खरीद
कबी अ० कभी कदापि
कबीर वि० कबीर महान (२) पु० भाट कवि (३) संत कबीरदास
कबीरो पु० कबीरपंथियोंका चौड़े मुँहका भिक्षापात्र कटोरा (२) इस्लामी शरियतके मुताबिक महा अपराध
कबीलो पु० बीबी-बच्चे (२) कबीला
कबुलाववु स० क्रि० कबुलवाना
कबुलावु अ० क्रि० कबूला जाना
कबूतर न० कबूतर
कबूतरखानु न० कबूतरखाना काबुक (२) छोटे छोटे बहुत खानोंवाली अलमारी (३) गंदी जगह [ला]
कबुध स्त्री० कुबुद्धि दुर्बुद्धि
कबूल वि० कबूल मंजूर
कबूलत स्त्री० कबूलियत स्वीकृति। [-आपवी करवी = कबूलना (२) कबूलियत लिखना। -मागवी = स्वीकार करनेको कहना बात मंजूर है या नहीं यह पूछना स्वीकृति माँगना]
कबूलतनामु न० कबूलतपत्र पु० कबूलियत इकरारनामा स्वीकृति पत्र
कबूलमंजूर वि० कबूल किया हुआ स्वीकृत मंजूर
कबूलवु स० क्रि० कबूलना स्वीकार करना (२) स्वीकृति देना
कबूलात (०नामु), (०पत्र) देखिये कबूलत कबूलतनामु कबूलतपत्र
कब्र, कब्रस्तान देखिये कबर कबरस्तान
कमारजा स्त्री० लडाकी कर्कशा स्त्री

कभावो पु० अनिच्छा, अरुचि, तिरस्कार
कम वि० कम (२) खराब, बुरा
कमअक्कल वि० कमअक्ल, मूर्ख (२) स्त्री० कम अक्ल [नान
कमआवडत स्त्री० अल्प कौशल अल्प
कमकमवु अ० क्रि० सिहरना, कांपना
कमकमाट पु० (–टी) स्त्री० कँपकँपी, सिहरन (२) त्रास (३) जुगुप्सा, घृणा
कमकमां न० ब० व० कँपकँपी, सिहरन। [–आववां, थावां, छूटवां=कँपकँपी छूटना]
कमकमी स्त्री० कँपकँपी (२) घिन
कमखो पु० कंचुकी अँगिया
कमजरे अ० वृथा बेकार बरबाद
कमजात वि० रखेलीके पेटका
कमठाड्डु न० कमठी, कमठ
कमठाण न० बड़ा परिवार रिसाला (२) असबाब सामान (३) टेढ़ी या खामखा बड़ी रचना
कमतर वि० कमतर, घटिया
कमताकात वि० कम ताकतवाला
कमता वि० कम, अल्प
कमन न० अप्रीति अरुचि [नसीबी
कमनसीब वि० कमनसीब (२) न० कम
कमवेश वि० कमोबेश कम ज्यादा
कमर स्त्री० कमर। [–कसवी बांधवी=कमर कसना तयार होना कमर बाँधना। –तूटवी, भांगवी=हताश होना, दिल बैठ जाना, हिम्मत पस्त होना। –तोडवी=भारी महनत करना (२) कमर पस्त हिम्मत हो ऐसा करना]
कमरख (–ख) न० कमरख (फल)
कमरपटो, कमरपट्ट पु० कमरबंद पट्टा
कमळ न० कमल, पद्म
कमळकाकडी स्त्री० कमलगट्टा
कमळी स्त्री० कमलबाई, पीलिया
कमळो पु० कमल, पीलिया (२) विकृत दृष्टि [ला]
कमंडळ (–ळु) न० कमंडल, कमंडलु (२) एक धातुपात्र (परोसनेका)
कमाई स्त्री० कमाई उपार्जित धन
कमाउ वि० कमाऊ कमासुत
कमाड न० किवाड। [–दववु, वासवु= किवाड बंद करना। –भांगवां=बारबार आना जाना (वसूली आदिके लिए)]
कमाणी स्त्री० कमाई कमाया हुआ धन
कमान स्त्री० कमान धनुष (२) कमानके आकारकी कोई बनावट मेहराब (३) कमानी, स्प्रिंग। [–चडाववी= कमान खींचना (धनुष)। –छटकवी= कमानी (स्प्रिंग) छटकना (२) गुस्सेमें होना कमान चढ़ना]
कमाल वि० कमाल, पूर्ण (२) उत्कृष्ट कमाल बढ़िया (३) सुंदर (४) स्त्री० हद, पराकाष्ठा। [–करवी=कमाल करना, भारी पराक्रमका काम करना]
कमाववु स० क्रि० (चमड़ा) कमाना, काम लेने लायक बनाना (२) 'कमावु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप, कमवाना
कमावु स० क्रि० कमाना पैदा करना
कमिटी स्त्री० कमिटी कमेटी, समिति
कमिशन न० कमीशन कमिशन, दस्तूरी (२) नियुक्त जाँच-समिति, कमीशन (३) अधिकार-पत्र सनद (४) मुख्तारी, अधिकार
कमिशनर पु० कमिश्नर-एक अमलदार (२) कमीशनका सदस्य
कमी वि० कम, अल्प (२) न्यून अधूरा ऊन (३) स्त्री० कमी, खामी कसर
कमीजास्ती वि० कम ज्यादा, कम-बेश

कमीना स्त्री० कमी, खामी कसर
कमुरत न० अशुभ मुहूत कुसाइत
कमुरतां न० ब० व० अशुभ दिन
कमोत न० कुमौत अस्वाभाविक मृत्यु
कमोसम स्त्री० बेमौसिमका समय प्रतिकूल ऋतु अयोग्य काल
कम्मर स्त्री० देखिये 'कमर
कयुं स०(२)वि० कौन कौनसा क्या
कर पु० कर हाथ (२) कर महसूल जकात (३) नग लाग (४) किरण (५) सूंड (६) दोकीसना। [-घाल्वो, ठोक्वो नाखवो, बेसाडवो=कर लगाना। -भरवो=कर देना भरना]
करकर स्त्री० किरकिरी
करकरियावर पु० लग्न आदि अवसरा पर की हुई लेन-देनकी प्रतिना ठहरौनी पहरावनी (पोषाक या रुपये) लाग
करकरु वि० करकरा खुरदरा
करकसर स्त्री० किफायत मितव्ययिता
करकसरियु वि०किफायतदार कमखच
करकोलवु स०क्रि० धीरे धीरे काटकर या कुकोरकर खाना टूंगना
करगरवु अ०क्रि० देखिये कगरवु
करच स्त्री० किरच कनी
करचली स्त्री० झुर्री (देह पर) चुनट (कागज़ आदि पर)
करचलो पु० केकडा
करचळी स्त्री० देखिये करचली
करचोली(-ळी) स्त्री०देखिये करचली
करज न० कज कर्ज़ा। [-काढवु=कज परलेना कर्ज़ लेना। -चूकववु पतववु=ऋण चुकाना कज अदा करना। करजे आपवु लेवु काढवुं=कज़के रूपमें देना, लेना]

करजदार वि० क़र्ज़दार
करजाळी स्त्री० काजल पारनेका मिट्टीका दिया कजलौटी (२)चिमनी
करड स्त्री० देखिये कड
करड स्त्री० काट, डक(२)खुजली
करडकणु वि० कटहा काटनेवाला
करडवु स०क्रि० काटना डसना दांतसे काटना (२) खाना (तिरस्कारमें) (३) कष्ट पहुंचाना काटना
करडाकी (-गी) स्त्री० (वाणीकी) वक्रता कटाक्ष (२)बांकपन, अकड एंठ (३) सख्ती कड़ाई
करणी स्त्री०करनी करतूत आचरण (२) राजका एक औज़ार कन्नी(३) चमत्कार जादू
करताल(-ळ) स्त्री० हाथसे ताली बजाना (२) करताल झांझ
करतां अ० -सा(तुलना बतानेके अर्थमें) -की अपेक्षा
करतुकारवतु वि० करता धरता मुख्य अगुआ जिसकी चलती हो कारबारी
करतूक(-त) न०करतूत करना(२) (खराब) वर्ताव आचरण
करप पु०आतंक दाब धाक अकुश। [-बेसाडवो=धाक जमाना। -राखवो=काबूमें रखना वसमें करनेके लिये रोब जमाना]
करपवु स० क्रि० दांतासे थोडा-थोडा काटना ककोरना कुतरना टूंगना
करपीण वि० रोयें खडे करनेवाला निन्द्य
करबडी स्त्री० खतीकी घास निकालनेका एक औज़ार गहनी
करबवु स० क्रि० खेतमें गहनी देना
करभाग पु० करके रूपमें देनका भाग
करम न० करम काम(२)हुकम(३) भाग्य विधाता। [-ऊघडवु=नसीब

खुल जाना, सुअवसर प्राप्त होना।
–फूटवु=करम फूटना, बुरे दिन आना।
–बांधवां=आनेवाले जन्ममें (खराब) फल भुगतने पड़े ऐसे करम करना, पाप कमाना। –ना भोग=कर्मफलके रूपमें मिलनेवाले दु:ख, कर्मभोग]
करम स्त्री० करम उदारता (२) कृपा
करम पु० कृमि, पेटमें होनेवाला एक कीड़ा
करमकथा स्त्री० करमकथा, बीती
करमकल्लो पु० करमकल्ला, बदभागी, पातगाभी
करमकहाणी स्त्री० बीती (कथा)
करमकूट स्त्री० निरथक श्रम, माथा पच्ची, किच किच (२) पिष्टपेषण
करमज,करमजी देखिये किरमज आदि
करमदी स्त्री० (–दो) पु० करौंदा
करमनु फूटलु वि० अभागा बदनसीब
करमाधरमी वि० कर्माधीन भाग्याधीन
करमावु अ०क्रि०कुम्हलाना मुरझाना
करमियो पु० देखिये करम, कृमि
करमी वि० नसीबदार (२) धनाढ्य
करमोड स्त्री० मोच
करमोडवु स०क्रि० मराड़ना (२)थोड़े प्रवाही पदार्थके साथ मिलाना–मसलना सानना [लचकना
करमोडावु अ०क्रि० मोच आना मुड़ना
करमो(०ब)वु स०क्रि० थोड़े प्रवाही पदार्थके साथ मिलाना–मसलना, सानना
करवडु न० कीप
करवडो पु० करवा (लोटा)
करवत स्त्री० न० करवत, आरा। [–मुकाववु, मेलाववु=(काशीमें)दूसरे जन्ममें अभीष्ट फल प्राप्त करनेके लिए आरेसे शरीर चिरवाकर प्राणत्याग करना, काशी-करवट लेना]
करवती स्त्री० छोटा करवत, आरी (२) सुनारका एक औजार
करवु स०क्रि० करना, बरतना, आचरना बनाना, आयोजन करना, रचना करना, संपादन करना, पैदा करना वगैरह(२)अन्य क्रियाके साथ सहायक क्रियाके रूपमें आता है और अर्थमें विशेषता लाता है, उदा० जोवु करवु=देखना-दाखना (३)भूतकालिक कृदंतके साथ आकर अभ्यासबोधक क्रिया बनाता है, उदा० जोया करवु= देखा करना। [करी जोवु=आजमाना प्रयोग करना]
करवुकारववु स०क्रि०अंजाम देना, पूर्ण करना (२)किसी क्रियासे सब तरहसे निबटना
करडियो पु० करंड (बांसका टोकरा)
करदु वि० कर्मी उद्यमी, उद्योगी
करा पु० ब०व० ओले कर
कराड स्त्री० बड़ी शिला, चट्टान (२) करारा, कगार (३) खाह, कंदरा
कराडी स्त्री० पहाड़की संकरी और ऊंची दरार खोह (२)दह(नदीका) (३) नदीका ऊंचा किनारा कगार (४) सोनीका एक औजार
करावीन स्त्री० कडाबीन, छोटी बंदूक
करामत स्त्री० कारीगरी, कसब (२) हिकमत चतुराई (३)बनावट, रचना (४) चमत्कार, करामात
करामती वि० करामाती, चमत्कारी
करार पु० करार कबूल ठहराव (२) करार चैन आराम
करारदाद पु० प्रतिज्ञापत्र, कबूलियत (२) सुलहनामा, संधिपत्र

ककावटी स्त्री० कुकुम रखनका पात्र
ककास पु० क़जिया, क्लेश [(स्त्री)
ककासियण वि० स्त्री० ककशा लडाकू
ककासियु वि० झगडालू, कलहप्रिय
कंकु न० कुकुम रोली। [–ना करवा= मगल कायका प्रारभ करना (२) काम में फतह हासिल करना [ला]। –नां पगलां = सुख-वैभवका शुभागमन। –नां पगलां करवां = आगमनसे घरको सुखी बनाना] [पुडा
ककुपडी स्त्री० (–डो) पु० रोलीका
ककोडी स्त्री० ककोडेकी बेल खेखसा
ककोडु न० ककोडा खेखसा (फल)
कंकोतरी, कंकोत्री स्त्री० कुकुमपत्रिका लग्नपत्रिका
कगण न० देखिये 'कंकण'
कगनी स्त्री० कघी
कगाल(–ळ) वि० कगाल कँगला (२) दरिद्र तुच्छ (३) रस और कससे हीन नि सत्व, बेमजा [गरीबी
कगालि(–ळि)यत स्त्री० कगाल्यित,
कजूस वि० कजूस सूम कृपण
कजूसाई स्त्री० कजूसी कृपणता
कटाळवु अ० क्रि० ऊबना उक्ता जाना
कटाळी वि० स्त्री० काँटेदार कँटीली (२) स्त्री० पजेदार थूहड नाग-फनी
कटाळु वि० कँटीली काटेदार (२) न० मफेद कुम्हडा, पेठा
कटाळो पु० ऊब
कंटियु न० बाल (जो गेहूँ आदिकी)
कटी स्त्री० बालके बारीक दाने (२) बाल खोशा (३) ताजा धान
कटी (–टे) वाळो पु० चूल्हे पर रखनेसे पहले रसोईके बतना पर बाहरकी ओर किया जानेवाला मिट्टी या राखका लेप लेव

कटोली(–ळी) स्त्री० ककोडेकी बेल, खेखसा
कठ पु० कठ, गला, हल्क (२) टेंटुवा (३) स्वर आवाज (४) पक्षीका कठा। [–खूल्वो = आवाज साफ निकलना, कठ खुलना। –बेसवो बेसी जवो = गला बठना, कठ बैठना स्वर साफ़ न निकलना। –रुधावो=गला रुँधना, जी घबडाना। –सुकावो = गला सूखना। कठे प्राण आववा = बहुत मुसीबतमें फँसना। कठे सोस पडवो = पानीके बिना गला सूखना, काँटा पडना। कठे होवु = जबानी होना, कठस्थ होना]
कठार(–ळ) स्त्री० समुद्रतट, किनारा
कठाळ स्त्री० गोन (घोडा बैल आदिकी) (२) बरतन भरनका बोरा (३) बडा थैला (४) देखिये कठार
कठी स्त्री० कठी गलेका एक गहना (२) गुरुसे प्राप्त माला कठी (३) (अँगरखेमें) गलेके सामनेके भाग पर किया जाने वाला बेल-बूटा या सुहावनी सिलाईका काम। [–बांधवी = चेला या शिष्य बनाना कठी बाँधना] [कठीबद
कठीबधु वि० एक ही गुरुका (२) वैष्णव
कठो पु० बडे मनकोंकी माला, कठा
कड पु० कुड (२) कुआ जोडनेके काममें आनेवाली टेढी इंट
कडार पु० नक्काशी कोरनी (२) आलेखन चित्रकारी [करना
कडारवु स० क्रि० कोरना नक्काशी
कडियो पु० करड
कडील न० दीया रखनेका काँचका गिलास हाँडी कदील (२) लालटेन
कडीलियु न० कडीलिया (२) दीयेको पवन न लगे इसलिए बनाया हुआ मिट्टीका छोटा घर

कताई स्त्री० कातनेकी मजदूरी, कताई
कतान न० पटसनका कपड़ा, टाट (२) गोनपाट ['कताई'
कतामण न०, (–णी) स्त्री० देखिये
कतावु अ० क्रि० काता जाना (२) कृश होना, सूखना (३) कम होना
कथार न०, (–री) स्त्री०, (–रो) पु० एक वनस्पति, कथारी
कथाळ स्त्री० गोन (घोड़ा, बैल आदिकी)
कदो पु० (बंदूकका काठका) दस्ता, कुंदा
कदोई पु० हलवाई
कदोरी स्त्री० छोटी करधनी
कदोरो पु० कदोरा, करधनी, तागड़ी (२) दीवारकी जोड़ाईमें इंटोंसे बनाई हुई कोर, कगनी (३) निशानकी लकीर, लीक
कपवु अ० क्रि० काँपना, कँपना, थर थराना (२) डरना, सहमना
कपाउंड न० कपाउंड, अहाता
कपाण (ण,) स्त्री० राटुल, बड़ा तराजू
कपारी स्त्री०, (–रो) पु० कँपकँपी, कप
कपास पु० कपास, कुतुबनुमा, दिग्द र्शक यंत्र (२) परकार कपास
कबल पु० कवल (२) गल-कंबल
कबा स्त्री० बाँसकी पट्टी, खपची (२) बढ़ईका गज़ जो २४ इंचका होता है
कसार पु० कसार जैसा मिष्टान्न
कसारी स्त्री० ऊन आदिके कपड़े खा जानेवाला एक कीट, कीड़ा
कसारो पु० कसेरा, ठठेरा
काकडी स्त्री० ककड़ी (२) आरिया (३) धज्जीको बटकर बनाई हुई बत्ती
काकडो पु० बड़ी बत्ती (२) गलेके भीतरकी दोनों ओरकी गाँठें (३) जीभकी जड़के ऊपर लटकनेवाला मांसखंड, घंटी

काकब पु० गुड़ या महुएका शीरा (तंबाकू बनानेके काम आता है)
काकम पु० शीरा, किवाम
काकर पु० दाँत (सूअर आदि प्राणियोंका) (२) करवतका ददाना, दाँता (३) चमडीमें बना हुआ कड़ा चीरा
काकरिया कुभार पु० कलगीवाला पक्षी
काकरी स्त्री० छोटे ददानोंवाली धार (२) ककड़ी (३) किरकिरी, रेत
काकरो पु० कंकड़ (२) गाँठ (प्याज इत्यादिकी) [गिड़गिड़ाहट
काकलूदी स्त्री० आजिज़ी चिरौरी,
काका (का–का) अ० कौवेकी बोली, काँव-काँव
काका पु० ब० व० चाचा, काका
काकाकौवो पु० काकाकौआ, काकातुआ
काकाजी (–ससरा) पु० चचिया ससुर
काकाबळिया पु० ब० व० चेचक, बड़ी माता
काकी स्त्री० चाची, काकी
काकीडो पु० गिरगिट
काकीजी (–सासु) स्त्री० चचिया सास
काको पु० चाचा (२) (पिताको संबोधन करनेमें प्रयुक्त होता है) (३) (व्यंग्यमें) दुश्मन। [काका मामा करवा = खुशामद करना]
काकोससरो पु० चचिया ससुर
काख स्त्री० काँख बगल
काखबलाई, काखबिलाडी स्त्री० कँखौरी, बगलका फोड़ा [बजाना]
काखली स्त्री० काँख। [–कूटवी=बगलें
काग पु० कौआ। [–नो वाघ = बातका बतंगड़, तिलका ताड़। –नु बेसवु ने ताडनु पडवु=कार्यकारण-संबंधके बिना किन्हीं दो घटनाओंका अचा

नक होना जिससे यह भ्रम पदा हो कि इनमें सम्बन्ध है, कौएका बठना और ताडके फलका गिर पडना। —ने डोळे राह जोवी=बहुत आतुरतासे राह देखना] [पुरज़ा, पत्रिका

कागज पु० काग़ज, कागद (२) चिट्ठी,

कागडी स्त्री० कौअेकी मादा, काकी

कागडो पु० कौआ, कौवा (२) धूर्त और चालाक प्राणी [ला]। [कागडा ऊडवा =वीरान हो जाना उजड जाना (२) निस्संतान होना। कागडानी नजरे जोवु = बहुत चौकन्ना रहना]

कागदी वि० काग़ज़ी पतली छालवाला (२) जो जल्दी टूट-फूट जाय नाजुक (३) पु० काग़ज़ बनानेवाला काग़ज़ी (४) काग़ज़ बेचनेवाला या बही बांधनेवाला, काग़ज़ी

कागवाश (स) स्त्री० श्राद्धके दिन पितरोंके निमित्त कौअेको बलि देते समय निकाला जानेवाला उद्गार (२) काकबलि

कागळ पु० देखिये कागज'। [—नी कोपळी = बहुत नाजुक (वस्तु)। —मागवो, लाववो = सिफारिशपत्र माँगना या लाना]

कागळपत्तर, कागळपत्र पु० चिट्ठी पत्री या डाकसे आई हुई चिट्ठी

कागळियु न० काग़ज़का टुकडा, पर्चा (२) काग़ज़का रुपया—नोट लोन शेयर हुंडी जसा। [कागळिया करवां = मिसिल बनाना या काग़ज़ी कार्रवाई करना। कागळिये चडवु=बीचमें मर जाना (२) जाहिर होना (३) अदालत चढना (४) काग़ज़ी कार्रवाई होना, इसमें पडकर कामका रुकना]

कागारोळ पु० रोना-पीटना (२) कागारोल कौआरोर

काच पु० काच, काँच (२) आईना

काचबी स्त्री० कछुई मादा कछुआ

काचबो पु० कछुआ

काचर स्त्री० छोटा टुकडा

काचरकूचर न० फुटकल खाद्य चाजें, चना चबेना (२) अगड-खगड

काचली स्त्री० नारियलकी नरेली

काचलु न० नरेली (२) कोई भी टूटा हुआ अर्धगोल हिस्सा (नरिया घडा आदिका) कटाह ठीब आदि (३) ऐसा कटोरा। [काचलां कूटवां = व्यर्थ परिश्रम करना]

काचंडो पु० गिरगिट

काचा काननु वि० कानका कच्चा

काचो बुट्टो (—माया) स्त्री० धोखा खा जाय ऐसा भोला मनुष्य

काचु वि० कच्चा, अपक्व (फल) (२) आँच पर न पकाया हुआ (मटका), अधकचरा—जिसके पकनेमें कसर हो (भात) (३) न भुना हुआ (चना) (४) साफ न किया हुआ—जो कुदरती स्थितिमें हो (धातु माल) (५) जल्दी टूट फूट जानेवाला काचू भाजू न टिकनेवाला (सडक, रंग) (६) नादान अनुभवहीन (मनुष्य ज्ञान आदिमें) (७) अधूरा, अपूर्ण, अपरिपक्व (काम, बुद्धि) (८) कामचलाऊ, जिसमें काट छाट हो सके (हिसाब) (९) पोचा बेहिम्मत ढीला (दिल) (१०) बारदान आदिके साथका या अंदाज़से नियत किया हुआ (वज़न, नाप) (११) पक्के वज़नसे आधा, कच्चा (सर मन) (१२) न० कच्चापन

कसर, अधूरापन। [-कापवु=अधूरी तयारी या असमयमें किसी बातमें कमर होते हुए भी जल्दी बरतना या कुछ करना (२) ऐसा करके काम बिगाडना (३) उतावलीसे बरतना। -खावु=तंगी या कमी महसूस करना]
काचुकोद वि० न पकाया हुआ और रूखा, रूखा-सूखा
काचुनच वि० बिलकुल कच्चा
काचुपाकु वि० अर्धदग्ध, कच्चा-पक्का
काचुपोचु वि० अनुभवहीन और नाहिम्मत
काछडो स्त्री० काछनी, लाँग। [-छूटी जवी=डर जाना। -हालीने, पकडीने दोडवु=डरसे पागल होकर भागना, दुम दबाकर भागना]
काछडीछूटो वि० पु० व्यभिचारी
काछडो पु० काछा, कछोटा। [-मारवो, वाळवो=कछोटेकी तरह धोती पहनना]
काछियण स्त्री० काछी जातिकी स्त्री
काछियो पु० काछी (तरकारी बेचनेवाला) (२) काछी जातिका आदमी
काछोटी स्त्री० काछ, काछनी
काछोटो पु० कछोटा, काछा
काज न० काज, काम (२) काज, प्रयोजन
काज्ळ न० कालिख (२) काजल
काजळकंकु न० ब० व० काजल और कुंकुम (सौभाग्यवतीका सिंगार)
काजळराणी स्त्री० कजली तीज
काजळी स्त्री० कालिख काजल (२) राखकी तह (३) काली, फफूंदी (४) कजरौटा (५) गायके पूजनका स्त्रियोंका एक व्रत (सावन मासमें)
काजळी त्रीज स्त्री० कजली तीज

काजी पु० काजी (२) मौलवी
काजु पु० काजू [चढाये हुए काजू
काजुकळिया पु० ब० व० काजू (२) चीनी
काजे अ० -के लिए, वास्ते
काझी पु० देखिये 'काजी'
काट पु० जंग, कसाव, काई (२) बोझरूप निकम्मा उतार या मैल [ला]। [-खावो, चडवो, वळगवो = जंग लगना, बिगडना]
काट पु० प्रतिदावा, प्रतिकार (२) (ट,) स्त्री० ताशके खेलमें अमुक रंगका पत्ता न होना-काट
काट पु० काँटा, रोक, विघ्न, साल, उदा० 'गजुनो काट काढवो'
काटकूट स्त्री० काटना और कूटना (२) टूटा फूटा सामान, कबाड, अगड-खगड (३) मकान बनानेका सामान
काटको पु० कडाका, बडी गर्जना
काटखूण पु० ९० अंशका कोण, समकोण (२) इस नापका राज-बढ़इयोंका औज़ार गोनिया
काटखूणत्रिकोण पु० समकोणत्रिकोण
काटखूणो पु० देखिये 'काटखूण'
काटछाट स्त्री० काट-छांट
काटमाळ पु० इमारतकी नयी पुरानी लकडी (बल्ली बाँस आदि)
काटरडो पु० तलछट कीट किट्ट (२) रद्दी बेकार चीजें, कबाड
काटलु न० वजन, बाट (२) जच्चाको दी जानेवाली पुष्टई (३) कम करना, काट लेना (४) काँटा-बाधा, खलल। [-काढवु =बाधा दूर करना (२) काम तमाम करना, मार डालना]
काटवु स० क्रि० काटना (२) डँसना, काटना (३) छलना

काटवु वि० जगके रगका, कापाय
काटाकाट स्त्री० कटाकटी, मार-काट (२)कतल(३)अदावत, कट्टर बर
काठ वि० धूत, घाघ
काठ पु० काठ लकडी (२)पु० इमारतमें काम आनेवाली लकडी (३) काठी (४) काठकी बेडी, काठ [काठी
काठडु न०,(-डो) पु० (ऊट आदिकी)
काठियाणी स्त्री० काठी जातिकी स्त्री
काठियावाड पु०, न० गुजरातका एक भाग, काठियावाड (अब सौराष्ट्र)
काठी स्त्री० इधन (२) जमीनकी एक नाप(४०० काठी=बीघा) (३) लाठी डण्डा, बांस (४)देहकी गठन, काठी
काठी वि० (२) पु० काठियावाडकी एक मूल जातिका (व्यक्ति)
काठु वि० कठिन, मुश्किल (२) कडा, कठोर (३) कजूस (४) बुरा अशुभ
काठु न० काठी देहकी गठन (२)ढांचा (ढोल डफ आदिका), आकार(३) काठी, जीन (४)साडीका कपडा जिस पर किनारी लगानी हो [धुसेडना
काढघाल (ढ, ल,) स्त्री० काढना और
काढवु स० क्रि० काढना बाहर खींचना–लाना–लेना निकालना (२) अलग करना गडी या सटी हुई चीजको आधारसे पृथक करना, दूर करना (३) रद्द करना, हटाना (४) आलेखन करना तसवीर या चित्र बनाना (बेलबूटा अक्षर आदि) (५) कहना बोलना उच्चार करना (आवाज, चीख बात इत्यादि) (६)कायम करना नया खोलना, शुरू करना (शाला दुकान आदि) (७)गिन डालना, गिनती करना (भाव, नाप) (८)रोगन करना निकालना (नाम आबरू दिवाला आदि) (९)व्याप्त वस्तुओंको अलग करना, सार-तत्त्व निकालना (मलाई तल), रकम अलग रखना उदा० 'तेणे पाचसो रूपिया दान खाते काढ्या' (१०)कमाना, प्राप्त करना, जुटाना (११) अन्य क्रियाके साथ आने पर उस क्रियाके खत्म होने या निबटनेका भाव बताती है। [काढी नाखवु=रद्द करना (२) अनुत्तीर्ण करना (३)कुछ न समझना। काढी मूकवु, मेलवु= निकाल देना भगा देना(२)रजा दे देना (३) निकालकर रखना]
काढो पु० काढा क्वाथ
काण (०मोकाण) (ण,) स्त्री० मृतकके पीछे रोना धोना, सियापा। [-करवी, मांडवी=मृतकके पीछे रोना धोना (२) किसीसे बिगडा हुआ काम बनवाना। काणे जवु=मातमपुरसीके लिए (दूसरे गाँव) जाना]
काणियु (ण,) वि० सोगी, मातमदार
काणियु वि० काना एकाक्ष
काणु वि० सूराखदार, छेदवाला (२) काना एकाक्ष (३)न० छेद सूराख
कातर वि० कातर आत (२)भीरु (३) तिरछा, काना
कातर स्त्री०कतरनी कैंची (२)बाल झडनेका चौपायोका एक रोग (३) कैंचीका-सा धारदार पतला ठीकरा, चादर आदि टीन आदिकी चादर। [-चलाववी, फेरववी, मूकवी=काट ~ छाँट करना]
कातरण न० कतरन
कातरवु स० क्रि०कतरना (२)काटना,

कुतरना (३) कम करना (४) कुरेदना, खुरचना (५) कटती कहना [ला]

कातरियु न० छप्परके बिलकुल पासकी नीची मंजिल (२) लकडीका एक दुधारा अस्त्र (३) सेंध लगानेका औजार (४) दो चूडियोंके बीचमें पहननेका एक पतला कंगन (५) भेजा (६) कटाक्ष, तेवर बदलकर देखना तीखी निगाहसे देखना (७) स्लेटका टूटा हुआ बडा टुकडा। [कातरियां खावां, नाखवां=रापमें तिरछे देखना, चिढकर देखना]

कातरी स्त्री० किसी चीजका पतला चिपटा टुकडा, कतला, बचका [प]

कातरो पु० चिपटा, लंबा और टेढा फल, उदा० आमलीनो कातरो' (२) इससे मिलती-जुलती एक आतिशबाजी छछूंदर (३) अनाजके उगते पौधोंको खा जानेवाला एक कीडा (४) गलमुच्छा (५) केलेका घौरा घौद

कातळी स्त्री० देखिये कातरी

कातिल वि० कातिल (२) घातक (३) ममभेदी [(३) दगा [ला]

काती स्त्री० काती, छुरी (२) करवती

कातु न० काता, कुद छुरी

कायाकलो पु० ब०व० कुत्सा निंदा, झूठ-सच (२) हुज्जत व्यथकी तकरार

कायियु वि० कत्थई (२) न० नारियलके छिलकोंके रेशोंको बटकर बनाई हुई रस्सी (३) इसकी चटाई (४) पा-अनाज

कायी स्त्री० नारियलके छिलकाके रेशे या इनकी डोरी

कायो पु० कत्था, खरसार

कादव पु० कीच कीचड। [-उराडवो, फेंकवो=निंदा करना, बदनाम करना]

कादव-कीचड पु० गहरा कीचड, दलदल

कान पु० कान (२) लक्ष्य, ध्यान (३) वेध, छेद। [-ऊघडवा=खरी बाबत मालूम होना। -करडवा=कानाफूसी करना। -धरेणे मूकवा=बहरा बनना। -फूटवा= (बहरा हो जाय ऐसा) असह्य कोलाहल होना (२) बहरा होना। -फोडी नाखवा=भारी शोर गुल होना। -मां हूवा मारवा=कानमें तेल डालना]

कानखजूरो पु० कनखजूरा

कानछेरियां न० ब० व० कानके ऊपरके बालोंकी जुल्फें

कानटोपी स्त्री० कनटोप, कुलही

कानडो वि० करनाटकी (२) स्त्री० कन्नड (भाषा)

कानपटी (-ट्टी) स्त्री० कानकी लौ, लोलकी। [-पकडवी=अपनी भूल कबूल करना कान पकडना (२) किसीको आगेके लिए सचेत करनेके लिए उसका कान पकडना, कान ऐंठना]

कानफटो पु० कनफटा (साधु)

कानफूटु वि० बहरा

कानफूसियां न० ब० व० कानाफूसी, कनफुसकी (२) बहकाना, कान भरना

कानफूसियु वि० बहकानेवाला, कनफुसका (२) चुगलखोर (३) न० बहकाना या चुगली करना, कान भरना

कानभंभेरणी स्त्री० कान भरना

कानमूळियु न० कानकी जडमें होनेवाला एक रोग, कणमूल [कानछेरिया

कानशियां, कानशेरिया न० ब० व० देखिये

कानस स्त्री० रेती (औजार)

कानुडो पु० काह कन्हाई, श्रीकृष्ण

कानूगो पु० कानूनगो

कानून पु० कानून (२) परिपाटी रिवाज

कानूनभंग पु० क़ानूनभंग

कानूनी वि० कानून संबंधी कानूनी

कानेकान अ० कानोंकान

कानो (का) पुं० आकारका चिह्न 'ा' खडी पाई काना (२) बरतनका किनारा ओंठ [कानोंकान

कानोकान (का') अ० लबरेज (२)

काप पु० काटना काट (२) काटलसे होनेवाली खराच रगड या गड्ढा (३) स्त्रियोंका कानका एक गहना कांप (४) काटने-छांटनेका ढंग काट

कापकूप स्त्री० देखिये कापाकूप

कापड न० (कोरा न बरता हुआ) कपडा

कापडियो पु० बजाज

कापडी स्त्री० छोटी अंगिया

कापडु न० अंगिया कंचुकी

कापणी स्त्री० काटनेकी रीत (२) (फसलकी) कटाई (३) (पत्तर काटनेका) कटनी

कापली स्त्री० कागज़ या कपडेका छोटा टुकडा कतरन [पुरजा

कापलो पु० कागज़ या कपडेका टुकडा

कापवु स०क्रि० काटना काटकर अलग करना (कुछ अंश) कम करना घटाना (३) दूर करना हटाना काटना (४) ताशके पत्तोंको फेंटनेके बाद उनमेंसे कुछ पत्तोंको उठाना (५) ताशमें तुरुप चाल चलना काटना

कापाकाप (-पी) स्त्री० कटाकटी खूनरेज़ी कतल

कापाकूप (-पी) स्त्री० कतर-ब्यौत (२) काट छांट (३) बचत किफ़ायत

कापो पु० लकीर (पडना) छेंक (२) चीरा शिगाफ

काफर वि० काफिर अधर्मी (२) बेरहम दुष्ट (३) जंगली (४) पुं० अफ्रीकाकी आदिम जातिका आदमी

काफलो पु० क़ाफिला समुदाय (२) जंगी बेडा

काफी स्त्री० काफी कहवा

काबर स्त्री० एक पक्षी मैना

काबरचीतरु वि० चितकबरा, रंग-बिरंगा

काबरियु वि० कबरा चितकबरा

काबरी स्त्री० कुसुम करडी (२) चितकबरे सफ़ेद और काले रंगका तेलहन

काबरु वि० कबरा, चितकबरा

काबू पु० काबू अधिकार (२) अंकुश नियंत्रण बस (३) कब्जा (४) वजन प्रभाव [चतुर काबिल

काबेल वि० अनुभवी (२) होशियार

काबेलियत स्त्री० क़ाबिलीयत चतुराई

काम न० काम कृत्य कार्य (२) नौकर का काम उदा० काम करनारी आजे आवी नथी' (३) कर्तव्य फ़र्ज़ (४) धंधा रोज़गार व्यवसाय (५) ज़रूरत, खप उपयोग (६) केस मुक़दमा उदा० एना उपर काम चलाववु जोईए (७) अ०-के लिए वास्ते। [-आववु लागवु = काममें आना, इस्तेमाल होना। (२) (युद्धमें) काम आना। -चालवु = अदालतमें मुक़दमा शुरू होना। -थवु = काम निकलना प्रयोजन सिद्ध होना। -पडवु = -का उपयोग या आवश्यकता होना (२) -के साथ काम होना। -सरवु = काम होना मतलब पूरा होना] [मेहनती

कामकरु वि० कर्तव्यनिष्ठ कर्मठ (२)

कामकाज न० काम-काज काम धंधा (२) कार-बार

कामगरी स्त्री० नौकरी, चाकरी, काम (२) नौकरीमें करनेका काम

कामगरु वि० कामकाजी, उद्यमी

कामगार वि० मेहनत मजदूरी करनेवाला, काम करनेवाला (२) पु० कामदार, मजदूर

कामगीरी स्त्री० देखिये 'कामगरी'

कामचलाउ वि० कामचलाऊ (२) अस्थायी

कामचोर वि० कामचोर, आलसी (२) पु० ऐसा आदमी (३) अपना हुनर दूसरोंसे छिपाये रखनेवाला

कामचोरी स्त्री० कामचोरका कम, कामचोरी

कामजोग (-गु) वि० कामके वास्ते

कामठी स्त्री० छोटा कमठा, धुनकी (२) पु० कमठा रखनेवाला, भील

कामठु न० कमठा, धनुष्

कामडी (-ड्) वि० दुबला-पतला, सुखडी (२) स्त्री० बाँसका फट्टा

कामदु वि० कमठ, कर्तव्यनिष्ठ (२) मेहनती [जतर मतर, जादू-टोना

कामण न० वशीकरण, मोहनी (२)

कामणगारु वि० वशीकरण करे ऐसा, मोहक [मतर

कामणटूमण न० वशीकरण और जतर-

कामदार पु दीवान कारबारी (२) नौकरीपेशा आदमी मजदूर

कामदारपक्ष पु० मजदूर पक्ष, मजदूर दल

कामदारसघ पु० मजदूर सघ

कामधधो पु० काम-धधा, बनिज-ब्योपार

कामसर अ० कामके लिए

कामळ (-ळी) स्त्री० कमली

कामळो पु० कवल, कम्मल

कामो पु० वीरताका काम, पराक्रम

कायटियो पु० एकादशाहका श्राद्ध करानेवाला ब्राह्मण, कटहा, महाब्राह्मण

कायटु न० एकादशाह, करट, उस दिन होनेवाला भोज। [-करवु, वाळवु = एकादशाहके दिन भोजन करना। -सरावबु = उस दिनका श्राद्ध करना]

कायदाबाज वि० कानूनदाँ

कायदा (-दे) सर अ० कानूनन्, नियमानुसार [कारी कायदा

कायदो पु० कायदा, नियम (२) सर-

कायम वि० कायम, स्थिर, टिकाऊ (२) स्थायी, 'परमेनट' (३) मजूर, बहाल

कायमी वि० नित्य, स्थायी

कायर वि० कायर, नाहिम्मत, नामद

कायर (-रु) (का') वि० काहिल (२) त्रस्त, उकता गया हुआ, थका हुआ (३) कायर, बुजदिल। [-करवु = परेशान करना, सताना।] [पलट

कायापलटो पु० कायाकल्प (२) काया

कारक न० कारक [व्या] (२) पदविन्यास

कारकविभक्ति स्त्री० कारकविभक्ति

कारकिर्दी स्त्री० कार्यकाल (२) इस बीच किया हुआ काम-काज कारकिंदगी

कारकुन पु० कारकुन, कारिंदा

कारकुनी स्त्री० कारकुनका काम

कारखानदार पु० कारखानेदार कारखानेका मालिक

कारखानु न० कारखाना (२) किसी बडे कार-बारका स्थान

कारगत स्त्री० ताकत (२) प्रभाव, चलती (३) काम अथ (४) काममें आनेका भाव

कारज न० काय (२) विवाह या मृत्युसे सबद्ध प्रसग -भोज। [-करवु, थवु = इस प्रसगका खर्चा आदि करना या होना, उसका धार्मिक कृत्य आदि करना]

कारटियो कारटु देखिये कायटियो, कायटु
कारटून न० कारटून व्यंग्यचित्र
कारण न०कारण सबब निमित्त (२) हेतु उद्देश्य (३) जरूरत मतलब (४) भूतप्रेतादिके कारण होनेवाली व्यथा (५) अ० क्योंकि कारण यह कि
कारण के अ० कारण यह कि इसलिए कि, क्योंकि
कारणभूत वि० कारण-साधनभूत बना हुआ निमित्तरूप बना हुआ
कारणवशात् अ० कारणवश
कारणसर अ० —के कारण
कारतक पु० कातिक कार्तिक मास
कारतकी वि०कार्तिकका,कार्तिकसबधी
कारतूस स्त्री० कारतूस
कारभार पु० कार-बार कारोबार(२) बडा व्यवसाय या उद्योग
कारभारी पु० कार-बार चलानेवाला कारबारी (२) दीवान, व्यवस्थापक
कारभारु न० कारबारीका काम वजारत
कारमु वि० भयानक(२)कूटप्रकृतिवाला, अद्भुत [(२)तूफान शरारत
कारस्तान न० कारस्तानी चालबाजी
कारस्तानी वि० कारस्तानी करनेवाला
कारी वि० भयकर, कँपा देनेवाला(२) घातक मारक, कारी (चोट)
कारी स्त्री० युक्ति तदबीर
कारीगर पु० कारीगर, दस्तकार(२) कल मशीन आदिको चलानेवाला (३) हर फन मौला—किसी भी हुनरमें प्रवीण व्यक्ति
कारीग(—गी)री स्त्री० कारीगरका कलात्मक काम, कारीगरी, रचना(२) कारीगरी कला-कौशल, चालाकी
कारेली स्त्री० करेलेकी बेल, करैली
कारेलु न० करेला, करला
कारोबार पु०कार-बार कारोबार
कारोबारमंडळी स्त्री०कार्यकारिणी सभा
कारोबारी वि० कारोबारका कारोबार से सबद्ध (२)स्त्री०कार्यकारिणी सभा
कार्यवाहक वि० कार्यवाहक (२) पु० कारभारी
कार्यवाहकसभा स्त्री०कार्यकारिणी सभा
कार्यवाही स्त्री० कार्य चलानेकी रीति, 'प्रोसिजर' (२) कार्यवाही, कार्यक्रम
कार्यसाधकसंख्या स्त्री० गणपूर्ति 'कोरम'
काल(ल,) स्त्री० कल(दिन) (२)अ० अगले या पिछले दिन, कल (३) अभी थोड दिन पर, बादमें
काल पु० काल, समय (२) समयका विभाग, वेला (३)मृत्यु, अत (४) मौसम
कालपण न० बच्चोंका-सा बरताव बालकपन
कालबूत न० कालबूत, कालबुद (२) घाट, ठप्पा साँचा (३) जड बहाना (झगडेका) [घोटना पीसना
कालववु स०क्रि० तरल पदार्थ मिलाकर
कालापणु न० देखिये कालपण'
कालावाला पु० ब० व० गिडगिडाहट चिरौरी आजिज़ी
कालां न० ब० व० बालकपन लाड। [—काढवां = बच्चाका-सा बरताव करना लाड]
कालांतरे अ० बहुत लबे अरसे—युगाके बाद (२) कालांतरमें (३)कभी[ला]
कालिं(—लीं)गडु न० कलिंग, तरबूज
कालु वि०बालककी बोलीके जसा टूटा फूटा अस्पष्ट और मधुर रूठता,

मचलता हुआ, रूठता (२) तोतला (३) बालिग, नादान
कालु न० कपासका डोडा, ढाढ, ढेंढी
काले अ० देखिये 'काल' अ०
कावड स्त्री० काँवर, बहँगी
कावडियु न० एक पैसा
कावडियो पु० कावरिया
कावतराखोर, कावतराबाज वि० चालबाज छली [साजिश
कावतरु न० कारस्तानी, प्रपंच (२)
कावसियो पु० पक्का आदमी, घाघ
कावळी स्त्री० पानी, दूध आदि पर तरोंवाली पतली परत, काई
कावादावा पु० दाँव-पेच, छल-कपट
कावु अ०क्रि० ऊब जाना, तंग आना
कावो पु० क़हवा (२) काढ़ा, क्वाथ
काश(–स) पु०, न० काश, काँस (२) उसका फूल, काश
काश(–स) पु० कास, खाँसी
काश(–स) स्त्री० बाधा, रुकावट। [–काढवी, जवी = बाधा दूर होना, बला टलना (२) मामलेका तूल खींचना]
कासद पु० कासिद, हरकारा
कासळ न० अड़चन, रुकावट, काँटा
काळ पु० काल (२) अकाल, कहत (३) क्रोध ।[–आववो = गुस्सा आना (२) मौत आना । –काढवो = समय पसार करना । –खूटवो = आ बनना, मौतका सिर पर खेलना । –मांथी आववु = भूखपीडित होना, खूब भूखा होना]
काळका स्त्री० कालिका, चंडिका
काळचक्र न० कालचक्र
काळचोघडियु न० घातक समय या मौतकी घड़ी
काळजातूट वि० घोर, जीतोड
काळजी स्त्री० देखभाल, हृदयपूर्वक सँभाल, खबर या चिंता। [–करवी, धरावची, राखवी = देखभाल करना, खबर लेना]
काळजु न० देखिये ''कलेजु' (२) हृदय, जी, मन [ला]। [–कोरावु = दिलको सताप होना। –खसवु = मन-बुद्धिका भ्रमित होना, अक्ल मारी जाना। –ठरवु, ठडु थवु = कलेजा ठडा होना]
काळजूनु वि० बहुत पुराना
काळज्वर पु० कालज्वर
काळप स्त्री० कालापन (२) कलंक
काळबळ न० कालबल
काळभरव पु० कालभैरव, शिव
काळमापक यंत्र न० कालमापक यंत्र
काळमींढ वि० काला-कलूटा (२) निष्ठुर (३) पु० एक प्रकारका बहुत सख्त और काला पत्थर
काळमुखु वि० कालके-से मुँहवाला
काळमूर्ति वि० कालकी-सी मूर्तिवाला (२) स्त्री० शरीरधारी काल (३) कालकी-सी भयंकर आकृतिवाला पुरुष
काळयोग पु० समयका योग, संजोग
काळरात्री स्त्री० अँधेरी, डरावनी रात (२) कालरात्रि, प्रलयकी रात (३) ७७ सालके बाद आनेवाली आश्विन-शुक्ला अष्टमी या भाद्रपद कृष्णाष्टमीकी रात (४) कालीके जन्मकी रात (५) यमराजकी बहन [समय
काळवेळा स्त्री० भयंकर समय (२) संध्या
काळाट पु० कालापन
काळाबजारियो पु० कालाबाजार चलानेवाला व्यक्ति या व्यापारी
काळाश स्त्री० कालापन (२) मामूली कालापन

काळांतरे अ० देखिये कालांतरे
काळांधोळां न० ब० व० कारस्तानी काली करतूतें (२) बदचलनी। [–करवां = छलकपट या बदचलनी करना]
काळियार पु० काला हिरन, काल्सार, कृष्णसार
काळी वि० स्त्री० काले रंगकी स्त्री, काली (२) स्त्री० काली बूटीवाले ताशके पत्तोंका एक प्रकार, काला पान (३) काली, कालिका,
काळीचौदश(–स) स्त्री० नरक चतुर्दशी
काळीजीरी स्त्री० कालीजीरी
काळीटीली स्त्री० कलंकका टीका, लांछन
काळीनाग पु० काला नाग-साँप (२) कालिय
काळीपरज स्त्री० दूबळा' 'चौधरा आदि [आदिवासी लोग
काळीरोटी स्त्री० मालपूआ
काळीरोळी स्त्री० संध्याका झुटपुटा
काळु वि० काला (२) दुष्ट बुरा, अनीति मय, काला (कम, बाजार आदि) (३) दुष्कर सख्त, भयानक कठोर आदि भाववाला (घोर परिश्रम)। [काळा अक्षरने कूटो मारवा=बिलकुल अनपढ होना अक्षरसे भेंट न होना। काळा अडद चोरवा = भयकर पाप करना। काळा तल चोरवा=पाप करना। काळाना धोळा थवा=बुढ़ापा आना। काळा मायानो मानवी= आदमजाद मनुष्य (सामान्यके अर्थ में)। –करवु=कलंकित करना (२) मुह काला करना टलना, दूर होना]
काळुपाणी न० देसनिकाला, कालापानी
काळुबजार न० कालाबाजार
काळुभम्मर वि० काला भुजंग, अति काला
काळुमेंश वि० काजल-सा काला, काला कलूटा
काळो कामणगारो पु० श्रीकृष्ण
काळो कायदो पु० बहुत अप्रिय और जालिम क़ायदा काला कायदा (२) 'रॉलेट एक्ट'
काळोतरी स्त्री० संबंधियों आदिको भेजी जानेवाली मृतक कर्म आदिकी चिट्ठी, महावन [कईं' 'कईक
कांई(०क) (०) वि० (२) स० देखिये
कांकण(०) न० कंगन
कांकरी(०) स्त्री० ककड़ी, कंकरी (२) रेत पथरी (३) पथरी रोग
कांकरीचाळो(०) पु० मजाकमें किसी पर ककड़ी फेंकना, छेड़-छाड़
कांकरो(०) पु० कंकड़ (२) डला (नमक, मिसरीका) (३) काँटा फाँस, अड़चन, रुकावट (४) शंका मनका काँटा खटका (५) पलकके नीचे होनेवाली फुंसी। [–खूचवो=मनमें चुभता रहना]
कांग(०) स्त्री० कँगनी काँगनी
कांगडु(०) न० ठुड्डी ठर्रा अनाजका न भीगनेवाला दाना
कांगरी(०) स्त्री० दंदानेदार या उभड़ी हुई बनावटवाली पंक्ति (२) दीवारकी कँगनी कारनिस
कांगरो(०) पु० दाँता, दंदाना (२) शिखर (३) किलेकी मुंडेर परका छोटा कंगूरा बजरी (४) दीवारकी बड़े दंदानोंवाली पंक्ति (५) कामदानीका एक प्रकार
कांगलु(०) वि० देखिये कांगु
कांगारू न० कंगारू
कांगावेडा(०) पु० ब०व० रोकापन, गिडगिडाहट करना
कांगु(०) वि० रंक कायर

कांचळी(०) स्त्री०कचुली, चोली(२) केंचुली, केंचली। [–उतारवी, काढी नाखवी = केंचुली झाडना, छोडना, बदलना। –पहेरवी=कायरता दिखाना, चूडियाँ पहनना (२) जनाना भेस बनाना] [लेई(३)माँडी

कांजी(०) स्त्री०कांजी, लपसी(२)

कांटादार(०) वि०पानीदार, जोशीला

कांटासरि(–ळि)यो (०)पु०कटसरैया (पौधा)

कांटाळु (०) वि० कँटीला, काँटेदार

कांटियु(०) न० कफन(२)सडास

कांटु(०) न०माल लेने देनका इत-ज्ञाम-क़ौलक़रार, सौदा (प्राय ना-जायज़) (२)मूसा

कांटो(०)पु०कांटा(२)उसके आकारकी कोई चीज़ (घडीकी सूई आदि) (३) युरोपीय लोगोका खाना खानेका एक साधन, कांटा, उदा०'छरी-कांटो' (४) तौलनेका कांटदार तराजू राटुल टक आदि (५)नाकमें पहननेका स्त्रियोका एक गहना, लौंग, कील (६)रोमाच [ला] (७) रुकावट, कांटा (८) बैर, कीना(९)वहम शका(१०)जोश पानी (११)टेव, दुराग्रह। [कांटा थावबा, वेरवा=बर मोल लेना, काँटे बाना। कांटो काढवो=बाधा दूर करना(२) मनका खटका दूर करना]

कांठली(०) स्त्री० हँसली (२) करघेकी ढरकी, भरनी 'शटल'

कांठलो(०) पु० अँगरखेकी काट जो गलेमें ठीक बठती हो कठा(२)तोतेके गलेकी रगीन रेखा, कठा (३) देखिये 'काठली (४) घडा गागर आदिका गला कठ(५)घाट, किनारा

कांठो(०) पु० किनारा, तट(२)अत, छोर, सीमा (३) (घडा, गागर, कुआँ आदिका) कांठा

कांड पु० काड, परिच्छेद (२) पौर (पौधेकी), काड (३) डाली, शाखा

कांडाघडियाळ(०) स्त्री० कलाई पर बांधनेकी घडी, 'रिस्टवाच'

कांडाबळ(०) न० भुजबल बाहुबल

कांडाबळियु(०) वि० मजबूत (कला-ईका बल), बाहुबली

कांडियु(०) न० पहुँची, मुतेहरा(२) कफ (क़मीज़ आदिका)

कांडी(०) स्त्री०दियासलाई या इसकी पेटी(२)देखिये 'कांडु

कांडु(०) न० कलाई, गट्टा। [–कापी आपवु=हस्ताक्षर कर देना, कबूलत लिखना (जिससे बादमें मुकर न जाये)। –पकडवु=पाणिग्रहण करना, ब्याहना(२)आसरा देना]

कांतण(०) न० कताई, कातनेकी क्रिया

कांतवु(०) स०क्रि० कातना(२)निक-म्मी चर्चा करना, बालकी खाल निकालना [ला]। [कांतिलु कांतवु= व्यय परिश्रम करना, किया हुआ काम दुबारा करना, पिष्टपेषण करना]

कां तो(०)अ० अथवा या तो

कांदो(०) पु०कांदा, प्याज़(२)कद, गाँठदार जड (३) लाभ फायदा [ला]। [–फाढवो=फायदा मिलना, हाथ आना]

कांध(०) स्त्री०कधा, स्कध(२)जूएकी रगडसे गरदन पर होनेवाला घट्टा। [–आपवी=कधे पर उठाकर सहा यता करना, कधा देना। [–[illegible]=

बैल्के कधेकी चमडीका सख्त होना। –मारवी = कधा देना]
कांधालत (०) न० किस्तोके अनुसार कर्ज चुकानेका कबाला–दस्तावेज
कांधापांजरां (०) न० ब० व० किस्त अदा न होने पर बकाया रक्रमकी सूदके साथ दुबारा किस्तें बाधना
कांधियो (०) पु० कधे पर बोझ ढोने वाला मजदूर (२) बल (३) ठठरी उठानेवाला कधा देनेवाला (४) किस्त पर ब्याज-बट्टका रोजगार करनेवाला (५) पुठवाल पिट्ठू
कांधु (०) न० किस्त, रहँटी
कांप (०) पु० कांप, चिकना, जमा हुआ कीचड, करैल
कांप (०) पु० कप, सिहरन
कांपवु (०) अ० क्रि० कांपना (२) थरथराना
कांबळ (–ळी) (०) स्त्री० कमली
कांबळो (०) पु० कबल
कांबी (०) स्त्री० स्त्रियोंका पांवका एक गहना (२) चरसेके मोहरेका कांठा (३) आंत उतरनेकी बीमारीमें गांठ को दबानेवाली करधनी, कदोरा (४) चमडका डोल
कांस (०) पु० छाती नहेर (२) नाली
कांसकी (०) स्त्री० कघी
कांसको (०) पु० कघा
कांसवु (०) अ० क्रि० खांसना (२) खखारना (३) हाँफना, सांस लेना (४) स० क्रि० ठूसना दबा-दबाकर भरना
कांसां (०) न० ब० व० कांस्यताल झांझ
कांसियो (०) पु० पीतलकी कलछी (२) कांसेका बडा कटोरा–तसला (३) कघा
कांसी (०जोड) (०) स्त्री० कांसी जोड़ (०) न० (बहुवचनमें) बडा कांस्यताल, झांझ । [कांसीजोडां वगाडवां = (धन आदिका) घटना (२) भीख मांगना (३) काम-धधा चला जाना, बेकार बनना]
कांसु (०) न० कांसा
किकियारी स्त्री० किकियाना, कँपा देनेवाली चीख
किचूडो पु० चिऊां
कित्तो पु० (सरकडेकी) कलम लेखनी (२) अच्छे अक्षरोंमें लिखा हुआ मसौदा-नमूना (३) कित्ता, खेतका टुकडा (४) अ० ऐंजन् [कलाबत्तू
किनखाब पु० कीनखाब, कमख्वाब (२)
किनार (–री) स्त्री० किनारा कोर (२) गोट किनारी (३) तट, किनारा
किनारो पु० किनारा कांठा, तट
किन्नाखोर, किन्नो देखिये कीनाखोर 'कीनो' [वि० सस्ता
किफायत स्त्री० किफायत, बचत (२)
किफायती वि० किफायतका सस्ता
किरकोल (–ळ) वि० फुटकल (२) अ० खुर्दा थोडा थोडा करके
किरतार पु० करतार स्रष्टा
किरपाण स्त्री० किरपान कृपाण
किरमज पु० किरमदाना (२) इसमेंसे निकलनेवाला लाल रग और दवा, किरमिज
किरमजी वि० किरमिजी, गहरा लाल
किलकार पु० किलकार, किल्क
किलकारी स्त्री० किल्कारी किलकार (२) तीक्ष्ण चीख या पुकार [चहचहा
किलकिल स्त्री० कुल्कुलकी आवाज
किलकिलाट पु० कुलकुलाना कलरव (२) हर्षध्वनि [कीडा कीट
किल्लू न० नाजमें पडनेवाला एक

किल्लेदार पु० क़िलेदार(२)किल्लेकी रक्षा करनेवाला सैनिक [किलेकी तामीर
किल्लेबंदी (-धी) स्त्री० किल्लेबंदी (२)
किल्लो पु० क़िला, गढ [काश्तकारी
किश्त स्त्री० किश्त, शह (शतरंज)(२)
किश्ती स्त्री० किश्ती, नाव
किसम स्त्री० क़िस्म, प्रकार
किसमिस स्त्री० किसमिस, किशमिश
किस्ती स्त्री० किश्ती, डोंगी
किस्सो पु० किस्सा, कहानी (२) किस्सा-कहानी। [-करवो=युक्ति रचना]
किंकर पु० किंकर, सेवक
किंकरी स्त्री० सेविका, दासी
किंमत स्त्री० कीमत, बदला, मुआवजा (२) कद्र, गिनती
कीकली स्त्री० बच्ची
कीकलो पु० बच्चा
कीकी स्त्री० (आंखकी) पुतली, तारा
कीकी स्त्री० बच्ची, बालिका
कीको पु० बच्चा छोटा बालक
कीच (०ड) पु० कीच कीचड
कीट वि० बराबर जबानी किया हुआ, बरजबान (२) पूरा माहिर, अनुभवी
कीट पु० मैल, जंग (२) कूडा-करकट, कचरा, किट्ट तपाये हुए घीकी तल छट (३) गांठ, गट्ठा
कीट (०क) पु० कीट, कीडा
कीटली स्त्री० केतली चायदानी
कीटियु वि० जिसमें बिनौलेके टुकडा या पत्तियाका चूरा आदि कचरा हो (२) न० छिलपट (लकडीको)
कीटी स्त्री० रुई (बिनौलेके बारीक टुकडा या पत्तियाके चूरे आदि) का कचरा [किट्ट, कीई
कीटु न० तपाये हुए घीकी तलछट,
कीडियारु न० चींटियोका दर
कीडियासेर स्त्री० कांचके बहुत छोटे मनकोकी माला
कीडियु न० कांचका बहुत छोटा मनका
कीडी स्त्री० कीडी, चिउंटी। [-ओ उभरावी=असख्य आदमियोका जमा होना। -ओ चडवी=(काम करते) उकता जाना। -उपर कटक=मामूली प्रयोजनके लिए भारी प्रयत्न]
कीडीयेग पु० चिऊंटीकी चाल, चिउंटिया रेंगान
कीडो पु० कीडा
कीनाखोर वि० कीनाकश, कीनावर
कीनो पु० कीना कट्टर बैर
कीमत स्त्री० देखिये 'किंमत'
कीमती वि० कीमती, मूल्यवान
कीमियागर पु० कीमियागर (२) कला कुशल-हुनरमंद व्यक्ति (३) धूर्त, ठग
कीमियो पु० कीमिया, अकसीर (२) जादू, कायसाधक युक्ति [ला] (३) आसानीसे अधिक धन मिले ऐसा इल्म पेशा या साधन
कीरतन न० कीर्तन
कीरतनियां न०ब०व० झांझ
कीरतनियो पु० कीर्तनिया, कीर्तनकार
कील पु० (गाडीके पहियें परकी) कालिख (२) मेख, खूंटा, कील
कीली स्त्री० ताली कुंजी (२) तिजोरी
कीलीदार पु० जिसके पास (किला, तिजोरी वगैरहकी) कुंजी रहती हो वह व्यक्ति
कुकरेकूक न० कुकडू-कू (मुरगेकी)
कुछंद पु० बुरी लत या चसका, लंपटता
कुटामण न० बेकार चक्कर काटना कूचागर्दी

कुटारो पु० कूचागर्दी (२) झंझट, माया पच्ची [ला] [रूप
कुटावव् स०क्रि० 'कूटव्' का प्रेरणायक
कुटाव् अ०क्रि० कूटव् का कर्मणि (२) भटकना, व्यर्थ चक्कर लगाना (३) समझमें न आना, असमंजसमें पडना [ला]
कुटुंब न० कुटुंब, परिवार (२) कुटुंब कबीला (३) स्त्री-पुत्रादिका समूह, बाल-बच्चे [बच्चे
कुटुंबकबीलो पु० कुटुंब-कबीला बाल
कुटुंबपरिवार पु० कुटुंब और परिवार
कुटुंबी वि० कुटुंबी कुटुंबका (२) कुनबे बाल-बच्चेवाला (३) न०, पु० कुटुंबका व्यक्ति
कुटेव स्त्री० कुटेव, बुरी आदत
कुडतु न० कुरता
कुतकु न० कुतका सोटा
कुतरियुं न० कुत्ता (घास), लपटौआं
कुतुब पु० चक्कीकी कील अखौटा (२) ध्रुव तारा कुतुब
कुत्ती स्त्री० कुत्ती कुतिया
कुत्तो पु० कुत्ता
कुदकारो पु० कुदक्का कुदान
कुदकु न० कुतका, सोटा
कुदरत स्त्री० कुदरत (२) जातिस्वभाव (३) शक्ति ताकत
कुदरती वि० कुदरती प्राकृतिक असली
कुदाववु स०क्रि० कुदाना कुदवाना
कुदाव् अ०क्रि० कूदा जाना
कुधान न० कुधान्य
कुधारो पु० कुरीति (२) सुधारका उल्टा बिगाड [चालाकी
कुनेह स्त्री० हिकमत (२) चतुराई,
कुपात्र वि० कुपात्र नालायक (२) उद्धत, बहका हुआ, बेअदब (३) न० निम्न कोटिका पात्र (४) कुपात्र व्यक्ति
कुप्पी स्त्री० कुप्पी, छोटा कुप्पा
कुप्पो पु० कुप्पा [दुश्चरित्र स्त्री
कुबजा स्त्री० कुब्जा, कुबडी (२) खराब,
कुब्जा वि० स्त्री० कुब्जा, कुबडी (२) स्त्री० कैकेयीकी दासी-मंथरा, कुबरी (३) कंसकी एक दासी जो कृष्णकी कृपापात्र थी कुबरी, कुब्जा
कुमारजा स्त्री० नीच-बुरी स्त्री (२) लडकी, कन्या (३) फूहड स्त्री
कुमक स्त्री० कुमक, मदद। [कुमके ऊभा रहेवु = (किसीकी) कुमक पर होना, किसीका मददगार होना]
कुमकुम न० कुंकुम, रोली [नरमी
कुमळाश स्त्री० कोमलता, मुलायमत,
कुमळु वि० देखिये कोमळ
कुमाविसदार पु० माल-महकमेका अधिकारी [(२) साफ बुनाई
कुमाश स्त्री० मुलायमत नरमी (कपडकी)
कुरकुरियु न० कुत्तेका बच्चा पिल्ला
कुरतु न० कुरता
कुरन(-नि)स, कुर्निश स्त्री० कोरनिश
कुल वि० कुल, सारा (२) तमाम पूर्ण
कुल न० कुल, कुटुंब (२) कुलीनता (३) समूह झुंड दल (४) मुवक्किल (वकीलका)
कुलडी (ल) स्त्री० कुल्हिया (२) सुनारोंका कुल्हिया जिसमें सोना चाँदी गलाते हैं, घडिया (३) गुदाका भाग कांच (जिसमें से मल बाहर आता है)। [-मां गोळ भांगवो=आपसमें (झगडा) निबट लेना (अन्य व्यक्तिको बीचमें लाये बिना)]
कुलनायक पु० विश्वविद्यालयका उप कुलपति वाईस चान्सलर

कुलपति पु० कुलपति (२)कुलपति, 'चांसलर' [एक बानगी, कुलफी
कुलफी स्त्री० बर्फ़में जमाई हुई दूधकी
कुलाबो पु० अतरीपकी जमीन (२) आस्तीनका पट
कुली पु० कुली, मोटिया [मिलाकर
कुले अ० कुल जमा, समग्रतया, सब
कुलेर(ले) स्त्री० घी-गुडके साथ मसला हुआ बाजरे आदिका कच्चा आटा — एक खाद्य पदार्थ [कुप्पी
कुल्लो(कु) स्त्री० देखिये 'कुलडी (२)'
कुल्लुं (कुं)न० कुप्पा। [कुल्लामां हाथ मुकाववो, मेलाववो = खूब लालच देकर भरमाना]
कुल्ले अ० देखिये 'कुले'
कुवेण न० गाली, कुवाक्य (२) कटु वचन
कुवेतर न० कुएँसे सींची जानेवाली जमीन, चाही जमीन
कुवेती पु० चरससे कुएँमें पानी निकालनेवाला चरसी, चरसिया
कुव्वत न० कूवत, ताकत
कुशका पु०ब०व० धान, कोदो आदिके छिलके, भूसी
कुशकी स्त्री० कूटे हुए धानकी बारीक फटकन, बारीक भूसी
कुशल(-ळ) वि० शुभ, मंगल (२) आरोग्यवान (३)प्रवीण, कुशल (४) न० कुशल, क्षेम [न० कुशल-क्षेम
कुशळक्षेम वि० सुखी और तंदुरुस्त (२)
कुसप पु० फूट, अनैक्य, अनबन
कुसुंबो(-बो) देखिये 'कसुंबो', 'कसुंबो'
कुस्ती स्त्री० कुश्ती (२)गुत्थमगुत्था, [कुस्तमकुस्ता
कुस्तीबाज पु० कुश्तीबाज
कुहाडी स्त्री० कुल्हाडी
कुहाडो पु० कुल्हाडा। [कुहाडो(-डा)-नो हाथो = बुरे काममें किसीका साधन बननेवाला या उसका काम निकाल देनेवाला]
कुळ न० देखिये 'कुल' न०। [-उजाळवुं = कुलकी शान बढ़ाना। -तारवुं = कुलको तारना, कुलोद्धार करना। -बोळवुं = कुलका नाम डुबाना]
कुळदीवो पु० कुलदीपक (२)पुत्र
कुळदेवी स्त्री० कुलदेवी
कुळरीत स्त्री० कुलरीति, कुलमर्यादा
कुळलजामणुं वि० कुलको लज्जित करनेवाला, कुलबोरन
कुळवंत, कुळवान वि० कुलीन
कुळहीण(-णुं) वि० कुलहीन
कुंकुम न० कुंकुम, रोली [लग्नपत्रिका
कुंकुमपत्रिका स्त्री० कुंकुमपत्रिका,
कुंजडी स्त्री० एक पक्षी, मादा क्रौंच — बगली (२) छोटा कुंज कुंज गली
कुंजडुं न० एक पक्षी कूंज क्रौंच
कुंजडो पु० कुंजडा (२) माली (३) एक पक्षी
कुंजार वि० कुंज जैसा, छतनार
कुंजो पु० कूजा, सुराही
कुंड पु० कुंड, यज्ञवेदी (२) जल-संचयके लिए बनाया गया सीढ़ियों वाला पक्का हौज, कुंड (३) कुंडके आकारका पात्र (४) बलि चढ़ानेकी जगह (५) छोटा उबारा, कुंड (६) गढा, गर्त
कुंडली स्त्री० छोटा कुंडरा, मंडलाकार रेखा (२) धातुकी खोली, शामी (३) जन्मकुंडली
कुंडळ न० कानका गहना, कुंडल
कुंदन न० कुंदन, खालिस सोना

कुदो पु० कुदा, सोटा, डंडा (२)लाठी या बदूकका मोटा सिरा, कुदा
कुंभकर्णनी ऊंध=लंबी और खूब गहरी (छह महीनेकी) नीद
कुंभमेळो पु० बडा मेला (२) हर बार हवें बरस लगनेवाला हिंदुओका एक मेला कुंभ [ग्यवित [ला]
कुंभार पु० कुम्हार (२)अनगढ या मूर्ख
कुंभी स्त्री० खंभेके नीचेका पत्थर या लकडीका आधार, बैठक (२)मकानका हत्था [मार पिटाई
कुंभीपाक पु० कुंभीपाक, एक नरक(२)
कुंवर प० कुआरा लडका (२) राजकुमार, कुँवर (३) लाडला बेटा कुंअर
कुंवरी स्त्री० क्वाँरी कन्या, कुँआरी (२) राजकुमारी कुंवरी(३)बेटी लाडली बेटी
कुंवार स्त्री० घीकुआर ग्वारपाठा
कुंवारका स्त्री० कुआरी, कन्या कुमारिका(२)वह नदी जो समद्रमें न मिलती हो [छोसा अंकुर, ग्वारपाठा
कुंवार(०नु) पाठु न० घीकुआरका बर
कुंवारी वि० स्त्री० समुद्रमें नहीं मिलनवाली (नदी)
कुंवारु वि० कुंआरा क्वाँरा अविवाहित
कूई स्त्री० कुइयाँ छोटा कुआ
कूक न० आंखमिचौनीके खेलमें की जानेवाली आवाज़ (२) इजनकी सीटीकी आवाज, भापू सीटी
कूकगाडी स्त्री० रेलगाडी (बालभाषा)
कूकडां न०ब०व० मुर्गी बतख इत्यादि पोल्ट्री
कूकडी स्त्री० मुरगी
कूकडीकूक अ० आंखमिचौनीके खेलमें की जाती आवाज
कूकडेकूक न० मुरगेकी आवाज,कुकडू कू
कूकडो पु० मुरगा, मुर्ग
कूकरी स्त्री० हल्में लगाई हुई पच्चर, खुरा(२)नेपाली कटार, खुखडी
कूकरी स्त्री० (खेलनेकी) गोटी
कूकी स्त्री० छोटी गोटी (खेलनेकी)
कूको पु० पत्थरका छोटा गोल टुकडा, गोटी (२) ठीकरी गोटी
कूख स्त्री० कख कोख(२) गर्भाशय, पेट [ला] (३) संतान। [**–मांडवी** = स्त्रीको प्रथम गर्भ रहना कोख खुलना। **–लाजवी** = माको ऐब लगना]
कूच स्त्री० कूच रवानगी (२) लश्करी चाल कूच कदम
कूचडी स्त्री० मोटे बालोकी कूची बरुश
कूचडो पु० उसकन, उबटन (२) (चूना फेरनेके काम आनेवाली मूज आदिकी) कूची (३) तानेका सूत साफ करनेका ब्रश कूंच
कूचापाणी वि० जो बराबर घुल मिल या पिघल गया न हो (२) न०ब०व० फाक और पानी (३)निस्सार चीजें
कूची स्त्री० देखिये कूचडी
कूचो प० फोक फजला सीठी(२) उबसन (३) (चना फेरनेकी)कूची, ब्रश (४) तलछट गाद (५)तानेका सूत साफ करनका ब्रश कूंच(६) बार बार कही गई सारहीन बात [ला] (७) पूरी तरहसे सोची-समझी हुई बात(८)निन्दा। [**–करवो**=[ला] एक ही बात बारबार कहना।।पिष्टपेषण करना। **–काढवो** = कडी मेहनत लेना थका देना मोमियाई निकालना]
कूजवु अ०क्रि० कूजना, कूजना
कूजो पु० कूजा सुराही

कूट वि० जो न समझा या न पढ़ा जाय, गूढ़(२) रहस्यमय, पेचीदा(३) झूठा, कूट(४)पु०, न० कपट, धोखेबाजी, ठगाई (५) पहाड़की चोटी, शिखर (६) ढेर(७) कटप्रश्न (पहेली, रहस्य आदि) [बरतन, कबाड़

कूट स्त्री० मायापच्ची (२) टूटे फूटे

कूटणखानु न० वेश्यागह, कसबीखाना

कूटणी स्त्री० कुटनी कुट्टनी

कूटणु न० सियापा, मातम, मृतकके पीछे पिट्टस (२) वसा प्रसग

कूटवु स०क्रि० मारना, पीटना (२) कूटना (धान, औषध आदि) (३) मृतक व्यक्तिके पीछे छाती कूटना

कूटाकूट स्त्री० बार बार ठोकना, पिटाई, ठोक (२) खूब रोना-पीटना, पिट्टस

कूटियु न० मार मरम्मत (२) बाज रेको कटकर बनाई हुई खाद्य वस्तु। [-करवु, काढवु = बहुत पीटना, खूब मरम्मत करना]

कूटो स्त्री० गोटी नद

कूटो पु० चूरा, चूर्ण (२) मार कुटाई

कूड न० कपट, ठगाई(२)नुक्ताचीनी

कूडकपट न० छल-कपट, धोखा धडी

कूडु वि० कपटी कूट (२) कुटिल, खोटा(३) न० अपराध, खता (खास करके देवी या मातृकाकी) [-पडवु = देव-देवियोका अपराध होना, वैसा काम होना]

कूणप, कूणाग स्त्री० कोमलता

कूणु वि० कोमल, नाजुक

कूतकु न० कुतका सोटा

कूतरानी टोपी स्त्री०, कूतरानो कान पु० कुकुरमुत्ता [चमरी मजरी

कूतरी स्त्री० कुत्ता घास (२) इसकी

कूतरी स्त्री० कुत्ती, कुतिया

कूतरु न० कुत्ता। [कूतरा जेवु = भटकता, आवारा (२) कटहा और भौंकनेवाला। कूतराने मोते मरवु = कुत्तेकी मौत मरना]

कूतरो पु० कुत्ता

कूथली स्त्री० कुत्सा, बदगोई, निंदा

कूथलो, कूथो पु० गडबडझाला, घोटाला (२) मायापच्ची (३) उलझन (४) कुत्सा, बदगोई

कूदको पु० कुदान, छलांग

कूदवु अ०क्रि० कूदना (२) अपने बूतेसे अधिक खर्च या ठाठ करना [ला]। [कूदी पडवु = कूद पडना, साहस करना। कूदी रहेवु = फजूल (खर्च करनेके लिए) तत्पर रहना (२) आतुर, लैस होना]

कूदकूदा, कूदाकूद स्त्री० उछल-कूद, कुदक्का(२)चचलता, अशान्ति [ला] (३) हदसे ज्यादा खर्च करना

कूपी स्त्री० कुप्पी, कूपी

कूपो पु० कुप्पा (२) कुप्पेके आकारकी बडी बोतल

कूबडु वि० बदशक्ल कुरूप

कूबो पु० घोसला (२) घासकी गुबद-दार कुटिया

कूबो पु० पक्का फर्श, गच (२) फर्श कूटने-पीटनेका मुगरा मोगरा, कोबा

कूलो पु० कूल्हा, चूतड, कूला

कूवाथभ, कूवो पु० मस्तूल

कूवो पु० कुँआ, कुआँ। [कूवामां उतारवु, नाखवु = खूब नुकसानमें ले जाना फँसाना। कूवे पडवु = आत्महत्या करना; कुएँमें गिरना (२) साहस करना। -पूरवो, -हवाडो करवो =

कुएँ या उबारेमें गिरकर आत्महत्या करना, कुएमें गिरना]

कूवो पु० मस्तूल

कूळु वि० कोमल, नाजुक

कूचो स्त्री० कुजी, ताली (२) उपाय [ला] (३) रहस्य जाननेका साधन, कुजी

कूजडी स्त्री०, कूजडु न० एक पक्षी, क्रौंच, कूज [घेरा, कुडलिका

कूडाळी स्त्री० छोटा कुँडरा (२) [ला]

कूडाळु न० कुडरा, घेरा वृत्त, परिधि (२) घपला; घोटाला। [कूडाळो करवो, वाळवो = घोटाला गडबड करना। –वाळवु = दिवाला निकालना (२) साफ इनकार करना]

कूडी स्त्री० कुड जसा छोटा गढा (२) चौडे मुहका छाटे कुड-सा बरतन, कुडी, कूडी (३) छोटा उबारा, कुड (४) बीसकी सख्याका सकेत कौडी (५) गुच्ची [(३) घेरा; कुँडरा

कूडु न० कुडा, कूडा, कुडरा (२) गमला

कूणु वि० कोमल, नाजुक

कूदली स्त्री० (मूसलके सिरेका) खोल

कूद(–घ)वु न० घासकी गजी टाल

कूपळ स्त्री० कोपल, गाभा

कूभी स्त्री० देखिये 'कुभी'

कूळु वि० कोमल नाजुक

कृपाळु वि० कृपालु दयालु

के अ० अथवा या था (२) कि

केटलु वि० कितना

केटलुएक, केटलुक वि० कुछ, कुछ एक

केटलुकेटलु, केटलुबधु, केटलुय वि० कितना कितना कितना

केड (कॅड) स्त्री० कमर (२) कुमक [ला]

केडियु (कॅ) न० कमर तकका अँगरखा, मिरजई

केडी स्त्री० पगडडी

केडे अ० पीठकी ओर, पीछे

केडो पु० पगडडी (२) पीछा (३) सिरा, अत (४) सताना कष्ट [ला]। [–पकडवो = पीछा पकड़ना पीछा करना (२) सताना। –मूकवो = पीछा छोडना]

केणीगम, केणीपा, केणीमग अ० किस ओर

केद (कॅ) वि० बधनयुक्त (२) स्त्री० कद, बधन

केदखानु न० कैदखाना, कारागार

केदार(–रो) पु० एक राग केदार केदारा। [–करवो = भारी पराक्रम करना, बहुत जोर मारना (२) कुछका कुछ कर देना [ला]]

केदी अ० किस दिन? कब?

केदी (कॅ) वि० कदमें पड़ा हुआ (२) कद किया हुआ (३) पु० कदी

केफ (कॅ) पु०, स्त्री० कफ, खुमार [–ऊतरवो = नशा उतरना। –करवो = नशा करना नशीली चीजोका उपयोग करना। –चढवो = नशा चढ़ना नशा छाना]

केफियत (कॅ) स्त्री० अधिकारीके पास पेश की जानेवाली हकीकत कफ़ियत

केफी वि० कफी नशीला मादक

केम (कॅ) अ० क्यो किसलिए (२) कसे (३) प्रश्नसूचक अव्ययके रूपमें – क्या? [कि

केम के, केम जे अ० क्योंकि कारण यह

केमेरा पु० कमेरा

केर (कॅ) पु० कहर जुल्म। [–वरतवो = कहर टूटना चारों ओर जुल्म फैल जाना]

केरडो (कॅ) स्त्री० एक वनस्पति करील

करडुं(कें) न० करीलका फल, टेंटी
करबो(कें) पु० एक नाच, कहरवा (२) इसमें गाया जानेवाला गीत (३) इसका राग, कहरवा
केरी(कें) स्त्री० आमका फल, आम
केरीगाळो पु० आमका मौसम
केरु(कें) न० करीलका फल, टेंटी
केरोसीन न० केरोसिन, मिट्टीका तेल
केल पु० पीसा हुआ चूना
केवडु वि० कितना
केवडुक वि० अदाजन् कितना।
केवडुय वि० कितना ही [केवडा
केवडो पु० केवडा (पेड) (२) इसका फूल,
केवळ वि० केवल, शुद्ध (२) सिर्फ, मात्र (३) एकमात्र अकेला, केवल (४) अ० निपट, बिल्कुल [(अव्यय)
केवळप्रयोगी वि० विस्मयादिबोधक
केवु वि० कसा? किस तरहका?
केवुक वि० कैसा?
केवुय वि० कैसा भी
केसर न० देखिये केसर
केशरी वि० पु० केसरिया, जाफरानी
केशरी पु० केसरी, सिंह
केशवाळी स्त्री० अयाल केसर
केस न० केस, मामला मुकदमा (२) नुसखा (वैद्य डाक्टर आदिका) (३) अमुक बात या घटना। या इससे संबद्ध व्यक्ति। [-चालवो = मुकदमा इजलासमें चलना। -मांडवो = मुकदमा दायर करना]
केसर न० केसर जाफरान (२) इसके फूलके बीचोंबीच उगनेवाला महकदार रेशा–सीका केसर (३) प्रत्येक फूलके अंदर होनेवाला सीका, केसर (४) अयाल, केसर
केसरभीनु वि० केसरिया बाना पहनकर समर भूमिमें मरनेको उद्यत
केसरियां न० ब० व० केसरिया बाना पहन या तो अफीमका आखिरी घूट पी मरजिया बनकर लडना
केसरियु वि० केसरिया, पीला (२) रँगीला, मौजी (३) न० स्त्रियोका केसरिया कपडा
केसरी वि० केसरिया, पीला
केसरी पु० केसरी, सिंह [टेसू
केसू, (०डा) न० ब० व० पलाशके फूल,
केसूडो पु० पलाश, टेसू (वृक्ष)
केळ स्त्री० केला, कदली
केळवणी स्त्री० देखिये 'केळववु' (२) व्यवस्थित पालन-पोषण, विकास और शिक्षा (३) शिक्षा, तालीम (४) पढाई, अध्ययन
केळवणीकार पु० शिक्षा शास्त्री
केळववु स० क्रि० व्यवस्थित रूपसे विकास करना, पालना-पोसना सुधारना, शिक्षण देना (२) (साना हुआ आटा) गूधकर तयार करना (३) (कच्चे चमडेको) कमाना (४) सवारी ढोने या जोताईकी शिक्षा देना, सधाना
केळु न० केला (फल)
केन्द्रत्यागी वि० केन्द्रापसारी
केन्द्रवर्ती वि० केन्द्रवर्ती, मध्यवर्ती
को स० (२) वि० देखिये 'कोई' [पु] (३) कौन
कोई स० (२) वि० कोई
कोई (०ए) क वि० (२) स० कोई भी एक
कोक वि० (२) स० देखिये 'कोईक'
कोकटी वि० कुकटी (२) इससे बनने वाली (खादी)
कोकडावु अ० क्रि० (शरीर या चमडीका) ऐंठना, झुर्री पडना, सूखना सिकुडना

कोकडियो कुभार पु० एक पक्षी, महोखा
कोकडी स्त्री० कुकडी, लच्छी (२) झुर्री (३) सुखाई हुई खिरनी
कोकडु न० बडी कुकडी, लच्छा (२) (शरीर या चमडीका) एठना, सिकुडना या झुर्री पडना (३) पेचीदा मामला, टेढी खीर उलझा हुआ कामकाज। [-उकेलवु=उलझे हुए सूतकी लच्छी खोलना (२) किसी काममें आई हुई अडचन, कठिनता या उलझन दूर करना। -गूचवावु, गूचावु=मामला उलझनमें पडना हल न होना]
कोकरवरणु, कोकरवायु=कुनकुना
कोगळियु (वा) न० हैजा, कॉलेरा
कोगळो (वा) पु० मुहभर पानीका घूट या कोई भी तरल पदार्थ (२) कुल्ला, कुल्ली। [-करवो=कुल्ली करना (२) मातमपुरसी करना (३) सबध विच्छेद करना, नाता तोड देना]
कोच पु० कोच, सोफा (२) छपरखाट (३) एक तरहकी गद्देदार बग्घी कोच
कोच न० चुभ जानेसे बना हुआ छिद्र छेद
कोचर वि० छेदोवाला (२) बहुत पुराना
कोचलु न० छिलका (फल अडे आदिका)
कोचववु स० क्रि० दिल दुखाना
कोचवु स० क्रि० कोचना, चुभाना (२) सेंध लगाना (३) दिल दुखाना [ला]
कोट पु० कोट, परकोटा (२) जो न घुसने भेदने पावे ऐसी व्यूह रचना (३) ईंडवारा चहारदीवारी (४) क़िलेका भीतरी भाग
कोट पु० कोट बडा अँगरखा (२) (ताशके खेलमें) एक पक्षका जल्दीसे साता सर (हाथ) करना और विपक्षको एक भी न करने देना
कोट स्त्री० गरदन। [-मां माळा ने हैयामां लाळा=मुखमें राम और बग़लमें छुरी, दभ। कोटे बांधवु=गले मढना (जिम्मेदारी), साथ कर देना। कोटे वळगवुं=गले पडना (२) बोझ बनना]
कोटडी स्त्री० कोठरी
कोटडु न० मिट्टीका छोटा घर (२) दीवार
कोटलु न० कडा छिलका (२) निस्सार चीज़
कोटलो पु० मिट्टीका पिटारा (२) कोठार
कोटवाल (-ळ) पु० कोतवाल (२) एक अल्ल
कोटवाली (-ळी) पु० स्त्री० कोतवाली
कोटि स्त्री० कोटि करोड (२) कमानका सिरा (३) किसी वादका पूर्वपक्ष (४) दर्जा, कोटि श्रेणी (५) परमोत्कर्ष
कोटिकोण पु० कोटिकोण, कोम्प्लिमेंटरी एंगल
कोटियु न० छोटी नाव, डागी (२) गुल्ली-डडेके खेलमें एक दाव (३) जानवरोंके गलेमें बाँधी जानेवाली गोल लकडी
कोटीलो पु० मुठिया (धुनकीकी)
कोठली स्त्री० कुठली छोटी कुठिया (२) मिट्टीकी छोटी मजूषा
कोठलो पु० मिट्टीकी बडी मजूषा (खानेकी चीजें रखनेकी) (२) कोठार भडार
कोठायुद्ध न० चक्रव्यूहका अटपटा युद्ध
कोठार पु० कोठार (२) तहखाना या चार दीवारोंका बनाया हुआ पक्का ऊँचा कुठला, कोठा (३) भडार बखार (४) खजाना कोष
कोठारियु न० छोटा कोठार
कोठारी पु० कोठारी, भडारी (२) एक [अल्ल
कोठी स्त्री० मिट्टी या धातुका गोल ऊँचा पात्र, कोठी (२) कोठा, बखार

(३) साहूकारकी दुकान, पेंठ, कोठी (४) थाना (५) कुठियाके आकारकी आतिशबाजी। [-धोईने कादव काढवो =निकम्मे काम पर व्यय श्रम करना, इससे बदनाम होना]

कोठी (कॉं) स्त्री० कथ, कपित्थ (वृक्ष)

कोठु(कॉं) न० कपित्थ, कथ (फल)। [-आपवु=विश्वास करना, (प्रतिपक्षीसे) अपनी गरज़ दिखाना (२) (नौकरीमें से) रजा दे देना, बरतरफ करना (३) निराश करना, कुछ न देना। -मळवु=(नौकरी या काममें) छुट्टी मिलना (२) निष्फलता या निराशा मिलना, (फेरा या काममें), निष्फल रहना] [चालबाज़ी

कोठु(कॉं) न० चेहरा, मुखडा (२) प्रपच,

कोठो पु० कोठा, पेट (२) शरीर, शरीरके अदरका कोई भी कोषरूप भाग (३) मन अतःकरण (४) खाना, काष्ठक (५) (चौसर, शतरज आदिका) घर, खाना (६) बखार, गोल बडा कुठला (७) बडा कुआँ (८) म्युनिसिपलिटीका मुख्य कार्यालय, कोठी, (९) चुगी-कचहरी, मालगुजारका दफ्तर (१०) कॉंजी-हाउस (११) किलेका बुर्ज (१२) व्यूह रचना (१३) तालिका, पहाडा (१४) अँगरखेका गला, गरेबान। [कोठे पडवु = (सीख दवा आदिका) खास असर न होना। -छूटवो=दस्त लग जाना (२) मौत आना। -वटलाववो=निषिद्ध आहार करना, देह नापाक करना]

कोड पु० मनोभाव, चाव, हुलास

कोडामणु वि० हुलासी, चावभरा (२) छला

कोडियु न० छोटा सकोरा, कसोरा (२) (मिट्टीका) दीया

कोडी(कॉं) स्त्री० कौडी, छोटा शख (२) एक छोटा सिक्का, कौडी (३) बीसकी सज्ञा, कोडी

कोडीलु वि० हुलासी, चावभरा

कोडु(कॉं) न० छोटा शख, कौडी

कोडो(कॉं) पु० कौडा, शख

कोढ पु० कोढ, कुष्ठ

कोढ (कॉंढ,) स्त्री० पशुशाला, बाडा, अहाड (२) मिस्तरीखाना

कोढियु(कॉं) न० पशुशाला, बाडा

कोढी(कॉं) स्त्री० कुल्हाडी

कोढियु(-येल) वि० कोढ़ी

कोढी(०लु) वि० कोढी, कुष्ठरोगी

कोढो(कॉं) पु० कुल्हाडा (२) वि० पु० अक्खड, ज़बान-दराज़, उजड्ड

कोण(कॉं) स० (२) वि० कौन

कोण जाणे(कॉं) -क्या मालूम? कौन जाने? [कुहनीकी नोकदार हड्डी

कोणी(कॉं) स्त्री० कुहनी, कोहनी (२)

कोतर न० ज़मीन या पहाडमें गहरा, चौडा गडढा, खोह, नाला

कोतरकाम न० नक्काशी, कोरनी

कोतरणी स्त्री० नक्काशी करना खोदना (२) खुदाईका ढग (३) खुदाई, नक्काशी (४) खोदनेकी उज्रत खुदाई (५) नक्काशीका औजार [कोरना

कोतरवु स० क्रि० नक्काशी करना,

कोथमी(०र) स्त्री० हरा धनिया

कोथळी स्त्री० कोथली, थैली (२) अड कोष, फोता (३) हज़ारकी राशि। [-छूटी मूकवी, -नु मों छोडवु=खूब या ज़रूरतसे ज्यादा खर्च करना। -रुपिया=हज़ार रुपये। -मांथी बिलाडु

नीकळवु, साप नीकळवो = जिसकी मनमें कल्पना भी न हो ऐसी बात बनना, अनचीता हो जाना, धोखा खाना]
कोयळो पु० कायला, बडा थला। [कोयळामां पांचशेरी घालीने मारवो = माठी या गुप्त मार मारना]
कोदरा पु० कोदरा कोदो
कोदरी स्त्री० कोदोक दाने
कोदाळ(रा) वि० जडबुद्धि, गँवार
कोदाळी(का) स्त्री० कुदाली, कुदाल
कोदाळो (का) पु० बडा कुदाल खता
कोदु(का) न० बढी या कम नहीवत् दूध देनेवाली भस
कोनु(कों) स०किसका? (२)किसीका [प]
कोपरबरास न० तांबे और पीतलके मेलसे बनी एक धातु
कोपरापाक पु०खोपडेको कसकर बनाया हुआ एक पाक (२) मार (व्यगमें)
कोपरु न० खोपडा, खोपरा, नारियलकी गिरी
कोपरेल न० खोपरेका तेल
कोपवु अ० क्रि० कोपना, गुस्सा करना
कोबाड वि० मूख
कोबी(०ज) स्त्री० न० कोबी, गोभी
कोम स्त्री० कौम जाति
कोमवाद पु० जाति-वाद
कोमळ वि० कोमल, मुलायम (२) सुकुमार नाजुक (३) मृदु (४) मधुर, मनोहर (५) दयार्द्र
कोमी वि० कौमका कौमी, जातीय
कोयडो(कों) पु० देखिये कोरडो
कोयलो(कों) पु० कायला (२) बुझाया हुआ काय्ला (३) अगारा अगार
कोर स्त्री० कोर, हाशिया, किनारा (२) किनारी गोट (३) ओर, बाजू (४) बाज परका टुकडा, किनारा, कोना [कोरे बेसवु = स्त्रीका रज स्वला होना]
कोरट(कों) स्त्री० कोट, अदालत
कोरडु वि० जो गीला न हो, जिसमें नमी न हो (२) जा न भीगा हो, ठुड्डी (दाना)
कोरडो पु० चाबुक कोडा (२) दौर धाक, सत्ता [ला] (३) जुल्म, सख्ती आतक, त्रास (४) पहेली, समस्या, प्रश्न
कोरण स्त्री० बाजू (२) सिरा, चीजका किनारेका हिस्सा या सीमा, कोर छोर (३) आधी
कोरणी स्त्री० कोरनेका औजार (२) कारनेकी रीति या कारीगरी
कोरम न० कोरम कायवाह सख्या
कोरमु न० दाल्का चूरा खद्दा
कोरवकु वि० एक आर टेढा – ढलता हुआ तिरछा
कोरवु ज० क्रि० वेधना छेदना (२) अदरसे कोरना जरा जरा खोदना
कोरी स्त्री० कच्छका रुपेका एक सिक्का जो करीबन् ¼ रुपयेका हाता था
कोरु वि० सूखा (२) रूखा (३) नया न बरता हुआ कोरा (कपडा) (४) सादा, कोरा (पत्र, कागज आदि) (५) विना पकाया हुआ (आटा चावल सीधा आदि) । [–काढवु = (वर्षामें) बादलाका खुलना । –पडवु=सूखना (२) वर्षाका रुक जाना (३)अनावृष्टि होना । कोरे कागळे मतु = कोरे कागज पर दस्तखत करना । कोरे लूगडे=कलकित हुए विना, बाआवरू धाटा सहे बिना]
कोरुकट वि० समूचा कोरा [(कपडा)
कोरु कडकडतु वि० बिल्कुल नया, कोरा
कोरु धाकोड(–र) वि० समूचा कोरा

कोरमोद वि० बिलकुल नया, बिना बरता हुआ, तहदर्ज
कोल(कॉ) पु० क़ौल, प्रतिज्ञा, कबूलियत
कोलकरार पु० क़ौल-करार, इक़रार नामा (२) संधिपत्र, सुलहनामा
कोलटा(-ता)र पु० कोलतार, अलकतरा, तारकोल
कॉलम न० कालम (अखबारका)
कोलसी(कॉ) स्त्री० (कोयलेका) बुरादा (खासकर जले हुए खानके कोयलेका)
कोलसो(का) पु० कोयला
कोलु(लु) न० कोल्हू (ईख पेरनेका)
कोलु(लु) न० गीदड, सियार
कालेज स्त्री० कालिज
कॉलेरा पु० कालरा, हैज़ा
कोलो(का) पु० कोना, अंतरा
कोवडामण(कॉ) स्त्री० सडान, सडाव(२) सडाई हुई चीज
कोवडा(-रा)वु(कॉ) स० क्रि० सडाना
कोवाड (का) वि० कुल्हाडीकी धार जैसी जिसकी (जीभ, वाणी) हो, ज़बान-दराज (२) अक्खड, जडबुद्धि, उजड्ड
कोवावु(कॉ) अ० क्रि० सडना, सड जाना
कोश(कॉश) स्त्री० रंभा, सब्बल(२) फाल कुसी
कोश पु० खाना, घर या आवरण (चीजें रखनेका) (२) कोश संचित धन, खजाना (३) शब्दकोश (४) म्यान (५) चरसा मोट (६) जीवित प्राणीके शरीरकी अणु जैसी मूल इकाई (जिसके मांस पेशी वगैरह बनते हैं), (अन्न प्राणमय) कोश
कोशियो पु० मोट चलानेवाला (बलोंसे) (२) मोटसे पानी निकालनेवाला, पुरहा, चरसी (३) एक पक्षी, भुजंगा
कोशेटो पु० रेशमके कीडेका घर, कोया
कोष्टक न० कोठा, कोष्ठक (२) तोल, माप अथ आदिके परिमाणोंकी तालिका, सारणी
कोस पु० कोस (दूरीकी नाप)
कोस पु० चरसा, मोट, पुर [रोग
कोह(कॉ) पु० सडन (२) चमडीका एक
कोहव(-वा)ण न०, कोहवाट(-रो) (कॉ) पु० सडन, बिगाड
कोहवु(कॉ) अ० क्रि० सडना (२) चमडीमें रोग लगना [(२) सडा हुआ
कोहेलु वि० जिसे चमडीका रोग हुआ हो
कोळ पु० घूस (बडा मोटा चूहा)
कोळवु(कॉ) अ० क्रि० खिलना, फूलना, पनपना विकसित होना (२) फैलना
कोळावु(कॉ) अ० क्रि० हर्ष या गर्वसे इतराना, फूला फूला फिरना [गस्सा
कोळियो (कॉ) पु० कौर, निवाला,
कोळी(को) स्त्री० कुम्हडेकी बेल, कुम्हडा
कोळु(कॉ) न० कुम्हडा, कद्दू (फल)
कोटु(कॉ०) न० धोखा, चाल, पतरेबाजी
कौंटो(कॉ०) पु० फुनगी, अखुआ
कौत(-तु)क न० कुतूहल (२) कुतूहल जगानेवाली कोई बात (३) अचंभा, कौतुक (४) हँसी-मजाक
कौंवच स्त्री० न० केवाँच, कौंच (२) खुजली पैदा करनेवाली इसकी फली
कौवत न० कूवत, ताक़त
कौंस पु० लिखाईमें व्यवहृत [ ], ( ), चिह्नोंका जोडा, कोष्ठक 'ब्रेकेट'
क्यामत स्त्री० क़यामत
क्यारडी स्त्री० धानका छोटा खेत; क्यारी
क्यारडो पु० धानका मेंडदार खेत; धनकर
क्यारी स्त्री० छोटी क्यारी, थाला (२) सिंचाई करनी पड़े ऐसी ज़मीन (३) नानी

भरा रहे ऐसी जमीन, क्यारी, कियारी (४) बोई-जोती जानेवाली जमीन
क्यारे (क्या) अ० कब ?
क्यारेक (क्या) अ० कभी, किसी समय
क्यारेय (क्या) अ० जी चाहे तब (२) कभी भी
क्यारो पु० धानका खेत धनकर (२) क्यारी [कीमतकी अकाई अदाज़
क्यास पु० कयास धारणा, अनुमान (२)
क्यां अ० कहाँ ?
क्यांक अ० कहीं किसी जगह
क्यांय अ० किसी भी जगह, कहीं भी
क्रम पु० क्रम, सिलसिला (२) श्रेणी, पंक्ति (३) डग कदम (४) नियमित व्यवस्था रिवाज प्रथा
क्रमवार अ० क्रमानुसार सिलसिलेसे
क्रियातिपत्त्यर्थ पु० क्रियाका संकेतार्थ हेतुहेतुमद्भूत, उदा० जो वृष्टि थई होत तो सुकाळ थात
क्रियात्मक वि० अमली, कामकाजी (२) प्रयोगात्मक क्रियात्मक
क्रियाधार पु० क्रियाके लिंग-वचन आदि जिस पर आधार रखते है यह पद [व्या]
क्रियापद न० क्रिया क्रियापद
क्रियापूरक वि० क्रियाका अर्थ पूर्ण करनेवाला (पद) [व्या]
क्रियाविशेषण (०अव्यय) न० क्रिया विशेषण [वाक्य
क्रियाविशेषण वाक्य न० क्रियाविशेषण
क्रूस पु० देखिये क्रास
क्रास पु० क्रूस, वधस्तंभ (२) ईसाइयोंका धर्मचिह्न, क्रास
क्विनाईन, क्विनीन न० कुनैन क्विनाइन
क्वारेंटीन स्त्री०, न० क्वारंटाइन, करंतीना
क्षकिरण न० एक्स रे
क्षयतिथि स्त्री० क्षयतिथि, अवम तिथि
क्षेत्र न० जमीन, खेत (२) स्थान, जगह (३) क्षेत्र, कार्यके लिए अवकाश (४) शरीर, देह (५) यात्राधाम, तीर्थस्थान (६) सभरांगण (७) स्त्री, पत्नी
क्षेत्रफल (–ळ) न० क्षेत्रका फलाव, विस्तार (२) क्षेत्रफल, रकबा
क्षेमकुशल (–ळ) वि० क्षेम, सुख शांति और आरोग्यवाला (२) न० ऐसी स्थिति या इसका समाचार कुशलक्षेम, कुशल प्रश्न

ख

ख पु० कवर्गका – कंठस्थानीय दूसरा व्यंजन (२) शून्य स्थान आकाश
खई पु० क्षयरोग (२) खाई खदक
खखडधज वि० (प्राय जर्जरित फिर भी) मजबूत गठनवाला (२) रोबदार, भव्य
खखडवुं अ० क्रि० खड़कना खड़खड़ाना बजना
खखडाट पु० खड़खड़ाहट
खखडाववुं स० क्रि० खड़खड़ाना खट खटाना (२) धमकाना [ला] (३) मारना (चपत)
खखरी स्त्री० खखार (२) गाते समय सुरको कंपाना (३) सुर, आवाज़ (४) चिंता खटका चटपटी। [–बाझवी = गलेमें कफका चिपक जाना]
खखरो पु० शोक संताप (२) पछतावा (३) शक अंदेशा। [–करवो = शोक करना (२) मातमपुरसीके लिए

जाना। –काढी नाखवो = संदेह दूर करना। –थवो = पछतावा होना]

खखळतु वि० खौलता हुआ, अत्युष्ण (२) कलकल ध्वनि करते बहता हुआ

खखळवु अ० क्रि० खौलना, उबलना (२) बहते हुए कलकल ध्वनि करना, खलखलाना (३) अजर-पजर ढीले हो जाना, जीर्ण-शीर्ण होना

खगोल (–ळ) पु० खगोल, आकाशमंडल

खच अ० कसकर, मजबूतीसे (२) भीतर धँसने, चुभने या इससे उल्टी क्रियाकी आवाज़, उदा० 'खच दईने पेसी गयु', खच दईने खेंची काढयु'

खचकावु अ० क्रि० झिझकना (२) पीछे हटना, हिचकना

खचको पु० सतह पर पडा हुआ छोटा गड्ढा या कटाव, खाँचा (२) अड़चन, अंतराय

खचर न० खच्चर

खचरी स्त्री० मादा खच्चर

खचरु न० निकम्मा या खच्चर जैसा घोडा (२) वि० बूढा, कमज़ोर

खचरु न० जवानकी मौत

खचवु स० क्रि० जडना बैठाना, ठोकना (२) खचाखच भरना, लादना

खचाखच अ० जल्दी जल्दी चुभानेकी आवाज (२) खचाखच

खचाखची अ० ज़रूर, अवश्य (२) स्त्री० भीड, जमघट

खचीत अ० ज़रूर, अवश्य

खचोखच अ० धडाधड चुभाते हुए (२) ठसाठस खचाखच

खच्च अ० देखिये 'खच

खच्चर न० खच्चर [खुजलाहट

खजवाळ स्त्री० देखिये 'खजवाळ',

खजवाळवु स० क्रि० खुजलाना

खजानो पु० खज़ाना, भंडार, धनागार (२) धन, दौलत [ला] (३) हथियार रखनेका खोल, म्यान या छेदोंवाला पट्टा (४) बंदूकमें गोली भरनेका खाना, खज़ाना (५) चिलममें तंबाकू रखनेका गड्ढा (६) नमक जमानेका गड्ढा, आगर। [खजाने पडवु = ऐसी दशामें आ पडना कि कोई न तो चिंता करे न गिनतीमें ले (२) अपनी जगह ठीक जम जाना, ठिकाने लगना]

खजूर न० खजूर (वह फल जिससे छुहारा, खारिक बनता है)

खजूरियु वि० खुजली पैदा करे ऐसा

खजूरी स्त्री० खुजली पैदा करनेवाले छोटे छोटे रोयें, रोओं (२) खुजली

खजूरी स्त्री० खजूरका पेड, खजूर (२) एक मिठाई, खजूर

खजूरु न० खजूरकी जातिका एक पेड जिसमेंसे ताडी निकलती है

खजूरो पु० कनखजूरा

खटक खटक अ० खटाखट, खट-खट आवाज करते हुए

खटकरम खटकम न० ब० व० ब्राह्मणोंके छ कर्तव्य षट्कर्म (२) खट-करम, नित्यकर्म

खटकवु अ० क्रि० खटकना, किरकिरीकी तरह खटकना, कसकना (२) अंदरसे दु खी होना, पश्चात्ताप करना

खटको पु० खटका, चुभन, चुभनेकी आवाज़, खटक (२) अड़चन, अंतराय (३) खटका शुबहा, आशंका (४) चिंता खटका

खटखट स्त्री० खटखट (आवाज़) (२)

अडचन, विघ्न, बाधा (३) झझट, मायापच्ची, खटखट [खटखट
खटखटारो पु० मायापच्ची, किच किच,
खटपट स्त्री० युक्तिबाजीसे काम निकाल लेनेकी कोशिश, खटपट (२) योजना, व्यवस्था (३) खटखट, झझट, जजाल। [-मां पडवुं=झमेलेमें पडना, सिर खपाना]
खटपटियु वि० उक्ता देनवाला, टट्टा, झझटी (२) चालबाज, खटपटिया
खटपटी वि० खटपटिया चालबाज
खटमधुर(-रु) वि० खटमीठा
खटमीठु वि० खटमीठा, खटमिट्ठा
खटराग पु० छ राग, षडराग (२) अनबन खटराग (३) घर-गृहस्थीका जजाल मायाजाल
खटरागी वि० झगडालू, बखेडिया (२) दुनियादार ससारी
खटलो पु० कुटुब कबीला, बाल-बच्चे (२) सरोसामान सामग्री (३) मुकदमा (४) पेचीदा-मुश्किल काम, टेढ़ी खीर [फायदा पहुँचाना
खटववु स० क्रि० खटास चढ़ाना (२)
खटाई स्त्री० खट्टापन (२) खट्टी चीज खटाई [कजिया, तकरार [ला]
खटाखट(-टी) स्त्री० खटाखट (२)
खटाटोप पु० आडबर (व्यथका) भारी दिखावा, जरासे कामके वास्ते अनावश्यक बडा आयोजन
खटापटी स्त्री० गडबड (२) खटापटी, झगडा अनबन
खटारो पु० माल ढोनेका गाडा, सगड (२) इसके जैसा कोई बडा वाहन मोटरलारी (३) कर्कश आवाज करने वाला-खराब वाहन [ला] (४) घर गृहस्थीकी चीजें, घरबार
खटाववु स० क्रि० खटावु', 'खाटवु' का प्रेरणार्थक रूप
खटावु अ० क्रि० खटाना, खट्टा हो जाना (२) खाटवु क्रियाका कर्मणिरूप, फायदा पहुचना [अनबन [ला]
खटाश स्त्री० देखिये खटाई (२)
खटुबड खटूमडु वि० थोडा खट्टा
खड वि० समासमे पूर्वपदके रूपमें बडा इस अर्थमें आता है, उदा० 'खडदादो खडमोसाळ'
खड न० खड, घास करबी (२) खतमें उगी हुई अनावश्यक घास चिचुरन
खडक पु० चट्टान (२) पानीमेंकी चट्टान (३) धारदार कगार
खडक्लो पु० ढेर, एक पर एक रखी हुई चीजोंकी राशि गड्डु
खडकवु स० क्रि० एक पर एक क्रममें रखना लगाना
खडकी स्त्री० पौरी, ड्योढ़ी (२) दो या ज्यादा घरोंके आगेकी एक ही आम दरवाजेवाली गली (३) इस तरहके दरवाजे परका बालाखाना
खडखड अ० खिलखिलाकर, खुलकर (हँसना) (२) स्त्री० खिलखिलाहट (३) खटपट दखल, बखडा, पीडा [ला] (४) तकरार झगडा
खडखडतु वि० खड-खड की आवाज करता हुआ, खडखडाता हुआ (२) न० बिना पानीका नारियल (३) बरतरफ होना [ला] [-आपवुं = निकाल देना बरतरफ करना]
खडखड भडभड अ० भडभड की आवाजके साथ भडभडाते हुए (२) स्त्री० भडभड (३) शोर-गुल
खडखडवु अ० क्रि० खडखडाना

खडखडाट पु० खडखडाहट (२) अ० क़हक़हा लगाकर (हँसना)
खडखडियु वि० (२) न० देखिये 'खड-खडनु' (३) किवाड या खिडकीमें लगी काठकी पट्टियोंकी एक रचना जो खुलती और बन्द होती है, झिलमिली (४) एक खाद्य पदार्थ
खडतल वि० कष्ट सहन कर सके ऐसा (२) मेहनती (३) गठीले बदनका (४) तुच्छ
खडतु खडतूस न० मौकूफी, बरतरफी
खडदु न० लादा, तरल पदार्थका जमा हुआ थक्का, आँठी
खडबचडु वि० खुरदरा
खडबु न० देखिये 'खडदु'
खडबूच(-चु) न० खरबूजा
खडभड स्त्री० खडबड (आवाज) (२) गडबड, शोर ऊधम (३) झगडा, कहा-सुनी (४) दखल
खडभडवु अ० क्रि० खडबडाना (२) कहा-सुनी होना [हिल्ला-गुल्ला
खडभडाट पु० खडबड (२) शोर,
खडमा(-मां)कडी स्त्री० घासका एक कीट 'ग्रासहोपर'
खडमोसाळ न० माँ या बापका ननिहाल
खडवु स० क्रि० लेप करना, पोतना (२) दागवाला करना या मैला करना (३) दाग लगाना तोहमत लगाना (४) घसीटना, बुरे काममें शामिल करना
खडवु अ० क्रि० अडना, अटकना, रुकना, थम जाना (२) हाथ-पर आदि अवयवोंका उखड जाना, उखडना (३) झगडेमें उलझना, गिर जाना
खडा स्त्री० इंद्रधनुष् (२) खडाऊँ
खडाई स्त्री० शठता कामचोरी
खडाउ स्त्री० खडाऊँ, पादुका
खडियाट पु० तालाबमें उतरनेका बिना सीढ़ियोंका पक्का ढालू घाट, गऊघाट
खडियु न० चीता, बाघ (२) ओसर, बिना ब्याही हुई जवान भैंस
खडियु न० सूखा, अवर्षण (२) सूखनेसे दरारें पडी हुई धरती (३) चौमासेमें कई दिन बारिश न होकर सख्त धूप पडे वह समय
खडियो पु० दवात, दावात (२) दीपकके काम आनेवाली डिबिया, ढिबरी (३) बहुत खानेवाली थैली, कंधेमें दानों ओर लटकाया जाय ऐसा थला (४) बडा बटुआ। [**खडिया भरवा, खडिया पोटलां बांधवां** = बोरिया-बिस्तर समेटना या उठाना]
खडियो खार पु० सुहागा, एक क्षार
खडिंग अ० ऐसी आवाज करके
खडी स्त्री० खडी, खडिया मिट्टी (२) सडक पर डाले जानेवाले पत्थरके छोटे टुकडे; ककड, गिट्टी
खडी फोज स्त्री० स्थायी लश्कर
खडी माटी स्त्री० खडिया मिट्टी खडी
खडी साकर स्त्री० एक प्रकारकी मिसरी
खडु वि० खडा (२) तत्पर तैयार। [**-करवु** = पेश करना, सामने रखना, सामने हाजिर करना। **-थवु** = सामने उपस्थित होना खडा होना]
खडे चोक अ० सबके सामने, खुल आम
खडे ओडे अ० खडे-खडे, तुरत, खडी सवारी
खण स्त्री० खुजली; चुल
खणखण अ० खन-खन आवाजके साथ
खणखणवु अ० क्रि० खनकना, खनखनाना
खणखणाट पु० खनकार; झकार

खणखणियां न०ब०व० खन-खन आवाज करनेवाले छोटे छोटे घुघरू या झांझ जैसे पतरे (रथ आदिके)
खणखोज (-त,-तर,-द) स्त्री० बारीक जांच-पडताल (२) खुचड, हरफ़गीरी, निंदा [ला]
खणखोदियु वि० खुचडी, नुक्ताचा
खणज स्त्री० खाज, चुल सुरसुराहट
खणवु स० क्रि० खराचना (२) खनना, खोदना (३) खुजलाना (४) चुटकी भरना
खणस स्त्री० नाक शुबहा, अदेशा (२) लागडांट कीना (३) तदेही हौस (४) पाखाने-पेशाबकी हाजत (५) आन्त। [-थवी = हाजत होना। खणसे भरावु = जिद पर आना अडना]
खणसावु अ० क्रि० शुबहा होना (२) डाह करना (३) हाजत हाना
खत न० खत लेखपत्र दस्तावेज़
खतपत्तर, खतपत्र न० दस्तावेज़ या इससे सबद्ध कागज़ात
खतम अ० खतम, खत्म समाप्त
खतरी वि० क्षत्रियकी एक जातिका (आदमी) (२) कपडा बुननेका पेशा करनेवाली एक जातिका (३) पु० इस जातिका आदमी खत्री
खतरु न० दोष, छिद्र
खतरो पु० खतरा भय (२) अदेशा, धोखा खटका
खतवणी स्त्री० खतियौनी खतौनी
खतववु स०क्रि० खतियाना, खातेमें चढ़ाना [चूक
खता (-त्ता) स्त्री० नुकसान (२) खता
खत्तो पु० ठोकर (२) धप्पा धौल। [खत्ता खावा = धप्पा या ठोकर लगना (२) ग़लती करके नुकसान उठाना]
खत्राणी स्त्री० खतरानी
खत्री वि० (२) पु० देखिये खतरी'
खदखद अ० खदबद खदबद
खदखदवु अ०क्रि० खदखदाना (२) 'खदबद' आवाज़ करते हुए उबलना
खदडवु स० क्रि० खूब दौडाना (२) भटकाना, चक्कर कटवाना (३) कठोर परिश्रम कराना कसना
खदड वि० ठस और मोटा, दबीज, गफ
खदबद अ० किलबिलाते हुए
खदबदवु अ० क्रि० किलबिलाना
खदेडवु स० क्रि० देखिये खदडवु'
खद्दड वि० देखिये 'खदड
खपरावु अ० क्रि० लकडी आदिकी सतहका (रंग आदिसे) खाया जाना (२) खुरदरा होना
खनखन स्त्री० चसका लत (२) तदेही (३) बारीक जाँच खुचड
खप पु० उपयोग व्यवहार (२) महत्त्व उपयोगिता, जरूरत (३) कमी तगी (४) खपत, बिक्री (५) प्रयत्न। [-आववु = उपयोगी होना, काम आना (२) रण-मैदानमें मारा जाना। -जागवो = माँग खपत बढ़ना। -पडवो = जरूरत खडी होना। -लागवु = काम आना] [यथावश्यक
खपजोगु वि० जरूरतके मुताबिक,
खपत स्त्री० खपत बिक्री
खपतु वि० काममें आय ऐसा, उपयोगी (२) बिक जाये ऐसा खपता (३) जो खान-पानमें लिया जाये व्यवहार्य उपयोगमें आ सके ऐसा
खपनु वि० उपयोगी, कार-आमद
खपरडी स्त्री० छोटा टट्टर, टट्टी (२) उगते पौधोको खा जानेवाला कीट

खपरडो पु० बाँसकी फट्टियोंका टट्टा,टट्टर
खपवु अ० क्रि० खपना, बिकना (२) नाश होना, खपना, खच होना (३) गिनतीमें होना, कुछ महत्त्वका होना (४) व्यवहारमें चले ऐसा होना (५) काममें आना लगना, दरकार होना
खपाट स्त्री० खपची, कमठी, खपटी
खपाटियु न० खपाच, फटठा
खपाड(-व)वु अ० क्रि० 'खपवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप
खपूसवु अ० क्रि० तन्हेहीसे किसी काममें जुट जाना, लगा रहना, दत्तचित्त होना (२) स० क्रि० पीटना ठोकना
खपेडी स्त्री० देखिये 'खपरडी' (२) (लकडी आदिका) छिलका, पपडा(३) नाकका मल, नकटी गुजी
खपेडो पु० टट्टर (२) पाइटमें काम आनेवाला टट्टर, पाड [(रोटीकी)
खपोटी स्त्री० खुरड, खुरंठी (२)पपडी
खपोटु न० खुरड, खुरंठी
खपोडी स्त्री० देखिये 'खपोटी'
खबड वि० गाढा (दूध)
खबडदारी स्त्री० खबरदारी सावधानी
खबडु न० मोटी परत या स्तर पपडा
खबर पु०ब०व०,स्त्री० खबर, समाचार (२) संदेशा, सूचना, इत्तला (३) जानकारी, पता, ज्ञान, होश (४) निगरानी, देखभाल। [-करवी= इत्तला देना जताना(२)टोह लेना, खोज-खबर लेना। -पडवी=जानना, जानकारी प्राप्त होना(२)बीतना, महसूस होना। -राखवी = देखभाल रखना खबर लेना। -लेवी = खबर लेना, पता लगाना (२) डाँटना फटकारना, 'खबर लेना']

खबरअंतर पु०ब०व० खबर, समाचार (२) शरीरका हाल पूछना
खबरदार वि० खबरदार, होशियार(२) सावधान चौकन्ना (३) अ० 'सतर्क रहो होशियार हो जाओ, खयाल रखो' इस मतलबका उद्‌गार
खबरपत्री पु० संवाददाता
खभळवु अ० क्रि० खलबलाना (२) हलचल मचना, हिल उठना (३) बेचैन होना, घबडाना, क्षुब्ध होना [ला]
खभळाट पु० खलबलाहट, खलबली
खभो पु० कंधा। [-चडाववो= इनकार करना, आनाकानी करना। -ठोकवो, थाबडवो = धन्यवाद देना, तारीफ करना। -देवो = उठानेमें मदद करना, कंधा देना] [मनमें रुकना
खमच(-चा)वु अ० क्रि० झिझकना,
खमण न० कद्दूकश पर कसी हुई चीज (२) भापमें पकाई हुई दाल और चाव-लके दरदरे आटेकी एक खाद्य चीज
खमणढोकळां न०ब०व० देखिये 'खमण
खमणवु स० क्रि० कद्दूकश पर कसना
खमणी स्त्री० कद्दूकश
खमतु वि० जो सहन कर सके (२) समर्थ, योग्य (३) समृद्ध, धनी
खमवु स० क्रि० झेलना, सहना, बर-दाश्त करना, अँटना (२) क्षमा करना [जन](३) अ० क्रि० थमना, ठहरना
खमा स्त्री० क्षमा (२) धीरज, सब्र (३) अ० देखिये 'खम्मा'
खमीर न० खमीर (२) खटासयुक्त उभार उठान (३) जोश, ताकत
खमीस न० कमीज, कमीस
खम्मा अ० 'क्षेम-कुशल रहो', 'दुख न हो', 'खुदा खैर करे', 'जिन्दाबाद' ऐसा सूचित करनेवाला उद्‌गार

खरकलो पु० गड्ड [समाचार
खरखबर पु० ब० व०, स्त्री० खबर
खरखर स्त्री० देखिये खखरी (२) अ० एक एक करके (गिरते-बहते आँसू), टपाटप [नुकसान, घट
खरखराजात स्त्री० फुटकल खच (२)
खरखरी स्त्री० देखिये 'खखरी'
खरखरो पु० देखिये 'खखरो'
खरच न० पु० खच व्यय (२) खर्चा, कीमत, लागत (३) खूब पसे खच करनेका शुभाशुभ अवसर। [-काढवु =खचके जितना कमाना, खच निकलना। -खाते नाखवु=खचमें डालना -पाडवु=देखिये खरच खाते नाखवु]
खरचखूटण न० फुटकल खच (२) शुभाशुभ अवसर पर हानेवाला खच
खरचपाणी न० खर्चेकी रकम, निर्वाह-खच (२) जवनार आदिमें बहुतायतस धन खच करना। [-करवां = बडी जवनार करना (२) बहुतायतसे धन खरचना। -खूटवां = तगदस्त होना, निर्वाहके लाले पडना]
खरचवु स० क्रि० खच करना खरचना
खरचाउ (-ळ -ळु) वि० खर्चीला, उडाऊ
खरचो स्त्री० निर्वाह-खच
खरचीपाणी न० खर्चा निर्वाह-खच (२) फुटकल खच
खरचु न० पाखाना फिरना, मलत्याग
खरचो पु० देखिये खरच
खरचो पु० खूटी खुत्थी (बाल, या पौधेकी) [खुजली
खरज पु० खाज, खारिश (रोग) (२)
खरज स्त्री० खरज (संगीत) [खजु
खरजवु न० चमडीका एक राग खाज,
खरड स्त्री० गाढा लेप
खरडवु स० क्रि० लेप करना, पोतना, लपेटना (२) गदा करना बिगाडना (३) किसीको किसी मामलेमें उसकी इच्छाके विरुद्ध शामिल करना, घसीटना [ला] [कमणि रूप
खरडावु अ० क्रि० 'खरडवु' क्रियाका
खरडियु न० सूखा, अवषण (वर्ष)
खरडो पु० अक्षर घोटनेका कागज, कापी (२) खर्रा मसौदा (३) सूचि (४) गाढा लेप
खरपडी स्त्री० खुरपी
खरपडो पु० खुरपा (२) बडी खुरचनी, पल्टा (३) रेलवे इंजिनके आगे लगा हुआ लोहेका टट्टर, 'काऊ कैचर' (४) खाल उतारनेका औजार (५) जडबुद्धि, देहाती गँवार मनुष्य
खरपवु स० क्रि० खुरचना छीलना
खरपी स्त्री० खुरपी
खरपो पु० देखिये खरपडो'
खरबचडु वि० खुरदरा, नाहमवार
खरबड स्त्री० पेडकी छालके ऊपरका सूखा हिस्सा, पपडी (२) (भात, दूध आदिमें) नीचे जमनेवाला पपडा, खुरचन (३) तालाबके सूखने पर तलमें जमनेवाली कीचकी पपडी
खरवा पु० खुरपका, खुरा (रोग)
खरवाड स्त्री० गाँवके पासकी जमीन जिसमें खलिहान बनाये जाते हैं
खरवु अ० क्रि० झडना (२) सूखकर गिर जाना टपकना (३) हारकर किनारे हो जाना अलग होना [ला]
खरसली स्त्री० चौपायोका सूखा चारा खर खड
खरसलु न० खर-पात, तृण तिनका
खरसाणी, खरसांडी स्त्री० एक वनस्पति, खुरासानी यूहर

खरसुई(-लु) वि० जरा खारा

खराखर अ० सचमुच, अवश्य

खराखरी स्त्री० खरापन, सचाई (२) प्रमाण, सबूत (३) सकटका समय, अडी [ला]

खराजात स्त्री० मजदूरी या बिगाडके कारण माल पर होनेवाला खर्च

खराद स्त्री० खराद, चरख

खरादवु स० क्रि० खरादना

खरापणु न० खरापन, सचाई

खराब वि० खराब, गदा (२) अनीतिमान दुराचारी

खराबो पु० पानीसे ढकी हुई चट्टान (२) खेतीके अयोग्य जमीन, खराबा

खराबोलु वि० खरा कहैया, स्पष्टवक्ता

खरावाड स्त्री० देखिये 'खरवाड'

खराबाबी वि० देखिये खराबालु'

खरी स्त्री० खुर सुम (पशुओका)

खरीतो पु० सरकारी कागजातका थैला, खरीता (२) बडा लिफाफा

खरीद स्त्री० खरीद क्रय

खरीदनाय वि० खरीदार, ग्राहक

खरीदवु स० क्रि० खरीदना

खरीदी स्त्री० खरीद, खरीदारी, क्रय

खरु वि० खरा सच्चा यथार्थ, सही (हिसाब बात आदि) (२) खालिस, खरा, असली नकद (रुपया) (३) व्यवहारमें सच्चा, ईमानदार स्पष्ट भाषी (४) आँच खाकर कडा या लाल बना हुआ, खूब सिका हुआ (रोटी) (५) खूब तपा हुआ परिपूर्ण, पक्का, जिसमें कमी न हो, उदा० 'खरा बपोर' (६) 'अच्छा', 'ठीक' ऐसा आश्चर्यका भाव बताना है उदा० 'तमे तो खरी वात करी!' (७) 'अहह-अच्छा, सचमुच, सही' इस प्रकारका अर्थ सूचित करता है, उदा० 'खरु खरु!', 'जो खरु ने!'। [खरा करवा=रोगमुक्त होना, बीमारीमेंसे उठना। खरा परसेवानु=गाढे पसीनेका। खरा बपोर=ठीक मध्याह्न का समय। -करवु=पक्का या परिपूर्ण करना (२) साबित करना। -खोटु करावयु=सही क्या गलत क्या, यह मुह दर मुह निश्चित कराना। -पडवु= सत्य ठहरना या साबित होना]

खरुलोढु न० फौलाद

खरे अ० सचमुच, वाकई (२) अवश्य

खरेखर अ० यथार्थमें, सचमुच (२) जरूर

खरेखरु वि० सच, सत्य

खरेखात अ० देखिये 'खरे'

खरेटु न० पेउस, खीस (२) (देवको) बुरा लगना

खरेटो पु० तरल पदार्थके बहनेसे पडनेवाला दाग, धब्बा (२) जले हुए अन्नका पपडा, खुरचन

खरेरी स्त्री० खखार (२) खखारना

खरेरो (रें) पु० खरहरा [खीस

खरेंटी(०) स्त्री०, (-टु) न० पेउस,

खरो आंकडो पु० तय की हुई रकम

खर्च, (०खूटण), (०वु), (-र्चाउ), (-र्चाळ, -ळु) देखिये 'खरच' आदि

खल पु० खरल, खल

खलक स्त्री० खलक, खल्क, जगत, दुनिया (२) मनुष्य जाति, ससार

खलतो पु० खलीता बडा बटुआ

खलबत्तो पु० खरलका मूसल, बट्टा (२) खल और बट्टा

खलल स्त्री०, न० खलल, अडचन

खलवुं न० गाडेके मध्यमका खडा डडा

(२) क्रिकेटके खेलमें खडी गडी हुई तीन खूटियोंमेंसे एक, 'स्टंप'
खलास वि॰ खलास, समाप्त
खलास(-सी) पु॰ खलासी, जहाज़रान
खली स्त्री॰ खलियान खलिहान (२) दलहनको दलकर दाल बनानेका स्थान
खलीतो पु॰ खरीता, बडा लिफ़ाफ़ा
खलेची स्त्री॰ छोटा खलीता (खाने दार) थली
खलेडी स्त्री॰ गिलहरी
खलेल स्त्री॰, न॰ खलल
खवडा(-रा)ववु स॰ क्रि॰ खिलाना
खवाडवु स॰ क्रि॰ खिलाना
खवावु अ॰ क्रि॰ खाया जाना (२) जग लगना या सडना क्षीण होना
खवास वि॰ खवासकी जातिका (२) पु॰ खवास (३) खास खिदमतगार, हुजूरी (४) चीजकी तासीर, पदार्थका गुण (५) स्वभाव, मिज़ाज
खवासण(-णी), खवासी स्त्री॰ लौडी दासी (२) खवासिन खवासकी स्त्री
खवीस पु॰ खवीस (२) राक्षस
खसियाणु वि॰ खिसियाना, लज्जित
खस स्त्री॰ खुजली खारिश (रोग)
खस स्त्री॰ खस (जड) लाज
खसकवु अ॰ क्रि॰ देखिये खीसकवु
खसको पु॰ देखिये खचको'
खसखस स्त्री॰ पोस्तका दाना खसखस, खशखाश (२) पोस्ता
खसर स्त्री॰ खराच लीक
खसरको पु॰ लीक सतह परका छोटा गडढा (२) खराच
खसली स्त्री॰ सूखी घास खड, चारा
खसलु न॰ सूखी घास या तिनका खर
खसलु वि॰ खौरा खारिश्ती,

खसवु अ॰ क्रि॰ खिसकना, सरकना (२) रपटना, फिसलना (३) [ला] अपने क़ौल राय, मान्यता कथन आदिमें से निकल जाना, निकलना
खसियाणु वि॰ खिसियाना
खसियु(-येल) वि॰ खौरा, खौरा रोगवाला
खसी स्त्री॰ खसी, बधिया करना
खसूस(॰न) अ॰ खुसूस, अवश्य (२) खासकर
खसेडवु स॰ क्रि॰ खिसकाना हटाना
खस्सी स्त्री॰ देखिये खसी
खळ वि॰ खल शठ
खळखळ अ॰ कलकल ध्वनिके साथ (२) स्त्री॰ न॰ कल्कल (मधुर ध्वनि)
खळखळतु वि॰ देखिये खखळतु
खळखळवु अ॰ क्रि॰ खल्बलाना
खळखळाट अ॰ कलकल करते हुए बिना रुके बहते हुए (२) पु॰ खलखल
खळभळ स्त्री॰ खलबली (२) बेचनी
खळभळवु अ॰ क्रि॰ देखिय खभळवु । [खळभळी ऊठवु = क्षोभ होना (२) सिहर उठना घबडा जाना]
खळभळाट पु॰ घबडाहट, बेचनी (२) कोलाहल खलबली
खळवु अ॰ क्रि॰ रुकना
खळावाड स्त्री॰ खल्हिानकी जगह
खळी स्त्री॰ देखिये खली
खळु न॰ खलिहान
खख वि॰ खख खाली खुक्ख (२) खाखला साररहित (३) निधन
खखाळवु स॰क्रि॰ खगालना (२) पानीकी कुल्ली करके (मुह) साफ करना
खखरवु स॰ क्रि॰ थाडना (२) फट कारना धमकाना, पीटना

खलोरवु स० क्रि० झाडना (आग) (२) बिखेर देना (३) नाखूनसे कुरेदना
खग पु० गड्ढ, ढेर (२) डाह, वर (३) बदला (४) तदेही
खगाळवु स० क्रि० देखिये 'खखाळवु'
खचावु अ० क्रि० झिझकना, रुकना
खजरी स्त्री० खजरी, खजडी, डफली
खजवाळ स्त्री० खुजली, खाज (रोग) (२) चुल, सुरसुरी
खजवाळवु स० क्रि० खुजलाना
खड पु० खड, भाग, टुकडा (२) दल, समूह (३) प्रकरण (४) चोलखड (५) मकानका एक हिस्सा कमरा (६) पृथ्वीका महाद्वीप, खड (७) वि० विभागवाला, विभक्त, खडित (८) छोटा, सक्षिप्त [छदवाला काव्य
खडकाव्य न० खडकाव्य (२) अनेक
खडणी स्त्री० अधीन राज्यकी ओरसे प्रभु राज्यको दिया जानेवाला धन, खिराज
खडवु स० क्रि० खडित करना तोडना (२) कुछ कम देकर हिसाब बेबाक करना (३) थोकके दाम तय करके सस्तेमें खरीदना
खडाखडी स्त्री० भीड भाड, रेल-पेल
खडाववु अ० क्रि० कुटवाना
खडावु अ० क्रि० कुटना, कूटा जाना (२) घाटेमें रहना (३) पीडित होना, भीडमें हैरान होना
खडियु वि० खिराज देनेवाला (२) खडित
खडियेर न० खेंडहर
खडेर न० देखिये 'खडियेर', खेंडर
खत स्त्री० तनदिही सावधानीके साथ काममें लग रहनेका गुण (२) साव धानी होशियारी
खती (०लु) वि० तदेह
खधाई स्त्री० धूर्तता
खधु वि० धूर्त, दगाबाज
खपाली (–ळी) स्त्री० पाँचा
खाई (खा') स्त्री० खदक, गहरा गड्ढा (२) खाई (३) वर्षाका पानी निकालनेके लिए गाँवके पास खोदी हुई खाई
खाईखपूसीने अ० देखिये 'खाईपीने'
खाईपीने अ० दत्तचित्त होकर, तदेहीसे, पूरी लगन और एकाग्रताके साथ
खाईबदेलु वि० पूरा घालाक, पक्का घाघ
खाउधर वि० खाऊ, पेटू (२) घूसखोर
खाएश स्त्री० ख्वाहिश
खाक स्त्री० खाक, धूल (२) मारी हुई धातु, कुश्ता (३) नाश, तबाही
खाकडी स्त्री०, (–डु) न० टिकोरा, अँबिया
खाकी वि० खाकवाला, भस्म मलनेवाला (२) खाकके रगका, मटियाला, खाकी (३) गाढ़े पीले रगका (४) ऐहिक [ला]
खाख स्त्री० देखिये 'खाक'
खाखर पु० पलाश, टेसू (पेड)
खाखर पु० अरहरकी सूखी पत्तियाँ
खाखरी स्त्री० छोटी खूब सिकी रोटी (२) रोटी (३) तवाकूकी सूखी पत्तियाँ
खाखरो पु० पलाश वृक्ष
खाखरो पु० करारी, खूब सिकी रोटी
खाखावीखो वि० छिन्न भिन्न (२) दुखी, परेशान (३) स्त्री० पामाली, बर्बादी
खाखो वि० देखिये 'खाकी' (२) खस्त, निधन (३) न० खाकी (कपडा)
खाखी बगाली (–ळी) वि० खाली हाथ मस्त होकर घूमनेवाला, फक्कड जैसा
खाखी बावो पु० भस्म मलनेवाला साधु, खाकी

खाज न० खानेकी चीज़, खाद्य (२) खाजा (मिठाई)
खाज स्त्री० खाज, खुजली (रोग)
खाजली स्त्री० छोटा खाजा
खाजलु न० खाजा (२) कुँडरा, चक्कर
खाजु न० खाजा (मिठाई) [खाट
खाट स्त्री० हिंडोलेके काम आनेवाली
खाटकी पु० क़साई, बूचड़
खाटलावश वि० खाटसे लगा हुआ, शय्यागत (प्रसूति या बीमारीसे)
खाटली स्त्री० खटोला, खटिया (२) अरथी खाट
खाटलो पु० खाट चारपाई (२) [ला] बीमारी (३) प्रसूति। [खाटले पडवु=खाट पर पड़ना बीमार होना। –आववो = प्रसूति होना। –पडवो = बीमार होना। –भोगववो = बीमारी भोगना। –होवो = घरमें बीमारी होना (२) प्रसूति होना] [कमाना
खाटवु स०क्रि० प्राप्ति होना, खटना
खाटियु न० खट्टी रसादार तरकारी (२) कच्चे आमका पना
खाटीमीठी स्त्री० खानेकी खट मिट्ठी टिकिया या गोली, 'पिपरमिंट
खाटु वि० खट्टा (२) रंजीदा नाराज़
खाटु, (०चड), (०चरड), (०चूना जेवु), (०चड), (०बड्च –स) वि० खट्टाचूक अति खट्टा
खाड स्त्री० खंदक, गड्ढा
खाडाजाजरू न० गड्ढे पर रखनेका पाखाना उठौआ पाखाना
खाडी स्त्री० ज्वारका पानी नदीमें जहाँ तक जाय वहाँ तकका नदीका हिस्सा (२) खाडी (३) गटर मोरी
खाडो पु० खड्ढा गड्ढा (२) घाटा
खाण न० सानी या उबाला हुआ दाना (मवेशीके लिए)
खाण (ण') स्त्री० खान, खदान (२) छिपा खज़ाना (३) जिसमेंसे बाहर न निकला जाय ऐसा गहरा गड्ढा, उदा० नरकनी खाण (४) अखूट भंडार (५) अनाज भरनेके लिए बनाया हुआ तहखाना, खौं (६) उत्पत्ति स्थान (७) धारदार चीज़की धारमें पड़ा हुआ गड्ढा, दाँता
खाणियो पु० खानका मजदूर
खाणु न० भोज, दावत (२) वनभोजन
खातमो पु० खातमा अंत (२) मृत्यु
खातर स्त्री० खातिर-तवाज़ा, आव भगत (२) तरफ़दारी (३) अ० खातिर, लिए वास्ते
खातर न० खाद (२) सेंध (३) चोरी
खातरपाडु पु० सेंधिया चोर
खातरपूंजो पु० खादमें काम आने लायक़ कचरा, घास-पात, गोबर, कूड़ा आदि
खातरबरदाग(–स) स्त्री० खातिरदारी
खातरियु न० सेंध लगानेका एक औज़ार
खातरी स्त्री० भरोसा खातिरजमा (२) जिसमें कोई संशय न हो, निश्चय (३) सबूत प्रमाण
खातरीदार वि० विश्वसनीय, भरोसेका
खातरीपूवक, खातरीबंध अ० यकीनन्, विश्वासपूवक
खाताबंधी स्त्री० ज़मीन महसूलका एक बंदोबस्त रयतवारी [निकलना
खाताबाकी स्त्री० खातेमें बाक़ी (पावना)
खातावही स्त्री० खाता-बही खतौनी
खाता पीतां अ० कृ० निर्वाहका खर्च निकलते हुए
खातु न० खाता, मद (२) ऋणपत्र, तमस्सुक (३) विषय, प्रकरण (४)

दफ़्तर, महक़मा। [–खोलवु=काम काजका नया विभाग शुरू करना (२) (बैंकमें या शराफके यहाँ) नया खाता खोलना, डालना। –चूकते करवु, चूकवी देवु=ऋण चुका देना, क़र्ज़ अदा करना। –मांडी वाळवु=बट्टे खाते लिखना। –सरभर करवु=जमा और उधार दोनोंको बराबर करना]

खातुपत्रु न० लेन-देन [आसूदा

खातुं पीतु वि० खाने-पीनेसे सुखी,

खाते अ० किसी स्थल पर, –में, उदा० 'मुंबई खाते रमायेली मेच

खातेदार पु० खसरे या किसी लेन दारकी बहीमें जिसका खाता हो वह व्यक्ति, असामी

खादी स्त्री० खादी, खद्दर

खादीभंडार पु० खादीभंडार

खाध (घ,) स्त्री० टोटा, घाटा (२) दोष, कमी (हीरा मोती आदिमें)

खाधरो पु० गहरा गड्ढा (२) नुकसान

खाधाखर्च, खाधाखाई, खाधाखोराकी स्त्री० खुराकी

खाधेल पीधेल वि० खाने-पीनेसे सुखी, आसूदा हाल (२) हृष्ट-पुष्ट

खानगी वि० खानगी, निजी (२) गुप्त

खानदान वि० खानदानी, कुलीन (२) प्रतिष्ठित (३) न० खानदान, कुटुंब

खानदानी स्त्री० कुलीनता (२)सज्जनता

खानपान न० खान-पान (२) उसकी चीज

खानसामा पु० खानसामाँ

खानाखराब वि० सत्यानासी

खानाखराबी स्त्री० सत्यानास, तबाही

खानु न० खाना, घरका विभाग, कमरा (२) भंडार, निधि (३) मेज, संदूक़, आलमारी आदिका विभाग, खाना (४) कोष्ठक, खाना

खाप स्त्री० दपण (२) अबरखकी पत्ती

खापरियुं न० खपरिया, आँखकी एक औषधि (२) बालकको दी जानेवाली एक औषध

खाबोचियु न० डबरा

खामणु न० (घड़ोंची आदिमें) बरतन रखनेके लिए बनायी हुई बैठक (२) (पेड़का) थाला, आलबाल (३) कद, आकार (४) वि० नाटा, छोटे क़दका

खामी स्त्री० खामी, न्यूनता कसर (२) घाटा (३) क़ुसूर, भूल, दोष

खामुखा अ० खामखाह, ख्वाहमख्वाह (२) खासकर (३) जानबूझकर।

खामोश अ० 'सब्र करो रुक जाओ, शान्त हो जाओ, खामोश' इस अर्थका उद्गार

खामोश (–शी) स्त्री० सब्र, धीरज

खार पु० खार, काँटा (२) बैर (३) ईर्ष्या, डाह

खार पु० खार, क्षार

खारपाट पु०, न० जिसमेंसे नमक बनता हो ऐसी भूमि, क्षारभूमि

खारवो पु० खलासी, जहाजरान (२) फेरीरी करनेवाला, छप्परबंद (३) क्षारयुक्त गुड़

खाराट पु० कुछ कुछ खारापन

खारास स्त्री० देखिये 'खारट' (२) अनबन [ला] [साग, अमलोनी

खारी स्त्री० ऊसर, कल्लर (२) नोनिया

खारीलु वि० द्वेषी, ईर्ष्यालु

खारु वि० खारा, नमकीन (२) नमक चढ़ाया हुआ (३) द्वेषी, ईर्ष्यालु

खारुं अग्गर, खारु ऊस, खारु बच वि० अति खारा

खारेक स्त्री० खारिक, छुहारा

खारेकी वि० खारिक जैसा या इसके क़दका [सज्जी खार
खारो पु० पापडमें डालनेका खार,
खारोपाट पु० देखिये खारपाट (२) बच्चोंका एक खेल [छाल
खाल (०डी) स्त्री० खाल, चमडा (२)
खालपो पु० चमार
खालववु स० क्रि० खाली करना
खालसा वि० अपनी पूरी मालिकीका स्वकीय (२) खालिसा, सरकारी। [–करवु = खालसा करना। –थवु = जब्त होना]
खाली वि० खाली रीता (२) निधन, खाली हाथ (३) स्त्री० झुनझुनी, सनसनी (४) खाली ताल (संगीतमें) (५) अ० बेकार व्यर्थ (६) केवल, खाली। [–करवु = अंदरकी चीज निकाल लेना (२) मकान छोड देना (३) निर्धन बनाना। –थवु = मकान खाली पडना (२) तंगदस्त हो जाना पैसेकी कमी होना] [खाली
खालीखम, खालीखख वि० बिलकुल
खालीपीली अ० बिना कारण खाली
खालु न० तुरी (जुलाहेका बानेका औजार) (२) खलिहानका नाज ढकनेकी घास (३) परती रखा हुआ खेत (४) क्यारी गाटा उदा० 'तमाकुनु खालु
खावटी स्त्री० साहूकार या जमींदारके पाससे मँगनी पर लिया गया अनाज (२) खुराकी, गुजारा
खावु स० क्रि० खाना (२) सहना उदा० मार खावो' (३) सेवन करना, लगने देना उदा० हवा खावी (४) –के पीछे खर्च होना, –में लगना उदा० 'आ मकाने सो रूपिया खाधा' 'आ काम बहु दहाडा खाशे' (५) हडपना (६) दम छीन, बगासु उधरस' आदिके साथ प्रयुक्त होना है (७) न० पक्वान (८) खानेकी चीज खाजा, सबल, उदा० खावु बधाववु। [खाईने खोदवु = बेवफ़ा या नमकहराम होना। खाईपी ऊतरवु = संसारके सुखोपभोग करके निवृत्त होना। खाई बगाडवु = बेवफा होना (२) खाने-पीते भी दुबल रहना। खातांपीतां = संसारके सुख भोगते हुए (२) खर्चके उपरांत। खातु धन = जिसके पीछे बार-बार खर्च करना पडे ऐसी जायदाद। खातुपीतु = सामान्यत सुखी, खुशहाल]
खाश स्त्री० खानेका जोर (२) खानेकी चीजोंकी राशि
खास वि० खास, अपना, निजका (२) विशिष्ट असाधारण (३) असल खरा (४) अमीराना खास
खासडियु वि० जूते जैसा (२) घटिया, कठ (केला)
खासडु न० जूता (२) फटकार [ला]। [खासडां खावां = ठोकरें खाना कडी फटकार पडना। खासडां मारवां = सख्त उलहना देना (२) जूतीकी नोक पर मारना कुछ न समझना। –फाटी जवु = क्या गया? क्या बिगडा? ऐसे अर्थमें। खासडे मारयु = धरा रहे जूतीकी नोक पर, कुछ परवाह नहीं ऐसे अर्थमें]
खासदार पु० सेवक हुजूरी (२) साईस
खासियत स्त्री० खासियत, प्रकृति (२) विशिष्ट गुण (३) आदत

खासु वि० खासा, मज़ेदार (२) अ० वाह, शाबाश (३) भला, खूब, बराबर। [–दीवा जेवु=बिल्कुल स्पष्ट]

खाळ पु०, स्त्री० मोरी, नाबदान (२) नाली लगी हुई छोटी कूडी

खाळकूवो पु० मोरीके पानीका गड्ढा या कुआँ, चहबच्चा (२) पाखानेके लिए बनाया हुआ कुआँ, सडास

खाळकूडी स्त्री० मैले पानीकी कूडी

खाळवु स० क्रि० थामना, रोकना

खांखत(–द) (०) स्त्री० भारी कुतूहल (२) ध्यानपूर्ण मनोयोग, बडी लगन, तनन्हिी (३) नापसदगी, नफरत

खांच (०) स्त्री० सतह परका छोटा गड्ढा, दाँता, कटाव, खाँचा (२) तगी सकीणता (३) घाटा टोटा (४) धक्का झटका (५) जमा-उधारका हिसाब न मिलना

खांचखूच (०) स्त्री० छोटी-मोटी त्रुटि या न्यूनता कोर-कसर, नुकता (२) बारीकी गहराई

खांचो (०) पु० (एकसी धार सतह या लीकमें होनेवाला) मोड कटाव या दाँता (२) सकरा रास्ता कूचा (३) नुक्कड, निकलता हुआ कोना (४) विरोध, हरज। [–काढवो = बाधा डालना या खडी करना (२) नुक्कड या घुमाव बनाना। –पडवो=हरज होना (२) विघ्न आना। –राखवो=एतराज होना या गुबार रखना (२) नुक्कड बने ऐसा करना]

खांजरु (०) न० कोना वह स्थान जहाँ जल्दी किसीकी निगाह न जाय (२) कुटनीका घर (३) अनाज जमा करनेका स्थान, कुठला-कोठार। [खांजरे नाखवुं =कोनेमें डाल रखना, परवाह न करना]

खांट(–टु) (०) वि० काइयाँ, चाँई, [धूत

खांड (०) स्त्री० चीनी, शक्कर। [–खावी =जरूरतसे ज्यादा अच्छा या खुश होने लायक मान बठना। –वीरसवी= मीठा मीठा बोल्कर खुशामद करना]

खांडणियु (०) न० मूसल

खांडणियो (०) पु० ओखली, ऊखल। [खांडणियामां घालीने खांडवु=अपने वशमें करके जुल्म करना]

खांडणी (०) स्त्री० छाटी ओखली, हावन

खांडवु (०) स० क्रि० कूटना

खांडियु वि० खाँडा, विकलाग (२) न० खडित सीगोवाला ढोर (३) भैंस या उसका बच्चा [एक तोल

खांडी (०) स्त्री० बीस (कच्चे) मनका

खांडु (०) वि० खाँडा, टूटा हुआ, खडित

खांडु (०) न० खाँडा, दोधारी तलवार (२) दुलहेके बदले उसका खाँडा साथमें लेकर गयी बरात [ला]

खांध (०) स्त्री० कधा (२) पशुकी गरदन (३) जूआ लेनेवाले पशुकी गरदन पर जूएकी रगडसे होनेवाला घट्ठा। [–आववी=जूआ लेनेवाले पशुकी गरदन परकी चमडीमें घाव हो जाना, कधा लगना। –पडवी=पशुकी गरदन पर घट्ठा हो जाना]

खांधियो (०) पु० अरथी ढोनेवाला, कधा देनेवाला (२) मददगार, साथी (३) खुशामदी, पिट्ठ

खांधु (०) न० किस्त, भाग

खांपण (०) स्त्री० खामी दोष, ऐब, नुक्ता (२) कफ़न

खांपवुं(०) स० क्रि० छांगना, छांटना (२) थोडा थोडा खादना, (ढेरमें से) फावडेसे इधर उधर करना
खांपो(०) पु० (पेड-पौधेकी) खुत्थी, खूंटी (२) टूटी हुई डालका तनेसे लगा हुआ ठुठ(३)किसी भी सतह पर रही हुई खूटी या खुत्थी (४) खामी, दोष (५) गँवार, उजड्ड [ला]
खांभी(०) स्त्री० स्मृतिस्तम, स्मारक
खांभो(०) पु० गाँवकी हद बतानेवाला पत्थर (२) स्मृतिस्तम
खांसवु(०)अ० क्रि० खाँसना
खांसी(०)स्त्री० खाँसी
खिचडियु वि० खिचडी, पचमेल (२) खिचडीके योग्य
खिजवणी स्त्री० खिजान', छेडछाड
खिजवाट पु० खीज गुस्सा, कुढन
खिजाववु स० क्रि० खिजाना, चिढाना, खिझाना [चिढना
खिजावु अ० क्रि० खिजना खिझना,
खिलकोडी स्त्री० गिलहरी, चिखुरी
खिलवणी स्त्री० खिलाना विकास
खिलावट स्त्री० देखिये 'खिलवणी'
खिलाववु स० क्रि० खिलाना, विकसित करना [रहना उलझना टँगना
खिलावु अ० क्रि० ऊँची जगह पर अटके
खिलोडी स्त्री० गिलहरी
खिसकोली स्त्री० गिलहरी
खिसियाणु वि० खिसियाना, लज्जित
खिस्साकातरु,खिस्साखरच,खिस्सु देखिये 'खीसाकातरु खीसाखरच, खीसु
खीच वि० खचाखच ठसाठस
खीचडी स्त्री० खिचडी। [-खवरावबी =निर्वाह करना। -खूटवी=रोजी कम होना, दाना-पानी उठना]
खीचा(-चो)खीच अ० मचाखच, ठसाठस
खीज स्त्री० खीज, चिढ, गुस्सा (२) चिढानेक लिए दिया हुआ नाम। [-काढवी=एक परका गुस्सा दूसरे पर उतारना। -पडवी=चिढानेके लिए नाम धरना]
खीजडो पु० शमी (वृक्ष)
खीजववु स० क्रि० खिझाना, चिढाना
खीजवावु अ० क्रि० खीजना, चिढना
खीजवु अ० क्रि० खीजना झुझलाना (२) स० क्रि० डाँटना
खीण स्त्री० घाटी, वादी, दर्रा(२) पहाडके दा ऊचे स्थानाके बीचका प्रदेश खाइ
खीमो पु० कीमा
खीर स्त्री० दूध भातकी एक बानगी
खीरु न० (आटा और पानीका) घोल (२) खमीरदार घोल मदानी (३) खीरा(४)एक प्रकारका मोटा कपडा
खील पु० मुहासा(२)आँखकी पल्क पर हानेवाली रक्त-मासकी गाँठ (३) चक्कीकी खूटी कील
खीलगोटीलो पु० कील राछ
खीलडो पु० चक्कीके बाचाबीच गडी खूटी कील राछ अखौटा
खील्मा(-मां)कडी(०)स्त्री०चक्कीके ऊपरवाले पाटके बीचोंबीचकी लकडी जो नीचेवाले खूटेमें पिरोई जाती है, मानी(२)कील और मानी(चक्कीकी)
खीलववु स० क्रि० खिलाना विकसित करना(२)हँडियाना (कबल, चादर आदिके दो हिस्साको ल्बाईकी ओरसे मिलाकर) सीना
खीलवु अ० क्रि० खिलना फूलना-फलना(२)फबना, सुदर लगना(३)

, प्रसन्न,प्रफुल्लित होना (४) हँसी सूझना (५) रंगमें आना, मस्ताना, उत्तेजित होना, आपेसे बाहर होना (६) स० क्रि० (कंबल, चादर आदिको बीचमेंसे) सीना, डँडियाना [आला

खीलापाटी स्त्री० पेंच या स्क्रू बनानेका

खीली स्त्री० कील, मेख

खीलीपखि(-सि)यारां न० ब० व० (कमरकस वगैरह गहनोंमें) भोगली और उसे पहनानेका नाका — छेद

खीलो पु० खूटा (२) जुएका दाव लेनेवाला मध्यस्थ जुआडी [ला]। [खीले बाधवु=खूटेके साथ बाधना (२) स्थायी रूपसे जोड देना (३) ब्याहना, उग्र० छाडी खीले बाधी सारी [ला]]

खीसकवु अ० क्रि० फिसलना सरकना

खीसाकातरु वि० जेबकट जेबकतरा

खीसाखरच, खीसाखच पु० साधारण खचके वास्ते जेबमें रखनेके पैसे (२) जेबखर्च, निजी खर्च

खीसु न० खीसा, जेब। [खीसामा घालवु, मूकवु=अपने कब्जेमें रखना (२) कुछ न समझना। खीसा तर करवा =खूब धन जमा करना। —तर होवु =खूब पैसा होना, जेब भरी होना। —भरवु=घूस देना या लेना]

खींटी स्त्री० छोटा खूटा, मेख (२) कपडे टाँगनेके लिए दीवारमें गाडी हुई मेख खूटी

खींटो पु० खूटा, मेख, कील

खुटाडवु स० क्रि० घटाना, कम करना (२) पूरा करना

खुडदो पु० खुर्दा, रेजगारी (२) रेजा रेजा, चूरा [ला]। [—करवो=धन उडाकर उसे खतम करना (२) तोड-फोडकर चूरा करना। —काढवो, काढी नाखवो=तोड-फोडकर चूरा करना]

खुताडवु स० क्रि० धँसाना, कीचडमें घुसाना (२) भीतर जाकर चिपका देना

खुद वि० असली खालिस (२) स० खुद, आप

खुदाई वि० ईश्वरका, ईश्वरसे संबद्ध (२) पवित्र (३) कुदरती दवी (४) भोला, खुदाका [ला] (५) स्त्री० ईश्वरता (६) सृष्टि, खदाई

खुनामरकी स्त्री० खूनखराबा, खूँरेजी

खुन्नस स्त्री०, न० खुनस

खुपाववु स० क्रि० धँसाना, नीचेकी ओर उतारना (२) गडाना

खुमारी स्त्री० खुमारी, खुमार (२) धन वैभव, सत्ता आदिका गरूर

खुरदो पु० देखिए 'खुडदो'

खुरशी(-सी) स्त्री० कुरसी, कुर्सी (२) मान या अधिकारका स्थान, आसन [ला]

खुरी स्त्री० खुर, सुम

खुलासाबार अ० खुलासावार, खुल्कर

खुलासो पु० खुलासा, स्पष्टीकरण (२) सार निचोड (३) हल, उपाय (४) कुशादगी, फैलाव (५) दस्त, पाखाना [ला]

खुल्लखुल्ला अ० खुल्लम-खुल्ला

खुल्लु वि० खुला, प्रकट (२) निखालिस, साफदिल (३) स्पष्ट (४) नगा, जो ढँका छिपा न हो (५) प्रकट जाहिर (६) असभ्य (७) जो घिरा हुआ न हो, खुला (८) जो गाढा न हो हलका

खुल्लेखुल्लु वि० बिलकुल खुला

खुवार वि० ख्वार, खूब परेशान (२) तबाह

खुवारी स्त्री॰ ख्वारी, बरबादी
खुश वि॰ खुश, आनंदी (२) तंदुरुस्त
खुशकी स्त्री॰ खुश्की, स्थल मार्ग
खुशखुशाल वि॰ तंदुरुस्त और प्रसन्न, खूब खुश
खुशबो(॰ई) स्त्री॰ खुशबू सुगंध
खुशबोदार वि॰ खुशबूदार
खुशमिजाज पु॰ आनंदी स्वभाव (२) वि॰ हँसमुख खुशमिजाज
खुशामत स्त्री॰ खुशामद चापलूसी
खुशामतखोर वि॰ खुशामदी, चापलूस
खुशामतियुं वि॰ खुशामदी
खुशाल वि॰ खुशहाल, सुखी (२) तंदुरुस्त
खुशाली स्त्री॰ खुशहाली, समृद्धि
खुशी स्त्री॰ (२) वि॰ खुशी, प्रसन्नता, हर्ष (३) मरजी, इच्छा (४) वि॰ खुश राजी
खूजली (–ळी) स्त्री॰ खुजली चुल (२) खाज खुजली रोग (३) वह चीज जिसके छू जानेसे खुजलाना पड़े
खूटल वि॰ अप्रामाणिक, झूठ बोलनेवाला
खूटवुं अ॰ क्रि॰ घटना, कम होना (२) छीजना
खूणेखांचरे अ॰ किसी कोनेमें
खूणो पु॰ कोना गोशा
खूतवुं अ॰ क्रि॰ देखिये 'खूतवुं'
खूद(–घ)रुं न॰ खुचड़ छिद्र
खून न॰ खून, लहू (२) खुनस कीना (३) *हत्या* खून
खूनखराबो पु॰ खून-खराबा मार-काट
खूनखार वि॰ खूखार (२) घातकी खूनी
खूनरेजी स्त्री॰ खूँरेजी कतल (२) खूखार मारपीट
खूनस स्त्री॰, न॰ देखिये 'खुन्नस'
खूनी वि॰ खूनी घातक हिंस्र (२) कातिल खून करनेवाला
खूपवुं अ॰ क्रि॰ धँसना (२) चुभना (३) दलदलमें धँस जाना या चिपक जाना
खूब वि॰ खूब, सुंदर, बढ़िया (२) बहुत, खूब। [–करी = कमाल किया, खूब करी (प्रशंसासूचक उद्गार)]
खूबसूरत वि॰ खूबसूरत, रूपवान
खूबी स्त्री॰ खूबी, विशेषता (२) मजा लुत्फ़ (३) चतुराई (४) सौंदर्य, कमाल (५) भलाई खूबी [फ़ारसी
खूमचावाळो पु॰ खोन्चेवाला, खोन्चा
खूमचो पु॰ खोन्चा (२) बेचनेकी चीजोंसे भरा हुआ खोन्चा (३) उसमें भरी हुई चीज भेंटकी चीज
खूरपी स्त्री॰ खुरपी
खूलतुं वि॰ खुला ढीला जो तंग या चुस्त न हो, झोंगला (२) खुलता हुआ (स्कूल दफ्तर आदि)
खूलवुं अ॰ क्रि॰ खुलना (२) खिलना (फूल) (३) फबना खिलना (रंग)
खूखारवुं अ॰ क्रि॰ खूं-खूं आवाज करना (२) (अमुक आवाज करके) खखारना (३) हिनहिनाना (४) (अपनी हाजिरी, बड़प्पन आदि जतानेके लिए) खाँसना-खखारना
खूखारो पु॰ खखारना (२) खों-खों
खूच(॰खांच) स्त्री॰ कोना, नुक्कड़ खोंच (२) चुभन खटक (३) असर, *लगना* (४) द्वेष, वैर (५) सूक्ष्म बुद्धि, तीक्ष्ण सूझ-बूझ (६) भूल-चूक, खामी, दोष खुचड़
खूचववुं स॰ क्रि॰ छीन लेना, झटकना
खूचवुं अ॰ क्रि॰ खटकना, चुभना (२) मनमें खटकना, साल्ना (३) बंधनमें पड़ना, धँसना, लिपटना
खूचाववुं स॰ क्रि॰ छीन लेना हथियाना

खूंट पु० सांड (२) स्त्री० जमीनकी हद बतानेवाला पत्थर, खूंट (३) अ० ठीक नापसे, पूरा [खाटना, खुटकना
खूटवु स० क्रि० जड़मूलसे उखाड़ना (२)
खूटियो पु० सांड (बैल)
खूटी स्त्री० खूंटी, मेख
खूटो पु० खूटा [गड़ना
खूतवु अ० क्रि० (दलदलमें) धँसना,
खूदवु स० क्रि० रौंदना
खूध स्त्री० कंधे परका डिल्ला, कूबड़ (पशु) (२) पीठकी हड्डीके टेढ़ी होनेसे होनेवाला कूबड़ (मनुष्य)
खूधियु, खूधु वि० टेढ़ी पीठवाला, कुबड़ा
खूप पु० सेहरा (दूल्हेका)
खूपड न० खुत्थी, खूटी (पेड़, पौदेकी)
खूपरो पु० खुत्थी, खुत्थ (२) खूटी, बालकी जड़ ['खूपवु'
खूपवु स० क्रि० (२) अ० क्रि० देखिये
खेकडो पु० केकड़ा [गाव, खेड़ा
खेड स्त्री० खेती जोत (२) न० खेड,
खेडवु स० क्रि० (जमीन) जोतना (२) सुधारना, उपजाऊ बनाना, विकास करना (३) साहस या बनिज-व्योपार करना (४) मुसाफिरी करना (५) चलाना, खेना [करनेका हक़
खेडहक (-क्क) पु० दखीलकारी खेती
खेडाण वि० जाता-बोया हुआ जो जोता जाता हो (२) न० जोती हुई या जोती बोयी जाती जमीन
खेडु वि० चलानेवाला, हांकनेवाला (२) पु० किसान [आदमी
खेडूत पु० किसान (२) उस वर्गका
खेत न० खेत, क्षेत्र
खेतर न० खेत
खेतरपादर न० स्थावर संपत्ति
खेतराउ (-ड) वि० खेतका, खेतसे संबद्ध (२) खेतमेंसे होकर जानेवाला (रास्ता)
खेती स्त्री० खेती, काश्तकारी
खेतीवाडी स्त्री० खेती और बाड़ी (२) खेतीबाड़ी, किसानी [तहस-नहस
खेदानमेदान (खें, में) वि० मलियामेट,
खेदो (-धो) पु० पीछा
खेप स्त्री० खेप, फेरा (बोझका) (२) लंबी यात्रा, सफर (३) खेपकी मजदूरी (४) व्यापारकी चीजोंका एक देशसे दूसरे देशमें आना, आयात (५) -के पीछे लगा रहना, तदेही (६) किस्त [चतुर, अनुभवी
खेपानी (खें) वि० ऊधमी, शरीर (२)
खेपियो पु० दूत क़ासिद
खेमकुशळ (खें) वि० (२) न० देखिये क्षेमकुशळ
खेर (खें) न० खैर, खदिर (पेड़)
खेर (खें) अ० खैर अच्छा, भले (२) स्त्री० खैरियत, कुशल
खेर स्त्री० खेह धूल, झाड़न
खेरखाह (खें) वि० ख़ैरख़्वाह, हितैषी
खेरववु स० क्रि० झाड़ना (२) हटाना, निकाल देना
खेरसल्ला (खें) स्त्री० खरसल्ला, कुशल-क्षेम (२) अ० 'खर, भले या जाने दो' ऐसा उद्गार [कथा
खेरसार (-ल) (खें) पु० खरसार,
खेरटो (-टो) पु० खेह, धूल, झाड़न
खेरात (खें) स्त्री० खैरात दान
खेराती (खें) वि० खैराती, धर्मार्थ दिया हुआ (२) जो खैरात करता हो
खेरियत (खें) स्त्री० ख़ैरियत, खैर
खेरी स्त्री० झाड़न, रज (२) दांत पर जमनेवाली पपड़ी, दंतशर्करा

खेरो (खें) पु० डारियोंको गूथकर बनाया हुआ जालीदार थैला
खेरो (खें) पु० झाडन, चूरा
खेल पु० खेल, खेल कूद (२) तमाशा, करतब, दृश्य नाटक, भांड़का खेल (३) रचना लीला [ला]। [-काढवो = -का नाटक खेलना अभिनय करना। -खेलवो = खेल खेलना]
खेलदिली स्त्री० दिलमें खेलके प्रति प्रसन्न भाव होना
खेलवु अ० क्रि० खेलना (२) खेल खेलना
खेलाडी वि० खेला-खाया, चतुर मुत्सद्दी (२) पु० खेलनेवाला नट, खेलाडी, खिलाडी
खेवना स्त्री० सोच चिंता परवाह
खेस पु० दुपट्टा उपरना
खेसववु स० क्रि० खिसकाना हटाना
खेसियु न० दुपट्टेकी तरह काम आने वाला चादर जैसा वस्त्र खेस
खेह स्त्री० खेह धूल रज (२) पु० क्षय
खेळ (खें) स्त्री० मांडी
खेंच (०p) स्त्री० खिचाव तनाव (२) आग्रह (३) कमी तंगी
खेंचताण (खें०) स्त्री० खींचा-तानी (२) आग्रह [ला]
खेंचवु (खें०) स० क्रि० खींचना, घसीटना (२) कसना, चुस्त करना (३) आग्रह करना आग्रहपूर्वक पकड़े रहना (४) चूसना, रस निकाल लेना निचोड़ना। [खेंची झालवु, पकडवु, राखवु = खीचकर सख्त पकडना (२) (अपनी बातका) आग्रह रखना, ढील न देना, बात नीचे न डालना]
खेंचखेंचा (खें०) स्त्री० खीचा-खींची, कशमकश
खेंचाखेंच (-ची) (खें०) स्त्री० खींचा तानी (२) आग्रह
खेंचाण (खें०) न० देखिये 'खेंच'
खेंचताण (खें०) स्त्री० खींच-तान
खड स्त्री० सूखने देना, पानी न देना (२) अवषण सूखा
खडियु वि० जलहीन, जो सींचा न जाता हो (खेत) (२) न० सूखा (वष)
खो (खो) स्त्री० लत आदत (२) द्वेष वैर जलन। [-भुलाववी = सबक सिखाना लत छूट जाय ऐसा करना। -भूली जवी = (जिन्दगीके लिए) सबक मिलना]
खो (खो) स्त्री० खाई खोह कदरा
खो (खो) स्त्री० एक खेल (२) उस खेलमें प्रयुक्त बोल
खोई स्त्री० बच्चेको सुलानेके लिए बनाई या लटकाई हुई झोली [चीज
खोख न० बडे कदकी मगर खाखली
खोखर वि० जिसमेंसे मोटी और कर्कश आवाज निकले ऐसा (२) जो कुछ टूटा फूटा हो
खोखु न० जिसका सार-सत्व निकाल लिया गया हो ऐसी खोखली चीज (२) भीतरका सामान निकाली हुई हल्की पेटी, बक्स आदि (३) कागज और कपडा लेईसे चिपकाकर बनाया हुआ पगडीका आकार टुकडाकी बनाई हुई पगडी (४) अदा हुई हुडी खोखा (५) नमूना, प्रतिकृति ढांचा (६) खर्रा मसौदा (७) कलेवर कंकाल
खोखो स्त्री० एक खेल
खोचद (खों) वि० पोला (२) दांते दार (३) न० खोह (४) पुराना जमाना

खोचरे (खों) अ० कोनेमें
खोजवुं स० क्रि० खोजना, ढूंढ़ना
खोट स्त्री० घट, कमी, न्यूनता (२) नुकसान, घाटा (३) भूल, चूक (४) छोटी ज्वार (समुद्रमें)। [–खावी = नुकसान उठाना, घाटा सहना। –पडवी =–की सख्त जरूरत महसूस करना (२) कम होना, तोलमें कम होना]
खोटक(–का)वुं अ० क्रि० अटकना, ठिठकना [(३) आलसीपन
खोटाई स्त्री० झूठापन (२) खोटाई
खोटाबोलुं वि० झूठ बोलनेवाला, झूठा, मुकर जानेवाला
खोटारुं वि० झूठा (२) खोटा, दुष्ट, पाजी (३) न० झूठ (४) प्रपंच
खोटारो पु० इटकाहरा (२) अंगारा
खोटी अ० देर हो इस तरह, समय बर्बाद हो इस तरह (२) स्त्री० देर, विलंब
खोटीपो पु० विलंब होना, काममें देर होना
खोटुं वि० झूठा, असत्य (२) गलत, खोटा (३) खराब, बुरा, खोटा (४) मुकर जानेवाला, बेवफा (५) न० बुरा, नुकसान, अन्याय, उदा० 'कोईनुं खोटुं करवामां आपणने शो लाभ !'
खोड(ड,) स्त्री० लत, कुटेव, खराब आदत (२) शारीरिक खामी या दोष (३) भूल, ऐब, कलंक, लांछन, दोष (४) न० ठुठ। [–आववी = खामी या कच्चापन रह जाना। –काढवी = भूल निकालना, दोष बताना (२) निंदा करना। –भुलाववी = सबक सिखाना, आदत छूट जाय ऐसा करना]
खोडखांपण स्त्री० खामी या दोष, त्रुटि
खोडवुं स० क्रि० गाड़ना (२) रोपना, खड़ा करना
खोडसुं न० ठुठ, ठूंठा
खोडंग(–गा)वुं, खोडावुं अ० क्रि० लँगडाना, खोंडा चलना
खोडीयारुं न० खेतमें आने जानेके लिए दो बाजूवाला खूटा गाडकर बनाया हुआ रास्ता
खोडीलुं वि० खोंडा, अंगहीन
खोडुं वि० खांडा (२) लँगडा (३) स्वररहित हलंत
खोडो (खों) पु० सिर पर जमनेवाला मैल, रूसी (२) सिरकी चमडीका एक रोग (३) संहार, सत्यानाश। [–काढवो, काढी नाखवो = संहार करना। –नीकळी जवो = अति संहार होना]
खोतरणी स्त्री० दाँत कुरेदनेकी सलाई, तिनका (२) खुरपी (३) नक्काशी करनेका औजार, टाँकी (४) खुदाई, नक्काशी
खोतरणुं न० टाँकी (२) खुरपी (३) कुरेदनेका साधन, खादनी (४) खुचड, दोष
खोतरवुं स० क्रि० जरा जरा खोदना, कुरेदना (२) पामाल करना, (किसी की) निंदा करना [ला]
खोदकाम न० खोदनेकी क्रिया खुदाई (२) नहर, तालाब आदि खोदनेका काम, खुदाई (३) नक्काशी
खोदणी स्त्री० खुचड, निंदा, बदगोई [ला]। [–करवी, खोदवी = खुचड निकालना, छिद्रान्वेषण करना]
खोदवुं स० क्रि०, अ० क्रि० खोदना, खनना (२) कुरेदना, नक्काशी करना (३) निंदा करना [ला]

खोवाई स्त्री० खोदनेकी उजरत खुदाई
खोवाण न० खोदा जाना या खादना, खुदाई (२) पानीके जोरसे खुदी हुई जमीन
खोदामणी स्त्री० देखिये 'खोदाई'
खोपरी स्त्री० खोपडी। [–मां पवन भरावो, होवो = मिजाज सातवें आसमान पर होना इतराना]
खोफ (खौं) पु० खौफ (२) गुस्सा
खोफनाक(खौं) वि० खौफनाक, डरावना
खोबलो, खोबो पु० अजली, सपुट (२) अजलीभर वस्तु (माप)
खोयणी (खो) स्त्री० बघार छौंक
खोयणु (खो) न० जलती हुई लकडी, लुआठा (२) जामगी (३) छडखानी उकसाहट [ला]
खोयु न० पालनेकी झोली (२) ढोलनी, पालना [कोठरी
खोरडु न० झोपडा, मिट्टीका घर (२)
खोरणु न० देखिये 'खायणु'
खोरवावु अ० क्रि० बिखरना, क्रमटूटना
खोराक पु० खुराक (२) वह सामग्री जिससे किसी बात क्रियादिका निर्वाह हो सामान मसाला [ला]
खोराकी स्त्री० खुराक गुजारेकी चीज (२) उसका खर्च खुराकी
खोराकीपोशाकी स्त्री० अन्न वस्त्र (२) उसका खर्च
खोराट (खौं) पु० (–ट) स्त्री० चीज पुरानी होनेसे उसमें पदा होनेवाला बेस्वादपन
खोरियु न० लुआठा, लूका
खोरु (खौं) वि० (आटा तेल आदि पुराना होनेसे) उतरा हुआ बेस्वाद बदजायका
खोल स्त्री० त्रुटि, कपडेका झोल, सिलवट खोखला (२) उतरी हुई जीर्ण त्वचा खोल (३) साँपकी केंचुली (४) गामी (५) गिलाफ, खोल
खोलकी स्त्री० गधी
खोलकु न० रेंगटा
खोलको पु० गधा, खर
खोलवु स० क्रि० खालना (२) स्थापित करना [धातुकी)
खोली स्त्री० गामी, टोपी (किसी
खोली स्त्री० कोठरी
खोवडा (–रा) ववु स० क्रि० गँवा देना
खोवावु अ० क्रि० खो जाना, हिराना
खोवु स० क्रि० खाना गँवाना (२) घाटा या नुकसान होना। [**खोई बेसवु** = गवाना (२) पराजित होना]
खोसवु स० क्रि० खोसना गडाना, घँसाना
खोह स्त्री० खोह कदरा
खोळ स्त्री० देखिये खोल (२) से (५)
खोळ (खौं) पु० खली
खोळ (खौं) स्त्री० खोज तलाश
खोळवु (खा) स० क्रि० खोजना, ढूढ़ना
खोळखोळा (खौं) स्त्री० खूब ढूढना
खोळबो (–भो) पु० विलब ढील। [**खोळभे नाखवु** = खटाईमें डालना। **खोळभे पडवु** = खटाईमें पडना]
खोळाखोळ (खौं) स्त्री० देखिये खोळखोळा
खोळाधर (खौं) पु० जामिन
खोळाधरी (खा) स्त्री० जमानत जामिनी [भरना
खोळाभरणु (खा) न० सीमत, गोद
खोळियु न० तोशक, गद्दे आदिका खोल जिसमें रुई न भरी हो खोली (२) देह चोला।

खोळी स्त्री० थामी, टोपी (किसी धातुकी)
खोळो (खों) पु० गोद, गोदी (२) कोंछ या आचलसे बनाई हुई झोली।
[—भरवो = सीमतोन्नयन सस्कार करना, गोद भरना] ['खूखारवु'
खोंखारवु (खों०) अ० क्रि० देखिये
खोंखारो (खों०) पु० देखिये 'खूखारो'

ग

ग पु० कवर्गका—कठस्थानीय तीसरा व्यजन [पिछले दिन, कल
गईकाल स्त्री० गत दिवस (२) अ०
गईकाले अ० पिछले दिन, कल (२) बिल्कुल हालमें, कल ही [ला]
गईगुजरी स्त्री० गईगुजरी, भूतकालकी बात
गगडवु अ० क्रि० गडगडाना, गरजना
गगडाट पु० गडगडाहट (२) अ० तेजीके साथ, बेरोकटोक
गगडाववु स० क्रि० गडगडाना (२) तेजीसे बिना रुके काम करना (३) जल्दी जल्दी पढ जाना, रपटाना
गगणवु अ० क्रि० गुनगुनाना (२) नकियाना (३) अस्पष्ट शब्दोंमें अपनी नामरजी जताना, बडबडाना [ला] (४) स० क्रि० मनमें बडबडाना, अस्पष्ट स्वरमें कहना, बोलना
गगणाट पु० बकवास, बडबडाहट
गगरो पु० गगरा, गागर
गगळुं वि० दीन, गिडगिडाता हुआ (२) गल्राया हुआ (फल)
गगी स्त्री० बेटी बिटिया
गगो पु० बेटा, पुत्र [हुए
गच अ० गचसे धँसनेकी आवाज करते
गचरकुं न० (—को) पु० खट्टी या तीखी डकार अम्लीका। [अवरोध [ला]
गचियुं न० धक्का, ढोंका (२) बाधा,
गच्ची स्त्री० गच, गचकारी (२) छत, गच
गच्ची स्त्री० मिट्टी, ईंटें, ककड और चूना आदिका जम जाना, गच, उदा० 'चूना गच्ची' (२) छत, पाटन (३) पक्का फर्श, गच
गच्छन्ती स्त्री० चपत होना, भाग जाना। [—करवी, पकडवी = चलता बनना, चपत होना]
गज पु० लबाईकी चौबीस तसूकी एक माप (२) बॅवडा, अरगल (३) छड (४) (बदूकका) गज (५) (सारगी आदिकी) कमानी, गज। [—खावो, वागवो = प्रयोजन सिद्ध होना, असर होना]
गज पु० हाथी, गज
गजग्राह पु० 'टग ऑफ वार'—रस्सा खीचनेका खेल, रस्सा खिचाई
गजब पु० गजब, जुल्म (२) आफत, विपत (३) अचभा, आश्चय। [—करवो, वर्तावो = गजब ढाना। —थवो = गजब टूटना]
गजबनाक वि० गजब ढानेवाला
गजर पु० गजर पहर-पहर पर बजने वाला घटा (२) भोरका घटा गजर
गजरो पु० गजरा
गजल स्त्री० देखिये 'गझल'

गजववु स० क्रि० गूंजता करना, गुंजारित करना, गुंजाना
गजवाकातरु पु० जेबकतरा, जेबकट
गजवु न० जेब, खीसा। [गजवामां घालवु के मूकवु = घूस देना (२) खयालमें न लाना कुछ न समझना परवाह न करना (३) अपने अंकुशमें या दबावमें लाना (४) —स बेहतर या बढकर होना। गजवां भरवां=घूस देना]
गजवेल स्त्री० फौलाद गजबेली
गजाववु स० क्रि० देखिये गजववु'
गजियु वि० चौबीस इचकी नापका (२) न० गजी गाढ़ा
गजु न० बिसात सामर्थ्य बूता
गज्जर पु० बडा बढई, मिस्तरी (२) बडा मुक्दम
गझल स्त्री० एक फारसी राग रेखता (२) उस रागका काय गजल
गटकाववु स० क्रि० गटकना उदरस्थ करना (पीना निगलना)
गटगटाववु स० क्रि० गटगट पीना
गटियु वि० देखिये 'गट्टु
गट्टु (—ट्टु) वि० नाटा, ठिंगना (२) ठिंगना और मोटा गोल
गठियु वि० धूत, चाईं चालाक
गठठो पु० जम गया हुआ ढेर, ढला, ढोका
गड न० गाँठ, गटठा (२) फोडा, गड गाँठ (३) स्त्री० चुनट (कपडेकी)
गडगडवु, गडगडाट, गडगडाववु देखिये 'गगडवु गगडाट, गगडाववु'
गडगूमड न० फोडे-फुंसी (२) इनके कारण होनेवाला चमडीका एक रोग
गडगूदो स्त्री० लसोडा लहसुआ (पेड)
गडगूदु न० लसोडा रेंटा (फल)
गडगूदो पु० लसोडा (पेड)

गडदागडदी स्त्री० मुक्केबाजी (२) भीड-भाड, रेला [(२) हाथापाई
गडदापाटु न० ब० व० घूसा और लात
गडदो पु० घूसा, मुक्का
गडव स्त्री० गाँठ सूजन, फोडा, गड
गडबड स्त्री० कोलाहल शोर-गुल (२) गडबड अव्यवस्था
गडबडगोटो पु० गडबडी, गडबडझाला (२) हिसाबमें गोलमाल हिसाब चोरी। [—वाळवो = घोटाला या घपला करना] [कोलाहल धमाल
गडबड सडवड स्त्री० गड्डमगोल (२)
गडबडाट पु० कोलाहल शोर-गुल
गडबडियु वि० गडबडिया उपद्रवी (२) न० लडखडी
गडबवु स० क्रि० दबा-दबाकर भरना, ठूसना (२) पीटकर अधमुआ बनाना, भुरकस निकालना
गडमथल स्त्री० महनत सिर मारना
गडवु अ० क्रि० गडना घुसना (२) लुढकना (३) गडगडाना
गडवो पु० घडव आकारका पेंदेदार गाल लोटा गडुवा (२) घियाँडा
गडाकु पु० स्त्री० गुड या खमीर मिला कर बनाया हुआ तबाकू गुडाकू खमीरा
गडी स्त्री० गाँठ गुत्थी उलझन (२) तह (कपडेकी) (३) गडारी, घिरनीके बीचका गडढा। [—पडवी = गाठ पडना (२) आँट होना (३) तह या चुनट पड जाना]
गडी पु० दक्षिणी नौकर
गडीबध वि० तह-ब-तह तह पर तह
गडूची स्त्री० गुडच, गुडुच गिलोय
गडेडाट अ० (२) पु० गडगडाहट, गजन

गडरियो पु० गडरिया

गडो पु० बडा डला (२) समोरी तबाकूका बडा मकड

गड पु० गढ, क़िला, गिरि-दुर्ग। [-उथलाववो=भारी मायापच्चीका काम करना, क़िला फतह करना, गढ जीतना]

गढवी पु० गढपाल (२) चारण

गडवु न० गुड भरनेका मिट्टीका बडा मटका

गढाण न० जहाँ सिर्फ घास उगती हो ऐसी ज़मीन, चरागाह, घासवुद

गढी स्त्री० गढ़ी, छोटा गढ (२) छोटा मटका

गण पु० गण, समूह (२) जाति, वर्ग (३) गुण क़ीमत

गणकारवु स० क्रि० गिनना, कुछ मूल्य-महत्त्वका समझना, गिनतीमें लेना

गणगण अ० गुनगुनाते हुए

गणगणवु, गणगणाट देखिये 'गगणवु, गगणाट' [देखिये 'गणतरी

गणतर वि० गिनतीके इने गिने (२) न०

गणतरी स्त्री० गिनती, गणना (२) गिननेकी रीति (३) गिनकर निकाली हुई संख्या (४) अदाज़, खयाल, हिसाब उदा० गगतरी बहारनु खर्च' (५) मान, गिनती लिहाज़ [ला]

गणतत्र न० देखिये गणोतपटो

गणना स्त्री० देखिये 'गणतरी

गणराज्य न० गणराज्य गणतत्र

गणवत (०पटो) देखिये 'गणोतपटो

गणवु स० क्रि० गिनना गणना करना (२) गणितका प्रश्न या हिसाब करना, गिनना (३) [ला] कुछ मूल्य या महत्त्वका समझना, मानना, गिनना (४) समझ या सयानापन प्राप्त करना, उदा० 'भण्यो पण गण्यो नहीं

गणवेश पु० सारे समूहकी एक सरीखी पोशाक, वर्दी, 'यूनीफार्म'

गणसारो पु० आहट, भनक

गणित वि० गणित, गिना हुआ (२) न० गणित, अकशास्त्र (३) इसकी (खासकर अकगणितकी) किताब

गणिती पु० गणितज्ञ, गणितशास्त्री

गणु वि० गुना, उदा० 'चार गणु

गणेशचतुर्थी गणेशचोथ स्त्री० गणेश-चौथ, गणेशचतुर्थी

गणोत स्त्री०, न० (काश्तकारके द्वारा मालिकको दी जानेवाली) बटाई (२) ज़मीनके उपयोगका अधिकारपत्र, पट्टा, कबूलियत

गणोतनामु न० गणोतपटो(-ट्टो) पु० ज़मीदार और काश्तकारके बीच होनेवाला लगानका करार, पट्टा, कबूलियत

गणोतियो पु० जोतनेके लिए दूसरेसे पट्टे पर ज़मीन लेनेवाला काश्तकार, असामी

गण्युगांठ्यु वि० गिना गिनाया, गिनतीका

गत वि० गत, गया हुआ (२) बीता हुआ (३) मृत (४) अ० तक, उदा० 'पेढीओ गत काईना पैसा रह्या नथी। [-थवु=मर जाना]

गत (त) स्त्री० देखिये 'गति' (२) वाद्य पर बजाया जानेवाला (किसी रागका) सरगम, गत। [-जाणवी=(समभावपूर्वक) हाल समझना। गते घालवु=(श्राद्ध करके) सद्गतिको पहुँचाना (२) उपयोगमें ले लेना, काममें लेना। गते जवु= सद्गति प्राप्त करना]

गतकडु न० आश्चर्यकारी घटना, हैरतअंगेज वाकया (२) लतीफा चुटकुला
गतागम स्त्री० समझ ज्ञान सूझ-बूझ
गति स्त्री० गति चाल (२) वेग, रौ (३) पहुँच समझशक्ति, पठ (४) समझ मति (५) सामर्थ्य, बल (६) दशा गत (७) मृत्युके बादकी दशा गति (८) चारा उपाय, मार्ग
गतियु वि० सदगतिको प्राप्त (२) *युक्तिसे काम निकालनेवाला*, चतुर
गतिशास्त्र न० गतिशास्त्र डायनमिक्स'
गदक् न० बहाना मिस
गदगद वि० (२) अ० देखिये गदगद
गदगदियां न० ब० व० खान-पान, रुपय-पैसे या आनन्दकी बौछार रगरजी (२) गुदगुदी [सड़ा हुआ
गदगदु वि० गुदगुदा पिलपिला (२)
गदडवु स० क्रि० (परांसे) दबाना रौंदना (२) परेशान करना [ला]
गदबदिया न०ब०व० देखिये गदगदिया'
गदाववु स० क्रि० रेलमें दौड़ाना थका डालना [तौल (प्राचीन)
गदियाणो पु० गद्याणक, आधे तोलेकी
गदेलु न० गद्देला (२) गद्दा, तोशक
गदगद वि० गदगद (२) अ० ऐसे कठसे
गधाडी स्त्री० गधी
गधाडु न० गधा। [गधाडानु पूछडु पकडवु,पकडी राखवु = हठ न छोडना। गधाडाने ताव चढे एवु = निरा मूर्ख,जो बिलकुल नापसन्द हो। गधाडे बेसवु = ज़लील या बदनाम होना नाम डुबाना। —गधाडो बनवु = बेवकूफ बनना]
गधाडो पु० गधा (२) मूर्ख, गधा [ला]
गधेडी(–डु–डो) देखिये गधाडी, गधाडु गधाडो
गध्धापचीशी(–सी) स्त्री० गदहपचीसी
गध्धामस्ती स्त्री० नासमझकी तरह तूफान और शरारत करना
गध्धावतरु न० कडी मेहनत, रगड (२) व्यर्थकी मेहनत [सद्भाग्य
गनीमत स्त्री० गनीमत, ईश्वरकृपा
गप स्त्री० गप, अफवाह (२) झूठी बात, डींग [गपागप]
गप अ० गपागप, झट। [–दईने =
गपकावबु स० क्रि० गपकना
गपगोळो पु० गपोडा
गपसप स्त्री० गपशप
गपागप अ० गपागप जल्दी-जल्दी
गपाटी वि० गपोडिया गप्पी
गपाटो पु० गपोडा, गपड चौथ
गपाववु स० क्रि० छिपे छिपे घुसाना
गपावु अ० क्रि० छिपे छिपे घुसाना
गपाष्टक न० गपड़चौथ, गप
गपोडशख पु० गप हाँकनेवाला*
गपोलियु न० *नागा (विद्यार्थीका शालामें से)* (२) व्यभिचार। [–करवु = नागा *करना, गोता मारना*]
गप्पी वि० गप्पी, गप हाँकनेवाला
गप्पीदास पु० गप हाँकनेका आदी गपोडिया
गप्पु न० गप्प, अफवाह
गफलत स्त्री० गफ़लत बेखबरी (२) गलती भूल
गफलतियु, गफलती वि० गाफिल लापरवाह
गफफो पु० गप्फा, बडा कौर
गब अ० झट चटसे
गबकावबु स० क्रि० गपकना

गबगब अ० गपागप, चटचट (२) स्त्री० अपनी बातामें बीचमें बोलना
गबडगड(-डु) वि० मूख, गबरगड
गबडगबु वि० गदा और अव्यवस्थित
गबडबु अ० क्रि० लुढ़कना (२) लोटना (३) (विना हरकत या विघ्नके) चलना निभना, आगे बढना
गबारो पु० गुब्बारा बलून (२) गुब्बारा (आतिशबाजी)
गबो स्त्री० गुच्ची
गबो(-ब्बो) पु० गबी, मूख (व्यक्ति)
गभराट पु० घबराहट [(२) भय
गभरामण स्त्री० घबराहट, बेचैनी
गभरावु अ० क्रि० घबराना, अकुलाना, दुःख पाना (२) डर जाना
गभरु वि० गोरा और पुष्ट, गबरू (२) मासूम, भोला
गभाण स्त्री० गाय-बैलको चारा पानी देनेकी आडी लकडी रखकर बनाई हुई जगह, चरनी (२) गाँवके पासका घासका मदान चरागाह
गभार(-रो) पु० (मंदिरका) गर्भागार
गम स्त्री० ओर, दिशा (२) मन, मनका झुकाव (३) गति पहुँच, (४) गम, सूझ, समझ। [-पडवी = सूझना, दिमाग या ध्यानमें आना]
गम स्त्री० गम शोक (२) सब्र गम खारी। [-खावी = ग़म खाना]
गम पु० शक्ति (२) शरीरका जोड - संधिस्थान। [-भागवा = परोंकी शक्तिका जवाब दे देना पाँव कट जाना]
गमत स्त्री० विनोद (२) मजा आनन्द
गमती वि० विनोदी (२) हँसाड, मजाक पसंद
गमवु अ० क्रि० भाना, रुचना (२) प्रिय लगना पसन्द आना
गमाण स्त्री० देखिये 'गभाण'
गमाणियु न० चरनीकी आडी रखी हुई लकडी
गमार वि० मूख (२) गँवार उजड्ड
गमे ते स० (२) वि० कोई भी या कुछ भी (३) मनोनुकूल, इच्छित
गमे तेम अ० जी चाहे इस तरह, इच्छानुसार (२) निरकुश या अमर्याद रीतिसे (३) अव्यवस्थित रूपमें, लस्टम-पस्टम। [-करीने = किसी भी उपाय या रीतिसे]
गमो पु० रुचि, पसन्द
गम्मत स्त्री० देखिये 'गमत'
गयाव(-वा)ळ पु० गयावाल
गर पु० जहरीली कीट (छिपकलीकी)
गर पु० गूदा (फलका); मग़ज़ मज्जा (पेडका) (२) मनका रहस्य मम
गरक वि० गरक डूबा हुआ (२) लीन, गक
गरकवु अ० क्रि० धँसना (दलदलमें) (२) ग़र्क होना, डूबना (३) तन्मय होना, गरक होना
गरकाव वि० गरकाब, मशगूल
गरगडी स्त्री० गराडी, चरखी (२) फिरकी, 'रील'
गरज स्त्री० गरज, जरूरत (२) स्वार्थ। [-पडवी = गरज होना जरूरत महसूस होना। -सरवी = गरज सरना, निकलना]
गरजवु अ० क्रि० गरजना, दहाडना (शेरका) (२) कडककर बोलना, तडकना [मद स्वार्थी
गरजाउ, गरजी(०लु), गरजु वि० ग़रज-

गरजो पु० फुनगी अकुर (२) कांटा, खड़ा खुटा (३) खुर्थी
गरडगप (-फ) अ० गडपसे चटसे
गरणी स्त्री० गुरुआनी, स्त्री-गुरु(२) जन साध्वी
गरणीजी स्त्री० जन साध्वी
गरथ पु० अथ धन
गरदन स्त्री० गरदन गला
गरदी स्त्री० भीड भजमा
गरनाळु न०पानी आने जानेके लिए जोड करबाया हुआ संकरा रास्ता, नाला
गरबड, (०गोटो), (०वु),(०सडबड), (०सरयड), (-डाट), (-डियु) देखिये गडबड' आदि
गरबी स्त्री० स्त्रियोंके रागमें गानकी एक प्रकारकी कविता
गरबो पु० नवरात्रमें या जवारा बोनेके समयकी बहुत छेदोंवाली गगरी जिसमें लगातार घीका दिया जलाते ह झिंझिया (२) झिंझिया या दियोके झाडके आसपास वृत्ताकारमें घूमते घूमते ताली बजाते हुए गाना (३) एक प्रकारका रास या नाच गरबा
गरम वि० गरम गम उष्ण (२) शरीरमें उष्णता बढानेवाला उष्ण वीय (३) क्रुद्ध जोशीला, उत्तेजित [ला]। [-आग, लाय = बहुत गरम (२) अतिशय चरपरा।-कपड'=ऊनी कपड गरम कपड।-पडवु = गरमीका असर होना शरीरमें गरमी लगना]
[गरम मसालो पु० गरम ममाला
गरमागरम वि० गरमागरम
गरमागरमी स्त्री० गरमागरमी झगडा
गरमाटो(-वो) पु० गरमाहट उष्णता
गरमाळानो गोळ पु० अमलतासकी फलीमेंसे निकलनेवाला गुड जसा रेचक पदाथ
गरमाळो पु० अमलतास
गरमी स्त्री० गरमी (२) गरमीकी बीमारी उपदश। [-आववी = उष्णता या जागति पदा होना]
गरमी स्त्री० किरकी (बढईका औजार)
गरमु न० कटोरदान
गरवु वि० गौरवशाली, बडा महान
गरवु अ० क्रि० गिरना झडना (२) गडना धीरेसे घुसना
गराडी वि० व्यसनी भांग गांजा आदि पीनेका आदी पियक्कड
गरास पु० गांवकी रखवाली करनेके बदलेमें दी हुई जमीन या कुछ रकम, जागीर (२) (राजवशियोको) निर्वाहार्थ दी हुई जमीन जागीर, इनाम
गरीब वि० गरीब निधन (२) बापुरा दीनहीन (३) नरम रक सीधा सरल [ला]
गरीबग(-गु)रबु वि० गरीब-गुरबा
गरीबाई, गरीबी स्त्री० गरीबी, कगाली (२) नम्रता सीधापन
गरुड पु०, न० गरुड (पक्षी)
गरुडो पु० हरिजनोका पुरोहित
गरेडी स्त्री० गराडी चरखी
गरोडो पु० देखिये गरुडो
गरोळी (रो) स्त्री० छिपकली
गर्जवु अ० क्रि० देखिये गरजवु
गर्भ पु० गभ हमल (२) मरज, गूदा (३) किसी वस्तुका भीतरी हिस्सा, पेट (४) नाटकको एक सधि गभ
गर्भद्वार न० (मदिरका) गर्भागार, गर्भगृह
गर्भवती गभवती वि० स्त्री० गर्भवती, हामिला (२) स्त्री० गर्भिणी

गभश्रीमत वि० जन्मसे श्रीमत, पोतडाका अमीर

गल पु० कँटिया, गलग्रह (मछलीका) (२) घूस, लालच (३) पता, बात, समाचार (४) गूदा, मगज

गल पु० दियेके बीट या तार (२) बत्तीका बिल्कुल जला हुआ सिरा, गुल (३) चिलममेंका तबाकूका जट्ठा, गुल

गलकी स्त्री० नेनुआ (बेल), घियातोरी

गलकु न० घिया, नेनुआ (तरकारी)

गलगलिया न० ब० व०, गलगली स्त्री० गुदगुदी [उसका फूल

गलगोटो पु० एक फूलका पौधा (२)

गलडु वि० वृद्ध बूढा,- बडा

गलथूथी स्त्री० देखिये 'गळथूथी'

गलपटो (–ट्टो) पु० गलेमें लपेटनेकी पट्टी, गुलूबद

गलबो पु० फूलका एक पेड

गली स्त्री० देखिये 'गलीपची

गली स्त्री० गली कूचा

गलीकू(–कू)ची स्त्री० गली-कूचेका टेढा-मेढा और सँकरा रास्ता

गलीगली स्त्री० गुदगुदी

गलीच वि० ग्लीज, बहुत गदा

गलीचो पु० देखिये 'गालीचो'

गलीपची स्त्री० गुदगुदी

गलूडियु न० पिल्ला

गलूबद(–ध) पु० गुलूबद (पट्टी)

गलेफ पु० गलेफ गिलाफ, कपडेकी खोली

गलोटियु न० कलया कलाबाजी

गलोठु (–फु) न० मुहके भीतरका गालका भाग गल्फडा

गलोल स्त्री० गुलेल (२) गुलेला (ढेला)

गलोली स्त्री० छोटा गुलेला, गुल्ला

गलोलो पु० गुलेला

गल्लांतल्ला न० ब० व० बहाने, टालमटूल

गल्लो पु० खजाना, गोल्क (२) रोजकी बिक्रीके पैसे डालनेका पात्र, गल्ला

गवडा(–रा)ववु स० क्रि० गवाना (गीत)

गवार पु० ग्वार (२) उसकी फली और बीज, ग्वारफली

गवारफळी, गवारसींग स्त्री० ग्वारफली

गवावु अ० क्रि० गाया जाना (२) बदनाम होना [ला]

गवाह पु० गवाह साक्षी

गवाही स्त्री० गवाही, साक्षी

गवयो पु० गवैया, गानेवाला

गळका न० ब० व० गोते, डुबकियाँ डूबते समयकी सिसकी। [–खावा= गोते खाना]

गळको पु० एक दफा चखी हुई चीजका स्वाद लगना, चसका (२) रुचि, शौक चाह, अरमान

गळगळु वि० गुलगुला नरम, पिलपिला (२) गदगद, दु खकातर

गळचटु वि० जरा मीठा

गळचवु स० क्रि० गले तक खाना, ठूसना, नाक तक भरना

गळचियु वि० गले तक आये उतना, लबरेज (२) न० देखिये गळची (३) डूबते मनुष्यका डूबना उतराना, डुबकी

गळची स्त्री० गला गरदन

गळचु न० गला (तुच्छतावाचक)

गळणी स्त्री० तरल पदार्थ छाननेका एक साधन छलनी

गळणु न० दूध पानी आदि छाननेका कपडेका टुकडा, छन्ना, छनना

गळती स्त्री० जल्हरी (शिवलिंग पर लटकाई हुई)
गळघुथी स्त्री० घुट्टी, जनमघूटी
गळधरी, गळधाई, गळथी स्त्री० पित्त विकारके कारण गलेमें दाह होना, अन्ननलिकाकी जलन
गळपण न० मिठास (२) गुड शक्कर आदि मीठी चीजें, मीठा
गळफो पु० उगाल, खखार
गळमाणु न० एक स्वादिष्ट पेय
गळवु स० क्रि० निगलना (२) छानना
गळवु अ० क्रि० रिसना (२) गलना, पिघलना (३) नरम होना, पकना (४) धँसना, गडना। [**गळी जवु**= गलेके नाचे उतार देना (२) ग्रम खाना सह लेना पी जाना (३) बिगडना या गलना]
गळसूणु न० गला सूज आना गलसुआ कनफेड [गला घाटना
गळाटूंपो पु० गला घोटकर जान लेना,
गळाफासो पु० गलफाँसी
गळाबूड वि० गला डूबे ऐसा(पानी आदि)
गळामण न० (सोना चाँदी आदि) गलानेकी रीत या इसकी उजरत (२) गलाते समय निकला हुआ कचरा
गळावबु स० क्रि० गलाना
गळियु वि० गरियार परुआ (२) [ला] निकम्मा (३) झक्की
गळियेल वि० नीलके रगका नीला
गळी स्त्री० एक वनस्पति, नील (२) नील, दूली (रग)
गळु न० गला (२) आवाज सुर। [**–कापवु**=विश्वासघात करना गला काटना। **–रहेंसवु, रेंसवु** = देखिये गळु कापवु। **गळे आववु**=जान पर आ जाना। **गळे घालवु** = (कटाक्षमें) अपने उपयोगमें लेना (२) गले मढना। **गळे टांटिया आववा, भरावा** = मुसीबतमें फस जाना विकट परिस्थितिमें आ पडना। **गळे पडवु**=एब लगाना गले पडना मत्थे मढना (२) हृद्से ज्यादा आजिजी करना, गले पडना। **गळे बाझवु, वळगवु**= देखिये गळे पडवु (२) गलमें अटकना। **गळे हाथ मूकवा**=गलेकी सौगध खाना]
गळपडु वि० हडपनेवाला (२) ताहमती
गळो स्त्री० गुडुच गिलोय
गळ्यु वि० मीठा, गोरी मधुर
गगाजळी स्त्री० गगाजली (पात्र)
गगा नाहवी = छटना बरी होना (पाप, जवाबदारी या जजालमेंसे) गगा नहाना
गगापूजन न० गगाकी यात्राके बाद घर परकी जानेवाली गगाकी पूजाकी विधि
गगास्वरूप वि० पवित्र (विधवाके नामके पहले आदराय इस्तेमाल किया जानवाला ग स्व विशेषण)
गज पु० गज ढेर (२) एक परएक रखी हुई एकसी चीजोंका ढेर गड्ड
गजावर वि० बहुत बडा जगी
गजी स्त्री० गजी घासका गज
गजीफराक न० गजी बनियाइन
गजीफो पु० ताशके पत्तोकी गड्डी गड्ड
गजेटो(–टी) वि० गजेडी
गठावु अ० क्रि० गाठवु क्रियाका कर्मणिरूप गाठा जाना (२) बढते हुए पदार्थका गाँठ पडकर अटक जाना गाँठ पडना [ला]
गठियु वि० ठग धूर्त (२) गँठकटा
गठो पु० गलेका एक गाठा हुआ गहना

गाँठी, कठा (२) कसकर बाँधी हुई गठरी, गाँठ (३) गट्ठा, गाँठ (४) आठ फुटकी एक माप

गठोडो पु० स्त्रियाका परका एक गहना (२) हाथका सोनेका साँकडा (३) पीपरामूल, पिप्पलीमूल

गडु वि० मूख, पागल

गडरी स्त्री० गँडेरी (ईखकी), गुल्ली (२) लकडीके गोल छोटे बल्ले, कुदे

गदकी स्त्री० गदगी

गदवाड पु०, स्त्री०, (-डो) पु० गदगी (२) अस्वच्छता

गदु वि० गदा, मला

गदुगोबरु वि० गँदला, मैला-कुचैला

गध पु०, स्त्री० गध, बास (२) बदबू दुगध (३) सुगधी द्रव्य, चन्दन (४) तिल्क, टीका (५) [ला] ऐंठ, घमड (६) नापसदगी (७) (लेश मात्र) स्पश, निकटता, उदा० 'मारे ऐनी गध पण न जोईए

गधक पु० गधक

गधावु अ० क्रि० गधाना बू मारना [(२) सडना

गधोलु वि० बदबूदार (२) [ला] ईर्षाल अदेखी (३) झगडालू (४) अतिशय चिकने स्वभावका

गमत स्त्री० देखिये 'गमत

गाउ पु० कोस (करीब डेढ मीलकी नाप)

गागर (र) स्त्री० गगरी, छोटा गगरा (२) हलकुक

गाज पु० काज (बटनका)

गाजर पु०, न० गाजर

गाजवीज स्त्री० बादलोका गजन और [बिजली

गाजवु अ० क्रि० गाजना गरजना (२) प्रसिद्धि होना नाम आसमान पर होना [ला]

गाडर न० भेड

गाडरियु वि० भेडस सबधित (२) भेडचाल चलनेवाला, अधानुकरण करनेवाला

गाडरु न० भेड

गाडवु स० क्रि० गाडना

गाडवो पु० घियाँडा (घी तेल भरनेका)

गाडाखेडु पु० गाडीवान

गाडी स्त्री० गाडी, सवारी (रेलगाडी, बैलगाडी घोडागाडी इत्यादि)। [-करवी=किरायेकी गाडी करना ।-माँ घालवु=सवारी पर बिठाना या रखना]

गाडीत(-वान) पु० गाडीवान

गाडीभाडुं न० गाडी आदिका किराया, भाडा

गाडु न० बल्गाडी, छकडा (२) घर-बार रोजगार [ला]। [-गबडाववु, चलाववु=अपना व्यवहार धैयपूवक निभाना, गुजारा करना । [-धपाववु, हाकवु=देखिये 'गाडु गबडाववु'। गाडे चडीने=खुले आम (२) यकायक (मौत आना)]

गाढ (-ढु) वि० गाढा, ठस (२) घोर, अत्यत, घना (अनाज, अँधेरा) (३) गहरा भारी (नीद)

गाणु न० गाना (क्रिया) (२) गीत, गाना

गातडी स्त्री० गाँती वह गाँठ जो बिना सिया हुआ कपडा ओढकर गलेमें लगाई जाती है

गातर न० ब० व० अवयव, अग

गाथा स्त्री० गाथा, कथा (२) छदो बद्ध कथा गाथा (३) श्लोक, उदा० 'बौद्ध गाथा' (४) प्राकृतका एक भेद, गाथा

गादलु न० गदेला, भारी तोशक, गद्दा
गादी स्त्री० गद्दी, बैठनेका छोटा गद्दा (२) सेठ महंत आदिका आसन या पद, गद्दी, गादी (३) सिंहासन राजगद्दी
गादीतकियो पु० गद्दी और तकिया (२) मसनद, गावतकिया [बैठा हुआ
गादीनशीन वि० गद्दीनशीन गद्दी पर
गादीपति पु० राजा (२) गद्दीका वारिस
गान न० गान गाना गीत
गानतान न० गाना बजाना (२) सुख चैन [ला]
गापची स्त्री० युक्तिपूर्वक निकाल लेना या निकल जाना । [–मारवी= (काम मेंसे या कैदमेंसे) तरकीबके साथ निकल जाना गोता मारना]
गाफ(–फे)ल वि० गाफिल, असावधान
गाबची स्त्री० देखिये 'गापची'
गाबडो स्त्री० छिद्र, सूराख (२) छोटा गड्ढा (३) युक्तिपूर्वक निकल जाना [ला] । [–मारवी= देखिये 'गापची मारवी'] [घाटा [ला]
गाबडु न० बडा छेद (२) गड्ढा (३)
गाभ पु० गाभ पशुका गभ
गाभण(–णी) वि० स्त्री० गाभिन (पशुकी मादा)
गाभरु वि० घबराया हुआ, हक्का बक्का
गाभलु वि० नरम, गुदगुदा (२) न० धुनी हुई नरम रुई गाला (३) बादलोंका समूह
गाभो पु० वह चीज जिससे किसी चीजके भीतरका खोखलापन भरा जाय गाभा (२) पगडीके नीचेका कपडा तहपेच (३) जेवरके भीतरकी तांबे-पीतलकी सलाई (४) मग्ज गूदा हीर (५) गूदड चिथडा । [गाभेगाभा काढी नाखवा= सख्त मरम्मत करना, खूब पीटना । गाभा नीकळी जवा= सख्त मार पडना, भुरकुस निकलना, थक जाना]
गाम न० ग्राम गांव (२) वतन, वासस्थान । [–गांडु के घेलु करवु= रूपगुणसे गांवको वश करना वशमें करना मोहित करना । –नु पाप, –नो उतार= गांवका सबसे खराब व्यक्ति ।–माथे करवु= सारे गांवमें तलाश करना गांवकी खाक छानना । –वच्चे रहेवु= सबके साथ इज्जतसे रहना]
गामई वि० सारे गांवका ग्राम्य
गामठाण न० वह भूमि या स्थल जहां गांव बसा हो गोंट-बस्ता
गामठी वि० गांवका गांव संबधी (२) गंवार ग्रामीण [ला]
गामडियण स्त्री० गवारिन, गंवार स्त्री
गामडियु वि० गांवका देहाती ग्राम्य (२) असंस्कृत उजड्ड
गामडियो पु० ग्रामीण देहाती
गामडु न० गवई छोटा गांव
गामतरु न० ग्रामांतर करना
गामस(–सा)रणी स्त्री० सारे गांवको भोज देना
गामात वि० देखिये गामई
गामेती पु० गांवका अगुआ मुखिया (२) गांवका चौकीदार गोडइत
गामेरु न० देखिये गामसारणी
गामोट वि० गांवका (२) ग्राम्य (३) पु० गांवका पुरोहित ग्रामयाजी
गामोतरु न० देखिये गामतरु
गाय स्त्री० गाय गऊ
गायब वि० गायब, अदृश्य

गार स्त्री० मिट्टी और गोबरका लेप, गारा [जादूगर
गारुडी पु० गारुडी (२) मदारी (३)
गारो पु० कीचड (२) गारा (३) पीसा हुआ चूना
गाल पु० गाल
गालपचोरि(-ळि)या न०ब०व० गलेके भीतरकी गाठका सूजना, गलशुडी
गालमशु(-सू)रियु न० गलतकिया
गालीचो पु० गालीचा, कालीन
गाल्ली स्त्री० छोटी बैलगाडी (२) (कच्चे) तीस मनकी एक नाप
गाल्लु न० छकडा मगड, गाडा
गावडी स्त्री० गाय, गया
गावडोल पु० मुख्य मस्तूल
गावली स्त्री० दलाली [-काढी जवु = कामके बोझमेंसे छटकना जवाब दारीमेंस हटना] [गाल
गावो पु० मुख्य मस्तूल पर ताना हुआ
गावु स०क्रि० गाना (२) [ला०] बखान ना, गुण गाना (३) एक ही बातको बारबार कहना दाहराना। [गाया करवु = (एक ही बातको) बारबार कहना]
गाशा(-शियो) पु० घोडेके जीनके नीचे डालनेका नमदेका टुकडा, अकगीर
गाळ स्त्री० गाली
गाळ पु० खूद नियार
गाळवु स० क्रि० छानना (पानी आदि) (२) उगारना ओगारना (कुआं आदि) (३) गलाना (धातु आदि) (४) गलाना सालना कम करना (५) विताना काटना गुजारना (६) भवकेसे अर्क खींचना चुआना खींचना
गाळगाळा गाळागाळी स्त्री० गालीगलौज
गाळियु न० गरांव (२) कायका भार, जिम्मेदारी [ला] (३) छनना (४) खूद, नियार
गाळो पु० अरिवन फदा (२) मीआद अवधि (३) मौसम, उदा० केरीगाळो' (४) घरका विभाग, कमरा (५) (दो स्थल या कालके बीचका) अतर (६) अर्ज, चौडाई, पनहा (७) अमुक स्थान, प्रदेश (८) चक्कीमें झीका डालनेका गडढा, मुह (९) चूडोका घेरा (१०) शरीरकी गठन, काठी (११) दर्रा, घाटी (१२) बट्टा लाभकी मात्रा, 'मार्जिन (१३) आंतोमें छनकर जमा हुआ मल (१४) स्त्रियोका एक बारीक वस्त्र
गांगडी (०) स्त्री० डली, छोटा टुकडा
गांगडु (०) वि० जो भीगे नही और पके नही (२) पु० ठुर्री, ठुड्डी। [-रहेवु = पकाने पर भी दानेका न पकना (२) न सुधरना (३) दोनो पक्षोंमें अप्रिय बनना]
गांगडो (०) पु० डला, रवा (२) कपासकी डाडी जो फटी न हो [(ऊटका)
गांगरवु (०) स० क्रि० बलबलाना
गांगु (०) वि० रांक, दीन (२) बेशऊर
गांजवु (०) स० क्रि० झांसना, चकमा देना फुसलाना (२) हराना (३) बदना गिनना। [गांज्यु जवु = चकमा दिया जाना (२) किसीसे प्रभावित होकर दबना] [पत्तियां)
गांजो (०) पु० गांजा (पौधा और
गांठ (०) स्त्री० गांठ, गिरह गुत्थी (२) पेडका वह भाग जहांसे डाली फूटती है पोरका जाड गिरह (३) लकडीमें भंवरीका गांठ जसा भाग,

मेंवरी (५) गाँठकी शकलकी जड (जिसमेंसे अँखुआ फूटता है) (५) लहू जम जानेसे शरीरमें होनेवाली गाठ गुलथी गिल्टी (६) एक रोग प्लेगकी गिल्टी (७) [ला०] वर कीना (८) मेल गठौती। [–करवी = छिपे तौर पर पैसा इकट्ठा करना गाठ करना (२) एका करना (३) वर मोल लेना। –घालवी = लहूका गाँठके रूपमें जम जाना (२) गिल्टीकी पीडा होना। –नीकळवी = प्लेग होना। –पडवी = (शरीरमें) गाँठ पडना (२) मित्रता होना (३) वर होना, गाँठ पडना। –वाळवी = निश्चय करना गाठना [ला]। –नु गोपीचदन करवु के घसवु = खुदके पसे खच करके खुदका ही नुकसान करना। गाँठे करवु = देखिये गाठ करवी। गाठ बाधवु = अपने कब्जेमें करना गाँठ बाधना]

गाँठगळफो (०) प० गाँठ या फुंवडा (सूतके धागेमें) (२) सटका, सशय

गाठडी (०) स्त्री० गठरी (२) गठरी घन

गाँठडो (०) पु० गट्ठर गट्ठा

गाँठण (०) न० जोड सधि (२) दा नाराको जोडनेवाली गाँठ (३) गाठनेके धागे (४) गाँठनेकी कला

गाँठनु (०) वि० गाँठका। [–उमेरवु = नमक मिच मिलाना। –गोपीचदन करवु = अपने ही पसे खच करके अपना ही नुकसान करना]

गाठवु (०) स० क्रि० गाँठना (२) गाँठ लगाना (३) गाँठ करना (४) वश्ना समझना

गाठाळु (०) वि० गाँठदार

गाँठियो (०) पु० मुखाई हुई हलदीका गट्ठा (२) बसनकी तली हुई एक चीज, गाठिया (३) बडी गाठ (४) वि० गाठसे सबधित गाठदार, उदा० 'गाठियो ताव

गाठे (०) अ० गिरहमें, कब्जेमें। [–करवु = अपने कब्जेमें लेना गाँठ करना]

गाठो (०) पु० बडी गाँठ पोरोके जोडके पासका हिस्सा

गाड (०) स्त्री० गाँड गुदा (२) पेंदा तला [स्त्री० पागलपन

गांडछा (०) स्त्री० (–पण) न० गांडाई

गांडिय (०) बौडम पागल सनकी

गाडु वि० पागल घनचक्कर नासमझ, सनकी (२) न० मूखताका काम या आचरण (३) (चौसर आदिमें) पक जाने पर गोटको उलटी चलाना। [–काढवु = नासमझीका काम करना (२) गोटीको उलटी चलाना। –गाडु थई जवु = बाछें खिलना]

गाडुघेलु (०) वि० गहेला पागल-सा

गाडुतूर (०) वि० निरा पागल

गादरु (०) न०, (–रो) पु० गावके पशुओंके खडे होनेकी सिवानके पासकी जगह रहावन (२) गाँवके बाहरकी खुली जमीन सिवान

गाधियाटु (–णु) (०) न० देखिये गाधीवटु (२) बिना श्रमकी मिलावट, खिचडा होना

गांधी (०) पु० पसारी (२) एक अल्ल

गाधीवटु (०) न० (–टो) पु० पसारीका पेशा (२) सबका थोडा थोडा ज्ञान होना [ला]

गायजण गायजी (गा'०) स्त्री० नाइन

गांयजो (गा'०) पु० नाई (२) आडबरी व्यक्ति [ला]

गासडी (०) स्त्री० गठरी, गाँठ (रूईकी)
गासडो (०) पु० गट्ठर। [गासडा पोटला बाधवां = बोरिया-बँधना उठाना]
गिटकोडी स्त्री० गिटकिरी
गिनती स्त्री० गिनती हाज़िरी लेना
गिनी स्त्री० गिनी, गिन्नी
गिन्नावु अ० क्रि० (पतगका) कन्नी खाना, पनियाना (२) नाराज होना रिसाना
गिरखो स्त्री० मोड
गिरफतार वि० गिरफ्तार (२) तल्लीन
गिरफतारी स्त्री० गिरफ्तारी [बरमा
गिरमीट न० छेद करनेका औजार,
गिरवी अ० देखिये 'गीरवी'
गिरो अ० (२) पु० देखिये 'गीरो'
गिलेट पु० गिलट मुलम्मा
गिल्ली स्त्री० गिल्ली, गुल्ली (२) गिलटी, गाँठ, सूजन [खेल
गिल्लीदडो पु० गुल्ली डडा या उसका
गीगी स्त्री० छोटी लडकी, बच्ची
गीगो पु० छोटा लडका, बच्चा
गीच वि० घना
गीचोगीच अ० खचाखच (२) वि० बहुत घना घनिष्ठ
गीध न० गीध गिद्ध
गीनी स्त्री० गिन्नी गिनी
गीरणी स्त्री० मिल
गीरववु स० क्रि० गिरवी रखना
गीरवी अ० गिरवी, गिरो [गिरवी
गीरो अ० गिरवी (२) पु० गिरा बयक,
गीरोखत न० गिरवीनामा रेहननामा
गीस स्त्री० चारी। [-पडवी = घाटा या नुकसान पहुँचना। -मारवी = चुराना]
गुचपुच अ० फुसफुसमे चुपकेमे (२) गिचपिच अस्पष्ट (लिखावट) (३) स्त्री० फुसफुस
गुचपुचियु वि० गिचपिच, अस्पष्ट
गुच्छ (-च्छो) पु० गुच्छा, गुलदस्ता (२) बालोका गुच्छा, जुल्फ
गुजरडु न० गणपतिके आगे रखनेका मिट्टीका पात्र (२) गारेकी गाजर जसी आकृति जो मागलिक प्रसगा पर वेदी पर रखी जाती है
गुजरवु अ० क्रि० गुज़रना, बीतना (२) गुज़रना, सिर पर आ पडना, कष्ट आना (३) स० क्रि० जाने देना, माफ करना। [गुजरी जवु = चल बसना, मर जाना]
गुजरान न० गुज़रान, निर्वाह
गुजरी स्त्री० शहर-कसबेमें लगनेवाला बाज़ार, गुजरी, हाट
गुजारवु स० क्रि० गुज़ारना, बिताना (२) पेश करना, दाद माँगना, गुज़ारिश करना (३) दु ख देना, सिर पर पहाड गिराना
गुजारो पु० गुज़ारा गुज़र निर्वाह
गुटको पु० गुटका (पुस्तक)
गुटपु (-मु) ट अ० (सोनेके लिए) बराबर लपेटकर झुरमुट मारकर
गुण पु० गुण, जाति-स्वभाव मूल लक्षण (२) सदगुण। [-ऊतरी आववा = अच्छा स्वभाव या गुण विरसेमें मिलना] (३) प्रकृतिके तीन गुण— सत्त्व, रज, तम (४) (इन परसे) तीनकी सख्या, गुण (५) असर फायदा। [-करवो = फायदा पहुँचाना, असर करना (दवाका)] (६) उपकार, उदा० 'तेणे गुण पर अवगुण कर्यो (७) प्रत्यचा (८) डोरी धागा, रस्सी, गुण (९) अक, 'माव'
गुणका स्त्री० गणिका, वेश्या

गुणगुण अ० गुनगुनाकर
गुणवत्ता स्त्री० गुणयुक्तता गुणोपेतता (२) उत्तमता, श्रेष्ठता
गुणवती वि० स्त्री० गुणशालिनी
गुणवाचक वि० गुणवाचक (विशेषण)
गुणवु स० क्रि० गुणा करना
गुणाकार पु० गुणा गुणन (२) गुणनफल
गुणियल वि० सद्गुणी गुणाढ्य
गुणी वि० सद्गुणी (२) गुणवान पुरुष (३) कलाकोविद (४) जतर-मतर करनेवाला जतरी [(२)सज्जन
गुणीजन पु० न० गुणग्राहक; कद्रदान
गुनेगार वि० गुनहगार, अपराधी
गुनेगारी स्त्री० गुनहगारी अपराध
गुनो(नो) पु० गुनाह जुर्म
गुपचुप अ० गुप चुप चुप चाप
गुप्ती स्त्री० गुप्ती
गुफा स्त्री० गुफा, खोह कंदरा
गुफ्त(-फ्ते)गो स्त्री० गुफ्तगू, बातचीत
गुबारो पु० देखिये गबारो'
गुम वि० गुम लापता गायब
गुमसुम अ० गुमसुम स्तब्ध
गुमान न० गुमान गर्व
गुमानी वि० गुमानी अभिमानी
गुमाववु स० क्रि० गँवाना (२) नष्ट करना उड़ा देना [गिरी
गुमास्तागीरी गुमास्ती स्त्री० गुमाश्ता
गुमास्तो पु० गुमाश्ता कारकुन
गुम्मो पु० घूसा मुक्का
गुरखो पु० गोरखा
गुरदो पु० गुरदा मूत्रपिंड किडनी
गुरु वि० गुरु बड़ा (२) भारी वजनदार (३) दीर्घ (४) पु० गुरु शिक्षक (५) पुरोहित (६) बृहस्पति (ग्रह) (७) गुरुवार
गुरुकूची स्त्री० अनेक तालोंका लगनेवाली ताली-कुंजी (२) किसी भी परिस्थितिमें कारगर होनेवाली युक्ति उपाय साधन आदि गुर
गुरुबंधु गुरुभाई पु० गुरुभाई
गुरुवार पु० गुरुवार बृहस्पतिवार
गुर्जर वि० गुजरातका (२) पु० गुज्जर जाति (३) गुजर, गुजरात (४) गुजरातका रहनेवाला गुर्जर
गुजरी स्त्री० गुजरी गुजरात देशकी स्त्री (२) ग्वालिन गूजरी (३) एक पुराना गुजराती रास (४) एक रागिनी गुजरी (५) गुजराती (भाषा) (६) गुजरात रूपी देवी (७) वि० गुजरातसे संबद्ध
गुल न० गुल फूल (२) गुलाबका फूल (३) बत्तीका सिरा जो बिल्कुल जल गया हो गुल [ल]। [-करवु = दीया ठंडा करना चिराग़ गुल करना। -थवुं = दीया बुझना चिराग़ गुल होना]
गुलछडी स्त्री० फूलोंका एक पेड़ (२) उसका फूल (३) गुलाबके फूलोंका गुच्छा (४) एक गहना
गुलजा(-झा)र पु० गुलजार बाड़ी फुलवारी (२) वि० गुल्ज़ार रम्य
गुलतान वि० मग्न गूल तल्लीन
गुलतोरो पु० गुलाबका गुच्छा (२) फूलका एक पेड़
गुलनार पु० अनार
गुलबाग न० गुल गपाड़ा (२) हँसी मजाककी बात चुटकुला (३) गावमें गपें हाँकते फिरना
गुलमोर(मों) स्त्री० फूलोंका एक पेड़ गुल्मोहर (२) उसका फूल
गुलाब न० गुलाब (फूल और पौधा)

गुलाबजळ न० गुलाबजल
गुलाबभांदु न० गुलाबजामुन
गुलाबदानी स्त्री० गुलाबपाश, दमकला
गुलाबी वि० गुलाबी (२) मज़ेदार, हलका (नींद तबीयत, जाड़ा आदि) (३) स्त्री० हलका लाल रंग, गुलाबी
गुलाम पु० गुलाम, दास (२) पराधीन व्यक्ति [ला]
गुलामखत न० गुलामीका प्रतिज्ञा-पत्र (२) परतंत्र बनावे ऐसा लेख – करार
गुलामगीरी स्त्री० देखिये 'गुलामी'
गुलामडी स्त्री० लौंडी दासी
गुलामी स्त्री० गुलामी (२) ताबेदारी, दासत्व (३) पराधीनता
गुलाल पु० न० गुलाल, अबीर
गुलांट(०) स्त्री० कलाबाजी (२) उलट जाना, पलटा खाना [ला]। [–मारवी, लगाववी = स्थितिका या बातका पूर्ण त परिवर्तित हो जाना, पलटा खाना]
गुल्लु न० (पापडकी) लोई
गुसपुस स्त्री० फुस-फुस, कानाफूसी
गुस्ताखी स्त्री० गुस्ताखी, अशिष्टता
गुस्सो पु० गुस्सा, क्रोध
गुंगु वि० देखिये गूंगु' वि०
गुंज न० रहस्य छिपी हुई बात (२) स्त्री० गुंजा (३) गुत्थी, उलझन
गुंजवु अ० क्रि० गुंजना, गुनगुनाना
गुंजार(०व) पु० गुंजार, गूंज (२) अव्यक्त मधुर ध्वनि गुंजन, कलध्वनि
गुंजाश स्त्री० सामर्थ्य, हैसियत, गुंजाइश
गुंठो पु० जमीनकी एक नाप (एकड़का चालीसवां हिस्सा)
गुंडागीरी स्त्री० गुंडागीरी बदमाशी
गुंडो वि० गुंडा बदमाश (२) पु० गुंडा (आदमी)

गुंद(०र) पु० गोंद, निर्यास (२) चिपकानेके काम आनेवाला बबूलका गोंद
गुंदरपाक पु० गोंद मिलाकर बनाया हुआ पाक (२) एक मिठाई (३) मार [ला]
गुंदरियु न० गोंददानी (२) चमचिच्चड या पिंड न छोड़नेवाला व्यक्ति [ला]
गुंदियु न० गोंददानी
गुंबज पु० गुंबज, गुंबद
गू न० गू मैला
गूगळ पु० गूगल, गुग्गुल
गूज(–झ) स्त्री० भेद रहस्य (२) (दोनों ओर नोकवाली तख्ते जोड़नेकी) कीली (३) वि० गुप्त, गुह्य
गूडलु न० लोई (पापड़की)
गूडवु स० क्रि० काटना (२) गोडना, खोदना
गूडी स्त्री० उत्सवके दिन गाड़ा हुआ ध्वज
गूडी पडवो पु० चैत्र शुक्ला प्रतिपदा
गूडो पु० नला (परका) (२) बल। [गूडा भांगवा = पैरोंमें शक्ति न रहना, पाँव कट जाना (२) शक्ति खतम कर देना]
गूण स्त्री० गोनी, गोन, बोरा (२) बैल या गधे पर अनाज लादनेका दोनों ओर लटकनेवाला थैला, गोन (३) (कच्छे) चार मनकी नाप
गूणपाट न० पटसनका मोटा टाट (२) न० ब० व० उसके कपड़े या उनके पहननेकी जेलकी सज़ा
गूणियु न० गोनी, बोरा
गूणियो पु० तांबेका घड़ा (२) थैला गोनी (३) गोनिया (कारीगरका आला)
गूमड(–डु) न० फोड़ा
गूमूतर न० गू मूत मल-मूत्र

गूलर न० गूलर (पेड और फल) (२) कानका एक गहना
गूलर न० पापडकी लोई (२) देखिये गूलर (३) पालनेमें लटकानेका लकडीका एक खिलौना
गूंगणु वि० गुनगुना नाकसे बोलनेवाला
गूगळामण न० स्त्री० दम घुटना
गूगळाववु स० क्रि० घोटना (दम)
गूगळावु अ० क्रि० घुटना, साँस रुंधना
गूगु वि० गुनगुना नाकसे बोलनेवाला (२) गूँगा मूक (३) न० गुजी नाकका सूखा मैल
गूगो पु० गुजी नकटी नाकका सूखा मल (२) एक प्रकारका कीडा
गूच स्त्री० गुत्थी (२) उलझन कठिनाई [ला]। [–उकेलवी = गुत्थी खोलना (२) मसला उलझन हल करना, सुलझाना। –पडवी = उलझना (तागा डोरा) (२) उलझन पदा होना (३) मुसीबत आना]
गूचवण स्त्री० (तागा डोरी आदिका) गुथ जाना उलझना (२) असमजस दुबिधा चक्कर फेर
गूचववु स० क्रि० उलझाना फसाना
गूचवाडियु वि० पेचीदा टेढ़ा
गूचवाडो पु० देखिये 'गूचवण
गूचवावु अ० क्रि० उलझना (तागा डोरा आदिका) (२) फँसना हल न पाना [ला] (३) अकुलाना घबराना
गूचळी स्त्री० लच्छी, अटी
गूचळु न० गोलाकार लपेटी या ऐंठी हुई चीज़ गेंडला
गूचावु अ० क्रि० देखिये गूचववु
गूछळी गूछळु देखिये 'गूचळी गूचळु
गूजुं (–जु) न० जब खीसा
गूथण न० गूथना गुफन (२) गूथनकी क्रिया गुथावट (३) गूथनकी कला
गूथणी स्त्री० गूथनेकी क्रिया गुथावट (२) गूथनेकी कला (३) उसकी उजरत
गूथवु स० क्रि० गूथना गथना गुफना
गूथाववु स० क्रि० गुथवाना
गूथावु अ० क्रि० गूथा जाना गुथना
गूदवु स० क्रि० खूदना रौदना (२) गूधना मसलना (३) मारना पीटना [ला]
गूदापाक पु० एक मिठाई (२) मार [ला]
गूंदी स्त्री० गादनी (पेड) गादी
गूंदु न० गादनीका फल गान्नी
गहकाय न० घरका काम काज (२) गृहकाय (विद्यार्थीका)
गहप्रवेश पु० गृह प्रवश (२) दडनाय अनधिकार प्रवेश
गहसंसार पु० गहस्थी घर गिरस्ती
गड (गेंड) स्त्री० (कपडेकी) तह परत (२) चुनट सिल्वट (कागजकी) (३) मेल खाना बनत [ला]। [–बेसवी = समझ जाना खयालमें आना (२) सुराग मिलना, पता लगना]
गडी स्त्री० गेंद मारनेका एक सिरेमुडा हुआ डडा [खेला जाता खेल
गेडीदडो पु० गेंद और डडा या उनस
गेब (गें) वि० गायब (२) न० गब
गबी (गें) वि० गबी गुप्त गूढ
गर पु० झडा हुआ चूरा झाडन
गेर (गें) गर (पूर्वग)
गेरइनसाफ (गें) पु गरइनसाफी
गरकायदे (ग) वि० (२) अ० गरकानूनी अवध
गरकायदेसर (ग) अ० गरकानूनी अवैध
गेरफायदो (गें) पु० नुकसान हानि

गेरवदोवस्त(गॅ) पु० अव्यवस्था गडबड
गेररस्ते(गॅ) अ० बेतरीके नाजायज रीतिसे [अनुचित लाभ
गेरलाभ(गॅ) पु० घाटा, नुकसान (२)
गेरवतणूक(गॅ) स्त्री० अयोग्य आचरण
गेरवल्ले(गॅ) अ० बेठिकाने। [-जवु,पडवु =ठिकाने न लगना, योग्य जगह पर न पहुँचना (२) खो जाना]
गेरववु स० क्रि० गिराना, झाडना
गेरवहीवट(गॅ) पु० अंधेर, अव्यवस्था
गेरवाजबी(गॅ) वि० गरवाजिब, अनुचित
गेरवो पु० गेरुआ, गेरुई (रोग)
गेरव्यवस्था (गॅ) स्त्री० अव्यवस्था, घोटाला [गलतफहमी
गेरसमज (-जूत, -जूती) (गॅ) स्त्री०
गेरहाजर(गॅ) वि० गरहाजिर
गेरहाजरी(गॅ) स्त्री० गरहाजिरी
गेरु पु०, न० गेरु (२) गेरुआ (रंग)
गेरुओ(-वो) पु० गेरूका रंग, भगवा
गरेज(गॅ) न० मोटरखाना, गराज
गेरो पु० गिरा हुआ चूरा झाडन
गेल(गॅ) न० दुलार, प्यार (२) दुलार भरी क्रीडा
गेस(गॅ) पु० गस (२) जलनेवाली वायु जो कोयलेमें से निकाली जाती है गॅस
गॅघट(गॅ०) वि० (नशेमें) चूर
गेंडी(गॅ०) स्त्री० मादा गंडा
गेंडो(गॅ०) पु० गंडा गेंडा
गो स्त्री० गौ, गाय (२) इंद्रिय (३) वाणी, गिरा (४) पृथ्वी (५) आकाश
गोकळआठम स्त्री० जन्माष्टमी कृष्णाष्टमी
गोकळगाय स्त्री० वीरबहूटी इंद्रगाय (२) सींगोंवाला एक कीडा (इस ईश्वरकी गाय भी कहते हैं)
गोकळियु न० गोकुल (गाँव) (२) वि० गोकुलका
गोकळी पु० ग्वाला, अहीर
गोकीरो पु० गुल-गपाडा, शोर
गोख(गॉ) पु० गोखा (२) ताक, आला
गोखण न० घोखना, रटाई
गोखणपट्टी स्त्री० घोखना, रट डालना
गोखणियु वि० घोखनेवाला, रटनेवाला
गोखरु पु०, न० गोखरू (वनस्पति और बीज)
गोखली(गॉ) स्त्री० छोटा ताक
गोखलो(गॉ) पु० गोखा, ताक
गोखवु स० क्रि० घोखना, रटना
गोचर वि० गोचर, इंद्रियग्राह्य (२) न० गोचर, चरागाह
गोचरी स्त्री० गोचरी, भिक्षा
गोचलु न० गोलाकारमें या टोलीमें इकट्ठा होना। [गोचलां गणवां = पार न पाना, आगा-पीछा करना, न सुलझाना]
गोझारु वि० गायकी हत्या करनेवाला, पापी (२) जहाँ हत्या हुई हो ऐसा, अपवित्र (स्थल) [हत्यारा
गोझारो पु० गोहत्या करनेवाला (२)
गोट पु० घटा (धुएँकी) (२) घूट (३) स्त्रियों और बच्चोंके हाथमें पहननेका एक गहना (४) गोट, मगजी
गॉटपीट न० गिटपिट
गोटपो(-मो)ट अ० देखिए 'गुटपुट'
गोटली स्त्री० गुठली (२) गुठलीके भीतरका गूदा, गिरी (३) काममें से गोता मारना नागा। [-मारवी = काममेंसे युक्तिपूर्वक निकल जाना, गोता मारना]
गोटलीबाज वि० कामचोर

गोटलो पु० गुठली (२) मासपशी। [**–चडवो** = मासपेशी पर बल पडनेसे उसमें दर्द होना]
गोटावु अ० क्रि० अधडकी तरह गोल गोल घूमना और छा जाना (२) जलते समय धुआं होना (३) जटिल होना
गोटाळो पु० घोटाला अव्यवस्था (२) असमंजस, पसोपेश (३) (पसोके मामलेमें) गोलमाल घपला। [–**वळवो** = अव्यवस्था होना। –**वाळवो** = गोलमाल घपला करना]
गोटी स्त्री० गुटी, गोला गुटिका (२) छोटी गांठ [बाजी
गोटीमडु, गोटीलु न० कल्या कला
गोटीलो पु० रुई धुननेका गुब्बारदार डंडा, बान मुठिया (२) पिंडा गेंद (३) (पगीका) कठा (४) कपडेको बटकर बनाया हुआ कोडा
गोटो पु० गोला पिंडा (२) फूलोकी कली गुच्छा (३) एक प्रकारका फूल (४) (धूल या धुएँका) बादल, बगूला (५) फलके भीतरकी गोल गिरी गोला उदा० नारियेळनो गोटो (६) घोटाला घपला [ला]। [–**घालवो** = घोटाला गोलमाल करना (२) चूल्हेमें आग रखना सुलगाना (३) फूट डालना। –**वळवो वाळवो** = देखिये गोटाळो वळवो, वाळवो]
गोठ (ठ) स्त्री० गोठ, गोष्ठी रहस्य (२) गोठ वनभोजन (३) हँसी-मजाक दिल्लगी (४) मित्रता (५) भेंट नग (खासकर होलिकोत्सव पर)
गोठडी स्त्री० गोठ गोष्ठी
गोठण पु० घुटना
गोठवण (–णी) स्त्री० तरतीब रचना, व्यवस्थित रखना (२) प्रबंध, सुभीता, व्यवस्था
गोठववु स० क्रि० तरतीबसे रखना व्यवस्थित करना या रखना लगाना (२) काम धंधेमें लगाना
गोठवु अ० क्रि० रास आना, भाना, रुचना
गोठियण स्त्री० स्त्री मित्र गुइया सखी
गोठियो पु० दोस्त साथी
गोठीमडु न० कलया कलाबाजी लुढकनी [चन शांति
गोठो पु० गोठ, गोष्ठ (२) घासला (३)
गोड (गॉ) न० गड, गिलटी, गाँठ
गोड स्त्री० गोडाई (क्रिया)
गोडवु स० क्रि० गाडना खोदना
गोडाउन स्त्री० न० गोदाम
गोड (गव्हे) अ० नाइ भाँति (२) –के साथ –की संगतमें
गोतर (गॉ) न० द्विदलकी सूखी फलियाके छिलको और पत्तियाका भूसा, मिस्सा (चौपायोका चारा)
गोतर न० गोत गोत्र कुल
गोतरज पु० स्त्री० देखिये गोत्रज
गोतवु स० क्रि० खोजना तलाश करना
गोतु (गॉ) न० (मवेशियाके लिए उबाला हुआ) भूसा (२) बिना ढंगके राँधा हुआ या ठंडा और बदजायका अन्न [ला]
गोत्र न० गोत्र वंश
गोत्रज वि गोत्रज गोती (२) पु०, स्त्री० कुलदेवता
गोथ (थ) स्त्री० गिनी (पतंगकी) (२) भूल चूक धोखा खाना [ला]
गोथु न० शरीरकी ऐसी स्थिति जिसमें सिर नीचे हो (२) कलाबाजी लुढकनी (३) सींगवाले प्राणीका

सिरसे चाट करना (४) [ब० व०] व्यर्थ श्रम करना (५) भुलावा, धोखा खाना [ला]। [-खावु=धाला खाना (२) लुढ़क जाना (३) कला बाजी करना। -मारवु=(सींगवाले प्राणीका) सिरसे चोट करना। गोथां खावां=व्यर्थ श्रम करना]

गोद स्त्री० गोद

गोद(द) स्त्री० बार-बार टोकना, दखल, अतराय। [-घालवी=बाधा खडी करना या रोडा डालना]

गोदडी स्त्री० गद्दी (२) गुदडी (३) गल-कबल [बिछानेका)

गोदडु न० गद्दा, गदेला (ओढने और

गोदवणी स्त्री० दखल, अतराय, अडचन

गोदवु स० क्रि० गोडना, खोदना

गोदावदु स० क्रि० घूंसे मारना (२) बार बार कहना, टोकना

गोदाम स्त्री०, न० गोदाम, मालखाना

गोदावयु स० क्रि० गोडवाना (२) घूंसे मारना (३) टोक-टाककर सावधान करना [ला]

गोदी स्त्री० गोदी, नौनिवेश (जहाज आदिका) (२) गोदाम

गोदो पु० चुभे या गडे ऐसी उभरी हुई चीज, गाँठ, आँख (२) मुक्का घूंसा (३) नुकसान, धक्का [ला]। [-मारवो=घूंसा लगाना (२) नुकसान पहुँचाना]

गोधण न० गोधन, गायोका समूह

गोधलियु न० छोटा सांड, बछडा

गोधा(-धु)लगन न० गोधूलीके समय होनेवाला लग्न

गोधु न० देखिए 'गोधलियु

गोधूम पु० ब० व० गेहूँ, गाधूम

गोधो पु० सांड

गोफण स्त्री० गोफन, गोफना, ढेलवाँस

गोफणियो पु० गोफनसे फेंकनेका ढेला, गुल्ला (२) लड्डू (व्यग्यमें)

गोबर न० गोबर (२) उपलोका चूरा

गोबरु वि० गँदला, गदा (२) न० गोबर

गोबावु अ० क्रि० पिचकना

गोबो पु० पटकनेसे धातुकी चीजोंका पिचकना

गोयणी(गौं) स्त्री० सौभाग्यवती स्त्री (२) व्रतके निमित्त भोजनके लिए बुलाई गई सौभाग्यवती स्त्री

गोयरा(गौं) स्त्री० गौरी-पार्वतीका व्रत

गोर(गौं) पु० पुरोहित (२) पडा

गोर पु० (उपलाका) चूरा

गोर(गौं) स्त्री० देखिये 'गोरमा'

गोरख आमली स्त्री० एक पेड, विलायती इमली (२) उसका फल

गोरखधधो पु० गोरखपथी साधुओंका बहुत कडियोवाला डडा, गोरखधधा (२) एक ही कामकी निरर्थक पुनरावृत्ति [ला]। [आग आगे गोरख आगे =आगेकी बात आगे सोची जायेगी, आगे देखा जायेगा]

गोरज स्त्री० गोरज (२) सध्या-बेला [ला] [वाला लग्न

गोरजलग्न न० गोधूलीके समय होने-

गोरजी (गौं) पु० जैन साधु

गोरट(-टियु,-टु) वि० गोरा, गौरवर्ण

गोरपदु(गौं) न० पुरोहिताई, यजमानी

गोरमटी स्त्री० लाल-पीली मिट्टी, मिट्टी

गोरमा (गौंर,) स्त्री० गौरी, पार्वती (२) कुआरियोका गौरी-पूजनका व्रत

गोरसी स्त्री० **गोरसु** न० दही, दूध रखनेका मिट्टीका पात्र, दोहनी

गोराट वि० देखिये गोरट'
गोराट(-ड) वि० पोची, बलुई और कुछ राती या पीली (मिट्टी या जमीन)
गोराणी(गा) स्त्री० पुरोहितानी (२) गुरुआनी
गोरी स्त्री० गोरी, गौर वर्णवाली स्त्री
गोरुचदन न० गोरोचन
गोरु वि० गोरा
गोरु गफ, गोरु गफाक वि० गोरा चिट्टा
गोरो पु० गोरा परदेशी (यूरप, अमरिका आदिका) [गोल आकार
गोल वि० गोल, वृत्ताकार (२) पु०
गोलक पु० गोलक, सदूक
गोलण स्त्री० गोला जातिकी स्त्री
गोलमाल पु० घपला गोलमाल
गोलवु(गॉ) स० क्रि० रौंदना
गोलापो पु० दासपना गुलामी
गोलां न० ब० व० जनानखानेके निम्न कोटिके दास-दासी
गोली स्त्री० गोला जातिकी स्त्री (२) खवासिन दासी
गोलो पु० गोला नामक जातिका आदमी (२) जनानखानेका नौकर (३) ताशका एक पत्ता गुलाम
गोल्लो पु० बछड़ा (२) देवीका अनन्य भक्त (३) ताशका एक पत्ता गुलाम
गोवालणी स्त्री० ग्वालिन, अहीरिन
गोवाळ पु० गोपालक चरवाहा, ग्वाला
गोवाळण(-णी) स्त्री० ग्वालिन
गोवाळियो पु० चरवाहा
गोस न० गोश्त
गोसाई(०) पु० एक प्रकारका साधु वैरागी (२) असलमें गुसाई मगर आज कल गृहस्थाश्रमी बनी हुई एक जाति
गोसाईजी(०) पु० वैष्णवोंके आचार्य गोस्वामी
गोळ वि० (२) पु० देखिये 'गोल' (३) पु० कन्याओंके लेन-देनके लिए जाति वालोंका रचा हुआ एक जूथ-मडली
गोळ(गा) पु० गुड
गोळकेरी(गॉ कॅ) स्त्री० आमका एक तरहका गुडयुक्त अचार
गोळगोळ वि० गोल-गोल, अस्पष्ट
गोळगोळ(गॉ-गा) वि० नरम, गुल गुला (२) जिसका दिल पसीज गया हो वह दिलगुदाज [ला]
गोळचु(गॉ) न० वह अचार जिसमें गुडकी अधिकता हो, गुडबा
गोळधाणा(गॉ) पु० ब० व० गुडमिश्रित धनिया (मांगलिक अवसर पर बाँटा जाता है)
गोळपापडी(गॉ) स्त्री० एक मिठाई
गोळमटोळ वि० बराबर गोल (२) गल गुथना हृष्ट-पुष्ट [(परिषद)
गोळमेजी वि० (२) स्त्री० गोलमेज
गोळवा पु० ब० व० स्त्रियोंके हाथके सोनेके कडे (२) उस आकारकी काँचकी चूड़ियाँ (३) लकड़ीके (गोल) बल्ले
गोळाई स्त्री० गोलाई घेरा
गोळाकार वि० गोलाकार गोल
गोळी स्त्री० गोली (२) दवाकी बटी, गोली (३) बदूककी या तमचेकी गोली (सीसकी) (४) पानी भरनेकी मटकी कछरी (५) दही मथनेका मटका मथनी (६) अडकोष [गोलीचालन
गोळीबार पु० गोली चलाना फर
गोळो पु० गोला (२) गोफनसे फेंकनेका ढेला, गुल्ला (३) (तोपका) गोला (४) पानी भरनेका बड़ा मटका (५) वायु गोला रोग गोला (६) गप (७) लालटेनकी चिमनी, कुमकुमा, लट्टू

गोंदव(गों०) देखिये 'गादरु'
गोंधवुं(गों०) स० क्रि० बंद जगहमें रखना, बंद करना
ग्यासतेल न० मिट्टीका तेल

ग्रंथपाल(–ळ) पु० ग्रंथपाल, लाइब्रेरियन'
ग्रंथावलि(–ळी) स्त्री० ग्रंथावलि
ग्राम पंचायत स्त्री० ग्रामपंचायत

घ

घ पु० 'क'वर्गका–कंठस्थानीय चौथा व्यंजन
घई स्त्री० देखिये 'धाई
घउं पु० ब० व० गेहूँ, गंदुम
घउवर्णुं वि० गेहुआँ, गंदुमी
घच(०क) अ० गच (घँसनेकी आवाज)। [–दईने=गच आवाजके साथ, फटसे]
घचडवुं स०क्रि० कचरना, खूब दाबना
घचरकुं न०,(–को)पु० खट्टी या तीखी डकार अम्लीका
घचूमलो पु० जमाव, झुंड भीड(२) गड्ड मड्ड, अव्यवस्था [घाटा
घट(ट) स्त्री० घट, कमी (२)टोटा,
घट वि० देखिये 'घट्ट'
घट अ० गट आवाजके साथ, गटगट
घट पु० घडा(२)शरीर(३)हृदय घट
घटक वि० घटक, वस्तुका अंशरूप (अवयव) (२) योजक, रचनेवाला (३) पु० वह अवयव जिसके मेलसे कोई वस्तु बनी हो इकाई
घटतुं वि० उचित, उपयुक्त(२)घटता हुआ, बाकीका
घटना स्त्री० घटना, रचना बनावट (२) माजरा घटना (३) कौशल, कारीगरी [(२)सिलसिला,परंपरा
घटमाळ स्त्री० रहँटके घडोंकी माला

घटवुं अ०क्रि० घटना, कम होना, छीजना (२) (कपडा) तंग–चुस्त होना, कसना (३) शोभा देना, भला लगना, योग्य होना (४) ठीक बैठना, लागू होना, उदा० 'श्लोकनो अर्थ बराबर घटा'यो'
घटस्फोट पु० चिताकी ठंडी करके उस पर घडा फोडना (२) हमेशाके लिए संबंध तोडना [ला] (३) हल, निबटारा(४)गुप्त बातका भेद खोलना, भंडाफोड
घटा स्त्री० घटा, समूह, झुंड, झुरमुट (बादलों, वृक्षों आदिका)
घटादार वि० घटादार छतनार
घटाटोप पु० घटाटोप, घनघटा (२) ऐसा ढक्कन या वस्तु (३) आडंबर, ठाट-बाट
घटाडवुं स० क्रि० घटाना, कम करना
घटाडो पु० कमी घटाव
घटारत वि० उचित, उपयुक्त, ठीक
घटाववुं स० क्रि० ठीक बैठाना लगाना उदा० श्लोकनो अर्थ बराबर घटाव्यो'
घटित वि० उचित, उपयुक्त, मौजूं
घट्ट वि० गाढ़ा, गफ (बुनाई), दबीज
घडतर न० गढ–पीटकर बनाई हुई आकृति, गढन, बनावट(२) गढना, रचना या बनाना या उसकी रीति,

बनावट (३) गढ़नेकी उजरत, गढ़ाई (४) शिक्षा पाकर तयार होना, शिक्षा (५) वि० गढ-पीटकर बनता हुआ (लोहा आदि)

घडपण न० बुढापा जरा

घडभांग(-ज) स्त्री० गढना और तोडना (२) पसोपेश दुविधा

घडमथल स्त्री० देखियें *गडमथल*

घडवु न० गुड भरनेका मटका

घडवु स० क्रि० गढ़ना आकार देना (२) बनाना रचना, लिखना (जेवर, कुर्सी, ग्रंथ आदि) (३) व्यवस्थित रखना सकलन करना (४) पीटना (धातु) (५) मसविदा तयार करना (६) शिक्षा देकर योग्य बनाना [ला] (७) मरम्मत करना, गढना। [घडाईने ठेकाणे आववु = अनुभवसे या ठोकरे खाकर समझ जाना। **घडी** नाखवु = खब पीटना, गढना]

घडघडाट पु० घडघडाहट, घड घड आवाज

घडवो पु० घडेके आकारका लोटा

घडाई स्त्री० गढ़नेकी उजरत गढ़ाई

घडामण न०, (-णी) स्त्री० गढ़नेकी उजरत गढाई

घडायेलु वि० अनुभवसे पक्का बना हुआ, कसा हुआ, मँजा हुआ [ला]

घडाववु स० क्रि० गढ़ाना

घडावु अ० क्रि० गढा जाना अनुभवसे पक्का होना, कसा जाना [ला]

घडियाळ स्त्री० न० घडी (यत्र) (२) झालर, घडियाल। [-घा पीए छे = घडी ग़लत समय बताती है या बन्द है]

घडियाळी ु० घडीसाज [लबनी

घडियु न० ताडी चुआनेकी लबी हाँडी,

घडियो पु० पहाडा

घडी स्त्री० घडी घटी (२) [ला] क्षण (३) मौका, प्रसग। [-ओ गणवी = (-की) तयारी होना (२) घडियाँ गिनना, मौतकी तैयारी करना। -ना छट्ठा भागमां = बातकी बातमें, छनभरमें]

घडी घडी अ० घडी घडी, बार-बार

घडीताळ अ० आसन्नमरण, घडीसाइत

घडीभर अ० घडीभर, थोडी देर

घडीसाथ अ० घडी-साइत, आसन्नमरण

घडुडाट पु० घडघडाहट

घडूली स्त्री० छोटा घडा

घडूलो पु० घडोला घडा

घडो पु० घडा कलसा। [घडाना कळशिया करवा = कोल्हू काटकर मुगरी बनाना। -भरावो = पाप उदय होना]

घडोलाडवो पु० मुरदेको जलानेके बाद स्मशानमें लड्डूवाला घडा फोडना (२) फसला, निबटारा [ला]। [-करवो = निबटारा कर देना। -थवो = कोई भी फसला होना (२) मौत होना (३) भारी नुकसान आ पडना)

घण पु० भारी हथौडा, घन [घुन

घण पु० लकडीमें हानेवाला एक कीडा,

घणाघणी स्त्री० गाढ़ स्नेह गहरी छनना

घणु वि० बहुत, ज्यादा, अतिशय। [-करवु = जो शक्य हो सब कर डालना (२) अनेक प्रकारसे समझाना (३) किफायतसे बचत करना। -करीने = बहुत करके, प्राय। -होवु = बीमारीका ज्यादा होना घडियाँ गिनना। घणां वानां करवां = अनेक उपाय करना (२) खूब समझाना]

घणुखरं अ० बहुत करके, अकसर

घणुय वि० बहुत ही 4533
घन वि० घन, ठोस (२) घना, गाढ़ा (३) बहुत, अधिक (४) लबाई, चौडाई और ऊँचाईवाला, 'क्यूबिक, घन [ग] (५) पु० किसी अकको उसी अकसे दो वार गुणा करनेसे उपलब्ध गुणनफल, 'क्यूब', घन (६) छ समान बाजुआवाली आकृति (७) पु०, न० बादल, घन
घनचक्कर वि० घनचक्कर, जिसका दिमाग़ चला गया हो
घनफल (-ळ) न० घनफल, 'वॉल्यूम'
घनमूल न० घन-मूल, 'क्यूब रूट'
घनसार पु० घनसार, कपूर (२) जल (३) पारा (४) चदन
घम अ० घमाघम, घमाकेसे
घमकवुं अ० क्रि० घमघमाना
घमकार (-रो), घमको पु० घमाधम, झमक [आघात करना, घमघमाना
घमघमाववु स० क्रि० घमाघम-ज़ोरसे
घमसाण न० तूफान, घमरौल, ऊधम (२) भयकर युद्ध, घमसान (३) विनाश (४) लोगोका जमाव, मजमा। [-मचवु = बडी भीड इकटठा होना (२) भारी तूफ़ान या घमसान मचना]
घमड पु० घमड अहकार (२) आडबर
घमडी वि० घमडी, मगरूर
घम्मर अ० घमर आवाजकी तरह, घुमुर
घम्मर घाघरो पु० घेरदार बडा घाघरा
घर न० घर, रहनेकी जगह कोठी, मकान (२) गृह, एक कुनबेका वासस्थान, पैतृक निवास-स्थान (३) चीज़ रखनेका या उसके रहनेका बक्स कोठा, खाना, उदा० 'चश्मानु घर, सोगठीनु घर' (४) जन्मकुडलीमें ग्रहविशेषका स्थान [ज्यो] (५) कुल, घर (घरकी आबरू, खुशहाली, गृहस्थी आदि) (६) घरके लोग, घर-बार, घर गिरस्ती (७) खानदान, कुल। [-अजवाळवु = घरकी शान, आबरू बढ़ाना। -उघाडु रहेवु = वश चालू रहना (२) शादी होना, घर बसना। -फाणु करवु = घरमें फूट डालना, घर फोडना (२) घर ही घरमें व्यभिचार करना। -पूछीने आववु = जान-बूझकर नुक़सान करनेके लिए किसीका (सबधी होकर) घरमें आना। -फाडवु = चोरी करना, सेंध लगाना]
घरआंगणु न० घरका आँगन (२) अति परिचित – पासका स्थान [ला]
घरकाज (-म) न० घर गिरस्ती, गृहकार्य
घरकूकडियु, घरकूकडी वि० घरघुसडा
घरखटलो पु० घरका माल-असबाव, घर-बार (२) गृहस्थीका काम-काज (३) ससार या व्यवहारका-गृहस्थीका काम-काज (४) पत्नी, बाल-बच्चे वग़ैरहका समुदाय
घरखरच, घरखर्च पु०, न० घरका निबाह करनेमें होनेवाला खर्च
घरगतु (-थु, -थ्यु) वि० घराऊ, घरेलू (२) बेचनेके लिए नही बनाया हुआ (३) खानगी, घरू
घरघालु वि० घरघालन (२) फ़िज़ूलखर्च, उडाऊ (३) दग़ाबाज़
घरजमाई पु० घरजँवाई घरजमाई
घरड स्त्री० लीक (२) परपरा, प्रथा [ला]
घरडापो पु० बुढापा (२) बूढोकी-सी समझ, ज़रूरतसे ज्यादा समझ [ला]

घरडियु वि० बूढ़ा, वृद्ध
घरडियो पु० वृद्ध-बुजुर्ग मनुष्य
घरडियो पु० गलेकी घरघराहट, घर्रा (प्राय मरणासन्न व्यक्तिका)
घरडु वि० वृद्ध बूढ़ा (२) पुराना नयाका उल्टा (३) पक्का सख्त। [-खान=अति वृद्ध व्यक्ति (कभी भी मर जाये ऐसा)]
घरडुखख वि० बिलकुल जराग्रस्त, जरा जजरित [[तुच्छकारमें]
घरडुठच्चर वि० बिल्कुल जराग्रस्त
घरडेरु वि० वृद्ध बुजुग आदरणीय
घरधणियाणी स्त्री० घरवाली गृहिणी (२) घरकी मालकिन, घरनी
घरधणी पु० गृहस्वामी घरवाला (२) घरका मालिक
घरधयो पु० गृहकाय, घर-गिरस्ती
घरनु वि० घरू निजी खानगी
घरप्रवेश पु० देखिये 'गृहप्रवेश'
घरबार न० घर-बार घरकी चीज़ वस्तु, घर गिरस्ती, बाल-बच्चे वगैरह (२)कुटुम्ब और क़बीला [ससारी
घरबारी वि० घर गिरस्तीवाला (२)
घरबोळु वि० घर घालन
घरभग पु० (पत्नीके मरनेसे) घर उजड़ना (२) वि० उस दशाको प्राप्त
घरभेदु वि० घरका भद जाननवाला (२)घरका भ" खोलकर दग़ा देनवाला
घरमेळे अ० आपसमें समझकर (२) मित्रताके नाते
घररखु वि० घरकी समाल रख एसा
घरवखरी स्त्री० देखिये 'घरवाखरो'
घरवसु वि० घरको घाहनेवाला, घर घुसड़ा
घरवट स्त्री० एक घरके हो ऐसा गाढा सबध, घरोबा (२) वि० घरका-सा सबधी [घर-वार
घरवाखरो पु० घरकी चीज़-वस्तु,
घरवाळी स्त्री० घरकी मालकिन (२) घरवाली, पत्नी [वाला पति
घरवाळो पु० घरका मालिक (२)घर
घरवडु न० घरेलू वदक
घरससार पु० गृहस्थाश्रम (२) घर जुगत घर गिरस्तीका काम
घरसूत्र न० देखिये घरससार'
घराक पु० न० गाहक, खरीदार(२) पारखी गुणग्राही
घराकी स्त्री० बिक्री गाहकी (२) खरीदारोंकी आमद (३)खपत, बिक्री
घराणियात वि० गिरवी लिया हुआ या रखा हुआ
घराणे अ० देखिये घरेण
घरं न० घड़आ (डिब्बा)
घरेड स्त्री० देखिय घरड (२) कुँएके पत्थरो पर रस्सासे होनेवाली गराडी
घरेडी स्त्री० घिरनी गराडी गडारी (२) घर्रा घरघराहट (गलेकी)
घरेणु न० गहना, जेवर
घरेणुगांठु न० गहना-पाता
घरेणे अ० गिरवी बधक रेहन
घरोपो(-वो) पु० घरका-सा गाढ़ सबध घरावा
घरोळी स्त्री० देखिये 'गरोळी'
घलात स्त्री० डूबी हुई या डवाई गई रक़म बट्टा टोटा(२)पावना न देना
घलावुं अ० क्रि० घालवु का कमणि
घलोडी स्त्री० कुँन्दरू (वेल) (२) देखिये 'गरोळी
घलोडुं न० देखिये घिलोडु

घवावु अ० क्रि० घायल होना, चोट लगना
घसघसाट अ० गहराईसे (नींद लेना)
घसडवोरो पु० घसीट लिखावट लिखनेका श्रम
घसडवु स० क्रि० घसीटना (२) घसीट लिखावट लिखना या जैसे-तसे काम करना, राड मारना [ला]
घसरको पु० निशानीकी रेखा, चिह्न, आंक, खरोंच [का काम, बेगार
घसरडो पु० खरोंच, रगड (२) बेमन
घसरपसर अ० घसीटते हुए, ज्यों-त्यों करके (२) बेगारकी तरह
घसवु स० क्रि० घिसना (२) हाथसे रगडना, मलना (३) (बरतन) मलना (४) ओपना, चमकाना [पाससे
घसाईने (जवु) = क़रीबसे, बिलकुल
घसातु वि० जो अपमानित कर, नीचा दिखाये, चटती (कहना) (२) नुक़सानदेह, हानिकर
घसारवु न० घिसकर पीनेकी औषधि
घसारो पुं० घिसा जाना, छीज, घटाव (२) घिसनेसे गिरी हुई रज, घिसाई (३) नुकसान, घाटा, छीज। [-खावो, वेठवो = घाटा या खर्च सहन करना। -पहोंचवो, लागवो = खर्च होना, घाटा होना नुकसान पहुँचना]
घसावयु स० क्रि० घिसाना
घसावु अ० क्रि० 'घसवु' क्रियाका कर्मणि रूप घिसा जाना, घिसना (२) नुक्सान उठाना घाटेमें रहना। [घसाई जवु = (खूब काम आदिसे शरीरका) क्षीण होना काम आना, खप जाना]
घसियु वि० चूर्ण जैसा (नमक)
घसियो पु० आटेको सेंककर बनाई जानेवाली एक खाद्य वस्तु
घघोलियु न० निकम्मा, खराब घर, घरौंदा (२) सारी देह ढक जाय इस तरह ओढ़ना, झुरमुट (३) तहस-नहस होना, बर्बादी
घट पु० बडी चक्की, जाँता
घट पु० घटा, काँसेका लगरदार घट (२) काँसेका बजानेका गोल और मोटा पट्ट, घडियाल (३) घटा बजनेका शब्द, डका (४) चट, धूर्त, घाघ, उस्ताद (व्यक्ति) [ला]। [-फरवो, वागवो = घरका सब कुछ खर्च हो जाना (२) ग़रीबी होना। -वगाडवो = प्रकट करना, जाहिर करना]
घटडी स्त्री० बहुत छोटा घटा, घटी, घटीकी आवाज़ (२) घटा, शून्य, कुछ नहीं [ला]
घटलो पु० दलनेकी बग़ैर थालेकी चक्की
घटी स्त्री० चक्की। [घणी घटीओनो लोट खाधो होवो = बहुत अनुभवी होना, पुराना घाघ होना]
घटीचोर पु० चालाक चोर, घाऊघप
घटो पु० बडा घटा (२) उसका डका
घा पु० कागज़के चौबीस तावोंकी गड्डी, दस्ता
घा पु० चोट, आघात (२) घाव, ज़ख्म (३) भारी ग़मका गहरा असर [ला]। [-पडवो = ज़ख्म होना (२) आफत आना (३) [ला] खूब सहन करना, बल लगाना, ज़ोर करना, उदा० 'काम करता शा घा पडे छे?'। -भेगो घसरको = इतना हुआ तो और ज़्यादा होने दो]

घाई स्त्री० जल्दबाज़ी, दौड धूप (२) हंगामा, धांधल (३) भीड झमेला

घाघरी स्त्री० घाघरी, छोटा लहँगा। [–पहेरवी=स्त्रीका पाट लेना, चूडियाँ पहनना (२) नामर्द बनना]

घाघरो पु० घाघरा लहँगा

घाट पु० आकार देखाव, सूरत, रूप (२) मौका, घात, ताक [ला] (३) भली-बुरी रीतासे काम निकाल लेनेकी योजना, उपाय (४) रीत लक्षण शोभा। [–आववो=योग्य आकार देना (२) घात लगना मौका मिलना। –घडवो=आकार बनाना (२) युक्ति या प्रपच करना (३) मन सूबा करना (४) ताकमें रहना (५) मार डालना (६) भारी नुक़सान पहुँचाना]

घाट पु० घाट (२) दर्रा, घाटी (३) सह्याद्रिका पहाडी प्रदेश

घाटण स्त्री० सह्याद्रिके पहाडी प्रदेश-में रहनेवाली जातिकी स्त्री

घाटी वि० सह्याद्रिके घाटामें रहने वाली एक जातिसे सबधित (२) पु० उस जातिका मनुष्य

घाटीलु वि० सुडौल रूपवान्, सुगठित

घाटुं(–ढ) वि० गाढा लोंदादार (२) सवास्वच (३) बहुत, गहरा (४) कठोर मजबूत

घाडुं वि० देखिये 'घाटुं'

घाण पु० घान (अनाज तेल्हन आदिका) (२) सहार। [–काढवो=भयकर सहार करना। –नीकळी जवो, वळवो =बिलकुल तबाह हो जाना]

घाण पुं० लकडी या जानवरों एक बीता पुन

घाण स्त्री० गध, बदबू

घाणी स्त्री० तेलहन पेरनेका यत्र, घानी। [–ए जोडवु=उबा देनेवाले, कडी मेहनतके काममें लगाना, जोतना। –नो बळद=कोल्हूका बैल]

घात पु० घात चोट, घाव (२) नाश, हत्या (३) स्त्री० अकाल मृत्युका फाँसा। [–जवी=मरते मरते बचना बाल्बाल बचना]

घातकी वि० घातकी (२) क्रूर

घातेल न० घाव पर लगानेका तेल

घाम पु० घाम (२) ऊमस (३) पसीना

घायल वि० घायल, ज़ख्मी

घारण न० घोर निद्रा (२) नींदमें खर्राटे लेना (३) नींद लानेवाली दवा

घारी स्त्री० एक मिठाई (२) उरद या मूँगकी दालका बडा (३) चोटीके इर्द गिर्द रखे हुए बालोंका गुच्छा घेंदिया

[छिद्र नारू

घार्ड न० रोगसे शरीरमें होनेवाला

घाल (ल) स्त्री० जवनारमें एकसाथ भोजन करनेवालोंकी पाँत, पगत

घाल (ल) स्त्री० घाटा टोटा

घालमेल स्त्री० निकालना और रखना घाल-मेल करना (२) पचडा झमट (३) प्रपच खट पट

घालवु स० क्रि० घालना खोसना (२) पहनना (३) अवसर पर उपहारके रूपमें पहनाना उदा० 'मैं कन्यानी कोटमां अछोडो घाल्यो' (४) माल मारना, रकम डुबाना (५) बिगाडना घालना उदा० घर घालवु

घास न० घास, खड चारा। [–कापवुं =घास काटना। –खावु=घास खाना]

घासचारो पु० घास-चारा

घासतेल न० मिट्टीका तेल, किरासन
घासलेट न० देखिये 'घासतेल'
घासलेटियु वि० घासलेटी [ला]
घासियु वि० जिसमें घास ही होती हो ऐसा (२) घासमेंसे पैदा होनेवाला (३) निस्सत्व, हलका, घटिया (घी, सोना आदि) [ला]
घासियो पु० घासका बिछौना, साथरा [प] (२) घसियारा
घासियो पु० देखिये 'गाशियो'
घांयुं (०) वि० उतावला, अधीर (२) घबड़ाया हुआ
घांच (०, च,) स्त्री० लीकके बीचका गड्ढा, गडारी, गड्ढा (२) उलझन, मुश्किल
घांचण (०) स्त्री० तेलिन
घांची (०) वि० तेल पेरनेका पेशा करनेवाली एक जातिका (आदमी) (२) दूध बेचनेका पेशा करनेवाली एक जातिका (आदमी) (३) पु० उस जातिका आदमी तेली, घोसी। [–नो बळद = कोल्हूका बैल (२) मूर्ख]
घांटाघांट (०) स्त्री० चीख, पुकार, शोर-गुल
घांटी (०) स्त्री० गलेके भीतरकी घाँटी कौआ गलेकी वह छोटी हड्डी जो आगेकी ओर निकली रहती है, घंटी टेंटुआ
घांटी (०) स्त्री० दर्रा, घाटी (२) [ला] मुश्किल और नाजुक अवसर (३) अड़चन कठिनाई। [–आववी, पडवी = अड़चन या नाजुक समय आना मुश्किलमें फँसना]
घांटो (०) पु० कंठ आवाज (२) पुकार हाँक ऊँची आवाज (३) घुड़की। [–पाडवो = चीख मारकर बुलाना (२) खीजना, धमकाना]
घिलोडी स्त्री० देखिये 'घलोडी'
घिलोडुं न० कुंदरू (फल)
घिस्सो पु० घिस्सा, रगडा
घी पु० घी। [बळतामां घी होमवुं = उत्तेजनाको और बढ़ाना, जलती आगमें घी डालना]
घीकेळां न० ब० व० घी और केले (२) बड़ा लाभ, पाँचों घीमें होना (लाभ)
घीच वि० देखिये 'गीच'
घीचोघीच वि० खचाखच, ठसाठस
घीतेलु न० कँवलगट्टा
घीस स्त्री० मरोड़ (२) चोरी (३) मार-पीट। [–पडवी = नुकसान होना (२) लाभ होना (३) मार पड़ना। –मारवी = हाथ मारना, चोरी करना]
घीसरुं न० जुआ, जुआठा
घीसलुं न० बैलको जोताईकी शिक्षा देनेका साधन
घुघरवट स्त्री० घरदार घाघरेकी घुँघरूदार कोर (२) पु० ऐसी कोरवाला घाघरा
घुघरियाळुं वि० घुघरूदार
घुघवाट (–टो) पु० गर्जना, घहराना
घुच्चो पु० घूँसा, मुक्का
घुण पु० लकड़ी खा जानेवाला एक [कीड़ा, घुन
घुमरडी स्त्री० गोलाकारमें घूमना-नाचना, घुमडी (२) सिरका चक्कर खाना चक्कर (३) (खेल आदिमें) पकड़नेवालेको भुलावेमें डालकर घूम जाना (४) पालनेको हिलाना, झुलाना
घुमाववुं स० क्रि० घुमाना, चक्कर देना
घुमायुं अ० क्रि० 'घूमवुं' का भावे रूप
घुम्मो पु० घूँसा, मुक्का

घुरकियु न० घुडकनेकी आवाज,गुर्राहट (२) धमकीभरी डांट, घुडकी
घुवड पु०, न० उल्लू, घुग्घू
घुसणियु वि० किसी तरहसे घुसनेवाला, घुसनेके स्वभाववाला
घुसपुस अ० फुसते(२)स्त्री० कानाफूसी
घुसाडवुं स० क्रि० घुसेडना, भीतर पहुँचाना, दाखिल करना (बग़र इजाजत या हक़के)
घुसावयुं स० क्रि० घुसाना, घुसवाना
घुसावुं अ० क्रि० घूसवु'का कमणि
घुमट पुं० गुंबद (२) गुंबदके नीचेका मंदिरके भीतरका भाग
घूघरमाळ स्त्री० बैलके गलेकी घंटियोंकी माला, टालीकी माला
घूघरी स्त्री० घुंघरू,नूपुर(२) स्त्रियोंके हाथमें पहननेका घुंघरूदार एक गहना (३) एक खिलौना, छोटा घुनघुना (४)उबाली हुई ज्वार-बाजरा आदि, घूघरी
घूघरो पुं० धातु आदिका पोला बजनेवाला गोला जिसमें ककड आदि चीजें रखी जाती हैं (२) एक खिलौना, घुनघुना (३) एक खाद्य पदार्थ। [घूघरा जेवुं=सुन्दर, मजेदार (२) मजाक़-पसन्द (३)बोलता, वाचाल]
घूघववुं अ०क्रि० घहराना(२)गरजना
घूम अ० विचार-मग्न, लीन (२) चूर, बदमस्त
घूमची स्त्री० दखिये 'घुमरडी'
घूमचो पु० पत्तियोंका जत्था, गुच्छा
घूमट पु० देखिये 'घुमट'
घूमटो पु० घूंघट
घूमडवुं स० क्रि० पालनेको हिलाना, झुलाना(२)चक्कर खिलाना,घुमाना
घूमडी स्त्री० देखिये घुमरडी'; घुमडी
घूमरावुं अ० क्रि० झुंझलाना रोषसे मुँह बिगाडना, कुढ़ना (२) चक्कर खाना (गोलाकारमें) (३) घुमडना, उमडना (४) आँख उठना
घूमरी स्त्री० जलका चक्कर, भँवरी घुमरी (२) घुमडी, फेरा (३) तेवर बदलना
घूमवु अ० क्रि० चक्कर खाना, गोलाकारमें घूमना (२) बेकार घूमना (३) [ला] बडा कारोबार चलाना (४) खुशीमें झूमना, लहराना (५) लगा रहना, जारी रहना
घूमाघूम(-मी) स्त्री० दौडा-दौडी, बार-बार आना-जाना
घूरकवुं अ०क्रि० घुरघुराना गुर्राना(२) ज़ोरसे भूकना (३) घुडकना गुर्राना
घूलर(-ड),(-री) दखिये 'गूलर'
घूस पु० घूस एक तरहका बडा चूहा
घूसण न० घुसना, अनधिकार प्रवेश (२) वि० किसी प्रकारसे घुसनेवाला
घूसवु अ० क्रि० घुसना
घूसियु न० चूहे फसानेका खटकेदार पिंजडा चूहेदान
घूसियुं मध न० (पेडकी खोह या उस तरहकी जगहमें घुसकर बनाये हुए छत्तेका) एक तरहकी छोटी मधुमक्खियोंका शहद
घूघट(-टो) पु० घूंघट
घूट पु० घूंट (२) आवाज, कंठ(३) स्त्री० (दम) घुटना
घूंटडो पु० घूंट (पेय)। [-ऊतरवो= घूंट गलेसे नीचे उतरना (२) समझा जाना, हल्कसे उतरना]
घूंटण पु०, न०, (-ण्यिुं) न० घुटना

घूटणिये, घूटणे श० घुटनोंके बल (चलना), दोजानू (बैठना)। [-चडवु=बालकका घुटनोंके बल चलना (२) [ला] मत्था टेकना (३) गिडगिडाना, घुटने टेकना]

घूटवु स० क्रि० घोटना, पीसना, बाटना (२) रोकना या घोटना (दमको) (३) (अक्षर) घोंटना, (राग) रटना, अभ्यास करना

घूटी स्त्री० टखना

घूटी स्त्री० उलझन, फँसाव, अटकाव

घेघूर वि० घना, छतनार (पेड़) (२) मतवाला, बदमस्त

घेटी स्त्री० भेड़ [-घसान]

घेटुं न० भेड़। [घेटांनुं टोळुं = भेड़िया

घेटो पु० नर भेड़, भेड़ा, मेढ़ा

घेन (घॅं) न० नशा, कैफ, सुस्ती (२) मद, खुमार

घेबर न० घेवर

घेर (घॅं) अ० घर पर, घरमें, घरकी ओर। [-ताळुं वेवावुं = घरका सत्यानाश होना या निर्वंश होना, घर उजड़ना। -बेठां = घर बैठे (२) बगैर मेहनतके, स्वाभाविक रूपसे। (-ने) घेर बेसवी = -की कमी पड़ना, खर्च होना, नुकसान होना, उदा० 'आमा तो एने रू० १०० ने घेर बेठी (२) (स्त्रीका) किसीके घर बैठना। -बेसवुं = बेकार बनना, घर बैठना (२) नौकरी आदिसे अलग किया जाना, बरतरफ होना (३) -के साथ सगाई करना, किसीके घर बैठना (४) -का नुकसान होना -का घर बैठना]

घेर पु० घेरा, घेर (२) समूह, टोली (३) स्त्री० (कुआँ वस्त्र आदिका) किनारेका हिस्सा (४) चोटीके इर्दगिर्द रखे हुए बाल, चंदिया (५) होली खेलनेवाले लड़कोंकी टोली

घेरदार वि० घेरदार (कपड़ा) (२) खुला, जो कसता न हो

घेरवुं स० क्रि० घेरना (२) चौपायोंको पानी पिलाना

घेराव पु० घेरा, घिराव, चारों ओरका विस्तार, फैलाव (२) घेरनेकी क्रिया, घिराई, रोक, अटकाव

घेरावुं अ० क्रि० घिरना, घेरा जाना (२) घेरेमें आना, फँसना (३) छाना, घिरना, फैलना, पलकें भारी होना (आकाश या चन्द्र बादलोंसे, आँखें नशे या नींदसे)

घेरावो पु० देखिये 'घेराव'

घेरुं (घॅं) वि० गाढ़ा, कभी न छूटनेवाला, पक्का (रंग), शोख, गहरा, उदा० 'घेरो लाल' (२) गहन, गहरा (३) खुमारभरा, नशीला (आँखें)

घेरयो पु० फगुहारा, होली खेलनेवाला

घेरो पु० घेरा (२) रोक (३) समूह, झुरमुट (पेड़ोंका)

घेलछा (घॅं) स्त्री० बावलापन (२) सनक

घेलाई (घॅं) स्त्री० पागलपन, सिड

घेलुं (घॅं) वि० सिडी, पागल (२) न० पागलपन

घेंश (-स) (घॅं०) स्त्री० मठेमें नमक डालकर पकाया हुआ नरम भात, महेरी

घो स्त्री० गोह

घोघर पु० बड़े सिरवाला जंगली बिल्ला (२) बच्चोंको डरानेका हाऊ, हौवा (३) न० एक पक्षी

घोघर बिलाडो पु० जंगली बिल्ला

घोघर्व वि० मोटी आवाजवाला

घोघरो(-लो) पु० मोटी आवाज, हाँक (२) गलेका वह हिस्सा जिसमेंसे आवाज निकलती है। [**घोघरे बाझवु** =गला घाटना (२) न भाना, पसन्द न आना गलेमें अटकना। **-झालवो**= गला घोंटना, गला दबाना। **-ताणवो**= गला फाडकर गाना]

घोघो वि० पु० अनपढ; मूर्ख (मनुष्य), घोंघा (२) पु० साँप (३) मुँह और माथा ढक जाय इस तरह ओढना, घुग्घी ओढना

घोच स्त्री० चुभनेका असर, चुभन

घोचवु अ० क्रि० भोकना, चुभाना

घोडदोड (दौं) स्त्री० घुड-दौड (२) घुड-दौडका मैदान अथवा मार्ग

घोडागाडी स्त्री० घोडागाडी, ताँगा

घोडागांठ स्त्री० सरकनेवाली दोहरी गाँठ [आनेवाली भारी बाढ़

घोडापूर न० (घोडेकी तरह) यकायक

घोडार (र,) स्त्री० तबेला

घोडासर स्त्री० घुडसाल तबेला

घोडियु न० पालना, गहवारा। [**-बंधावुं** =सतान होना गोद भरना]

घोडी स्त्री० घोडी (२) लकडी या धातुकी खूटी जिस पर कोई चीज रखी जाय या व्यवस्थापूर्वक भरी जाय या टाँगी जाय घाडिया घोडी, बैठकी तिपाई आदि (३) वह लाठी जिसका आधार लेकर चला जा सके बैसाखी (४) ऊँचे चढ़नेका सीढ़ियोवाला नसेनी जैसा लकडीका साधन छोटा चौगोडिया। [**-छूटी के घोडो छूटयो**= किमे मालूम क्या हुआ? **-ए चडवु**= अमल-पानी करना नशा करना। **-पलाणवी**=घोडी पर सवार होना]

घोडु न० घोडा या घोडी (२) छोटा या दुबला घोडा, टट्टू (३) घुड सवार सेना, रिसाला। [**-पाडवु**= बहुत खर्च कर डालना, (किसीको) बोझरूप होना]

घोडे अ० -के अनुसार -की भाँति

घोडेसवार पु० घुडसवार

घोडेसवारी स्त्री० घुडसवार होना

घोडो पु० अश्व, घोडा (२) नदी या समुद्रकी उत्ताल तरंग (३) घोडेके आकारका लकडी आदिका नक्काशीदार टोंटा, घोडा (४) बंदूक तमंचेका खटका घोडा लबलबी (५) कोई चीज रखनेके लिए बनाया हुआ आला जैसा साधन, चौगोडिया। [**घोडा दोडाववा**=खयाली पुलाव पकाना, मनके लड्डू खाना फोडना। **घोडा नहीं पहोंचवा**=पराकी शक्तिका जवाब दे देना, पर लडखडाना (२) अपना बस न होना, शक्ति न होना। **घोडे चडवु**=नेतृत्व करना अगुआ बनना (२) घोडी चढना (३) बदनाम होना (४) उद्यत या आमादा होना। **घोडे चडीने आववु**=उतावली करते हुए आना (२) खुले आम आना। **-झाड थवो**=घोडेका पिछले पैरों पर खडा होना]

घोबु न० जख्म घाव (२) लट्टूके खेलमें चढ़नेवाला दाँव या खेलनेकी बारी

घोर पु० गूंज गुंजार (२) तबूरा आदिमें षडजके स्वरोंके तारकी आवाज या गूंज या तान-तरंग

घोर वि० घोर, डरावना (२) सिहरी पैदा करनेवाला रोयें खडे करनेवाला (३) घुप, गहरा घना, निबिड

भारी, घोर, अत्यंत (निद्रा, वन, अज्ञान, अंधेरा आदि)

घोर स्त्री० गोर, कब्र

घोरखोदियो पु० गोरकन (२) गोर खोदकर मुर्देको खा जानेवाला एक प्राणी (३) हीन कर्म करनेवाला[ला]

घोरखोदु वि० विनाशक, जो विनाश करने पर आमादा हो

घोरखोदु न० गोर खोदकर मुर्देको खा जानेवाला एक प्राणी

घोरवु अ०क्रि० (नींदमें) नाकसे खर-खरकी आवाज़ निकालना (२) खर्राटे लेना, गहरी नींद सोना

घोरी वि० नींद लेनेका आदी, खर्राटे-बाज़

घोरी पु० गल्ला, गारू (चरनेके लिए आने-जानेवाला)

घोलक(-की) स्त्री०, (-कुं) न० बिल्कुल छोटा प्रकाशरहित घर, 'स्लम', घरौंदा

घोळवु स०क्रि० पिलपिलाना (२) घोलना (३) मिलाना (४) जोरसे घुमाना, चक्कर देना। [घोळी पीवु, घोळीने पी जवु = कुछ न समझना, न बदना, बसमें न रहना]

घोळाघोळ(-ळी) स्त्री० बहुत घोलना, चक्कर देना (२) विचारोंका मनमें चक्कर खाना, मनकी डाँवाडोल स्थिति, उधेड-बुन

घोळावु स०क्रि० 'घोळवु'का कर्मणि। [घोळाया करवु = देर करना (२) किसी बात या विचारका मनमें बार-बार उठना]

घोंघाट (घों०)पु० शोर-गुल, चिल्लपों

घोंच (घों०) स्त्री० लीकमें पडा हुआ गहरा गड्ढा, बडी गडारी (२) चुभनेसे हुआ घाव या उसका असर, चुभन (३) नुकसान [ला]। [-मां पडवु = लीकमें पडकर गति मंद होना, खटाईमें पडना, रुका पडा रहना]

घोंचपरोणो पु० बार-बार पना भोंकना

घोंचवु (घों०)स०क्रि० भोंकना, चुभाना

च

च पु० 'च' वर्गका—तालुस्थानीयपहला व्यंजन

चक पु० चिक जालीदार परदा

चकचक अ० झलाझल, चमाचम

चकचकवु अ० क्रि० चमकना, झलकना

चकचकाट पु० चमक, झलक, कांति

चकचकित वि० चमकदार, चमकीला

चकचार स्त्री० पूछताछ, चर्चा

चकचूर वि० ग़रक़, बदमस्त (किसी नशेसे) (२) अ० चकनाचूर

चकडोल(-ळ) पु० पालने जैसी डोली-का बना, नीचे ऊपर चक्कर खाने-वाला एक झूला हिंडोला (२) घुमडी चक्कर। [चकडोळे चडवुं = हिंडोलेमें बैठकर झूलना (२)नशा छाना, चढना (३) उलझनमें पडना, मन डोलना (४)बारबार स्थगित—मुल्तवी रहना]

चकती स्त्री० छोटा गोल चपटा टुकडा, चकती

चकतुं न० किसी खाद्य वस्तुका गोल...

या कोनेदार टुकडा, कतला (२) चकत्ता (चमडी परका निशान)

चकमक पु० चकमक (२) स्त्री० चिन गारी (३) चमक, झलक (४) तकरार झगडा [ला]। [-झरवी = तकरार होना, बखेडा होना] [गोल-गोल

चकर चकर अ० घूमते चक्रकी तरह

चकरडी स्त्री० चकफेरी, गोल-गोल घूमना चक्कर खाना (२) घुमडी, सिरका घुमाव (३) चकई गोलाकारमें घूमनेवाली चक्ती (४) गोल गोल फिरे ऐसा एक खिलौना, फिरकी, चकई। [-रमाडवी = भरमाना, भुलावेमें डालना] [खिलनेका एक खेल

चकरडी भमरडी स्त्री० वृत्त बनाकर

चकरडुं न० चक्र, चाक (२) शून्य सिफर

चकर भमर अ० घूमते चक्रकी तरह

चकर वकर अ० चक्कर आनेसे मूर्छित (२) चक्रकी तरह इधर उधर घूमना और मुडना, चकराना

चकरावो पु० चक्कर घेरा (२) परिधि फलाव (३) चक्रव्यूह चकावूह। [-खावो, चकरावामां पडवुं = लंबा चक्कर काटते हुए जाना, चकावूहमें पडना]

चकरी वि० गोलाकार गोल, उदा० चकरी पाघडी' (२) स्त्री० सिरका घुमाव, घुमडी, चक्कर

चकली स्त्री० चिडिया गोरैया (२) (नलकी) टोटी, पानीकी कल [ला] (३) पानीका नल। [-मानी मे फडको मोटो = छोट मुँह बडी बात, बूतेके बाहरकी बात]

चकलुं न० चिडिया, पखेरू उदा० 'चकलां बहु खाई जाय छे'

चकलुं न० मुहल्लेके आगेकी खुली जगह, चौक (२) चौमुहानी, चौराहा, चौक

चकलो पु० चौक या उसमें लगनेवाला बाजार

चकलो पु० नर चिडिया चिडा

चकवी स्त्री० चक्रवाकी, चकई

चकवो पु० चक्रवाक, चकवा

चकळव(-वि)कळ वि० (२) अ० आकुल-व्याकुल, हक्का-बक्का

चकाचक अ० चकाचक, तृप्त होकर

चकामु(-मुं) न० चकत्ता

चकासवुं स० क्रि० छान-बीन करना

चकित वि० चकित, दंग

चकोतरु न० (-रो) पु० एक तरहका बडा नीबू, चकोतरा

चकोर वि० चालाक सतक चट (२) पु० न० चकोर (पक्षी)

चक्कर वि० घनचक्कर पागल, बौडम (२) न० चक्का पहिया (३) दौरा लगाना घूमना (४) घेरा जमघट, गोलाकार (५) (जेलमें) गोलाकारम मकानोंकी कतार (६) घुमडी सिरका घुमाव गश, चक्कर (७) गोलाकारमें घूमना चक्कर खाना। [-आववां = सिरका चक्कर खाना (२) गश खाना। -मां पडवुं = फँसना, उलझना (२) खटाईमें पडना (३) घाटा होना, उदा० सो रूपियाना चक्करमा आवी गयो]

चक्की स्त्री० चक्वी (२) घानी

चक्कु न० देखिये चाकू

चक्रम पु० पागल बौडम मनुष्य

चक्रवृद्धि वि० चक्रवृद्धि, जो सूद-दरसूद लगाया जाये

चखाडवुं स० क्रि० चखाना

चगडोळ न० देखिये 'चकडाळ'
चगदवु स० क्रि० पाँवो तले कुचलना, जोरसे दबाना, रौंदना [जाना
चगदावु अ० क्रि० कुचला जाना, रौंदा
चगवु अ० क्रि० आकाशमें–ऊँचे उडना (२) आनन्दविभोर होना, चहकना
चचणवु अ०क्रि० जलन होना, छर-छराना चुनचुनाना (२) 'चरचर' आवाज़के साथ जलना, चरचराना (३) मनमें दुःखी होना, कुढ़ना, जलना [ला]
चचणाट पु० चुनचुनाहट, जलन
चचरवु अ०क्रि० छरछराना, जलन होना
चचराट पु० छरछराहट, काट, जलन
चचूको(–डो) पु० चिऔं, चिंचा
चच्चार वि० चार चार
चट स्त्री० चिंता, सोच फिक्र (२) ज़िद, हठ (३) अ० चटसे (४) चाट-पोछकर, चट (कर जाना) खाना। [–दईने लईने = चटसे, तुरन्त]
चटक वि० चटकदार, गहरा, शाख, उदा० 'रातु चटक' (२) स्त्री० लज्जत, स्वाद (३) मनकी चुभन, दंश [ला]
चटकदार वि० स्वादिष्ठ, लज्जतदार (२) चटकदार, चटकीला (३) मनको भानेवाला (४) मनोभावोंको भड़कावे, उकसावे ऐसा (लेख, भाषण)
चटकमटक वि० रसिक, नखरेबाज़ (२) स्त्री० चटकमटक
चटकवुं स०क्रि० डंक मारना (२) मनमें चुभना [ला] (३) अ० क्रि० (चाँदनीका) चटकना
चटकाववु स०क्रि० डंक मारना, काटना (२) मनमें चुभना
चटकी स्त्री० उत्कट मनोभाव, चुभन (२) चुटकी (३) मोहिनी (४) सोहावना, खुलता लाल रंग
चटकुं न० बूंद, छींटा
चटको पु० दंश, डंक (२) [ला] तीव्र मनोभाव, चुभन (३) स्वाद, चसका। [–लागवो = डंक लगना (२) मनमें चुभना (३) चसका लगना]
चटचट अ० झटपट, तेज़ीसे
चटणी स्त्री० चटनी
चटपट अ० झट-झट, ताबड़तोड़
चटपटी स्त्री० चटपटी (२) घबड़ाहट, छटपटी, संताप
चटवु अ० क्रि० दिलको चोट लगना। [चटी जवु = दिल पर चोट लगना]
चटाई स्त्री० चटाई [स्वाद
चटाको पु० मनकी चुभन दंश (२)
चटाडवु स० क्रि० चटाना
चटापटा पु० ब० व० रंगबिरंगी धारियाँ
चटूडु वि० चटोरा, जिभला (२) घूसखोर
चटोचट(–ट्ट) अ० चटाक-पटाक, तेज़ीसे
चट्ट अ० देखिये 'चट'
चट्टां अ० चट (कर जाना), खतम
चडऊतर(–री) स्त्री० चढ़ा-उतरी
चडचड अ० चड-चड़से
चडचडवु अ०क्रि० चड-चड आवाज़ करना, तड़तड़ाना (२) तड़कना, चर्राना, घावमें खुश्कीके कारण तनावसे दर्द होना, चरचराना [चढ़ाई
चडण (ड') न० चढ़ाववाला रास्ता,
चडती (ड')स्त्री० उन्नति (२) बढ़ोतरी, बढ़ती [उत्थान-पतन
चडतीपडती (ड')स्त्री० चढ़ती-पड़ती,
चडतुं (ड') वि० बढ़ता, ऊँचे उठता हुआ (२) बढ़िया। [चडतो दहाडो =

बढ़ता हुआ दिन (२) उगता सूय (३) *समृद्धिके दिन* (४) (*स्त्रीके*) सगर्भा वस्थाके दिन]

चडप (०चडप) अ० चटसे, त्वरासे

चडभड स्त्री० बड़-बढकर बोलना, खीज, ग़ुस्सा

चडभडवु अ० क्रि० गुस्सा होना, (किसी पर) बिगडना, झगडा मोल लेना, अधीर हो उठना

चडभडाट पु० गुर्राहट, खीज गुस्सा

चडवु (ड) *स०क्रि०, अ०क्रि० चढना* (२) बाढ पर होना, बढना, तेज, महगा होना (पानी आवाज, सूजन, भाव आदि) (३) सवार होना उदा० घाडे चडवु' (४) चढाई करना उदा० 'गुजरात पर चडी आव्यो (५) पकना, सीझना, उदा० भात चडी गयो छे (६) गवसे इत राना, फूलना (७) गुस्सा होना खीजना, उदा० 'चडा चडीने बोले छ (८) तग–चुस्त होना कसना, उदा० कपड़ चडी गयु (९)–से बढिया ठहरना (१०)–का असर होना – का रग लगना नशीली चीजोका असर होना (११) जिद पर आना उदा० 'ते हठे चडयो छे' (१२) (बाकी) बचना, इकट्ठा हो जाना, चढ जाना उदा० काम उघराणी रजा इत्यादि चडया छे (१३) चढाया जाना, चढना, उदा० हतु मानने तेल चडवु पीठी चडवी (१४) देवादिको भेंट किया जाना उदा० 'देवने फल, नाळियेर चडवु (१५) कागज या खोल चढाना। [**चडी बेसवु** = सवार होना (२) सिरजोरी करना (३) मर्यादा लांघकर बरतना, हुक्म न मानना । **चडी वागवु** = बहकना (२) मुह लगना, मर्यादा लाँघना । **चडधे घोडे आववु** = उतावली करते हुए आना]

चडवो पु० मिट्टीका छोटा जलपात्र, कुल्हड़ [(२) ममत्व अहकार

चडस पु० चरस (२) व्यसन, चसका

चडसाचडसी (ड') स्त्री० प्रतियोगिता, चढा उपरी

चडसीलु (ड) वि० आदी, व्यसनी (२) अहकार ममत्व रखनेवाला, हठी

चडाई (डा) स्त्री० चढाई, सेनाका आक्रमण

चडाउ (डा') वि० फूलकर कुप्पा हो जानेवाला (२) झट गुस्सा हो जानेवाला तुनकमिज़ाज (३) (ज़मीनको) अनुकूल आनेवाला, गुणकारी (४) सवारीके योग्य

चडाऊतर (डा') स्त्री० देखिये '**चड ऊतर**' [होड

चडाचडी (डा') स्त्री० चढा चढी, स्पर्धा,

चडाण (डा') न० चढाव, चढाई

चडाव (डा') पु० ऊँचाई (२) उत्त रोत्तर ऊँची होती जानेवाली ज़मीन (३) ऐसा माग (४) बढती वृद्धि (५) सेनाका आक्रमण

चडाववु (डा') स० क्रि० चढ़ाना (२) चढाई करनेको प्रेरित करना, उक साना (३) चट कर जाना, उदरस्थ करना [बढावा उकसाना

चडामणी (डा') पु० देखिये चडाव' (२)

चडियातु (डि) वि० बढिया

चड्डी स्त्री० जाँघिया, चड्डी

चडऊतर स्त्री० देखिये चडऊतर'

चडवु स०क्रि० अ०क्रि० देखिये '**चडवु**'

चढाई, चढाउ, चढाऊतर, चढाचढी, चढाण, चढाव देखिये 'चडाई' आदि
चढाववु स० क्रि० चढ़ाना
चढियातु वि० देखिये 'चडियातु'
चण(ण,) स्त्री० चुगा, चुन, चुग्गा
चण स्त्री० लहँगे आदिकी चुन्नटदार सिलाई [(२) उसकी रीति
चणतर न० चुनाई, (दीवारकी) जोडाई
चणवु स० क्रि० इंटें जोडना, चुनना
चणवु अ० क्रि० चुगना
चणाखार पु० चनाखार
चणापणी स्त्री० हरे चनेका पौधा, बूट (२) ऐसे पौधोंकी पूली, जुट
चणियारु (णि') न० चौखटकी लकडीका छेद जिसमें किवाड घूमा करता है चूल। [–खसी जवु=दिमाग़ खिसकना (२) नुक़सान होना]
चणियो पु० लहँगा, घाघरा
चणी स्त्री० चनेकी एक जात छोटा चना
चणीबोर न० चनेके जितना छोटा बेर, झडबेरी
चणोठी स्त्री० घुघची, गुंजा (बेल) (२) गुंजा-फल (३) एक मान, रत्ती
चतुराई स्त्री० चतुराई, होशियारी
चतु वि० देखिये छतु
चतुपाट वि० पूरा चित चारा खाने चित
चत्तापाट अ० पीठके बल, अटाचित
चत्तु(०पाट) देखिये चतु आदि
चनोठी स्त्री० देखिये चणोठी'
चप अ० झट, चटसे एकदम
चपकाववु स०क्रि० गरम करके चापना (२) चिपकाना (३) छौंकना
चपचप अ० 'चप-चप' आवाजके साथ (२) झटपट, तेज़ीसे
चपचपु वि० चिपचिपा और पचपचा
चपट वि० चिपका हुआ, चिपटा, सटा हुआ [चपटा
चपटु वि० चिपटा, बैठा या धँसा हुआ,
चपटी स्त्री० चुटकी (२) उसमें पकडी जाय उतनी मात्रा, चुटकीभर चीज़ (३) बीचकी उँगली पर अँगूठेको दबाकर छटकानेसे होनेवाली आवाज़, चुटकी (बजाना) (४) चुटकी बजानेमें लगनेवाला समय, थोडी देर (५) चुटकी (भरना, काटना)। [–मां उडाववु=शुमारमें न लेना, कुछ न समझना (२) मज़ाक उडाना]
चपटो पु० बडी चुटकी
चपडालाख स्त्री० साफ की हुई लाखकी चिपटी गुल्ली, चपडा
चपण(–णियु,–णु) न० चपनी, सकोरा (२) चमला, भिक्षापात्र [पुरज़ा
चपतरु न० काग़ज़का टुकडा, परचा,
चपरास स्त्री० चपरास (सिपाही, अरदली आदिकी) (२) किवाडको चौखटसे जोडनेवाला लोहे या पीतलका पुरज़ा, कब्ज़ा (३) बडाई, प्रशंसा
चपरासी पु० चपरासी पटावाला'
चपसवु अ० क्रि० चाँपना चापना, ज़ोरसे दबाना (२) अपनी जगह पर ठीक बैठना
चपळ वि० चपल, चंचल (२) होशियार
चपाटवु स० क्रि० सपाटेसे खाना, चट कर जाना
चपाटी(–टी) स्त्री० चार परतवाली रोटी (२) मोटी रोटी
चपेट(–टी) स्त्री० चपेट, तमाचा (२) शिकंजा दबाव, क़ाबू (प्रेत-बाधाके लिए) (३) नुकसान, आफत
चपोचप अ० एकदम, चटसे झटपट

चपोतरु न० कागजका टुकडा, पुरजा
चप्पट वि० देखिये चपट
चप्पण(–णियु) न० देखिये चपण'
चप्पु पु० न० देखिये चाकु
चबरकी(–खी) स्त्री० कागजका छोटा टुकडा चिट [वाचाल
चबराक वि० चरबांक चचल (२)
चबावलु वि० जरूरतसे ज्यादा अकलमद
चबूतरी स्त्री० छोटा चबूतरा (२) पक्षियोंके बठने और दाना चुगनेकी चबूतरी
चबूतरो पु० थाना, पुलिस चौकी (२) कर वसूल करनेका स्थान नाका (३) चौतरा चबूतरा (४) पक्षियोंको चुगा डालनेका पक्का स्थान
चबोळवु स० क्रि० गालियाँ बकना
चमक स्त्री० चमक झलक (२) (कप या ऐंठके कारण शरीरका) तनाव तनना (३) ताज्जुब (४) पु० चुवक लोहकान्त मणि
चमकवु अ० क्रि० चमकना झलकना (२) चौकना (३) चाल अच्छी न होना हाथसे जाना
चमकाट पु० चमक चमकारा (२) वातोन्मादका आवेश (३) हाथसे जाना वहकना
चमकार(–रो) पु० तनाव कप (२) चमकारा झलक (३) चम चम आवाज
चमकाववु स० क्रि० चमकाना चम चमाना (२) (थप्पड) रसीद करना पीटना
चमची स्त्री० छोटा चमचा चमची
चमची स्त्री० पान-सुपारी आदि रखनकी खास थली बटुआ
चमचो पु० चम्मच, चमचा
चमर स्त्री० बाल या पर (२) स्त्री०, न० देखिये चम्मर
चमरखु न० चमरख
चमरबध पु० चमडेका पट्टा
चमरबधी वि० (जिसने) कमरमें चमडेका पट्टा बाँधा हो (२) शूरवीर और धयवान (३) पु० वह व्यक्ति जिसने कमरबन्द बाँधा हो
चमरी स्त्री० चमरी मजरी (२) फूलकी मजरीक जसी ऊनी या रेशमी कारीगरी (३) घोडेकी पूँछके बालोंकी बनाई हुई चवरी चवरी
चमरीगाय स्त्री० चमरी सुरा-गाय
चमार पु० चमार (२) वि० उम जातिका
चमेली स्त्री० चमली (लता)
चम्मड वि० चमड जसा चिमडा चीमड (२) कृपण कजूस
चम्मडतोड वि० कजूस, बखील
चम्मर स्त्री०, न० चवर चामर चमर
चर अ० चरसे (कपडा आदि फटनका शब्द करते हुए)
चर स्त्री० खाई नाली (२) भाड, भट्ठा
चरकवु अ० क्रि० चिरकना (खासकर पक्षियोंका) [कडवा बेस्वाद
चरकु(–खु) वि० चरपरा और थोडा
चरखो पु० रुई ओटनेकी चरखी ओटनी (२) मिल (३) खराद
चरचर अ० जलनेकी आवाज करते हुए, चडचडसे (२) तेजीसे जल्द (३) स्त्री० चरचराहट चर चर आवाज (४) छरछराहट (५) चिता सोच [ला]
चरचरवु अ० क्रि० देखिये चचरवु
चरचराट पु० देखिये चचराट

चरड अ० कपडा वगैरह फटनेका शब्द, चरस (२) जूतेमेंसे निकलनेवाली आवाज, चरमर

चरण पु०, न० चरण, पांव (२) कविताका पाद छंदका एक पाद, चरण, मिसरा। [–सेववां = चरणका आश्रय लेना, पैर पकडना]

चरबी स्त्री० चरबी, मेद (२) मद, अभिमान [ला]। [–करवी, करडवी = छेडछाड या नटखटी करना (२) रोब या जोर दिखाना। –चडवी, वधवी = चरबी चढना, घमंड करना]

चरवु अ० क्रि० चलना, फिरना (२) (पशुओंका) चरना (३) कमाना, पैदा करना ['चडस' आदि

चरस, चरसाचरसी, चरसीलु देखिये

चराई स्त्री० पशु आदिका चरानेकी मजदूरी, चराई

चराण न० चरान, चरागाह, गोचर (२) चरानेकी मजदूरी, चराई

चरामण न०, (–णी) स्त्री० चरानेकी मजदूरी, चराई

चरावव़ु स० क्रि० चराना [चरित

चरित न० चरित आचरण (२) जीवन

चरित्र न० आचरण, व्यवहार (२) जीवनचरित्र जीवनी (३) चरित्तर, कपट, पाखंड [ला]

चरी स्त्री० परहेज [चरु

चरु पु० चौडे मुंहका एक बरतन, देग,

चरेडो पु० दिलको धक्का लगना, धडका डर, कलेजा फटना (२) चीरा

चरो (रॉ') पु० चरी, गोचरभूमि

चर्चवु स० क्रि० चर्चा-बहस करना (२) निंदा करना (३) चरचना, चंदन आदिका लेप करना

चर्चा स्त्री० चर्चा, बहस, जिरह (२) निंदा (३) लेप

चर्चापत्र न० समाचारपत्रमें आया हुआ चर्चा विवेचनात्मक लेख या पत्र, संपादकके नाम पत्र

चर्चापत्री पु० समाचारपत्रमें चर्चात्मक लेख या चर्चापत्र लिखनेवाला

चर्चावु अ० क्रि० चर्चा होना

चलण न० जोर, सत्ता, चलती (२) प्रचलित सिक्का, चलन (३) रीति-रिवाज, चलन

चलणी वि० जिसका चलन हो, चलन-सार, चलता (सिक्का)

चलम स्त्री० चिलम

चलवव़ु स० क्रि० देखिये 'चलाववु'

चलाउ वि० चलाऊ, टिकाऊ

चलाणी स्त्री० पेंदेदार छोटी कटोरी, छोटा प्याला [छालिया

चलाणु न० पेंदेदार छोटा कटोरा,

चलाववु स० क्रि० चलाना

चलावु अ० क्रि० चलाया जाना

चलूडु न० छोटा कसोरा, छोटा प्याला (२) मिट्टीकी लुटिया कुल्हिया

चल्लु न० गौरवाकी जातिका छोटा पक्षी, चिडिया

चल्लु न० चुल्लू अंजली

चवड वि० चीमड चिमडा

चवडाववु स० क्रि० चबवाना

चवडु वि० चीमड (२) न० (हल्की) फाल, कुसी

चवराववु स० क्रि० चबवाना

चवाणु न० चबेना, चबना

चवावु अ० क्रि० चबा जाना

चश्मुं न० चश्मा, ऐनक। [चश्मां आववां = कम दिखाई देना (२) घमंड

होना, चरबी चढना। चश्मा फरी जवां=गुस्सा होना तेवर बदलना (२) सही वस्तु न दिखाई दे ऐसा होना]
चश्मेघब वि० बिना ऐनकके बिलकुल देख न सके ऐसी आँखोंवाला
चसक स्त्री० रग या संधिस्थलके स्नायुके यकायक होनेवाले तनावसे उठनेवाली पीडा हुक चमक
चसकवु अ० क्रि० *छटकना खिसकना* (२) दिमाग़ ठिकाने न रहना
चसको पु० चमक हुक (२) तलब चाव (३) लत चसका (४) नाज नखरा चाव चोचला। [**–आववो, नाखवो, मारवो**=टीस या विल्क उठना शूल उठना। **–लागवो**=लत या आदत पड जाना चसका लगना]
चसचसाट अ० *कसकर मजबूतीसे* (२) गट-गट (पीना) (३) पु० चुस्त होना
चसमपोशी स्त्री० चश्मपोशी
चसमु न० देखिये चश्मुं
चसवु अ० क्रि० खिसकना, हिलना
चहेरो पु० चेहरा। [**–पडवो, पडी जवो**=चेहरा उतरना मुह लटकना]
चळ वि० चल अस्थिर
चळ(ळ) स्त्री० खुजली चुल (२) हडबडाहट चटपटी [ला]। [**–आववी, चवी**=छटपटी होना (२) खुजली उठना, चुलचुलाना]
चळक स्त्री० झलक चमक (२) चमकदार टिकली सितारा
चळकवु अ० क्रि० चलकना चमकना
चळकाट पु० चिलक चमक प्रकाश
चळकी स्त्री० चिलक (२) चमकनेवाली चीजका छिडकाव उदा० कपडा उपर चळकी छटावी छे
चळवळ स्त्री० चटपटी, उतावली (२) हलचल, आदोलन
चळवळियु वि० हलचल मचानेवाला
चळवु अ० क्रि० डिगना हटना, खिसकना (२) पतित होना, च्युत होना
चळाई स्त्री० छाननेकी मजदूरी
चळामण न० छाननेकी उजरत (२) छाननेके बाद चलनीमें बचनेवाला भूसा, चोकर आदि बूर चलनौस
चळाववु स० क्रि० चळवु 'चाळवु' का प्रेरणार्थक
चळावु अ० क्रि० चाळवु' का कर्मणि (२) चळवु' का भावे
चळु न० चुल्लू आधी अंजली, अचवना (खानेके बाद हाथ-मुह धोते समय)
चगी(०भगी) वि० भाँग-गाँजेमें चूर रहनेवाला *भगड भगेडी-गँजेडी* (२) व्यभिचारी
चगु वि० चगा तदुरुस्त
चचवाळवु स० क्रि० (चोचमें समाये इतना) थोडा-थोडा मुहमें लेकर स्वाद लेना चुभलाना (२) जल्द खतम न करना [ला] (३) सहलाये जाना, हाथ फेरना
चचळ वि० चचल *अस्थिर, डाँवा* डोल (२) चुलबुला (३) क्षणिक, फानी (४) चालाक होशियार
चचु(–चू) पात, चचु(–चू) प्रवेश पु० चोच डुबाना (२) अल्प परिचय, चचु प्रवेश [ला]
चडाल(–ळ) वि० चडाल चाडाल निर्दय, घातक (२) पापी नीच (३) पु० एक जातका *अत्यज चाडाल* (४) जल्लाद, हत्यारा (५) नीचकर्म करनेवाला व्यक्ति चाडाल [ला]

चडाळचोकडी स्त्री० कुकर्म करने वालाकी टाली

चडूल पु० चडू

चडोल(–ळ) पु० चडूल (पक्षी)

चदन न० चदन, सदल (पेड, लकडी) (२) चदनका लेप चदन (३) तिलक, टीका। [(चोख्खु) चदन जवु= बिल्कुल साफ]

चदनघो पु० चदनगोह [बठका)

चदनहार पु० चदनहार (स्त्रियोके

चदनी स्त्री० चांदनी (२) चँदोवा, छत्र चांदनी (३) एक वनस्पति बारहमासी गुल्चांदनी

चदरवो पु० चँदोवा चँदवा छत्र (२) चांदनी, छतगीर

चदा स्त्री० घाडे या वल्को न्यिा जाने वाला कोरा दाना चदी (२) [ला] रिश्वत

चदो पु० चदामामू चाद (२) धातुकी चान्र पर लिखा हुआ बक्षिशनामा, ताम्रपत्र (३) चहरा मुखाकृति (४) टापीक ऊपरका गोल भाग चदवा (५) टीका, तिलक (६) मुहर, छाप

चपल पु०, स्त्री०, न० चप्पल

चपाववु स० क्रि० चपवाना, दबवाना

चपावु अ० क्रि० चपना दबना चांपा जाना (२) मैले पर पांव पडना

चपी स्त्री० चप्पी, धीरे धीरे पांव दबाना

चपो पु० चपा चपक वृक्ष

चबु पु० सुराहीनुमा एक बरतन (२) कूजा, सुराही

चबली स्त्री० चँबली चमेली

चा(चा') पु० स्त्री० एक पौधा (२) उसकी पत्तियाका पेय चाय

चाऊर, चाओळ न० बीज गिराकर अनाज बोनका बांसकी नलियोवाला साधन, बांसा, सल

चाक वि० चाक, चुस्त स्वस्थ

चाक पु० चाका, पहिया, चक्र (२) कुम्हारका चक्र चाक (३) चक्रकी गोल गति, चक्राकारमें घूमना चक्रगति (४) जूडमें पहननेका एक गोल गहना। [–आपवो, देवो = गोल-गोल घुमाना। **चाके चडवु** = गोल-गाल घूमना (२) कुम्हारके चाक पर चढना या रखा जाना (३) खूब चर्चा चलना, बदनाम होना (४) मस्तीमें आना मतवाला होना छकना, उदा० 'हमणाना ए बहु चाके चड्यो छे']

चाक पु० चॉक, खडिया मिट्टी खडी

चाकडो पु० कुम्हारका चक्र, चाक

चाकण (ण,) स्त्री० दोमुहा अधा सांप गूगी

चाकर पु० चाकर, नौकर

चाकरडी स्त्री० चाकरनी नौकरानी

चाकरियात वि० चाकरी करनवाला (२) पु० नौकर, चाकर

चाकरी स्त्री० चाकरी (२) खिदमत, सेवा-टहल, तीमारदारी। [–उठावबी = तीमारदारी सेवा करना]

चाकळ(०ण) स्त्री० देखिय 'चाकण'

चाकळो पु० चकला रोटी बेलनेका पाटा चौका (२) कुँएसे पानी निकालनेकी मोटकी बडी घिरनी, चरखी (३) गोल या चौरस गद्दी (खासकर चमडेकी)

चाकी स्त्री० कील स्क्रू आदिके साथ इस्तेमाल की जानेवाली पेचदार या बगर पेचकी धातुकी गोल चकती

ढिबरी (२) गोल गठरी (३) व्यवस्थित रीतिसे लगाया हुआ ढेर चक्का

चाकु पु०, न० चाकू

चाकु न० बडा टुकडा टाँकी (२) थक्का (३) खजूरका गट्ठर

चाकू पु०, न० चाकू छुरी

चाखडी स्त्री० खडाउ पाँवडी

चाखवु स०क्रि० चाखना चखना (२) स्वादके लिए खाना, चखना [ला]

चाट वि० झेंपू खिसियाना

चाट(ट) स्त्री० कुत्तो आदिको खाना डालनेका पात्रविशेष (२) खानेका चसका, चाट [चोट

चाट स्त्री० चाँटा, तमाचा (२) ताना

चाटण न० चाटना चाटनेकी क्रिया (२) चाटनेकी औषधि, अवलेह

चाटणियु वि० चटोरा, जिभला

चाटणु न० चाटकर खानेकी दवा अवलेह

चाटलु न० दपण आरसी

चाटवु स० क्रि० चाटना स्वाद लेना जीभ फेरना [पौना (२) चप्पू

चाटवो पु० काठकी बडी करछी, डौवा,

चाटूडी स्त्री० काठकी छोटी करछी, छोटा डौआ [चरबाँक

चाटूडु वि० जरूरतसे ज्यादा अक्लमद

चाटूडु वि० जिसे चाट खानेका चसका हो चटोरा (२) घूसखोर

चाटो पु० अवलेह, चटनी

चाठु न० चकत्ता ददोरा

चाडियण वि०स्त्री० एककी बात दूसरे-को कह देनेवाली चुगलखोर स्त्री

चाडियु वि० एककी बात अन्यको कहनेवाला लुतरा चुगलखोर

चाडियो पु० दुबला-पतला व्यक्ति (२) चिडियों बदरा आदिको डरानेके लिए बनाया जानेवाला मनुष्य जसा पुतला घूहा बिजूका धडका (३) गाँवका-मुहल्लेका दुष्ट व्यक्ति (४) वि० पु० चुगलखोर, लुतरा

चाडी स्त्री० एककी बात दूसरेको कह देना चाडी। [– करवी, खावी = चुगली खाना] [लाई-लुतरी

चाडीचुगली स्त्री० चाडी, चुगली,

चाडु न० गोफनका ढेला रखनेका फदा (२) दीवार आदिमें दीया रखनेके लिए लगाया जानेवाला लकडीका टोडा दीवारगीर (३) मुखडा, चेहरा (तुच्छकारमें) (४) थाला

चादर स्त्री० चादर, चद्दर। [–ओढवी = चादर शरीर पर ओढना (२) दिवाला निकालना। –ओढाडवी = चादरसे ढाँकना (२) महतकी मत्युके बाद उनके वारिसको गद्दी पर बिठाना (३) तबाह करना, दिवाला निकलवाना] [मा बिछौना

चादरु न० चादरसे बडा रगीन ओढना

चादानी (चा') स्त्री० चायकी केतली चादानी

चानक स्त्री० चिता खटका (२) चेतावनी (३) जागृति, चालाकी। [–आपवी = चेतावनी देना। –आववी, लागवी = सोच फिक्र करना, चेतना। –राखवी = सतक रहना (२) सोच, फिक्र करना]

चानकी स्त्री० चदिया छोटी रोटी

चानकु न० देखिये चानकी

चापचीप स्त्री० टीप-टाप (२) चिक नाई, जरूरतसे ज्यादा अन्नल इस्ते-माल करनेकी आदत

चापट स्त्री० चपत तमाचा

चापडो पु० किसी चीजको कसकर बाँधनेका बंध, पट्टी, बंद, चिप्पड
चापवु न० हाथ या पैरका उँगलियोवाला भाग, तली
चापाचीप स्त्री० देखिये 'चापचीप'
चापाणी (चा') न० ब० व० चाय या चायके साथका कलेवा, चाय-पानी (२) स्वागत या विदाई समारंभका जल्पान [भाग तली
चापु (–प्पु) न० परका उँगलियोवाला
चाबखो पु० चाबुक, कोडा (२) लगनेवाली बात–मार्मिक वचन[ला]। [चाबखा मारवा = व्यंग्य या ममभेदी वचन कहना]
चाबुक पु० चाबुक, कोडा
चामठु न० चकत्ता, दाग, साँट
चामड वि० चमडे जसा चिकना
चामडियण स्त्री० चमारिन
चामडियो पु० चमार
चामडी स्त्री० चमडी। [–आववी = घावका भर जाना, घाव पर नई चमडी आना।–तोडी नाखवी = खूब पीटना चमडी उधेडना]
चामडु न० प्राणियोकी शरीरसे अलग की हुई खाल चमडा (२) चमडी (तुच्छकारमें)। [चामडां रगवां = सख्त पीटना, खूब मरम्मत करना।–खराब थवु = मार खाना।–चूंथावु = ठाव ठिकाने न पडना (२) बेकार श्रम उठाना (३) (स्त्रीका) शीलभंग होना मर्यादा जाना (४) बदनामी होना] [चामर वत्त
चामर पु, न० चामर, चँवर (२)
चामाचीडियु न० चमगादड
चार (२) स्त्री० चारा हरी घास
चार वि० चार, ४ (२) कुछ, कई (३) थोडा, अल्प।[–आँख थवी, करवी = ऐनक आना (२) गुस्सा होना (३) चार आँखें होना, देखा-देखी होना।–बोल कहेवा = जरा सीख या उल्हना देना। चारे हाथ होवा = कृपादृष्टि होना। चारे हाथ हेठा पडवा = कोई चारा या आधार न रहना]
चारखूणियु वि० चौकोना, चौकार
चारखूट वि०(२)अ० चौकोर चौखूटा
चारण पु० राजाओका यशोगान और बखान करनेका पेशा करनेवाली एक जातिका मनुष्य, चारण (२)वि० उस जातिका
चारणकाव्य न० 'बॅलड'
चारणी वि० चारणका, चारणसे संबद्ध (२)स्त्री०भाट–चारणोकी कविताकी भाषा (३) चारण स्त्री
चारवु स० क्रि० (ढोर) चराना (२) माहरा, गोटी, गोट चलाना
चारसोवीस वि० स्त्री० पेनल कोड' की ४२० वी धारा–धोखेबाजी छल कपट आदिके लिए (२) वि० ऐसा गुनाह करनेवाला, चारसौ बीस
चारियु वि० जिसमें सिर्फ घास उगती हो ऐसा (खेत) (२) मात्र घास-पात खानेवाले ढोरका (घी) (३) न० घसियारा, चरकटा (४) चारा बाँधनेका कपडा झाली
चारो पु० पशु-पखीकी खुराक चारा
चारो पु० चारा उपाय (२) चलन सत्ता
चारोळी स्त्री० चिरौंजी
चाल स्त्री० देखिये 'चाली'

चाल पु० चाल रीति रिवाज (२) चलनेका ढग, चाल (३) गति, रफ्तार (४) (खेलमें) माहरा चलना या उसका दाँव (५) चलन आचरण। [—पाडवो = रीति कायम करना प्रथा शुरू करना। (—नी) चाले चालवु = —की चाल-गतिके अनुसार चलना (२)—का अनुसरण करना]

चालचलगत स्त्री०, **चालचलण** न० चाल-चलन आचरण (२) चारित्र्य शील

चालणगाडी स्त्री० बच्चोंको खडे खडे चलना सिखलानेकी गाडी, घुडला

चालचलाउ वि० कामचलाउ

चालती स्त्री० चलता बनना। [—**पकडवी** = चलता बनना पलायन करना]

चालबाजी स्त्री० गोटी आदि चलानेकी रीति या होशियारी (२) चालबाजी चालाकी [ला]

चालवु अ० क्रि० चलना (२) किसी यत्रका गतिशील होना, चलना (३) निभना गुजर होना, उदा० आम आपणु क्या सुधी चालशे? (४) टिकना चलना काम देना उदा० आटला चोखा घणा दिवस चालशे (५) असर होना बस चलना उदा० एनु कई चालतु नथी (६) आचरण करना अनुसरण करना (७) काफी होना, हो सकना उदा० आमा आटलु दूध चालशे (८) किसी प्रवृत्तिका गतिशील बनना उदा० अहीं मसलत चाले छे (९) चलन होना प्रचलित होना। [**चालतां रस्ते चालतां** = अकारण वसे ही (झगडा मोल लेना)। **चालती वहेलमां बेसवु बेसी जवुं** = बडोंके या विजयीके पक्षमें जा घुसना]

चालाक वि० चालाक, होशियार, चट (२) धूर्त, काइयाँ

चालाकी स्त्री० चालाकी धूतता

चाली स्त्री० किरायेकी अनेक कोठडियोवाला बडा मकान चाल

चालु वि० चलता हुआ जारी (२) हालका वतमान

चावडी स्त्री० पुलिस चौकी, थाना

चावडु न० बीज गिराकर अनाज बोनेका बाँसकी नलियावाला साधन बाँसा, सेल

चावणु न० चना चबना

चाववु स० क्रि० चबाना

चावळु वि० जरूरतसे ज्यादा अक्ल बघारनेवाला (२) चरबाक

चावी स्त्री० चाभी चाबी, कुजी (२) उपाय गुर [ला]। [—**चडाववी** = उकसाना उत्तेजित करना उभाडना। —**जडवी** = रहस्य या उपाय मिल जाना]

चास पु० हल जोननसे बनी हुई गहरी लकीर कूड [कसौटी

चासणी स्त्री० चाशनी शीरा (२)

चासन वि० (२) अ० देखिये 'चाहन

चाह पु० चाह इच्छा (२) प्यार

चाहन वि (२) अ० जाहिर खुले आम

चाहना स्त्री० देखिये चाह

चाहवु स० क्रि० चाहना (२) प्रेम करना

चाहे अ चाहे मरजीमें आये

चाळणी स्त्री० चलनी, छलनी

चाळणो पु० अनाज छाननेकी बडी छलनी झरना चलना

चाळववु स० क्रि० कभी कभी उलट-फेर करना फेरना (२) खपरलोको फेरना

ठीक करना (३) अलग अलग तरीकेसे उपयोग करना (४) गोटी चलाना

चाळवु स० क्रि० छानना, चालना (२) खपरलोको ठीक करना फेरना (३) अच्छा-बुरा छाँटकर अलग करना, चुनना

चाळा पु० ब० व० नकल उतारना, स्वांग (२) नखरे, चाचला, हाव भाव (३) नटखटी, शरारत। [–पाडवा= किसीकी नकल उतारना]

चाळाचसका पु० ब० व० नाज-नखरे, हाव भाव (२) आनाकानी, टालमटूल

चालीस वि० चालीस, ४०

चाळो पु० नखरा, मटक (२) लक्षण, निशान चिह्न

चांउ करवु, करी जवु=हजम कर जाना, धोखा देकर या भय दिखाकर ले लेना, हड़पना, माल मारना

चांगळु (०) न० चुल्लू, चार उँगलियोंकी अंजली

चांच (०) स्त्री० चोंच (२) चोंचके जसी नोकदार चीज, नोक, उदा० 'पाघडीनी चांच' [–खूपवी, डूबवी, बूडवी= समझमें आना, अक्लका काम करना, कुछ करनेके लिए शक्तिमान होना]

चांचड (०) पु० पिस्सू

चांचवो (०) पु० गती [डकैत

चांचियो (०) पु० जहाजी डाकू जल

चांडाळ वि० (२) पु० देखिये चडाळ

चांद (०) पु० चाँद (२) पदक, बिल्ला

चांदनी (०) स्त्री० चाँदनी, ज्योत्स्ना (२) चंदोवा छत

चांदरडु (०) न० ताराकी धुंधली रोशनी (२) चाँदनी (३) छोटे छेदमेंसे आनेवाली रोशनीकी किरन

चांदरणु (०) न० देखिये 'चादरडु'

चांदरु (०) वि० सफेद चित्तीदार (२) निरंकुश, मस्ताना [ला]

चांदलियो (०) पु० चदा, चदामामा

चांदलो (०) पु० टीका। [चांदलो चोंटवु =नसीबमें लिखा जाना, पल्ले पडना]

चांदवु (०) वि० नटखट, शरारती (२) न० नटखटी, शरारत

चांदी (०) स्त्री० चाँदी (धातु)। [–जेवु =बिल्कुल उजला]

चांदी (०) स्त्री० एक सक्रामक रोग, उपदश (२) जहाँसे चमडी छिल गई हो या उभरी हो ऐसा छाला। [–पडवी=छाला पडना]

चांदु (०) न० छेददार घाव, व्रण, उपदंश रोग (२) घावका दाग, चकत्ता (३) लाछन, दाग [ला] (४) छिद्र, दाय [गोल आकार

चांदो (०) पु० चाँद (२) उसके जसा

चांप (०) स्त्री० किसी भी यत्र या साधनका चलाने या बद करनेकी कल, चाप पेच (२) सिटकिनी (३) रोब, धाक [ला] (४) इशारा, चेतावनी (५) चिंता फिक्र। [–चडाववी= दाबनेके लिए कलका घोडा उठाना (२) उकसाना। –राखवी = दाब रखना दबावमें रखना (२) चिंता या फिक्र करना, सँभाल लेना]

चांपतु (०) वि० सख्त, कडा (२) जल्द असर करनेवाला

चांपवु (०) स० क्रि० चाँपना, दबाना (२) जलाना, झुलसाना (३) घूस देना [ला] (४) ठूसना

चांपु (०) न० पके कटहलका बीजकोष, कोया

चाल्लो पु० तिल्व, टीका (२) ल्लाटमें चिपकानेकी बिंदी या टिकिया (३) मगल अवसर पर दो जाती पसाकी भेंट, बराक टीकेका रुपया (४) ठीक तरह नही गला हुआ (दालका) दाना। [–अमर रहो = (स्त्रीका) सौभाग्य अखड रहो। –चोटवो, यवो = इतने रुपयोका बेकार खच होना (२) इतन रुपयोका जुरमाना होना]

चिकाखाई स्त्री० देखिये शिकाकई'

चिकार वि० भरपूर चक, ठसाठस (२) लबरेज

चिखल पु० कीचड चीखल [प]

चिचरूको पु० झूला

चिचियारी स्त्री० किकियाना चिल्लाहट

चिचूको (–डो) पु० चिंआ चिंचा

चिचोडो पु० ईख परनका कोल्हू

चिटनीस पु० चिटनवीस

चिठठी स्त्री० चिटठी खत पुरज़ा (२) मृत्युकी खबर देनेवाली चिटठी कहा वत (३) सिफारिशी चिटठी सिफा रिशनामा। [–उपाडवो = चिटठी उठा कर खास वस्तुके अधिकारीका नाम निश्चित करना। –नाखवो = उसके लिए चिटठी डालना]

चिडावु अ० क्रि० चिडचिडाना चिढना

चिडियल वि० चिडचिडा

चिढाणु वि० चीकट और वदबूदार

चिणगारी स्त्री० चिनगारी

चितडु न० चित चित्त [प]

चितरामण न० चित्र (२) चित्रकारी

चितरावबु स० क्रि० चित्र बनवाना

चितार पु० चित्र (२) हूबहू बयान

चितारो पु० चितेरा चित्रकार

चिताळ स्त्री० चीरी हुई लकडीका टुकडा, फटठा चला

चित्त न० चित्त मन (२) ध्यान [ला]

चित्तो पु० चीता

चित्र न० चित्र तसवीर

चित्रकाम न० चित्रकारी

चित्रो पु० देखिये चीतरो

चियरियु वि० देखिये चीथरेहाल'

चिनगारी स्त्री० देखिये चिणगारी

चिनाई वि० चीनमें बनाया हुआ (२) चीन देशका चीनी (३) चीनी मिट्टीका बनाया हुआ (४) नाजुक वस्र टिकाऊ मगर आकर्षक

चिपासियु वि० कजूस (२) बातका बतगड बनानेका आदी

चिबावलु वि० देखिये चबावलु

चिमोडी स्त्री० चिचडी किलनी

चिराई स्त्री० चिरवाई चीरनेकी उज्रत

चिराग पु० चिराग दिया (२) दियेकी लौ

चिराडो पु० देखिये चीरो [चिराई

चिरामण न० (–णी) स्त्री० देखिये

चिरावबु स० क्रि० चिराना चिरवाना

चिरावु अ० क्रि० चिरना फटना ग्रकना

चिरूट पु० स्त्री० चुरुट सिगार

चिरोडी पु० एक प्रकारका नम पत्थर

चिंतवबु स० क्रि० मनन करना सोचना

चिंता स्त्री० चिंता फिक्र (२) विचार

चीक पु०, स्त्री० वनस्पतिमें से निकलने वाला चिकना रस या दूध निर्यास

चीकट वि० चिकना चीक्ट (२) तेल, घी आदि लगा हुआ (३) न०, स्त्री० चिकनाई (४) चिकनी चीज़ (घी तेल आदि) या ऐसे पदार्थमें रहनेवाला स्निग्ध तरल–नली तरव चरबी फट'

चीकटावु अ०क्रि० घी, तेल आदिसे चिकटा होना, चिकटना, चिकनाना (२) घी, तेल लगा हुआ पदार्थ खानेसे रोग या फोडेका बढ जाना
चीकटु वि० चिकटा, चीकट (२) चिकना, लसदार [नापन
चीकणाई(–ग) स्त्री० चिकनाई, चिक-
चीकणु वि० चिकना, चिपचिपा, लस-दार (२) [ला] कमखर्च, कंजूस (३) जरूरतसे ज्यादा अक्ल इस्तेमाल करनेवाला, चिकनी चुपड़ी बातें कर-नेवाला
चीकाश स्त्री० चिकनाई, स्निग्धता
चीकु न० चीकू (पेड और फल)
चीचवाटो(–डो)पु० चिल्लाहट, चिचि याना [गीत चीज़
चीज(–झ) स्त्री० चीज (२) अच्छा
चीटकवु स० क्रि० चिमटना, पिंड न छोडना, लिपटना
चीटु वि० चिकना चिकटा (२) न० मक्खन तपानेसे नीचे बठनेवाला मल, घृतमड, किट्ट [रत चिढ
चीड(ड) स्त्री० गुस्सा, रिस (२) नफ
चीड न० चीड (वृक्ष) [खिझाना
चीडववु(ड) स० क्रि० चिढाना,
चीडावु(ड) अ० क्रि० चिढना, खीजना [घुड़की, झिड़की
चीडियु(ड') वि० चिड़चिडा (२) न०
चीणो पु० एक प्रकारका मोटा अनाज, चेना
चीत वि० चित पटका उल्टा (कुश्तीमें)
चीत (०ड्) न० चित्त
चीतरवु स० क्रि० चित्र बनाना, उरे हना (२) घसीट लिखावट लिखना, घसीटना
चीतरी स्त्री० घिन, नफरत या नाराज-गीसे छूटनेवाली कँपकँपी। [–चडवी = घिनसे कँपकँपी छूटना]
चीतरो पु० चीता (२) एक प्रकारका साँप, चीतल [चला
चीतळ स्त्री० चीरी हुई लकडीका फट्ठा,
चीतळो पु० एक प्रकारका साँप चीतल
चीथडु न० चिथडा, चीथडा
चीथरी, चीथरु, चीथरेहाल देखिये 'चीथरी' आदि
चीनी वि० चीनी, चीन देशका, चीनसे सबद्ध (२) स्त्री० एक प्रकारकी सफेद मिट्टी (३) चीनकी भाषा
चीनो पु० चीन देशवासी, चीनी
चीप स्त्री० लबी चपटी पट्टी, खपची, चिप्पी, फट्टी (२) ताशके पत्तोकी घिसाई या उसकी बारी
चीपट स्त्री० खपची, चिप्पी
चीपटी स्त्री० देखिये 'चपटी'
चीपटो पु० देखिये 'चपटो
चीपडु न०, (–डो) पु० आखका कीचड, चीपड, कीचड
चीपवु स० क्रि० हाथसे दाब–खीचकर पट्टी बनाना (२) सजाकर रखना, ताशके पत्तोको पीसना, फेंटना, धोतीकी लाँगका ठीक करना (३) (बातका) बतगड करना
चीपाचीप स्त्री० बार-बार सजाकर रखनेकी क्रिया
चीपियो पु० चिमटा
चीबडी स्त्री० उल्लूकी जातिका पक्षी खूसट
चीबडु वि० चिपटी नाकवाला, चिपट
चीबरी स्त्री० दखिये 'चीबडी
चीबु वि० चिपटी नाकवाला, चिपट

चोभडी स्त्री० ककडीकी जातकी एक बेल
चोभड् न० आरिया, फूट
चोमटी स्त्री० देखिये 'चपटी'
चोमटो पु० बडी चुटकी (२) बडी चिमटी चिकोटी (३) चिमटा
चोमनी स्त्री० धुआँकश चिमनी (२) लैम्पकी चिमनी [(कान)
चोमळवु स०क्रि० मरोडना, उमेठना
चोमळावु अ०क्रि० कुम्हलाना मुरझाना (२) भीतर ही भीतर जलना कुढना घुरना [दरार
चीर स्त्री० फाँक टुकडा (२) चीरा
चीर स्त्री० स्त्रियाका एक रेशमी वस्त्र (२) वल्कल (३) कोई कीमती कपडा चीर (प्राय व्यग्यमें)
चीरवु स०क्रि० चीरना फाडना फाड ना काटना (२) बीचमें स दा हिस्से करना आर-पार निकल जाय ऐसा करना (भीडको चीरना) (३) गाहकसे उचितसे अधिक दाम लेना लूटना, कसना [ला] [अचार
चीरियां न० ब० व० आमकी फाँकाका
चीरियु *न० फाँक (२) (प्राय आमके)* अचारका टुकडा
चीरी स्त्री० छाटी पतली फाँक टुकडा
चीरो पु० चीरकर बनाया हुआ लबा पतला टुकडा धज्जी चीर (२) शिगाफ दरार (३) पाछ चीर
चील स्त्री० वृक्षो आदिमेंसे निकलने वाला रस निर्यास (२) एक तरहकी भाजी, बथुआ, चिल्ली
चील स्त्री० चील पक्षी
चीलझडप स्त्री० चीलकी तरह झपट्टा मारकर झट छीन लेना चीलझपट्टा
चीलो (चीं) पु० लीक, गडवांत (२) रिवाज, परपरा रूढि [ला]
चीवट स्त्री० होशियारी, दरकार
चीस स्त्री० चीख [चिल्लाना
चीसाचीस स्त्री० लगातार चीखना
चींथरी स्त्री० छोटा चिथडा (२) धज्जी
चींथरु न० फटा-पुराना कपडा या कप डेका टुकडा चिथडा, गूदड
चींथरेहाल वि० जो फटे-पुराने कपडे पहने हो (२) अत्यत निर्धन फट हाल [ला]
चींदरडी स्त्री० चिंदी (कपडकी) धज्जी
चींदरडो पु० (कपडेकी) बडी चिंदी धज्जी [(२) फरमाना
चींधवु स०क्रि० उँगलीके इशारेस बताना
चींबोळवु स०क्रि० देखिये चीमळवु
चुकादो पु० निबटारा, निणय, फसला
चुकाववु स०क्रि० 'चूकवु' का प्रेरणार्थक
चुकावु अ० क्रि० चूकवु का कमणिरूप
चुगल वि० चुगलखोर लुतरा (२) स्त्री० चुगली
चुगलखोर वि० चुगलखोर चवाई
चुगली स्त्री० चुगली
चुगलीखोर वि० चुगलखार, चवाई
चुडेल स्त्री० चुडल डायन
चुनदा (-दु) वि० चुनिंदा बढ़िया
चुनारो पु० चूना फूकनेवाला (२) चूनेसे पुताई करनेवाला राज (३) चूना फूक नेवाली जातिका मनुष्य
चुप वि० चुप खामोश (२) अ० शान्त या मौन रहनेके लिए सूचित करने वाला सकेत
चुपकी, चुपकीदी स्त्री० चुप्पी मौन
चुपचाप, चुपाचुप अ० चुपचाप

घुमावु स० क्रि० अपनी मर्जीके खिलाफ शान्त होना, मन मारना (२) भीतर ही भीतर जलना, मन मसोसना
घुलेतर न० छोटे पीढे पर जडी हुई एक प्रकारकी छुरी, हँसिया
घुलेतरो पु० आम काटनेका औजार, लकडी पर जडा हुआ बडा सरौता, अमकटना
घुसणियु वि० खोसनेकी प्रकृतिवाला (२) न० छोटे बच्चाका चाटनेका काठका खिलौना, चट्टू
घुसाड(–र)वु स० क्रि० घुसाना
घुग(–गा)ल स्त्री० पंजा, चगुल, चुगल (२) उसके जसी मजबूत पकड, दबाव, शिकंजा [ला]
चुगी स्त्री० तबाकू पीनकी नलीके आकारकी चिलम [महसूल, चुंगी
चुंगी स्त्री० माल पर लिया जानेवाला
चुबक वि० चुबन करनेवाला, चुबक (२) अपनी ओर खीचनेवाला (३) न० चुबक वस्तु, उदा० लोहचुबक'
चुबवु स० क्रि० चूमना
चुमाळीस वि० चौवालीस, ४४
चुमोतेर वि० चौहत्तर ७४
चूक स्त्री० चूक, भूल
चूक्तु वि० चुकता, बबाक
चूकते अ० चुकता अदा
चूकववु स० क्रि० भुला देना भुलाना (२) चुकता करना निपटाना (ऋण तकरार)
चूकवावु अ० क्रि० चूकववु का कर्मणि
चूकवु अ० क्रि० चूकना गलती करना, भूलना (२) अदा होना निबटना चुकना (३) सयुक्त क्रियाके रूपमें मूल क्रियाके साथ आता है, चूकना, उदा० 'लखी चूक्यो' (४) स० क्रि० खोना, गँवाना, चूकना (अवसर, निशाना, गाडी आदि)
चूगवु स० क्रि० चुगना
चूड स्त्री० आँटी, (साँपकी) पकड, लपेट, कुडली
चूडगर पु० चुडिहारा
चूडलो पु० देखिये 'चूडा
चूडी स्त्री० चूडी (२) ग्रामोफोनका रेकाड, चूडी। [–ओ पहेरवी = नामर्द बनना, चूडियाँ पहनना]
चूडीकरम न० चूडियाँ तोड देना, चूडियाँ ठढी करना
चूडीगर पु० देखिये 'चूडगर
चूडो पु० बडी चूडी, चूडा। [–फोडवो = विधवा होना चूडियाँ ठढी करना]
चूनागच्ची(–च्छी) स्त्री० चूनकी मजबूत जोडाई (२) चूनेकी बनाई हुई पक्की छत, छत
चूनी स्त्री० हीरेकी कनी चुन्नी (२) नाककी चुन्नीवाली लौंग
चूनु न० चूनी, चुन्नी, चूनी भूसी
चूनो पु० चूना ['चुप' आदि
चूप, चूपकी, चूपचाप, चूपाचूप देखिये
चूमवु स० क्रि० चूमना, चुबन करना
चूर पु० चूर, चूरा [चूण
चूरण न० चूरन बुकनी (२) औषधिका
चूरमु न० भोजनका एक प्रकार, चूरमा
चूरी स्त्री० चूर, बारीक चूरा (सुपारीका)
चूरो पु० चूरा चूर
चूल (चू ल,) स्त्री० रसाईके लिए खोदकर बनाया हुआ बडा चूल्हा, भटठी
चूलागाडी, चूलासगडी (चू') स्त्री० चूल्हेका भी काम देनेवाली अगीठी

चूलो पु० चूल्हा ।[**चूलामां जा, पड, पेस** =चूल्हेमें जा, भाडमें जा । **–फूकवो** =खुद रसोई पकाना, चूल्हा फूकना]
चूवु अ०क्रि० चूना, टपकना
चूवो पु० छप्परका वह छेद जिसमेंसे पानी चूए (२) लकडी या नरेलीके जलनेसे उसमेंसे निकलनेवाला रस
चूस स्त्री० चूसना शोषण, दोहन
चूसण न० शोषण(२)वि० चूसनेवाला
चूसणनीति, चूसणपद्धति स्त्री० शोषण
चूसणी स्त्री० चटटू(२)चूस डालना
चूसवु स०क्रि० चूसना सोखना(२) रस सार निचोड लेना [ला]।[**चूसी खावु**=चूसकर नि सत्त्व कर डालना]
चू के चां न करवु=ची चपड न करना चूं न करना
चूक स्त्री० पेटकी ऐंठन मरोड(२) छोटी कील, तारकी खूटी चर्रई। [**–आववी**=पेटमें पीडा होना (२) बुरा लगना नाराज होना (३) गुप्तरूपसे एतराज होना]
चूकावु अ० क्रि० पेटमें ऐंठन पदा होना (२) गुप्तरूपसे मनमें नाराजगी होना नही भाना [ला]
चूखडु(–ळु) वि० चुधा छोटी आँखो वाला, जिसकी दृष्टि मद हो
चूचवावु अ० क्रि० देखिये 'चुमावु
चूचळु वि० देखिये चूखडु'
चूचां न० चू या ची-तनिक भी बोलना प्रत्युत्तर देना (२)एतराज आना कानी। [**–करवु**=चू चपड करना]
चूधु वि० देखिय 'चूखळु
चूट स्त्री० खुजली चुल्कन
चूटणी स्त्री० चुनना, पसद (२) चुनाव निर्वाचन
चूटली स्त्री०चुटकी चिकुटी ।[**–खणवी, भरवी लेवी**=चुटकी काटना या लेना]
चूटलो पु० बडी चूटकी
चूटवु स०क्रि० चुटकीसे तोडना चुनना (फूल आदि), किसी वस्तुका ऊपरका हिस्सा नाचना, खोटना(२) चुनना, पसद करना छाँटना ।[**चूटी काढवु**= चुनना छाँटना]
चूटावु अ०क्रि० चुना जाना
चूटी स्त्री० चुटकी चिकोटी
चूथ स्त्री० अगतोड पीडा
चूथवु स० क्रि० हाथसे कुचल मसल डालना मीजना क्रम या व्यवस्था अस्तव्यस्त करना
चूथावु अ०क्रि० 'चूथवु का कर्मणि
चूदडी स्त्री० चुनरी चूदरी [प]
चूधळु वि० देखिये 'चूखडु
चूवाळीस वि० देखिये चुमाळीस ४४
चेकवु (च) स० क्रि० देखिये छेकवु
चेकचेका, चेकाचेक (चॆ) स्त्री०देखिये छकाछेक
चेको (च) पु० छेंक (२) छेंकनेस होनवाली लकीर या दाग
चेटक न० भूत भूतप्रेतकी छाया (२) जादू चेटक
चेडां न० ब० व० पागलके-से हावभाव या चेप्टाएँ (२) छेडछाड, नटखटी
चेतवणी स्त्री० चेतावनी चितावनी
चेतवदु स० क्रि० जलाना सुलगाना (२)आग लगाना (३)इशारेसे बताना (४) चिताना
चेतवु अ० क्रि० सुलगना, जलना(२) आग लगना (३)इशारेसे समझ जाना (४)चौकन्ना होना चेतना
चेताववुं स० क्रि० देखिये 'चेतवदु'

चेन(चें) न० चन, सुख, आराम, कल (२) आनद, मजा। [—पडवु= कल पडना चन पडना]
चेन(चें) न० चिह्न आसार
चेनचाळो(चें)पु० चिह्न निशानी(२) पु०ब०व० हाव भाव नाज-नखरे
चेनवाजी(च) स्त्री० सुख-चैन, अमन चैन, चनकी बसी बजाना
चेप पु० मवाद पीब(२)दूसरेके रोग या सबधका असर, छूत
चेप पु० दाब,दबाव (२) दुराग्रह, जिद, हठ। [—छोडवो = सग छोड दना (२) अपनी हठ छाड दना। —मूकवो, मेलवो = (सूई द्वारा)टीका लगाना(२)दुराग्रह छोडना]
चेपवु स० क्रि० दबाना(२)निचोडना (३)खासना, रोपना
चेपी वि० छुतहा, छुतैला, सक्रामक (२) चिकना, दुराग्रही
चेरवु(चें) स० क्रि० अक्षर आदि काटना, छेंकना (२) खुचड़ या दोष निकालना, चर्चा करना, बात छेडना
चेरचेर(—रा), चेराचेरी (चें) स्त्री० खूब छेंकना बार बार छेंकना
चेरीमेरी स्त्री० बख्शिश
चेरो(चें)पु० छेंक
चेलकी स्त्री० लडकी(प्यार और तुच्छ कारमें) (२)चेली गुरनी
चेलकु न० बालक
चेलको न० लडका
चेली स्त्री० चेली चेलिन गुरनी
चेलो पु० चेला। [—मूडवो = चेला मूडना]
चेवबु स०क्रि० सेंकना गरम करना (जलनी रुई या मोमस) मुलसाना
चेह(चें) स्त्री० चिता
चेंचें(चें०)स्त्री०ची-ची(२)किच किच
चेंवेंपेंवें(चं० पें०)अ० खानगीमें, आप समें (२) स्त्री०, न० आनाकानी एतराज (३) बकवास, बडबड
चतर पु० चैत्र मास, चत
चोक(चाँ) वि० चार गुना (अकामें) (२) पु० घरके बीचकी चौकोर खुली जगह, चौक, अजिर (३) मकानके सामनेकी खुली जगह, चौक, सहन (४) मुहल्लेके बीचकी खुली जगह (५) बाजार। [—पूरवा = चौकमें सथिया(स्वस्तिक)अकित करना(२) मगल-काय करना(३)खयाली पुलाव पकाना]
चोकठु(चाँ) न० लकडीका चौकोर ढाँचा जिसमें किवाडके पल्ले जडे जाते ह, चौखट, चौकठा(२)ऐसा लकडी-का कोई चौकार ढाँचा, चौखटा फ्रेम, चौकठा (३) युक्ति, बाजी [ला] (४)मुहल्लेका सहन। [—बेसवु, बेसी जवु = सब जोडाका ठीक लगना(२) विवाह तय होना]
चोकडी(चाँ) स्त्री० × ऐसा चिह्न (२) कमरेमें बना हुआ मेंडदार चौका जिसमें मोरी रहती है चौका (३) चार आद मियोकी मडली चौकडी (४) चार युगोका समूह। [—पडवी = लिखा हुआ गलत होनेसे उस पर काट पडना, अनु-त्तीर्ण होना।—मूकवी = गलत ठहराना, रद्द करना(२)उत्तीर्ण न करना (३) गरहाजिरका चिह्न करना]
चोकवु(चाँ) अ० क्रि० देखिये 'चोंकवु'
चोकस(चाँ) वि० चौकस,तय पक्का, ठीक (वस्तु) (२) सतर्क, होशियार,

चोक्स (मनुष्य) (३) भरासेका (मनुष्य) (४) अ० अवश्य

चोकसाई(चाँ) स्त्री० चौक्सी चोक्साई (२) भरोसा (३) खबरदारी। [-राखवी=सतक सावधान रहना]

चोकसी(चाँ) पु० सोने रूपेका कस निकालनेवाला (२) चोक्सी सोने रूपेका पेशा करनेवाला (३) एक अल्ल(४) स्त्री० देखिये 'चोक्साई'

चोकियात(चाँ) पु० चौकीदार

चोकी(चाँ) स्त्री० वह स्थान जहाँ चौकीदार रहता हो चौकी (२) रखवाली चौकीदारी (३) निगरानी चौकी (४) टोल-नाका चुंगीघर (५) एक गहना (६) लकडीका चार पायावाला, चौकोर छोटा तख्ता चौकी

चोकीदार(चा) पु० चौकीदार

चोकीदारी स्त्री० चौकीदारी, रखवाली

चोकीपहेरो पु० चौकी और पहरा कडी निगरानी, सख्त पहरा

चोको(चाँ) पु० चौकोर स्थान, चौका (२) रसाई करनेके लिए गाबरस लिपी हुई जगह चौका (३) मरणासन्न व्यक्तिको लिटानके लिए गाबरस लीपकर तयार की हुई जगह, चौका। [**चोके पडवु**=मरणासन्न होना। **चोके लेवु**=मरणशय्या पर सुलाना, खाटसे उतारना। -**देवो, वाळवो**=चौका लगाना (२) घपला करना काम बिगाडना]

चोको(चाँ) पु० चौआ चौका (ताशका)

चोक्कस(चा) वि० देखिये चाकस

चोक्को(चाँ) पु० चौआ चौका (ताशका)

चोख वि० चोखा, साफ (२) स्त्री० सफाई चाखापन (३) फैसला, निबटारा [ला]

चोखवट स्त्री० पवित्रता, शुद्धि (२) सफाई स्पष्टता (३) निबटारा फसला

चोखंड(चाँ) वि० देखिये चोखडु (२) पु० चौकार आकृति (३) चारो महाद्वीप (पृथ्वीके)

चोखडु (चाँ) वि० चौकोर चौकोना (२) चौरस (३) चौखड

चोखा पु० ब० व० चावल, तडुल। [-मूकवा जवु=न्याता देने जाना। -भेगी इयळ=बडके साथ छोटा]

चोखापूर वि० एक चावलके बराबर (नाप या वजनमें), चावलभर

चोखाभार वि० एक चावलके वजनके जितना (२) जरा-सा [ला]

चोखु वि० देखिय चोख्खु

चोखूण(-णियु) (चाँ) वि० चतुष्कोण, चौकोना

चोखूट (चाँ) वि० चारा दिशाओमें आया हुआ तमाम चौखूट (२) अ० चारा ओर चौखूट

चोखो पु० चावलका दाना

चोख्खाई स्त्री० स्वच्छता शुद्धता (२) प्रामाणिकता सचाई

चोख्खु वि० स्वच्छ साफ (२) बिना मिलावटका शुद्ध चोखा, खालिस (नफा) (३) सच्चा खरा प्रामाणिक (४) स्पष्ट, साफ। [-करवु=साफ करना (२) स्पष्ट करना (३) धोगाला निकाल देना (४) खत्म करना। **चोख्खो माणस हाथ**=प्रामाणिक ईमानदार व्यक्ति]

चोल्लुंघट वि० बिलकुल साफ, साफ-सुथरा
चोगडो (चौं) पु० चारका आँक, ४
चोगणु (चौं) वि० चार गुना, चौगुना
चोगम (-रदम) (चौं) अ० चारों दिशाओंमें, चौगिर्द
चोगान (चौं) न० मैदान, चौगान
चोघडियां (चौं) न० ब० व० चार चार घडीके अंतर पर बजाये जानेवाले नगाडे, गजर
चोघडियु (चौं) न० चार घडी जितना समय (२) मुहूर्त, साइत
चोट स्त्री० चोट, आघात, वार (२) घात, दावँ, मौका (३) एक प्रकारका तांत्रिक अभिचार, मारण, मूठ (४) निशाना। [-लागवी, वागवी = अचूक वार होना, दावँ या युक्तिका सफल होना (२) चोट लगना, जख्मी होना, मोच आना]
चोटडु (-डूक, -णु) (चौं) वि० चिपकनेवाला, चमचिच्चड
चोटली स्त्री० चोटी शिखा (२) नारियलके रेशे। [-पकडवी = चोटी दबाना (२) कान पकडना, कबूल कराना। -कातरवी = दावँ-पेचसे वसमें करना, चोटी कतरना। -लई जवी = छलना]
चोटलो पु० स्त्रियोंकी चोटी, वेणी
चोटवु (चौं) स० क्रि० चिकनाईके कारण जुडना, चिपकना, (-से) लग जाना (२) चिमटना आग्रहपूर्वक पकडे रहना अड्डा जमाना [ला] (३) अ० क्रि० बैठना (तुच्छकारमें)
चोटाडवु (चौं) स० क्रि० चिपकाना
चोटी स्त्री० चोटी शिखा
चोट्टं वि० चोरी करनेका आदी, चोट्टा (२) लुच्चा, चाई
चोडवु (चौंड) स० क्रि० चिपकाना (२) जडना, बिठाना (३) जमाना, लगाना, मारना (धौल, सोटा) (४) ठीक, कठोर, लगती बात कहना
चोडाई (चौं) स्त्री० चौडाई
चोडु (चौं) वि० चौडा (२) चौहरा
चोडो (चौं) पु० एकके ऊपर एक रखी हुओ चीजोंका ढेर, गड्डी
चोतरफ (चौं) अ० चारों तरफ, चौगिर्द
चोतरो (चौं) पु० बडा चबूतरा, चौतरा (२) थाना, चौकी [दोसूती दुसूती
चोतारं (चौं) वि० चार तारोंवाला,
चोत्रीस (चौं) वि० चौतीस, चौंतिस, ३४
चोथ (चॉथ,) स्त्री० चौथ, प्रत्येक पक्षकी चौथी तिथि (२) देखिये 'चोथाई'
चोथाई (चौं) स्त्री० चौथाई, चौथा भाग (२) राजस्वका चतुर्थांश
चोथियु (चौं) वि० चौथे दिन पर पडनेवाला (२) न० चौथा भाग (३) छोटे बालककी मृत्युके चौथे दिन होनेवाली क्रिया या भोज
चोथियो (०ताव) (चौं) पु० चौथे दिन आनेवाला ज्वर चौथिया
चोद (-दि) श (चौं) अ० चौगिर्द, चौखूट, चतुर्दिक
चोधरी (चौं) पु० मुख्य गाडीवान, सारथि (२) गाँवकी सीमाकी चौकी करके बक्शिशमें मिली हुई जमीनकी उपज लेनेवाला (३) पहाडों और जंगलोंमें बसनेवाली एक जाति
चोधरो (चौं) पु० गाँवका मुखिया, मुखिया, चौधरी (२) 'चौधरी' जातिका आदमी

चोपार(चाँ)वि० (२)अ० बहुत, आठ आठ आँसू या फूट-फूटकर (रोना)
चोपग(-गु) (चाँ) वि० चार पैरोंवाला (२)न० पशु चौपाया [चीनी
चोपचीनी स्त्री० एक औषधि, चोब-
चोपट(चाँ) स्त्री० चौसर चौपड(२) चौसरकी बिसात, चौसर
चोपड न० घी
चोपडवु स० क्रि० चुपडना, पोतना
चोपडाववु स०क्रि० 'चुपडना' की प्रेरणार्थक क्रिया(२)गाली या अपशब्द सुनाना फटकारना
चोपडी(चाँ) स्त्री० पुस्तक, किताब। [चोपडां फाडवां=किताब बहुत पढना (व्यंग या तिरस्कारमें), पोथा पढ़ना]
चोपडु(चाँ) वि० जिसमें चार तह हों, चौहरा(२)न० चार तहोंवाली रोटी चपाती(३)किताब (तुच्छकारमें)
चोपडुं वि० चुपडी (चीज) चिकटा
चोपडो(चाँ) पु० हिसाब लिखनेकी वही बही। [-उकेलवो, काढवो = ब्यौरेवार नोट खोलना उधेडकर रख देना (२) गडे मुर्दे उखाडना]
चोपन(चाँ) वि० चौवन, ५४
चोपवु स० क्रि० खोसना रोपना, चहोरना (पौदा) (२) टीपना (३) मरम्मत करना मारना
चोपाई(चाँ)स्त्री० चौपाई(२)चारपाई
चोपाट(चाँ) स्त्री० देखिए चोपट (२) समतल भूमि मदान(३) दालानके अंदरका कमरा
चोपानियु(चाँ) न० चार-पाँच पृष्ठोंकी लघु पुस्तक पुस्तिका रिसाला चौपतिया पेम्फलेट (२)विज्ञापन, घोषणा(३) (छोटा)समाचारपत्र
चोपास(चाँ) अ० चारो ओर, चौगिर्द
चोफेर(-री) (चाँ) अ० चारो ओर
चोभीलु वि० खिसियाना लज्जित
चोमग(चाँ) अ० चारो ओर, चौगिर्द
चोमासु(चाँ) वि० चौमासेमें होनेवाला चौमसिया [महीने, चौमासा
चोमासुं(चाँ) न० बरसातके चार
चोमेर(चाँ) अ० चारो ओर, चौगिर्द
चोर पु० चोर। [-कोटवाळने दंडे = उलटा चोर कोतवालको डाँटे]
चोरचखार पु० चोरचकार
चोरटु वि० चोट्टा, चोरटा
चोरणी स्त्री० लडके-लडकियोंके पहनेका छोटा पाजामा, सुथनी
चोरणो पु० जाँघके पास तंग न हो ऐसा पाजामा, सुथना(२)बडा पाजामा
चोरदानत स्त्री० बदनीयत, बेईमानी
चोरवु स० क्रि० चुराना, चोरी करना, काममें जी चुराना, उचितसे कम काम करना, कसर करना, कमी रखना (काम मन मिहनत आदिमें)
चोरस(चाँ) पु० समकोण चतुर्भुज आकृति (२) वि० ऐसे आकारका चौरस, बराबर
चोरसो(चा) पु० मोटे कपडेका चौरस टुकडा(२)एक प्रकारकी ज्यादा चौडी चादर, चादरा [चौरानवे ९४
चोराणु(-णु) (चाँ) वि० चौरानबे,
चोराशी(-सी) वि० चौरासी ८४ (२)स्त्री० ब्राह्मणोंकी चौरासी-सभी जातियोंका समूहभोज
चोरी(चाँ) स्त्री० लग्न मंडप, चौरी
चोरी स्त्री० चोरी(२)चोरका काम
चोरीचपाटी स्त्री० किसी प्रकारकी चोरी या गुनाह चोरी चकारी

चोरीछूपी स्त्री॰ चोरी या छिपाव, चोरी छुप्प

चोरीफेरा(चाँ) पु॰ ब॰ व॰ लग्न-मडपमें वरकन्याकी अग्निकी परिक्रमा, भाँवर, फेरे

चोरो(चाँ) पु॰ चौपाल (२) पुलस-चौकी, थाना(३)बडा चबूतरा, चौरा

चोवडु(चा) वि॰ चार तहोवाला, चौपर्ता, चौतहा(२)चौगुना

चोवीस(चाँ) वि॰ चौबीस, २४

चोसठ(चाँ) वि॰ चौंसठ ६४

चोसर(चाँ) वि॰ चौलडा, चौसर(२) स्त्री॰ चार लडोंको गूँथकर कपडे पर बेल-बूटे निकालनेका काम, चौकडी (३) एक खेल, चौसर(४) चारकी गोई (बैलोंकी) (५) चौलडा हार (पुष्पोंका) [चक्का

चोसलुं (चाँ) न॰ जमा हुआ टुकडा,

चोळ(चाँ) स्त्री॰ चौरेकी फली

चोळवुं स॰ क्रि॰ मलना, मसलना(२) कुचलना, बारबार उलटपुलट करना, बिगाडना [ला]

चोळा(चाँ) पु॰ ब॰ व॰ एक दलहन, बोडा, लोबिया, चौरा

चोळाचोळ(–ळी) स्त्री॰ मीजना-मलना

चोळिया पु॰ ब॰ व॰ गलेमेंकी दोनों ओरकी गिलटी, कौवा, गलेकी घंटी

चोळी स्त्री॰ चोली

चोळी(चाँ) स्त्री॰ बोडा(फली) (२) बोडा, चौरा, लोबिया

चोळो पु॰ अँगरखेका कठा या घाट, चोला(२)फकीरोका लबा, ढीला-ढाला कुरता, चोला

चोंकवु(चाँ॰) अ॰ क्रि॰ चौंकना, भड-कना, चमकना [चिमटना

चोंटवु (चाँ॰) स॰ क्रि॰ चिपकना,

चौटु न॰ बाजार, चौहट्टा, चौक

चौद वि॰ चौदह, १४

चौदमु वि॰ चौदहवाँ(२)न॰ मृत्युके चौदहवे दिन किया जानेवाला भोज

चौदमु रतन न॰ अमृत(२)मार, दड [ला] [चौदस

चौदश(–स) स्त्री॰ चौन्हवी तिथि,

चौदशियो पुं॰ विघ्न-सतोषी

छ

छ पुं॰'च' वर्गका – तालुस्थानीय दूसरा व्यंजन

छ वि॰ छ , छः, ६

छक अ॰ चकित, विस्मित, भौंचक

छकडु न॰,(–डो) पु॰ छका समूह, छक्डी, छक्का

छकडो पु॰ छकडा, सग्गड, बैलगाडी

छकवुं अ॰ क्रि॰ छकना, किसीके काबू में न रहना, हाथसे जाना, बहकना

छकड स्त्री॰ थप्पड, तमाचा(२)भूल-चूक

छक्कडियो पु॰ छ उँगलियोवाला व्यक्ति, छाँगुर

छक्को पु॰ छ बूटियोंवाला ताशका पत्ता, छक्का (२) पासेका वह बल जिसमें छह बिंदियाँ हों। [छक्का छूटी जवा = नाउम्मीद होना, पस्त हिम्मत होना, छक्के छूटना [

छक्को पंजो पु० सट्टे या गंजीफेका एक खेल (२) जूआ छक्का (३) दावँ पेच, छक्का-पंजा

छखुण(-णिय) वि० छ कोण या छ भुजाओवाला, षट्कोण या षड्भुज

छगड़ो पु० छ का आँक

छचोक(-चों) अ० खुले-आम, सबके सामने [गुस्सा

छछणाट पु० छन-छन (२) मिजाज,

छछरु वि० छिछला, उथला

छछुंदर न० छुछूंदर छछुंदर(२)एक आतिशबाजी (३)वि० नटखट, ऊधमी

छजावटी स्त्री० झरोखेका छोटा छप्पर, छज्जा

छजु न० छज्जा, झरोखा बारजा

छट अ० धुतकारसूचक उद्गार, धत

छटकवु अ० क्रि० छटकना, सरकना, खिसकना(२)भाग जाना [ला]

छटकारवु स० क्रि० दुतकारना

छटकु न० छटका, दावँ-पेच, जाल

छटा स्त्री० छटा, शोभा, शान(२) रीत खूबी, [(भाषण वार्ता)

छटादार वि० शानदार लच्छेदार

छटांक न० एक (कच्चा)सेरका आठवाँ भाग छटाँक

छठ स्त्री० छठी तिथि छठ

छठ्ठी स्त्री० जन्मके बादका छठा दिन, छठी। [-नु धावण काढवु, काढी नाखवु=छठीका खाया-पीया निकलना बहुत कष्ट करना(२)खूब पीटना]

छठ्ठु वि० छठवाँ छठा

छडवु स० क्रि० छड़ना, (चावल आदि) कूटकर छिल्के अलग करना (२) पीटना (३) ठगना

छडा पु० ब० व० (स्त्री या बच्चाका) चूड़ी जैसा पाँवका एक गहना, छड़ा (२) (कुकुमका) थापा

छडा(-मण) स्त्री० छड़नेकी उजरत, कुटाई छँटाई(२)छड़नेसे निकलनेवाली महीन भूसी, चावलकी महीन भूसी

छडी स्त्री० छड़ी, सीधा, पतला डंडा (२) राजाओंके राजचिह्नका डंडा, बल्लम,चोब(३)गुच्छा।[-पोकारवी= राजाओंकी स्तुति गाना]

छडीदार पु० छड़ीदार, चोबदार

छडुं वि० छड़ा, अकेला (२) [ला] कुँवारा, अविवाहित(३)जिसके बाल बच्चे न हों, अकेला [जाहिरमें

छडेचोक अ० खुले खजाने सरे बाजार,

छणको पु० छनाका छन्की आवाज (२) गुर्राहट गुस्सा (३)तुच्छकार, फटकार

छणवु स० क्रि० महीन कपड़ेसे छानना या चालना(२)कड़ी जाँच या छान बीन करना

छणवु स० क्रि० नाखूनसे खुजलाना (२) गड़े मुर्दे उखाड़ना अप्रिय बातको छेड़ना [ला]

छणणी, छणावट स्त्री० छानना, छान बीन भूली हुई बातको छेड़ना

छत स्त्री० होनेका भाव, हस्ती(२) बहुतायत अधिकता, बाढ़

छत स्त्री० मकान या कमरेके अंदरकी पक्की पाटन, छत, 'सीलिंग' (२) मकानका ऊपरका पक्का खुला फर्श, छत धाबा

छतां अ० तब भी, फिर भी

छतु वि० विद्यमान जिंदा(२)पटका उलटा, चित(३)सरल, सीधा(४)

खुला, जाहिर। [-राखवु = बरावर-बरा जारी रखना (२) सब अच्छी तरहसे सँभालकर रखना] [हुआ
छतुपाट वि० चित, पीठके बल फैलाया
छते अ० रहते हुए, होते हुए
छत्ता(-त्तु)पाट वि० देखिए 'छतुपाट'
छत्र न० बडी छतरी, छाता (२) राज चिह्नरूप छतरी, छत्र (३) रक्षण करनेवाला, पालक [[ला]
छत्रछाया स्त्री० छत्रच्छाया (२) आश्रय
छत्री स्त्री० छाता, छतरी (२) गाडी, पलग आदिके ढाँचेके ऊपरका आच्छादन, छतरी
छत्रीश(-स) वि० छत्तीस, ३६
छनाछनी स्त्री० बार-बार छन-छनकी आवाज होना (२) रुपये-पैसाकी बाढ़
छन्नु(-न्नु) वि० छानबे, छियानबे, छियानवे, ९६ [मज्दूरी, छपाई
छपाई(-मण,-मणा) स्त्री० छापनेकी
छपाववुं स० क्रि० छपाना, छपवाना
छपावु अ०क्रि० छपना, छापा जाना (२) छिपना (३) (पतंगका) एकदम नीचे गिरना
छप्पन वि० छप्पन, ५६। [-उपर भूंगळो वागवी = बहुत मालदार होना (२) बिल्कुल खयाल न रहना, गहरी नींद सोना]
छप्पन भोग पु० छप्पन प्रकारकी रसोई जो ठाकुरजीके भोगमें लगती है
छप्पनियो वि० पु० विक्रम सवत् १९५६ का बडा अकाल [छप्पय
छप्पो पु० छ चरणोवाला एक छन्द,
छबछबाववु स०क्रि० छपछपाना। (२) छपछपाकर कपडा धोना, छांटना
छबछबुं वि० छिछला (२) गदा, मैला
(३) न० घिसावसे पतला बना हुआ पत्तर (४) भीजा हुआ कागजका टुकडा
छबरडो पु० घोटाला, अव्यवस्था
छबलीकां न० ब० व० झाल-झालर, झांप। [-वगाडवां = धनदौलतका नाश होना, रुपये पैसेसे खाली होना]
छब(-बी) स्त्री० चित्र तसवीर (२) कांति, सौंदर्य, छवि
छबीलु वि० छबीला, सजीला
छमकलु न० नटखटी (२) बखेडा, दगा
छमकारवु स० क्रि० 'छम' की आवाज करना, छनकाना [छमाही
छमासिक वि० छ महीने पर होनेवाला,
छर पु० उस्तुरा, छुरा (२) मद, अहंकार (३) मस्ती, धुन। [-ऊठवो, ऊडवो = उस्तुरेका चेप लगना]
छरी स्त्री० छुरी, चाकू। [-ऊछळवी = छुरीसे मारकाट होना। -मूकवी = छुरी फेरना (२) पायमाल-करना]
छरो पु० छुरा (२) खजर (३) बंदूकका छर्रा (४) बोल-बेरिंगमें काम आनेवाली लोहेकी गोली, छर्रा
छलक अ० छलकता हो इस तरह
छलकावुं अ० क्रि० छलकना (२) गर्वसे इतराना [ला]
छलग स्त्री० छलाँग, चौकडी
छलाछल अ० लबालब (भरा हुआ)
छलावु अ० क्रि० देखिये 'छलकावु
छलूडी स्त्री० छाली कटोरी
छलोछल अ० देखिये 'छलाछल'
छवावु अ० क्रि० छाना, घिरना पसरना
छव्वीश(-स) वि० छ बीस, २६
छळ पु०, न० छल, धोखा, झाँसा
छळकपट न० छल-कपट, झाँसा-पट्टी
छळवु स० क्रि० छलना ठगना

छळवुं अ० क्रि० भयसे चौंकना, चौंकना

छछेडवु स० क्रि० छेडना, चिढ़ाना

छटकाव पु० छिडकाव

छटाववु स० क्रि० छिडकवाना

छटावु अ० क्रि० छिडका जाना (२) छीटें उडना, छीटोंसे तर होना, भीगना (३) गाभिन होना, मरना (गाय, भस आदिका)

छव पु० लत, टेव, व्यसन

छवी, छवीलु वि० मौजी शौक़ीन, छला (२) अमुक चीज़की आदत रखनेवाला

छाक पु० छाक नशा (२) मिज़ाज, अहकार (३) स्त्री० दुगध, हीक

छाकटु वि० शराब पीकर मदहोश बना हुआ, मतवाला प्रमत्त

छाकटो पु० शराबी

छाकोटो पु० झिडकी, लानत भत्सना

छाछर वि० छिछला

छाज न० छप्पर पर अतरवन बाँस सल्ते या बल्लियो वगरहसे किया जानेवाला आच्छादन या ये सब चीजें, छाज छाजन [छज्जा (२) परछत्ती, टाँड

छाजली स्त्री० अटारीकी पक्की छत,

छाजवु स० क्रि० लायक़-काबिल होना (२) फबना, शोभा देना छाजना, जेब देना (३) ज्यादा समय टिकना

छाजियु न० शोकावेगसे छाती पीटना, पिट्टस [पाट, सिल्ली

छाट स्त्री० पत्थरका लबा-चौडा टुकडा

छाण न० गाय भसका मल गोबर

छाणवु स० क्रि० बारीक छानना

छाणुं न० उपला गोहरा

छाती स्त्री० छाती सीना (२) दिल (३) हिम्मत जिगर। [–उपर हाथ मूकवो = छाती पर हाथ रखना –ईश्वरके सामने (सच कहना) (२) हिम्मत बँधाना। –ठोकीने कहेवु = विश्वास और हिम्मतके साथ कहना, छाती ठोककर कहना। –फूलवी = आनद या गव होना। –माँ घालवु = छातीसे लगाना]

छातीचलु वि० दिलचला साहसी

छातीफाट अ० छाती फट जाय इस तरह, हृदयपूर्वक

छातीभेर अ० हिम्मतसे (२) (लड़ी चढ़ाईमें) दम भर जाय इस तरह

छानु वि० गुप्त छिपा हुआ (२) शान्त, चुप [न जाने ऐसा, गुप्त

छानुछपनु (–नु) वि० छिपा हुआ कोई

छानुमानु वि० गुप्त (२) छिपे छिपे, चुप चाप चोरी-चोरी

छाप स्त्री० एक चीज़का दूसरी पर दबनेसे पडनेवाला चिह्न निशान, मार्का, छाप (२) मुहर, ठप्पा (३) पतगका यथायथ गिरना (४) [ला] मन पर पडा हुआ असर कायम की हुई राय (५) छापनकी सफाई (६) प्रभाव; ताब

छापखानु न० छापाखाना 'प्रेस'

छापरी स्त्री० छपरिया, मडई (२) झोंपडी घर [ला] [झोपडा

छापरु न० घरका छाजन, छप्पर (२)

छापवु स० क्रि० छापना [(२) ठप्पा

छापु न० दनिक अखबार समाचारपत्र

छापो पु० छापा, धावा (२) छापेसे बनाया हुआ निशान छापा (३) लाग रसूम कर

छाब (०डी) स्त्री०, (०डु) न० डलिया, छिछला, छोटा छबडा दौरी

छार (छा) प० स्त्री० पजावेका धूरा (२) फफूदी (३) धूल (४) छार राख (५) चीज पर जमनेवाली पपडी

छारी (छा') स्त्री॰ किसी पात्र पर जमनेवाली परत या पपडी
छारुं (छा') न॰ ईंटों, मिट्टी और चूनेवाला चूरा [तीसी इकार
छारोडियां (छा') वि॰ब॰व॰पित्तवाली
छाल स्त्री॰ छाल (पेडकी)
छाल पु॰ पीछा (छाडना)
छालक स्त्री॰ छलक
छालकु वि॰ छिछला उथला (२) हलका, ओछा [ला] (३) न॰ दो बाजूवाली और बीचमें खुली गये पर लादनेकी गोनी, गठिया, खुरजी (४) चार मनकी तौल (कच्ची)
छालां न॰ ब॰ व॰ छिलके, भूसा (२) खुरड, छाले
छालियुं न॰ चौडे मुहकी कटोरी
छाली स्त्री॰ कटोरी, प्याली
छालुं न॰ कटोरा, प्याला
छावणी (छा') स्त्री॰ (लश्करी) पडाव या मुकाम छावनी
छावरवुं (छा') स॰ क्रि॰ आच्छादन करना; ढँकना (२) प्रकट न करना छिपाना
छावुं (छा') स॰ क्रि॰ छाना, ढकना
छाश (ना') स्त्री॰ छाछ, मट्ठा
छाशी (-सी) वि॰ छियासी, ८६
छांछियुं (॰) न॰ झिडकी, भत्सना
छांट (॰) स्त्री॰ नन्ही नन्ही बूँदें, फुहार (२) ऊपर ऊपरसे छीलने या काटनेसे होनेवाले टुकडे, छाँटन, छाँट। [-मारवी = गप हाँकना (२) बडाई, अभिमान हाँकना। -लेवी = छींटे डलवाकर स्पर्शदोषसे मुक्त होना]
छांटणुं न॰ (रोली-केसर वग़ैराके) छींटे फेंकना (२) (कपडे पर) छींटोंकी छाप

छांटवुं (॰) स॰ क्रि॰ छिटकना, छिडकना, बिखेरना (२) ऊपर ऊपरसे काटना, छाँटना (३) गप या बडाई हाँकना [ला] (४) घूस देना [तीसी
छांटा (॰) पु॰ ब॰ व॰ छींटे, फुहार,
छांटु (॰) वि॰ गपाडा
छांटो (॰) पु॰ छींटा (२) [ला] दाग़, कलंक (३) छुआछूत या खाने-पीनेका संबंध (४) तनिक, जरा भी, उदा॰ 'एनामां छांटोय अक्कल नथी'
छांटोपाणी (॰) न॰ शराब [ला]
छांडवुं (॰) स॰ क्रि॰ त्यागना, छोडना (२) विवाह-संबंध विच्छेद करना, तलाक़ देना, त्यागना (३) थालीमें अन्न जूठा छोडना
छांडी (-डेली) (॰) वि॰ स्त्री॰ पतिकी त्यागी हुई, तलाक़ दी हुई, त्यक्ता
छांदवुं (॰) स॰क्रि॰ लादीसे थापना - मोटा लीपना, छोपना
छांदो (॰) पु॰ गोबर और मिट्टीका लोंदा मिलावा, छाप (२) गाढ़ा लेप या लिपाई
छांय स्त्री॰, (-यो) पु॰, (॰डी) स्त्री॰, (॰डो) पु॰ छाया, साया, छाँह (२) आश्रय (३) असर, छाप [ला]
छिनाळ वि॰ छिनाला करनेवाला (२) स्त्री॰ छिनाल, कुलटा
छिनाळवुं वि॰ बदकार, व्यभिचारी
छिनाळी स्त्री॰, (-ळुं) न॰ छिनाला, बदकारी
छिपोली स्त्री॰ देखिये छीप
छी अ॰ धिक्कार या तिरस्कारका भाव प्रगट करनेवाला शब्द, थू, छि, छी (२) गदगीसूचक उद्गार, छी (३) स्त्री॰, न॰गदीचीज (४) छी, गू, मैला

छीछरं वि० छिछला, उथला
छीणवुं स० क्रि० कद्दूकश पर घिसना, कसना (२) छीलना काटना (सब्जी)
छीणी स्त्री० कद्दूकश, घियाकश (२) सुतारका औजार, रुखानी (३) धातु या पत्थर काटनेका औजार, टाँकी, छनी। [–मूकवी = काट डालना (२) तबाह करना, छुरी फेरना]
छीनववुं स० क्रि० छीनना (२) ठगना
छीनवावुं अ० क्रि० छीना जाना छिनना
छीप स्त्री० साप
छीपवुं अ० क्रि० बुझना मिटना (प्यास का) (२) छिपना, रुकना
छीपो पु० कपडा छापनेवाला छीपी
छीबुं न० पतीलीका ढक्कन, तश्तरी
छींक स्त्री० छींकनेकी क्रिया, छींक
छींकणी स्त्री० सुंघनी, नास
छींकवुं अ० क्रि० छींकना
छींट स्त्री० वह कपडा जिस पर रंग बिरंगी बूटियाँ छपी हो छींट
छींडी स्त्री० दो मकानोंके बीचकी सँकरी गली, अंतरिका
छींडुं न० बाडमें सँकरा रास्ता (२) [ला] ऐब दोष (३) बहाना
छुटकारो पु० छुटकारा नजात, रिहाई
छुटावुं अ० क्रि० छूटा जाना छूटनेकी क्रिया होना
छुट्टी स्त्री० छुट्टी (२) फुरसत
छुट्टुं वि० देखिये छूटुं
छुपाववुं स० क्रि० छिपाना छुपाना ढाँपना (मुंह) [ढकना
छुपावुं अ० क्रि० छिपना, छुपना,
छूं न० छू होना चंपत बनना
छूट (ट) स्त्री० कुशादगी (२) रजा, अनुमति (३) छूट ऋणकी माफी (४) पतंगको उडानेके लिए ढरियाई देना, छुडाना (५) स्वतंत्रता (६) रिआयत, कडाईका अभाव। [–आपवी = स्वतंत्रता देना रजा या आजादी देना। –थवी = छुट्टी मिलना (२) रोक या मनाहीका दूर होना (३) कमी न रहना]
छूटक वि० अलग-अलग भिन्न भिन्न (२) खुर्दा, फुटकर
छूटको पु० छुटकारा, रिहाई
छूटछाट स्त्री० *(ऋणमें) थोडी-बहुत* माफी देना, छूट, रिआयत (२) जगहकी बहुतायत कुशादगी
छूटवुं अ० क्रि० बंधन दूर होना, छूटना (२) (यकायक या जोरसे) बाहर निकलना (पसीना बू गोली आदि) (३) पाससे निकलना उदा० 'चमडी तूटे पण दमडी न छूटे' (४) (जानेके लिए) इजाजत मिलना छूटना (५) चिपकी हुई चीजका अलग होना खुलना (गाठ) (६) किसी भाव या लागणीका एकदम उमड आना–प्रगट होना (रहम गुस्सा लज्जा)। [छूटी जवुं = कैद या बंधनसे मुक्त होना (२) अदालतमें निर्दोष ठहरना। छूटी पडवुं = जवाबदारीमेंसे मुकर जाना (२) बर बाद निकम्मा जाना (मिहनत)]
छूटाछेडा पु० ब० व० कायदेके अनुसार विवाहका विच्छेद तलाक
छूटुं वि० जो बँधा न हो छुट्टा, खुला रिहा (२) फारिग बेकार नौकरी आदिसे मौकूफ बरतरफ़ (३) अलग भिन्न (४) भुरभुरा (५) कुशादा खुला *विस्तृत* (६) न० *रेजगारी खुर्दा, छुट्टा*
छूट्छवायुं वि० तितर बितर अलग-अलग झिलमिला (बुनाई)

छूतअछूत स्त्री० छुआछूत, छूतछात
छूपवुं अ० क्रि० छिपना, छुपना
छूपी पोलीस स्त्री० सुफ़िया पुलिस, सी० आई० डी०
छूपु वि० गुप्त, सुफिया
छूमतर न० जादू, छूमतर। [—थई जवु = भाग जाना, ग़ायब होना, छू होना]
छूछां न० ब० व० रेशे, फुचड़े
छूवण न० बदन पर सुई चुभाकर बनाई हुई बिंदी आकृति आदि, गोदना
छूदवु स० क्रि० सुई चुभाकर गोदना, गोदना (२) बारीक कूटना, कुचलना
छूदावयु स० क्रि० गुदाना, गुदवाना, कुटवाना, कुचल्वाना [जाना
छूदावु अ० क्रि० कूटा जाना (२) कुचल
छूदो पु० कूट-कूटकर बनाया हुआ लोंदा, पिंडा (२) कसकर बनाया हुआ आमका अचार
छेक अ० निपट, बिलकुल, निरा (२) पु० आख़िर, अंत [प]
छेकवुं स० क्रि० छेंकना (२) लिखा हुआ काटना या मिटा देना
छेकाछेक (—की) स्त्री० लिखे हुए अक्षरो को जहाँ-तहाँ काटना या मिटाना, छेंक
छेको पु० छेंकनेके लिए खींची हुई लकीर
छेटुं वि० दूर (२) न० दो जगहोंके बीचका फासला दूरी। [—पडवु = अंतर बढ़ना। —भागवु = अंतर कम करना]
छेटे अ० दूर फासले पर
छेडती स्त्री० छिद्र दोष, ऐब (२) नटखटी, छेड़खानी, सताना, छेड़ना
छेडवु स० क्रि० खिझाना (२) छेड़ना, टकोरना बजाना
छेडागांठण (—णु) (छे') न० वर-वधूके कपडेके छोर बाँधनेका वस्त्र, गँठबंधन, गँठजोड़ा
छेडावु अ० क्रि० चिढ़ना, खीजना
छेडो (छे') पु० आख़िरका हिस्सा, छोर, सिरा अंत (२) हद (३) कपडेका छोर, दामन (४) आश्रय, मदद [ला]। [छेडे बांधवु = गिरहमें बाँधना (सीख) (२) अपने अधिकारमें करना, इकट्ठा करना (३) व्यसन लगना। छेडे बांधी जवु = परलोकमें साथ ले जाना। —वाळवो = किसीकी मौत पर दामनमें मुह ढाँपकर रोना]
छेतरपिंडी स्त्री० ठगाई, झाँसापट्टी
छेतरवु स० क्रि० ठगना, छलना, चकमा देना [जानेका भाव, धोखा
छेतरामण न०, (—णी) स्त्री० ठगा
छेतरामणु वि० धोखेबाज़
छेतालीस (छे') वि० छियालीस, ४६
छेद पु० छेद, चीरा, शिगाफ, काट (२) छेद, सूराख (३) भिन्न संख्याकी भाजक संख्या, हर (४) नाश
छेदवु स० क्रि० छेदना, काटना (२) छेद, सूराख करना छेदना (३) निकंदन करना (४) अंशको हरसे भाग देना (गणित)
छेर (छे) स्त्री० धूल, झाडन
छेरव (छे) अ० क्रि० पतला दस्त होना, पावना
छेरटो (छे) पु० पतला दस्त पोवना
छेरटो (छे) पु० धूल, कचरा, झाडन
छेरामण (छे) न०, स्त्री० पतला दस्त, पावना
छेल (छें) पु० छैला रंगीला पुरुष
छेलछबीलु (छें) वि० छबीला, मोहक और रूपवान

छेलबटाउ(छॅं)वि० (२)पु० छला बन ठनकर रहनेवाला छल-छवाला [प]

छेलाई(छॅं)स्त्री० बांकपन छबीलापन, शौकीनी

छेल्लु(छे) वि० आखिरी, अतिम। [**छेल्ले पाटले बेसवु** = असलियत पर आ जाना (२) आखिरी हृद तक जाना]

छेवट(छे) स्त्री०, न० अत आखिर

छेवटे(–टे) (छे) अ० अतमें, आखिर

छेवाडु(छे) वि० आखिरी छोरपरका

छेह पु० दगा विश्वासघात

छेंताळीस(छॅं०) वि० छियालीस, ४६

छयांछोकरां न० ब० व० बाल-बच्चे

छयु न० छोटा बच्चा बालक छया[प]

छयो पु० लडका

छो(छो) स्त्री० फश या छत बनानेका चूनेका ममाला बनाया हुआ चूना, गच

छो(छॉं) अ० भले

छोकरमत वि० बालक जसी अल्प मति वाला या हठी (२) स्त्री० बालकपन, छोकरापन, नासमझी

छोकरवाद वि० बच्ची अक्लका ना समझ अविवेकी (२) स्त्री० एसा बर्ताव, छोकरापन नासमझी

छोकरी स्त्री० लडकी (२) कन्या, बेटी (३) (कटाक्षमें) नामद

छोकरुं न० सतान, औलाद बालक (२) छोटा बच्चा या बच्ची

छोकरो पु० लडका (२) बच्ची उम्रका पुरुष छोकरा (३) बेटा

छोगु न० कलगा जसा सागा हुआ या उडता हुआ फेटे या पगडीका सिरा तुर्रा (२) पगडीमें खोसा हुआ फूलका गुच्छा

छोछ स्त्री० सफाई या आचारकी तीव्र लागणी

छोड पु० छोटा पौधा, पौदा

छोड(छॉं) न० पेडकी छाल जो सूखकर कडी बनी हो (२) सूखा हुआ गभ (३) नाकमें चिपकनवाली रेट आदिकी सूखी पपडी

छोडवु स०क्रि० खोलना बधन खोलना, छूटे ऐसा करना (२) तजना, छोडना

छोडवो पु० पौधा पौधा

छोडाववु स० क्रि० छुडाना

छोडियु(छॉं) न० छाल या उसका टुकडा चिप्पड (२) लकडीका पतला टुकडा छिलपट चिप्पड। [**छोडियां काढो नाखवां, पाडवां** = उलहना देना, कडी आलोचना करना आडे हाथो लेना (२) मारना]

छोडी स्त्री० लडका [(२) छिलका

छोडु(छा) न० छालका टुकडा, चिप्पड

छोतरु(छा) न० छिलका

छोते(–त्ते)**र**(छॉं)वि० छिहत्तर, ७६

छो ने(छा) अ० भल ही

छोबध(छो) वि० फश या पलस्तरवाला

छोभावु अ०क्रि० खिसियाना [हुआ

छोभीलु, छोभु वि० खिसियाना झेंपा

छोरु(–रु) न० छोरा, बालक

छोल पु०, स्त्री (लकडी आदि) छीलनेसे निकलनेवाली चिप्पड छिलके छीलन

छोलवु स० क्रि० ऊपर ऊपरसे काटना छीलना, खुरचना (२) छिलका उतारना (फलका) (३) खरादना, छीलना (४) (कटाक्षमें) लूटी लेना खराब उस्तुरेसे हजामत करना (५) फटकारना, डांटना [ग]

छोलाटवु स० क्रि० बहुत छीलना (२) सख्त फटकारना डाँटना [ला]
छोलावु अ० क्रि० छिलना
छोवु स० क्रि० स्पर्श करना, छूना, (२)अ०क्रि० स्पर्शसे अपवित्र होना
छोवु (छो) स० क्रि० पलस्तर करना, छोपना
छोळ (छॉळ,) स्त्री० तरंग, लहर (२) छलकना, छलक (३) बहुलता, इफ-रात, भरमार
छोंतेर (छॉ०) वि० देखिये 'छोतेर'
छ्याशी (-सी) वि० देखिये 'छाशी'

ज

ज पु० 'च' वर्गका—तालुस्थानीय तीसरा व्यंजन
ज अ० ही (ज़ोर देने और अनन्यता या निश्चय बतानेके लिए इसका प्रयोग होता है), उदा० 'त्यां ज तने ज'
जईफ वि० ज़ईफ, वृद्ध (२) दुर्बल
जक (ज॑) स्त्री० ज़िद, हठ (२) झक-झक, हुज्जत, उदा० 'लेवु होय तो ले नकामी जक छाड'
जकड स्त्री० जकड, पकड, शिकंजा
जकडवु स० क्रि० जकडना, कसकर बाँधना पकडना
जकात स्त्री० जकात, आयातकर, चुंगी (२) (इस्लाममें) दान, खैरात ज़कात
जकाती वि० जकातका जकातसे संबद्ध (२) जकातके योग्य (३) पु० जकाती
जक्की वि० झक्की हठी
जख मारवी (ज॑) = पछताना, झख मारना, पराजय स्वीकार कर ठिकाने आना
जखम पुं० ज़ख़म, ज़ख्म घाव
जखमी वि० ज़ख़मी ज़ख्मी घायल
जगन पुं० यज्ञ (२) अति कठिन या बडा काम [ला]
जगमशहूर वि० जगत्प्रसिद्ध, जगज़ाहिर
जगबत्रीशी (-सी) स्त्री० अफवाह, किंवदंती
जगा स्त्री० जगह, स्थान ठिकाना (२) खाली जगह (३) नौकरी (४) साधुओंका मठ। [—आपवी = बैठनेको जगह देना (२) नौकरी देना। —पूरवी = खाली जगह (नौकरी, काम) पर किसीको रखना। —लेवी = ज़मीन खरीदना (२)—का स्थान सम्हालना]
जगाड(-व)वु स० क्रि० जगाना
जगावु अ० क्रि० 'जागवु'का भावे, जगना
जग्या स्त्री० जगह
जघु न० बच्चा
जज पु० जज, न्यायाधीश [आदि
जजमान (०वृत्ति) देखिये 'यजमान'
जजियावेरो, जजियो पु० मुसल्मान शासनकालका गैरमुसलमानों पर एक कर, जज़िया
जटियु न० बालोंकी उलझी हुई या सूखी लट जटा, झाटा
जड स्त्री० जड मूल (२) खूँटी, मेख (३) स्त्रियोंका नाकका बिना चुन्नीका एक छोटा गहना लौंग, भागली। [—उखेडवी, काढवी = जड उखाडना

जडमूलसे नाश करना।—घाली बेसवुं= स्थिर होना, जड जमाना]
जडज पुं० जज, न्यायाधीश
जडतर वि० जडाऊ जडाईके कामका—उस कामसे सबद्ध (२) न० पच्चीकारी, जडाई जडनेका काम या रीत
जडबा(—बां)तोड वि० जिसका उच्चारण सर्व न हो, जबडातोड (२) मुहतोड, जबडातोड, बलवान
जडबुं न० जबडा कल्ला। [—भांगी नाखवु=मुह पर सख्त मार मारना]
जडबेसलाक अ० चमकर मजबूतीसे
जडभरत वि० जड, नासमझ (२) इस नामका एक योगी
जडमूळ न० मुख्य मूल
जडवुं स० क्रि० एक वस्तुको दूसरीमें मजबूतीसे बठाना जडना
जडवं अ० क्रि० मिलना, हाथ आना (२) खोई हुई चीजका मिल जाना
जडसु वि० बडे डील डौलका मगर कम अक्ल (व्यक्ति) [उजरत]
जडाई स्त्री० जडाई (जडनेकी रीत या
जडाउ (—व) वि० जडाऊ, जडाववाला (२) पु०, न० वह जेवर जिस पर नग या रत्न जडा हो
जडियु न० मुख्य जड जड
जडियो पु० जडिया पच्चीकार
जडी स्त्री० जडी जडी-बूटी
जडीबुट्टी स्त्री० चमत्कारी असर करने वाली बूटी जडी-बूटी
जण पु० जन व्यक्ति
जणतर न० जनन, जनना (२) बालक (३) प्रौलाद सतति [देना
जणवुं स० क्रि० जनना बच्चेको जन्म
जणस स्त्री० जिन्स, चीज (२) माल, सौदा (३) रोकड-बाकी (४) गहना, जेवर (५) अफीम
जणसभाव स्त्री०, न० धन-दौलत और गहना-पाता मूल्यवान चीजें
जणाववु स० क्रि० 'जाणवु' की प्रेरक क्रिया, जताना, जनाना
जणावु अ० क्रि० 'जणवु', 'जाणवु' का कर्मणि (२) दिखाई देना (३) बाहर आना जाहिर होना, खुलना
जतन न०, (—ना) स्त्री० जतन, यत्न, हिफाजत
जतरडु न०, (—डो) पु० जता, सोने-चादीके तार खीचनेका एक औजार
जथाबध अ० थाक, फुटकरका उल्टा
जथो पु० जत्था जूथ दल
जथ्याबध अ० देखिये जथाबध'
जथ्थो पु० देखिये 'जथो'
जनता स्त्री० जनता, लोग-बाग
जनम पु० जन्म, जनम, पैदा होना (२) जिन्दगी जीवन। [—आपवो=पैदा करना जन्म देना]
जनमकुडळी स्त्री० कुडली जन्मकुडली
जनमकेद स्त्री० उमरकैद, डामल
जनमकेदी वि० (२) पुं० जिसे उमरकैदकी सजा हुई हो उमरकैदी
जनमगाठ स्त्री० बरसगाँठ सालगिरह
जनमटीप स्त्री० डामल आजीवन कारावास, उमरकैद
जनमवु अ० क्रि० जन्म लेना, जनमना
जनमारो पु० जन्मसे मृत्यु तकका काल सारी जिन्दगी या उम्र जनमारो [प]
जनमोजनम अ० हर एक जन्ममें
जनमोतरी, जन्मोत्री स्त्री० जनमपत्री, जन्मपत्रिका जायचा [छिनाला
जना(०कारी) स्त्री० जिना, जिनाकारी,

जनाजो पुं० अरथी, जनाजा (२) जनाजेके पीछे जानेवाला जुलूस
जनानखानु न० जनानखाना, अंतःपुर, हरम
जनानी वि० जनाना, स्त्री-संबंधी, स्त्रियोंका, उदा० 'जनानी जोडा' (२) नामर्द, नपुंसक
जनानो पुं० जनाना, परदेमें रहनेवाला स्त्री-समुदाय या उसका जनानखाना, हरम
जनाब वि० जनाब, श्रीमान
जनावर न० जानवर, पशु (२) शिकारी जानवर, हिंस्र पशु, हिंसक
जनेता स्त्री० जननी
जनोई स्त्री०, न० जनेऊ, उपवीत
जनोईवाढ वि० जनेऊवा हाथ – बायें कंधे पर तलवारका तिरछा काटता हुआ (वार)
जन्नत न० जन्नत, स्वर्ग [जिंदगी
जन्म पुं० जनम, जन्म (२) जीवन, जन्मकुंडली (–ळी), जन्मकेद, जन्मकेदी, जन्मगांठ, जन्मटीप, जन्मवुं देखिये 'जनम' आदि ['जनम' आदि
जन्मोजन्म, जन्मोतरी, जन्मोत्री देखिये
जपत वि० जब्त, कुर्क, राज्य द्वारा दंडके रूपमें जब्त किया हुआ, जब्तशुदा (२) कर्जके एवजमें जब्त किया हुआ, जब्तशुदा
जपती स्त्री० जब्ती (२) कुर्की
जप्त, जप्ती देखिये 'जपत', 'जपती'
जबर वि० जबर, बलवान, बड़ा, भारी सख्त, बहुत (कद बल सत्ता, गति आदिमें) (२) उर्दू लिखावटमें ह्रस्व अकारका चिह्न जबर
जबरज(–द)स्त वि० जबरदस्त, जोरावर [बलात्कार, ज्यादती
जबरज(–द)स्ती स्त्री० जबरदस्ती,
जबराई, जबरी स्त्री० देखिये 'जबरदस्ती'
जबरुं वि० जबरा, बलवान (२) मुश्किल [ला] [जबान
जबान स्त्री० जबान, जीभ (२) बोली,
जब्बर वि० देखिये 'जबर'
जम जेवुं = भयंकर और क्रूर (२) जमकी भाँति अपना काम करने करानेमें अटल (व्यक्ति), उदा० 'जम जेवो माथे छे पछी शुं थाय'
जमडो पुं० जम, जमदूत
जमण न० जीमना, भोजन (२) जेवनार, जाति भोज, जेंवनार
जमणवार पुं०, स्त्री० जेवनार, जाति-भोज (२) उसकी तिथि या दिन
जमणुं वि० दाहिना। [जमणो हाथ = मुख्य मददगार व्यक्ति, दाहिना हाथ]
जमपुरी स्त्री० यमनगरी, यमलोक
जमरूख न० अमरूद [पेड़
जमरूखडी, जमरूखी स्त्री० अमरूदका
जमवुं स०क्रि० जीमना (२) लाभ होना, कमाना, ऐंठना (कटाक्षमें) [ला]
जमा वि० जमा, जमा हुआ, इकट्ठा (२) बहीखातेमें जमाके बाजूका, जमाका (३) स्त्री० आमदनी, जमा, प्राप्ति-वसूल (४) जोड़, जुमला, जमा
जमाई पुं० जमाई, दामाद
जमाउधार न० जमा और खर्च, आय खर्चका हिसाब, जमा-खर्च
जमाखर्च, जमाखर्च पुं०, न० आय और खर्च, जमा-खर्च [कराना
जमाडवुं स० क्रि० जिमाना, भोजन

जमात स्त्री० जमात जमाअत, समूह (२) नागा साधुओंकी जमात

जमान पु० ज़ामिन जमानतदार

जमानी स्त्री० ज़मानत ज़िम्मेदारी

जमानो पु० ज़माना युग बहुत समय (२) देशकालकी आचार विचारादि की अमुक स्थिति या उसका काल। जमानानुं खाधेल = ज़माना देखा हुआ, अनुभवी पक्का

जमापासुं न० जमा बहीमें वह भाग जहाँ प्राप्ति या आमदनी लिखी जाती है

जमाबंदी (-धी) स्त्री० जमाबंदी बंदोबस्त [पासु

जमाबाजु(-जू) स्त्री० देखिये जमा

जमाव पु० जमाव भीड़ जमघट

जमावट स्त्री० जमाना (२) किसी चीज़में खप जानेवाली मिलावट

जमाववुं स०क्रि० जमाना

जमावसूल स्त्री०, न० जमाबंदी लगानकी उपज

जमीन स्त्री० ज़मीन भूमि (२) खेतीके योग्य ज़मीनका टुकड़ा खेत (३) घावके भर जानेसे आनेवाली नई चमड़ी, खुरंड। [-आववी = घाव भर जाना। -मां पेसवुं = नाटा रहना (२) बहुत शर्म आना ज़मीनमें गड़ जाना]

जमीनदार वि० ज़मीनकी मालिकी रखनेवाला (२) पुं० ज़मीनका मालिक (३) ज़मादार

जमीनदारी वि० ज़मींदारका ज़मींदारसे संबद्ध (२) स्त्री० ज़मींदारी

जमीनदारी पद्धति स्त्री० लगान अदा करनेकी वह पद्धति जिसमें किसानोंके बदले मालगुज़ार-ज़मींदार सरकारको मालगुज़ारी अदा करता है

जमीनदोस्त वि० ज़मींदोज़ तहस-नहस

जमे वि० (२) स्त्री० देखिये 'जमा'

जमयो पु० खुखड़ी, कटार जैसा एक हथियार

जर पु० ज़र, धन सोना (२) ज़रतार

जरकसी वि० ज़रकश कलाबत्तूनी

जरख न० एक जंगली प्राणी लकड़बग्घा

जरजोखम न० पैसा आदि जोखिम

जरथोस्ती वि० ज़रतुश्तका ज़रतुश्ती (२) ज़रतुश्तका अनुयायी (३) पु० पारसी

जरदालु(-लू) न० ज़रदालू, खूबानी

जरदी स्त्री० अंडेके अंदरका पीला रस, ज़रदी

जरदो पु० तबाकूका चूरा, ज़रदा

जरवुं अ० क्रि० जीर्ण-जर्जरित होना, घिस जाना छीजना या दूर दूर होना (२) पचना हज़म होना

जरा वि० (२) अ० ज़रा थोड़ा

जराक वि० (२) अ० ज़रासा अल्प

जरातरा अ० थोड़ासा नहींवत

जरायत वि० वर्षाके पानीसे होनेवाला चौमसिया (फसल)

जरी स्त्री० ज़री कलाबत्तू ज़रीका माल (२) वि० ज़रकश ज़रबफ्त

जरी वि० (२) अ० ज़रा थोड़ा, कुछ

जरीक वि० (२) अ० थोड़ासा नहींवत्

जरीकाम न० ज़रीका काम कसीदा, सलमे सितारेका काम, ज़री

जरीपुराणुं वि० पुराना, टूटा-फूटा विशेष पुराना

जरूखो पु० देखिये 'झरूखो'

जरूर स्त्री० उपयोगिता ज़रूरत

जरूर स्त्री० ज़रूरत आवश्यकता, ग़रज़, हाजत उपयोगिता (२) अ० ज़रूर, अवश्य, बेशक

जरूरत, जरूरियात स्त्री० देखिये 'जरूर' स्त्री० में
जरूरी वि० जरूरी, आवश्यक लाजिमी
जलजलबबाकार अ० सब जगह पानी पानी हो गया हो इस तरह, जलथल एक हो इस तरह
जलद वि० तेज़, सख्त, तीखा
जलदी स्त्री० जल्दी, उतावली (२) अ० झटपट, शीघ्र, जल्द
जल्पान न० जल पीना
जल्सो पु० जलसा (२) संगीतका जलसा
जलद(–ध)र न० जलधर, जलोदर
जलेबी स्त्री० जलेबी
जव पु० जौ, जव [खार
जवखार पु० जवाखार, जौके पौदेका
जवरअवर स्त्री० बारबार आना जाना, आमद रफ्त
जवल्ले अ० क्वचित, कभी, शायद
जववु अ० क्रि० (फलके लिए) लगना, फलना, फल लगना, उदा० 'फूल बेसे पछी साग जवे' (२) (फलादिमें) ढोला पडना
जवान वि० (२) पु० देखिये 'जुवान'
जवानी स्त्री० देखिये 'जुवानी'
जवाब पु० जवाब। [–आपवा जवु = अपने भले-बुरे कर्मोंका हिसाब देने ईश्वरके पास जाना, मर जाना]
जवाबदार वि० जवाबदार, जिम्मेदार उत्तरदायी
जवाबदारी स्त्री० जवाबदारी, जवाबदेही, उत्तरदायित्व
जवाबी वि० जिसका जवाब माँगा गया हो जवाबी (२) जिसके जवाबका खर्च दे दिया गया हो, जवाबी (खत, तार)
जवारा पु० ब० व० धान, जौ आदिके मिट्टीमें गाडकर उगाये हुए अंकुर, जरई, जवारा [जाना
जवाय अ० क्रि० 'जवु' का भावे, जाया
जवासो पु० जवासा, जवास
जवाहिर न० जवाहिर, हीरा, रत्न, मणि आदि जौहर
जवु अ० क्रि० जाना, गुज़रना, दूर होना (२) हाथसे निकल जाना, कम होना (३) नुकसान होना, नष्ट होना, घटना (४) बीतना। [जतु करवु = माफ करना, रिहा करना, जाने देना]
जसत न० जस्ता, जस्त
जहन्नम न० जहन्नुम, नरक, जहन्नम
जहाज पु० जहाज़, जलयान, जलपोत
जहाजी पु० जहाज़ी, जहाज़रान (२) वि० जहाज़ी, जहाज़का
जळ न० जल, पानी। [–जपवु = नीरव शान्ति होना, सन्नाटा छाना। –मूकवु = प्रतिज्ञा करना। –लेवु = प्रतिज्ञा करना] [मद्गु
जळकूकडी स्त्री० एक जलचर पक्षी,
जळघोडो पु० दरियाई घोडा, हिपोपोटेमस' [बबाकार'
जळजळबबाकार अ० देखिये 'जलजल-
जळजळवु अ० क्रि० जलना (२) जलन होना
जळजळु वि० डबडबाया हुआ (लोचन)
जळझीलणा(–णी) वि० स्त्री० भाद्रपद शुक्ला एकादशी
जळवावु अ० क्रि० 'जाळववु' का कर्मणि
जळवु अ० क्रि० जलना, सुलगना
जळो स्त्री० जोक
जळोद(–ध)र देखिये 'जलधर'
जगम वि० जगम चल, मनकूला
जंगल न० जंगल बन। [–जवु = पाखाने जाना]

जतर पु०, न० जतर तान्त्रिक आकार या कोष्ठ, यंत्र (२)ऐसा आकृति या अक्षरोंवाला कागज या पतरा, तावीज (३)जादू, जतर-मतर
जतरडु न० देखिये 'जतरडु'
जतरमतर पु० न० जतर और मंत्र, तंत्र-मंत्र, जादू-टोना
जप(जं') पु० चैन कल, शान्ति
जपवु(ज) अ० क्रि० चैन होना शांत होना (२)झपना जरा नींद लेना – आँख लगना (३)तूफान या धमाल करनेसे रुकना शांत होना
जबूर न० कील खींचनेका एक औज़ार जबूरा जंबूर
जबूरो पु० एक छोटी तोप, जबूर (२) बाजीगरका मददगार लड़का झमूरा
जाआव स्त्री० जाना और आना, आवाजाही [(२)रुखसत
जाकार(–रो) पु० आव भगत न होना
जाकीट न० जाकिट फतुही वास्कट
जागतु वि० जागता हुआ जागता जाग्रत (२)सजग जागरूक, बेदार। [–मूतरवु = जानबूझकर बिगाडना। **जागतो दहाडो** = आबादीका काल (२) अशुभ या झगडेका दिन]
जागरण न० जागरण रतजगा (२) जागृति, बेदारी
जागवु अ०क्रि० जागना नींदसे उठना जाग्रत होना, जगना (२)सजग होना जाग्रत रहना, जगना (३)जागता हुआ होना जागना (४) ताज़ा होना चलना, उभरना उदा० वात पाछी जागी छे'(५)अज्ञानमें से निकलना ज्ञान प्राप्त करना

जाजम स्त्री० जाजम, जाजिम बिसात, बिछावन
जाजरू पु०, न० पाखाना जाजरू
जाडपण न०, **जाडाई** स्त्री० मोटाई, स्थूलता
जाडियु वि० मोटा स्थूल
जाडु वि० मोटा दलदार (२)मोटा, मेदस्वी चरबीयुक्त (३)दबीज, घना, ठस, गाढ़ा (४) तीक्ष्णका उलटा, भोथरा कुंद (५)भारी कर्कश (६) [ला] मन्दबुद्धि जड (७) अशिष्ट, गँवार (८) जिसमें गहराई न हो, मोटा उदा० तेनु काम जरा जाडु होय छे' [दबीज
जाडु खदड वि० ठस बुना हुआ गाढ़ा
जाडुव(–भ)म वि० भारी भरकम अतिशय मोटा
जाण वि० जानकार (२) परिचित, पहचानवाला (३)स्त्री० जानकारी, ज्ञान (४)परिचय जान-पहचान
जाणकार वि० जानकार [पहचान
जाणपिछाण(–न) (ण) स्त्री० जान
जाणभेदु वि० अंदरकी बात जाननेवाला, बातका भेद जाननेवाला भेदिया
जाणवु स० क्रि० जानना पहचानना परिचित होना (२)मानना समझना, उदा० हु जाणु के ते करशे
जाणी जोई(०ने), जाणी बूझी(०ने) = जान-बूझकर
जाणीतु वि० जान-पहचानवाला, परिचित (२)अनुभवी, अभ्यस्त (३)नामी
जाणे अ० गोया (२)मानो जानो
जाणेअजाणे, जाण्येअजाण्ये अ० जाने-अनजाने

जात (त,) स्त्री० जाति, जान, वर्ग (२)वंश, जात, खानदान, उदा० 'तु तारी जात उपर गयो' (३) बिरादरी, गोत्र(४)देह, जान(५) सदा बना रहनेवाला मूल गुण, प्रकृति, जात [ला]। [-उपर जवू = जातिस्वभाव दिखाना, जात पर जाना (२)मिज़ाज करना।-चोरवी = काम चोरी करना(२)बिरादरी, जात-पाँत छिपाना। -जणावी = असलियतका पता चलना जाति या कुलकी प्रकृति का जाहिर होना]

जातकमाई स्त्री० खुदकी कमाई

जातभाई पु० एक ही जाति या बिरादरीका, एक ही बिरादरीमें उत्पन्न होनेके नाते भाई, भाईबंद जाति जन

जातमहेनत स्त्री० खुद की हुई मेहनत, स्वाश्रय(२)शरीरश्रम

जातरखु वि० केवल अपनी जात सम्हालकर बैठा रहनेवाला, स्वार्थी, खुदगरज [नस्लका

जातवंत, जातवान वि० कुलीन अच्छी

जाति स्त्री० कुल वर्ण या बिरादरी और योनिका भेदसूचक वर्ग जाति समुदाय (२) लिंगभेदसूचक वर्ग, जाति लिंग [व्या]

जातिव्हेवार पु० जाति जातिके बीचमें खान-पानका संबंध

जातिवाचक वि० जातिवाचक [व्या]

जातिस्वभाव पु० जातिस्वभाव जाति या क़ौमका विशिष्ट स्वभाव (२) खुदका स्वभाव स्वभाव

जातीय वि० जातीय जातिका(२)स्त्री या पुरुष जाति-संबंधी यौन

जाते(ते,) अ०खुद, आप (२)जातिका, ज्ञातिसे, उदा० 'ते जाते कोण छे?'

जात्रा स्त्री० तीर्थयात्रा, यात्रा, जात्रा

जात्राळु पु०(२)वि० तीर्थाटन करनेवाला, यात्री

जाथु(-थूक)अ० हमेशा टिके चला करे इस तरह, लगातार

जादवास्थळी स्त्री० यादवोंकी आपस आपसकी लड़ाई (२) एक वर्गके व्यक्तियोंकी आपसी लड़ाई, खाना जंगी [ला]

जादु पु०, न० जादू

जादुई वि० जादूका, चमत्कारी

जादुगर पु० जादूगर,

जादुमंतर पु० जादूका मंत्र

जादू, जादूई, जादूगर, जादूमंतर देखिये 'जादु' आदि

जान स्त्री० बरात, जनेत

जान पु० जान प्राण(२)प्राणप्यारा व्यक्ति जान[ला] (३)दम, शान (४)हानि। [-आपवो = जान वारना।-पर आववु = जान पर आ बनना (२)जान पर खेलना]

जानमाल प० जान व माल, जन धन

जानवर न० देखिये 'जनावर'

जानी वि० प्राणप्रिय(२)जानी, जान लेनेवाला [जगह, जनवासा

जानीवासो पु० बरातियोंके ठहरनेकी

जानेवारी पु० देखिये 'जान्युआरी'

जानैयो पु० बराती

जान्युआरी पु० जनवरी

जापतो पु० जाब्ता, पक्का इंतज़ाम, काबू कड़ी निगरानी

जापानी वि० जापान देशका या उससे संबद्ध, जापानी(२)जो टिकाऊ न हो,-

नाजुक, दिखावटी [ला] (३) स्त्री० जापानकी भाषा, जापानी (४) पु० जापानवासी

जाप्तो पु० देखिये 'जापतो,

जाफत स्त्री० जाफत दावत

जाफरां, जाफरियां न० ब० व० (अव्य वस्थित) रूखे बाल (२) जुल्फ पराग बिखरे हुए बाल [झबरा-(पन्)

जाफरियाळु, जाफरियु, जाफरु वि०

जामगरी स्त्री० तोप या बदूकम आग देनेका फलीता जामगी। [-चापवी मूकवी=तोप बदूक आदि दागना (२) [ला] उभाडना उकसाना कलह कराना]

जामफळ न० अमरूद

जामवु अ०क्रि० जमना जमा इकट्ठा होना (भीड टोला मल कचरा) (२) पतली चीजका गाढी या ठोस होना, नीचे बठना चिपकना, जठना जमना (दूध, पानी) (३) जड मजबूत होना अपनी जगह पर डटा बना रहना जमना (४) रसोत्पादक होना रिलमे बैठना रगमें आना भचना जमता चल निकलना ठनना (मनी धधा दुकान युद्ध)। [जामी जवी=ठनना झगडा होना लड पडना]

जामिन पु० जमानत रनवाला जामिन

जामिनखत न० जमानतनामा

जामिनगीरी स्त्री० जामिन होना जामिनी [देखिये जामिन आदि

जामीन, जामीनखत, जामीनगीरी

जामो पु० पेशवाज जसा बडा घेरदार अगरखा जामा

जायफळ न० जायफल

जायु वि० जनमा हुआ, जात

जायो पु० पुत्र (२) वि० पु० जना हुआ, जनमा हुआ, जात

जार (र) स्त्री० ज्वार (अनाज)

जारबाजरो स्त्री० भरण-पोषण गुजारा [ला]

जारी अ० जारी चलता हुआ

जालिम वि० जालिम क्रूर

जावक वि० बाहर गया या भेजा हुआ निर्यात (२) स्त्री० बाहर भेजा हुआ नियात (३) खच व्यय (४) खचमें लिखी हुई रकम उधार

जावतरी, जावत्री स्त्री० जावित्री

जासाचिठ्ठी स्त्री० निजी वर लेनेके लिये लिखी जानेवाली धमकीभरी गुप्त चिट्ठी

जासूसी स्त्री० जासूसका काम जासूसी

जासो पु० निजी वर लेनके लिए लोगो पर की जाती ज्यादती (२) उसके लिए दी जाती गुप्त धमकिया

जाहेर वि० जाहिर जो गुप्त न हो प्रकट खुला हुआ (२) सावजनिक आम

जाहेरखबर स्त्री० विज्ञापन इश्तहार

जाहेरनामु न घोषणापत्र, सावजनिक सूचना [आम जलसा

जाहेरसभा स्त्री० सावजनिक सभा

जाहेरात स्त्री० जाहिर करनेकी क्रिया प्रसिद्धि (२) इश्तहार विज्ञापन (३) अ० खुले आम जाहिरमें

जाहोजलाली स्त्री० वभव, दबदबा, शान व शौकत, जाह व जलाल

जाळ स्त्री० जाल (सूत सन आदिका) (२) जाला (३) फदा फरेब, जाल (४) लट्टू पर लपटनेकी छोटी रस्सी

जाळवणी स्त्री सभाल हिफाजत

जाळववु स० क्रि० सँभालना सहजना, हिफाजत करना
जाळावाळा वि० छिदरा, जो दबीज न हो (कपडा) (२) तार-तार, जीर्ण
जाळियु न० जाली (मकानमें), रोशन दान (२) जालीदार चिमनी
जाळी स्त्री० छेददार चीज, जाली (२) जाली जैसी बनावट जो दीवार या खिडकीमें लगाई जाती है जंगला (३) लट्टूकी डोरी
जाळु न० जाला (२) मकडीका बुना हुआ जाल (३) आखका एक रोग, जाला (४) जाल, ठगने फँसानेकी युक्ति
जावड (०) वि० लौटानेकी शर्त पर, दिखानेके लिए बिना दाम दिये लिया हुआ नोटा, जावड
जाघ (०) स्त्री० जाघ जघा, रान
जाघियो पु० जाघिया, घुटना निकर
जावु (०) न० जामुन [जामुनी
जावुडियु (०) वि० जामुनके रगका
जावुडु (०) वि० जामुनी (२) न० जामुन
जावुडो (०) पु० जामुनका पेड, जामुन
जिगर न० दिल, जिगर (२) दिली दोस्त [ला]
जिताड (-व) वु स० क्रि० जिताना [जितवाना
जितावु अ० क्रि० 'जीतना क्रियाका कर्मणि रूप जीता जाना
जिद्द स्त्री० जिद हठ
जिद्दी वि० जिद्दी हठी
जिन्नत न० जन्नत स्वर्ग
जिप्सी वि० (२) पु० एक खानाबदोश जातिका आदमी, कजड, कजर
जिराफ न० जिराफा
जिरायत वि० देखिये 'जरायत'
जिल्लो पु० विभाग, हलका (२) सूबेका वह भाग जो कलक्टरके मातहत हो, जिला
जिवाई स्त्री० जीवन निर्वाहके लिए मुकरर की हुई रकम या जमीन, जीविकाका साधन, गुजारा
जिवाडवु स० क्रि० जिलाना, जिंदा करना, मरनेसे बचाना (२) पालना पोसना, जिलाना
जिवाळी स्त्री० तबलेके चमडे परका काला वर्तुल, स्याही (२) तबूरेके तुबे पर तारोको बाधा जानेवाला डोरा, जवारी [यहोवा
जिहोवा पु० ईश्वरका यहूदी नाम,
जिंगोडी स्त्री० किल्नी, चिचडी
जिंगोडो पु० बडी किल्नी चिचडा
जीतवु स० क्रि० जीतना
जीतून न० देखिये 'जेतून'
जीद स्त्री० देखिये 'जिद्द'
जीन पु० एक प्रकारका भूत, जिन
जीन न० जीन, पलान, चारजामा
जीनो पु० जीना, अलग निकाली हुई साडी
जीभ स्त्री० जीभ (२) जबान, वाणी (३) रसना, जीभ (४) बूट पहननेमें प्रयुक्त लोहेकी पट्टी, जीभ । [-घसाई जवी = कह कहकर थक जाना। -मोंमा घालवी, वाळवी = जीभ रोकना, बोलना बद करना। जीभे चडवु = जबान पर होना (२) बदनाम होना]
जीभाजोडी स्त्री० हुज्जत, कहा-सुनी
जीरण वि० जीर्ण
जीरववु स० क्रि० पचाना हजम करना (२) सहन करना; झेलना
जीरु न० जीरा

जीण वि० जीण बहुत पुराना
जीलव्वे अ० बहुत ताबेदारी सूचित करनेवाला उद्‌गार
जीव पु० जीव, प्राण शरीरका चेतन तत्त्व(२)प्राणी, जीव(३)मन, दिल, जी (४) [ला] पूंजी धन(५)जान दम सार (६) चित्त मन ध्यान। [-अध्धर थवो=जी न लगना (चिंता के कारण)। -आववो = सचेतन होना(२)जानमें जान आना। -कह्युं करवो नथी=जी न करना मन न मानना]
जीवडकाळो पु० जलापा, कलेश, कुढ़न
जीवजत(-तु) पु०, न० कीडा-मकोडा, जीव-जतु
जीवडु न० जतु, छोटा कीडा
जीवडो पु० जीव आत्मा(२)बडा कीडा
जीवत न० जीवित जिंदगी जीवन
जीवतदान न० प्राण-दान, जीवन-दान
जीवतर न० जीवन, जिन्दगी उम्र
जीवतुं वि० जीता जीववाला, जिन्दा सजीव
जीवतोड वि० जीतोड (काम)
जीवन न० जीवन, जिंदगी (२) आयुष्य उम्र(३)प्राण, जीवन
जीवनकलह पु० देखिये 'जीवनसग्राम'
जीवनदोरी स्त्री० आयुष्य(२)जीवनका मुख्य आधार [ला]
जीवननिर्वाह पु० भरण-पोषण, निर्वाह
जीवनसखी स्त्री० सहधर्मचारिणी पत्नी
जीवनसग्राम पु० जिन्दा रहनेके लिए प्राणियों द्वारा किया जानेवाला सग्राम जीवन-कलह
जीवलेण वि० जानलेवा प्राणघातक
जीववु अ० क्रि० जीना सांस चलना (२) जिन्दा होना या रहना, जीना (३) जीवन गुजारना, जीना, उदा० 'गुला मीमा जीववा करता तो मरवु सारु'
जीवसटोसट अ० जानजोखो [समूह
जीवात स्त्री० सूक्ष्म जतु या कीडाका
जीवादोरी स्त्री० देखिये जीवनदोरी
जींडवु न० कपास, पास्ते इत्यादिका फल, डाडा, ढेंढी, डोडी
जींयरा (०) न०ब०व० देखिये थाथरा
जुआर न० सयुक्त कुटुबसे अलग होकर जमाया हुआ नया ससार बँटवारा, अलगौना
जुआळ पु० ज्वार जुआर भाटाका उलटा
जुक्ति स्त्री० जुगत, उपाय युक्ति करामत(२)रीत
जुग पु० जुग, जमाना युग
जुगत वि० जोडा हुआ युक्त (२) युक्त, योग्य, अनुकूल
जुगती स्त्री० देखिये 'जुक्ति'
जुगतु वि० अपनी जगह पर ठीक बठता हुआ, युक्त, उचित
जुगलजोडी स्त्री० जोडा युगल
जुगार पु० जूआ जुआ द्यूत [जुआरी
जुगारियो पु० जुआ खलनेवाला, जुआडी,
जुगारी वि० जुआ खलनेकी लतवाला (२)पु० जुआडी, जुआरी
जुठ्ठुं वि० असत्य झूठा(२)नकली, बनावटी (३) बेकार जग, सत्वहीन (अग)
जुदाई स्त्री० जुदाई अलगाव
जुदु वि० जुदा दूर अलग(२)अनोखा, जुदा। [-पडवु = अलग होना(२)टूट जाना (३) अलग राय रखना (४) गयक्तमेंसे अपना अलग करना अलगाना]

जुनवाणी वि० पुराना (२) पुराने विचारवाला, सनातनी 'ओर्थोडोक्स'
जुबान स्त्री० देखिये 'जबान'
जुबानी स्त्री० जबानसे बताई हुई कफ़ियत गवाही
जुमलो पु० जुमला, कुल संख्या, जोड
जुमा पु० जुमा, शुक्रवार
जुमेरात स्त्री० जुमेरात, गुरुवार
जुम्मेदार वि० जिम्मेदार, उत्तरदायी जिम्मेवार [दारी, जिम्मेवारी
जुम्मेदारी स्त्री० उत्तरदायित्व जिम्मे
जुम्मेवार वि० देखिये 'जुम्मदार'
जुम्मेवारी स्त्री० देखिये 'जुम्मेदारी'
जुम्मो पु० जिम्मा, जवाबदेही
जुलफु न० बालोंकी लट, जुल्फ
जुलम पु० जुल्म जबरदस्ती (२) अत्याचार अन्याय (३) अतिशयता या गजबका काम
जुलमगार वि० जुल्मी, जालिम
जुल्मी वि० जुल्मी अत्याचारी (२) जालिमाना, अत्याचारपूर्ण
जुलाई प० जुलाई जूलाई
जुलाब पु० जुलाब विरेचन (२) दस्त, जुलाब। [–आपवो=विरेचन देना (२) [ला] खूब घमकाना बहुत घबड़ाना। –थई जवो=घबड़ा जाना]
जुवान वि० (२) पु० जवान
जुवानजोध वि० पूर्ण यौवनशाली (२) मजबूत कद्दावर
जुवानियो पु० जवान
जुवानी स्त्री० जवानी युवावस्था, यौवन
जुवार स्त्री० ज्वार जुआर (अनाज)
जुवारु न० देखिये 'जुआरु
जुस्सावार वि० ओजपूर्ण, जोशीला
जुस्सो पु० जोश, उत्तेजना (२) मनोवृत्तियोंका आवेग (३) शक्ति प्रबलता
जुहार पु० जुहार, 'प्रणाम' 'सलाम'-का भाव सूचित करनेवाला शब्द
जू स्त्री० जूँ ढील। [–जेवु=किल्नीकी तरह चिपकनेवाला, चिकना, चम चिच्चड़ (व्यक्ति)]
जूई स्त्री० जूही, जुही (बेल)
जूगटु न० जुआ द्यूत
जूज वि० बहुत थोड़ा, जरा
जूजजाज वि० अति थोडा नहींवत्
जूजवु वि० जुदा भिन्न, अलग
जूठ न० झूठ, असत्य
जूठाणु न० झूठी बात, झूठ
जूठाबोलु वि० झूठ बोलनेका आदी, झूठा [झूठा (अग)
जूठु वि० झूठा (२) नकली (३) बेकार,
जूठु वि० खाकर छोड़ा हुआ, जूठा
जूडी स्त्री० पूली, छोटा गट्ठर, जूरी
जूडो पु० झाड़ू (२) गट्ठर, पूला मुट्ठा
जूतियु न०, जूती स्त्री० जूतु न० जूता। [जूतिया खावा पडवां=मार पड़ना, जूते पड़ना (२) अपमान या तिरस्कार होना निकाला जाना। जूते मार्यु जवु =जानेकी परवाह न करना, जूतीकी नोकसे बलाम]
जून पु० जून (छठा महीना)
जूनु वि० पुराना, आगेका, कदीम (२) जर्जर जीर्ण (३) जिस पर बहुत समय बीत चुका हो दिनी (४) सधा हुआ, पूर्ण अनुभवी, सिद्ध, नामी, पुराना, उदा० जूनो चोर जोगी, पापी आदि'
जूवो पु० किल्नी
जे (जे) स० (२) वि० जा (३) अ० जो, कि, उदा० 'तेनु कारण ए छे जे (के)'

जे(जें) पु० स्त्री० जय फतह
जेजे (जेंजें) पु० नमस्कार वंदन(२) अ० वंदनसूचक उद्गार
जेजेकार(जेंजे) पु० स्त्री० जयजयकार
जेटलु (जे) वि० जितना
जेटले(जे) अ० जिस मात्रामें जितना
जेठ पु० पतिका बडा भाई जेठ(२) जेठ मास
जेठाणी स्त्री० जेठकी पत्नी जेठानी
जेठीमध न० जेठीमधु, मुलेठी
जेतून(जें) न० जतून, एक तेलहन 'ऑलिव
जे ते स०(२)वि० कोई भी,जो भी (३)सामान्य उदा० 'आ कई जे ते माणसथी न बने
जेब पुं० स्त्री० जेब, शोभा
जेम(जें) अ० जसे, जिस तरह यथा
जेम के(जं') अ० जसे कि मसलन् उदाहरणके रूपमें
जेम तेम (जं') अ० ज्यों-त्यों, किसी तरह, मुश्किलसे येन-केन
जेमनु(जें') स० ब० व० जिनका(२) वि० जिस तरहका जसा(३)जिस बाजू या तरफका [जेर
जेर(ज) अ० वशमें ताबे पराजित
जेरबंद(-ध) (जें) पु०पाडेकी बागको तंगके साथ जोडनेवाला चमडेका तस्मा जेरबन्द(२)चमडका कोडा मगजी
जेरो पु० गिरा हुआ चूरा हास्न, चूरा (२) तवाकूका चूरा जर्दा
जेल स्त्री० कदखाना जेल जलखाना (२)कूद कदकी सजा
जेवडु वि० जितना(कद नाप)
जेवु(जे) वि० जैसा, जिस तरहका
जेवु तेवु (ज) वि० साधारण, जसा तसा(२)कसा भी
जेहाद स्त्री० धर्मकी रक्षाके लिए किया जानेवाला युद्ध जिहाद
जेहु स्त्री० धूल गर्द
जो अ० यदि अगर, जो
जोइए अ०क्रि० चाहिये [आवश्यक
जोईतु वि० चाहिये उतना, जरूरी,
जोके अ० यद्यपि,अगरचे, गो, जोकि (२) फिर भी, उदा० तेणे आपवा कह्यु जो के एनु मन नथी)
जोख न० जोखनेका बाट(२)जोखनेकी रीति, तौल जोख (३) तराजू
जोखम न० भविष्यमें होनेवाले नुकसा नकी दहशत(२)नुकसान जोखिम खतरा(३)वह काम जिसमें जोखिमका डर हो साहस। [-खेडवु=साहस करना जोखिम उठाना। -वेठवु= घाटा सहना नुकसान उठाना]
जोखमकारक, जोखमकारी वि० जिसमें जोखिम हो जोखिमी
जोखमदार वि० देखिये जवाबदार
जोखमदारी स्त्री० देखिये जवाबदारी
जोखमावु अ० क्रि० नुकसान पहुँचना
जोखवु स० क्रि० तौलना जाँचना (२) *मनमें अच्छी तरहसे विचारना* [जा]
जोग वि० योग्य उदा० खावा जोग, लखवा जोग (२) -की ओरका जोग के लिए उदा० नाम जोग हुडी (३) अ० -के प्रति, उदा० मा तनी जोग'
जोग पु० योग(२)प्रबंध इंतजाम(३) बुनाईमें तानके सूतके तारोंका ऊपर नीचे करनेवाली योजना।[-आववो, बेसवो=मयोग प्राप्त होना मौका

मिलना। –खावो=योग होना मिलना होना]

जोगटो पु० जोगडा, साधु (तुच्छकारमें)

जोगण स्त्री० योगिनी, जोगन, जोगिन (२) साधुकी स्त्री, जोगन

जोगमाया स्त्री० ईश्वरकी माया, योग माया (२) दुर्गा

जोगवाई स्त्री० व्यवस्था इंतजाम

जोगु वि० देखिये 'जोग' वि०

जोटडी स्त्री०,(–डुं) न० जवान भैंस, भौंसर

जोटो पु० एकसी दो चीजोंका जोड, जोडा उदा० 'घानीजोटो' (२) एक चीजके साथ सब तरहसे बराबरीकी चीज, जोडी

जोड स्त्री० दो समान चीजोंकी जोडी, जोड (२) प्रतियोगिता या बराबरीमें समान उतरनेवाली दूसरी चीज, जोड (३) तबूरेके चार तारोंमें से बीचके दो तार (४) सोहबत, मिलन, योग

जोडकणुं न० तुकबंदी, कैसे भी जोडा हुआ गीत या पद्यरचना (२) मन गढंत बात

जोडकुं न० एक दूसरेके साथ लगी हुई चीज युग्म (२) एक साथ पैदा हुए दो बच्चे जुडवाँ (ब० व० में प्रयुक्त)

जोडणी स्त्री० जोडनेका काम या रीत, जोडाई (२) शब्द लिखनेके लिए अक्षरोंको जोडनेकी रीत, हिज्जे जोडनी

जोडवुं स० क्रि० (अलग चीजोंको) जोडना – सीना मिलाना, चिपकाना आदि (२) अलग अलग हिस्सों या टुकडोंको मिलाकर एक पूरी चीज बनाना, तरतीबसे बठाना, बैठाना, जोडना (वाक्य, पद्य, यत्रादि) (३) काम पर लगाना (४) (बैल या घोडा) जोतना, वाहन या सवारी तैयार करना। (५) नुकसान या घाटेको भरना, पूर्ति करना, भरना, उदा० 'मैं ऐसा करना दस जोड्या' (६) स्थापित करना (प्रीत) मनमें उपजाना, जोडना (बात)। [जोडी काढवुं = कल्पनासे गढ़कर तैयार करना, बनावटी या झूठा तैयार करना, बातें बनाना]

जोडवुं न० जोडा, जोडी

जोडाक्षर पु० संयुक्ताक्षर, मिलित वर्ण

जोडाजोड अ० पास पास, सटकर

जोडाण न० जोड, संधिस्थान, संधान (२) इकट्ठा करना, मिला देना, जोड (३) इकट्ठा होना, जुडना, उदा० 'बे राज्योनुं जोडाण'

जोडियु वि० साथ रहनेवाला, साथी, संगी (२) जोडेमेंका कोई एक, जोडवाला [बच्चेकी जूती

जोडी स्त्री० जोडी, जोड (२) छोटे

जोडीदार पु० साथी (२) बराबरीका, जोडका, जोडीदार

जोडु न० दो चीजोंका जोडा, जोडा (२) वर-कन्या (३) जूता [पास

जोडे अ० साथमें, साथ (२) नजदीक,

जोडो पु० जूता (२) देखिये 'जोटो'

जोत स्त्री० रोशनी, ज्योति (२) दीयेकी लौ, टेम [बातकी बातमें

जोतजोतामां अ० देखते ही देखते,

जोतर न० जुआठेमें बँधी हुई रस्सी या तसमा जिसमें बैलकी गरदन फँसाई जाती है, जोता

जोतरवुं स० क्रि० जोतेसे पशुको जुआठेके साथ बाँधना, जोतना

जोतरु न० देखिये 'जोतर'

जोद्धो(-ध) पु० योद्धा, सिपाही
जोबन न० जोवन जवानी
जोबनवतु वि० जोबनवाला
जॉबर पु० (मिलमें)मजदूरोंका मेट टंडल [होना
जोबावु अ० क्रि० गश खाना, मरणासन्न
जोबो(-गो) पु० जी डूबनेकी अवस्थामें आना, बेहोश हो जाना गश, मूर्च्छा बेहोशी। [-आववो=गश खाना अचेत हो जाना]
जोम न० जोम, जोश बल
जोर न० जोर कूवत(२)श्रम मेहनत, उदा० 'एमा मने शु जोर पडयु?' (३)वश, काबू जोर मारु एना उपर कोई जोर नथी '(४)उन्नति तेजी जोश, वेग उदा० भाईनु काम कई जोरमा देखाय छ तावनु जोर' आदि।[-आववु=जोर पडना श्रम लगना। -काढवु=बलका उपयोग करना जोर दिखाना।-चडवु=जोरा पर होना जोर पकडना, चरबी चढना]
जोरदार वि० जोरदार प्रबल
जोरावर वि० जोरावर, बलवान
जोरु स्त्री० जोरू पत्नी [दिखलाना
जोवडा(-रा)ववु स० क्रि० दिखाना
जोवावु अ० क्रि० दिखाई देना दीखना
जोवु स० क्रि० देखना (२) खोजना सोचना-समझना, ध्यान देना, देखना [ना](३)पढना, अभ्यास करना उदा० 'कामना कागळ जोवा , प्रूफ जोवा (४)फलित ज्योतिष कहना या मुतादिका आवेश है या नहीं यह देखना(५) आजमाना अनुभव करना देखना, उदा०'जोवुं होय तो आवी जा'। [जोई लेवु=सोच लेना गौर करना(२) मारनेकी धमकी देना। जोईने चालवु जोईने डगलु भरवु=फुककर पाँव रखना। जोवा जवु=देखनार्थ, सुदर (२) बदनामी हो ऐसी स्थितिका आना जिससे मारपीट हो, गत (बनना)]
जोश पु० ज्योतिष, ज्योतिषका ज्ञान नजूम। [-जोवा=ग्रहोंके स्थान देखकर फलित ज्योतिष कहना]
जोश पु० न० उफान उबाल जोश (२)उत्साह सरगर्मी जोश(३) वेग जोर
जोशी पु० जोशी ज्योतिषी नजूमी
जोशीलु वि० जोशीला जोरदार
जोष पु० देखिये जोश
जोषी पु० देखिये 'जोशी
जोस पु० न०देखिये जोश' ज्योतिष
जोहाकी स्त्री० जुल्म अत्याचार ज्यादती
जोहुकम पु० जुल्म धाक(२)अ० हुक्म के मुताबिक जो हुकम जो आज्ञा
जोहुकमी स्त्री० जुल्म, स्वेच्छाचार(२) वि० जुल्मी अत्याचारी [हत्या
जौहर न० जौहर सामुदायिक आत्म
जौहर न० रत्न, जवाहरात
ज्ञाति स्त्री० बिरादरी, जाति, ज्ञाति
ज्ञातिबधु पु० बिरादरीवाला भाई-बद
ज्यारथी अ० जबसे
ज्यारनु वि० जबका
ज्यार स्गी अ० अब तक
ज्यारे अ० जिस समय जब
ज्यारे त्यारे अ० किसी न किसी समय (२)चाहे जब, जब कभी
ज्यां अ० जहाँ

ज्यां त्यां अ० जहां-तहां, हर एक जगह (२) मुश्किलसे (३) किसी तरह, ज्यां-त्यों
ज्युबिली स्त्री० महोत्सव, जुबली (२) परीक्षामें नापास होकर उसी कक्षामें रहना [ला]
ज्वाळा स्त्री० ज्वाला, आगकी लपट
ज्वाळामुखी पु० ज्वालामुखी

झ

झ पु० 'च' वर्गका — तालुस्थानीय चौथा व्यंजन
झकझोळ वि० मशगूल (२) स्त्री० रेल पेल, बहुतायत (आनंदकी)
झकूरवु अ० क्रि० झुकना लटकना,
झख मारवी, झख मारीने रहेवु = खिये नव मारवी [बोर, झलझल
झगझग, झगमग अ० चमाचम झला
झगझगवु, झगमगवु अ० क्रि० झलझला ना जगमगाना [चमक
झगझगाट, झगमगाट पु० जगमगाहट
झगवु अ० क्रि० जगमगाना चलकना
झगार(-रो) पु० जगमगाहट झलक
झगडवु अ० क्रि० झगडना, लडना
झघडाखोर वि० झगडालू, कलहप्रिय
झघडो पु० झगडा टंटा लडाई
झणझणाट पु० झनझनाहट झनकार (२) झनधुनी जलन (३) राव दमाम
झणझणी स्त्री० हाथ पांवके एक हालतमें देर तक रहने या दबनेसे पैदा होने वाली मनसनाहट झुनझुना झनझनी (२) क्रोध या रीसका आवश
झझूमवु अ० क्रि० ऊपर लटकना; बाहर या ऊपरसे लटकना, टंगना झूमना (बादल) (२) टूट पडनेको तयार होना, दबाव डालना [ला]
झट अ० झट, तुरत
झटकामण न० फटकनेकी क्रिया, फट कना (२) फटकनेसे निकलनेवाला कचरा फटकन (३) फटकनेकी उजरत
झटकाववु स० क्रि० 'झटकवु' क्रियाका प्रेरणार्थक (२) झटकेसे मारना काटना
झटको पु० झटकेके साथ किया हुआ घाव झटका (२) धक्का, जोरसे खींच ना (३) घावकी नाड़ होनेवाली पीडा [ला]। [झटका खावा = घाव झेलना (२) ममवचन या चुभनेवाली बात सुनना। — पडवा = घाव खाना (२) दुःखी होना श्रम उठाना (व्यंग्यमें)]
झटोझट अ० झट-पट झट-पट
झडको पु० कपडेकी चीर दरक (२) झटका देकर दही मथना
झडती स्त्री० पूरी खोज तलाशी (२) कुर्कीका आदेश जब्ती (३) पुलिसकी तलाशी
झडप स्त्री० त्वरा, वेग (२) झपटनेकी क्रिया झपट (३) सपाटा, टक्कर
झडपभेर अ० तेजीसे, झपाटेसे
झडपवु स० क्रि० झडपना, झपटना
झडपी वि० वेगवान गतिवाला तेज
झडी स्त्री० जोरकी वर्षा, झडी (२) सपाटा झडी
झणकार(-रो), झणको पुं० झकार, घनकार

झणझणवुं अ० क्रि० झननाना झुन झुनाना (२) झुनझुनी होना
झणझणाट पु० झुनझुनीका असर (२) झकार [असर
झणझणाटी स्त्री० झुनझुनीका जोरदार
झणझणी स्त्री० झुनझुनी (२) रोम
झनून स्त्री० न० जुनून जोश जनून
झपट स्त्री० झपाटा झपट्टा झपाटा (२) झपट लप (३) झपेटा भूतादिके फेरमें आ जाना प्रेतबाधा (४) टक्कर। [-मारवी = झपटना। -मा आववुं = टक्कर लगना (२) भूत पिशाचके फेरमें आ जाना]
झपटावुं अ० क्रि० टकराना बाचमें आ जाना (२) उलझना, फँसना [ला]
झपवुं अ० क्रि० शान्त रहना ऊधम न मचाना
झपाझप (-पी) स्त्री० मारामार टटा झड़पा झड़पी (२) मार-काट कतल
झपाटवुं स० क्रि० जोर मारना रगड़ना (चलना) (२) मारना चपटना (३) जल्दी जल्दी खाना ठूसना
झपाटो पु० झपाटा वग फर्राटा (२) जोरसे किया हुआ प्रहार झटका (३) टक्कर चोट
झपोझप अ० झपाझप झटपट फटाफटमें
झम अ० चमचमाता एकदम
झबकवुं अ० क्रि० भड़कना चौंकना (२) रह रहकर प्रकाश पड़ना झिलमिलाना (बिजली)
झबकारो पु० प्रकाशका चमक कौंध
झबकोळवुं स० क्रि० पानीमें डुबाना, बोरना चभोरना [झंगुला
झबलुं न० बच्चाका कुरता झगा
झबूक अ० रह रहकर चमकते या झिल मिलाते हुए
झबूकवुं अ० क्रि० झिलमिलाना
झबे स्त्री० जबह बलि चढ़ाना कत्ल
झबो पु० लंबा और ढीला-ढाला काट चोगा चाला
झबाझब अ० देखिये झपोझप
झबोळवुं स० क्रि० देखिये झबकोळवुं
झब्बो पु० देखिये झबो
झमलुं न० देखिये झबलुं
झभो (-भ्भो) पु० देखिये झबो
झमक स्त्री० एक शब्दालंकार यमक (२) झम झमकी आवाज धमक, (३) चमक, भड़क
झमकवुं अ० क्रि० झम-झम की आवाज होना झमकना
झमझम अ० झम झम छम छम (२) हलकी जलन होती हो इस तरह
झमझमाट पु० झमझमाना (२) हल्की जलन
झमर (-र) स न० झाड़ झाड़ फानूस
झमवुं अ० क्रि० द्रवका बूंद-बूंद करके नन्हे नन्हें छेदोंसे बाहर निकलना रिसना
झरख न० देखिये जरख'
झरड अ० कपड़ा फाड़ते समय होनेवाली आवाजके साथ चररर (२) स्त्री० झाड़ झखाड़के टुकड़े
झरडको पु० देखिये झड़को
झरडवुं स० क्रि० चर की आवाजके साथ चीरना खरोचना (कपड़ा)
झरडुं न० झखाड़ काँटेदार झाड़
झरण (-णुं) न० झरना, सोता
झरमर न० स्त्रियोंका गलेका एक गहना (२) स्त्रियोंका चोलीका एक गहना

(३) एक बारीक कपडा (४) स्त्री० बारिशकी फुहार, बूंदाबांदी (५) न० रिमझिम

झरवु अ० क्रि० (द्रवका) धीरे धीरे बाहर निकलना भरना [झटारो

झरुखो पु० झरोखा छज्जा बारजा

झरेणी स्त्री० झुनझुनी

झरेळो पु० जलनेसे होनेवाला फफोला, छाला, झलका

झरो पु० देखिये 'झरण'

झलक स्त्री० झलक ओप चमक

झलकवु अ० क्रि० चमकना झलकना (२) अपनी असली प्रकृति दिखाना [ला]

झलावु अ० क्रि० पकडा जाना (२) अकड जाना काठ होना किसी अंगका जकडा जाना, उदा० 'वायी साथो झलाई गया छे

झवेर न० जवाहिर, जौहर (२) पानी, जीवट [ला]

झवेरात न० जवाहिरात रत्न मोती हीरा वगैरह (२) जडाऊ जेवर (३) बल खूबी सत्त्व जौहर [ला]

झवेरी पु० जौहरी

झळक स्त्री० झलक, चमक ओप

झळकवु अ० क्रि० देखिये झलकवु

झळकाट पु० झलक चमक

झळको पु० झलक ओप कांति

झळझळ अ० झलझल तेजसे झलकते हुए झलाझल [अ० झलमल

झळझळाट पु० झलझलाहट चमक (२)

झळझळियु न० आमू (२) सबेरे या शामका धुंधला प्रकाश झुटपुटका प्रकाश। [झळझळिया आववा = आंखें डबडबाना भावविह्वल होकर गदगद होना]

झळम(-ह)ळ अ० देखिये झळाळ' (२) वि० चमकता हुआ, झलादार

झळंळवु अ० क्रि० बहुत प्रकाश देना झलझलाना चकचकाना

झळाझळा (०) अ० झलाझल चमकके साथ (२) न० ब०व० तेजका ज्वार, तेज पुंज

झळेळो पु० देखिये झरेळो'

झखना स्त्री० आतुरतापूर्वक या बेसब्रीसे रटना, किसीको बार बार याद करना (२) चिंता, बेचैनी, छटपटी

झखवाणु वि० खिसियाना, झेंपू

झखवावु अ० क्रि० धुंधला, मंद, हल्का पडना (२) झेंपना खिसियाना

झखवु स० क्रि० आतुरतापूर्वक रटन करना बार बार किसीको याद करना

झझट स्त्री० झंझट पचडा झमेला

झड पु० एक भूत जिन (२) वि० अल-मस्त, मुस्तंडा (३) धून, मत्सरपूर्ण

झडी स्त्री० झडी

झंडो पु० झंडा निशान अलम (२) जुलिश, आंदोलन [ला] (३) कोई पक्ष या उसकी अगुआई। [-उठाववो, फरकाववो = -का झंडा खडा करना (२) -की फतहका झंडा फहराना। -लेवा अगुआ बनना]।

झपलाववु अ० क्रि० जोवटसे किसी काममें कूद पडना साहस करना

झबकझमाळ वि० झकाझक झलाबोर, जाज्वल्यमान

झाकळ स्त्री० न० ओस शबनम

झाझु वि० ज्यादा पुष्कल अतिशय

झाटकणी स्त्री० सूप आदिसे साफ करना फटकना (२) फटकनेकी उजरत (३) फटकार झिडकी लताड [ला

झाटकवु स० क्रि० सूपसे साफ करना, फटकना (२) झटकारना झाडना (३) फटकारना, उल्टी-सीधी सुनाना [ला]
झाटको पु० देखिये झटको
झाड न० पेड (२) एक आतिशबाजी झाड। [-थवु = सवारको नीचे पटकने के लिए घोडका अगले दोनों पैरों पर खडा होना]
झाडक्वु स० क्रि० देखिये झाटकवु
झाडपान न० संपूर्ण वनस्पति
झाडवु स० क्रि० झाड़ू देना, झाडना (२) कपडेसे धूल-गर्द साफ करना झाडना (३) झाड फूँक करना (४) फटकारना [ला]
झाडी स्त्री० झाडी झाड़ी बेला और कटीले पौधोंका समूह (२) जंगल
झाडु न० बनी झाड़ू बुहारी (२) झाड फटकार अपमान अनादर भर्त्सना। [-पडवु = उलहना मिलना अपमानित होना। —मळवु = विफल होना बनना (२) अपमान होना फटकार पडना]
झाडुवाळो पु० झाड़ूवाला भंगी
झाडो पु० पाडा मल गू (२) दस्त जुलाब (२) पूरी जाँच जामा तलाशी (४) झाड-फूँक। [झाडे जवु झाडे फरवा जवु = पाखाने जाना हगना]
झाडोपेशाब पु० शौच मज्जोत्सर्ग
झानम न० देखिये जहन्नम
झापट स्त्री० टक्कर झापड (२) प्रेत बाधा झपटा
झापटवु स० क्रि० कपडेसे झाडना, झटकारना पछाडना (२) प्रहार करना (३) खूब खाना ठगना [ला]
झापटु न० थोडे समयकी मूसलधार वर्षा, जोरोंकी वर्षा, झर
झापोट स्त्री० देखिये झापट
झामर पु० सिर और आंखोंका एक रोग
झामरी स्त्री० हथेली या तलवेमें होनेवाला फोडा छाला
झामरो पु० देखिये झामरी (२) एक त्वचारोग (३) अति पक्व ईंटका टुकडा झावाँ
झामवु स०क्रि० तपाई हुई ईंट या ठीकरेसे पानी या दवाका छनकाना
झार पु० ज्वार, भाटाका उल्टा
झारण न० धातुकी चीजको टाँका देकर जोडनेका सामान (२) उससे की हुई धातुकी जोडाई झाल झालना
झारवु स० क्रि० गरम पानीकी धारसे धोना या मलना (२) आहिस्ता आहिस्ता पानी देना सींचना (३) निकम्मी डालियाँ काट डालना छाँटना
झारी स्त्री० झारी टोंटीदार लुटिया गर्रई (२) पूरियाँ आदि उतारनेका छेददार पलटा छोटा झरना
झारो पु० झरना झर (पूरियाँ छाननेका) (२) पानी छिडकनेका नलदार बरतन हजारा फुहारा [छलक
झालक स्त्री० तरल पदार्थका छलकना
झालर पु० एक कलहन सम्के दाने
झालर स्त्री० झालर झूल धार किनारा (२) बजाया जानेवाला घडियाल झालर घंटा
झाल्वु स० क्रि० हाथमें लेना पकडना, ग्रहण करना धरना (२) कैद करना थामना बंधनमें लेना (३) अकडना (किसी अंगका)। [झाली राखवु = आग्रहपूर्वक जमे रहना अपनी बातपर

पक्डे रहना। झाली पडवु=किसी वात पर जमे रहना]

झाळ स्त्री० ज्वाला या उसकी आँच (२) क्रोधका आवेश, झल्लाहट [ग]

झाळवु स०क्रि० झाल्ना, पाँजना

झाव(०प) स्त्री० मदता, धुंधलापन(२) बट्टा लाछन। [-आववी (आवे)= धुधला दीखना, अस्पष्ट दिखाई देना। -लागवी=धब्बा लगना]

झावर(०) न० झपाड, झाँखर

झावु(०) स०क्रि० झाँकी करना (२) लुक छिपकर देखना, झाँकना

झाखी (०) स्त्री० अस्पष्ट खयाल या अपूर्ण दर्शन, झाँकी (२) लुक छिप कर देखना, झाकना (३) भावपूर्वक दर्शन (करना)

झांखु (०)वि० अस्पष्ट, हल्का, ओछा (२) धुधला निस्तेज

झांझ (०) स्त्री० झांझ (२) गुस्सा, झल्लाना [बेडी, जंजीर [ला]

झांझर (०) झांगर झांझन (२)

झांझवां (०) न०ब०व० मृगतृष्णा मृगजल, सराव (२) तेजस या आसूसे आसाका चौंधियाना, धुंध। [झांझवानु जळ=मृगजल] [भूत

झांपडो (०) स्त्री० (-डो) पु० मलिन

झांपली (०) स्त्री० छोटा फाटक झाप (प्राय बाड या खेतका) [सिवान

झांपो (०) पु० फाटक (२) गाँवका

झिपावु अ०क्रि० 'झीपवु क्रियाका कर्मणि रूप पकडा जाना

झिलावु अ०क्रि० झीलवु का कर्मणि, पकडा जाना, हाथमें लिया जाना

झीक स्त्री० टक्कर मुकाबला। [-झीलवी =अपने भरसक मुकाबला करना]

झीक स्त्री० जरीके ताराकी कारचोवी, सलमे सितारेका काम

झीकवु स०क्रि० जोरसे फेंकना, उठाकर फेंकना, (धोते समय कपडेको) पछाडना (२) पटकना, हराना

झीणवट, झीणाश स्त्री० वारीकी, सूक्ष्मता (२) निपुणता कमाल, गहराई

झीणु वि० झीना, वारीक छोटा, उदा० झीणु काणु (२) पना तीक्ष्ण, उदा० 'झीणी अणी' (३) पतला महीन (४) नाजुक गहरा, सूक्ष्म, बारीक (काम) (५) महीन, धीमा, तीक्ष्ण (आवाज) (६) गहराईसे काम करनेवाला (मनुष्य) उदा० 'अही झीणा माणसनु काम छे [ला] (७) बहुत किफायती कजूस जसा। [-कांतवु =गहराईमें जाना बहुत छान बीन करना, बालकी खाल निकालना]

झीणो ताव पु० बहुत दिनसे आनेवाला मद बुखार, जीर्ण ज्वर

झीपवु स०क्रि० पकडना

झीलु न० सिंचाईके लिए तालमेंसे पानी उलीचनेकी वासकी छिछली टोकरी या सूप जसी चीज बेंडी

झीक (०) स्त्री० टक्कर मुकाबला

झींकवु स०क्रि० देखिये 'झीकवु

झींटवु स०क्रि० (पछाड) लगाना लिपटाना (२) एक पर एक (चीज) क्रममें रखकर ढेर लगाना

झींथरां (०) न०ब०व० सिरके बिखरे हुए अव्यवस्थित रूखे बाल, झोटे

झुकाववु स०क्रि० झुकाना नीचा-टेढा करना, नवाना (२) जीवटसे किसी कामर्में कूद पडना, साहस करना

झुलाववु स०क्रि० झुलाना (२) लटकाना

झुड न० झुंड समूह, गल्ला
झुबश स्त्री० जोरोंका आंदोलन जुंबिश
झुमर न० देखिये झमरख [ल्टकना
झुकवु अ०क्रि० झुकना नमित होना
झुझवु अ०क्रि० लगा रहना पीछे लगना
(२) घमसान युद्ध करना जूझना
झुडवु स०क्रि० लट्ठ या माटे डंडेसे
पीटना सटकना ठोकना (२) थक
झोरना झटकारना
झुडियु न० जिससे पीटा जाय ऐसा सोटा
या लट्ठ। [झुडिया पडवा=मार मिलना
(२) जूतिया पडना जूतिया चटखाते
हुए अपमानसे लौटना अपना सा
मुह लेकर लौटना]
झुडी स्त्री० देखिये जूडी
झूडा पु० वहुतसी चीजोंका एक साथ
बाधा हुआ जूट पूला गट्ठर
झूमखु न० (-खो) पु० अनेक चीजोंका
समूह थूमका गच्छा
झूमणु न० एक गहना झुमका चमर
झूमवु अ०क्रि० देखिये झझूमव (२)
टँगना (२) आतुरतापूर्वक ताकना
तरसना
झूरवु अ० क्रि० -के लिए तरसना
कलपना (२) कलपनेसे दुर्बल-क्षीण
होना झूरना सूखना
झूल स्त्री० झालर (२) कवितामें आने
वाला अंतरा (३) हाथी घोडे आदिकी
पीठ पर डाला जानेवाला कपडा झूल
झूलणा पु० झूलना (छंद) [(३) लारा
झूलणु न० झूला (२) पालना हिंडोला
झूलतु वि० पेंग लेता हुआ झूलता।
[झूलतो पुल=झूलता पुल]
झूलवु अ०क्रि० पेंग लेना झूलना (२)
लटकना
झूलो पु० झूला झूलनका साधन
हिंडोला (२) नुकसान टोटा [ला]
झूट (०) स्त्री० थपट झपट्टा
झूटववु (०) स०क्रि० हथियाना
झपटना [झपटना
झूटवु स०क्रि० झपटकर छीन लेना
झूटझूटा, झूटाझूट स्त्री० एक दूसरेके
पाससे झपट लेना छीना-झपटी
झूटाववु स०क्रि० देखिये झूटववु
झूटावु अ०क्रि० छीना जाना झपटा
जाना [झापटना
झूपडी (०) स्त्री० (-डु) न० झोपडी
झूसरी (०) स्त्री० देखिये धूसरी
झूसरु न० गाडी हल आदिका जुआ
झेर (झ) न० जहर (२) ईर्ष्या (३)
वैर। [-आववु=डाह होना जलना।
-चडवु=जहरका असर होना (२)
वैर डाहका मनोभाव होना। -वाववु
= झगडेका बीज बोना]
झरक्चोलु झरकोचलु (झ) न० कुचला
झेरी(०लु) (य) वि० जहरीला (२)
ईर्ष्यालु
झोक पु० स्त्री० झुकाव मनका किसी
विषयकी ओर झुकाव झुकनेका भाव
झोकवु स०क्रि० उधना पिनकना
झोकु न० नींद या नशेका झोंका
झपकी पीनक
झोको पु० धक्का झटका झकोरा
(२) आँखोंमें यकायक चोट लगना
(३) डंडी या टनी मारनेकी तरकीब
झोटडी स्त्री० (-डु) न० जवान भैंस
आसर
झोड (या) न० भूत प्रेत
झोडझपट (झा) स्त्री० प्रेतादिकी बाधा
झोबावु, झोबो देखिये जावावु जाबो

झोयणो पु० देखिये झोलणो'
झोल स्त्री० ढीला होनेसे कपडेका बीचमें झूलना, झोल
झोल्णी स्त्री० खानेदार थली झोली
झोलणा पु० बडी झोली, थोला
झोलु (झोँ) न० झुड, टोली
झोलु न० झाका [पेग (३) झाल
झोलो पु० झूला (२) धक्का झूलेकी
झोळ (झा) स्त्री० ज्वाला, शाला, आगकी लपट ['झोलणी' आदि
झोळणो स्त्री०,(-णो) पु० देखिये
झोळी स्त्री० झोली (साधूकी) (२) हाथमें पकडनेकी लटकती थली, थली (३) बालकका सुलानेकी थोली। [-लेवी = भिखारी बनना]
झोळो पु० झोल (२) बडी झोली, थला

ट

ट पु० 'ट' वर्गका—मूर्द्धस्थानीय पहला व्यंजन
टकटक अ० लगातार 'टिक टिक' की आवाज टिक टिक (घडी आदिकी) (२) टकटकी टिकटिकी लगाकर (देखना) (३) स्त्री० देखिये 'टकटकारो'
टकटकाट पु० 'टिक टिक आवाज (२) उकता देनेवाली बेकार बात बकबक
टकवु न०क्रि० टिकना, निभना (२) एक स्थल पर ज्यादा समय तक ठहरना
टकाउ वि० टिकाऊ चलाऊ मजबूत
टकाव पु० टिकाऊपन मजबूती
टकावारी स्त्री० सौके हिसाबसे गिनती सौमें से कितने इसका प्रमाण प्रति ननना 'परसेंटेज'
टको पु० टका तीन पसे। [टकानु माणस = कौडीका आदमी, तुच्छ मनुष्य]
टको पु० रुपया रुपया-पैसा टका (२) सकडके हिसाबसे गिनती प्रति ननना फी सदी
टको पु० मुडा हुआ—गजा सिर
टकोर स्त्री० टोक टोकनेकी क्रिया (२) जरा इशारा या सकेत करना (३) वक्रोक्ति मीठी टीका
टकोरखानु न० नौबत बजानेका फाटकके ऊपरका कमरा या स्थान, नौबतखाना नक्कारखाना
टकोरवु स०क्रि० टकोरना (२) टोकना
टकोरी स्त्री० डकेकी छाटी चाट टकार
टकोरो पु० डकेकी चाट टकोरा (२) टकोरेका झकार
टक्कर स्त्री० ठोकर, धाका (२) मुकाबला टक्कर
टगरट (-म) गर अ० टकटकी, टिकटिकी लगाये हुए, निर्निमेष
टगुमगु वि० देखिये 'डगुमगु (२) अ० डोलते हुए लडखडाकर
टच वि० बढिया किस्मका (२) पु० कसौटी पर जाँचकर निकाला हुआ सोनेका अश टच (३) अ० थाडी देरमें झट। [-दईने = तुरत]
टचर न० अग्र नाक (२) छाटा त्यौहार
टचको पु० झटका धाव [छिगुनी
टचली आंगळी स्त्री० यानी उँगली,

टचाक वि० आडबरी नेलीबार ओछा
टचाक अ०,(-कियो, -को) पु० उँग लियाँ चटखानेकी आवाज चटाक चटाखा
टचूकडु वि० बहुत छोटा
टटळवु अ० क्रि० विलखना
टटा(-ट्टा)र वि० ठीक सीधा, तनकर, तना हुआ (२) सख्त [ला]। [-थवु =सीधा खडा होना (२) बीमारीके बाद शरीरमें शक्ति आना]
टट्टी स्त्री० टट्टी टट्टर (२) खसकी टट्टी – चिक (३) पाखाना सडास
टट्टु पु० न० टट्टू (२) कमज़ोर घोडा
टडकावबु स० क्रि० डाँटना धमकाना
टडपड स्त्री० (-डाट) पु० मिथ्या बडप्पनका प्रदर्शन खुदनुमाई शेखी
टनटन अ० (२) न० टनटन (घंटेकी)
टपकवु अ०क्रि० टपकना चूना
टपकावबु स०क्रि० टपकाना (२) सक्षेप में लिखना टाकना (३) अन्यमें से नकल कर लेना
टपकी स्त्री० गोल टीका बिंदी (२) टिकली मीना अबरक या सोने चाँदीकी गोल टिकिया टिक्की चमकी
टपकु न० बूंद (२) नुकता बिंदु
टप टप अ० टपाटप, झट झट
टपटपी स्त्री० चमडेका टुकडा जो उस्तुरेकी धार तेज करनेके काम आता है चमोटा
टपली स्त्री० हलकी चपत थप्पड (२) ताना चुटीली बात [ला]
टपलु न० कुम्हारका हाडी टीपनेका साधन थापी (२) चमोटा
टपलो पु० जोरसे लगाया हुआ थप्पड तमाचा (२) मिट्टीके कच्चे बरतन पीटनेका कुम्हारका औजार थापी, पिटना
टपवु स० क्रि० टपना लाँघना (२) दूसरेसे आगे निकल जाना बढिया होना बढना [ला]
टपाटप अ० झटपट टपाटप (२) स्त्री० कहा-सुनी टटा-फसाद
टपाटपी स्त्री० कहा-सुनी हुज्जत
टपाल स्त्री० डाक पोस्ट
टपालआफिस स्त्री० डाकघर
टपालखर्च न० डाकव्यय
टपाली पु० डाकिया पोस्टमन
टपोटप अ० एक एक करके (२) टपा टप टपसे
टप्पो पु० अमुक लबाईका स्तर फासला टप्पा (२) मुसाफिरी पडाव मज़िल (३) घोडे या बलकी सवारी (४) सगीतका एक प्रकार टप्पा (५) गप। [-मारबो=गप हाँकना]
टब न० टब कडाल गगाल
टमकवु अ०क्रि० क्षीण प्रकाश देना टिमटिमाना (२) दूरसे सूक्ष्म प्रकाश दिखाई देना
टमेटु न० (-टो) पु० टमाटर
टर्पेटाइन न० तारपीन
टल्लो पु० टिल्ला टल्ला धक्का (२) फेरा चक्कर (३) मुडा हुआ सिर
टवळवु अ० क्रि० तडपना छटपटाना (२) बार बार याद करना चूरना (३) दुखी होना तडपना
टश(-स) स्त्री० टक टकटका टिकटिकी [कराह
टहुकारो पु० दुःख या पीडाकी आवाज़
टहुकवु अ० क्रि० (कोयल या मोरका) कूकना, कूजना पिहकना

टहूको पु० कोयल या मोरकी मधुर ध्वनि (कूक कुहू केवा) (२) बुलानेके लिए का हुई लंबी पुकार, हाक (३) बातचीतमें हुं-हुं शब्द द्वारा सुनते रहनेकी स्वीकृति देना, हुंकारी

टहेल स्त्री० वह गाना जो याचक मागत वक्त रोज ऊँचे स्वरमें गाता है, टेर (२) एक ही चीज बार बार कहना या ध्यान पर लाना, टोक [ला]

टहेलवुं अ०क्रि० टहलना इधर उधर घूमना (२) गाँवमें माँगनेके लिए टेर लगाना

टहेलियो वि०पु० (२) पु० ऊँचे स्वरमें गाते हुए टेर लगानेवाला फेरीवाला साधू [करना (२) वि० लालची

टळकवुं अ०क्रि० ललचना, लालसा

टळवळवुं अ०क्रि० देखिये 'टवळवुं

टळवुं अ० क्रि० टलना अलग होना, खिसकना, अपने स्थानसे हटना (२) दूर हटना मर जाना

टक पु० मुहर लगा हुआ सिक्का टका (२) स्त्री० निश्चित वेला वक्त, जून उदा० खावाना बे दाहवाळी टक

टकणखार पु० टकणक्षार सुहागा

टकशाळ स्त्री० टकसाल

टकावबुं स०क्रि० 'टाकवुं क्रियाका प्रेरणार्थक रूप, टकाना

टगाडवुं, टगाववुं स० क्रि० टाँगना

टगावुं अ० क्रि० टँगना, लटकना

टटाखोर वि० झगडालू फसादी

टटो पु० टंटा झंझिया, झगडा

टटोफिसाद पु० टंटा-फसाद, लडाई झगडा

टंडेल पु० जहाजका मुख्य माँझी, कणधार (२) ऊँचा आदमी या कोई ज्यादा ऊँची चीज, लंब-तडंग [ला]

टब्लर न० तामलेट, तामलोट

टाइम-टेबल न० समयसूची, टाइमटेबुल

टाउन हॉल पु० टाउनहाल, नगरभवन

टाट पु० परात जसा बडा थाल जिसके किनारे बाहर मुडे हुए हो, थाल (२) अ० बिलकुल, निपट, उदा० 'लूंटोटाट', 'नागुटाट'

टाट वि० चुस्त, कसा हुआ, सख्त बैठा हुआ (२) मस्त चकचूर [टाट

टाट न० सनकी डोरियाका मोटा कपडा,

टाटियुं न० टाटका टुकडा (कपडा)

टाटुं न० बाँसकी फट्टियोंकी चटाई, दीवार या छोटा दरवाजा, टट्टर, टट्टी (२) टट्टरोंका बनाया हुआ चोपडा (३) टट्टू

टाढ स्त्री० ठंड, जाडा सरदी। [-चडवी = जाडा लगना (२) बुखार की कँपकँपी लगना (३) [ला] (अमुक काम करना हो तब) उकता जाना, सिहर उठना। -फेरा मारे छे = सरदी नहीं लगती है। -वावी = ठंड लगना]

टाढक स्त्री० ठंडक (२) सुख, शान्ति। [-थवी, वळवी = जलन शान्त होना शान्ति मिलना] [छाया

टाढतडको पु० सुख-दुख धूप और

टाढियोताव पु० जूडी बुखार सरदीका बुखार, जूडी

टाढी शियळ, टाढी शीळी स्त्री० श्रावण शुक्ला या भाद्रपद कृष्णा सप्तमीका दिन, शीतला सप्तमी (२) ठंडा या बासी (खाना) होना (व्यंगमें)

टाढुं वि० ठंडा सर्द (२) बासी (३) [ला] धीमा मंद (४) शांत

प्रकृतिका। [टाढा पहोरनी = गप, लबी चौडी (हाँकना)। टाढा पहोरनु= फुरसतके समयका गप जमा।-पाणी रेडवु = हतात्साह करना पस्तहिम्मत करना] [(२)घात मौका

टाणु न० शुभाशुभ प्रसग-अवसर(२)

टापटीप स्त्री० व्यवस्था सुघडता, सफाई (२) मरम्मत, दुरुस्ती (३) टीम-टाम सज वज [हा करना

टापशी(-सी) स्त्री० बातचीतमें हाँ में

टापु पु० टापू बेट, द्वीप

टाबोटो पु० हथेलियोके परस्पर आघा तसे उत्पन्न शब्द, करतल ध्वनि, ताली

टाल स्त्री० बाल झड गये हो एसा सिरका भाग, गज

टालकी स्त्री० देखिये तालकी'

टालकु न० देखिये तालकु

टावर न० टावर घण्टाघर

टाळवु स० क्रि० टालना दूर करना रोकना (२) किसी चीजमेंसे अच्छा निकालकर खराब छोड देना छाँटना

टाळो पु० टरकाना, टाल-टूल (२) जुदाई रखना (३) भेद, चमत्कार खेल (४) सजोग मौका (५) हिसाबके सही-गलत जाचनेकी क्रिया, काँटा।[-मळवो=मौका मिलना (२) हिसाब खरा होना (काँटा)]

टाँक (०) स्त्री० तराशी हुई कलमकी नाक टाँक जीभ (२) होल्डर या पेनकी निब जीभी

टाँकणी (०) स्त्री० आलपीन पीन

टाकणु (०) न० टाँकनेका औजार टाँकी (२) मौका (३) शुभ अवसर

टाँकवु (०)स०क्रि० पत्थर टाँकना खनना, कुरेदना सिल कूटना (२) टाँका मारना सिलाई करना (३) मिलाई द्वारा जोडना (४) किसी रचनामेंसे नकल करना, उदधृत करना

टाकी (०)स्त्री०पानी रखनेका हौज या टकी (२) छोटी टकी (बारिशके पानीके लिए) (३) टाँकने या खोदनेकी क्रिया (४) फायदा असर गुण (दवाका)[ला] (५) उपदश (रोग)। [-लागवी = (दवाका) असर होना]

टाकु (०)न० बारिशका पानी भरनेके लिए जमीनके अन्दर बनायी हुई टकी टाँका

टाँको (०)पु० बखिया, सीवनका टाँका

टाँग (०) स्त्री० टाँग पर।[-मारवी =कुश्तीमें टाँग अडाकर गिरा देना]

टागवु (०) स० क्रि० टाँगना

टाँगो (०) पु० टाँग, पर (२)टाँगा ताँगा घोडागाडी। [टागा तोडवा = व्यथ पाँव तोडना]

टाच (०) स्त्री० जब्ती (२) कलमकी नाककी तिरछी काट (३) चोट झटका(४)घट टोटा तगी।[-पडवी =घट होना टोटा होना]

टाचण (०)न०सक्षिप्त नोध नोट टीप

टाचु (०) वि० कम थोडा छोटा (२) उटग (कपडा) तग

टाटियो (०)पु० टाग (तुच्छकारमें)। [टाटिया कापवा = जड काटना आधार उडा देना। टाटिया नरम थई जवा=थक जाना पर भर जाना (२) निरुत्साह होना (३) धन गवाना नुक्सान सहना]

टापवु (०) स० क्रि० ताकना मौका देखते रहना आतुरतासे देखना

टापु (०)न० मिलने जाना (२) फेरा, चक्कर

टिकिट स्त्री० टिकट, प्रवेशपत्र। [–लागवी=टिकट खरीदनेकी आवश्यकता होना (२) लाटरीमें नंबर लगना इनाम मिलना (३) भाग्य वगात फायदा होना]

टिकिटमास्तर पु० टिकटबाबू

टिक्कड पु० टिक्कड

टिक्की स्त्री० सफलता कामयाबी (२) प्रभाव सिफारिश (३) टिक्ली, टिक्की [ठेंगा हूठा [ला]

टिक्को पु० टीका बडा तिलक (२)

टिचावु अ०क्रि० टकराना, दो वस्तु आका आपसमें भिड जाना (२) बेकार धक्के खाना, मारा मारा फिरना, टकराना (३) पिटना

टिटियाण न०, (–रो) पु० क्लेश, टिटिहारोर शोर गुल, कजिया

टिटोडी स्त्री० टिटिहरी

टिन न० कलई रांगा (२) टीनकी चद्दरका बरतन, टीन

टिनपाट न० तामलोट डबला (२) उसके जैसा तुच्छ मनुष्य, हेच-पोच [ला]। [–आपवु=रुखसत करना, बरतरफ करना]

टिपाई स्त्री० तिपाई

टिपाववु स०क्रि० 'टीपवु' का प्रेरणार्थक

टिपावु अ० क्रि० 'टीपवु' का कर्मणि

टिप्पण न० (–णी) स्त्री० संक्षिप्त टीका टिप्पणी (२) टाँकना टीप नोट-दर्ज करना

टिंगळावु अ०क्रि० देखिये टिंगावु

टिंगाड(–व)वु स०क्रि० टिंगावु का प्रेरणार्थक

टिंगावु अ०क्रि० टँगना

टिंबो पु० टीबा टीला, वूह,

टीकडी स्त्री० गोल, ठोस चीजका चपटा टुकडा, टिकिया टैबलेट

टीका स्त्री० टीका, व्याख्या (२) गुणदोषकी समालोचना (३) निंदा

टीकाखोर वि० टीका या निंदा करनेका आदी हरफगीर, नुक्तेचीन

टीकी स्त्री० सोने या चांदीकी टिकली, चमकी (२) छोटा टीका टिकली बिंदी (३) नजर टक

टीको पु० देखिये टिक्को

टीखळ न० मजाक दिल्लगी

टीखळी वि० दिल्लगीबाज, मजाकपसन्द

टीचवु स० क्रि० ठोकना, पीटना, टीपना, कुचलना

टीप स्त्री० सूची, फेहरिस्त (२) उगाहनीका परचा चंदेकी यादी चिंदा (३) कदकी सजा। [–करवी=सूची बनाना (२) चंदा लिखाना। –देवी, भरवी=ईंटोंके जोडोंपर (मसालेसे) टीप भरना।–मारवी=टीप भरना (२) सजा देना]

टीपकी स्त्री० सोने या चांदीकी टिकली टिकिया चमकी डाँक

टीपणु न० टीपना पंचांग। [–उकेलवु=गई गुजरी बातें उखेडकर झगडा बढाना, गडे मुर्दे उखाडना]

टीपवु स० क्रि० टीपना पीटना, ठोकना (जमीन, गच आदि) (२) (लोहा आदिको) आकार देना पीटना (३) मारना पीटना (४) सजा करना (५) एक ही बात पर जोर देना [ला]

टीपु न० बूंद क़तरा

टीमण न० नाश्ता, कलेवा (२) पाथेय
टीमलु न० गचका टुकडा (२) लकडी का कुंदा
टीलडी स्त्री० ललाटमें लगानेकी टिकली, बिंदिया चमकी (२) छोटी बिंदी-टीका (३) मोरपखका अर्ध चन्द्राकार चिह्न, चंदा, चंद्र
टीलु न० तिलक टीका
टीशी (-सी) स्त्री० अँखुआ कोंपल (२) नुकीली कली, कुड्मल टूसा (फूलका) (३) घेंसी ऐंठ
टींगळावु अ० क्रि० टँगना लटकना
टींगाड(-व)वु स० क्रि० देखिये टिंगाडवु
टींगावु अ० क्रि० टँगना
टींबो पु० देखिये 'टिंबो' [टुकडाखोर
टुकडाखाउ, टुकडाखोर वि० टुकडगदा
टुकडी स्त्री० टुकडी छोटा दल
टुकडो पु० टुकडा (२) खानेका टुकडा [ला]। [टुकडा उपराववा=भीख मांगना, टुकडा मांगना। -नाखवो, फेंकवो=दयादानमें या तुच्छकारसे देना]
टुचको पु० लतीफ़ा चुटकुला (२) जादू-टोनेसे सम्बद्ध छोटा मंत्र या प्रयोग जंतर मंतर टोटका (३) इशारा संकेत
टुवाल पु० अँगोछा तौलिया
टुकार पु० तुकार
टुकारवु स० क्रि० तुकारना
टुकारो पु० तुकार
टूक स्त्री० पहाडकी चोटी शिखर (२) कविताकी अमुक पंक्तियोंका समूह छंद पद्यांश [टुंटा
टूम्मु वि० जिसके हाथ न हो लूला

टूमण न० जादू-टोनेका छोटा मंत्र या प्रयोग जंतर टामन टोटका
टूंवो पु० गडढा पिचक गड्ढा (बरतन में) (२) गहरा छेद नासूर (३) बिंदु बिंदी, नुक्ता (४) बूंद-बूंद करके पानी देना (५) रुईका फाहा (६) बडी चुटकी (७) ताना चुटीली बात (८) एक प्रकारका जंतु
टूंक (०) स्त्री० देखिये 'टूक' न० २
टूंक (०) वि० देखिये 'टूंकु
टूंकमां (०) अ० थोडेमें सौ बातकी एक बात [लिपि शार्टहैंड
टूंकाक्षरी (०लिपि) स्त्री० संक्षिप्त
टूंकाण (०) न० संक्षेप (२) छोटा करना
टूंकाववु (०) स० क्रि० (कुछ अंश) काटना घटाना छोटा करना
टूंकु वि० जो लंबा या विस्तृत न हो, कम छोटा संक्षिप्त (२) नाटा। [-करवु=थोडेमें निबटाना इति करना। -पडवु=पूरी नापका न होना कम पडना]
टूंकुटच वि० बहुत छोटा कम लंबा
टूंटियु (०) न० हाथ-पैर समेटकर वकुची बाँधकर सोना (२) एक प्रकारका शीतप्रधान संक्रामक ज्वर इन्फ्लुएंझा'
टूंपवु (०) स० क्रि० जडमूलसे उखाड डालना नोचना (२) रुईको ढेंढीमेंसे अलग करना (३) ताने कसकर शर्मिंदा करना (४) मसलकर गूँधना
टूंपावु (०) अ० क्रि० 'टूंपवु क्रियाका कर्मणिरूप (२) गला जकड जाना घुटना [(२) गलेकी घंटी
टूंपो (०) पु० गला घोटना, फाँसा

टेक पु०, स्त्री० टेक, प्रण, दृढ निश्चय (२) आबरू (३) थूनी, टेकनी (४) कविताका स्थायी पद, टेक
टेकण न० टेकन सहारा, आधार
टेकरी स्त्री० टेकरी (२) छोटी पहाडी
टेकरो पु० टेकरा, टीला, ढूह
टेकववु स० क्रि० टेका-सहारा देना, टेकाना
टेकाववु स०क्रि० देखिये 'टेकववु'
टेकी स्त्री० टेकनी (२) देखिये टिक्की'। [–लागवी=अच्छा असर होना (२) सफल होना]
टेकी वि० टेकी, टेकवाला
टेकीलु वि० टेकवाला टेकी हठी
टेको पु० सहारा आधार टेका (२) आधारकी वस्तु टेकनी (३) प्रस्तावका समर्थन ताईद। [–आपवो=समर्थन करना (२) मदद करना]
टेटी पु० स्त्री० गरमियोंमें होनेवाला एक फल, खरबूजा (२) लडी या बत्तीवाला पटाखा पटाखा
टेटो पु० बरगदका फल गोदा बडबट्टा
टेबल न० टेबुल मेज
टेभो पु० घावकी सिलाई टाँका
टेरवु न० पतला अगला भाग नाक सिरा
टेव स्त्री० टेव आदत [होना
टेवावु अ०क्रि० आदत पडना, अभ्यस्त
टेस (टॅ) पु० स्वाद लज्जत
टेसदार (टॅ) वि० जायकेदार स्वादिष्ट, मजेदार
टेसी (टॅ) स्त्री० घमड शेखी
टॅ (टॅ०) अ० (थककर) चूर होकर शिथिल
टॅटॅ (टॅ०) अ० टॅटॅ (२) स्त्री० बडाई (३) नापसन्दगी जतानेकी बकवाद, टाँय टाँय
टड स्त्री० शेखी, ऐंठ, गव
टडको पु० रीस, कोप (२) झिडकी
टडपड स्त्री० देखिये 'टडपड'
टोक (०णी) स्त्री० टोकटाक, पूछताछ (२) उलाहना (३) नजर, कुदृष्टि
टोच स्त्री० चोटी, शिखर
टोचकु (–डु) न० सबसे ऊपरका छोटा, पतला या गोल हिस्सा
टोचवु स०क्रि० लगातार चुभोना, कोचना, टाचना, कुचकुचाना (२) बार-बार कहे जाना, टोकना, उलहना देना
टोचो पु० कोचा उसका घाव (२) ताना, कोचा (मारना) [ला]
टोटी स्त्री० टोपी किसी भी चीज पर लगायी जानेवाली नामी जैसी वस्तु
टोटो पु० बडी शामी (२) गलेकी घटी, कौआ टेंटुआ (३) एक आतिशबाजी बडा पटाखा (४) चुरुट। [–पीसवो=गला घोटना, टेंटुआ घोटना]
टोडलो पु० देखिये टोल्लो'
टोडो पु० पगमें पहननेका एक गहना, तोडा (२) बदूकका लबा फलीता तोडा (३) हजार रुपये या इनके रखनेकी थैली तोडा (४) (चौखटका) टोडा (५) मीनार (६) सिवान
टोण टोणु न० टोणो पु० ताना कोचा (२) जादू-टोना
टोप पु० टोप (२) बारिशमें पहननेकी बनातकी टोपी (३) बडा छाता (४) पकानेका बडा पतीला (५) कुकुरमुत्ता

टोपरापाक पुं० देखिये कोपरापाक'
टोपर्‌र् न० देखिये कोपरु
टोपली स्त्री० टोकरी
टोपलो पु० टोकरा झावा
टोपी स्त्री० टोपी
टोपो पु० बडी टोपी, टोपा
टोयली स्त्री० लुटिया, लोटी
टोल पु० टोल, चुंगी (२) चुंगीघर नाका
टोलकु टोलु न० **टोलो** पु० गंजा घुटा हुआ सफाचट सिर
टोल्लो पु० चौखटकी आगेकी लकडीका आगे निकला हुआ सिरा टोडा (२) टिल्ला धक्का (३) वाना (४) उछालना (५) गुल्लीका टोला, बिल्ला। [टोल्ले मूकवुं = उठाकर ऊँचे रख देना, भूला देना, बिसराना]
टोवुं स०क्रि० (खेतस) चिल्ला चिल्ला कर पछियोंको उडाना कुडकुडाना (२) बूंद-बूंद पानी पिलाना
टोळ (टॉ) पु० स्त्री० न० हँसी आवे ऐसी क्रिया या बोल ठिठोली चुटकुला
टोळकी स्त्री० टोली
टोळटप्पो (टा) पु० हँसी मजाककी बात हसी-ठठोली
टोळी स्त्री० टोली मडली
टोळु न० झुंड समूह

ठ

ठ पु० ट वर्गका—मूर्द्धस्थानीय दूसरा व्यंजन
ठकठक अ० ठक ठक ध्वनिके साथ
ठकराई स्त्री० ठकुराई (२) सेठगीरी बडाई [राइन ठकुरानी
ठकराणी स्त्री० ठकुरकी स्त्री ठकु
ठकराणो पु० गाँवका मालिक, छोटा राजा जमादार ठाकुर
ठग वि० (२) पु० ठग
ठगणु वि० ठगनेवाला छली धूर्त
ठगवु स०क्रि० ठगना छलना
ठगळावु स०क्रि० दचकना झटका लगना (गाडे जसी सवारीमें)
ठगाई स्त्री० ठगाई ठगी
ठगारं वि० ठगनवाला धाखेबाज
ठचरी स्त्री० बुढिया बूढी
ठचरं वि० खूसट बूढाफूस जराजीर्ण
ठचर वि० अतिवृद्ध खूसट
ठठ स्त्री० ठठ जमाव भीड़
ठठाडवु स० क्रि० घुसा देना, भीतर पहुचा देना
ठठारवु स०क्रि० ठाट करना खूब सँवारना, डाटना (पहनना), ठटना
ठठारो पु० सज धज ठाट-बाट ठट
ठठ्ठाखोर वि० ठठ्ठाबाज दिल्लगीबाज
ठठ्ठाबाजी, ठठ्ठामस्करी स्त्री० हंसी मजाक, ठटठा दिल्लगी
ठठ्ठो पु० ठटठा हसी मजाक
ठणकारो पु० ठनक ठनकार
ठणको पु० ठनक (२) ठमक (३) जाडेकी कँपकपी [हुए
ठणठण अ० ठन-ठन आवाज करते
ठणठणगोपाळ पु० गायनहीन या बुद्धि हीन आदमी ठन-ठन गोपाल
ठपकारवु स०क्रि० पछाडना पटकना (२) उलाहना देना (३) ठोकना

ठपको पु० उलाहना (२) सौंमीवी आवाज़, ढाँस। [-खावो, मळवो, साभळवो=दोप या उपालभका पात्र होना] [भरी चाल, ठमक
ठमक स्त्री० चलनेकी छटा(२)रज़ावत-
ठमकारो, ठमको पु० ठमक, थिरक (२)मटक नखरा [ठौर ठिकाना
ठरठेकाणु न० जमकर रहनेका स्थान
ठरड स्त्री० देखिये 'ठरडाट
ठरडवु स० क्रि० दो या ज्यादा धागाको मिलाकर बट देना, दुबटना
ठरडाट पु० टेढापन (२) ऐंठ [ला]
ठरडावु अ० क्रि० टेढा तिरछा होना, झुक जाना (२) गैंठा जाना बटा जाना (३) रूठना [ला]
ठरवु अ० क्रि० ठहरना थमना, स्थिर होना ठिकाने लगना, रुकना (२) (भाव बात) तयहोना पक्का होना ठहरना (३) नीचे बैठना, जमना, थिरना, नियरना (४) ठडसे गाढ़ा या ठोस होना, जमना (घी, लड्डू आदि) (५) ठना होना उदा० 'भात ठरी गया (६) सर्दी लगना ठिठुरना (७) (अग्नि या दीपकका) बुझना जलना चीजका ठडा होना (८) ठन्क तप्ति शांति हाना उदा० छाती आतरडी ठरवी (९) लगना उदा० जराक आख ठरी हती
ठराव पु० ठहराव प्रस्ताव (२) किसी बातका हल या तोड
ठरावबु स० क्रि० पक्का या तय करना ठहराना, निश्चय पर आना (२) प्रस्ताव करना
ठरीठाम अ० असल ठिकाने पर (२) चनमे जल्दी या दौड धूप किये बगैर
ठरेल वि० समझदार सजीदा
ठलववु स० क्रि० देखिये 'ठाल्ववु'
ठलवावु अ० क्रि० 'ठालववु' क्रियाका कर्मणि रूप खाली किया जाना
ठस वि० ठम ठास, ठूमकर भरा हुआ (२) थमा हुआ, सख्त, ठस (३) अ० ठमाठम
ठसक स्त्री०,(-को) पु० ठमका, ठस्सा, शान रोब (२) लटका, ठमक
ठसवु अ० क्रि० मनमें बैठ जाना-समझमें आना जमना
ठसाठस अ० ठसाठम ठूँस-ठूँसकर
ठसाववु स० क्रि० 'ठसवु' का प्रेरणार्थक
ठसोठस अ० देखिये 'ठसाठस
ठस्सादार वि० ठस्सादार, रोब शानदार
ठस्साबध अ० ठमकके साथ, ठस्सेमें, रोबमें [रोब(३)लटका, ठस्सा
ठस्सो पु० तडक भडक ठाट बाट(२)
ठळियो पु० फलका सख्त बीज, गुठली
ठड स्त्री० ठड, सर्दी (२) शीतलता (३) जुकाम, सर्दी
ठडक स्त्री० शीतलता (२) शांति, तृप्ति ठडक [ला]
ठडाश स्त्री० ठडापन (२)सुस्ती मदता
ठडी स्त्री० देखिये 'ठड
ठडु वि० ठडा, सद (२)बासी (रसोई) (३) मद सुस्त (बाजार स्वभाव) (४) शांत स्वस्थमना (मनुष्य)। [-पाणी रेडवु=शांत करना (२) हौसला पस्त करना] [ओला
ठडुगार वि० खूब ठडा, बफसा ठडा,
ठाकोर पु० गाँवका मालिक छोटा राजा ठाकुर (२) ठाकुरजी ठाकुर (३)एक अल्ल (४)सामान्य क्षत्रियके लिए आदरसूचक शब्द

ठाकोरजी पु० देव या विष्णुकी प्रतिमा ठाकुरजी
ठाठ पु० ठाट शान
ठाठडी स्त्री० ठटरी अरथी
ठाठियु वि० ठूठ जीर्णशीर्ण (२) न० इस प्रकारका वाहन
ठाठु न० ठटरी हड्डियोंका ढांचा पंजर (२) छाती और जांघकी हड्डियाँ (ब० व० में) (३) कोई भी जर्जर चीज ढाँचा। [ठाठो भागवो, रगावा=बहुत पीटना जिससे हड्डी टूट जाय हड्डी तोडना]
ठाठो स्त्री० सेवा-टहल खिदमत
ठाम पु० न० (रहनेका) स्थान ठिकाना ठाँव (२) न० आसन बैठनेकी जगह (३) बरतन।[-ठेकाणा विनानु=बेठिकानेका आवारा (२) बेपायादार (३) अव्यवस्थित]
ठामणु न० बरतन
ठामूकु अ० निरा बिलकुल
ठार पु० न० ओस (२) ठंडी हवा (३) स्थान ठौर (४) अ० पूरा जानते उदा० ठार मारवु—करवु
ठारवु स०क्रि० ठंडा करना जमाना
ठालववु स० क्रि० खाली करना
ठालु वि० खाली जिसमें कुछ भरा न हो रीता (२) जिसके पास कोई काम न हो बेकार ठाला (३) जो बद न हो, खुला (४) (भस आदिका) सगर्भा न होना ठांठ (५)अ० अकारण बेमतलब
ठालुठम, ठालुमालु वि० बिलकुल खाली
ठावकाई स्त्री० **ठावकापणु** न० गंभीरता संजीदगी विवेक
ठावकुं वि० गंभीर संजीदा सयाना
ठांस (०) स्त्री० बुनाईका गाढ़ापन (२)शेखी,ठसक बडाई खाली रोब (३) ठसका खाँसी
ठांसवु (०) स० क्रि० दबा-दबाकर भरना ठूसना (२)बहुत अधिक खाना डटकर खाना, ठूसना (३) मनमें बैठाना जमाना(४)अ०क्रि० खाँसना ढाँसना
ठांसी (०) स्त्री० खाँसी
ठांसो (०) पु० सूखी खाँसी ढाँस (२)घूसा [बौना(व्यक्ति)
ठिंगुजी(-शी) वि० (२) पु० ठिंगना
ठीक वि० ठीक अच्छा योग्य जैसा चाहिये ऐसा बराबर (२)न अच्छा न बुरा ठीक सामान्य(३) अ० अच्छा खैर
ठीकठाक अ० ठीकठाक
ठीकाठीक वि० (२) अ० जैसा-तैसा साधारण मामूली
ठीकरी स्त्री० ठीकरी गिट्टा
ठीकरुं न० मिट्टीके बरतनका टूटा हुआ टुकड़ा ठीकरा (२) मिट्टीका बरतन [ला] [हिस्सा कमाई
ठीब स्त्री० टूटी हुई हाँडीका नीचेका
ठीबु न० मिट्टीका बरतन
ठींकरी (०) स्त्री० देखिये ठीकरी
ठींकरु (०) न० देखिये ठीकरु
ठींगणु वि० ठिंगना बौना नाटा
ठूठवावुं अ०क्रि० सर्दीसे अकड जाना ठिठुरना, सिहरना [बुंदा
ठूणकु न० लकडीका भारी बडा टुकडा
ठूमको स्त्री० (पतंगकी डोरीको) दिया जानवाला झटका ठुमकी
ठूमरी स्त्री० ठुमरी [निकालना
ठूस(-सो) स्त्री० दम जान मासियाई

ठूठवावु अ० क्रि० देखिये 'ठूठवावु'
ठूठु वि० ठूँठा, बिना हाथका, लूला (२)न० पेडका सूखा तना, ठुठ(३) थोडी पीनेके बादका बचा हुआ हिस्सा
ठूसलो, ठूसो पु० घूँसा
ठेकडी स्त्री० मजाक, ठठोली
ठेकठेकाणे अ० जगह-जगह, जहाँ-तहाँ
ठेकडो पु० कुदान, चौकडी, कुलाँच
ठेकवु स०क्रि० चौकडी भरकर कूदना, लाँघना
ठकाणु न० ठिकाना, रहनेकी जगह मुकाम (२) स्थान, स्थल, ठिकाना (३) पता (४) रोजगारीकी जगह (ठिकाना लगना) (५)[ला] प्रबंध, ठिकाना, उदा० 'रसोईनु कंई ठेकाणु नथी'। [ठेकाणे पडवु= उचित स्थान पर पहुँच जाना ठिकाने लगना। ठेकाणे पाडवु=नौकरी पर लगा देना ठिकाना लगाना (२) काममें लगाना (३) मार डालना, ठिकाने लगाना। ठेकाणे रहेवु=विवेक – मर्यादामें रहना। ठेकाणे राखवु= नियत स्थानमें रखना, गुम न होने देना (२) मर्यादामें रखना। ठेकाणे लाववु=समझाकर ठीक रास्ते पर लाना, ठिकाने लाना असलियत पर पहुँचाना]
ठेकाणे अ० बदले, —की जगह पर
ठेकेदार पु० ठेकेदार, ठीकेदार
ठेको पु० तबला बजानेकी एक रीत ठेका (२) इजारा, ठीका, ठेका
ठेठ अ० अत तक, आखिर तक
ठेठनु वि० आखिर तकका (२) धूर्त, काइयाँ, भेद्दू
ठेठथी अ० ठेठसे शुरूसे
ठेबु न० ठेस, ठोकर
ठेर (ठॅ) अ० सही जगह पर, असल ठिकाने पर (२) देखिये ठार' अ०
ठेरठेर(ठॅ,ठॅ)अ० जगह-जगह, जहाँ-तहाँ
ठेरववु स० क्रि० तय करना ठहराना (२) स्थिर करना, न हिले इस तरह रखना, टिकाना (३) रोकना
ठेरवु (ठॅ) अ० क्रि० होना छिडना (लडाई) (२) ठहरना, रुकना
ठेराववु स०क्रि० ठहराना, तय करना
ठेलणगाडी स्त्री० ठेलकर चलाई जानेवाली गाडी, ठेला (२) बच्चा को चलना सिखानेकी गाडी, घुडला गडोलना (३) बच्चोको बिठाकर ठेलकर चलायी जानेवाली गाडी बाबागाडी
ठेलवु स० क्रि० ठेलना, ढकेलना धकेलना (२) आगे सरकाना
ठेलो पु० ठेला, धक्का (२) ठेलकर चलायी जानेवाली गाडी, ठेला
ठेश स्त्री० ठोकर, ठेस (२) हलकी लात लगाना, ठेस (३) छोटी सिटकिनी, बिल्ली (४)छोटा पच्चड
ठेशी स्त्री० पच्चड (२) छोटी सिट किनी, बिल्ली
ठेस, ठेसी स्त्री० देखिये 'ठेश', 'ठेशी
ठोक पु० स्त्री० ठोक, प्रहार, घूसा (२) उलाहना (३) ताना
ठोकर स्त्री० ठोकर ठेस (२) [ला] भूल, ठोकर (३) खोट घाटा
ठोकवु स० क्रि० ठोकना (२) मारना (३) गप हाँकना (४) खूब खाना ठूँसना (५) (तार) खटखटाना (मुकदमा) दायर करना, (खेमा) गाडना

ठोठ वि० ठोट, कम अक्लका मूढ़
ठोबरु (–लु) वि० भद्दी शक्लवाला कुरूप (२) न० धातु या मिट्टीका बरतन, ठीकरा
ठोर (ठों) पु० ठोर माठ
ठोंसवु (ठों०) अ० क्रि० खांसना ढांसना ठांसना (२) स०क्रि० ठूसना
ठोसो (ठों०) पु० देखिये 'ठांसा

ड

ड पुं० टवर्गका–मूर्धस्थानीय तीसरा व्यंजन [डकती
डकाटी स्त्री० डाका डालनेका काम
डक्को पु० बंदरगाह पर माल चढ़ाने उतारनेके लिए बनाया हुआ पक्का घाट डॉक (२) समुद्र या नदीके पानीसे बचनेके लिए बांधा हुआ बंध पुश्ता
डखल स्त्री० देखिये दखल
डखु न० साग मिलाकर पकाई हुई दाल सगपती दलभजिया
डखो पु० देखिये डखु (२) [ग्रा] घोटाला गड़बड़ (३) दखल बखेड़ा अड़चन। [–घालवो=बाधा डालना रोड़े अटकाना। –पड़वो= झगड़ा खड़ा होना झंझट पैदा होना]
डखोळवु स०क्रि० घंघोलना
डग स्त्री० डिगना हिलना अस्थिरता
डग न० डग कदम (२) एक डगका अंतर फाल [डगमगाना
डगडगवु अ०क्रि० इधर उधर डोलना
डगडगो पु० मनका डगमगाना (२) शंका दगदगा (३)अविश्वास वहम
डगमग वि० डगमगाता हुआ डगडोर
डगमगवु अ० क्रि० डगमगाना (२) निश्चयसे विचलित होना–डांवाडोल होना [ग्रा]
डगमगाट पु० डगमगाहट
डगरी स्त्री० देखिये डोकरी
डगरु न० अति वृद्ध मनुष्य खल्लड़
डगरो पु० डोकरा बूढ़ा आदमी
डगली स्त्री० छोटा डग
डगली स्त्री० छोटा कुरता
डगलु न० मोटा कुरता या अँगरखा
डगलु न० देखिये 'डग', कदम
डगलो पु० बड़ा अँगरखा ओवरकोट
डगवु अ० क्रि० देखिये डगमगवु
डगळी स्त्री० मोटा छोटा टुकड़ा फांक (२) टोंकी (फलकी) (४) समझशक्ति दिमाग। [–खसवी =पागल होना होश ठिकाने न होना]
डगळु न० मोटा बड़ा टुकड़ा फांक
डगुमगु वि०(२)अ० देखिये डगमग अस्थिर
डघावु अ०क्रि० घबडाहटसे स्तब्ध या स्तब्ध हो जाना हक्का-बक्का होना (२) दाग लगना (फलको)
डघो पु० तबलेका बाया ठेका
डच पु० हालैंडका वतनी डच (२) उसकी भाषा (३) वि० उस देशका
डचकारी स्त्री० **(–रो)** पु० टिक टिक आवाज करके (चलनेको) प्रेरित करना टिटकारी
डचकियु, डचकु न० पानीमें डूबने या

ते या जबरन निगलते समय गलेमेंसे होनेवाली आवाज हिचकी (रुदनमें)
डचकु न० फाक टुकडा (प्याजका)
डचूरो पु० गले या छातीमें दम घुटना, सास रुकना, साँसत
डझन वि० बारह, दरजन (२) न० बारहका समाहार
डटण वि० गडा हुआ जमीनके भीतरका (२) न० गदा पानी जमा होनेके लिए बनाया हुआ पक्का कुआ चहबच्चा
डटणकूवो, डटणखाळ, डटणजाजरू पु० चहबच्चे पर बनाया हुआ पाखाना सडास
डट्टो पु० कागकी तरह इस्तमाल हुई डाट डट्टा (२) (किवाडको बन्द होनेसे रोकनेवाला लकडीका) डट्टा (३) बालमदिरमें खेलका एक साधन (४) कैलेंडरकी तारीखाके पत्तोका बडल, गट्ठा [सूरतना
डडळवु अ० क्रि० दुवल-अशक्त होना
डणु न० मोटा डडा (२) ढेला ढेंगुर
डपकी स्त्री० (-कु) न० डुबकी, गोता
डपको पु० द्रवका बडा छीटा (२) धब्बा दाग (३) पकौडी (४) [ला] दगदगा वहम शका (५) आकस्मिक आतक या भय। [-पडवो=शुबहा शुमा होना (२) भय खाना (३) धब्बा पडना]
डफ स्त्री० न० डफ (२) अ० झट
डफणु न० छोटा मोटा डडा सादा
डफास (स) स्त्री० मिथ्या बडप्पन
डफोळ वि० जड मूख
डफोळ-शख पु० डपोरशख मूर्ख
डबकी, डबकु देखिये डपकी आदि
डबको पु० देखिये डपको।

डबगर पु० तबले पर चमडा मढनेवाला, दबगर, खटीक (२) छाता आदि पर रोगन चढानेवाला
डबडब अ० झटझट टपाटप
डबरो पु० ताँबे-पीतलका डिब्बा
डबलरोटी स्त्री० डबलरोटी, पावरोटी
डबलु न० चमडेका कुप्पा डब (२) कच्ची हाडी, लुटिया (३) धातुका चौडे मुहका छोटा बरतन, डबला
डबाडब अ० डबडबाते हुए टपाटप
डबी स्त्री० डिबिया डिब्बी
डबूक अ० डूबनेकी आवाज। [-दईने, लईने=ऐसी आवाजके साथ, तुरत]
डबूकियु न० डूबतेका डूबना उतराना। [-खावु=डूबना डूबना उतराना]
डबो पु० डिब्बा डब्बा (२) (रेल गाडीका) डिब्बा (३) घडीका डिब्बा (४) एक तरहकी लालटेन (५) लावारिस भटकते चौपायाको बद करनेका बाडा काजी हाउस (६) टीनका पीपा कनस्तर टीन (७) पगडी (कटाक्षमें)
डबोळवु स० क्रि० डुबाना डुबाकर तर करना (२) अपवित्र करना
डब्बी स्त्री० डिबिया डिब्बा
डब्बो पु० देखिये डबो
डमणियु न० **डमणी** स्त्री० दो बलाकी छोटी गाडी लढिया बहली -
डमर, डमरी स्त्री० देखिये डमर
डमरो पु० एक सुगधीदार वनस्पति, मरुआ
डरपोक वि० डरपोक बुजदिल
डरवु अ० क्रि० डरना
डरामणी स्त्री० धमकी, डर, सताना

डरामणु वि॰ डरावना (२) न॰ धमकी, डर [देना डाँटना

डरावबु स॰ क्रि॰ डराना (२) धमकी

डली स्त्री॰ घोड़की पीठपर जीनके नीचे डाला जानेवाला नमदा अकगीर

डसकु न॰ देखिये डूसकु'

डसबु स॰ क्रि॰ दाँतसे काटना, डसना

डहापण (ड) न॰ सयानापन, समझ। [-करवुं, डहोळवु = बिना समझे-बूझ बीचमें अपनी बात या अक्ल लड़ाना बीचमें बोलना]

डहोळवु (डहों) स॰ क्रि॰ द्रवको हिलारना (पानी) घँघोलना (२) (आँख लाल हो जाय यहाँ तक) मसलना (३) बहुत कामामें माथा मारना, सिर मारते फिरना [ला]

डहोळावु (डहों) अ॰ क्रि॰ डहोळवु क्रियाका कर्मणिरूप (२) आँखका उठना (३) हिलनेसे अव्यवस्थित होना हिलना, मामला उलझ जाना [ला]

डहोळुं (डहों) वि॰ घँघोला हुआ गन्दला आलोडित

डहोळो (डहों) पु॰ घघोला हिलोरा हुआ तरल पदार्थ (२) अफीमका रस घोला

डळी स्त्री॰ देखिये डली'

डको स्त्री॰ पानी साचनेका यंत्र पंप

डंको पु॰ डंका (२) घोड़ेकी पीठपर दोनो ओर लटकाये हुए ढोल (३) टकोरा घटा (४) फतहका डंका फतह [ला]। [-वागवो = विजय प्राप्त होना, फतह का डंका बजना (२) ख्याति होना (३) समाजमें नाम होना]

डंख पु॰ डंक दंश (२) दानेमें घुन लगनेसे उसमें होनेवाला छेद (३) जहरीला काँटा डंक (४) कीना, बैर। [-राखवो = कीना या बैर रखना]

डंखवु स॰ क्रि॰ डसना डंक मारना, दाँतसे काटना (२) जूतेकी रगड़से पाँवका छिल जाना काटना (३) मनमें खटकना सालना [ला]

डंखीलु वि॰ डंकीला, डंकवाला

डंगोर न॰ डंगोरो पु॰ डंडा, लट्ठ सोटा

डंडाबाजी स्त्री॰ डंडेसे मारपीट लाठी चलना

डंडी(-डू)को पु॰ छोटा डंडा या लट्ठ

डफाश(-स) स्त्री॰ देखिय डफास'

डमर पु॰ बवंडर, बगूला

डाकण स्त्री॰ डाकिन डाइन (२) भूत विद्या जाननेवाली स्त्री टुनहाई (३) जिसकी नजर लगे ऐसी स्त्री

डाकणी स्त्री॰ डाकिनी, डाइन

डाकबंगलो पु॰ डाकबँगला

डाकली स्त्री॰ छोटी डुग्गी (२) साँपका बोलना (३) जबड़ा

डाकलु न॰ डुगडुगी डुग्गी

डाकाटी स्त्री॰ डकैती डाका

डाकु पु॰ डकैत, डाकू

डाखली(-लु) देखिये डाकली' 'डाकलु'

डागळी स्त्री॰ धिगली घगली घकती (२) सिर मगज दिमाग (३) समझ शक्ति सूझ [ला]। [-चसकवी, छटकवी = पागल होना। -ठेकाणे होवी = होश ठिकाने होना] [(३) कीना

डाघ पु॰ दाग धब्बा (२) [ला] ऐब

डाघाडूघी स्त्री॰ धब्बे ही धब्बे दाग पड़नेसे होनेवाली अस्वच्छता

डाघु पु॰ मुर्देको जलानेके लिए कंधे पर रखकर श्मशान ले जानेवाले

डाघो पु॰ दाग, धब्बा

डाघोडूघो पु० एकाध दाग़ या धब्बा
डाचाकूट स्त्री० बक्वास, मायापच्ची
डाचु न० जबडा, कल्ला (२) मुखडा
डाट पु० महाविनाश तबाही
डाटवु स०क्रि० देखिये 'दाटवु' (२) छिपाना
डाटवु स०क्रि० डाँटना धमकाना
डाटो स्त्री० डाँट, धमकी
डाटो पु० काग, डाट
डाफर स्त्री०, **डाफरियु** न० बेकार इधर-उधर देखना, व्यर्थ झाँकना
डाबडी स्त्री० देखिये 'दाबडी'
डाबडो पु० देखिये 'दाबडो'
डाबणियु न० दाबनेके काम आनेवाला वजन, दाबनेका साधन (२) चौखटके ऊपर दाब रखनेवाली लकडी, भरेठ
डाबली स्त्री० देखिये 'दाबडी'
डाबलो पु० देखिये 'दाबडो' (२) घोडेकी टापका नाल
डाबाजमणी(–णु) अ० बायीं और दायीं दोनो तरफ बायें-दायें (२) क्रमश दोनो ओर (३) बायांका दायाँ और दायांका बायाँ हो इस तरह (४) पक्षपातसे [ला]। [–करवु = पक्षपात करना (२) सुनी अनसुनी करना] [अलग [ला]
डाबु वि० बायाँ (२) अप्रिय दूर,
डाभ(०डो) ० डाभ, दभ
डाम (डा') पु० किसी तप्त मुद्रासे दागनेका चिह्न धरका (२) [ला] धब्बा लाछन (३) कुछ नही झूठा देना, उदा० 'ले डाम!'। [–चांपवो, देवो = दागना (२) कुछ न देना झूठा देना उदा० 'एने शु डाम दे?']

डामचियो पु० गुदडी, रजाई आदि रखनेकी लकडीकी घोडी
डामण न० पशु भाग न जाय इसलिए उसका एक अगला और एक पिछला पर बांधनेकी रस्सी, छाँद, छान
डामर पु० कोलतार, तारकाल, डामर
डामरेज न० रलसे आया हुआ माल स्टेशनके गोदाममें अधिक समय तक पडे रहनेका हरजाना डिमुरेज
डामवु (डा') स०क्रि० तपाये हुए लोहे या अन्य धातुसे शरीर पर दाग लगाना, दागना (२) ताना मारना
डामाडोळ वि० डाँवाडोल, अस्थिर
डामीज(–स) वि० प्रसिद्ध गुनहगार
डामु न० दागनेका चिह्न, चरका, गुल, दाग (२) काला दाग
डायरी स्त्री० डायरी रोजनामचा
डायरो पु० (राजपूतोंमें) बिरादरी या जेवनार (२) बूढे अनुभवी लोगोकी बठक दायरा (३) आपसी आदमियों-की मडली
डारवु स०क्रि० डराना, धमकी देना (२) मना करना रोकना
डाह्यु वि० सयाना, समझदार
डाळ स्त्री०, न० डाल, शाखा
डाळखी स्त्री०, **डाळखु** न०, **डाळी** स्त्री० छोटी शाखा, डाली
डाळु न० मुख्य तनेकी शाखा डाल
डाखळी(०) स्त्री० **डाखळु** न० डाली मेंसे फूटी हुई छोटी डाली टहनी, डंडी
डांग(०) स्त्री० लाठी डाँग
डांगर स्त्री० धान शालि
डांगु(०) वि० देखिये 'डाह्य'

डांड(०) वि० छडा, बिना बाल बच्चेका (२) डडेस काम लेनेवाला (३) वेशम, लबार, ठग
डाडाई(०) स्त्री० वेहयाई लबारी धतता [जानवाला रास
डाडियारास(०) पु० छाटे डडास खेला
डाडियो(०) पु०बेहया पुरुप(२) ढिंढारा पीटनवाला (३) छोटा पतला डडा
डांडी(०) स्त्री०छाटी पतली लक्डी डाँडी डडी दस्ता (२)तराजूकी डडी डाँडी(३) छोटे डडोस वजा नेका एक वाद्य (४) जहाजके मागदानके लिए ऊची टेकरी पर गाडी हुई लवडा (५) रोशनीका मीनार (६) मीधी रेखा, डँडोर (नाककी सीध)
डांडो(०) पु० छोटा लट्ठ (२)दस्ता (३) फुनगी अँखुआ [डाँस
डांस(०) पु० एक प्रकारका मच्छर
डासु(०) वि० बच्चा, अपरिपक्व स्वाभाविक (खिरनीके लिए)
डिपोटी पु० शालाओंका निरीक्षण करनेवाला सरकारी अधिकारी (२) वि० नायब डिप्टी
डिल न० डील शरीर
डिसेंबर पु० दिसंबर
डिस्ट्रिक्ट पु० डिस्ट्रिक्ट जिला (२) सरकारी अधिकारीका अपने हल्केमें दौरा
डिग स्त्री० न० डाग गप
डिगलु न० चांगीका हिस्सा टुकडा नया रस-दूधभरा अकुर शाखा (२)मूहरका टुकडा(३)सिर[ना]। [-उडाडी मूक्वु=गटरसे काटकर अलग करना गरदन उडाना]
डिंगो पु० अगूठा दिखाना हूठा देकर इनकार करना
डीचकु न० ढेंप ढेंपी (२) सबसे ऊपरका पतला हिस्सा उँगलीका अग्र भाग (३) उभर आया हुआ गाठ जसा टुकडा [चूची
डीट(०डी) स्त्री० स्तनका अग्र भाग,
डीटियु न० छोटी ढप (२) बगन
डीटु न० फलके मुहका वह हिस्सा जिसके बल वह टहनीसे लटकता रहता है ढेंप ढपी [टुकडा, कुदा लट्ठा
डीमचु न० लक्डीका बडा और मोटा
डींट न० ढेंप।[-काढवु=जड खोदना। -जवु=जडमूलसे नाश होना]
डींट(०डी) देखिये डीट
डींटवु स०क्रि० ढपामेंस तोडना (२) (फलस लगी हुई)टहनी तोड डालना
डींटियु न० देखिये डीटियु
डींटु न० देखिये डीटु टुकडा [अधर
डींडवाणु न० बदअमली अव्यवस्था,
डुक्कर न० सूअर (जानवर)
डुगडुग अ० डुगडुगीकी आवाज
डुगडुगियु न० डुगडुगी
डुगडुगी स्त्री० छोटी डुग्गी डुगडुगी
डुबाड(-व)वु स०क्रि० डुबाना डुबोना
डुबावु अ०क्रि० डूबने क्रियाका भावे
डुमरलास न० भारी वजन उठानेवाला यंत्र [बडा ढेर ढूह
डुगर पु० छोटा पवत डूगर (२)
डुगराळ वि०जहाँ जगह-जगह पर डूँगर हो ऐसा पहाडी
डुगरी वि० पहाड पर पैदा होनेवाली (वस्तु) पहाडी(२)डूँगरसे सबद्ध पहाडी (३) स्त्री० छोटा पहाड टीला डुगरी

डुगरो पु० डूगर, छोटा पवत
डुगळी स्त्री० प्याज
डुगो(-घो) पु० मोर
डूघो पु० छोटी डाँडीकी एक बडी कटोरीदार कलछी, डब्बू, डोई
डूचवु स०क्रि० बडे बडे कौर लेना (२)ठूसकर खाना
डूचो पु० निकम्मे कागज या कपडेका गोला या पिंडा (२) उसकी डाट (३) बडा कौर, गस्सा (४) वह कपडा जो बारबार गीजनेसे पिंड जसा बने (५) असभ्य आदमी, उजड्ड। [डूचा काढवा, काढी नाखवा =बहुत श्रम कराकर थका डालना, मोमियाई निकालना, कचूमर निकालना। -मारवो =पिंडसे मुँह या छेद बद करना]
डूबका न०ब०व० देखिये डबूकियु
डूबकी स्त्री० डुबकी, गोता। [-खावी, मारवी =गोता खाना पानीमें पठना (२)नजर बचाकर छू हो जाना]
डूबकु न० डुबकी, गोता
डूबवु अ०क्रि० डूबना(२)डूबकर मर जाना (३) डूबना अस्त होना (४) [ला] दिवाला निकालना (५) लीन होना डूबना
डूमची स्त्री०।साजमें घाडेकी दुमके नाचे रहनेवाली डोरी दुमची
डूमो पु० मनोवृत्तियाके आवेशमें छातीमें होनेवाली बेचैनी या घटन सांस मानेमें अडना
डूल वि० डूबा हुआ, गरक नष्ट तबाह(२)न० कानका एक गहना। [-करवु =वारना, निछावर करना खानेके लिए तयार रहना। -थवु =हारना, खाना(२)शर्तमें रखी हुई चीजका हारने पर प्रतिपक्षीके कब्जेमें जाना(३)व्यथ जाना उदा० 'बाजी डूल थई']
डूलवु अ०क्रि० डूबना गरक होना(२) तबाह होना, दिवाला निकालना(३) कुछ महत्त्वका न होना(४)डोलना
डूवो पु० गाढा तरल पदाथ(२)तलछट
डूग स्त्री० मोमियाई कचूमर निकालना
डूसकु न० सिसकी
डूख (०) स्त्री०कोपलके आगे फूटनेवाला हिस्सा, टुनगा, कल्ला, गाभा
डूखरा(-ळा)ववु(०) स०क्रि० धमकाना, डाँटना
डूगळी (०) स्त्री० देखिये 'डुगळी'
डूगो(-घो) पु० देखिये डुगो'
डूटी(०) स्त्री० नाभि, टूडी
डूटो पु० बडी नाभि (२) नाभि जैसा उभडा हुआ भाग
डूडु न० अनाजकी बाल बाली, भुट्टा
डेक न० जहाजकी पाटन, डेक
डेपा स्त्री० गोदाम डिपो
डेफराबु अ०क्रि० पेटका उमडना(२) किसी अगका सूजना फूलना (३) फीका-कातिहीन होना
डेरातबु पु०ब०व०डेरा या तबू, डाला हुआ पडाव [ला]
डेरो पु० तबू खेमा (२) पडाव, डेरा
डेरो (डॅ) पु० ठेंगुर अडगोडा ढेला
डेली(डॅ) स्त्री० पौरी, ड्योढ़ी (२) चौकी (पुलिस)
डेलु(डॅ) न० ड्योढ़ी, पौरी (२) ड्योढ़ीका बडा दरवाजा
डेंडवु(डॅ०) न० छोटा बक्सप, डोडहा

डोई स्त्री० मटके आदिसे पानी निकालनेका लंबी डंडीका एक बरतन, घडुआ

डोक स्त्री० गला, गरदन। [–भागी जवी, मरडाई जवी = मरणासन्न होना, गरदन झुकना]

डोकरी स्त्री० बूढी स्त्री डोकरी

डोकरो पु० बूढा आदमी, डोकरा

डोकाबारी स्त्री० बडे दरवाजेमें रखी हुई छोटी खिडकी

डोकावबुं, डोकावु अ०क्रि० सिर आगे करके देखना झांकना

डोकियु न० गरदन आगको करके देखना

डोकी स्त्री० गला गरदन

डोकुं न० सिर (२) गरदन आगेको करके देखना। [–धुणाववु = ना कहना सिर हिलाना। –मूकवु = जानकी परवाह न करना जान हथली पर रखना] [चोटी

डोचकु न० सिर(२) ऊपरका हिस्सा,

डोझ पु० एक जून लेनेकी दवाकी मात्रा या उतनी दवा, खुराक, डोज

डोझरुं न० पेट, ओझरी गढा

डोझु न० देखिये डोझरु

डोडवुं न० फल, फूल या बालका बिना खिला हुआ गोफा गाभा (२) डेंडी डाडी

डोडो पु० फल-फूलका गाभवाला ताजा फूटता गाफा (२) मक्केका भुट्टा

डोडी स्त्री० पोरी ढपोडी

डोबु वि० नासमझ निरा पोगा (२) न० भ्रम। [डोबां चारवां = निरुद्दार रहना]

डोबो पु० जड, गावदी (पुरुष)

डोयो पु० नारियलको खुरचकर बनाया हुआ एक बरतन (२) नारियलका हुक्का (३) डोई या डोआ (४) बडी कील

डोल स्त्री० बाल्टी, डोल (२) मस्तूल

डोलकाठी स्त्री० मस्तूल (२) उस परके झंडेकी लकडी

डोलची स्त्री० छोटा डोल (२) चमडेका डोल (३) पु० जहाजमेंसे डोलके सहारे पानी उलीचनवाला

डोलचु न० डोल (२) चमडेका डाल

डालर पु० एक अमेरिकन सिक्का डालर

डोलर(–रियो) पु० एक फूल-पौधा, मोगरा

डोलवु अ०क्रि० झूलना डोलना (२) विचलित होना, डगमगाना

डोलु न० झपका (२) भूल चूक, धोखा

डोशी(–सी) स्त्री० बूढी स्त्री, वृद्धा

डोसो पु० बूढा आदमी, वृद्ध

डोळ पु० महुएके फलकी गुठली, गुल्ली

डाळ पु०ब०व० लावामें बिना खिले हुए दाने ठुर्रो (२) दाल दलनमें रह जानवाले अखड दाने

डोळ(डो) पु० न० आकार, घाट डौल (२) दिखावा ढाग, तकल्लुफ

डोळियु न० महुएका तेल

डोळी(डों) वि० दिखावटी, आडंबरी ढोंगी [बुरे समाचार

डोळी स्त्री० डांडी स्ट्रेचर (२)

डोळो पु० आंखका डेला कोया (२) आंख (३) नजर ध्यान [ला]। [डोळा काढवा = आंखें तरेरना, आंख दिखाना डांटना। –डूबवो = मन तृप्त होना। –फरी जवो = मरण समीप होना (२) गुस्सा होना (३) ईर्ष्या होना]

ढ

ढ पु० 'ट' वगका – मूर्द्धस्थानीय चौथा व्यंजन (२) निरा पोगा, जड (व्यक्ति)
ढग पु० ढेर, पुंज
ढगलाबंध वि० (२) अ० बहुत, ढेरो
ढगली स्त्री० छोटा ढेर, ढेरी
ढगलो पु० ढेर, अटाला, राशि। [–थई जवु=अजर-पजर ढीले हो जाना, पस्तहिम्मत हो जाना]
ढचुपचु वि० डगमग, डाँवाडोल
ढच्चर वि० अति वृद्ध, खूसट
ढढ्ढो पु० जड मनुष्य (२) पतगमें खडी लगायी जानेवाली तीली, ठड्ढा
ढप(–फ) अ० गिरनेकी आवाज, धप
ढब स्त्री० ढब, ढग तौर रीति
ढबवु अ०क्रि० ढब ढब' आवाज करना (२) डूबना (३) मर जाना, ढेर होना
ढबु पु० दो पसोके बराबरका सिक्का, अधना, टका
ढबूकवु अ०क्रि० (ढोल्का) बजना (२) पानीमें डुबकी लगाना
ढबू(–र)वु स०क्रि० अच्छी तरह उढ़ाकर सुलाना (२) थपकना (३) पीटना [ढम-ढम, धुकार
ढमक(०ढमक) अ० ढोलकी आवाज,
ढमकवु अ०क्रि० (ढोल्का) बजना
ढमढोल वि० ढोल जसा फूला हुआ, बहुत मोटा दिखाई देनवाला
ढसडवु स०क्रि० जमीनसे रगड खाता हुआ खींचना, घसीटना (२) [ला] बेमनसे काम करना, घसीटना (३) घसीट लिखना, घसीटना (४) कोई काम जैसे-तैसे कर डालना
ढसरडो पु० घसीटनेसे चमडेका छिल जाना, रगड (२) बेगार, इच्छाके विरुद्ध काम
ढसवु, ढसळवु अ०क्रि० ढहना
ढळवु अ०क्रि० लेटना, एक ओर झुकना, ढलना ढरकना (२) तरल पदार्थका पात्रसे गिरना, ढलना (३) साँचेमें ढाला जाना (४) अमुक वृत्तिकी ओर झुकना [ला] [छिपना
ढकावु अ०क्रि० ढकना, ढक जाना,
ढग पु० बर्ताव, चाल-ढाल, ढग (२) आसार, लक्षण (३) रीति, ढब, तरीका, ढग
ढगढाळ पु० विश्वसनीय बरताव या रहन-सहन, ठिकाना (२) आकार ढग बनावट
ढगधडो पु० भरोसा, विश्वसनीय आचरण ठिकानेका काम
ढढ वि० बिल्कुल पोला, खोखला
ढढेरो पु० ढिंढोरा (२) सरकारी उद्घोषण या अधिसूचना [झकझोरना
ढढोळवु स०क्रि० जोरसे हिलाना,
ढाढी पु० शहनाई बजानेवाला, ढाढी (२) एक प्रकारका मगन, भिखमगा
ढाल स्त्री० ढाल (२) बचावका साधन, आड [ला]
ढाळ पु० ढालुआँ-ढलवा जमीन, ढाल (२) ढब तरीका आचरण (३) गानेकी

पद्धति तज (४) घरोपा, घरका-सा सबध (५) कनकूत। [–उतारवो = आकार देना (२) ठीक ढालुआँ रखना (३) समान समतल बनाना। –माँ गावु = रागके अनुसार – ढगके साथ गाना] [हुई गुल्ली
ढाळकी स्त्री० धातुकी गलाकर ढाली
ढाळको पु० धातुकी बडी गुल्ली डला (२)[ला] ढग रीत(३)कामकाजमें सफाई, कुशलता (४) समझ
ढाळवु स०क्रि० (आँखोको) नीचा करना, झुकाना (२) (चारपाई) बिछाना (३) बूदके रूपमें गिराना (आँसू) ढालना (४) कनकूत करना (५) (साँचेमें) ढालना
ढाळियु वि० ढालदार ढालू, ढालुआँ, ढलवाँ (२) न० धातुकी गुल्ली (३) ढालुआँ जमीन या खेत, ढाल (४) एक ही ढालवाला छप्पर एकपखिया (५) डेस्क
ढाळियो पु० खेतकी सिंचाईके लिए पानी ले जानेकी ढालुआँ नाली बरहा (२) सोने या चाँदीका ढाला हुआ चौकोर डला पासा
ढाळो पु० विश्रान्ति सुस्ताना (२) चाल-ढाल (३) तरीका पद्धति
ढांकण (०) न० ढक्कन ढकना (२) बचाव आड (३) ढकनेकी क्रिया
ढांकणी (०) स्त्री० छोटा ढकना ढकनी, हाँडीका ढक्कन चपनी (२) घुटनेकी हड्डी चपनी
ढांकणु (०) न० ढकना ढक्कन (२) (किसी चीजको) ढकनके काम आने वाला कोई भी साधन झाँप
ढांकप(–पि)छेडो (०) पु० दोष छिपाने या ऐब पर परदा डालनेकी युक्ति, ऐबपोशी [ढँकना(२)छिपाना
ढांकवु (०) स०क्रि० ढकना ढाकना,
ढांढु (०) न० मरा हुआ ढोर
ढांढो (०) पु० बडा बल
ढिंगली स्त्री० **ढिंगलु** न० **ढिंगलो** पु० देखिये ढींगली आदि
ढीकणु वि० देखिये ढीक्णु
ढीको पु० देखिये ढींको
ढीचवु स०क्रि० देखिये ढींचवु
ढीबवु स०क्रि० मार मारना पीटना
ढीमचु न० कुदा (२) मिट्टीका मोटा कुठला डहरी (३) [ला] नाटा बच्चा (४) सिर
ढीमडु(–णु) न० गाँठ जसी सख्त सूजन ददोरा चकत्ता
ढीमर पु० मच्छीमार(२)माँझी धीवर
ढीमु न० चकत्ता ददोरा
ढील स्त्री० व्ययकी देर विलब(२) तनावका अभाव ढील ढीलापन(३) [ला] लापरवाही
ढीलु वि० ढीला शिथिल, जो कसा न हो(२)जो सख्त न हो ढीला (३) [ला] पस्तहिम्मत (४) कमजोर (५) काहिल मद ढीला। [–मूकवु = ढील देना ढीला छोडना थोडा लापरवाह होना]
ढीलुढस वि० बिल्कुल ढीला
ढींकणु वि० ढिमका अमुक फलाँ
ढींकवो पु० नदी या तालाबके सूखे तलमें पानीके लिए खोदा हुआ गड्ढा
ढींको पु० घूसा, मुक्का
ढींगली स्त्री० गुडिया (२) गुडिया-सी बनी-ठनी छोटे कदकी स्त्री [ला]

ढोंगलु न० पुतला, खिलौना
ढोंगलो पु० नर गुडिया, गुड्डा पुतला
ढोंचण पु० जांघ और टांगके बीचका जोड, घुटना
ढोंचवु स०क्रि० हदसे ज्यादा पीना, ढकोसना (२) पीना (तुच्छकारमें) (३) शराब पीना [ला]
ढूकडु वि० नजदीक, निकट
ढूकवु अ०क्रि० नजदीक जाना पास फटकना
ढूवो पु० रेगिस्तानमें रेती उड उडकर बना हुआ ढूह या टीला ढूह
ढूकडु वि० देखिये ढूकडु
ढूकवु अ०क्रि० देखिये ढूकवु'
ढूंढवु स०क्रि० ढूंढना खोजना
ढूंसु न० बाजरेकी बालमेंसे दाने निकालनेके बाद बचा रहनेवाला भूसा
ढूंढुं न० देखिये 'ढून्मु
ढूसो पु० गेहूँकी बडी मोटी रोटी (२) मोटा भारी कवल, घुस्सा
ढेकवो पु० सिचाईके लिए पानी निकालनेका एक यंत्र, ढेंकली
ढेको पु० उभडा हुआ भाग, टेकरा (२) शरीर पर उभडा हुआ हड्डी-वाला भाग, कूबड। [-नमवो=मेहनत करना शरीर नवाकर काम करना]
ढेखलो पु० इटका टुकडा ईंटकोहरा
ढेखाळो पु० देखिये ढेखलो'
ढेड पु० इस नामकी अत्यंज जातिका आदमी [गुजराती
ढेडगुजराती स्त्री० अंग्रेजीमिश्रित
ढेडफजेती स्त्री०, ढेडफजेतो पु० सबके सामने या खुले-आम फजीहत, भद्द
ढेडवाडो पु० ढेड' लोगोंका मुहल्ला या टोला (२) [ला] गंदी-अस्वच्छ जगह
ढेपली स्त्री० छोटा, चपटा ढेला
ढेपलु न० रोडा, ढेला (२) थक्का, चक्का
ढेपु (-फु) न० देखिये 'ढेपलु'
ढेबरुं न० खानेकी एक चीज़। [ढेबरां वधावबां=रवाना करना (२) रुखसत करना, बरतरफ करना]
ढेर पु० ढेर, राशि
ढेवो पु० सूजन, शरीरमें पडी हुई गाठ, गड (२) गोबरका लोंदा, चोथ
ढेल (०डी) स्त्री० मोरनी
ढोकळी स्त्री० खानेकी एक चीज़
ढोकळु न० खानेकी एक चीज़
ढोचकी स्त्री० छोटे मुहका मिट्टीका छोटा घडा, गगरी
ढोचकु न० सँकरे मुहवाला मिट्टीका घडा (२) [ला] सिर, मुड (३) वि० डाँवाडोल मनका, अस्थिर। [-ऊडी जवु=सिर कटना (२) पूरा हार जाना]
ढोर न० गाय, भैंस, पशु आदि चौपाये, ढोर, डगर। [-जेवु=जड मूर्ख]
ढोरढाक, ढोरढाक(-ख)र न०ब०व० मवेशी, ढोर-डगर
ढोल पु० न० ढोल, नगाडा। [-कूटवु=खराखोटा मर्म बिना हाँमें हाँ भरना]
ढोलकी स्त्री० छोटा ढोल पखावज़। [-वगाडवी=दोनों पक्षोंमें अपना स्थान सुरक्षित रखना, किसी एक पक्षका न रहना]
ढोलकु न० ढाल [खटिया मचिया
ढोलडी (-णी) स्त्री० छोटी चारपाई,
ढोलियो पु० चारपाई, पलंग
ढोली पु० ढोल बजानेवाला, ढोलकिया
ढोलो पु० ढोला पति [ढोला
ढोलो पु० मोटा, अहनी, मूर्ख व्यक्ति

ढोळ पु० चमक, मुलम्मा, धातु पर चाँदी सोनेका पानी चढ़ाना

ढोळवु स०क्रि० उडेलना, ढालना, पानी आदिको गिराना (२) लुढ़-काना (३) न० बेपेंदीका बरतन (४) कभी इस पक्षमें तो कभी उस पक्षमें मिल जानेवाला, बेपेंदीका लोटा औढर। [(-ने माथे) ढोळवु, ढोळी पाडवु = (-के सिर) जिम्मेदारी डालना]

ढोळवु स०क्रि० पखा झलना, चँवर ढालना

ढोळाण न०, ढोळाव, ढोळो पु० देखिये 'ढाळ'

ढोंग (ढाँ०) पु० ढोंग, दिखावा

ढोंगी (०लु) (ढा०) वि० ढोंगी, पाखडी

त

त पुं० त वर्गका —दंतस्थानीय पहला व्यंजन

तक स्त्री० उपयुक्त काल, मौका

तकती स्त्री० काँच या धातुका चौकोर टुकड़ा, तख्ती

तकतो पु० बडी तख्ती, तख्ता (२) आईना (३) मढ़ा हुआ चित्र या फोटू

तकरार स्त्री० तकरार, झगडा, टटा (२) बाधा विरोध, उज्र। [-उठाववी = विरोध या बाधा खडी करना] [न हो नाजुक

तकलादी वि० जो मज़बूत और टिकाऊ

तकली स्त्री० तकली

तकसीरदार वि० अपराधी, कुसूरवार

तकाजो (-वो) पु० तक़ाज़ा तगादा

तकावी स्त्री० तक़ावी

तकासवु स०क्रि० ललचाई हुई दृष्टिसे ताकना (२) चाहना ताकना

तकियो पु० पीठ पीछे रखा जानेवाला बडा तकिया (२) फकीरके रहनेकी जगह तकियागाह

तकेदारी स्त्री० ज़ाब्ता, कडी निगरानी

तख्ती, तख्तो देखिये 'तक्ती', तकतो'

तखती स्त्री० देखिये 'तकती'

तखतो पु० देखिये 'तकतो' (२) मच रगभूमि

तख्ती तख्तो देखिये 'तकती, तकतो'

तगडवु स०क्रि० खूब दौडाना, खदेडना (२) थका डालना बेकार घुमाना

तगडु वि० तगडा

तगडो पु० '३'—तीनकी सज्ञा

तगतगवु अ०क्रि० चमकना, चिलकना, चमचमाना

तगवु अ०क्रि० देखिये 'तगतगवु'

तगादो पु० तगादा, तक़ाज़ा

तगारु न० लोहेका तसला (२) पेट, गड्ढा [ला]

तगावी स्त्री० तक़ावी

तगेडवु स०क्रि० देखिये 'तगडवु'

तज स्त्री० न० दारचीनी तज

तजगरो पु० जाँच (२) हिसाबकी जाँच

तजवीज स्त्री० जाँच खोज (२) युक्ति करामात (३) कोशिश (४) चौकसी, हिफ़ाज़त (५) व्यवस्था, तजवीज बन्दोबस्त

तजवु स०क्रि० त्यागना, छोडना, तजना

तटस्थ वि० जो किसी पक्षका न हो, निष्पक्ष (२) निरपेक्ष, पक्षपातरहित, तटस्थ

तड अ० तडकनेकी आवाज, तड (२) स्त्री० लकडी, धरती, दीवार आदिके फटनेसे पडनेवाला लंबा छिद्र, दरार (३) न० तड, पक्ष दल [छायडो'

तडकोछांयडी स्त्री० देखिये 'तडको

तडको पु० धूप, सूर्यका गरम प्रकाश

तडकोछांयडो, तडकोछांयो पु० धूप और छांह (२) सुख-दुःख [ला]

तडजोड स्त्री० तडोंके बीच समझौता, दलोंमें मेल

तडतड अ० 'तड-तड' की या तडकने फटनेकी आवाज तडातड (२) फौरन, तडाक-फडाक

तडतडवु अ०क्रि० तड-तड' शब्द होना, तडतडाना (२) चिटकना, फटन पर आना (३) गुस्सेमें बोलना, लडकना [ला] [आतिशबाजी

तडतडियो पु० चिनगारी (२) एक

तड ने फड, तड ने भड=देखिये 'तडफड

तडपवुं अ०क्रि० देखिये 'तलपवु'

तडफड अ० चटपट तडाक-फडाक, तडातड (२) खुल्लमखुल्ला, मुह पर

तडफडवु अ०क्रि० दु खमें हाथ पाँव मारना तडफडाना (२) हाँफना (३) व्यय प्रयत्न करना, छटपटाना [ला]

तडफडाट पु० तडफना छटपटाहट

तडफडियां न०ब०व० दु खमें हाथ-पैर पछाडना, बेताब होना (२) बेकार कोशिश करना, छटपटाना

तडफवु अ० क्रि० तडफना, छटपटाना

तडबूच न० तरबूज, मतीरा

तडभड अ० देखिये 'तडफड'

तडवु अ०क्रि० किसीको मारने या उससे झगडनेके लिए आगे बढना, झपटना, लपकना

तडतडा स्त्री० तडातड जवाब देना, कहा-सुनी (२) मारपीट, तडातड

तडाक अ० टूटनेका शब्द, तडाक (२) तुरत तडाक

तडाको पु० झूठी बात, गप (२) एकदम होनेवाली भीड, वृद्धि या लाभ। [-पडवो=एकाएक अच्छा लाभ होना]

तडातड अ० तडातड, झटपट, लगातार

तडातडी स्त्री० कहा-सुनी, मारपीट, तडातड (२) चढा-चढी, होड (३) उतावली धमाचौकडी

तडामार अ० जोरोंसे, तेजीसे

तडामार(-री) स्त्री० दौड धूप, जल्दी; मारामार

तडी स्त्री० बौछार, झडी (२) मारपीट

तडूकवु अ०क्रि० जोरसे कडककर बोलना, तडकना, गरजना

तडूको पु० जोरसे कडककर बोलनेकी आवाज, गरज कडक

तडोतड अ० देखिये 'तडातड'

तणखलुं न० तिनका (

तणखो पु० चिनगारी या अगारा

तणछावु अ०क्रि० किसी अवयवका तनना (२) पैरको झटका देते हुए चलना झनकना लँगडाना (३) तीव्र पीडा होना, टीसना

तणावु अ०क्रि० खिचना, तनना (२) अपने बसके बाहर कामोंसे लदना या खर्च करना। [तणाई मरवु=बूतेसे ज्यादा खर्च करना देखादेखी खर्च करके बहुत नुकसान सहन करना]

तणी स्त्री०, तणु न० तणो पु० संबंध कारकनी विभक्ति (का, की आदि)
ततडवु अ०क्रि० देखिये 'तडतडवु'
ततडाववु स०क्रि० 'तडतडवु' क्रियाका प्रेरक (२) धमकाना डाँटना [ला]
ततडियो पु० चिनगारी अग्निकण
ततूडी स्त्री० छोटी तुरही
ततूडु न० एक तरहकी रणभेरी तुरही
तत्काळ अ० तत्काल
तथा स्त्री० परवा तमा (२) विस्तार फैलाव [बसे, तथा
तथा अ० और, व, तथा (२) उस तरह
तद्दन अ० बिलकुल, पूरा (२) निरा
तनमनाट पु० आवेश जोश, अधीरपन
तपखीर स्त्री० सुंघनी हुलास
तपखीरियु वि० सुंघनीके रंगका
तपववु स०क्रि० तपाना
तपवु अ०क्रि० तप्त-गरम होना तपना (२) तप करना (३) [ला] देर तक बाट देखते हुए खडा रहना किसीकी राह देखकर समय बर्बाद करना (४) गुस्सा करना
तपसी वि० (२) पु० तपस्वी तपसी [प]
तपसील स्त्री० विवरण ब्योरा तफसील
तपाड(–व)वु स०क्रि० तपाना
तपास(०णी) स्त्री० तहकीकात तफतीश (२) जाँच पडताल, खोज (३) निगरानी देखभाल
तपासवु स०क्रि खोजना (२) चौकसी करना छानबीन या जाँच करना (३) सँभालना निगरानी रखना
तपास समिति स्त्री० जाँच-समिति
तपासाववु अ०क्रि० तपासवु क्रियाका प्रेरणार्थक रूप
तपेली स्त्री० पतीली
तपेलु न० बडी पतीली, पतीला
तफडची स्त्री० किसीकी चीज या साहित्यिक रचनाको हडपना चुराना
तफडाववु स०क्रि० किसीकी चीज उठाकर चलता बनना हडपना चुराना
तफरके अ० चुरा बिखरा या हडपा हुआ हो इस तरह
तफसील स्त्री० देखिये 'तपसील'
तफावत पु० तफावत फर्क
तफो पु० जत्था, विभाग समूह
तबक्को पु० मंजिल तबका (२) स्थिति, दशा (३) कक्षा पद दरजा (४) विभाग तबका खंड [(२) दौड
तबडकी स्त्री० घोडेकी दौडकी आहट
तबडाववु स०क्रि० दौडाना (२) डाँटना डपटना (३) उबालना
तबलु न० तबला
तबियत स्त्री० मन मिजाज तबीअत (२) शरीरका हाल स्वास्थ्य
तबीब पु० तबीब हकीम
तबीबी वि० तबीब-संबंधी तिब्बी (२) स्त्री० हकीमका पेशा हकीमी
तबेलो पु० तबेला, घुडसाल
तबो पु० चिलमके छेद पर रखनेका गोल ठीकरा तवा ठीकरी
तमण स्त्री० जमीन खोदकर बनाया हुआ चूल्हा भट्ठी
तमणु वि० तिगुना
तमतमाट वि० बहुत चरपरा तीखा (२) पु० चरपराहट तीखापन
तमतमु वि बहुत चरपरा
तमन्ना स्त्री० तमन्ना इच्छा आतुरता
तमरी स्त्री० देखिये तम्मर
तमरु न० झींगुर झिल्ली
तमचो पु० तमचा पिस्तौल

तमा स्त्री० तमा, परवा, गरज (२) कमी, त्रुटि
तमाकु स्त्री० तवाकू, तमाकू
तमाचो पु० तमाचा थप्पड
तमाम वि० (२) अ० तमाम, कुल, सारा
तमाशो पु० तमाशा (२) फजीहत, भद [ला]   [छाना, चक्कर आना
तम्मर स्त्री० आँखोंके आगे अँधेरा
तर वि० तर, ताजा (२) तृप्त अघाया हुआ (३) मालदार (४) मदमत्त, नशेमें चूर,   [परत, साढ़ी
तर स्त्री० दही या दूधकी मलाईकी
तरक पु० तुर्क, मुसलमान
तरकट न० प्रपंच, षडयन्त्र साजिश
तरकटी वि० साजिश करनेवाला, प्रपंची
तरकडो पु० देखिये 'तरक'
तरकारी स्त्री० सब्जी, तरकारी, साग पात (२) खाने योग्य मांस
तरकीब स्त्री० तरकीब, युक्ति
तरखड स्त्री० देख भाल संभाल (२) झंझट, पचडा
तरखाट पु० तहलका, डर त्रास
तरगाळो पु० गाने-बजानेका पेशा करनेवाली जातिका आदमी
तरछोडवु स०क्रि० जोरसे झटकना झटका देना (२) तिरस्कारपूर्वक निकाल देना, तजना (३) दुतकारना; धिक्कारना
तरजुमो पु० अनुवाद उल्था, तरजुमा
तरड स्त्री० लकडी, धरती दीवार आदिके फटनेसे होनेवाला लंबा चीरा दरार, बाल (शीशा)
तरडवु अ०क्रि० दरार पडना फटना, चटकना तिलकना (मिट्टी) (२) टेढा तिरछा होना (३) नाराज होकर किसीके विरुद्ध चलना
तरडाट पु० फटनेकी क्रिया तडक (२) अभिमान अकड ऐंठ
तरडावु अ०क्रि० देखिये 'तरडवु'
तरणु न० तिनका तृण
तरत अ० तुरत फौरन्, तुरत
तरप(–पि)डी स्त्री० मृतककी बरसीके दिन किया जानेवाला श्राद्ध, त्रिपिंड
तरफ स्त्री० तरफ, पक्ष, ओर दिशा (२) ततुवाद्यके मुख्य तारके नीचेके तारोंका समूह, तरब (३) अ० दिशा-में, तरफ   [आदि
तरफडवु, तरफडियां देखिये 'तडफडवु'
तरफण स्त्री० बीज बोनेका तीन नली-वाला एक औजार बाँसा
तरफी वि० (समासमें) तरफका, तरफा
तरफेण (फॅ) स्त्री० पक्ष, बाजू (२) तरफदारी, पक्षपात
तरबतर वि० तरबतर, भीगा हुआ
तरबूच न० देखिये 'तडबूच'
तरबोळ वि० सराबोर, तराबोर
तरभाणी स्त्री० धार्मिक विधिमें काम आनेवाली ताँबेकी छोटी तश्तरी, छोटा तरबहना
तरभाणु न० ताँबेकी बडी तश्तरी जो धार्मिक विधिमें उपयोगमें लाई जाती है, तरबहना
तरभेट(–टो) पु० तिराहा तिमुहानी
तरवाडो पु० खजूरको छेदनेवाला, ताडी निकालनेवाला   [घोडी, तिपाई
तरवायो पु० तीन पायोंकी लकडीकी
तरवु स०क्रि० पार करना लाँघना (२) (पानी पर) तरना (३) बचना, तरना [ला]

तरश स्त्री० प्यास (२) उत्कट इच्छा चाह, लालसा [ला]

तरश्यु वि० प्यासा, तृषातुर

तरस स्त्री० देखिय 'तरश' (२) न० ल्कडबग्धा (३) पु० क्रोध

तरसाड स्त्री० ताडका पत्ता तालपत्र

तरसाववुं स०क्रि० तरसाना ललचाना

तरस्यु वि० देखिय तरश्यु'

तरग पु० (पानीकी) तरग, लहर (२) कल्पना मनकी तरग

तरगी वि० तरगी मौजी (२) कल्पनाएँ करनेवाला

तराई स्त्री० तराई

तराड स्त्री० दरार, चीरा

तराणा, तरानो पु० तराना

तराप स्त्री० छलांग (२) झपट झपट्टा

तरापो पु० लट्ठा और बाँसके टट्टर या पीपोसे बनाई हुई नाव बेडा

तरियो पु० चावलमें रहा हुआ धान तुषयुक्त चावल

तरियो पु० एक दिनके अतरसे आनवाला ज्वर अँतरा ज्वर (२) चौथे दिन आनवाला ज्वर, चौथिया

तरीके अ० –के अनुसार, तरह –की हैसियतसे –के तौर पर

तरीको पु० रास्ता उपाय (२) रीत तरीका [तरह तौर

तरेह स्त्री० प्रकार तरह (२) भाँति

तरेहवार वि० तरह-तरहका भाँति भाँतिका (२) विचित्र

तल पु० तिल, तिल्ली (२) तिलके आकारका शरीर परका काला दाग़ तिल

तलप स्त्री० तल्ब, चाह (२) कुदान छलांग। [–आववी = चाह होना]

तलपवु अ०क्रि० ज़ोरसे कूदना (२) तडपना तल्फना

तलपापड वि० आतुर अधीर बेसब्र

तलपूर वि० तिलके जितना (२) तिलभर थोडासा भी

तलब स्त्री० तल्ब उत्कट इच्छा

तलभार, तलमात्र वि० तिलके जितना, तिलभर थोडासा भी

तलवारनी धार पर रहेवु = पूर्ण सतकता या सावधानीसे बरतना

तलसर्व न० तेलहन काटनके बाद खेतमें रहा हुआ डठल तिल्ली

तलसवु अ०क्रि० अति आतुर होना, बेचन रहना तरसना

तलसाट पु० आतुरता छटपटी

तलसांकळी स्त्री० तिलपपडी तिलशकरी

तलाक स्त्री० विवाह सबधका विच्छद, तलाक

तलाटी पु० पटवारी

तलाव न० तालाब

तलावडी स्त्री० **तलावडुं** न० तलया

तली स्त्री० छोटे तिल तिल्ली

तलो पु० पगडीके सिरे परका तुर्रा शमला

तल्लाक स्त्री० देखिये तलाक'

तवगर वि० पसेवाला मालदार

तवाई स्त्री० कमबख्ती आफत तबाही (२) ताकीद चेतावनी धमकी

तवारीख स्त्री० इतिहास, तवारीख

तवी स्त्री० लाहेका छोटा तवा

तवेथो पु० रसोईमें ऊपर-नीचे करनकी लोहे पीतल या काठकी चपटी कलछी पलटा

तवो पुं० रोटी सेंकनका लोहेका गोल पत्तर, तवा (२) चिलमके छेद पर

रखनेकी गोल चपटी ठीकरी, तवा। [तवा जेवुं = बिलकुल साफ (२) धनसे खाली हुआ तबाह]
तसतसवु अ०क्रि० खिचना, तनना, कसना
तसु पु० स्त्री० एक इच जितनी माप, तसू। [-मोय न सूझवी = दिमागमें या ध्यानमें न आना अकुलाना, कुछ न सूझना घबडाना]
तस्दी स्त्री० मेहनत, तसदीह [प]
तहकु(-कू)ब वि० स्थगित, मुल्तवी
तहकूबी स्त्री० रोक, मौकूफी, तवक्कुफ
तहनामु न० सधिपत्र, सुलहनामा
तहसील स्त्री०, न० लगान, माल गुजारी (२) जिलेका वह भाग जो तहसीलदारके अधीन रहता है, तहसील
तहसीलदार पु० तहसील्दार
तहीं अ० वहाँ, उधर
तहेनात स्त्री० सेवा करनेके लिए उपस्थिति, हाजिरबाशी, हुजूर (२) सेवा-टहल, तावेदारी
तहेवार पु० त्योहार, त्यौहार पव
तहोमत न० तोहमत मिथ्या आरोप। [-आववु = लाछन लगना]
तहोमतदार वि० अपराधी, मुलजिम
तहोमतनामु न० आरोपपत्र
तळ न० निचला भाग, तल (२) तला पेंदा तल (३) सतह तल (४) मूल (५) बुनियाद (६) जन्मस्थान
तळपद न० गाँवकी जमीन (२) असल-मूल जगह (३) समतल भूमि (४) पूरे लगानवाली-खालसा जमीन
तळपदु वि० स्थानिक (२) देशज, ग्रामीण
तळवुं स० क्रि० तलना [गद्दा
तळाई स्त्री० बहुत रुई भरा बिछौना,
तळाव न०, (०डी) स्त्री०, (०ड़ु) न० देखिये 'तलाव' आदि
तळांसवु (०) स० क्रि० धीरे धीरे पाँव दबाना (२) चप्पी करना
तळियाझाटक अ० सवथा नष्ट, तहस-नहस, नेस्त नाबूद
तळियु न० बिलकुल नीचेका हिस्सा, तह तल (२) पैरका नीचेका भाग, तल्वा
तळी स्त्री० सुखतला
तळे अ० नीचे, तले
तळेउपर अ० ऊँचा-नीचा, तले या ऊपर (२) अधीर, बेसब्र [ला]
तळेटी स्त्री० तलहटी
तग वि० कसा हुआ, तग (२) तना हुआ, खीचा हुआ (३) तगदस्त (पसा) (४) कायर, दिक या परेशान, तग आना (५) पु० जीन कसनेकी पेटी तग [ऊँची सुथनी
तगडी स्त्री० टाँग टँगडी (२) उटँग-
तगाश स्त्री० कमी तगी
तगी स्त्री० कमी न्यूनता तगी
तत पु० तार, ततु (२) किसी घटना या बातकी परपरा सिलसिला (३) चर्चा वाद विवाद (४) पीछा (छोडना) (५) हठ, जिद
तत्री पु० तत्र चलानेवाला, अधिपति (२) वतमानपत्रका सपादक (३) स्त्री० ततुवाद्यका तार, तत्री (४) धनुषकी डोरी; पनच (५) एक ततुवाद्य
तदुरस्त वि० तदुरुस्त, नीरोग, स्वस्थ
तदुरस्ती स्त्री० तदुरुस्ती, स्वास्थ्य, सेहत
तबाकु(-कू) स्त्री० देखिये 'तमाकु'
तबु(-बू) पु० तबू खेमा
तंबूरो पु० तबूरा

तबोळ पु० (नागरवेलका) पान, ताबूल (२) पानका बीडा या बीडी (३) गहरा लाल रग (४) गलेका एक रोग

तबोळी पु० तबोली तमोली

ता प० एक वागज ताव

ताक स्त्री० निशाना लक्ष्य (२) घात, ताक

ताकडो पु० ताक लाग मौका

ताकणियु वि० बाँधा हुआ निशाना गिरानेवाला

ताकवु स०क्रि० स्थिर दृष्टिसे देखना ताकना (२) निशाना बाँधना (३) चाहना ताकना

ताकात स्त्री० ताकत मकदूर

ताकीद स्त्री० जल्दी (२) फरमान, आज्ञा तुरत करनेकी जरूरत (३) चेतावनी, धमकी ताकीद। [–करवी =जल्दी करना। –आपवी=चेतावनी देना चेताना]

ताकुं न० ताक आला ताख्ता

ताकेडु वि० देखिये ताकणियु

ताको पु० (कपडेका) थान

ताकोडी वि० देखिये ताकणियु

ताग पु० थाह अत निबटारा तोड। [–काढवो, लेवो=गहराई नापना (२) थाह लेना, अदाजा लगाना]

तागडधिन्ना पु०ब०व० ऐशोआराम

तागडो पु० तागा धागा

तागवु अ०क्रि० थाह लेना माप निकालना (२) निबटना पूरा करना पार लगाना

ताछु न० देखिये तासु

ताजगी स्त्री० ताजापन (२) स्फूर्ति ताजगी (३) तदुरुस्ती

ताजवु न० देखिये त्राजवु'

ताजा कलम स्त्री० (सक्षिप्त ता०क०') लिख चुकनेके बाद और जोडा हुआ, पुनश्च

ताजियो पु० ताजिया

ताजुब वि० अचरज भरा, दग

ताजुबी स्त्री० ताज्जुब अचरज

ताजु वि० नया ताजा हरा (२) थकान दूर होकर स्फूर्तिमें आया हुआ (३) मालदार, तर

ताजूडी स्त्री० देखिये त्राजूडी

ताजेतर वि० तुरतका, तरोताजा

ताट पु० थाल जिसका किनारा बाहर मुडा हुआ हो बडा तश्त

ताट न० सनका मोटा कपडा टाट

ताटी स्त्री० बाँसकी फट्टियोंका परदा, चिक [या परदा टट्टर

ताटु न० बाँस या घासकी चटाई, पल्ला

ताड पु० ताड (पेड)

ताडगोळ पु० खजूर या ताडके रस–नीरेसे बनाया हुआ गुड ताडगुड

ताडछ(–पत्र) न० ताडका पत्ता ताडपत्र

ताडपत्री स्त्री० ताडकी पत्तियोंका छाजन (२) एक प्रकारका कपडा, तिरपाल

ताडी स्त्री० ताडी (ताड–खजूरका रस)

ताडूकवु अ० क्रि० गरजना जोरसे कडककर बोलना तडकना

ताडूको पु० जोरसे कडककर बोलनेकी आवाज गरज

ताडो पु० सूजनके कारण चमडीके तननेसे होनेवाली पीडा चरचराहट

ताण(ण) स्त्री० नसाका तनाव (२) तगी कमी (३) आग्रह

ताण न० पानीके बहावका जोर, खिंचाव

ताणवु स०क्रि० तानना, खींचना (२) घसीटना (३) लबा हो इस प्रकार

खीचना, लबाईके बल फैलाना (४) तरफदारी करना, उदा० 'कोईनु ताणवु ।[ताणीने=ऊँची आवाज़से, ज़ोरसे (२) *आग्रहपूर्वक । ताणी लाववु* =आग्रहपूर्वक खीच लाना (२) बगर हक़के उठा लाना (३) ज़बरदस्ती खीच लाना]

ताणताण (–णा), **ताणाताण** (ण,) स्त्री० खीच-तान खाचा-खीची

ताणी स्त्री० देखिये 'ताणो

ताणीतू(–सो)ाणी (ॅने, –सी, –सोने) अ० खूब खीच खाचकर मुसीबतसे

ताणु(–णु) वि० तिरानबे ९३

ताणो पु० बुननेके लिए लबाईके बल *फैलाया हुआ सूत, ताना*

तातु वि० बहुत तपा हुआ, गरम (२) कठोर स्वभावका, सरगम (३) तुरत-का ताज़ा

तान स्त्री०, न० तान (सगीतमें) (२) धुन लगन (३) तूफ़ान शरारत

तानपूरो पु० तानपूरा [(२) क्रोध

तानो पु० ताना व्यग्यपूर्ण चुटीली बात

ताप पु० सूर्यकी गरमी धूप (२) गरमी आच, ताप (३) बुखार, ताप (४) सख्ती (५) धाक, रुआब (६) सताप, दुख

तापडु न० सनका मोटा कपडा

तापणी स्त्री० (–णु) न० शरीर गरमानेके लिए धाम फूस आग्निकी जलाई हुई आग अलाव [तप करना

तापवु अ०क्रि० तापना (२) स०क्रि०

तापोटो पु० **तापोडियु** न० सख्त धूप, घाम (२) गरमीसे होनेवाला फोडा

ताबोटो पु० देखिये 'टाबोटो

ताबेदार वि० ताबेदार आज्ञाकित

ताबेदारी स्त्री० ताबेदारी, हुक्मबरदारी

ताबे अ० ताबे, अधीन, मातहत

ताबूत पु०, म० मुरदा ले जानेका *सदूक, जनाज़ा, ताबूत (२) बावला* या मढ जैसा व्यक्ति, बौडम

ताबडतोब अ० ताबडतोड, तुरत ही

तामडी स्त्री० देखिये 'तावडी'

तामडो पु० देखिये 'तावडो'

तायफो पु० टोली, समूह मडली (२) गाने-बजाने और नाचनेका धाम करनेवाली नर्तकी, रामजनी या वेश्याकी मडली तायफा

तार वि० तार, उच्च तीव्र (स्वर)

तार पु० तार, ततु तागा रेशा, सूत (२) धातुको पीटकर या खींचकर बनाया हुआ गोल तार, तार (३) [ला] तार द्वारा भेजी हुई खबर तार (४) तल्लीनता। [**–छोडवो, ठोकवो**=एकदम तार खटखटाना। *–मळवो*=तार द्वारा सदेशा मिलना (२) बनत या मेल होना ऐक्य होना]

तारऑफिस स्त्री० तारघर

तारकस पु० तार खीचनेवाला, तारकश

तारकसब पु० सोने चाँदीके तार, कलाबत्तू, ज़री

तारण न० पार करना तारना उद्धार करना (२) भावार्थ, सार (३) कर्ज लेते समय माल या रोकडके रूपमें रखी जानेवाली धरोहर जमानत (४) तरल पदार्थमें चीज डुबाकर निकाल लेनेके बाद पडा रहनेवाला तरल पदार्थ

तारवणी स्त्री० (हिसाबमें) जमा-उधार या खातावार हिसाब **तैयार करना**

तारववुं स०क्रि० दबी हुई चीजका खीचकर ऊपर उठाना (२) ऊपर ऊपरसे ले लेना (३) किसी चीजको फैलाकर *पानीमेंसे निकालना, बारना* (४) जमा और उधारके आँकडे खाताके हिसाबसे तय करना (५) नफा या टोटा निकालना, व्याज-बट्टा निकालना

तारवु स०क्रि० तारना, डूबतेको बचाना

ताराज वि० तहसनहस, बरबाद, चौपट

तारीख स्त्री० तारीख, तिथि मिती। [**–नांखवी** = तारीख डालना। **–पडवी** = मुक़दमेकी तारीख निश्चित होना, तारीख पडना] [नोंध

तारीज स्त्री० जमा उधारकी सक्षिप्त

तारो पु० तारा, सितारा (२) आँखकी पुतली तारा

तारो पु० होशियार तराक, तैराक

ताल पु० ताल (सगीतका) (२) मज़ा रग (३) लाग मौका (४) झाँझ, कास्यताल। [**–आववो** = मज़ा या रग आना (२) मौका आना। **–करवो** = गत बनाना, भद करना (२) आनदका आयोजन करना]

ताल स्त्री० सिरका गजापन गज। [**–पडवी** = सिर गजा होना (२) खूब दुख कष्ट झेलना] [चदिया

तालकी स्त्री० सिरका मध्य भाग

तालकु न० सिरका बीचका और सबसे ऊपरका भाग खापडी चदिया

तालमेल स्त्री० ताल मेल टीप-टाप (२) बाहरी तडक भडक [तालमेल

तालमेळ पु० तालो–स्वरोका मेल

तालावेली स्त्री० चटपटी, जल्दबाज़ी

तालीम स्त्री० तालीम (२) व्यायाम शिक्षा (३) अनुशासन

तालीमबद्ध वि० तालीमयाफ्ता, शिक्षा युक्त [(२) धूत

तालीमबाज वि० कसरती, व्यायामी

तालुको पु० तालुका, तहसील

तालु न० अँगियामें लगाया जानेवाला कलाबतूका टुकडा

तालेवर, तालेवत, तालेवान वि० तालेवर भाग्यशाली (२) माल्दार

ताव पु० एक कागज ताव

ताव पु० ताप बुखार

ताव पु० अहकारकी धाक (मूँछा पर) ताव। [**–देवो** = रोब या गर्वमें मूछो पर हाथ फेरना अकडना]

तावडी स्त्री० छिछली कडाही, ताई

तावडो पु० कडाह कडाहा

तावण(–णी) स्त्री० तपानेकी या कड-कडाकर शुद्ध करनेकी क्रिया (२) कसौटी [ला]

तावलु वि० जिसे बुखार चढ़ा हो

तावनु स०क्रि० शुद्ध करनेके लिए खूब तपाना ताना (२) गलाना, पिघलाना (३) कसना, ताना [ला]

तावीज न० तावीज, जत्र

तावेयो पु० देखिये तवेयो

तासक स्त्री० तश्तरी रकाबी

तासीर स्त्री० गुण, असर तासीर (२) रूप आकार

तासीरो पु० मौका मज़ा रग तमाशा

तासु न० ताशा तासा [मजीरा

ताळ पु०, स्त्री० झाँझ करताल

ताळवु न० तालु (२) खोपडी, चँदिया

ताळाकूची स्त्री० ताला और कुजी

ताळाबधी स्त्री० वह स्थिति जिसमें कारखानेका मालिक ताला लगाकर मजदूरोंको काम करनेसे रोके, तालाबदी

ताळी स्त्री० हथेलियोका परस्पर आघात, ताली (२) ताल (सगीतमें)। [**–आपवी** = समति या हर्ष सूचित करनेके लिए अ यकी हथेली पर हथेली मारना (२) कौल देना (३) सगीतमें ताल देना। **–पडवी** = (अभिनदन या हर्ष जतानेके लिए) तालियाँ बजाना (२) भद होना, ताली बज जाना]

ताळु न० ताला, कुफल। [**–देवावु** = ताला लगना, बद होना (२) नि सतान मर जाना घरका बेचिराग़ होना (३) बुरा हाल होना, उजडना, नसीब टेढा होना]

ताळो पु० मिलता-जुलता या अपनी जगह पर ठीक बैठता होनेका भाव (२) हिसाबके सही ग़लत होनेकी जाँच, काँटा

तांत (०) स्त्री० चिकने पदार्थका ततु चिकना ततु (२) आँतोकी बटकर बनाई हुई डोरी, तात

तांतणो (०) पु० ततु तार डोरा

तांदळजो (०) पु० चौलाई

तांदळा (०) पु० ब०व० कँगनी, सावाँ, कोदो आदिका कूटकर निकाले हुए दाने

तांबडी (०) स्त्री० छोटा बटला बटलोई

तांबडो पु० पानी भरनेका बडा बरतन, बटला

तांबाकूडी स्त्री० स्नानका पानी रखनेके लिए काममें आनेवाला गोल गहरा बरतन जिसके दोनो ओर कुडे रहते हैं, कोपर, ताम्रकुड

तांबु (०) न० ताँबा

तांसळी (०) स्त्री० छोटा तसला, तसली

तांसळु (०) न० तसला

तिक्कड पु० मोटी रोटी, टिक्कड

तिजोरी स्त्री० तिजोरी [नादान

तितालियु, तिताली वि० बेअदब, उद्धत,

तिलक न० तिलक, टीका

तिसमारखाँ वि० तीखे स्वभावका, गरम-मिज़ाज (२) शेख़ीखोर (३) पुं० शेख़ीखोर आदमी [गँती

तीकम पु० ज़मीन खोदनेका औज़ार,

तीखाट पु० चरपराहट, तीखापन (स्वादका) (२) स्वभावकी उग्रता [ला]

तीखाश स्त्री० तीखापन

तीखा न०ब०व० लाल मिर्च, मिरचा (२) काली मिर्च

तीखु वि० तीखा, चरपरा (२) पानीदार, तेज़ (३) उग्र, मिज़ाजी (४) न० फ़ौलाद। [**–मरियु, मरी** = उग्र प्रकृतिका, गरममिज़ाज]

तीखुतमतमु वि० तीखा मिर्च, तीता

तीज तीजु देखिये 'त्रीज', 'त्रीजु'

तीड न० टिड्डी

तीणु वि० पना, तीक्ष्ण (२) तेज़ नोक-वाला तीक्ष्ण (३) कुछ ऊँचा मगर तीव्र (स्वर)

तीतीघोडो पु० एक परदार कीडा, टिड्डा

तीरछु वि० तिरछा, कतराता हुआ, टेढा

तीरो स्त्री० तिक्की, तिग्गी

तीस वि० तीस, ३०

तुक्मरियां न०ब०व० एक औषधि

तुक्को पु० लतीफा चुटकुला (२) मनकी तरग, मौज (३) बिना फलका बाण तुक्का। [**–ऊठवो** = मनमें यका यक कोई धुन सवार होना, लहर आ जाना]

तुच्छकार पु० अनादर, तिरस्कार
तुच्छकारवु स०क्रि० दुतकारना
तुणाई स्त्री० रफू करनेका काम या उसकी उजरत (२) तुनाई, तूमाई (रुईकी) [थक रूप तुमाना
तुणाववु स०क्रि०'तूणवु' क्रियाका प्रेरणा
तुणियाट पु० देखिये 'तुनियाट'
तुनाई स्त्री० देखिये तुणाई
तुनाववु स०क्रि० देखिये 'तुणाववु'
तुनावु अ०क्रि० 'तूणवु'का कर्मणि रूप
तुनियाट पु० रफूगर (२) तूमनेवाला (रुईका) (३) किसानी (४) तुच्छ मनुष्य हेच-पोच [ला] [घमड
तुमाखी वि० मिजाजी घमडी (२) स्त्री०
तुमार पु० दो पक्षोके बीचमें लबा पत्र व्यवहार कागजी का वाई मिसिल तूमार
तुमारी वि० लबे पत्रव्यवहारसे सबद्ध
तुरत अ० तुरत झट तुरत
तुरग न० कैदखाना जेल
तुराई स्त्री० तुरही शहनाई
तुराई स्त्री० बुना हुआ कपडा लपेटनेका जुलाहेका एक औजार तूर
तुरि(–री) स्त्री० जुलाहोकी कूच या बानेका सूत तानमें भरनेका औजार, तुरी भरनी [थावला
तुलसीक्यारो पु० तुलसीका थाला या
तुलसीपत्र न० तुलसीपत्र (२) निर्णायक मत वास्ताग वाट
तुव(–वे)र स्त्री० तूर अरहर, तुवर (२) उसका पौधा
तुळसी स्त्री० तुलसी (पौधा)
तुळसीक्यारो, तुळसीपत्र देखिये तुलसीक्यारो, तुलसीपत्र
तु स० तू

तुकार पु० देखिये तुकारो
तुकारवु स०क्रि० तुकारना
तुकारो पु० तुकार (अनिष्ट सबोधन)
तुंगु वि० मोटा स्थूल पुष्ट (२) न० हलक्कुद् (३) फूला हुआ पेट (४) चिढसे फूला हुआ मुह [ला]
तुड वि० तेज, मिजाजी उद्धत
तुडमिजाज पु० गरम मिजाज
तुडमिजाजी वि० गरम मिजाजवाला घमडी
तुंतां न०ब०व० तू-तू करना तुकारना
तुद, (०मिजाज) (०मिजाजी) देखिये तुड आदि
तुवडी स्त्री० एक बेल तूबी (२) तुमडी तूबा। [–झालवी = भिक्षुक बनना]
तुंबडु न० तूंबा (फल) तुमडा, तुबा (२) इस फलको खोखला बनाकर बनाया हुआ पात्र तूबा तुमडी (३) सिर मुड (तिरस्कारमें) [ला]
तूक स्त्री० कविताकी अमुक पक्तियोका समूह तुक पद्याश
तूट स्त्री० टूटना अवरोध (२) सबध न रहना अनबन विरोध (३) तगी कमी
तूटक वि० अलग हो गया हुआ बिछुडा हुआ (२) खडित अपूर्ण (३) अ० अलग-अलग पृथक
तूटफाट स्त्री० फूट अनबन (२) दरार
तूटवु अ०क्रि० टूटना खडित होना (२) सबध छूटना भग होना (मैत्री सगाई आदि) (३) दिवाला निकलना (४) भगदड मचना पलायन होना। [तूटी पडवु = (किसी काम में) जोरोसे और निश्चयपूर्वक लग जाना, जुट जाना]

तूटफूटयु वि० टूटा-फूटा, साधारण, निकम्मा [(रुई)
तूणवु स०क्रि० रफू करना (२) तूमना
तूत न० बनावटी बात गढत, झूठ गप (२) साजिश, जाल (३) चेष्टा, नखरा, चोचला
तूतक स्त्री०, न० जहाजकी पाटन, डेक
तूतेतूत न० झूठी और मनगढत बातोंकी परम्परा, गप ही गप (२) कोरी गप
तूनवु स०क्रि० देखिये 'तूणवु'
तूमडी,(–डु) देखिय 'तुबडी,' 'तुबडु'
तूर न०,स्त्री० आक, सेमल आदिकी ढेंढीसे निकलनेवाली रुई (२) स्त्री० शहनाई तुरही (३) न० एक वाद्य (आदिवासियोंका)
तूराट पु० कसैलापन
तूरियु न० एक साग तोरी तोरई
तूरी स्त्री० तुरा, तुरही (२) जुलाहाकी कूची तुरी
तूरु वि० कसैला, तुवर
तूल न० खडी फसल (२) रुई तूल
तूवर स्त्री० देखिये 'तुवर'
तूबडो(–डु) देखिये 'तुबडी,' 'तुबडु'
ते स० वह (२) वि० वह
तेख(०ड) स्त्री० खाज तलाश (२) तनदेही हिफाजत (३) करकसर किफायतशारी (४) देखिये तेखडु
तेखडु न० तीनकी टोली या समूह (२) तीन व्यक्तियोंका आपसमें अपनी अपनी कन्याओंका एवज या बदला
तेज वि० तज तीक्ष्ण, पैनी धारका (२) उग्र, तीखा गरममिजाज (३) फुरतीला तेज
तेज न० प्रकाश तेज (२) प्रभाव, सामर्थ्य (३) पचमहाभूतोंमें अग्नि तत्त्व, तेज। [–पडवु=प्रकाश पडना, चमकना (२) प्रभावमें दबना। –मारवु = प्रकाशित होना, चमकना (२) राब जमना]
तेजानो पु० दारचीनी, लौंग धनिया, मिर्च आदि सामग्री, मसाला
तेजाब पु० तेजाब, अम्ल, एसिड
तेजी स्त्री० तेजस्विता, चमक (२) मूल्यका बढना तेजी, महँगी (३) हौसला, स्फूर्ति, उत्साह (४) उन्नति आबादी (५) पु० घोडा (६) वि० तेज फुरतीला [तेजी-मदी
तेजीमदी स्त्री० मूल्यका चढाव उतार,
तेजोलु वि० तेज, फुरतीला
तेटलु वि० उतना
तेटले अ० उस मात्रामें, उतनेमें (२) उस समय जगह या अतर पर (३) उतनेसे
तेटलामा अ० उतने समयमें उस बीचमे दरमियान [तरफ, ओर
तेड (तेंड) स्त्री० तट किनारा (२)
तेडवु स०क्रि० निमंत्रित करना, न्योतना (२) (बालकको) कधे पर या कमरमें बिठाना। [तेडी जवु = साथ ले चलना]
तेडागर वि० कधे पर (बालकको) बिठाकर लानेवाला (२) घर घर जाकर न्योता देनेवाला
तेडाववु स०क्रि० 'तेडवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप (२) निमत्रण या न्योता देना न्योतना
तेडु न० न्योता निमत्रण, बुलावा
तेणी (तें) स० 'वह' का स्त्रीलिंगका रूप
तेणीगम (तें) अ० उस ओर
तेतर पु० तीतर [तीस'
तेताळी(–ळी)स(तें) वि० देखिये 'तैंता-
तेत्रीस वि० तैंतीस, तेतीस, ततीस, ३३

तेथी(०करीने) अ० इसलिए, इससे, अत
तेपन(तें) वि० तिरपन, ५३
तेम (तें) अ० उस प्रकार, वसे, तसे
तेर वि० तेरह, १३
तेरमुं वि० तेरहवाँ (२) न० मृत्युके बादका तेरहवाँ दिन या उस दिन होनेवाला भोज, तेरही
तेरश(–स) स्त्री० तेरहवीं तिथि तेरस
तेरीख स्त्री० ब्याज गिननेका–लगानेका दिन (२) ब्याजकी दर
तेरीज स्त्री० देखिये 'तारीज'
तेल न० तेल (२) वह तेल जिसपर कोई सत्त्व तयार किया जाय, सत्त्वका माद्दा (३) बहुत श्रमसे थकना, दम [ला]। [–काढवु=कचूमर निकालना, थका देना। –जोवु, तेलनी धार जोवी=पूरी चौकसी करना। –नीकळवु=कचूमर निकलना, थक कर चूर होना। –रेडावु=कलेजा काँपना(२)कलेजे पर साँप लोटना, डाह होना]
तेलियु वि० तेलिया तेल्युक्त
तेली वि० तेलिया तेल्युक्त, तेलहा (२) पु० तली (३) एक अल्ल
तेलीबियाँ न०ब०व० तेलहन
तेवडु वि० उतना
तेवीस वि० तेईस, २३
तेवुं (तें) वि० वैसा, तमा
तेवे (तें)अ० उस समय तब
तेसठ (तें) वि० तिरसठ ६३
तेंताली(–ळी)स (तें०) वि० तेतालीस, तेंतालीस, ४३
तेंसठ(तें०)वि० देखिये 'तेसठ' [सज्ज
तयार वि० तैयार(२)उद्यत, आमादा
तयारी स्त्री० तयारी, तत्परता, मुस्तैदी
तो अ० तो, अगर, यदि, उदा० 'जो आवशो तो जईशु' (२) फिर भी उदा० 'तु नहीं आवे तोपण हु जईश'
तो अ० किसी शब्द पर जोर देनेके लिए इसका प्रयोग किया जाता है, तो, तब, उदा० 'तो तु जा', 'बेस तो खरो'
तोछडाई स्त्री० बेअदबी, गुस्ताखी, उजड्डपन
तोछडु वि० असभ्य, गुस्ताख उद्धत (२) उटंग, ओछा (कपडा), कम
तोटो पु० टोटा कमी, नुकसान
तोड स्त्री० पिंडलीमें होनेवाली पीडा
तोड पु० निकाल, फसला हल
तोडजोड स्त्री० समझौता, समाधान
तोडफोड स्त्री० तोडना और फोडना, तोड फोड
तोडवु स०क्रि० तोडना, जुडे, सटे या लगे हुएको आघात झटका या दबावसे अलग करना (२) चुनना, चुनकर अलग रखना उतारना(फूल, कली) (३) खडित करना तोडना (हाथ, बाँच) (४) अलग दो हिस्से करना, टुकडे करना (बाल, डारा) (५) भग करना तोडना (वचन)
तोडो पु० परमें पहननेका साँकडा, तोडा
तोडो पु० पूनी कातते समय निकलनेवाला थक्का
तोडो पु० टोडा (२) मीनार कँगूरा (३) बावडीके ऊपरकी दीवार(४) कच्चा ताडा हुआ फल (आम, कप आदि)
तोतडावु अ०क्रि० तुतलाना, हकलाना
तोतडु वि० तोतला, हकला
तोतिंग वि० भारी विशाल भीमकाय

तोतेर (तों) वि० तिहत्तर, ७३
तोप स्त्री० तोप (२) बडी गप [ला]
तोपगोळो पु० तोपका गोला, गोला (२) बडी गप [ला] [गप्पी [ला]
तोपची पु० गोलदाज, तोपची (२)
तोपण (तों) अ० फिर भी, तथापि, बावजूद [मारपीट
तोफान न० तूफ़ान, मस्ती (२) लड़ाई,
तोफानी वि० ऊधमी, तूफानी
तोबरो पु० तोबडा, घोडेको दाना खिलानेकी चमडेकी थैली (२) रीसके मारे फूला हुआ मुह [ला]
तोबा अ० (२) स्त्री० 'अति हो गई' ऐसा भय दिखानेवाला त्रास या उकता जानेका उद्गार तोबा
तोर (तों) पु० मिजाज, अहंकार
तोर (तों) स्त्री० दूध या दहीके ऊपर-की मलाईकी परत, मलाई, बालाई
तोरण न० मुख्य दरवाजा या द्वार, मेहराबदार द्वार, तोरण (२) वदन-वार, तोरण
तोरी (तों) वि० मिजाजी (२) स्त्री० मिजाज, गरमी (३) रीस, झुंझलाहट
तोरो पु० टोपी या पगडीका फुंदना, तुर्रा (२) पगडीका कलाबत्तूवाला छोर खिल्ला (३) बंधे हुए फूलोंका गुच्छा, तुरी, गुलदस्ता
तोल पु०, न० तौल, तोल, वजन, जोख (२) तौलनेके काम आनेवाले साधन बाट (३) [ला] कीमत क़द्र (४) प्रतिष्ठा, वजन
तोलकुं (तों) न० सिर, खोपडी
तोलडी स्त्री० पकानेका मिट्टीका पात्र हांडी (२) मुर्देके साथ स्मशानमें ली जानेवाली आगभरी हांडी
तोलवुं स०क्रि० देखिये 'तोळवुं
तोलाट पुं० तौलनेवाला, तौला
तोलुं न० दस सेरकी तौल, दस सेर वजन
तोलुं (तों) न० सिर
तोले अ० तुलनामें, बराबर
तोलो पु० एक रुपयाभर वजन, तोला
तोस्तान न० बहुत बडी चीज या भारी घटना
तोळवुं स० क्रि० वजन करना, तौलना
तोळाट पु० देखिये 'तोलाट'
तोंतेर वि० देखिये 'तोतेर'
त्यजवुं स०क्रि० तजना, छोडना त्यागना
त्यागवुं स०क्रि० देखिये 'त्यजवुं'
त्यारे अ० तब (२) तो फिर उस स्थितिमें
त्याशी(–सी) वि० तिरासी तिराशी, ८३
त्यां (ं) अ० वहां, तहां (२) उस परिस्थितिमें
त्रण वि० तीन, ३
त्रमणुं वि० तिगुना, तीन गुना
त्राक स्त्री० तकुआ, तकला
त्रागडो पु० तागा, सूत (२) उपनयन (३) बट देनेकी फिरकी, घिरनी
त्रागुं न० धरना (२) हठ, जिद
त्राजवुं न० देखिये 'त्राजूडुं
त्राजूडुं न० तराजू (२) गोदना
त्राटकवुं अ०क्रि० धावा बोलना, छापा मारना
त्राड (त्रा') स्त्री० जोरकी चीख, दहाड़
त्राणुं(–णु) वि० तिरानवे, ९३
त्रापो पु० देखिये 'तरापो'
त्रास पु० त्रास, जुल्म (२) सताना, परेशानी ऊब (३) कंपकंपी (४) धाक डर [होना (२) डरना
त्रासवुं अ०क्रि० उकता जाना, हैरान
त्राहित वि० अजनबी (२) तटस्थ, उदासीन (३) पुं० तिसरेत

त्रांबु न० देखिये 'तांबु
त्रासु वि० टेढा तिरछा
त्रिफला(-ळा) स्त्री० आँवला, हड और बहेड़ेका चूर्ण, त्रिफलाचूर्ण
त्रिभेटो पु० तिमुहानी तिराहा
त्रिरंगी वि० तिरंगा (२) पु० सफेद, हरा और केसरिया ऐसे तीन रंगोंवाला राष्ट्रध्वज [अरबा
त्रिराशि स्त्री० त्रराशिक, अनुपात,
त्रीज स्त्री० पक्षकी तीसरी तिथि तीज
त्रीजुं वि० तीसरा
त्रीस(-स) वि० देखिये 'तीस' [[प]
त्रूठवुं अ०क्रि० प्रसन्न-तुष्ट होना तूठना
त्रेखड स्त्री० (२) न० देखिये 'तेखड'
त्रेपन(त्रें) वि० तिरपन, ५३
त्रेवड स्त्री० किफायत मितव्ययिता (२) इंतज़ाम
त्रेवीस(-स) वि० देखिये 'तेवीस'
त्रेसठ(त्रें) वि० देखिये तेसठ
त्रोफवुं स०क्रि० गोदना (शरीर पर)

थ

थ पु० 'त वर्गका – दंतस्थानीय दूसरा व्यंजन
थई अ०क्रि० (थवुं क्रियाका भूत कालीन स्त्रीवाचक रूप) हुई, बनी रची गई, घटी आदि (२) अ०–से द्वारा, होकर –मेंसे गुजरकर। [–चूकवुं = खतम होना हो चुकना। –रहेवुं = पूरा हो जाना, हो चुकना (२) अंत फैसला या निबटारा होना, हो जाना] [द्वारा होकर
थईने अ० बनकर, होकर (२)–से,
थकववुं स०क्रि० थाकवुं की प्रेरणा थक क्रिया थकाना
थकी अ० देखिये थी
थकु अ०–के कारण के द्वारा
थड न० (पेड़का) तना (२) [ला] वंशवृक्ष कुरसीनामा, शिजरा (३) (कारचोबामें) प्रारम्भ नींवें मूल आधार (४) मतला (गज़ल), टेक (५) उत्पत्ति-स्थान
थडक स्त्री० डर धड़कन कंपन (२) बोलते बोलते जीभका रुकना, हकलाहट
थडकवुं अ०क्रि० रुक-रुककर उच्चारण करना, हकलाना (२)धड़कना, भयसे काँपना
थडकाट पु० धड़कन भय(२)हकलाहट
थडकार(-रो) पु० थड' की आवाज़ (२) बोलते समय अक्षरोंपर पड़नेवाला दबाव
थडको पु० थड की आवाज़ (२) देखिये थडकार' न० २
थडमां अ० नज़दीक बगलमें
थडियुं न० (पेड़का) तना या तनेका जड़ोंके पासका हिस्सा (२) पुश्त नामेका मूल
थडी स्त्री० एकके ऊपर एक रखी गई चीजोंका ढेर गड्डी
थडुं न० देखिये थडियुं
थडो पु० दुकानका अग्रभाग
थथरडो पु० गाढा लेप
थथरवुं अ०क्रि० थरथराना(२)डरना, त्रस्त होना [ला]
थथराट पु० थरथराहट कँपकपी
थपेडवुं स०क्रि० गाढा लेपना

थपे (–प)डो पु० देखिये 'थपरडो'
थनगन (०थनगन) अ० नाचनेकी आवाज, थेई-थेई
थनगनवु अ०क्रि० थिरकना
थनगनाट पु० जोश, मस्ती, उत्साह
थनथन,(०वु),(–नाट) देखिये थनगन' आदि
थपडाक, थपाट स्त्री० थप्पड, तमाचा
थपेली स्त्री० थपक्कर बनाई हुई मोटी पूरी । [बनाई हुई चीज, आकार
थपोली स्त्री० हाथसे थापकर
थप्पड स्त्री० थप्पड,तमाचा। [–खावी =थप्पड खाना, लगना (२) मार खाना (३) घाटा होना, धोखा खाना (४) सबक मिलना,अनुभवसे अक्ल ठिकाने आना]
थप्पी स्त्री० छोटा गड्ड, गड्डी, चक्का
थप्पो पु० (साडी चोली पर लगाया जानेवाला) कलाबत्तूका गोल लपेटा हुआ फीता, ठप्पा
थयु अ० क्रि० हुआ(२)अ० बस काफी
थर पु० भूमिकी परत थर, स्तर(२) तह पपडी
थरथर अ० थरथर
थरथरवु अ०क्रि० देखिये थथरवु
थरथराटी स्त्री० थरथराहट कपकपी
थरमामिटर न० थरमामीटर ताप मानयंत्र
थवु अ०क्रि० होना बनना, निर्मित होना (२) पैदा होना, लगना होना, उदा० 'आ झाडे कशु नही थाय, झाड पर फळ थाय छे, उघरस थवी' (३) अस्तित्वमें आना समयका व्यतीत होना,गुजरना (तोल)तौलमें उतरना, होना, उदा० 'वखत थाय छे, कलाक थयो, मण शाक थयु, एक गाउ थाय' आदि (४) मनमें होना, उपजना, होना, उदा० 'मने एम थाय छे के जई आवु' (५) महसूस करना, अनुभव करना (दु ख) (६) एक स्थितिसे दूसरी स्थितिमें आना, होना, उदा० 'पाणीनी वराळ थई।' [थई चूकवु, रहेवु=देखिये 'थई' में। थई जवु=पूरा होना, समाप्त होना, हो जाना (२) स्वाभाविक रूपमें – अपने-आप या अनजानमें बनना, उदा० भूल थई गई']
थळ न० स्थान जगह, थल
थळचर वि०(२)न० थलचर, थलचारी
थभवु अ०क्रि० थमना रुकना (२) सुस्ताना
थाक पु० थकान, थकावट। [–उतारवो =थकावट दूर करना, सुस्ताना। – खावो=आराम करना]
थाकवु अ०क्रि० थकना(२)तग आना, हारना । [थका-मांदा
थाक्युपाक्यु वि० बहुत थका हुआ,
थागडथी(–थीं)गड न० मरम्मत, दुरुस्ती, कामचलाऊ उपाय [ला]
थाणदार पु० थानेदार
थाणु न० थाना, अड्डा केंद्रस्थान(२) पुलिस चौकी, थाना (३) (पेडका) थाला, आलबाल
थाणेदार पु० देखिये थाणदार'
थाबडथाबडी स्त्री० थपक्कर-सहला-कर शान्त करना (२) कोरी आशा, फुसलावा
थान न० थान (कपडा)
थान न० स्तन
थानक न० स्थान, निवासस्थान. थानक

थाप स्त्री० खुले हुए हाथके पंजेका आघात, थाप (२) भुलावा, चकमा, झाँसापट्टी (३) तबलेके बीचका काला भाग या उस पर दी हुई थपकी, थाप। [–खावी = धोखा खाना भुलावेमें पडना। –देवी, मारवी = थप्पड कसना लगाना (२) चकमा देना, छलना (३) तबले पर थाप लगाना (४) गाढ़ा लेप करना। –मारी जवु = धोखा दे जाना]

थापट स्त्री० थप्पड थाप

थापडी स्त्री० गच पीटनेका राजका औज़ार, थापी (२) देखिये थपेली' (३) थप्पड

थापण स्त्री० पूँजी, थाती (२) लीपना, लेप (३) न्यास थाती धरोहर। [–ओळववी = अमानतकी रकम खा जाना गबन]

थापवु स० क्रि० स्थापित करना थापना, कायम करना (२) गाढ़ी लिपाई करना (३) थापना, पाथना

थापो पु० चूतड नितंब (२) बँडेर पर रहनेवाला गोल खपडा नरिया (३) गीली रालीसे बनाया हुआ हाथके पंजेका छापा, थापा

थाबडवु स० क्रि० थपकना थपकी देना

थाबडी स्त्री० थपकी (२) देखिये थापडी

थावर वि० देखिये 'स्थावर

थाह पु० नदी आदिकी गहराईकी सीमा थाह तल। [–रहेवी = औचित्यकी सीमा रहना या होना, मर्यादा रहना]

थाळ पु०, स्त्री० थाल बडी थाली (२) ठाकुरजीके नैवेद्यका थाल – ठाकुरजीका प्रसाद (३) ठाकुरजीको नैवेद्य समर्पित करते समय गाया जानेवाला स्तोत्र [रेकार्ड, चूड़ी

थाळी स्त्री० थाली (२) ग्रामोफोनका

थाळु न० चक्कीका गोल घेरा जिसमें पिसकर आटा पडता है (२) मोटका पानी उंडेलनेके लिए कुँएके पास बनाया हुआ गड्ढा, छीलर, पैडी

थांभली (०) स्त्री० छोटा खभा, थूनी

थांभलो (०) पु० खभा, स्तंभ

थिजाववु स० क्रि० थीजवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप जमाना

थिजावु अ० क्रि० 'थीजवु का भावे रूप

थी – तीसरे और पाँचवें कारककी विभक्ति, से

थीगडी स्त्री० देखिये थींगडी'

थीगडु न० देखिये थींगडु

थीजवु अ० क्रि० तरल चीज़का गाढ़ा या ठोस होना जमना

थीनु वि० जमा हुआ, गाढ़ा

थींगडी स्त्री० छोटा पवन्द, थिगली थेगली [थेगली

थींगडु न० पवन्द, चकती, थिगली,

थुवेर पु० स्त्री० थूहर, थूहड, सेहुँड

थू अ० थूकनेकी आवाज़ थू

थूई स्त्री० खेलमें विराम सूचित करनेवाला उद्गार, थूथू-थक्का

थूचो पु० रेशा नि सार वस्तु थोथा, सीठी फोक (२) रेशा, तंतु

थूली स्त्री० दरदरा दला हुआ अनाज या उसकी खाद्य वस्तु, थूली दलिया

थूलु न० चोकर, चलनौस

थूवर पु० स्त्री० देखिये 'थुवेर'

थूक न० थूक (२) मुँहमें छूटनेवाली लार। [–उडाडवुं = खाली बकबक करना]

थूकदानी स्त्री० उगालदान पीकदान

थूंकवुं स० क्रि० थूकना। [थूकेलुं गळवुं, चाटवुं = वचन न पालना; थूककर चाटना]
थेई(०थेई) अ० थेई-थेई
थेईकार पु० 'थेई-थेई' ध्वनि
थेक स्त्री० ज्वार जैसी एक खाद्य चीज जो एक छोटे पौधेकी जड़में से मिलती है(२)कुदान, छलांग
थेकडो पु० चौकडी, कुदान, छलांग
थेकवु अ०क्रि० चौकड़ी भरना (२) फांदना, –को कूदकर पार करना
थेप स्त्री० गाढ़ी लिपाई या लेप
थेपडो पु० गाढी लिपाई(२)उखड़े हुए लेपकी पपड़ी(३)कुम्हारका कूंडा
थेपली स्त्री० लोंदेको हाथसे थोपकर बनाई हुई चीज या कोई आकार
थेपलुं न० देखिये 'थेपली' (२) एक खाद्य चीज [पाथना, थोपना
थेपवु स० क्रि० गाढ़ा लीपना (२)
थेपाडु न० धोती
थेली स्त्री० छोटा थैला, थली
थेलो पु० थैला(२)बोरा
थोक पु०,स्त्री० थोक, ढेर
थोकडी स्त्री० गड्डी
थोकडो पु० बडा गड्ड,ढेर
थोकबंध वि० बहुत, खूब, थोकमें
थोडाबोलु वि० कम बोलनेवाला, मितभाषी
थोडुं वि० थोडा, जरा, अल्प। [थोडा दहाडानो, थोडी घडीनो महेमान = आसन्नमरण, कुछ ही देरका मेहमान]
थोडुक वि० जरासा, तनिक, थोडासा
थोडुंघणुं वि० थोडा-बहुत, कुछ-कुछ
थोडे थोडे अ० थोडा थोडा करके, धीमे धीमे [पन, मुख-शोथ
थोथर स्त्री० मुहकी सूजन और फीका-
थोथुं न० सडा हुआ खोखला दाना (२) फटी-पुरानी या निकम्मी पोथी
थोभ पु० अटकाव, रोक, अंत
थोभवु अ० क्रि० अटकना, थमना, रुकना (२) प्रतीक्षा करना, रुकना
थोभा, थोभिया पु० ब० व० मूछके सिरोंके पास गालो पर बढ़ाये हुए बालके गुच्छे, गलमुच्छे
थोर(थॉ) पु० थूहर सेहुँड
थोरियो(थॉ) पु० थूहरका एक टुकडा
थोरी (थॉ) स्त्री० पजेदार थूहर, नाग-फनी नाग-फन
थोल(थॉ) पु० अनुकूल समय, मौका
थोलियु(थॉ) न० एक पात्र बटलोई

द

द पु० 'त' वर्गका–दंतस्थानीय तीसरा व्यंजन
दक्षिण वि० दक्षिण, दाहिना (२) स्त्री० दक्षिण दक्खिन (दिशा) (३) पु० दक्षिण देश, दक्खिन
दक्षिणगोल(–लार्ध) पु० दक्षिण-गोलार्ध, दक्षिणगोल
दक्षिणध्रुव पु० दक्षिणी ध्रुव
दक्षिणी वि० दक्षिणका, दक्षिण-संबंधी, दक्खिनी (२) पु० दक्षिण देशका निवासी, महाराष्ट्रीय, दक्षिणी (३) स्त्री० मराठी भाषा
दक्षणादुं(–णुं) वि०दक्खिनकी ओरका, दक्खिनी दक्नी (२)दाहिनी ओरका

दखणी वि० (२) पु० देखिये 'दक्षिणी'
दखमु न० वह स्थान जहाँ पारसी अपने मुर्दे रख आते हैं दखमा
दखल स्त्री० दखल, हस्तक्षेप (२) रुकावट, अड़चन, दखल
दखलगीरी स्त्री० दखल देना, हस्तक्षेप
दख्खण स्त्री० दक्षिण दिशा, दक्खिन
दगड पु० पत्थर
दगडाई स्त्री० (काममें) हरामखोरी धूर्तता
दगडाचोथ स्त्री० भादो सुदी चौथ गणेशचौथ ढेलाचौथ
दगडु न० ढेला (२) वि० दगाबाज, धूर्त
दगदगो पु० दगदगा शक, वहम
दगलबाज(–जी) देखिये दगाबाज, दगाबाजी [दगाबाजी
दगाखोर(–री) देखिये दगाबाज,
दगाबाज वि० दगाबाज़
दगाबाजी स्त्री० दगाबाज़ी धोखेबाज़ी
दगो पु० दगा छल धोखा (२) विश्वासघात। [**–देवो, रमवो** = धोखा देना (२) विश्वासघात करना]
दगोफटको पु० छल-कपट, मकर फरेब
दझाडवु स० क्रि० दाझवु क्रियाका प्रेरणार्थक रूप [डटण' आदि
दटण(०कूवो, ०खाळ ०जाजरू) देखिये
दटाववु स० क्रि० गड़वाना गड़ाना
दटावु अ० क्रि० दाटवु क्रियाका कर्मणि रूप गड़ना
दड पु० न० बारीक धूल या धूलकी मोटी तहवाली जमीन
दडदड अ० पानी गिरनेकी ध्वनि टप टप (२) टपाटप (आँसूओंका गिरना)
दडबड(०दडबड) अ० दौड़नेकी आवाज़
दडवुं न० थक्का चक्का
दडवु अ० क्रि० दौड़ना बहना (२) लुढ़कना
दडियो पु० दोना, दौना
दडी स्त्री० छोटा गेंद (२) चीथड़े लपेटकर बनाया हुआ छोटा गेंद (३) शरीरका गठन काठी, उदा० बाधी दडीनु माणस'
दडो पु० गोलाकार चीज़, पिंडा गेंद (खासकर खेलनका) [दत्तक, पालट
दत्तक पु० गोद लिया हुआ लड़का
ददडवु अ० क्रि० धाराके रूपमें गिरना
ददूडी स्त्री० छोटी धारा (गिरनेवाली)
ददूडो पु० ऊचाईसे ज़ोरसे गिरनेवाला तरल पदार्थ धारा
दन पु० दिन, रोज [रोज़ीना
दनियु न० एक रोजकी मजदूरी दिनाती
दफतर न० कामके कागज बही रजिस्टर वगरह दफ्तर (२) कार्यालय दफ्तर (३) विद्यार्थियोंकी किताबें रखनेका बस्ता जुज़दान
दफतरी वि० दफ्तरका दफ्तरसे सबद्ध (२) पु० दफ्तर लिखनेवाला या रखनेवाला
दफन न० मुरदेको गाड़ना, दफ्न
दफनाववु स० क्रि० गाड़ना दफ्नाना
दफे वि० बिखरा हुआ तितर बितर किया हुआ (२) नष्ट किया हुआ (३) तय किया हुआ निबटाया हुआ समाप्त किया हुआ। [**–करवु** = दूर करना दफ्नाना नाश करना (२) बिखेर देना तितर बितर करना]
दफे स्त्री० दफा बार बेर
दबडाववु स० क्रि० धमकाना डपटना
दबडु न० चक्का, थक्का
दबदबो पु० दबदबा ठाट-बाट रोब

दबवु अ० क्रि० देखिये 'दबावु' (२) दबना, झुकना, हार स्वीकार करना

दबाण न० दबाव (२) भार वजन (३) दाब, नियन्त्रणका असर [ला]। [–करवु = दबाना (२) आग्रह करना (३) दमन करना मात करना। –नीचे आववु = एहसानमंद होना। –लाववुं, वापरवु = दबाव डालना]

दबाववु स० क्रि० दबाना, दाबना। [दबावीने चालवु = तेज़ीसे चलना, पैर उठाना]

दबावु अ० क्रि० दबना

दबेल(–लु) वि० दबा हुआ, दबल (२) एहसानमंद, दबल, पराधीन

दम पु० दम, श्वास, सांस (२) (धूम्रपानका) कश, दम (३) *श्वासरोग, दमा (४) प्राणवायु,* जान जीव (५) [ला] सत्त्व, ताक़त, बूता, दम (६) धमकी, दम। [–आपवो = धमकाना। –ऊपडवो = दमेका हमला होना। –काढी नाखवो = खूब थका डालना (२) सताना, नाकमें दम करना। –खेंचवो = चिलमका कश लेना, दम लगाना (२) मनकी सांस लेना (३) धीरज रखना, सब्र करना चुपचाप सहन करना। –जोवो = दम या ताकतकी जांच करना, जोर-आज़माई। –देखाडवो = डर या धमकी देना डांटना। –देवो = धमकाना। –पकडवो = बाट देखना, रुकना, ठहरना। –भिडाववो = दबाना धमकाना। –मारवो = देखिये 'दम खेंचवो (२) खाली रोब जमाना]

दमडी स्त्री० पैसेका चौथा हिस्सा, दो दमडी। [–नु = कौडीका]

दमदाटी स्त्री० डांट-डपट, धमकी

दमननीति स्त्री० डरा धमकाकर वशमें करनेकी पद्धति, दमननीति

दमलु वि० दमेका रोगी, दमी

दमिय(–ये)ल वि० देखिये 'दमलु', दमी

दया स्त्री० दया; करुणा। [–खावी, लाववी = दया दिखलाकर छोड देना, तरस खाना। –डाकणने खाय = दयाके बदलेमें अपकार मिलना, एहसान फरामोशी]

दर पु० भाव, कीमत, दर (२) अ० हरएक, उदा० 'दर पेढीए'

दर न० बिल (सांप, चूहे आदिका)

दरकार स्त्री० परवाह (२) संभाल

दरखास्त स्त्री० आवेदन-पत्र, अर्ज़ी, दरख्वास्त (२) प्रस्ताव (सभा आदिमें)। [–आपवी, भरवी = कचहरीमें दरख्वास्त पेश करना। –बजाववी = डिगरीके अमलके लिए अर्ज़ी देना। –मूकवी = प्रस्ताव पेश करना]

दरगाह स्त्री० दरगाह मकबरा

दरगुजर वि० दरगुज़र, माफ किया हुआ, क्षमा किया हुआ

दरघा स्त्री० देखिये 'दरगाह

दरजी पु० दर्ज़ी, दरज़ी

दरजो(–ज्जो) पु० दर्जा, दरजा, कोटि हद, उदा० केटलेक दरज्जे, वात एटले दरज्जे गई छे (२) पद, दरजा, ओहदा

दरद न० दर्द, दु:ख, पीडा। [–बेसवु = उठी हुई पीडाका बन्द होना]

दरदागीनो पु० रुपया-पैसा और गहने

दरदी वि० दर्दी, बीमार

दरबार पुं०, स्त्री० दरबार, राजसभा, बादशाहकी कचहरी (२) पु० राजा, दरबार
दरबारगढ पु० राजाका महल, गढ़ी
दरबारी वि० दरबारी, दरबारका, दरबार-संबंधी (२) पु० राजसभामें बैठनेवाला, दरबारी
दरमायो पु० दरमाहा, मासिक वेतन
दरमियान, दरम्यान अ० दरमियान, अमुक समयके अंदर, बीचमें। [-पडवु =बीच-बचाव करना] [बचाव
दरमियानगीरी स्त्री० बिचवई, बीच
दररोज अ० रोज हररोज
दरवाजो पु० बडा द्वार या फाटक, दरवाजा। [दरवाजा उघाडा होवा = किसी प्रतिबंधका न होना, रोक न होना]
दरवान पु० दरबान, ड्योढ़ीदार
दरवानगी स्त्री० दरबानी
दराख स्त्री० द्राक्ष, दाख
दराज स्त्री० चमडीका एक रोग, दाद
दरियाई वि० समुद्रका, समुद्र-संबंधी, दरियाई (२) स्त्री० एक तरहका रेशमी कपडा, दरियाई
दरियादिल वि० दरियादिल उदार
दरियादिली स्त्री० दरियादिली उदारता
दरियाफ(-प्त) स्त्री० विवेक, विचार
दरियावदिल,(-ली) देखिये 'दरिया-दिल दरियादिली'
दरियो पु० समुद्र, दरिया (२) बहुत विस्तृत या गहराईवाली जगह, वस्तु आदि [ला]। [-खेडवो = समुद्रयात्रा करना (ब्योपार रोजगारके लिए)। -डहोळवो = लंबे-चौडे विस्तारमें परिश्रम उठाना मेहनत करना]
दरेक वि० हरएक, प्रत्येक
दरेडवु स०क्रि० बोनेके लिए धाराके रूपमें बीज डालना (२) अ० क्रि० धाराके रूपमें गिरना
दरेडो पु० धारा (गिरनेवाली)
दरो स्त्री० दूब, दूर्वा
दरोडो(-रो) पु० तेजीसे किया हुआ आक्रमण, छापा, दरेरा, धावा
दर्शन न० दर्शन, देखनेकी क्रिया (२) भक्तिभावसे देखनेकी क्रिया, दर्शन (३) देखाव, दृश्य (४) दर्शन (छ शास्त्र)
दर्शनी वि० जो सामने हो खुला, जाहिर (२) वि० स्त्री० दर्शनी हुंडी, दरसनी हुंडी
दर्शाववु स०क्रि० दिखाना दरसाना
दलवाडी पु० इंटें पकानेवाला, पथेरा
दलाल पु० दलाल, बिचवई, सौदा ठीक कर देनेवाला (२) कुटना भड़आ
दलाली स्त्री० दलालका काम, दलाली (२) दलालका पारिश्रमिक, दलाली। [-काढवी, खावी = दलाली प्राप्त करना]
दलालु न० दलालका काम, दलाली
दलील स्त्री० दलील तर्क
दलीलबाजी स्त्री० परस्पर दलीलोंका युद्ध, बहस, वाग्युद्ध
दस्तो पु० धरोहर थाती, पूंजी
दवरावबु स० क्रि० (पशुओंका) जोडा खिलाना बाहना, गाभिन कराना
दवा स्त्री० दवा औषध (२) इलाज दवा [ला]
दवाखानु न० दवाखाना, औषधालय
दवादारू, दवापाणी न० ब० व० औषधियाँ दवा-दारू

दवावाळो पु० दवा बेचनेवाला,'केमिस्ट'

दश वि० दस, दश, १०

दशक पु० दशक, दशका समाहार (२) दस वर्षोका समाहार, दशक, दशाब्दि (३) सख्या लिखनेमें दाहिनी ओरसे दूसरा स्थान, दहाई

दशको पु० दशक, दसका समाहार (२) दस वर्षका समय, दशाब्दि

दशम वि० दसवाँ, दशम(२)स्त्री० दसवी तिथि दशमी, दसमी [हुई रोटी

दशमी स्त्री० दूधमें आटा सानकर बनाई

दशमु न० मृत्युतिथिसे दसवें दिन होनेवाला प्रेतकृत्य, दसवाँ, दशाह

दशरा पु०, स्त्री० दशहरा, दसहरा

दशा स्त्री० गाडीका पहिया तौलनेकी तेलवाली धज्जी, बत्ती (२) देखिये 'दशी' (३) स्थिति हालत, दशा (४)ग्रहोका भाग्यकाल, बुरी दशा, बुरा हाल

दशांश पु० दसवाँ भाग, दशमांश(२) वि०(३)न० भिन्नका एक प्रकार जो दससे गिना जाता है, दशमलव [ग]

दशी स्त्री० कपडेके सिरे परका सूत दसी

दशेरा स्त्री० देखिये दशरा

दशोदिश अ०चारों ओर दसो दिशाओमें

दस वि० देखिये 'दश'

दसकत पु० अक्षर हर्फ(२)अक्षरोकी लिखावट (हाथकी) (३) हस्ताक्षर, दस्तखत

दसको पु० देखिये दशको

दसमु न० देखिये दशमु

दस्कत पु० देखिये 'दसकत'

दस्त पु०दस्त हाथ (२) दस्त, पाखाना, जुल्लाब [भोजन

दस्तरखान न०दस्तरख्वान (२) खाना,

दस्ताना पु० ब० व० दस्तानें

दस्तूर पु० रिवाज,प्रथा, दस्तूर(२) नेग, लाग (३)पारसियोका पुरोहित

दस्तूरी वि० दस्तूर-सबधी (२) स्त्री० दस्तूरी, दलाली (३)हक, नेग

दस्तो पु० छोटी ओखलीकी मूसली, दस्ता (२) मूठ, बेंट, दस्ता, हाथा (३) चौबीस कागजोकी गड्डी, दस्ता (४) अमुक सख्याकी सिपाहियोंकी टुकडी, दस्ता

दहाडावाळी वि०स्त्री० सगर्भा, गर्भवती

दहाडियु वि० (२) न०, (-यो) पु० दैनिक मजदूरी पर काम करनेवाला, नफर रोजीदार [अ० हररोज

दहाडी स्त्री० दिनाती, रोजीना (२)

दहाडो पु० दिन तारीख, तिथि, वार (२) मृतकके पीछे दिया जानेवाला भोज(३)[ला] समय, जमाना(४) नसीब, सितारा। [**दहाडा आवी रहेवा, खूटी जवा** = मौत आना(२) अवधि खतम होना। **दहाडा काढवा** = दिन काटना (२) गुजारा करना। **दहाडा भराई चूकवा** = आ पडना, मौत आना। **दहाडा रहेवा** = गम रहना, पेट रहना। **दहाडा लेवा**=समय बीतना, लगना। (-ना)**दहाडा होवा** = -के सुखके दिन, भले दिन होना। **दहाडे लागवु**=कामधधे पर लगना। **-आववो** = अवसर प्राप्त होना(२) मौका मिलना। **-चडतो होवो** = सुखके दिन होना। **-चडवो** = दिन चढना(२)देर होना(३)गम रहना (४)रोजकी मजदूरी चढना। **-वांको होवो** = भाग्य प्रतिकूल होना बुरे दिन होना]

दहीं न० दही
दहींवडु न० दहीवडा
दहेज स्त्री०,न० देखिये देज
दहेशत स्त्री० दहशत, डर
दळ न० पत्ता दल(२)फूलकी पँखडी दल(३)सेना दल(४)घनता मोटा पन (५) एक मिठाई
दळणु न० पीसनेकी चीज़ पीसना
दळदर न० दरिद्रता गरीबी(२)आलस्य
दळदरी वि० दरिद्री काहिल सुस्त
दळदार पु० दल्दार (२) भारी
दळद्री वि० देखिये दळदरी
दळवु स० क्रि० पीसना। [दळी दळीने कूलडीमां वाळवु=भारी परिश्रम करने पर भी कुछ फल न पदा करना कम अक्लके कारण श्रम व्यथ नष्ट करना] [उचत पिसाई
दळाई स्त्री० दळामण न० पीसनेकी
दगो पु० दगा, बखडा हुल्लड(२) बल्वा दगा। [-उठाववो=विप्लव करना। -मचाववो=दगा फसाद करना] [फसाद हल्ला उत्पात
दगोफिसाद पु० लडाई-झगडा टटा-
दड पु० डडा दंड (२) पतला छोटा डडा छडा (३) सज़ा (४) डाड जुरमाना (५) एक प्रकारकी कसरत डड(६)चार हाथ जितनी एक नाप। [-पीलवा= डड पेलना]
दडवु स० क्रि० सज़ा करना (२) दड देना डांडना
दडो(-डू)को पु० डडा लटठ [डडा
दडो पु० डडा, लगुड(२)(गुल्ली मारनका)
दताळ न० पाँचा (किसानका औज़ार) (२)(हल-पाँचा आदिका) दाँता
दताळी स्त्री० पाँचा (खेतीका औज़ार)

दाइयण, दाइयाणी, दाई स्त्री० प्रसव करानेवाली स्त्री दाई (२) धाय, उपमाता
दाक्तर पु० डाक्टर
दाक्तरी वि० डाक्टरका, डाक्टर सबधी (२) स्त्री० डाक्टरी
दाखल वि० अदर गया हुआ-घुसा हुआ दाखिल(२)अ० बल्ले -के लिए -के रूपमें -के तौर पर
दाखलो पु० उदाहरण दृष्टान्त मिसाल (२) अनुभव सबक सीख (३) प्रमाण,सबूत (४) हिसाब गणितका प्रश्न [ग]। [दाखला तरीके =उदाहरणाथ मसलन। -बेसवो= हिसाबका जवाब मिलना (२) सबक़ ले ऐसा होना -को सबक मिलना]
दाखववु, दाखवु स० क्रि० दिखाना बताना, ध्यान पर लाना कहना दरियाफ्त करना(२)अ०क्रि० असर दिखाना गुणधम बताना(३)दुखना, पीडा होना
दागीनो पु० गहना (२) अदद नग
दाघ पु०जलना दहन।[-देवो=अग्नि सस्कार करना मतक-दाह करना]
दाझ(झ)स्त्री० प्रीति अनुकपा; रहम(२) चिढ गुस्सा (३) द्वेष, कीना, डाह। [-आववी = चिढना खीजना। -ओलववी = बरवा बदला लेकर अपना क्रोध शान्त करना। -चडवी =गुस्सा होना भीतर ही भीतर जलना। दाझे बळवु=खारवृत्ति या गुस्सेमे झुझलाना कुढना]
दाझणु न० ज़मीनका इतना तपना कि पाँव फुकने लगें [फुकना
दाझवु अ० क्रि० दग्ध होना जलना,

दाट वि० बहुत, खूब, उदा० 'मोंघु दाट' (२) पु० महा विनाश, तबाही
दाटवु स० क्रि० दफनाना, गाडना (२) गाडकर छिपाना
दाटी स्त्री० धमकी, डाँट
दाटो पुं० डाट, बाग
दाडम न० अनार, दाडिम
दाढ (ढ,)स्त्री० डाढ, चौभड दाढ। [–सळकवी = मुहमें पानी भर आना, राल टपकना]
दाढा(–ढिया)ळो वि० दाढीवाला, मर्द; डकार । । [दाढी, डाढी
दाढी स्त्री० ठोडी या ठोडी परके बाल
दाण न० जकात, टोल, चुंगी
दाणचोरी स्त्री० जकात भरनेसे बचना, करचोरी । [दरदरा
दाणादार वि० दानेदार, रवादार,
दाणापीठ स्त्री० अनाजकी थोक बिक्रीका बाजार, धान-मंडी
दाणो पु० अनाज, धान्य (२) अनाजका कण, दाना (३) उसके जैसा कोई भी कण, रवा, मनका (४) चौसरमें पासे पडनेके बाद गिना जानेवाला अंक। [–चांपी जोवो = कह देखना, प्रयत्न करके देखना]
दाणोपाणी पु०, न० अन्न-जल दाना पानी (२) नसीब
दातण न० दातुन, दतौन
दातणपाणी न० दातुन और पानी या उनसे दात और मुह साफ करना
दातरडी स्त्री० छोटी हँसिया
दातरडु न० हँसिया, गँडासा
दाता(०र) वि० देनेवाला (२) दान करनेवाला, उदार (३) पु० दान देनेवाला दाता दातार
दाद स्त्री० फरियाद, अर्ज (२) इंसाफ, दाद। [–आपवी, देवी = न्याय करना, दाद देना (२) गिनना बदना]
दादफरियाद स्त्री० किसी भी प्रकारकी शिकायत, फरियाद
दादर स्त्री० दाद (चर्मरोग)
दादर पु० सीढी, जीना
दादरो पु० सीढ़ी, जीना (२) जीनेका द्वार (३) तालेके अंदरका पेंच, डंडी (४) एक ताल, दादरा [गुंडापन
दादागीरी स्त्री० जबरदस्ती सिरजोरी,
दादी स्त्री० माता या पिताकी माता, दादी (पिताकी माता), नानी (माता की माता)
दादो पु० माता या पिताका पिता, दादा (पिताका पिता), नाना (माता का पिता) (२) गुंडा
दाधारंगु वि० अदेखी, डाही (२) पागल
दान न० दान, देना (२) धर्मबुद्धिसे या पुण्य कमानेके लिए देना, दान (३) खेलनेकी बारी, दावँ दाँव
दानत स्त्री० मनोवृत्ति, वृत्ति। [–बग-डवी = न्याय या नीतिकी भावना न रहना, प्रामाणिकताका मिटना। –राखवी = मनोवृत्ति रखना]
दानाई स्त्री० दानाई, समझदारी, विवेक (२) भलमनसाहत, शराफत (३) प्रामाणिकता दयानतदारी
दानेश(–स)री पु० दानवीर
दानो वि० पु० दाना, समझदार, विवेकी
दापु न० नेग, लाग
दाब पु० दाब दबाव (२) आग्रह (३) दबाव, अंकुश, धाक। [–देवो, मूकवो = अंकुश, नियंत्रण रखना (२)

दबावमें रखना ।-बेसाडवो राखवो = धाक जमाना दाब दिखाना]

दावडी स्त्री० डिबिया [डिब्बा

दावडो पु० धातुका ढक्कनदार पात्र,

दावणियु न० कोई चीज़ दबानेका साधन

दाबवु स० क्रि० दाबना, दबाना, कुचलना (२) दमन करना, अंकुशमें रखना या ज़ोर न पकडने देना [ला] । [दाबीने कहेवु = आग्रह करना, दबाव डालकर कहना। दाबी राखवु = दबाना, भारके नीचे रखना (२) गुप्त रखना ज़ाहिर न होने देना । दाबी देवु = कुचल डालना, रोक देना]

दाम पु० दाभ, दभ [कीमत मूल्य

दाम पु० धन, दौलत दाम(२)न०दाम,

दामण न० पशुओंके पैर बांधनेकी रस्सी जिसमें और छोटी छोटी रस्सियां जुडी होती है दामनी

दामणी स्त्री० स्त्रियोंका ललाटका एक गहना दामिनी

दामणु न० मथानीकी वह रस्सी जिसे खींचनेसे मथानी घूमती है, नेती

दामदूपट न० क़र्ज़से दुगुना लेना, दून

दायको पु० दस वर्षका समय दशक

दायजो पु० स्त्रीधन

दायण स्त्री० बच्चा जनानेवाली स्त्री दाई [बैठक दायरा

दायरो पु० समुदाय, जमाव(२)दरबार,

दारू पु० शराब (२) बारूद

दारूखानु न० आतिशबाज़ी

दारूगोळो पु० बारूद, गोले आदि युद्धकी सामग्री

दारूडियो पु० शराबी

दारूडी स्त्री० एक वनस्पति, मडभाँड सत्यानासी (२) एक पक्षी

दारूबंधी स्त्री० शराबबन्दी, मद्यनिषेध

दारोगो पु० निगरानी करनेवाला अधिकारी, दारोगा, दरोगा

दाव पु० खेलनेकी बारी दावँ, दाँव (२) पासेके दाँवमें आई हुई संख्या (३)मौका उपयुक्त काल घात (४)युक्ति, पेच, दाँव-पेच । [(-ना) दावनु होवु = के योग्य होना । -आववो = मौका मिलना घात लगना (२) खेलनेकी बारी आना । -मा आववु = घातमें आना मौक़ा मिलना, युक्ति कारगर होना]

दावपेच पु० युक्ति प्रयुक्ति, दाँव-पेच । [-लडाववा = युक्ति करना, चाल चलना] [प्रार्थनापत्र

दावाअरजी स्त्री० अर्ज़ीदावा, वादीका

दावो पु० दावा, हक, मालिकी (२) हक प्राप्त करनेके लिए न्यायालयमें की हुई फरियाद नालिश दावा(३) दृढ आत्मविश्वास, दावा। [-करवो = हकके लिए अदालतमें नालिश करना (२) अधिकार या हककी माँग करना ।-मांडवो = नालिश पेश करना मुकदमा दायर करना]

दास पु० दास, सेवक

दासी स्त्री० दासी, सेविका

दाह पु० दाह जलन

दाळ स्त्री० दाल(२)पकाई हुई दाल, दाल(३)घाव पर जमनेवाली पपडी खुरंड दाल। [-मां कई काळु होवु = दालमें काला होना]

दाळरोटी स्त्री० दाल रोटी, निर्वाह (चलना) [भूने हुए चने

दाळिया पु० ब० व० (बिना छिलकेके)

दांडियो(०) पु० देखिये डांडियो

दांडी(०) स्त्री० देखिये 'डांडी'(२) तंतुवाद्यका तुंबे समेत लंबा दंड

दांत(०) पु० दाँत (२) दाँता (३) ,वर, कीना (४) हाथीदांत, उदा० 'दांतनी चूडी'। [दांते चडवु = बदनाम होना। दांते जीभ लेवी = दाँतोसे जीभ काटकर मर जाना। दांते तरणु लेवु = दाँत काढकर, दीनतासे किसीकी शरणमें जाना। दांते मेल आववो = धनी बनना। दांते लागवु = चसका लगना, -का स्वाद लग जाना]

दांतरु(-वु)(०) वि० दँतुला, दतार

दांताळु(०) वि० दाँतेदार, ददानेदार

दांतियु(०) वि० ददानेदार (२) न० दाँत दिखाकर काटनेका दौडना, बदरघुडकी (३) झिडका, डाँट [कथा

दांतियो(०) पु० एक ओर दाँतोवाला

दांती(०) स्त्री० किसानका बाज बोनेका ओजार, बांसा (२) दरार, तड़ (३) कोर परकी काट (रगड या दाँतसे)

दांतो(०) पु० आरेका दाँत, दाँता (२) खरोंच, दाँता। [-दाता पूरवा = जोडाईमें ईंटोंके बीचकी जगह चूनेसे भर देना, टीप भरना] [माली

दिकामाळी स्त्री० एक औषधि, डेकामाली

दिगर वि० अन्य विशेष, दीगर (२) अ० 'और भी', 'इसके उपरान्त' इस अर्थमें पत्रके आरम्भमें व्यवहृत शब्द, अपरञ्च [(२) गव

दिमाक(-ग) पु० मगज बुद्धि दिमाग़

दियर(-ये)र पु० देवर

दियर(-ये)**रवटु** न० पतिकी मृत्युके बाद देवरके घर बैठना

दिल न० दिल, हृदय। [-ऊतरवुं = दिल खट्टा होना। -ऊचु थवुं = दिल न लगना, जी उचटना। -भरावुं = दिल भर आना]

दिलदार वि० दिलदार (२) उदार (३) पु० आशिक (४) प्रिय मित्र (५) स्त्री० माशूका

दिलावर वि० बडे दिलका, दरियादिल (२) बहादुर, दिलेर, दिलावर

दिलासो पु० दिलासा, धीरज

दिलेर वि० बहादुर, दिलेर

दिलोजान वि० प्राणप्रिय, जिगरी

दिल्लगी स्त्री० शौक़, दिलचस्पी (२) हँसी, दिल्लगी

दिवस पु० सूर्योदयसे सूर्यास्त तकका समय, दिवस (२) एक सूर्योदयसे दूसरे सूर्योदय तकका समय, दिन (३) पु० ब० व० समय, ज़माना। [-फरवो = दिन फिरना। -भरवा = हाज़िरी लिखना, लिखाना। -भराई चूकवा = मरणासन्न होना, मौतका सिरपर खेलना। -लेवा = दिन लगना समय बीतना]

दिवासो पु० आषाढ़की अमावसका पर्व

दिवाळी स्त्री० दिवाली, दीवाली (२) आनन्द या मज़ा। [-करवी = दिवाली का त्योहार मनाना]

दिवेट स्त्री० (दीयेकी) बत्ती

दिवेल न० रेंडीका तेल, एरंडीका तेल

दिवेलियु वि० रेंडीके तेलसे युक्त, चीकट (२) रेंडीका तेल पिया हुआ, उतरा हुआ (चेहरा, मनुष्य) [ला] (३) न० रेंडीका तेल रखनेका पात्र

दिवेली स्त्री० एरंडबीज, रेंडी, अंडी

दिवेलो पु० रेंड, अरंड एरंड, अंडी

दी पु० दिन (२) दशाका ग्रह। [-ऊगा-ळवो = भाग्योदय करना। -ऊठवो

फरवो, रूठवो = दुर्दैव आना, बुरा हाल होना, दशा बिगडना]
दीकरी स्त्री० पुत्री, बेटी
दीकरो पु० पुत्र, बेटा
दीगर वि० (२) अ० देखिये 'दिगर'
दीठ अ० प्रति फी, पीछे, उदा० 'जण दीठ'
दीठु अ० क्रि० देखा [दीठानु झेर = नजरके सामने कुछ बने इसपर एतराज होना। -पडवु = इज्जत जाना (२) रुकना, बद होना]
दीदार पु० ब० व० मुखाकृति, काति
दीधे राखवु = लगातार किये जाना आँख मूदकर किये जाना
दीन न० पु० दीन मजहब (२) कोई भी धम
दीपडो पु० तेंदुआ
दीपमाळ स्त्री० मदिरके आगे दीप जलानेके लिए बनाई हुई लाट या मीनार दीपस्तम
दीपववु स०क्रि० देखिये दीपाववु'
दीपवु अ० क्रि० प्रकाशित होना चमकना (२) शोभा देना फबना, खिलना [करना
दीपाववु स० क्रि० चमकाना, रोशन
दीवडो पु० दीपक दीया [मीनार
दीवादांडी स्त्री० रोशनी-मीनार, दीप
दीवान पु० वजीर मत्री दीवान (२) राजसभा कचहरी दीवान (३) बडा कमरा (४) प्रकरण, परिच्छेद (५) गजल-सग्रह दीवान
दीवानखानु न० दीवानखाना, बठक
दीवानगीरी स्त्री० दीवानका काम वजीरी
दीवानापणु न० पागलपन दीवानापन
दीवानी वि० रुपये और जायदादके इन्साफसे सबधित दीवानी (२) स्त्री० दीवानका काम, वजारत (३) राज्यके महसूलका कामकाज (४) दीवानी अदालत, दीवानी (५) दीवानी अदालतका मुकदमा
दीवानु वि० दीवाना, पागल
दीवाबत्ती स्त्री० दीया-बत्ती
दीवाल स्त्री० दीवार, भीत
दीवाबखत पु०, स्त्री० दीयाबत्तीका समय सायकाल [सलाई
दीवासळी स्त्री० दियासलाई दीया-
दीवी स्त्री० दियट दीवट, चिरागदान
दीवो पु० दीया दीवा दिया चिराग, बत्ती। [-ओलवाई जवो = कुलके या किसी समूहके अच्छे आदमीका मर जाना, कुप्पा लुढकना। -राज करवो, राणो करवो = दीया गुल करना, दीया ठडा करना]
दीसवु अ० क्रि० दिखाई देना दीखना (२) मालूम होना सूझना [ला]। [दीसतु रहेवु = आखाके आगसे दूर होना टलना (तुच्छकारमें)]
दुकान स्त्री० दुकान दूकान
दुकानदार पु० दुकानदार ब्योपारी
दुकाळ पु० अकाल काल, दुष्काल कहत
दुकाळियु वि० अकाल-पीडित
दुखडु न० दुख दुखडा (२) वारना बलायें लेना [(लेना)
दुखणां न० ब० व० वारने बलायें
दुखणु न० दुखना कष्ट होना (२) प्रसवके पहले पेटमें होनेवाली पीडा (३) वारना
दुखववु स० क्रि० देखिये दुखाववु

दुखवु अ० क्रि० दुखना, दर्द करना, पीडा होना
दुखाडवु स० क्रि० पीडा देना दुखाना (२)पके घाव या फोडे आदिको छूकर पीडा पहुँचाना, दुखाना [णायक रूप
दुखाववु स०क्रि० दुखाना,'दुखवु का प्रेर-
दुखावु अ० क्रि० दुखना, पीडा होना
दुखावो पु० दर्द, पीडा, वेदना
दुखियारु, दुखियु, दुखी वि० दुखियारा, दुखिया, दुखी
दुणावु अ० क्रि० खाने-पीनेकी चीजका चूल्हेपर जलने लगना, जलना, दग्ध होना (२) मनमें जलना, कुढना
दुत्तु वि० धूर्त चालबाज
दुधारो पु० दूधका व्यापारी, दूधवाला
दुधाळ(-ळु) वि० दुधार, दुधैल(ढोर)
दुनिया स्त्री० दुनिया ससार। [-पार करवु=लोकव्यवहारमेंसे निकाल देना, ससारकी नजरमें गिराना (२) मार डालना, दुनियासे उठा देना]
दुनियादारी स्त्री० ससारका व्यवहार, दुनियादारी [दुनियाई
दुन्यवी वि० दुनियाका, सासारिक,
दुपट्टो पु० कधे पर डालनेका कपडा, दुपट्टा [अधियाना
दुभागवु स० क्रि० दोसे भाग देना,
दुभाववु स० क्रि० देखिये 'दूभववु'
दुभावु अ० क्रि० दुखी होना, मनमें जलना, दु खी-नाराज होना
दुभाषियो पु० दुभाषिया
दुमक्लास न० देखिये 'दुमक्लास
दुरस्त वि० जैसा चाहिए वैसा, ठीक दुरुस्त (२)ठीक किया हुआ मरम्मत किया हुआ, दुरुस्त (३) उचित, वाजिब दुरस्त
दुरस्ती स्त्री० दुरुस्ती, मरम्मत
दुलक्ष न० लापरवाही, उपेक्षा (२) वि० बखबर, बेपरवाह
दुलारी स्त्री० लाडली बेटी, दुलारी
दुलारो पु० प्यारा पुत्र, दुलारा
दुवा स्त्री० दुआ, आशिष। [-देवी= दुआ देना] [(२)दुहाई, आन
दुवाई स्त्री० दुहाई घोषणा मुनादी
दुविधा स्त्री० निश्चयका अभाव, दुविधा
दुशालो पु० दोशाला
दुश्मनाई, दुश्मनावट, दुश्मनी स्त्री० दुश्मनी [दुष्काल
दुष्काल(-ळ) पु० अकाल, काल,
दुष्काल(-ळ)निवारण न० दुर्भिक्षका दु ख निवारण, फेमिन रिलीफ'
दुहो पु० एक मात्रिक वृत्त दोहा
दूगो पु० चोर
दुद स्त्री० तोद
दुदाळ(-ळु) वि० तादवाला, तादीला
दुदाळो पु० तादवाला देव, गणेश
दू वि० दो(समासमें) दुगुना(अकमें)
दूओ पु० देखिये दूरी'
दूझणु(-णु)वि०(२)न० दुधार(मवेशी)
दूझवु अ० क्रि० दूध देना(२)चूना, टपकना
दूणवु स० क्रि० सताना,सताप देना
दूत पु० दूत सदेशवाहक(२)जासूस
दूती स्त्री० दूत स्त्री(२)दूती, दूतिका
दूत्तु वि० धूर्त
दूध न० दूध (२) वनस्पतिका दूधके रगका निर्यास,दूध। [-आपवु देवु= दूध देना (गाय भस आदिका) (२) फायदा पहुँचाना, लाभ करना। -मेळववु=दूध जमाना। दूधे धोईने आपवु=दियानतदारीसे(आदरपूर्वक)

देना, वापस करना। –मांथी पोरा काढवा = बालकी खाल खींचना, खुचड निकालना। –मां ने दहींमां पग राखवा = बेपेंदीका लोटा, दो नावो पर पैर रखना]

दूधपाक पु० खीर [हुआ (बच्चा)

दूधपीतु वि० दूधमें मुह डुबाकर मारा

दूधभाई पु० जिनके बाप अलग मगर माँ एक ही हो ऐसे भाई [(२)दूधके दाँत

दूधिया वि० पु० ब० व० दुधिया (दाँत)

दूधियु वि० देखिये दुधाळ' (२) दूधके रंगका, दुधिया, सफ़ेद (३) नया, ताजा, शुरूका, कच्चा, उदा० 'दूधियु लोही (४)न० लौकी

दूधी स्त्री० लौकी घिया, कद्दू

दूपट वि० दोहरा दुगुना

दूबळी स्त्री० दूबळा की या उस जातिकी स्त्री

दूबळु वि० दुबला कमजोर

दूबळो पु० भीलसे मिलती-जुलती एक जातिका आदमी (२) आधा गुलाम जसा (सूरतकी ओरका) किसानका चाकर

दूभवदु स० क्रि० दुखी करना दिल जलाना

दूभवु अ० क्रि० देखिये 'दुभावु

दूमो पु० देखिये डूमो

दूर वि० दूर, जो दूर हो अलग (२) अ० अधिक अतर पर, परे, दूर। [–खसवु =(स्त्रीका) रजस्वला होना (२) अलग जुदा होना]

दूरबीन न० दूरन्दाव यत्र, दूरबीन

दूरी स्त्री० दो बिंदियोंवाला ताशका पत्ता दुक्की दूरी

दूरदेशा वि० दूरदेश बुद्धिमान

दूरदेशी स्त्री० दूरदेशी, दूरदर्शिता

दूगो पु० चोर

दूंटी स्त्री० देखिये 'डूंटी'

दूटो पु० देखिये डूटो'

दूडु न० देखिये 'डूडु

दृष्टि स्त्री० नजर, दृष्टि (२) देखनेकी शक्ति दृष्टि (३) [ला] ध्यान, चित्त (४) दृष्टिकोण। [–पडवी = नजर पडना, दिखाई देना (२) (कुडलीमें) ग्रहका असर होना। –लेसवी = नजर लगना]

देकारो (दें) पु० 'मारो पकडो' ऐसी पुकार, हल्ला–गुल्ला, हुकार

देखतानी आंखमां धूळ नाखवी = अनुभवी की आँखमें धूल झोकना

देखती आंखे = जान-बूझकर

देखरेख स्त्री० देख रेख, निगरानी

देखवु स० क्रि० देखना

देखा स्त्री० दिखाई देना, दृष्टिगोचर होना। [–देवी = दिखाई देना, देखनेमें आना]

देखाड पु० देखिये 'देखाडो'

देखाडवु स० क्रि० देखवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप दिखाना, दिखलाना (२) आँख हाथ, सोटा आदि दिखाकर डराना (३) मथुनके लिए मादा और नरको इकट्ठा करना (पशु) जोडा लगाना खिलाना। [दिखाडी देवु = जो गुप्त हो उसे खुला करना (२) अपने प्रभावका परिचय कराना जोर दिखाना] [दिखाना बताना

देखाडो पु० दिखावा आडबर (२)

देखादेखी स्त्री० अनुकरण (२) अ० अनुकरणके रूपमें देखादेखी

देखाव पु० दृश्य नजारा देखाव (२) आकार आकृति, रूप (३) दिखावा, आडबर [ला]

देखावडु वि० सुदर रूपवान

देखावु अ० क्रि० दिखाई देना, दीखना, मालूम होना, सूझना, नजर आना
देखीतु वि० प्रत्यक्ष, जाहिर, खुला, स्पष्ट (२) दिखावटी, दिखौआ
देग पु० देग, डेग (२) स्त्री० तांबेका एक बरतन, देगची, डेगची
देगडी स्त्री० तांबेका एक बरतन, देगची
देगडो पु० छोटा देग, देगचा, हुडा
देज स्त्री०, न० वरपक्षकी ओरसे कन्याको दिये जानेवाले कपडे वगैरहका भेंट या भोजन, चढावा, डाल, वरी (२) कन्या-शुल्क
देडकी स्त्री० मादा मेंढक, मेडकी
देडकु न० मेढक, मेंढक
देडको पु० मेढक, मेंढक
देण (दें) न० कर्ज, दैन (२) महसूल, लगान (३) उपकारका दबाव
देणगी (दें) स्त्री० बख्शिश (२) दान
देणदार (दें) वि० कर्जदार, देनदार
देणु (दें) न० देखिये 'देण'
देदार (दें) पु० रूप, नक्श-सूरत
देन (दें) स्त्री० ताकत बस मकदूर। [-होवी = शक्तिशाली होना, बस चलना]
देरडी (दे') स्त्री० छोटा देहरा
देराणी स्त्री० देवरानी
देरासर (दे')न० घरमें देवकी मूर्तियाँ रखनेका स्थान (२) जैनोका देव मंदिर, जैन-मंदिर
देरी (दे') स्त्री० छोटा देहरा-मंदिर
देरु (दे') न० देव-देवियोंका स्थान, मंदिर देहरा
देव पु० देव देवता (२) परमात्मा देव (३) स्वामी, मालिक, राजा । [-थवु = मर जाना, चल बसना]

देवऊठी अगियारश (-स) स्त्री० कार्तिक शुक्ला एकादशी, देवठान, देवउठनी, देवोत्थानी एकादशी
देवकपास पु० एक प्रकारकी कपास
देवघर न० जैन-मन्दिर (२) देवगृह, देवालय
देवडाववु स०क्रि० दिलाना, दिलवाना
देवडी स्त्री० द्वारपालके बठनेका स्थान, ड्योढ़ी, ढेवढ़ी (२) चौकी, चबूतरा (३) समाधि-स्थल पर बनाया हुआ छोटा देहरा
देवता पु० देव (२) आग, अग्नि (३) स्त्री० देवी [-ऊठवो = आग लगना, नाश होना। -ऊठी जवा = शक्तिका जवाब दे देना। -जागवो = (स्थानका) भाग्योदय होना, हरा भरा होना]
देवताई वि० दैवी, अलौकिक
देवदार (-रु) न० देवदारु [कार्तिकी
देवदिवाळी स्त्री० कार्तिककी पूर्णिमा,
देवपोढी अगियारश (-स) स्त्री० अषाढ़ शुक्ला एकादशी, हरिशयनी एकादशी
देवरावयु स०क्रि० देखिये 'देवडाववु'
देवलां न० ब० व० घरके देवस्थानकी मूर्तियाँ [पोढी अगियारस'
देवशयनी एकादशी स्त्री० देखिये 'देव-
देवसेवा स्त्री० देव मूर्तिकी पूजा
देवळ न० देवल (खासकर ख्रिस्तियोंका)
देवादार वि० देनदार, कर्जदार
देवाळियु वि० दिवालिया
देवाळियो पु० दिवालिया व्यक्ति
देवाळु न० दिवाला
'देवी स्त्री० देवताकी पत्नी, देवी, आद्या शक्ति (२) रानी, देवी (संबोधनमें) (३) स्त्रीके नामके पीछे लगनेवाला गौरवसूचक शब्द, देवी

देवु स०क्रि० देना (२) पीटना, ठोकना [ला] (३) बद करना, ओठँगाना

देवु न० कर्ज देना, ऋण

देशकाल(–ळ) पु० देश और काल (२) दा परिमाण – दिक और काल (३) देशाचार आचार-व्यवहार [ला]

देशदाझ स्त्री० स्वदेशके लिए अनुकपा, देश प्रेम

देशनिकाल पु० निवासन, दशनिकाला

देशपार अ० देशके बाहर (देशनिकाला)

देशवटो पु० अन्य देशमें वास (२) देशाटन

देशाचार पु० देशमें प्रचलित रीत-रिवाज देशाचार [करना देशाटन

देशाटन न० भिन्न भिन्न देशोमें पयटन

देशावर पु० परदेश देसावर

देशी वि० देशका देश-सबधी देशी (२) स्वदेशी स्वदेशमें उत्पन्न (३) पु० अपने देशमें रहनेवाला (४) स्त्री० प्राकृत भाषाका एक प्रकार

देह पु० स्त्री० देह काया। [–छोडवो, पडवो मूकवो = मर जाना देह छोडना]

देहांतदड पु० मौतकी सजा मत्युदड

दव वि० देव-देवता सबधी दव (२) न० नसीब, भाग्य

दवगति स्त्री० दवगति भाग्यका फेर

दवयोग पु० दैवयोग, सयोग इत्तिफ़ाक

दोआब पु० दोआब दोआबा

दोकडो पु० रुपयेका सौवा हिस्सा, एक नया पसा (२) बारह टका सूद (३) अक, 'मात [स्थान [ला]

दोजख न० दोजख (२) दु खसे परिपूर्ण

दोट स्त्री० दौडनेकी क्रिया दौड

दोटदोटा दोटादोट स्त्री० दौडा-दौडी

दोड (दाड,) स्त्री० दौडनेकी क्रिया या वेग दौड

दोडकु न० तुरईकी जातकी एक सब्जी

दोडधाम दोडमार (दा) स्त्री० दौडा-दौडी दौड धूप

दोडवु (दा) अ० क्रि० दौडना

दोडो पु० देखिये 'डोडो

दोढ (दा) वि० डेढ १॥ (२) स्त्री० किसी चीजको डयोढा करना। [–पायानु = बेवकूफ दीवाना, पागल]

दोढडहापण (दा) न० जरूरतसे ज्यादा अक्ल बधारना

दोढडाह्यु (दा) वि० जरूरतसे ज्यादा अक्लमद सयाना लाल बझक्कड

दोढपगु (दा) वि० लँगडा

दोढववु (दा) स०क्रि० (किसी चीजको) डयोढा करना

दोढवु (दा) स०क्रि० सीना, डोरे भरना (२) देखिये दोढववु

दोढसो (दा) पु० डेढ सौ, १५०

दोढियां (दा) न० ब० व० धन-दौलत (२) रुपया-पसा [ला]

दोढियु (दा) वि० डयोढा (२) न० डयोढा करके सिया हुआ कपडा (३) पैसा, टका (४) एक प्रकारका गाना

दोढु (दाँ) वि० डेढगुना डगा डयोढा

दोणी (दा) स्त्री० दोहनी, दुहनी

दोदरु वि० जीण, कमजोर (२) कुछ टूटा-फूटा जिसमें तरेड पडी हो

दोदश (दाँ) अ० दसो दिशाओमें इधर उधर

दोदळु वि० देखिये 'दादरु'

दोपट वि० दोहरा, दुगुना

दोर (दा) पु० दौर, अमल अधिकार सत्ता (२) तडक भडक, दबदबा रोब

दोरदमाम(दाँ) पु० दबदबा, रोब-दाब

दोर पु० मोटा रस्सा (२) पतगकी डोरी, डोर

दोरडी स्त्री० पतली रस्सी, डोरी

दोरडु न० रस्सा, रस्सी

दोरडो पु० तागा, धागा, डोरा(२) अभिमत्रित – पढा हुआ धागा

दोरवणी स्त्री० माग दिखाना, रहनुमाई (२) गुप्त सीख या सलाह, पट्टी, कान भरना

दोरववु स०क्रि० हाथ पकडकर चलाना, रास्ता दिखाना(२)टाँका मारना, सीना

दोरवु स०क्रि० देखिये 'दोरववु'(२) खीचना (लकीर) (३) उरेहना, चित्र खीचना

दोरगी वि० दो रगोवाला, दोरगा (२) तरगी, चचल [ला]

दोरी स्त्री० रस्सी, डोरी(२)पतगकी पतली डोर(३)लगाम, काबूमें रखनेका उपाय, डोरी [ला](४)कुछ नापनेकी डोरी या फीता। [–ताणी राखवी = नियत्रण दाब रखना, बसमें रखना]

दोरीसचार(–रो) पु० कठपुतलीके खेलमें डोरी हिलाकर पुतलियोको नचाना (२) पीठ पीछे चालबाजी करना या चाल चलना [ला]

दोरो पु० डोरा, धागा (२) गलेका एक गहना (३) करधनी तगडी, कदोरा(४)मत्रित डोरा मत्र-सूत्र। [–बांधवो = मत्रित–पढा हुआ डोरा बांधकर रोगादिका निवारण करना]

दोरोधागो पु० मत्र-सूत्र, मत्रित डोरा, पढा हुआ डोरा

दोलत(दाँ) स्त्री० दौलत धन

दोलतमद, दोलतवान(दाँ)वि० दौलतमद

दोलु (दाँ) वि० भोला, सीधा (२) उदार प्रकृतिवाला, सखी

दोवडा(–रा)ववु(दो')स०क्रि० 'दोहवु' क्रियाका प्रेरणार्थक, दुहाना

दोशी पु० बजाज (२) एक अल्ल

दोष पु० दोष, भूल, खता (२) खामी, न्यूनता, दोष (३) गुनाह, जुर्म(४) लाछन, दाग (५) पाप। [–काढवो = खुचड निकालना, दोष दिखाना। –देवो = तोहमत लगाना (२) उलहना देना]

दोहरो पु० दोहा

दोहवु स०क्रि० दुहना(२)किसी चीजका सारभाग निचोड लेना, कस खीच लेना, चूसना [ला]

दोहितर पु० बेटीका बेटा, नाती, दोहता (२) मृतकके पीछे बाँटे जानेवाले दूधमें आटा सानकर बनाये हुए लड्डू

दोहित्र पु० बेटीका बेटा, दौहित्र, दोहता

दोह्यलु वि० कठिन, मुश्किल, दुष्कर (२) न० दुख सकट

दोगाई स्त्री० धूर्तता, चालबाजी

दोंगु वि० धूर्त, कपटी(२)बेअदब, उद्धत

द्रव पु० तरल होना, द्रव (२) किसी चीजका तरल रूपातर, पिघला हुआ रस, द्रव

द्रववु अ० क्रि० तरल होना, पिघलना, गलना(२)चूना टपकना, बहना(३) दयार्द्र होना, पसीजना [ला]

द्राक्ष स्त्री० दाख द्राक्ष

द्राव पु० घोल द्रव, किसी पदार्थका तरल रूपातर

द्रावक वि० गलाने, पिघलानेवाला, द्रावक (२) न० सुहागा, द्रावक

द्रावण न० तरल रूपातर, द्रव, घोल

द्राविडी प्राणायाम पु० द्राविड प्राणायाम

ध

ध पुं० 'त वर्गका – दंतस्थानीय चौथा व्यंजन
धक स्त्री० प्यास (२) जोश, उत्साह (३) त्वरा, जल्दी (४) ध्यान
धकधकवुं अ० क्रि० देखिये 'धगधगवुं'
धकाववुं स० क्रि० धकेलना (२) जोरोंकी तयारियाँ करके आगे चलाना (काम)
धकेलवुं स० क्रि० धकेलना, धक्का देना, ठेलना ढकेलना (२) लापरवाहीसे या यों ही आगेको ठेलते जाना बिना सोचे-समझे चलाये रखना
धक्काधक्का, धक्काधक्की स्त्री० धक्कमधक्का (२) भीड
धक्कामुक्की स्त्री० धक्कामुक्की
धक्को पुं० धक्का, ठोकर हचकोला टक्कर (२) नुक़सान, घाटा, धक्का (३) चक्कर, फेरा (४) माल लादने उतारनेकी पक्की जगह 'डेक'। [धक्के चडवुं=(किसीके) हत्थे चढ़ना (२) वादाखिलाफ़के चक्करमें आ जाना (३) हचकोले लगनेसे दूर जाना। –आववो= नुकसान होना धक्का सहना (२) दचका लगना। –पडवो=व्यर्थ चक्कर खाना काटना। –लागवो, वागवो= धक्का सहना, धक्का खाना (२) धक्का लगना]
धख स्त्री० देखिये 'धक'
धखधखवुं अ० क्रि० गुस्सा होना, कुढना, मन ही मन जलना, मसोसना
धखना स्त्री० रटन, चिंतन, खटका
धखवुं अ० क्रि० अति तप्त होना, दहकना, धधकना (२) [ला] गुस्सा होना, कुढ़ना (३) स० क्रि० उलहना देना
धखारो पुं० घाम, गरमी, तपन (२) आतुरतापूर्वक रटन, बार-बार याद करना
धगधग अ० धधकते हुए (जोरोसे जलना)
धगधगवु अ० क्रि० धधकना, दहकना (२) खूब गरम होना
धगवु अ० क्रि० देखिये 'धखवु
धगश स्त्री० जोश, उत्साह, प्रेम
धज वि० श्रेष्ठ धुरीण (२) मजबूत, टिकाऊ पक्का (३) जोशीला
धजा स्त्री० धजा, ध्वजा, झंडा, निशान। [–चडावी = झंडा लहराना (२) कीर्ति फैलाना, रोशन करना (३) गुप्त बात फैला देना]
धजापताका स्त्री० ध्वजा
धड न० बिना सिरका शरीर, धड़ (२) नींव बुनियाद मूल आधार [ला] (३) अ० धडसे। [–दईने = धडसे, झट]
धडक स्त्री० धडकन, धडक (२) डर। [–पेसवी लागवी = डरना]
धडकवु अ० क्रि० धडकना, धकधकना
धडकार (–रो) पुं० धड'की आवाज धडकन
धडधड अ० धड-धड
धडधडाट पुं० धड-धड'की आवाज, धड-धड (२) अ० धडसे, धडाधड
धडंधडा स्त्री० मारपीट, मारामार
धडाकाबंध अ० धडाकेके साथ (२) धडाकेसे, झटपट, फटसे

धडाको पु० धडाका, घोर शब्द(२) सुननेवाला चौंक उठे ऐसी नयी, विचित्र बात या घटना(३)कालचक्र, गर्दिशे जमाना। [-मारवो = जल्दीसे काम निबटना, झटपट कर डालना]

धडाधड अ० धडाधड धडाकेसे

धडी स्त्री० एक तौल या वजन(२) पासग, धडा

धडो पु० तराजूका समतोल न होना (२) तराजूमें समतोलन लानेके लिए रखा जानेवाला भार, पासग, धडा (३) बाध, सबक (४) नियम, प्रमाण, सीमा, हद, माप(५)गणना, कद्र, इज्जत, हिसाब [ला]। [-करवो = धडा करना(२)कद्र करना।-लेवो = बोध ग्रहण करना, सीख, सबक लेना। -होवो = तराजूके पल्डे सम तोल न होना(२)कुछ प्रमाण या नियम होना, हद होना]

धण न० धन, गोधन, (गायोंका) झुंड

धणधणवु अ० क्रि० दन-दन शब्द होना, दनदनाना(२)कॉपना

धणधणाट पु० 'दन-दन' की आवाज़

धणियाणी स्त्री० पत्नी(२)मालकिन

धणियातु वि० जिसका धनी-मालिक हो (२)मालिकीका

धणियापु न० स्वामित्व मालिकी

धणियामो पु० खेतीमें काम करनेवाले चाकर('दूबळा')का मालिक

धणी पु० धनी, मालिक, स्वामी(२) पति(३)वि० मालिक, उदा० 'आनु कोई धणी नथी'। [-करवो = पुन विवाह करना, किसीके घर बठना]

धणीजोग वि०,(-गी)वि० स्त्री० खरी दारको ही मिले ऐसी(हुडी), धनीके नाम लिखी हुई

धणीधोरी पु० धनी धोरी (२) रक्षक

धणीरणी पु० मालिक, धनी धोरी

धणेणाटी धणेणी स्त्री० दनदनाना

धतिंग न० हगामा, उपद्रव(२)ढोंग, व्ययकी धूम-धाम

धतूरो पु० एक वनस्पति, धतूरा

धधडाववु स० क्रि० खूब उलहना देना

धधणाववु स० क्रि० दनदनाना [धार

धधूडो पु० मोटी धारामें गिरना, मोटी

धन अ० धन्य, धन [प]

धन न० धन, दौलत (२) समृद्धि (गोधन, विद्याधन) (३)धन(राशि)

धनतेरश(-स) स्त्री० धनतेरस

धनधन अ० कृतकृत्य, धन्य

धनारक(-ख) पु० धनराशिका सूर्य

धनुर पु० धनुर्वात, धनुक्बाई

धपवु अ०क्रि० धपना

धप्पो पु० धप्पा, थप्पड, धप

धब अ० धब, धप (आवाज) (२) शून्य, ठप, बद(३)धप्पा लगानेकी आवाज़, धप

धबक स्त्री० धडकन, धकधकी

धबकवु अ० क्रि० धडकना

धबकारो पु० स्पदन, धडकन, धडका

धबडको पु० सारा काम यकायक बेकार जाना, घोटाला होना, पानी फिर जाना, चौपट होना

धबवु अ० क्रि० गिरना (२) [ला] दिवाला निकालना (३) मर जाना। [धबी जवु = मर जाना, ढेर हो जाना (२)[ला] गहरी नींदमें पडना]

धबाको पु० घोर शब्द, धमाका, धब

धबाय नम न० मटियामेट होना, पानी फिर जाना, चौपट हो जाना
धबेडवु स० क्रि० हाथसे पीटना (२) ठगना, धोखा देना
धबोधब अ० धडाधड, लगातार
धब्बो पु० देखिये धप्पो (२) धब्बा, दाग़
धमक स्त्री० वेग, जोश (२) तेज दमक (३) तडक भडक ठाट-बाट
धमकवु अ० क्रि० गरजना (२) कांपना (३) धमकना, दमकना
धमकार, धमकारो पु० 'धम' की आवाज धम (२) वेग, जोश
धमकाववु स० क्रि० धमकी देना धमकाना डराना (२) डांटना
धमकी स्त्री० धमकी डर
धमचकड स्त्री० धमाल धमाचौकडी (२) शरारत, ऊधम
धमण स्त्री० भाथी धौंकनी
धमधम अ० धम धम
धमधमवु अ० क्रि० धम धम' आवाज होना (२) कांपना (३) बहुत गर्म होना
धमधमाट वि० तीखा चरपरा (२) पु० 'धम धम' की आवाज धम धम (३) रोब, दबदबा आतंक (४) ठाट-बाट, तडक-भडक (५) तीखापन
धमधमाववु स० क्रि० 'धमधमवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप (२) धमकाना (३) [ला] जोशसे काम चलाना, कोई काम वेगपूर्वक और खूब करना, रगडना
धमधोकार अ० पूरे वेगसे धडाकेसे
धमपछाड स्त्री० (–डा) पु० ब० व० शरारत और अधीरता (२) उछल कूद छटपटी
धमवु स० क्रि० भाथी चलाना, धमना, धौंकना (२) आगको हवा करना, फूकना, जलाना (३) आंचसे बराबर तपाना (४) ठगना, चुरा लेना
धमाचकडी स्त्री० देखिये 'धमचकड'
धमाधम (–मी) स्त्री० धमधम (२) मारामार मारपीट (३) हल्ला-गुल्ला
धमाल स्त्री० धमाल, धमाचौकडी
धमालियु वि० धमारिया, धांधली
धमाववु स० क्रि० धमवु क्रियाका प्रेरणाथक रूप (२) ठगना, चुरा लेना
धर स्त्री० तृप्ति, संतोष (२) यकीन
धर स्त्री० (गाडीका) जूआ, कधावर (२) बलको पहले-पहल जोतनेसे लेकर गिने जानेवाले उसके वय (३) शुरू, मूल, धुर
धरखम वि० जिस पर किसी कामका भार हो मजबूत, धुरीण भारी (२) प्रवीण
धरपडीथी अ० शुरूसे धुरसिरसे
धरछोड स्त्री० रियायत छूट (२) तोड समझौता
धरण न० धरना टेई
धरती स्त्री० पृथ्वी (२) जमीन धरती। [–मां पेसी जवु = अत्यत लज्जित होना जमीनमें गड जाना]
धरतीकप पु० भूकप, भूचाल, भौंचाल
धरपकड स्त्री० धरपकड (२) बार-बार गिरफ्तारी
धरपत स्त्री० तृप्ति, संतोष (२) धीरज, विश्वास। [–वळवी = अघाना, संतोष होना (२) यकीन होना]
धरववु स० क्रि० तृप्त करना, छकाना, अघवाना (२) ढूंढना

धरबोळ न० प्रलय, सत्यानास ।[–जवु= तबाह होना, मटियामेट होना, धूल उड़ना]
धरम पु० देखिये 'धर्म'
धरमधक्को पु०व्यर्थका फेरा, धरमधक्का
धरमूळ न० शुरू जडमूल, धुरसिर
धरव पु० संतोष तृप्ति
धरववु स० क्रि० तृप्त करना, अघवाना
धरवु स० क्रि० धरना, थामना, पकडना, रखना (२) धरना, पहनना (३) धारण करना, धरना (विष, जन्म) (४) पासमें रखना, पेश करना आगे रखना
धरार अ० जरूर, अलबत्ता (२) बिलकुल, साफ
धरार पु० वाहनमें जुअेकी तरफ ज्यादा बोझ होना, उलारवा उलटा
धराववु स०क्रि० धरवु' और धरावु' क्रियाका प्रेरणायक रूप (२) नैवेद्य करना, देवके आगे धरना [छकना
धरावु अ० क्रि० तृप्त होना, अघाना,
धरी स्त्री० (पहियेका) धुरा, अक्ष (२) पृथ्वी या खगोलका अक्ष, उत्तर और दक्षिणका जोडनेवाली कल्पित रेखा, अक्ष [हुए छोटे पौदे, पौद, पनीरी
धरु न० उखाडकर रोपनेके लिए उगाये
धरुवाडियु न० पौदकी क्यारी पनीरी
धरो पु० गहरा गड्ढा (खासकर पानीका), दह
धरो स्त्री० दूब, दूर्वा
धर्म पु० धर्म (२) शास्त्रोक्त आचार धर्म (३) पुण्य, दान (४) धर्म फर्ज, कर्तव्य (५) एक पुरुषार्थ धर्म (६) गुण, स्वभाव प्रकृति (७) धर्मराजा
धवडा(–रा)ववु स० क्रि० 'धाववु'का प्रेरणार्थक, दूध पिलाना आँचल देना
धवा स्त्री० तंदुरुस्ती, शक्ति (२) अच्छी दशा। [–वळवी = आरोग्य, शक्ति आदि पुन प्राप्त होना] [बढना
धसवु अ० क्रि० वेगसे आगे बढना,
धसारो पु० हल्ला, हमला
धतर न० जादू (२) ठगनेकी कला
धतरमतर न० जतर-मतर, जादू-टोना
धतूरो पु० धतूरा
धंधादार वि० पेशेवाला, धंधेवाला (२) उद्योगी (३) पु० व्यापारी (४) कारीगर, हुनरमंद
धंधादारी वि० पेशेवर रोजगारवाला (२) स्त्री० धंधा रोजगार, उद्यम
धंधो पु० धंधा, उद्यम, रोजगार, प्रवृत्ति (२) व्यापार [व्यवसाय
धंधोरोजगार पु० धंधा और रोजगार,
धा पु०, स्त्री० मददके लिए पुकार, दुहाई, गोहार (२) हाय। [–नाखवी = मददके लिए पुकारना]
धाई स्त्री० स्तन
धाक पु० स्त्री० धाक, डर (२) अंकुश, दबाव (३) बहरापन। [–उघडवी, (–यी) = बहरापन टलना। –बेसवी = धाक जमना]
धागडी स्त्री० चीथडोंकी गुदडी, कथरी
धागो पु० फटा-पुराना कपडा, लाट, चिथडा, गुदड (२) धागा, डोरा
धाटी स्त्री० रीत ढब, शैली
धाड स्त्री० डाकुओंकी टोलीका छापा, धाड डकैती (२) धावा छापा (मारना) (३) उतावली [ला]। [–मारवी = बडे शौर्य या पुरुषार्थका काम करना, वीर बनाना [ला]
धाडपाडु पु० डाकू लुटेरा

धाडियु, धाड़ु न० आदमियोंका जमाव, मजमा, भीड़

धाणा पु० ब० व० धनिया धाना

धाणी स्त्री० खील लाजा, लावा

धात स्त्री० वीर्य, धात (२) कोष्ठक, खाना [आना

धातवु अ० क्रि० अनुकूल होना, रास

धान न० अनाज, धान्य

धाप स्त्री० उतावलीमें होनेवाली भूल चूक, धोखा (२) धोखा छल (३) चोरी [ला]। [–आपवी देवी = धोखा देना, छलना। –खावी = छला जाना, धोखा खाना। –मारवी = उचक्कर ले जाना]

धाबडवु स० क्रि० छलना गाहकोंसे उचितसे अधिक दाम लेना, ठगना

धाबळ (–ळी) स्त्री० पतला धुस्सा, कंबल

धाबळो पु० मोटे ऊनका धुस्सा

धाबु न० (मकानकी) पक्की छत, धाबा (२) धब्बा दाग़ (३) (दूधका) हंडा

धामण स्त्री० एक प्रकारका मोटा साँप धामिन [चहल-पहल, धूम धाम

धामधूम स्त्री० जोरोंकी तैयारी धूम

धामो पु० लंबे अरसेके लिए पड़ाव

धार स्त्री० तलवार आदिका तेज किनारा बाढ़ धार (२) धार धारा दरेरा (३) किनार, छोर। [–पर रहेवु = जान-जोखोंकी दशामें या कड़े अधिकारमें रहना

धारण न० धरनेकी क्रिया धरना, धारण (२) आधारभूत होना या बनना अवलंबन धारण (३) स्त्री० आधार (४) धीरज (५) धरन शहतीर (६) धक्का, पासंग

धारणा स्त्री० धारणा, मनसूबा (२) कल्पना धारणा (३) याददाश्त धारणाशक्ति (४) ग्रहण करनेकी क्रिया धारणा

धारदार वि० धारदार धारवाला

धारवु स० क्रि० मान लेना, कल्पना करना (२) चाहना, इच्छा करना (३) अनुमान करना, अटकल लगाना (४) ठानना, (मनमें) तय करना। [धारीने जोवु = ध्यानपूर्वक टकटकी लगाकर देखना। धार्यु करवु = अपने मनकी करना, इच्छित, मनमाना करना]

धाराधोरण न० क़ायदा नियम आदि

धारापोथी स्त्री० क़ानूनकी किताब कोड

धाराशास्त्री पु० वकील कानूनदाँ

धारासभा स्त्री० कानून बनानेवाली सभा विधान-सभा व्यवस्थापिका सभा

धारियु न० एक धारदार हथियार

धारो पु० रिवाज चाल प्रथा (२) कानून

धार्युं वि० इच्छित, (मनमें) ठाना हुआ, तय किया हुआ (२) न० धारणा संकल्प

धालावेली स्त्री० भारी अधीरता, उतावली, बेसब्री

धाव स्त्री० धाय उपमाता

धावण न० माँका दूध दूध

धावणी स्त्री० चटटू, चुसनी

धावणु त्रि० दूधपीता दूधमुहा (२) उस उम्रका (बच्चा) (३) न० दूध-पीता बच्चा

धाववु स० क्रि० स्त्री या मादाका दूध पीना, स्तन पीना चोसना

धावु अ० क्रि० दौड़ना, मन्दका दौड़ना धाना [प] (२) रोगका एकदम फैल जाना उदा० तेने धनुर्वा धायो छे

धाश(-स)को पु० देखिये 'घ्रासको'
धास्ती स्त्री० दहशत, डर। [-आपवी, देवी, देखाडवी, बतावबी = डराना, डर दिखाना]
[गडबड, ऊधम
धांधल(-ळ) (०) स्त्री०, न० धांधल,
धांधलि(-ळि)यु वि० धांधली, ऊधमी
धिकावबु स० क्रि० खूब गरम करना, तपाना धिकाना (२) धधकाना
धिक्कारवु स० क्रि० धिक्कारना
धिंगाणु न० जोरोसे छिडी हुई लडाई, दगा [मुश्ती
धिंगामस्ती स्त्री० धींगाधींगी, धींगा
धिंगु वि० धींगडा, मोटा, मजबूत
धीकडी स्त्री०, (-डु) न० हल्का ज्वर, हरारत
धीकतु वि० धधकता हुआ (२) जोरोंसे चलता हुआ, फलता-फूलता [ला]। [धीकती सगडी = खूब चिंताका विषय, जलती आग, बलाजान]
धीकवु अ० क्रि० धधकना, बहुत जलना या तपना। [धीकतो धंधो = बढता हुआ या चलता धंधा]
धीट वि० सहनशील (२) निडर, ढीठ
धीबकारो पु० 'धब धब' की आवाज, धब-धब
धीबको पु० मुक्का, घूंसा धप
धीबवु स० क्रि० धब-धब मारना, पीटना
धीमाश स्त्री० मंदता, धीमापन
धीमु वि० धीमा, मंद, मथर, कम गतिवाला (२) जो उग्र या तेज न हो, शान्त (३) ढील। धीमा। [-पडवु = गति मंद होना (२) कोप शांत होना। -पाडवु = मंद करना (२) ठंडा करना, शांत करना]
धीमे (०थी) अ० आहिस्ता, धीरेसे, चुपकेसे। [-रहीने = आहिस्ता, धीरेसे (२) युक्तिपूर्वक (३) चुपकेसे, चुपचाप]
धीर वि० धैर्यवान, अडिग, दृढ, धीर (२) गंभीर, शांत, धीर (३) स्त्री० धैर्य, धीरज (४) यकीन, प्रतीति
धीरधार स्त्री० महाजनी, साहूकारी
धीरवु स० क्रि० भरोसा रखना, विश्वास करना (२) भरोसे पर सौंपना (३) उधार या सूद पर देना, कर्ज देना, उधार देना
धीरु वि० धीमा (२) धीर, धैर्ययुक्त
धीरे, धीरेथी, धीरे धीरे अ० आहिस्ता, धीरे धीरे, हौले-हौले
धींगाणु न० देखिये 'धिंगाणु'
धींगामस्ती स्त्री० देखिये 'धिंगामस्ती'
धींगु वि० देखिये 'धिंगु'
धुजारी स्त्री०, धुजारो पु० कँपकँपी, सिहरन [कारना
धुतकारवु स० क्रि० दुतकारना, धुत-
धुतारी स्त्री० ठगनी, धूत स्त्री
धुतारु वि० धूर्त, धोखेबाज
धुतावु अ० क्रि० 'धूतवु' क्रियाका कर्मणि रूप, धोखा खा जाना, छला जाना
धुपेल न० सिरमें डालनेका मसालेदार तेल
धुपेलियु वि० तेल जैसा (२) न० तेलहंडा (पात्र)
धुमाडियु न० चिमनी, धुवांरा (२) वि० जिसमेंसे धुआं निकले ऐसा (मिट्टीका तेल)
धुमाडो स्त्री० धुआं। [-ना बाचका भरवा = मिथ्या प्रयत्न करना, हवा मुट्ठीमें बांधना]
धुमाडो पु० देखिये 'धुमाडो'
धुमावु अ० क्रि० जलनेमें धुआं होना (२) कुढना भीतर ही भीतर जलना

घुमास पु० धुएँसे लगनेवाला कचरा, घुआँसा (दीवार छत आदि पर)
घुम्मस न० कुहरा, कुहासा [प]
धुळेटी स्त्री० होलीके बादका दिन, धुलेंडी धुरेंडी
घुगु न० झाड-झखाड, झाडी
घुबो पु० घूसा धप
घूणवु अ०क्रि० आवेशमें हिलना, अभुआना [प]
घूणी स्त्री० धुआँ (२) (जोगियोकी) धूनी। [–जगाववी = धूनी जगाना, रमाना]
धूतवु स०क्रि० ठगना, धोखा देना
धून स्त्री० धुन लौ (२) धुन मनकी लहर सनक (३) सुरका गुंजना, स्वरभंगी (४) एक प्रकारका गीत, धुन
धूनी वि० धुनी तरंगी (२) तरंगी सनकी [धूप (शूपकी)
धूप पु० धूप गंधद्रव्य (२) पु० स्त्री०
धूपदानी स्त्री० धूपदान धूपदानी
धूपसळी स्त्री० धूपबत्ती अगरबत्ती
धूपियु न० धूप देनेका पात्र धूपदान
धूम वि० (२) अ० बहुत भारी (३) आवेशके साथ धुनके साथ (४) स्त्री० शोर धमाल धूम
धूमधाम स्त्री० धूमधाम धूम
धूळ(ळ) स्त्री० धूऱ गद (२) रास्तेकी रज खाक (३) निकम्मी, तुच्छ चीज, धूल [ला]। [–उडाडवी = –के ऊपर धूल फेंकना नाहक निंदा करना (२) –को धमकाना उलहना देना। –ऊडवी = (किसी स्थल पर) धूल उडना उजड जाना। –काढी नाखवी खखेरी काढवी = खूब डाँटना (२) जवाबदारी छोड देना (३) आने-आनेका नाता तोडना। –खावी = पख मारना (२) पछताना (३) व्यवहृत न होना। –पडवी = (जीवन बुढापा) धूलमें मिलना। –वाळवी = धूलमें मिलाना, पानी फेर देना (२) बिगाडना नष्ट करना (३) धुरियाना गाडना धूलसे ढकना (४) उपेक्षा करना]
धूळक(–को)ट पु० बगूला बवडर
धूळधमा स्त्री० तुच्छ चीज या बात धूल
धूळधाणी स्त्री० बरबादी धूलधानी
धूळी पडवो पु० होलीके बादका दिन, धुलेंडी
धूध स्त्री० (आँखकी) धुध
धूधकार पु० न० धुध (गदकी)
धूधवाट पु० जलनेमें धुआँ होना (२) दबा हुआ गुस्सा भडास झुंझलाहट, कुढन
धूधवावु अ०क्रि० धुआँना, जलनेमें धुआँ होना (२) झुंझलाना कुढना
धूसरी स्त्री०, धूसरु न० जुआ (गाडी आदिका)
धूसो पु० मोटा भारी कबल धुस्सा
धोकडी स्त्री०, धोकडु न० रुईकी बडी गाँठ (२) काया शरीर
धोकणु न० कपडे धोनेका डडा
धोको पु० मोटा डडा, लगुड (२) मुक्का, घूसा (३) घाटा नुकसान (४) देखिये धोकणु। [–पहोचवो = नुकसान पहुंचना घाटा सहना]
धोखो(–खो) पु० नुकसान घाटा (२) चिंता (३) दगा धोखा
धोतली स्त्री० छोटी धोती
धोतियु न० धोती
धोतीजोटो(–डो) पु० धोतीजोडा

घोध पु० ऊँचाईसे वेगसे गिरनेवाला पानीका प्रवाह, प्रपात
घोधमार अ० मोटी धारसे, मूसलाधार
घोवण स्त्री० घोविन, धोवन
घोबी पु० धोबी। [-नो कूतरो=धोबी का कुत्ता, उठल्लू आदमी]
घोबु वि० ठोठ, बुद्धू (२) न० इट, रोडा
घोबो पु० मूख व्यक्ति, बुद्धू
घोम पु० सूय (२) सूयकी तेज गरमी, तेज धूप (३) क्रोध। [-धखवो=सख्त धूप पडना (२) अतिशय क्रुद्ध होना]
घोरण न० मनका झुकाव, प्रवृत्ति (२) (शालाका) दर्जा, कक्षा, श्रेणी (३) पैमाना, प्रमाण (४) पद्धति, रीति, नियम
घोरी वि० धुरीण, बडा, मुख्य (२) पु० जोतने योग्य बैल, धुरीण (३) पुत्र
घोरो पु० छतकी मुडेर, मुडरा, चबूतरेका तकिया (२) पेडके चारो ओर बनाया जानेवाला मिट्टीका चबूतरा (३) खेतकी मेंड
घोल(धा) स्त्री० धौल, तमाचा
घोलाई स्त्री० देखिये 'घोवाई
घोवडामण न० धोनेकी उजरत, धुलाई (२) धोनेके बाद बचा हुआ गदा पानी धोवन [उजरत
घोवडामणी स्त्री० धुलाई, धोनेकी
घोवडाववु स० क्रि० धुलाना
घोवरामण न० देखिये 'घोवडामण'
घोवराववु स० क्रि० देखिये 'घोवडाववु'
घोवाई स्त्री० धानेकी उजरत धुलाई
घोवाण न० (पानीसे मिट्टीका) धुल आना बहावका तोड दरेरा
घोवावु अ० क्रि० 'घोवु' क्रियाका कमणि रूप, धुलना (२) (शरीर) क्षीण होना, निचुडना
घोवु स० क्रि० धाना। [घोई काढवु, नाखवु=सख्त मरम्मत करना, पीटना (२) पानी फेरना, निकम्मा कर देना (३) (वृत्तिको) मनमेंसे दूर करना (४) निंदा करना। घोई पीवु= (किसी चीजको) निकम्मा धरा रहना (२) सिर चढना, कुछ न समझना]
घोळ(धाँ) पु० न० गीतका एक प्रकार
घोळवु(धा) स० क्रि० चूना पोतना, सफेदी करना। [घोळी आववु=काय सिद्ध करना, प्राप्ति करके आना (२) (कटाक्षमें) काय सिद्धि न होना]
घोळाई (धाँ) स्त्री० चूना पोतनेकी मजदूरी पुताई
घोळा(धाँ) न० ब० व० पके हुए बाल
घोळु(धाँ) वि० सफेद, उजला। [घोळा उपर काळु करवु=लिखना (२) कीर्तिको धब्बा लगना। घोळे दहाडे =दिन-दहाडे खुले आम]
घोळुधम, घोळुफक(-ग), घोळुबख (धाँ) वि० बिल्कुल सफेद
घोंस(धाँ०) स्त्री० हल्ला
ध्राग(-स)को पु० धडक, दहशत
ध्रुजाट पु०, ध्रुजारी स्त्री० कप थरथराहट, कँपकँपी
ध्रुजारो पु० देखिये 'ध्रुजारी'
ध्रुजाववु स० क्रि० कँपाना
ध्रुसको पु० रोदन रुदन
ध्रूजववु स० क्रि० कँपाना, हिलाना
ध्रूजवु अ० क्रि० काँपना, थरथराना

न

न पुं० 'त' वर्गका—दंतस्थानीय पाँचवाँ व्यंजन (२) अ० न, नहीं मत
नई(न') स्त्री० लौकी (बेल)
नईयु(न') न० लौकी, घिया
नई तालीम स्त्री० नई तालीम, बुनियादी तालीम [बेनाम [ला]
नकटु वि० नककटा नकटा (२)
नकतो पुं० मनकी तरंग, अनूठी कल्पना, धुन (२) नुक्ता बिंदी
नकर वि० जो महसूलसे मुक्त हो, निःशुल्क करमुक्त (२) मुक्त, निर्लेप (३) निरा, निपट
नकल स्त्री० नक़ल प्रतिलिपि (२) नक़ल अनुकरण, स्वाँग (वेश, वाणी आदिका) (३) मनगढ़ंत कहानी, मनकी उपज
नकली वि० नक़ली, कृत्रिम, बनावटी (२) पुं० बहुरुपिया (३) मसखरा
नकशी स्त्री० नक्काशी नकाशी
नकशीकाम न० बेल-बूटे खोदने या चित्र बनानेका काम नक्काशी
नकशीदार वि० नक्काशीदार नकशी
नकशो पुं० नक्शा, नकशा
नकामु वि० निकम्मा अनुपयोगी (२) अ० व्यय अकारण नाहक
नकार पुं० नकार
नकारवु स० क्रि० नकारना [रयुक्त
नकारात्मक वि० निषेधात्मक नका
नकाम त्रि० बुरा, हीन (२) ज़िद्दी
नकूचो पुं० (साँकल अटकानेका) कोंढा, कुंडा [(उपवास)
नकोरडो वि० पुं० नहार निराहार
नक्कर वि० जो खोखला न हो, ठोस
नक्काद वि० देखिये 'नकाद'
नक्की वि० चौकस, ठीक, निश्चित, तय किया हुआ, नियत (२) भरोसेका, विश्वसनीय (३) अ० ज़रूर अवश्य
नक्कूर वि० देखिये 'नकार'
नक्कोरडो वि० पुं० देखिये 'नकोरडो
नख पुं० नख नाखून (२) नाखून (पशु पक्षीका)। [–जेटलुं = बहुत छोटा सूक्ष्म (२) महत्त्वहीन, नगण्य]
नखराळु, नखराखोर, नखरांबाज वि० नखरेबाज़
नखरु न० नखरा नाज़-अदा, हावभाव
नखली स्त्री० स्त्रियोंका कानका क गहना
नखाववु स० क्रि० डलवाना
नखावु अ० क्रि० 'नाखवु'का कर्मणि, डाला जाना (२) दुबला हो जाना, निचुड़ना
नखियु न० नाखून काटनेका एक साधन नहरनी (२) रंग निकाली हुई फली (३) नाखूनकी खरोंच, नखक्षत
नखी वि० तीक्ष्ण नाखूनवाला, नखी (२) स्त्री० मढ़ा हुआ नाखून (३) मिज़राब (४) नाखून काटनेका एक साधन नहरनी नाखून-तराश
नखेतर, नखद वि० अशुभ
नखोद न० कुलका उच्छेद (२) सत्यानाश उच्छेद। [–जवु = निर्वंश होना घर उजड़ना (२) सत्यानाश होना। –वळवु = पूरी पामाली होना मटि

यामेट होना। —वाळवु=पूरी पामाली करना, घर घालना]

नखोदियु वि० विनाशकारी, उच्छेदी (२) बांझ, नि संतान (३) न० निवंशका धन [नखक्षत

नखोरियु न० नाखूनकी खरोच, नहट्टा,

नगणु वि० एहसान फरामोश, कृतघ्न

नगद वि० नकद, नक्द (रकम) (२) कीमती (३) ठोस, सगीन। [—घराक =मालदार व्यक्ति। —नाणु=वह जायदाद जिसकी कीमत कभी भी रोकडमें मिल सके, नकद]

नगद नारायण पु० नकद रकम, रुपया (२) वि० धनी, मालदार (३) (व्यंगमें) कंगाल (आदमी)

नगद माल पु० मलीदा जैसा तर भोज्य पदार्थ, माल

नगदी वि० देखिये 'नग्द'

नगरी स्त्री० नगरी, शहर (२) वि० नगरका, शहरका

नगरु वि० कृतघ्न (२) बेनाम (३) निगुरा

नगारु न० नगाडा नक्कारा

नगीन न० रत्न नगीना [पुरुष, विज्ञ

नगीनो पु० नगीना, रत्न (२) चतुर

नगुणु वि० देखिये 'नगणु'

नगोड स्त्री० एक वृक्ष, निगुंडी, सिंदुवार

नग्न वि० नग्न नंगा (२) खुला, स्पष्ट (३) बेहया निलज्ज [ला]

नघरोळ वि० बेहया, चिकना घडा (व्यक्ति), जड (२) बेफिक्र लापरवाह

नचववु स०क्रि० 'नाचवु का प्रेरणार्थक, नचाना

नचिंत वि० निश्चिन्त बेफिक्र

नचूको पुं० देखिये नकूचो'

नछद वि० अलग, जुदा

नछूटके अ० लाचार होकर, नाचार

नजदीक अ० नजदीक, पासमें

नजर स्त्री० नजर, भेंट। [—करवु= नजरके रूपमें कोई चीज भेंट करना]

नजर स्त्री० नजर, दृष्टि (२) ध्यान (३) बुरी नजर लगना, नजर [ला]। [—करवी = नजर करना, देखना (२) कृपा करना। —घालवी = चित्त देना, मन लगाना (२) न्याय या नीतिकी भावना न रखना, नीयत बिगाडना। —चालवी = देखिये 'नजर पहोचवी'। —चोटवी = नजर लगना (२) दिलमें बैठना, ध्यानमें आना। —पडवी = दिखाई देना, देखना। —पहोंचवी = दिखाई देना दीखना (२) अक्लका काम करना, सूझ-बूझ होना। —मा आववु = पसन्द आना। —मां घालवु = ध्यानमें रखना (२) नुकसान पहुँचानेकी ताकमें घूमना, घातमें रहना। —लागवी = नजर लगना]

नजरकेद स्त्री० नजरबन्दी, नजरक़ैद

नजरचूक स्त्री० नजरमेंसे छूटी हुई चूक या गलती

नजरबंधी स्त्री० जादूसे लोगोकी नजर बाँधना नजरबन्दी, डीठबंदी

नजराणु न०, (—णो) पु० नजराना, भेंट, नजर [लगना

नजराववु अ० क्रि० नजराना नजर

नजरियु न० नजर न लगे इसलिए किया जानेवाला काजलका चिह्न या तावीज आदि टोटका, डिठौना

नजरोनजर अ० नजरके सामने, प्रत्यक्ष

नजीक अ० नजदीक, पासमें [थोडा

नजीवुं वि० नाचीज, तुच्छ (२) जरा,

नवटांकियु न०, नवटांकी स्त्री० छटांकका नाप या बाट छटांक
नवडावयु (न') स०क्रि० नहलाना (२) ठगना, नुकसान करना, पानी फेरना
नवतर(-रु) वि० नया नवीनतर
नवतेजा पु०ब०व०, स्त्री०, नवतेजो न०ब०व० नहासवट
नवमी स्त्री० नवमी (२) वि० स्त्री० नवीं
नवराई स्त्री० फुरसत, निठल्लापन
नवरात (०र) स्त्री० चैत्र और आश्विन शुक्लकी पहली नव तिथियाँ नवरात्र
नवरावयु (न') स० क्रि० देखिये 'नवडावयु'
नवराश स्त्री० देखिये 'नवराई'
नवरु वि० बिना काम धंधेका, जो खाली बैठा हो, निठल्ला बेकार (२) कामसे फारिग, निवृत्त
नवरुघूप वि० बिल्कुल बेकार
नवरोज पु० वसंत ऋतुका समान दिन और रातवाला दिवस (२) पारसियोंके वर्षका पहला दिन, नौरोज
नवल स्त्री० उपन्यास, नावल
नवलकथा स्त्री० उपन्यास नावल
नवलख वि० नौ लाखकी कीमतका (२) अगणित (३) अमूल्य
नवलिका स्त्री० छोटी कहानी कहानी
नवलोहियु वि० जिसकी नसोंमें नया रक्त बह रहा हो जवान
नवशिखाउ वि० नौसिखुआ, सीसतर
नवशेकु वि० थोडा गम कुनकुना
नवसा(०ग)र पु० नवसार नौसादर (क्षार)
नवस्त्र वि० नगा, विवस्त्र
नवाई स्त्री० नयापन नवीनता (२) अचरज (३) अपूर्वता, अद्भुत
नवाजयु स०क्रि० प्रेमपूर्वक स्वागत करना अभिवादन करना (२) भेंट देना
नवाजिश स्त्री० नवाजिश कृपा (२) भेंट, उपहार
नवाजूनी स्त्री० ताजी खबर (२) उथल-पुथल भारी उलट-पलट
नवाजेश स्त्री० देखिये नवाजिश'
नवाण(न') न० जलाशय
नवाणु (-णुं) वि० निन्नानवे निन्नानवे ९९ [लावारिस
नवारस (-सु, -सु -सियु) वि०
नवु वि० नया नवीन, नूतन अपूर्व (२) तुरतका ताजा ताजा (३) नौसिखुआ, अनुभवहीन अपरिचित कच्चा (४) अपूर्व अजनबी (५) जिसका उपयोग पहले न किया हो कोरा, अछूता (६) बना हुआ, नया स्थानापन्न (७) नये सिरेका। [नवी आंख = नये जमानेकी नजरसे (देखना)। -लोही = जवानीका जोश। नवे जन्मे आववु = भारी आफत या जानलेवा बीमारीसे बचना। नवे नामे = नये सिरेसे] [उथल-पुथल हो
नवुजूनु वि० जिसमें भारी हेर-फेर या
नवुनक्कोर वि० बिल्कुल नया
नवु सवु वि० तुरतका, हालका ताजा (२) अपरिचित अज्ञान
नवेण(न) स्त्री० रसोईघर, चौका (२) वह स्थिति जिसमें भोजनसे पहले किसीको छुआ न जाय
नवेली स्त्री० नवोढा, दुल्हिन
नवेसर(०थी) अ० नये सिरेसे
नवेळियु (न') न० सँकरी, तंग गली गलियारी (२) घरके पिछवाड़ेकी गली अतरिका

नवेळी(न') स्त्री० देखिये 'नेवेळियु' (२) पानी जानेकी नाली
नवेळु(ऩ') न० देखिये 'नवेळियु'
नवेंबर पु० नवबर
नव्याशी(-सी) वि० नवासी, ८९
नव्वाणु(-णु) वि० देखिये 'नवाणु', ९९
नशाखोर, नशाबाज वि० नशाखोर, नशेबाज
नशो पु० नशा, कैफ
नस स्त्री० नस, रग (२) पत्तेका रेशा, रग। [-पकडवी=नस-नस पहचानना, असलियत, मूल कारण, प्रकृति या खरी बात खोज निकालना]
नसकोरी स्त्री० नाकके भीतरकी मुला यम चमडी (२) नकसीर। [-य न फूटवी=नकसीर भी न फूटना, बाल भी बाँका न होना] [नाक
नसकोरु न० नाकका छेद, नथुना (२)
नसवाण वि० अशक्त, ढीला; निढाल
नसाडवु स० क्रि० 'नासवु' का प्रेरणार्थक रूप, भगाना। [नसाडी जवु= दूसरेकी औरतको भगाकर ले जाना भगाना]
नसियत स्त्री० नसीहत, सीख (२) सजा
नसीकवु स० क्रि० सिनकना, छिनकना
नसीब न० नसीब भाग्य। [-अज-मावयु=नसीब आजमाना। -ऊघडवु, खूलवु, जागवु=नसीब खुल जाना चमकना जागना, सीधा होना। -नुं ऊंधु, -फूटलु=कमनसीब। -नु पाडडु फरवु = भाग्योदय होना, नसीब पलटना। -फरवु=बुरेसे अच्छे दिन आना भाग्योदय होना, नसीब पलटना। -फूटवु=नसीब फूटना किस्मत बिगडना। -बे डगला आगळ ने आगळ=जहाँ जाओ वहाँ कम नसीबी, दुर्भाग्य पेदा आयेगा। (कोईने) -वेचवु=किसी पर आधार रखना]
नसीकवु स० क्रि० देखिये 'नसीकवु'
नसोतर न० एक वनौषधि, निसोथ
नस्तर न० नश्तर(क्रिया और औजार)
नहार पु० कुत्तेकी जातका एक हिंसक पशु, सोनहा
नहि अ० न, नही
नहितर अ० नहीं तो, वरना, अन्यथा
नहियु न० नाखूनसे सटी हुई चमडी-वाला भाग
नहियत अ० नहीवत्, जरासा
नहीं अ० देखिये 'नहि'
नहींतर अ० देखिये 'नहितर'
नहेर (नहेँ) स्त्री० नहर
नहोतु(नुहा) अ० क्रि० नही था
नहोर पु० पंजेका नाखून, नख (२) नखक्षत महट्टा [आजिजी
नहोरा पु० ब० व० निहोरा, चिरौरी,
नळ पु० पेटकी बडा आंत, नला (२) पाईप नल (३) नल राजा। [-छूटी जवा=दस्त लग जाना, पेट छूटना। -भरावा=आँतोमें सूजन आना आँतें फूल जाना]
नळाकार वि० नलाकार
नळियु न० नरिया, खपरैल, खपरा
नळी स्त्री० फुकनी, नरी (२) एक ऊँचा नलाकार बरतन, ऊँची नाद जैसा बरतन
नळो पु० बडी नली (२) परकी लंबी हड्डी, नला (३) घुटनेसे लेकर पेट तकका हिस्सा (४) धातुका बडा नला कार बरतन [रूप, डलवाना
नवावयु स० क्रि० 'नाखवु' का प्रेरणार्थक

नखावु अ० क्रि० नाखवु का कर्मणि डाला जाना (२) दुबला हो जाना, निचुडना (३) क करना। [नखाई जवु = (शरीर) अत्यंत दुबल, कमज़ोर होना, नस ढीली होना, हौसला पस्त होना दिल टूटना]

नग न० एक चीज नग अदद (२) हीरा नग (३) [ला] मूख (४) धूत मनुष्य [चीजको)

नदवद स० क्रि० तोडना (प्राय काँचकी

नदवावु अ० क्रि० टूटना (प्राय काँचकी चीजका) [निंदा करना

नदवु स० क्रि० देखिये 'नदवव (२)

नदवु अ० क्रि० आनंदित होना

ना अ० नहीं न मत (२) स्त्री० नकार। [-समळावयी = इनकार करना निषेध करना]

नाउमेद वि० नाउम्मेद निराश

नाक न० नाक (२) [ला] आबरू, नाक। [-ऊंचु करवु = घमंड-गर्व करना इतराना। -कपाई जवु = नाक कटना। -कापवु = नाक काटना। -कापे एवु = भोथरा, कुद, खुंडा। -घसवु = नाक घिसना नाक रगडना। -नी दांडीए = नाककी सीधमें। -पर माख बसवी = नाक पर मक्खी बठना। -मरडवु = नाक सिकोडना। -मां ऊंदर चालवां पेसवां = खूब गव होना ऐंठना। -लीटी ताणवी = नाक रगडना घिसना]

नाककटटु वि० नकटा नक्कटा (२) बेहया नक्कटा

नाकलीटी स्त्री० नाक रगडना नाक घिसनी नकघिसनी [बंधी

नाकाबंदी (-धी) स्त्री० देखिये नाके

नाकु न० छेद (२) सूईका छेद, नाका, आँख (३) जकात वसूल करनेका स्थान, नाका, चुंगीघर (४) जहाँ बहुत रास्ते मिलते हों वह स्थान, एक तरहका चौराहा (५) रास्तेका सिरा, मोड या प्रवेशद्वार, नुक्कड, नाका (६) गाँवमें प्रवेशके लिए लिया जाता कर, चुंगी, राहदारी

नाकेदार पु० नाकेदार राहदार

नाकेबंधी स्त्री० नाकाबंदी, नाकेबंदी

नाखवु स० क्रि० देखिये 'नाखवु'

नाखुदा पु० जहाजका कप्तान नाखुदा

नाखोरी स्त्री० देखिये 'नसकोरी'

नाखोरु न० नाक

नागकेसर न० एक वनौषधि, कबाब चीनी, नागकेसर

नागडु वि० देखिये नागु

नागडो पु० साधुओंका एक सम्प्रदाय, नागा (२) साधु (तिरस्कारमें) (३) धूत व्यक्ति [ला]

नागण (-णी) (प) स्त्री० नागिन नागन (२) एक गहना

नागणु न० बरतन उठानेके लिए लगाया जानेवाला सरकीली गाँठोवाला रस्सीका घेरा फंदा, अरिवन (२) मथानीकी रस्सी नेती (३) हलसे जुआ बाँधनेकी रस्सी नागल

नागपांचम (म) स्त्री० नागपंचमी

नागर वि० नागर, नगर-संबंधी (२) सभ्य (३) चतुर नागर (४) नागरकी जातिका (५) पु० नागर जातिका व्यक्ति, नागर (६) (व्यंगमें) हरिजन मेहतर (७) स्त्री० माठ नागर

नागरडी (-ण) स्त्री० नागरकी स्त्री

नागरणु न० देखिये नागणु'

नागरमोय(थ,) स्त्री० नागरमोथा
नागरवेल(–ली) (ल,)स्त्री० नागरबेल
नागरिक वि० नागरिक,नगरका(२) पु० नगरवासी, शहरी (३) राष्ट्रका आम आदमी, नागरिक, 'सिटिजन'
नागली स्त्री० एक मोटा अनाज, नाचनी
नागाई स्त्री० निलज्जता, बेशर्मी (२) धूर्तता
नागु वि० नग्न, विवस्त्र, नंगा (२) अलंकारहीन, शोभाहीन, खाली, नंगा (नाक कान आदि) (३) [ला] बेशर्म (४) धूर्त, काइयाँ। [–बोलवु =बीभत्स बोलना (२) मुकर जाना, झूठ बोलना]
नागुपूगु वि० नंग धड़ंग नंगा-मुंगा
नागोडियु वि० नंगा, नग्न
नाच पु० नाच, नृत्य या उसका जल्सा। [–करवा =तमाशा करना (२) (मनमें) अलग अलग तरंग करना। –नचाववा =नाच नचाना]
नाचवु अ० क्रि० नाचना
नाछूटके अ० नाचार लाचार होकर
नाजर पु० अदालतका एक अधिकारी, नाज़िर (२) हिजड़ा हीजड़ा
नाजुकाई स्त्री० नज़ाकत, लताफत
नाटक न० नाटक दृश्य-काव्य (२) [ला] भद, फजीहत (३) ढोंग
नाटकचेटक न० हास्य विनोद नाटक चेटक [(२) ढोंगी [ला]
नाटकी वि० नाटक जैसा नाटकीय
नाटिका स्त्री० छोटा नाटक नाटिका
नाठाबारी स्त्री० भागनेकी खिड़की भाग या उपाय चोर दरवाजा
नाड(ड) स्त्री० नाडी नब्ज रग (२) चमड़ेकी रस्सी नाधा (३) कमलका पोला डंठल, नाल (४) [ला] वृत्ति, झुकाव (५) लगाम, काबू (६) गरदन। [–जोवी = नाड़ी-परीक्षा, नब्ज पर उँगली रखकर देखना (२) मनोभावोंका झुकाव देखना]
नाडण न० जुआ बाँधनेकी रस्सी, नागल, नाधा, नारी
नाडाछडी स्त्री० दो या ज्यादा रंगोंके सूतकी डोरी, नारा, नाड़ा
नाडी स्त्री० नाड़ी, नब्ज (२) छोटी डोरी, नाड़ा
नाडु न० छोटी डोरी, नाड़ा (२) लाल रंगका डोरा, रक्षासूत्र, नाड़ा (३) नेफेमें डालनेकी डोरी या फीता, नाड़ा, इजारबन्द (४) जूड़ा बाँधनेका डोरा, चोटी (५) हद, मर्यादा। [–छोडवु = पेशाब करना (२) बंद या तनाव ढीला करना] [आज़माना
नाणवु स० क्रि० परखना, कसना,
नाणाकीय वि० आर्थिक, माली
नाणाबजार न० सराफोंका बाज़ार, सराफा (२) जौहरी-बाज़ार
नाणाभीड स्त्री० पैसेकी तंगी, तंगदस्ती, अर्थ-कष्ट
नाणामंत्री पु० अर्थसचिव, वित्तमंत्री
नाणावटी पु० सराफ (२) मालदार व्यक्ति
नाणाशास्त्र न० अर्थशास्त्र
नाणाशास्त्री पु० अर्थशास्त्र जाननेवाला, अर्थशास्त्री, वित्तप्रबंधक
नाणां न०ब०व० पैसा, धन (२) मूल
नाणु न० चलता सिक्का, मुद्रा (२ धन पैसा अर्थ
नात(त) स्त्री० जाति, बिरादरी जाति एक ही कुल जाति या वर्ग

जनसमुदाय (२) जातिवालोंको दिया हुआ भोज। [-बहार मूकवु = बिरादरीसे खारिज करना जाति च्युत करना]

नातजात स्त्री० जात-पाँत

नातरियु वि० जिसने करावा किया हो करावा-संबंधी (२) जिसे करावा करनेकी छुट्टी हो (व्यक्ति जाति आदि) (३) जो एक किस्मका न हो बेमेल

नातरु न० नाता संबंध उदा० गाम नातरे भाई (२) बेवा या त्यक्ताके साथ पुनर्विवाह करावा सगाई (३) बेमेल जोडा (चीज़)। [नातरे जवु = करावा करना (किसीके) घर बैठना। नातरे लाववु = बेवा या त्यक्ताका पाणिग्रहण करना घरमें डालना]

नातवरो पु० जाति भोज

नाताल स्त्री० ईसाई त्योहार क्रिसमस

नातीलु वि० जातिका बिरादरीका

नाथ स्त्री० बैल वगैरहकी नाकमें पहनाई जानेवाला रस्सी नाथ (२) (नाककी) नथ (३) जमीनकी धुलाई रोकनेके लिए बांधी जाती मेंड़, बाध पाल [रस्सी, तन्नी

नाथणु न० तराजूके पलडे बाँधनेकी

नाथवु स०क्रि० (बैलको) नाथ पहनाना नाथना (२) बसमें करना नाथना (३) चाल सिखानेके लिए फेरना सधाना निकालना

नाद पु० नाद घोष ध्वनि आवाज (२) वाचा या वर्णोंके उच्चारणमें एक प्रकारका बाह्य प्रयत्न, नाद (३) [ला] आदत चसका (४) लौ धुन लगन (५) गर्व। [-ऊतरवो = गर्व टलना उतरना घमंड चूर होना। -मां पडवु, -लागवो, नादे चडवु = लत लगना, धुन सवार होना, लगन लगना]

नादार वि० नादार, गरीब (२) जिसका दिवाला निकला हो या जिसने दिवाला निकाला हो दिवालिया (३) पु० दिवालिया [दिवाला

नादारी स्त्री० नादारी गरीबी (२)

नानकडु वि० नन्हा छोटा

नानखटाई स्त्री० नानखताई

नानप(ना') स्त्री० कमी क्षति खोट (२) कुटुंबमें बडे आदमीका न होना

नानपण (ना) न० बचपन, छुटपन

नानम(ना') स्त्री० छोटापन छोटाई (२) कमीनापन ओछापन (३) कमी खामी क्षति (४) देखिये नानप न २

नानु(ना') वि० छोटी उम्रका छोटा कमसिन (२) कदमें अल्प छोटा (३) हलका आछा [ला]। [नाना बापनु = हीन कुलका। नाने मोंए = छोटे मुँह]

नानुसूनु वि० मामली साधारण नाचीज़

नान्यतर वि० नपुंसक लिंगका [या]

नापसदगी स्त्री० नापसंदगी (२) मान्य न होना मान्यता न देना [सद

नापास वि० देखिये नपास (२) नापास

नाम न० नाम (२) ख्याति नाम (३) स्मारक, यादगार नाम (४) किसी व्यक्ति वस्तु आदिका संज्ञा रूप शब्द संज्ञा नाम। [-करवु काढवु = ख्याति प्राप्त करना नाम करना (२) [ला] बदनाम होना नाम डूबना। -जवा देवु = नाम न लेना (किसीमे) बहुत अधिक बचना प्रसंग तक न छेडना। -देवु

लेवु =(किसीका)नाम लेकर कहना, पुकारना बुलाना (२) [ला] चुनौती देना, परेशान करना सताना रूबरू करना या कुछ करना नाम लेना। —बोळवु = नाम डुबाना। —मूकवु = नाम न लेना। नामे चडाववु = (—को) हकदार बनाना, दस्तावेज या करारमें उसका नाम लिखवाना, (किसीके) नाम पर, किसीके नाम। नामे माडवु, नामे लखवु = बहीमें (किसीके) नाम रकम लिखना, —के पास इतने रुपये बाकी है यह लिखना, नामे लिखना]
नामचीन, नामजादु वि० नामी, प्रसिद्ध
नामजोग(—गी) वि० अंदर जिसका नाम लिखा हो उस ही मिले ऐसा (हुंडी)
नामठाम न० नाम और पता, सिरनामा
नामदार वि० नामदार, नामवर(२) माननीय [धातु नामधातु [व्या]
नामधातु पु० संज्ञापदसे बनायी हुई
नामधारक, नामधारी वि० नाम धारण करनेवाला नामधारी, नामधारक (२) नामधारी झूठा ढोंगी
नामना स्त्री० नाम, कीर्ति नामवरी
नामनिशान न० नामनिशान नामो निशान
नामनु वि० नामक नामका (२) कहनभरको, नाममात्र, नामधारी
नाममात्र वि० कहनभरको नाममात्र
नामयोगी वि० संबंधसूचक (अव्यय) [व्या] [होना
नामरजी स्त्री० अनिच्छा मरजी न
नामराशि वि० एक नामका, एक राशिके नामवाला
नामर्द वि० नामर्द, डरपोक
नामर्दाई, नामर्दी स्त्री० नामर्दी भीरुता
नामवु स०क्रि० झुकाना, नवाना [प] (२) उडेलना गिराना (३) अ० क्रि० मुडना, —की ओर जाना
नामजूर वि० नामंजूर, अस्वीकृत
नामांकित वि० प्रख्यात, नामी गिरामी
नामी(०चु) वि० नामी (२) सुन्दर
नामु न० जमा-खर्चका हिसाब, हिसाब किताब, लेखा (२) हक, लाग (३) वर्णन, गाथा, उदा० 'शाहनामु'। [—करवु =(—के यहाँसे) उधार लाना, लेना। —चालवु =(—के यहाँसे) उधार माल लानेका व्यवहार होना]
नामे अ० —के नाम, —के खातेमें
नामोशी स्त्री० बेइज्जती, लांछन, नामूसी [जातिका आदमी
नायको पु० सुरत जिलेकी आदिवासी
नायडी स्त्री० (पहियेकी) नाभि, चक्रनाभि, पिंडी (२) नारी, नाधा
नारंगी वि० नारंगीके रंगका, नारंगी (२) स्त्री० नारंगी (फल और पेड)
नाराज वि० नाराज, रंजीदा, नाखुश
नाराजगी, नाराजी स्त्री० नाराजी, नाखुशी
नारियेळ न० नारियल, श्रीफल
नारियेळी स्त्री० नारियलका पेड, नारियल [मा, नारियल पूर्णिमा
नारियळी पूर्णिमा स्त्री० श्रावणी पूर्णि
नारीजाति स्त्री० स्त्रीजाति (२) स्त्रीलिंग [व्या]
नारु पु० नाई, बारी, बढई आदि लोग, पौनी नेगी जोगी (२) पौनीका लाग या नेग
नारु(ना) न० पके हुए जख्ममें बना हुआ गहरा छिद्र (२) नहरुआ नारू
नाल स्त्री० नाल (कमल आदिकी डंडी)

नालायकी स्त्री० अयोग्यता
नालेशी(-सी) स्त्री० निन्दा, बुराई, बदगोई
नाव स्त्री० नाव। [-चलाववु, ठेलवु गृहस्थी चलाना, घर सँभालना]
नावडी स्त्री० डोंगी किश्ती, छोटी नाव
नावडुं न० छोटी नाव डोंगी
नावण(ना') न० नहान, स्नान (२) नहानेका पानी (३) रजस्वलाका नहाना ऋतु-स्नान(४)रज, आतव
नावणियुं(ना) न० नहानेकी जगह, हम्माम
नावाकेफ वि० नावाकिफ, अनजान
नाविक पु० नाविक, माँझी (२) कणधार, नाविक
नावी पु० नाई, हज्जाम
नाश पु० नाश, सहार, बरबादी(२) नुकसान, टोटा
नाशवत, नाशवान वि० नाशवान नश्वर भगुर [नास नस्य
नास पु० नाकसे धुआँ या भाफ लेना
नासतपास स्त्री० खोज तलाश, छान बीन [पाती
नासपाती स्त्री०, न० एक फल नाश
नासभाग स्त्री० भगदड
नासवुं अ० क्रि० दौडना (२) भागना, पलायन करना (३) पीछे हटना पिछलना। [नासतां भोंय भारे पडवी = भागना मुश्किल हो जाना]
नासानास(-सी) (स) स्त्री० दौडा दौडी, दौडधूप(२)भगदड
नासि(-सी)पास वि० निराश मायूस नाउम्मेद [रोग
नासूर न० नाक और गले आदिका एक
नास्तो पु० नाश्ता जलपान

नाहक अ० नाहक, अकारण(२)बिना हक अन्यायसे
नाहकनुं वि० व्यर्थ नाहक
नाहवुं(ना'वु) अ०क्रि० नहाना। [नाही नाखवुं = -को खतम पूरा हुआ या मरा हुआ समझना(२)कोई आशा या रिश्ता न रखना(३)शोक या चिंता छोड देना] [डरपोक
नाहिंमत वि० पस्तहिम्मत बेहिम्मत,
नाळ पु० नाल(घोडे बल जूते आदिका)
नाळ पु० लबी खोखली डडी या नली, नाल (२) (गर्भस्थ शिशुका) नाल, आँवल(३)स्त्री० सँकरा तग रास्ता या गली, गलियारा (४) नरिया, खपरा (५) परनाला (६) बदूककी नली, नाल
नाळचुं(-चुं) न० एक सिरेसे बद बाँसकी खोखली नली, चोगा
नाळियुं न० सँकरी, तग गली या रास्ता, गलियारा [नारियेळ' आदि
नाळियेर,(-री),(-री पूनम) देखिये
नाळो पु० पानीमें होनेवाली एक बेल, प्रसारिणी लता चद्रपर्णा
नाखवुं(०) स०क्रि० डालना, फेंकना, झिडकना(२)दूर करना बाजू पर करना पडा रहने देना छोड देना (३)रखना धरना डालना, उदा० घास अहीं नाखवानुं छे, तलवार पर हाथ नाख्यो' (४) अदर डालना, छोडना, उदा० गाळ नाखो तेटलुं गळ्युं थाय' (५) कारीगरके यहाँ चीज तैयार करानेके लिए सौंपना दे आना उदा० 'जोडा कपडा वगेरे नाख्या' (६) कर, जकात लगाना। [नांखी मूकवुं, राखवुं = चीज खरीद

कर रख छोडना (२) निकम्मी चीजको भी रखे रहना]

नांगरवु (०) स० क्रि० लंगर डालना (२) जोतना, नाँधना

निका पु० निकाह, शादी, विवाह

निकाल पु० फैसला, निबटारा (२) निकलनेका रास्ता, निकास

निकाश(-स) स्त्री० मालकी परदेशमें रवानगी, निकासी, निर्यात

निखार पु० माडी निकालना निखारना (२) माँडी (३) बडा भाटा (४) वह स्थिति जिसमें भाटेके बाद बारह मिनट तक समुद्रका पानी स्थिर-अचल रहता है [लना, निखारना

निखारवु स० क्रि० धोना, माँडी निका

निखालस वि० पाक दिल निखालिस

निखालसता स्त्री० पाकदिली

निगाह स्त्री० निगाह दृष्टि (२) [ला] देख रेख, ध्यान, खबर, सँभाल (३) निगाह, मेहरबानी । [-राखवी = ध्यान रखना, निगाह रखना, निगरानी रखना (२) मेहरबानी रखना]

निगाळ पु० बरता आदि पर लगा हुआ छींटा, दाग (२) गाढ़ा रस (३) छाननेके बाद बचा हुआ कचरा, नियार

निघा स्त्री० देखिये निगाह

निचोड पु० निचोड (रस जल आदि) (२) सार, निचोड निष्कर्ष [ला]

निचोवबु स०क्रि० निचोडना गारना (२) निचोडना, शोषण करना [ला]

निचोवावु अ०क्रि० 'निचोववु' का कर्मणि

नितार पु० नियार (तरल पदार्थ)

नितारवु स० क्रि० निथारना

निधडक अ० निधडक, बेखटके

निपजाववु स० क्रि० 'नीपजवु' का प्रेरणार्थक, उत्पन्न करना

निभाडा पु० देखिये निमाडो

निभाव पु० गुजारा, निबाह, निर्वाह (२) आधार, सहारा । [-करवो = जसे-तसे पूरा करते रहना, चालू रखना (२) पालन-पोषण करना, निबाहना]

निभाववु स०क्रि० 'नीभवु का प्रेरणार्थक' (२) निबाहना, निभाना (३) जसे-तसे निर्वाह करना (४) ज्याका त्यो बनाये रखना, चला लेना, निभा लेना

निमक न० निमक, नमक

निमणूक स्त्री० नियुक्ति, तैनाती (२) पगार वेतन [लेखापरीक्षण

निमताणी पु० जाँच हिसाबकी जाँच,

निमतानदार पु० हिसाबकी जाँच करनेवाला, लेखापरीक्षक, अन्वेपक

निमत्रक पु० निमत्रक, सभा आदि बुलानेवाला, 'कन्वीनर'

निमत्रण न० निमत्रण, न्योता, दावत

निमत्रवु स० क्रि० निमत्रण, न्योता देना

निमत्री पु० देखिये 'निमत्रक'

निमाडो पु० आवाँ (२) कुम्हारकी भट्ठी

निमावु अ० क्रि० नियुक्त होना

निमाळो पु० बाल केश

निमित्त न० कारण, निमित्त (२) हेतु लक्ष्य निमित्त (३) योग शकुन (४) तोहमत (५) दिखावटी कारण, निमित्त, बहाना

नियम पु० नियम, कानून कायदा (२) रीति, प्रथा चाल (३) व्रत, टेव, प्रतिज्ञा (४) बधन नियत्रण, नियम (५) ठहराव, प्रस्ताव । [-पाळवो = व्रतका पालन करना (२) नियमानुसार चलना । -बांधवो =

निशा स्त्री० सिल (पत्थरकी पटिया)
निशातरो पु० बट्टा, लाढा (पीसनेका)
निशान न० डरा मोरका घटा, गजर (२)ऊँट परकी नौबत
निशान न० निशान चिह्न (२) निशाना, लक्ष्य (३) झडा, निशान। [-करवु = अंकित करना, चिह्न लगाना। -चडवु = युद्धका निशान झडा लहराना। -ताकवु, माडवु = निशाना बांधना]
निशानबाज वि०(२)पु० ठीक निशाना बांधनेवाला, लक्ष्य साधनेवाला निशानेबाज़
निशानी स्त्री० निशानी, चिह्न, याद-गार(२)सज्ञा, सकेत, निशानी
निशाळ स्त्री० पाठशाला स्कूल मदरसा
निशाळियो पु० विद्यार्थी
निश्चय पु० निश्चय दढ विचार, निर्णय(२)विश्वास, निश्चय भरोसा (३)अ० निश्चय ही, जरूर
निश्चयपूर्वक अ० अवश्य निश्चयपूर्वक
निश्चयवाचक वि०निश्चयवाचक [व्या]
निश्चयार्थ पु० निश्चयार्थ [व्या]
निश्चे अ० निश्चय ही, जरूर, अवश्य
निसबत स्त्री० निसवत, लगाव, वास्ता (२)परवाह, तमा चिंता (३) अ० —के मारफत, —के जरिये
निसरणी स्त्री० नसैनी सीढी
निसातरो पु० देखिये निशातरो
निसासो पु० नि श्वास, लबी साँस
निस्वत स्त्री० देखिये 'निसवत
निहाल वि० देखिये न्याल
निहाळवु स० क्रि० टकटकी लगाकर देखना, ध्यानपूर्वक देखना
निंदवु स० क्रि० निंदा करना
निंदाखोर वि० सदा निंदा किया करने वाला, चुगलखोर
नीक स्त्री० नाली, मोरी(पानीकी)
नीकर अ० नही तो
नीकळवु अ० क्रि० बाहर आना या जाना, निकलना (२) गुजरना, जाना, पसार होना (३) बीतना, गुजरना (४) प्रकट होना, (नदीका) उद्गत होना, निकलना, धीरे धीरे बाहर निकलना (५) दिखाई देना, उदित होना (सूर्य चद्र) (६) कोनेमें पडी हुई चीजका मिलना हत्थे चढना (चोरीका माल) (७) शरीर पर उत्पन्न होना उभर आना (चेचक, गाठ) (८) पकड या बधनसे मुक्त होना, छूटना, उऋण होना, निकलना (९) (दाग) दूर होना जाता रहना, नष्ट होना, निकलना (१०) साबित होना, सिद्ध होना, निकलना, उदा० 'छाकरो पाजी नीकळ्यो (११)प्रकाशित होना, शाया होना (१२) शुरू होना, चलना छिडना (बात चर्चा) (१३) हिसाब होने पर रकम जिम्मे आना, पावना होना निकलना (१४) दूसरी क्रियाके साथ सयुक्त क्रियाके रूपमें आता है और जल्दीका भाव बताता है। [नीकळी जवु = निकल जाना चला जाना(२)हस्ती या गिनती में न रहना (३)बहकना हाथसे जाना]
नीघलवु, नीघलावु अ० क्रि० बालोमें दाने भरना, रेंडना दूध पडना
नीचलु वि० निचला, नीचेका
नीचाजोणु न० लज्जित होना पड़े ऐसी स्थिति [ढाल, निचान
नीचाण न० निचान, नीची जगह(२)

कायदा करना, नियम बनाना (२) रीति, पद्धति या प्रथा रखना]
नियमसर अ० नियमके अनुसार, बाक़ायदा
नियमावलि(-ली) स्त्री० नियमावली परंपरा (२) तंत्र या संस्थाके नियम कायदे आदि
नियामक वि० नियममें रखनेवाला, व्यवस्था करनेवाला नियामक (२) पु० ऐसा पुरुष, नियामक (३) विश्वविद्यालयकी प्रबंध-समितिका सभासद 'सेनेटर'
नियामकसभा स्त्री० विश्वविद्यालयका तंत्र चलानेवाली सभा, प्रबंधकारिणी सभा सेनेट
निरधार पु० निर्धार निश्चय निर्णय (२) अ० निश्चयपूर्वक, निरधार
निरधारवु स० क्रि० देखिये निधारवु
निरनिराळु वि० अलग-अलग विविध नाना
निराकरण न० फैसला अंत निराकरण (२) नामंजूर करना रद्द करना
निराशावादी पु० (२) वि० निराशा वादमें माननेवाला 'पेसिमिस्ट'
निराळु वि० निराला विलक्षण, अजीब, अलग न्यारा
निरांत(त)स्त्री० फुरसत, खाली वक्त (२) आराम, सुख चैन (३) यह आशंका टल जाना या न होना शांति सलामती।[-थवी,वळवी= निश्चिंत होना फिक्र टलना]
निरांते अ० आराममें फुरसतमें (२) बिना उतावली या दौड़धूप किये (३) चैनसे, सुखसे
निरुपयोगी वि० निरुपयोगी, निकम्मा

निरूपवु स०क्रि० किसी विषयका निरूपण करना ठीक-ठीक समझा देना बयान करना (२)अवलोकन करना, आलोचना करना
निर्णायक मत न०, पु० निर्णायक मत, 'कास्टिंग वोट'
निर्देशवु स० क्रि० निर्देश करना बतलाना (२) आज्ञा हुकम या निर्देश करना [निश्चय करना
निर्धारवु स० क्रि० निर्णय करना
निबल(-ळ) वि० निर्बल अशक्त
निबळता स्त्री० निर्बलता कमज़ोरी
निर्भेळ वि० बिना मिलावटका शुद्ध ख़ालिस
निर्मवु स०क्रि० निर्माण करना, रचना करना (२) तय करना ठानना
निर्मळ वि० निर्मल स्वच्छ पवित्र
निर्माता पु० निर्माता, 'प्रोड्यूसर'
निर्माल्य स्त्री० न० निर्माल्य (२) वि० बेजान निस्सत्व
निर्मावावु स०क्रि० निर्मवु का प्रेरणार्थक
निर्मावु अ० क्रि० निर्मित होना रचा जाना(२)तय होना [बाधाके
निर्विघ्ने अ० निर्विघ्न बिना विघ्न
निवाजवु स० क्रि० सिरोपाव इनाम पद खिल्अत आदि देकर संतुष्ट करना [निवारना [प]
निवारवु स० क्रि० रोकना हटाना
निवृत्ति स्त्री० सुख चैन आराम(२) फुरसत अवकाश (३) (संसारसे) निवृत्ति(४)निवृत्ति काम न करना प्रवृत्तिका अभाव(५)नौकरीसे निवृत्त होना अवकाशप्राप्ति(६)समाप्ति
निवेडो पु० निबडा, फैसला सुलझाव, निबटारा(२)अंजाम समाप्ति, अंत

निषा स्त्री० सिल (पत्थरकी पटिया)
निषातरो पु० बट्टा, लोढा (पीसनेका)
निषान न० डंका भोरका घटा, गजर (२) ऊँट परकी नौबत
निषान न० निषान, चिह्न (२) निशाना, लक्ष्य (३) झडा, निशान। [-करवु = अंकित करना, चिह्न लगाना। -चडववु = युद्धका निशान, झंडा लहराना। -ताकवु, माडवु = निशाना बांधना]
निषानबाज वि०(२)पु० ठीक निषाना बांधनेवाला, लक्ष्य साधनेवाला, निषानेबाज
निषानी स्त्री० निशानी, चिह्न, याद गार(२)सज्ञा, सकेत, निशानी
निशाळ स्त्री० पाठशाला, स्कूल, मदरसा
निशाळियो पु० विद्यार्थी
निश्चय पु० निश्चय दृढ विचार निर्णय(२)विश्वास निश्चय, भरोसा (३)अ० निश्चय ही जरूर
निश्चयपूर्वक अ० अवश्य, निश्चयपूर्वक
निश्चयवाचक वि०निश्चयवाचक[व्या]
निश्चयार्थ पु० निश्चयार्थ [व्या]
निश्चे अ० निश्चय ही, जरूर अवश्य
निसबत स्त्री० निसबत लगाव वास्ता (२)परवाह, तमा चिंता (३) अ० -ने माफत, -के जरिये
निसरणी स्त्री० नसेनी सीढी
निसातरो पु० देखिये निषातरो
निसासो पु० नि श्वास लबी सांस
निस्बत स्त्री० देखिये निसबत
निहाल वि० देखिये न्याल
निहाळवु स० क्रि० टकटकी लगाकर देखना ध्यानपूर्वक देखना
निंदवु स० क्रि० निंदा करना
निंदाखोर वि० सदा निंदा किया करनेवाला, चुगलखोर
नीक स्त्री० नाली, मोरी(पानीकी)
नीकर अ० नही तो
नीकळवु अ० क्रि० बाहर आना या जाना, निकलना (२) गुजरना, जाना, पसार होना (३) बीतना गुजरना (४) प्रकट होना, (नदीका) उद्गत होना, निकलना, धीरे धीरे बाहर निकलना (५) दिखाई देना, उदित होना (सूर्य चद्र) (६) कोनेमें पडी हुई चीजका मिलना, हत्थे चढना (चोरीका माल) (७) शरीर पर उत्पन्न होना, उभर आना(चेचक गाँठ) (८) पकड या बधनसे मुक्त होना छूटना उऋण होना, निकलना (९)(दाग)दूर होना जाता रहना, नष्ट होना निकलना (१०) साबित होना सिद्ध होना, निकलना, उदा० 'छोकरो पाजी नीकळ्यो (११)प्रकाशित होना न्याया होना (१२) शुरू होना, चलना, छिडना(बात चर्चा) (१३) हिसाब होने पर रकम जिम्मे आना, पावना होना, निकलना (१४) दूसरी क्रियाके साथ सयुक्त क्रियाके रूपमें आता है और जल्दीका भाव बताता है। [नीकळी जवु = निकल जाना चला जाना(२)हस्ती या गिनती में न रहना (३)बहकना हाथसे जाना]
नीघलवु नीघलावु अ० क्रि० बालोंमें दाने भरना, रेंडना, दूध पडना
नीचलु वि० निचला नीचेका
नीचाजोणु न० लज्जित होना पडे ऐसी स्थिति [ढाल निचान
नीचाण न० निचान, नीची जगह (२)

मीचु वि० जो ऊचाई पर न हो ढलता झुका हुआ (२) कम उँचाई वाला नीचा (३) नीच कमीना, नीचा

मीचे अ० नीचे नीचेकी तरफ

मीडर वि० निडर निभय

मीतरबु अ० क्रि० टपकना (२) नियरना जल आदिका स्वच्छ होना

मीतयु वि० नियरा हुआ स्वच्छ

मीपज स्त्री० उत्पत्ति पदाइश, उपज

मीपजबु अ० क्रि० पदा होना उपजना (२) बनना नतीजा निकलना, नया रूप मिलना (३) लाभ होना

मीपट वि० बेदाम (२) अ० निपट, बिलकुल

मीम पु० नियम प्रतिज्ञा (२) भूत प्रेतादिको चढ़ायी जानेवाली बलि

मीम वि० नीम, आधा

मीमडबुं अ० क्रि० अनुभव शिक्षा आँच आदि पाकर तैयार होना (व्यक्ति वस्तु) निकलना (२) आँच शिक्षा आदि पाकर पक्का होना सिद्ध होना

मीमबु स० क्रि० नियुक्त करना नाम जद करना

मीमे अ० आधे हिस्सेसे

मीमेनीम वि० आधोआध

मीरखबु स० क्रि० ध्यानसे देखना

मीरण न० घास-चारा

मीरबु स० क्रि० ढोरको घास डालना

मीरो पु० नीरा ताजा ताडी (२) घास चारा

मीलम न० नीलम

मीवडबु अ० क्रि० देखिय 'नीमडबु'

मीसरबु अ० क्रि० निकलना

मींदण न० निरी हुई निकम्मी घास फिसुरन

मींदबु स० क्रि० निराना नलाना सोहना नीदना [प]

मींदामण न० नींदामणी स्त्री० निराई नलाई सोहाई (मजदूरी)

मींभाडो पु० देखिये निमाडो

नुकसान न० नुकसान, हानि बिगाड (२) घाटा नुकसान। [–उठावबुं = नुकसान उठाना]

नुकसानकारक, नुकसानकारी वि० नुकसानदेह हानिकर

नुकसानी स्त्री० हानि, बिगाड (२) नुकसानका बदला हरजाना (३) वि० नुकसानवाला, क्षतिग्रस्त

नुक्तेचीनी स्त्री० नुक्ताचीनी छिद्रान्वेषण

नुसखो पु० नुसखा (दवाका)

नूगरु वि० देखिये नगरु

नूर न० भाडा किराया (जहाज रेलगाडी आदिमें माल ले जानेका)

न(नें) अ० और (२) दूसरे और चौथ कारककी विभक्ति, 'को' (३) आग्रह और हकारसूचक शब्द न उदा० में कहयु हतु न।

नेक वि० नेक प्रामाणिक सच्चा, न्यायी (२) नीतिमान (३) धार्मिक (४) स्त्री० नेकी न्यायपरायणता (५) पु० हद प्रमाण मात्रा (६) भाव, दर

नेकनजर स्त्री० नेकनीयती ईमानदारी

नेकी स्त्री० ईमानदारी सचाई (२) भलाई नेकी (३) सदाचार, सदवर्तन (४) स्तुति-वचन दुहाई पुकारना

नेजु न० नेजो पु० नेजा (२) बरछी (३) भाला

नेटी न० ब० व० नेटी स्त्री० गहरी [जाँच-पड़ताल

नेड़ वि० निकटका, पासका
नेड़े अ० नेड़े, पासमें
नेड़ो पु० नेह, प्रेम। [–लागवो = प्रेम होना, दिल अटकना। –लेवो = खुचड निकालनेके लिए पीछा करना, किसीके पीछे पडना]
नेतर न० बेंत (लता और छडी)
नेतरु न० मथानीकी रस्सी, नेती
नेतागीरी स्त्री० नेतागीरी, अगुवाई
नेपाळो पु० जमालगोटा
नेपुर न० नूपुर, घुंघरू
नेफो पु० नेफा
नेम स्त्री० निशाना, लक्ष्य (२) इरादा हेतु। [–चूकवी = निशाना चूक जाना (२) काय सिद्ध या पूरा न कर लेना]
नेव न० नरिया, खपरल (२) छप्परके छोर परके खपरे, ओलती (३) ओलतीमें से गिरनेवाला पानी। [नेवे मूकवु = छोड देना, किनारे पर, ऊपर, अलग रखना, उपेक्षा करना]
नेवु (–वु) वि० नब्बे, नव्वे, ९०
नेवु न० देखिये 'नेव
नेव्याशी (–सी) वि० देखिये 'नव्याशी'
नेस (०ड़ो) पु० अहीरोका जगलमें बनाया हुआ झापडोवाला गाँव, आभीरपल्ली (२) अहीरका झोपडा
नेस्ती पु० परचूनिया, मोदी
नेह (नें) स्त्री० (हुक्केकी) न
नेह पु० नेह, प्रेम [गड़ियारा
नेळ (नें) स्त्री० सकरी, तग गली,
नोक (नों) पु०, स्त्री० नोक, अनी, सिरा (२) प्रतिष्ठा, वक्र, टेक (३) छटा शान (४) आकार अग्रभाग, मोत्रा (घर आदिका)
नोकर (नों) पु० नौकर (२) दास
नोकरडी (ना) स्त्री० नौकरानी
नोकरशाही (ना) स्त्री० नौकरशाही
नोकरियाट (–त) वि० नौकरीपेशा (२) पराधीन
नोकरी (ना) स्त्री० नौकरी, सेवा
नोखा (नों) वि० जा दूर हो, अलग, जुदा अलहदा
नोट स्त्री० नोट (सिक्का) (२) टिप्पण नोध (३) चिटठी, पुरजा (४) नोटबुक कापी [देना, बुलाना
नोतरवु (नों) स०क्रि० न्योतना, दावत
नोतरियु (नों) न० निमत्रित व्यक्ति, न्योतहरी, न्योतारी
नोतरु (नों) न० निमत्रण, दावत, न्योता
नोधारु (नों) वि० आधारहीन (२) बेसहारा, असहाय
नोबत (नों) स्त्री० नौबत (२) निश्चित समय पर बजाया जानेवाला गजर [ला]
नोम (नोंम) स्त्री० नवमी नौमी
नोरतां (नों) न० ब० व० असोज मासके नवरात्रके दिन, नवरात्र [आजिजी
नोरो (नों) पु० निहोरा चिरौरी,
नोळ (–ळियो) पु० नेवला
नोंध (नों०) स्त्री० टाँकना, नोट (२) टिप्पणी, नोध (३) वह बही जिसमें लिया हुआ माल ब्योरेवार लिखा जाता है [टीप
नोंधणी (नों०) स्त्री० टाँकनेकी क्रिया,
नोंधपोथी, नोंधवही (नों०) स्त्री० टिप्पण करनेकी वही या किताब, नोध-वही [करना
नोंधवु (नों०) स०क्रि० टाँकना, नोट
नौका स्त्री० नौका, नाव
नौकासैन्य न० नौसेना, जल्सेना, 'नेवी'
न्यात स्त्री० जाति, बिरादरी, जाति

न्यातजात स्त्री० जात-पात

न्याय पु० न्याय, इंसाफ (२) योग्यता, उचित-अनुचितका विवेक न्याय (३) प्रथा रिवाज कायदा (४) दृष्टांत वाक्य कहावत न्याय, उदा० 'काक तालीय न्याय' (५) प्रमाण द्वारा किसी वस्तुकी परीक्षा, न्याय (६) न्याय दर्शन (शास्त्र)। [–तोळवो = दोनों पक्षोंकी सचाई-झुठाई या उचित अनुचितकी जाँच करके फैसला करना न्याय करना]

न्यायी(-य्य) वि० ठीक न्याय करनेवाला न्यायी (२) न्यायोचित, न्याय्य

न्यारु वि० न्यारा जो दूर हो (२) अनोखा, अजीब न्यारा

न्याल वि० निहाल, कृतार्थ (२) मालदार

प

प पु० प वर्गका पहला ओष्ठ्य व्यंजन

पकड स्त्री० पकडना, पकडनेकी क्रिया (२) पकडनेकी शक्ति मौका या उसका तर्ज, पकड (३) सडसी जैसा पकडनेका साधन। [–आववी = पकडमें आना (२) ग्रहण करना समझना]

पकडवु स०क्रि० पकडना ग्रहण करना थामना (२) धारण करना धरना किसी वस्तुमें व्याप्त होना पकडना (रंग) (३) भागते हुएको रोकना गति या व्यापारसे निवृत्त करना पकडना (४) खोज निकालना (भूल), पकडना (५) पकडना, समझना (अर्थ,बात) (६) गिरफ्तार करना बंदी बनाना, 'अरेस्ट' करना पकडना। [पकडी पाडवु = पकडना किसी काममें आगे बढे हुएको बराबरीमें आ जाना (२) पता लगाना खोज निकालना। पकडी लेवु = उठा लेना (२) एकदम पकड कर काबूमें करना या बंदी बनाना (३) किसी विषय या बात पर काबू अधिकार पाना]

पकडहुकम पु० गिरफ्तार करनेका हुक्म, वारंट गिरफ्तारी

पकडापकडी स्त्री० लगातार गिरफ्तारियाँ, पकड धकड

पकवयु स० क्रि० पकाना राँधना (२) मिट्टी आदिके बरतनको भट्ठीमें रखकर तपाना, आँच देकर कडा करना, पकाना (३) कोई चीज पक जाय ऐसा करना, पकाना

पकवान न० पकवान पक्वान्न

पकाववु स०क्रि० देखिये पकवयु

पकोडी स्त्री० पकौडी

पक्काई स्त्री० धूर्तता छल

पक्कु वि० जो किसीसे धोखा न खाय, अनुभवी (२) धूर्त मक्कार (३) पूरा पूरा, समूचा (४) पक्का, अचल, दृढ (५) पक्का (रसोई आदि)

पक्ष पु० पक्ष तरफदारी (२) तड पक्ष भाग (३) विवादके विषयका एक हिस्सा, पक्ष (४) तरफदारी पक्षपात (५) पखवाडा पक्ष (६) स्त्री० पंख डैना, पक्ष। [–करवो, खेंचवो, ताणवो = पक्षपात करना]

पक्षकार वि० (२)पु० पक्ष करनेवाला, तरफ़दार
पक्षघात पु० पक्षाघात, लकवा, पक्षघात
पक्षपात पु० पक्षपात, तरफ़दारी
पक्षपाती वि० पक्षपाती
पक्षापक्षी स्त्री० पक्ष बनना, दल बन जाना, जुदाईकी भावना (२) तरफदारी, पक्षपात
पक्षी न० पक्षी, चिड़िया
पखवाज स्त्री० पखावज मृदंग
पखवाडिक वि० हर पन्द्रहवें दिन होनेवाला, पाक्षिक (२) न० पन्द्रहवें दिन प्रकट होनेवाला समाचारपत्र, पाक्षिक
पखवाडियु न० देखिये 'पखवाडु'
पखवाडु न० पखवाडा, पाख
पखाज स्त्री० पखावज, मृदंग
पखाल स्त्री० पखाल
पखाल स्त्री० फूल आदि उठाकर सायंकालमें देवस्थानको धोना (२) धोना, पखारना
पखाली पु० भिश्ती सक्का
पखाळवु स० क्रि० पानीसे धोना, पखारना
पग पु० पग, पैर, पाँव (२) आना-जाना [ला] (३) मूल, जड। [-आववा = पाँवोंमें चलनेकी ताक़त आना (२) स्वाश्रय पर या अपने बल पर खडे रहनेकी शक्ति आना (३) हवा होना, ग़ायब होना। -उपाववा, उपाडवा = वेगसे चलना पाँव बढ़ाना (२) खिसक जाना, भाग निकलना। -काढवो = आना जाना बंद करना (२) चलन रोकना प्रभाव दूर करना (३) हटाना दूर करना (४) अलग होना दूर होना। -चलाववो = पाँव उठा कर चलना। -धोई पीवा = एहसान मानना आभारी होना। -न ऊपडवा = सकोच होना, शर्म आना। -पाछा पडवा = हिम्मत न चलना, सकुचाना। -माडवो = पाँव जमाकर खडा रहना (२) आगे बढ़ना, पाँव उठाना (३) प्रवेश करना, पर रखना (४) व्यवसाय आरम्भ करना। -वाळवो = आराम लेना, सुस्ताना। पगे पडवु = पाँव पडना (२) शरण स्वीकार करना। पगे लागवु = पाँवोंमें गिरकर नमस्कार करना, मत्था टेकना, पाँव छूना (२) माफी माँगना, पाँव पडना। पगे लाग्या = हार थक गये, तोबा]
पगचपी स्त्री० पाँवचप्पी
पगथार पु० (घाटपर) थोडी सीढ़ियों के बाद आनेवाली चौडी सीढ़ी
पगथियु न० सीढ़ीका डंडा, सीढ़ी, पाया
पगथी स्त्री० पगडंडी (२) पटरी, 'फुट-पाथ'
पगदंडी स्त्री० पगडंडी
पगपाळु वि० पैदल पाँव-पाँव
पगपेसारो पु० पैठ, रसाई, दख़ल (२) आना-जाना [ला]।[-करवो = घुसना]
पगभर वि० अपने पगपर खड़ा रहनेवाला, स्वावलम्बी
पगर पु० दँवरी (खलियानमें)
पगरखु न० जूता, पगरखा
पगरण न० अच्छा अवसर प्रकरण (२) आरम्भ शुरू [जाना [ला]
पगरव पु० चाप आहट (२) आना
पगरवट स्त्री० पगडंडी (२) चलनेसे होनेवाला निशान पद, पदचिह्न
पगरस्तो पु० पगडंडी

पगलां न०ब०व० देव, सताटिकी पूजाके निमित्त बनाये हुए चरण चिह्न, पादुकाएँ

पगली स्त्री० देखिये 'पगला' [स्रोर

पगलुछ(-स)णियु न० पा-अदाज, गद-

पगलुं न० परका निशान, पदचिह्न चरण चिह्न (२) डग, कदम पैर (३) एक गहना (४) त्वरित उपाय शीघ्र इलाज। [पगलों ओळखवां = परक निशानकी जाँच परख होना, पदचिह्न परसे स्वभाव चारित्र्य आदिकी कल्पना करना (२) किसी बातके पीछे रहे हुए गुप्त हेतुको जानना। पगलां करवां, थवां = पधारना, आना, तशरीफ लाना। -काढवु = पदचिह्न परसे चोरकी टोह लगाना। -भरवु = इलाज करना (२) नालिश करना, दायर करना (३) किसी काममें आगे बढना कदम उठाना। पगले पगले = कदम ब कदम अनुसरण (करना)]

पगार पु० तनखाह पगार दरमाहा। [-करवु = चुकाना अदा करना। -थवु = बेबाक होना चुकता होना]

पगारदार वि० वेतन लेकर काम करने वाला तनख्वाहदार वतनिक

पगी पु० परकी निशानी परसे चोरको टोह लगानेवाला (२) चोकीदार गार्डेत

पगेरु न० चोरके परका निशान पर

पगेलागणु न० पालागन नमस्कार

पचपच अ० पच-पच आवाज

पचपचवु अ० क्रि० पचपचाना (२) पच-पच आवाज होना

पचरंग(-गियु -गी) वि० पचरंगा (२) जो विविध वर्ण या जातका हो पचरंगा

पचववुं स० क्रि० पचाना, हजम करना

पचवु अ० क्रि० हजम होना, पचना (२) जज्ब होना, सोखना मर जाना (पानी), उदा० पाणी त्यां पचा गयु' (३) अदर लीन या मग्न होना, दिल अटकना, उलझना उदा० 'प्राणी प्रपचमा न पची रह्यो' (४) हरामका माल प्राप्त होना या पचना

पचावदु स० क्रि० पचवु का प्रेरणार्थक रूप पचाना (२) [ला] हजम करना, आत्मसात् करना, पचाना (३) हजम कर जाना, पचाना, उडा देना

पचास वि० पचास, ५०

पचीश(-स) वि० पचीस पच्चीस, २५

पचुसण न० भगवान महावीरकी जयंतीके समयका जैन पर्व, पजूसण (२) भाद्र-कृष्ण द्वादशीसे भाद्र-शुक्ला चौथ तकका जनोंका त्योहार, पर्युषण

पछडावु अ० क्रि० टकराना, पटकना

पछवाडी अ० पीछे

पछवाडु वि० जो अतमें हो या पडे, आखिरका, सिरे परका (२) न० पीछेका भाग पिछाडी पिछवाडा (३) पीछा

पछवाडे अ० पीछे, पीठ पीछे (२) अतमें, छोर पर। [-पडवु, मडवु लागवु = कार्यसिद्धिके लिए किसीके पीछे लगना (२) पीछे पडना]

पछाट(-ड) स्त्री० पछाड, पटकनी

पछाडवु स० क्रि० जोरसे गिराना पटकना (२) कुश्तीमें पछाडना, हराना

पछाडी अ० देखिये पछवाडी पीछे

पछात वि० पीछेका, पिछडा हुआ (२) अ० पीछे

पछातवर्ग पु० दलित वर्ग

पछी अ० पीछे, बादमें, फिर, पीछेसे
पछीत स्त्री० घरके पिछवाड़ेकी दीवार, पछीत [पिछौरी [प]
पछेडी स्त्री० ओढनेकी मोटी चादर
पछेडो पु० ओढनेकी मोटी बड़ी चादर
पजवणी स्त्री० सताना, हैरानी
पजववु स० क्रि० सताना, त्रास देना
पजळवु अ०क्रि० तर होना, पचपचाना
पजुसण न० देखिये 'पचुसण'
पट पु० पुट, स्पर्शसे हल्का रंग लगना (२) असर, प्रभाव (३) नदीका पाट (४) कपड़ा, पट (५) पर्दा, पट (६) विस्तार, फैलाव, चौडाई, पाट (७) सँकरी लंबी पट्टी (जमीनकी) (८) चित्र खींचनेका फलक या कपड़ा, पट। [-खेंचवो, ताणवो, भरवो = बीचमें पर्दा डालना। -लागवो = असर होना रंग पकड़ना]
पट अ० पट, तत्काल, झट। [-दईने, लईने = झट]
पटकवु स०क्रि० पटकना, जोरसे जमीन आदि पर गिराना
पटको पु० कपडेका छोटा टुकड़ा, पट्ट
पटपट अ० पट-पट, जल्दी (२) स्त्री० बड़बड़ाना बोलते रहना [(टुम)
पटपटाववु स० क्रि० पट-पट हिलाना
पटराणी स्त्री० पटरानी
पटलाई स्त्री० गाँवके मुखियाका अधिकार या काम चौधराई
पटवो पु० पटवा (गूथनेवाला)
पटा पु० ब०व० तलवार पटा, गतका या लकड़ीके दावँ पटा [तग
पटाक अ० पट शीघ्र (२) पु० (घोडेका)
पटाकडी स्त्री० चुटकी (२) पिस्तौल
पटादार वि० धारीदार (२) पु० पट्टे पर या सनदसे (जमीन) रखनेवाला (३) जमीनदार (४) चपरासी
पटापट अ० पटापट, एकके बाद एक
पटाबाज वि० पटैत, पटेबाज
पटाबाजी स्त्री० पटेबाजी (२) दावँपेच
पटामणी स्त्री० फुसलावा, दम-दिलासा
पटामणु वि० फुसलाऊ (२) न० फुसलावा
पटारी स्त्री० पिटारी, पेटी
पटारो पु० बड़ी पेटी, पिटारा
पटाववु स० क्रि० फुसलाना, तदबीरसे समझाना, मनवाना, पटीलना
पटावाळो पु० नौकर, चपरासी
पटियां न० ब० व० सँवारे हुए बाल, (बालोंकी) पट्टी, पटिया [प]
पटी स्त्री० पट्टी, चिप्पी (२) फोड़ेफुंसी पर लगानेकी धज्जी, पट्टी। [-पडवी = काय सिद्ध होना, बहुत प्राप्ति होना। -पाडवी = समझा-बुझाकर अपने नफेका काम करवाना (२) प्रयोजन सिद्ध होना, काम निकलना होना]
पटेल पु० मुखिया, चौधरी (२) गाँवका मुखिया, पटेल (३) 'पाटीदार' नामकी जातिका आदमी (४) एक अल्ल
पटो पु० पट्टा, सनद, पटा (२) कपडे या चमडेकी लंबी पट्टी, पेटी (३) कमरबन्द, पट्टा (४) रंगकी चौड़ी धारी, पटी (५) चपरास
पटोपट अ० पटापट, तेजीके साथ
पटोळु न० (रेशमी कपड़ा) पटोर; पटोरी
पट्टी स्त्री० देखिये 'पटी
पट्टो पु० देखिये पटो'
पठाण पु० पठान (२) माँझियोंका नायक-सरदार (३) जहाजकी पीठ
पठाणी वि० पठानी (२) कड़ा (व्याज)
पठ्ठ वि० पट्ठा तगड़ा, सड़ा

पड न० परत स्तर, थर(२)ढकनेवाली वस्तु, आच्छादन, पुट(३)सिल्वट चुनट(४)पाट(चक्कीका)

पडकार पु० ऊँचेसे संबोधन (२) ल्ल कार चुनौती

पडकारवु स०क्रि० ललकारना चुनौती देना आह्वान करना बढावा देना

पडखु न० करवट पहलू (२) पक्ष बाजू पार्श्व (३) मदद । [**पडखां जोवां**=परखना छानबीन करना। **पडखां सेववां**=आश्रय तावेदारी शरण या पासमें रहना। **पडखे रहेवु**= पक्ष या मददमें रहना किसीकी कुमक पर होना]

पडगी स्त्री० पेंदी पेंदा बरतन आदिका तला (२) वृक्षकी जडोंके इर्द गिर्द बनाया हुआ चबूतरा

पडघम स्त्री० बडा ढोल दुंदुभि

पडघी स्त्री० देखिये पडगी

पडघो स्त्री० **पडघो** पु० गूंज प्रतिघोष, प्रतिध्वनि। [**-पडवो**=गूंजना प्रतिघोष होना(२) प्रत्युत्तर मिलना। **-पाडवो**=नाम करना डंका बजना]

पडछायो पु० छाया परछाइं (२) प्रतिबिंब

पडछ न० ईखके ऊपरका हरा पत्ता गेंडा [जीभ कौआ

पडजीभ स्त्री० (गलेकी) घंटी छोटी

पडतर वि० बिना नफा चढाया हुआ लागत (खर्च) पडता (२) बिना जोता हुआ (खेत जमीन) परती (३) जो बिक न गया हो (४) खुला जिसमें मकान न हो (मदान)

पडती स्त्री० पतन अधोगति गिरावट । [**-रात**=पिछली भीगी रात]

पडतु वि० गिरता हुआ (२) दुर्बल (अवदशा) (३) न० नुकसान । [**-नाखवु**=जोरसे गिरना, पडना। **-मूकवु**=छलांग भरना। **पडतो बोल झीलवो**=मुहसे बोल निकलते ही काम कर डालना आज्ञा या हुक्मका तुरत पालन करना]

पडथार पु० देखिये पगथार' (२) (कुएँका) जगत

पडदी स्त्री० छोटा पर्दा (२) आडके लिए बनायी गयी दीवार, ओट

पडदो पु० परदा पर्दा (२) कानका परदा कर्णपट (३) बुरका ओझल परदा (४) गुप्त बात (५) अंतरा परदा (ततुवाद्यका) । [**-काढवो**= परदा करनेका रिवाज हटा देना परदा न करना। **-पाडवो**= (नाटकमें) परदा गिराना (२) किसी बहस पर पर्दा डालना (३) परदा डालना छिपा देना (४) अमुक समय तक मुल्तवी रखना। **-फूटी जवो**=परदा उठना या खुलना परदा फाश होना, भेद खुलना। **-राखवो**=परदेका रिवाज रखना (२)अंतरकी बात न कहना परदा रखना]

पडपडवु अ० क्रि० पड-पड' आवाज करना पडपडाना

पडपडाट पु० पड-पड (आवाज)(२) (मिज़ाजमें) पडपडाना-बोलना

पडपूछ स्त्री० पूछताछ

पडवु अ०क्रि० पडना गिरना पतन होना (२) जाना राह लेना उदा० आगळ पडवु रस्ते पडवु (३) होना निकल आना पैदा होना प्रसंग प्राप्त होना उपस्थित होना घटना

मिल्ना, गिरना (दुःख, खप, काम, चत, मार, धूप, बारिश आदि) (४) टिकना, ठहरना, मुकाम करना, पड़ना (५) लेटना, लंबी तानना पड़ना (६) (कीमत, दाम सूद, किराया आदि) लगना, पड़ना (७) लगना स्पष्ट होना, होना असर करना अनुभवमें आना, समझा जाना, उदा॰ कपडु ढीलु पडे छे, सूठ गरम पडे छे ओछुवत्तु पडशे (८) किसी चीजमें पैदा होना होना, पड़ना 'चोखामा व्यळ, जीवात पडी छ (९) किसी काममें रत रहना लगा रहना तल्लीन होना (१०) भ्रष्ट या पतित होना (११) हारना जीता जाना युद्धमें मारा जाना, उदा॰ किल्ला पड्यो (१२) हाजिरीमें न गिना जाना नागा होना, उदा॰ 'निशाळ पडी, बहु दिवस पड्या । [पडी भागवु=न चल्ना चलना बंद हो जाना (व्यापार नाटक आदि) । पडी मूकवु=छोड देना जाने देना (२) पडी रहेवु= परती रहना उपयोगमें—काममें न आना । पड्या उपर पाटु=मरतेको मारना कटे पर नमक छिड़कना]

पड्वो पु॰ परवा, पडवा प्रतिपदा

पडसाळ स्त्री॰ घरका ओसारेके बगलका कमरा

पडळ न॰ (आंखका) जाला पटल । [-आववां, फरी वळवा=आंखपर झिल्ली चढ जाना (२) आंख न खुलना पलक न खुलना]

पडाक अ॰ पट एकदम झट

पडापड (-डी) स्त्री॰ एक दूसरे पर झपटना, झपाझपी, हल्ला

पडाव पु॰ पडाव मुकाम, ठहराव

पडाववु स॰क्रि॰ पडवु, पाडवु क्रिया का प्रेरणार्थक रूप (२) झपटना, छीन लेना

पडाळ न॰ स्त्री॰ छप्परके दो ढालुआँ हिस्सोंमेंसे कोई एक, छप्पर

पडाळी स्त्री॰ दालान बरामदा

पडियाण वि॰ देखिये पडतर'

पडियु न॰ (चक्कीका) पाट, पवाई

पडियो पु॰ दोना दौना

पडी स्त्री॰ पुडिया

पडीकी स्त्री॰ छोटी पुडिया (२) दवाकी पुडिया [(दवाकी)

पडीकु न॰ बडी पुडिया पुडा (२) पुडिया

पडो पु॰ बडा पुडा या जूरी, पूला (२) ढोल डुग्गी (३) ढिंढोरा, मुनादी

पडोश, (०ण), (-शी) देखिये पाडोश' आदि

पण न॰ पण प्रतिज्ञा, टेक (२) बाजी, शर्त । [-मूकवु, लेवु=प्रतिज्ञा करना]

पण अ॰ पर, मगर (२) उपरान्त, फिर भी भी, समेत (३) न॰ भाव वाचक संज्ञा बनानेवाला एक प्रत्यय, 'पन' उदा॰ गाडपण, वाळपण'

पणछ स्त्री॰ धनुषकी डोरी पनच

-पणु न॰ देखिये पण अ॰ में न ३ उदा॰ 'माणसपणु, सारापण

पणे (प') अ॰ उधर

पत स्त्री॰ न॰ गलनेवाला कोढ गलित कुष्ठ कोढ चूना [प्रतीति

पत स्त्री॰ आबरू पत[प](२)विश्वास

पतरवेलियु न॰ अरवीका पत्ता (२) उसकी एक बानगी

पतराज(–जी) स्त्री० बडाई बडप्पन
पतरावळ(–ळी) स्त्री० पत्तल, पत्ता
पतराळी स्त्री० पत्तल, पत्तर(२)पत्तल परोसा (खाद्य सामग्री)
पतराळु न० पत्तल पत्तर
पतरी स्त्री० पत्तर (धातुका छोटा टुकडा)
पतरु न० पत्तर चादर(धातुकी) (२) बहुत बडा परात
पतवधु स० क्रि० निबटाना
पतवु अ०क्रि० निबटना पूरा होना खत्म होना कुछ करना बाकी न रहना (२) फसला होना, तय होना निबटना (३)चुकता होना बेबाक होना
पतग पु० पतग तितली पतगा(२) पु० स्त्री० पतग कनकौवा
पतगियु न० पतगा तितली, पतिंग
पताकडु न० चिट पुरजा(कागजका)
पतावट स्त्री निवटारा फसला
पतावघु स० क्रि० देखिये पतववु
पतासु न० बतासा, बताशा
पतियु वि० कोढी, महारोगी
पतीकु न० कतला, फाक
पतीज स्त्री० आबरू (२) विश्वास प्रतीति, पतीज [प] [त्यौहार
पतेती स्त्री० पारसियाके नये साल्का
पत्तर स्त्री० आबरू (२) न० पत्तल पत्तर (३) भिक्षापात्र, कपाल। [–उखाडवी ओखणवी, खाडवी, फाडवी, रगडवी = इज्जत बिगाडना उतारना (२)हैरान करना]
पत्तरवेलियु न० देखिये पतरवेलियु
पत्तु न० पत्ता (पेड आदिका) (२) कागजका मोटा टुकडा पत्ता पृष्ठ (३) (ताशका)पत्ता (४)पोस्ट-काड पत्र, चिटठी
पत्तो पु० पता, ठिकाना (२) खबर पता। [–खावो, लागवो = खबर मिलना टोह लगना (२)घात लगना मौका मिलना]
पत्र पु० न० पत्र चिटठी कागज (२) न० पत्र पत्ता (३)पत्र, समाचारपत्र
पत्रक न०पजी बही, दफ्तर रजिस्टर
पत्राळी(–ळु) देखिये पतराळी आदि
पथक न० टुकडी छोटा दल (सनिक स्वयसेवकोका) दस्ता
पथरावु अ०क्रि० फलना पसरना (२) बिछना बिछाया जाना (बिस्तर आदि)
पथराळ वि० पत्थरवाला पथरीला ककडीला
पथरी स्त्री० ककरी ककड छोटा पत्थर (२) (धार तेज करनेकी)सिल्ली पथरी (३) अश्मरी पथरी (रोग)
पथरो पु० देखिये पथ्थर (२) [ला] जड–भावनाहीन मनुष्य (३) विघ्न रोडा (४)खाक, कुछ नही अल्लाह का नाम पत्थर उदा० तने शु पथरो आवडे छे । [–नाखवो, मारवो = बाधा खडी करना रोडा डालना। –पाकवो = औलाद पत्थर जसी निकम्मी होना (किसी स्त्रीकी कोखमें) कुपात्र पदा होना] [प्रसार फलाव
पथार पु० बडा बिछौना (२)विस्तार
पथारी स्त्री० बिछौना शय्या (२) [ला] मुकाम अड्डा पडाव (३) बीमारी। [–ए लेवु = खाटसे उतारना मृत्युशय्या पर लेना] [शय्याग्रस्त
पथारीवश वि० (बीमारीके कारण)
पथारो पु० देखिये पथार
पथ्थर पु० पत्थर, पाषाण (२) रास्तेकी लबाई सूचित करनेवाला या सीमा

आदि बतानेवाला पत्थरका गडा हुआ टुकडा, पत्थर (३) पत्थरका-सा दिल वाला, संगदिल आदमी [ला]। [–उपर पाणी = व्यथ परिश्रम, कुछ असर न होना। –तरवो = पत्थर पर दूब जमना अनहोनी बात होना। –नी छाती = भावनाहीन मनुष्य, पत्थरका कलेजा (२) पत्थरकी छाती, मजबूत दिल]

पथ्थरपाटी स्त्री० पाटी पटरी, स्लेट

पथ्थरियु वि० पत्थरका बना हुआ (२) पत्थर जैसा सख्त (३) न० पत्थरका बरतन पथरौटा

पद पु० पद, पैर (२) न० दरजा, पद, ओहदा (३) अययुक्त शब्द पद [व्या] (४) पद्यका चरण पद (५) [ग] 'टम (६) पद, वर्गमूल, रूट

पदक न० पदक, चन्द्रक (२) सिक्का

पदवि(–वी) स्त्री० पदवी, ओहदा (२) उपाधि, खिताब, पदवी

पदवीदान समारंभ पु० पदवीदान समारोह 'कोन्वोकेशन'

पदवीधर, पदवीधारी वि० उपाधिधारी

पदाथ पु० पदाथ शब्दाथ (२) चीज, वस्तु, पदाथ (३) तत्त्व

पदाथपाठ पु० प्रत्यक्ष पदाथके द्वारा बोध

पदार्थविज्ञान न० पदार्थविज्ञान, फिजिक्स'

पदावबु स०क्रि० पादवु'का प्रेरणार्थक, पदाना (२) [ला] खूब परिश्रम कराना, थका डालना, हैरान करना (३) बलपूर्वक निकलवाना, प्राप्त करना, हथियाना

पदु न० पद, नाम, उदा० 'गोरपदु'

पधरामणी स्त्री० पधरावनी, पधारना, पधराना (२) भेंट, उपहार

पधरावबु स०क्रि० आदरके साथ लिवा जाना बठाना या स्थापित करना पधराना (२) गले मढना (अनचाही चीज) [ला]

पधारवु अ० क्रि० पधारना

पनाई स्त्री० डोंगी, नाव, पनसुइया

पनारो पु० पाला, साबिका (पडना)

पनु (नु') न० पना, पन्ना (इमली आदिका)

पनो(नो) पु० पनहा अर्ज

पनोती(नो') स्त्री० 'शनिकी दशा, बुरे दिन साढे-साती

पनोतु(नो') वि० शुभ, मंगलकारी (२) सुखी, बाल-बच्चेवाला

पन्नु न० एक प्रकारका रत्न, पन्ना

पपडाट पु० (मिजाजसे) पड-पड बोलना

पपनस न० एक फल, चकोतरा

पपलाववु स० क्रि० सहलाना थपकना

पपयु न० पपीता एरंडमेवा

पपयो पु० पपीहा, चातक (२) पपीता (वृक्ष)

पमरवु अ०क्रि० महकना, सुवास फलना

पमराट पु० महक, खुशबू

पमाडवु स०क्रि० 'पामवु' का प्रेरणार्थक

पयगंबर पु० पगंबर, नबी

पयगाम पु० पैगाम (२) ईश्वरी संदेश

पर अ० ऊपर, पर

पर वि० पर, पराया, गैर (२) अन्य, दूसरा (३) दूर, अतीत (४) पर, आगेका, बादका, उत्तर (५) श्रेष्ठ

परकम्मा स्त्री० परिक्रमा, प्रदक्षिणा

परकार पु० परकार, 'कंपास'

परख स्त्री० परख, जाँच, परीक्षा। [–होवी = परख होना]

परखवु स० क्रि० परीक्षा करना परखना (२) पहचानना, जान लेना
परखाववु स०क्रि० परखवु, 'पारखवु क्रियाका प्रेरणार्थक रूप, परखाना (२) [ला] देना (३) सचेत करके सौंपना, सहेजना (४) समझाना, समझे ऐसा करना
परखावु अ०क्रि० 'परखवु पारखवु क्रियाका कर्मणि रूप परखा जाना (२) विवाहके लिए दुल्हेके रूपमें पसद आना [ला]
परगजु वि० परोपकारी परहित
परगणु न० परगना तहसील
परगाम न० दूसरा गाँव
परगामी वि० अन्य गावका रहनेवाला (२) अनजान (३) तटस्थ [ला]
परचूट(-र)ण वि० विविध फुटकर (२) न० खुर्दा रेजगारी [चमत्कार
परचो पु० प्रतापका प्रमाण परचा
परछड वि० कद्दावर बडे डील डौलका
परजळवु अ०क्रि०प्रज्वलित होना जलना
परजीवी वि० परोपजीवी
परठ(०ण) स्त्री० कबूलत करार (२) दहेज, दायजा [करार करना
परठवु स० क्रि० तय करना ठहराना
परड स्त्री० माथापच्ची(२)बला झझट। [-मूकवी=माथापच्ची छोड देना सिर खपाना छाड देना]
परडकु(-वु) न० सँपोला पोआ
परडियो, परडो पु० बबूलकी फली मेंगर
परण न० ब्याह शादी परिणयन (२) ब्याहकी तीव्र इच्छा [ला]
परणवु स०क्रि० ब्याहना शादी करना
परणाचु न० छोटा सकोरा (२) मिट्टीका दिया दिउला
परणावयु स०क्रि० ब्याह करना, परणवु' का प्रेरणार्थक रूप, ब्याहना [प] (२) दूधमें पानी मिलाना [ला]
परणियत वि० परिणीत विवाहित (२) स्त्री० ब्याहता औरत, पत्नी
परणत(०र) न० ब्याह शादी (२) स्त्री० ब्याहता पत्नी
परणयु न० देखिये परणायु'
परण्यो पु० ब्याहनेवाला पति
परत अ० वापस (आना देना करना) (२) स्त्री० बारीक चूर्ण फकी भस्म आदि। [-करवु=लौटाना वापस करना]
परथार पु० देखिये पडथार
परदादो पु० परदादा दादाका बाप
परदेश पु० परदेश। [-खेडवो=काम धधेके वास्ते परदेशमें जानेका साहस करना]
परदो पु० देखिये पडदो'
परनातीलु वि०अन्य जातिका विजातीय
परनार(-री)स्त्री०अन्यकी स्त्री परस्त्री
परनाळ स्त्री०,(-ळु) न० परनाला
परपोटी स्त्री०छोटा बुदबुदा या बुल्बुला
परपोटो पु० बुद्बुदा बुलबुला (२) क्षणभगुर वस्तु बुलबुला [ला]। [-फूटवो=बाहरी तडक भडक या दिखाऊ आयोजनका प्रकट हो जाना]
परब स्त्री० प्याऊ सबील पौसला
परबडी स्त्री० पक्षियाको चुग्गा डालने के लिए एक ऊँचे खभे पर बनायी हुई चारो ओरसे खुली छतदार बुर्जी छतरी [गये या रुके
परबारु अ० सीधा, बिना और कही
परबीडियु न० लिफाफा (२) कागजकी थैली

परवीडो पु० बड़ा लिफाफा
परभातियु न० दखिये प्रभातियु
परभारु(-यु) अ० बिना वहीं गये या रुक, सीधा (२) वि० बाहरी बाहरका
परम वि० उत्तम परम (२) अगले दिनसे एक दिन आगेका पिछले दिनसे एक दिन पहलेका
परम दहाडे, परम दिवसे अ० परसो
परमधाम न० उत्तम लोक मोक्ष
परमाण वि० प्रमाण सायक, ठीक बरिताय (२) अ० अवश्य जरूर
परमाणु पु०, न० परमाणु
परमाणु न० नाप, परिमाण
परमियो पु० सूजाक, गोनोरिया
परवडवु अ० क्रि० पुसाना
परवरवु अ० क्रि० जाना
परवळ न० परवल (तरकारी)
परवा स्त्री० परवा, परवाह (२) गरज मतलब जरूरत [सिवान
परवाड(ड) स्त्री० गांवका सीमान्त
परवानगी स्त्री० परवानगी इजाजत
परवानो पु० परवाना, अधिकार-पत्र, लायसेंस (२) तितली परवाना (३) छुट्टी आजादी [ना]
परवार पु०, स्त्री० फुरसत
परवारवु अ० क्रि० काम पूरा करके फुरसत पाना मपरना फरागत होना
परवाळु न० मूंगा प्रवाल
परसाद पु० देखिये प्रसाद
परसादी स्त्री० देखिये प्रसादी
परसाळ स्त्री० दखिये पडसाळ
परसेवो पु० पसीना
परहेज(र) वि० वधनमें पडा हुआ बन्दी (२) परहेज करनेवाला, बीमारीमें कुपथ्यसे बचनेवाला (३) परहेज -खाने पीनेमें सयम करनेवाला (४) पापसे बचनेवाला (५) स्त्री० पापसे बचना परहेजगारी, परहेज करनेका काम। [-करवु = बद करना]
परहेजी(र) स्त्री० कैद (२) परहेज
पराई स्त्री० ओखली खरल आदिका छोटा मूसल, दस्ता (२) रभा (छेद करनेका) (३) वि० स्त्री० परायी
पराणी स्त्री० बैल हांकनेकी आरीदार छोटी छडी पैना
पराणे अ० बलात् बरबस (२) मुश्किलसे, अति श्रमसे [लबी छडी, पैना
पराणो पु० बैल हांकनेकी आरीदार
परात स्त्री० खडे किनारेकी बडी थाली परात (२) मटठेके ऊपरका पानी
परापूर्व पु० बहुत पुराना काल
पराय वि० पराया गैर
परास स्त्री० छाछके ऊपरका पानी
पराळ न० पयाल, पुआल
परांठु(०) न० परांठा, परौठा
परिघ पु० वस्तकी परिधि घेरा (२) अगला सिटकिनी (३) अगला जैसा एक डंडा [होना, रूपांतर होना
परिणमवु अ० क्रि० परिणामको प्राप्त
परिबळ न० गविन [(२) वशज
परियु न०, (-यो) पु० पुरखा पूर्वज
परिसख्या स्त्री० परिसख्या गिनती (२) अदाज, अटकल (३) जोड, जमा (४) एक अर्थालंकार, परिसख्या
परी स्त्री० परी अप्सरा
परीकथा स्त्री० परीकथा अद्‌भुत कथा 'फेयरी टेल'
परु न० पीब मवाद, पीप [परे
परु न० उपनगर, 'सबब' (२) अ० दूर

परणागत स्त्री० पाहुनी, आतिथ्य मेहमानदारी
परणो पु० पाहुना, अतिथि
परेज, परेजो (रे) देखिये परहेज आदि
परोढ (रा'), पु० न० तड़का, प्रभात
परोढियु न० तड़का प्रभात, सबेरा
परोणागत स्त्री० देखिये परणागत
परोणी स्त्री० देखिये पराणी
परोणो पु० देखिये पराणो
परोणो पु० पाहुना मेहमान
परोववु स० क्रि० पिरोना (२) [ला] किसी काममें मन लगाना जोड़ना
पर्व, न० पुस्तकका कोई भाग, पर्व (२) अष्टमी, चतुर्दशी पूर्णिमा और अमावस्यामेंसे कोई एक तिथि पर्व (३) पवित्र दिवस (४) त्योहार, उत्सव पर्व (५) गाँठ पोर (ईख आदिकी)
पर्वणी स्त्री० पवित्र दिवस
पलक स्त्री० पल्क क्षण निमिष
पलक स्त्री० पलक गिरनेकी क्रिया झपक
पलकवु अ० क्रि० झपकना पलकका गिरना और उठना (२) पलक गिरनेकी तरह गति होना या आना (३) रह रहकर चमकना झिलमिलाना
पलकारो पु० झपकना, पलकका गिरना झपक (२) झिलमिल (रोशनी आदि) (३) इशारा संकेत
पलटण (–न) स्त्री० पलटन
पलटवु स० क्रि० पलटना बदलना
पलटाववु स० क्रि० पलटना बदलवाना
पलटावु अ० क्रि० पलटवु क्रियाका कर्मणि बदल जाना पलट जाना पलटना
पलटी स्त्री० (–टो) पु० उलट-फेर उलट-पुलट (२) पलटा (संगीत करनी आदिमें) [पसीजना [ला]
पलळवु अ० क्रि० भीगना (२) (दिल)
पलंग पु० पलंग [मौखिक हिसाब
पलाकु (–खु) न० अंकके पहाड़का प्रश्न
पलाण न० पलान जीन या चारजामा (२) सवार होनेकी क्रिया सवारी
पलाणवु अ० क्रि० सवार होना (२) पलान कसना पलानना [प]
पलाव पु० पुलाव
पलाळवु स० क्रि० भिगोना (२) [ला] दिल पर असर पहुँचाना पिघलाना (३) किसी कामका आरम्भ करना (४) मूड़नेके लिए दाढ़ी भिगाना
पलाठी स्त्री० पालथी पलथी
पलीत पु० न० पलीत पलीद, भूतप्रेत
पलीतो पु० पलीता फलीता। [–चांपवो = पलीता दागना देना दिखाना। (२) उकसाना उभारना]
पलेट पु० स्त्री० पलेट (सिलाईमें), पट्टी
पलोटवु स० क्रि० कामकाजमें लगाकर अनुभवी–होशियार बनाना (२) फेरकर सवारीके लायक बनाना सधाना, निकालना (३) चम्पी करना पाँव दबाना
पल्लवी वि० पल्लवित (वृक्ष) (२) स्त्री० इंगित इशारा उदा० कर पल्लवी नेत्रपल्लवी
पल्लु न० पल्ड़ा पल्ला (तराजू)
पल्लु न० वरकी ओरसे कन्याको दिया जानेवाला स्त्रीधन हुंडा
पवई स्त्री० हिजड़ा हीजड़ा जनखा
पवन पु० पवन हवा (२) [ला] घमंड अहंकार (३) फशन। [–काढी नाखवो = घमंड चूर चूर करना।

–चालवो, वावो = –का फैशन होना।
–भरावो = मिजाज होना, घमड होना, मिजाज सातवे आसमान पर होना]
पवनपावडी स्त्री० वह जादूकी खडाऊँ जिससे आसमानमें उडा जा सके
पवाडो पु० पँवाडा, वीरगाथा
पवात, पवायत स्त्री० सूत या कपडेमें लगाया जानेवाला कलफ, माडी (२) खेत आदिकी सिंचाई
पवाली स्त्री० छोटा जाम, प्याली (२) पानी आदि भरनेका एक ऊँचे किनारोंका पात्र
पवालु न० प्याला, गिलास, जाम (२) बडा नलाकार बरतन (३) अनाज नापनेका छोटा पात्र, पायली
पवयो पु० हिजडा, हीजडा, जनखा
पश्चिम वि० पश्चिमी, मगरिबी, पच्छिमका (२) पीछेका, पिछला (३) स्त्री० मगरिब, पश्चिम (४) न० योरप, अमरिका वगरह पश्चिमी प्रदेश। [–मा सूर्य ऊगवो = अनहोनी होना परथर पर दूब जमना आसमानके तार तोडना]
पस स्त्री० अजलि अजलिपुट ओक
पसरवु अ० क्रि० पसरना, फैलना
पसली स्त्री० आधी अजलि, पसर, ओक (२) हथेलीका बनाया हुआ गड्ढा जिसमें आचमनका जल रहे, अजलि (३) वह उपहार जो भाई बहनको देता है, भ्रातृदत्त (४) अँगूठी
पसद वि० पसद मनानुकूल (२) चुना हुआ पसद स्वीकृत
पसदगी स्त्री० पसद रुचि
पसायतु न० बख्शिशके रूपमें मिली हुई जमीन, मूडरी
पसार वि० पार किया हुआ (२) पास (जाँचमें) [(२) प्रवेश, पैठ
पसार पु० फलाव, पसारा, प्रचार
पसारवु स० क्रि० पसारना (२) लबाना
पसारो पु० पसारा प्रसार विस्तार
पसीनो पु० देखिये 'परसेवो
पस्तानु न० रवानगी (अन्य गाव जानेको) (२) प्रस्थान (यात्राके पहले शुभ मुहूर्तमें किसीके घर वस्त्रादि रख आना)
पस्तावु अ० क्रि० पछताना
पस्तावो पु० पछतावा, पश्चात्ताप
पस्ती स्त्री० निकम्मे कागज, रद्दी
पहाड पु० पहाड पवत। [–जेवु = पहाड जसा बडा दृढ अचल या मजबूत, पहाड]
पहाडी वि० पहाडी पहाडका (२) मजबूत, कद्दावर [ला] (३) स्त्री० छोटा पहाड पहाडी (४) गिरिमाला (५) एक रागिनी, पहाडी
पहाण पु० पाषाण, पत्थर [खसरा
पहाणीपत्रक न० पटवारीकी बही
पहाणो पु० देखिये 'पहाण'
पहेरण (प) न० कुरता
पहेरवु (प) स० क्रि० पहनना
पहेरवेश पु० कपडे पहननेका ढग या तज पहनावा (२) पोशाक पहनावा
पहेरामणी स्त्री० कन्याके बापकी ओरसे वरको और उसके रिश्तेदारोंको दी जानेवाली भेंट मिलनी
पहेरावनु स० क्रि० पहेरवु का प्रेरणार्थक; पहनाना (२) गले मढना (माल आदि)
पहेरेगीर (प) पु० पहरेदार पहरी
पहेरो (प) पु० पहरा, देख रेख, जाब्ता, चौकी, निगरानी (२) सभाल, हवाला
पहेल (पहें) स्त्री० पहल आरभ अगुआई

पहेल(पहॅं) पु० दो कोनाक बीचकी सतह, पहल (हीरा पासा आदिकी)
पहेल्दार(पह) वि० पहलदार
पहेलपहेलु(पहॅं व) वि० पहली ही बारका, सबसे प्रथम (२) अ० पहले पहल, प्रथमत
पहेलवान पु० पहलवान, मल्ल
पहेला(पहॅं) अ० पहले आगे पेश्तर
पहेलु(पहॅं) वि० पहला प्रथम (२) मुख्य आला श्रेष्ठ (३) अ० सबसे आगे सर्वप्रथम
पहोच(पहॉं) स्त्री० पहुँच, रसाई गति (२) रसीद (३) [ला] समझनेकी शक्ति सूझ-बूझ (४) सामर्थ्य, बूता। [पहोची वळवु = बराबरीमें आना, मुकाबलेमें पार उतरना –से पार पाना]
पहोचवु(पहा) अ० क्रि० पहुचना जाना (२) (भेजी हुई चीजका) मिलना (३) टिकना जारी रहना लगा रहना (४) स० क्रि० मुकाबलेका होना समान होना पहुचना
पहोचाडवु(पहा) स० क्रि० पहोचवु का प्रेरणार्थक पहुँचाना
पहोचेलु(पहॉं) वि० जो किसीसे छला न जाय अनुभवी चालाक घाघ
पहोर(पहा) पु० पहर याम
पहोळाई(पहॉं) स्त्री० चौडाई
पहोळु(पहॉं) वि० चौडा (२) कुशादा विस्तृत (३) जो बद न हो खुला (४) फैलाया हुआ अलग उला० दाणा पहोळा करवा । [–थई जवु = तबाह होना चौपट होना। –थवु = फूलकर कुप्पा होना बाछें खिलना अत्यधिक उदार या बेफिक्र बनना]
पहोंच, (०वु), (–चाडवु) (पहॉं०) देखिये पहोच आदि
पहोंची(पहा०) स्त्री० पहुची (गहना)
पहोंचेलु(पहा०) वि० देखिये पहोचेलु'
पहोंचो(पहा०) पु० हाथका कलाई पहुचा। [पहोचा करडवा = कुछ न सूझना अक्ल मारी जाना (२) हिम्मत हारना पछताना। –पकडवो = गुनाह करते हुए किसीको पकडना (२) पहुँचा पकडना] [(२) क्षण छन
पळ स्त्री० पल ६० विपलका समय
पळवु अ० क्रि० जाना
पळवु अ० क्रि० पालित होना पलना पाला-पोसा जाना (२) रास या अनुकूल आना (३) (जमीन) अपने कब्जेमें होना (४) स० क्रि० (वचन) पालना, निबाहना [सुहाती
पळशी(–सी) स्त्री० चापलूसी ठकुर
पळावु अ० क्रि० 'पळवु पाळवु का कर्मणि पाला जाना
पळियु न० पका हुआ बाल पलित। [पळियां आववा = बाल सफेद होना, बुढापा आना सफेदी आना]
पळी स्त्री० पली (घी-तेल निकालनेकी)
पळोटवु स० क्रि० देखिये पलोटवु
पकावु अ० क्रि० नाम होना सराहा जाना –का नाम लिया जाना
पखिणी स्त्री० मादा पक्षी पक्षिणी
पखी(–खेरु) न० पक्षी पखेरू
पखो पु० पखा (२) मोटर आदिके पहिये परका ढक्कन पखी मडगाड
पगत स्त्री० पगत पक्ति (भोजनमें)
पच वि० पच पाँच (२) न० पचायत पच (सभा) (३) पु० पचका सदस्य

पच। [–नीमवु = पच बदना, पच मानना, मध्यस्थ बनाना]
पचक न० पाचका समूह, पचक(२) धनिष्ठा आदि पाच नक्षत्र पचक
पचक्यास पु० पचनामा, पचकी तजवीज
पचनामु न० पचनामा पचाकी तजवीज
पचराउ वि० फुटकर, खुर्दा (बिक्री) (२)पचमेल (मिश्रण)
पचराशि स्त्री०, न० पचराशिक [ग]
पचवायका स्त्री० अफवाह जनरव
पचाजीरी स्त्री० पजीरी [९५
पचाणु(–णु) वि० पचानवे, पचानवे,
पचान स्त्री० पचायन पच(२)पचायत की जाच या तजवीज (३) पचायतका फमला (४) [ला] ऊहापोह, माथा-पच्ची, बहस (५) पचडा बखेडा। [–वहोरवी, – मा पडवु = तकरार या चझट माल लेना पचडेमें पडना]
पचानमामु न० पचनामा
पचातियु वि० झमटी पेचीदा, टेढा (काम या चीज) (२)पचायतके करने योग्य पचायती(३)झगडालू बखेडिया
पचायत स्त्री० पचाकी मडली, पचायत, (२)बिरादरीकी कार्यकारिणी सभा, पच(३)पचडा, तकरार झमेला
पचावन वि० पचपन, ५५
पचाशी(–सी) वि० पचासी, ८५
पचाग वि० पाँच अगवाला पचाग (२)न० तिथिपत्र पचाग
पचियु न० छोटी धोती कछनी अँगोछी
पचोतेर वि० पचहत्तर ७५
पजरी स्त्री० पजीरी
पजेटी स्त्री० खेतीका जेक साधन पाँचा
पजो पु० (हथेली और परका) पजा (२)चिड़ियोका पजा, चगुल(३)पजा (ताश, पासा आदिका)। [पजामा लेवु = पजेमें करना काबूमें करना। –खेंची काढवो, चोढी देवो = तमाचा मारना हुलिया बिगाड देना]
पड पु० पिंड, शरीर, देह(२)खुल्की ज्ञात(३)पिंडा, पिंड (श्राद्धमें) (४) पीलिया, पाडुरोग
पडरोगियु, पडरोगी वि० पाडुरोगी
पडे अ० खुद आप, स्वय
पडो पु० पडा, यात्रावाल
पडोळु न० चिचिडा(तरकारी)
पड्या पु० पुरोहित(२)एक अल्ल
पड्यो पु० ग्रामशालाका ब्राह्मण शिक्षक (२)पुरोहित उपाध्याय [स्टर'
पतप्रधान पु० मुख्यमत्री चीफ मिनि
पतियाळु वि० जो कई आदमियोके सा झेमें हो पत्तीवाला (२) न० साझेका व्योपार, साझेदारी
पतूजी पु० सिर्फ बच्चे पढाना जानने वाला, मास्टर, मुशी (२) पोथीपडित
पदर वि० पद्रह पदरह, १५
पप पु० पप (पानी खीचनेकी कल) (२) हवा भरनेकी पिचकारी, पप (३)मोटरमें पेट्रोल भरनेका यत्र या वह स्थान
पपाळवु स० क्रि० सहलाना(२)[ला] अनुचित लाड-प्यार करना (३) सह-जना तम्हीमे सम्हालना जाना
पपोयो पु० इटका टुकडा ईंटकोहरा
पा वि० चौथे हिस्सेका, पाव
पा स्त्री० तरफ ओर
पाई स्त्री० पाई, पसेका तीसरा भाग
पाक वि० पाक पवित्र(२)प्रामाणिक
पाक पु० पाक परिपक्वता(२)पैदाइश, उपज (३) खेतीकी उपज, फसल,

पद्मावार(४)खाद्य पदार्थ, पाक (५) पाक(फोडेका) (६) रसोई पकाना पाक

पाकट वि० पाकठ पका हुआ पक्का (२) पुख्ता पाकठ अनुभवी

पाकवु अ० क्रि० पकना परिणत अवस्थाको प्राप्त होना सीझना (अनाज, फल आदि) (२) फसल पैदा होना, उपजना उदा० बाजरी आ वर्षे बहु पाकी (३) (शरीरमें) मवाद भर आनेकी अवस्थाको पहुंचना, पकना (४) (बालका) सफेद होना पकना (५) [ला] सिद्ध होना निकलना साबित होना उदा० छोकरो सारा पाकयो (६) (शरीर अवयव) चूर हो गया हो इस तरह पीडा होना उदा० थाकथी शरीर पाकी गयु छे (७) नियत समय आना वक्त पूर्ण होना (हुंडी) (८) (गोटीका) सब खानाको पारकर अपने खानेमें पहुँचना पकना (९) प्राप्ति होना घटना, -के हाथ आना उदा० आजनो दहाडो पाकयो तेमा ताहरु शु पाक्यु ?

पाकाई स्त्री० देखिये पक्काई

पाकी स्त्री० काम-काज बंद करना हडताल

पाकु वि० पक्का जो कच्चा न हो, पका हुआ (२) पुख्ता पाकठ अनुभवी (३) पक्का (भोजन सीधा) (४) जो छूनेसे जूठा न हो घीमें पकाया हुआ (५) जो छला न जाय, अनुभवी घाघ [ला] (६) होशियार उदा० छोकरो गणितमा पाको छे' (७) दृढ अचल पक्का (८) जिसमें कमी न हो परिपूर्ण (९) जिसमें सुरखी-चूना आदिका उपयोग हुआ हो (मकान), (करार या लेग) जो कानूनके विरुद्ध न हो पक्का। [-पान = जराजीर्ण-वृद्ध मनुष्य। -खाखाण = कानूनके अनुसार आखिरी लेन-करार। पाके पाये = निश्चयपूर्वक निस्संदेह]

पाग(-घ)डी स्त्री० पगडी (२) [ला] अच्छे कामके बदलेमें दिया जानेवाला उपहार सिरोपाव (३) वह रकम जो मकान किराये पर लेने पर पेशगी और नाजायज तौर पर दी जाती है पगडी (४) रिश्वत। [-उतारवी = (किसीके) पैरो पर पगडी रखना दयाकी भीख मांगना। -ऊधी घालवी = दिवाला निकालना। -फेरववी = मुकर जाना झूठ बोलना (२) दिवाला निकालना (३) पक्ष बदलना। -बधाववी = इनाम या सिरोपाव देना (२) मरा हुना शाबाशी देना (३) शोक छुडाना]

पागडीपनो पु० पगडीके जमा विस्तार (बहुत लंबा कम चौडा)

पाच न० मवाद पीब पीप

पाछलु वि० पिछला बादका (२) पहलेका। [पाछली अवस्था = वृद्धावस्था बुढापा। पाछली रात = रातका पिछला प्रहर भीगी रात। पाछले बारणेथी = चोरी चोरी छिप छिपे]

पाछळ अ० पीछे पीठकी ओर। [-पडवु = पिछड जाना (२) किसी काममें तदहीस लगा रहना जुटना (३) पीछा पकडना, पीछे लगना। -पडी जवु = बराबरीमें न रह पाना पिछडना, स्थिति या दरजेमें पीछे रह

जाता। —मूकवु = —में आगे बढना, —को पीछे छोडना]

पाछु वि० पिछला, पीछेका (२) अ० पीछे (३) इसके अलावा, और, फिर (४) उलटी दिशामें, वापस, उदा० पाछो आव' (५) बाजू पर, जरा पीछे उदा० तु पाछो खस, पाछो बेस। [**पाछी पानी करवी** = पीठ दिखाना पीठ फेरना। —**पगलु भरवु** = झिझकना (२) पलायन करना, पीठ फेरना। —**पडवु** = हारना थक जाना, पीठ फेरना। —**वळवु** = (चीजका) बिगडना बेस्वाद होना (२) कै होना, उल्टी होना (३) मर जाना, उठना। —**वळीने (वाळीने) जोवु** = पीछे क्या है यह देखना, सोचना, बिचार करना। —**वाळवु** = अस्वीकार करना, लौटा देना भगा देना निकाल देना]

पाछोतर वि० मौसमके पिछले समयका, पछेती (खेती आदि)

पाजी वि० पाजी, नीच (२) कंजूस

पाट पु० बडा पीढा पाट (२) पूरा थान (३) जमीनका लंबा पट्ट पट्टी (४) दो से ज्यादा अददकी एक साथ बुनाई (५) पौवडा (चलनेके लिए रास्तेमें आदरार्थ बिछाना) (६) (ट,) स्त्री० बडी चौकी, तख्त (७) लंबा आयताकार टुकडा, (साबुन आदिका) (८) न० राजगद्दी

पाटडी स्त्री० छोटी धरन कडी

पाटडो पु० शहतीर धरन

पाटनगर न० राजधानी पायतख्त

पाटलाघो स्त्री० एक प्रकारकी गाह गोह

पाटली स्त्री० लंबी कम चौडी चौकी 'बेंच' (२) छोटा पीढा (३) टखनेसे उँगलियों तकका भाग (४) एक तरहका गहना (५) धोती-साडी आदिके चुनटदार सिरे जो कमर और पेढूमें खोसे जाते है

पाटलून न० पतलून

पाटलो पु० पीढा पाटा (२) (रूईकी) गाँठ, (चादीका) 'पाटला', सिल। [**पाटले बेसाडी पूजा करवी** = लाड दुलारसे निठल्ला बिठाये रखना (२) (व्यंग्यमें) कोई काम न सौंपना या करनेको न कहना, पांव पूजना]

पाटवी वि० सबसे बडा (२) पु० राज्यका उत्तराधिकारी, युवराज

पाटियु न० तख्ता पटिया, पटरी (२) काला तख्ता, श्याम पट (शालामें) (३) पाजरकी हड्डा छातीकी हड्डी (४) एक बरतन। [**पाटिया गोठववा** = (कोई चीज) अपनी जगह पर ठीक बैठे ऐसा करना, मेल हो ऐसा करना। **पाटियां देखावां, भिडावां, बेसी जवां** = कलेजा टूटना, छाती फटना, हिम्मत पस्त होना, छातीके किवाड खुलना (२) बंद हो जाना (३) नादार या दिवालिया होना। **पाटिया रगावां** = खूब मरम्मत होना, बेभावकी पडना (२) बहुत टोटा होना]

पाटियो पु० बटलोईनुमा मिट्टी या धातुका एक बरतन हांडी

पाटी स्त्री० पाटी स्लेट (२) सूत या रेशमकी बुनी या गूंथी हुई चौडी पट्टी, निवार (३) धातुका पतला लंबा टुकडा, पट्टी (४) गाँवकी पट्टीदारी (५) एक ही मालिकीके पंक्तिबद्ध खेत (६) माजरा वाकया, उदा० 'सत्यानाशनी पाटी' (७) दल, टुकडी

दस्ता। [-उपर धूळ नाखवी = नालामें जाना। -बाळवी = वीरान करना उजाड देना]

पाटीदार पु० जमीदार पट्टीदार (२) पाटीदार' जातिका आदमी

पाटीवाळो पु० रेल्की सडक पर काम करनेवाले रेल्के मजदूरोकी टुकडीका आदमी 'गगमन

पाटु स्त्री० न० लात

पाटो पु० पट्टीक जमा कपडेका ल्बा पतला टुकडा पट्टी (२) (रेल्की) पटरी (३) लीक (गाडी आदिकी) (४) लोकरीति रिवाज। [**पाटा बांधवा** = पट्टी पढाना बहकाना (२) भ्रमित हाना कुछ न सूझना होश ठिकाने न रहना। **पाटे चडवु** = व्यव स्थित रूपसे चालू होना, जमना। **-गोठवो** = मेल मिलना बनत हाना]

पाठ पु० पाठ पठन (२) सबक, पाठ (३) बोध सीख (४) धार्मिक ग्रथोको नियमित रूपसे पढना पाठ

पाठमाला (-ळा) स्त्री० क्रमिक पाठाकी पुस्तक पाठावली

पाठववु स०क्रि० भेजना पठाना [प]

पाठु न० पीठपर होनवाला फाला

पाठु न० घीकुआरका पठ्ठा

पाड (पा) पु० उपकार, एहसान। [**-चडशे** = -का एहसानमन्द होना]

पाडवु स०क्रि० गिराना (२) तयार करना बनाना (सिक्का आदि)

पाडाखार पु० पक्का बर (भसो जसा)

पाडी स्त्री० भसका मादा बच्चा पडिया

पाडु न० भैंसका बच्चा पडवा

पाडो पु० भैंसका नर बच्चा पाडा भसा। [**पाडा मूडवा** = निठल्ला होकर निकम्मे काम करना]

पाडो (पा) पु० पहाडा

पाडो पु० पाडा, टोला मुहल्ला

पाडोश पु०,पडोस

पाडोशण स्त्री० पडोसिन

पाडोशी पु० पडोसी, हमसाया

पाण(ण) स्त्री० चौथा भाग पाव (२) चौथा भाग सूचित करनवाली खडी लकीर पाई

पाण न० सिचाई(२)माँडी, कल्फ

पाणियारी(पा) स्त्री० पनहारिन पनहारी

पाणियारु(पा) न० घरमें पानीके बर तन रखनेका जगह, पनसाल, घडौंची

पाणी न० पानी जल आब (२) जल जसा कोई तरल पदाथ, पानी (३) [ला] धार बाढ (४) तेज, आब, नूर (५) शूरवीरता जीवट (६) टेक आबरू पानी मान मर्यादा (७) मुलम्मा कलई। [**-उतारवु** = सख्त परिश्रमके काममें लगाना (२) पानी उतारना बेइज्जती करना। **-ऊतरवु** = ज्वार या बाढका पानी घटना पानी कम होना (२) बुझाई हुई तलवार आदिका असर नष्ट होना मरना (३) पानी उतरना, बेइज्जती होना (४) खूब श्रम पडना थक जाना (५) (परका) सूजना। **-चडाववु** = उकसाना उत्कार कर लडनेको उद्यत करना (२) हथियार या लोहेका बुझाना। **-जवु** = इज्जत बिगडना जाना। **-ना रेलानी पेठे** = छनभरमें, झपाटेसे। **-नो परपोटो** = क्षणभगुर वस्तु बुलबुला। **-पडवु** = पानी

पडना, वर्षा होना (२) मेहनत पडना। –पहेलां पाळ = पानीसे पहले पुल या बाँध (बाँधना)। –पाणी करवु = पानीके लिए तरसना (२) थका डालना (३) खूब खुश करना। –पाणीए थई जवु = पसीनेसे तर हो जाना (२) खूब खुश होना (३) (क्षार आदिका) पानी होना। –पावु = मुलम्मा चढाना (२) (हथियारकी धार तेज करने या हथियारको सख्त करनेके लिए) पानीमें बुझाना, पानी बुझाना (३) भडकाना, उकसाना (४) पानी देना, सींचना। –पीने घर पूछवु = पानी पीकर जाति पूछना। –फरवु, फरी वळवु = पानी फिरना बरबाद होना। –फेरववु = पानी फेरना, चौपट करना। –भरवु = पानी सींचना (२) पानी भरना फीका पडना। –मां जवु = श्रम बेकार जाना –मां मूठीओ भरवी = मिथ्या प्रयत्न करना हवा मुट्ठीमें बाँधना। –मूकवु = प्रतिज्ञा लेना। –लागवु = पानी लगना। –लेवु = पानी लेना (२) प्रतिज्ञा करना, नियम रखना]

पाणीचु वि० पनिहा, जलयुक्त (२) न० पानीवाला नारियल। [–आपवु, परखावदु = बरतरफ करना, निकाल देना। –मळवु = बरतरफ होना]

पाणीछल्लु वि० शर्रमिदा लज्जित (२) पनिहा, जलयुक्त (३) न० नारियल

पाणीपोचु वि० जिसमें कुछ पानी रहा हो पचपचा

पाणीफेर, पाणीबदलो पु० (स्वास्थ्य सुधारके लिए) स्थानांतर करना

पातर न० पत्ता पत्र (२) अरईका पत्ता या उसकी एक बानगी

पातळ स्त्री० पत्तल, पत्तर (२) परोसा पत्तल (खाद्य सामग्री)

पातळु वि० पतला, महीन

पाताल (–ळ) न० पाताल। [–फोडवु = पृथ्वीके पेटामें से पानी निकालना (२) अति कठिन काम करना, पत्थरको जोंक लगाना आसमानके तारे तोडना। –मां पग होवा = अप्रकट रूपसे बहुत कपटी और चालाक होना। –मां पेसी जवु = धरतीमें समा जाना (२) अति लज्जित होना, गड जाना]

पाताळक्वो पु० अथाह पानीवाला कुआँ, ट्यूबवेल

पात्र वि० योग्य लायक काबिल उदा० दानपात्र विश्वासपात्र (२) न० पात्र, बरतन (३) नदीके दो तटोंके बीचका भाग नदीका पेटा या पाट, पात्र (४) अभिनेता, पात्र (५) कहानी या उपन्यासका पात्र (६) लायक योग्य व्यक्ति पात्र

पाथरण (–णु) न० बिछावन दरी

पाथरवु स०क्रि० फलाना (२) बिछाना

पाद न० अपानवायु पाद

पादण वि० पादनवाला पदोडा (२) डरपोक पदोडा [ला]

पादर न० गोइडा रहावन (गाँवका)

पादरी पु० पादरी

पादवु अ० क्रि० पादना। [पादी जवु, पडवु = डर जाना]

पाधर वि० जनशून्य, वनस्पतिशून्य, उजाड, वीरान (२) खुला मैदान जैसा (३) न० देखिये 'पादर'

पाधरु वि० सीधा जो आडा या टेढा न हो (२) सरल सीधा (३) अ० कहीं गये-रुके बिना, सीधा

पान न० पीना, पान

पान न० पत्ता पत्र (२) पृष्ठ (पुस्तकका) पन्ना (३) नागरवल्का पत्ता पान

पानखर स्त्री० पतझड

पानडी स्त्री० छोटा और कोमल पत्ता, पल्लव (२) स्त्रियाका कानका एक गहना पत्ता [पानदान-पनडिब्बा

पानदान (-नियु) न० पानदानी स्त्री०

पानपटी (-ट्टी), पानबीडी स्त्री०, पान बीडु न० पानका बीडा ताबूल

पानसोपारी स्त्री० न० पान और सुपारीका मुखवासन (२) [ला] तुच्छ भेंट, पानफूल (३) किसीके मानमें किया जानवाला समारम

पानियु न० पन्ना, पृष्ठ (२) नसीबका पन्ना भाग्य [ला] [नीचेका भाग

पानी (नी) स्त्री० तलवेका एडीक

पानु न० पत्ता पण (२) पृष्ठ पना (३) (ताशका) पत्ता (४) औज़ारका धार वाला भाग फल (५) (रत्न) पन्ना (६) [ला] जीवनभरका सबध पाला। [-पडवु = साबिका होना जीवनम साथ रहनका मौका आना पाला पडना]

पानेतर न० वह खास वस्त्र जो ब्याहके समय कयाको पहनाया जाता है

पानो (नो) पु० वात्सल्यसे मांकी छातीमें दूध उमड आना (२) पेन्हाना (३) जोवट शूरवीरता जोश धय [ला]। [-चडवो = छातीमें दूध भर आना उमड आना (२) दुलार होना दूध पिलानेकी इच्छा होना (३) जोशमें आना]

पाप न० अधार्मिक कृत्य, पाप (२) [ला] कपट (३) नापसन्द व्यक्ति, बला [ला]। [-उघाडु पडवु = बुरे कामका भेद खुल जाना। -गयु टळयु = बला टली बाधा दूर हुई पाप कटा। -फूटी नीकळवु = पाप उदय होना पापका फल मिलना]

पापड पु० पापड [खार

पापडखार, पापडियो खार पु० पापडा

पापडी स्त्री० पापड जसी एक खाद्य चीज़ (चावलके आटकी)

पापडी स्त्री० सेम शिमी

पापियु वि० पापी पातकी

पामवु स० कि० प्राप्त करना पाना (२) ताड जाना भांपना समझ जाना पाना

पाय पु० पांव। [पाये पडवु लागवु = मत्था टकना नमस्कार करना (२) माफी मांगना पांव पडना]

पायखानु न० पाखाना पायखाना शौचालय

पायजामो पु० पायजामा पाजामा

पायतख्त न० पायतख्त राजधानी

पायदस्त स्त्री० (पारसीकी) मरणयात्रा

पायदळ न० पदल लश्कर पदल

पायमाल वि० पायमाल पामाल चौपट

पायमाली स्त्री० पामाली बरबादी

पायरी स्त्री० सीढीका पाया सोपान सीढी (२) पद दरजा (३) एक प्रकारका आम

पायलागणु न० पालागन

पायली स्त्री० अनाज नापनेका बरतन, पायली (२) चवन्नी पावली

पायादार वि० पायदार, बुनियादी

पायानी केळवणी स्त्री० बुनियादी तालीम, नई तालीम

पायो पु० पाया, पावा (२) कपडे घानेका डडा (३)बुनियाद, नीव, नीवँ (४) (त्रिकोणका) तल (५) घी और गुडकी चाशनी(६)आधार, मूल [ला]। [**-ओछो होवो** = अक्लकी कमी होना अक्लका फतूर होना या पागल होना, कमअक्ल। **-नाखवो** = शिलान्यास विधि करना, मकानकी बुनियाद डालना (२) नीव डालना, काई काय आरम्भ करना]

पार पु० पार, अंत छोर(२) हद, मामा, पार (३) किनारा, तट पार (४)गूढ मम, भेद [ला]। [**-आववो** = सम्पन्न होना खतम होना। **-ऊतरवु** = पार लगना, पार उतरना किनारे पहुचना(२)सफलतापूवक पूण होना सिद्ध होना काम पूरा उतरना। **-पामवो** = मम भेद जानना। **-मूकवो** मेल्वो, लाववो = समाप्त,खतम करना पार लगाना]

पार (र,) स्त्री० लाख चढाया हुआ मटका(२)अमतबान मरतवान

पारकु वि० पराया, गैरका, दूसरेका

पारख स्त्री० परख, परीक्षा

पारखवु स०क्रि० परीक्षा करना गुण दोष जान लेना परखना(२)पहचान लेना परख करना

पारखु वि० क़द्रदा, परखैया

पारखु न० परीक्षा, परख(२)परचा, प्रतापका प्रमाण सबूत चमत्कार। [**-करवु जोवु लेवु** = परीक्षा करना परखना। **-देखाडवु बताडवु** = चमत्कार करके अपना बल दिखाना परचा देना, शक्तिका परिचय देना]

पारणु न० पालना छोटा झूला(बच्चोका)

पारणु न० पारण, पारणा (व्रत, उपवासका)

पारधी पु० पारधी, शिकारी

पारस पु० पारस, फारस, ईरान

पारस पु० पारस, स्पशमणि (२) वि० बडा, उम्दा किस्मका, उदा० 'पारसजाबु [राय जामन

पारसजाबु न० बढिया किस्मका जामुन,

पारसण स्त्री० पारसी स्त्री

पारसनाथ पु० पाश्वनाथ

पारसपीपळो पु० पीपलकी जातिका एक बडा पेड (२) [ला] बेघरबारका लापरवाह आदमी

पारसमणि पु० पारस, स्पशमणि

पारसी वि० पारसियोसे सबद्ध (२) पु० पारसी [पेन्हाना, पासना

पारसो पु० थनमें दूधका भर जाना,

पारावार पु० समुद्र पारावार (२) वि० असीम अत्यधिक

पाराशीशी स्त्री० तापमानयत्र, 'थरमामीटर'

पारिजात(०क) न० हारसिंगार, पारिजातक पारिजात (फूल और वक्ष)

पारी स्त्री० रभा (पत्थर तोडनेका)

पारेख पु० पारखी, जौहरी (सिक्का, जौहर आदिका(२)एक अल्ल

पारेवडु पारेवु न० परेवा, कबूतर

पारो पु० पारा (धातु) (२) मालाका दाना, मनका (३) (तबूरेके तारमें पिरोया हुआ) मनका (४) बदूककी गोली या छर्रा (५) मसूडा

पार्लमेन्ट स्त्री० इंग्लण्डकी ससद, पार्लमेंट (२) ससद्

पालक(-ख) स्त्री० एक साग, पालक

पालख स्त्री० पाइट (दीवारकी चुनाईमें)

पालखी स्त्री० पालकी
पालडु न० (तराजूका) पलडा, पल्ला
पालन न० पालन परवरिश
पालनपोषण न० पालन-पोषण
पालनहार पु० पालक, पालन करनेवाला
पालव पु० साडीका पल्ला दामन (२) दुपट्टे या पगडीका जरीके तारोंवाला छोर (३) आश्रय, सहारा। [(–ने) पालवे पडवु = –के पाले पडना, –की शरणमें जाना]
पालववु अ० क्रि० पुसाना, पूरा पडना (२) उचित जान पड़ना राम आना (३) स० क्रि० पालना, पोसना निबाहना [बरतन सेई पायटी
पाली स्त्री० अनाजकी एक नाप उसका
पाली स्त्री० बारीक पत्तियाँ (२) छोटा गिलास [रौनक आदि)
पालीस स्त्री० पालिश (ममाला क्रिया
पालु न० कुठला पाला (२) बारिशमें दीवारकी रक्षाके लिए लगाया हुआ टट्टर टट्टी (३) प्याला जाम, गिलास। [(–नी साथ) पालो पडवो = –के पल्ले पडना]
पालो पु० चौपायोंके खानेकी पत्तियाँ आला-पाला (२) पाना पीनेका जाम गिलास
पालो पु० छतरी (बग्गाडा आदिके कमानीदार ढाँचेका आच्छादन)
पावडी स्त्री० पौवडी, खडाऊ (२) पावडी (करघेका) (३) लंबे दस्तेका काठका छोटा फावडा फावडा
पावडो पु० फावडा
पावती स्त्री० रसीद पहुँच
पावरधु वि० कुशल पटु निष्णात
पावली स्त्री० पावली, चवन्नी
पावलु न० चवन्नी
पावु स० क्रि० पिलाना
पावयो पु० हिजडा, नपुंसक, हीजडा
पावो पु० एक प्रकारकी बंसी (२) (स्टीमरका) भापा भापू सीटी
पाशेर पु० सेरका चौथा भाग पाव (बच्चा) [(बच्चा)
पाशेरी प० एक पावका बाट, पौसेरा
पास पु० स्पर्श रंग चढना पुट (२) सोहबतका असर संग संगत [लग]। [–बेसवो, लागवो = स्पर्शसे रंग चढना (२) संगका रंग चढना खरबूजेको देखकर खरबूजा रंग पकडता है
पास स्त्री० बाजू, ओर (२) अ० पास
पास वि० पास सफल फतहमंद (२) स्वीकृत मंजूर पसंद (३) पु० आज्ञा पत्र, राजाको लिखित आज्ञा पास। [–पडवु = पसंद आना रुचना]
पासलो पु० पासेके आकारका धातु आदिका आयताकार टुकडा (धातु आदिकी) ईंट (२) सुनारका एक औजार, पासा
पासवान पु० हुजूरी नौकर
पासवु स० क्रि० रंग चढानेके लिए पहले खटाईका पुट देना
पासु न० करवट (लेटना) (२) तरफ बाज़ू तड किसी वस्तुका दायाँ या बायाँ भाग। [पासामां घालवु = हडपना गबन करना (२) आश्रय देना शरणमें लेना]
पासे अ० पासमें निकट (२) बगलमें बाजूमें (३) कब्जेमें अधिकारमें (४) सामने आगे
पासो पु० पासा पाँसा (खेलनेका)। [पासा अवळा पडवा = भाग्य प्रति

कूल होना, पासा पलटना। पासा नाखवा=पासा फेंकना, भाग्यकी परीक्षा करना। पासा पोबार पडवा= सफल होना, सिद्ध होना, -का पासा पडना भाग्य खुलना]

पासो पु० (चौपायोंका) दूधको थनमें उतरने देना, पासना

पाळ(ळ,) स्त्री० तालाव या सरोवरका किनारा मेंड, पाल पाला(२)बाँध, वद, पाड

पाळणु न० पालना, ढोलना

पाळवु स० क्रि० रक्षा करना, पालन करना(२)भरण-पोषण करना, पालना (३)पाल-पोसकर तालीम देना, शिक्षा देना(४)निभाना भंग न करना, -के अनुसार बरतना, मानना पालना, रखना (आज्ञा वचन, व्रत, रजा आदि)

पाळियो पु० स्मृतिस्तंभ (२) खेतमें पानी ले जानेकी नाली, धोला [पाल

पाळियो पु० (मिट्टीका) बाँध, धुस्स

पाळी स्त्री० छुरी, पालिका(२)बारी, पारी (३) हडताल (४) पाटा मेंड

पांउ(०)पु०, न० (०रोटी)स्त्री०पावरोटी

पांख(०) स्त्री० डैना, पर, पक्ष(२) (सेना, मकान आदिका आगेकी ओर बढा हुआ दायाँ-बायाँ भाग) पक्ष(३) आश्रय सहाय [ला]। [-मां घालवु =आश्रय देना शरणमें लेना। पांखो आववी=उडान भरने लगना उडना सीखना (२) सयाना होना होश सम्हालना (३) भाग जाना चंपत होना गायब होना]

पांखडी(०)स्त्री०फलकी पत्ती पँखडी, पुष्पदल [शाखा [ला]

पांखडु (०) न० टहनी (२) कुटुंबकी

पांखाळु(०) वि० पाँखवाला (२) दाँतेदार (३) टहनीवाला

पांखियु(०) न० पक्ष, तह(२)डाली, शाखा(३) (कैंचीका)पल्ला

पांखु(०)वि० झीना, छीदा, झिलमिला

पांगत(-थ) (०)स्त्री०पायँती, अदवान

पांगरवु(०) अ०क्रि० पनपना

पांगद (०) न०, (-रो) पु० वह डोरी जिससे पालना लटकाया जाता है (२) तराजूका पलडा बाँधनेकी रस्सी, तड़ी(३)गुलेलकी रस्सी(४) पतवारकी ओरका नावका सिरा

पांगळु(०) वि० पंगु, पँगुला (२) [ला] निबल अशक्त (३) आश्रय-हीन, आधाररहित

पांगोठु(०) न० कंधेसे कोहनी तकका हाथका भाग, पखुरा, मुश्क (२) हिलने-डुलनेवाले अवयवका जोड

पांच(०) वि० पाँच ५। [-माणसमां =लोगोंमें जाहिरमें, समाजमें। -वरसनु=युवान(२)अरमानभरा]

पांचम(०) स्त्री० पाँचवीं तिथि, पंचमी

पांचमु(०) वि० पाँचवाँ

पांचशेरी(०) स्त्री०पसेरी, पसेरी(बाट)

पांजरापोळ(०) स्त्री० अशक्त और पंगु मवेशियोंके रहनेका धर्मार्थ स्थान पिंजरापोल

पांजरु(०) न० पिंजरा, पिंजडा(२) ऐसी कोई भी रचना या बनावट(३) कठघरा (न्यायालयका)

पांती (०) स्त्री० पक्ष, बाजू (२) रीति उपाय (३) भाग, हिस्सा, पट्टी (४) व्यवहार-गणित, प्रेक्टिस' (५) देखिये 'पायी'

पांत्रीश(-स) (०) वि० पैंतीस, ३५

पांथी (०) स्त्री० मांग (बालोंकी)। [-पाडवी = मांग बनाना]
पांथडी (०) स्त्री० देखिये पानडी'
पांदडु(०)न० पत्ता पर्ण। [-फरवु = नसीब जागना दिन फिरना। पांदडे पाणी पावु = अति दुःख देना, खूब सताना पेरना]
पांपण (०) स्त्री० पलकके किनारेके बाल बरौनी बरुनी
पांशरु(०) वि० सीधा सयाना, ...। [-करवु = मार-पीटकर सीधा करना सीधा करना। -पडवु = अनुकूल होना रास आना, सीधा होना]
पांसठ (०) वि० पसठ ६५
पांसरु (०) वि० देखिये पांशरु
पांसळी (०) स्त्री० (-ळु) न० पसली
पिक स्त्री० थूक उगाल (२) पानका थूक, पीक [पीकदान उगालदान
पिकदानी स्त्री० थूकनेका बरतन,
पिखावु अ० क्रि० पीखवु का कर्मणि
पिगळाववु स०क्रि० पीगळवु का प्रेरणार्थक पिघलाना
पिचकारी स्त्री० पानीकी धार(२) पिचकारी। [- आपवी = गुदामार्गसे पानी चढ़ाना एनिमा देना बस्ति कर्म] [निशान
पिछाण स्त्री० जानकारी(२)पहचान
पिछाणवु स० क्रि० पहचानना, जानना
पिछान, पिछानवु देखिये 'पिछाण' आदि
पिछोडी स्त्री० देखिये 'पछेडी'। [- आडवी = दिवाला निकालना]
पिछोडो पु० देखिये 'पछेडो'
पिटावु अ० क्रि० 'पीटवु' का कर्मणि
पितरोडी स्त्री० एक चिड़िया
पितपापडो पु० पितपापड़ा पर्पटक-पापड़ा
पितराई पु० देखिये 'पित्राई' [खेत
पितवाडो पु० कुएँके पानीकी सिंचाईवाला
पितळियु न० (पीतलकी) कटोरी
पित्त न० वह रस जो कलेजेमें पैदा होकर खुराकको पचाता है, पित्त (२) शरीरके तीन दोषोंमेंसे एक, पित्त। [-ऊतरवु बेसवु = पित्तका असर दूर होना (२) क्रोध शान्त होना, पित्ता मरना (३) पित्त उबलना या खौलना अधिक क्रोध आना]
पित्तळ न० पीतल पित्तल (धातु)
पित्तळियु न० देखिये पितळियु
पित्तो पु० पित्त (२) क्रोधका तीव्र आवेश [ला]। [-ऊछळवो, खसवो, हाथमांथी जवो = पित्ता खौलना या उबलना]
पित्राई पु० चाचाके बेटे-बेटी सातवीं पीढ़ी तकका एक ही कुलपतिका वंशज (२) वि० पिता-संबंधी पित्र्य
पित्राण वि० स्त्री० एक ही वंशमें पैदा होनेवाली
पिन स्त्री० आलपीन (२) 'सेफ्टी पिन
पिपरमीट स्त्री० देखिये खाटीमीठी
पिपूडी स्त्री० फूककर बजानेकी नली सीटी पिपीहरी पपया। [-वगाडवी = अपनी ही बातको रटा करना अपनी गाना (२) लगाम भय आदिके कारण हाँमें हाँ मिलाना]
पियर (पि) न० पीहर, मायका
पियावो पु० सिंचाईकी उजरत (२) प्याऊ
पियु पु० पति, कंत
पियेर(पि') न० देखिये पियर'
पिरसण न० परोसना (२) परोसा हुआ पात्र पत्तल थाली आदि (३) परोसा पत्तल (भेजना)

पिरसाववु स० क्रि० 'पीरसवु' का प्रेरणार्थक, परसाना (भोज्य वस्तु)
पिरामिड पु० पिरामिड (२) शंकु आकार (चीज)
पिलाई स्त्री० पेरना, दबाव पहुँचाकर रस निचोडना (२) पेरनेकी उजरत
पिलामण न०, (-णी) स्त्री० पेरनेकी उजरत (२) त्रास, यातना [ला]
पिल्वु अ० क्रि० 'पील्वु' का कर्मणि, पेरा जाना (२) [ला] त्रास दिया जाना (३) ओटा जाना
पिल्लु न० (-ल्लो) पु० लपेटकर बनाया हुआ गोला लुडा, पिंडा
पिवडाववु स० क्रि० पिलाना ; [जाना
पिवावु अ० क्रि० 'पीवु' का कर्मणि, पिया
पिसावु अ० क्रि० पीसवु का कर्मणि, पिसना, पीसा जाना [४५
पिस्तालीस वि० पैंतालीस, पैंतालिस,
पिस्तु न० पिस्ता (मेवा)
पिस्तोल स्त्री० छोटी बंदूक, पिस्तौल
पिंगल (-ळ) वि० पिंग रंगका, गहरे भूरे रंगका, पिंगल (२) न० छंद शास्त्र पिंगल (३) [ला] अत्यंत विस्तार, लंबा चौडा विस्तार
पिंजर न० पिंजरा
पिंड पु० पिंड गोला (२) पिंड (श्राद्धमें)
पिंडलु न० देखिये 'पिंडु'
पिंडलो पु० देखिये 'पिंडो'
पिंडी स्त्री० पिंडली पिंडी (टांगकी)
पिंडु न० लपेटकर किया हुआ गोला पिंडा
पिंडो पु० पिंडा पिंड लुंडा, गोल (मिट्टी आटे, डोरे आदिका)
पीक स्त्री० देखिये पिक
पीखवु स० क्रि० बदगोई करना
पीगळवु अ० क्रि० पिघलना, तरल, द्रवीभूत होना (२) पसीजना, पिघलना
पीछी स्त्री० तूलिका, कूची, ब्रश
पीछु न० पर, पत्र (२) उसकी लेखनी
पीछेहठ स्त्री० पीछे हटना, हारना, हार
पीछो पु० पीछा। [-पकडवो, लेवो = पीछा करना (२) खुचड निकालते रहना, पीछे पडना (३) सताना]
पीटवु स० क्रि० पीटना, खूब मारना (२) रोना धोना, मृत व्यक्तिके शोकमें छाती पीटना (३) ढोल आदि पर डंडा पीटना, बजाना
पीटयु वि० मुआ, निगोडा (गाली)
पीठ न० स्थान, पीठ, उदा० 'विद्या-पीठ' (२) स्त्री० बाजार, पैंठ (३) बाजार भाव। [-ऊघडवी = बाजार-भाव निकलना, खुलना। -टकी रहेवी = बाजार भाव स्थिर रहना]
पीठ स्त्री० पीठ, पृष्ठ। [-आववी = पीठ लगना, छिलना। -ठोकवी, थाबडवी = पीठ ठोकना। -देखाडवी = पीठ दिखाना, भाग खडा होना। -फेरववी = त्याग करना, छोड देना, पीठ देना]
पीठबळ न० पीठ पीछे रहकर सहारा देनेवाली शक्ति, पीठ पर होना
पीठी स्त्री० चिक्कस वर-कन्याको लगानेका हलदी जौका आटा और तेल मिला उबटन
पीठु न० बाजार या दुकान (लकडी, शराब-ताडी आदिकी) शराबखाना, कलवरिया (२) टाल अड्डा (लकडी)
पीड स्त्री० पीडा कष्ट (२) प्रसव वेदना (३) मरोड-

पीडवु स० क्रि० पीडा पहुँचाना, दुःख देना (२) पकडना ग्रहण करना (३) दबाना, चाँपना
पीडा स्त्री० पीडा, दुःख, कष्ट (२) बाधा, अडचन पीडा
पीडावु अ० क्रि० पीडवु क्रियाका कर्मणि, पीडित होना दुःखी होना
पीढ स्त्री० काठकी लबी बल्ली जिस पर पाटनके तख्ते जडे जाते हैं, कडी, छोटी धरन (२) वि० प्रौढ, सयाना
पीढियु न० देखिये पीढ न० १ कडी (२) दाढ, चौभड (३) मसूडा
पीणु न० पीनेकी चीज पेय
पीत न० पानी देकर तयार की हुई फ़सल (२) वि० पीला पीत
पीतळ न० पीतल पित्तल (धातु)
पीतु न० (–तो) पु० कतला
पीधेल (–लु) वि० जिसने शराब पी है
पीप न० पीपा
पीपर स्त्री० एक पेड, पाकड
पीपर स्त्री० पीपल पिप्पली (लता) (२) पीपर पीपल (कली)
पीपरीमूळ न० पीपरामूल पिप्पलीमूल
पीपळ पु० एक वृक्ष पाकड
पीपळीमूळ न० देखिये पीपरीमूळ
पीपळो पु० पीपल (पेड) अश्वत्थ
पीपी अ० 'पी-पी' आवाज (२) स्त्री० (गाजर या पत्तेकी) फूँककर बजानेकी नली' पिपीहरी सीटी (३) चीं चालना पजीहत [ढीड
पीयो पु० आँखका मल कीचड, पिंजेट
पीरसवु स० क्रि० परोसना
पीरसावु अ० क्रि० 'पीरसवु' का कर्मणि परोसा जाना
पीरोज पु० फीरोजा, पीरोजा
पीरोजी (–जु) वि० फीरोजेके रगका, फीरोजी [देना (३) ओटना (कपास)
पीलवु स० क्रि० पेरना (२) [ला] दुःख
पीलवो पु० एक पेड, पीलू
पीलु पु० पीलू (पेड) (२) एक राग (३) पीलूका फल पीलू
पीलुडी स्त्री० पीलू पील (पेड)
पीलुडु न० पीलूका फल पीलू
पीलो पु० कन्नी, कल्ला (तने या जडका)
पीवु स० क्रि० पीना पान करना (२) सोखना जज्ब करना पीना (३) धुआँ खींचना, पीना। [पी जवु = न बदना सिर चढ़ना कुछ न समझना (२) किसी बातको सह लेना, पीना
पीसणी स्त्री० चक्की (२) ताश फेंटने की बारी फेंट
पीसवु स० क्रि० पीसना चूर्ण करना (२) रगडकर बारीक करना घोटना, रगडना (३) फेंटना (ताश)
पीसवो पु० सीटी भोंपा, भापू
पीहुडो पु० देखिये पीसवो
पीळाश स्त्री० पीलापन जर्दी
पीळु वि० पीला जर्द, सदली
पीळुपच वि० बिल्कुल पीला
पींखवु स० क्रि० बिखर देना (२) नोचना तोडकर फेंक देना। [पींखी खावु = तानोंसे तग करना, ताना मारना (२) नोच-नाचकर खा जाना। पींखी नाखवु = चीर फाडकर धज्जियाँ उडाना नोच-नाचकर अलग-थलग कर देना (२) तानोंसे तग कर देना]
पींखावु अ० क्रि० पांखवु का कर्मणि, बिखरना, नुचना, नोचा जाना
पींछी स्त्री० देखिये 'पीछी'
पींछु न० पर, पिच्छ

पींजण स्त्री० पिंजन, धुनकी (२) न० धुनाई, पिंजन, पीजना (३) (किसी बातका) पिष्टपेषण, बार-बार कहना [ला]

पींजरु न० देखिये 'पांजरु

पींजवु स० क्रि० धुनना, पीजना (२) (बातका) बहुत लंबाना [ला]

पींजामण न०,(-णी) स्त्री० धुननेकी मजदूरी, धुनाई

पींजारण स्त्री० धुनियेकी स्त्री (२) रुई धुननेका काम करनेवाली स्त्री

पींजारो पु० धुनिया

पींजाववु स०क्रि० 'पीजवु' का प्रेरणार्थक धुनवाना

पींजावु अ०क्रि० 'पीजवु' का कर्मणि, [धुना जाना

पींढारा पु० लुटेरोंकी एक ख्यातनाम जातिका व्यक्ति, पिंडारी

पींडेरी वि० मिट्टीकी दीवारोंवाला

पुगाडवु स०क्रि० पुगवु का प्रेरणार्थक पहुँचाना

पुचकारो स्त्री० पुचकार, चुमकार

पुछडियो तारो पु० धूमकेतु पुच्छल-तारा [पुछवाना

पुछाववु स०क्रि० पूछवु का प्रेरणार्थक,

पुछावु अ० क्रि० पूछवु का कर्मणि, पूछा जाना [पुरुषकी)

पुण्यतिथि स्त्री० मृत्युतिथि (महा

पुत्रवधू स्त्री० पुत्रकी बहू, पतोहू

पुरजो पु० देखिये टुकडो (२)पुरजा, टुकडा [पुरजोश

पुरजोर(-न-स)वि०(२)अ०पुरजोर,

पुरवहार वि० (२)अ० पूरी शानके साथ

पुरबियो, पुरभयो पु० पुरबिया

पुरवठो पु० रसद, आवश्यक सामग्री

पुरवणी स्त्री० पूर्ति, परिशिष्ट, क्रोड-पत्र (२) बढ़ावा, उत्तेजना

पुरवार वि० प्रमाणित, साबित

पुरवियो पु० पुरबिया

पुराण वि० पुराण, पुराना (२) न० पुराण (धर्मग्रंथ)

पुराणी पु० पुराणकी कथा पढकर सुनानेवाला, कथक्कड (२) पुराणका रचयिता (३) एक अल्ल

पुराणु वि० पुराना, प्राचीन

पुराववु स०क्रि० 'पूरवु' का प्रेरणार्थक, पुराना, भरवाना

पुरावु अ० क्रि० 'पूरवु' का कर्मणि

पुरावो पु० गवाही, सबूत, प्रमाण। [-ऊभो करवो = अगर कोई सबूत या गवाह न हो तो झूठा खडा कर देना]

पुरांत(०)वि० बाकी, बचा हुआ, शेष

पुरुष पु० पुरुष, मर्द, नर (२) वर, पति (३) आत्मा, पुरुष (४) पुरुष [व्या] । [-मां न रहेवु = नामर्द, नपुंसक हो जाना । -मा न होवु = नामर्द, नपुंसक होना]

पुरुषोत्तम मास पु० पुरुषोत्तम मास, अधिक मास, लौंद

पुल पु० पुल, सेतु

पुष्टि स्त्री० पुष्टि पोषण (२) समर्थन, ताईद, पुष्टि (३) उत्तेजन, सहारा। [-मळवी = समर्थन आधार मिलना]

पुस्तकियु वि० किताबी, पुस्तकीय (जो गुरुसे या अनुभवसे प्राप्त हुआ न हो) (२) जो पुस्तकमें भरा हो, पर जीवनमें न लाया गया हो

पुस्ती स्त्री० रद्दी (काग़ज़) (२) पुश्ता (दीवारका), दासा

पुस्तो पु० पुश्ता, धुस्स, बाँध (पानीकी रोकके लिए)
पूगवु अ० क्रि० पहुँचना
पूछगाछ स्त्री० पूछताछ, पूछपाछ
पूछडी स्त्री० पूछ, दुम, पूँछडी
पूछडुं न० पूछ, पुच्छ। [पूछडामां पेसवु=दुममें घुसा रहना, खुशामद करके किसीके अधीन होना, पूँछ पकडकर चलना। –एकलुं वाकी छे =जानवर जसा निरा मूर्ख है। –छूटी जवु = दस्त जारी होना, पेट चलना। –पकडवु=पीछे पडना पीछा करना (२) जिद पकडना।– मळवु (कटाक्षमें)=खिताब मिलना]
पूछपरछ,पूछपाछ स्त्री०देखिये पूछगाछ
पूछवु स० क्रि० पूछना, प्रश्न करना जवाब तलब करना, दरियाफ्त करना (२) खोजना पता लगाना (३) सलाह लेना (४) गिनतीमें होना, कद्र करना पूछना [बार पूछना
पूछापूछ (–छी) स्त्री० पूछापाछी, बार
पूजवु स० क्रि० पूजा करना पूजना (ईश्वर देवता आदिको) (२) भजना, सेवा भक्ति करना
पूजा स्त्री० पूजा आराधना उपासना पूजन (२) पुजापा (३) मरम्मत पिटाई, पूजा [ला]
पूजापो पु० पुजापा, पूजनकी सामग्री
पूजारण स्त्री० पूजा करनेवाली स्त्री
पूजारी पु० पुजारी
पूजाववु स० क्रि० पूजवु का प्रेरणा थक रूप पुजवाना
पूजावु अ० क्रि० पूजवु का कमणि, पुजना पूजा जाना (२) सम्मानित होना पुजना

पूठ स्त्री० पूठ, पीठ (२) चूतड, नितंब (३) पीछा [ला]। [–करवी =दखनेवालेकी ओर पीठ करना (२) अवज्ञा करना आज्ञा न मानना (३) पीठ दिखाना हारकर भाग जाना। –देखाडवी=पीठ दिखाना, भाग खडा होना]
पूठळ अ० पीछे, पुठवार [प]
पूठियु न० (पहियेकी) पुठठा (२) चूतड। [पूठियां फाटवां=डर लगना, घबडाना। पूठियां रगावा=सख्त मार पडना, भुरकुस निकलना]
पूठुं न० द्विदलके ऊपरका छिलका (२) किताबकी जिल्द (३) किताब पर चढाया हुआ कागज (४) चूतड, पुटठा (५) गठन, काठी (शरीर)। [–बंधावु, बाझवु=शरीरका मजबूत होना]
पूठे अ० पीछे पीठकी ओर
पूडलो, पूडो पु० पुआ पूडा (आटे या पीठीका) (२) छत्ता
पूणी स्त्री० पूनी
पूतळी स्त्री० (आँखकी) पुतला, तारा
पूतळी स्त्री० पुतली (लकडी धातु आदिकी) गुडिया (कपडेकी) (२) खूबसूरत स्त्री पुतली
पूतळु न० मूर्ति प्रतिमा। [पूतळा जेवु=जड अचेतन बुत जसा]
पूनम स्त्री० पूर्णिमा
पूम स्त्री० रुई धुनते समय उडनेवाले बारीक रोयें वाततूल इद्रतूल (३) कपडे परके रोयें फुचडा
पूमडी स्त्री० पौदेसे सटी हुई रुई
पूमडु न० रुईका अति छोटा गाला फाहा फोहा, फाया (२) रुईके गालेका ऊपरसे थोडा बटकर बनाई हुई खडी

बत्ती (३) फूल। [पूमडे पाणी पावु =बहुत परेशान करना, सताना, नाच नचाना]
पूर वि० पूरा, सपूर्ण (२) न० बाढ़, पूर (३) पूरन, पूर (पूरनपूरी आदिका)
पूरण वि० पूरन, पूर्ण (२) सर्वव्यापी (३) न० पाटनेकी या पाटा हुई चीज, पूरन, उदा० 'पाळीनु पूरण, जमीननु पूरण'
पूरणपोळी स्त्री० पूरनपूरी (मीठी)
पूरणी स्त्री० भरना, पाटना (२) पाटनेकी चीज (इट, मिट्टी आदि) (३) पूर्ति, अधिक कथन (४) बढ़ावा, पुरवक
पूरतु वि० काफ़ी, पूरा पर्याप्त
पूरपाट अ० सरपट, बगस
पूरवु स० क्रि० भरना, पाटना (२) तग जगहमें रखना हवालातमें रखना (३) पूर्ण करना पूर्ति करना, पूरना
पूरी स्त्री० पूरा, पूडी (खानेकी चीज)
पूरु वि० देखिये 'पूर्ण'। [-करवु = समाप्त करना पूरा करना (२) खतम करना नाश करना (३) भरण-पोषण करना निबाहना (४) (वचन) निबाहना, पालन करना। -पडवु = बराबरीका होना, -थवु (बल आदिमें) बढ़कर होना (२) काफी होना निर्वाह होना, पर्याप्त होना। -पाडवु = जरूरतके मुताबिक देना, आवश्यकताको पूर्ण करना]
पूरेपूरु वि० पूरा-पूरा समूचा, सपूर्ण
पूर्ण वि० पूर्ण पूरा, जो अधूरा, खडित कम या अपूर्ण न हो (२) समाप्त पूर्ण (३) न० शून्य, बिंदु सिफर
पूर्व वि० पूर्व, प्राचीन (२) आगेका, अगला, पूर्व (३) पूरबी, मशरिकी, पूर्व (४) स्त्री० पूर्व, पूरब
पूर्वतयारी स्त्री० पहलेसे की हुई तयारी
पूर्वभूमिका स्त्री० भूमिका प्रस्तावना
पूर्वे अ० पूर्व, पहले, पेश्तर
पूळियु न० छोटा पूला, पूली
पूळो पु० पूला, घास मुट्ठा। [-ऊठवो = जल जाना, नाश होना, आग लगना। -मूकवो = जला डालना, नाश करना, आग लगाना]
पूसवु स० क्रि० परछनाग वरके यात्राका स्वागत करना, परछना (२) बोनेके लिए छितराना बिखेरना
पूछडियु वि० पूँछवाला दुमदार पुच्छल
पूछडी स्त्री० पूँछडी, दुम, पूछ। [-पटपटाववी = दुम हिलाना (२) वशमें होना तावेदार होना]
पूछडु न० पूँछ पुच्छ
पूजी स्त्री० पूँजी, मूलधन
पूजो पु० कूडा-करकट, कचरा राख गोबर आदि [आदि
पूठ, पूठळ, पूठियु, पूठु पूठे देखिये 'पूठ'
पेक (पें) वि० पक (करना) (२) चट, चालाक [ला]
पेगबर पु० देखिये 'पयगबर'
पेगाम पु० देखिये पयगाम'
पेच पु० लपेट, चक्कर पच (२) चूडीदार कील, स्क्रू (३) पतगाकी डोरीका एक-दूसरेसे उलझना पेच (४) [ला] युक्ति फरेब पेच (५) मुश्किल, जाल फदा। [-रचवो = युक्ति रचना जाल बिछाना। -लडाववा = पतगोका पेच करना (२) युक्तियाँ लडाना जाल फैलाना]
पेचियु न० पेचकश

पेची(–लु) वि० युक्तिबाज़ जालसाज़

पेट न० पेट उदर(२)पेट, जठर(३) *[ला.]आजीविका गुज़ारा (४) गर्भा* शय(५) ख़ुदकी औलाद, अपना कुल (६) अतर दिल पेट (७) किसी वस्तुका भीतरका भाग पेट पेटा। [–खोलवु=दिल खोलकर पटकी बात कहना पेट देना। –चडवु=वायु गोलेसे पेटमें पीड़ा होना(२)पटका पानी न पचना पेट फूलना। –चालवु =पेट चलना दस्त जारी होना। –चोटी जवु=पेटमें चूहे दौडना। –चोळीने शूळ उपजाववु=अपने हाथो आफत मोल लेना। –छूटी जवु= पेट छूटना दस्त होना। –टाढु करवु =पेटकी आग बुझाना, भूख मिटाना (२) परायी जायदाद हज़म करना (३) चन पाना आराम मिलना। –टाढु थवु, ठरवु ठडु थवु=चन नसीब होना करार पाना दिल्की आग बुझना जी ठडा होना। –नी पूजा करवी=पटकी आग शान्त करना भूख मिटाना। –नु पाणी न हालवु= कुछ असर न होना। –नु बळपु=भूखा (२)असतुष्ट दिल्जला। –ने भाडु आपवु=*जिंदगी चालू रखन निभानेके* लिए खाना (२) खाना। –नो मेल= पेटकी बात रहस्यभरी बात। –पर छरी मूकवी पग मूकवो पाटु मारवु =आजीविका–रोज़ीको नुकसान पहुँचाना पेटका धधा छीनना रोज़ी बिगाडना। –फाटवु=पेट तनना (२) घरका या अपन आदमीका दगा देना, घरवालोका आपसमें फूट डालना घर फाडना। –बळवु=जलना दाह होना (२) चिता फिक्र होना जी जलना। –बाळवु=भूखा मरना। –मां उतारवु=पेटमें डालना *निगलना, खा* जाना(२)ध्यानमें लेना(३)बरदाश्त करना(४)पराया माल उडा जाना पचाना (५) ठीक समझा देना। –मां कूकडा बालवा, कूवा पडवा=पेटमें चूहे कूदना दौडना। –मा खाडा पडवा=भूख लगना। –मां तेल रेडावु=दिल धडकना चिंता होना, कलेजा धक धक करना। –मा दुखवु =*किसी बातका मनम दुःख होना* मनमें मल आना (२) अब करीब ही है इस तरहका उदगार उदा० 'हवे अमदावाद तो पेटमा दुखे छ अर्थात अहमदाबाद पास ही है। –मा पग =पेटमें दाढ़ी। –मा पाळी=मनमें बर या मल। –मां पेसवु=पेटमें घुसना। –मा पेसी नीकळवु=पेटमें घुमकर मनकी बात जानना। –मा बळवु=मन ममोसना (२) सदभाव होना। –मोटु राखवु=दरियादिल होना। पेटे आववु=–की कोखस जन्म लेना। पेटे पडवु=जन्मना। पेटे पाटा बाधवा=भूखमरी सहन करना]

पेटपूजा स्त्री० भोजन

पेटपूर वि० पेट भर जाय उतना भरपेट

पेटबळपु वि० दिलजला मनसे दुःखी (२) जलनेवाला अन्धेखी

पेटभरु वि० पेटू(२)स्वार्थी(३)पेटभर खानेके लिए नौकरी करनेवाला

पेटववु स० क्रि० सुलगाना

पेटवु अ० क्रि० सुलगना

पेटाखानु न० मुख्य खानेमें आया हुआ खाना पेटा

पेटाजाति स्त्री० बडी जातिका एक विभाग, उपजाति
पेटानियम पु० उपनियम [रकम
पेटारकम स्त्री० मुख्यके पेटेमें आई हुई
पेटारो पु० पिटारा
पेटाववु स० क्रि० देखिये 'पेटववु'
पेटावु अ० क्रि० देखिये पेटवु
पेटाविभाग पु० उपविभाग
पेटासमिति स्त्री० उपसमिति
पेटाळ न० भीतरका भाग पेटा
पेटियु वि० पेटभर खानेके बदलेमें नौकरी करनेवाला (२) न० पेटका गुजर रोजका खाना, रोजी (३) तनखाहके रूपमें दिया गया पेटभर नाज (४) तनख्वाह, दैनिक वेतन। [-काढवु, कूटी काढवु = गुजारे जितना कमाना रोटी कमाना]
पेटी स्त्री० पेटी, सदूक, बक्स
पेटु न० किसी चीजका भीतरी भाग, पेटा (२) ग भाग (३) (तिरस्कारमें) पेटी [ला] [पेटे एन्जमें
पेटे अ० विषयमें, बारेमें (२) बन्लेमें,
पेठ(-ठे) (पॅ) अ० नाइ, तरह
पेडु न० पेडू
पेढवु न० मसूडा मसूढा
पेढी स्त्री० सराफकी दुकान, कोठी (२) व्यापारीकी बखार कोठी (३) पीढ़ा, पुश्त
पेढीउतार वि० जो कई पीढियोंसे चला आता हो पुश्तैनी (२) अ० पीढी दर पीढ़ी पुश्त-दर-पुश्त
पेढीनामु न० वशवृक्ष कुरसीनामा
पेडु न० देखिये पेडु, पेडू
पेढु न० मसूडा
पेण(पॅ) स्त्री० पत्थरकी कलम, पेन
पेणी(पॅ) स्त्री० छिछली कडाही, तई
पेणो (पॅ) पु० छिछला कडाह, बडी तई
पेदा(पॅ) वि० पैदा, उत्पन्न (२) कमाया हुआ, पैदा। [-करवु = पैदा करना, उत्पन्न करना (२) पैसा पैदा करना, कमाना]
पेदाश(पॅ) स्त्री० पैदाइश उत्पत्ति, उपज
पेधवु(पॅ) अ० क्रि० लत लगना (२) आदत पडना, अभ्यास होना
पेधु(पॅ) वि० आदी, व्यसनी (२) न० आदत [पेन, 'फाउन्टनपेन'
पेन स्त्री० पत्थरकी कलम, पेन (२)
पेपर न० पेपर, समाचारपत्र अखबार (२) पु०, न० प्रश्नपत्र, परचा, पेपर
पेर(पॅ) स्त्री० प्रकार, रीति (२) खबर पता (३) तदबीर
पेर स्त्री० पोर गाठी (ईख बाँस आदिकी) (२) न० अमरूद
पेरवी (पॅ) स्त्री० परवी, प्रबंध, युक्ति (२) प्रयत्न कोशिश
पेरवु स० क्रि० (बीज) बोना
पेराई, पेरी स्त्री० पोर (ईख आदिकी)
पेरु न० अमरूद
पेरे(पॅ) अ० तरह, नाइ
पेरो(पॅ) पु० परा, पराग्राफ
पेल(पॅ) न० धुनी हुई रुईकी छोटी तह फाया, फाहा
पेलु वि० (२) स० वह। [पेला जन्ममां, पेले जन्मे = आनेवाले जन्ममें (२) कभी नहीं]
पेशवाई वि० पेशवा-सबधी, पेशवाका (२) स्त्री० पेशवाओंका अमल, पेशवाइ (३) पेशवाओंका राज्यकाल या उनका साम्राज्य
पेशवाज पु० पेशवाज

पेचो(–ळु) वि० युक्तिबाज, जालसाज

पेट न० पेट उदर(२)पेट जठर(३) [ला.]आजीविका, गुजारा (४) गर्भ गाय(५) खुदकी औलाद, अपना कुल (६) अतर, दिल पेट (७) किसी वस्तुका भीतरका भाग पेट पेटा। [–खोलवु = दिल खोलकर पटकी बात कहना पेट देना। –चडवु = वायु गाकेसे पेटमें पीडा होना(२)पटका पानी न पचना पेट फूलना। –चालवु =पट चलना, दस्त जारी होना। –घोटा जवु = पटमें चूहे दौडना। –चोळीने शूळ उपजाववु = अपने हाथा आफत मोल लेना। –छूटी जवु = पेट छूटना दस्त होना। –टाढु करवु = पेटकी आग बुझाना, भूख मिटाना (२) परायी जायदाद हजम करना (३) चन पाना आराम मिलना। –टाढु थवु ठरवु, ठडु थवु = चन नसीब होना करार पाना दिलकी आग बुझना जी ठन्डा होना। –नो पूजा करवी = पटकी आग शान्त करना भूख मिटाना। –नु पाणी न हालवु = कुछ असर न होना। –नु बळघु = भूखा (२)असतुष्ट, दिलजला। –ने भाडु आपवु = जिन्दगी चालू रखने निभानेके लिए खाना (२) खाना। –नो मेल = पेटकी बात रहस्यभरी बात। –पर छरी मूकवी पग मूकवो, पाटु मारवु = आजीविका–रोजीको नुकसान पहुँचाना पेटका धधा छीनना रोजी बिगाडना। –फाटवु = पेट लगना (२) घरका या अपने आत्मीका दगा देना घरवालोका आपसमें फूट डालना घर फाडना। –बळवु = जलना दाह होना (२) चिंता फिक्र होना जी जलना। –बाळवु = भूखा मरना। –मां उतारवु = पेटमें डालना निगलना, खा जाना(२)ध्यानमें लेना(३)बरदाश्त करना(४)पराया माल उडा जाना, पचाना (५) ठीक समझा देना। –मां कूकडां बोलवां, कूवा पडवा = पटमें चूहे कूदना, दौडना। –मां खाडा पडवा = भूख लगना। –मां तेल रेडावु = दिल धडकना चिंता होना, कलेजा धक धक करना। –मा दु खवु = किसी बातका मनम दु ख होना, मनमें मल आना (२) अब करीब ही है इस तरहका उद्गार उदा० 'हवे अमदावादने शु दु खे छे' अर्थात् अहमदावाद पास ही है। –मां पग = पेटमें दाढी। –मां पाळी = मनमें बर या मल। –मां पेसवु = पेटमें घुसना। –मां पेसी नीकळवु = पेटमें घुमकर मनकी बात जानना। –मां बळवु = मन मसोसना (२) सदभाव होना। –मोटु राखवु = दरियादिल होना। पेट आववु = –की कोखस जन्म लेना। **पेटे पडवु** = जन्मना। **पेटे पाटा बांधवा** = भूखमरा सहन करना]

पेटपूजा स्त्री० भोजन

पेटपूर वि० पेट भर जाय उतना भरपेट

पेटबळघु वि० दिलजला मनमें दु खी (२) जलनेवाला अदेखी

पेटभरु वि० पेटू(२)स्वार्थी(३)पेटभर खानेके लिए नौकरी करनेवाला

पेटववु स० क्रि० सुलगाना

पेटव अ० क्रि० सुलगना

पेटाळानु *न० मुख्य खातमें आया हुआ* खाता पेटा

पेटाजाति स्त्री० बडी जातिका एक विभाग, उपजाति
पेटानियम पु० उपनियम [रकम
पेटारकम स्त्री० मुख्यके पटमें आई हुई
पेटारो पु० पिटारा
पेटाववु स० क्रि० देखिये पेटववु'
पेटावु अ० क्रि० देखिये पटवु
पेटाविभाग पु० उपविभाग
पेटासमिति स्त्री० उपसमिति
पेटाळ न० भीतरका भाग, पटा
पेटियु वि० पेटभर खानेके बदलेमें नौकरी करनेवाला (२) न० पेटका गुजर, रोजका खाना, रोजी (३) तनख्वाहके रूपमें दिया गया पेटभर नाज (४) तनख्वाह, दैनिक वेतन। [-काढवु, कूटी काढवु = गुजारे जितना कमाना, रोटी कमाना]
पेटी स्त्री० पेटी, सदूक, बक्स
पेटु न० किसी चीजका भीतरी भाग, पेटा (२) गर्भ भाग (३) (तिरस्कारमें) पेटी [ला] [पेटे एवजमें
पेटे अ० विषयमें, बारेमें (२) बदलेमें,
पेठ(-ठे) (पें) अ० भाइ तरह
पेडु न० पेडू
पेढवु न० मसूडा, मसूढा
पेढी स्त्री० सराफकी दुकान कोठी (२) व्यापारीकी बखार, कोठी (३) पीढी पुश्त
पेढीउतार वि० जो कई पीढियोंसे चला आता हो पुश्तैनी (२) अ० पीढी दर पीढी पुश्त-दर-पुश्त
पेढीनामु न० वशवृक्ष कुरसीनामा
पेदु न० देखिये पेडु पेडू
पेढु न० मसूडा
पेण(पें) स्त्री० पत्थरकी कलम, पेन
पेणी(पें) स्त्री० छिछली कडाही, तई
पेणो (पें) पु० छिछला कडाह, बडी तई
पेदा(पें) वि० पैदा, उत्पन्न (२) कमाया हुआ, पैदा। [-करवु = पैदा करना, उत्पन्न करना (२) पैसा पैदा करना, कमाना]
पेदाश(पें) स्त्री० पैदाइश, उत्पत्ति, उपज
पेधवु(पें) अ० क्रि० लत लगना (२) आदत पडना अभ्यास होना
पेधु(पें) वि० आदी व्यसनी (२) न० आदत [पेन फाउन्टनपेन'
पेन स्त्री० पत्थरकी कलम पेन (२)
पेपर न० पेपर, समाचारपत्र अखबार (२) पु०, न० प्रश्नपत्र, परचा पेपर
पेर(पें) स्त्री० प्रकार, रीति (२) खबर, पता (३) तदबीर
पेर स्त्री० पोर, पोरी (ईख, बाँस आदिकी) (२) न० अमरूद
पेरवी (पें) स्त्री० पैरवी, प्रबंध युक्ति (२) प्रयत्न कोशिश
पेरवु स० क्रि० (बीज) बोना
पेराई पेरी स्त्री० पोर (ईख आदिकी)
पेरु न० अमरूद
पेरे(पें) अ० तरह भाइ
पेरो(पें) पु० पैरा पैराग्राफ
पेल(पें) न० धुनी हुई रुईकी छोटी तह फाया, गाफा
पेलु वि० (२) स० वह। [पेला जन्ममा, पेले जन्मे = आनेवाले जन्ममें (२) कभी नही]
पेशवाई वि० पेशवा-सबधी पेशवाका (२) स्त्री० पेशवाओका अमल पेशवाई (३) पेशवाओका राज्यकाल या उनका साम्राज्य
पेशवाज पु० पेशवाज

पेशाब पु० पेशाब, मूत्र। [–मांई जवो = डर जाना]
पेशाबखानु न० पेशाबखाना
पेशी स्त्री० पेशी, मांसपिंड (२) फलके गूदेका पिंड फाँक (खजूर कटहल आदिकी)
पेशवाई वि० देखिये पेशवाई
पेसनीकळ(पॅ) स्त्री० पठना निकलना, आना-जाना (२) बारबार [ला]
पेसवु(पॅ) अ० क्रि० पैठना, घुसना
पेसार(–रो) (प) पु० प्रवेश पठ (२) परिचय, गाढ़ा सबंध
पॅगडु(पॅ०) न० रकाब
पॅठ(पॅ०) स्त्री० पॅठ, पैठ (लापता हुंडीके स्थान पर)
पॅडो(प०) पु० पिंडा, (मिट्टीका) लादा (२) पेडा (मिठाई) [प्रपंच
पॅतरो(पॅ०) पु० पतरा (२) चाल,
पॅधवु(पॅ०) अ० क्रि० देखिये 'पधवु
पॅधु(पॅ०) वि० (२) न० देखिये पधु
पको अ० –मेंका –मेंसे
पड स्त्री० किसी बातका पीछा या अंत पचायत माथापच्ची
पडु न० पहिया चक्र
पतु न० पतला चपटा टुकडा कतला
पसादार वि० पसेवाला धनी
पसो पु० पसा आनेका चौथा भाग (२) [ला] पसा धन, जर। [पसा उडा ववा = धन उडाना, पसा बरबाद कर ना, रुपया पानीमें फेंकना। पसा खावा = घूस लेना (२) विश्वासघात करके पैसा हजम करना, ग्बन जमा मारना। पसा खोटा थवा = कर्ज दी हुई रकम न मिलना उधार दी हुई रकम न पटना। पैसा खोवा = व्यापारमें टोटा आना (२) पसा नष्ट करना, पसा उडा देना। पसा घालवा = कर्ज दी हुई रकम अदा न होना। पसा चांपवा = घूस देना, पूजना। पसा पाणीमां जवा = रुपया ठीकरी करना, व्यर्थ खर्च होना। पसा मारवा = रुपया खा जाना, हडपना जमा मारना। पसा बेरुफवा = पसा ठीकरी करना रुपया पानीमें फेंकना। पसा वेरवा = बहुत आदमियोंको घूस देना पूजना। पसानु = टकेका तुच्छ। पसानु पाणी करवु = पसा ठीकरी करना]
पसोटको पु० धन-दौलत जमा जथा
पो(पॉ) स्त्री०, न० पासके दावमें एक का दाव पो (२) पहला खाना (चौसर)
पो(पा) पु०,स्त्री० पो, तडका, भोर
पोई स्त्री० एक लता पोई
पोईस अ० मार्गमेंसे हट जाओ यह उद्गार पोश
पोक स्त्री० चिल्लाकर रोना चाव। [–मूकवी = किसीका नाम लेकर जोरसे रोना (२) कुछ मिलेगा नहीं यह समझकर छोड देना] [बनावटी
पोकळ वि० पोला, खोखला (") झूठा,
पोकार पु० पुकार चीख (२) फरियाद। [–उठाववो = फरियाद करना आवाज उठाना] [चिल्लाना
पोकारवु स० क्रि० पुकारना जोरसे
पोकेपोके अ० आठ-आठ आंसू चीत्कार मार मार कर (रोना)
पोखराज पु० पुखराज (रत्न)
पोगळ न० बाह्य आडंबर दिखावा कलई, पोल
पोच स्त्री० (धायका) वह छिलका जिसमें बीज-सार न हो, पैया

पोचकण वि० डरपोक, बुजदिल

पोचु वि० नरम, गुदगुदा, ढीला, दबाने पर दब जाये ऐसा (२) डरपोक [ला] [–पडवु = गुदगुदा होना नरम होना (२) टिक न सकना, घबडाना]

पोटकी स्त्री० छोटी गठरी; पोटली-पुटकी

पोटकु न० गठरी, पोटला

पोटली (–लु) देखिये 'पोटकी' आदि

पोटाश (–स) पु० पोटाश

पोटीस स्त्री० पुलटिस

पोठ स्त्री० गोन, गोनी (२) बनजारेके बलोंका झुंड, टांडा (३) नदी बैल

पोठियो पु० लदुआ बैल (२) शिवका वाहन नदी

पोठी पु० टांडका बल (२) बनजारा

पोडु न० लिपाईकी पपडी (२) छत्ता

पोढवु (पॉं) अ० क्रि० सोना पौढना

पोढाडवु (पा) स० क्रि० सुलाना, पौढाना

पोणा (पा) पु० ब० व० पौनका पहाडा, पौना

पोणीसो (पॉं) वि० सौमें पाव कम, [९९।।।

पोणु (पॉं) वि० पौन, तीन चौथाई, ०।।।

पोणोसो वि० (पॉं) पचहत्तर पौनसौ, ७५

पोत न० अपना असली स्वरूप, असलियत। [–प्रकाशवु = स्वभाव दिखाना अपने गुण-कम पर जाना अपने पर आना]

पोत न० बच्चा बालक (२) कपडा पोत (३) कपडेकी बुनावट पोत [ला]

पोतडी स्त्री० छोटी धोती कछनी

पोतापणु न० अपनापन, आत्मीयता (२) व्यक्तित्व (३) अस्मिता अहभाव

पोतारो पु० पोतनका गोला कपडा पोता पुचारा पुतारा (२) पोतनेकी क्रिया पोताई, पुतारा

पोतियु न० छोटी धोती, कछनी। [पोतियां लई लेवां, लेवां = नुकसान पहुंचाना (२) लूटना (३) घबडाना, परेशान करना। –काढी नाखवु, छूटी जवु, फाटी जवु = घबडा जाना, हिम्मत पस्त होना]

पोतीकु वि० अपना, स्वकीय, निजी

पोतु न० पोतनेका कपडा पोता (२) चूने या रगमें तर कूची, पोता

पोते स० आप, खुद, स्वय

पोदळो पु० गोबरका लोदा चोथ, चोथ

पोपचु न० (आंखकी) पल्क, पोटा

पोपट पु० तोता, शुक

पोपटियु वि० तोतेके रगका, तोतई (२) बिना अथ समझे तोतेकी तरह रटा हुआ [स्त्री० तोतेकी मादा शुकी

पोपटी वि० तोतेके रगका तोतई (२)

पोपटो पु० हरे चनेकी फली बूट

पोपडी स्त्री० ऊपरी परत, पपडी

पोपडो पु० उभरी, उखडी, या सटी हु परत पपडी

पोपलु वि० नरम, ढीला जो कुछ बरदास्त न कर सके (२) लाड-लडता, जिसका बहुत अधिक लाड किया गया हो (३) व्यय कोशिश करनेवाला

पोपाबाईनुं राज न० नियम-व्यवस्था और कायकुशलताके बिना चलनेवाला अधर अधेरनगरी

पोपुं वि० नरम ढीला, दीन

पोबार (पॉं) पु० ब० व० तीन पासेके खेलमें तेरहका दावं (२) पौबारह, फतह। [–करवा, गणवा = भाग जाना। –पडवा = पौबारह पडना, होना फतह होना]

पोमलु वि० हपविह्वल (२) नम लडका

पोयणी स्त्री० कुमुदिनी, कुई
पोयणु न० कुई, कुमुद
पोपु न० वह सीमा जहाँ डंडेसे गेंदको खदेडते हुए ले जाते हैं 'गाल'
पोर(पॉ) अ० परसाल
पोरस(पा) पु० आनंदोर्मि खुशीका जोश (२) पानी जीवट
पोरियु न० बच्चा
पोरियो पु० लडका
पोरी स्त्री० लडकी
पोरो(पॉ) पु० सूक्ष्म जलजंतु [पोरस'
पोरो(पॉ) पु० अवसर मौका (२) देखिये
पोल(पा) पु० धुनी हुई रुईका ढेर पाळ (२) न० नरम गद्दा (३) रुईका छोटा गाला या फाहा
पोल स्त्री० न० पोल पोलापन अवकाश, खोखला (२)[ला] दिखावा, असत्यता पोल (३) अंधेर। [–चलावबु, हांकवु = अव्यवस्था और अंधेर चलाना (२) असत्यता या ढोंग चलाना]
पोलकु न० अँगिया, चोली (स्त्रियों और बालकोंकी) [अंधेर हो अंधेर
पोलपोल न० बिलकुल पोल-अंधेर होना
पोलाण न० पोलापन, नि सारता (२) खोखलापन पोल (पेडका)
पोलाद न० फौलाद [फौलादी [ला]
पोलादी वि० फौलादका (२) मजबूत,
पालिश न० स्त्री० पालिश, चमक
पालिसी स्त्री० पालिसी (२) कूट नीति, पालिसी
पोलीस पु० पुलिसमैन सिपाही (२) स्त्री० पुलिसका दल [थाना
पोलीसचोकी स्त्री० पुलिसचौकी, चौकी
पोलीसपटेल पु० मुखिया पटेल
पोलु वि० पोला खोखला (२) निस्सार, खोखला [ला]। [–ढब, भम = बिलकुल पोला]
पोश(पा) पु०, स्त्री० अंजली, अंजलि (२) वि० अंजलीभर (एक या दोनों हथेलीका) [खर्च
पोशाकी स्त्री० कपडा लत्ता या उसका
पोष पु० पूस, पौष मास
पोषण न० पोसना पालना (२) पोषण
पोषवु स० क्रि० पालना-पोसना (२) प्रोत्साहन उत्तेजन देना हौसला बढाना
पोषावु अ० क्रि० पोषवु का कर्मणि (२) पुसाना (३) खपना, माँग होना
पोस पु० देखिये पोष (२) नेग [पोस्त
पोस(०डोडो) पु० अफीमका खाली डोडा,
पोसवु स० क्रि० देखिये पोषवु'
पोसाण न० पुसाना, पूरा पडना (२) माँग खपत [खाजा
पोसातु वि० पुसाने योग्य (२) पुष्ट
पोस्ट स्त्री० पोस्ट, डाक
पोस्ट आफिस स्त्री० डाकघर पोस्ट आफिस' [मास्टर'
पोस्ट मास्टर पु० डाकबाबू, 'पोस्ट
पोस्टमन पु० डाकिया पोस्टमैन'
पोहु(पॉ) पु० पौ, भोर, तडका
पोळ स्त्री० फाटक दरवाजा (२) मोहल्ला (३) गली [मीठी पूरनपूरी
पोळी स्त्री० पतली और नरम रोटी (२)
पौंक(०) पु० हरी बालोंको आँच पर सेंककर निकाले हुए दाने, होळा
पौंकवु स० क्रि० बरछे यासे परछना
पौंख(०) पु० देखिये पाक'
पौंखवु(०) स० क्रि देखिये 'पोंकवु
पौंआ(–वा) पु० ब० व० हरे या भिगोए हुए धानको सेंक और कूटकर निकाले हुए चिपटे दाने चिवडा चिउडा

प्यावु न० प्यादा (२) पदल सिपाही, प्यादा
प्यारु वि० प्यारा, प्रिय [गिलास
प्याली स्त्री० छोटा प्याला (२) छोटा
प्यालु न० प्याला, जाम
प्यालो पु० प्याला, गिलास, जाम
प्रकट वि० खुला, जाहिर, प्रकट (२) प्रत्यक्ष (३) प्रकाशित (पुस्तक) (४) अ० सबके सामने प्रकट
प्रकरण न० प्रसग विषय (२) प्रकरण (ग्रथका) (३) मामला
प्रगट वि० (२) अ० देखिये प्रकट
प्रगटवु अ०क्रि० प्रकट होना, जन्म लेना (२) सुलगना (३) स० क्रि० सुलगाना
प्रगटाववु स० क्रि० 'प्रगटवु' का प्रेरणार्थक, प्रकट करना प्रगटाना [प]
प्रचड वि० प्रचड, भीषण भयानक (२) कद्दावर [रिवाज, प्रचार
प्रचार पु० प्रचार, फलाव (२) चलन
प्रजळवु अ० क्रि० सुलगना, जलना
प्रजा स्त्री० प्रजा जनता (२) एक राष्ट्की जनता प्रजा (३) रयत प्रजा, रिआया (४) सतान, औलाद। [—थवी = सतान पदा होना। —होवी = सतति होना]
प्रजापति पु० प्रजापति ब्रह्मा (२) राजा (३) कुम्हार [ला] [तत्रात्मक
प्रजासत्ताक वि० प्रजासत्ताक, प्रजातत्र
प्रजाळवु स० क्रि० सुलगाना, जलाना
प्रत स्त्री० प्रथकी नकल प्रति (२) मूल ग्रथ, असल लिखावट
प्रताप पु० सामर्थ्य प्रभाव (२) तेज, कांति (३) प्रताप रोब
प्रतिभा स्त्री० प्रतिमा काति (२) मानसिक शक्तिकी झलक छटा प्रतिभा (३) विलक्षण बौद्धिक शक्ति प्रतिभा
प्रतिवादी पु० प्रतिवादी, मुद्दालेह
प्रत्ये अ० प्रति, ओर, तरफ
प्रदर्शन न० निरूपण (२) प्रदर्शनी नुमाइश
प्रधान वि० प्रधान, मुख्य (२) पु० सचिव, मत्री [पद वजारत
प्रधानपद (—दु), प्रधानवट्ट न० मत्रीका
प्रभातफेरी स्त्री० प्रभातफेरी
प्रभातियु न० प्रभाती
प्रमाणवु स०क्रि० जानना (२) प्रमाणके रूपमें स्वीकार करना कबूल रखना (३) साबित करना, प्रमाणित करना, प्रमानना [प] [प्रमाणत
प्रमाणसर वि० (२) अ० मापके अनुसार,
प्रमाणे अ० —की तरह नाइ —के अनुसार
प्रमुख पु० सभापति अध्यक्ष (२) वि० मुख्य, प्रमुख [स्थान सदारत
प्रमुखपद, प्रमुखस्थान न० सभापतिका
प्रसरवु अ० क्रि० फलना पसरना
प्रसाद पु० प्रसन्नता हर्ष (२) कृपा प्रसाद (३) निर्मलता (४) देवताको चढाई हुई वस्तु प्रसाद [[ला]
प्रसादी स्त्री० (देवका) प्रसाद (२) मार
प्राणपणे अ० जान-जोखासे प्राणपणसे
प्राणियो पु० प्राणी, जीव
प्राणीविद्या स्त्री० जीवविज्ञान 'जूलॉजी
प्राध्यापक पु० अध्यापक 'प्रोफ़ेसर
प्रार्थवु स० क्रि० प्रार्थना करना, विनयपूर्वक कहना, सवाल करना प्रार्थना [प]
प्रेमळ वि० प्रेमी, प्रेमयुक्त प्रेमवाला
प्रमाळ वि० स्नेही प्रेमी प्यारा
प्रेरक वि० प्रेरणा गति या उत्तेजन देनेवाला, प्रेरक (२) प्रेरणार्थक (क्रिया) [व्या]

प्रेरणा स्त्री० प्ररणा करना प्रेरणा (२)प्रोत्साहन, उत्तेजना प्रेरणा(३) आदेश, आज्ञा
प्रेरवुं स०क्रि० भेजना प्रेरना [प](२) गति प्रोत्साहन आना या गुप्त सलाह देना, प्ररणा करना
प्रेस न० प्रेस दाबनेकी कल (२)रुई आदिको दबाकर गाँठें बाँधनेकी कल (३) छापनेकी कल, प्रेस (४) प्रेस, छापाखाना (५) अखबार [ला]
प्लेटफाम न० प्लेटफाम (रेल्वे स्टेशन का) (२)मच, प्लटफाम

फ

फ पु० 'प' वगका–दूसरा ओष्ठ्य व्यजन
फई, फईजी, फईबा देखिये फोई'
फकरो पु० परा
फकीर पु० फ़कीर त्यागी वरागी
फकीरी स्त्री० फकीरी साधुता
फक्कड वि० लोकलाजकी परवाह न करनेवाला उच्छखल (२) छला सजीला (३) सुदर (४) उडाऊ, फक्कड बेफिक्र
फगवु अ० क्रि० झूठ बोलना, मुकरना (२)नियत्रणमें न रहना हाथसे जाना
फगाववुं स० क्रि० छलना (२) गलत समझाना (३)फेंकना झिडकना(४) अस्वीकार करना
फजेत वि० बदनाम
फजेती स्त्री० फ़ज़ीहत दुर्गति भद (२) बदनामी, फजीहत
फजेतो पु० भद, फजीहत (२) पके आमकी गुठली छिल्के आदि धोकर बनाई जानेवाली कढ़ी
फट अ० तिरस्कारका उद्गार, फिग, छी (२) फट (आवाज) (३) 'फटा हुआ–खुला' उदा० 'उघाडु फट')। [–कहेवु = 'धिक' कहना]
फटक अ० फडफडानेकी आवाज(२) स्त्री० धकधक, डर चौंक
फटकडी स्त्री० फिटकरी फटकरी
फटकवु अ० क्रि० खिसकना ठिकाने न होना (भेजा बुद्धि) (२) हाथसे जाना काबूमें न रहना (३)(रग) उडना
फटकारवु स० क्रि० पीटना, ताडना (सोटी या चाबुकसे) फटकारना [प]
फटकारो पु० प्रहार, झटका या उससे उत्पन्न शब्द (२) चित्तभ्रम उन्माद (३) खटका, धडक
फटकासाळ स्त्री० झटका-करघा
फटको पु० चाबुक या सोटीका प्रहार (२) हानि, घाटा [ला]। [–पडवो, वागवो = प्रहार होना (२) नुकसान पहुँचना घाटा सहना]
फटको पु० अँगोछा गमछा
फटफट अ० पटाखे आदिकी आवाज पटाला, फट-फट (२)धिक धिक (३) झट-पट, बगैर सोचे-समझे —
फटफटी स्त्री० मोटरसायकिल
फटववु स० क्रि० देखिये फटाववु'
फटाकडी स्त्री० छोटी बदूक, पिस्तौल
फटाकडो पु० पटाखा

फटाकियो, फटाको पु० पटाखा
फटाणु न० अश्लील गीत या बोल,सीठना
फटाफट अ० फटसे, फट-फट, लगातार
फटाबार वि० बिल्कुल खुला
फटावबु स० क्रि० बहकाना, वरगलाना
फटोफट अ० देखिये 'फटाफट'
फड न० शराब चुआनेका स्थान (२) बाजार (३) थाना (४) गाने-नाचने वालाका समूह, भाँड भगतिये (५) (लावणी गानेमें) एक पक्षका समूह (६) अ० फटसे
फडक स्त्री० धक-धक, डर, चौंक (२) पहने हुए वस्त्रका छोर, पल्ला, अचल
फडकियु न० दामन अचल (२) ओसाते समय चादरसे बनाया हुआ हवा करनेका साधन
फडच स्त्री० छोटा पतला टुकडा, फाँक
फडचो पु० फैसला निबटारा हल (२) अदायगी, भुगतान (ऋण)। [फडचामा लई जवु = दिवाला निकालनेके बाद बची हुई मिल्कियतमेंसे ऋण-परिसमापन करना ऋण चुकाना]
फडफड अ० फडफड आवाज (२) लगातार बराबर (३) धडकन (४) धाँधल उतावली
फडफडवु अ० क्रि० फडफडाना (२) (डरसे) काँपना, धकधकाना (३) गुस्सेमें बोलना, फटकारना
फडफडाट पु० फडफडाहट कँपकँपी (२) [ला] मिजाज, बडप्पन ऐंठ
फडश स्त्री० देखिये 'फडच'
फडाकियु वि० गपाडिया (२) शेखीखोर
फडाको पु० पटाखा (२) धक-धक धडक (३) गप (४) फड की आवाज
फडाफड अ० तडातड, लगातार
फणगो पु० फुनगी, अँखुआ। [-फूटवो = अकुराना (२) नयी समस्या या बात खडी होना, नया गुल खिलना]
फणस न० कटहल, पनस
फणसी स्त्री० एक तरकारीकी फली, 'फ्रेन्चबीन'
फणी स्त्री० कघी (२) करघेका एक औजार, फन्नी, राछ
फतवो पु० फतवा, आना (२) हुक्म (३) ढाग। [-करवो, मांडवो = ढ्ग रचना। -काढवो = निरकुश सरकारकी ओरसे फतवे जसा हुक्म जारी होना आर्डिनन्स निकालना]
फतेह स्त्री० फतह, जीत कामयाबी [-ना डका = पूरी विजय फतहका डका]
फतेहमद वि० फतहमद, विजयी, कामयाब
फदफद अ० 'फद-फद' (शब्द) (२) नरम और गुदगुदा
फदफदवु अ० क्रि० सडकर या खमीर चढकर पिलपिला होना, फदकना (२) मवाद भरकर फटने पर आना, फदफदाना (३) भात आदिका पकते समय 'फद-फद' शब्द करना, फदकना
फदियु न० पसा (२) चारपाई (बबईमें)
फना वि० फना, नष्ट बरबाद
फनाफातिया पु० ब० व० पूरी तबाही, तहस-नहस
फफडवु अ० क्रि० देखिये 'फडफडवु'
फफडाट पु० देखिये 'फडफडाट'
फफळतु वि० खौलता हुआ
फरक पु० फर्क अतर
फरकडी स्त्री० (कातनेकी) फिरकी, चरखी (२) नाघन चकती (तकुएमें) (३) फिरकी, चकई (खिलौना)

फरकवुं अ० क्रि० फडकना, कपित होना (२)[ला] दिखाई देना नजरोंमें आना, दृष्टिगत होना (३) सिसकना, चुपकेसे चल देना

फरज स्त्री० फर्ज, कर्तव्य। [–पडवी= कोई काम अपनी इच्छाके विरुद्ध या बरबस करना पडना फर्ज आ पडना]

फरजंद न० सतान फरजन्द (बेटा)

फरजियात वि० बलात्प्रेरक अनिवार्य, जो फर्जके रूपमें करना पडे लाजमी

फरतु वि० चारों तरफ आया हुआ इर्द गिर्द (२) चलता गतिमुक्त (३) घूमता पलटता हुआ। [–फरवु =आवारा घूमना (२) लगातार सफर करना]

फरते अ० इर्द गिर्द चारों ओर

फरफर स्त्री० फुहार (२) अ० हवामें उडता हो इस तरह फड फड

फरफरवु अ० क्रि० लहराना फडकना

फरफरियु वि० फडके ऐसा (२) न० चिट पुरजा [परवाना

फरमान न० फरमान हुक्म (२) सनद

फरमाववु स० क्रि० फरमाना हुक्म करना

फरमाश (–स) स्त्री० फरमाइश आना (२) सिपुर्दगी सौंपा हुआ

फरमासी (–सु) वि० फरमाइश आर्डरसे बनाया हुआ हुक्मके अनुसार तैयार किया हुआ (२) उत्तम, बढिया

फरवु अ० क्रि० इधर उधर फिरना घूमना चक्कर खाना (२) सैर करना टहलना (३) गति करना, फिरना (४) लौटना, पलटना बदलना। [फरी जवु =ऊपर होकर जाना चक्कर खाना (२) मुकर जाना झूठ बोलना (३) बदल जाना। फरी बेसवु = वचनभग करना मुकरना (२) पक्ष बदलना]

फरशी स्त्री० रन्दानी (बढईका एक औजार) (२) परशु

फरस स्त्री० पत्थरकी पटिया, तख्ती

फरसबधी स्त्री० गच, फर्श फर्शबन्द

फरसाण न० तरावट लानेवाली खाद्य चीज चाट

फरसी स्त्री० देखिये फरशी'

फरदु वि० हरहा (पशु) आवारा (२) पाप, चतुर, जो किसीसे न छला जाय

फराक न० फ्राक (वस्त्र)

फरास पु० फ़र्राश फरास झाड देनेवाला [फराश

फराळ न० फलाहार उपवासकी खास

फरियाद स्त्री० अर्जी (२) अन्याय जुल्मकी शिकायत फरियाद (३) नालिश दावा फरियाद

फरियादी पु० फरियादी वादी (२) स्त्री० फरियाद जुल्मकी शिकायत

फरी, फरीथी, फरीने अ० फिर दोबारा, फिरसे, पुन

फरीपाछु अ० और दोबारा और फिर

फरीफरीने अ० बार-बार फिर फिर

फरेल (–लु) वि० पलटा हुआ (२) अनुभवी (३) अविचारी मिजाजी

फल न० देखिये फळ'

फलग स्त्री० फलाँग, चौकडी

फलाणु वि० फलाँ अमुक फलाना

फस स्त्री० नस रग [आवाज फट

फस स्त्री० फटने दरकने मसकनेकी

फसकवु अ० क्रि० छटकना हिम्मत पस्त होना फिसलना (२) टूट पडना ऊपरसे नीचे गिरना (३) दरकना मसकना, फसकना

फसडावु अ० क्रि० धँसना नीचेकी ओर बैठ जाना, टूट पडना फसकना

फसल स्त्री० मौसम (२) पदावार, फसल
फसली वि० फसली मौसमी, फसलका
फसवु अ० क्रि० देखिये 'फसावु'
फसामण (-णी) स्त्री० फँसना, फँसाव
फसाववु स० क्रि० 'फसावु' का प्रेरणार्थक, फँसाना
फसावु अ० क्रि० फँसना (२) ठगा जाना
फळ न० (वनस्पतिका) फल (२) परिणाम नतीजा, फल (३) नफा, फायदा फल (४) फल (हथियार या औज़ारका अग्रभाग)। [-आववु =फल आना फलना, फल लगना (२) फल पाना नतीजा मिलना। -काढवु=प्राप्ति-फायदा मिलना, फल पाना]
फळझाड न० फलदार वृक्ष, फलवृक्ष
फळद्रु(-द्रू)प वि० उपजाऊ, फलद
फळवु अ० क्रि० फलना, फल लगना (२) लाभदायक होना, सिद्ध होना
फळाउ वि० फलदार, फल देता हुआ
फळियु न० मुहल्ला, टोला
फळी स्त्री० छोटा मुहल्ला, टोली
फळीभूत वि० साधक, सफल
फळु न० (हथियार, औज़ारका अग्रभाग) किनारा फल
फगोळवु स० क्रि० फेंकना, झिडकना (२) घुमाना चक्कर देना
फटावु अ० क्रि० दिशा बदलना, मुडना (२) शाखाएँ होना, विभक्त होना
फड न० फड चना
फंद पु० फंदा फास साजिश (२) मायाजाल मोहका फंदा (३) दंभ, कपट ढोंग (४) बुरी लत, दुर्व्यसन [ला]
फफोसवु स० क्रि० टटोलना ढूंढना
फाकडो पु० फका, फाँका
फाकवु स० क्रि० फाँकना, फका मारना
फाका पु० ब० व० तंगी, हैरानी, मुश्किल (२) फाका अनशन [फकी
फाकी स्त्री० छोटा फका (२) (दवाकी)
फाको पु० फका, फाँका
फाग पु० बहार, वसंत (२) फाग, फगुआ (गीत)। [-खेलवो=होली खेलना, फाग खेलना]
फागण पु० फागुन, फाल्गुन
फाचर स्त्री० पच्चड, पच्चर, फाँस (२) बाधा, रुकावट [ला]। [-मारवी= पच्चड लगाना, ठोंकना (२) पच्चर अडाना, बाधा डालना पच्चर मारना]
फाचरो पु० (लकडीका) चला, फट्टा
फाजल वि० बचा हुआ, आवश्यकतासे अधिक, फाजिल (२) फालतू निकम्मा
फाट स्त्री० फटना (२) दरार, फाट (३) देह टूटना टूटना (४) [ला] भेद, फूट (५) गव, रोब। [-पडवी= दरार होना फटना (२) दल या तड हो जाना, पृथक् होना विभक्त होना]
फाटक पु० स्त्री० बडा दरवाज़ा, फाटक
फाटकवाळो पु० रेलके फाटक पर तनात नौकर फाटकदार
फाटफूट स्त्री० फूट भेद
फाटवु अ० क्रि० फटना, टूटना दरार पड जाना दरकना (२) बदमस्त होना छकना (३) (देह) खूब दुखना टूटना। [फाटी जवु=फटना (२) बहकना हाथसे जाना। फाटी नीकळवु= (रोग) यकायक प्रकट होना और फैलना (२) फट पडना]
फाटुतुटु वि० टूटा-फूटा
फाटेल (-लुं) वि० फटा हुआ, फटहा (२) असभ्य (३) उद्धत

फाटपुंफूटपुं वि० देखिये 'फाटुंफूटुं'

फाड स्त्री० चीर-फाड़ (२)चीर टुकड़ा

फाडवुं स०क्रि० फाड़ना चीरना-फाड़ना

फाडियुं न० छोटा पतला टुकड़ा, फाँक

फातडो पु० साला, हिजड़ा, हीजड़ा

फानस न० दीया, बत्ती, लालटेन

फायदाकारक वि० फायदेमंद मुफीद

फायदो पु० फायदा लाभ, प्राप्ति(२) गुण अच्छा असर, फायदा। [–करवो = (दवाका) अच्छा असर होना]

फारक (–ग) वि० छूटा मुक्त, कामसे निवृत्त फारिग

फारगती स्त्री० छुटकारा, मुक्ति प्राप्ति(२)तलाक विवाह विच्छेद, छोड़चिट्ठी [बड़ा प्रचुरता[ला]

फाल पु० उछाल (२)अतिशयता अधि

फालतु वि० फुरसत, फुरसत (२) फाजिल फालतू

फालवु अ० क्रि० खिलना फलना(२) पुष्ट होना मुटाना मोटा होना

फालसुं न० फालसा

फालु न० एक प्रकारका गीदड़, लोमड़ी

फाव स्त्री० किसी काममें हाथ बैठना रास आना [होना

फावट स्त्री० देखिये फाव गवारा

फाववु अ० क्रि० हाथ जमना, अनुकूल होना गवारा होना(२)सफल होना मौका मिलना पासा पड़ना। [फावतु आववु = रास आना, अनुकूल आना]

फासफूस स्त्री० निकम्मा रद्दी माल कूड़ा-करकट

फासफूसियु वि० पसपसा, कमजोर (काज), निकम्मा जो कुछ उपयोग का न हो [फंक, फासला

फासलो पु० (समय अंतर आदिका)

फाळ स्त्री० छलांग, चौकड़ी(२)दर पर मारना चढ़ाई। [–भरवी = छलाँग मारना। –मारवी = चौकड़ी भरना(२)आक्रमण करना]

फाळ पु० हलका फल टुकड़ा पल्ला, धार [फाळो

फाळकी स्त्री० (गुल फाळकाकी) छिरनी

फाळको पु० छिलका पतेला

फाळवणी स्त्री० बटवारा विभाजन

फाळववुं स०क्रि० बाँटना हिस्सा करना

फांळियुं न० साफा, मुंडासा

फाळो पु० हिस्सा, भाग(२)बँटवारा विभाजन (३) कर चन्दा। [फाळो पडवुं = जिसका जितने हिस्सेमें भाग हिस्सेके अनुसार]

फांकडं(०) वि० देखिये 'फक्कड़' (२) छैला, सजीला रंगीला

फांको(०) पु० अभिमान मिजाज

फांट(०) स्त्री० कपड़ेका छोर या उसकी कामचलाऊ बनाई हुई झोली जैसी चादर

फांटो(०) पु० फाटा भाग(२)कोना (३)तरंग लहर, मनकी लहर

फांस(०) स्त्री० तोड़ (२) एक अन्य पाजा काला विचारा

फांसो(०) पु० फंदा फाँस, मायाजाल

फांफां(०) न० ब० व० खाली इधर उधर दौड़ना झींकना टालना(२) मिथ्या प्रयत्न बेकार कोशिश

फांस(०) स्त्री० फाँस पच्चड़ विरोध (२)अड़चन रुकावट भांजी मारना [ला]। [–काढवी = बाधा दूर करना, फाँस निकालना। –मारवी, मारवी = पच्चड़ मारना, पत्थर अड़ाना]

फांसलो(०) पु० फंदा, जाल

फासवु(०) स०क्रि० फदेमें फँसाना, फाँसना (२) फदेमें कसना (रस्सीमें डोल, घडा आदि), फाँसना (३) तोडना(डाली) [वाला, जल्लाद
फांसियो(०) पु० फदा कसकर मारने
फासी(०) स्त्री० फाँसी [का फदा
फासो(०) पु० फदा, फाँस(२)रस्सी
फिकर स्त्री० फिक्र फिकर
फिक्काश स्त्री० कातिहीनता, फीकापन
फिक्कु वि० पीला फीका, कातिहीन(२) सीठा बेमजा फीका [फीका फक
फिक्कुफच(–स) वि० बिल्कुल फीका
फिटकार पु० फिटकार लानत
फिटाड(–व)वु स०क्रि० 'फीटवु'का प्रेरणायक मिटाना, हटाना, दु ख दूर करना [(३)गरारत फुतूर
फितूर न० ढाग(२)विद्रोह, फुतूर, दगा
फितूरी वि० फ्तूरिया फुतूरी (२) ढागी [फिग
फिदा वि० बहुत खुश(२)अति आसक्त
फिरस्तो पु० फरिश्ता फ़िरिश्ता, देव दूत(२)पगबर [पियन
फिरगी पु० पुतगाली(२)फ़िरगी, यूरा
फिलसूफ पु० फिलासफर दार्शनिक
फिलसूफी स्त्री० फिलासफी तत्त्वज्ञान
फिशियारी स्त्री० बडाई, शखी
फिसाद स्त्री० ऊधम तूफान(२)फसाद हुल्लड
फिसोटो पु० झाग्का समूह फेन
फी स्त्री० फीस शिक्षा शुल्क (२) मेहनताना फीस (वकील डाक्टर आदिकी)
फीकाश स्त्री० फीकापन फीकापन कातिहीनता (२) फीकापन सिठाई
फीकु वि० देखिए 'फिक्कु'
फीकुफच(–स) वि० देखिये 'फिक्कुफच'
फीटवु अ०क्रि० टलना; मिटना दु ख दूर होना (२) निबटना अत होना, फसल होना
फीण न० फेन, झाग
फीणवु स०क्रि० फेंटना, मिलाना (पीठी आदि) (२) फायदा, लाभ प्राप्ति होना, मिलना [ला]
फीत स्त्री० फीता [छोटा परेता
फीरकी स्त्री० फिरकी, चक्ई (२)
फीसु वि० बेमज़ा, सीठा, फीका (२) ढीला कम मजबूत जो फट फट जाय
फुक्को पु० मूत्राशय, फुकना (२) बुद-बुदा(३) (रबडका) फुग्गा
फुगावो पु० नकदके बदले छपी नोटोंके चलनका खूब बढ जाना मुद्राविस्तार, इन्फ्लेशन [निकम्मा, बेकार
फुटक्ळ वि० फुटकल, फुटकर (२)
फुदीनो पु० पुदीना, पादीना
फुद्दी स्त्री० गुड्डी छोटी पतग
फुफ्वाटो(–डो) पु० फूक फुफकार (२) गुस्सेका जोश [ला]
फुरचो पु० टुकडा, पुरज़ा
फुरजो पु० बदरगाह परका चुगीघर फुर्जा (२) डॉक डक
फुरसद स्त्री० फुरसत फुर्सत
फुलारो पु० बडाई शेखी। [फुलाना
फुलाववु स०क्रि० 'फूलवु'का प्रेरणायक
फुलावुं अ०क्रि० फूलवु का भावे रूप, फुलाना(अ०क्रि०) [वर-यात्रा
फुलेकु न० घुड चढी वरका जुलूस
फुलेल न० सुगधदार तेल फुलेल
फुलेवर वि० बेल-बूटोवाला (२) न० ऐसा कपडा (३) (तागका रग) बिरगी चिडिया (४) फूलगोभी

फुल्ली स्त्री० ताशके चार रंगोमेंसे एक, चिड़ी [(२) सोता
फुवारो पु० फव्वारा, फुहारा, फौआरा
फुगराववु स० क्रि० बढावा देना, बहकाना, भडकाना
फुगरावु अ० क्रि० मुंह फुलाना, रूठना
फू अ० फुफकार जसी आवाज। [–करवु = फूक मारना (२) फुफकारना (३) गबन करना (४) खच कर डालना]
फूग स्त्री० फफूदी भुकडी
फूट स्त्री० फूट फूटना (२) दरार, फाट (३) फूट विरोध
फूट न० आरिया, फूट
फूटडु वि० सुदर, रूपवान सलोना
फूटपाथ पु० पटरी 'फूटपाथ'
फूटवु अ० क्रि० फूटना खिलना उगना, अँखुआ निकलना (२) टूटना फूटना जोरसे फटना भग्न होना (३) खुला हो जाना भडा फूटना जाहिर हो जाना (४) मुकरना धोखा देना, विपक्षसे जा मिलना फूटना। [फूटी बदाम न होवी = पासमें कानी कौडी न होना। फूटी बदामनु = टकेका मूल्यरहित]
फूदडी स्त्री० चौगिर्दा घुमाव, गोल-गोल घूमना (२) तारा या फूल जसा चिह्न, तारक चिह्न, फुल्ली [तितली
फूदु न० परदार कीडा पतग (२)
फूमतु न० फुदना गुच्छा कलगी तुर्रा
फूर्तिलु वि० फुरतीला
फूल न० फूल गुल, फूलकी शकलकी वस्तु (२) आँखका एक रोग, फूली फूला (३) एक गहना (४) फूलगोभी (५) गव बडाई गवसे इतराना। [फूले बधाववु = पाँव पूजना, देवकी तरह भावमय आवभगत करना]
फूलकोबी (०ज) स्त्री० फूलगाभी
फूलगूथणी स्त्री० फल गूँथना (२) फूलो की सजावटकी तरह वस्तुआका उप युक्त सकलन [वृक्ष फूल-पौधा
फूलझाड न० फूल देनेवाला पौधा या
फूलडोल पु० एक उत्सव, फूलडोल
फूलणजी (–शी) वि० (२) पु० बखानसे फूल जाये ऐसा फूलकर कुप्पा होने वाला [(२) नाजुक, कामचलाऊ
फूलफटाक (–कियु) वि० सजीला छला
फूलवडी स्त्री० एक प्रकारकी बडी नमकीन बूंदी
फूलवाडी स्त्री० फुलवारी, फुलवाडी
फूलवु अ० क्रि० फूलना उभरना (२) खिलना, फूलना फूल आना (३) हर्षित होना प्रसन्न होना फूलना (४) गवसे इतराना बडाई हाँकना (५) बहकना, उत्तेजित होना। [फूलीने फाळको थवु = फूलकर कुप्पा होना, फूलना शेखी बघारना]
फूलवुफालवु अ० क्रि० फूलना फलना
फूलु न० आखका एक रोग फूली
फूवड वि० फूहड (२) गदा भद्दा
फूस स्त्री० पराजय (२) वि० निकम्मा, रद्दी (३) न० फूस घास
फूक स्त्री० फूक दम साँस (२) प्राण। [–नीकळी जवी = फूक निकल जाना, प्राण निकल जाना, मर जाना। –मारवी = फूकना (२) अप्रकट चेतावनी देना (३) कान भरना (४) भरमाना]
फूकणी स्त्री० फुकनी फुँकनी (नली)
फूकवु स० क्रि० फूक मारना फूकना (२) फूँककर बजाना (३) दिवाला

निकालना (४) सहलाना। [फूकी देवु, फूकी मूकवु = फूक डालना जला डालना (२) सस्तेमें बेच डालना, गिरकर सौदा करना। फूकीफूकीने = फूक-फूककर सावधानतासे]

फूकार पु० फूक (२) फुफकार, फुकार

फूकारवु स० क्रि० मुहमें पानी भरकर फूंकसे छिडकना (२) फुफकारना फुंकारना

फूकारो पुं० देखिये 'फुकार'

फूकावु अ० क्रि० 'फूकवु' का कर्मणि

फूस्याटो (-डो) फूफाटो (-डो) पु० फुफकार, फुकार

फेज पु० खराबी, दुर्दशा (२) सज़ा

फेडवु स० क्रि० टालना, मिटाना, दूर कर देना (२) चुकाना, अदा करना

फेण (फॅ) स्त्री० फन (सांपका)

फण (फॅ) न० फेन, झाग

फेफर स्त्री० मुहकी सूजन मुख-शोथ

फेफरी स्त्री०, फेफरु न० मिरगी, अपस्मार

फेफसु न० फफडा

फेब्रुआरी पु० फरवरी

फेर पु० फर्क, अंतर (२) सिरका घुमाव, चक्कर (३) लपेट, फेरा चूडी (४) घेरा (५) दामन, कपडेका पल्ला (६) बार बार आना-जाना, चक्कर, फेरा (७) घुमानेकी कील पेच (८) अ० फिर पुन। [-चडवा = सिर घूमना, चक्कर। -पडवो = फर्क होना (२) सुधार होना। -मां आववु = फेर खाना, घुमावके रास्ते जाना]

फरणो स्त्री० फेरी (२) बेकार घूमना

फेरबदली स्त्री० फेरबदलो पु० आपसमें हेर-फेर, अदला-बदला

फेरववु स० क्रि० फिराना, फेरना

फेरियो पु० फेरी करनेवाला फेरीवाला

फेरी स्त्री० चक्कर, गश्त (२) दफा, बार (३) फेरी (फेरीवालेकी)

फेरो पु० फेरा भांवर (२) बारी, पारी (३) चक्कर गश्त। [फेरा फरवा = अग्निकी परिक्रमा करना (विवाहके समय) भांवर भरना। -खावो = हो आना चक्कर लगाना (२) व्यर्थ चक्कर काटना। -पडवो = जानेका फल न मिलना, फेरमें पडना। -फळवो = जानेका अर्थ सिद्ध होना, जानेसे लाभ होना]

फेल (फॅ) पु० फेल, ढोंग [वृद्धि प्रगति

फेलाव (फॅ) पु० फैलाव, विस्तार (२)

फेलाववु (फॅ) स० क्रि० फैलाना पसारना विस्तार करना [बढना

फेलावु (फॅ) अ० क्रि० फैलना, पसरना

फेलावो (फॅ) पु० देखिये 'फेलाव'

फेलु न० रेशा, तागेकी लड (२) फांस, अडचन, बाधा (३) मुश्किल, उलझन

फेशन स्त्री० फैशन

फेसलो (फॅ) पु० फैसला, निर्णय, निबटारा, समाप्ति, खातमा

फेंकवु (फॅ०) स० क्रि० फेंकना, डालना (२) गप हांकना [थप्पड, थप्पा

फेंट (फॅ०) स्त्री० फेंट कमरबंद (२)

फेंटो (फॅ०) पु० मुडासा साफा मुरेठा

फेंदवु (फॅ०) स० क्रि० तितर बितर करना बिगाडना, रौंदना (२) बिखेरना

फेंसलो (फॅ०) पु० देखिये 'फेसलो'

फोइयात वि० फुफेरा

फोई स्त्री० फूफी बूआ

फोईजी स्त्री० (मानार्थ) फूफी, बूआ (२) फुफेरी सास

फोईबा स्त्री० फूफी, बूआ

फोक वि० फोकट, निकम्मा, रद्द
फोक्ट वि० (२) अ० फाकट, व्यय, निकम्मा खराब
फोकटियु वि० मुफ्तका फोक्टका (२) निकम्मा [फोकटियु
फागट (-टियु) वि० देखिये फोकट
फोज (फा) स्त्री० फौज सेना
फोजदार (फॉ) पु० फौजदार, कोतवाल
फोजदारी (फॉ) वि० फ़ौजदारी (२) स्त्री० फौजदारका काम या पद (३) फौजदारी अदालत
फोड पु०, स्त्री० स्पष्टीकरण, विवरण ब्योरा (२) निबटारा, फसला (३) बँटवारा
फोडली स्त्री० छोटी फुडिया, फुंसी
फोडलो पु० फोडा बडी फुसी
फोडवु स० क्रि० फोडना (२) –का निबटारा करना, फसल करना (३) न० तरकारीका काटा हुआ टुकडा, टुकडा (४) दहीका लोना थक्का
फोतरी स्त्री० खुरड पपडी
फोतरु न० छिलका (२) कागज़का टुकडा, पुरजा [आदिका)
फोदो पु० लोना थक्का (दही दूध
फोफळ न० सुपारी, पुगीफल
फोफां न० ब० व० मूगफली
फोफु न० स्थूलकाय मोटमल (२) मूँगफलीका छिलका
फोरन (फा) अ० फौरन
फोरम (फॉर) स्त्री० खुशबू महक (२) आबरू [ला] [महक उठना
फोरवु (फोर) अ० क्रि० खुशबू फैलना,
फोश (फा) वि० चालाक चुस्त फुरतीला (२) जरा बडा ढीला ढाला (३) हलका, कमबख्ती
फोरु न० छोटा बूद
फोल पु० छिल्के निकालकर साफ की हुई चीज (२) बीज निकाली हुई इमली
फोलवु स० क्रि० छिलके आदि निकाल कर साफ करना
फोल्ली स्त्री० फुसी
फोल्लो पु० बडी फुसी फोडा (२) फफोला, छाला
फोसलामण (-णी) स्त्री० फुसलाना, फुसलावा (२) ठगाई
फोसलाववु स० क्रि० फुसलाना ठगना
फोसलावु अ० क्रि० धोखा खा जाना, ठगा जाना

ब

ब पु० 'प' वर्गका –तीसरा ओष्ठ्य व्यंजन
बकडियु न० दो कडावाला एक बरतन
बकनळी स्त्री० बकयंत्र साईफन'
बकबक स्त्री० बकबकाट पु० बकबक, बकवास
बकरी स्त्री० बकरी
बकरु न० बकरा
बकरो पु० बकरा
बकल न० बक्लस बकसुआ
बकवाट, बकवाद पु० बकवास बकवाद
बकवु स० क्रि० बकार बात करना बकना (२) बोलना (तुच्छकारमें) (३) गप लगाना, बकना

बखात वि० बचा हुआ, बाकी (२) काटा, छांटा हुआ, रद्द । [–राखवुं =छांटना, रद्द करना, काटना]
बखारी स्त्री० वमनका उच्छ्वास, मतली
बखाल पु० काछी, बक्काल (२) बनिया (तुच्छकारमें), बक्काल [वर देना
बखालु न० साग-पात; सब्जी (२) बक्काल
बखोर पु० शोर, कोलाहल [देना
बखव सं०क्रि० भेंटमें देना, बख्शना (२)
बखिश (–स) स्त्री० भेंट, उपहार, नजर
बखडियु न० देखिये बखडियु
बखतर न० बख्तर, कवच
बखतरियो पु० कवचधारी योद्धा बख्तर पोश सैनिक
बखारो पु० कोलाहल शोर । [बखारा काढवा = दिलके फफोले फोडना भड़ास निकालना]
बखाळियु वि० शोर मचानेवाला
बखाळो पु० देखिये बखारो'
बखियो पु० बखिया
बखील वि० बखील, कंजूस (२) कंगाल
बखु न० छेद, सूराख
बखेडो पु० बखेड़ा, फसाद दगा
बखोल स्त्री० खोखली जगह खोखला, (गुफा कोटर आदि)
बखड वि० गाढा, जो पतला न हो
बख्तर (–रियो) देखिये बखतर' आदि
बगडवु अ० क्रि० बिगडना, नष्ट होना खराब होना (२) भ्रष्ट होना
बगडो पु० दोका अंक
बगदो पु० कचरा कूडा करकट
बगभगत पु० बगलाभगत
बगरो स्त्री०, बगरु न० घी तपानेसे ऊपर आनेवाला मल, घतमड (२) घी-तेल आदिकी तलछट काट
बगल स्त्री० बगल, काँख । [–मां घालवु = देखिये 'बगलमां लवु । –मां मारवु = बगलमें दबाना दाबना । –मां राखवु = कब्जेमें रखना (२) आश्रय देना । –मां लेवु = बगलमें रखना, बगलमें दबाना (२) आश्रय देना । –मां होवु = कब्जेमें होना (२) अपनी निगरानी – देखभालमें होना । बगलो कूटवी = बगलें बजाना । बगलो देखाडवी = दिवाला निकालना । बगलो वगाडवी = बगलें बजाना]
बगलथेली स्त्री० कंधे पर लटकानेसे बगलके नीचे रह ऐसी थैली, बगली
बगली स्त्री० मादा बगला बगली
बगलु न० एक पक्षी, बगला
बगलो पु० नर बगला, बगला बक
बगवा पु० कानका मैल, खूट
बगधावु अ० क्रि० सगबगाना घबडाया हुआ होना
बगाई स्त्री० बगई कुकुरमाछी
बगाड पु० बिगाड, हानि (२) विकृति, खराबी (३) अनबन बिगाड (४) भ्रष्टता
बगाडवु स० क्रि० बिगाडना
बगाडो पु० देखिये बगाड
बगासु न० जँभाई जम्हाई उबासी
बगी स्त्री० बग्घी, जोडी
बगीचो पु० बगीचा बाग [छेद
बगु न० छेद, सूराख (२) दीवारमें हुआ
बचकारवु स० क्रि० पुचकारना
बचकारो पु० चटखारा चभड चभड
बचकी स्त्री० बकुची, छोटी गठरी
बचकु न० बकुचा गठरी
बचकु न० दाँतसे की हुई चोट काट, बतीसा (२) दाँतोंसे काटनेमें समा सके इतना टुकडा । [–भरवु = दाँतोंसे काटना काट खाना]

बचको पु० बकुचा बडी गठरी
बचत वि० बचा हुआ (२) स्त्री० बाकी बची हुई चीज, बकाया (३) बचाई हुई रकम, बचत
बचपन न० बचपन
बचरवाळ वि० बच्चेकच्चेवाला
बचवु अ० क्रि० बचना (२) बाकी रहना खर्चमेंसे बाकी बचना बचना
बचाव पु० बचाव रक्षा (२) बची हुई रकम बचत। [-करवो = निर्दोषता सिद्ध करनेके लिए सफाई देना]
बचावपक्ष पु० बचाव करनेवाला पक्ष, अभियुक्त पक्ष
बचाववु स० क्रि० बचाना
बची स्त्री० बच्ची बेटी
बची स्त्री० चुबन बोसा
बचोळियु न० छोटा बालक बच्चा
बच्चाकच्चा न० ब० व० बच्चे कच्चे
बच्ची स्त्री० चुबन
बच्चु न० बच्चा (प्राय पशुका) शावक
बच्चो पु० लडका (२) मनुष्य, इन्सान, माईका लाल — एस अर्थमें, उदा० बच्ची होय ते हवे आव
बजर पु० स्त्री० सुघनी, नास
बजरियु न० सुघनीकी डिबिया, नासदान
बजवणी स्त्री० (आज्ञा हुक्म आदिका) अमल करना कराना तामील
बजवु अ० क्रि० अमल होना कायमें परिणत होना (२) बजना (वाद्य घटा आदि)
बजवयो पु० बजवया
बजाणियो पु० ढोलकिया (२) रस्सी पर नाचनेवाला, नट
बजार पु० स्त्री०, न० बाजार हाट मडी (२) साप्ताहिक बाजार गुजरी (३) भाव दर, बाजार (४) खपत, मालकी बिक्री। [-करवु = बाजार करना खरीदना। -बेसी जवु = बाजार मन्दा होना बाजार गिरना। -वधी जवु = बाजार तेज होना]
बजारभाव पु० बाजारभाव
बजारु वि० बाजारू, मामूली बाजारका हल्का (२) बाजारमें फलनेवाली (अफवाह), अविश्वसनीय, बाजारी (३) स्त्री० बाजारी औरत वेश्या
बजावणी स्त्री० देखिये बजवणी
बजाववु स० क्रि० बजवु का प्रेरणार्थक रूप बजाना बजा लाना
बझाडवु स० क्रि० बाझवु का प्रेरणार्थक रूप, लिपटाना, सटाना (२) गले मढना, सिर थोपना [ला]
बटक वि० जल्दी टूट जाये ऐसा कडकना
बटकण(-णु) वि० जल्दी टूट जाये ऐसा कडकना (२) कटखना कटहा काट खानेवाला
बटकबोलु वि० मजाकपसन्द हँसोड (२) मुह पर दो-टूक जवाब देनेवाला
बटकवु अ० क्रि० टटना दरकना (२) झड जाना
बटकावु अ० क्रि० विदीर्ण होना दरकना (२) चर्राना मसकना फटना (कपडा)
बटकी स्त्री० ठिगनी और पटली स्त्री (२) नौकरानी लौंडा (३) रखेली वेश्या [(२) टुकडा
बटकु न० (दातोंकी) काट बनीसा
बटकु वि० बौना नाटा [स्विच]
बटन न० बटन (२) बटन (बिजलीका
बटमोगरो पु० मोगरा
बटवो पु० बटुआ

बटाउ वि० उडाऊ
बटाको(–टो) पु० आलू
बटावु अ० क्रि० ज्यादा देर तक पडा रहनस बास मारना उतर जाना (अनाज या रसोई)
बटु पु० बटु, वटु, बालक
बटुक पु० वह लडका जो यज्ञोपवीतधारी न हो(२)बौना आदमी
बटेर न० मकोरा, कसोरा [दाग'बट्टा
बट्टो पु० मिथ्या आरोप, तोहमत(२)
बडघो पु० पटठा, सड-मुसड पाठा
बडबड स्त्री०(२)अ० बडबड, बकवास
बडबडवु अ० क्रि० बडबडाना(२)नाराज़ीके कारण मनमें गुनगुनाना(३) डाँटना
बडबडाट पु० बडबडाहट, बकवास
बडमूछियो बडमूछो वि० पु० बिना मूछका आदमी, मकुना
बडवु न० वह पुरजा जिससे किवाड आदि चौखटसे जाडने पर घूमते है, कब्जा
बडवो वि० पु० सिरमुडा विरूप(२) पु० वह लडका जिसका यज्ञोपवीत हो रहा हो बरुआ(३)छीली हुई गँडेरी
बडाई स्त्री० बडाई महत्ता(२)मगरूरी
बडाबूट अ० तितर बितर, अव्यवस्थित
बडाश स्त्री० घमड शेखी
बडु वि० बडा भारी
बडूको पु० कडी चीज तोडते या चबाते समय होनेवाली आवाज़
बढती स्त्री० खुशहाली वृद्धि समृद्धि (२) (तनख्वाहमें) वृद्धि बढती
बणगु न० नरसिंघा, रणसिंघा (२) हुल्लड दगा-फसाद(३)डीग शेखी कोरी गप [ला]
बणबण अ० (२)न० भिन भिन
बणबणवु अ० क्रि० भिनभिनाना
बताड(–व)वु स०क्रि० बताना; दिखाना
बत्ती स्त्री० (दीयेकी) बत्ती(२)दीया, बत्ती (३) बढावा, उत्तेजना [ला]। [–आपवी = उभाडना, उकसाना। –करवी = चिराग–बत्ती करना। –फाटवी = ज़बान खुलना, बोलना। –मूकवी = घावमें बत्ती भरना (२) आग लगाना उभाडना]
बत्तो पु० (सील आदिका) बट्टा, दस्ता (खरल आदिका)
बत्रीश(–स) वि० बत्तीस ३२। [–कोठे = चारो ओरसे, दसा दिशाओमें]
बत्रीश(–स)लक्ष(–ख)णु वि० पूर्ण मानवके बत्तीस लक्षणोवाला(२)धूर्त काइयाँ चट
बत्रीशी(–सी) स्त्री० बत्तीसा दाँत बतीसी(२)बत्तीस चीजोंका समूह, बत्तीसी(३)स्वादिष्ठ भोजन। [–ए चडवु = जनसमूहमें (किसीकी) चर्चा निंदा होना, बदनाम होना। –बतावबी = हँसना, बत्तीसी दिखाना (२)हँसकर बात उडाना (३) धमकी देना (४) अमर्याद बनना]
बत्रीसु न० बत्तीस दवाओ और मेवाका चूर्ण जो प्रसूताको दिया जाता है बतीसा
बथ स्त्री० देखिये 'बाथ'
बथवो पु० बथुआ
बथाववु स०क्रि० थका देना, हराना (२) हज़म कर जाना, पचाना। [बथावी पाडवु = अयोग्य रीतिसे ले लेना, हज़म कर जाना माल मारना]
बथ्यबथ्था स्त्री० गुत्थमगुत्था भिडत
बद स्त्री० बद गिलटी(रोग)
बदचलन न० बदचलनी दुराचरण

बदचाल स्त्री० बदचलनी (२) वि० बद- चलन, दुश्चरित्र
बदनात स्त्री० बददयानत, बदनीयती
बददुआ (-वा) स्त्री० बददुआ, शाप
बदन न० बदन शरीर (२) कुरता
बदनक्षी स्त्री० बदनामी, हतकइज्जती
बदनाम वि० बदनाम कलंकित (२) न० बदनामी
बदनामी स्त्री० बदनामी लांछन कलंक
बदनु न०, (-नो) पु० पानीका कूंडा या कुल्हड़, नामलोट (राजके काम आनेवाला) (२) डबला (पाखानेमें काम आनेवाला)
बदफल वि० बदफेल दुराचारी [सड़ना
बदबदवु अ० क्रि० जंतुओंसे बजबजाना
बदबो (०ई) स्त्री० बदबू (२) बदनामी
बदल अ० बदलेमें एवजमें
बदलवु स० क्रि० बदलना (२) -के बद लेमें दूसरी चीज लेना-देना बदलना
बदलावु अ० क्रि० बदलवु का कमणिरूप, बदलना (२) दूसरा हो जाना पलट जाना बदल जाना
बदली स्त्री० बदली बदलना बदल जाना फेरफार (२) नौकरी या कामके स्थान या प्रकारका तबादला होना तबदीली। -मा होवु = -के बदलेमें या -के स्थान पर होना]
बदले अ० बदले बजाय
बदलो पु० बदला मुआवजा एवज (२) फेरफार अदल-बदल, बदला (३) वर बदला [मानना बदना
बदवु स० क्रि० गिनना समझना आज्ञा
बदशिकल वि० बदशक्ल, भोंडा
बदाम स्त्री० बादाम बदाम (२) हिसा बमें एक नगण्य चलता सिक्का
बदामी वि० बादामी बादामके छिलके से मिलते हुए रंगका (२) बादामका बना हुआ बादामसे संबंधित बादामी
बदी स्त्री० दुराचरण अनीति बुराई बदी (२) कुटेव (३) निन्दा
बधु वि० सब सारा सब पूरा
बधे अ० सब जगह सर्वत्र
बनडी स्त्री० बनी नवोढ़ा [शादियाना
बनडो पु० बना दूल्हा (२) शादीका गीत
बनवु अ० क्रि० बनना होना निर्मित रचित सिद्ध होना (२) मेल होना घटना बनना (३) रूप, वेश भरना (४) [ला] बेवकूफ बनना (५) बना व-सिंगार करना बनना (६) नशेमें होना नशा छाना रंग चढ़ना। [बनवा काळ = भावी होनहार। बनवा जोग = संभवित बन पड़ने योग्य]
बनवुठनवु स० क्रि० बनना-ठनना
बनात स्त्री० बनात [मेल
बनाव पु० घटना प्रसंग (२) बनाव
बनावट स्त्री० बनानेकी रीति बनावट, रचना (२) षडयंत्र (३) फजीहत बनावट
बनावटी वि० बनावटी नकली
बनाववु स० क्रि० बनाना रचना निर्मित करना (२) हंसी मजाक उड़ाना बनाना
बनू (-न्नू) स न० ऊनका मोटा कंबल धुस्सा
बनेवी (-ने) पु० बहनोई
बन्ने वि० दोनों उभय
बपयो पु० पपीहा चातक
बपोर पु० दोपहर दुपहरी मध्याह्न
बपोरा पु० ब० व० दोपहरका भाजन
बपोरियु वि० दोपहरका मध्याह्नका (२) न० दोपहरका खिलनेवाला एक फूल दुपहरिया (३) दोपहरको करनेका काम (४) दोपहर तक

काम करनेवाला मजदूर या कारीगर (५) एक तरहकी आतिशबाज़ी
बपोरी वि० दोपहरका (२) स्त्री० दुपहरी। [-करवी=दोपहरीमें आराम करना। -गाळवी=दोपहरकी वेला गुज़ारना काटना]
बफारो पु० ऊमस
बफावु अ० क्रि० 'बाफवु' का कर्मणि रूप (२)ऊमससे जी घबडाना।[बफाई जवु=कुछका कुछ कह देनेसे बात बिगडना]
बबडवु अ० क्रि० बडबडाना
बबडाट पु० देखिये 'बडबडाट'
बबरची पु० बावरची [[ला]
बबरचीखानु न०बावरचीखाना(२)गन्दी
बबूचक वि० मूर्ख, बौडम
बब्बे वि० दो-दो
बमणवु अ०क्रि०भिनभिनाना, भिनकना (२) भिनभिनाते हुए मँडराना
बमणाट पु० भिनभिनाहट भिन भिन
बमणु वि० दोगुना, दुगुना दूना
बर पु० अर्ज पनहा (२) किस्म (३) माल(४)अ०-के अनुसार -की तरह (५) वि० सफल बर(आना), पूरा (६) जसा चाहिए एसा, योग्य। [-आववु=सफल होना बर आना। -नु होवु=किस्म या पनहेका होना (कपडा)]
बरकत स्त्री०बरकत लाभ(२)फतह सिद्धि(३)बरकत, बहुतायत, समृद्धि
बरको पु० चिल्लाहट चीख
बरखास्त वि० बरखास्त विसर्जित। [-करवु=(जलसा)बरखास्त करना। -थवु=बरखास्त होना]

बरछट वि०जिसकी सतह चिकनी न हो खुरदरा(२)मोटा घटिया (अनाज)
बरछी स्त्री० बरछी
बरड वि० जल्दी टूट जानेवाला कनकना
बरडवु न० देखिये 'बडवु', कब्जा
बरडो पु० पीठ। [-थाबडवो=पीठ ठोकना। -बेवड वळी जवो=सख्त मार पडना (२) (हँसनेके कारण) लोट-पोट होना]
बरणी स्त्री० एक पात्र विशेष
बरदास(-श,-स्त) स्त्री० देखभाल तीमारदारी। [-करवी=देखभाल करना तीमारदारी करना(२)सहना बरदाश्त करना उदा० 'भूलनी बरदाश करवी'। -राखवी, लेवी=देखभाल करना (२) मेहमानदारी करना]
बरफ पु० न० बर्फ, बरफ
बरफी स्त्री० बरफी
बरफीचूरमु न० एक मिष्टान्न
बरबाद वि० रद्द, निकम्मा, खराब (२)नष्ट, बरबाद
बरबादी स्त्री० बरबादी
बरागळ स्त्री० हलका बुखार, हरारत
बराडवु अ० क्रि० चीखना चिल्लाना
बराडो पु० चिल्लाहट, चीख
बराबर वि०(२)अ० बराबर समान तुल्य(३)खरा उचित वाजिब(४) जसा चाहिए ऐसा सही ठीक
बराबरियु वि० बराबरका समकक्ष
बराबरियो पु० बराबरका व्यक्ति प्रतिस्पर्धी
बराबरी स्त्री० बराबरी मुकाबला। [-करवी=मुकाबला स्पर्धा करना]
बरास न० बरास कपूर
बरास न० सौ घनफुट

बरी स्त्री० खीस पेउसी, पयूष
बरु पु०, न० नरकट नेजा
बरो पु० मिजाज मगरूरी (२) नखरा (३) शेखी (४) अति ज्वरके कारण होठके कोनेके पास होनेवाली छोटी फुंसियाँ [बराबर आदि
बरोबर(-रियु, -रियो, -री) देखिये
बरोळ स्त्री० तिल्ली प्लीहा
बलके अ० बल्कि किंतु प्रत्युत
बला स्त्री० कष्ट देनेवाली वस्तु या व्यक्ति बला (२) आफत, बला। [-जवी, टळवी = बला टलना। -लेवी = बलायें लेना। -वहोरवी = बला मोल लेना। -जाणे!, -रात जाणे! = (मेरी) बला जाने मैं नहीं जानता]
बलिहारी स्त्री० खूबी (२) वाहवाह
बलूच(-चो) पु० बलूचिस्तानका निवासी बलूची (२) वि० बलूचिस्तानका
बलून न० बलून विमान वायुयान
बल(-लो,-ल्ल) पु न० चूडी। [बलया पहेरवां = स्त्रीका ब्याह करना या किसीके घर बठना, चूडियाँ पहनना (२) नामद बनना चूडियाँ पहनना (व्यंगमें)]
बस अ० बस काफी (२) निश्चय या दबाव बतानवाला शब्द, बस। [-करवु = बंद करना बस करना। -थवु = काफी हो जाना]
बस स्त्री० मोटरबस
बसी स्त्री० रकाबी तश्तरी
बसूर वि० देखिये 'बेसूर
बसें(-सो) (सं०) पु० दो सौ २००
बहड वि० दोहरा
बहलाववु स० क्रि० मजबूत करना विकास करना (२) फलाना (३) प्रफुल्लित करना, बहलाना [ला]
बहादुर वि० बहादुर, शूरवीर
बहादुरी स्त्री० बहादुरी पराक्रम। [-मारवी = बहादुरीका दम भरना या शेखी बघारना]
बहानु न० बहाना, मिस। [-आपवु = किसी बहानेका निमित्त होना]
बहार पु० स्त्री० बहार शोभा, शान (२) आनंद बहार (३) वसंत ऋतु बहार वसंतका आनंदभरा उन्मादक समाँ। [-आववी = लुत्फ मजा आना]
बहार अ० बाहर। [-आववु = प्रकट होना। -एटलु अंदर = बडा घाघ, बाहरसे सरल पर भीतरसे चालाक। -पडवु = खुलना, जाहिर होना (२) (पुस्तक) शाया होना]
बहारवटियो पु० बागी विद्रोही (२) लुटेरा [बगावत
बहारवटु न० डाकाजनी डकती (२)
बहारवासियो पु० बाहरवाला भगा
बहाल वि० बहाल मंजूर कायम
बहाली स्त्री० बहाली स्वीकृति
बहिर्गोळ वि० जिसकी सतह बाहरको उठी हो उन्नतोदर
बहु वि० (२) अ० बहु बहुत खूब। [-करी = कमाल किया। -थयु = अब बस करो रुक जाओ (२) हद हो गई। -सारु = भले अच्छा ठीक]
बहुमती स्त्री० बहुमत कसरतराय (२) एक पक्षसे दूसरे पक्षके मतोंकी अधिकता
बहुरूपी वि० अनेक रूपोंवाला बहुरूप (२) पु० अनेक रूप धरनेवाला बहुरुपिया
बहुवचन न० बहुवचन
बहेक स्त्री० महक खुशबू
बहेकवु अ० क्रि० महकना (२) छकना आवारा होना बहकना

बहेकाववु स० क्रि० बहकाना, वरगलाना
बहेडु न० बहेडा (फल)
बहेडो पु० बहेडा (पेड) (२) कीचड
बहेतर वि० अच्छा ठीक, बेहतर
बहेन स्त्री० बहन, भगिनि (२) कोई भी स्त्री (३) स्त्रीके नामके अन्तमें आदर-सूचक अनुग
बहेनपणां न० ब० व० बहनापा
बहेर स्त्री० बहरापन (२) सुन्न होनेकी स्थिति, जडता
बहेराट पु०, बहेराश स्त्री० बहरापन
बहेरु वि० बहरा (२) ठीक न बजनेवाला (रुपया) (३) झूठा, सुन्न जड, उदा० 'चामडी बहेरी थई गई छे
बहोरवु स० क्रि० बुहारना
बहोळु वि० बडा विस्तारवाला विशाल। [बहोळे हाथे = उदारतासे दरियादिलीसे]
बळ न० बल, जोर। [–आववु, पकडवु = बल मिलना, जोर पकडना बलवान बनना। –भागवु = जोर चला जाना शक्ति नष्ट होना]
बळगम पु० बलग़म
बळजबरी बळजोरी स्त्री० ज़बरदस्ती
बळतण न० जलावन, इंधन
बळतरा स्त्री० जलनकी पीडा जलन दाह (२) जलन, मनस्ताप कुढन
बळतु वि० जलता हुआ (२) न० जलती चीज़ (३) जलन दाह (४) अलाव
बळद (–दियो) पु० बैल (२) गावदी बल [ला]
बळवाखोर वि० बलवाई बागी
बळवु अ० क्रि० बलना जलना (२) जलना जलन होना (३) डाह करना जलना। [बळयु = 'जाने दो, टाल दो' इस मतलबका उद्गार]
बळवो पु० बलवा, ग़दर, विप्लव। [–ऊठवो, जागवो = बगावत होना]
बळापो पु० कुढ़न, संताप। [–काढवो = दिलके फफोले फोडना, दिलका बुखार निकालना]
बळिया (०काका) (०बापजी) पु० ब० व० बडी माता, चेचक (२) उसका देव। [–काढवा, टांकवा = शीतलाका टीका लगाना]
बळियु वि० बली, ज़ोरावर
बळिबेल वि० अदेखी, ईर्ष्यालु
बळी स्त्री० खीसमें से बनाया जाने वाला एक खाद्य, इन्नर
बळेव स्त्री० श्रावणी राखी पूनो सलूनो
बळोतियु न० देखिये बाळोतियु
बळ्युजळ्यु वि० क्रुद्ध जला भुना (२) पीडित संतप्त (३) ईर्ष्यालु, डाही
बंको वि० पु० छला बांका सजीला
बंगडी स्त्री० चूडी। [–पहेरवी = नामर्द बनना चूडियाँ पहनना]
बंग पु० रीति, तरह प्रकार (२) तक मनकी तरंग (३) नमूना, ढंग जाति (४) वि० निर्लज्ज बेशरम
बंगली स्त्री० छोटा बंगला [बंगला
बंगलो पु० एक खास प्रकारका मकान
बंगाळ (–ळा) पु० बंगाल
बंगाळी वि० बंगालका, बंगला (२) स्त्री० बंगाली भाषा बंगला (३) पु० बंगालका रहनेवाला, बंगाली। [–तोल = ८० तोलेके सेरकी एक तौल पक्की तौल]
बंट (–टियो) पु० धानके साथ उगने वाला एक घटिया अनाज

बटी स्त्री० सॉवाकी जातिका अनाज
बड न० दगा फसाद, हुल्लड बल्वा
बडखोर वि० बलवाई बागी
बडी स्त्री० बडी फतुही
बदर न० बदर बदरगाह(२)बदरपर बसा हुआ नगर बन्दरगाह पोर्ट'। [–करवु=जहाजका बन्दरगाह पर लगर डालना]
बदरी वि० बदरगाह सबधी
बदी पु० बदी कैदी(२)स्त्री० मनाही बदी(३)गुलाम स्त्री बाँदी दासी
बदीजन पु० चारण बदी
बदूक स्त्री० बदूक। [–ताकवी=बदूक छतियाना बदूकका निशाना बाँधना। –मारवी=बदूक दागना]
बदो पु० सवक दास (२) खुद (बडाई सूचित करनेमें व्यवहृत)
बदोबस्त पु० बदोबस्त इतजाम व्यवस्था (२) नियत्रण काबू
बध पु० बाधना, बाधनेका साधन बध (२)उसकी पकड या गाठ, बध(३) बधन, बद (४) रचना वस्तुसकलना (५)बाँध बध(६)प्रतिबध रोक
बध वि० जो खुला न हो भिडा हुआ बद(२)रुका हुआ ठप बद
बधक वि० बधनकारी बाँधनेवाला
बधकोश(–ष) पु० कब्ज मलावरोध
बधणी स्त्री० करार ठहराव
बधबेसतु वि० अपनी जगहपर ठीक आने वाला ठीक बठनेवाला (२) माफिक अनुकूल
बधबेसवु अ० क्रि० अपनी जगहपर ठीक आ जाना अँटना(२)इस्तेमाल होना काम आना

बधाण न० (पेट पर बाँधनेकी) औषधकी मोटी टिकिया-लेप(२)बाँधनेकी चीज उसकी गाँठ, बध(३)रोक प्रतिबध (४) व्यसन लत
बधाणी वि० व्यसनी, आदी
बधामण न०, (–णी) स्त्री० बाँधनेकी मजदूरी(२)बाँधनेकी रीति
बधारण न० रचना निर्माण तामीर (२)व्यसन बुरी आदत(३) (पेट पर रखनेकी) औषधकी मोटी टिकिया लेप(४)सविधान, कॉन्स्टीटयूशन
बधारणसभा स्त्री० सविधान सभा
बधारणीय वि० सविधानका साविधानिक
बधारो पु० कपडेका रगनेका हिस्सा अलग अलग बाधकर रग बनानेवाला (२) रगमी कपडे धोकर कुन्दी करनेवाला (३) बाँध बद
बधाववु स० क्रि० 'बाधवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप बँधाना(२)साथ ले जानेके लिए कुछ देना उदा० रस्ता माटे नास्तो बधाव्यो छे
बधियार वि० हवा प्रकाशरहित बद (स्थान) (२) रुका हुआ या बधा हुआ (पानी)
बधी स्त्री० बदी रोक निषेध(२) परहेज(३)हडताल(४)करार ठहराव
बधूक स्त्री० बदूक
बने वि० दोनों उभय
बब वि० बडा कद्दावर
बबाखानु न० आग बुझानेका दमकल रखनेका स्थान
बबावाळो पु० दमकलसे आग बुझानेवाला
बबो पु० पानी निकालनेकी कल बबा (२)आग बुझानेके लिए पानी फेंक

नका दमकल(३)पानी गरम करनेका एक प्रकारका बरतन (४) पानीकी बडी कल, बडा नल

बसरी स्त्री० बसरी, बसी

बसी स्त्री० बसी; बाँसुरी

बा स्त्री० माँ, माता(२)बुजुग स्त्रीके नामके पीछे लगाया जानेवाला शब्द, उदा० 'कस्तूरबा' (३)अ० प्यारका एक उदगार

बाइबल न० बाइबिल, इजील

बाइसिकल स्त्री०बाइसिकिल साइकिल

बाई स्त्री० कोई भी स्त्री, बाई(२) स्त्रीके नामके पीछे लगाया जानेवाला मानसूचक शब्द (३)सास(४)नौकरानी

बाईजी स्त्री० सास

बाईडी स्त्री० कोई भी स्त्री, स्त्री (२)पत्नी। [-करवी = ब्याहना। -राखवी = रखेली रखना]

बाईमाणस न० स्त्री

बाउलु न० खीरी थन

बाकरी स्त्री० हठपूवक झगडना।[-बा-धवी=पूवग्रहके कारण किसीसे वर रखना]

बाकळा पु० ब० व० साबुत उबाला हुआ दलहन। [-आपवा नाखवा=उबाले हुए दलहनकी बलि देना (२)घूस देना]

बाकात वि० देखिये 'बकात'

बाकी वि० बाकी, घटता या कम होता हुआ(२)बचा हुआ अवशिष्ट बाकी (३) शेष बाकी (४) स्त्री० जमा मचका हिमाव करनेके बाद जमा रही हुई रकम शेष 'बेलेन्स (५) न चुकाई हुई रकम बकाया (६) अ० नही तो बाकी

बाकु(-कोर)न० छेद सूराख

बाखडवु अ०क्रि०बखेडा करना, झगडना

बाखडी वि० (मवेशी) जिसे ब्याये ज्यादा समय हो गया हो, बकेन (गाय भैंस)

बाखु न० छेद, सूराख

बागायत स्त्री०बगीचेमें होनेवाली खेती साग-सब्जी (२) वि० कुएके पानीसे होनेवाली (खेती)

बागायती वि० फलफूलके पेड-पौधे लगाने लायक (जमीन), बागाती

बाघड(-डु) वि० देखिये 'बाघु'(२) डरावना [लाहट

बाघाई स्त्री० बुद्धूपना, मूढता, बौख

बाघा न० ब० व० बेकार इधर-उधर देखना(२)-यत्न कोशिश

बाघु वि० बुद्धू बौखल

बाचको पु० मुट्ठी, पजा या उसमें आये उतनी चीज बकोटा (२) बकोटा, पजे या नाखूनोंसे नोचना

बाज पु० एक शिकारी पक्षी बाज

बाज स्त्री० न० पत्तल

बाजठ पु० चार पायावाला चौकोर आसन चौकी (बैठनेकी)

बाजठु न० पत्तल

बाजरियु न० बाजरेकी बाल, सिट्टा

बाजरी स्त्री० बाजरा

बाजरो पु० बडे दानाका बाजरा

बाजी स्त्री० वह तख्ता या कपडा जिस पर बाजी खेली जाय बिसात(२) चौसर या ताशका खेल(३) (ताशका) दाव, बाजी हाथ (४) युक्ति, दावँ पेच प्रपच। [-बगडवी = खेल बिग डना योजना निष्फल होना। -रचवी = बाजी लगाना युक्ति रचना।-रमवी =खेल खेलना चाल चलना। -हाथथी जवी = खेल बिगडना, बाजी हाथसे

जाना। — हारवी = बाज़ी हारना (२) युक्तिका सफल न होना]

बाजीगरी स्त्री० बाजीगरका काम बाजीगरी (२) खेल-तमाशा (३) युक्ति प्रपच, बाजीगरी

बाजु (–जू) स्त्री० छोर, अत (२) दिशा और करवट, पहलू बल (३) पक्ष, तरफदारी। [–ए बसवु = स्त्रीका रजस्वला होना (२) काममें से निकल जाना किनारा करना उदासीन रहना]

बाझवु स० क्रि० लगना सटना लिपटना (२) अ० क्रि० झगडना लडना

बाझबाझ (–झी), बाझाबाझ (–झी) स्त्री० लडाई टटा फसाद झगडा

बाट न० बाट, वजनका सट

बाटकवु अ० क्रि० सट जाना लिपटना (२) झगडना लडना

बाटली स्त्री० शीशी बोतल (२) शराब [ला]। [–पीवी = शराब पीना]

बाटलो पु० बडा बोतल शीशा। [बाटला भरवा = शीशेमें उडेलना (२) रोज़ दवा लाना सदा रोगी बने रहना]

बाडु वि० भेंगा ऐंचाताना। [बाडी आखे जोवु = तिरछी नज़रसे चोरीसे देखना (२) उपेक्षित दृष्टिसे देखना देखा अनदेखा करना]

बाण न० *बाण* तीर (२) अडाकार पत्थर (शिवलिंग) (३) खाडीकी ज़मीन जहाँ ज्वारका पानी आता हो (४) खेतका सीमासूचक पत्थर या कोई निशान ढोला (खेतका) (५) पदचिह्न पाँवका निशान (६) बाणासुर। [–काढव = पाँवके निशान से चोरका पता लगाना]

बाणावळी पु० बाण चलानेमें कुशल *योद्धा होशियार तीरदाज़,* बानत धनुधर [क़वूल्यित

बाणी स्त्री० ठहराई हुई मुद्दत (२) शत

बाणु बाणु वि० बानवे, बानवे, ९२

बातमी स्त्री० समाचार खबर (२) पता टोह [वाला टोहिया सवाददाता

बातमीदार वि० (२) पु० खबर लाने

बातल वि० रद्द निकम्मा बातिल (२) निकाल दिया हुआ बरतरफ

बाथ स्त्री० दोनो हाथ फलाकर पकडना या आलिंगन देना घपची काली (२) टक्कर मुकाबला मठभेड। [–भरवी, भोडवी, लेवी = आलिंगन देना भेंटना (२) बीडा उठाना बडा भारी काम हिम्मतसे अपने जिम्मे लेना (३) मुकाबला करना –से भिडना]

बाथोडियु न० बेकार कोशिश करना

बाद वि० कम रद्द (२) अ० बाद पीछे बादमें

बादबाकी स्त्री० घटानकी रीति बाकी तफरीक व्यवकलन [ग] (२) घटानेसे निकलनेवाली रकम शेष बाकी

बादलु वि० नकली मुलम्मा चढाया हुआ (२) जो टिकाऊ न हो (३) न० बादला (४) ज़रकश साडी

बादी स्त्री० अजीर्ण बदहज़मी (२) पेटमें होनेवाली वायु बादी

बाध पु० बाधा अडचन प्रतिबन्ध (२) विरोध एतराज़ (३) दोष पाप (४) पीडा बाधा। [–आववी = हरज आपत्ति होना बाधा खडी होना]

बाधा स्त्री० मानता मनौती (२) पीडा कष्ट बाधा (३) विघ्न

[—राखवी, लेवी = मनौती मानना, व्रत रखना]
बान वि० जमानतके रूपमें, एवजका (२)न० पेशगी, बयाना (३)जामिन
बानाखत न० पेशगीकी दस्तावेज़, बयानाखत
बानु स्त्री० सवारी
बानु न० बयाना, पेशगी
बानू स्त्री० सवारी
बाप पु० बाप। [—ना कूवामा बूडी मरवु = नुकसानदेह होने पर भी पुरानी कुल मर्यादाको निवाहे रखना, बापके कुएँमें गिरना। —ना बाप बोलाववा = बापरे बाप पुकारना]
बापकमी वि० बापकी कमाई खानेवाला
बापजमारामां, बापजमारे अ० सारी जिंदगीमें कभी, जनमभर
बापजी पु० देखिये 'बापु' न (२)
बापडु वि० बापुरा, गरीब, बेचारा
बापदादा पु० ब० व० बापदादा, पुरखे
बापा पु० (आदरार्थ ब० व०) देखिए बापु'
बापीकु वि० बापका, मौरूसी, पतृक
बापु पु० बाप, बापू (२) बडोंके प्रति आदरसूचक और छोटोंके प्रति प्यार सूचक शब्द, तात
बापूकु वि० देखिये बापीकु'
बापो पु० देखिये 'बाप'
बाफ पु० स्त्री० ऊमस (२)पसीना (३) भाप, बाफ। [—आपवो = भाप देना। —थवो मारवो = ऊमस होना]
बाफणु न० भापमें पकानेकी क्रिया उबालना (२)उबाली हुई चीज़ (३) उबाला हुआ मवेशीका खाना, भूसा (४) आमका शाक (५) [ला] स्वादरहित खाना (६)गडबड, घोटाला
बाफलो पु० उबाले हुए आमका पना
बाफवु स० क्रि० पानीमें उबालकर रांधना (२) (काम आदि) बिगाड डालना, गडबड करना [ला]
बाबत स्त्री० विषय, बाबत, मामला (२) ब्योरा, विवरण (३) माजरा, हक़ीकत (४)अ० —के विषयमें, —के बारेमें, —की बाबत
बाबरां न० ब० व० सिरके बिखरे हुए बाल, झोटे [बाबरी
बाबरी स्त्री० सिरपर बालोंका गुच्छा,
बाबरु वि० झबरा
बाबागाडी स्त्री० छोटे बच्चोंकी गाडी, गडुलना, गडोलना
बाबाशाही बाबाशी वि० हल्का, निकम्मा (२)वि० पु० बडौदा रियासतमें पहले प्रचलित (सिक्का)
बाबे अ० —के बारेमें, —के विषयमें
बाबो पु० रोटी (बालककी भाषामें)(२) छोटा लडका बाबा (३)दूधमुहा लडका
बामण (म) पु० ब्राह्मण
बामणी (म') स्त्री० ब्राह्मणी
बामणी स्त्री० छिपकली जैसा एक छोटा कीडा, ब्राह्मणी बमनी
बामलाई बामली स्त्री० बगलमें होनेवाला फोडा, कँखवारी
बायडी स्त्री० स्त्री, महिला (२)पत्नी
बायलु वि० नामर्द डरपोक, कायर (२)स्त्रीवत्, जनमुरीद
बायु न० बायें हाथसे बजाया जानेवाला तबला बायाँ
बार पु० बंदूक आदिकी आवाज़ धडाका
बार न० द्वार (२)आँगन (३)ड्योढ़ी

बार वि० बारह १२। [-मुं चोथ (करता)आवडवु = कुछ भी आना, अभ्यास होना ।-भैया मे तेर चोका = जातिभेद या छुआछूतकी अति शयता। -वरसे = बहुत लंबे अरसेके बाद। -बागवा = -पर आ पडना। बारे दरवाजा खुल्ला = कहीं भी आनेकी इजाजत होना। बारे ने बारे = सदाकाल। बारे मेह वरसवा = मेहकी आँख न खुलना (२)खुशहाल होना सब प्रकारसे सुखी होना। बारे बाट खुल्ली होवी = देखिये 'बारे दरवाजा खुल्ला]

बारक्स न० माल ले जानेवाला जहाज

बारणु न० दरवाजा द्वार। [बारणां उघाडां रहेवां = किवाड खुले रहना (२) वश जारी रहना। बारणां ठोकवां, तोडी पाडवा = बारबार घर आकर तकाजा करना। बारणे ताळां देवावां = घर बचिराग होना घर उजडना। बारणे बेसवु = धरना देना तकाजा करना]

बारदान न० वह खाली बोरा बँधना या पात्र जिसमें माल भरा जाय, बारदान(२)बारदानका वजन

बारमासी वि० बारह मासका, बारहमासी(२)स्त्री०बारहमासी पौधा

बारमु वि० बारहवाँ बारहाँ(२) न० बारहाँ या उस रोज होनवाला श्राद्ध या भोज, द्वादशाह बारवाँ

बारमो चद्रमा होवो = अनबन होना

बारश(-स) स्त्री० बारहवी तिथि,द्वादशी

बारशीं(-सीं)गु न० बारहसिंगा

बारसाख स्त्री० दरवाजेकी चौखट, चौखटा

बाराक्षरी, बाराखडी स्त्री० बारहखडी

बारी स्त्री० खिडकी (२) छटकनेका उपाय, बहाना [ला]

बारीक वि० बारीक झीना सूक्ष्म(२) पतला महीन बारीक(सूत, कपडा आदि) (३) कदमें छोटा (सुपारी, दाना आदि), सूक्ष्म(४)जरूरतका, अडीका (वक्त) [ला]। [-काम = सूक्ष्म कारीगरीका काम। -नजर = सूक्ष्म दृष्टि। -वखत, समय = जरूरतका वक्त अडी] [सूक्ष्मता

बारीकाई, बारीकी स्त्री० बारीकी

बारु न० बदरगाहमें पठनेका माग(२) दरवाजा रास्ता (३) छटकनेका उपाय बहाना

बारोबार अ० सीधे बिना पूछे या रुके

बाल वि० छोटी उम्रका कमसिन, बाला(२)नादान बाल कमअक्ल (३)पु० लडका(४)न० बालक, बाल

बालगीर पु० उत्साही बहादुर बालक

बालटी(-वी)स्त्री० बालटी [सभाल

बालाग(-वी) स्त्री० देखभाल सार

बालां न० ब० व० हुक्का-बक्का होकर इधर-उधर देखना(२)बहाने

बावची स्त्री० एक वनस्पति बनतुलसी

बावटो पु० एक मोटा अन्न, नाचनी नागली [भाग बाहु बाँह

बावडु न० कध और कोहनीके बीचका

बावन वि० बावन ५२

बावरु(वा') वि० बावला घबडाया हुआ, बौखलाया हुआ

बावलु(वा')न० धन खीरी(२)प्रतिमा

बावळ(-ळियो) पु० बबूल कीकर

बावळी स्त्री० अनेक बबूलवाली जगह या बबूलका छोटा जगल

बावी स्त्री० साधुनी, बाबी [प]
बावीश(–स) वि० बाईस, बाइस २२
बावु न० मकडीका जाला, जाला
बावो पु० साधु, बावा। [बावा आदम =अति वृद्ध पुरुष (२) बावा आदम, आदि मानव। बावा आदमनो वखत =बहुत पुराना समय। बावा के बावो थवु=संन्यासी बनना (२) जंजाल छोडकर निश्चित बनना। –नाच्यो एटले बोदली नाची = देखादेखी करना, भेडचाल चलना]
बासठ वि० बासठ, ६२
बासु(–सु)दी स्त्री० रबडी
बाहुक पु० बाहुक बदर (२) बौना, डरावना कुरूप मनुष्य (३) बाहुक, नलका एक नाम (४) हक्का-बक्का या बौखलाया हुआ आदमी, बावला [ला]
बाहोश वि० चालाक, होशियार
बाहोशी स्त्री० चालाकी, होशियारी
बाळ वि० (२) पु०, न० देखिये 'बाल', बालक
बाळउछेर पु० शिशुपालन शिशुसवर्धन
बाळक पु०, न० बालक
बाळबुद्धि स्त्री० बालबुद्धि, नासमझी, कमअकली, छोकरापन
बाळकी स्त्री० छोटी लडकी बालिका
बाळकेळवणी स्त्री० बालशिक्षा
बाळगोपाळ न० ब० व० बाल-बच्चे बालगोपाल
बाळपण न० बालपन बचपन
बाळपोथी स्त्री० बालकोको पढना सिखानेकी पहली पुस्तक, बालपोथी (२) किसी भी विषयका प्राथमिक ज्ञान देनेवाली पुस्तक, बालपोथी [ला]
बाळबोध वि० जो बालकोको झट समझमें आ जाय, बालबोध, आसान (२) स्त्री० देवनागरी लिपि
बाळमंदिर न० बालकोको तालीम देनेकी शाला, बालमंदिर
बाळवु स० क्रि० जलाना, बालना
बाळुभोळु वि० बालक जैसा नासमझ और भोला, भोलाभाला
बाळोतियु न० पोतडा, गँडतरा (२) बिलकुल गंदा कपडा [ला]
बांक(०डो) (०) पु० (बैठनेकी) बेंच
बांकु (०) वि० छैला, सजीला बाँका (२) विचित्र प्रकृतिका, टेढा (३) साहसी, बाँका (४) नाजुक, गभीर (काम)
बांग स्त्री० बाँग, अजान
बांगड (०) वि० धूर्त, काइयाँ (२) साहसी, बाँका, धृष्ट [तिलेती
बांगरु (०) न० तेलहनका सूखा डठल,
बांगी पु० अर्जी देनेवाला, मुअक्किल
बांघ(–घे)डवु (०) अ० क्रि० गला फाड-कर जोरसे बोलना, डकराना (चौपायो आदिका) (२) भद्दे प्रकारसे गाना, रेंकना
बांट (०) न० स्त्रियोका एक रेशमी वस्त्र (२) बाट वजनका सेट (३) (खेतकी) खूटी, खुत्थी, काँटे आदि (४) पु० एक मीठी वानगी [स० क्रि० बाँटना
बांटवु (०) न० झाड, छोटा पेड (२)
बांडियु (०) वि० देखिये बाडु' (२) न० छोटी आस्तीनका कुरता बडी फतूही
बांडु (०) वि० बिना पूछका (पशु), बौंडा (२) कुरूप भद्दा माडा (कुछ अपूर्णताके कारण) (३) खुला नंगा (तलवार) [बाँध, बंध
बांध (०) पु० पुश्ता, बडी मेंड (२)

बांधकाम (०) न० चुनने-जोडनेका काम, चुनाई, तामीर, चिनाई

बांधछोड (०) स्त्री० निबटारा, चुकता करनेके लिए कुछ छोड देना [ला]

बांधण(०) न० बांधनेका कपडा, बेंधना (२) गांठ, बंधन

बांधणी(०) स्त्री० बांधनेकी रीति, स्थापत्य (२) बांधनेकी मजदूरी (३) इमारत रचना (४) जगह-जगह पर बांधकर कपडेको रंगनेकी रीति, बांधनू (५) इस तरह रंगा हुआ कपडा, बांधनू

बांधवु (०) स० क्रि० बांधना (२) किसी चीज़को समेटकर उस पर बंधन कसना गांठ देना बांधना (गठरी, बिस्तर) (३) कायदा नियम वचन आदिसे बंधनमें डालना, बांधना पाबंद करना उसकी मर्यादामें रखना (४) रचना निर्माण करना, बनाना (मकान पुल, दीवार आदि) (५) लपेटना बांधना (पगडी साफ़ा) (६) सोचना, बांधना (आशा, कल्पना, मसूबा खयाल) (७) नियत करना, ठहराना लगाना, बांधना उदा० एमने त्या महिनानु काम बाध्यु छे, धारा बाधवा (८) जोडना बटोरना बांधना उदा० सौ पोतपोतानां पाप पुण्य बाधशे । [बांधी आबरू = वह आबरू जो खोयी न गई हो । बांधी जवु = बंधनमें कसकर चला जाना (२) बांधकर साथ ले जाना । बांधी मूठी = बनी हुई न बिगडी हुई इज्जत या प्रतिष्ठा । बांधी लेवु = प्रत्युत्तर देते समय घबडा जाय या अपने आप अपने जवाबोंसे बंध जाय ऐसा करना (२) क़रार या प्रस्ताव पर कायम रहे ऐसा करना (३) बसमें करना, वशीकरण करना । बांध्यो पग = एक स्थान पर ज्यादा समय रहना, बसना, पाँव ताडकर बठना]

बांधी दडीनु (०) वि० दोहरे बदनका (२) गठीला और मजबूत

बांधो (०) पु० गठन, अंगलेट (२) बंधन

बांय (बां'०) स्त्री० बांह, आस्तीन (२) हाथ, बांह (३) [ला] मदद । [-झालवी पकडवी = बांह देना सहायता करना]

बांयधरी (बां'०) स्त्री० जमानत

बिचारु वि० बेचारा, दुःखी बापुरा

बिछानु न० बिछानेकी चीज़ बिछावन बिछौना (२) बिस्तर बिछौना

बिछाववु स० क्रि० बिछाना

बिजोरी स्त्री० एक पेड बिजौरा

बिजोरु न० एक फल बिजौरा

बिडावु अ० क्रि० बीडवु का कर्मणि, बंद होना

बिन पु० बेटा (किसका बेटा है यह बताने के लिए प्रयुक्त होता है) उदा० 'महमद बिन कासिम

बिन अ० बिना बगर, छोडकर

बिनअनुभवी वि० अनुभवहीन [भाव

बिनआवडत स्त्री० अज्ञान न आनेका

बिनजरूरियात स्त्री० अनावश्यकता

बिनजरूरी वि० गरजरूरी, अनावश्यक

बिनपाया (-ये) दार वि० बेबुनियाद, मनगढत

बिनवाकेफ वि० नावाकिफ अनभिज्ञ

बिनहरती वि० बिना हानका

बिनसलामत वि० बगर सलामतीका

बिना स्त्री० बयान, हकीक़त, हाल (२) घटना, माजरा वाकया

बियाद(-णु) न० अनेक बीजोका समूह (२)बोआईके बीज
बियु न० बीज, तुख्म बीया
बियो पु० फलका कडा बीज, गुठली
बिरद न० प्रतिज्ञा, टेक(२)नाम, यश, बिरद (३) गद्यपद्यमय राजस्तुति
बिरदावलि(-ली, -ळि, -ळी) स्त्री० विरदावली
बिराजमान वि० विराजमान, बैठा हुआ
बिराजवु अ० क्रि० बैठना, विराजना (२) शोभित होना बिराजना, विराजना [मित्र
बिरादर पु० बिरादर, भाई(२)साथी,
बिरादरी स्त्री० भाईचारा,बिरादरी(२) *जाति बिरादरी [विधेयक बिल*
बिल न० बिल (माल आदिका) (२)
बिलकुल अ० जरा भी (निषेधवाचक वाक्यमें) (२)बिलकुल, निपट, कतई
बिलाडी स्त्री० बिल्ली(२)कुएँमें गिरी चीजें निकालनेका लोहेका काँटा, बिलाई, काँटा (३) जहाजका लंगर।[-आडी ऊतरवी=बिल्लीका रास्ता काटना। -ना पेटमां खीर न टकवी= पेटका पानी न पचना, बात न पचना। बीकण बिलाडी=निपट डरपोक, भीगी बिल्ली]
बिलाडीनो टोप पु० कुकुरमुत्ता, छत्रक
बिलाडु न० बिलाव, बिडाल। [बिलाडो चीतरवां,ताणवां=अस्त-व्यस्त लिखावट लिखना या लकीरें खीचना(२) बिना देखे भाले दस्तखत करना। बिलाडां बोलवां (पेटमां)=(पेटमें) चूहे कूदना या दौडना।-काढवु (कोथळामांथी)=बीचमें बात यकायक पलटना जिससे रगमें भग हो]
बिलाडो पु० नर बिल्ली, बिलाव, बिल्ला
बिलोरी काच पु० एक प्रकारका पासेदार मोटा काँच, बिल्लौर
बिल्लु न० एक ईंटकी चौडाईकी दीवार
बिल्लो पु० पदक, बिल्ला (२) उपाधि, पदवी [ला]
बिवडा(-रा)वबु(विं) स० क्रि० बीवु' क्रियाका प्रेरणायक, डराना
बिसमार वि० भुलाया हुआ, बिसारा हुआ विस्मृत
बिस्तरो, बिस्त्रो पु० बिस्तर, बिछौना
बिस्मिल्ला करवु='बिस्मिल्लाह' कहकर कत्ल करना(२)खाना भक्षण करना
बिहामणु वि० भयानक, डरावना
बिंदी स्त्री० बिंदी, गोल टीका (२) अनुस्वारसूचक बिंदी, नुक्ता बिंदी
बिंदु न० बिंदु, बूंद (२)शून्य, सिफर (३)नाटकका बिंदु(४)पु० सगीतका एक अलंकार
बी न० बीज, तुख्म (२) जड, मूलकारण, बीज।[-रोपवु=बीज बोना, नीवें डालना]
बीक(बीं) स्त्री० डरपोक, कायर।
बीकण (बीं) वि० भय, डर [-बिलाडी=भीगी बिल्ली]
बीचाक वि० देखिये 'बिचाक'
बीज स्त्री० दूज, द्वितीया (२)शुक्ल पक्षकी दूजका चाँद, नया चाँद
बीज न० बीज, तुख्म (२) वीर्यकी बूँद, शुक्र, बीज (३) औलाद [ला] (४)वर्ण, अक्षर (५) बीजमंत्र, गुर (६)समीकरणका बीज, 'रूट' [ग] (७) नाटक या कथावस्तुका मूल बीज
बीजक न० बिल, बीजक(२) कबीरका एक तत्त्वग्रंथ, बीजक

बीजगणित न० बीजगणित
बीजवर पु० दूसरी शादी करनेवाला, दूजवर, दुहेजू
बीजु वि० दूसरा, और (२) अलग प्रकारका, भिन्न, दूसरा (३) अ० फिर, और, दूसरे [बीट चुकंदर
बीट न० गोबर (२) बीट (३) एक कंद
बीड न० घासकी जमीन, चरागाह (२) ढाला हुआ खानका कच्चा लोहा
बीडवु स० क्रि० बंद करना (२) लिफाफेमें रखकर उसे बंद करना
बीडी स्त्री० पानकी गिलौरी, बीडी (२) (तंबाकूकी) बीडी
बीडु न० पानकी गिलौरी बीडा।[–उपाडवु झडपवु = बीडा उठाना। –फेरववु = बीडा डालना रखना] [रखे हो
बीडो पु० बडा लिफाफा जिसमें कागज
बीनवु (बी') अ० क्रि० डरना
बीना स्त्री० देखिये विना
बीबी स्त्री० मुसल्मानकी स्त्री (२) भले घरकी मुसलमान स्त्री
बीबु न० साँचा (२) कोई आकृति छापनेका साँचा, ठप्पा (३) छापनेका सीसेका अक्षर टाइप (४) नमूना प्रतिकृति [ला]
बील न० देखिये बिल [पत्ता बेल्पत्र
बीली स्त्री० एक पेड, बेल (२) उसका
बीलीपत्र न० बलका पत्ता बेलपत्र
बीवुं (बी') अ० क्रि० डरना (२) चौंकना घबराना भडकना [फांकना
बुकाटवु स० क्रि० मुठी भर भर खाना या
बुकानी स्त्री० कपडा सिर पर इस प्रकार बाँधना जो दाढी और गाल पर आवे
बुक्को पु० फका, फाँका
बुजरग वि० बुजुग, वृद्ध (२) अनुभवी
बुझारु न० पानीकी मटकीका ढकना
बुझाववु स० क्रि० बुझाना
बुझावु अ० क्रि० बुझना
बुझुग वि० देखिये 'बुजरग'
बुट्टावार वि० बेल-बूटेदार
बुट्टी स्त्री० (कानकी) लौ, लोलकी (२) उसमें पहननेका गहना
बुट्टी स्त्री० छोटा बेल-बूटा बूटी
बुट्टी स्त्री० जडी बूटी, चमत्कारिक वनौषधि (२) [ला] अकसीर, अचूक उपाय (३) चतुर और प्रवीण आदमी। [–सुंघाडवी = समझाना युक्तिसे अपने मतका कर लेना (२) उकसाना, उभाडना]
बुट्टो पु० गुलकारी या बुनाईमें फूल जैसा आकार, बूटा फूल-पत्ती (२) मनकी तरंग, खयाल [ला]। [–ऊठवो सूझवो = मनमें खयाल उठना]
बुठ्ठ वि० कुंद, भोथरा (धार) (२) [ला] मोटी अक्लका, कुदजेहन, मंदबुद्धि (३) भावहीन, भावरहित
बुडथल वि० बेवकूफ, मूर्ख, बौडम
बुडाड(–व)व स० क्रि० 'बूडवु' क्रियाका प्रेरणार्थक रूप डुबाना
बुड्ढ वि० बुडडा, वृद्ध बूढा [बुतान
बुतान न० बुहतान, कलंक (२) बटन,
बुतानु न० महीन-फटी पगडीका टुकडा (२) [ला] मैली-फटी पगडी, बताना (३) बुहतान कलंक
बुतानो पु० फटी-पुरानी पगडी, बताना
बुतारो पु० बडी झाडू बुहारा
बुद्धि स्त्री० बुद्धि, अक्ल समझ (२) वस्तुको जानने, समझने और विचार करनेकी चित्तकी शक्ति समझ-शक्ति

विवेक, ज्ञान, सयानापन (३) विचार। [–खीलवी = बुद्धिका विकास होना। –चालवी = अक्लका काम करना, समझमें आना। –दोडाववी = अक्ल खर्च करना, अक्ल दौडाना। –नो भंडार, सागर = बहुत समझदार व्यक्ति (२) मूर्ख, अक्लमंदकी दुम। –फरवी, फरी जवी = अक्ल सठियाना]

बुद्धिबल(–ळ) न० बुद्धिबल, समझ शक्ति, बुद्धिशक्ति (२) शतरंजका खेल

बुध वि० सयाना, ज्ञानी, बुध (२) पु० बुध ग्रह (३) बुधवार (४) पंडित, विद्वान

बुमराण स्त्री० कोलाहल, हल्ला-गुल्ला

बुमाट स्त्री०, न०, (–टो) पु० किंवदंती, अफ़वाह (२) पुकार, चीख

बुरखो पु० मुंह ढकनेका जालीदार कपडा नक़ाब (२) बुरक़ा (शरीर ढकनेका)

बुरज पु० बुर्ज, गरगज (क़िले परका) (२) पुश्ता, दीवारकी मजबूतीके लिए बनाया हुआ बांध [पटाना, पटवाना

बुरावबु स० क्रि० 'बूरवु' का प्रेरणार्थक,

बुरावु अ० क्रि० बूरवु क्रियाका कर्मणि रूप, पटना, पाटा जाना

बुलंद वि० भव्य (२) बडी योग्यतावाला, बुलंद मरतबा (३) जोरकी, बुलंद (आवाज़)

बुंद न० बूंद, क़तरा

बुंद पु० बुंददाणा पु० ब० व० वह बीज जिसकी काफ़ी बनती है, क़हवा

बूक (०डो) पु० कौर निवाला

बूकवु स० क्रि० फांकना (२) गटगट खाना

बूको पु० बडा कौर (२) फंका

बूच पु० काग, डाट

बूचियु वि० चिपटी नाकवाला चिपट (२) बग़ैर कानका

बूचु वि० चिपटी नाकवाला, चिपट (२) बग़ैर कानका (३) बिना गहनेका, अलंकाररहित (कान नाक) [ला]

बूझ स्त्री० बूझ, समझ, क़द्र

बूझवु स० क्रि० समझना, क़द्र करना

बूझववु स० क्रि० बुझाना

बूट स्त्री० (कानकी) लौ, लोलकी। [–पकडवी = अपराध या भूल स्वीकार करना] [ननेका गहना बाली

बूटियु न० (कानकी) लोलकी परपह

बूठु वि० देखिये 'बुठ्ठु

बूडकी स्त्री० डुबकी ग़ोता

बूडवु अ० क्रि० डूबना (२) बरबाद होना, दिवाला निकालना, घाटा सहना, डूबना

बूड, बूडियो पु० बडा बंदर

बूढ्ढु वि० बूढा, वृद्ध, बुड्ढा

बूधु न० मोटा डंडा सोटा (२) तला, पेंदा (आंचसे बरतनका होनेवाला काला पेंदा)

बूम स्त्री० चीख, पुकार, हांक (२) अफ़वाह किंवदंती। [–ऊठवी = चीख पुकार या हल्ला-गुल्ला होना (२) अफ़वाह फैलना, गप उडना। –पाडवी, मारवी = बुलाना (२) फ़रियाद करना]

बूमलु न० सुखाई हुई मछली

बूमाबूम स्त्री० चीख-पुकार, शोरगुल

बूरवु स० क्रि० पाटना, भरना

बूराई(–श) स्त्री० दुष्टता बुराई (२) अनबन [बूरा

बूरु न० साफ़ की हुई पीसी हुई चीनी,

बूरु वि० बुरा, खराब

बूहो पु० आडा जडा हुआ लकडीका कुंदा (२) मूर्ख, बुद्धू

बे (बॅ) वि० दो, २। [–आंखनी शरम = किसीकी मौजूदगीका असर। –आंगळ चडे तेवुं = बढकर, सवाया। –घोडे

चडवु=एक साथ बन न सकें ऐसे दो काम शुरू करना।–तरफनी (बाजुनो) **ढोलकी वगाडवी**=दो नावोंपर पर रखना।–दाणा=ज़रा भी (अक्ल न होना।(एक्नु)–न थवु=अपनी बात पर कायम रहना, बात न डालना। –थापनु=छिनालके पेटका (औलाद)। –बोल=छोटी प्रस्तावना, कुछ शब्द या वचन।–मोढां होवां=मुकर जाने वाला [ला]]

बेआनी स्त्री० दुअन्नी

बउ वि० दोना उमय

बेकारी(बें) स्त्री० बेकारी बेराज़गारी

बेकी स्त्री० दोसे भाग की जाय ऐसी सख्या समसख्या जुफ्त(२)दोकी जोडी (३)दो उँगलियोंके इशारेसे जताई जा नेवाली टट्टीकी हाजत।[–करवा जवु जवु=पाखाना जाना।–थवी लागवी =टट्टीकी हाजत होना]

बेगरज(–जाउ–जु) (बें)वि० बेग़रज बेमतलब नि स्वाय [(२)मज़दूर

बेगारी पु० बेगार करनेवाला बेगारी

बेगुना(०ह)(बें) वि० बेगुनाह निर पराध [अस्वस्थ

बेचेन(बें चें) वि० बेचन बेकरार

बेचेनी(ब,चें) स्त्री० बेचनी बेकरारी

बेजीवयाळी बेजीवसोती(बें,सॉं) वि० स्त्री० गभवनी, हामिला दोजीवा

बेट पु० द्वीप, टापू

बटरी स्त्री० टाच (२) बटरी

बेटीजी स्त्री० गोस्वामीजीकी बेटी

बेटीवहेवार पु० बेटी व्यवहार

बेटो पु० बेटा, पुत्र

बेठक(व) स्त्री० बठना (२)बैठनेकी जगह बठक (३)बठनेका कमरा, बठक, चौपाल(४)बहुतसे आदमियो का इकट्ठा होकर बठना बैठक, जमाव, इजलास(५)पेंदा, बठक(६)एक कसरत, बठक, बठकी(७)अधिवेशन, जल्सा, बठक।[–होवी=–के यहाँ रोज बठने जाना]

बेठाखाउ(बें) वि० बिना मेहनत किये खानेवाला मुफ्तखोर,निरुद्यमी आलसी

बेठागरु, बेठाडु (बें) वि० बेकार बठा रहनेवाला अकमण्य, बठा-ठाला

बेठाबेठ(बें)स्त्री० बिना रोज़गारके बठा रहना बेकारी ठाला (२)वह स्थिति जिसमें नफा नुकसान न हो (३)अ० बठा ही रहा हो इस तरह

बेठु (बें) वि० बठा हुआ(२)नीचा, नाटा(क़दमें) (३)शान्तिसे या ठडे कलेजे होनेवाला ठडा शान्त,उदा० बेठु काम,बेठो बळवो ।[**बेठा थवुं**= लेटे हुएका बठना (२)रोगमुक्त होना तदुरुस्त होना(३)दुबारा उन्नति करना, उठना। **बेठी दडीनु**=गठीला और छोटे क़दका।–चडवु=किसी चीज़का आग पर रखनेके बाद अपने आप पक जाना उदा० 'बेठो भात । **बेठेलो पोपडो उखाडवो**=गडे मुर्दे उखाडना। **बेठो बळवो**=शान्त अहिसक बल्वा। **बेठो भात**=बठा भात]

बेठेल(–लु) वि० बठा-ठाला,अकमण्य (२)नीचा नाटा(३)दबा हुआ दबैल (कपडा)(४)पडा रहनेसे बिगडा हुआ

बेठो पगार पु० काम किये बिना मिलनवाला वेतन बठी रोटी

बेडियु न० आम उतारनेका अकुसी जालीदार लग्गा,लग्गा

बेडियु न० दो बैलोका गाडा (२) बत्तीस मनकी नाप (कच्ची)

बेडी स्त्री० बेडी, जजीर (२) बधन जजाल प्रतिबध बेडी [ला] (३) पाँवका रूपका गहना, कडा, बेडा (४) दो उँगलियोंमें पहननेकी जडी हुई अँगूठी

बेडु (बे') न० घडा और हडा

बेडो पु० बेडा, जहाज। [-पार करवो थवो = बेडा पार होना]

बेडोळ (बॅ) वि० बेडौल, भद्दा

बेढब वि० भद्दा, बेडौल (२) बेअदब असभ्य (३) बेढगा अव्यवस्थित, बिना पद्धतिका (४) प्राप्तिरहित

बेढग(-गु) (बॅ) वि० बेढगा कुढगा, बेसिलसिला

बेत (बॅ) पु० युक्ति, तरकीब, योजना चाल (२) इरादा मनसूबा (३) बेत, बेंत। [-रचवो = युक्ति रचना, चाल चलना]

बेतमा (बॅ) वि० बेपरवाह

बेतरफी (बॅ) वि० दोनो ओरका, दुतरफा

बेताळां (बॅ) न० ब० व० बयालीस सालकी उम्रमें आँखमें धुधली आना या उस समय पहनी जानेवाली ऐनक

बेतालीस वि० बयालीस, ४२

बेदरकार (बॅ) वि० बेपरवाह, बेफिक्र

बेदरकारी (बॅ) स्त्री० बेपरवाही बेफिक्री

बेदस्तूर (बॅ) वि० दस्तूर या रिवाजसे उलटा [बेगाना

बेदाणा (बॅ) पु० ब० व० एक औषधि

बेदिल (बॅ) वि० बेदिल नाखुश उदास

बेदिली स्त्री० नाखुशी (२) अनबन

बेदु (बॅ) न० अडा, बजा

बेधडक (बॅ) अ० बेधडक, निर्भय होकर

बेधार (बॅ) वि० दोनो ओर धारवाला, दोधारा (२) गोल गोल, अस्पष्ट, द्विअर्थक

बेधारी तरवार (बॅ) = प्रतिद्वद्वी और इस्तमाल करनेवाले दोनाको नुकसान पहुँचानेवाली चीज

बेध्यान (बॅ) वि० जिसका ध्यान न हो, गाफिल व्यग्र, असावधान

बेनमून (बॅ) वि० अजोड, सर्वोत्तम, बेजोड [द्विपद

बेपगु (-गाळु) (बॅ) वि० दो पैरवाला

बेफाक(-ट) (बॅ) वि० खुला, निलज्ज, बेहद, बेहिसाब (२) अ० खुले आम सरे बाजार (३) बेतहाशा सरपट

बेफाम (बॅ) वि० बेखबर, असावधान, गाफिल (२) जिनका ध्यान न हो

बेफिकर(-रु) (बॅ) वि० बेफिक्र, बेपरवा

बेफिकराई (बॅ) स्त्री० बेफिक्री बेपरवाई

बेबाक (बॅ) वि० बेबाक, चुकता (२) निडर, बेबाक

बेबाकळु (बॅ) वि० व्याकुल, हक्का बक्का घबडाया हुआ

बेबोल (बॅ) पु० ब० व० कुछ कहना निवेदन करना। [-कहेवा = कुछ कहना (२) नसीहत देना, सीख देना]

बेबोलु (बॅ) वि० झूठा, मुकर जानेवाला

बेमत्तु (-ध्यु) (बॅ) वि० दो तरहका, द्विविध (२) मिलावटवाला

बेमरु (बॅ) वि० बेस्वाद

बेमान (बॅ) वि० अचेत, बेसुध बेहोश

बेमालूम (बॅ) वि० बेमालूम, अज्ञात (२) अ० गुप्त रूपसे [माला

बेरखो (बॅ) पु० रुद्राक्षके बडे मनकोकी

बेरजो पु० गधाबिरोजा

बेरत वि० धूत, ठगडा (२) उद्धत, मुनकमिज़ाज (३) बग़ैर मौसिमका (४) स्त्री० असमय, कुसमय
बेरंग(–गी)(बें) वि० जिसका रंग उड गया हो या बिगड गया हो, बदरंग (२) [ला] डांवाडोल मनवाला, अस्थिरचित्त
बॅरोमीटर न० बरोमीटर
बेल स्त्री० जोडी, जोडा जोडेमें से कोई एक, साथी
बेल(बें) पु० बैल
बेलगाडी(बें) स्त्री० बलगाडी
बेलगाम(बें) वि० बेलगाम, निरंकुश
बेलडी स्त्री० दो आदमियोंका जोडा युगल जोडा [तेल
बेलतेल न० लकडी पर लगानेका एक
बेलाशक(बें) अ० बिलाशक बेखटके
बेलिफ पु० अदालतके हुक्मोंकी तामील करनेवाला सिपाही मजकूरी बलीफ
बेली पु० बेली, मुरब्बी, सहायक
बेलु न० पूनीका जोडा (२) जोडा युगल (३) सफेद रेतीला पत्थर
बेवचनी(बें) वि० बोलकर हट जाने वाला मुकरनेवाला
बेवड वि० दोपर्ता दोहरा (२) स्त्री० दोहरी परत। [–वळवु, वळी जवु = दोहरा हो इस तरह झुक जाना]
बेवडावु अ० क्रि० दोहरा या दुगना होना, दोहरना
बेवडियु वि० दो परताका, दोहरा (२) दोहरी गठनका [दोगुना
बेवडुं वि० दोहरा, दोपर्ता (२) दुगना,
बेशुद्ध(बें) वि० अचेत, बेहोश मूर्च्छित
बेशुमार(बें) वि० बेशुमार अगणित
बेसऊठ(बें) स्त्री० बठना-उठना उठ बठ (२) मत्री, मेलजोल, उठना-बैठना [ला] [मजदूरी, जडाई
बेसडामण न०, (–णी) स्त्री० जडनेकी
बेसणी(बें) स्त्री० पेंदी, (किसी चीजकी) बैठक (२) बठक, आसन
बेसणुं (बें) न० पेंदा, बठक (२) बठने का ढग (३) मातमपुरसीके लिये जाना
बेसती(बें) स्त्री० गहरी दोस्ती, दांत काटी रोटी
बेसतु (बें) वि० अपनी जगह पर ठीक बैठता हुआ (२) मत्री, मेल होना (३) नया शुरू होता हुआ, जिसका आरंभ हालमें हुआ हो, नया (वर्ष मास आदि) (४) जो उचित हो ठीक (५) अँटता हुआ, ठीक आनेवाला। [–आववु = अपनी जगह पर ठीक आना बठना अँटना। –थवु = उपयोगमें आ जाना काममें आ जाना, पूरा पडना (२) ठीक नापका होना, अँटना (कपडा, जूता आदि)। –वर्ष = नया साल]
बेसवु (बें) अ० क्रि० आसीन होना बठना (२) नीचे आना, घटना गिरना (भाव दाम), नीचे बठना (तल छट) तहमें जमना बठना (कचरा) (३) अपनी जगह पर ठीक आना छोटा बडा न होना, अँटना, बठना (कोट, टोपी) (४) शुरू होना (वर्ष ऋतु) (५) फल-फूल लगना आना (६) कीमत या दाम लगना (७) दाग़ लगना असर होना (रंग, श्वास आदि का) (८) धँसना बठना, चुभना कट जाना लगना (छुरी या चाकू) (९) स्थापित होना इजलास करना, शुरू होना, जारी होना, खुलना,

(कोरट, दशा, कुर्की आदि) (१०) अथ समझा जाना, सुलझना (हिसाब, वाक्य, प्रश्न) (११) सधना, मँजना, (हाथ) बैठना, उदा० 'चीतरवामा तेनो हाथ बेठो छे' (१२) बेकार रहना, बैठा-ठाला होना, बैठना उदा० 'भाई शु करे छे? बेठा छे' (१३) गला बैठना, आवाज भारी होना (१४) बाट जोहना, अगोरना, उदा० 'बेसीने हु तो थाक्यो' (१५) कस या पैनापन दूर होना, बिगडना (कपडा, धार आदि) (१६) डूबना, उजडना, बैठना, आश्रयहीन होना, उदा० 'घर बेठु—माल विनानु—छोकराछैया विनानु थयु' (१७) (धाक) जमना। [बेसवा ऊठवानी जगा=दीवानखाना, बठक (२) वह मनुष्य जिसके साथ उठना बैठना हो। बेसवानी डाळ=आश्रय-स्थान, आधार। बेसी जवु=बुरी दशा आना (२) धँसना, दबना (भूखसे पेट या गाल) (३) कामकाज वद होना (सस्था), ढहना, गिरना (घर) (४) (दुकान) न जमना (५) दिवाला निकालना (६) निवश होना, तबाह होना (७) दबना, बिगडना, कस कम होना (कपडा, सूत आदि) (८) थक जाना हार जाना बैठना, उदा० मारी तो छाती बेसी गई'। लूणे बेसवु=(पतिकी मृत्युके कारण स्त्रीका) सोग मनाना। घेर बेसवु= बरतरफ होना। बारणे बेसवु=धरना देना]

बेसाडवु (बॅ) स० क्रि० बठाना बिठाना (२) जमाना अपनी जगह पर स्थित करना, बठाना, जडना, उदा० 'नग वीटीमा बेसाडयु' (३) बधनमें डाल देना, बँद करना, उदा० जेलमा बेसाडी दीधो' (४) लगाना, डालना मत्थे मढ़ना (कर) (५) (धाक, रोब) जमाना। [घेर बेसाडवु = बरतरफ करना। ठान बेसाडवु = (स्त्रीको) घरमें डालना, बठाना]

बेसारवु (बॅ) स० क्रि० देखिये 'बेसाडवु'

बेसावु (बॅ) अ० क्रि० बैठा जाना

बेसुमार (बॅ) वि० देखिये 'बेशुमार'

बेसुर (बॅ) वि० खोटे या खराब सुरका, बेसुरा

बेस्वाद (बॅ) वि० बेस्वाद, बेमजा

बेहक (—क्क) (बॅ) वि० बिना हक—अधिकारका (२) अ० नाहक, अकारण

बेहक अ० फिरसे न उठा जाय इस तरह (पशुका बठना)

बेहाल (बॅ) वि० जिसका हाल बुरा हो, बेहाल (२) पु०व०व० दुदशा, बुरे हाल

बेहाली (बॅ) स्त्री० दुदशा, बुरी हालत

बेहूदगी, बेहूदी (बॅ) स्त्री० बेहूदगी, बेहूदापन, अनौचित्य

बेहूदु (बॅ) वि० बेहूदा, भद्दा, असगत

बेळे बेळे (बॅ, बॅ) अ० मुश्किलसे अत्यत कठिनाईसे बलपूवक

बें (०बें) (बॅ०) अ० मैं-में

बेंक स्त्री० बक बक

बरी स्त्री० औरत स्त्री (२) पत्नी, जोरू। [—करवी=पत्नी बनाना या घरमें बैठाना]

बरु न० देखिये 'बरी'

बो (०बोरी) स्त्री० पुलिंदा आदि बाँधने-की एक प्रकारकी डोरी, 'टवाइन'

बो स्त्री० दु गंघ (२) [ला] अभिमान

बोकडी स्त्री० बकरी

बोकडु न० बकरा
बोकडो पु० बकरा बोकरा। [बोकडाने मोते मरवु = बुरी तरहसे तुरत मारा जाना। –बनाववो = (बलिके लिये– मार सहनके लिए किसीका आगे करना (२)मखौल-मजाकका पात्र बनाना]
बोकी स्त्री० चुबन बासा
बोख स्त्री० बडा गड्ढा, बहुत बडी दरार खोखला (२)पानी निकालनेका चमडका डोल [हा पोपला
बोखलु **बोखु** वि० जिसके दात गिर गये
बोगदु न० बडी लबी दरार या छद खावला (२)सुरग, टनेल (रेलकी)
बोघरणु न० चौड मुहकी बटलोई बटुला
बोघलु **बोघु** वि० भाला भाला गावदी मूर्ख
बोचलो पु० बालोंका किनारावाली बालकोंकी टोपी(२)पीठ तक आनवाली लडकियाका टापी (३)जूडा चोटी
बोचियु न० बाँसकी हलकी टोकरी टोकनी छबडा
बोची स्त्री० गरदन। [–पर कांकरो मूकवा = कडा नियमन रखना (२) सतत खूब परिश्रम करना]
बोचु न० गरदन(तुच्छकारमें)
बोज पु० बोझ भार,बोझा(२)प्रतिष्ठा
बोजो पु० बोझ भार वजन(२) जवाबदारी जोखिम बाझ
बोट न० देखिये अबोट (२)स्त्री० नाव डोगी (३)स्टीमर 'बोट
बोटव स० क्रि० जूठा कर देना जुठा रना छूकर अपवित्र करना(२)पहलेसे घेर रोककर कब्जा करना। [बोटी राखवु लेवु(जगा)=पहलेसे घरकर कब्जा जमाना, रोकना छेंकना]
बोटियु न० देखिये अबोटियु'
बोड(**बोंड**,) स्त्री० माद; गुफा (पशुकी)
बोडवु स० क्रि० मूडना (बाल)
बोडियु वि० देखिये 'बोडु'। [बोडिया अक्षर = मात्रा पाई, गिरो रेखाकि बिना लिखे जानेवाले अक्षर]
बोडियो कलार पु० एक वनस्पति
बोडी स्त्री० मुडी, बेवा विधवा
बोडु वि० जिसके सिर पर बाल न हो, गजा, मुडा मुडित(२)खुला साफ सफाचट मुडा(यत सिर अक्षर आदि)। [बोडा अक्षर = देखिये बाडिया अक्षर'। –करवु = खुला–साफ करना (बाल,पत्तियाँ आदिसे) (२)लूटकर अकिंचन बनाना मूडना ठगना]
बोणी(**बो**) स्त्री० बोहनी(२)नये सालके निमित्त दिया जानेवाला नेग (३) उलहना गाली। [–कराववी = सबसे पहले खरीदकर शकुन कराना]
बोत(**बो**) पु० बोदम मूर्ख जड
बोतडु न० ऊटका बच्चा बोता
बोतान(–**नु**) न०(पगडीका) बताना तहपेच (२) बोहतान कलक
बोते(–**त्ते**)**र**(**बो**)वि० बहत्तर ७२
बोथड वि० जड, ठोट(२)सुस्त, मद
बोदलु वि० देखिये बोदु
बोदावु अ० क्रि० पानी पीकर तर होना (२)पानीसे सडकर बिगड जाना
बोदु वि० पानीसे सडा हुआ (२) ठीक नहीं बजनेवाला(३)क्षीण कमजोर लचर बोदा
बोध पु० सीख उपदेश (२) ज्ञान बोध। [–थवो = ज्ञान होना होश आना समझ आना। –लेवो = सबक सीखना, सीख लेना]

बोधपत्र न० विवरणपत्र, 'प्रोस्पेक्टस'
बोधपाठ पु० प्रत्यक्ष पदार्थके द्वारा बोध पदार्थपाठ(२)नमूनेके रूपमें दिया हुआ पाठ, प्रत्यक्ष पाठ(३)नसीहत सीख
बोधवचन न० सिखावनका वचन
बोधवु स०क्रि० शिक्षा देना उपदेश देना
बोबडु वि० तोतला
बायकोट पु० बहिष्कार, बायकाट
बोर न० एक फल, बेर
बोरडी स्त्री० एक पेड बेर बडबेरी। [–खखेरवी, झूडवी=खूब मरम्मत करना (२) मारकर सब कुछ हडप लेना]
[वकुल
बोरसल्ली(–ळी) स्त्री० मौलसिरी,
बोरियु न० घुडी, बटन (२)एक गहना
बोरी स्त्री०बोरी गोनी (२)गाँठ गठरी
बोरो पु० भारी कवल, धुस्सा
बोल पु० बोल, शब्द, वचन (२) (कविताकी) कडी पद्यांग(३)ताना बोली बोल। [–आपवो=कौल देना, वचन देना। –काढवो=जरा भी बोलना हर्फ निकालना। –दे एवु= जरूरतके वक्त काम आनेवाला। –देवो=जवाब देना हुंकारी भरना (२)काममें आना। –बोलवा=बोल कहना(२)गुस्सेके लहजेमें कटु वचन कहना। –मारवो=बोली मारना, कसना ताने देना]
[बातूनी
बोलकणु, बोलकु वि० बोलता वाचाल
बोलचाल स्त्री० बातचीतका संबंध मेल, बोलचाल (२) तकरार टंटा (३) कौल-क़रार
बोलछा स्त्री० बोलनेका ढंग
बोलती स्त्री० जीभ। [–बंध करावबी= चुप कर देना बोलती बंद करना]
बोलपट न० बोलता हुआ चलचित्र; टॉकी
बोलबाला स्त्री० बढती चढती बोल बाला
[क्रिकेट
बोलबॅट न० ब० व० क्रिकेटका खेल
बोलवु स० क्रि० बोलना शब्द आवाज निकालना (२) कहना बात करना (३) झिडकना, डपटना, गुस्सा या नाखुशी बतानेके लिए कहना [ला]। [बोल्तु चालतु=जिंदा बोलता हुआ। –चालवु=बोलचाल होना बातचीत करना। बोली नाखवु=बिना छुपाये या बिना सकोचके कह देना(२)कबूल कर लेना, जताना, जाहिर करना। बोली बतावबु=कह देना जताना]
बोलबोला स्त्री० तकरार हुज्जत
बोलाचाली स्त्री० तकरार झगडा चखचख कहा-सुनी (२) बोलचाल। [–थवी=तकरार होना। –होवी= बोलचाल या मेल होना]
बोली स्त्री० बोली बोलचालकी भाषा (२)ताना बोल(३)कबूल करना। [–करवी=तय करना करार करना]
बोठ पु० एक प्रकारका गान
बोळवु स० क्रि० डुबाना बोरना [प] (२) गँवाना नाश करना [ला]
बोळावाडो पु० भ्रष्टाचार, अशुचिता, छुआछूत
बम्ब(०गोळो) पु० बम, बमगोला
बॉबमारो पु० बमवर्षा, बमबारी
बयान न० बयान, वर्णन
बयाशी(–सी) वि० बयासी, ८२
ब्यूगल न० एक विलायती रणवाद्य, बिगुल

भ

भ पु० प वर्गका—ओष्ठ्य चौथा व्यंजन
भकभक अ० भक भक जोरसे (२) रह रहकर वेगसे निकलनेवाले धुएँका शब्द, भक भक
भक्खाबोलु वि० स्पष्टवक्ता(२)कटुभाषी
भक्त वि० विभक्त, अलग बना हुआ या किया हुआ (२) विभाजित बँटा हुआ (३) अनुयायी भक्त —पर आश्रित (४) भक्ति करनेवाला भजनेवाला (५) पु० उपासक, भक्त [स्त्री
भक्ताणी स्त्री० भगतिन (२) भक्तनी
भक्ति स्त्री० भजना भजन उपास्य देवताका नाम जपना (२) प्रेम श्रद्धा, भक्ति (३) नववीं संज्ञा
भख पु० भक्ष्य आहार (२) अ० भक' आवाजके साथ (३) तुरत [गँवार
भख्खड वि० मोटा, गाढा (२) निडर, (३)
भगत वि० पु० भजन करनेवाला, भगत
भगदाळु न० बडा सूराख [(२) जोरसे
भगभग अ० 'भगभग' आवाजके साथ
भगवु वि० गेरुआ, काषाय
भगाडवु स० क्रि० भगाना (२) ठगकर या बहकाकर ले जाना या असल स्थान छुडाना
भगीरथ पु० राजा भगीरथ (२) वि० दुष्कर बहुत मुश्किल। [–प्रयत्न = महाप्रयास भगीरथ प्रयत्न]
भचकाववु स० क्रि भचसे भीतर घुसाना धसाना (२) टकराना
भचकावुं अ० क्रि० भचक्वु'का भावे रूप (२) भटकना, व्यर्थ घूमना
भचडवु स० क्रि० किसी भारी चीजसे जोरसे दबाना कुचलना (२) दरदराना, दलना [पद या गीत, भजन
भजन न० भजन, नामस्मरण (२) भक्तिका
भजनमंडळी स्त्री० भजनमंडली
भजनिक वि० भजन करनेवाला या गानेवाला भजनी भजनीक
भजनियां न० ब० व० भजन (२) करताल (३) गालियाँ [ला]
भजववु स० क्रि० नाटक खेलना, रूप भरना, अभिनय करना
भजवु स० क्रि० भजन करना, भजना, नामस्मरण करना (२) जपना, जप करना (३) सेवा करना भजना (४) घूस देना उदा० तेने काई भज्यु के शु ? [खाद्य चीज पकौडी
भजियु न० तलकर बनाई हुई एक
भटकण(–णु) वि० भटकनेवाला, आवारागर्द व्यर्थ घूमनेवाला
भटकवु अ० क्रि० भटकना व्यर्थ घूमना
भटकावु अ० क्रि० (दो व्यक्ति या चीजोंका आपसमें) टकराना (२) बीचमें आना बाधक होना आडे आना (३) भटकना व्यर्थ घूमना (४) [ला] अकस्मात् मिल जाना या हत्थे चढना (५) लडाई या कजिया होना भिडना
भटका न० ब० व० व्यर्थ कोशिश (२) चक्कर फेरे। [–मारवा = लालसासे व्यर्थ कोशिश करना (२) भटकना]
भटूरियु भटोळियु न० कुत्तेका बच्चा, पिल्ला

भट्टो पु० गोल बगन, भटा, भटा
भठ अ० धिक (२) झट, फटसे
भठियारखानु न० भठियारखाना (२) रसोईका कामकाज [ला]
भठियारण, भठियारी स्त्री० भठियारेका पेशा करनेवाली स्त्री (२) भठियारेकी स्त्री भठियारन, भठियारिन, भठियारी
भठियारु न० भठियारेका काम, भठियारपन (२) रसोईघर, भठियारखाना [ला] [पकानेवाला, भठियारा
भठियारो पु० भडभूंजा (२) खाना
भठ्ठी स्त्री० भट्ठी, भाड, भरसाइ (२) भट्ठा, पजावा (३) शराब बनानेका स्थान, भट्ठी (४) भट्ठी पर रखा हुआ बरतन या उसमेंकी चीज। [–गाळवी = शराब बनाना]
भठ्ठो पु० बडी भट्ठी, भट्ठा
भड वि० शक्तिशाली, बलवान (२) समृद्धिशाली (३) पु० योद्धा, भट (४) श्रीमत
भड न० कुएसे पानी खींचनेकी सहूलियतके लिए की हुई चुनाई या कुँए पर रखी हुअी चपटी लकडी पाट
भडक स्त्री० भडक, चौंक डर
भडकण (–णु) वि० डरपोक, भडकीला
भडकवु अ० क्रि० चौंकना भडकना यकायक डर जाना
भडकी स्त्री० फीकी राब या काँजी जसी एक खाद्य चीज
भडकु न० उबाली हुअी गाढी चीज या एक बानगी महेरी
भडकु न०, (–को) पु० आगकी धधक (२) ज्वाला शोला लपट। [भडके बळवुं = धधकना, धायँ-धायँ जलना। भडको ऊठवो = बडा दु ख होना, जी जलना, आग लगना (२) बेकार जाना, व्यथ जाना। –थवो = धधकना (२) कलह होना]
भडत न० भरता (बैंगनका), भुरता
भडथियु, भडथु न० भूभलमें पकाया, सिझाया हुआ पदाथ
भडवु न० रेशा पडा हुआ कच्चा आम
भडभड अ० धायँ-धायँ, भड भड आवाजके साथ (२) भक भक, जोरसे
भडभडवु अ० क्रि० बिना सोचे बोलना, बकवास करना (२) धायँ धायँ करके जलना, भडकना अचानक जल उठना, जोरसे जलना (३) खानेकी तीव्र इच्छा होना
भडभडाट पु० धायँ धायँ जलना (२) भड भडकी आवाज, भड भड (३) अ० ऐसी आवाजके साथ, धायँ-धायँ
भडभडियु वि० मनमें जो हो वह कह डालनेवाला, जो कुछ भी गुप्त न रख सके
भडवीर पु० बहादुर योद्धा, युद्धवीर
भडवो पु० अपनी स्त्रीके व्यभिचार पर जीविका चलानेवाला, स्त्र्याजीव (२) भडुआ, भपरदाई (३) स्त्रीवश पति जोरूका गुलाम
भडसाळ स्त्री० चूल्हे या अँगीठीका गरम राखवाला भाग [तुरत धडाकेसे
भडाक अ० धडाकेके साथ धायँसे (२)
भडाको पु० धडाका, जोरकी आवाज (२) बदूकके दगनेकी आवाज, धायँ (३) गपोडा
भडाभड अ० 'भडाभड' आवाजके साथ (२) एकदम, धडाधड
भडाभूट स्त्री० न० धाँधल, ऊधम (२) तितर बितर पडी हुई चीजें

भडु न० घरके आगेके दरवाजेके अगल बगलकी दीवार कौरा (२) आडके लिए की जानेवाली पतली दीवार, परदा। [भडे बेसवु = टूट जाना बन्द होना बिगडना (२) दिवाला निकालना (३) निसंतान होना (४) रोजी या कमाई न चलना]

भडोभड अ० देखिये भडाभड'

भणकार(-रो), भणको पु० किसी चीजकी आवाजकी गूंज या आगाही भनक

भणतर न० शिक्षा पढाई

भणवु स० क्रि० सीखना, पढ़ना (२) कहना कविता रचना, उदा० भणे नरसैयो (३) पढना बांचना। [-गणवु = पढ़ना और उस ज्ञानका उपयोग करना पढ़ना लिखना सीखना, अनुभव प्राप्त करना। भणी गणीन = पढ लिखकर, शिक्षा ग्रहण करके होशियार बनकर। (अगियारा) भणी जवा = मा दो ग्यारह हो जाना (लेकर) चपत होना]

भणाववु स० क्रि० सिखाना पढ़ाना (२) पाठ पढ़ाना या उच्चारण कराना, सिखाना, पढ़ाना। [भणावी मूकवु = पढा देना, सिखाय रखना]

भणी अ० तरफ, ओर

भत्तुं न० मुसाफिरीमें खानेके लिए साथ लिया भोजन, कलेवा, पाथेय, तोशा (२) उसके एवज़में दिये जानेवाले पैसे भत्ता (३) खास कामके लिए वेतनके अतिरिक्त दी जानेवाली बँधी रकम या अलग खर्च भत्ता अधिव्यय

भत्रीजी स्त्री० भाईकी बेटी, पति या पत्नीके भाईकी बेटी, भतीजी

भत्रीजो पु० भाईका या पति या पत्नीके भाईका बेटा भतीजा [जानेवाली

भथवारी स्त्री० खेतमें छाक-कलेवा ले

भथ्थु न० देखिये भत्तुं'

भदवु न० मिट्टीका घडा

भपकादार वि० चमक-दमकवाला, शानदार, ठाट-बाटवाला

भपकाबंध वि० भडकीला भडकदार (२) अ० शानके साथ दबदबेसे

भपको पु० शान सजधज, ठाट-बाट आडंबर (२) धमकी

भभक स्त्री० चमक भडक

भभकवु अ० क्रि० भडकना, भभकना (२) शोभा देना फबना (३) भड कना, गुस्सा होना [ला]

भभकादार वि० देखिये 'भपकादार

भभकाबंध वि० देखिये भपकाबंध

भभको पु० देखिये भपको

भभडवु अ० क्रि० खानेकी इच्छा होना जीभ चलना, खानेको जी करना

भभडाट पु० खानेकी तीव्र इच्छा

भभराववु स० क्रि० भूका या चूर्ण छिडक ना भुरभुराना भुरकाना [बन जाय

भभरु वि० भुरभुरा जो झट टूटकर कणरूप

भभूकवु अ० क्रि० भभकना भडकना। [भभूकी ऊठवु = जल उठना भभकना (२) चमक उठना प्रकाशित होना]

भभूको पु० भभूका शोला (२) प्रकाश

भभूत (-ती) स्त्री० भभूत बभूत, भस्म। [-चोळवी, लगाववी = भभूत रमाना साधु हो जाना]

भमर स्त्री० भौं भौंह, भ्रू

भमर स्त्री० भँवर, जलावर्त (२) अ० गोल-गोल चक्करके रूपमें (३) पु० भौंरा, भ्रमर

भमरडी स्त्री० छोटा लट्टू (२) चक्फेरी, परिक्रमा (३) चकई, फिरकी

भमरडो पु० लट्टू, गुटका (२) [ला] मिफर, शून्य, कुछ नही उदा० 'भमरडो आवडे छे'। [भमरडा जेवु = मूल घनचक्कर (२) अस्थिर]

भमराळु वि० सुदर भौंवाला, सुभ्रू (२) दुर्भागी, अमगल (३) भीषण

भमरी स्त्री० काटनेवाली एक मक्खी, भौंरी, भिड (२) भँवर, जलावत, भौंरी (३) भौंह

भमरो पु० भँवर, जलावत, गिर्दाब (२) चक्राकारमें उगे हुए बाल, भौंरी (३) भौंरा, भ्रमर बडी मधुमक्खी भँवरा। [–भूसाई जवो = किस्मत फूटना (स्त्रीका विधवा बनना)]

भमवु अ० क्रि० गोलाईमें घूमना चक्कर काटना घूमना (२) बेकार घूमना, भटकना (३) गश या चक्कर आना। [भमतु भूत = सारा समय भटकता रहनेवाला उठल्लूका चूल्हा आवारागर्द]

भमाड(–व)वु स० क्रि० 'भमवु' का प्रेरणार्थक, घुमाना (२) भ्रममें डालना भरमाना, ठगना

भम्मर स्त्री० भौं, भौंह। [–चडाववी = भौंह चढाना, तानना]

भयो अ० कृतार्थताका सतोष हुआ हो इस तरह, सतुष्ट। [–थवु = काफी होना, कृतकृत्य, सतुष्ट हो इतना होना]

भर वि० भर, पूर्ण, भरपूर, उदा० '*भरजुवानी भरऊघ*'

भरकुच(–स) स्त्री० फुटकल निकम्मी चीजें बच्चो या मनुष्योंका समूह, भानमतीका कुनबा

भरखवु स० क्रि० भक्षण करना, खाना (२) दाँत धँसाना, दाँतोसे काटना

भरचक वि० बहुत, पुष्कल, खूब (२) खचाखच, ठस

भरडवु स० क्रि० अनाजको मोटा पीसना, दलना, दरदराना (२) अडबड बकना, बडबडाना [ला]

भरडो पु० दला हुआ अन्न, दलिया (२) वह लपेट जिससे कोई चीज चूर-चूर हो जाय (अजगरकी लपेट)

भरण न० भरण, गुजारा, निर्वाह (२) आँखमें खपरिया भरना [बसर

भरणपोषण न० पालन-पोषण गुजर

भरणु न० भरना, वृद्धि (२) चुकाये, दिये हुए पैसे (३) सग्रह। [–करवु, भरवु = सरकारी ट्रेजरीमें रकम रखना, देना]

भरत न० माप नाप मिक़दार, प्रमाण (२) कपडे पर बेलबूटा, फूलपत्ती काढना, निकालना कारचोबी, गुलकारी; कशीदा (३) साँचेमें रस डालकर ढालना, भरत ढलाई (४) मसाला भरकर बनाया हुआ शाक, भरता

भरतकाम न० कारचोबी; कशीदेका काम, कढाव [काम

भरतगूंथण न० कारचोबी और गूथनेका

भरतर(–ल) वि० ढाला हुआ भरतका (धातुकी चीज)

भरतियु न० बिल, बीजक

भरती स्त्री० भरना, बाढ, वृद्धि (२) ज्वार जुआर भाटाका उलटा (३) *बहुतायत आमद, बाढ*। [–आववी = ज्वार आना। –करवी = भर देना (२) (फ़ौजमें) भरती करना]

भरथार पु० भर्तार, पति

भरलींगळ न० भरा जाना और रिक्त होना (२) फोडेका एक रोग
भरपट्टे अ० चाहिये उतना खूब, जी भरकर, भरपेट
भरपाई स्त्री० भरपाई, बेबाकी
भरपूर वि० बहुत पुष्कल (२) पूरी तरह भरा हुआ, भरपूर (३) अ० पूरी तरहसे, भरपूर
भरभर वि० कोरा, जो चुपडा हुआ न हो (२) दानेदार भुरभुरा
भरभांखळु न० प्रभात, तडका, भोर
भरम पु० भरम, भ्रम भ्रांति वहम (२) भेद, मरम रहस्य । [–खोलवो = रहस्य खोलना, छिपी हुई बात प्रकट करना । –बगडवो = बेस्वाद हो जाना (२) मजा किरकिरा होना । –भागवो = भरम खुलना या भरम खोलना]
भरमार स्त्री० भरमार, अधिकता
भरमावु अ० क्रि० ठगा जाना धोखा खाना (२) भ्रममें पडना, वहम करना
भरववु स० क्रि० टांगना, लटकाना (२) जोडना साथमें कर देना (३) कान भरना, उकसाना [ला] →
भरवाड पु० मवेशी पालकर गुजर करने वाली एक जातिका आदमी, अहीर
भरवाडण स्त्री० अहीर स्त्री या अहीरकी स्त्री अहीरिन
भरवु स० क्रि० भरना, खाली चीजमें रखना डालना उडेलना, खाली जगहमें लिखना (२) जमा करना संग्रह करना (अनाज) (३) (नुकसानकी) पूर्ति करना, भरना (४) फलके रूपमें मिलना भर पाना उदा० 'करशो तेवु भरशो' (५) जमा करना, पावना चुकाना, चुकाना, देना (कर बीमा, किराया, टोल, पसे आदि) (६) पदा देना या लिखाना (७) करना, लगाना एकत्रित करना (सभा, प्रदर्शनी, बाजार, भीड, परिषद आदि) (८) गूथना (फूलोंकी चादर), बुनना, खाली जगह भरना (खटपाटी) (९) बेल-बूटे बनाना, काढना (१०) नापना (११) रंग पूरना भरना देहमें पोतना, उदा० 'चित्रमा रंग भर्या डामरथी मो भरी दीधु' (१२) समृद्ध या खुशहाल बनाना उदा० 'बापनु घर भरे छे (१३) लादना, बोझा रखना, उदा० 'भार भरवो सामान भरवो' (१४) पद पर नियुक्ति करना, भरना, उदा० 'जगाओ भरवी' (१५) अलग-अलग शब्दोंके साथ प्रयुक्त होनेसे अलग अलग अर्थ होते हैं। [आंख भरवी = आंखमें आंसू भरना । डगलु भरवु = कदम बढ़ाना, डग भरना । बोरो भरवो = सीना, सांधना । बचकु भरवु = बुड़का भरना दांतोंसे काटना। मों भरवु = घूस देना। भरतामां भरवु = जहाँ अधिक हो वहाँ वृद्धि करना, बढ़ाना। भरी आपवु = नुकसानकी पूर्ति करना, भरना (२) चर्खेमें लिख देना (३) नाप देना। भरी पीवु = मूल्य महत्त्वका न गिनना; न बदना]
भरसाड स्त्री० देखिये 'भडमाळ'
भराव पु० भरा जाना, जमा होना, भराव, जमाव संग्रह (२) पूर्णता परिपूर्णता [भरा, पुष्ट
भरावदार वि० जो भरा हुआ हो, भरा

भराववु स० क्रि० 'भरवु', 'भरववु' क्रियाका प्रेरणार्थक, भरवाना
भरावु अ० क्रि० 'भरवु' का कर्मणि, भरना (२) दबकना, छिपना (३) ज्वराक्रान्त होना, तपना, उदा० 'आजे शरीर भरायु छे' (४) थकानसे देह अकड़ जाना, फूलना, उदा० 'चाली चालीने पग भराई गया' (५) फँसना उलझना, लिपटना (६) व्याप्त होना, भर जाना, पूर्ण होना, भरना, उदा० 'मो फोल्लायी भराई गयु' (७) घावका भर जाना, भरना (८) पुष्ट, मोटा होना भरना, उदा० 'गाल भराता जाय छे' (९) पूर्ण होना, भरा जाना, उदा० 'तेना दिवसो भराई चूक्या छे' (१०) लगना, इकट्ठा होना (मेला भीड़)। [भराई आववु = (ज्वरसे) अंग टूटना (२) (दिल) पसीजना, भर आना (३) आँख भर आना। भराई जवु = फँस जाना (२) दबकना (३) (थकानसे देह) अकड़ना, टूटना (४) पूर्ण होना, भरा जाना (नौकरी चन्दा लोन आदि)। भराई पडवु = फँसना, उलझना। भराई बेसवु = दबकना, छिपना]
भरावो पु० देखिये 'भराव'। [–थवो = (पेटमें मलका) जमाव होना (२) (ताव थकावट आदिसे) देहका अकड़ना]
भरूसादार, भरूसापात्र वि० भरोसेका विश्वसनीय [मीनान भरोसा
भरूसो पु० एतबार, विश्वास, इत
भरोसादार, भरोसापात्र, भरोंसादार, भरोंसापात्र भरोसो, भरोंसो देखिये 'भरूसादार' आदि
भर्युंभादयु वि० भरापूरा आबाद

भलभलु वि० कुछ-कुछ भलाई या बड़प्पन या महत्त्ववाला, बड़ा और प्रतिष्ठित [मनसी, भल्मनसाई
भलमनसाई स्त्री० भलमनसाहत, भल्-
भलाई स्त्री० भलाई, अच्छाई, सुजनता (२) नेकी, भलाई (३) भले आदमीकी हैसियतसे प्रशंसा होना
भलामण स्त्री० सिफ़ारिश
भलामणपत्र पु०, न० सिफ़ारिशनामा, सिफारिशी चिट्ठी
भलामणी स्त्री० देखिये 'भलामण'
भलाश स्त्री० देखिये 'भलाई'। [–लेवी = भला है ऐसा यश प्राप्त करना, लेना]
भलीभूडी स्त्री० खरी या खोटी बात, भली-बुरी
भलीवार पु०, स्त्री० सत्त्व, सार (२) बरकत-फायदा (३) होशियारी, ज्ञान
भलु वि० भला, अच्छा (२) स्नेही (३) सभ्य, सुजन (४) प्रामाणिक, नेक। [–हशे तो = संभवत, प्राय]
भले अ० भले, अच्छा ठीक
भले पधार्या = अच्छा हुआ आप आये, खुश आमदीद
भले भले अ० भले, बहुत अच्छा
भव पु० भव, संसार (२) जन्म, भव (३) ज़िंदगी, जीवन (४) महादेव, भव। [–बगडवो, बळवो = ज़िंदगी बरबाद होना जीवन धूलमें मिलना। –सुधारवो = जीवन सुधारना, जीवनमें कुछ उपयोगी या महत्त्वका काम करना। एक भवमां बे भव करवा = पतिके प्रति बेवफा बनना (२) धर्मान्तरसे या अनीतिसे कुलमर्यादाका लोप करना (३) (स्त्रीका) दूसरी शादी करना]

भवाई स्त्री० हलके प्रकारके नाटकका एक भेद, स्वाग (२) फजीहत, भद्द [ला]
भवाडो पु० भद्द, फजीहत
भवायो पु० भाँड, भाड (२) वह व्यक्ति जो बदनाम करे, भाँड
भविष्य वि० आनेवाले कालका भविष्य, भविष्यत् (२) न० नसीब भाग्य (३) मृत व्यक्तिकी छोडी हुई दौलत वरासत (४) भविष्यकाल, भविष्य। [–खावु = वरासतका–मृत व्यक्तिकी सपत्तिका उपभोग करना। –सपावु = उत्तराधिकारीको दौलत दे देना]
भविष्यकाळ पु० आनेवाला काल भविष्य (२) क्रियाका एक काल भविष्यकाल, भविष्य भविष्यत्काल
भविष्यवाणी स्त्री० भविष्यवाणी
भविष्यवेत्ता पु० भविष्य जाननेवाला ज्योतिषी
भवु न० भौंह, भ्रू भौं। [भवां चडाववां = क्रुद्ध होना भौंह चढाना]
भवयो पु० देखिये 'भवायो'
भवोभव अ० प्रत्येक जन्ममें जनम-जनम
भश(–स)को पु० इच्छा, तीव्र लालसा
भसवु अ० क्रि० भौंकना, भूँकना (२) व्यर्थ बकना भूँकना
भळतु वि० जो हिलमिल जाये मिलनसार (२) कमा भी बिना ठिकानेका (३) बेतुका, असगत
भळभांखळु न० देखिये 'भरभाखळु
भळवु अ० क्रि० मिश्रित होना मिलना (२) मिलता-जुलता होना समान होना मिलना [(२) सौंपना
भळाववु स० क्रि० सिफारिश करना
भग पु० भग, टूटना खडित होना (२) तोडना भग (३) ध्वस नाश (४) विघ्न; बाधा, भग (५) वक्रता टेढ़ापन; कुटिलता, भग। [–पडवो = बाधा खडी होना टूटना बिगड जाना भग होना (आनद, हर्ष आदि)। –पाडवो = बाधा खडी करना रोडे अटकाना (रगमें) भग करना, तोडना]
भगडी स्त्री० देखिये 'भगियण
भगाण न० भग, विघटन खडित होना (२) अनबन विरोध
भगार पु० टूटे-फूटे बरतन या दूसरी रद्दी चीजें अगड-खगड
भगियण स्त्री० भगी जातिकी या भगीकी स्त्री, भगिन, मेहतरानी
भगियो पु० भगी मेहतर
भगी पु० देखिये भगियो
भडक न० भौंहरा, तहखाना, भुँइहरा [प] (२) स्टीमरमें तीसरे दर्जेके मुसाफ़िरोंके बैठनेके स्थानके इर्दगिर्दकी जगह
भडार पु० (असका) भडार कोठार (२) खजाना, कोश (३) जहाजके डेकके नीचेकी जगह (४) दुकान, उदा० खादीभडार'
भडकियु न० छोटा भौंहरा या तहखाना
भडारवु स० क्रि० भडारमें रखना (२) छिपाना, गाडना
भडारियु न० दीवारमें बनी हुई छोटी आलमारी या किवाडदार ताखा, भडरिया (२) गाडेके नीचेके हिस्सेमें पेटी नुमा रचना (३) घरमें पीछेकी छोटी कोठरी भडारी
भडारी पु० भडारी खजानची (२) भडारका अध्यक्ष भडारी, कोठारी (३) एक अल्ल (४) ताडी और शराब बनानेका पेशा करनेवाली जातिका व्यक्ति

भडारो पु० पूरे गाँव या पूरी बिरादरीको दिया जानेवाला भोज (२)साधुओंका भोज, भडारा । [बटोरा हुआ धन
भडोळ न० पूंजी, संचित धन, जोडा,
भमेरणी स्त्री० झूठ-सच (जोडना), झूठा बढावा या उत्तेजन (देना)
भमेरवु स० क्रि० झूठा बढावा देना बहकानेवाली बातोंसे कान भरना पट्टी पढाना, झूठ-सच जोडना
भाई पु० भाई, सहोदर (२) चाचा मामा मौसी आदिका बेटा(३)किसी भी व्यक्तिके लिए विवेकयुक्त सबोधन,भाई
भाईचारो पु० भाईकासा नाता या बरताव, भाईचारा, दोस्ती, बिरादरी
भाईबंध पु० मित्र, दोस्त, यार
भाईबंधी स्त्री० मित्राचारी, दोस्ती
भाईबापा पु० ब० व० मिन्नत-समाजत सूचक शब्द । [–करवा = गिडगिडाना, मिन्नत-समाजत करना (२)नरमीसे या समझा-बुझाकर (किसीसे) काम लेना]
भाईबीज स्त्री० भैयादूज [बच्चे
भाईभांडु न० ब० व० एक ही माँबापके
भाखरी स्त्री० एक प्रकारकी सख्त रोटी
भाखरो पु० मोटी बडी रोटी रोट
भाखवु स० क्रि० बोलना भाखना [प] (२) भविष्य कहना
भाग पु० भाग अंश हिस्सा(२)पुस्तकका हिस्सा, खंड(३)भाग, तकसीम [ग]। [–पडवो = बँटना हिस्सा होना । – राखवो = हिस्सेदार भागी बनाना किसी काम पेशा आदिमें हिस्सा रखना]
भागलु वि० खंडित टूटा हुआ भग्न (२) खोखला दरारवाला (मिट्टीका बरतन)। [भागला पग = पस्तहिम्मत निराशा । भागलां हाडकां = आलसीपन, सुस्ती, काहिली । हाथपगनु भागलु = आलसी, कामचोर]
भागलो पु० बँटवारा, हिस्सा, भाग (२)देवीके नैवेद्यका थाल प्रसाद । [भागला पाडवा = बँटवारा करना, हिस्से करना, –बाँटना]
भागवु अ० क्रि० टूटना टुकडे होना, नष्ट होना, भग्न होना (२)दूर होना (भय)(३)दिवाला निकालना, उदा० पेढी भागी '-(४) पलायन करना, भागना (५) स० क्रि० टुकडे करना, तोडना (६) लूटकर तबाह करना (गाँव), डाका डालना (७) अदा न करना न लौटाना (कर्ज, सूद) (८) भाग करना, भाग देना [ग] (९) बटना, ऐंठना (रस्सी)। [भागी जवु = भाग जाना (२) टूटना, टुकडे होना । भागी रात = भीगी रात, आधी रातके बादकी रात]
भागाकार पु० [ग] भाग करना, भाग देना, भाग तकसीम(२)भागफल लब्धि
भागाभाग(–गी) स्त्री० भागदौड भगदड [दारिन
भागियण स्त्री० हिस्सेदार स्त्री; हिस्से
भागियु वि० भागी हिस्सेदार
भागियो पु० भागी हिस्सेदार, साझी
भागीदार पु० भागी, हिस्सेदार साझी (२)साथी मित्र [पत्तीदारी
भागीदारी स्त्री० हिस्सेदारी साझा
भागेडु पु० भगोडा फरारी
भागोळ स्त्री० शहरके किलेका दरवाजा (२) गाँवका सीमान्त, सिवान (३) बाजार, चौक

भाम्युतूटयु वि० टूटा-फूटा (२) जो लगा तार न चले, कुछ बन्द कुछ रुका हुआ
भाग्ये अ० कदाचित्, शायद
भाजी स्त्री० भाजी, साग
भाजीखाउ वि० साग खानेवाला (२) [ला] बेदम, शक्तिहीन मूंगकी दाल खानेवाला
भाजीपालो पु० सागपात तरकारी
भाजीमूळा पु० ब० व० मूली और उसकी तरकारी (२) गाजर-मूली, नगण्य चीज़ [ला] [(२)[ला] चापलूस, भाट
भाट पु० भाट जातिका आदमी, भाट
भाटाई स्त्री० भाटका काम या पद (२) भाटपन चापलूसी भटई
भाठ स्त्री० (–ठु) न० चमडी छिलनेसे हुआ छोटा ज़ख्म रगड
भाठु न० नदीके किनारेकी बलुई रेतीली भूमि भाठ (२) नदी आदिमें छिछले पानीवाली जगह
भाठु न० (चमडीकी) रगड (२) कपडे पर पडा हुआ चिकटा दाग धब्बा
भाड स्त्री० भाड (२) भडभूंजेका भूननेका बतन
भाडभूजो पु० भडभूंजा
भाडवात पु० देखिये भाडूत'
भाडाखत न०, भाडाचिठ्ठी स्त्री० किरायानामा सरखत
भाडु न० किराया भाडा। [भाडानी वहेल = भाडेका टट्टू]
भाडूत पु० किरायेदार
भाडूती वि० किरायेका, भाडेका (२) पसेकी खातिर काम करनेवाला भाडेका टट्टू
भाणावहेवार पु० एक पंक्तिमें साथ बठकर भोजन करनेका संबंध रोटीव्यवहार
भाणियो पु० देखिये भाणेज' (२) वह चीज़–सौग़ात जो कठिनाई झेलकर भी साथमें लाई जाय [ला]
भाणी स्त्री० भानजी
भाणु न० परोसी हुई थाली। [भाणामा धूळ नाखवी = खाना खराब करना, लगी रोज़ी बिगाडना। –मांडवु = खाना परोसना (२) खाना खाने बठना]
भाणेज पु० भानजा
भाणेजी स्त्री० भानजी
भाणो पु० भानजा
भात(त) स्त्री० बेल-बूटेदार चिह्न, निशान छाप (२) तरह प्रकार भांति। [–पाडवी = किसी वस्तुकी छाप, चिह्न आकृति आदि उतारना छापना (२) अलग व्यक्तित्व होना प्रभाव, सिक्का जमाना (३) उल्हना ताना, निंदा आदिसे अपमानित करना या इज़्ज़त बिगाडना]
भात पु० पकाये हुए चावल भात (२) कलेवा छाक (काम करनेकी जगह पर ले जानेकी) (३) पु० न० धान
भातभातनु वि० भांति भांतिका, तरह तरहका
भातीगर (–ळ), भातीलु वि० रंगबिरंगा, भांति भांतिका तरहदार
भातु न० मुसाफिरीमें साथ लिया जाने वाला भोज्य पदार्थ पाथेय, मवल तोशा
भाथु न० देखिये 'भातु'
भाथु न० (–थो) पु० भाथा तरकश (२) भाथी चमडेकी धौंकनी
भादरवो पु० भादोंका महीना भादों
भान न० चेतना होश (२) स्मरण स्मृति (३) समझ अक्ल बुद्धि (४) खयाल, भास (५) संभाल देखभाल। [–आववु,

थवुं=होशमें आना, चेतनायुक्त होना (२) याद आना, खयाल आना (३) होश आना, समझ आना। –कराववुं= होशमें आवे, समझदार बने ऐसी युक्ति करना]
भानभूलुं वि० जिसका होश ठिकाने न हो, बेसुध, आत्म विस्मृत सुध-बुध खोया हुआ [भावज, भौजाई
भाभी स्त्री० भाईकी पत्नी भाभी,
भाभु स्त्री० बापकी माँ, दादी (२) भाभी (३) ताई, ताऊकी स्त्री [गीरा
भामटो पु० आवारा उचक्का उठाई-
भायडो पु० पुरुष, मद (२) पति। [ऊभे छते भायडे=पतिके जिंदा होते हुए भी (पत्नीका किसीके घर बैठना)]
भायात पु० पितृव्य–चाचाके बेटा बेटी (२) राजाके चचेरे भाई-बहिन
भार पु० भार वजन, बोझ (२) चौबीस मनका एक वजन (कच्चा) (३) बीस तोले या एक तोलेका वजन (४) अमुक तौल जितना वजन भर उदा० 'रतीभार, रूपियाभार (५) बूता सामर्थ्य, हैसियत उदा० तारा ते बोलवाना शा भार? (६) ग्रह, दशा या मतर-जतरका असर (७) राशि, ढेर, जत्था (८) अपच अजीर्ण (९) जिम्मेदारी भार [ला] (१०) प्रतिष्ठा वजन, महत्त्व, वकअत (११) अहसान, आभार। [–आववो = बोझ लगना (२) तकलीफ़ होना, परेशानी होना। –उपाडवो = भार जिम्मेदारी, बोझ उठाना भार उठाना। –खोवो गुमाववो = प्रतिष्ठा गँवाना। –जवो = मानहानि होना प्रतिष्ठा जाना। –ताणवो = भार उठाना। –मां रहेवुं = अपनी प्रतिष्ठा बनी रहे इस तरह बरतना। –मूकवो = बोझ भरना, लादना, बोझ डालना भार देना (२) जिम्मेदारी, भार या बोझा लादना (३) एहसान करना (४) महत्त्व देना, कुछ महत्त्वका समझना गिनना (५) आग्रह रखना। –रहेवो = अजीर्णसे पेट भारी होना (२) मान, इज्जत बचना। –राखवो = मान रखना]
भारखानु न० भार भरनेका वाहन (बलगाडा ऊँट, लारी आदि), भारवाहन (२) मालगाडी
भारजा स्त्री० भार्या पत्नी
भारण न० दबाव वजन (२) भूमलमें दबाना, रखना (३) वशीकरण, जादू
भारबोज पु० वजन, बोझ (२) [ला] जिम्मेदारी भार (३) प्रतिष्ठा वजन
भारवक्कर पु० वजन वक़अत, महत्त्व
भारवट (–टियो) पु० धरन, बँडेर
भारवु स०क्रि० गरम राखमें दबा रखना (अग्नि) (२) मोह लेना जादू करना
भारी वि० भारी (२) स्त्री० घास, लकडी आदिकी गठरी छोटा बोझा
भारे वि० भारी, वजनी (२) मुश्किल, भारी, कठिन (३) कीमती, मूल्यवान (४) भारी, सक़ील, जो पचनेमें मुश्किल हो (खुराक पानी आदि) (५) अ० अति, खूब। [–करी = कमाल किया। –थई = कमाल हुआ। –थवु = आदरकी इच्छा रखना बडा बनना भारी बनना (२) वजनमें बढना (३) मुश्किल होना। –दिले = भिन्न हृदयसे ग़मगीनीके साथ। –पडवु = बोझ-सा लगना सहा न

(२) भारी होना, महँगा पड़ना। -लागवु = (शरीर) सुस्त लगना अँगड़ाई लेना, देहका टूटना]

भारेखम वि० आबरूदार, वजनदार आदमी (२) गभीर (३) बड़प्पनका आडंबर रखनेवाला

भारेवाई स्त्री० सगर्भा, हामिला

भारो पु० घास लकड़ी आदिका बोझ, गट्ठर, गट्ठा [छोटा गट्ठर

भारोटी स्त्री० लकड़ीका छोटा बोझ

भारोभार अ० -के वजन बराबर, किसी चीजके वजनके समान (२) पूर्ण भरपूर

भालु न० (-लो) पु० भाला

भालोडु न० तीर (२) उसका फल, गाँसी

भाव पु० भाव कीमत दर

भाव पु० भाव, अस्तित्व, होना (२) प्रकृति स्वभाव (३) इरादा, आशय, इच्छा, भाव (४) मनोवृत्ति मनोभाव (५) तात्पर्य अभिप्राय मंशा (६) चेष्टा अभिनय भाव भंगी (७) राग, प्रीति, भाव (८) श्रद्धा (९) आय! पूज्य! (नाटकमें संबोधन)। [-आववो ऊपजवो = अच्छे दाम मिलना। -खावो = मिन्नत-समाजत या आजिजीकी अपेक्षा रखना (२) नफा मिले इस तरह बेचना। -छोडवो = मर जाना। -थवो = चाह, अरमान होना (२) (किसीके प्रति) प्रीति होना भावना होना। -नु भूख्यु = भावका भूखा, प्रेम चाहनेवाला। -पडवो = कीमत तय होना (२) भाव नीचे जाना, दाम कम होना। -पूछवो = मूल्य-महत्त्वका गिनना, कद्र करना पूछना (२) कीमत या दाम पूछना। -भजववो = अपने स्वभावके अनुसार बरतना, अपने पर आना। -राखवो = प्रीति रखना। भावे कभावे = इच्छा या अनिच्छासे]

भावदु अ० क्रि० भाना, रुचना

भासवु अ० क्रि० दिखाई देना दीखना, दिखना (२) प्रतीत होना लगना (३) प्रकाशित होना भासना [प]

भाळ स्त्री० पता, खबर खोज, सुराग (२) सँभाल, देखभाल। [-आपवी, देवी = ठिकाना, पता बताना। -काढवी = टोह लगाना]

भाळवण (-णी) स्त्री० सिपुर्दगी सौंपना

भाळववु स० क्रि० देखभालके लिये सौंपना सहेजना (२) सिफारिश करना

भाळवु स० क्रि० देखना अवलोकन करना

भांग (ंग) स्त्री० भंग भाँग (२) उससे बनाया हुआ पेय भाँग भंग

भांगताड, भांगफोड (०) स्त्री० तोड़ना फोड़ना तोड़ फोड़, विघटन

भांगरो (०) पु० एक वनस्पति भँगरा भृंगराज। [-वाटवो = छिपी हुई बातको प्रकट कर देना भंडा फोड़ना]

भांगवु (०) अ० क्रि० टुकड़े होना, भग्न होना, टूटना (२) स० क्रि०-टुकड़े करना, तोड़ना (३) (गाँवको) लूट मारकर तबाह करना, (गाँव पर) डाका डालना। [भाग्याना भेरु = अड़ीके समय मदद करनेवाला। भांगी पडवु = टूट जाना]

भांग्युतूटयु (०) वि० टूटा फूटा

भांगण (-घ) ट (०) स्त्री० तकरार, झगड़ा (२) झंझट झमेला, पचड़ा

भांजग (-घ) डियु (०) वि० उलझनवाला या झंझटी (काम) (२) झमेला करनेवाला झमेलिया

भांजणी(०) स्त्री० बँटवारा, विभाजन (२) भाग, हिस्सा

भांड(०) पु० भांड, मसखरा (२) हँसी-मजाककी नक़लें आदि करनेवाली जातिका व्यक्ति, भांड, भड (३) वि० असभ्य, बेशर्म

भांडवु(०) स० क्रि० गाली देना (२) बदगोई करना भांडना (३) उपालभ, उलाहना देना

भांडु न० भाई-बहन आदि स्वजन, बांधव

भांभरवु(०) अ० क्रि० गायका बोलना [रमाना

भाभरु(–ळु)(०) वि० ज़रा खारा (२) स्वादरहित, बदज़ायका

भिखारचोट वि० भिखारी जैसा, फक़ीराना (२) भुक्खड टुकड़गदा

भिखारण स्त्री० भिखारिन, भिखारिनी

भिखारवेडा देखिये 'भिखारीवेडा

भिखारी वि० (२) पु० भिखमंगा भिखारी

भिखारीवेडा पु० ब० व० भिखारीके जैसा बर्ताव, भिक्षावृत्ति [भीगना

भिजावु अ० क्रि० भीजवु का कर्मणि

भिडावबु स० क्रि० 'भीडवु' क्रियाका प्रेरणार्थक (२) लगाना, कसना, उदा० बटन भिडाव्या नथी (३) दबाना, गले लगाना (४) उलझनमें डालना, घबराना (५) वर कराना, लडाना (६) धमकाना डाँटना

भिडावु अ० क्रि० 'भीडवु' क्रियाका कर्मणि (२) जकडा जाना पकडमें आना संकटमें आ पडना (३) भार या दावके नीचे आना दबना

भिलामु न० (–मो) पु० भिलावाँ

भिल्ल पु० खेलका साथी, पिट्ठू

भिस्ती पु० भिश्ती सक्का

भिगडुं न० छाल या चमडीका कडा छिलका, खुरंड, पपड़ी

भीजववु स० क्रि० भिगोना

भीजवु अ० क्रि० पानीसे तर होना, भीगना, गीला होना

भीड स्त्री० भीड, मजमा (२) कठिनाई तंगी, भीड, संकट (३) पु० लकडीको पकडमें रखनेका बढईका एक औज़ार, शिकंजा । [–टाळवी, भांगवी = मुश्किलके समय मदद करना । –पडवी = भीड, संकट पडना]

भीडवु स० क्रि० बंद करना भिडाना (दरवाज़ा) (२) लगाना कसना (बटन आदि) (३) दबाना, भेंटना (४) अ० क्रि० जूझना लडना

भीतर न० अंदरका हिस्सा भीतर (२) दिल, भीतर (३) अ० अंदर, भीतर

भीनाश स्त्री० तरी, नमी

भीनु वि० तर गीला, भीगा हुआ, आर्द्र (२) श्याम साँवला, उदा० 'भीनवान । [–संकेलवु = किसी बात जाँच घटना या मामलेको आगे बढनेसे रोक देना, बात मारना]

भीरु पु० खेलका साथी पिट्ठू

भीलडी स्त्री० भील जातिकी या भीलकी स्त्री, भीलनी

भींगडु न० देखिये 'भिगडु'

भींजववु स० क्रि० भिगोना

भींजवु अ० क्रि० गीला होना भीगना

भींजाववु स० क्रि० भिगोना

भींजावु अ० क्रि० गीला होना भीगना

भींडी स्त्री० मोइया (२) उसकी छालके निकाले हुए रेशे जिनकी रस्सी बटते हैं

भींडो पु० एक पौधा भिंडी (२) उसका फल भिंडी (३) बाधा रुकावट (४)

गप[ला]।[-घालवो, मारवो, मेलवो =गप हांकना, बेपरकी उडाना (२) पच्चर अडाना बाधा डालना]

भींत स्त्री० भीत दीवार।[-ने कान होवा=दीवारके भी कान होना। -भूलवी=रास्ता बिल्कुल भूलना भटकना, उलटी राह चलना]

भींतपत्र न० विज्ञापनके लिये समाचार आदि दीवार पर लिखना भित्तिपत्र

भींतियु न० छोटी भीत-दीवार

भींस स्त्री० दबाव, चाप शिकजा।[-मां लेवु=दबाना दबावके नीचे लाना]

भींसवु स० क्रि० दबाना कुचलना चांपना, दबावके नीचे लाना (२) गले लगाना [कर्मणि दबना

भींसावु अ० क्रि० भींसवु क्रियाका

भुखाळवु वि० भुक्खड, पेटू

भुट्टो (-ठठो) पु० मक्केकी हरी बाल, भुट्टा (२) गोल बगन भटा भटा

भुलकणु वि० भूलनेका आदी भुलक्कड

भुलभुलामणी स्त्री० भूलभुलया भूल भुलयाँ

भुलवण (-णी) स्त्री० भुलावा भ्रम

भुलामणु वि० भुलक्कड (२) जो भुलावेमें डाले [भुलाना, भुलवाना

भुलाववु स० क्रि० भूलवु का प्रेरणायक

भुलावु अ० क्रि० भूलवु का कर्मणि भूलना याद न रहना

भुलावो पु० भुलावा भ्रम धोखा। [भुलावामां पडवु=भुलावेमें पडना धोखा खाना]

भुसावं अ० क्रि० भूसवु 'का कर्मणि

भुस्को पु० कुदान, छलांग।[-मारवो= कूदना (२) साहस करना, कूद पडना]

भुगळ (-ळी, -ळु) देखिये 'भूगळ' आदि

भुड न० देखिये 'भूड'

भू न० (बालभाषा) पानी।[-पीतु करवु =नवजात शिशुको पानीमें डुबाकर मार डालना। -पीतु थवु=मर जाना (२) अर्थसिद्धि हुए बिना लौट जाना खाली हाथ लौटना। -पीतो करवो= शक्तिहीन करना]

भूकरी स्त्री० चूरा बुरादा

भूकी स्त्री० बुकनी भुरका, चूर्ण

भूकेभूका पु० ब० व० चूर-चूर।[-ऊडी जवा=चूर-चूर होना, नष्ट होना (२) खानेसे साफ हो जाना, उदा० पाच सेर चवाणाना भूकेभूका ऊडी गया']

भूको पु० चूरा बुरादा।[भूका काढी नाखवा=तहस-नहस कर देना (२) चाट-पोछकर खा जाना]

भूख स्त्री० भूख (२) इच्छा, भूख।[-ऊडी जवी=भूख मर जाना। -काढवी= ठूंसकर खाना भरपेट खाना (२) बहुत दिनोकी इच्छा पूरी करना अरमान निकालना। भूखे मरवु=खाना न मिलना (२) निराहार रहना, भूखा मरना] [(२) कगाल

भूखडीबारश (-स) वि० भुक्खड भुक्कड

भूखडु वि० भूखा (२) कगाल, तगदस्त

भूखमरो पु० भूखसे मरना भुखमरी

भूख्यु वि० भूखा (२) [ला] इच्छुक, लालची (३) गरीब, भुक्खड भुक्कड। [-डास बगाळी=बहुत भूखा]

भूख्युपाख्यु वि० भूखा, बिलकुल भूखा

भूगोळ पु० पृथ्वीका गोला भूगोल (२) भूगोलशास्त्र भूगोल

भूत वि० भूत बीता हुआ अतीत (२) बना हुआ घटित, रूप या अवस्था विशेषको प्राप्त, भूत उदा० 'अगभूत

घनीभूत' आदि (३) न० पच महा-भूतामेंसे कोई एक तत्त्व, भूत (४) प्राणी भूत (५) प्रेत, पिशाच, भूत (६) भूतकी तरह पीछे घूमनेवाला, भूत बनकर पीछे लगनेवाला (टोहिया, खुफ़िया) (७) ग़लत खयाल, वहम, आवेश, धुन। [–आववु=भूतका आवेश होना, भूत लगना (२) भूतावेश जसी जिद या धुन लगना, किसी बातका भूत सवार होना। –काढवु=प्रेतबाधा हटाना (३) सवार हुई धुन, जिद या ग़लत खयाल दूर करना। –गयु ने पलित जाग्यु= चूल्हेसे निकलकर भट्ठीमें पडना। –भरावु=वहम धुन आदिका भूत सवार होना। –वळगवु=भूतावेश होना]

भूतपलीत न० भूत, पलीत प्रेत(२) बेडौल आदमी, भोडी शकलवाला

भूतावळ (–ळी) स्त्री० भूतोंका समूह

भूमध्यरेखा (–षा) स्त्री० विषुवरेखा

भूमडल (–ळ) न० भूमडल, धरती

भूमि (–मी) स्त्री० भूमि धरती, पृथ्वी (२) जमीन, भूमि (३) देश, प्रदेश (भारतभूमि)

भूमिका स्त्री० भूमिका जमीन, धरती (२) स्थान भूमि (३) ओहदा पदवी (४) मल उत्पत्तिस्थान (५) नटकी वेशभूषा, अभिनेताका पाट नाटकका पात्र, भूमिका (६) ग्रथादिकी प्रस्तावना, भूमिका

भूमिदाह पु० (शवको) दफन करना

भूरकी स्त्री० मत्रित भस्म (२) जादूमत्र (३) मोहकारक प्रभाव, जादू मोहिनी। [–नाखवी, भभरावधी =भरमाना (२) वशीकरण करना, जादू डालना]

भूराकोळु न० देखिये 'भूरुकोळु'

भूरियु वि० नीला, आसमानी (२) गोरा

भूरुकोळु न० भूरा कुम्हडा, पेठा

भू वि० देखिये 'भूरियु'

भूल स्त्री० भूल, चूक, खता गलती, खामी, अशुद्धि, दोष, गफलत (२) ठगा जाना (३) विस्मृति (४) गलतफहमी। [–आववी=चूक होना। –खावी=भूल, गल्ती करना, चूकना। –पडवी=भूलना, चूक होना। –मां रहेवु=गफ़लतमें रहना]

भूलचूक स्त्री० भूलचूक। [–लेवी देवी= भूलचूक लेनी देनी]

भूलथाप स्त्री० भूल, बेखबरी, गफलत

भूलववु स०क्रि० भुलावा देना, भुलाना

भूलवु अ०क्रि० गल्ती करना याद न रहना, भूलना, भूल जाना। [भूल्या त्यांथी फरी गणवु=की हुई गलती पर दुःख न करके काम फिरसे शुरू करना]

भूलु वि० रास्ता भूला हुआ, भटका हुआ, भूला (२) भूला-भटका (३) विस्मरणशील, भूलना। [–पडवु= भूला पडना रास्ता भूल जाना भटकना]

भूवो पु० पानीसे बना हुआ गहरा गडढा (२) एक कीडा गुबरैला

भूवो पु० झाड-फूँक करनेवाला, ओझा

भूशिर स्त्री० अतरीप, रास

भूसको पु० ऊँचाईसे नीचे कूदना, कुदान

भूसवु स०क्रि० साफ करना, पोछना

भूसु न० चोकर (२) चबेना चना-चबेना। [–भरवु=(मगजमें) निकम्मी

जानकारी भरना। –भरावुं = दिमाग़ आसमान पर होना इतराना गर्वसे ऐंठना (२) वहमका भूत सवार होना]
भूंकवुं अ०क्रि० गधेका बोलना रेंकना
भूंगळ स्त्री० विवाहादिमें बजनेवाला एक लंबा आड़ा बड़ा बेंवड़ा अरगल
भूंगळ स्त्री० एक वाद्य
भूंगळी स्त्री० पोली नली (२) फुंकनी फूंकनी (३) लोहे या धातुका सोल (४) मरीजको जाँचनेका डाक्टरका साधन स्टेथस्कोप [भोंपा (२) चिमनी
भूंगळुं न० नलाकार आकृति भोंपा
भूंजर स्त्री० सूअरनी और उसके बच्चे
भूंड न० सूअर, सूकर। [–नी भूंजर = स्त्रीके बहुत (छोटे छोटे) बच्चे सूअरनीके बच्चे]
भूंडण स्त्री० मादा सूअर सूअरनी
भूंडाई स्त्री० खराबी, बुराई (२) अनबन
भूंडापो पु० बुराई (२) बुराईका काम
भूंडाश स्त्री० देखिये 'भूंडाई'
भूंडुं वि० खराब बुरा, दुष्ट (२) द्वेषी (३) बीभत्स। [–बोलवुं = निंदा बदगोई करना (२) गाली देना]
भूंसवुं स०क्रि० पोंछना धूल दाग़ आदि साफ करना
भूंसावुं अ०क्रि० भूंसवुं का कर्मणि
भेख पु० स्त्री० देखिये वेष भेस पहनावा (२) संन्यासीका भेस, संन्यासीकी दीक्षा। [–उतारवो = संन्यासीका भेस बदल देना फिरसे संसारी बनना। –धरवो = संन्यासी बनना। –लेवो = देखिये 'भेख धरवो' (२) किसी ध्येयके पीछे सर्वस्व त्यागकर लग जाना] [किनारा, करारा
भेखड स्त्री० ढेला (२) कगार ऊँचा
भेखधारी वि० संन्यास ग्रहण करनेवाला
भेखधटो पुं० संन्यास
भेग पु० मिलावट मिश्रण
भेगाभेगुं अ० साथ-साथ [मिलाजुला
भेगुं इकट्ठा एकत्र (२) मिश्र, संयुक्त,
भेचो पु० दक्षिण भेंचा
भेज पु० नमी, तरी। [–आववो, लागवो = सील या हवाकी नमीका पकना लगना]
भेजागेब (गें) वि० सनकी पागल
भेजुं न० भेजा मग़ज़ दिमाग़। [भेजानुं दहीं थवुं = सख्त मेहनतसे दिमाग़का थक जाना, दिमाग़ खाली होना। –मां ऊतरवुं = समझना खयालमें आना। –खवाई जवुं = दिमाग़ चट हो जाना। –खसवुं = पागल होना (२) विचार शक्ति नष्ट होना। –खाई जवुं = मग़ज़ खा लेना, मग़ज़ चाट जाना। –चसकवुं = पागल होना सनकना। –ठेकाणे न होवुं = विवेक मर्यादाका खयाल न रहना, दिमाग़ ठिकाने न होना (२) दिमाग़ सातवें आसमान पर होना]
भेट स्त्री० भेंट मुलाकात, मिलन (२) भेंट नज़र (३) कमरबंद, फेंटा
भेटवुं स०क्रि० आलिंगन देना गले लगाना भेंटना [प] (२) मुलाकात होना मिलना भेंट होना (३) लड़नेके लिए इकट्ठा होना
भेटो पु० भेंट, मिलन (२) आलिंगन
भेद पु० भेद, बिलगाव, अंतर (२) प्रकार भेद, विभाग (३) छिपी हुई बात रहस्य भेद (४) राजनीतिके चार उपायोंमेंसे एक, भेद (५) फूट भेद (६) छेदन, चीरा। भेद। [–आपवो = रहस्य या छिपी

या पेटकी बात बताना। –उघाडो पाडवो, खोलवो = भेद खोलना, प्रकट करना; भंडा फोडना। –जाणवो, पामवो = भेद जानना। –राखवो = जुदाई, भेदभाव रखना, अंतर रखना (२) रहस्य या छिपी हुई बातको प्रकट न होने देना]

भेदी वि० कूट, रहस्यमय

भेदु पु० भेद या रहस्य जाननेवाला, भेदिया (२) जासूस, भेदिया, भेदी (३) फूट डालनेवाला

भेर स्त्री० भेर, भेरी (२) मदद, कुमक

भेर (में) अ० (समासान्तमें) –के साथ, उदा० 'हाशभेर' (२) केवल उसके बल, भर, उदा० 'पोतियाभेर'

भेरववु स० क्रि० टाँगना लटकाना (२) वान भरना भरमाना पट्टी पढाना

भेरवावु अ० क्रि० भेरववु का कर्मणि (२) उलझना फँसना

भेरी स्त्री० भेरी नगाडा, नौबत, भेर

भेरु पु० खेलका साथी, मिठ।

भेलाड पु० बिगाड नुकसान

भेलाडवु स० क्रि० बिगाडना नष्ट करना

भेळ पु० मिलावट मिश्रण (२) बिगाड नुकसान (३) विघटन, भंग (४) स्त्री० एक प्रकारका चबेना

भेळववु स० क्रि० मिश्रित करना मिलाना (२) शरीक करना, शामिल करना, मिलाना

भेळवु स० क्रि० शरीक करना मिला लेना (२) मिश्रित करना, मिलाना (३) देखिए 'भेळववु

भेळसेळ वि० इकट्ठा, मिला हुआ मिश्रित (२) स्त्री० मिलावट मिश्रण

भेळसेळियु वि० मिलावटवाला

भें (भें०) न० (२) अ० रोनेकी आवाज

भेंकडो (भें०) पु० लंबे स्वरमें जोरसे रोना, चिल्लाहट भेंकडा (२) उसकी आवाज

भेंकार (भें०) वि० भयानक

भेंचो (भें०) पु० कुटा हुआ लादा लोथडा (२) कुचली हुई चीज (३) दम कसे। [–ऊडवो, ऊडी जवो, नीकळवो = कुचल जाना, कुचलनेसे लादा बनना (२) अतिशय थक जाना, रगड पडना। –काढवो = कूट डालना, कुचलेकर लादा बनाना (२) बहुत थका डालना, रगड देना]

भेंश (–स) (भें०) स्त्री० भैंस [आवाज

भेंसासुर (भें०) पु० भैंसके जैसी मोटी

भेंसो (भें०) पु० दबाव धक्का

भो पु० भय, डर

भोई पु० कहार महरा [चुभाना

भोकवु स० क्रि० भोकना घँसाना

भोग पु० भोगना भोग (२) भोगकी सामग्री (३) नैवेद्य, भोग (४) [ला] बुरा हाल शामत दुर्दशा (५) बलिदान कुरबानी। [–आपवो = बलि देना, त्याग करना; बलि चढाना। –थई पडवु, थवु = (किसीका) शिकार होना, किसीके रोषादिकी बलि होना, कुरबान होना। –मळवा, लागवा = आ पडना कमबख्तीकी मार पडना (२) आफत आना]

भोगजोगे अ० इत्तफाकसे, संयोगवश, (२) शायद

भोगवटो पु० (भूमि घर आदिका) फल भोगना, भोग भुक्ति, कब्जा

भोगववु स० क्रि० उपभोग करना, भोगना (२) सहना भुगतना

भोगियो पु० भोग करनेवाला, भोगी

भोगी वि० भोग करनेवाला, भोगी (२) पु० भोग करनेवाला, भोगी (३) आशिक, प्रीतम भोगी, विषयासक्त (४) भौरा (५) सांप, भोगी
भोजक पु० उपभोग करनेवाला, भोगी [प] (२) जन मदिरका गवया
भोजलु न० बदर मकट
भोजाई स्त्री० भौजाई, भाभी
भोट वि० (२) पु० बेवकूफ़ बुद्धू मूर्ख
भोटवो पु० मिट्टीकी सुराही, कुजा, कूजा
भोटगडी स्त्री० एक वनस्पति, भटकटया
भोटीलु न० पिल्ला
भोठप, भोठु देखिये भोठप, भाठु
भोड वि० गदराया हुआ
भोदो पु० पेट गढा (तुच्छकारमें)
भोपाळु न० पोल नि सारता (२) ढाग। [—काढवु = पोल खोलना। —नीकळवु = पोल खुलना]
भोमियण स्त्री० जानकार स्त्री
भोमियु वि० जानकार
भोमियो पु० जानकार (२) रास्ता बतानेवाला, गाइड
भोर (भा) पु० घासके पूलोंसे भरा हुआ छकडा (२) गाडेमें लादी जाय उतनी राशि
भोरिंग पु० बडा नाग
भोरिंगडी स्त्री० एक वनस्पति, भटकटया कटकारी
भोल वि० पोला, फला हुआ बहुत मोटा उदा० 'जाडु भोल'
भोळपण न० भोलापन [भरमाना
भोळववु स० क्रि० भ्रममें डालना,
भोळियु वि० सीधा निष्कपट भोला
भोळु वि० भोला सीधा
भोंकवु स० क्रि० देखिये भोकवु
भोंठप (भों०) स्त्री०, भोंठामण (भा०) न० शर्म, झेंप
भोंठु (भों०) वि० शर्मिंदा, झेंपू
भोंय (भा०) स्त्री० जमीन भूमि। [—आववी = नयी चमडी आना घावका भर जाना खुरड आना। —खणवी, खोतरवी = जमीन देखना शर्मसे जमीन कुरेदना, लज्जित होना (२) आलसीपनके लक्षण जताना। —मळवु = मरणासन्न होना (२) बहुत मृत लगना। —नाखवु = मरणासन्न व्यक्तिको खाटसे उतारना। —पर पगे न मूकवो = पाँव धरती पर न रखना, घमडसे चूर रहना। —बराबर करवु, भेगु करवु = भुरकुस निकालना पीटकर भरता बना देना (२) जमीदोज कर देना। —भारे पडवी (नासता) = इस तरह घिर जाना कि भागते न बनना। —मां ऊगवु, होवु = छोटी उम्र होना (छोटी उम्रवाले चालाक या युक्तिबाज मनुष्यके लिए प्रयुक्त होता है)। —मां पेसवु = लज्जित होना जमीनमें गड जाना। —सूववी = मृत्युशय्या पर होना। भोंये उतारवु, नाखवु लेवु = खाटसे उतारना]
भोंयतळियु (भा०) न० मकानका बिल्कुल नीचेका भाग
भोंयरु (भा०) न० भौरा तहखाना भुइहरा [स्त्री० मूगफली
भोंयसिंग (—सीं —सिं —सीं) स (भों०)

म पु० 'प' वर्गका अनुनासिक
मकदूर स्त्री० देखिये 'मगदूर'
मक्बरो पु० कब्रिस्तान(२)मक़बरा
मकरकूदो स्त्री० उछल कूद, ऊधम
मकलावु अ०क्रि० मुसकराना, मुस्कना [प] (२) खूब खुश होना
मकाई स्त्री०, पु० मक्का, मकई
मकाईडो(–डो)डो पु० मक्केकी बाल, भुट्टा ['मकोडी' आदि
मकोडी स्त्री०, (–डो) पु० देखिये
मक्कम वि० पक्का, अटल, दृढ़
मखमल न०, स्त्री० मखमल (कपड़ा)
मख्खीचूस वि० मक्खीचूस, कजूस
मग पु० मूंग। [–नु नाम भरी(न देवुं, पाडवु) =जबान न खोलना, कुछ न बोलना(युक्तिसे या किसी रहस्यसे)। (मों मां) मग ओरवा भरवा= जबान पर ताला लगाना, मौनाव लम्बन करना]
मग पु० माग, मग [प] (२)स्त्री० ओर, तरफ़(३)अ० ओर, दिशामें
मगज पु० बेसनकी एक मिठाई
मगज न० मग्ज, भेजा (२) पु० फलकी गिरी, गूदा, मग्ज़।[–कहपु करतु नथी =दिमाग काम नहीं करता, अक्ल काम नहीं करती है (२) दिमाग चक्कर खाता है(३)पित्त खौलता है, गुस्सा आ जाता है। –खसी जवु = पागल हो जाना। –खाई जवुं खावु = मग्ज़ खा जाना खोपडी चाट जाना। –खसकी जवुं = पागल होना। –ठेकाणे न होवु = अक्ल ठिकाने न होना अक्ल जाती रहना(२)पागल होना। –नु खसेलु, चसकेलु = पागल। –नु फरेलु, फाटेलु = उच्छृंखल, घमंडी, मिजाजी। –पाकी जवु = बकवाससे खोपड़ी खाली हो जाना, दिमाग़ थक जाना। –फरवु, फरी जवु = क्रोध, धूप आदिसे माथे पर बल पड़ना, सिर चकराना, घूमना। –बहेर मारी जवु = अक्ल काम न करना, अक्ल मारी जाना। –भमी जवु = व्यग्रचित्त हो जाना, अक्ल जाती रहना, अक्ल ठिकाने न रहना। –मां आववु, ऊतरवु = खयालमें आना, समझमें आना। –मांथी खसवु = भूलना, निकल जाना, बिसरना। –मां पवन भरावो = दिमाग सातवें आसमान पर होना] [पच्ची
मगजमारी स्त्री० मग़ज़पच्ची, माथा-
मगजी स्त्री० देखिये 'मुगजी'
मगतर न० मच्छर डाँस।[मगतरा जेवु = तुच्छ, नाचीज़]
मगनु वि० कुशादा, चौडा, लंबा-चौडा
मगदल पु० मूंगके लड्डू मगदल
मगदळ न० मुगदर मुद्गर
मगदळियो पु० मुगदर [हिम्मत
मगदूर स्त्री० मक़दूर, शक्ति बल
मगन वि० मगन, राजी, अति प्रसन्न
मगन पु० जगह, अवकाश
मगफळी स्त्री० मूंगफली
मगर पु० मगर, घड़ियाल

मगरमच्छ पु० मगरमच्छ बडा मत्स्य बडी मछली
मगरमस्त वि० हट्टा-कट्टा हृष्टपुष्ट
मगरी स्त्री० मादा मगर
मगरूब वि० मग़रूर अभिमानी
मगरूबी(-री) स्त्री० मग़रूरी घमड
मगा स्त्री० जगह स्थान
मगावनु स०क्रि० मागवु क्रियाका प्रेरणाथक(२)मँगाना [माँगा जाना
मगावु अ० क्रि० 'मागवु का कमणि
मगियो पु० एक प्रकारका पत्थर
मघमघवु अ० क्रि० खुशबू फलाना महमहाना [प], महकना
मघमघाट पु० महक
मचक स्त्री० पीछे हटना डिगना। [-आपवी = हार स्वीकार करना झुकना(२)पीछे हट जाना]
मचकारवु स०क्रि० देखिये मीचकारवु'
मचकारो पु० (पलकें) मिचकाना झपक
मचको पु० अदा, नाज-नखरा लटका
मचकोड पु० ठेला, धक्का(२)तिरस्कार (३) स्त्री० मोच। [-खावी = मोच आना]
मचकोडवु स० क्रि० मरोडना, ऐंठना
मचकोडावु अ० क्रि० मचकोडवु का कमणि हड्डीका अपनी जगहसे हट जाना
मचडवु स० क्रि० ऐंठना मरोडना(२) मसलना [मरोडा जाना
मचडावु अ० क्रि० मचडवु का कमणि
मचवु अ० क्रि० समाना अँटना(२) लीन हो जाना लगा रहना शुरू होकर जारी रहना, लगना(३)फलना मचना हलचल होना, उदा० 'त्यां तोफान मच्यु छे' [मान,गुमान
मच्छर पु० मच्छर मच्छड(२)अभि-
मच्छरदानी स्त्री० मच्छरदानी मसहरी
मच्छी स्त्री० मच्छी मछली
मच्छीबजार न० मच्छीबाजार (२) अतिशय शोरगुलका स्थान [ला]
मछर न० मच्छर डाँस
मछवो पु० नाव मछवा
मजकूर वि० मज़कूर(२)पु० अहवाल, हकीकत, वत्तात
मजबूत वि० मजबूत दृढ जो डिग न सके पक्का(२)सबल वलिष्ठ मज़बूत (३) कसकर बँधा हुआ मजबत (४) ठोस, पोढा
मजमु वि० साझेका सयुक्त
मजमुदार पु० परगनेका माल-कर्मचारी मजमूआदार हिसाबकी जाँच करनेवाला अधिकारी(२)पत्तीदार हिस्सेदार
मजमू मजमूदार देखिये मजमु आदि
मजरे अ० मुजरा हिसाबमें मुजरा या मिनहा किया हुआ बट्टेमें। [-आपवु = हिसाबमें मुजरा कर देना। -लेवु = हिसाबमे काट लेना मिनहा करना]
मजरो पु० मुजरा, अदवस किया हुआ सलाम। [-करवो = झुककर सलाम करना](२)कटौती मुजरा।[-आपवो = मुजरा करना मिनहा करना]
मजल स्त्री० मंज़िल एक दिनका सफर (अतर)(२)पडाव मुकाम मजिल (३)सफर टप्पा, पयटन। [-करवी, कापवी, खेडवी, खेंचवी, मारवी = सफ़र करना]
मजलो प० मकानका दर्जा, मजिल
मजा स्त्री० मज़ा आनन्द लुत्फ। [-उडाववी, करवी, माणवी, मारवी

= मौज मारना, लुत्फ उठाना।
—पड़वी = सुख भोगना, आनद मिलना, मज़ा आना]
मज़ाक स्त्री० मज़ाक, हँसी दिल्लगी
मजागरु न० (किवाडका) कब्ज़ा, कुलाबा
मजानु वि० मज़ेदार, मनोहर, जिसमें आनद आये मज़ेका
मजाल स्त्री० मजाल, सामर्थ्य
मजियारु वि० सयुक्त साझेका (२) न० भागीदारी, पत्तीदारी साझा
मजीठ स्त्री० एक वनस्पति, मजीठ
मजीठियु वि० मजीठके रगका, गहरे सुर्ख रगका मजीठी
मजूर पु० मजदूर मजूर, श्रमजीवी
मजूरण स्त्री० मज़दूरनी, मज़दूरन
मजूर महाजन न०, मजूरसघ पु० मज दूर सघ
मजूरी स्त्री० मज़दूरी श्रम, मेहनत (२) उजरत मेहनताना मज़दूरी मजूरी [मजूषा
मजूस स्त्री० लकडीका बड़ा पिटारा,
मझधार स्त्री० मनधार, मँझधार
मझलु वि० मझला बीचका, मँझला
मझा मझानु देखिये 'मजा' आदि
मटक स्त्री० नखरा, मटक
मटकावबु स० क्रि० (बात करते हुए) आँखें मटकाना, चमकाना
मटकु न० पलकका गिरना झपक
मटको पु० मटक नाज नखरा लटका
मटमटाववु स०क्रि० आँखें मटकाना, चमकाना
मटवु अ०क्रि० मिटना, दूर होना, नष्ट होना (२) रोगमुक्त होना स्वस्थ होना
मटोडी स्त्री० मिट्टी मट्टी [मलवा
मटोडु न० मिट्टी कचरा आदि कूड़ा,
मठ पु० एक दलहन, मोठ
मठ पु० साधुओंका आश्रम, मठ (२) विद्याधाम
मठारवु स० क्रि० मसलना, गूधना (२) मठरनेसे या रदेसे ठीक करना मठारना (३) बनना-ठनना, सजना-सँवरना (४) मारना, पीटना, मरम्मत करना (५) छककर, मज़ा ले-लेकर खाना
मठियु न० मोठके आटेका पापड
मठियो पु० कपासकी एक जात
मठेरवु स० क्रि० देखिये 'मठारवु'
मठो पु० दही मथकर बनाई हुई छाछ, लस्सी, मथित (२) (दहीकी) एक खाद्य चीज़
मडदाल वि० देखिये 'मुडदाल'
मडदु न० मुरदा मुर्दा, शव
मडम स्त्री० यूरोपीय गोरी स्त्री, मेम
मडागांठ स्त्री० खोलने पर भी न खुलने-वाली गाठ [कसकर (लिपटना)]
मडु न० मुरदा । [मडाने पेठे=मज़बूतीसे,
मढवु स०क्रि० मढना (चीज़) [मडैया
मढी, मढूली स्त्री० कुटी मडई, मढ़ी,
मण पु० चालीस सेरका वजन मन (कच्चा) । [—नु पांचशेर करवु=खूब पीटना, पीटकर भरता बना देना]
मणको पु० मनका, गुरिया
मणा स्त्री० कमी त्रुटि खामी
मणियार पु० चूड़ियाँ बनानेवाली एक जातिका आदमी चुडिहारा, मनिहार
मणियु वि० जिसमें एक मन वजन चीज़ समा सके (बरतन टोकरा, बोरा आदि), मनका
मणियो पु० मन वजनका बाट, मन
मणीकु न० (—का) पु० मन वजनका बाट या माप

मत पु० न० मत राय(२)सप्रदाय पथ धममत (३) दुराग्रह हठ (४) वोट मत। [–आपवो = राय देना (२)वोट देना। –बाधवो = मत स्थिर करना राय कायम करना। –लेवो = राय पूछना]

मतदार पु० मताधिकारी मतदाता

मतदारमडळ न० चुनावका हल्का निर्वाचन-क्षेत्र

मतपत्र पु० न० मतपत्र

मतपेटी स्त्री० मतपेटिका वेलट बाक्स'

मतवालु वि० मस्त मतवाला उन्मत्त (२) नशेमें चर मतवाला

मता स्त्री० माल मत्ता दौलत

मति स्त्री० मति बुद्धि। [–बगडवी = मति मारी जाना अक्ल सठियाना। –सूझवी = विचार आना]

मतियु वि० जो अपना मत न छोडे हठी जिद्दी, दुराग्रही

मतीलु वि० हठी जिद्दी

मतु न०गवाह और कबूलत करनेवाले के दस्तखत। [–करवु, मारवु = सही हस्ताक्षर करना]

मथक न० मुख्य स्थान केन्द्रस्थान

मथवु स० क्रि० बिलोना मथना(२) अ० क्रि० मेहनत करना अत्यधिक परिश्रम करना [परिश्रम रगड

मथामण स्त्री० मथना मथन(२)कडा

मथाळु न० शीर्षक हेडिंग'(२)चोटी शिखर किसी वस्तुका सिरा, सबसे ऊपरी हिस्सा

मथोटी स्त्री० मवेशियोंके सीगोंका मूल वाला हिस्सा माथा पेशानी(२)वह घब्बा जो साडीके सिर परके हिस्सेमें पडता है

मथोडु न० वह नाप जो मनुष्यकी ऊँचाई जितनी हो पुरुष(२)उतनी गहराई पुरुष

मददनीश वि० मददगार सहायक

मदनियु न० हाथीका बच्चा मकुना

मदरेसा स्त्री० मदरसा शाला

मदार पु० स्त्री० मदार आधार, भरोसा

मदारी पु० भालू बदर साँप आदि सधाकर नचानवाला मदारी

मध न० शहद मधु (२) शहद जसी मिठास उदा० मधवाळी जीभ'

मध अ० मध्यमें बीचमें

मधपूडो पु० शहदका छत्ता मोहार करड [शहदकी मक्खी

मधमाख (–खी) स्त्री० मधुमक्खी

मधरात स्त्री० आधीरात मध्यरात्रि

मधुरु वि० मधुर मीठा

मध्यम वि० मध्यम बीचका मझला (२) मझोला न बडा न छोटा

मध्यमसर अ० मध्यम रीतिसे, मर्यादित मात्रामें [भूमध्यरेखा

मध्यरेखा(–या) स्त्री० विषुवरेखा

मध्यवर्ती, मध्यस्थ वि० मध्यवर्ती बीचमें स्थित मध्यस्थ (२) तटस्थ उदासीन मध्यस्थ (३) मध्यस्थ बिचवई [स्थता बिचवई

मध्यस्थी स्त्री० मध्यस्थ होना मध्य

मध्यान(–ह्न) पु० मध्याह्न दोपहर

मध्ये अ० मध्यमें बीचमें(२)भीतर अदर

मन न० मन चित्त(२)दिल, अत करण (३)इच्छा जी मन। [–उपरथी काढी नाखवु = मनसे दूर करना भुला देना। –उपर लेवु = ध्यान देना खयाल करना। –ऊठवु ऊतरवु, ओसरवु = दिलसे उतरना मनसे उतरना मनमें अनादर हो जाना।

–कह्यु करतु नथी=मन नही मानता, मन सतुष्ट नही होता है। काचु, ढचुपचु मन=डाँवाडोल, अस्थिर मन। –घालवु=मन लगाना, मन देना जी लगाना। –चक-डोळे चडवु=मन विचलित, डाँवाडोल होना, मनका अनिश्चयकी दशामे होना। –चोरवु=मनकी बात न कहना (२) ध्यान न देना (३) अन्यका मन हरना, मन मोह लेना। –चोटवु=मन लगाना, जी लगना (२) भाना, रुचना। –थवु=जी करना, मन होना इच्छा होना। –थी ऊतरी जवु=मनसे उतरना, मनमें तिरस्कार हो जाना। –नु मनमा रही जवु=इच्छा पूर्ण न होना, मनकी मनमें रहना। –नु मेलु=मनका मैला, खोटा। –नो मेल=अतरकी गुप्त बात (२) कपट, बुराई। –परोववु=जी लगाना, दत्तचित्त होना, मन लगाना। –बेसवु=रुचना, जी लगना, मन भाना। –मारवु=इच्छाओको दबाना मन मारना। –मां ऊगवु=खयाल उठना, मनमें आना। –मा ऊतरवु=समझमें आना। –मां गाठ वाळवी=गाँठ बाँधना, याद रखना (२) निश्चय करना, गाँठना। –मा घोळावु=बार-बार मनमें उठना। –मां फूलवु फुलावु=हरखना मन ही मन फूलकर कुप्पा हो जाना इतराना। –मूकीने, मेलीने=सहे दिलसे जी खोलकर, मन मला किये बिना। मोटा मननु=उदार दरियादिल। –वतवु=मनमें क्या है यह जानना परखना। –वळवु=सतोप होना, मन मानना। –वाळवु=मन मना लेना, मन शान्त करना]

मनखादेह पु०, स्त्री० मनुष्यकी देह

मनखो पु० मनुष्योचित जीवन। [–वगा ड्वो=जीवन व्यय गँवाना]

मनगमतु वि० मनभाया, प्रिय मन पसन्द [मनचाहा

मनपसद वि० मनपसन्द, दिलपसद,

मनफेर वि० जिसमें थोडासा फर्क हो (२) पु० उचे, थके हुए मनको दूसरी ओर लगाना, मनबहलाव

मनभावतु वि० मनभाता, दिलपसद

मनमानतु मनमान्यु वि० मनमाना, जितना जी चाहे, यथेच्छ

मनमोजी वि०मनमौजी स्वच्छद, मौजी

मनवर स्त्री० अतिथि-सत्कार, पाहुनी, पहुनाई

मनववु स० क्रि० मनाना

मनवार स्त्री० जगी जहाज़, युद्ध-पोत

मनसूबो पु० मनसूबा इरादा, विचार

मनस्वी वि० मनमौजी, स्वच्छन्द (२) अच्छे ऊँचे मनवाला मनस्वी (३) स्थिर-चित्त, मनस्वी (४) मानी स्वाभिमानी

मना (०ई) स्त्री० मना, मनाही निषेध

मनाई हुकम पु० मनाही करनेवाला या जनानेवाला हुक्म निषेधाज्ञा

मनाम(–व)णु न० मनुहार मनावन

मनाववु स० क्रि० मनाना

मनावु अ० क्रि० 'मानवु' का कर्मणि, माना जाना, राजी होना

मनियार पु० देखिये मणियार

मनीआडर पु० मनीआडर

मनुहार पु० मनुहार मनावन

मनोहर वि० मनोहर सुदर (२) न० सिरका पहनावा, आभूषणरूप

शिरोवेष्टन, उदा० माथा वरता मनोहर मोटु'
मपावबु स० क्रि० मापवु का प्ररणार्थक
मपावु अ० क्रि० 'मापवु' का कर्मणि
मफत अ० मुफ्तमें बिनदामा मुफ्त
मफतनु, मफतियु वि० मुफ्तका सेंतका व्यथका (२) मुफ्तखोर
मफलर न० गुलूबन्द, 'मफलर
मबलक (–ग) वि० अतिशय पुष्कल
मम पु० ब० व० चबेना
ममम पु० खाना खुराक, उदा० मममनी पडी छे, टपटपनी नही'
ममत पु० न० हठ दुराग्रह (२) होड चढा-ऊपरी। [–मूकवी = हठ छोडना। ममते चडवु = हठ करना जिद पर आना]
ममता स्त्री० ममता, अपनापन अह भाव (२) स्नेह ममता
ममताळु वि० ममतायुक्त स्नेही
ममती (०लु) वि० हठी आग्रही
ममरी स्त्री० मुरमुरे जसे छोटे दाने
ममरो पु० मुरमुरा (२) बत्तीका जला हुआ हिस्सा गुल (३) उकसाना टुपकना। [–मूकवो = झगडा लगा देनेवाली बात धीरेसे कहना, टुपकना]
ममळावबु स० क्रि० किसी चीज़को गलानेके लिए मुहमें रखकर चूसना, चुभलाना टुघलाना
ममी स्त्री० न० रक्षित शव मोमिया
मरक मरक अ० मुसकाते हुए
मरकवु अ० क्रि० देखिये मलकवु'
मरकी स्त्री० महामारी मरी, वबा (हैजा प्लेग आदि)
मरघी स्त्री० मुरगी मुर्गी
मरघु न० मुरगा
मरघो पु० मुरगा, मुर्ग, कुक्कुट कुक्कड
मरची स्त्री० लाल मिचका पौधा (२) कानका एक गहना, मुरकी (३) एक आतिशबाज़ी
मरचु न० लाल मिच मिच, मिरचा (२) मिच जसा छोटा मगर तीखा मनुष्य [ला] । [–मीठु भभरावबु = नमक मिच मिलाना। मरचां ऊठवां, लागवां = बुरा लगना, मिचें लगना]
मरजाद स्त्री० अदब तमीज (२) पुष्टि मागकी आचारप्रणाली
मरजादी वि० पुष्टिमार्गके विशिष्ट आचारके अनुसार चलनवाला (२) स्त्री० पुष्टिमागकी आचारप्रणाली
मरजियात वि० अपनी मरजी पर अव लबित, ऐच्छिक इख्तियारी
मरजी स्त्री० मरजी मर्जी, इच्छा खुशी। [–राखवी, साचववी = मरजीके अनुसार बरतना]
मरजीवो पु० समुद्रमेंसे मोती निकालने वाला, पनडुब्बा मरजिया (२) मौतकी परवाह नही करनेवाला जान पर खेलनेवाला मरजिया [ला]
मरड पु० स्त्री० ककड (चना बना नेका) (२) सडक बनानेमें काम आने वाला रोडा कक्ड गिट्टी
मरड पु०, स्त्री० देखिये मरडाट'
मरडवु स० क्रि० मोडना टढा करना (२) ऐंठना मरोडना
मरडाट पु०, स्त्री० मुडना टेढाई, ऐंठन (२) टढापन वक्रता रीस (३) गव घमड (४) नाज़ लटका
मरडावु अ० क्रि० मरडवु क्रियाका कर्मणि मुडना (२) चिढना, क्रोध

करना, रीस करना (३) नखरे करना, मटकना [मराडफली

मरडाँग(-गों,-गिं,-गीं,)ग स्त्री०

मरडियो पु० एक प्रकारका रोडा जिसे जलाकर चना बनाते हैं, ककड, कच्चा चूना

मरडो पु० मरोडा, पेचिश, आमातिसार

मरण न० मरण, मौत मृत्यु (२) नाश, तबाही। [—मगडवु = मरणो मुख व्यक्तिको सुख न मिलना दु खी होकर मरना (२) उत्तरक्रिया ढगसे न होना]

मरणतोल वि० मर जाय ऐसा या उतना (मार)

मरणपथारी स्त्री० मृत्युशय्या [जिया

मरणियु वि० जानपर खेलनेवाला मर

मरणु न० मरण, मरन, मौत

मरतबो पु० मरतबा, दरजा, रुतबा

मरद पु० मरद, पुरुष, मर्द (२) वीर पुरुष, मर्द (३) वि० बहादुर वीर, मर्द

मरदाई, मरदानगी स्त्री० मर्दानगी, पुरुषत्व (२) बहादुरी, मर्दानगी

मरदाना (—नो) वि० मरदाना, मर्दाना पुरुष-सबधी, मर्दोंका (२) पुरुषोचित, मर्दाना

मरवु अ० क्रि० मरना, नष्ट होना, मरण होना (२) तबाह होना घाटा सहना डूबना वसूल न होना, मरना (रुपया पावना) (३) (धातु आदिको) भस्म कुश्ता हो जाना, मरना (४) भीतर जाना, सोखना पच ना किसी चीजमें मिल जाना, मरना (५) टलना, दूर हटना (तुच्छकारमें) (६) पिटना, मारा जाना मरना उदा० 'सोगटी मरी गई,'। [मरतां जीवतां = (भविष्यमें) किसी भी दिन। मरवा ? = क्यो, अकारण, खाली, उदा० 'त्यां मरवा गया हता ?'। मरी जवु = मरना, दब जाना, नष्ट हो जाना (भूख, प्यास, पाखानेकी हाजत आदि) (२) मुरझाना, सूखना (३) पिटना, मारा जाना (गोट, मोहरा)। मरी पडवु = जान तोडकर कोशिश करना, मर मिटना, मर पचना (२) बलि, निछावर जाना, मोहित होना, मरना (किसी पर)। मरी परवारवु = (मवा) मर जाना, तबाह हो जाना, मर मिटना। मरी फीटवु = देखिये 'मरी पडवु'। मरी मथीने = मर पिटकर, मरते-जीते, ज्यों-त्यों करके]

मरवो पु० अँबिया, टिकोरा, अबी

मरसियो पु० मरसिया, स्यापा (कहना)

मरहूम वि० मरहूम, स्वर्गस्थ

मरामत स्त्री० मरम्मत, दुरुस्ती

मरियु न० गोल मिर्च, मिर्च (२) मिर्चसा तीखा-क्रोधी मनुष्य [ला]

मरी न० काली या सफेद गोल मिर्च, मिर्च

मरीमसालो पु० गरम मसाला (२) [ला] अतिशयोक्ति, नमक मिर्च

मरेठण स्त्री० मराठा स्त्री [स्त्री

मरेठी स्त्री० मरेठी वनस्पति (२) मराठा

मरेठो पु० महाराष्ट्रका निवासी, मराठा

मरो पु० मौत (२) मौतकासा दुख, मौत, शामत, मुसीबत

मरोड पु० घुमाव मोड (अक्षरका) आकार (२) देखिये 'मरडाट'

मरोडवु स० क्रि० देखिये 'मरडवु'

मर्द, मर्दाई, मर्दानगी, मर्दाना (—नो) देखिये 'मरद' आदि

मल पु० मल्ल, पहलवान

मलकवु अ० क्रि० मुसकाना, मुसकराना, मुस्कराना मुलकना [प]
मलकाट पु० मुसक्राहट मुस्कराहट (२) हर्ष आनंद
मलकावु अ० क्रि० देखिये 'मल्कवु'
मलखम, मलखभ पु० मलखम मलखम
मलम पु० मरहम
मलमपटी(–ट्टी) स्त्री० मलमपटो(–ट्टो) पु० मरहमपट्टी [मसलना
मलवु स० क्रि० मिलना (२) मलना
मलाई स्त्री० मलाई बालाई (२) क्रीम
मलाजो पु० अदब लिहाज मुलाहजा (२) लिहाजके कारण स्त्रियोका परदा रखना या करना परदा
मलावडा(ला') न० ब० व० मीठे बोल बोल्कर खुश करना
मलीदो पु० मलीदा चूरमा (२) सत्त्व युक्त खुराक (३) मार मरम्मत [ला]
मवडावबु मवाडवु स० क्रि० भीतर समा सके ऐसा करना, अँटाना समाना, भरना [न हो मोडरेट
मवाल वि० नरम धीमा जो जोशीला
मवाली पु० कगाल भिखारी (२) गुडा
मवाळ वि० देखिये मवाल
मशालची मशाली पु० मशालची
मशियाई वि० मौसीका मौसेरा
मशी स्त्री० मसि काजल (२) दाँत साफ या काला करनेका चूर्ण, मजन मिस्सी
मशी स्त्री० मच्छरकी तरह काटनेवाला छोटा जतु मश मच्छर
मश्करी स्त्री० मसखरी मजाक ठट्ठा
मश्करो पु० मसखरा (२) विदूषक (राजाका)
मस वि० ज्यादा पुष्कल
मस न० मिस बहाना
मसको पु० मसका, मक्खन (२) श्रीखड बनानेका पानी निकाला हुआ दहीका लाल थक्का (३) चापलूसी, खुशामद [ला]
मसलत स्त्री० साथ मिलकर की जाने वाली विचारणा मसलहत, परामर्श
मसलतसमिति स्त्री० विषयविचारिणी समिति [गूधना
मसळवु स० क्रि० मसलना, मलना,
मसाण न० मसान मरघट
मसाणियु वि० मसानका (२) श्मशान जाकर आया हुआ (३) कगाल मन हूस–असगुनियाँ [ला]
मसाणियो पु० शवके साथ श्मशान गया हुआ व्यक्ति (२) मसानका भगी मसानिया
मसालो पु० गरम मसाला (२) कोई चीज बनानेकी जुटाई हुई सामग्री, मसाला (३) जोडाईके लिए रेत चूना आदि मिलाया हुआ सामान, गारा मसाला। [–भभराववो = नमक मिर्च डालना रुचिकर बनाना बढाकर कहना (बात आदि)]
मसालेदार वि० मसालेदार
मसियाई वि० देखिये मशियाई'
मसी स्त्री० देखिये मशी (२) ईखका एक रोग
मसीद स्त्री० मसजिद मस्जिद। [–काटे वळगवी = नेकी करते करते बला पीछे लगना]
मसुर स्त्री० एक दलहन मसूर
मसूदो पु० मसविदा मसौदा
मसूर स्त्री० देखिये मसुर
मसूरियु न० गोल तकिया मसूरक, उदा० गालमसूरियु

मसो पु० मस्सा, मसा (२) अर्श, मसा
मसोड़ु न० मसूड़ा मसूढा
मसोतु न० चूल्हमे गरम बरतनको पकडकर उतारनेका कपडा, साफी
मस्त, मस्ताना, मस्तानु वि० मस्ताना, मस्त, नशेमें चूर उन्मत्त
मस्ती स्त्री० तूफान, ऊधम, उधम (२) मस्ती, मतवालापन नशा
मस्तीखोर वि० शरारती ऊधमी
महा पु० माघ मास, माह
महामारी स्त्री० महामारी, हैजा
महार पु० भंगी, मेहतर
महाराज पु० महाराज बादशाह (२) वष्णवोंके आचार्य (३) ब्राह्मण, संत राजा आदिके लिए संबोधन महाराज (४) ब्राह्मण रसोइया
महाराणी स्त्री० बडी रानी महारानी
महारूपक न० रूपक काव्य 'एलेगरी'
महारेखा स्त्री० (–) ऐसा विरामचिह्न निर्देशक, 'डश [व्या]
महाल पु० ज़िलेका एक भाग, तहसील
महालक(–का)री पु० तहसीलदार (सरकारी अफसर)
महालवु अ० क्रि० ठाटबाटसे खुशीमें इधर उधर टहलना
महावत पु० महावत, पीलवान
महावरो पु० मुहावरा अभ्यास
महाविद्यालय न० महाविद्यालय 'कालिज'
महाविराम न० महाविरामका ( ) ऐसा चिह्न, 'कालन, विसर्गचिह्न [व्या]
महिना पु० ब० व० गर्भ रहना [ला]
महिनो पु० महीना मास (२) मासिक वेतन दरमाहा। [–आववो यवो (स्त्रीका) महीनेसे होना ऋतुमती होना (२) मासिक वेतन मिलना]
महियर न० नैहर, मायका
महियारी स्त्री० अहीरिन ग्वालिन
मही न० दही
महीं अ० में, भीतर
महुडी स्त्री० महुएका छोटा पेड (२) तौल्ा, महुएकी शराब। [–चडवी = शराबके नशेमें चूर होना, शराबका नशा छाना] [गुलेदा, कोइना
महुडु न० महुएका फल, कोलैंदा
महुडो पु० महुएका पेड, महुआ
महुरत न० देखिये 'मुहूर्त
महुवर स्त्री० मदारीका बाजा महुअर
महेक(हॅं) स्त्री० महक, खुशबू
महेकवु (हॅं) अ० क्रि० बास आना महकना
महेकाट (हॅं) पु० महक, गंध
महेणाटू(–टो)णा(हॅं, टॉ) न० ब० व० ताने मर्मवचन
महेणु (हॅं) न० ताना, मर्मवचन। [–मारवु = ताना मारना; फबती कसना]
महेतर (हॅं) पु० हरिजनोका मुखिया (२) भंगी, मेहतर
महेतराणी (हॅं) स्त्री० मेहतरानी, भंगिन
महेतल (हॅं) स्त्री० मुहल्त, मुद्दत, समय
महेतागीरी (हॅं) स्त्री० गुमाश्तागिरी, कारिंदगी
महेताजी (हॅं) पु० देखिये 'महेतो'
महेती (हॅं) स्त्री० शिक्षिका (२) शिक्षककी स्त्री [कारिंदा गुमाश्ता
महेतो (हॅं) पु० शिक्षक (२) कारकुन,
महेनत (हॅं) स्त्री० मिहनत, मेहनत
महेनताणु (हॅं) न० मेहनतका बदला, मजदूरी पारिश्रमिक, मेहनताना
महेनतु वि० मेहनती, परिश्रमी
महेफिल (हॅं) स्त्री० महफ़िल जल्सा (२) वनभोजन, गोट

महेमान(हैं) पु० मेहमान अतिथि
महेमानगत(-ति), महेमानगीरी महे मानी स्त्री० आतिथ्य, मेहमानदारी, मेहमानी
महेर(हैं) स्त्री० मेहर कृपा दया
महेरबान वि० मेहरबान कृपालु
महेरबानी(हैं) स्त्री० मेहरबानी, कृपा
महेरामण(हैं)पु० समुद्र [कहार
महेरो(हैं)पु० पालकी ढोनेवाला महरा,
महेल(हैं) पु०, महेलात(हैं)स्त्री० महल
महेल्लो(हैं)पु०महल्ला, मोहल्ला टोला
महेसूल(हैं) स्त्री०, न० महसूल भूमि कर, लगान (२)जकात चुंगी(३) राज्यकी कुल आय
महेसूली वि० महसूल-सबधी महसूली
महोबत(हों) स्त्री० मुहब्बत, मित्रता, स्नेह (२) प्रेम, मुहब्बत, प्रीति
महोबती (हों) वि०मुहब्बती, स्नेही, प्रेमी
महोर(हों) स्त्री० सोनेका एक अग्रेजी सिक्का गिनी मुहर(२)छाप, सिक्का मुहर, मोहर। [-मारवी, लगाववी = मुहर करना, मुहर लगाना (२)पक्का करना या प्रामाणिकताकी सनद दे देना, मुहर लगाना]
महोरु(हों)न० शतरजकी गोटी मोहरा
महोल(-लात) (हों) देखिये 'महेल'
महोल्लो(हों) पु०देखिये 'महेल्लो'
मळ पु० मल मैल विष्ठा
मळतर न० नफा कमाई लाभ
मळतावडु वि० मिलनसार मेली
मळतियुं वि० साथमें काम करनेवाला, साथी मेली मुलाकाती (२) अमुक पक्षसे मिला हुआ पक्षकार
मळवुं अ०क्रि० मिलना जुडना सटना एकमें हो जाना, मिश्रित होना(२) एक होना मेल करना मिलना(३) इकट्ठा होना भेंट होना भेंटना मिलना (४)एकसा होना समान होना(५) मेल होना मिलना(६)पाना, मिलना (७)लाभ होना, हाथ लगना। [मळतु आववु = समान होना एकसा होना मिलना (२) अपनी जगह पर ठीक बैठता हुआ होना ठीक आना, अँटना। मळी जवु = एक हो जाना पक्षमें हो जाना मिलना। मळया भाईनी प्रीत = कहनेभरकी नामकी प्रीति]
मळसकु न० भोर तडका प्रभात
मळी स्त्री० गाडीके पहियेमें औंगे हुए तेल और चीकटसे बननेवाली कालिख कालिख(२)हनुमानकी प्रतिमा परके तेल और सिंदूरका मल
मकोडी स्त्री० छोटा चीटा छोटा मकोडा
मकोडो पु० चींटा, चिउटा, मकोडा
मगल(-ळ)वि० मगल, शुभ, कल्याण कारी(२)पु० मगल ग्रह मगल(३) मगलवार(४)न० मगल कल्याण सुख (५)शुभ अवसर (६)मगलगीत(७) ग्रथके प्रारभमें की जानेवाली इष्टदेवकी स्तुति मगलाचरण। [-गावां = लग्नके समयके गीत – मगल गीत गाना सोहले गाना] [-फरवा = ब्याह करना]
मगळफेरा पु० ब० व० फेरे भाँवर।
मगळसूत्र न० मगलसूत्र (सधवा स्त्रिया गलेमें पहनती हैं) (२)स्त्रियोंके गलेका एक गहना
मगळाचरण न० मगलाचरण (ग्रथारभमें या शुभ कार्यमें) (२)[ला] आरभ
मगाववुं स०क्रि० मँगवाना, मगाना
मछा स्त्री० मनशा, इच्छा, विचार
मजीरा पुं० ब० व० मजीरे मँजीरे

मजूर वि० मजूर, स्वीकृत, सम्मत
मजूरी स्त्री० मजूरी, स्वीकृति, सम्मति
मडल न० मडल, गोल घेरा, हल्का, कुडली(२)समूह मडली, मडल जमात (३)जिला, प्रदेश, मडल (४) बारह राज्योका समूह, मडल
मडलि(–ली)क पु० कर देनेवाला करद राजा, मडलीक
मडली स्त्री० छोटा मडल मडली, टोली छोटा समुदाय, जमात
मडलेश(–श्वर) पु० मडलेश्वर
मडवु स०क्रि० मुस्तदीसे लगना जुटना। [मड्या रहेवु = किसी काममें मुस्तदीसे लगे रहना जुटना]
मडळ, मडळि(–ळी)क, मडळी, मडळेश (–श्वर) देखिये 'मडल' आदि
मडाण न० आरभ, नीवें (२) कुएँकी घिरनी और उसके साथकी लकडियाँ। [–करवु माडवु = आरभ करना किसी कामकी बुनियाद डालना]
मडाववु स० त्रि० 'माडवु' क्रियाका प्रेरणाथक शुरू कराना
मडावु अ०क्रि० 'माडवु' का कमणि
मतर पु० देखिये 'मत्र'। [–मारवा = मत्रसे प्रभावित करना, जादू करना]
मतरवु स०क्रि०मत्र द्वारा वशमें करना मत्रका असर डालना (२) भरमाना, सिखा देना[ला]। [मतरी जवु = धोखा चकमा देकर ले जाना उदा० 'मारा रूपिया मतरी गयो]
मत्र पु० मत्र(शब्द या शब्दसमूह) (२) कानमें कही जानेवाली बात मत्रणा, सलाह, मत्र। [–आपवो = दीक्षा देना मत्र देना (२) समझा, सिखा देना। –फूकवो = कान फूकना, चिताना, सावधान करना(२)अभिमत्रित करना, मत्रप्रयोग करके शक्ति देना। –मारवो = मत्रसे वशमें करना, मत्रमुग्ध करना। –मूकवो, मेलवो = गुप्त मत्रणा, सलाह देना]
मत्री पु० मत्री, सलाहकार, सचिव(२) मुख्य कार्यकर्ता, सस्थाका सचालक, मत्री, 'सेक्रेटरी'
मदवाड पु० मांदगी, बीमारी, रोग
मदिर न० मदिर, देवालय(२)घर, मदिर(३)विद्याका धाम [सस्तौ
मदी स्त्री० मदता, कमी (२) मदी,
मदु वि० मद धीमा, सुस्त(२)थोड़ा
मा (निषेधायक)अ० मा, मत, न
मा स्त्री० मा, माता, माँ। [–नु जण्यु = मांजाया, मांजायी, सगा, सहोदर]
माईकांगलु वि० माताका कहा करनेवाला(२)नामद, डरपोक, निबल
माईल पु० मील
माकड(–ण) पु० खटमल
माख स्त्री० मक्खी। [–डूबी जवी (तेलमा) = कमजोर बनकर चुप हो रहना, खिसियाना। –मारीने मीघोववी = बहुत कजूसीसे बरतना। माखो मारवी = मक्खी मारना, कुछ न करना, बेकार बठा रहना, जूती चटखाते फिरना]
माखण न० मक्खन (२)[ला] खुशामद चापलूसी। [–चोपडवु लगाववु = चापलूसी खुशामद करना]
माखणचोर पु० माखनचोर, श्रीकृष्ण
माखणियु वि० मक्खन जैसा मुलायम (२)खुशामदी [ला]
माखी स्त्री० देखिये 'माख' मक्खी

मांग पु० मांग रास्ता (२) जगह, बैठक (३) स्थान, अवकाश गुंजाइश। [-आपवो, देवो = किसीको बढने आदिके लिए जगह देना (२) सत्कार करना। -करवो = रास्ता कर देना मांगमेंसे हट जाना (२) अवकाश या जगह कर देना। -मूकवो (-नी आगळ) = किसीसे घटिया निकृष्ट होना। -मुकाववी (-नी पासे) = श्रेष्ठता कबूल कराना लोहा मनवाना]

मांग(ग) स्त्री० मांग, खपत (२) तकाजा, पावना मांगना

मांगण पु० भिखारी मंगता मंगन (२) न० मांगना याचना

मांगणियात वि० भिखमंगा, मंगन टुकडगदा [(२) खपत मांग

मांगणी स्त्री० मांग, सवाल प्रार्थना

मांगणु न० मांग मांगना (२) लेना पावना (३) बन्दी-प्रत्यर्पण एक्स्ट्रे डिशन'। [-करवु = मांगना]

मांगतु वि० मांग करता हुआ (२) न० लेना पावना

मांगवु स० क्रि० मांगना याचना करना, कुछ देनेकी प्रार्थना करना (२) वापिस देनेके लिए कहना। [मांगी खावु = टुकडे मांगकर जीना। मांग्या मेह = मांग या जरूरतके अनुसार मेंह (बरसना)]

मागशर पु० मार्गशीर्ष मास अगहन मगसिर [विपयक]

मागु न० मांग मंगनी (प्राय लग्न

माछण स्त्री० मच्छीमारकी या मच्छी मारनेवाली स्त्री मल्लाहिन मछुइन

माछली स्त्री०, (-लु) न० मछली

माछी पु० मछुआ, मच्छीमार (२) मांझी मल्लाह मांझी

माजण्यु वि० मांजाया, सगा सहोदर

माजाई स्त्री० मांजाई, बहन

माजायु वि० मांजाया, एक मांका

माजायो पु० मांजाया भाई

माजी वि० माजी पहलेका आगेका (२) मरहूम, स्वर्गवासी (३) स्त्री० दादी (४) अबा माता (५) माई

माझम वि० बीचका मझला, मंझला

माझा स्त्री० मर्यादा हद। [-छोडवी मूकवी = मर्यादाका त्याग करना। -साचववी = मर्यादाका पालन करना]

माटली स्त्री० मटकी, छोटा मटका

माटलु न० मिट्टीका एक बरतन, मटका

माटी स्त्री० मिट्टी (२) मास। [-ढांकवी = ऐब पर परदा डालना मिट्टी डालना। -थवु = बिगड जाना, मिट्टी होना। -मा मळी जवु = मिट्टीमें मिलना नष्ट होना] [मद, पुरुष

माटी वि० जोरावर (२) पु० पति (३)

माटे (०करी ०ने) अ० लिए, वास्ते -के कारण (२) इसलिए, इस कारण

माठु वि० अशुभ, बुरा, अनिष्ट। [-लागवु = बुरा लगना दिल दुखी होना]

माडी स्त्री० मां (२) दुर्गा, आद्या शक्ति, माता [हिम्मतवाला

माडीजायो पु० वीर पुरुष माईका लाल,

माड पु० महल, मंजिलवाली सुंदर इमारत आलीशान इमारत (२) मुहल्ला टोला (३) एक राग

माण(ण,) स्त्री० पतखोरा गागर

माणवु स० क्रि० अनुभव करना भोगना अ० क्रि० सुख होना मजा लूटना

माणस पु० न० मनुष्य, इंसान। [-नी बगलमांथी ऊडी जवु नीकळी जवु माणसमांथी नीकळी जवु = इंसानियत

गवाना (२) नपुंसकता प्राप्त करना, पुरुषत्व गँवाना]
माणसाई स्त्री० मनुष्यता, इसानियत
माणियो पु० धियांडा
माणा स्त्री० बारह मनकी तौल (कच्ची)
माणक न० माणिक, मानिक
माणेकठारी स्त्री० शरत्पूर्णिमा कोजागर
मातबर वि० खुशहाल, तालेवर
मातु (०तातु) वि० हृष्ट-पुष्ट (२) मत्त
मात्रा स्त्री० बारहखडीमें वर्णके ऊपर लगाया जानेवाला (ʻ) यह चिह्न, मात्रा (२) काव्य या संगीतमें एक स्वरके उच्चारणमें लगनेवाला काल, मात्रा (३) धातुकी भस्म, रसायन (४) किसी चीजका योग्य परिमाण, मात्रा, प्रमाण [वृत्त
मात्रामेळ छंद पु० मात्रिक छंद, मात्रा-
मायाकूट स्त्री० माथापच्ची, झंझट पचडा (२) बेकार श्रम वला, चरखा झंझटवाला काम
मायाकूटियु वि० झंझटवाला, झंझटी
मायाफोक स्त्री० माथापच्ची झंझट
मायादीठ अ० प्रति मनुष्य, फी आदमी
मायाफरेल (–लु) वि० सिरफिरा, मिजाजवाला क्रोधी
मायाफोड स्त्री० सिरपच्ची, मगजपच्ची
मायाफोडियु वि० झंझटी (काम) बखेडिया (मनुष्य)
मायाभारे वि० मिजाजी सरकश
मायावटी स्त्री० वह कपडा जो साडीमें सिरके नीचेके हिस्सेमें सिया जाता है (२) सिर परके कपडे पर पडे हुए तेलके धब्बे (३) सिरका भाग, पगानी, माथा (४) आबरू [ला] [वाला कर
मायावेरो पु० फी आदमी लिया जाने

माथु न० सिर, खोपडी (२) घडेके ऊपर-का भाग सिर (३) किसी चीजका अग्र भाग, माथा, सिर। [माथा उपर (होवु) = मुरब्बी सरपरस्त होना (२) सिर-आंखो पर होना, सम्मान्य होना, उदा० 'आव्या तो माथा उपर'। माथाना वाळ घसाई जवा = बहुत दु ख सहन करना (२) अधिक परिश्रम उठाना पडना, सिर खपाना। माथानु फरेल, फाटेल = किसीका कहा न माननेवाला सरकश। माथानो मणि, मुगट = सरदार, सिर-ताज (२) पति, सिरताज। माथामां गज घाल्या होवा = किसीसे न दबना। माथामां टपला वागवा = ठोकर उठाना; दु खका अनुभव करना। माथामां धूळ घाल्वी = इज्जत पर पानी फेरना। माथामां पवन भरावो = घमडमें चूर होकर अकडकर चलना, इतराना (२) सिर चकराना, चक्कर आना। माथामां भूत भरावु = गलतफहमी या वहमका भूत सवार होना। माथा वगरनु = निडर जान पर खेलने-वाला। –आपवु = सिर देना, प्राण निछावर करना। –उठाववु = देखिये 'माथु ऊचकवु'। –ऊचकवु = सिर उठाना विरोध मुकाबला करना। –ऊचु राखवु = सिर ऊंचा करना, आत्मसम्मानपूर्वक रहना, मगरूरी रखना सिर उकसाना। –कापवु = बहुत नुकसान पहुँचाना (२) दगा देना। –फूटवु = मगज चट कर जाना (२) सिर धुनना, सिर पर खाक उडाना शोक करना। –बजवाळवु, खणवु = विचारमें पड जाना सोचमें पडना (२) शरमिंदा होना, खिसिया जाना।

–घालवु = देखिये माथु मारवु । –घूम थवु, चडवु = सिर घूमना, चक रामा, सिरमें दद होना । –चडाववु = सिर खाना । –झीकवु = मायापच्ची करना । –नमवु = आदर या भक्ति होना; वदना करना । –नमाववु = सिर नवाना; ताबेदार बनना । –पकावबु = सिर खाना । –पाकवु, पाकी जवु = मगजपच्चीसे ऊब जाना (२) सिर दुखने आना । –फरवु = चक्कर आना, सिर घूमना (२) क्रुद्ध होना । –फाटवु = धूप दद या बदबूसे सिरमें दद होना, सिर घूमना (२) गुस्सा आना होना । –फोडवु = मायापच्ची करना, सिर खपाना । –भागवु = घमड चूर करना (२) नुकसान पहुचाना । –भारे थवु = गव या मिजाज बढ जाना, दिमाग चढना (२) सिर भारी होना; सिरमें दद होना । –भोयमा घालवु = सिर झुकाना लज्जित होना जमीनमें गड जाना । –मारवु = किसी बातमें मन लगाना, जी लगाना (२) सिर मारना, बीच-बचाव करना टाँग अडाना, दखल देना । –रगवु = सिर तोडना, फोडना । –सोपवु = शरणमें जाना (२) जान देना सिर देना]

माये अ० ऊपर, उदा० 'घा माये पाटो बाध्यो' (२) सिरके ऊपर । [–आववु = (स्त्रीका) ऋतुमती होना (२) जिम्मे पडना सिर पडना (३) ऊचाई पर आना ऊँचे आना (सूय पतग आदि) । –आढवु = साडी ठीक माये पर आढना (२) जिम्मे लेना सिर पर लेना (३) दिवाला निकालना । –ओराढवु = जवाबदारी या जोखम दूसरे पर डालना सिर डालना मत्थे मढ़ना (२) धोखा देकर माल बेचना, गले मढना । –गाळ चडवी = ऐब लगना । –गाळ मूकवी = ऐब लगाना । –चडाववु = स्वीकार करना, सिर आँखो पर होना (२) सिर चढाना बहकाना, गुस्ताख बनाना । –चडी बेसवु, चडी वागवु = हुक्म न मानना मुहलगा होना (२) किसीकी सत्ता हथियाना (३) बढिया या बढकर होना । –छीणी मूकवी = बिगाड डालना, नष्ट करना (२) नुकसान करना हानि पहुचाना । –झाड ऊगवां = बहुत कष्ट पडना, सिर पर पहाड गिरना । –टाल पडवी = जवाबदारी या भार वहन करते करते या अनुभवकी ठोकरे खाते खाते बूढा होना । –थी उतारी नाखवु = सिरसे बोझ उतारना किसी भार दायित्वसे मुक्ति प्राप्त करना, पीछा छुडाना । –धूळ घालवी = कलह खडा करना (२) अपने ऊपर दोष या कलक ले लेना (३) अपने आपको कलकित करना खुद अपमानित होना । –पडवु = जिम्मे आ पडना सिर पर आ पडना (२) –के कारण घाटा सहना पडे ऐसी हालतमें आ पडना उदा० 'अमुक माल माये पडयो' । –पाडवु = सिर मढ़ना । –मारवु = जिसमें घाटा सहना पडे ऐसी चीज किसीके गले मढना । –मोत भमवु = सिर पर मौतका खेलना । –राखवु = जिम्मे लेना सिर लेना । –लेवु = जिम्मे लेना (२) अपने ऊपर ले लेना (झगडा घाटा आदि) । –वहोरवु = देखिये माये लेवु । –हाथ फेरववो,

मूकवो=अपना गुण-स्वभाव दूसरको देना (२) आशीर्वाद देना। —होवु= ऋतुमती होना (२) जिम्मेदारी होना सिर होना, जिम्मे होना (३) सिर आँखों पर होना]
माथोडु न० सिर डूब जाय उतनी गहराई पुरुष, ऊँचाई, गहराईकी एक माप
मादळियु न० गंडा या तावीज रखनेका सोने-चाँदीका खास आकारका आभूषण, चौकी, तावीज
माधुकरी स्त्री० घर घर जाकर भिक्षा माँगना, मधुकरी (भिक्षा)
माध्यमिक वि० माध्यमिक, मध्यका (२) प्रारंभिकसे आगेका, 'सेकंडरी'
माध्यमिक शाळा स्त्री० हाईस्कूल', माध्यमिक शाला
मान न० मान, प्रतिष्ठा (२) आदर, सद्भाव (३) अभिमान, मान (४) तौल, तोल, नाप, मान (५) लोगेरी घर्म' [ग]। [—आपवुं देवुं=सत्कार करना मान रखना, मान देना। —मागवु=विशेष आजिज्रीकी अपेक्षा रखना मानकी इच्छा करना। —मां रहेवु=घमड या बडप्पनमें रहना। —मूकवु=अभिमानका त्याग करना। —राखवु=मान रखना बात रखना (२) मानभग न हो ऐसा करना, प्रतिष्ठा बनाये रखना]
मानचित्र न० मानचित्र, नक्शा, 'रिलीफ-मैप'
मानत(—ता) स्त्री० मनौती, मानता
मानद वि० मान देनेवाला मानप्रद (२) अवैतनिक आनररी
मानपान न० मान आदर (२) प्रतिष्ठा
मानभग पु० मानभग अपमान (२) वि०
मानमरतबो पु० मतबा, प्रतिष्ठा
मानमर्यादा स्त्री० अदब, लिहाज
मानयतु वि० माननीय, प्रतिष्ठित
मानवी वि० मानव, मनुष्य संबंधी, मनुष्योचित (२) पु० मनुष्य, मानव
मानवु स०क्रि० मानना, स्वीकार करना, कबूल करना (२) मान करना, गिनना, कुछ मूल्य-महत्त्वका समझना (३) मनौती मानना [लाडला
मानीतु वि० खास प्रेमपात्र अति प्यारा,
माप न० माप, परिमाण, नाप, मिकदार, वजन (२) [ला] प्रतिष्ठा, वकअत (३) हद, हिसाब। [—काढवु, जोवु=मापना, नापना (२) अटकल बाँधकर अदाज़ लगाना (३) ताकत देखना बल परखना। —खोवु= इज्जत गँवाना, वकअत न रहना। —राखवु=मान रखना (२) हद या मात्रा या प्रमाण रखना]
मापणी स्त्री० नपाई पमाइश
मापलु न० नापनेका पात्र, नपुआ
मापवु स०क्रि० नापना, मापना, पैमाइश करना (२) पदल जाना [ला]
मापियु, मापु न० नापनेका बरतन या साधन, नपुआ
माफक वि० अनुकूल, रुचिकर मुआफ़िक (२) अ०—के अनुसार मुताबिक
माफकसर अ० प्रमाणके अनुसार, प्रमाणत हिसाबसे
माफी स्त्री० माफी, क्षमा (२) जाने देना, मुक्ति, माफी। [—आपवी, बक्षवी= माफ करना (२) क्षमा करके छोड देना। —मळवी=माफी मिलना (२) मुक्ति मिलना (फीस, कर आदिसे)]

माफीपत्र पु०, न० माफी माँगनेवाली या देनेवाली चिट्ठी या पत्र
माफो पु० रथ, मुहाफ़ा
माबाप न० ब० व० मातापिता, माँबाप या मातृ पितृतुल्य व्यक्ति (२) किसी बातका आधार उत्पत्तिस्थान या मूल कारण [ला] उदा० आ सचना माबाप बतावो
माम स्त्री० माया ममता (२) आश्चर्य ताज्जुब (३) धैर्य दृढता (४) टेक ममत्व [ल्दार
मामलतदार पु० मामलतदार तहसी-
मामलो पुं० मामला परिस्थिति बात (२) नाजुक समय बडी संकटका समय। [–काबूमां आववो = मामला –परिस्थिति काबूमें आना। –बीफरवो = मामला बिगड़ना किसीके काबूके बाहर होना बात हाथसे जाना]
मामा पु० ब० व० माँका भाई मामा (२) शत्रु चोर [ला]। [–मळवा = चोर मिलना]
मामामामीनु करवु = सगे-संबंधियोंका पक्ष लेना या तरफदारी करना
मामाजी मामासासरा पु० ब० व० पति या पत्नीका मामा ममिया ससुर
मामी स्त्री० मामाकी पत्नी मामी
मामीजी मामीसासु स्त्री० पति या पत्नीकी मामी, ममिया सास
मामूल न० मामूल रिवाज
मामूली वि० मामूली साधारण
मामेरु न० देखिये मोसाळु
मामो पु० माँका भाई, मामा (२) शत्रु चोर [ला]
मायकांगर (–ग)लु वि० नामर्द, कायर
मायनो पु० मानी, अर्थ (२) हेतु इरादा

माया स्त्री० माया, प्रकृति, अविद्या (२) कपट माया, धोखा, इंद्रजाल (३) [ला] ममता माया स्नेह (४) ममताका कोई भी विषय (५) धन दौलत, माया। [काची माया = धोखा खा जाय ऐसा मनुष्य। पहोंचेली माया = पक्का किसीसे छला न जाय ऐसा मनुष्य। –करवी = स्नेह करना, प्रीति जोडना। –थवी = राग स्नेह होना। –राखवी = ममता राग रखना]
मायाममता स्त्री० दया माया स्नेह
मार पु० मार ताडन चोट (२) मौत मार (३) मारामार विपुलता अधिकता [ला]। [–खावो = मार खाना (२) घाटा सहना। –पडवो = मार मिलना (२) नुकसान पहुंचना। कामनो मार चालवो = मारामार काम चलना। मूढ मार मूंगो मार = मीठी मार]
मारकणु वि० मरकहा हथछुट मरखहा
मारकूट स्त्री० मारकुटाई मारपीट
मारकेट न० मार्केट, मंडी
मारको पु० मारका निशान, छाप (२) इफरात विपुलता
मारखाउ वि० जो सदा मार खाये पिट्टू
मारग पु० देखिये माग
मारमूड स्त्री० एक दूसरेको मारना और ठोकना मारकुटाई
मारदडी स्त्री० गेंदसे खेलनेका एक खेल गेंदतडी [पीटना मारपीट
मारपीट स्त्री० एक दूसरेका मारना और
मारफत अ० द्वारा जरिये मारफत (२) स्त्री० आढतिया या दलालके द्वारा काम करनेकी रीत (३) दलाली आढत
मारफतियो पु० दलाल आढतिया अडतिया

मारफाड स्त्री० मारपीट
मारवु स०क्रि० मारना, चोट पहुँचाना आघात करना, ठाकना, पीटना (२) मारडालना, जान लेना (३) पीछे रेल देना, मार हटाना, भगाना, खदेड़ना (४) विशिष्ट गुण धमका नाश करना बरबाद करना (चमड़ी) फोड़ना (गवाह) (५) लूटना, धावा बोलकर लूट लेना (गाँव, नफा, खजाना), जोशसे कोई काम करना, व्यय कोशिश करना, (फवा) मारना (६) असर हो ऐसा प्रयोग करना, मारना (ताना, वचन आँख, गप आदि) (७) प्रहार करनेके लिए फेंकना, चलाना (तीर, तलवार आदि) (८) रोकना, सहना, मारना (भूख, मन) (९) धातुकी भस्म, कुश्ता करना, मारना (१०) चोरना, हड़पना माल मारना [ला] (११) लगाना ठोकना, गाड़ना, चुभाना, मारना जबान बद करना (ताला, थिगली, काग लोग कील आदि) (१२) पटकना, दे मारना उदा० 'मायामा मारवु' (१३) -का असर झाँकी या वेदना दिखाई देना (चमक भाप धुप लापन फीकापन आदि) (१४) जबरदस्ती या धोखा देकर गले मढना। [मारी खावु =माल मारना, हड़पना। मारी नाखवु =जानसे मार डालना (२) घूस देकर अपना बनाना। मारी पाडवु = मार डालना (२) एक साथ हड़पना या प्राप्त करना, रुपया मारना। मारी मूकवु =सरपट दौड़ना। मार्यु जवु = मारा जाना (युद्धमें) (२) घाटा या हानिमें आ पड़ना। मार्यु मार्यु फरवु = मारा मारा फिरना। मार्यु फरवु = किसी चीजकी कमी होना, न मिलना (२) -की कमी न होना, मिलना]
मारमारा स्त्री० मारपीट, लड़ाई
मारामार(-री) स्त्री० लड़ाई, वारदात (२) तंगी, कमी
मारीतारी(मा', ता') स्त्री० गाली-गलौज, तू-तू, मैं-मैं (२) निंदा
मारुतारु करवु = भेदभाव रखना
मारो पु० जल्लाद, वधिक (२) मारामार, वार पर वार (करना) (३) [ला] इफरात, विपुलता। [-चलाववो = मारामार, लगातार प्रहार करना (२) [ला] अच्छा भोजन मिलने पर खूब खाना, हाथ मारना]
मार्क पु० मार्का (ट्रेडमार्क) (२) अंक, नंबर (परीक्षा आदिके फलमें)
मार्ग पु० मार्ग, रास्ता (२) रूढ़ि, प्रथा चाल (३) धर्ममत, पंथ, संप्रदाय। [-काढवो = निबटारा करना, हल करना रास्ता निकालना। -लेवो = मार्ग ग्रहण करना (२) प्रथा ग्रहण करना (३) रास्ता लेना, उपाय लेना]
माल पु० माल, सामान, असबाब (२) धन-दौलत, माल (३) [ला] सत्त्व हक़ीक़त, हस्ती, माल (४) मिष्टान्न मिठाई, माल (५) गाँजा। [-मारवो = रिश्वत खयानत आदिसे पैसा पैदा करना, माल मारना]
मालकांक(-ग)णी स्त्री० मालकँगनी
मालकी स्त्री० मालिकी, स्वामित्व
मालकीहक(क्क) पु० मालिकाना हक़, स्वामित्व, मालिकी
मालखु न० धातुके तार या डोरेमें पिरोकर रखा हुआ कागज या चिट्ठियोंका ढेर (२) बड़ी माला। [हाडकांनु मालखु

मांडवो(०) पु० मडप मच-मडप, मडवा (२) [ला] कन्या बेटी। [-आववो=बेटी जनमना। -ऊभो थवो=बेटी ब्याहने योग्य होना]
मांडवामहुरत, मांडवामुरत (०) न० कन्याके घर लग्न मडप स्थापित करने की विधि या मुहूर्त
मांदगी(०) स्त्री० मांदगी, बीमारी
मांदलु (०) वि० सदा बीमार रहनेवाला मांदा, (इससे) दुबल, ढीला, सुस्त
मांदु(०) वि० मांदा, बीमार रोगी
मांदुसाजु(०) वि०(२)न०कभी बीमार, कभी स्वस्थ या तदुरुस्त
मांस(०) न० मास गोश्त आमिष
मांसमाटी(०) न० ब० व० मांस
मांही(-हे) अ० अदर, में भीतर
मांहेलु(०) वि० भीतरका
मांहोमांहे(०) अ० आपसमें
मांह्यलु वि० अदरूनी भीतरका
मिचकारवु स० क्रि० मीचना मूदना
मिचकारो पु० मिचकाना झपक
मिचामणां न०ब०व०आंखोका बार-बार खोलना और बन्द करना आंखमुदाई (२)आंखसे इशारा करना इशारेबाजी
मिचावु अ० क्रि० 'मीचवु'का कर्मणि (आंखोंका)मिचना, मुदना
मिजबान पु० मेजबान मेहमानदार
मिजबानी स्त्री० जियाफ़त दावत(२) मेहमाननवाज़ी मेजबानी। [-उडावबी, करवी=दावतका मजा लूटना]
मिजलस स्त्री० नाच रगकी महफ़िल, जलसा (२) मजलिस सभा
मिजागरु न०(किवाडका)कब्ज़ा कुलाबा
मिजाज पु० गुस्सा (२) अभिमान घमड मिजाज(३)तबीअत मिजाज। [-करवो=क्रुद्ध होना, गुस्सा करना (२)मिजाज, घमड करना इतराना। -खसवो, खोवो, जवो=क्रुद्ध होना। -ठेकाणे न होवो=गुस्सा करना आपेसे बाहर होना] [मिजाजी घमडी
मिजाजो वि० गुस्सैल क्रोधी (२)
मिटाववु स० क्रि० मिटाना
मिणावु अ० क्रि० नशा छाना (२) (मवशीका)दूध चढाना दूध चुरा रखना
मित्राचारी स्त्री० मित्रता, मैत्री दोस्ती
मिनार(-रो) पु० मीनार
मिनिट स्त्री० मिनट
मियाउ न० बिल्लीकी बोली, म्याव
मियान न० मियान
मियां पु० मुसलमान सज्जन(२)सम्मानित मुसलमानका सबोधन, मियाँ
मिरात स्त्री० दौलत, पूजी
मिल स्त्री० मिल(प्राय कपडेकी)
मिलकत स्त्री० धन-सपत्ति, जायदाद मिल्कियत
मिलन न० मिलन मुलाकात भेंट
मिलनसार वि० मिलनसार
मिलकामदार,मिलमजूर पु० मिलमज़दूर
मिलाप पु० मिलाप, मेल, भेंट
मिलावट स्त्री० मिलावट, मिश्रण
मिलाववु स०क्रि० मिलाना मिश्रित करना
मिष न० मिस मिष, बहाना। [ने मिषे=-का बहाना बनाकर -के मिष]
मिसर न० मिस्र (देश)
मिसरी स्त्री० साफ करके जमाई हुई चीनी, मिसरी
मिसाल स्त्री० उदाहरण मिसाल(२) अ० -की तरह, -के अनुसार
मिस्त्री पु० होशियार कारीगर मिस्तरी

मीचवु स० क्रि० (आँख) मीचना, बंद करना [मीगी, गिरी
मीज स्त्री० बीजके भीतरका गूदा,
मीजान न० अटकल, अंदाजा, नाप, उचित मात्रा [सार, हिसाबसे
मीजानसर अ० प्रमाण या मात्राके अनु-
मीट स्त्री० नज़र एकटक दृष्टि, टक टकी टिकटिकी। [–माडवी=टकटकी लगाकर देखना, प्रतीक्षा करना (२) (–के पास) आशा रखना, –से इच्छा करना] [मिटना(२)रोगमुक्त होना
मीटवु अ०क्रि० लुप्त होना, नष्ट होना,
मीठडां न० ब० व० प्यारका आलिंगन (२) वारने। [–लेवां=बलायें लेना]
मीठडुं वि० मिठासवाला, मीठा (२) मिठबोला मिट्ठू (३) न० देखिये 'मीठडां'
मीठाबोलु वि० मिठबोला, मधुरभाषी
मीठाश स्त्री० मिष्टान्न, मिठाई (२) मिठास, माधुर्य
मीठी स्त्री० चुंबन मिट्ठी(२,स्नेहालिंगन
मीठु वि० मधुर, मीठा (२) जिसमें मिठास हो मधुर रसवाला, मीठा (३) न० नमक। [मीठा झाडनां मूळ कापवां=नेक आदमीसे इतना फायदा उठाना कि नेकी करनेवालेकी ही हानि हो। मीठी जीभ=खुशामदी–प्रिय लगे ऐसी जबान। –मरचु भभराववु= नमक मिर्च मिलाना]
मीठुं लींबु न० मीठा नीबू चकोतरा
मीठो लीमडो पु० मीठा नीम
मीडु न० शून्य, बिंदु, सिफर। [–वळवु =रद्द होना (२) खतम होना (३) निर्वंश होना घर बेचिराग होना। एकडा वगरना मीडां= (प्रधान व्यक्तिके अभावमें) मूल्यरहित और बलहीन चीजें और व्यक्ति]
मीढळ न० मैनफल, मदनफल
मीढी(०आवळ) स्त्री० सोनामुखी, भुई खखसा
मीण न० मोम
मीणकपड, मीणकापड न० मोमजामा
मीणबत्ती स्त्री० मोमबत्ती
मीणियु वि० मोमवाला (२) न० मोम जामा [हुआ
मीणियु, मीणु वि० नशीला नशा चढ़ा
मीणो पु० नशा, कैफ़ (२) मादक द्रव्य, नशीली चीज नशा
मीनडी स्त्री० बिल्ली
मीनडु न० बिल्ली
मीनमेख(–ष) स्त्री० एतराज, विरोध शकाशीलता (२) घटा-बढ़ी करनेका भाव (३) अ० कमोबेश
मीनाकारी वि० बेल-बूटेदार (२) स्त्री० मीनाकारी, मीना
मीनां अ० हार स्वीकार करनेका संकेत शब्द। [–कहेवु = हार स्वीकार करना, चां बोलना]
मीनी स्त्री० बिल्ली
मीनो पु० सोने-चांदी पर बनाया जानेवाला रंगीन काम मीना
मीर पु० मीर, अमीर, सरदार
मीरास स्त्री० मीरास, वरासत
मींचवु स० क्रि० देखिये 'मीचवु'
मींचामणा देखिये 'मिचामणा'
मींचावु अ० क्रि० देखिये 'मिचावु'
मींज स्त्री० देखिये 'मीज'
मींड स्त्री० मींड (संगीतमें)
मींडु न० देखिये मीडु
मींढळ न० देखिये 'मीढळ'

मींढी(०आवळ) स्त्री० देखिये 'मींढी'
मींढ वि० जो मनमें समझे मगर बाहर व्यक्त न होने दे मचला(२)मक्कार धूत
मींदडी स्त्री० बिल्ली
मींदडु न० बिल्ली
मुक्टो पु० देखिये 'मुगटो'
मुकद्दमो पु० मुकदमा, मुकद्मा, दावा
मुकरदम पु० देखिये 'मुकादम'
मुकरदमो पु० देखिये 'मुकद्दमो'
मुकरर वि० त किया हुआ नियत, मुकरर [इनकार करना मुकरना
मुकरवु, मुकरी जवु अ० क्रि० कहकर
मुकादम पु० मुकद्दम, नायक, मुखिया टडल(मजदूराका) [गिरी
मुकादमी स्त्री० मुकद्दमका काम, नायक
मुकाबले अ० मुकाबलेमें
मुकाबलो पु० बराबरी तुलना मुका बला(२)आमना-सामना, मुकाबला
मुकाम पु० रहनेका स्थान वास, मुकाम (२) पडाव, मुकाम
मुकाववु स० क्रि० 'मूकवु'का प्रेरणा र्थक रखवाना [रखा जाना
मुकावु अ० क्रि० 'मूकवु'का कमणि,
मुक्की स्त्री० मुक्का घूसा
मुक्को पु० मुक्का घूंसा
मुक्तकंठे अ० खुलकर बगर सकोच रखे मुक्तकंठसे
मुख न० मुख मुह (२)चेहरा मुख मडल(३)आगेका या ऊपरका हिस्सा (४) मुहाना नदीमुख
मुखत्यार वि० जिसे अपनी मर्जीके अनु सार काय करनकी सत्ता दी गई हो, मुखतार (२) एलची प्रतिनिधि, मुखतार
मुखत्यारनामु न० मुखतारनामा-
मुखपत्र न० किसी मडलका पत्र मुखपत्र
मुखपाठ पु० जबानी याद करना घोखना
मुखियो पु० प्रमुख व्यक्ति, मुखिया (२) ठाकुरजीकी सेवा-पूजा करनेवालाका अगुआ, मुखिया
मुखी पु० अग्रेसर नायक अगुआ(२) गाँवका चौधरी मुखिया
मुख्यत्वे, मुख्यत्वे करीने अ० मुख्यतया अक्सर प्राय
मुख्य प्रधान पु० मुख्य मत्री
मुगजी स्त्री० कपडेके किनारे पर लगाई जानेवाली रगीन महीन पट्टी गोट मगजी सजाफ
मुगट पु० पगडी पर लगानेका एक आभूषण (२) राजाका ताज, मुकुट
मुगटी स्त्री० छोटा मुटका
मुगटो पु० एक रेशमी वस्त्र मुटका
मुचरको पु० (गुनहगारका) जमानत नामा, मुचलका
मुछाळो वि० पु० मूछावाला मद मुछदर
मुजब अ० मुजिब —के अनुसार
मुजरो पु० मुजरा सलाम
मुझवण स्त्री० दुविधा घबराहट उलझन
मुझारी स्त्री० (–रो) पु० त्रिदोष सन्नि पात (२) घबराहट, बेचनी
मुझाव अ० क्रि० दम घुटना साँस रुकना (२) दुविधामें पडना घबडाना
मुठ्ठी स्त्री० मुटठी मुश्त(२)मुटठीभर आटा या अन्न जो दानके लिए निकाला जाय मुटठी चुटकी। [–चापवी, दाबवी = मुटठी गरम करना, घूस देना। –मां राखवु = अपने हाथमें – कब्जेमें रखना, मुटठीमें रखना। –वाळवी = हथेली बाँधना (२) देनेसे इनकार करना]

मुठ्ठीभर वि० मुट्ठीभर (२) थोडा
मुठ्ठो पु० बडी मुट्ठी
मुडदाल वि० मुरदा जसा, मृतवत (२) मुरदार बेदम, दुबल (३) मुरदका मास)
मुडदु न० मुरदा, मुर्दा, शव
मुतरडा स्त्री० पेशावखाना
मुतरावबु स०क्रि० 'मुतरवु' का प्रेरणार्थक
मुत्सद्दी पु० हिसाब लिखनेवाला मुतसद्दी (२) राजकायमें कुशल व्यक्ति, राजनीतिज्ञ (३) [ला] दावँ-पेच जाननेवाला युक्तिबाज
मुदत स्त्री० मुद्दत समय (२) अवधि, मुद्दत। [-थवी = समय होना (२) मीआद या अवधि पूरी होना। -बांधवी = समय नियत करना मुद्दत बाँधना, अवधि देना। -पडवी = मुकदमेकी सुनवाई किसी अन्य दिन पर रखना मुकदमेकी तारीख पडना। -पाकवी = मीआदका पूर्ण होना। -मारवी = अवधि देना; मुद्दत बाधना]
मुर्तिय वि० मुद्दती मीआदी, मीयादी
मुर्तियो ताव पु० मीआदी बुखार, 'टायफाइड'
मुद्दत स्त्री० देखिये 'मुदत'
मुद्दल न० मूलधन पूंजी (२) अ० बिलकुल निरा एकदम [नि सदेह बेशक
मुद्दाम अ० विशेषत, खासकर (२)
मुद्दामाल पु० खास महत्वका या आवश्यक माल (२) वह माल जिससे गुनाहका प्रमाण सबूत मिले
मुद्दा पु० प्रमाण सबूत (२) महत्वपूर्ण काम, विषय या बाबत (३) 'मूल' वारेण, जड आरभ, मुद्दआ
मुनक्का स्त्री० मुनक्का
मुनशी पु० मुशी लेखक, ग्रथकार (२) लिखनेवाला, लिखनेका काम करनेवाला, मुहर्रिर, मुंशी (३) उर्दू-फारसी या अरबी पढानेवाला, मुशी
मुनसफ पु० दीवानी अदालतका न्यायाधीश, मुसिफ
मुनसफी स्त्री० मुसिफका काम मुसिफी (२) अधिकार, सत्ता (३) विवेक करनेकी बुद्धि
मुनास(-सि)ब वि० मुनासिब, वाजिब
मुनीम पु० कोठीका प्रधान गुमाश्ता, मुनीम
मुफलिस वि० मुफलिस, गरीब
मुबारक वि० मुबारक, सौभाग्यशाली, शुभ धन्य। [न मुबारक हो, रहो = -को मुबारक हो हम नही चाहिए]
मुबारकबादी स्त्री० मुबारकबादी, मुबारकबाद, बधाई अभिनदन
मुरघी स्त्री० मुर्गी, मुरगी
मुरघो पु० मुरगा, मुर्ग
मुरत न० मुहूर्त शुभ काल
मुरतियो पु० दूल्हा, कन्याके लिए प्रस्तावित अथवा निश्चित किया हुआ वर
मुरब्बी वि० (२) पु० (कुनबेमें) पूज्य, बडा, बुजुर्ग, गुरुजन (३) कद्रदान, सरपरस्त, मुरब्बी, 'पेट्रन'
मुरब्बो पु० मुरब्बा
मुलक पु० मुल्क, देश प्रदेश
मुलकी वि० मुल्की मुल्क-सबधी, मुल्कका (२) दीवानी, महसूली
मुलतवी वि० मुलतवी, मुल्तवी, स्थगित
मुलवणी स्त्री० मूल्य निश्चित करना, मूल्याकन
मुलाकात स्त्री० मुलाकात, भेंट
मुलाकाती वि० मुलाकात सबधी (२) पु० मुलाकात करनेवाला, मुलाकाती

मुलाम वि० सुंदर, शोभन
मुलाम(-मो) पु० मुलम्मा, गिल्ट
मुल्लो पु० पूंजी, मूलधन
मुवाडु न० छोटा गांव खेडा पुरवा
मुवाळो पु० बाल केश
मुशळ न० मूसल, मुसल
मुशळधार वि० मुसलाधार
मुशायरो पु० मुशायरा
मुश्केटाट वि० पीठ पीछे मुश्कें बांधा हुआ
मुश्केल वि० मुश्किल कठिन
मुश्केली स्त्री० मुश्किल, मुसीबत कठिनाई
मुसद्दी वि०(२) पु० देखिये मुत्सद्दी
मुसद्दो पु० खर्रा मसौदा (२) अयधन शैलीवाला लेख
मुसल(-ळ) न० मूसल मुसल
मुसळधार वि० देखिये मुशळधार
मुसाफर पु० मुसाफिर यात्री
मुसाफरखानु न० मुसाफिरखाना सराय
मुसाफरी स्त्री० सफर, प्रवास, मुसाफिरी
मुसाफरी बंगलो पु० डाकबंगला
मुस्ताक वि० आतुर मुस्ताक(२)दृढ, अटल। [-रहेवु = जमा रहना अटल रहना]
मुहूत न० मुहूर्त दो घडीका समय, ४८ मिनट(२)कोई कार्य आरंभ करनेका शुभ समय मुहूर्त, साइत साअत
मुंज न० एक घास मूंज
मुंडी वि० मुंडे हुए सिरवाला मुंडी (२,पु० नाई, मुंडी(३)संन्यासी, मुंडी
मूई वि० स्त्री० मरी हुई, मुई
मूउ वि० मरा हुआ मुआ (२) क्रोध या प्यारमें दिया जानेवाला एक विशेषण – उद्गार, मुआ
मूएलु वि० मरा हुआ, मृत

मूओ वि०पु० मृत मुआ। [मूआ नहीं ने पाछा थया, मूआ नहीं ने मांदा पड्या = कोई खास फर्क न पडा एक-सा, जहांका तहां रहना। -वर ने बळी जान = जाने दो छोड दो वह बात मुझे क्या]
मूकवु स० क्रि० छोडना तजना, रिहा करना, मुक्त करना (२) (अमुक स्थान पर) नियुक्त करना लगाना कायम करना (चीज़) सजाना सिलसिलेसे रखना, रखना (३) धारण करना पहनना (टोपी पगडी) (४) पकनेके लिए चूल्हे पर रखना(साग भात आदि) (५) रेहन रखना सौंपना सिपुर्द करना रखना उदा० तेने त्यां सो रूपिया मूक्या छे (६)सीखनेके लिए नियत स्थान पर पहुंचाना, लगाना, उदा० शराफनी दूकाने-निशाळे मूक्यो (७) कुछ जगह छोडना उदा० चार लीटी मूकी दीधी (८)-के जिम्मे डालना रखना थापना। [ऊंचु मूकवु = खतम करना पूरा करना, निबटाना (२) रहने देना(काम)। पाणी मूकवु = हाथमें पानी लेकर संकल्प करना, प्रतिज्ञा करना। वात मूकवी = बात छेडना जिक्र करना (२) बात पेश करना]
मूगु वि० गूंगा, मूक(२)शान्त, चुप मौन। [मूगो मार = मीठी मार गुप्त मार]
मूछ स्त्री० मूछ। [-आववी, ऊगवी = मूछोंका उगना मसें भीगना (२) लडकेका जवानीमें आना। -ऊंची राखवी = प्रतिज्ञा या इज्जत निबाहना आन रखना अपनी बात रखना। -नीची थई जवी = मूछ नीची होना, इज्जत खोना। -नो आंकडो नमवा

न देवो = गव रखना मूछ नीची न होने देना।—नो वोरो फूटवो = मसे भीगना, मूछ उगना। —नो वाळ = मूछका वाल। —पर ताव, ताल देवो = मूछ पर ताव देना, मूछ मरोडना। —पर लींबु ठराववां, नचाववां, राखवां = गव करना। —मा हसवु = स्मित करना, मुसक्राना] [हौसला, मुस्त

मूजी वि० कजूस (२) बेअक्ल या पस्त

मूठ स्त्री० मुठी, मूठ (२) कब्जा, दस्ता, मूठ (३) तांत्रिक प्रयोग, मूठ। [—मारवी = मत्र पढकर तांत्रिक प्रयोग करना, मूठ मारना]

मूठी स्त्री० देखिये मुठठी। [—श्रो भरावश = बेकार कोशिश कराना, व्यथ मायापच्ची कराना। —वाळीने (नासवु दोडवु) = दुम दबाकर। बांधी मूठी = गुप्त या रहस्यमद यात (२) इज्जत कायम रहना]

मूठो पु० बडी मुठ्ठी

मूडकु न० मुड सिर, कपाल

मूडी स्त्री० मुह या कपालका भाग, मूड। [—नीची करवी = टेक या इज्जत छोड देना जाने देना। नीची मूडीए = सिर नवाकर लज्जित होकर, सिर नीचा करके]

मूडी स्त्री० पूजी, धन (२) व्यापार—उद्योगमें लगाया हुआ धन मूलधन [—हाथमां होवी = मुठठीमें होना कब्जेमें होना] [पूंजीपति

मूडीदार वि० (२) पु० धनी व्यक्ति,

मूडीवाद पु० पूजीवाद, सरमायादारी केपिटालिज्म [सरमायादारी

मूडीवादी वि० (२) पु० पूंजीवादी,

मूडो पु० मूढा, मोढा

मूतर न० मूत्र, मूत, पेशाव

मूतरवु अ० क्रि० मूतना। [मूतरी पडवुं = डर जाना, घबराना]

मूमती स्त्री० कपडेकी पट्टी जो जैन यति मुह पर बांधते है, मुखपत्री

मूरख वि० (२) पु० मूख

मूरखाई, मूरखामी स्त्री० मूखता

मूरखु वि० मूख

मूरझावु अ० क्रि० मुरझाना

मूर्खाई स्त्री० मूखता, नासमझी

मूल न० कीमत, मूल्य, दाम

मूलववु स० क्रि० मूल्य ठहराना (२) खरीदना (३) कद्र करना, गुणकी पहचान करना

मूल्य न० मूल्य, कीमत, दाम

मूल्यवान वि० मूल्यवान, कीमती

मूसळी स्त्री० मूसली

मूसळी स्त्री० बट्टा, दस्ता

मूळ वि० मूल, असल, पहलेका, आद्य (२) न० पेड-पौधेकी जड, मूल (३) आधार, नीव बुनियाद (४) नदीका उद्गमस्थान, मूलस्रोत (५) आदि कारण [ला]। [—मां, मूळे = असलमें (२) शुरूमें, आदिमें मूलत]

मूळकारण न० मुख्य कारण

मूळगत वि० मूलगत

मूळगु वि० (२) अ० असल, आद्य, मूल (३) तमाम, सारा, कुल

मूळभूत वि० मूलभूत, बुनियादी, आधाररूप [कवहरा, धणमाला

मूळाक्षर पु० वणमालाके मूल अक्षर,

मूळाडियु, मूळाडु न० जड, मूल

मूळियु न० जड, मूल

मूळो स्त्री० मूलकी छोटी शाखाएँ

मूळो पु० मूली

मूंगुं वि० देखिये 'मूगु'
मूंगी वि० देखिये 'मूजी'
मूंझवण(-णो)स्त्री०आकुलता बेचनी व्यग्रता उल्झन, घबराहट
मूंझववुं स० क्रि० आकुल बनाना, उलझनमें डालना बेचैन बनाना
मुझारो(-रो) देखिये मुझारी'
मूंझावुं अ० क्रि० देखिये 'मुझावु'
मूंडकुं न० मूड, मुड सिर, खोपडी
मूंडवुं स० क्रि० सिरके बाल उस्तुरेसे बनाना मूडना (२) [ला] ठगना, मूंडना(३)चेला मूंडना
मूंडाववुं स० क्रि० 'मूडवु'का प्रेरणार्थक, मुडाना मुडाना
मूंडावुं अ० क्रि० मूडवु का कर्मणि, मूंडा जाना, मुंडना
मूंडियो पु० मुडिया, सन्यासी
मूंडी स्त्री० वह स्त्री जिसका सिर मुडा हुआ हो मुडी(२)मूंडी, मूड सिर
मूंडु वि० मुडित मुडा हुआ, मुडा
मूंडो पु० मुडा हुआ सिर, मुड (२) मुडित सिरवाला व्यक्ति, मुडिया
मृगजल(-ळ) न० मृगजल
मृगली स्त्री० हिरनी मृगी
मगलु न० हिरन मृग
मगलो पु० हिरन मृग
मृत्युदंड पु० मौतकी सजा देहात-दंड
मृत्युपत्र न० मृत्युलेख पु० वरासतनामा
मृत्युवेरो पु० मृत्युकर
मे पु० मई(मास)
मेख स्त्री० मेख खूटी कील(२) पच्चर । [-मारवी = कील ठोकना, मेख मारना (२) रुकावट डालना पच्चर मारना मेख मारना (३) मजबूत या अटल बना देना खूंटा गाडना । सोनानी थाळीमां लोडानी मेख = इज्जतमें कलकका टीका (लगना)]
मेघ पु० मेंह बारिश(२)बादल, मेघ (३) मेघ राग (४) एक छद
मेघधनुष(-ष्य) न० इद्रधनुप
मेघराजा पु० इद्र (२) बरसात मेंह
मेघल(-ली) वि० स्त्री० बादलसे ढका हुआ मेघाच्छन्न
मेघाडंबर पु०, न० घनघटा बदली (२)बादलोका गरजना, मेघाडबर (३)छतरीदार हौदा
मेज स्त्री० जु० मेज, टेबुल
मेजबान पु० मेजबानी स्त्री० देखिये 'मिजबान, मिजबानी' [मजिल
मेडी स्त्री० छोटे मकानकी ऊपरकी
मेडो पु० ऊपरकी मजिल छत
मेते(में) अ० खुद स्वय
मेथियुं न० मेथीयुक्त मसाला भरकर बनाया हुआ अचार
मेथी स्त्री० एक प्रकारके दाने या उसके पत्ते, मेथी । [-ना = मेथीके लड्डू(२) बहुत भारी लाभ(३)मिष्टान्न उदा० 'मेथीना करी मूक्या छे]
मेथीपाक पु० मेथीके लड्डू(२)[ला]मार
मेदनी स्त्री० धरती, दुनिया मेदिनी (२)भीड मजमा
मेदान(में) न० मदान
मेदानी(में) वि० मदानी (खेल)
मेंदी(में) स्त्री० एक वनस्पति मेहदी
मेंदो(में) पु० मदा (गहूका)
मेना(में) स्त्री० मना सारिका
मेनो(में)पु० देखिये 'म्यानो'
मेर पु० जपमालामें सबसे ऊपर रहने वाला प्रधान मनका मेरु (२)शिरोमणि, मुकुट(३)नैचेका वह भाग जिस

पर चिलम रहती है, चिलमची(४) सौराष्ट्रमें बसनेवाली एक जाति(५) मेरु पर्वत

मेर स्त्री० ओर, दिशा

मेराई पु० दरजी, दर्जी

मेल पु०, स्त्री० डाकगाडी, मेल्ट्रेन मेल

मेल(मॅ) पु० मल, कचरा, गदगी। [-कापवो = मल काटना, दूर करना। [-मूकवो = दिलमें मल न रहने देना कपट न रखकर साफ-साफ कहना]

मेलखाउ(मॅ) वि० मैल्खोरा गदखोरा

मेलगाडी स्त्री० डाकगाडी, मेल्ट्रेन

मेलडी(मॅ) स्त्री० चाडाल स्त्रीप्रेत, भूतनी(२)एक देवी, चाडालिनी

मेलण(मॅ) न० छुटकारा, रिहाई

मेलवु(मॅ) स० क्रि० रखना, धरना

मेलाण(मॅ) न० मिलन, मिलाप(२) छुटकारा, मुक्ति(३)डग, कदम। [-थवुं=(ग्रहणमेंसे) छूटना, मुक्त होना]

मेलाववु(मॅ) स० क्रि० मेलवुंका प्रेरणापक, रखवाना | रखा जाना

मेलावु(मॅ)अ०क्रि० मेलवुंका कमणि

मेली(मॅ) स्त्री० वह झिल्ली जिसमें गर्भस्थ शिशु लिपटा रहता है, आँवल, खेडी, जरायु

मेली विद्या(मॅ) स्त्री० मारण-जारण या भूतप्रेतादिको वशमें करनेकी विद्या मंत्र-तंत्रविद्या

मेलु(मॅ) वि० गदा, मैला(२)कपटी (३)न० मलमूत्रादि मैल(४) भूतप्रेतादि। [-वळगवु = भूत लगना]

मेवो पु० ताजे या सुखाये हुए फल, मेवा

मेश(मॅ) स्त्री० काजल मसी। [-घसवी (मोढे) = अपयश लेना। -नो चाल्लो = कलकका टीका]

मेशी वि० कजूस

मेस(मॅ) स्त्री० देखिये 'मेश'

मेह पु०मेंह बारिश। [माग्या मेह वरसवा =जरूरतके अनुसार मेंह बरसना, राम राज्य होना]

मेहुलो पु० मेंह, वर्षा

मेळ पु० रोजका आय-व्ययका हिसाब, ब्यौरा लेखा(२)हिसाब, समझ, महत्त्व हेतु उदा० 'अत्यारे त्यां जवानो शो मेळ छे?'(३)एकसापन सादृश्य, समानता(४)बनत मेल(५)इकट्ठा होना, मिलन मेल(६)मेल(सगीतमें) सुरोका मिलना(७)सयोग अनुकूलता मेल, उदा० हमणा मने त्यां आववानो मेळ नथी। [-आववो =एकदिल होना मेल खाना(२)अपनी जगह पर ठीक बैठना (३) मौका मिलना। -काढवो बेसाडवो, मेळववो = जमाखर्च करना, हिसाब मिलाना (२) रोकड निकालना(३)अनुकूल करना मेल मिलाना। -खावो बसवो = मेल खाना, मेल बैठना (२) अनुकूलता होना, सयोग होना (३) सगतिके उपयुक्त होना। -बेसवो मळवो= हिसाब मिलना(२)पटना, मेल बैठना। -रहेवो = बनत होना मेल रहना]

मेळवण न० मिश्रण(२)जामन। [-करवु = मिश्रण मिलावट करना, मिलाना]

मेळवणी स्त्री० मिलाना-बढ़ाना, मिलाई(२)मिलानेकी चीज (३)तुलना

मेळववु स० क्रि० इकट्ठा करना, मिश्रित करना, मिलाना(२)प्राप्त करना पाना (३) तुलना करना, मिलाकर देखना, मिलाना (४) दूधमें जामन

डाल्ना जमाना (५) बाजेके स्वराका मेल धरना मिलाना
मेळाप पु० मिलाप, मिलन समागम (२) मेल सद्भाव बनत [ला]
मेळापी पु० मित्र
मेळावडो पु० जमाव, मजमा समूह (२) सभा जल्सा मजलिस सम्मेलन
मेळ(में) अ० खुद स्वय (२) अपनी इच्छासे खुशी-खुशी
मेळो पु० भेंट, मिलाप मुलाकात (२) मेला। [–भरावो = मेला लगना]
मेंढी(में०) स्त्री० भेड
मेंढु(में०) न० भेडा, मेढा
मेंढो (में०) पु० भेडा मेढा
मेंदी(में०) स्त्री० महेंदी हिना
मेंदो(में०) पु० देखिये 'मदो
मयत स्त्री० मृत्यु (२) मातम मनानेके लिए इकटठा होना (३) वि० मरा हुआ, मृत [चिंता नही
मोई वि० देखिये मूई (२) भले
मोई स्त्री० गुल्ली डडके खेलम छोटा काठका टुकडा गुल्ली गिल्ली
मोईदडा पु० ब० व० गुल्ली-डडा
मोकलवु स० क्रि० रवाना करना भेजना, जानेको कहना (२) पहुचाना
मोकलावबु स० क्रि० मोकलवु का प्रेरणाथक भिजवाना भनवाना
मोकळाण(–ण) (मा) स्त्री० (जगहकी) कुशादगी, विस्तार फलाव
मोकळु (मों) वि० खुला हुआ विस्तृत कुशादा (२) [ला] साफदिल, पाकदिल (३) दरियादिल उदार कुशादादस्त।
[–मूकवु = गला फाडकर राना]
मोकाण(मा) स्त्री० मौतकी खबर (२) मातम मनानेके लिए इकटठा होना
मातम-पुरसी (३) मुसीबत, शामत। [–ना समाचार = मौतकी खबर अशुभ समाचार] [हुआ मौकूफ
मोकूफ वि० बद किया हुआ, छोडा
मोकूफी स्त्री० मौकूफी
मोको पु० मौका अवसर, ताक दावँ
मोख पु० मौका ताक (२) आगेका हिस्सा जो कुछ महत्व रखता हो विशिष्ट स्थान मौका, उदा० 'घर दुकान सारा मोखमा आव्या छे (३) मौका अनुकूलता उपयुक्त काल, उदा० 'मोख आवशे त्यारे पसा आपीश'। [–आववो = मौका मिलना सुभीता या सुयोग प्राप्त होना। –मा फरवु = ताकमें घूमना घातमें फिरना]
मोखरो(मा) पु० आगेका हिस्सा, अगीठा, मौका (मकानका)। [**मोखरे करवु** = खतरे आदिके समय किसीको सामने कर देना आगे करना (२) अगुआ बनाना आगे करना। **मोखरे धरवु** = देखिये मोखरे करवु न० १। मोखरे जवु = आगे जाना चलना, अगुआना (२) अगुआ होना। –साचववो = वीराकी तरह आगे बढकर मदानमें आना और युद्ध-सचालन करना]
मोगर वि० छिलके निकाली हुई (दाल)
मोगरी स्त्री० एक साग
मोगरी स्त्री० मुगरी
मोगरेल न० मोगरेका तेल
मोगरो पु० मोगरा, बनिया बेला (२) मुगरा – हथौडी (३) छोटे गुबद या शिखर जसा आकार कँगूरा (४) बत्तीका सिरा जो बिल्कुल जल गया हो गुल फूल (५) डण्टा, नाव' डाट (६) एक गहना

मोघम(मॉ) वि० (२) अ० अस्पष्ट, अनिश्चित, मुग्घम
मोघवारी(मॉ) स्त्री० महँगी (२) महँगीका भत्ता, महँगाई
मोघाई, मोघारत(मॉ) स्त्री० महँगा होना, महँगी, गिरानी
मोघु(मा) वि० महँगा, कीमती, अधिक दामवाला, तेज (२) [ला] अति प्रिय, दुलारा (३) दुर्लभ, दुष्प्राप्य (४) आदरणीय, सम्मान्य (५) विशिष्ट मान या लाड या प्रेमका इच्छुक, जिसका मनुहार करना पडे। [–मोंघु थवु = मान इच्छना, आदरकी अपेक्षा करना]
मोचण स्त्री० मोचीकी स्त्री, मोचिन
मोची पु० मोची
मोज(मॉ) स्त्री० मौज, आनन्द (२) मरजी तरंग, मौज। [–मां आवे तेम = इच्छाके अनुसार]
मोजडी स्त्री० मखमल या चमडेकी सुन्दर, नाजुक जूती, सलीमशाही जूती
मोजणी स्त्री० पमाइश (जमीन)
मोजणीदार पु० (जमीनकी) पैमाइश करनेवाला
मोजमजा(मॉ) स्त्री० मौज-मजा
मोजशोख(मा) पु० भोग विलास
मोजी(॰लु) (मॉ) वि० आनन्दी, मौजी (२) विलासी (३) मनमें आये सो करनेवाला, तरंगी, मौजी
मोजुं न० मौज पानीकी लहर, तरंग
मोजु न० मोजा या दस्ताना [तैयार
मोजूद वि० मौजूद हाजिर, विद्यमान,
मोजे(मॉ) अ० (अमुक) मुकाम पर, गाँव पर मौजे पर उदा० 'मोजे रामोल'
मोजो पु० देखिये 'मोजु'
मोझार अ० में बीचमें, मझार [प]

मोटप स्त्री० बडप्पन, प्रतिष्ठा, आबरू
मोटपणु न० बडाई (२) बडी उम्र
मोटम स्त्री० देखिये 'मोटप'
मोटाई(मा') स्त्री० देखिये 'मोटप'
मोटाभा(मा) पु० ब० व० पद प्रतिष्ठावाला व्यक्ति, अगुआ, मुखिया
मोटाश(मो') स्त्री० देखिये 'मोटाई'
मोटु(मो') वि० बडा (२) [ला] उदार, सखी (३) प्रतिष्ठावाला, आबरूदार (४) मुख्य, महत्ववाला, बडा, जरूरी, उदा० 'मोटी माटी बाबत'। [मोटा लोक = बडे लोग, बडे आदमी। मोटां जोटां = बालिग, वय प्राप्त, सयाना। –कपाळ = भाग्यशालीका – बडभागी का ललाट। –करवु = बडा करना, पालना-पोसना (२) मान, महत्ता देना बडा बनाना। –पेट = क्षमाशील या सहनशील स्वभाव (२) पेटकी बात पचा नेवाली प्रकृति (३) लालची स्वभाव। –मन = उदारता, दरियादिली। –मों = लालची, पेटू या घूसखोर स्वभाव। मोटे पाटले बेसाडवु = ऊँचे आसन पर बिठाना ज्यादा मान देना, बखान करना]
मोटेथी(मा) अ० ऊची आवाजसे जोरसे
मोटेर वि० बडा बुजुग
मोड(मॉ) पु० शादी जैसे मगल अवसर पर स्त्रीके सिर पर पहनाया जाने वाला एक प्रकारका मुकुट, मौर (२) जिम्मा, भार [ला]। [–मूकवो = दायित्व ग्रहण करना, भार उठाना]
मोड पु० मोड, घुमाव (रास्ते आदिका) (२) अकड, गर्व ऐंठ (३) जिद, टेक (४) हावभाव, नखरे (५) लिखनेका ढब शैली, इबारत

मोडबधो (मॉं) वि० मौर-सेहरा पहनने वाला, बहादुर (२) पु० वर, दूल्हा

मोडुं(मॉं) वि० निश्चित समयके बादका जिसमें देर हुई हो देरमें (२) न० समय बीत जाना देर होना (३) देर विलब

मोढामोढ (मॉं) अ० मुह दर मुह रूबरू समक्ष मुह पर (२) एक मुहसे दूसरे मुह

मोढियु(मॉं) न० सबसे ऊपरका हिस्सा मोहडा मोहरा (२) लाल्टेनका वह भाग जिसमें बत्ती रहती है, कल्ला, 'बनर (३) चरखेका वह हिस्सा जिसमें तकुआ रहता है मोढ़िया (४) पशुओंके मुह पर बांधी जानेवाली जाली मोहरा

मोढुं (मा) न० मुह, मुख। [**मोढा जेवु** = जो ठीक या अच्छा न हो, भद्दा, भाडा। **मोढानी मीठाश** = दिलमें मिठास नही, मगर मुह्में मिठास मुहकी मिठास। **मोढानी वात** = मौखिक कही हुई बात लिखित नहीं। **मोढा री वातो** = जबानी जमा-खच, वह बात जो कही जाय, पर अमलमें न लाई जाय। **मोढानु छूटु** = वाचाल मुहज़ोर (२) दो-टूक जवाब देनेवाला माफजवाब। **मोढा पर आववु** = जबान पर आना मुहमें आना। **मोढा पर कहेवु** = बिना शरमाये मुंह पर कहना सीधी-सीधी सुनाना। **मोढा पर थूकवु** = मुंह पर थूकना तुच्छ समझना। **मोढा परथी माख पण न ऊडवी** = जिससे कुछ बन न सके ऐसा होना दुबल बेदम होना। **मोढा पर मारवु** = मुहपर सीधी-सीधी सुनाना। **मोढा पर शाही ढोळावी, रेडावी** = मुहमें कालिख लगाना मुंह काला होना। **मोढामां आवे तेम** = बिना सोचे-समझे मुहफटकी तरह, जो मनमें आये। **मोढामा आंगळी घालवी** = दांत तले उँगली दबाना दग हो जाना (२) बोलनेके लिए विवश करना। **मोढामा जीभ घालवी** = मुह बद कर लेना चुप होना। **मोढामां जीभ न होवी** = मुहमें *जबान न होना चुप होकर बैठ रहना।* **मोढामां थूके एवु** = परवाह न करने वाला (२) दूसरेसे आग निकल जाने वाला बढकर सवाया। **मोढामा दांत नथी?** = दम जोर, ताकत नही है? **मोढामा मग ओरवा** = मुहमें घुनघुनिया भर लना जवाब दिये बिना चुप रहना, मुह पर ताला लगा लेना। **मोढामां मारवु** = मुह पर सीधी-सीधी सुनाना। **मोढामां लीलु तरणु घालवु** = मुहमें तिनका लेना अति दीनता प्रकट करना। **मोढामा साकर** = मुहमें गुड घी या घी शक्कर। **–अवळु करी नाखवु** = मुह चपडा कर देना हुलिया बिगाड देना। **–आवडु थई जवु** = (अपनासा) मुंह लेकर रह जाना खिसियाकर रह जाना। **–आववु** = मुह आना, मुहमें छाले पडना। **–ऊतरी जवु** = खिसियाकर रह जाना मुह उतरना (२) दिलगीर हो जाना। **–करवु** = छेद करना फोडेका फूटना मुह करना। **–काढवु** = ससारमें आत्म सम्मानपूवक रहना सिर उँचा करना। **–चडवु** = मुह लटकाना फुलाना रूठना। **–चलाववु** = मुह लगना हुज्जत करना ढिठ ईसे जवाब देना (२) गालियाँ देना (३) खाना, मुह चलाना। **–चालवु** = बार-बार खाये जाना (२) बोलते रहना मुह चलाना। **–छाडवु** = बडाकी बात न रखना कहा न

मानना (२) आँख बचाना, मिलनेका टालना। –जोईने लपडाक मारवी = किसीसे जसा चाहिये वैसा बरताव करना। –ढांकवु = शरमिंदा होना, परदा करना (२) रोना, सियापा (स्त्रियाका मृतकके पीछे रोना)। –नीचु घालवु = मुह छिपाना, सिर नीचा करना। –पडवु, पडी जवु = मुह उतरना, (अपनासा) मुह लेकर रह जाना। –पहोळु करवु = दंग रह जाना मुह बाना, फलाना (२) मुह पसारना आतुरतापूर्वक राह देखना। –पहोळु थई जवु = दंग रह जाना (२) मर जाना, टन हो जाना। –फेरववु = मुँह फेर लेना, नाराजी दिखाना, मुह लटकाना। –बतावबु = सामने आना मुह दिखाना। –बतावाय एवु = मुँह दिखाने योग्य। –बहार काढवु = दुनियाको मुह दिखाना सबके सामने आना। –बंध करवु = चुप कर देना मुह बंद करना। –बाळवु = मुह पर फेंक देना या मुह पर फेंक मारना (२) दूर होना मुह काला करना। –भडभडवु, भभडवु = खानेकी तीव्र इच्छा होना जीभ चलना होका होना। –भरवु = मुहमें कौर डालना, मुह भरना (२) घूस देना मुह भरना। –भराई जवु = अघाना संतुष्ट होना। –मलकाववु = मंद मंद हँसना मुस कराना। –रही जवु = मुह थकना। –राखवु = मान रखना। –लेवाई जवु = (अपनासा) मुह लेकर रह जाना, खिसियाकर रह जाना मुह फक पड जाना। –वकासीने रहेवु = मुह ताकतर रह जाना। –वटाळवु = कुछ खाना, मुह जुठारना। –सताडवु = शरमिंदा होना, मुह छिपाना। –सिवाई जवु = मुह पर मुहर लगना, न बोलना। –सीवी लेवु = मुह सीना, मुह बंद कर देना (२) छेद या सूराख बंद करना। –हलाववु = खाना (२) चबाना (३) बोलना (४) सिर हिलाकर स्वीकृति, अस्वीकृति आदिकी सूचना देना, सिर हिलाना। मोढे करवु = घोखना, कठस्थ करना। मोढे कहेवु = रूबरू कहना, मुह पर कहना। मोढे चडवु = याद हो जाना, जबान पर होना कठस्थ होना। मोढे चडीने = सामने आकर रूबरू, मुह पर। मोढे ताळु देवु = जबान पर ताला लगाना, मुह पर मुहर लगाना। मोढे थई जवु, थवु = ज़बानी याद हो जाना। मोढे बोलवु = सिर्फ कहना कुछ करना नहीं, जबानी जमा खर्च करना (२) सामने कहना (बिना डरके), मुह पर कहना। मोढे माथे ओढवु = दिवाला निकालना (२) मुह ढाँपकर रोना (३) निराश होना हार जाना। मोढे लागवु = खानेका चसका लगना, मुह लगना। अवळु मोढु करीने बेसवु = पीठ फेर लेना ध्यान न देना, मुह मोडना। शु मोढु लईने बोले? कया मोढे बोले? = बोलनेमें लज्जित होना किस मुहसे बात कहना? जरा जेटलु मोढु थई जवु = अपनासा मुह लेकर रह जाना लज्जित होना (२) मुह इतनासा निकल आना दुबला हो जाना। काळु तारु मोढु = अपना मुह काला कर, दूर हो जा]

मोण न० [उपयुक्त तैली पदार्थ मोयन] मोयन देना या उसके लिए

मोत(मॉ) न० मौत, मृत्यु

मोतियो पु० आंखकी पुतली पर लगने वाली झिल्ली मोतियाबिंद। [मोतिया मरी जवा = पस्त हिम्मत हो जाना हाथ-पाँव फूलना]

मोती न० मोती। [-ना चोक पूरवा = खयाली पुलाव पकाना, बडे बडे मनसूबे बाधना]

मोतीज(-झ)रो पु० चेचकका एक प्रकार जिसमें बदन पर मोती जसे दाने निकल आते हैं मोतीभिरा

मोद स्त्री० देखिये 'मोदियु'

मोदियु न० दूसूती चाद्दर या फर्श

मोदी पु० मोदी (२) कोठारी, भडारी (३) एक अल्ल

मोदीखानु न० मोदीकी दूकान (२) अन्नका कोठार मोदीखाना (३) लश्करको खुराक और कपडे सप्लाय करनेवाला महकमा 'कमसरियट'

मोबदलो(मॉं) पु० देखिये 'माबदलो'

मोभ पु० वह बल्ला जिसपर छप्परके ठाटका बोझ रहता है बडेर

मोभादार वि० वजनदार, इज्जतदार

मोभारियु न० बडेर पर ढकनेकी बडी नरिया मोधिया

मोभारो पु० छप्परका बडेरवाला भाग

मोभो पु० रुतबा, दरजा, आबरू, मतबा

मोयरु(मॉं) न० देखिये 'माहेरु'

मोर(मॉं) पु० बौर मौर, मजरी

मोर(मॉं र)अ० आगे, पूर्व मोहरे पर

मोरचो पु० लश्करी मोहरेकी व्यूहरचना मोरचा (२) किलेके बुर्जका भाग जहाँ तोप रहती है गरगज [मयूरतुल्य

मोरथुथु न० नीला थोथा, तूतिया,

मोरब्बो पु० देखिये 'मुरब्बो'

मोरमोर(मॉं मा) अ० (खाद्य) मुहमें डालते ही चूर-चूर हो जाय इस तरह खस्ता

मोरली स्त्री० मुरली, वशी

मोरलो पु० मोर

मोरवण न० जामन

मोरववु स० क्रि० जमाना(दही)

मोरवु(मॉं) अ० क्रि० बौर लगना, मौर आना मौरना बौरना

मोरवु (मॉं) स० क्रि० काटना, छीलना (सब्जी आदिको)

मोरस स्त्री० दानेदार शक्कर, चीनी

मोरियो पु० साँवाँ जैसा धान, तिन्नी, नीवार

मोरी स्त्री० मोरी, नाली(गद पानीकी)

मोरु(मा)न०(शतरजका)मुहरा मोहरा

मोरु स० मेरा

मोरे(मॉं) अ० आगे

मोल(मा) पु० फसल, पैदावार

मोवडी वि० आगेका अगला सामनेका (२)पु० अगुआ, मुखिया

मोवण न० देखिये 'माण'

मोवाळो पु० बाल, केश

मोवु स० क्रि० स्नेहयुक्त करना, मोना

मोसम(मा) स्त्री० मौसिम, ऋतु

मोसमी वि० मौसिमी, ऋतुका

मोसबी स्त्री० नारगीकी किसमका एक फल, मासबी

मोसाळ (मा)न० माँका पीहर ननिहाल ममियौरा [आदमी

मोसाळियु(मॉं) न० मामाकी तरफका

मोसाळु(मॉं) न० वह नेग जो माँबापकी ओरसे लडकीका सीमतके अवसर पर या उसके बेटे बेटीके उपवीत या शादीके अवसर पर दिया जाता है चौकट, भात

मोहनठार, मोहनथाळ पु० एक प्रकारका मिष्टान्न
मोहरम(मॉं) पु० हिजरी सवतका पहला महीना, मुहरम
मोहवु अ० क्रि० मोहित होना (२) स० क्रि० मोहित करना
मोहावु अ० क्रि० मोहित होना
मोळ(मॉळ) स्त्री० शरीरमें वातके प्रकोपसे मुहसे टपकनेवाली लार (२) मदी
मोळप(मॉं) स्त्री० फीकापन, सीठापन (२) ढिलाई
मोळवु स० क्रि० छाउना (सब्जी)
मोळाई(–त) (मॉं) वि० मामाका, ममेरा
मोळाश(मॉं) स्त्री० फीकापन सीठापन (२) ढीलापन
मोळियु(मॉं) न० अँगियाकी आस्तीन पर लगाया जानेवाला (कलाबत्तूका) फीता ठप्पा कलावत्तू (२) कलाबतूनी साफा
मोळियु(मॉं) न० बिना नमककी रोटी (२) शोकमें पहननेकी साडी
मोळु(मॉं) वि० स्वादरहित, फीका, सीठा (२) ढीला सुस्त [ला]
मोळुमच(मा) वि० बिलकुल फीका
मों(मो) न० मुह मुख (२) [ला] आबरू, प्रतिष्ठा, हया। [–नु पान = अति प्यारा आँखका तारा (२) जिससे शान बढे। –ने चोकठु नथी = मुहमें लगाम नही है, जो मनमें आये बक देना। –पडी जवु = लज्जित होना खिसियाकर रह जाना (२) दिलगीर दुखी होना। –मां आंगळां घालवां = दाँता तले उँगलियाँ दबाना दग रह जाना। –मा मूकवु = धूर्तता आदिमें आगे बढ जाना। –मां मूके एवु = बढा हुआ सवाया, आगे बढ जानेवाला। –मूकीने = मा। प्रतिष्ठा या हया त्याग करके, बेशम होकर (२) मुक्तकठसे, मुह ढाँपकर। –सताडवु = मुह छिपाना, लज्जित होना। गळपु मो करवु, करावयु = मुह मीठा करना मिठाई खाना खिलाना]
मोंकळा(मो) स्त्री० चेहरेका आकार, रूप
मोघवारी, मोंघाई, मोंघारत, मोघु देखिये 'मोघवारी, मोघाई, मोघारत, मोघु'
मोबदलो(मॉं) पु० वह चीज जो कुछ काम करने या कुछ देनेके बदलेमें मिले, बदला मुआवजा (२) जमीन बेचने वालेका सरकारी दफ्तरमें खरीदारका नाम दज करा देनेका काम
मोमाग्यु(मॉं) वि० मुहमाँगा, खूब
मोंमायु(मा) न० मुह या सिर, किसी चीजका अता-पता या जानकारी [ला]
मोंमार(मा) वि० मुहजोर और प्रभावशाली
मोसूझणु(मॉं) न० प्रभात भोर
म्याउ न० बिल्लीकी बोली म्याँव
म्यान न० म्यान
म्यानो पु० एक तरहकी पालकी, मियाना
म्युनिसिपालिटी स्त्री० नगरपालिका नगरसभा, म्युनिसिपैल्टी

य

य पु० पहला अंतःस्थ वर्ण (२) पदके अंतमें आनेसे 'भी' का अर्थ सूचित करता है, उदा० तमेय (३) प्रश्न वाचक सर्वनामके साथ अनिश्चितार्थक अधिकताका भाव सूचित करता है, उदा० केटलुय

यजमान पु० यज्ञ करनेवाला, यजमान (२) दक्षिणादि देकर पुरोहित या ब्राह्मणसे धार्मिक कृत्य करानेवाला यजमान (३) आश्रयदाता दाता

यजमानवृत्ति स्त्री० यजमानके दान दक्षिणासे जीविका चलाना

यंत्र न० यंत्र, कल (२) देखिये जंतर, जंतर, मंत्र

यंत्रोद्योग पु० यंत्रोद्योग

यंत्रोद्योगवाद पु० यंत्रोद्योगके बढ़नेसे देशकी आबादी है ऐसा वाद, 'इंडस्ट्रियलिज्म'

या अ० हे ऐ (२) अथवा वा, या

याकूती स्त्री० भांगकी चाशनीकी माजून

याचवुं स० क्रि० याचना मांगना

यात्राळु पु० तीर्थाटन करनेवाला, यात्री

यात्री वि० तीर्थाटन करनेवाला (२) पु० यात्री [सूची नाम याददाश्त

याद स्त्री० याद स्मरण स्मृति (२)

यादगार वि० जो किसीकी याद दिलावे (स्मारक) (२) याद रह जाय ऐसा, स्मरणीय

यादगीरी स्त्री० स्मरणशक्ति याददाश्त (२) स्मारक, स्मृतिचिह्न, यादगार

याददास्त (-श्ती) स्त्री० याददाश्त

यादी स्त्री० सूची ब्यौरेवार नाम, फेहरिस्त (२) नाम ब्यौरा लिखनेकी किताब (३) याद, स्मरण

यान अ० अथवा वा, या

यार पु० यार दोस्त (२) जार यार

यारी स्त्री० यारी दोस्ती, मैत्री (२) स्त्री-पुरुषका अनुचित प्रेम या संबंध, याराना (३) पाल फैलानेका रस्सा (४) मदद। [-आपवी, देवी (नसीबे) = (नसीब) खुल जाना या चमकना, प्रयत्न सफल होना] [अयाल

याल स्त्री० सिंहकी गरदन परके बाल,

याहोम अ० कुरबानी आत्मत्यागका नारा। [-करव करीने झुकावचुं = मरनेकी तयारी करके जूझना]

याळ स्त्री० देखिये याल'

युक्ति स्त्री० तदबीर चाल हिकमत उपाय (२) नव युक्ति

युक्तिप्रयुक्ति स्त्री० भले-बुरे उपाय करना विविध चालें चलना युक्ति प्रयुक्ति करना

युक्तिबाज, युक्तिमान वि० चतुर होशियार (२) शोधक खोजी करामाती

युनान पु० ग्रीस देश यूनान

युनानी वि० यूनानका यूनान-संबंधी, यूनानी (२) यूनानी (चिकित्सा शास्त्र, हकीमी)

युनिट पु० इकाई (मान या माप) (२) एक प्रकारकी चीजोंकी एक राशि जो मानदंड काम दे

योजना स्त्री० योजना, आयोजन, व्यवस्था (२) किसी कार्यके बारेमें उसकी रीति, वस्तु, उद्देश्य आदिका पहलेसे किया हुआ विचार, योजना

योजवु स०क्रि० संबद्ध करना, जोड़ना (२) योजना करना, रचना, तरतीबसे रखना (३) नियुक्त करना, लगाना, प्रवृत्त करना

र

र पु० दूसरा अंतःस्थ वर्ण

रकझक स्त्री० झकझक, खींचतान

रकम स्त्री० वस्तु, चीज़ (२) गहना, जेवर (३) बहुत रुपये-पैसे, धन रकम (४) संख्या, रकम [ग] (५) गणितका प्रश्न, सवाल। [–उपाडवी=पैसे उधार लेना, लौटानेकी नीयत पर पैसे लाना (२) कोई चीज़ या जेवर चुराना]

रकमबंध वि० थोक फुटकर या खुदराका उल्टा (२) अ० एक कलम, पूरे तौरसे, समूचे (३) हिसाबसे, एकके बाद एक क्रमसे

रका(–के)बी स्त्री० रकाबी रकेबी

रखवु स० क्रि० रक्षा करना

रखडपट्टी स्त्री० आवारागर्दी मटरगश्त (२) धक्का, चक्कर

रखडवु अ०क्रि० भटकना व्यर्थ चक्कर काटना (२) [ला] –का ठिकाना न लगना किसी काममें न लगना (३) काम पूरा न होना, बीचमेंसे विनष्ट होना लटक जाना [हरहा (पशु)

रखडाउ वि० भटकता, आवारा (२)

रखडामण न० (–णी) स्त्री० बेकार घूमना या व्यर्थ चक्कर लगाना, भटकना [आवारा

रखडु(–डेल) वि० देखिये रखडाउ

रखती स्त्री० मान, लिहाज़ मुरौवत

रखरख न० तड़प, छटपटी, बेचैनी

रखरखवु अ० क्रि० तड़पना, छटपटाना (२) जलना, खूब तपना

रखवाळ पु० चौकीदार, रखवाल

रखवाळी स्त्री० (–ळु) न० रखवाली, चौकी (२) रखवालीकी मजदूरी, रखाई, रखवाई [हुई स्त्री, रखेली

रखात स्त्री० बिना विवाह किये रखी

रखाववु स०क्रि० 'राखवु' का प्रेरणायक, रखवाना [रखा जाना

रखावु अ० क्रि० 'राखवु' का कर्मणि,

रखे(०ने) अ० शायद, कदाचित्, कभी

रखेवाळ(–ळी, –ळुं) देखिये 'रखवाळ' आदि

रखेळवु स०क्रि० रखियाना, अनाजको सड़नेसे बचानेके लिए उसमें राख मिलाना

रखो(०पियो) पु० गाँव या खेतकी चौकी करनेवाला, रखवाला, चौकीदार

रखोपु न० देखिये 'रखवाळु'

रख्या स्त्री० राख, भस्म

रग स्त्री० रग नस (२) [ला] मनका झुकाव, मनोवृत्ति (३) हठ, सख्त धुन। [–ओळखवी, जाणवी, तपासवी, पारखवी=मनोवृत्ति जानना, रग पहचानना। –नो भोमियो=रग रगसे वाक़िफ़]

रगड स्त्री० रगड मदन मालिश(२) कडा परिश्रम रगड [कठिनाईसे
रगडरगड अ० ज्यान्त्यो करके, जसे-तसे
रगडपट्टी स्त्री० रगडा अति परिश्रम
रगडवु स० क्रि० रगडना घिसना, घाटना(२)मालिश करना मल्ना हाथसे रगडना (३) अत्यधिक परिश्रम कराना, हैरान करना, रगडना
रगडो पु० गाढा द्रव पदाथ (२)तलछट, किट्ट(३)झगडा, रगडा
रगत न० लहू, रक्त
रगतपीतियु वि० काढी कुष्ठरोगी
रगतरोयडो पु० रोहेडा रक्तराहितक
रगदोळवु स० क्रि० धूलमें रगडना गदा करना [गिडगिडाना
रगरगवु अ० क्रि० आजिजी करना,
रगरगाववु स०क्रि० 'रगरगवु'का प्रेर णायक(२)भरोसा देकर दु खी करना (३)आशा बँधाकर लटकाये रखना
रगशियु वि० धीमा, मद, सुस्त। [—गाडु = मथर गतिसे और मुश्किलसे चलने वाला काम]
रगियु रगील वि० रगीला, हठी (२) अमुक प्रकारकी मनोवृत्तिवाला
रघवाट पु० जल्दबाजीसे उत्पन्न घबरा हट हडबडी(२)बावलापन
रघवाटियु रघवायु वि० हडबडी मचा नेवाला हडबडिया अधीर
रघवावु अ० क्रि० हडबडाना, घबराना
रचवु स०क्रि० रचना बनाना, निर्माण करना
रचवु अ० क्रि० (द्रवका)जमीनमें उत रना-पचना(२)आसक्त या अनुरक्त होना रचना [लगा हुआ
रचेलुपचेलु, रच्युपच्यु वि० रत लीन,

रज स्त्री० जर्रा, अणु, कण जो सूय प्रकाशमें उडता दिखाई देता है(२) गद, रज कचरा(३)न० स्त्रियोका मासिक रक्तस्राव रज (४) वि० थोडा, जरासा। [—नु गज करवु= तिलका ताड करना। माथे रज भभ रावे एवु=कदम आगे रहनेवाला]
रजकण स्त्री० पु० रजकण, धूलिकण
रजको पु० मथीकी जातिकी घास
रजत वि० रजत चाँदीका बना हुआ (२)रजत शुभ्र, रूपके रगका(३) न० रूपा, रजत
रजतमहोत्सव पु० पचीस साल पूरे होने पर मनाया जानेवाला उत्सव, रजत जयती, सिल्वर-ज्युबिली
रजपूत वि० (२) पु० राजपूत
रजपूताई स्त्री० रजपूती राजपूतपन
रजपूताणी स्त्री० राजपूत स्त्री राजपूतानी
रजपूताना पु० राजपूताना
रजपूती स्त्री० राजपूतपन, रजपूती
रजवाडी वि० देसी रियासतका रियासती
रजवाडु न० देशी रियासत, रजवाडा
रजवाडो पु० देशी रियासत, रजवाडा (२)जहाँ राजपूत रहते हो वह प्रा त राजस्थान (३) राजगृह राजाका महल [देखिये रज
रजस पु० देखिये 'रजोगुण' (२)
रजा स्त्री० रजा परवानगी अनुमति (२) छुट्टी, रजा (३) रुखसत मौकूफी रजा(नौकरी काम आदिस)। [—पडवी=छुट्टी होना] [रजाई
रजाई स्त्री० थोडी रूइ भरा लिहाफ
रजाकजा स्त्री० बीमारी(२)अनचीती आफत(३)मौत, क़ज़ा

रजाचिठठी स्त्री० वह चिटठी या अर्जी जिसमें रजा दी या माँगी गई हो
रजी स्त्री० रेत बालू [किया हुआ
रजू वि० नजरके सामने रखा हुआ,पेश
रजूआत स्त्री० पेश करने या होनेका काम, पेशी [दूसरा, रजोगुण
रजोगुण पु० प्रकृतिके तीन गुणोमें से
रजोगुणी वि० रजोगुणवाला या उससे सबंधित (२) क्रोधी तामस
रजोटी स्त्री० बारीक गद--रज
रझळवु अ० क्रि० निकम्मा या बेकार घूमना फिरना भटकना। [(काम)
रझळी जवु = (काम)खटाईमें पडना या कुछ तै न होना]
रटवु स० क्रि० रटना
रडती सूरत वि० रोनी सूरतवाला, मुहर्रमी, रोतडी सूरत
रडवु अ० क्रि० रोना, रुदन करना (२)स० क्रि० –को लक्ष्य करके दु खी होना, रोना, रज, शोक गम करना (३) दु ख बयान करना रोना। [रडी ऊठव = नीदमेंसे सुगबुगाकर हडबडाकर रोना (२) घाटेमें आ जाना हानि पहुँचना (३) हार जाना थक जाना]
रडवु अ० क्रि० लुढकना
रडाकूट स्त्री० (–टो) पु० रोना–पीटना रोनी धोनी (२)कजिया, टटा (३) व्यय श्रम [ग]
रडारोळ स्त्री० रोना-पीटना, कुहराम
रडयुखडयु वि० भूला भटका (२)शायद कोई, इक्का-दुक्का (३) बिखरा हुआ, तितर बितर [आग्रह
रढ स्त्री० लौ लगन, धुन (२) हठ
रढियाळु वि० सुदर सलौना मोहक
रण न० बालूका मैदान, रेगिस्तान (२) लडाईका मैदान, रण (३) युद्ध, रण (४) ऋण, कर्ज
रणकवु अ० क्रि० रनकना
रणकार (–रो), रणको पु० धातुकी चीज टकरानेसे उत्पन्न ध्वनि, झनकार झकार (२) उस आवाजके खत्म होनेके बाद हवामें गूँजता हुआ स्वर, गूँज
रणगाडी स्त्री० तोप आदिसे लस यात्रिक गाडी जो लडाईमें काम आती है टक, 'टक'
रणगीत न० लडाईका गीत
रणझणवु अ० क्रि० झनझनाना रनकना, खनकना [भागनेवाला, रणधीर
रणधीर (–र) वि० लडाईके मदानसे न
रणबको पु० रनबका वीर
रणवाट स्त्री० रणक्षेत्रका रास्ता (२) लुटेरेका काम डाकाजनी, डकैती
रणवास पु० रनिवास, रनवास, हरम अत पुर [रणभेरी
रणशिंगडु, रणशिंगु न० रणसिंघा,
रणशूर (–र) वि० रनबका, शूरवीर
रणहाक स्त्री० युद्धका नारा; युद्धघोष
रणियु रणी वि० ऋणी, कर्जदार
रतन न० देखिये 'रत्न (२) आँखकी पुतली तारा
रतनजोत स्त्री० औषधके काममें आने वाला एक पौधा, रतनजोत
रतल पु० करीब साढे अडतीस तोलेका एक अंग्रेजी वजन पाउड
रतली वि० पाउड वजनका (२) सख्या मे साथ प्रयुक्त होता है उदा० त्रण रतली' अमुक पाउड वजनका
रतवा पु० चमडीका एक रोग, वात-रक्त रक्तवात

रताश स्त्री० ललाई, लाली सुर्खी
रताळु न० एक कद रताळू [रतौंधिया
रताधळ वि० रातके समय नही देखनेवाला
रतं स्त्री० गुजे जितना कद या वजन
रत्ती २)एक वजन जो तोलेका ३२ वाँ
हिस्सा होता है
रतीपूर, रतीभर वि० रत्तीके जितना
रत्तीभर(२)जरासा, रत्तीभर
रतुबडु रतूमडु वि० रतनारा ललछू,
किंचित् लाल राता
रत्न न० रत्न(२)अपने वग जातिमें
उत्कृष्ट वस्तु या व्यक्ति रत्न अग्र(३)
समुद्रमथनसे निकले हुए चौदह रत्न
रद वि० रद्द निकम्मा काटा-छाँटा हुआ
रदबातल वि० निकम्मा, रद्द
रदियो पु० कही हुई बातको रद्द
निकम्मी साबित करनेवाला प्रत्युत्तर,
खडन रद्द करना
रद्दी वि० रद्दी, निकम्मा, बेकार
रपाटी स्त्री० (-टो) पु० चक्कर फेरा
(२) तेज दौड रपट (३) थका
डालना रगडना
रपेटवु स० क्रि० खूब तेज दौडाना,
खदेडना (२) बहुत श्रम कराकर
थका डालना रगडना
रपेटी स्त्री० (-टो) पु० देखिये
रपाटी । [-मां लेवु = काममें बहुत
जोतना थका डालना रगडना]
रफते रफते अ० रफ्ता रफ्ता, धीरे धीरे
रफु वि० रफूचक्कर, गायब
रफुचक्कर वि० गायब रफूचक्कर
रफेदफे अ० अस्तव्यस्त, तितर बितर
रबडी स्त्री० रबडी, बसौंधी
रबर न० रबड, रबर
रबारी पु० ग्वाला अहीर
रब्बड(-र) न० रबर, रबड
रमकडु न० खिलौना
रमखाण न० हुल्लड, दगा, मार-पीट
रमची(-जी) स्त्री० हिरमजी
रमझट स्त्री० सपाटा, तेजी, झडी
रमण पु० रमण कान्त पति(२)न०
खेलना, विलास, रमण क्रीडा।
[रमणे चडवु = खेलके पीछे पागल
होना (२) (पागल बने इतनी हद
तक) जोशमें आना]
रमणबुझारु न० मिट्टीका मोटा ढक्कन
(२)उसके जसी बेढगी, भद्दी काई
चीज [ला] [बितर
रमणभमण अ० अस्तव्यस्त तितर
रमत स्त्री० खेल क्रीडा, मनोरजन
(२) खेलनेकी रीति ढग। [-करवी
= कामकी तरह काम न करके सिर्फ
उसके साथ खेलना। -रमवी =
खेलना क्रीडा करना (२) दावँ
डालना खेल खेलना चाल चलना
(३) युक्तिपूवक छलना दगाबाजी
करना] [क्रीडा मनबहलाव
रमतगमत स्त्री० तरह-तरहके खेल
रमत वात स्त्री० बिलकुल आसान
चीज या काम बायें हाथका खेल
रमताराम पु० एक जगह स्थिररूपसे न
रहनेवाला रमताराम उठल्लूका चूल्हा
रमतियाळ वि० खेलकूदमें मग्न रहने
वाला खेलवाडी, खिलदरा
रमतु वि० खेलता हुआ (२) बधन
रहित छुट्टा मुक्त (३) कुशादा
विस्तारवाला, खुला (४) जो चुस्त
न हो ढीला। [-रहेवु = छुट्टा या
ढीला रहना। -राखवु = ढीला
रखना, तग न रखना]

रमरमाववुं स० क्रि० जोरसे मारना
रमवु अ० क्रि० खेलना (२) आनद मनाना, धन करना (३) सदा मनमें या स्मृतिपट पर रहना, मनमें घूमना-फिरना, रमना, उदा० 'वात रम्या करवी' (४) काम क्रीडा करना, रमना (५) करतब या खेल-तमाशा करना, खेलना (नट, भांड आदि) (६) कोई खास खेल खेलना (ताश, शतरज आदि) (७) लाड करना। [दाव रमवो = युक्ति करना, दावें खेलना या पैंतरा रचना। राम रमी जवा = मौतके मुहमें जाना, शामत आना, सकट आ पडना। रमी रहेव रम्या करवु = हमेशा व्याप्त होना, न भूलना, रमना]
रमाडवु स०क्रि० 'रमवु का प्रेरणार्थक, खेलाना (२) नचाना, ठगना [ला]
रमूज स्त्री० मनोरजन, मजा, हँसी विनोद कौतुक (२) हँसी, मजाक
रमूजी वि० विनोदप्रिय मजाक-पसद, हँसोड, मजेदार (२) आनदी
रवई स्त्री० रई, छोटी मथानी
रवडवु अ० क्रि०भटकना। [रवडी जवु रवडी पडवु = बेकार घूमते रह जाना कामयाब न होना कुछ ठिकाना न होना छूटना (नौकरी आदि)]
रवरव अ० छरछर, छरछराहटके साथ (पीडा होना)
रवरववु अ०क्रि० छरछराना (पीडा)
रवरवाट पु० घावमें नमक या खार लगनेसे होनेवाली पीडा छरछराहट
रवानगी स्त्री० रवाना होना, विदा रवानगी (२) उस वक्त दी हुई भेंट बिदाई (३) दूसरे गाँव रवाना करना, भेजना
रवाल स्त्री० घोडे या बैलकी एक प्रकारकी चाल, दुलकी, रहवाल
रवी पुं० वसत ऋतु या उस ऋतुकी फसल, रबी, चैती
रवीपाक पु० रबी, चैती (फ़सल)
रवेश पु० पाखानेका बरामदा, बारजा (२, रिवाज प्रथा, रविश [ओसारा
रवेशी स्त्री० मकानका बरामदा,
रवयु न० बहुत छोटा बगन (२) ऊपरसे थोडा चीरकर अदर मसाला भरकर पकाया हुआ शाक [रई
रवयो पु० दही मथनेका डडा, मथानी,
रववो पु० रवया, चलन, प्रथा
रवो पु० रवा, सूजी (२) चाँदी आदिका दाना, रवा (३) गुडकी भेली, पारी ढोका
रशियन वि० रूसी (२) पु० रूसनिवासी (३) स्त्री० रूसी भाषा
रशिया पु० रूस (देश)
रस पु० रस, स्वाद (२) खाये हुए अन्नका प्रथम परिणाम, शरीरकी सात धातुओ में से पहली धातु, रस (३) काव्यका रस आनद (४) आनद, प्रेम, रस (५) जिद होड, ममत्व (चढना) (६) तरल पदार्थ, रस (७) फलो या वनस्पतियोका जलीय अश, रस (८) सार, सत्त्व (९) गुण, फ़ायदा, नफा, रस (१०) सोना, चाँदी आदि धातुको गलाकर बनाया हुआ रस (११) पारा, रस (१२) धातुओको फूँककर तैयार किया हुआ भस्म, रस। [-आववो = मजा, रस आना। -उतारवो = (हाथसे) पीटकर गुस्सा ठडा करना पीटनेकी इच्छा पूरी करना (२) व्यर्थ चक्कर काटकर लौट आना (३) बहुत देर तक खडा रहना (४) जबानदराजी करना जबान

चलाना (५) बददुआ देना। –उतरवो = अतिशयोक्ति करना (२) (पाँव) सूज जाना (३) अडवृद्धि होना, पानी उतरना (४) अधिक चलनेसे या खड़ा रहनेसे थक जाना, पाँव तोड़ना। –जामवो = रसोत्पादक होना जमना (काव्य गाना) (२) मजा आना]

रसकस पु० सार, सत्त्व, कस

रसगुल्लु न०, (–ल्लो) पु० रसगुल्ला

रसयस वि० रसपूर्ण सरस

रसभेर अ० मजेसे, चावसे, शौकसे

रसाकशी(–सी) स्त्री० भारी कामका खींच-तान, नोक-झोक

रसातल (–ळ) न० रसातल। [–घालवु = रसातल पहुँचाना पूरा बरबाद कर देना। –जवु, चळी जवु = मटियामेट होना (२) निवश होना। पृथ्वी रसातल जवी = दुनिया इधरसे उधर होना]

रसादार वि० रसादार शोरवेवाला

रसायण न० धातु पारा आदिकी भस्मवाली औषधि (२) जराव्याधि नाशक औषधि रसायन (३) रसायन विद्या, रसायन विज्ञान

रसायणविद्या स्त्री० धातु, पारा आदि मारनेकी या ताँबा आदि हल्की धातुओंमें से सोना बनानेकी विद्या रसायन (२) रसायनशास्त्र

रसायणशास्त्र न० रसायनशास्त्र 'केमिस्ट्री' (२) रसायन विद्या रसायन

रसायणी वि० रसायन-संबंधी रासायनिक (२) पु० रसायनशास्त्री रासायनिक

रसायन (०विद्या, ०शास्त्र –नी) देखिये 'रसायण' आदि

रसालो पु० घुड़सवारोंका दल, रिसाला (२) अफसर या रईसका परिवार परिजन आदि [(२) उपजाऊ

रसाळ(–ळु) वि० रसपूर्ण रसीला, रसाल

रसियु वि० रसिया, रसिक (२) रस या आनंदका अनुभव करनेवाला रस लेनेवाला (३) अड़दार, हठी जिद्दी

रसी स्त्री० पीब मवाद, उसके जैसा जलीय पदार्थ पानी (२) रोगके जंतुओंसे बनाई हुई दवा लस, टीका

रसी स्त्री० रस्सी, डोरी

रसीद स्त्री० रसीद, पावती

रसीलु वि० रसीला, रसिया (२) छबीला सुंदर सजीला (३) रससे भरा हुआ, रसपूर्ण

रसो पु० शोरवा, रसा झोल –

रसोइयण स्त्री० खाना पकानेवाली मिसरानी

रसोइयो पु० रसोइया बबरची

रसोई स्त्री० खाना पकानेकी क्रिया (२) पकाया हुआ खाद्य पदार्थ रसोई खाना

रसोईपाणी न० भोजन या उससे संबंधित कामकाज [रसोई बावरचीखाना

रसोडु न० रसोईघर रसोईखाना,

रसोळी स्त्री० शरीर पर उभरी हुई गिलटी रसौली

रस्तो पु० रास्ता मार्ग, राह (२) उपाय, रास्ता। [रस्तामां पडवु = रास्तेमें पड़ा हुआ होना, झट मिल जाय ऐसी स्थितिमें होना निकम्मा या अरक्षित। रस्ते चडवु = रास्ते पर आना उचित मार्ग पर आना (२) रास्ते जाना राह लगना। रस्ते पडवु = राह पकड़ना, चला जाना (२) नौकरीमें या किसी काममें लग जाना, ठिकाने लगना (३) काम चल निकलना।

–काढवो = उपाय निकालना, हल खोजना। –पकडवो = चला जाना, रास्ता पकडना (२) मार्ग ग्रहण करना]

रस्सो पु० मोटी रस्सी, रस्सा

रहीश वि० रहनेवाला, निवासी, वासी

रहेठाण (रहें) न० रहनेका स्थान निवासस्थान, मुकाम, रहाइश

रहेणी (रहें) स्त्री० रहनेका ढंग, रहन-सहन, बर्ताव

रहेणीकरणी (रहें) स्त्री० रहन-सहन, आचरण [मेहरबानी

रहेम (०म) (रहें) स्त्री० रहम, कृपा,

रहेमदिल (रहें) वि० रहमदिल

रहेमनजर (रहें) स्त्री० कृपादृष्टि, मेहरबानीकी निगाह

रहेवाबु (रहें) अ० क्रि० रहा जाना (२) बन पडना, कल मिलना उदा० दुखे रहेवातु नथी

रहेवास (रहें) पु० रहना, बसना, वास करना (२) निवास, रहनेका स्थान

रहेवासी (रहें) वि० रहनेवाला, निवासी

रहेवु (रहें) अ० क्रि० रहना बसना (२) राह देखना रुकना, ठहरना, रहना (३) समाना, भीतर आना, अटना (४) थम जाना, रुकना, रहना (५) बचना, छूटना, बाकी रहना (६) जीवित रहना, जिंदा रहना, रहना (७) शान्त–चुप होना, स्वस्थ होना (८) नौकरी पर लगना रहना (९) पेट रहना (१०) रहना (दूसरे शब्दोंके साथ आने पर) उदा० ढीलो रहेवु (११) दूसरी क्रियाके भूतकृदतके साथ वह क्रिया पूर्ण करना' इस अर्थमें, उदा० 'ते बोली रह्यो (१२) भूतकृदतके साथ 'वह क्रिया जारी है' इस अर्थमें, उदा० 'हु विचारी रह्यो छु के हवे मारे शु करवु' (१३) वर्तमान कृदतके साथ 'वह क्रिया होती रहती है' इस अर्थमें, उदा० 'ते घेर कागळ लखतो रहे छे'। [रही जवु = (अगका) सज्ञाहीन हो जाना, काठ होना, गठिया रोगसे जकड जाना (२) मर जाना (३) बच जाना (४) रुकना, ठहर जाना, न जाना (५) मुकाम पर डटा रहना (६) बाकी रहना, बचना, छूटना (७) (ग्राम्य) पेट रहना। रही रहीने = रुक-रुककर, रह रहकर। रहेवा देवु = रोक देना, बद कर देना (२) त्याग करना छोडना (३) मुकाम करने देना]

रहेंट (रहें०) पु० रहेंट, रहट

रहेंसवु (रहें०) स० क्रि० फाड डालना, कत्ल करना

रह्युसह्यु वि० रहा-सहा, बचा-खुचा

रळतर न० कमाई, उपार्जन

रळवु स० क्रि० कमाना, पैसा पैदा करना

रळाउ वि० कमाऊ

रळियामणु वि० रमणीय, सुदर

रंग पु० लाल, पीला आदि रंग या उसकी बुकनी या द्रव रंग (२) [ला] असर, प्रभाव, रंग (३) आनंद मनकी तरंग, मौज, रंग (४) नशा, मस्ती मद, कफ (५) प्रीति, स्नेह, रंग (६) प्रतिष्ठा शान (७) रंगभूमि, रंग मच (८) रणभूमि युद्धक्षेत्र। [–आववो =आनद आना, रंग जमना। –ऊघडवो = भलीभाँति रंग लगना, रंग चढ़ना, रंग खुलना। –ऊडी जवो = रंग उडना। –ऊतरवो = रंगका हलका

पड़ना, रग उतरना, उड जाना (२) धोते समय रग उतरनेसे दूसरे कपडेको रग लगना। –करवो = रग देना रँगना (२) विजयी होना (३) यश या ख्याति प्राप्त करना। –नाखवो = रग खेलना डालना, फेंकना। –फरवो, बदलावो = रग फीका पड जाना रग उतरना। –मचाववो = रग मचाना, रग रचाना। –मारवो, लगाड(–व)वो = रँगना। –मां आववु = रगमें रँगना रगमें आना। –राखवो = शान रखना कमाल करना। –लागवो = रँगी हुई चीजके स्पर्शसे रग लगना (२) –के असरमें आना –के रगमें बदलना (३) –का चसका लगना]

रगत वि० रँगा हुआ रगीन (२) सुशोभित (३) स्त्री० रौनक, खबसूरती उदा० 'आ कपडानी रगत सारी नथी' (४) आनद मजा रगत

रगद्वेष पु० जातिद्वेष, अन्य रगके लोगोंके प्रति भेदभाव

रगपचमी स्त्री० वसतपचमी

रगपाणी न० मादक पेय, नशा, अमल

रगबेरगी वि० रगबिरग

रगभेद पुं० अलग रगके लोगोंके प्रति भेदभाव, जातिभेद

रगभेर अ० हर्षके साथ, आनदसे

रगरसियु वि० रगरसिया, विलासी

रगरूट पु० रगरूट नया सिपाही

रगरूप न० आकार सूरत शकल रग रूप, देखाव

रगरेज पु० कपडा रँगनेवाला, रँगरेज

रगरोगान न० रग और रोगन (आदिकी रौनक) [में] मसखरा भाँड

रगलो पु० विदूषक (नाटक या 'भवाई'

रगवु स० क्रि० रग चढाना (मेज, दीवार आदि पर) रगमें डुबोना (कपडा) रँगना। [रगी नाखवु = मारपीटकर लहू-लुहान करना]

रगशाला(–ळा) स्त्री० रगशाला नाटयशाला (२) रँगनेका कारखाना

रगाई स्त्री० रँगनेकी मजदूरी रँगाई (२) रँगनेकी कला या चतुराई रँगाई

रगाट पु० रँगनेका काम और कला, रँगाई

रगाटी स्त्री० रँगनेका काम या कला (२) रगरेज (३) रँगनेका कारखाना

रगामण न० (–णी) स्त्री० रँगनेकी मजदूरी रँगाई

रगारो पु० रँगरेज, रँगसाज

रगी वि० रंगी, रगीन रगका शौकीन (२) रगयुक्त रगवाला उदा० 'विविधरगी (३) स्त्री० एक प्रकारकी लाल मिट्टी हिरमजी

रगीन वि० रँगा हुआ, रगीन

रगीलु वि० रँगीला आनदी रसिक (२) सुदर खूबसूरत रगीला

रगोळी स्त्री० जमीन पर रग देकर बनाये हुए बेल-बूटे चौकमें आटे आदिकी लकीरोंसे बनाया हुआ चित्र

रच वि० रच थोडा

रजाड पु० स्त्री० बिगाड नुकसान (२) ऊधम, तूफान, शरारत (३) हैरानी दुख क्लेश, सताप

रजाडवु स० क्रि० सताना दुख देना

रडापो पु० रडापा, वधव्य

रडावु अ० क्रि० 'राडवु का कर्मणि

रडी स्त्री० नाचने-गानेका व्यवसाय करनेवाली स्त्री रडी (२) वेश्या रडी (३) ताशका एक पत्ता बेगम

रदो पु० रदा [मिसरानी
रधवारी स्त्री० खाना पकानेवाली,
रधवारी पु०,स्त्री० रसोइया,बावरची
रधावु अ० क्रि० 'राधवु'का कर्मणि (२) काय सिद्ध होना, लाभ होना[ला]
रधो पु० रदा
राई स्त्री० राई। [–चडवी, लागवी = राईके जसा असर होना (२) गुस्सा होना, उत्तेजित होना। –होवी(मगज के मायामा) = मिजाज होना, गुमान होना]
राईतु न० रायता। [–करवुं = [ला] ।कुचल डालना (२) अपने पास खाली पडा रहने देना] [डालना वारना
राईमीठु न० राई-नोन उतारकर आगमें
राक्षसी वि० राक्षसका (२) अति विशाल, भीमकाय, भयानक, क्रूर (३) स्त्री० राक्षसी, दानवी (४) कुत्तेके जसा लबा नुकीला दांत
राख स्त्री० राख, भस्म। [–चोळवी = भभूत रमाना(२)दिवालिया बनना (३)भीख मांगना (४)पायमाल होना]
राखडी स्त्री० राखी रखोडी, रखडी
राखवु स० क्रि० रक्षा करना, बचाना रखना(चीज),निर्वाह, पालन करना (बात वचन), मान रखना, नष्ट न होने देना (इज्जत) (२) जोड-जोडकर रखना एकत्र करना, सचय करना (धन आदि) (३) (आशा, उम्मीद चिता) करना, रखना(४) धारण करना दिखलाना(दया मेह रबानी, भाव जोर), रखना(५) अपने हाथमें अधिकारमें करना, रखना (अकुश काबू,दाब ध्यान निगरानी इच्छा, हक, आना-जाना(६)आग्रह छोडना रहने देना, स्थापित, स्थित रखना, मजूर करना स्वीकृत करना, उदा० 'कायम राखवु, बहाल राखवु, छूट राखवी, ढील राखवु'(७)रेहन, बधक करना, जमा रखना, स्वीकार करना, उदा० 'गीरो राखवु, जमे राखवु'(८)खरीदना, कब्जेमें लेना (९)व्यवहारके लिए अपने अधिकारमें लेना तैनात करना, रखना(घोडा, पहलवान आदि) (१०)स्त्री-पुरुषसे सबध करना, रखना (परस्त्री या परपुरुषको) (११)पडा रहने देना, छोडना(१२)रोकना, आगे चलने न देना (१३) रोक रखना, ठहराना, जाने न देना। [राखी जोवु = आज माइश जाचके लिए रख लेना। राखी मूकवु = सम्हालकर रखना हिफा जतसे रखना(२)बाकी रखना। राखी रहेवु = कब्जेमे रखे रहना(२)जारी रखने देना। राखी लेवु = खरीद कर रख छाडना ले रखना (२) रोक रखना ठहराना रखना]
राखेली वि०स्त्री० (२) स्त्री० रखेली
राखोडियु वि० राखके रगका
राखोडी स्त्री०,(–डो)पु० राख भस्म
राग पु०राग आकर्षण मोह आसक्ति (२) प्रीति, राग, मेल, बनत (३) शाप(४)लाल रग राग(५)गानेकी ताल-लययुक्त पद्धति जिससे रजन हो, राग। [–आववो = पटना मेल होना। –काढवो = गाना, तान लगाना अलापना (२) लबी आवाजमें रोना (व्यग्यमें) भेंवडा पूरना। –खावो = बनना पटना मेल खाना। –गावो = किसी रागमें गाना(२)–के

कहे अनुसार चलना, —के रागमें ढलना। —घूटवो = स्वर भरना साध ना(२)तान लगाना। —मवो = मेल, एक होना। रागे पडवु = ढगसे चल निकलना सफलताकी ओर बढ़ना (२) लगना, नौकरी, काम करना ठिकाने लगना] [या रानेकी)
रागडो पु० लबी आवाज़ तान(गानेकी
राच न० राछ औज़ार (२) घरकी चीज़—वस्तु, घरबार(३)बरतन(४) पु० जुलाहाका औज़ार राछ [बार
राचरचीलु न० घरकी चीज—वस्तु, घर
राचवु अ० क्रि० खुश होना, प्रसन्न होना राचना[प] (२)फबना शोभा देना, राचना [प]
राज अ० (दीपक) गुल, ठडा (होना करना)। [—करवो(दीवा)=(दीया) ठडा करना। —थवो (दीवो)= (दीपक) गुल ठडा होना]
राज पु० राजा, राज(२)न० राज राज्य। [—आववु = राजाकी तरह बठे-बिठाये खाना प्राप्त होना, मिल ना कामकाजसे मुक्ति मिलना(२) कुल सत्ता प्राप्त होना]
राजकाज पु० राजकाज, राज्यव्यवस्था (२) राजनीति [टिक्स
राजकारण न० राजनीति पॉलि
राजकारणी वि० राजनीति-सबधी, राजनीतिक (२) पु० पॉलिटिक्समें हिस्सा लेनेवाला व्यक्ति, राजनीतिज्ञ
राजगरो पु० फलाहारके काम आनेवाला एक प्रकारका धान रजगीर, कूटू
राजगादी स्त्री० राजगद्दी राजसिंहासन
राजदरबार पु० राजाके रहनेका और दरबार करनेका स्थान, राजगृह दरबार
राजदरबारी वि० राजकीय
राजद्वारी वि० राजा या राज्यसे सबध रखनवाला, राजकीय
राजधानी स्त्री० राजधानी, पाटनगर
राजन पु० राल पेडका निर्यास, राल, 'रेझीन'
राजपाट न० राजपाट, राजसिंहासन
राजप्रकरण न० राजनीति
राजबधारण न० राज्यका विधान सविधान
राजबीज वि० राजाके वशमें पैदा हुआ, राजवश्य (२) न० एसा आदमी
राजभोग पु० वैष्णव मदिरामें दोपहरका एक भोग और दर्शन
राजमहेल पु० राजमहल
राजमान (०राजेश्री) (सक्षेपमें रा० रा०) वि० जिसके नाम चिट्ठी लिखी जाय उसका एक सबोधन
राजरमत स्त्री० राजनीतिक दावँ-पेच, युक्ति प्रयुक्ति
राजराणी स्त्री० पटरानी
राजवी पु० राजा(२)राजाके जैसा भा ग्यवान पुरुष(३)वि० राजाके योग्य, राजसी
राजवु अ० क्रि० शोभित होना, रोशन, प्रकाशित होना राजना [प]
राजशासन न० राजाज्ञा शासन(२) राजकाज राज्यप्रबध (३) राजाके मारफ़त चलनेवाला राजकाज, राज तत्र 'मोनार्की'
राजशाही स्त्री० राजाकी मर्ज़ीके मुता बिक़ चलनेवाला राज्यप्रबध राजतत्र मोनार्की
राजसत्ता स्त्री० राजाकी सत्ता (२) राज्य चलानेवाली सत्ता, राजसत्ता

राजसत्ताक वि० जिसमें राजाकी सत्ता चलती हो, राजसत्तावाला
राजसभा स्त्री० राजसभा, दरबार (२) राजाओंकी सभा, राजसभा (३) खास वर्गके लोगोंके प्रतिनिधियोंकी परिषद्, राज्यसभा, राज्यपरिषद, 'काउंसिल ऑव स्टेट'
राजस्थान न० देशी रियासत रजवाड़ा (२) राजस्थान राजपूताना
राजा पु० राजा राज्य करनेवाला (२) ताशका एक पत्ता, बादशाह (३) भोला और उदार प्रकृतिका आदमी। [-भोज=भोज राजा राजा भोज (२)[ला] उदार और दाता आदमी। -माणस=राजा जैसे वैभव और आचारवाला आदमी, बादशाह (२) भोला और दरियादिल मनुष्य (३) अविश्वसनीय और आलसी व्यक्ति]
राजियो पु० राजा (२) मृतकको लक्ष्य करके छाती पीटते समय गाया जानेवाला गीत, मरसिया, सियापा
राजी वि० राजी, खुश (२) सम्मत, सहमत [स्वेच्छा, उमंग हैंस
राजीखुशी स्त्री० कुशल खरियत (२)
राजीनामुं न० त्यागपत्र, इस्तीफा (२) वादी प्रतिवादीका परस्पर मेलवाला लेख, राजीनामा, समझौता
राज्यबंधारण न० संविधान
राड(ड) स्त्री० चीख पुकार टेर (२) कजिया रार राड़ राड़ (३) शिकायत (४) लौ धुन आसक्ति। [-करवी= शिकायत करना (२) कजिया करना, रार मचाना (३) हठ करना]
राडुं न० ज्वार बाजरा या सरकंडे आदिका तना, डंठल (२) तीर (३) नरकट (४) राजकी कच्ची, करनी
राणी स्त्री० रानी (२) ताशका एक पत्ता, बेगम
राणीजायुं न० रानीका बच्चा
राणीवास पु० देखिये 'रणवास'
राणुं वि० बुझा हुआ (दीपक)। [(दीवो) राणो करवो=(दीया) बुझाना ठंडा करना] [रहित अँधेराघुप्प
राणुघब वि० बिलकुल अँधेरा, प्रकाश
राणो पु० राजपूत राजा राणा (२),[ला] एक हिंदू जातिका आदमी, 'गोलो' (३) एक अल्ल
रात पु० नाई (मानवाचक संबोधन)
रात स्त्री० रात, रात्रि। [-काढवी= रात काटना, गुजारना। -दहाडानी खबर न होवी=संसारके कामोंका कुछ ज्ञान या समझ न होना। -नो राजा=चोर (२) उल्लू रात राजा (३) रातको काम करके दिनमें नींद लेनेवाला। -माथे लेवी=आँखमें रात काटना सारी रात जागकर काम करना। -रात पडवी=रातका समय होना रात होना]
रातडियो पु० लाल ज्वार
रातदहाडो, रातदिवस अ० रातदिन, हमेशा [पारी 'नाइट शिफ्ट'
रातपाळी स्त्री० रातकी पारी, रात
रातवासो पु० रातको कहीं पड़ाव डालना पड़ाव (२) खेतमें चौकीके लिए रहना [आसक्त अनुरक्त रत
रातुं वि० लाल रंगका सुर्ख, राता (२)
रातुंचटक, रातुंचोळ वि० बहुत लाल, लाल अंगारा
रातुंपीळुं वि० गुस्सैल, नीला-पीला

रातोरात अ० रातोंरात
रात्रि(-त्री) स्त्री० रात्रि, रात
रात्रे अ० रातको, रातमें
रान न० वीराना, जगल (२) वीराना, उजाड प्रदेश
रानवी(-वु) वि० जगलका जगली (२) असभ्य, उजड्ड (३) गवार (४) आवारा, भटकनेवाला
रानी वि० जगली, वन्य [(गुजरात)
रानीपरज स्त्री० एक आदिम जाति
राफडो पु० (सॉप या चूहेका) बिल, बाँबी (२) (दीमक, चींटी आदिका) बमीठा बाँबी। [-फाटवो=बडी तादादमें बाहर आना]
राब(०डी) स्त्री० महेरी काँजी (२) उबालकर गाढा बनाया हुआ ईखका रस, राब
राबेतो पु० चाल प्रथा, रिवाज
रामु वि० गवार अनगढ, उजड्ड
राम पु० दशरथ-पुत्र राम विष्णुका एक अवतार राम (२) परशुराम राम (३) बलराम राम (४) ईश्वरका एक नाम, राम (५) जान दम ताकत (६) आना (सूत) (७) उस वर्ग-जातमें बडा' यह अर्थ बतानेके लिए नामके आगे राम' लगाया जाता है उदा० रामकुहाळु आदि। [-नाम जपो=चुपचाप बठे रहो, चुप चाप देखा कीजिये। -नु नाम लो=भगवानका नाम लीजिए, कुछ अच्छा काम कीजिए (२) देखिये राम राम करो'। -नुं रामायण=बातका बतगड। -बोलवा=मर जाना।-रमी जवा=मर जाना (२) टूटकर चूर हो जाना (३) तबाह हो जाना (४) सत्त्वहीन हो जाना। -राम करो=यह बात अब छोड दो कुछ बननेका नही, अल्लाहका नाम लो। -शरण थवु=मर जाना]
रामकी स्त्री० साधुकी स्त्री रामकी
रामढोल पु० बडा ढोल
रामदवारो पु० रामका मदिर (२) धर्मशाला, सराय
रामदुवाई स्त्री० रामदुहाई
रामपगलु न० रामकी चरणपादुकावाला मीनाकारीका जेवर [सकोरा
रामपातर, रामपात्र न० सकोरा
रामफळ न० एक फल
रामबाण न० कभी निष्फल न जाय ऐसा रामका बाण रामबाण (२) वि० निष्फल न जाय ऐसा अमोघ, हुक्मी (दवा), रामबाण
रामभरोसो पु० भगवानका भरोसा
रामरोटी स्त्री० पकाये हुए अन्नकी भिक्षा (२) पुआ मालपूआ [कातिका नाटक
रामलीला स्त्री० रामके जीवनका हल्की
रामायण न० रामकी चरित्रकथा (२) [ला] बीती, रामकहानी (३) लबी बात अनावश्यक या बडाईकी बात (४) स्त्री० मुश्किल काम टढी खीर। [-उखेळवु=बढाकर बात कहना। -थवी=आफ्त आना पीडा होना]
रामी पु० माली
रामपु न० सकोरा [माट, घरसा
रामयो वि० पु० (२) पु० बिना सूँडका
रामो पुं० घरका काम करनेवाला नौकर रामा (बबई)
रायण स्त्री० खिरनी (पड और फल)
रायणु न० खिरनीका फल, खिरनी
रायतुं न० देखिये 'राईतु

राल स्त्री० देखिये 'राळ' राल
राव स्त्री० अन्याय-अत्याचारसे बचानेकी फरियाद, शिकायत (२) सहायताके लिए की हुई आजिजी, गुहार, रक्षाके लिए पुकार (३) चुगली। [-करवी रावी=फरियाद करना]
रावटी(-ठी) स्त्री० गोलाकार छज्जा, बरामदा छत(२)रावटी, छोटा खेमा, छोलदारी [लोंका एक ततुवाद्य
रावणहथ्थो पु० गाकर भीख माँगनेवा
रावणियो पु० गाँवका चौकीदार, चौकीदार, गाँवकी चौपालका चपरासी
रावळु न० राजपूत क्षत्रियोंकी मजलिस दरबार(२)गाँवके पचोंका इकट्ठा होना (३)सिपाहियोंके रहनेका स्थान
राश स्त्री० भागीदारी, पत्ती साझा(२) सूदके साथ मूलधन (३) औसत (४) एक राशिमें उत्पन्न होनेसे समान जाति, गुण, स्वभाव आदि, राशि मिलना(५) ढेर, राशि। [बनती राश आववी = बनना, पटना मेल खाना रास आना]
राश(न,) स्त्री० रस्सी (१६ हाथकी) (२)लगाम, रास बागडोर (३) पगहा, ढोर बाँधनेकी रस्सी [(१६ हाथ)
राशवा वि० बैलादिकी रस्सीके जितना
राशी वि० खराब, हीन, दुष्ट
रास पुं०(२)स्त्री० देखिये 'राश
रास पु० वृत्ताकारमें गाते हुए घूमते घूमते किया जानेवाला एक नाच या उसमें गाया जाय ऐसा गीत (गुजराती) रास
रासडो पु० एक प्रकारका गरबा (घटित घटनाओंका वर्णन करनेवाला)
राह पु० राह रास्ता(२)रीति, प्रथा राह (३) प्रतीक्षा बाट। [-जोवी = बाट देखना, प्रतीक्षा करना]
राहदारी पु० पथिक, मुसाफ़िर, राहगीर(२)किसी रास्तेसे ले जाये जानेवाले माल पर लिया जानेवाला कर, उसका आज्ञापत्र, राहदारी, राहका परवाना (३) मार्गप्रदर्शन, राहबरी
राहबर प० राहबर, मार्गप्रदर्शक
राहबरी स्त्री० राहबरी, रहनुमाई
राळ स्त्री० राळ वृक्षमेंसे निकलनेवाला गोंद राल, साल्रस [आजिज, दीन
रांक(-कु) (०) वि० नरम स्वभाववा,
रांग(०) स्त्री० कोटकी दीवारके पासका हिस्सा (२) सवारी [रोग
रांझण(-णी) (ण,) स्त्री० पाँवका एक
रांट(०) स्त्री० टेढ़ापन वक्रता, बाँक (२) अनबन, विरोध
रांटु(०) वि० टेढ़ा, वक्र, बाँका, कुटिल
रांड(०) स्त्री० विधवा बेवा, राँड, (२) वेश्या रंडी
रांडवु(०) अ० क्रि० विधवा या विधुर बनना (२) वि० नामर्द। [रांडीने बेसवु = राँडकी तरह हताश या लाचार होकर बैठना, सिर पर हाथ धरकर बैठना]
रांडवो(०)पु० नामर्द, डरपोक
रांडीछांडी(०) स्त्री० विधवा या पतिसे त्यागी हुई स्त्री [श्रित विधवा
रांडीरांड(०) स्त्री० विधवा(२)निरा
रांडेली(०) वि० स्त्री० विधवा
रांढवु(०) न० मोटी रस्सी, रस्सा
रांधण(०) न० राँधनेका काम, राँधना
रांधणियु(०) न० रसोईघर
रांधवु(०) न० राँधनेकी क्रिया, राँधना
रांधवु(०) स० क्रि० भोजन पकाना, राँधना (२) फल प्राप्त करना लाभ होना, मिलना [औजार)
रांप(०) पुं० बड़ी गहनी (

रांपडी स्त्री० खेतकी बेकार घास निकालनेका खेतीका एक औज़ार, गहनी
रांपवु स० क्रि० खेतकी घास निकालनेके लिए गहनी चलाना [रांपी-रापी
रांपी(०) स्त्री० मोचीका एक औज़ार,
रिझाववु स० क्रि० देखिये 'रीझववु'
रिझावु अ० क्रि० देखिये 'रीझवु'
रिपोट पु० रिपोट
रिबामण(-णी) स्त्री० यातना पीडा
रिबाववु स०क्रि० 'रीबवु का प्रेरणायक दारुण यातना पहुँचाना खूब दुःख देना
रिबावु अ० क्रि० रीबवु का कर्मणि खूब सताया जाना, अति पीडित होना
रिवेट पु० धातुकी चद्दर या टुकडाको जोडनेवाली कील जो एक सिरे पर माथेदार होती है टांका
रिसामणु वि० बात-बात पर रूठनेवाला रिसहा (२) न० रीस, रिस। [रिसामणां मनामणा करवां = ज़रा ज़रामें रूठना और ज़रा-ज़रामें मनाना]
रिसावु अ० क्रि० रिसाना रूठना
रिसाळ(०वु) वि० रिसहा
रीझ स्त्री० आनंद, रीझ
रीझववु स० क्रि० रिझाना
रीझवु अ० क्रि० रीझना प्रसन्न होना
रीढु वि० उपयोगमें आकर मज़बूत बना हुआ (मिट्टीका पात्र) पक्का (२) दुःख सहकर धीर बना हुआ दृढ (३) जो न सुधरे चिकना घडा
रीत(त) स्त्री० रीत रीति प्रकार ढग, तरीका (२) रिवाज चलन, परिपाटी रीति पद्धति (३) दहेज़ आदिके लेन-देनकी प्रतिज्ञा ठहरौनी। [-मां रहेवु = रूढ़िके मुताबिक चलना लोकाचारके अनुसार चलना। -राखवी = रिवाजके अनुसार बरतना (२) ससारका व्यवहार निबाहना, लेन-देनमें ईमानदार रहना]
रीतभात स्त्री० रहन-सहन, व्यवहार, चाल-ढाल
रीतरिवाज पु० ब० व० रीति रिवाज
रीतसर अ० रीतिके अनुसार
रीते अ० तरह प्रकार (२) -की हैसियतसे(३)रिवाज या प्रथाके अनुसार
रीबवु स० क्रि० सताना, खूब दुःख देना
रीम न० बीस दस्ता (काग़ज़) रीम
रील स्त्री० न० डोरे लपेटी हुई गराडी रील(२)सिनेमाके चित्राकी लंबी पट्टी
रीस स्त्री० रिस रीस, क्रोध, रूठन
रींगण न० बगन भटा
रींगणी स्त्री० बगनका पौधा बगन
रींगणु न० बगन, भटा
रींछ न० रीछ, भालू
रुआब पु० रुआब दबदबा(२)तेज, प्रताप, रोबदाब। [-करवो = रोब जमाना। -पडवो = रोब जमना, रोबमें आना। -राखवो = ठाटबाटसे रहना या बरतना]
रुआबदार वि० रोबदार प्रभावशाली
रुकावट स्त्री० रुकावट अवरोध
रुक्को पु० रुक्का छोटी चिटठी, पुर्जा
रुख पु० रुख गाल(२)चेहरा, मुख शकल (३)पक्षपात, मनका झुकाव
रुखसत(-द)स्त्री० रुखसत बरतरफी
रुचवु अ० क्रि० रुचना पसद आना
रुचि स्त्री० रुचि इच्छा (२) भूख, खानेकी इच्छा, रुचि
रुचिभग पु० सुरुचिभग
रुझाववु स०क्रि० 'रुझवु'का प्रेरणायक

रुआवु अ० क्रि० 'रूआवु' का भावे रूप, घावका भरना
रुदियु न० हृदय, हिरदा [प]
रुबायत स्त्री० चार मिसरावा एक छंद (अरबी, फारसी या उर्दू), रुबाई
रुवांटी स्त्री० मुलायम बारीक रोंगटे
रुवांटु न० रोंगटा, रोम
रुवेल(—लु) वि० रुईदार
रुशनाई स्त्री० रोशनाई, स्याही, मसि
रुशवत स्त्री० रिश्वत, घूस
रुशवतखोर वि० रिश्वतखोर
रू न० रुई रूई
रूए अ० —के अनुमार, —के आधार पर या क्रमसे या —के सबब
रूख स्त्री० देखिये 'रुख'(२)अटकल, अदाजा (३) रुख, विचार, अभिप्राय (४) बाजारका भाव रुख भाव-ताव। [—जोवी = मौका या अवसर देखना] [रूखडा
रूख(०डु) न० छोटा पेड-पौधा छोटा
रूझ स्त्री० घावका भरना
रूझवु अ० क्रि० घावका भरना
रूठवु स० क्रि० रूठना नाराज होना
रूडु वि० अच्छा उत्तम रूरा सुदर भला। [रूडां वानां थवा = 'शुभ-मगल' होना]
रूढि स्त्री० रूढि प्रचलित रीति या रिवाज चाल(२)रूढिके कारण शब्दका अमुक अथबोध करानेकी शक्ति, रूढि
रूढिप्रयोग पु० भाषामें जिसका रूढिसे विशेष अर्थ होता है ऐसा शब्द प्रयोग, रूढि प्रयोग
रूप न० रूप, आकार, शक्ल, स्वरूप (२)सौन्दर्य रूप(३)वेश, रूप(४) रूपक, नाटक दृश्यकाव्य(५)विभक्तिके प्रत्ययके योगसे बना शब्दका रूपातर जो वाक्यमें प्रयुक्त होता है, रूप [व्या]। [—रूपनो अवतार अवतार = खूब सुदर होना, रूपकी सपत्ति। —नी मणि = सुदरी, रूपवती स्त्री, शोरेकी पुतली]
रूपक न० रूपक, दृश्यकाव्य, नाटक (२) एक अर्थालकार, रूपक (३) सात मात्राका एक दोताला ताल, रूपक (सगीत) (४) गाना, गीत (सगीत) (५) पु० रूप भरनेवाला नट, अभिनेता
रूपरेखा स्त्री० किसी चीजका सिर्फ आकार बतानेवाली रेखा, खाका रेखाचित्र(२)सक्षिप्त बयान रूपरेखा
रूपाख्यान न० धातुका रूपातर करना, रूप, धातुरूपावली [व्या]
रूपाळु वि० रूपवान, हसीन सुदर
रूपियाभार वि०(२)पु० एक रुपये या तोले भरकी तौल, भरी
रूपियो पु० रुपया। [रूपिया खावा = रुपयाका खर्च होना, रुपये लगना, उदा० आ मकाने बहु रूपिया खाधा' (२)घूस लेना, रुपये खाना]
रूपु न० रूपा, चांदी [जैसा रुपहला
रूपेरी वि० रूपेका बना हुआ रूपा
रूपडी स्त्री० रुपल्ली रुपया(तुच्छकारमें)
रूबरू अ० रूबरू सामने, समक्ष
रूम स्त्री० कमरा, रूम
रूमझूम अ० पाजेबकी मद ध्वनि रुनझुन
रूमलावु (रू') अ० क्रि० जोरसे चक्राकारमें घूमना, पागलपनसे घूमना (मवेशीका)
रूमवु(रू') अ० क्रि० जोरसे चक्राकारमें घूमना, जूझना (युद्धमें) (२) भटकना फिरना

रूवुं न० रोयाँ, रोंगटा ।[रूवां ऊभा थवां =रोमांच होना, रोयें खडे होना ।–न फरकवु=कुछ भी असर न होना, रोयाँ न पसीजना । रूवे रूवे जीव राखवो= बहुत देखभाल रखना]
रूसणु न० रूठन, रूसना
रूछडु, रूछु न० छोटा बाल या तंतु
रूधवु स० क्रि० रोकना घेरना (२) दम घोटना [घुटन
रूधामण स्त्री० दम घुटना, अकुलाना,
रूधावु अ० क्रि० 'रूंधवु' का कर्मणि रुकना घोटा जाना घुटना
रूवाडु, रूवु न० देखिये 'रूवुं'
रेकर्ड न० नोंध, टिप्पणी अभिलेख(२) मिसिल, दफ्तर फाइल (३) स्त्री० ग्रामोफोनकी प्लेट रेकार्ड चूडी(४) पु० न० पराकाष्ठा आखिरी हद। [–तोडवो = जो हद अंकित हो गई है उस हदसे भी आगे बढ़ना]
रेख स्त्री० रेखा लकीर (२) दाँतमें जड़ी हुई सोनेकी कील खूमी(३) बहुत छोटी कील(४)अ० जरा भी
रेखाचित्र न० रेखाओंसे बनाया हुआ चित्र रेखाचित्र(२)किसीके जीवन का संक्षिप्त निरूपण रेखाचित्र
रेच पु० विरेचन, जुलाब। [–आपवो= दस्त लानेवाली दवा देना(२)धमकी देना। –लागवो = विरेचनका असर होना(२)धमकीका असर होना]
रेचक पु० रेचक दस्तावर
रेजगी स्त्री० रेजगी, रेजगारी, खुर्दा
रेजो पु० अँगियामें काम आनेवाला सूती या रेशमी कपडेका टुकडा, रेजा(२) धातु गलानेकी कुल्हिया घडिया
रेड (रॅ) वि० गाढ़ा, तलछट जैसा (२)स्त्री० पीछा(पकडना छोडना)
रेडवु स० क्रि० जल आदिको धाराके रूपमें गिराना उडेलना (२) तरल पदार्थको एकमें से दूसरे बरतनमें डालना, उँडेलना
रेढियाळ(रॅ) वि० भटकता बिना मालिकका, हरहा (पशु) (२) निकम्मा बिना दमका(काम)
रेढु(रॅ) वि० भटकता, बिना निगरानीका बिना देखभालका
रेण(रॅ) न० धातुको जोडनेका टाँका, झालना [झालना, पाँजना
रेणवु(रॅ) स० क्रि० धातुको जोडना
रेत स्त्री० बालू रेत
रेताळ वि० रेतीला, बलुआ
रेती स्त्री० बालू रेत
रेफ पु० रेफ
रेबचो(रॅ) पु० रबदा, कीचड(वर्षा)
रेबझेब अ० पसीनेसे तरबतर सराबोर
रेल स्त्री० बाढ जलप्रलय(२)बहुतायत, रेलपेल
रेल स्त्री० रेलकी पटरी
रेलगाडी स्त्री० रेलगाडी रेल
रेलछेल रेलमछेल स्त्री० पूरा भरनेपर छलक जाना(२)भरमार रेलपेल
रेलवु अ० क्रि० बाढ आना, जोरसे बहना (२)जाना (३)स० क्रि० जोरसे उडलना (४)द्रवकी धारा गिराना ढोलना(५) बाढका बहा ले जाना, दूर करना
रेलसंकट न० बाढसे उत्पन्न संकट
रेलावु अ० क्रि० रेला चलना ढलना, उँडला जाना
रेलो पु० छोटा बहाव, रेला

रेवडी स्त्री॰ रेवडी (२) फजीहत, भद्द। [–उडाववी, करवी = फजीहत वदना मी करना। –यवी = वदनामी होना। –दाणादाण करवी = हक्कावक्का बना देना (२) भद्द उडाना]
रेवची स्त्री॰ रेवदका गाद रवदचीनी
रेवचीनो गोळ पु॰ विरेचन और रगके लिए उपयोगमें आनेवाला रेवदका गोद
रेवा (॰जी) स्त्री॰ रेवा नमदा नदी
रेसादार वि॰ रेशादार, रेशेवाला
रेसो पु॰ रेशा, सुतडा, ततु
रेळ स्त्री॰ रेहल, रिहल
रेंकडी (रें॰) स्त्री॰ (–डो) पु॰ छोटी बलगाडी (२) बोझ ढोनेकी छोटी हाथ-गाडी [तानकर आवाज निकालना
रेंकवु (रें॰) अ॰क्रि॰ गाय भसका गलेमेंसे
रेंजीपेंजी (रें॰, पें॰) वि॰ बेशऊर, बेस लाका (२) पस्तहौसला उत्साहहीन
रेंट (रें॰) पु॰ रहॅट रहट
रेंटियाबारश (–स) (रें॰) स्त्री॰ श्राद्ध पक्षकी द्वादशी (२) चरखा-जयती (महात्मा गाधीकी जमतिथि)
रेंटियो (रें॰) पु॰ चरखा
रेंसवु (रें॰) स॰ क्रि॰ देखिये 'रहसवु'
रयतवारी वि॰ (२) स्त्री॰ किसानके पाससे सीधा लगान वसूल करनेकी पद्धति, रयतवारी
रोक वि॰ (२) स्त्री॰ राक मनाही, प्रतिबध [पीटना, कुहराम
रोकक्ळ स्त्री॰ (–ळाट) पु॰ राना-
राक्टोक स्त्री॰ राक-टोक, राक-थाम
रोकड वि॰ नकद रोकड (२) स्त्री॰ नकद रकम नकदी रोकड
रोकडियु वि॰ रोकडस लेन-देन करनेवाला (२) हाजिरजवाब
रोकडी स्त्री॰ दिवसके प्रचलित समयके उपरात सुबहमें मनुष्यका काम पर ज्यादा समय लगा रहना या उसकी नकद मजदूरी
रोकडु वि॰ उधार नही पर तुरत पसे दकर, नकद राकड (२) नकद रकम (नोट नही) (३) [ला] कुछ भी छिपाये बिना तुरत कहा हुआ, साफ-साफ (कथन) (४) दोटूक (जवाब)
रोकवु स॰ क्रि॰ रोकना, अटकाना, जाने, चलने या होने न देना गति या चाल बद करना, रास्ता रोकना (२) काम या नौकरी पर नियुक्त करना, लगाना (३) व्यापार धधेमें लगाना (पसा)
रोकाण न॰ रोक, रोकना या रुकना (किसीके पास) रुका हुआ होना (२) अवरोध, रुकावट
रोकूट स्त्री॰ रोना-पीटना, रापीट
रोगचाळो पु॰ रोगका फलाव
रोगान पु॰, न॰ तेल मोम, लाख आदिका एक प्रकारका मिश्रण, रोग्रन, वार्निश
रोगियु, रोगिष्ट, रोगी, रोगीलु वि॰ रोगी, रोगिया बीमार
रोज पु॰ रोज, दिन (२) एक दिनकी मजदूरी, रोजीना (३) अ॰ राज, हमेशा प्रतिदिन राजाना रोज राज। [–उठीने = राज रोज, हरराज]
रोजगार पु॰ जीविकाका साधन उद्यम रोजगार [कामधधा
रोजगारी स्त्री॰ राजगार उद्यम
रोजनीशी स्त्री॰ डायरी, राजनामचा
रोजबरोज अ॰ रोज-ब राज प्रतिदिन
रोजमेळ पु॰ हर रोजका हिसाव-लेखा (२) उसे लिखनेकी वही, राजनामचा

रोजिंदु वि० प्रतिदिनका, रोजमर्राका, दैनिक

रोजी स्त्री० कामधघा, रोजगार (२) गुजरान, जीविका, रोजी (३) रोजकी आय, पदाइश

रोजो पु० बडे और धार्मिक मुसलमानकी क़ब्र, दरगाह (२) मुसलमानोका रोजा

रोझ न० घोडेसे मिलता-जुलता एक जगली जानवर, नीलगाय

रोझियो, रोझी वि० एक प्रकारकी कपास

रोटली स्त्री० गेहूकी रोटी, फुलका, चपाती

रोटलो पु० हाथकी रोटी, रोट (२) जीविका रोजी [ला]। [रोटला भेगा थवु = भोजन मिलना (२) जीविका प्राप्त होना। —करवो = रोटी बनाना (२) मारकर चपटा बना देना (३) कुचल डालना]

रोटी स्त्री० देखिये 'रोटली' (२) डबलरोटी, पावरोटी

रोटीवहेवार पु० साथमें जीमने जिमानेका सबध रोटीका सबध, रोटी व्यवहार

रोडववु अ० क्रि० लुढकाना

रोडु न० इटका टुकडा, रोडा

रोण स्त्री० रातकी चौकी, रौंद, गश्त (सिपाहीका)

रोणु न० रुदन, रोना

रोतड(-डु,-ल) वि० जो झट रो दे रोनी सूरतवाला

रोतु वि० रोता हुआ, रोता रहनेवाला

रोदडु(-णु) न० बीतीकी कहानी, रोना (२) रुदन [रौंद, गश्त

रोन स्त्री० रातमें चौकीके लिए घूमना

रोनक स्त्री० रौनक, चमक, तेज

रोनकदार वि० रौनकदार, भडकीला

रोप पु० रोप पौधा

रोपणी स्त्री० रोपाई, रोपनी, बोआई

रोपवु स० क्रि० रोपना, बोना, जमीनमें गाडकर खडा करना, उदा० 'थास रोपवो

रोपीट स्त्री० रोना-पीटना, कुहराम रोपीट

रोफ(-ब) (रॉ) पु० रोब, दबाव, दबदबा (२) प्रताप, तेज (३) दाव, रोबदाब

रोबड वि० जड मूर्ख, अरसिक

रोमांचक वि० रोमाच हो ऐसा, रोगटे खडे करनेवाला रोमहर्षण

रोयु वि० मुआ मरा (स्त्रियोकी गाली)

रोवडाववु स० क्रि० रोवु का प्रेरणार्थक रुलाना

रोवावु अ० क्रि० 'रोवु' का भावे रूप, रोया जाना

रोवु अ० क्रि० रोना आंसू बहाना (२) स० क्रि० —की रोना —का दुख रोना (३) न० रुदन रोनेकी क्रिया

रोशनाई, रोशनी स्त्री० रोशनी (२) स्याही रोशनाई

रोळ पु० ज़बर्दस्त हैजा मरी (२) क़हर दवकोप, गजब, पायमाली

रोळवु स० क्रि० मसलना मीजना (२) धूलमें रगडना मला करना (३) कुचलकर मार डालना [ला]

रोंचु (रॉ०) वि० गवार असभ्य उजड्ड

रोंचो (रॉ०) पु० बुद्धू उजड्ड गावदी

रोंढु (रॉ०) न० तीसरा पहर, सांझका समय

रोंढो (रॉ०) पु० तीसरे पहरका भोजन (२) ब्यालू (३) तीसरा पहर सांझ

ल

ल पु॰ तीसरा अंतस्थ वर्ण
लईने अ॰ लेकर(२)–के कारण, –को लेकर, उदा॰ 'एने लईने
लक्कडधक्कड अ॰ धडाकेसे धडाधड, जोरोंसे
लकडियु वि॰ लकडीका(२)सख्त कडा कठिन(३)पेडका भी झुलस दे ऐसा (पाला) (४) न॰ मसाले रखनेकी लकडीकी खानेदार छोटी पेटी चौघडा
लकवो पु॰ लकवा, पक्षाघात
लकु(–कू)वो पु॰ लुकमा कौर(२) लाभ, प्रयोजनकी सिद्धि फायदा (व्यंग्यमें)
लक्कड न॰ लकडी [ईका काम
लक्कडकाम न॰ लकडीका काम बढ-
लक्कडखोद पु॰ कठफोडा, हुदहुद(पक्षी)
लक्कडधक्कड अ॰ देखिये 'लक्कडधकड'
लक्कडपीठ स्त्री॰ लकडीकी दुकान, टाल अडार
लक्कडफोडो पु॰ लकडहारा [लड्डू
लक्कडशी लाडु पु॰ एक तरहके चीनीके
लक्कडियु वि॰(२)न॰ देखिए 'लकडियु
लक्ष पु॰ लक्ष लाखकी संख्या(२) किसी विषयमें चित्तकी एकाग्रता ध्यान (३) उद्देश्य, लक्ष्य(४)निशाना, लक्ष्य। [–आपवु देवु = ध्यान देना खयाल करना। –खेंचवु, दोरवु = ध्यान आकर्षित करना ध्यान पर लाना। –पर लेवु = ध्यान देना, खयाल करना। –राखवु = ध्यान रखना निगाह रखना। –साधवु = प्रयोजन उद्देश्य सिद्ध करना(२)ठीक लक्ष्यवेध करना]
लक्षण न॰ लक्षण, चिह्न(२) अन्य वस्तुओंसे अलग करनेवाला खास गुण, खासीयत (३) व्याख्या परिभाषा लक्षण(४)चाल–ढाल आचरण लक्षण
लक्षणवंतु वि॰ शुभ लक्षणोंवाला, सुलक्षण(२)(व्यंग्यमें) अशुभ–बुरे लक्षणावाला
लक्षवु स॰क्रि॰ स्थिर दृष्टिसे देखना ताकना (२)निशाना बांधना साधना (३) ताकमें रहना, तकना(प) (४) अटकल करना (५) खोज निकालना, देख जाना
लक्षाधिपति पु॰ लक्षपति, लखपती
लक्षी वि॰ लक्ष्यवाला लक्ष्य(सामान्यत समासके अंतमें आता है) उदा॰ 'एकलक्षी'
लक्ष्मीपूजन न॰ लक्ष्मीपूजा स्त्री॰ धनतेरसके दिन की जानेवाली लक्ष्मीकी पूजा
लक्ष्य वि॰ ध्यान देने योग्य, लक्ष्य (२)जिस पर निशाना लगाया जाय जिसका निशाना बांधा जाय (३) जो देखा या जाना जा सके, दर्शनीय, दृश्य (४)न॰ ध्येय उद्देश्य लक्ष्य (५)हेतु मकसद(६)निशाना लक्ष्य(७)लक्ष्यार्थ
लक्ष्यबिंदु न॰ लक्ष्य ध्येय
लखचोराशी स्त्री॰ चौरासी लाख योनि –जन्मका चक्र चौरासी
लखणी न॰ सूची, फ़ेहरिस्त(दान या चंदेकी)
लखणु न॰ लेखनी(२) (चंदेकी)सूची

लखत न० लिखित लेख, करार

लखपति पु० लखपती

लखलख वि० चमकीला चमकदार साफ-स्वच्छ (२) अ० पीडाका उठना या अंगोका टूटना

लखलखवु अ०क्रि० पीडा होना अंगाका टूटना(२)चमकना झलकना(३)चभड चभड आवाज होना(४)बकबक करना बडबडाना [(२)तरसना ललचना

लखलखवु अ० क्रि० जोरकी भूख लगना

लखलखाट पु० जगमगाहट (२) बकवास (३)टीस कसक

लखलूट वि० बेशुमार पुष्कल

लखवु स०क्रि० लिखना। [लखी मारवु =जो लिखना हो उसके बदले कुछ और लिख डालना (उतावलीमें या भूलसे)। लखी वाळवु=हिसाबमें बट्टेखातेमें लिखना] [दूरी

लखाई स्त्री० लिखाई, लिखनेकी मजूरी

लखाण न० लिखाई लिखावट(२) लिखी बात लिखित लेख

लखापट्टी(–ड्डी) स्त्री० लिखा-पढी

लखारो पु० बकवास

लखितंग वि० (खत) लिखनेवाला

लखेशरी वि० धनी, तालेवर (२) पु० लखपती [लाख चढाना

लखोटवु स०क्रि० (मिट्टीके बरतन पर)

लखोटी स्त्री० कांच या पत्थरकी (खेलनेकी) छोटी गाली गोली

लखोटो पु० कांच या पत्थरकी (खेलनेकी) बडी गाली गाली (२)महत्त्वपूर्ण या सरकारी कागजोंका सील किया हुआ पुलिन्दा लिफाफा

लख्खण न० देखिये 'लक्षण' [लिख

लख्या लेख पु० ब० व० ब्रह्मलेख भाग्य

लगट वि० (२)अ० लगातार बिना रुके

लगडी स्त्री० सोने या चांदीकी इंट गुल्ली इंट [काठी (२) लादी बोझ

लगडु न० गधे पर लादनेकी खुरजी या

लगण अ० तक पर्यंत, लग [प]

लगत वि० संबंधी, विषयक (२) स्त्री० लगाव संबंध (३) अ० पास, साथ, सटकर

लगती स्त्री० लगाव पहुंच प्रभाव

लगतु वि० संबंधी, विषयक नजदीकका पासका [लग्न लौ

लगन न० देखिये 'लग्न' (२) स्त्री०

लगनगाळो पु० विवाहके दिन सहालग

लगनसरा स्त्री० शादीके दिन सहालग

लगनी स्त्री० लगन धुन [अंदाजन

लगभग अ० पास, करीब (२) लगभग,

लगाडवु स० क्रि० लगाना (२) पोतना, चुपडना चिपकाना लगाना (३) संलग्न करना, जोडना, सटाना, लगाना (४) किसीका साथ लगा लेना साथ कर देना

लगाडवु स० क्रि० सुलगाना

लगाम स्त्री० (लोहेकी) लगाम (२) बागडोर रास, लगाम (३) अंकुश, नियंत्रण [ला]

लगार(–रेक) वि० जरा थोडा-सा (२) अ० थोडी देरके लिए, जरा तनिक

लगाववु स० क्रि० देखिये 'लगाडवु न० १ लगाना (२) मारना

लगी अ० तक पर्यंत लगि [प]

लगीर(–रेक) वि० देखिये लगार

लगोलग अ० बिलकुल करीब, सटकर (२) लगभग पासमें निकट

लग्न वि० लग्न, लगा हुआ (२) लीन, आसक्त (३) न० पृथ्वी एक राशिमें रहे

उतना समय लग्न (४) किसी शुभ कार्यको करनेका मुहूर्त लग्न (५) विवाहका मुहूर्त या शुभकाल (६) शादी लग्न

लघरवघर वि० फटेहाल

लघु वि० लघु, छोटा (२) हलका, लघु (३) आसान (४) ह्रस्व, एक मात्रावाला, लघु [कोण

लघुकोण पु० ९० से छोटा कोण, न्यून-

लघुतम वि० लघुतम, सबसे छोटा (२) पु० लघुतम समापवर्त्य [ग]

लघुमती स्त्री० अल्पमत (२) अल्पमत-वाले लोग या पक्ष अल्पमत (३) थोडे वोट होना या रखना

लघुलिपि स्त्री० संक्षिप्तलिपि, 'शार्टहैंड

लघुशंका स्त्री० लघुशंका [(२) मोच

लचक स्त्री० लटकती चाल, लचकन

लचकवु अ० क्रि० लचकना, दबाव आदिसे चीजका झुकना (२) मोच आना (३) इठलाते हुए चलनेसे कमरका झुकना, लचकना [पकाई हुई दाल

लचको पु० लादा पिंड (२) लोदा जैसी

लचपच अ० तर-बतर, चकाचक

लचवु अ० क्रि० लचकना थकना

लच्छो पु० माँझा चढाये हुए डोरकी अटी माझा [करना लजाना

लजवचु स० क्रि० लज्जित करना शर्मिंदा

लजाडवु स० क्रि० लाजवु का प्रेरणायक लज्जित करना लजाना लजवाना

लजामणी स्त्री० लाजवती, छुईमुई, लजालू [लायक शर्मनाक

लजामणु वि० लज्जाजनक, लजाने

लजावचु स० क्रि० लजाना, शरमाना

लट स्त्री० लट, जुल्फ (२) बडकी जड (३) (सूतके) अमुक तार या डोरेकी अटी, लटिया (४) मोतियाकी लडी

लटक स्त्री० लटक, नखरा (२) छटा, खूबी शैली, लटका, ढब (३) मोच

लटकण (-णियु) वि० लटकता, झूलता हुआ (२) न० झुमका (कानका गहना)

लटकवु अ० क्रि० लटकना झूलना टँगना (२) आधाररहित होना काम अधूरा रह जाना, लटकना [ला]

लटकावचु स० क्रि० 'लटकवु' का प्रेरणा-र्थक लटकाना [युक्त (२) नखरेबाज

लटकाळु वि० लटकीला, हाव भाव-

लटकु न० नखरा, अदा, चोचला

लटको पु० अदा, अंग भंगी हाव भाव

लटकोमटको पु० मटक नाज-अदा

लटपट वि० प्रेमासक्त एक दूसरेसे लिपटा हुआ (२) स्त्री० खटपट प्रपंच। [-करवी = अन्यको भरमानेके लिए चालाकी खटपट या धमाल करना। -वनवु = प्रेमासक्त होना]

लटपटियु न० चमोटा (हज्जामका)

लटवु अ० क्रि० झुकना, नत होना

लटार स्त्री० चक्कर मटरगश्त

लटियु न० सिरका बाल

लट्टु वि० बहुत ढीला सुस्त शिथिल (२) परवश पराधीन (३) स्तब्ध जडीभूत (४) पु० लट्टू (खिलौना)

लठ वि० पट्ठा, मुस्तंडा (२) पु० लट्ठ

लठिं (-ठीं) गु वि० मुस्तंडा (२) धूर्त

लठ्ठ वि० (२) पु० देखिये 'लठ'

लठ्ठो पु० गाडीके पहियेका लोहेका डंडा अक्ष धुरा (२) मुस्तंडा आदमी, पट्ठा

लडकण (-णु) (लॅ) वि० लडाका झगडालू

लडत (ल) स्त्री० लडाई

लड्घ वि० मुस्तडा पट्ठा (२) न० हृष्ट पुष्ट बच्चा [कजिया

लडवाड(ल) स्त्री० झगडा लडाई

लडवु(ल) स० क्रि० उलाहना देना दोष देना (२) अ० क्रि० लडना झगडना, बहस करना युद्ध-लडाई करना (३) मामला अदालतमें ले जाना लडना दायर करना (४) अनबन होना [ला]

लडवयो पु० (ल') योद्धा सैनिक

लडाई(ल) स्त्री० लडाई युद्ध जंग (२) झगडा टंटा लडाई

लडाक(-कु)(ल) वि० लडाका, झगडालू

लडायक(ल') वि० जो लड सके (२) युद्धोपयोगी जंगी (३) झगडालू लडाका

लडाववु (ल') स० क्रि० 'लडवु'का प्रेरक लडाना

लडाववु अ० क्रि० दुलार करना लडाना

लडी स्त्री० लडी (२) डोरेकी लटिया

लढण स्त्री० लत टेव (२) पद्धति ढब

लणणी स्त्री० लुनाई लौनी

लणवु स० क्रि० लुनना फसल काटना

लत स्त्री० लगन धुन (२) लत व्यसन

लत्तां न० ब० व० लत्ते कपडे

लत्तो पु० महल्ला शहरका हिस्सा

लथडपथड अ० लथपथ सराबोर (२) देखिये 'लथपथर'

लथडवु अ० क्रि० लडखडाना (२) हकलाना (३) दुबला हो जाना (बीमारीसे)

लथडियु न० लटापटी, लडखडी

लथबथ अ० एक-दूसरेसे बलपूर्वक भिडे लिपटे हुए लथपथ

लथरपथर अ० ढीला-ढाला झोंगला

लदबद अ० तर और लथपथ जंगा (२) किसी तरल पदार्थसे सराबोर हुआ, लथपथ (३) चूर, लीन

लदावु अ० क्रि० 'लादवु'का कर्मणि लदना

लप स्त्री० बला आफत

लप अ० लपसे चटसे

लपक लपक अ० लपसे चटसे गटगट (२) घाव आदिमें टीस मारते हुए लहर मारते हुए

लपकारो पु० जीभको लपलपाना जीभकी लपलपाहट (२) वेदना या भयसे किसी अंगका फडकना धडकन (कलेजा)

लपको पु० गीली चीजका लोंदा (२) गरम लोहेसे दागनेका निशान चरका

लपछप स्त्री० प्रपंच झमेला झंझट जंजाल

लपट स्त्री० लपक लपकना झपट (२) टक्कर धक्का चपेट (३) पेच लपेट फंदा (४) वि० तल्लीन, मशगूल लिप्त

लपटझपट स्त्री० लपक, झपट्टा झपट

लपटवु अ० क्रि० सरकना

लपटाववु स० क्रि० 'लपटवु', 'लपटावु'का प्रेरणार्थक लिपटाना

लपटावु अ० क्रि० लिपटना, चिकटना, चिकनी चीजसे गंदा होना (२) लालचमें फंसना, ललचना [पटा, ढीला

लपट् वि० जो कसा हुआ न हो, लट

लपडग वि० ढीलडग

लपडाक स्त्री० तमाचा, थप्पड (२) थपाड खाना नुकसान पहुँचना पहुचाना [ला]

लपढिंग वि० देखिये 'लपडग'

लपरडो पु० गाढा लेप

लपलप स्त्री० बकवास, बकबक (२)

अ० लपसे, त्वरासे (३) घाव आदिमें लहर मारते हुए
लपलपाट पु०, स्त्री० बकवास, बकबक (२) उतावली, जल्दबाजी
लपलपियुं वि० जल्दबाज हडबडिया
लपसणुं वि० फिसलनवाला, रपटीला (२) न० फिसलन (जगह)
लपसवुं अ० क्रि० फिसलना, सरकना (२) पतन होना गिरना, फिसलना
लपावुं अ० क्रि० दबकना छिपना (२) तंग जगहमें सटकर बैठ जाना
लपेटवुं स० क्रि० लपेटना (२) फँसाना, लपेटना [ला] [चुन्डना
लपेडवुं स० क्रि० लेपना, गीली चीज
लपेडो पु० गाढा लेप
लप्पट वि० सख्त चिपका हुआ, लिपटा हुआ, लपटौआँ
लप्पड स्त्री० लप्पड तमाचा
लप्पनछप्पन स्त्री० न० पचडा झंझट प्रपंच जंजाल (२) जरूरतसे ज्यादा अक्ल बघारना, शेखी
लप्पो पु० कलाबत्तूका गोल लपेटा हुआ पीता ठप्पा (२) मोटा, बेढंगा पैवंद
लफड(-र)फफड(-र) अ० झूलता हो इस तरह, ढीला-ढाला अव्यवस्थित
लफरुं न० रेंटका लोदा या रेंट (२) किसी वस्तु, व्यक्ति या कार्यके सबबसे होनेवाला नुकसान आफ़त, बला। [-वळगवुं = बला पीछे लगना, पीछा लगना]
लफंगुं वि० धूर्त दगाबाज (२) लफंगा, व्यभिचारी (३) बेशरम निर्लज्ज
लबक लबक अ० देखिये लपक लपक
लबकारो पु० देखिये 'लपकारो'
लबकी पु० देखिये 'लपको'
लबडवुं अ० क्रि० देखिये 'लटकवुं'
लबदावुं अ०क्रि० तरल पदार्थसे सनना लथपथ होना (२) फँसना, उलझना
लबलब अ० 'लब-लब' आवाज करते हुए चभड-चभड (२) लपसे गटगट (३) थरथर
लबाचो पु० मले फटे-पुराने कपडोंका ढेर लुगरा (२) घरके टूटे फूटे माल-असबाबका ढेर (३) काठकबाड घरकी रद्दी चीजें
लबाड(-डो) वि० लबार, लबाड
लबाडी स्त्री० लबारी, झूठा, लबाडी
लबुडवुं, लबुलबुं, लबूकलबूक अ० थर-थर धकधक (कलेजा)
लमणा(-णां)झीक स्त्री० मायापच्ची
लमणुं न०, (-णो) पु० कनपटी
लयानत स्त्री० शरम, लाज (२) लानत, धिक्कार [स्वरमें गाया हुआ गान
ललकार पु० अलापना, तान (२) ऊँचे
ललकारवुं स० क्रि० अलापना, तान लगाना (२) हाँक लगाना (३) टिट कारना (४) ललकारना, लडनेकी चुनौती देना [णायक, ललचाना
ललचाववुं स० क्रि० 'ललचावुं' का प्रेर
ललचावुं अ० क्रि० ललचना, लालचमें पडना (२) लुभाना, मोहित होना (३) लालसा करना, ललचना
लव वि० थोडा (२) पु० अंश, लव (३) निमेषका छठा भाग (४) तबलेका किनारेवाला हिस्सा (५) बकबक
लवचीक वि० लचीला, लचकीला
लवरी स्त्री० बकवास, प्रलाप
लवलव स्त्री० बडबड व्यर्थ बकना (२) अ० व्यर्थ बकबक (करना)
लवलववुं अ० क्रि० बडबडाना, बकना

लवलवाट(-रो) पु० बकवास
लवलीन वि० लवलीन तल्लीन मशगूल
लववु अ० क्रि० बडबडाना बकना
लवग न० लौंग ल्वग
लवगियु वि० लौंगकी शकलका या लौंगके जितना(२)न० कानका एक गहना लौंग [पत्रिका आदिका)
लवाजम न० चन्दा (सदस्यता, पत्र
लवाद पु० पच(२)पचायतका सदस्य पच
लवादी वि० पच-सबधी पचायती(२) स्त्री० पचाका काम पचायत
लवार(वा) पु० लुहार, लोहार
लवारियां(वा) न० ब० व० लोहारका काम करनेवाली खानाबदोश जाति गाडिया लोहार
लवारं न० बकरीका बच्चा
लवारो पु० बकवास, प्रलाप
लविंग न० देखिये लवग (२)लौंगके आकारका (बदूक स्टव आदिका) आगेका छोटा हिस्सा टोपी
लविंगियु वि० (२)न० देखिये 'लवगियु'
लवूरियु(वु) न०, **लवूरो** पु० नाखूनसे की हुई खरोंच, नखक्षत, नहट्टा
लव्वो पु० जीभका अग्र जिह्वाग्र
लश्कर न० लश्कर सेना, लश्कर(२) भीड मजमा फौज उदा० आखु लश्कर लर्न न जता [ला]
लश्करी वि० लश्करी सेना-सबधी
लसण न० ल्हसुन लहसुन
लसणियु वि० ल्हसुनवाला(२)ल्हसुन जसा तीखा(मूली आदि) [पत्थर
लसणियो पु० ल्हसुनिया एक कीमती
लसरक लसरक अ० अरटिस, तेजीसे
लसरको पु० वेगमे खाचना या रगडना (२) घिस्सा रगड
लसोटवु स० क्रि० घोटना रगडना, बाटना
लस्सी स्त्री० लस्सी(दूध और पानीकी)
लहर(-रा)वु अ० क्रि० लहराना
लहाण(ल) न० लाभ नफा
लहाणी(ल) स्त्री० खुशीके अवसर पर नेग बाँटना
लहाणु(ल) न० शुभाशुभ अवसरो पर बिरादरीवाला और नगियोको दिया जानेवाला उपहार
लहाव(-वो) (ल) पु० आनदका सुख लेना (२) अरमान चाव
लहियो पु० लिखनेवाला कातिब मुशी
लहे(लहें) स्त्री० लगन लौ धुन
लहेकवु(लहें) अ० क्रि० लहकना झोके खाना (२) अग भगके साथ चलना, बोलना आदि झूमना (३) लहराना
लहेको(लहें) पु० हाव भाव अग भगी अदा(२)ऊचे स्वरमें या गला फाडकर बोलना लहजा
लहेजत(लहें) स्त्री० मजा आनद लज्जत(२)लज्जत, स्वाद मजा
लहेजतदार(लहें) वि० लज्जतदार, स्वादु जायकेदार
लहेर(लहें) स्त्री० (पानीकी) लहर तरग, (हवाका) झोका (मनकी) मौज, लहर (२) नींद या नशेके असरका अनुभव करना, लहर (३) सुख-चैन ऐश (४) आनद चैन, मजा। [-उडाववी, करवी, मारवी = मौज मारना, मजा लूटना। -पडवी = मजा आना] [लहराना
लहेरवु(ल्हें) अ० क्रि० तरगें उठना
लहेरी(ल्हें) वि० आनदी(२)तैरगी,

मनमौजी, लहरी (३) इश्कबाज (४) उडाऊ (५) स्त्री० लहर तरंग, लहरी

लहेवु (लहें) स०क्रि० गौरसे सुनना (२) गिनना, समझना, मानना, पहचानना (३) देखना (४) पाना, लहना [प]

लळक्वु अ०क्रि० चमक मारना झलकना (२) उमगसे झूमते हुए आना (३) लालसा करना, ललकना

लळवु अ० क्रि० झुकना नत होना (२) खुशीमें झूमना (३) देखिए लळक्वु । [लळी पडवु = झुक जाना। लळी लळीने = नीचे झुक-झुककर]

लगड वि० लंगड लँगडा

लगडावु अ० क्रि० लँगडाना

लगडी (०घोडी) स्त्री० एक खेल

लगडु वि० लँगडा

लगडो पु० लँगडा (आम या पेड)

लगर न० लंगर (नाव या जहाज़का) (२) लंगर लंगरखाना सदावत (३) स्त्रियोंका परका एक गहना लंगर (४) एक सिर पर वजन बाधी हुई डोरी, लंगर (५) [ला] लंबी कतार, पंगत। [—उपाडवु ऊचकवु = लंगर उठाना। —नाखवु फासवु = लंगर डालना करना]

लगरखानु न० लंगरखाना लंगर

लगरवु स० क्रि० लंगर करना लंगर डालकर जहाजको खडा करना (२) एकमें दूसरी चीज़ लगाकर या जोडकर जजीर या कतार या माला करना (३) फदेमें फँसाना फाँसना [लंगर

लगार स्त्री० लंबी कतार (२) जजीर

लगारवु स० क्रि० देखिए 'लगरवु'

लगावु अ० क्रि० लँगडाना

लगीस न० पतंगके दिनोंमें डोरेसे ठीकरा बाँधकर खेला जानेवाला लंगर

लगोट पु० लँगोट लँगोटा। [—मारवो = लँगोट पहनना (२) साधु या जोगी बनना लँगोटी बाँध लेना (३) लँगोटी बाँध लेना, सारा धन उडाकर दरिद्र हो जाना]

लगोटबध वि० लँगोटबद लँगोट बाँधनेवाला (२) ब्रह्मचारी लँगोटबद

लगोटियु वि० लँगोटी बाँधनेवाला, कम-उम्र [(२) साधु बाबा

लगोटियो पु० लगोटियायार बालमित्र

लगोटी स्त्री० लँगोटी। [—मारवी, वाळवी = लँगोटी बाँधकर तन ढकना (२) धन-दौलत उडाकर भिखारी बनना, लँगोटी बाँध लेना (३) साधु सन्यासी बनना लँगोटी बाँध लेना]

लगोटो पु० लँगोटा (२) देखिए 'लगोटियो [लघन करना

लघवु स० क्रि० देखिए 'उल्लघवु (२)

लघावु अ० क्रि० लँगडाना

लब वि० (२) पु० लब, पर्पेंडिक्युलर (३) वि० लबा लब (४) पु० साहूल

लबगोळ वि० (२) पु० अडाकार, अध वृत्ताकार

लबचोरस वि० (२) पु० समकोण चतुर्भुज, रेक्टेंगल' आयत [ग]

लबाई स्त्री० लबाई

लबाण न० लबापन, लबान लबाई (२) लबाना [थक लबाना

लबावव स० क्रि० लबावु का प्रेरणा

लबावु अ० क्रि० लबा होना (२) किसी बातका अधिक समय तक जारी रहना

लबूस (—स) वि० लबू (आदमी) (२) पु० ऐसा व्यक्ति

लाकडकाम न० लकडीका काम

लाकडशी वि० लकडी-सा सख्त (२) पु० ब० व० देखिये लाकडशी लाडु

लाकडशी लाडु पु० एक तरहका चीनीका सख्त लड्डू

लाकडी स्त्री० लकडी लाठी। [—ओ ऊडवी = लकडी लाठी चलना मार पीट होना। एक लाकडीए हाकवु = एक लाठीसे सबको हांकना]

लाकडु न० (पेडकी) लकडी (२)[ला] विघ्न अडचन अवरोध बाधा (३) इंधन, लकडी। [लाकडानी तलवारे लडवु = पूरे साधनोंके बिना लडना(२) इस तरह दिखावा करके अपना व्यवहार संसार चलाना लँगोटी पर फाग खेलना। लाकडां लडाववां = झूठ-सच जोडकर झगडा लगाना। लाकडां संकोरवां = उकसाना भड काना आगमें घी डालना। —घालवु, घुसाडवु, घुसाडी देवु = नेग कर लाग या ऐसा रिवाज लादना (२) अपने स्वार्थकी बात बीचमें दाखिल कर देना (३) रुकावट, विघ्न डालना (४) कमर जकड जाना। —पेसवु, पेसी जवु = देखिए लाकडु घालवु न १ ३। लाकडे मांकडु वळगाडवु = योग्यता देखे बिना संबंध करना, अनमेल संबंध जोडना (२) दो आदमियोंमें झगडा लगाना]

लाख स्त्री० लाख (पीपल आदिकी)

लाख पु० लाख सौ हजार। [—टकानु = बहुत कीमती या उपयोगी लाख टकेका, पतेका मारकेका। —रूपियानु = लाख टकेका हीरा आदमी बडा ईमानदार और भला (मनुष्य)। —वातनी एक वात = संक्षेपमें थोडेमें, सौ बातकी एक बात। लाखे लेखां लेवां = लाखोंका लेन-देन करना (२) बडी-बडी बातें करना डींग मारना, दूनकी लेना]

लाखवु स० क्रि० लाख चढाना (२) लाखना [प]

लाखियु वि० लाखका बना हुआ या लाख चढाया हुआ (२) न० लाखका कंगन

लाखु न० शरीर पर जन्मसे पडा हुआ दाग लच्छन लक्षण

लाखेणु वि० प्रतिष्ठित, इज्जतदार सुलक्षण (२) लाख टकेका, कीमती

लाखोटवु स० क्रि० देखिये 'लाखवु'

लाग पु० घात मौका (२) आधार लाग, टेकान (३) युक्ति लाग, तरकीब (४) बीच दरमियान (जगह)। [—खावो = मौका मिलना (२) ठीक कब्जेमें आना पकडमें आना। —ताकवो = घातमें रहना मौका ढूंढना]

लागट अ० लगातार, बिना रुके

लागणी स्त्री० भाव मनोभाव (२) दया

लागणीप्रधान वि० भावप्रधान, भावुक

लागत स्त्री० लागत (२) जकात

लागतु वळगतु वि० लगावटवाला संबंधी

लागभाग पु० संबंधीकी हैसियतसे मिलने वाला हिस्सा

लागलागट अ० लगातार, बिना रुके

लागलु अ० तुरत ही फौरन

लागवग स्त्री० बडे आदमियोंसे जान-पहचान रसाई पहुँच

लागवु स० क्रि० संबंध या स्पर्श होना, *लगना, जुडना, सटना* (२) संबंध रिश्ता होना लगना (३) मनोभाव अनुभव करना दिलपर असर करना, —के लिए मनमें भाव पैदा होना लगना

नही है खेल नही है। –खावो, जमवो =प्राप्ति करना, लड्डू बँटना मिलना]
लाडी स्त्री० सुकुमार कन्या (२) दुलहन दुलहिन लाडी [बेटा दुल्हेटा
लाडील् वि० लाडला (२) न० लाडला
लाडु पु० लड्डु मोदक (२) पिंडा गोला। [–खावानु काम = आसान काम खेल]
लाडो पु० लाडा (२) लाडला बेटा
लात स्त्री० लात पाद प्रहार (२) हानि लथाड [ला]। [–खावी, वागवी = लात खाना लातका प्रहार सहना (२) हानि होना। –मारवी लगाववी = लात चलाना लातसे मारना (२) नुकसान करना]
लातादवु स० क्रि० लातसे मारना लताडना [कोठी
लाती स्त्री० बदरगाहके पासका गोदाम
लाद(द) स्त्री० लीद
लादवु स० क्रि० लादना
लादी स्त्री० पत्थरकी पतली और छोटी तख्ती पटिया (२) फर्श गच
लाधवु स० क्रि० पाना, लाधना [प] (२) अ० क्रि० जहाजका जमीनसे चिपक जाना
लापट स्त्री० लप्पड तमाचा
लापटियु न० गल्मुआ कनपड
लापरवा वि० लापरवा लापरवाह
लापरवाई स्त्री० लापरवाई बेफिक्री
लापशी(–सी) स्त्री० गहूँके दरदरे आटेका एक प्रकारका हलवा ज्यादा घी डालकर बनाई हुई लपसी
लापी स्त्री० चिराड मज कुरमा आदि लगाकर चीजोंके छेद आदि भरनेके कामका एक प्रकारका मसाला, पुटीन
लापोट स्त्री० लप्पड थप्पड धौल, तमाचा
लापोटियु न० देखिए लापटियु'
लाफो पु० तमाचा (२) उडाऊ व्यक्ति (३) अगला बँवडा
लाबरु वि० सुकुमार नाजुक कोमल
लाबी स्त्री० देखिए 'लापी
लाबु न० घीकुआरका पट्ठा ग्वारपाठा
लाभ पु० लाभ प्राप्ति, फायदा। [–खाटवो=लाभ मिलना फायदा होना]
लाभपांचम स्त्री० कार्तिक-शुक्ल पचमी
लाभवु स० क्रि० लाभ होना खटना कमाना
लाय(ला ह) स्त्री० आग अग्नि (२) जलन दाह। [–थवी लागवी = किसी चीजको आग लगना। पेटमां लाय लागवी = जोरकी भूख लगना पेटमें चूहे दौडना (२) जलन दाह होना]
लायक वि० लायक योग्य (२) अधिकारी लायक (३) अनुकूल लायक मुनासिब उपयुक्त [लायकी
लायकात लायकी स्त्री० लियाकत
लायरी(ला) स्त्री० बहुत बोलना बकवक (२) नेखी खुदकी बडाई डींग
लार(ला) स्त्री० लबी कतार लेंहडा
लारी(ला') स्त्री० रेलकी पटरी पर ठेलकर चलाई जानेवाली गाडी (२) माल ढोनेके काम आनेवाली गाडी (हाथकी या मोटर-लारी)
लाल पु० छैला रँगीला पुरुष बाँका (२) पुत्र, लाल (३) स्त्री० माणिक लाल (४) एक चिडिया लाल
लाल वि० लाल सुर्ख। [–घोडीए चडवु = शराब या अफीमका नशा करना लाल पानी पीना। –थई जवु = लाल पीला हो जाना क्रोध करना। –

मोढा करवा = पान खाना (२) मजा मिलना] [लाल अंगारा
लालघूम, लालचटक वि० बहुत लाल,
लालचु वि० लालची लोभी
लालचोळ वि० देखिए 'लालघूम'
लालजी पु० कृष्णकी बालस्वरूपकी मूर्ति (२) गोस्वामीजीका बेटा
लालपाणी स्त्री० लालपानी, शराब
लालबम वि० बहुत लाल लालभभूका
लालबाई स्त्री० आग अग्नि
लालमलाल वि० लालसुर्ख बहुत लाल
लाला पु० छैला, रंगीला पुरुष बाबा
लालाश स्त्री० लाली, सुर्खी ललाई
लाली स्त्री० लाली, सुर्खी (२) घंटेका लटकन, लोलक
लालो पु० छैला, बाँका मौजी (२) पठान [एक ताल
लावणी स्त्री० लावनी (२) संगीतका
लावरी स्त्री० एक पक्षी लवा, लावा
लावरु(लां) न० कुत्तेका काटना (२) कुत्तेका भूकना। [-नाखवु, भरवु = कुत्तेका काटना (२) गुस्सेमें बोलना फटकारना]
लावलश्कर न० लाव-लश्कर
लाववु स० क्रि० लाना, ले आना
लावु(लां) न० कुत्तेका काटना
लाश(-स) वि० बरबाद नष्ट (२) स्त्री० लाश। [-जवु = तबाह होना]
लासर स्त्री० व्यर्थकी देर ढील
लासरियापणु न०, लासरियावेडा पु० ब० व० व्यर्थकी देर ढील
लासरियु वि० जो कहे मगर करे नहीं, व्यर्थकी देर करनेवाला ढीला
लाही स्त्री० हूँके आटेकी माँडी लेई
लाळ स्त्री० लार राल

लाळियु वि० अधिक लार टपकती हो ऐसा (बच्चा) (२) न० वह कपडा जो बच्चेके गलेमें इसलिए बांधते हैं कि राल टपकनेसे उसका शरीर भीगे नहीं, सीनाबंद (३) दूधभरी बाल खोशा
लाळी स्त्री० रजस्राव (पशुका)
लाळी स्त्री० कानका निचला भाग, लालकी लोडी (२) घंटेका लटकन, लोलक (३) बोलना आवाज हुआ (पशुपक्षीकी – खासकर स्यारकी)
लाळो(लां) पु० अंगारा
लांग पु० मटर जैसा एक दलहन
लांगरवु(०) स० क्रि० देखिए 'लंगरवु', लंगर डालकर जहाजको ठहराना
लांघ(०ण)(०) न०, स्त्री० लंघन, उपवास
लांघणु(०) न० धरना (देना)
लांघवु(०) अ० क्रि० लंघन करना (२) किसीके यहाँ धरना देना
लांघो(०) पु० लंघन उपवास (२) धरना (३) बडा डग, फाल
लांच(०) स्त्री० रिश्वत लाच, घूस
लांचखाउ, लांचखोर(०) वि० घूसखोर
लांचियु(०) वि० घूसखोर रिश्वतखोर
लांठ(०) वि० धूर्त शठ (२) अक्खड, किसीके वशमें न रहनेवाला सरकश, तूफानी
लांपी(०) स्त्री० देखिये लापी
लांबडी(०) स्त्री० एक पातसाग, भाजी
लांबी(०) स्त्री० स्मृति याददाश्त (२) देखिये लापी
लांबीटूंकी(०) स्त्री० अंड-बंड, लंबी-चौडी (२) तकरार, हुज्जत
लांबु(०) वि० लंबा, अधिक विस्तार-वाला दूर। [लांबी ऊंघ, निद्रा = मृत्यु

दीघ निद्रा, लवा सफर। लांबी खेंचवी = लबी तानना झुरमुट मारकर सो जाना (२) मर जाना। लांबी फाळ भरवी = भारी हिम्मत करना साहस करना (२) अपने बूतेसे बाहर काम करना। —करवु = लबा करना तूल देना, पिष्ट-पेषण करना। —काढवु = अधिक जीना। —खेंचवु = बहुत जीना (२) ढील करना समय व्यय विताना। —थवु, थई जवु = किसी काममें अधिक समय लगना, तूल पकडना (२) (आरामके लिए) लबी तानकर सोना (३) बहुत घाटा सहना (४) मर जाना। लाबो हाथ करवो = मदद करना या मागना, हाथ धरना या पसारना (२) भीख मांगना हाथ पसारना (३) घूस लेना (४) बाधा डालना]

लाबुछट(०) वि० चित, पट

लाबुलच(०क)(०) वि० बहुत लबा, लवा-चौडा

लाभवु, लाभु(०) न० विभाग हिस्सा (२) वह चिटठी जो हिस्सेदारोंके हिस्सेकी बाटके लिए डाली जाती है

लिखित वि० लिखित, लिखा हुआ (२) न० भाग्यलिपि भाग्यरेखा

लिखितग वि० लिखनेवाला' इस अर्थमें खत लिखते समय इस्तेमाल करते ह

लिफाफो पु० लिफाफा

लिलाउ(-म) न० नीलाम

लिसोटी स्त्री० छोटी रेखा या खराच, घिसनेका चिह्न रगड

लिसोटो पु० बडी रेखा या खराच, लकीर लीक

लिबम स्त्री० नीबूका पेड, नीबू

लिबु न० नीबू (फल)

लिबुडी, लिबोई स्त्री० नीबू (पेड)

लिबोळी स्त्री० चौडे मुहका एक बडा बरतन (२) निबौली, निमकौडी

लीक स्त्री० लीक, रेखा (२) हद लीक

लीख स्त्री० जूका अडा लीख

लीखियु न० लीखें निकालनेकी बारीक ददानोवाली कघी

लीटी स्त्री० रेखा, लकीर लाइन (२) पक्ति कतार (३) काव्यपक्ति चरण पाद (४) मर्यादा लीक हद। [—मारवी = लकीर खीचकर रद्द करना काटना]

लीटो पु० मोटी लकीर (२) छेंक अक्षर काटना। [लीटा ताणवा = ऊटपटाँग लकीरे खीचना (२) बेतुका चित्र खीचना या लिखना। —मारवो = छेंकना अक्षर काटना]

लीधे अ० —के कारण —को लेकर

लीपण न० गोबर मिट्टीका लेप लिपाई

लीपवु स०क्रि० लीपना (गोबर मिट्टीसे)

लीमडी स्त्री० छोटा नीम (२) नीमकी जातिका कोई छोटा पेड उदा० 'मीठी लीमडी

लीमडो पु० नीम [पट्टी लीर[प]

लीरो पु० कपडेका लबा टुकडा, धज्जी

लील स्त्री० काई, सिवार (२) जीभका मल। [—उतारवी = जीभका मल साफ करना]

लीलछोयु वि० हरा (२) हरी छालका

लीलझामु न० चोटसे बना हुआ हरा दाग़ नीला नील (पडना)

लीलम न० हरे रगका एक रत्न पन्ना, मरकत [कारी सब्जी

लीलयण न० (—णी) स्त्री० हरी तर-

लीलवो पु० दलहनकी फलीका हरा दाना

सीलागर स्त्री० भांग
सीलामुं न० देखिए 'लीलशामु
सीलालहेर स्त्री० आनंद, ऐश (२) खुशहाली
सीलाश स्त्री० हरापन
सीलां पाणी न० ब० व० घोटी हुई भांगका पय, भांग
सीली घोडी स्त्री० भांग (२) भांगका नशा। [–ए चडवु = भंग पीना, भंगका नशा छाना]
लीलीसूकी स्त्री० सुख-दुःख, नीच-ऊँच
लीलु वि० हरा, सब्ज (२) गीला, भीगा (३) रसवाला, तरोताजा (४) तर, मालदार, धनी। [लीला झाड तळे भूखे मरवु = खूब हयादार–लज्जा शील होना (२) बहुत आलसी कामचोर। लीली वाडी = भरी जवानी, चढ़ती, खिलती जवानी (२) बालबच्चावाला बडा परिवार। –करवु = फायदा पहुँचाना, संपत्ति प्राप्त करना। लीले तोरणे = कुछ भी हासिल किये बगैर। लीलो दुकाळ = अतिवृष्टिसे होनेवाला अकाल, पनकाल, पनिया काल]
लीलुछम वि० बहुत हरा, हरा ही हरा
लीलुपीळु वि० नीला-पीला, अति क्रुद्ध, लाल-पीला
लीलोतरी स्त्री० हरी वनस्पति, हरियाली (२) सागपात, सब्जी भाजी
लीसु वि० जो खुरदरा न हो, चिकना (२) फिसलनवाला, चिकना (३) ढीला व्ययवी देर करनेवाला
लीसुलस वि० बिल्कुल चिकना
लींट न०, स्त्री० रट सिनक
लींडी स्त्री० लेंडी, मगनी मेंगनी
लींडीपीपर स्त्री० पीपलकी फली, पीपर, पीपल [हुआ मल, बडी लेंडी
लींडु न० (ऊँट, गधे आदिका) गोल बंधा
लींपण (०गूपण) न० देखिए 'लीपण'
लींपवु (०गूपवु) स० क्रि० देखिए 'लीपवु
लींबडी (–डो) देखिए लीमडी आदि
लींबण स्त्री० देखिए 'लिंबण'
लींबु, लींबुडी, लींबोई देखिए लिंबु' आदि
लींबोळी स्त्री० देखिये लिंबोळी'
लुच्चाई स्त्री० कपट, धूर्तता
लुच्चु वि० धूर्त, कपटी (२) काइयाँ, घाघ, घट (३) लुच्चा, बदमाश, व्यभिचारी [कपडा आदि पोछना
लूछणियु न० पोछनेके काम आनेवाला
लुछाववु स० क्रि० 'लूछवु का प्रेरणार्थक, पोछवाना [पोछा जाना
लुछावु अ० क्रि० लूछवु' का कर्मणि,
लूटणियु वि० लूटनेवाला
लुटारु (–रो) पु० लुटेरा, डाकू
लुटाववु स० क्रि० 'लूटवु का प्रेरणार्थक लुटाना [लुटना
लुटावु अ० क्रि० 'लूटवु' का कर्मणि,
लुहार पु० लुहार लोहार
लुहारियां न० ब० व० देखिए 'ल्हारिया'
लू स्त्री० लू (२) लूसे होनेवाला रोग। [–लागवी = लू लगना मारना। –वावी = लू चलना]
लूओ पु० लोई पेडा (गूँधे हुए आटेका)
लूक (–ख) स्त्री० देखिए 'लू'
लूखस स्त्री० खुजली (रोग)
लूखु वि० जिसमें चिकनापन न हो, रूखा (२) रसहीन सूखा, रूखा (३) निर्धन खाली हाथ। [–हसवु = कृत्रिम ढंगसे हँसना]
लूखुपा (–पू) खु वि० रूखा-सूखा

लूगडालत्ता न० ब० व० कपडा-लत्ता
लूगडु न० कपडा वस्त्र (२) साडी। [लूगडा उतारीने वाचजो = मौतकी खबर देनेके लिए (पत्रके आरंभमें) लिखा जानेवाला सांकेतिक वाक्य। लूगडां उतारी लेवा = सब कुछ छीन लेना कपडे उतार लेना। लूगडा लेवावा = डाकुओं आदि द्वारा लूटा जाना। लूगडा लेवा = लूटना]
लूगदी स्त्री० लुगदी(२)माझा(पतंगका)
लूछणु न० देखिए लूछणियु
लूछवु स० क्रि० पोंछना (२) किसीके भाई गीली चीज मलना लगाना चिपकाना [माल लूट
लूट स्त्री० लूट डकैती (२) लूटा हुआ
लूटफाट स्त्री० लूटमार लूटपाट
लूटवु स० क्रि० लूटना जबरदस्ती छीनना
लूटालूट स्त्री० बार-बार या अनेक जगहों पर लूटमार मचना
लूण न० लवण नमक। [-उतारवु = बाधा दूर करनेके लिए नमक निछावर करना वारना। -खावु = -का नमक खाना (२) -का नमक खानेसे उसका एहसानमन्द होना या वफादार रहना]
लूणहराम वि० नमकहराम
लूणहलाल वि० नमकहलाल
लूणी स्त्री० एक भाजी लोनी नोनिया
लूणो पु० लोना, खार नोना
लूम स्त्री० फलोंका गुच्छा घौद घौरी
लूमखु न० (-खो) पु० फलोंका बडा गुच्छा, घौरा
लूमवु अ० क्रि० लटकना लूमना [प] (२) झुकना, नत होना
लूली (०बाई) स्त्री० जीभ लोला। [-हलाववी, हलाव्या करवी = सिर्फ मुह से कहना, जीभ हिलाना (कुछ किये बगैर) (२) हुं-हाँ करना]
लूलु वि० लँगडा (२) अशक्त, निर्बल असहाय (३) प्रमाणरहित, बेबुनियाद आधारहीन अमूल
लूट स्त्री० देखिए लूट
लूटणियु वि० देखिए लूटणियु
लूटफाट, लूटवु देखिये 'लूटफाट' 'लूटवु'
लूटारु (-रो) पु० देखिए लूटारु
लूटालूट स्त्री० देखिए लूटालूट
लूटाववु लूटावु देखिए 'लुटाववु' 'लूटावु'
लूडापणु न० दासता गुलामी
लूडी स्त्री० दासी दासी
लूडो पु० दास गुलाम
लूब स्त्री० देखिए लूम
लूबवु अ० क्रि० देखिए लूमवु
लेख पु० लिखी बात लेख उदा० शिलालेख विधिना लेख (२) करार नामा दस्तावेज लिखित लेखपत्र (३) छोटा निबंध लेख। [-करवो = लिखापढी-लिखित करना। -कोतराववो लखाववो = शिला या ताँबे आदिक पत्र पर लेख लिखवाना]
लेखण (-णी) स्त्री० लेखनी कलम
लेखपत्र पु० न० लेखपत्र दस्तावेज
लेखववु लेखवु स० क्रि० गिनना कुछ मूल्य महत्त्व रखनेवाला मानना समझना [लिखित
लेखित वि० लिखा हुआ लिखित
लेखितवार, लेखी वि० लिखा हुआ लेखित लिखित (२) अ० लिखकर
लेखु न० गणितका छोटा आसान प्रश्न जो जबानी दिया जाय (२) महत्त्व गिनती (३) शक्ति हैसियत बिसात

लेखे अ० –के हिसाबसे, अनुसार (२) प्रीत्यर्थ वास्ते, –के नामपर। [–लागवु =इस्तेमाल होना, काम करना, कारगर होना]
लेणदार(लॅ) पु० लेनदार
लेणदेण(लॅ) स्त्री० लेन-देन लेने-देनेका संबंध लेना-देना (२)पूर्वज मका कर्ज लेने-देनेका संबंध ऋण-संबंध
लेणादेणी(लॅ) स्त्री० देखिए 'लेणदेण' न० २ (२) लेन-देनका संबंध
लेणु(लॅ) न० लहना, लेना, पावना (२) ऋणानुबंध जैसा अच्छा संबंध
लेप पु० लेप(२)उबटन, मरहम या लेपका गीला मसाला लेप (३) आसक्ति, लगाव, लेप
लेपडी स्त्री० दर्द आदि पर लगानेका या रखनेका लेप मिट्टी आदिकी पट्टी प्रलेप
लेपडु वि० गले पड़नेवाला
लेपडो पु० पपड़ी, परत [लगना
लेपवु स० क्रि० लेपना (२) लिपटना
लेपावु अ०क्रि० लेपवु का कर्मणि (२) अनुरक्त, आसक्त लिप्त होना
लेबल न० लेबुल लेबल
लेबास पु० लिबास पोशाक
लेभागु(लॅ) वि० उचक्का (२) कहीसे किसीका माल हड़पकर अपना बतानेवाला
लेमूक(लॅ) स्त्री० आपसमें निबटारा कुछ रकम छोड़कर चुकता करना (२) घबराहट हड़बड़ी व्याकुलता
लेमेल(लॅ) स्त्री० बार-बार उठाना और धरना (उतावलीके कारण) (२) मरणासन्न अवस्था मौतकी घड़ी (३) इस तरहकी घबराहट या हड़बड़ी, अधीरता
लेम्प पु०, न० लैंप, लप, चिराग
लेरखु(लॅ) न० देखिए 'लूमखु'
लेलु(लॅ) न० राजका औजार, करनी, कन्नी (२) एक पक्षी, सतभइया
लेलूर(लॅ) वि० उनींदा ऊँघता हुआ
लेलूर (लॅ) वि० अतिशय बहुत
लेवड स्त्री० उधारका व्यवहार
लेवडदेवड स्त्री० उधार लेने-देनेका संबंध, उधार मंगनीका व्यवहार
लेवडाववु स० क्रि० 'लेवु'का प्रेरणार्थक, लिवाना (२) डाँटना धमकाना
लेवादेवा पु० स्त्री० लेने-देनेका या अन्य किसी प्रकारका संबंध, लेना-देना
लेवाल न० खरीदनेवाला लेवाल
लेवाली स्त्री० खरीद लेवाली
लेवावु अ० क्रि० 'लेवु'का कर्मणि, लिया जाना (२) चेहरा पीला पड़ना दुबला होना, सूखना (३) खिसियाना, लज्जित होना। [लेवाई जवु =खिसियाना (२) सूखकर काँटा हो जाना]
लेवु स० क्रि० लेना, किसीको स्वीकार, धारण करना (२) थामना, पकड़ना लेना (३) ले लेना शामिल करना उदा० आ काममा एने न लेशो (४) खाना या पीना, उदा० अत्यारे दूध लेशो के चा'? (५) मान्य रखना, समर्थन करना लेना (पक्ष, तरफदारी) (६) खरीदना लेना, उदा० घोडो क्यारे लीधो ? (७) मूल्य कीमत लेना उदा० आ शालनु शु लीधु ? (८) धारण करना रूप भरना (९) अनुमान धारणा करना रखना, उदा० धाक लेवो' (१०) अगवानी करना साथ ले चलना, ले जाना, उदा० छोकराने साथे लीधो' (११) हड़पना, छीनना,

लूटना कब्जेमें करना, लेना (इज्जत समय, जीव रिश्वत आदि) (१२) खबर लेना, डांटना फटकारना आडे हाथा लेना उदा० ते आ यो के तेने लीधा (१३) उठाकर रखना, स्थानांतरित करना, उदा० टेबल पासे लो (१४) पुकारना, बोलना, लेना उदा० तेनु नाम न लेशो (१५) इकट्ठा करना अपने सिर पर लेना उदा० निसासा लेवा हाय लेवी' (१६) दर्ज करना लिखना, नोट कर लेना उदा० तेमनु ठेकाणु लई लो (१७) काटना (नाखून बाल आदि) (१८) काम लेना या कराना, उदा० 'काम लेवु (१९) खोज करके जानना समझना लेना (नाप थाह खबर सुधबुध आदि) (२०) लेना मांगना उदा० में रजा लीधी छे (२१) विरोध एतराज, आपत्ति करना। [लई नाखवु = खबर लेना घमकाना आडे हाथा लेना (२) उलाहना देना (३) अनिच्छास या बरबस लेना ग्रहण करना। लई पडवु = समझ बठना मानना अपने ऊपर लेना (२) गले मढना गले पडना। लई बेसवु = आरभ करना (२) मानना समझना अपन ऊपर लेना (३) हजम कर जाना। लई मूकवु = पहलेसे ले रखना खरीदकर रख छोडना। लई लेवु = पकडना थामना ले लेना (२) छीनना झडपना झपटना (३) अपने अधिकार-कब्जेमें करना लेना (४) अपने पास ले रखना, संग्रह करना (५) वापस लेना (६) उठा लेना, उठाना। खबर लेवी = हाल पूछना, खबर लेना (२) वर लेना। मनमां लेवु = बुरा लगाना मन पर असर हाने देना (२) मन पर धरना ध्यान देना। माथ लेवु = अपने जिम्मे लेना सिर पर लेना। हाथमां लेवु = भागने हुएको पकडना मारना लेना (२) बसमें करना, लेना (३) अपने काब - नियत्रणमें करना। लेता पडवु = देखिये लई पडवु]

लेवुदेवु न० देखिये लेणदेण'

लेंघी (लॅं०) स्त्री० बच्चाका सुथना

लेंघु (लॅं०) वि० थाडा पागल-सा बौडम

लेंघो (लॅं०) पु० पायजामा सुथना

लोई स्त्री० लोई (ऊनी)

लोकवायका स्त्री० लोकवचन अफवाह

लोकशासन न० लोकशाही स्त्री० लोकतत्र प्रजातत्र

लोकशाळा स्त्री० जनताका शिक्षा देने वाली एक प्रकारकी शाला

लाकिट, लाकेट न० स्त्रियाका गलका एक गहना लॉकेट

लोखड न० एक धातु लोहा

लोखडी वि० लोहेका बना हुआ लोह लौह (२) बहुत मजबूत, फौलादी (३) दृढ निश्चयवाला अडिग [ला]

लोचवावु अ० क्रि० उलझना फस जाना खटाईमें पडना। [लोचवाई जवु पडवु = उलझना (२) घाटेमें आ जाना]

लोचावु अ० क्रि० किसी चीजका एक ओर दब जाना पिचकना (२) देखिये लोचवावु (३) घबडाना (४) आंखोमें पीडा होना, आँखें चढना

लोचो पु० लौंदा पिंड (२) रद्दी कागज या कपडका पिंडा (३) गडबड, घपला (४) तकरार एतराज, आपत्ति।

[लोचा पडती वात = वह बात जिसमें सफाई न हो। लोचा वाळवा = साफ न बालना खुलकर स्पष्टरूपमें न कहना, बालते समय बीचमें रुकना (२) सही बात न कहकर हीले हवाले करना। –करवो = गोल पिंडा बनाना (२) बिगाडना, कामके लायक न रहने देना, गीजना। –पडवो = तकरार या आपत्ति खडी होना। –पाडवो = बखेडा या आपत्ति खडी करना। –वाळवो = नखिए लोचो करवो]

लोट पु० आटा चून। [–वाटवु करवु = कंगाल या पायमाल करना, खाकमें मिलाना। –फाकवो = पागलका तरह बकना (२) धूल चाटना, व्याकुलता या कायरता दिखाना (३) साधन रहित हो जाना]

लोटकु न० मिट्टीकी लुटिया

लोटपोट वि० बहुत थका हुआ लोथपाथ (२) झुरमुट मारकर लेटना लोटपोट

लोटवु अ० क्रि० लोटना करवटें बदलना (२) लेटना सोना (३) लुढकना लोटना

लोटियु वि० सफाचट (२) बिल्कुल मुडा हुआ सफाचट। [–कराववु = सिर मुडाना] [जातिका आदमी

लोटियो प० शीआ मुसलमानोकी एक

लोटी स्त्री० लोटी, लुटिया

लोटु न० मिट्टीका लोटा मिट्टीका लोटेकी नवलका बरतन (२) सिर मुड [ला]

लोटो पु० लोटा (पात्र) (२) दस्त पतला पाखाना [ला]। [लोटा भरवा = बार बार पाखाना जाना (२) (भोजनकी तयारीके लिए) लोटे पानीसे भरना। –ऊतरवो = दस्त होना, टट्टी होना। –थवो = दस्तकी बीमारी होना। –लईने जवु = पाखाने जाना]

लोढ पु० पानीकी उत्ताल तरंग, बाढकी ऊँची लहर (२) मिट्टीका पिंडा जो आँचमें गलकर लोहे जसा बना हो, लोष्ट लोहेका ढेला (३) आपत्ति, एतराज, बाधा [ग]। [–नाखवो, पडवो = बाधा खडी होना करना, अडचन डालना या खडी होना]

लोढवु स० क्रि० लोढना, ओटना

लोढां न० ब० व० लोहेके औजार, लोखर (नाई बढई आदिके)

लोढी स्त्री० लोहेका तवा (रोटीका)

लोढु न० लोहा (धातु)

लोथ (थ) स्त्री० लोथ लाश (२) आफ्त बला [ला] (२) वि० बहुत थका हुआ, लोथ-पोथ। [–थवु = थककर चूर होना। –पडवी = लोथ गिरना, मारा जाना। –वहोरवी = बला मोल लेना। –वळवी = बरबाद होना। –वाळवी = बरबाद करना (२) बला दूर करना (३) लाश गिराना लोथ डालना]

लोथपोथ वि० थका हुआ, लोथ-पाथ

लोथवु अ० क्रि० लोटना छटपटाना

लोथियु (ला) न० कुत्तेका बाटना

लोपडचोपड न० घी तेल आदि स्नेह युक्त पदार्थ (२) [ग] अतिशयोक्ति (३) खुशामद

लोपरी स्त्री० लादेका हाथसे थोपकर बनाया हुआ मोटी पूरी जैसा आकार

लोपवु स० क्रि० तोडना उल्लंघन करना न मानना

लोफर वि० पु० लफंगा बदमाश आवारा

लोब (लों) स्त्री० याददाश्त स्मरण शक्ति (२) आदत, बान

लोबान पु० लोबान (धूप और औषधि)
लोभामणु वि० लुभानेवाला, मनोहर
लोभाववु स०क्रि० 'लोभावु' का प्रेरणार्थक लुभाना
लोभावु अ० क्रि० लालचमें पडना, लुभाना
लोभियु, लोभी वि० लोभी, लालची
लोल वि० लोल, चचल (२) सुदर (३) उत्सुक लोल (४) न० गरबेके चरणके अतमें आनेवाला शब्द
लोलक न० लटकनेवाली चीज लोलक (घटेका लटकन घडीका लगर)
लोहचुबक न० लोहकात चुबक मकनातीस [लफगा
लोहर पु० जड मूर्ख व्यक्ति (२) आवारा
लोहवु स० क्रि० पोछना [तर
लोहियाळ (—ळु) वि० लहूवाला खूनसे
लोही न० लहू खून रक्त। [—उकाळो =जलन कुढन गुस्सा क्लेश। —ऊकळवु=गुस्सा आना लहू उबलना। —ऊडी जवु=लहू न रहनेसे चेहरा पीला पडना खून सूखना (२) डर या खेदसे चेहरा विवर्ण होना चेहरा सफेद हो जाना (३) शर्मिन्दा होना। —चडवु =तदुरुस्ती अच्छी होना शरीरमें खूनका दौरा होना (२) आनद होना, बाछें खिलना। —नु पाणी करवु=सख्त परिश्रम करना लहू पानी एक करना। —नु पाणी थवु=लहू बिगडना (२) खूब परिश्रम होना। —पीवु=तकलीफ देना, लहू पीना (२) चूसकर पायमाल करना। —रेडवु= (अपना या अन्यका) खून बहाना, अन्यको कत्ल करना या अपना बलिदान देना। शेर लोही चडवु=बाछें खिलना अति प्रसन्न होना]
लोहीचुतु वि० लहू-लुहान क्षत विक्षत
लोहीतरस्यु वि० लहूका प्यासा
लोहीलु (—लो) हाण वि० लहू-लुहान
लोळियु न० स्त्रियोका लोलकीका एक गहना झुमका (२) धानकी बाल बाली
लोळो पु० जीभ लोला (२) जिह्वाग्र
लौकडी (ला०) स्त्री० लामडी
लौठ (ला०) वि० देखिए लाठ
लौदो (ला०) पु० लौदा लोदा
लौकिक वि० लौकिक सासारिक (२) इस लोकका इहलौकिक (३) न० लोकाचार चलन (४) मातमपुरसी

व

व पु० चौथा अतःस्थ वर्ण
वकरवु अ० क्रि० क्रुद्ध होना बिगडना (२) बहकना, हाथसे जाना, कब्जेमें न रहना (३) मुकरना बेईमानी करना
वकरी स्त्री०, (—रो) पु० बिक्री विक्रय (२) बिक्री बिक्रीकी आमदनी, गल्ला (३) बिका हुआ माल
वकासवु स० क्रि० (मुह) बाना, फलाना
वकील पु० वकालत करनेका अधिकारी सनदयाफ्ता वकील (२) राजप्रतिनिधि वकील (३) किसीकी ओरसे मामलेकी परवी करनेवाला, वकील
वकीलात स्त्री० वकालत
वकीलातनामु न० वकालतनामा

वक्कर पु० वक्र, मान, पद, वजन (२) ढग चलन पात्रता। [–खोवो, गुमाववो =मान प्रतिष्ठा गँवाना वक्र खोना]
वक्रीभवन न० (किरणाका) वक्र होना
वख न० विप, जहर
वखत पु० वक्त समय (२) वक्त, मौका (३) बुरी दशा, मुसीबतका समय मुश्किल (४) फुरसत, अवकाश, वक्त (५) बार दफा उदा० एने केटली वखत कह्येु ?'। [–काढवो, गाळवो, गुजारवो = वक्त गुज़ारना, समय नष्ट करना। –साचववो = समय पर काम करना वक्तका पाबद होना]
वखतबेवखत अ० किसी भी समय, वक्तबेवक्त
वखतसर अ० वक्त पर समयसे
वखते अ० शायद सभवत कदाचित्
वखतोवखत अ० बार-बार वक्तन फवक्तन समय-समय पर
वखल्लो पु० खानेके दोपके कारण कपडेमें होनेवाला नुक्सान
वखाण न० बखान, प्रशसा
वखाणवु स० क्रि० बखानना, सराहना
वखार (र) स्त्री० वखार, कोठार
वखु न० पक्ष तरफदारी (२) आड आश्रय शरण (३) देखिये वगवसीलो (४) वि० नामके अतमें आकर '–के पक्षका' ऐसा अर्थ सूचित करता है, उदा० 'बापवखु'
वखूटु वि० बिछुडा हुआ बिछाही
वखो पु० भुखमरीका सकट (२) सकट। [वखानुं मायु = भुखमरी या सकटका मारा हुआ। खावाना वखा पडवा, होवा = खानेका न होना रोटीके लाले पडना, दाने-दानेको तरसना]
वखोडवु स० क्रि० बदगोई करना, निंदा करना दोप निकालना
वग पु०, स्त्री० देखिए 'वगवसीलो' (२) पक्ष, तरफदारी (३) जगह, समाई गुजाइश (४) मौका अवसर। [–करवो (–थी) = पक्ष करना (२) व्यवस्था प्रबध आयोजन कर देना। –चालवो, पहोंचवो, लागवो = बडोंके साथके सबधका या इनके आश्रय या मददका असर होना। वगे करवु, पाडवु = उचित स्थान पर सजाकर रखना ठिकाने पर रखना। वगे पडतु = अनुकूलताके अनुसार यथावसर (२) तरतीबसे सजाया हुआ]
वगडाउ वि० वन्य, जगली
वगडो पु० जगल, वीराना
वगदां न० ब० व० मिथ्या प्रयत्न
वगर अ० बगैर, बिना सिवा
वगवसीलो पु० बडोंके साथका सबध और उनका आश्रय या मदद वसीला
वगसग स्त्री० देखिये 'वगवसीलो' (२) समा सके ऐसी जगह गुजाइश अवकाश
वगडाववु स० क्रि० 'वगाडवु', वग डवु का प्रेरणार्थक
वगाडवु स० क्रि० बजाना (२) चोट, प्रहार लगे ऐसा करना चोट पहुँचाना
वगियु, वगीलु वि० जान-पहचानवाला, जिसकी कुछ चलती हो, प्रभावशाली (२) पक्षपाती (३) न० पक्षपात
वगेरे अ० वगैरह इत्यादि
वगो पु० मुहल्ला, टोला
वगोणु न०, (–णी) स्त्री०, (–णु) न० निन्दा, बदगोई
वगोववु स० क्रि० निन्दा करना बदगोई [करना

वघरड़ न० साठी जैसा लाल धान (२) चाकर कचरा, बनावन
वघरणु न० विघ्न, बाधा
वघरो पु० टंटा अनबन (२) विघ्न (३) बिगड़ना या सड़ने लगना
वघार पु० बघार छौंक (२) टपकना उभाड़ना उकसाना चुटीली बात [ला]
वघारणी स्त्री० हींग
वघारवु स० क्रि० बघारना छौंकना
वच स्त्री० बीच मध्यस्थता
वचकलु न० हरज आपत्ति, बुरा लगना
वचक(-का)वु अ० क्रि० बुरा लगना नाराज होना रूठना (२) बीचमेंसे खिसक जाना
वचकु न० विघ्न बाधा
वचको पु० बुरा लगना (२) हरज, आपत्ति (३) वहम
वचगाळो पु० बीचका हिस्सा बीच
वचन न० वचन कथन वाक्य बात (२) प्रतिज्ञा कौल वचन (३) वचन उदा० 'एकवचन [व्या]। [-काढवु = कहना बात बात मुह पर लाना (२) प्रतिज्ञा करना। -तोडवु = वचनभंग करना। -मारवु = ताने मारना कटु वचन कहना। -लेवु = प्रतिज्ञा करना वचन लेना]
वचनी वि० वचन पालनेवाला सत्यवादी
वचमां अ० बीचमें दरमियान
वचलु वि० बीचका मझला
वचाळ स्त्री० (-ळु) न० बीचकी खाली जगह बीच (२) छेद सूराख
वचाळो पु० काम न आनेवाला कोना
वचेट वि० मझला बीचका
वच्चे अ० बीचमें
वच्चोवच अ० बीचोबीच, ठीक मध्यमें

वछ स्त्री० वस्तु चीज
वछनाग पु० वछनाग
वछूटवु अ० क्रि० छूटना सटी चिपकी चीजका अलग होना (२) सटी चीजसे अलग होकर उड़ना, वगैरा फेंका जाना छूटना [हुआ वियुक्त
वछूटु वि० बिछुड़ा हुआ अलग किया
वछेरी स्त्री० बछड़ी वछेरी
वछेरु न० घोड़ीका बच्चा बछेड़ा बछेरा
वछेरो पु० घोड़ाका नर बच्चा बछड़ा बछेरा (२) बछड़ा (तुरतका खसी किया हुआ)
वछो पु० बिछोह वियोग (२) भेद फूट
वछोडवु स० क्रि० सटी चिपकी चीजको अलग करना पकड़से निकालना छोड़ना
वज स्त्री० न० वच वचा (एक वनस्पति)
वजन न० वज़न भार (२) तौल वज़न (३) [ला] महत्त्व दबाव वजन (४) मान प्रतिष्ठा वजन। [-पडवु = प्रभाव असर पड़ना]
वजरबट्टु(-ट्टु) न० वजरबट्टू
वजाडवु स० क्रि० बजाना
वजीफो पु० इनामम मिली जमीन माफी जमीन इनाम [(शतरजका)
वजीर पु० वज़ीर मंत्री (२) वज़ीर
वजीराई(-त), वजीरी स्त्री० वजारत
वजूद न० खरापन सचाई
वज्जर न० इंद्रका अस्त्र वज्र। [-जेवु = बहुत कठोर वज्र]
वट वि० मुख्य सबका
वट स्त्री० टेक, संकल्प प्रतिज्ञा (२) आबरू (३) महाजनी साहूकारी (४) वह स्थान जहाँ लेन देनका काम चलता हो साहूकारी उदा० 'नाणावट' (५)

होनेका भाव बतानेवाला प्रत्यय, उदा० घरवट'(६)पु० रोब प्रभाव मान।[–पडवो=रोब धाक जमना। –मां रहेवु=रोबमें रहना]
वटक स्त्री० पु० मूल्यका वह अतर जो दो चीजोंके अदल-बदलमें रहे, फर्क(२)क्षति-पूर्ति नुकसानका मुआवजा (३) बदला, वैर
वटकवु अ० क्रि० रूठकर भाग खडा होना, रिसाना नाराज होना
वटल(–ला)वु अ० क्रि० हल्की मानी जानेवाली जाति या धर्ममें जाना, जाति या धर्मभ्रष्ट होना
वटलोई स्त्री० बटलोई
वटवु स०क्रि० लांघना पार करना(२) अ०क्रि० (समय) बीतना, गुजरना (३) (पानीका) पीछे हटना उतरना (४) भाग जाना
वटहुकम पु० मुख्य हुकम या सब पर लागू होनेवाला हुक्म(२)आर्डिनेस अध्यादेश
वटाणो पु० मटर (दाना)
वटाव पु०ऋण मूल्धन कीमत आदिकी कुछ माफी छूट(२)बट्टा भँजाई भुनाई (३) बिक्री पर मिलनेवाली दलाली
वटाववु स०क्रि० भुनाना, भँजाना(सिक्का)(२)हुंडी नोट आदिको सिक्कोंमें बदलवाना भुनाना(३)लांघना पार करना –से बढ जाना (४) 'वटवु वाटवु का प्रेरणार्थक'।[(–ने)वटावे एवु=–से बेहतर –से बढकर। वटावी खावु=धोखा दे जाना (२) बसमें न रहना न बनना (३) –का दुरुपयोग करना उदा० बापनी आबरू वटावी खाधी] [का कर्मणि
वटावु अ० क्रि० वटवु और वाटवु –
वटाळ पु० जातिभ्रष्ट या धर्मभ्रष्ट होनेका भाव भ्रष्टता [करना
वटाळवु स० क्रि० जाति या धर्मभ्रष्ट
वटाळो पु० देखिये वटाळ'
वटेमागु पु० बटोही, पथिक, मुसाफिर
वटेगरी स्त्री० राहखर्च मार्गव्यय(२) पाथेय, सबल
वड पु० बड, बरगद(२)वि० बडा
वडगूदो पु० एक पेड, लसोडा, लहसुआ
वडपण(–णु) न० बडप्पन
वडवाई स्त्री० बरोह डाढ (बडकी)
वडवागळ स्त्री०, वडवागळु न० वड वागोळ स्त्री० चमगादड, गादुर
वडवो पु० पुरखा, पूर्वज(२)बाप या मांका बाप, दादा (पिताका पिता), नाना (माताका पिता)
वडससरो पु० सास या ससुरका बाप, ददियाससुर (ससुरका पिता) ननियाससुर (सासका पिता)
वडसासु स्त्री० सास या ससुरकी माँ, ददियासास(ससुरकी माता), ननियासास (पति या पत्नीकी नानी)
वडाई स्त्री० बडाई कीर्ति(२)शेखी घमंड
वडागरु वि० (समुद्रके किनारे गड्ढोंमें पानी सुखाकर बनाया हुआ) डलेदार (नमक) पाँगा साँभरका (नोन)
वडारण स्त्री० रानीकी दासी खवास स्त्री, लौंडी [या नानी
वडियाई स्त्री० बाप या माकी माँ दादी
वडी स्त्री० बडी बरी (चौकेकी)
वडील वि० बुजुर्ग बडा पूज्य(२)पु० गुरुजन पूज्यपुरुष(३)पूर्वज पुरखा
वडीलोपार्जित वि० पैतृक, मौरूसी बाप-दादाका [आदिमें अधिक
वडु वि० बडा, उम्र, पद अधिकार

वडु न० बडा (उरदका) (२) परतके अथमें सख्यावाचक शब्दके साथ आता है, उदा० 'एकवडु बेवडु

वडे अ० से

वडेरु वि० बुजुर्ग बडा [ल्डाका

वढकण(-णु) वढकारु वि० झगडालू

वढवाड स्त्री० कजिया टटा, ल्डाई

वढवाडियुं वि० देखिए वढकणु

वढवु अ०क्रि० तकरार करना झगडना ल्डना (२) मारपीट करना ल्डना (३) स०क्रि० डाटना, फटकारना

वढावु अ० क्रि० 'वढवु, वाढवु का कमणि [प्रेरणाथक

वढाववु स०क्रि० वन्वु वाढवु का

वण(ण,) अ० बिना, बगैर

वण(ण,) न० कपास (२) कपासका खेत या पौधा

वणकर पु० बुनकर जुलाहा

वणकरी स्त्री० बुननेकी मजदूरी, बुनाई

वणछो पु० पडकी छाया (नीचेके पौधे पर पडनेवाली)

वणज पु० बनिज व्यापार धधा (२) स्त्री० माल सौदा व्यापारकी चीज

वणजार स्त्री० बनजारेके बल्लोका झुड टाडा (२) बनजारेका काफिला, कारवा

वणजारी स्त्री० बनजारन बनजारी

वणजारो पु० बनजारा [बुनाई

वणतर न० बुनना (२) बुनावट साफ

वणवु स० क्रि० बटना (रस्सी) (२) बुनना (कपडा) (३) बेलना (रोटी आदि) (४) सेंवई बटना (५) बीनना (६) कामकाजमें लगाकर अनुभवी बनाना सधाना [ला]

वणसवु अ० क्रि० बिगडना खराब होना (२) नष्ट होना बिनसना [प]

वणसाडवु स० क्रि० 'वणसवु का प्रेरणायक विनाश करना बिनसाना [प]

वणाई स्त्री० बुननेकी मजदूरी बुनाई (२) बुननेका ढग बुनावट बुनाई

वणाट पु० बुनाई बुनावट

वणाटकाम न० बुननेका काम बुनाई

वणिय(-य)र(व) न० एक छोटा चौपाया जतु बिज्जू [फाड डालना

वतडवु स० क्रि० नाखूनसे खुजलाना या

वतन न० वतन मूल वासस्थान जन्म भूमि (२) सरकारकी ओरसे इनाममें मिली जमीन माफी जमीन जागीर (३) जमीन जागीरकी उपज

वतनदार वि० (२) पु० जागीरदार

वतरडवु स० क्रि० देखिए वतडवु

वतरणु न० कलम (लकडीका लिखने का टुकडा)

वताडवु स० क्रि० देखिए 'विताडवु

वतावvu स० क्रि० सताना परेशान करना (२) छेडना (३) बनाना

वती अ० स (२) वास्ते —के स्थान पर —के बदले

वतु न० हजामत

वते अ० से

वतेसर वि० विस्तारवाला लबा चौडा (२) न० बतगड लबी-चौडी (हाकना)

वत्तु वि० विशेष अधिक ज्यादा

वद(द) अ० वदि कृष्णपक्षम (२) स्त्री० अधेरा पाख बदी

वदवु स० क्रि० बोलना (२) अ० क्रि० मजूर स्वीकृत होना

वदाड पु० देखिय वायदो'

वदाय वि० (२) स्त्री० देखिये 'विदाय

वदायगीरी स्त्री० देखिये विदायगीरी'

वदार पु० देखिये वायदो

वदि अ० वदि वदी कृष्णपक्षमें
वद्दी स्त्री० वृद्धि, हासिल [ग]
वध अ० (२) स्त्री० देखिये 'वद'
वधा स्त्री० देखिए 'वद्दी'
वध(ध,) स्त्री० वृद्धि बाढ विकास नफा
वधघट स्त्री० घट-बढ, कमी-वेशी
वधरावळ स्त्री० अडकोशका एक रोग
वधवु अ० क्रि० सख्या, डील आकार, मात्रा गुण, फलाव आदिका अधिक होना वृद्धि होना, लबा, ऊँचा होना, बढना (२) बाकी रहना, बचना (३) दूसरेसे आगे निकल जाना, प्रगति करना, बढना। [वात वधी जवी, पडवी = बात बढना, बातका बहस या झगडेका रूप ले लेना]
वधाई(-मणी) स्त्री० बधाई, बधावा खुशखबरी (२) खुशखबरी लानेवालेको दिया जानेवाला उपहार, बधाई
वधामणु न० मगल कार्यके निमित्त किया जानेवाला देवीका पूजन (२) बधावा बधाई
वधारवु स० क्रि० वृद्धि करना, किसी चीज आदिमें और रखना बढाना (२) पहलेसे अधिक लबा चौडा, ऊँचा करना बढाना, फलाना, विस्तार करना (३) बचत करना बाकी रखना बचाना खर्च न होने देना
वधारे वि० अधिक, ज्यादा विशेष
वधारेपडतु वि० चाहिये उससे अधिक (मात्रा कद मर्यादा आदिमें)
वधारो पु० वृद्धि, बढती, अधिकता (२) नफा लाभ, वृद्धि (३) बाकी, शेष बचत (रकम) (४) पूरण, पूर्ति, 'सप्लिमेंट' (५) समाचार पत्रकी पूर्ति, परिशिष्ट
वधावदु स० क्रि० (आशीर्वाद देते हुए या भक्तिपूर्वक अक्षत-फूल आदिसे) सत्कार करना, पूजना (२) हर्षपूर्वक आवभगत करना
वधावो पु० पूजन—आवभगतकी सामग्री (२) वर या कन्याको भेजा जानेवाला उपहार, बधावा
वधु वि० अधिक, ज्यादा, बहुत
वधुपडतु वि० देखिए 'वधारेपडतु'
वधूकु वि० चाहिये उससे अधिक, उचितसे अधिक (२) बाकीका
वधेरवु स० क्रि० बलि चढाना, बलि देना (२) फोडना, तोडना (३) काटना
वन न० वन, जगल वन। [—करवु = बिना घरबारका कर देना, कहींका न रखना]
वनकूळ न० पेडकी छालका कपडा [वल्कल
वनभोजन न० वनभोजन, गोट, 'पिकनिक
वनमाळा स्त्री० वनमाला, बनमाला
वनमाळी पु० बनमाली, वनमाली श्रीकृष्ण
वनराई(-जि,-जी) स्त्री० वनराजि, वनराजी वन वृक्षोंकी लबी कतारें (२) लबा चौडा जगलका प्रदेश जगल, वन, वनराजी (३) जगलकी पगडडी, वनराजि
वनवेली स्त्री० जगली बेल (२) गद्य काव्यकी एक नई रचना कविता
वनवागळु न०, वनवागोळ स्त्री० देखिये 'वडवागळ'
वना स्त्री० वनिता (२) अ० बिना, सिवा
वनेर वि० भटकता, आवारा, असभ्य, जगली
वपत स्त्री० विपत्ति, आफत, मुसीबत

वपराव् अ० क्रि० वापरवुं का कर्मणि इस्तेमाल होना, काममें आना
वपराश स्त्री० उपयोग इस्तेमाल
वफा स्त्री० वफा वचनका पालन प्रामाणिकता(२)भक्ति श्रद्धा विश्वास
वफाई स्त्री० वफादारी
वफादार वि० वफादार वचन-पालक(२) विश्वसनीय(३)स्वामिभक्त वफादार
वफादारी स्त्री० वचनका पालन करना वफादारी(२)स्वामिभक्ति वफादारी (३)निष्ठा(४)राजभक्ति वफादारी
वभो पु० वभव साहबी ठाठ(२)अदब लिहाज़, मुरोवत(३)प्रतिष्ठा वजन
वमळ न० भँवर चक्कर जलावर्त
वर वि० वर श्रेष्ठ(२)पु० दूल्हा वर (३)पति(४)वर देवता या गुरुजनासे इच्छा पूर्तिके लिए की जानेवाली प्रार्थना
वरक(-ख) पु० वरक सोने चाँदीका पत्तर [वृषभ राशि
वरख पु० वरक (२) वष (३) स्त्री०
वरखडी स्त्री० (-डो) पु० पीलूकी जातिका एक वृक्ष [पतिकामा
वरघेली वि० स्त्री० पतिप्रेममें आसक्त
वरघोडिया न० ब० व० नवदंपती
वरघोडो पु० वरयात्रा (२) फजीहत [ला] । [वरघोडे चडवु = बदनाम होना। -काढवो = वरयात्रा निकालना(२)बदनाम करना]
वरचडावो पु० घुड़चढी (वरकी)
वरजवु स०क्रि० तजना वर्जित करना छोडना [वरयोग्य
वरजोग वि० स्त्री० विवाहके योग्य
वरजोळो पु० उचाट फिक्र(२)बदनामी
वरड(व') न० बिवाई
वरडु(व) न० अंकुर निकला हुआ चना आदि अँकुरी [स्त्री० वर्ण जाति
वरण पु० वर्ण अक्षर(२)रंग वर्ण(३)
वरणागियु वि० बनाव सिंगार करनेवाला शौकीन, छला, सजीला
वरणागी स्त्री० बनाव सिंगार सजधज
वरणावु अ० क्रि० पकने पर होना गदराना [(२)चुनाव पसंद वरण
वरणी स्त्री० वरणी पुरोहितका सम्मान
वरणो पु० वरुण वृक्ष
वरत पु० स्त्री० चरस खींचनेकी रस्सी बरत(२)ढोर चरानकी उजरत चराई
वरतणियो पु० गाँवका चौकीदार (२) गाँवके चौपालका चपरासी (३) पाँवके निशान परसे चोरका पता लगानेवाला चौकीदार (४) मार्गदर्शक गाइड (५)मार्गमें रक्षा करनेवाला
वरतवु अ० क्रि० बर्ताव करना बरतना आचरण करना (२) बनना होना (३)स० क्रि० परखना जान लेना विचारना(४)प्राप्त होना(५) नेग या लाग देना उदा० बहेनने कई *वरत्या नही* [(२)ज्योतिषी नजूमी
वरतारो पु० भविष्यवाणी पेशीनगोई
वरदी स्त्री० खबर सवाद संदेशा(२) हुक्म। [-आपवी = सूचना या हुक्म देना आज्ञापालनकी खबर देना। -करवी, पहोंचाडवी = खबर पहुँचाना जताना विदित कराना]
वरम पु० वरम सूजन
वरमाळ(-ळा) स्त्री० जयमाला(स्वयंवरमें)(२)विवाहके समय वर-कन्याके गलेमें डाली जानेवाली सूतकी माला, मंगलसूत्र
वरराजा पु० दूल्हा वर, नौशाह

वरवु वि० बेडौल, विरूप, बदशकल, भद्दा (२) खराब, गंदा

वरवु स०क्रि० पसंद करना, चुनना (२) वरके रूपमें पसंद करना, ब्याहना [प]

वरवु अ० क्रि० खर्च होना इस्तेमाल होना, खपना

वरशी स्त्री० बरसी। [(विशाहनी) –थवी = शुभके बदले अशुभ होना]

वरस न० वर्ष बरस, साल। [–थवां = बुढ़ापा आना आयु ढलना]

वरसगाठ स्त्री० वरसगाँठ सालगिरह

वरसदहाडो पु० वरसवढोळ न० करीब एक सालका समय एकाध बरस

वरसवु अ० क्रि० वर्षा होना बरसना (२) बूंदोंकी तरह गिरना झड़ना बरसना (३) स० क्रि० बड़ी मात्रामें देना फेंकना, बखेरना बरसाना

वरसाद पु० वर्षा, बारिश (२) बड़ी मात्रामें बरसना (फूल करवे आदि)। [–चडवो = बादल चढ़ना घटा घिरना। –नी पेठे वाट जोवी = वर्षाकी तरह राह देखना अति आतुरतासे प्रतीक्षा करना। वरसी जवु = दे देना, प्रसन्न होकर खूब दे देना]

वरसी स्त्री० देखिए वरशी'

वरसूद स्त्री० प्रतिवर्ष मिलनेवाली बँधी रकम सालियाना

वरसोवरस अ० हर साल सालाना

वरसोळी स्त्री० देखिए रसोळी

वरह(–डो) पु० वरामदा दालान ओसारा

वरागडु वि० देखिए वडागरु'

वराड पु० स्त्री०हिस्सा भाग। [वराडे पडतु = हिस्सेके अनुसार, जितना जिसके हिस्सेमें आवे]

वराडु(व') न० रस्सी, डोरी

वराध(ध) स्त्री० बच्चाको होनेवाला एक रोग (२) एक वनस्पति

वराप स्त्री० उत्कट इच्छा तीव्र लालसा तल्ब (२) जमीनकी वह स्थिति जिसमें वर्षाके बाद बादल फटने पर पानी सूख जाता है और वह जोतने योग्य होती है (३) फुरसत

वराळ स्त्री० भाप भाफ वाष्प (२) [ला] भडास दिलका बुखार, गुबार। [ऊनी वराळ न काढवी = जरा भी मुंह न खोलना चूँ न करना, विरुद्ध न बोलना (२) दिलका गुबार न निकालना]

वराळयंत्र न० भापसे चलनेवाली मशीन

वरांसो(०) पु० भरोसा (२) पछतावा

वरियाळी(व) स्त्री० सौंफ

वरी स्त्री० एक अन्न, कांगनी, कँगनी

वरु पु० न० भेडिया, वृक

वरुणी स्त्री० देखिए वरणी

वरेडु(रे) न० रस्सी डोरी

वरो पु० बिरादरीका भोज देना (२) उपयोग खर्च

वर्ग पु० किसी बड़े समूहका एक विभाग वर्ग (२) जातिके अनुसार किये गये समूहोंमें से प्रत्येक समूह, वर्ग (३) श्रेणी कक्षा, दर्जा (४) शालामें विद्यार्थियोंकी पढ़ाईके लिए निर्धारित किया गया श्रेणीवार कमरा, दर्जा (५) वर्ग 'स्क्वेर [ग]। [–करवो = दो समान संख्याओंका गुणा करना वर्ग करना (२) दर्जा या श्रेणी बनाना]

वर्गमूल(–ळ) न० वर्गमूल

वचस न० वचस् कांति तेज (२) शक्ति पराक्रम वचस् (३) वीर्य

वचस्व न० देखिये 'वचस

वर्ण पु० वर्ण, रंग (२) वर्ण अक्षर (३) बाह्य रूप, वर्ण (४) प्रकार, भेद वर्ण (५) पु०, स्त्री० जाति वर्ण (ब्राह्मण क्षत्रिय, आदि) (६) नाति, बिरादरी, उदा० अढार वर्ण । [–मांथी जतु रहेवु, नीकळी जवु = जातिच्युत होना (२) इनसानियत खोना । –विनानु = बेठिकाना, भद्दा बेढंगा खराब]
वर्णभेद पु० जातिभेद (२) वर्णभेद
वर्णमाला (–ळा) स्त्री० वर्णमाला अक्षरमाला [प]
वर्णववु स० क्रि० वर्णन करना बरनना
वर्णवु स० क्रि० देखिए 'वर्णववु'
वर्णसगाई स्त्री० वर्णानुप्रास (२) प्रास बैठना या बिठाना तुकांत
वर्णसंकर वि० वर्णसंकर दोगला (२) व्यभिचारसे उत्पन्न हरामी (३) पु० ऐसा आदमी, वर्णसंकर
वर्णु वि० –के रंगका उदा० घउवर्णु
वर्तणूक स्त्री० बरतनेका ढंग बरताव, व्यवहार
वर्तन न० वर्तन आचरण, बर्ताव
वर्तमान वि० वर्तमान चालू (२) आधुनिक, हालका वर्तमान (३) पु० ब० व० समाचार वर्तमान (४) प० वर्तमानकाल, वर्तमान
वर्तमानकाळ पु० वर्तमान समय (२) वर्तमानकाल वर्तमान [व्या]
वर्तमानकृदंत न० वर्तमानकृदंत
वर्तमानपत्र न० समाचारपत्र अखबार
वर्तवु अ० क्रि० आचरण करना बरतना, चलना (२) होना, बनना (३) स० क्रि० परखना, पहचानना, देखना (४) प्रचलित रूढ़िके अनुसार देना (नेग आदि)
वर्ताव पु० बर्ताव, व्यवहार, आचरण
वर्तुल (–ळ) न० गोल, वर्तुल, कुंडली वृत्त (२) वर्तुल वृत्त सर्कल' [ग]
वर्षफळ न० वर्षफल
वर्षवु अ० क्रि० (२) स० क्रि० देखिए 'वरसवु' [वृष्टि वर्षा
वर्षा स्त्री० वर्षाकाल बरसात (२)
वर्षासन न० (राज्यकी ओरसे) निर्वाह मिलनेवाली वार्षिक वृत्ति सालियाना
वर्षे वर्ष अ० प्रतिवर्ष
वलखवु अ० क्रि० मिथ्या प्रयत्न करना
वलखां न० ब० व० मिथ्या प्रयत्न बेकार कोशिश
वलण न० रुख भाव, मनका झुकाव वृत्ति (२) (रास्ते या नदीका) मोड़ (३) कवितामें छंदका पलटा सूचित करनेवाला पद (४) किसी सौदेमें होनेवाले लाभ-हानिका फर्क लेना या देना (५) अक्षरोंका मोड़ । [–अख्त्यार करवु, पकडवु लेवु = अभिप्राय या वृत्ति धारण करना । –चूकववु, पतावववु, घर्हेदवु = सौदेमें होनेवाले लाभ हानिकी रकम चुका देना]
वलवल स्त्री० आवश्यकतासे अधिक चंचलपन चुलबुलापन (२) बिना पूछे बकना, बड़बड़
वलवलवु अ० क्रि० बड़बड़ाना बकना (२) रोते रोते बोलना विलाप करना बिल्लाना (३) व्यर्थ प्रयत्न करना
वलवलाट पु० बिलबिलाहट, आक्रं (२) हिलना–डोलना, कुलबुलाना
वलवलियु वि० आक्रंदी रोने चिल्लानेवाला (२) बकवादी [डच
वलंदो पु० हालैंडका निवासी, वलंदेज

वलूर(व') स्त्री० खुजलाहट, चुल, सुरसुराहट [खूनसे खरोचना
वलूरवु(व') स० क्रि० खुजलाना, मा
वलूरियु न०, **वलूरो** पु० पजे या नाखून-से बनी भरोंच, बकोटा [हाल
वले(लें) स्त्री० हाल, दशा (२) बुरे
वलोणावार(व') पु० बिलोनेका दिन
वलोणावारे(व') अ० बार-बार, हर-घडी [ला]
वलोणी(व) स्त्री० मथानी, रई
वलोणु(व) न० बिलोना मथना (२) दही मथनेका मटका, मथनी (३) दही मथनेका डडा, रई, मथानी
वलोपात पु० अधयसे पदा होनेवाली घबराहट, बेसब्री (२) विलाप आक्रद
वलोववु (व) स० क्रि० विलोना, मथना (२) [ला] बहस करना, किसी बातकी बार-बार चर्चा करना]
ववडा(–रा)ववु स० क्रि० 'वाववु का प्रेरणा१क, बोआना
ववळवु अ० क्रि० खुजलाना, त्वचामें सुरसुरी अनुभव होना
ववळाट पु० खुजली सुरसुराहट (२) कुल्बुलाना, हिल्ना-डोल्ना
वसति स्त्री० बसना, वस्ती (२) वास निवास (३) आबादी, वस्ती (४) बच्चा-कच्चाकी अधिकता (५) आबाद जगह, बस्ती
वसती स्त्री० देखिये वसति
वसतीगणतरी स्त्री० जनगणना, मदु मशुमारी [रेकड
वसतीपत्रक न० जनगणनाका पत्र या
वसमु वि० विषम कठिन मुश्किल (२) विकट जटिल, विषम (३) बुरा, अशुभ
वसवसो पु० दग़दग़ा, अदेशा, वहम
वसवाट पु० बसना वास, वासस्थान
वसवायु न०, (–यो) पु० पौनी, नेगी
वसवु अ० क्रि० बसना, स्थायी रूपसे रहना (२) मनमें बैंठना, जमना
वसत पु०, स्त्री० वसत, बसत, बहार (२) वसत (राग)
वसत स्त्री०, न० वरकी ओरसे कयाको दिया जानेवाला वस्त्रादिका उपहार, डाल बरी (रसम) [बसाना
वसाडवु स० क्रि० 'वसवु का प्ररणाथक',
वसाणु न० औषधियाँ डालकर बनाया हुआ पाक (२) पसारीकी चीजें
वसात स्त्री० बिसात, पूजी माल (२) हैसियत, बिसात गिनती
वसाववु स० क्रि० वसवु का प्रेरणाथक, बसाना (२) 'वासवु का प्रेरणाथक
वसावु अ० क्रि० वसवु' का भावे (२) 'वासवु' का कमणि (३) न० रख-वाई (रखवाली और मजदूरी)
वसावो पु० रखवाला रक्षक
वसाहत स्त्री० मूल वासस्थानसे दूसरी जगह पर किया जानेवाला निवास या उसका स्थान (२) उपनिवेश कालोनी
वसाहती वि० उपनिवेश-सबधी (२) दूसरे देशमें बस जानेवाला उपनिवेशी
वसियत स्त्री० विरसा वरासत, मीरास (२) वसीयतनामा
वसियतनामु न० वसीयतनामा
वसीलो पु० बडोके साथ लगाव सबध या रसाई उनका वसीला, सहायता या प्रभाव [(गाय भैसका)
वसूकवु अ० क्रि० दूध तोडना सूखना
वसूल न० पावनेमें से अदा हुई रकम, वसूल (२) आमदनी, प्राप्ति, वसूल

(३)लगान(४)अ० चुकता बेबाक। [-आपवु=मिनहा करना कटौती करना। -करवु, थवु, लेवु=ववाक होना चुकता होना]
वसूलदार वि०(२)पु० आय या लगान वसूल करनेवाला
वसूलात स्त्री० वह लगान जो वसूल करना हो (२) वसूल करना या लेना वसूली
वसो पु० बीघका बीसवाँ भाग बिस्वा (२) सवा पाँच हाथ (माप)(३)सौ या बीसका अनुक्रमसे सौवा या बीसवाँ भाग (४) आबरू [कुनबा
वस्तार पु० विस्तार, फैलाव (२)बड़ा
वस्तारी वि० बड़ कुनबेवाला
वस्ती स्त्री० देखिये वसती
वस्तीगणतरी वस्तीपत्रक देखिये वसती गणतरी वसतीपत्रक
वस्तु स्त्री० वस्तु चीज पदार्थ (२) सत्य वस्तु(३)न० नाटककी कहानी घटना कथावस्तु वस्तु। [-गूथवु =नाटक या कहानीके विषयकी रचना करना प्लाट रचना]
वस्तुता स्त्री० सरापन सत्य यथार्थता
वस्तुपणु न० सत्यता सचाई यथार्थता
वस्तुसंकलना स्त्री० वस्तुरचना वस्तु संकलन
वहवु स०क्रि० वहन करना ढाना(२) अ०क्रि० धाराके रूपमें प्रवाहित होना बहना (३) बीतना गुजरना। [वही जवु=बहक जाना हाथसे जाना]
वहाण न० बड़ी नाव, जहाज।[-कमावुं =खूब दौलत कमाना]
वहाणवटी पु० नाविक खलासी (२) समुद्री व्यापारी(३)जहाजका मालिक
वहाणवटु न० सागरमें जहाज चलानेका काम (२) जहाजोंसे व्यापार करना (३) समुद्रयात्रा
वहाणु न० प्रभात, भोर। [वहाणां वही जवा=बहुत दिन गुजर जाना। -वावु=सबेरा होना]
वहार(व) स्त्री० सहायता कुमक। [वहारे धडवु, धावु=मददको दौड़ना]
वहाल(व) न० प्रीति प्यार
वहालपण(-णु)(व) न० प्यार प्रेम
वहालम(व)पु० वाल्म पति प्रियतम
वहालसोयु(व)वि० लाडला लाडलडता
वहाली(व) स्त्री० प्रिया चहेती
वहालु(व) वि० प्यारा प्रिय
वहालेशरी(व) वि० हितैषी हितैच्छु
वहालो(व) पु० प्रियतम प्रीतम प्रेमी चहेता
वही स्त्री० वही सुराका सबेरा (२) [ला] धुन मनकी तरग सनक। [-आववी=नशा आना या नशाका तन जाना(२) [ला] सनक सवार होना]
वही स्त्री० वही हिसाबवही (२) वंशवृक्षकी किताब पुरतनामा शिजरा नस्व (३) किताब (कोरी या लिखी हुई)। [-वाचवी=पुश्तनामा पढना (२)पुराना घटनाओंका वर्णन करना (३)निन्दा करना गड़े मुर्दे उखाड़ना]
वहीवट पु० वाचार कारबार प्रबंध (२) प्रथा परिपाटी पद्धति रीति रिवाज (३) लेनदेन सबंध
वहीवटदार पु० प्रबंधकर्ता, मनेजर, संचालक (२) तहसीलदार
वहीवटी वि० कारबार-संबंधी
वहीवंचो पु० पुश्तनामा रखनेवाला भाट, भाट

वहु स्त्री० पत्नी, बहू (२) पुत्रवधू बहू
वहुवर स्त्री० नवाढा, नवविवाहिता (२) न० शादीका जुलूस (३) न० ब० व० पति-पत्नी, नवदपती
वहुवारु स्त्री० युवा प्रियतमा
वहेण(–न) (व) न० प्रवाह, बहाव
वहेम(व) पु० वहम, शक सदेह (२) भ्रम, गलत खयाल, वहम। [–नु जाळु झाळ=वहमका पुतला। –मां पडवु=वहम करना] [करना
वहेमावु(व) अ० क्रि० वहम, शुबहा
वहेमी(०लु)(व्‌,वि० वहमी, शकाशील
वहेर(व) पु० बुरादा बुनाई (लकडी की) (२) दरार
वहेरणियो(व) पु० आराकश करौती
वहेरवु(व) स० क्रि० आरेसे चीरना
वहेल(वहॅल) स्त्री० रथ बहली
वहेल(व) स्त्री० व्हेल मछली
वहेलु(वहॅं) वि० जल्द जल्दी
वहेलुमोडु(वहॅं) वि० जो समय पर न हो जल्द या देरसे (२) अ० जल्द या देरमें (३) चाहे जब किसी समय अनुकूलतासे मौका-बेमौका
वहेवडा(–रा)ववु (व्) स० क्रि० 'वहेवु' का प्रेरणार्थक, बहाना
वहेवार(व) पु० घरोपा, सबध (२) महाजनी साहूकारा (३) बर्ताव, व्यवहार (४) आचरण व्यवहार (५) ससारके कामकाज दुनियादारी (६) प्रथा रिवाज, परिपाटी
वहेवारियो(व्) पु० लेन-देनमें सच्चा ईमानदार (२) व्यवहार प्रथाके अनुसार चलनेवाला (३) साहूकार
वहेवारीकु(व्) वि० व्यवहार्य काम-चलाऊ (२) न बढ़िया न घटिया मध्यम

वहेवारु(व्) वि० न घटिया, न बढिया, मध्यम, साधारण (२) काममें लाने योग्य, व्यवहार्य, जिस पर आचरण किया जा सके
वहेवु(वहॅं) स० क्रि० वहन करना ढोना, उठाना (२) सहना, झेलना (३) अ० क्रि० धाराके रूपमें प्रवाहित होना, बहना (४) धारा या बहावके साथ आगे जाना, बह जाना (५) गुजरना, बीतना (६) बहकना, पथ भ्रष्ट होना। [वही जवु=हाथसे जाना, बहकना। वहेती गगा, सेर=चालू आमदनी। वहेतु मूकवु=दूर हटा देना (२) ध्यान न देना पडा रहने देना छोड देना (३) बहकने देना हाथसे जाने देना]
वहेळियु(वहॅं) न० छोटा नाला
वहेळो(वहॅं) पु० छोटा प्रवाह नाला या सोता (२) बहावसे बना हुआ गडढा खाई
वहेंचण(–णी) (वहॅं०) स्त्री० बाटना हिस्से करना बटवारा (२) हिस्सा (३) छोटा हिस्सा डिविडड
वहेंचवु(वहॅं०) स० क्रि० बाँटना (२) प्रत्येकको अपने हिस्सेके अनुसार दना
वहोणु(व) वि० विहीन रहित
वहोरवु(वहो) स० क्रि० माल लेना खरीदना (२) इकटठा करना बटोरना हिफाजतसे रख छोडना (३) माग लाना (४) जोखिम उठाना, लेना
वहोरवाड(वहॉं) स्त्री० शीआ मुसलमानोका महल्ला–बस्ती
वहोरो(वहॉं) पु० शीआ मुसलमानोकी एक जातिका आदमी (२) मुसलमानोकी एक जमाअतका व्यक्ति (३) एक बल्ल

वळ पु० रस्सी आदिकी ऐंठन बट (२) लगाव, सबंध, वसीला (३) युक्ति, करामात (४) घात दावँ (५) कीना बर, आँट (६) हठ जिद आग्रह (७) गाँठ, गिलटी। [–चडाववो=बटना, ऐंठना (२) उकसाना, उभाडना। –राखवो=बर रखना। वळे कवळे=युक्तिपूर्वक कुशलतासे]

वळकवळ पु० स्त्री०, न० अनुकूलता और प्रतिकूलता, सुयोग-कुयोग (२) घात और दावँपेच

वळगण न० (भूतका) लगना भूतावेश प्रेतबाधा (२) निस्बत लगाव, वास्ता सरोकार (३) भूतप्रेत (४) साथ लगा हुआ काम या व्यक्ति (५) अवध सबंध

वळगणी स्त्री० अलगनी, बिल्ग

वळगवु अ० क्रि० लगना, सटना, जुडना, लिपटना, चिमटना (२) लगा रहना लगना (३) झगडा करना उलझना

वळगाट(–ड) पु० भूतप्रेत या किसीका लगना छूत (२) भूतप्रेत

वळगाडवु स० क्रि० 'वळगवु' का प्रेरणार्थक (२) सिर मढ़ना डालना

वळण न० देखिये 'वरुण' (२) जाँघका मूल वाटी, उरुमूल

वळतर न० मुआवजा, बदला

वळता, वळतां वळती अ० बादमें, पीछे फिर (२) और अधिक

वळतु वि० प्रति विरुद्ध (२) वापसी, जवाबी (कार्ड), लौटता उदा० 'वळतो जवाब, वळती टपाल'

वळदार वि० बटवाला, ऐंठनदार

वळवु अ० क्रि० टेढ़ा होना, मुडना, झुकना (२) लौटना, वापस आना (३) मनका झुकाव होना (४) बेस्वाद होना, कसला होना बिगडना (५) सुधरना, सुधार पर आना (६) बँधना बाँधा जाना (जूडा, लड्डू) (७) जारी होना लगना उदा० 'वाते वळया (८) होना बनना लगना उदा० शेवाळ वळवी टोळे वळवु' (९) पलटना बदल जाना अच्छी दशाको प्राप्त होना उदा० 'वळतो दहाडो वळती वेळा (१०) काम सरना, प्राप्ति होना। [वळता पाणी थवां=भाटा शुरू होना (२) नाश कम होना (जवानी रोग आदिका)। वळतो दहाडो=भले दिन भाग्योदय। दगलो वळी जवु=(थकान या निराशासे) निढाल होकर बैठ जाना (२) अधिक मात्रामें इकट्ठा होना –आ जाना। पाछु वळवु=लौटना, वापस आना (२) कम होना (३) बेस्वाद होना, बिगडना]

वळामणु न० बिदा करना बिदा (२) वि० पीछे हटता हुआ कम होता हुआ उदा० पाणी वळामणा थई गया

वळाववु स० क्रि० वळवु 'वाळवु' का प्रेरणार्थक (२) बिदा करना

वळावियो पु० पथप्रदर्शक, गाइड' (२) रास्तेमें माल-खबर लेनेवाला मार्गरक्षक

वळावु न० पथप्रदर्शकका काम (२) उसकी मजदूरी (३) अ० क्रि० 'वाळवु'-का कर्मणि

वळावो पु० देखिये 'वळावियो'

वळांक(०) पु० (रास्तेका) मोड, घुमाव (२) लिपिका मोड

वळी स्त्री० छोटा वल्ला, बल्ली (२) लाठीके सिर पर जडा हुआ धातुका खोल, नामी [इससे अधिक ओर
वळी अ० –के अलावा, अतिरिक्त, सिवा;
वळु न० भूमिकी परत स्तर (२) जमीनके अंदर बहनेवाला पानीका प्रवाह (३) मनकी लहर धुन सनक (४) मंडल, समुदाय, पक्ष (५) अस्तर (६) नामी (७) पसीनेका दाग। [–आववु = सनक सवार होना]
वळो पु० मोटी बडी बल्ली बल्ला लटठा
वळोक पु० रूप आकार(२)चाल-ढाल, विनय, आचरण [भाव टेढा रुख
वक वि० टेढा वक्र (२) पु० विरोधी
वकाई स्त्री० टेढापन, वक्रता (२) खुटाई विरोध, हठ
वकावु अ०क्रि० रूठना; मचलना(२)टेढा होना; मुडना [प्रेरणार्थक पल्वाना
वचाववु स० क्रि० वचवु वाचवुका
वचावु अ० क्रि० 'वाचवु' का कर्मणि, पढा जाना (२) निंदा होना
वझा स्त्री० बांझ स्त्री वंध्या स्त्री
वटोळ(–ळियो) पु० ववंडर बगूला
वठवु अ० क्रि० बहकना हाथसे जाना मर्यादाका उल्लंघन करना (२) न बनना, किसीके काबूमें न रहना (३) बिगडना चाल-ढाल खराब होना। [वठी जवु = हाथसे जाना, बिगडना पथभ्रष्ट होना]
वडी स्त्री० चहारदीवारी डेहवारा। [–परनु ससलु = तुच्छ वस्तु]
वडो पु० वडी चहारदीवारी ऊँचा परकोटा (२) चहारदीवारीसे घेरी हुई जगह अहाता (३) गली
वढी वडो देखिये वडा गडो

–वत वि० 'वाला'के अर्थमें संज्ञाके अंतमें आता है, युक्त, उदा० 'मानवत
वतर न० भूत, प्रेत
वतरी स्त्री० भूतनी स्त्री प्रेत
वताक न० बैंगन, भटा
वताकडी स्त्री० बैंगन(पौधा)
–वतु वि० देखिये 'वत'
वदवु स० क्रि० वदन–नमस्कार करना
वदो पु० एक जंतु चपडा
वश पु० वंश, कुल(२)संतान, वंश (३)बांस(४)बांसुरी। [–काढवो = कुलका उच्छेद–नाश करना। –नो वेलो, –वेलो = वंशपरंपरा]
वशावळि(–ळी) स्त्री० वंशावली, कुरसीनामा, वंशवृक्ष [वंशी
वशी वि० वंशका(२)स्त्री० बांसुरी,
वा अ० वा अथवा, या कि
वा प० पवन वायु हवा (२) कल्पना, मनकी तरंग, उपज (३) वातरोग (गिल्टी गठिया फोडे फुंसी आदि) (४)जीव, प्राण (५)राग या विचार का वेग लहर [ला] (६) 'इतने फासले पर या इतना दूर' ऐसे अर्थमें संज्ञाके अंतमें आता है उदा० खेतरवा रानावा'। [–आववो = हवा चलना (२)सधिवातका हमला होना शरीरके जोडोंमें दर्द होना (३)नया लोकी लहर उठना लहर उठना। –ए ऊडवु = हवाकी तरह प्रसारित होना, फैल जाना, हवा उडना। –ए रही जवु = गठियासे जोडोंका अकड जाना हवा लगना। –ए वात जवी = प्रकट हो जाना कुछ गुप्त न रहना। –काढवो, काढी नाखवो = बिलकुल थका डालना (२) प्रभावहीन कर

देना घमड चूर करना ढीला, नरम बना देना (३) धमकाना डांटना (४) पीटना मारना। —खावो = बेरोजगार रहना, मक्खियाँ मारना (२) काम न निबटनेसे देर होना काम खटाईमें पडना (३) खाली, निरर्थक पडा रहना, बेकार बठे रहना। —छूटवो, सरवो = अपानवायुका निकलना हवा छूटना (२) [ला] घबराना छक्का छूटना पसीना छूटना। —नी सायें वढे एवु = हवासे लडने वाला, झगडालू। —नीकळी जवो = थक जाना (२) मर जाना दम निकलना। —वावो = असर होना विचार या भावनाओंका वेगसे फलना हवा चलना]

वाई स्त्री० मूर्च्छा रोग हिस्टीरिया बाई

वाउ स्त्री० बिवाई (२) वि० तरगी, अस्थिर [उपदेश वाज

वाएज पु० उपदेशक, वाइज (२) स्त्री०

वाक पु० कस, सत्त्व (२) आटेकी चिकनाई [कार (२) प्रवीण

वाकेफ (०गार) वि० वाकिफ वाक़िफ

वाखरो पु० घरकी चीज-वस्तु घरबार

वाखो पु० देखिये वखो' (२) महामारी

वागल न० देखिये वागोल

वागवु अ० क्रि० बाजसे आवाज़ निकलना बजना (२) चोट लगना लगना (३) (अमुक घटाका) समय होना, बजना। [वागते ढोले जवु = डकेकी चोट जाना (२) बदनाम होना। वागतो घट = बातूनी या शेखीखोर आदमी। पगलां वागवां = किसीके आनकी आहट सुनाई देना, पास आनेमें होना। शब्द वागवा = असरनेवाली — लगती बातका असर होना, बोल असरना]

वागळ न० दखिये 'वागोल'

वागोल स्त्री०, न० गादुर चमगादड (२) जुगालीसे बना हुआ रस

वागोलवु स० क्रि० जुगाली करना पगुराना (२) [ला] चबा-चबाकर खानसे देर लगाना

वागोळ स्त्री० न० देखिये वागोल'

वागोळवु स० क्रि० देखिये 'वागोलवु

वाग्ये अ० बजे

वाघ पु० बाघ शेर, व्याघ्र। [—नी बोडमां हाथ घालवो = जान पर खेलना शेरके मुहमें जाना। —नी माशी = शेरकी खाला बिल्ली। —नु मायु लाववु = बडे साहसका काम करना जान पर खलना। —मारवो = बडा पराक्रम करना]

वाघनख पु० बघनखा बाघनख (एक हथियार बच्चोंका गहना) (२) एक गधद्रव्य [द्वादशी

वाघबारश (—स) स्त्री० कार्तिक कृष्णा

वाघरण स्त्री० वाघरी जातिकी या वाघरी की स्त्री (२) गदी फूहड स्त्री [ला]

वाघरी पु० वाघरी जातिका आदमी (२) मला गदा, असभ्य नीच व्यक्ति

वाघांबर न० बाघकी खाल बाघबर

वाघो पु० बाना बागा पहनावा (२) गठरी

वाचन न० वाचन, पाठ पढाई (२) पढनेका तर्ज पढाई (३) विधानसभामें बिलका चर्चाके लिए पेश होना वाचन रीडिंग'

वाचनमाळा स्त्री० पाठशालाके दरजोंमें पढानेके लिए तयार की हुई किताबोंकी माला, पाठावली [बूदें बौछार

वाछट स्त्री० हवासे उडी हुई बारिशकी

वाछटियु न० सायबान, पडछत्ती
वाछडी स्त्री० बछडी, बछिया
वाछडु न० बछडा
वाछडो पु० गायका नर बच्चा, बछडा
वाछरडी स्त्री० बछडी
वाछरडु न० देखिये 'वाछडु'
वाछरडो पु० देखिये 'वाछडो'
वाछरु न० गायका बच्चा; बछरू [प] बछडा
वाछट, वाछटियु देखिये 'वाछट, वाछटियु' [पादना, गोज करना
वाछूट स्त्री० अपान वायुका निकलना,
वाज वि० उकताया हुआ (२) हारा हुआ (३) स्त्री० ताबा, पीडा, ऊब (४) उपद्रव वाज। [-आववु = उकता जाना (२) दुःखमें आ पडना पीडामें फँसना]
वाजबी वि० वाजिब उचित, वाजिबी। [वाजतु गाजतु, वाजते गाजते = बाजे गाजेके साथ, धूमधामसे (२) खुले आम, डकेकी चोट]
वाजापेटी स्त्री० हारमोनियम
वाजित्र न० बाजा वाद्य वादित्र
वाजिया वि० (२) पु० ब० व० सिंचाईसे तयार किया हुआ (गेहूँ)
वाजिंत्र न० देखिये 'वाजित्र'
वाजु न० बाजा, वाद्य (२) (एकसे स्वभाववाले लोगोंकी) मडली [ला]
वाट (ट) स्त्री० बाट माग (२) प्रतीक्षा राह, बाट (देखना)। [-जोवी = इतजार करना, बाट जोहना राह देखना। -पाडवी = लूटना बाट पारना (२) बाडमेंसे रास्ता करना (३) छटकनेका उपाय करना। **वाटे ने घाटे** = जहाँ-तहाँ, सभी जगहोंमें। **वाटेथी थडवाड लेवी** = अकारण झगडा मोल लेना, हवासे लडना]
वाट स्त्री० (दीयेकी) बत्ती (२) पहिये पर चढाया जानेवाला लोहेका पट्टा हाल। [-चडाववी = हाल चढाना (२) बत्ती उकसाना]
वाटकी स्त्री० कटोरी, प्याली
वाटको पु० कटोरा, प्याला
वाटखरच पु०, (-ची) स्त्री० राह खर्च, मार्गव्यय (२) सफर-खर्च
वाटणियो, वाटणो पु० बट्टा लोढा
वाटपाडु, वाटमार (-रु) पु० बटमार, राहजन [घोटना बाटना (२) बाटना
वाटवु स० क्रि० पीसना कुचलना,
वाटवो पु० बटुआ [परामर्श
वाटाघाट स्त्री० बातचीत चर्चा,
वाटो पु० गोल लबा बीडा (२) (पेट पर पडनेवाली बडा) झुर्री (३) चूनेसे दीवार पर बनाई हुई गोल किनारी
वाड (ड) स्त्री० बाड, झाडबदी। [**वाडे चीभडा गळवा** = रक्षकका ही भक्षक बनना बाडका ही खेतको खाना]
वाड (ड) स्त्री० मोहल्ला टोला
वाडकी (-को) देखिये 'वाटकी वाटको'
वाडाबधी स्त्री० फिरकाबदी, दलबदी (२) वि० जो दलबदीमें शामिल हो
वाडियु न० खजूर भरनेका या खजूर भरा हुआ खजूरकी चटाईका बना हुआ थला बोरिया
वाडी स्त्री० बाग, फुलवारी बाडी (२) फूलोकी चादर या उनकी सजावट (३) बिरादरीके भोज आदिके लिए बिरादरीकी ओरसे बनाया हुआ चौकवाला मकान, बाडी (४) छोटा मुहल्ला या पाडा। [-ओ **दूझवी** = अच्छी आमदनी होना। -**लूटाई जवी** = खाकमें मिलना]

वाडीवजीफो पु० जागीर, जमीन आदि (२) [ला] समृद्धि

वाडो पु० घरका घिरा हुआ पिछवाडा, अहाता बाडा (२) बाडा पशुशाला (३) पाडा, मोहल्ला (४) सडास (५) [ला] दल तड पक्ष। [वाडामां जवुं, वाडे जवुं = पाखाने जाना। -बांधवो, वाळवो = बाडा बनाना (२) गुटबंदी या तड बनाना]

वाढ पु० ईखका खेत या ईखकी खेती

वाढ पु० काट, घाव (२) हथियारकी धार बाढ़ (३) मरोडा पेटकी ऐंठन (४) (फसलकी) कटाई लुनाई

वाढकाप स्त्री० फोड आदिमें चीरा लगाना चीर-फाड

वाढकूटियो पु० चीर फाड करनेवाला (डाक्टर) (२) पचायत करनेवाला दूसरोंके मामलेमें अपने आप बीचमें पडनेवाला

वाढवु स० क्रि० काटना, चीरना

वाडियु न० देखिये 'वाडियु'

वाढियो पु० उलटा इच्छा, चसका (२) लत चसका (लगना पडना)

वाढी स्त्री० घी परोसनेका प्राय मिट्टीका टोटीदार बरतन करवा [बनेनी

वाणियण स्त्री० बनियाइन, बनियेकी स्त्री

वाणियागत वाणियाविद्या स्त्री० वाणियावेडा पु० ब० व० बनियेका ढग या व्यवहार बनियापन

वाणियो पु० बनिया (२) एक कीडा अँखफोडवा [वाणिया थई जवु = समय समझकर नरम हो जाना दीन-हीन बन जाना]

वाणीशूर वि० बोलनेमें शूर

वाणो पु० बाना (सूतका)

वाणोतर पु० गुमाश्ता, कारिंदा

वाणोताणो पु० बाना और ताना, ताना-बाना

वात पु० वात, पवन (२) वात (धातु)

वात स्त्री० कथा, आख्यायिका कहानी (२) घटना, वृत्तांत, वार्ता, हकीकत सच बात (३) अफवाह, गप (४) कथन कहना वचन बात, उदा० तमारी वात हु समज्यो (५) बातचीत संभाषण वार्तालाप (६) बडी आवश्यक या कठिन बात, मामला या विषय बिसात, हैसियत, उदा० 'एमा ते शी वात छे ? (७) काम विषय मामला बात उदा० 'पारकी वातमा माथु न मारो', ए मारा हाथनी वात नथी (८) बात रवया, तौर-तरीका व्यवहार, आचरण, उदा० 'पशादारनी वात जुदी छे (९) बराबरी मुकाबला उदा० एनी शी वात करवी' (१०) वर्णन, खूबी प्रशंसाकी बात, उदा० एनी शी वात थाय (११) कहना या करना बात आ पडना, उदा० 'वखत आवे त्यारे वात' (१२) योजना कोई काम करनेका विचार 'स्कीम', उदा० 'मारी बधी वात मारी गई' (१३) रहस्य, भेद बात, उदा० 'तेनी वात बहार पडी गई'। [-आपवी = भेद या रहस्य खोल देना पेट देना। -उखळवी = देखिये 'वात काढवी'। -उडाडवी = बात उडाना टालना (२) गप उडाना चर्चा चलाना। -उपाडवी = किसी विषयकी चर्चा छेडना बात उठाना (२) बात गढना झूठी बात कहना। -ऊडवी =

बात उड़ना, फैलना। –ऊडी जवी = बात कटकर उसका विषयान्तर होना, बात न चलना, बात टलना। –ऊभी करवी = झूठी बात बनाना, बात गढ़ना (२) बात शुरू करना, छेड़ना। –करवी = चर्चा करना (२) हकीकत, हाल कहना या सुनाना (३) निंदा करना, बदगोई करना। –करावची = बातोंमें लगाना। –काढवी = बात कहना (२) बातचीत या चर्चाका विषय बनाना। –खाई जवी, गळी जवी = बात पी जाना, बात घूट जाना। –चालवी = गप उड़ना (२) चर्चा फैलना, बात उड़ना (३) निंदा होना। –चूथावी = बात बिगड़ना। –चोळवी = बात लंबाना, एक ही बातका पिष्टपेषण करना। –छणवी = बातकी छानबीन करना। –जोडवी = कहानी रचना (२) झूठी बात बनाना, बात गढ़ना। –थवी = बात उठना, बात आना, चर्चा चलना। हकीकत या हाल पेश किया जाना (२) निंदा होना। –नहीं, वातनो पायो नहीं = नापायेदार बात, बातका सिर, न पैर। –ना तडाका, फडाका = गप-शप लंबी चौडी (हांकना) (२) मुहकी बातें। –नु वतेसर के वतीगण करवु = बातका बतंगड करना। –पामवी = बात पाना, असल मतलब समझना भेद जानना। –फूटवी = बात खुलना भंडाफोड़ होना। –बनवी = घटना बनना। –बनाववी = बहाना बनाना, बात बनाना गढ़ना। –भारे थवी = टेक, आग्रह बढ़ना गर्व होना बात बढ़ना, साख मान बढ़ना (२) बात बिगड़ना। –भारे पडी जवी = किये हुए कामका परिणाम सहा न जाय ऐसी स्थिति पैदा होना। –मानवी = बात रखना, कहा मान लेना, सलाह मान लेना। –मारी जवी = काम न बनना (२) खेल बिगड़ना। –मां नाखवु = बातोंमें लगाना। –वधवी, वठवी = बात बढ़ना, मामलेका तूल खींचना। –वातमां = ज़रा-सी बातमें, बात-बातमें। एक ज वात = पक्का निश्चय, स० बातकी एक बात। (–नी) नी वात करवी = इनकी बराबरी क्या करना, इनकी क्या बात। ठीक छे, वात छे तारी = आगे तेरी शामत आयेगी, तुझे बादमें मज़ा चखाऊँगा। घाए वात चालवी = चारों ओर चर्चा होना, बात फैलना, हवा उड़ना। वाते लागवु, वाते वळगवु = बातोंमें लगना। वाते वळगाडवु = बातोंमें लगाना। वातोनां वडां करवां = बातें बघारना, निरर्थक बातें किया करना]

वातचीत स्त्री० बातचीत, वार्तालाप (२) गप शप [बातूनी

वातुडियु, वातुडु, वातोडियु, वातोडु वि०

वाद पु० वाद, बहस, शास्त्रार्थ (२) तकरार झगड़ा, वादविवाद (३) होड़, लाग डांट (४) सिद्धान्त, वाद 'थियरी', उदा० 'विकासवाद'। [–करवो = शास्त्रार्थ करना (२) होड़ लगाना, स्पर्धा करना। –पडवो = तकरार, बहस होना। –मां पडवु, वादे चडवु = स्पर्धा करना होड़ लगाना]

वादण स्त्री० वादी –मुद्दई स्त्री

वादळ न० बादल, मेघ। [–तूटी पडवु = ज़ोरोंकी वर्षा होना वर्षाकी भरमार होना (२) [ला] (आफ़तके बादल) एक

साथ टूट पड़ना। –वीखराव्, वेराव् = घटाका विखरना, बादल छटना बादल फटना]
वादळी वि० बादलके रंगका आसमानी हलके नीले रंगका (२) बादलमेंसे होकर आनेवाला (कड़ी धूप) (३) स्त्री० छोटा बादल, बदली (४) इस्पज, मुर्दा बादल, इसपज
वादळ् न० बादल
वादी वि० वादी बोलनेवाला उदा० 'सत्यवादी' (२) वादमें माननेवाला उदा० वेदांतवादी' (३) पु० रागका मुख्य स्वर, वादी (४) मुद्दई, वादी (५) महुअर आदि बजाकर (साँप आदिको) नचानेवाला मदारी (६) वाद बहस करनेवाला
वादीगर पु० मदारी
वादील् वि० आग्रही, हठी
वादोवाद अ० होड़ाहोड़ी स्पर्धासे
वाधण(–णी) स्त्री० हिचकी
वाधर(–री) स्त्री० चमड़ेकी सँकरी पट्टी या डोरी चमड़ेकी बद्धी वध्री
वान पु० वर्ण, रंग (२) स्त्री० सर्दीसे फटी हुई चमड़ी (३) न० शरीरकी गठन, काठी [अचरजभरी चीज़
वानगी स्त्री० बानगी, नमूना (२)
वानी स्त्री० एक प्रकारकी मीठी ज्वार
वानी स्त्री० चीज़, व्यंजन (भोजनका) (२) मस्म चिताकी राख। [–वाळवी = मुर्देकी राखको ठंडी करना]
वानु न० वस्तु चीज़ जिस। [घणां वानां करवां = बहुत प्रकारसे समझाना, मनाना (२) उलहना देना। सौ सारां वानां थवां = सारा काम निर्विघ्न पार उतरना]
वानो पु० एक खुशबूदार पदार्थ (२) हल्दी – तेल (चढाना), चिक्कस
वापर पु० देखिये वपराश'
वापरवु स० क्रि० इस्तेमाल करना बरतना (२) खर्च करना खरचना
वाम पु०, स्त्री० लंबाईकी एक नाप जो दो हाथ फैलाकर छाती समेत होती है
वाम वि० सुंदर वाम बाम (२) बायाँ, वाम (३) विरुद्ध प्रतिकूल, वाम (४) अधम नीच, वाम
वामणु वि० बौना ठिंगना वामन
वामन वि० वामन बौना (२) पु० विष्णुका एक अवतार वामन (३) बौना आदमी वामन (४) धूर्त मनुष्य [ला]
वामवु स० क्रि० (बोझ कम करनेके लिए) फेंक देना कुछ कम करना (२) घटाना दूर करना कमीकी ओर लाना (३) दिलकी बात कह देना दिल खोलना (४) कै करना, वमन करना (५) त्याग देना (६) अ० क्रि० घटना, कम होना
वामादामा पु० ब० व०, वामांदामां न० ब० व० आनाकानी, टालमटोल
वायक न० वचन, वाक्य
वायका स्त्री० बात गप अफवाह
वायज पु० (२) स्त्री० देखिये 'वाएज'
वायडाई स्त्री० गप या शेखी मारनेका भाव
वायडु वि० वातकारक बादी वातज (२) गप या शेखी मारनेवा आदी (३) [ला] विचित्र प्रकृतिका, हठी
वायदाचिट्ठी स्त्री० वादेके मुताबिक पैसे देनेके लिए लिखी हुई क़बूलत, रुक्का [मीआदसे
वायदासर अ० वादेके मुताबिक़,

वायदो पु० मुद्दत अवधि (२) मीआ दसे करनेका काम, वादा। [**वायदानो सोदो** = वादेका मौल, सट्टेका व्यापार। **वायदे चडवु** = मुल्तवी रहा करना, खटाईमें पडना (किसी कामका) टिरले खाते जाना। **अगस्त्य ऋषिना वायदा** = अशक्य मुद्दत, वादा पूरा न करनके लिए दी हुई अवधि]

वायरो पु० वायु हवा (२) फशन, जमानेकी हवा [ला]। [**वायरा वाई चूकवा** = सुख दु खका अनुभव हो जाना, सुख-दु ख देखे होना। **वायरे चडवु** = रगमें आना (२) फूलकर कुप्पा हो जाना गवसे इतराना, फूलना (३) खयाली पुलाव पकाना (४) खटाईमें पडना (५) आपेमें न रहना उत्तेजित होना। **—काढवो, काढी नाखवो** = बहुल धमकाना, झाडना (२) खूब थका देना (३) पीटकर भूरकस निकालना, अधमरा कर डालना। **—नीकळवो, नीकळी जवो** = थककर चूर होना (२) भुरकस निकलना। **—वावो** = हवा चलना]

वायल(—ली) वि० तरगी, अस्थिरचित्त

वायवडिंग स्त्री० न० बायविडग

वायवरणो पु० देखिए 'वरणो'

वायवी वि० स्त्री० वायु-सबधी वायव्य (२) वायव्य (कोण)

वायु पु० वायु हवा (२) पु० न० वातविकार, बादी वायु (३) बाई मिरगी अपस्मार। [**—आवदु** = वात कोप होना, वाई चढना]

वायुगोळो पु० गोला (रोग) 'वायगोला वायुगुल्म

वायुशास्त्री पु० हवामानमें होनेवाले फेर [फारोको जाननेवाला

वायेज देखिये वाएज'

वार(वा) पु० ३६ इचकी नाप, गज

वार पु० वार, दिन (२) स्त्री० समय, काल (३) बार, बेर, दफा फेरा, उदा० 'पांच वार' (४) [ला] देर विलब, ढील। [**—लगाडवी, लागवी** = देर लगाना, देर लगना]

वार अ० '—के अनुसार' के अथमें सज्ञाके अतम आता है, उदा० 'क्रमवार गोत्रवार' (२) 'वाला' के अथमें सज्ञाको लगनेवाला प्रत्यय, उदा० 'उमेदवार'

वारकवार पु० शुभाशुभ दिन

वारणु न० वारना (२) वारण, प्रतिरोध। [**—वाळवु** = किसीके सिर आनेवाले दोष आफ्तों से उसे उबार लेना, किसीका दोषादिमें से बचाव करना]

वारतहेवार पु०, **वारपरब(—व)** न० उत्सवका दिन, पर्व तीज-त्योहार

वारवु स० क्रि० रोकना अटकाना, मना करना (२) बलि जाना, वारना (३) (*आरती*) *उतारना*। [**वारी जवु** = बलायें लेना (२) निछावर होना, फिदा होना। **वारी नाखवु** = राई नोन उतारकर फेंक देना, वारना। **वार्यु करवु** = सलाह मानना]

वारस पु० वारिस उत्तराधिकारी

वारसाई स्त्री० विरसा, मीरास

वारसागत वि० विरसेमें प्राप्त, मौरूसी पतृक [वरासत, विरासत

वारसाहक(—क्क) पु० उत्तराधिकार,

वारसो पु० विरसा, मीरास

वारवार अ० बार-बार बारबार

वाराफरती अ० बारी-बारीसे एकके बाद दूसरा

वाराफेरा पु० ब० व० बार-बार आना-

जाना, गश्त फरा (२) बदलना, परिवर्तन; फेर (दशाका)

वारी स्त्री॰ बारी पारी (२) बदला लेनेका मौका — अवसर

वारु अ॰ अच्छा, खैर अस्तु (२) वि॰ अच्छा, सुंदर, ठीक

वारेघडीए अ॰ बार-बार फिर फिर

वारो पु॰ बारी, पारी (२) तातील छुट्टी, काम बंद रहनेका दिन (३) घडा, कल्सा। [—बांधवो = कोई चीज़ नियमित रूपसे देनेका करार करना। —मूकवो = गरम पानीका कल्सा पेट पर रखकर सेंकना]

वारोवारियुं वि॰ वारके हिसाबसे दिन गिनकर लगाया जानेवाला (सूद)

वाल पु॰ तीन रत्तीके बराबरकी एक तौल, परिमाण

वाल पु॰ ब॰ व॰ एक द्विदल, सेम

वाल पु॰ कपाटी वाल्व

वालपापडी स्त्री॰ सेमकी फली

वाली पु॰ सरक्षक, वली, अभिभावक गार्जियन

वालीवारस पु॰ वली या वारिस

वालोळ(—ळो) स्त्री॰ एक प्रकारके सागकी फली सेम

वाव स्त्री॰ बावली, बावडी

वावटो पु॰ झंडा पताका

वावड पु॰ खबर पता समाचार (२) किसी बीमारी—रोगका फैलना

वावडिंग न॰ वायबिडंग (औषधि)

वावणियो पु॰ बीज़ बोनेका साधन-बाँसा

वावणी स्त्री॰ बोनेका काम, बोआई

वावर पु॰ देखिये 'वावड'

वाववुं स॰ क्रि॰ बोना

वावटोळ पु॰ बवंडरका तूफान, आँधी

वावाझोडुं न॰ आँधी अंधड तूफान

वावुं अ॰ क्रि॰ हवाका चलना बहना (२) (शरीरपर ठंडका) असर होना लगना (३) स॰ क्रि॰ बजाना

वावुं स॰ क्रि॰ ब्याना बियाना

वावेतर न॰ बोआई, खेती (२) बोयी हुई चीज़ (३) बोयी हुई ज़मीन

वाश(—श) स्त्री॰ (श्राद्ध आदिमें) काकबलि

वास पु॰ बसना वास निवास (२) वासस्थान घर बास मुकाम (३) मोहल्ला (४) स्त्री॰ बास, गंध (५) बदबू दुर्गंध [सदरी फतूही

वासकोट पु॰ न॰ वास्कट, फतुही,

वासण न॰ बरतन, पात्र। [—खखडवां = घरमें (प्रायः पति-पत्नीके बीच) झगडा होना]

वासणकूसण न॰ बरतन—भांडा

वासरी स्त्री॰ डायरी, रोज़नामचा

वासल वि॰ देखिये 'वासेल'

वासवुं स॰ क्रि॰ बंद करना

वासी वि॰ बासी (खाना फल आदि)

वासीदुं न॰ मवेशियोंका गोबर, मूत्र आदि कूडा, गोबर

वासेल वि॰ परती (खेत)

वासो पु॰ बसेरा करना, बसना, टिकना (२) मुकाम बसेरा (३) दिन, वासर

वासोती(—पी) पु॰ रखवालीके लिए खेतमें रात रहनेवाला अगोरिया

वास्तव न॰ देखिये वास्तविकता

वास्तवदर्शी वि॰ यथार्थदर्शी रियलिस्ट

वास्तविक वि॰ वास्तविक, यथार्थ सत्य (२) उचित, वाजिब

वास्तविकता स्त्री॰ सच्ची हकीकत, वास्तव (२) औचित्य, मुनासबत

वास्ते अ॰ वास्ते लिए हेतु

वाह अ० वाह, साधु, शाबाश
वाहन न० वाहन, सवारी (गाडी, पशु आदि) (२) विचार, भाव या काय विशेषको प्रकट करनेवाली वस्तु माध्यम, ज़रिया, साधन
वाहवाह स्त्री० वाहवाहा प्रशसा (२) अ० देखिये वाह'
वाहियात वि० वाहियात बेहूदा, निकम्मी(बातें) (२)खराब; वाहियात नीच [हो सदिग्ध मनवाला
वाहेल(-लु) वि० जो भ्रमित हुआ
वाळ पु० बाल, केश। [-उतारवा = (विधवाका) सिर मुडाना। -ऊभा थवा = रोयें खडे होना रोमाच होना। -न तूटवो, -वाको न थवो = बाल बाँका न होना। -लेवा = किसी खास अगके बाल मूँडना(२)विधवाका सिर मूडना सिर मुँडवा देना]
वाळछो पु० बाल, केश (तुच्छकारमें)
वाळण न० उतार, किसी चीजका प्रभाव दूर करनेकी दवा, मुक्ति आदि
वाळवु स० क्रि० टेढ़ा करना, झुकाना, नवाना (२) चूण चासनी आदिको बाँधकर किसी तरहका रूप या आकार देना, बाँधना(लड्डू), बनाना (बीडी), डालना(शिकन), मारना (पाल्थी), बाँधना (जूडा आदि) (३)अदा करना चुकाना(ऋण), फिराना, फेरना घुमाना, दिशा बदलना, मोडना (गाडी), लौटाना, वापस करना (जवाब मूठ आदि), मनाना(मन), बदला देना, फेरना (उपकार, बदला आदि) (४)झाडना, बुहारना उदा० 'पूजो वाळवो, घर वाळवु (५) ढकना, आच्छादन करना, लगाना, उदा० 'लेना उपर धूळ वाळ, छेडो वाळवो' (६) पानीके लिए रास्ता बनाना, पानी बराना (सिंचाईमें)। [कलम वाळवी = (पेड पर) कलम लगाना। केड वाळवी = खूब काम करना। छेडो वाळवो = मुह ढाँपकर रोना। पग वाळवा = दम लेना, सुस्ताना। मन वाळवु = मन मनाना, मन मारना। वाळी लाववु = बटोरना, झाड बटोरकर इकट्ठा करना (२)घुमाना, लौटाना। वाळी लेवु = झाड-बटोरकर इकट्ठा करना (२) मिनहा करना, काट लेना]
वाळद पु० नाई, हज्जाम
वाळदण स्त्री० नाईकी स्त्री, नाइन
वाळी स्त्री० नथ (२)बाली (कानकी)
वाळु स्त्री० बालू, रेत
वाळु न० स्त्री० रातका भोजन, ब्यालू
-वाळु वि० नामके अतमें आनेवाला एक प्रत्यय, -वाला, -युक्त, -सबधी, -की मालिकीका आदिके अर्थमें उदा० 'घरवाळो'
वाळो पु० धातुका लबा तार, तार (२) एक रोग, नारू नहरुआ
वांक(०) पु० अपराध, गुनाह दोष, खामी (२) वक्रता, टेढापन, बाँक। [-काढवो = दोष निकालना या देखना। -नीकळवो, पडवो, माँ आववु = दोष निकले ऐसा काम करना, गुनाह अपराध होना]
वांकडियु (०)वि० टेढ़ा (२) धुघराला
वांकडो (०) पु० दहेज, दायजा
वांकाई(०) स्त्री० टेढ़ापन, वक्रता (२) खुटाई दुराग्रह

वाकाबोलु(०) वि० कहनेके बाद इनकार करनेवाला मुकर जानेवाला
वाकियु(०) न० नल आदिको जोडने वाला टेढा टुकडा
वाकु (०)वि० जो सीधा न हो टेढा वक्र झुका हुआ(२) [ला] जो सरल न हो कुटिल चालबाज(३)आडा झूठा उल्टा (४) विरुद्ध विरोधा (५) न० हरज अनबन गलत फहमी विरोध(६)वक्रता टेढापन। [**वांकी नजरे जोवु**=चारी चोरी देखना (२)गुस्सा होना(३)कामातुर दृष्टिसे देखना, आँख सेंकना (४) बुदृष्टि करना। **वाकी पाघडी मूकवी**=बनाव सिंगार करना बाँकपन करना (२) दिवाला निकालना। **-चालवु**= अनीतिकी राह चलना (२) उलटा टेढा जाना। **-पडवु**=बुरा लगना गुस्सा होना(२)उल्टा विरुद्ध प्रतिकूल लगना। **-बोलवु**=मुकर जाना झूठ बोलना(२)निन्दा करना (३) गुस्से या रीसमें बोलना।-**वळवु**=टेढा होना (२)परिश्रम करना(३)मुडना निशा बदलना। -**वळी जवु**=चूक जाना। **वांको दहाडो**=शामत आना सत्या नाशका समय। **वाको वाळ थवो**=बाल बाँका होना जरा भी बाधा होना या अडचन पडना]
वांकुचूकु(०) वि० टेढा-मेढा
वांकुटड (०) वि० बिल्कुल टेढा
वांघु (०) न० नाला (नदीका)
वांचन (०) न० वाचन पढना (२) पढनेका ढंग पढाई (३) अभ्यास अध्ययन,पढाई [वाचनमाळा
वांचनमाळा (०) स्त्री० देखिये
वाचवु (०) स० क्रि० पढना बाँचना (२)[ला]भविष्य कहना ज्योतिषका फल बताना (३) चाह करना इच्छा करना। [**वाची काढवु, वाची जवु**= पूरा पढ डालना (२) जल्दी जल्दी पढ डालना। **वाची जोवु**=ध्यानसे पढना (२) पढनेका प्रयत्न करना]
वाछवु (०) स० क्रि० इच्छा करना चाहना
वाझ(०णी)(०)स्त्री०बाँझ(स्त्री) वन्ध्या
वाझणु (०) वि० देखिये वाझियु
वाझियाबारु वि० बाँझका लावारिस (२) न० इकलौता बेटा
वांझियु (०)वि० जिससे सतान उत्पन्न न हो बाँझ (२) जिससे फलप्राप्ति न होती हो अफल बाझ
वाझो (०) पु० बनकर जुलाहा
वाट (०) पु० हिस्सा बाँट भाग
वाटणी (०) स्त्री० बटवारा बाँट
वाटवु(०)स०क्रि०बाँटना हिस्से करना
वाटो (०) पु० हिस्सा बाँटा (२) इनाम या निर्वाहकी जमीनका टुकडा
वाढो (०) वि० पु० कन्या न मिलनसे अविवाहित रहा पुरुष वट वठ
वांतरी (०) स्त्री० कपडे या किताबमें लगनेवाला एक कीडा घुन
वांदर (०)पु०वानर बन्दर। [**वांदराने निसरणी आपवी**=मूर्खको और भडकाना पागलको भग पिलाकर उकसाना]
वादर(-रा)वेडा(०) ब० व० बन्दर जैसी चेष्टाए करना [वानरी
वांदरी (०) स्त्री० बँदरी बन्दरिया
वांदरु (०)बन्दर वानर
वांदरो (०) पु० नर वानर, बदर

(२) चाप घाडा खटका वल (३) ताल्का खटका झडी (४) एक आतिशबाज़ी छछूदर(५)बाझ उठानेकी एक वल वाल्कुप्पी, क्रेन' [एक पौधा, वादा

वादो (०) पु० एक जतु चपडा (२)

वाघाखोरियु (०) वि० दोष निका ल्नवाला, नुकताची, छिद्रा वेपी

वाघो (०) पु० बाधा, अडचन(२) हरज विरोध तकरार, एतराज आपत्ति । [–आववो, ऊठवो, नीकळवो =एतराज, विराध हरज होना झगडा खडा हाना । –उठाववो, काढवो, लेवो=आपत्ति उठाना, तकरार या विरोध खडा करना। –पडवो= विरोध या एतराज होना झगडा होना (२)बुरा ल्गना विराध करनेका बहाना मिल्ना]

वाघोवचको (०) पु० दोष, खामी खुचड, भूल-चूक, नुक्स निकालना

वास (०) पु० बास (२) उसका डडा या साटा (३) मथानी रई(४) सात-आठ हाथ जितनी एक नाप, बाँस (५)राजका इट छीलनेका औज़ार। [–फरवो = घरमें निधनता होना]

वांसकपूर (०) न० वशकपूर वश ल्गेचन, बसलोचन [(गहरा)

वांसजाळ वांसपूर (०) अ० बाँस बराबर

वांसडो (०) पु० बाँसका सोटा–डडा

वांसणी (०) स्त्री० रुपये रखनेकी ल्बी थली वमना [आदि बनानेवाला

वांसफोडो (०) पु० बाँसके टोकरे

वांसलडी (०) स्त्री० बाँसुरी बाँसली

वांसलो (०) पु० बसूल्ग

वासळी (०) स्त्री० बासुरी वसी, बसरी वासली(२)देखिये वासणी'

वासिया चोखा (०)पु०ब०व०सागूदाना

वासियु (०) वि० बास-सबधी (२) बाँस बराबर बास जितना लबा

वासी (०) स्त्री० लबा बास जिसके सिरे पर हँसिया जसी चीज़ जडी होती है(२)एक तरहका धान, बासी

वासे (०) अ० पीठकी ओर, पीछे

वासो (०)पु० पीठ पष्ठ । [–थाबडवो = पीठ ठोंकना ।–भारे थवो = मार खाने याग्य काम करना(२)मिज़ाज सातवें आसमान पर हाना;गव बढना ।–हलको करवो = पीटना मारना]

विकराल(–ळ)वि० विकराल,भयानक

विकल वि० विकल व्याकुल, विह्वल (२) विकल अपूण खडित (३) असमर्थ विकल (४) पु० विकला, कलाका ६०वा भाग

विकला स्त्री० कलाका ६० वाँ भाग विकला(२)रजस्वला विकला (३) एक अशका ३६०० वाँ भाग [ग]

विकसवु अ० क्रि० खिल्ना विकसना

विकसाववु स० क्रि० 'विकसवु' का प्रेरणाथक रूप विकसाना

विकळ वि० देखिये विकळ'

विकळा स्त्री० देखिये विकळा'

विकासवु अ० क्रि० खिल्ना विकसना (२)स०क्रि० विकसित करना खोल्ना फलाना प्रसारित करना

विकास पु० विकास खिल्ना (२) उत्क्रान्ति क्रमिक उन्नति या विकास

विकासवाद पु० विकासवाद

विकासवु देखिये विकासवु

विक्रम पु० विक्रम, वीरता(२)विक्रमादित्य राजा(३)न० विक्रम सम्वत्
विख न० विष जहर
विखवाद पु० जहर पदा करनेवाली बोली, जली-कटी (कहना)(२)तकरार बखेडा [छूटा हुआ
विखूटु वि० अलग बिछुडा हुआ, साथ
विखेरवु स० क्रि० बिखेरना
विखेरावु अ० क्रि० 'विखेरवु' का कर्मणि, बिखरना फैल जाना
विगत स्त्री० विषय बाबत, ब्योरा (२) समझ सूझ बूझ [विस्तारपूर्वक
विगतवार, विगते अ० ब्योरेवार,
विग्रहरेखा स्त्री० (–)ऐसा विरामचिह्न; निर्देशक 'डैश' [व्या]
विघोटी स्त्री० प्रत्येक बीघेका मुकरर किया हुआ या दिया जानेवाला लगान, धारह-लगान लगान मुकररी या लगान वाकई [इधर घूमना
विचरवु अ० क्रि० विचरना, इधर-
विचार पु० विचार, विचार, खयाल (२) अभिप्राय विचार राय(३)उद्देश अभिप्राय, मतलब (४) कल्पना, मनसूबा, खयाल, विचार, धारणा(५) निर्णय, विचार(६)विनय मुरौवत दूसरोंका लिहाज (७) परिणामका खयाल(८)चिंता खयाल सोच विचार। [–आपवो = राय देना सलाह परामर्श देना। –चलाववो = सोचना; विचारना (२) परामर्श करना। –दोडाववो = कल्पना करना। –धरावको = राय रखना उद्देश्य होना। –पूछवो=किसीका अभिप्राय जानना चाहना। –रासवो = विचार होना विचार करना(२)लिहाज रखना, अदब करना। लांबो विचार = दूरकी सोचना, दूरदेशीकी बात]
विचारणा स्त्री० विचार करना विचारणा [विचार करके
विचारपूर्वक अ० सोच-समझकर,
विचारवत, विचारवान वि० विचारवान विचारशील, सोचने विचारनेवाला [प्रदान
विचारविनिमय पु० विचारोंका आदान
विचारवु स० क्रि० विचारना सोचना
विचारसरणि(–णी) स्त्री० विचार करनेकी पद्धति, क्रमबद्धता आदि, विचारधारा विचारसरणी
विछळाववु स० क्रि० 'वीछळवु' का प्रेरणायक
विछोह पु० वियोग, बिछोह, जुदाई
विजय पु० विजय, फतह [दुंदुभि
विजयडंको पु० विजयका डंका, विजय
विजयादशमी स्त्री० विजयादशमी, दशहरा, दसहरा [वियोग
विजोग पु० वियोग, जुदाई(२)विरह,
विजोगण(–णी)वि० स्त्री०वियोगिन, विरहिणी, वियोगिनी
विटंबणा स्त्री० कष्ट, विडंबना परेशानी
विण अ० बिना सिवा, बिन [प]
विणामण न०, (–णी) स्त्री० बिननेकी क्रिया, बिनाई (२) अनाजमें से बिनकर निकाली हुई चीज(कूडा करकट), बिनन (३) बीननेकी मजदूरी, बिनाई
विणावु अ० क्रि० 'बीणवु' का कर्मणि
विणाववु स०क्रि० बीणवु का प्रेरणायक
विताडवु स०क्रि० दुःख देना हैरान करना, सताना [गुजारना
विताड(–व)वु स० क्रि० बिताना,

विदाय वि० विदा किया हुआ, रुखसत किया हुआ, रवाना (२) स्त्री० विदा, जानेकी इजाजत, अलग होना, विदाय [विदाई, रुखसती

विदायगीरी स्त्री० बिदा करना, विदाई,

विदारवुं स०क्रि० फाडना, टुकडे करना विदारना [प] (२) मार डालना

विद्या स्त्री० विद्या, ज्ञान (२) उसका शास्त्र या कला, उदा० 'समाज-विद्या' (३) विज्ञान, विद्या, सायंस (४) देखिये 'वद्या'। [चौदे विद्या =तमाम विद्या, समग्र ज्ञान, हर फ़न। मेली विद्या=जारण मारण, वशीकरण या भूतप्रेतादिको वशमें करनेकी विद्या, मलिन विद्या]

विद्याधिकारी पु० शिक्षा विभागका अधिकारी, लोकशिक्षण संचालक, 'डी पी आई', 'डी ई'

विद्याभ्यास पु० पढ़ाई, शिक्षा, अध्ययन

विध स्त्री० विध, प्रकार, भाँति तरह

विधवा स्त्री० विधवा, बेवा, रांड

विधविध वि० भाँति भाँतिका कई प्रकारका, विविध

विधान न० विधि काम करनेका ढंग रीति विधान (२) शास्त्राज्ञा, विधि (३) क्रिया; विधि (४) सेवा (५) उपाय, साधन, विधान (६) हाथीके लिए बनाया हुआ लड्डू, विधान

विधि स्त्री० विधि, ब्रह्मा विधाता (२) तकदीर बनानेवाला; भाग्यविधाता (३) आज्ञा, शास्त्राज्ञा, विधि (४) विधि संस्कार (५) पु०, स्त्री० क्रिया; धार्मिक संस्कार विधि (६) क्रियाका क्रम या पद्धति [[व्या]

विधिपूरक वि० उद्देश्यपूर्ति या कमपूर्ति

विधुर पु० विधुर, रंडुआ (२) वि० विकल, व्याकुल, विधुर (३) वियोगी, विधुर

विधेय वि० विधेय, करने योग्य (२) अधीन वशवर्ती, विधेय (३) न० वाक्यका वह अंग जो उद्देश्यके बारेमें कहा गया हो, विधेय [व्या]

विधेयवर्धक वि० विधेयके अर्थमें वृद्धि करनेवाला (२) न० विधेय विस्तारक, विधेयवर्धन [व्या]

विध्यय पु० आम्नाय, विध्यय

विनय पु० विनय, नम्रता (२) शिष्टता

विनयमंदिर न० माध्यमिक शाला, हाईस्कूल

विनवणी स्त्री० मनुहार विनती करना

विनति स्त्री० अर्ज प्रार्थना, विनती, विनती

विनतिपत्र न० अर्जी प्रार्थनापत्र

विनती, विनतीपत्र देखिये 'विनति' 'विनतिपत्र

विना अ० बिना, बग़ैर, छोडकर

विनाशिका स्त्री० विध्वंस-पोत, डिस्ट्रॉयर'

विनीत वि० विनीत नम्र, विनयी (२) सुशिक्षित (३) उदार दलका 'लिबरल' (४) जिसने हाईस्कूल या 'विनयमन्दिरकी' शिक्षा पूरी की हो 'मट्रिक्युलेट' (५) उस पक्षका

विनीतपक्ष पु० उदारदल लिबरल पार्टी'

विपरीतकोण पु० 'रिफ्लेक्स ऍंगल' [ग] [असफल

विफल(-ळ) वि० विफल, बेकार,

विभक्ति स्त्री० संज्ञाका क्रियासे संबंध बतानेवाला प्रत्यय कारक चिह्न, विभक्ति [व्या] [विमल

विमल(-ळ) वि० निर्मल स्वच्छ,

विमान न० विमान वायुयान हवाई जहाज (२) दवमदिर(जन) विमान
विमानी वि० हवाई जहाज सबधी विमानका (२) निरभिमान गव रहित (३) पु० विमानचालक
विमानोमयक न० हवाई अड्डा
विमासण स्त्री० पछतावा पश्चात्ताप (२) गहरा माच विचार चितन
विमासवु अ० क्रि० पछताना सोचना (२) विचार करना साचम पडना
वियाण वि० जा ब्याता हा जा बच्चा दता हा उदा० वरसवियाण (२) न० बियाना पशुका प्रसूति
वियावु अ० क्रि० ब्याना बच्चा देना (पशुका) [विरण
विरण(०वाळो) पु० एक सुगधित जड
विरमवु अ० क्रि० ठहरना रुकना बिरमना [प]
विरल(–लु) वि० दुलभ विरल (२) जा घना न हा विरल (३) थोडा विरल (४) निजन वीरान
विराजवु अ० क्रि० शाभित होना बिराजना विराजना बठना
विराम पु० विराम ठहराव रुकना बद होना (२) आराम विश्राम विराम (३) अत अवसान विराम
विरामचिह्न न० विरामचिह्न
विरामवु अ० क्रि० बिरमना [प] रुकना ठहरना बद होना, अत आना
विलसवु अ० क्रि० बिलसना [प] चमकना झलकना शोभित हाना (२) मौज आनद करना विलसना [प] (३) स० क्रि० भोगना बिलसाना [प] [विलबना
विलबवु अ० क्रि० देर विलब करना
विलायत स्त्री० न० वतन स्वदेश जन्मस्थान (२) तुर्कोंका असल मुल्क, विलायत (३) यूरोप विलायत (४) ब्रिटेन विलायत
विलायती वि० विलायतका विलायती विलायतका बना हुआ (२) जो स्वदेशका न हो, विदेशी विलायती (३) विचित्र चकित करनेवाला असाधारण [ला]
विलावु अ० क्रि० कुम्हलाना मुरझाना (२) पिघलना (३) नाश–विलय होना
विलासवु स० क्रि० विलास करना विलसना [प] (२) चमकना
विलोकवु स० क्रि० देखना बिलोकना [प] (२) तलाश करना अवलोकन–निरीक्षण करना [(दूव)
विलोवु अ० क्रि० दूध चढाना अमोरना
विवरण न० विवरण स्पष्टीकरण
विवाद पु० विवाद बहस चर्चा (२) झगडा विवाद (३) मतभद (४) मुकदमा दावा [शादी ब्याह
विवाह पु० सगाई मगनी (२) विवाह
विवेक पु० देखिये विवेकबुद्धि' (२) विनय सभ्यता शिष्टता
विवेकबुद्धि स्त्री० भले बुरेका भद करने समझनेकी शक्ति विवेक तमीज
विवेकी वि० भले-बुरेकी पहचान करने वाला विवेकी समझदार (२) ज्ञानी विचारवान विवेकी (३) सभ्य शिष्ट विनयी
विशाल(–ळ –ळु) वि० विशाल बडा
विशे अ० –के विषयमे बारेमे
विशेष वि० विशेष अधिक ज्यादा (२) असाधारण असामान्य विशेष खास (३) पु० अतर भद करना,

विशेष (४) खास धम या गुण, विशेष। [–विनती के (सक्षेपमें वि० वि०') = खास निवेदनके अथमें पत्रम लिखा जाता है। विशेषे करीने = खासकर, विशेषत]

विशेषण न० सज्ञाका गुण या सख्या बतानेवाला शब्द विशेषण [व्या]

विशेषता स्त्री० ज्यादापन अधिकता, ज्यादती (२) अतर, विशेष (३) श्रेष्ठता उत्कृष्टता, खूबी विशिष्टता विशेषता [व्यक्तिवाचक सज्ञा[व्या]

विशेषनाम न० नामका एक प्रकार,

विशेष्य न० विशेषणयुक्त सज्ञा विशेष्य

विश्वास पु० विश्वास, यकीन भरोसा (२) श्रद्धा विश्वास [भरोसेका

विश्वासपात्र वि० विश्वसनीय

विश्वासी वि० देखिये विश्वासु (२) पु० ईसा मसीहमें विश्वास करने वाला ईसाई

विश्वासु वि० विश्वास करनेवाला विश्वासी (२) जिसका एतबार किया जा सके, विश्वसनीय विश्वासी

विष न० विष जहर। [–मारवु = जहर मारना]

विषखापरो पु० एक वनस्पति

विषय पु० इद्रियग्राह्य पदार्थ विषय (२) भोग्य वस्तु भोगका साधन (३) कामवासना पूर्ण करना काम भोग इद्रियजन्य आनद (४) विचार या अध्ययनकी वस्तु विषय (५) मामला बात विषय प्रसग (६) लक्ष्य उद्देश्य (७) देश विषय, जनपद। [–उपाडवो = कोई बात या विषय छेडना आरभ करना]

विषयविचारिणी वि० स्त्री० विषय निर्वाचनी [सबधी

विषे अ० में (२) बारेमें, विषयक,

विसवासी स्त्री० विस्वेका २०वाँ भाग, बीघेका ४०० वा भाग (२) लकडीका एक नाप

विसात स्त्री० बिसात मूल्य, महत्त्व (२) बिसात, शक्ति, सामर्थ्य, महत्त्व (३) गणना, हस्ती, बिसात

विसामो, पु० विश्राम, सुस्ताना (२) वह ऊँचा चबूतरा जहा बाझिया बोझ रखकर सुस्तायें, टेकान

विसार पु० भूल जाना, विस्मरण

विसारवु स० क्रि० भुला देना, याद न रखना, बिसारना

विसारो पु० देखिये विसार विस्मृति

विस्तरवु अ० क्रि० विस्तृत होना, फैलना

विस्तार पु० विस्तार फैलाव (२) वृद्धि (३) विशालता, विस्तार (४) [ला] बडा परिवार या कुनबा

विस्तारवु स० क्रि० विस्तृत करना, फैलाना विस्तारना [प]

विस्फोटक वि० फूटनेवाला या फोडने वाला (पदार्थ), विस्फोटक

विस्मरवु स० क्रि० भूल जाना, बिसरना

विहरवु अ० क्रि० घूमना फिरना (२) विहार करना विहरना [प]

विहार पु० विहार क्रीडा (२) घूम कर मनोरजन करना विहार (३) भ्रमण सैरसपाटा विहार (४) (बौद्ध) मठ, विहार। [–करवो = क्रीडा करना (२) जैन साधुका प्रवास करना (३) जैन साधुका चल बसना]

विहोणु वि० विहीन वचित विमुख रहित

वीखर(-रा)वुं अ० क्रि० बिखरना, तितर बितर होना
वीगत, वीगतवार देखिये 'विगत' आदि
वींधुं न०, (-धो) पु० बीघा
वीछळवुं स०क्रि० किसी बरतनमें पानी डाल, उसे हिलाकर साफ करना, खंगालना (२) कपड़ाको मैल छाँटना
वीछी (-छु) पु० एक विषैला जंतु बिच्छू
वीछुवा पु० ब० व० पाँवके अँगूठेका एक गहना, बिछिया बिछुआ
वीज स्त्री० बिजली विद्युत्
वीजणो पु० पंखा व्यजन
वीजळी स्त्री० बिजली विद्युत्
वीजळीघर न० बिजलीघर, 'पावर स्टेशन'
वीजाणु पु० विद्युत्का अणु, 'इलेक्ट्रोन'
वीण स्त्री० प्रसव-वेदना, प्रसवकी पीड़ा
वीणवु स० क्रि० बिनना, चुनना (२) छाँटना, पसन्द करना (३) (अनाजमें से कूड़ा-करकट) निकाल लेना, बिनना
वीतक न०, स्त्री० किसीके ऊपर बीती हुई बात, घटित घटना बीती (२) संकट [दुःख पड़ना बीतना
वीतवु अ० क्रि० बीतना, गुजरना (२)
वीनववु स०क्रि० प्रार्थना विनय करना, मनुहार करना चिरौरी करना; बिनवना
वीफरवु अ०क्रि० क्रुद्ध होना, बिगड़ना
वीमाकपनी स्त्री० बीमाकंपनी

वीर वि० वीर बहादुर [illegible] ( ) पु० वीर पुरुष, वीर (३) [illegible] वीर (४) एक तरहका [illegible] वीर (५) वीर वीररस (६) [illegible]
वीरकाव्य न० वीररसका [illegible]
वीरडो पु० नदी [illegible] भागमें पानीके लिए [illegible]
वीरण (०वाळो) देखिये 'विरण'
वीरपसली स्त्री० सावनकी पूनोके दिन भाईकी ओरसे बहनको दी जानेवाली भेंट [illegible]
वीरभूमि स्त्री० वीरोंको जन्म दे[illegible]
वीरहाक स्त्री० युद्धके समय वीरों[illegible] भयानक गर्जना
वीरो पु० भाई, वीर
वील न० वसीयतनामा [illegible]
वीलु (वीं) वि० [illegible] (२) भटकता (पशु), [illegible] न हो। [-पडवु = [illegible] जाना (२) झेंपना, खिसिया जाना। -मूकवुं = साथमें न रखना [illegible] घूमता छोड़ देना। -मो करवु = [illegible] कलंक या लज्जासे अपना-सा मुँह लेकर रह जाना]
वीश वि० बीस, २०
वीशी स्त्री० देखिये
वीशी स्त्री०
वीशीवाळो पु०

वीसरावु अ० क्रि० 'वीसरवु' का कमणि, याद न रहना, भूलना
वीसी स्त्री० बीसका समूह बीसी (२) बुनाईमें तानेके तारोकी एक प्रकारकी गिनती, वीशी
वीळ स्त्री० ज्वार (भाटाका उलटा)
वींखवु स० क्रि० देखिये 'मीखवु
वींचवु स०क्रि० मूदना वद करना;मीचना
वींछी पु० बिच्छू (जतु)
वींछीडो पु० बिच्छू (२) वृश्चिक राशि
वींछु पु० बिच्छू (जतु)
वींछुडो पु० देखिये 'वीछीडो'
वींछुवा पु० ब० व० देखिये 'वीछुवा'
वींजणु न० वढईका औजार रुखानी
वींजणो पु० पखा, व्यजन
वींझणु न० दखिये 'वीजणु
वींझवु स० क्रि० तल्वार, लाठी आदि हवामें जोरसे घुमाना
वींटली स्त्री०, (–लो) पु० स्त्रियाका नाकका एक गहना नथ
वींटलो पु० देखिये 'वीटा'
वींटवु स० क्रि० लपेटना लुडियाना पीडियाना (सूत, रस्सी आदि)
वींटावु अ० क्रि० वीटवु का कमणि, लिपटना लपेटा जाना
वींटाळवु स० क्रि० लपेटना, लुडियाना (सूत रस्सी आदि)
वींटी स्त्री० अँगूठी, मुदरी
वींटो पु० लपेटा हुआ गोल पिंडा बीडा (२) बिस्तरका बीडा
वींढारवु स० क्रि० पालन करना, पोसना (२) मुसीवत झेलकर भी सायमें रखना, ढोना
वींध न० बेध छेद (मोती आदिमें)
वींधणुं न० रुखानी
वींधवु स० क्रि० बेधना छेद करना, छेदना, वीधना (२) घाव करना, बेधना, गडाना, चुभाना
वींधाववु स०क्रि० 'वीधवु'का प्रेरणायक
वींधावु अ० क्रि० 'वीधवु का कमणि, बिंधना, वेधा जाना
वूठवु स० क्रि० बरसना, बरस पडना
वृत्त न० वृत्त, आचरण, चाल चलन (२) छद, वृत्त (३) वतुलाकार क्षेत्र वृत्त (४) समाचार, वृत्त (५) वृत्तात, घटना, हकीकत वृत्त
वृत्तपत्र न० अखबार, समाचारपत्र
वृत्तविवेचक पु० पत्रकार
वृत्तविवेचन न० पत्रकारी, अखबार-नवीसी, 'जर्नालिज्म
वृत्तात पु०, न० वृत्तात, हाल, हकीकत, वणन (२) खबर, समाचार
वृत्ति स्त्री० मनमें उठनेवाला विचार, वृत्ति, चित्त मनका व्यापार (२) रुख मनकी अवस्था, मनोभाव वृत्ति (३) स्वभाव, प्रकृति (४) आचरण, वरताव (५) व्याख्या, कारिका, वृत्ति (६) रचनाशली (कौशिकी आदि), वृत्ति (७) वृत्ति पेशा (८) जीविका वृत्ति (९) शब्द शक्ति (अभिधा आदि) [व्या] [(२) बुजुग, बडा वद्ध
वृद्ध वि० वृद्ध, वडी उमरका बूढा
वेउ पु० एक वेल
वेकरो पु० ककड मिली हुई वडी रेत
वेकळो पु० छोटा नाला या झरना
वेकूर स्त्री० बालू, रेत
वेखल(–ळ) वि० जिसे स्वमान न हो, खी-खी आवाज करके हँस पडनेवाला (२) निलज्ज, बेहया, (३) खल, अनिष्ट

वेग पु० वेग गति त्वरा (२) जोश, आवेश (३) कसक, शूल (४) त्रास आतंक, डर। [-मारवा = कसकना शूल उठना]

वेगळु वि० जो दूर हो, दूर (२) अलग जुदा। [-होवु = रजस्वला होना, कपडोंसे होना]

वेगळे अ० फासले पर दूर

वेगी(०लु) वि० वेगी तेज़, वेगयुक्त

वेचवाल वि० वेचनेवाला वेचवाल (गयर आदिका)

वेचवु स० क्रि० बेचना। [विचीने चणा खावा = किसीसे न दबना (२) बेच खाना उडा डालना]

वेचाउ वि० विकाउ

वेचाण न० बेचना, विक्री ब

वेचाणखत न० बनामा विक्रय-लेख

वेचातु वि० माल लिया हुआ या दिया हुआ, दाम देकर लिया हुआ या दिया हुआ। [कजियो वेचातो लेवो, लडाई वेचाती लेवी = झगडा मोल लेना (२) किसीका पक्ष लेकर झगडना]

वेचावु अ०क्रि० वेचवु' का कर्मणि बिकना [प्रजा

वेजा स्त्री० निशान (२) विपत्ति (३)

वेठ स्त्री० बेगार (काम) (२) जब दस्ती कराया जानेवाला काम, बेगार (३) [ला] बोझ बला आफ़त, कष्ट देनेवाली वस्तु या व्यक्ति। [-उतारवी, काढवी, वाळवी = बिना मन लगाये, बेगारकी तरह काम करना बेगार टालना। वेठे काढवु, पकडवु = बेगार पकडना। वेठे जवु = बेगारके लिए जाना]

वेठवु स० क्रि० सहना, झेलना (२) किसी स्थिति संबंध आदिकी रक्षा किये जाना, निबाहना

वेठियो पु० वह आदमी जिससे बिना मजदूरी दिये काम कराया जाय बेगारी (२) बेगारमें पकडा हुआ बग़र दामका नौकर

वेडफवु स०क्रि० व्यय खर्च करना उडा डालना नष्ट कर देना, बिगाडना

वेडफावु अ० क्रि० 'वेडफवु' का कर्मणि

वेडमी (वे') स्त्री० पूरन भरी हुई रोटी पूरनपूरी

वेडलो पु० देखिये 'वेल्लो'

वेडवु स०क्रि० जालीदार लग्गीसे (फल) तोडना उतारना

वेडवो पु० देखिये वीरडा

वेडी स्त्री० वह लग्गी जिसके सिरेपर जालीदार थली रहती है (आम आदि तोडनेकी)

वेडो पु० लग्गीसे फल उतारनेवाला

वेढ पु० उंगलीकी गाँठ पोर, पोरवा (२) छल्ला पोरिया

वेढमी स्त्री० देखिये वेडमी

वेढो पु० उँगलीकी गाठ पोर पोरवा (२) लकडीकी गाँठ। [वेढा गणवा = पोरें गिनकर हिसाब करना (२) दिन गिनना प्रतीक्षा करना। वेढे गणाय एटलु = अल्प संख्यामें उंगलियो पर गिना जा सके उतना, इने गिने]

वेण (वॅण) स्त्री० कपासका पौधा, कपास (२) प्रसवकी वेदना

वेण (वें) न० वचन बोल बैन [प] (२) प्रतिज्ञा कौल। [-काढवु = बोलना। -मारवु = बोल मारना, मर्मभेदी वचन कहना, ताना मारना।

–राखवु = वड़ा मान लेना, बात रखना। –साभळवु = उल्हना या ताना सुनना, फटकारा जाना, सुनना]
वेणि (–णी) स्त्री० बालोंकी चोटी, वेणी (२) जूडेमें खासनेका फूलोंका गजरा
वेणु (०क्ता) स्त्री० वेणु, बाँसुरी
वेत (वॅ) पु० उपयुक्त काल, मौका (२) व्यवस्था, प्रबंध, ब्यात
वेतन न० वेतन, तनख्वाह
वेतर न० एक-एक बारका जनन, वियान। [–आववु, वेतरे आववु = पशुकी मादा का गर्भाधानका समय होना]
वेतरण स्त्री० (कपडेको) ब्यातना (२) जरूरी इतजाम, प्रबंध (३) सज्जा[ला]
वेतरवु स० क्रि० कपडेको सिलाईके लिए काटना, ब्योतना (२) जरूरी इतजाम करना (३) [ला] बिगाड देना, चौपट कर देना गुड गोबर कर देना। [ओढनु बोड वेतरवु = कुछका कुछ कर डालना बिगाड देना औरका और या उल्टा कर देना]
वेता पु० ब० व० समझ सयानापन, होशियारी (२) सलीका शऊर ढग
वेद पु० वेद, ज्ञान (२) यथार्थ ज्ञान वेद (३) आर्योंका सबसे प्राचीन धर्मग्रंथ वेद (४) चारकी संख्या वेद। [–भणवा = वेदाध्ययन जैसा भारी काम करना]
वेदियु वि० वेदज्ञ, वेद पढा हुआ (२) [ला] व्यवहारशून्य पडित। [–ढोर = पोथी पडित जो पडित हो मगर व्यवहारदक्ष न हो कोरा पडित]
वेध पु० बंध छिद्र बेध (२) दोष, पाप (३) जख्म वेधन, वेध (४) बेधना, छेद करना वेध (५) ग्रहों आदिकी गति, समय आदिका पर्यवेक्षण, निरीक्षण (६) सुतार या राजके काममें शास्त्रीय दोष (७) सूर्यग्रहण के पहलेके चार और चन्द्रग्रहणके पहलेके तीन पहरके सूतकका समय (८) द्वेष, डाह [ला]
वेधन न० वेधन, छेद करनेकी क्रिया बेधना (२) छेद करनेका औजार, वेधनी
वेधनी स्त्री० मोती रत्न आदिमें छेद करनेकी बरमी वेधनी (२) हाथीका अकुश, वेधनी
वेधवु स० क्रि० छेद करना, छेदना, बेधना (२) बींधना वेधना चुभाना
वेधशाला (–ळा) स्त्री० वेधशाला, जतर-मतर [जैसा कोई वाहन
वेन (वॅ) न० बहना (२) बल्गाडी
वेपार (वॅ) पु० व्यापार, ब्यापार। [–माडवो = ससार-व्यवहार चलाना]
वेपाररोजगार (व) पु० व्यापारका कामकाज [धधा रोजगार
वेपारवणज (वॅ) पु० बनिज-ब्योपार
वेपारी (वॅ) पु० व्यापारी ब्योपारी
वेर (वॅ) न० वैर, शत्रुता (२) द्वेष, वैर, बुराई। [–लेवु, वाळवु = बैर लेना, बदला लेना]
वेरणछे (–छे) रण वि० तितर बितर, अस्त-व्यस्त, छिन्न भिन्न
वेरभाव (वॅ) पु० शत्रुभाव, द्वेष, वैर
वेरी (वॅ) पु० बैरी, शत्रु
वेरवु स० क्रि० चीजोंको तितर बितर करना बिखेरना (२) फलाना, छिटकाना, बिखेरना (३) [ला] खूब पसे खरचना
वेराग (वॅ) पु० वैराग्य, बराग
वेरागी (वॅ) पु० वैरागी, बाबा

वेरान (वें) वि॰ वीरान, उजाड
वेराव् अ॰क्रि॰ 'विरद्' का कमणि (२) बिखर जाना, तितर बितर होना
वेरी (वें) वि॰ भर रखवाला, वरी (२) पु॰ दुश्मन वरी
वेरे (वें) अ॰ –के साथ –से (लग्न)
वेरो पु॰ कर, महसूल, 'टक्स'
वेल स्त्री॰ वल लता
वेलण न॰ वेलन बेलना [फूल-पत्ता
वेलबुट्टी स्त्री॰ (–ट्टो) पु॰ बेल-बूटा
वेला स्त्री॰ देखिये 'वेळा' (२) सीमा, मर्यादा वल्न (३) समुद्रतट वेला (४) वाणी
वेली स्त्री॰ वेल, लता
वेलो पु॰ वडी वेल लता (२) वंश बेल [ला]। [–चालवो, वधवो = वश बढना, वेल बढना] [बाली
वेल्लो पु॰ स्त्रियोका कानका एक गहना
वेवलु वि॰ बेसलीका जिसमें शऊर न हो (२) जिसके पेटमें बात न पचे (३) विह्वल व्याकुल
वेवाई (वा') पु॰ समधी
वेवाण (वा' ण') स्त्री॰ समधीकी स्त्री समधिन समधन [तिलक
वेविशाळ (व) न॰ सगाई मगनी,
वेश पु॰ भेस पोशाक पहनावा वेश भूषा (२) बदला हुआ भेस रूप वेष स्वांग। [–उतारवो, काढवो = पोशाक बदलना (२) विधवाका वेश आदि सिंगार निकाल देना (३) वचनभंग करना वादाखिलाफी करना मुकर जाना। –करवो, काढवो, धरवो, लवो = भेस बनाना वेश धारण करना, रूप भरना, स्वांग बनाना। –काढवो, काढीने ऊभा रहेवु, काढीने बेसवु = अकस्मात् किसी काममें बाधा डालना, रुकावट बीचमें से खडा हो जाना, बीचमें टाँग अडाना। –बदलवो = दूसरे पक्षमें जा मिलना]
वेशधारी वि॰ रूप भरनेवाला स्वांगी, वेशधारी (२) ढोंगी धूर्त (३) पु॰ ठग
वेशवाळ न॰ देखिये 'वेविशाळ'
वेष, वेषधारी देखिये 'वेश' आदि
वेसण न॰ वेसन (२) बेसनका घोल
वेसर (–री) स्त्री॰ वेसर (नाकका गहना) [(३) बिल छेद
वेह पु॰ वेध छेद (२) नाका छेद
वेळ स्त्री॰ वेला, समय, बेला (२) ज्वार भाटाका उल्टा। [–वळवी = दशा सुधरना]
वेळ (वेंळ) स्त्री॰ नसोका तनाव या ऐंठन मरोड (२) फोडे फुसी या किसी घावकी पीडासे शरीरके संधि स्थानमें होनेवाली गाँठ गिल्टी (३) मनकी तरंग खब्त, धुन। [–आववी = शरीरकी नसोका तन जाना (२) धुन सवार होना। –घालवी = फोडे फुसी या घावके ददके कारण गिलटी होना]
वेळा स्त्री॰ वेला समय बेला (२) विलंब देर (३) [ला] वेला खास अवसर प्रसगविशेष (४) आफतका समय विपत्काल। [–वटवी = समय गुजर जाना। –वळवी = भाग्य फिरना दिन फिरना। –वेळानी छायडी = जीवनके उतार चढाव, अस्तोदय]
वेळु स्त्री॰ बालू, रेत
वेंगण (वें॰) न॰ बगन भटा
वेंगणी (वें॰) स्त्री॰ बगनका पौधा बगन
वेंगणु (वें॰) न॰ बैंगन, भटा

वेंत (वें०) स्त्री० वालिश्त, विता (२) पु० युक्ति, मौका, घात, चाल, पेच, उदा० 'शा वेंतमा फरो छो ? '(३)अ० 'किसी क्रियाके होनेके साथ-साथ तुरत' ऐसा अर्थ दिखाता है, ही, उदा० 'जतावेंत । [–खावो, बेसवो = मौका मिलना, घात लगना । –भोंय न सूझवी = कोई उपाय न सूझना, दिमागमें या ध्यानमें न आना । –मां फरवु = घातमें फिरना ताकमें घूमना, घातमें रहना]

वैज्ञानिक वि० विज्ञान-संबंधी, वैज्ञानिक (२) पु० वैज्ञानिक, विज्ञानी

वैद पु० विदाई

वैडु न० देखिये 'वरडु'

वैतरु न० थका देनेवाला या उकता देनेवाला काम, रगड (२) बेगार (काम) (३) मेहनताना, मजदूरी

वैतरो पु० थका देनेवाला काम करनेवाला, श्रमजीवी, मेहनतकश मजदूर (२) कड़ा परिश्रम उठानेवाला, कष्ट-साध्य काम कर सकनेवाला

वैद पु० वैद्य, वेद, बेद

वैदक न० बेदका पेशा वदई (२) चिकित्साशास्त्र, वैद्यक [वैद्यक

वैदकीय वि० चिकित्साशास्त्र-संबंधी,

वैदु न० वैद्यका पेशा, वदई चिकित्सा-व्यवसाय । [–करवु = किसीको पीटकर राह पर लाना सीधा करना]

वैशाख पु० वैशाख, बैसाख

वोकळो पु० छोटा झरना, नाला

वोट पु० वोट, मत [अधिपत्र

वोरंट न० वारंट, वारंट गिरफ्तारी

वोळाववु(वॉ) स० क्रि० बिदा करना

वोळावियो(वॉ) पु० बिदा होनेवाले व्यक्तिके साथ जानेवाला पथप्रदर्शक, 'गाइड'

वोकळो(वा०) पु० देखिये 'वोकळो'

व्यक्ति स्त्री० किसी भी वर्ग या समूहका एक जन व्यक्ति(२)जन, व्यक्ति (३) व्यक्त, प्रकट होनेकी क्रिया, व्यक्ति

व्यक्तिवाद पु० वह वाद जिसमें सामाजिक विचारमें व्यक्ति और उसका व्यक्तित्व दोनों महत्त्वकी चीजें हैं

व्यतीपात पु० एक योग, व्यतिपात, व्यतीपात(२)भारी उपद्रव या उत्पात, व्यतीपात

व्यतीपातियु वि० उपद्रवी, उत्पाती

व्यवहार पु० व्यापार कारबार पेशा व्यवहार (२) बर्ताव, आचरण, व्यवहार (३) लोकरीति, प्रथा, व्यवहार (४) आपसमें लेने-देने आदान प्रदानका संबंध

व्यवहारगणित न० व्यवहारमें–दुनियाके कामोंमें काम आवे ऐसा गणित (२) व्यवहारगणित 'प्रेक्टिस' [ग] (३) गणितका मौखिक सवाल [ग]

व्यवहारसिद्ध वि० व्यवहारमें प्रचलित बना हुआ प्रचलित, व्यवहारी

व्यवहारी वि० व्यवहार-संबंधी, व्यावहारिक

व्यवहारु वि० देखिये 'वहेवारु', व्यवहार्य

व्यसन न० व्यसन, बुरी आदत लत (२)नशा करनेकी आदत(३)दु ख, संकट व्यसन(४) आफ़त जोखिम (५) नाश व्यसन । [–पडवु = ज्यादा आदी होना चसका पडना (२) मादक पदार्थका आदी होना]

व्यसनी वि० किसी बुरी चीजका आदी, व्यसनी आदी

व्यंढल(-ळ) पु० नपुंसक, हिजडा
व्याज न० व्याज, सूद (२) बहाना, मिष व्याज (३)ठगाई, व्याज, छल। [-काढवु=व्याजका हिसाब करना। -कापवु=सूद काट लेना सूद मिनहा करना। -नु व्याज=[ला] संतानकी संतान। काप्यु व्याज=कटौती किया हुआ सूद। चक्रवृद्धि व्याज=सूद दर सूद, चक्रवृद्धि]
व्याजखाउ वि० व्याजखोर सूदखोर
व्याजखाद(-ध) स्त्री० रुपयोंका लेन देन न होनेसे या अवधिसे पहले चुक्ता होनेसे होनेवाला सूदका घाटा, व्याजका बट्टा
व्याजखोर वि० व्याजखोर, सूदखोर
व्याजमुद्दल न० वह रकम जिसमें मूल और सूद शामिल हो, सूदके साथका मूल
व्याजवट्टु न० व्याज और दलालीका पेशा महाजनी, साहूकारा
व्याजु (०कु) वि० सूद पर लिया हुआ या दिया हुआ सूदी
व्यापवु स० क्रि० अ० क्रि० व्याप्त होना, किसी चीजके अंदर फल जाना व्यापना (२)पसरना फैलना
व्यापार पु० व्यापार, प्राणी या पदार्थकी क्रिया, काम (२)कारबार, पेशा, व्यापार वाणिज्य (३) उद्योग, उद्यम, व्यापार
व्यापारी पु० व्यापारी, ब्योपारी
व्यास पु० व्यास(मुनि) (२)ब्राह्मणोंका एक अल्ल (३) मोटाई, विस्तार व्यास (४) केंद्रसे होते हुए परिधिके दोनों छोरों तककी दूरी व्यास 'डायमीटर' [ग]
व्यासजी पु० व्यास मुनि (२) [ला] लोगोंको(महाभारतकी) कथाएँ सुनाने वाला ब्राह्मण कथावाचक व्यास
व्यासपीठ स्त्री० न० वह स्थान जहाँ वक्ता या कथावाचक खडा रहता है या बैठता है, मंच
व्रत न० व्रत पुण्यके विचारसे करनेका धार्मिक कृत्य अनुष्ठान, नियम आदि (२)अमुक करने न करनेका धार्मिक निश्चय, व्रत। [-ऊजववुं =व्रतका उद्यापन-पूर्णाहुति करना। -लेवु=कोई धार्मिक काम करनेका संकल्प करना व्रत ग्रहण करना]

श

श पु० ऊष्मवर्गका प्रथम वर्ण
शक पु० शक वहम, शंका
शक पु० एक प्राचीन जातिके लोग, शक (२) संवत् (३) शकसंवत
शकदु न० रेंगा, सुलहा [संदिग्ध
शकदार वि० जिस पर शक पडता हो
शकन, शकनियाळ देखिये 'शुकन' आदि
शकमंद वि० संदेहमें पडा हुआ, शकवाला संशयग्रस्त
शकरखोर(-रो) पु० एक पक्षी शकरखोरा (२)मीठी चीजें खानेका शौकीन शकरखोरा
शकरटेटी स्त्री० एक फल, खरबूजा
शकरपारो पु० शकरपारा

शकरियुं न० एक कंद, शकरकंद
शकरी स्त्री० शिकरेकी मादा
शकरो (०बाज) पु० शिकरा (२) [ला]
पक्का उठाईगीरा, उचक्का
शकवर्ती वि० जो शक प्रवर्तित करे, जिसकी स्मृतिमें शक प्रवर्तित हो, युग प्रवर्तक, स्मरणीय
शकवुं अ०क्रि० समर्थ होना, शक्तिमान होना, सकना (२) संभव, मुमकिन होना, सकना
शकुन न० शकुन, सगुन, शगुन (२) पक्षी, शकुन। [–जोवा = शकुन देखना निकालना, विचारना। –थवा, लेवा = शुभ सगुनके रूपमें मान्य करना सगुन होना]
शके अ० मानो, गोया, जैसे
शकोरुं न० सकोरा कसोरा
शक्करटेटी स्त्री० देखिये शक्करटेटी'
शक्करपारो पु० देखिये शकरपारो'
शक्करियुं न० देखिये शक्करियुं'
शक्कल स्त्री० शक्ल, शकल, रूप। [–फरी जवी, बदलाई जवी = स्वरूप, चेहरा, गुण धर्म आदि बदल जाना, सूरत बिगडना]
शक्कादार वि० शानदार चेहरेवाला डौल्दार (२) माहक, प्रतिभासपन्न, शानदार
शक्को पु० देखिये 'सिक्को (२) सुंदर, भव्य मुखाकृति, सूरत-शक्ल (३) (गहने आदिकी) चमक
शक्तिमत्ता स्त्री० शक्तिमान होनेका भाव शक्तिमत्ता सामर्थ्य
शक्यभेद पु० क्रियाका शक्यार्थसूचक वाच्य [व्या] [इपसंभावनार्थ [व्या]
शक्यार्थ पु० शक्यता बतानेवाला क्रियाका

शख्स पु० शख्स, व्यक्ति, आदमी
शख्खो पु० देखिये 'लंखोटी' (२) देखिये 'शक्को' नं २ ३
शग स्त्री० (दीयेकी) लौ, दीपशिखा
शगडी स्त्री० अँगीठी। [–माथे लेवी, वहोरवी = अन्यका झंझट अपने ऊपर ले लेना पराई आगमें कूदना]
शगराम पु० न० देखिये 'शिगराम'
शण न० सनका पौधा, सन (२) उसकी छालके रेशे, सन
शणगार पु० शरीरकी शोभाके लिए अलंकार गहने आदि, सिंगार, शृंगार
शणगारवुं स० क्रि० शृंगार करना, सजाना, सँवारना, सिंगारना [प] (२) गहने पहनना [फूटना; अंकुर उगना
शणगावुं स० क्रि० अँकुराना, अँखुआ
शणगो पु० अंकुर, अँखुआ
शणियुं न० सनका कपडा, शाण, सनिया
शत पु० शत, सौ
शतक न० शतक, सौका समाहार (२) शताब्दी शती, सदी शतक
शताब्दी स्त्री० शताब्दी, सदी शती (२) सौ सालोंका उत्सव
शत्रुवट स्त्री० शत्रुता, दुश्मनी बैर
शनि पु० शनि (ग्रह) (२) शनिवार (३) नीलम, शनिप्रिय। [–नी दशा = दुर्भाग्य साढेसाती भारी आपत्तिका समय]
शब न० शव लाश, मुरदा
शब्द पु० शब्द, ध्वनि आवाज (२) बोल वचन (३) शब्द (वाक्यमें आया हुआ साधक पद) [व्या]। [–करवो = आवाज करना। –काढवो = बोलना, आवाज निकालना। बे शब्द

कहेवा, बोलवा = सिफ़ारिश करना (२)सीख देना या उलहना देना]
शमवु अ० क्रि० बुझना, शात होना, ठण्डा होना (२) नष्ट होना, मिटना
शमळी स्त्री० एक पक्षी, चील
शमियानो पु० शामियाना, तबू खेमा
शयतान पु० शैतान, इबलीस (२) बदमाश दुष्ट, शैतान [शैतानी
शयतानियत स्त्री० बदमाशी, दुष्टता,
शरण न० शरण, सहारा आश्रय रक्षण। [शरण आववु = शरणमें आना; शरणागत होना]
शरणाई स्त्री० शहनाई [शरणागत
शरणागत वि० शरणमें आया हुआ,
शरणु न० शरण आश्रय [प्रतिज्ञा
शरत स्त्री० शर्त, होड, बाजी करार
शरती वि० शर्त-सबधी, शर्ती शर्त वाला (२) किसी शर्त या प्रतिज्ञापर आश्रित शर्ती [शरदपूनो
शरदपूनम स्त्री० शरत्पूर्णिमा कोजागर,
शरदी स्त्री० सर्दी ठड जाडा (२) जुकाम सर्दी [सरफोका
शरपखो पु० एक वनस्पति, शरपुखा
शरबत पु० न० शरबत शर्बत
शरबती वि० हलके आछे रगका (२) स्त्री० शरबती (कपडा)
शरम स्त्री० शरम शर्म हया लज्जा (२)प्रतिष्ठा लाज इज्जत, शर्म (३) लानत, धिक्कार
शरमावबु स० क्रि० शरमावु का प्रेरणा थक (२) शरमाना लज्जित करना
शरमावु अ० क्रि० लज्जित होना शरमाना लजाना (२) झेंपना खिसियाना
शरमाळ वि० लज्जाशील, शर्मीला, शर्माऊ शर्मालू
शरमिंदु वि० शर्मिंदा, लज्जित शरमिन्दा
शरयु वि० तीक्ष्ण तेज मानवा
शरसाडो पु० शिरीष सिरीस सिरस (पेड)
शराद्ध(-घ)यां न० ब० व० श्राद्ध-पक्ष
शराप पु० शाप, सराप, बददुआ
शराफ पु० सराफ, महाजन, साहूकार
शराफी स्त्री० सराफी, महाजनी साहूकारी (२) वि० सराफ़-सबधी (३) विश्वसनीय, शरीफ [खोरी
शराबखोरी, शराबबाजी स्त्री० शराब
शराव(०ळु) न० सकोरा, चपनी; शराव
शरीकत वि० हिस्सा रखनेवाला शरीक साझी (२) साथी सहायक; बेली शरीक
शरीफ वि० शरीफ कुलीन, ऊँचे घरानेका (२) प्रतिष्ठित आबरूदार, शरीफ (३) पु० (बडे शहरका) शरीफ
शरीर न० शरीर, देह
शरीरविद्या स्त्री० शरीरकी रचना आदिका शास्त्र फिज़ियालोजी
शरु न० एक पेड सरो सर्व
शरू वि० प्रारभ किया हुआ, चालू शुरू
शरूआत स्त्री० शुरू प्रारभ पहल
शलावडु न० देखिये शरावलु
शल्या स्त्री० पत्थरकी पटिया सिल्ली; शिला
शस्त्रक्रिया स्त्री० शस्त्रक्रिया चीर फाड
शस्त्रप्रयोग पु० चीर-फाड आपरेशन
शहाळी स्त्री० फूलका एक पेड, शेफालिका
शहीद वि० (२) पु० शहीद
शहीदी स्त्री० शहीद होना शहादत
शहूर न० शऊर सलीका ढग
शहेनशाह(शहें) पु० शाहनशाह, सम्राट
शहेनशाहत(शहें) स्त्री० साम्राज्य

शहेनशाही (शहें) वि० शाहंशाह-संबंधी (२) स्त्री० साम्राज्य
शहेर (शहें) न० शहर, नगर
शहेरी (शहें) वि० शहरका, शहर-संबंधी (२) पु० शहरमें रहनेवाला, शहरी (३) नागरिक, 'सिटीज़न'
शळ पु० सिल्वट, सलवट, शिकन (२) लकडी आदिकी चोटका दाग, साट, साट
शळी स्त्री० सलाई, शलाका
शंका स्त्री० शंका, संशय, वहम (२) कल्पित डर, शंका (३) मलमूत्रकी हाजत
शंख पु० शंख (२) शंखके आकारका उँगली पर बना हुआ चिह्न (३) मूर्ख घोंघा [ला]। [–फूकवो = दिवाला निकालना (व्यंगमें)। –वागवो (घरमां) = घरमें खानापीना बंद हो जाना]
शंखजीरु न० एक तरहका सफेद चिकना पत्थर या उसका चूर्ण संगेजराहत, 'शंखजीरा'
शंखणी स्त्री० कर्कशा स्त्री, कर्कशा
शंखली स्त्री० बहुत छोटा शंख
शंखलो पु० छोटा शंख, शंखनख
शंखावळी स्त्री० एक वनस्पति शंखपुष्पी कौडियाली
शंभुमेळो पु० भिन्न भिन्न जातियां या वस्तुओंका अव्यवस्थित समूह (२) सभी जातियों या वर्णोंका एक दूसरेमें मिश्रण, संकर
–शाई वि० यह प्रत्यय नामके अंतमें आता है और उससे संबंधित उस ढंगका या उसके जैसा' ऐसा अर्थ बताता है उदा० 'वाणियाशाई'
शाक न० शाक, तरकारी (२) शब्द, सब्ज़ी, शाक
शाकपांदडुं न० साग-पात, साग भाजी
शाकबजार स्त्री०, न० सब्जीमंडी
शाकभाजी स्त्री० साग भाजी, सब्जी, तरकारी (२) [ला] छोटा, तुच्छ, साग (समझना)
शाकाहार पु० शाकाहार
शाकाहारी वि० (२) पु० शाकाहारी, 'वेजिटेरियन'
शाके अ० शक-संवत्‌के अनुसार
शाख स्त्री० साख, लेन-देन-संबंधी एतबार या प्रतिष्ठा, इज्जत (२) अल्ल, उपजाति (३) देखिये 'साक्षी'। [–पडवी = प्रतिष्ठा होना, आबरूका प्रभाव पडना (२) अल्लका नाम पडना। –पूरवी = गवाही, साख देना]
शाखा स्त्री० शाखा, डाली, शाख (२) भाग, अंश, शाखा
शागरित (–द), शागिद पु० शागिर्द, शिष्य (२) सहायक, पिट्ठू
शाण पु० शाण, सान (पत्थर) (२) न० चार माशेकी एक तौल, शाण
शाणकुं न० सकोरा, कसारा (२) मिट्टीका भिक्षापात्र, खोपडा, खप्पर
शाणप स्त्री०, (०ण) न० सयानापन, चतुराई
शाणुं वि० सयाना, समझदार। [शाणी नियाळ = बाहरसे सयाना और भीतरसे कपटी। शाणी सीता = सीता जैसी सयानी और विनयी लडकी या स्त्री]
शान स्त्री० शान, ठाट, ठसक (२) रूप, शान, दिखाव, छटा
शानदार वि० शानदार, सुगठित, सुन्दर (२) शानदार, भव्य, गौरवशाली
शाप पु० शाप, बददुआ

शापवु स०क्रि० शाप देना, सरापना [प]
शाबाश अ० शाबाश धन्य, वाह
शाबाशी स्त्री० शाबाशी, धन्यवाद सराहना [शामी सामी
शाम स्त्री० मूसलकी लोहेकी सामी,
शामवु अ० क्रि० शान्त होना
शामळ(–ळियो) पु० श्रीकृष्ण साँवलिया, श्याम
शामळु वि० साँवला काला, श्याम
शामळो पु० श्रीकृष्ण, साँवलिया
शामियानो पु० देखिये शामियाना'
शार (शा') पु० छेद सूराख
शारडी(शा') स्त्री० छेद करनेका औजार बरमा
शारडो(शा') पु० बडा बरमा (२) बहुत पानीके लिए कुएके तलमें छेद करना या जमीनमें पाइप उतारकर कुआँ बनाना 'व रिंग'
शारवु(शा') स० क्रि० छेद करना, छेदना, बेधना (२) ताना मारना कोसना [ला]
शाल स्त्री० शाल ऊनी चादर
शालदुशाला पु० ब०व० सम्मानार्थ दिये जानेवाले पगडी, शाल-दुशाले आदि
शासन न० शासन, दड, सजा(२)अमल; राज्य हुकूमत, शासन (३) आज्ञा हुक्म(४)उपदेश [शासनतत्र
शासनतत्र न० राज्यतत्र शासनव्यवस्था,
शासनपद्धति स्त्री० शासनप्रणाली
शाह पु० मुसलमान राजा, शाह, बादशाह (२) सराफ (३) प्रामाणिक प्रतिष्ठित व्यक्ति शरीफ(४) चोर (व्यग्यमें) (५) बनियोंका एक अल्ल [जीरा, काला जीरा
शाहजीरु न० एक औषधि, स्याह
शाहजोग वि०, शाहजोगी वि० स्त्री० सच्चा, ईमानदार(२)(सन्देह निवारण करनेके बाद) सकारने योग्य (हुडी)
शाहमृग न० एक पक्षी शुतुरमुग
शाही वि० शाह-सबधी शाही (२) साम्राज्यका, साम्राज्यसे सबद्ध
शाही स्त्री० स्याही, रोशनाई
शाहीचूस पु० न० स्याहीचूस सोख्ता
शाहुकार पु० साहूकार, सराफ़, महाजन (२) सच्चा, ईमानदार व्यक्ति (३) (व्यग्यमें) चोर धूर्त
शाहुकारी स्त्री० लेन-देन आदिमें सचाई, ईमानदारी सचाई
शाहुडी स्त्री० एक जानवर साही
शाहेद पु० गवाह, शाहिद
शाहेदी स्त्री० गवाही शाहिदी शहादत पु० शाहिद गवाह
शाहेर पु० शायर कवि
शाहेरी स्त्री० कवित्व कविपन (२) कविता, शायरी
शाळ स्त्री० शालि धान
शाळा स्त्री० मकान, शाला गृह(२) पाठशाला, मदरसा
शाळोपयोगी वि० विद्यार्थियोंके उपयोगका शालोपयोगी
शांति स्त्री० शान्ति वेग क्षोभ या क्रियाका अभाव (२) क्लेश कजिया या युद्धका अभाव, शान्ति (३) निःशब्दता, खामोशी सूनापन (४) मानसिक या शारीरिक उपद्रवोंका शमन काम क्रोध रोग पीडा ताप आदिका शमन शान्ति (५) धीरता मनकी स्थिरता स्वस्थता (६) विश्राम आराम निवृत्ति शान्ति। [–थवी =तृप्ति होना (२) युद्धादिका न

होना, शान्ति होना, निश्चित होना। —थळवी = शांति होना, निश्चित होना, युद्धादिका न होना]
शांतिपाठ पु॰ शांतिके लिए किया जाने-वाला मंत्र-पाठ, शांति-वाचन
शिकरामण न॰ (हुंडी) सकारना (२) हुंडी सकारनेका बट्टा, सकारा
शिकराववु स॰ क्रि॰ 'शिकारवु'का प्रेरणार्थक
शिकरावु अ॰क्रि॰ 'शिकारवु'का कर्मणि, स्वीकार किया जाना, सकरना
शिकल स्त्री॰ शकल, शक्ल, चेहरा
शिकाकई स्त्री॰ सीकाकाई
शिकार पु॰ शिकार, मृगया आखेट (२) मारा हुआ पशु-पक्षी, शिकारका जानवर, शिकार (३) [ला] बलि, भोग, भक्ष्य, शिकार। [—थवु = किसीके फंदेमें फँसना किसीका शिकार होना, किसीके रागादिकी बलि होना (२) —से मात होना, —से पराजित होना उदा॰ 'वासनानो शिकार बन्यो'] [सकारना (हुंडी)
शिकारवु स॰ क्रि॰ स्वीकार करना,
शिकारी(—रु) वि॰ शिकार-सम्बन्धी (२) शिकार करनेवाला, शिकारी (३) पु॰ शिकारी, पारधी
शिकोतर(—री) स्त्री॰ पीछा न छोड़ने वाली भूतनी
शिकोतरु न॰ पीछा न छोडनेवाला भूत
शिक्कल स्त्री॰ देखिये 'शिकल'
शिक्के अ॰ साथ, सहित समेत
शिक्षण न॰ शिक्षा पढ़ाई (२) सीख, उपदेश शिक्षा
शिक्षणपद्धति स्त्री॰ शिक्षा देनेका ढंग शिक्षा-पद्धति शिक्षा प्रणाली
शिक्षणशास्त्र न॰ शिक्षणशास्त्र, शिक्षा शास्त्र [शिक्षाशास्त्री
शिक्षणशास्त्री पु॰ शिक्षणशास्त्री,
शिक्षा स्त्री॰ शिक्षा, ज्ञान, बोध, सीख (२) सजा, दंड (३) एक वेदांग, शिक्षा [पट्टी (पढ़ाना)
शिखवणी स्त्री॰ बहकानेवाली सीख,
शिखवाडवु अ॰ क्रि॰ देखिये 'शीखववु' (२) बहकानेवाली सीख देना, कान भरना, उभाड़ना पट्टी पढ़ाना [ला]
शिखंड पु॰ दही और शक्करके योगसे बनाया जानेवाला एक खाद्य पदार्थ, श्रीखंड
शिखा स्त्री॰ शिखा चोटी, चुटिया (२) तुर्रा शमला (३) लौ, शिखा
शिखाउ वि॰ नौसिखुआ, नौसिखिया, सीखतर (२) बिना अनुभवका, बेतजरबेकार
शिखामण स्त्री॰ सिखावन, उपदेश, शिक्षा, सबक। [—मार्थे चडाववी = सीख लेना उपदेश गिरहमें बांधना]
शिगरम पु॰, न॰ एक प्रकारका वाहन, सवारी शिकरम सिकरम
शिफारस स्त्री॰ देखिये 'सिफारस'
शिबिर पु॰ तंबू शिविर (२) छावनी, शिविर [शील
शियळ न॰ स्त्रीकी पवित्रता, सतीत्व,
शिया वि॰ शीआ (मुसलमान)
शियावियां वि॰ घबड़ाया हुआ, हक्का-बक्का (२) झेंपा हुआ खिसियाना
शियाळ पु॰, स्त्री॰ (॰वु, —ळियु) न॰ सियार, गीदड
शियाळु वि॰ जाड़ेमें होनेवाला
शियाळो पु॰ सर्दीका मौसम जाड़ा

शिर न० शिर, सिर (२) किसी चीज़का सर्वोच्च अंग, भाग, शिर, शीष, शिखर (३) सेनाकी आगेकी पंक्ति, शिर। [–अर्पणे = प्राण निछावर करना, जान देना, सिर देना। –उपर घेणे = ज़िम्मे लेना, सिर लेना। –कापणे = सिर कोरे उस्तुरेसे मूडना, नमकहराम होना, ठगना]

शिरजोर वि० सरज़ोर, सरकश, उद्दंड

शिरजोरी स्त्री० सरज़ोरी, ज़बरदस्ती

शिरताज पु० ताज, राजाका मुकुट (२) बुज़ुर्ग, सिरताज [फा]

शिरपेच पु० पगडी या फेंटेका ऊपरका शमला, चिल्ला, सिरपेच

शिरमोर पु० ताज, (सिरका) मुकुट (२) जो सर्वश्रेष्ठ हो, सिरमौर

शिरस्तेदार पु० अफ़सरका मुख्य क्लर्क, सरिश्तेदार

शिरस्तो पु० सरिश्ता, रीति, रिवाज

शिराई (रा) स्त्री० सुराही (बरतन)

शिरामण (रा') न० (–णी) स्त्री० नाश्ता

शिरावणे (रा') स० क्रि० नाश्ता करना

शिरोई (रो) स्त्री० देखिये 'शिराई'

शिरोबिंदु न० सर्वोच्च बिंदु या स्थान, शिरस, शिखर (२) 'वर्टेक्स' [ग]

शिलाजित न० शिलाजीत, सलाजीत

शिळारोपण न० शिलान्यास

शिलालेख पु० शिलालेख, शिलालिपि

शिव वि० मंगलकारी, शुभ, शिव (२) पु० महादेव, शिव (३) न० कल्याण, मंगल, शिव

शिवरात (–त्रि –त्री) स्त्री० शिवरात्रि

शिशूडी स्त्री० छोटी सीटी

शिशूडो पु० सीटी, भोंपा, भोंपू

शिष्यवृत्ति स्त्री० छात्रवृत्ति, वज़ीफ़ा

शिस्त वि० लायक, योग्य (२) स्त्री० अनुशासन, 'डिसिप्लिन'

शिस्तपालन न० अनुशासनका पालन करना, नियमपालन

शिस्तबद्ध वि० नियमबद्ध

शिंग स्त्री० फली, छीमी, शिंबी

शिंग न० देखिये 'शिंगडुं'

शिंगडी स्त्री० छोटा सींग (२) बारूद रखनेका सींगनुमा चोंगा, सींगडा

शिंगडुं न० सींग (२) सींगनुमा बाजा, सींग, सींगी। [शिंगडां भराववां, मांडवां = लडनेको तयार होना, सामने होना। –थई जवुं = (शरीर) सींगकी तरह तन जाना (२) ठंडसे अकडना, ठिठुर जाना]

शिंगोटी स्त्री० सींगका टेढापन, वक्रता (२) छोटा सींग (३) वह भाग जहांसे सींग निकलते हैं (४) मुलम्मा चढानेका एक औज़ार, सिंघाडा (५) एक गहना, सिंगौटी (६) सींगवाले पशुओं पर लिया जानेवाला कर [वल्ली

शिंगोडी स्त्री० सिंघाडेकी बेल, जल

शिंगोडुं न० सिंघाडा, जलफल (२) एक आतिशबाज़ी, सिंघाडा

शींकलां, शींकी स्त्री० बैलके मुंहपर बांधा जानेवाली जाली, मोहरा, छींका

शींकुं न० छींका, सींका। [शींके मूकवुं = छींकेमें रखना (२) कोई काम टाल देना या दूसरे समयके लिए रख छोडना, अभी हाथ पर न लेना (३) गुप्त रखना]

शीके अ० साथ, समेत

शीख स्त्री० सीख, सिखावन (२) बिदा करते समय दिये जानेवाले रुपये आदि, बिदाई, रुखसताना (३) बिदा

रुखसत। [—आपवी = रुखमताना या विदाई देना]
शीख पु० लोहेकी नोकदार आधी खोखली सलाख, मीख (बोरमेंसे नाज निकालनेकी) [सिख, सिक्ख
शीख पु० सिक्ख सम्प्रदायका अनुयायी,
शीखववु स०क्रि० सिखाना;पढाना (२) [ला]पट्टी पढाना,कान भरना,उभाडना
शीखावु अ०क्रि० 'शीखवु'का कर्मणि
शीखवु स० क्रि० सीखना, पढना, ज्ञान प्राप्त करना
शीखे अ० ममत साथ
शीडवु स० क्रि० बद करना, पाटना पाटकर बद करना (छेद, दरार आदि) (२) कुछ चीज़ भीतर रख कर बद करना (लिफाफा) (३) (कर्ज़) अदा करना, चुकाना
शीतल वि० शीतल, ठडा सद
शीतला, शीतलासातम देखिये शीतळा' शीतळासातम
शीतळ वि० देखिये 'शीतल'
शीतळा स्त्री० शीतला, चेचक (रोग) (२) चेचक रोगकी अधिष्ठात्री देवी शीतला (३) वि० स्त्री० शीतला। [—काढवा, टांकवा = चेचकका टीका लगाना]
शीतळासातम स्त्री० श्रावण शुक्ला या भाद्रपद कृष्णा सप्तमी एक त्यौहार
शीपळो पु० थूहर, झाड-झखाड आदि उठाकर लानेका लकडीका एक साधन, काँटा [काहे [प]
शीद (०ने) अ० क्या, किस लिए,
शीदी पु० हब्शी जातिका आदमी हब्शी [सीधा
शीधुं न० भोजनकी कच्ची सामग्री,
शीमळ(—ळो) पु० एक पेड, सेमल
शीरीन वि० शीरी, मीठा
शीरु न० किसी आटेका शीरे जैसा घोल, घोला (२) जलेबी आदिका खमीरवाला घोल [देखिये 'शीरु'
शीरो (शी') पु० हलवा, हलुआ (२)
शील न० शील, स्वभाव (२) व्यवहार चाल चलन, शील (३) चरित्र, चारित्र्य शील (४) देखिये 'शियळ' (५) वि० स्वभाववाला, शील (समासमें), उदा० 'दानशील
शीशम न० सीसम (पेड)
शीशी स्त्री० शीशी बोतल। [—सुघाडवी = चोर फाडके लिए क्लारोफाम देना]
शीशो पु० बडी बोतल शीशा। [शीशामा उतारवु = धोखा देकर वशमें कर लेना शीशेमें उतारना]
शीळ न० देखिये 'शील'
शीळवत, शीळवतु, शीळवान वि० शीलवान, शीलवत नेकचलन
शीळवा पु० शीळस न० शीळी स्त्री० एक चमरोग, शीतपित्त, जुडपित्ती, पित्ती [सातम'
शीळीसातम स्त्री० देखिये 'शीतळा-
शीळु वि० शीतल, ठडा
शीळो पु० छाँह, छाया
शींकली स्त्री० देखिये 'शीकली'
शींकी स्त्री० दोना या पत्तलोकी बाँधी हुई गड्डी (२) देखिये 'शीकली'
शींकु न० देखिये 'शीकु [आदि
शींग (०डो, ०डु, —गोटी) देखिये शिंग'
शींगोडी (—डु) देखिये 'शिंगाडी', 'शिगोडु [सगुन
शुकन न० देखिये शकुन' (२) अच्छे
शुकनियाळ वि० सगुनवाला

शुकर पु० शुक्र, शुक्रिया, उपकार मानना (२) सौभाग्य, खुशकिस्मती (३) सफलता, फ़तह। [–गुजारवो, (–बो) = कृतज्ञता प्रकाश करना शुक्र बजा लाना, शुक्र अदा करना]

शुक्ल पु० देखिये 'शुक्ल'

शुकरवार पु० देखिये 'शुक्रवार (२) सलीका, ढग, शऊर (३) शान माल बरकत

शुकरवारी स्त्री० शुक्रवारको लगने वाला बाजार गुजरी हाट

शुक्र पु० शुक्र (ग्रह) (२) शुक्रवार (३) न० वीर्य, शुक्र

शुक्रवार पु० शुक्रवार, शुक्र (२) [ला] सलीका, शान बरकत, माल, शऊर। [–करवो = हित, कल्याण भलाई करना, कार्यसिद्धि करना, भाग्य फेरना। –थवो, वळवो = बरकत या शान आना, लाभ होना अच्छे दिन आना भाग्य पलटना]

शुक्ल वि० शुक्ल, श्वेत सफेद (२) पु० ब्राह्मणोंका पुरोहित (३) ब्राह्मणोंका एक अल्ल [पाख, सुदी

शुक्लपक्ष पु०, न० शुक्लपक्ष उजाला

शुद्ध वि० शुद्ध साफ, निर्मल (२) पवित्र शुद्ध (३) निर्दोष, शुद्ध (४) बिना मिलावटका, ख़ालिस असली शुद्ध (५) स्त्री० देखिये 'शुध'

शुद्धि स्त्री० शुद्धि, पवित्रता, स्वच्छता सफ़ाई (२) प्रायश्चित्त करके पवित्र शुद्ध होना, अत शुद्धि (३) धर्मांतर करनेवालेको सस्कार द्वारा अपने मूल धर्ममें लाना या उसका अपने आप आना, शुद्धि (४) चेत होश, सुध जागृति। [–आववी, उपर आववु = होश आना, होशमें आना। –करवी = धर्मांतर करनेवालेको सस्कार द्वारा पुन मूल धर्ममें लाना (२) पुन हिंदू धर्ममें लाना]

[बका)

शुद्धिपत्र(०क) न० शुद्धिपत्र (किता

शुमार पु० शुमार, अदाजा (२) शुमार, गिनती

शुमारे अ० शुमारसे, अदाजन लगभग

शुल्क न० शुल्क, स्त्रीधन (२) कन्याके मूल्यके रूपमें वरसे लिया जानेवाला द्रव्य शुल्क, कन्याशुल्क (३) मूल्य, कीमत (४) भाडा किराया (५) कर महसूल, शुल्क

शु स० क्या, प्रश्नवाचक सर्वनाम उदा० 'शु लाघु? शु लाया? (२) क्या बपरवाई या तुच्छकारसूचक प्रश्नवाचक सर्वनाम, उदा० ते मारु शु घोळवानो हतो? तारायी शु थाय तेम छे? (३) वि० कौनसा क्या प्रश्नवाचक सार्वनामिक विशेषण, उदा० ते शो पदार्थ छे? (४) क्या, आश्चर्यसूचक प्रश्नवाचक विशेषण उदा० 'शो रोफ!' (५) प्रश्नार्थसूचक विशेषण क्या, उदा० 'शो विचार छे?', 'शी वात छे?' (६) कितनेक प्रयोगोंमें 'कुछ या 'क्या' जैसा अर्थ सूचित करता है उदा० शुनु शु थई गयु!' (७) क्या-क्या उदा० शु मोटा, शु नाना (८) सा जैसा (नामके अतमें आता है) उदा० 'तोबराशु मो' (९) अ० प्रश्नसूचक शब्द, क्या, उदा० तमे आववाना छो शु?' (१०) –के साथ स, उदा० 'राम नामशु ताळी लागी'

शुड पु०, (–डा) स्त्री० सूड, सुड
शुडी पु० हाथी, हाथी
शुय वि० कुछ, क्या (अनिश्चितता सूचित करता है), उदा० 'शुय कहयु हशे ने शु समज्यो' [वक्ता
शूढमूढ वि० मूढ जडवत्, सुन्न, हक्का-
शुध स्त्री० होश, सुध-बुध, चेत। [–आववी = चेतनायुक्त होना, होशमें आना] [(२) वृद्धि, समझ
शुधबुध स्त्री० सुध-बुध, होश-हवास
शून(न,) स्त्री० शून्य, सुन्ना, सिफर। [–मूकवी = रद्द करना काटना]
शूनकार(न,) पु० निस्तब्धता, सन्नाटा, सुनसान, निर्जनता (२) (चित्तकी) शून्यता, शून्य अवस्था, चित्त सन्न हो जाना [बिलकुल मौन
शूनमून वि० सन्न, स्तब्ध, जडवत्,
शून्य वि० शून्य, खाली, रिक्त (२) असत, मिथ्या, झूठ (३) अचेत बेहोश, बसुध, सत्वहीन (४) रहित शून्य, उदा० 'ज्ञानशून्य' (५) न० शून्य, सिफर (६) अभाव शून्य। [–मूकवु = रद्द करना काटना]
शून्यहृदय वि० हृदयशून्य क्रूर, निष्ठुर, हृदयहीन (२) शून्यमनस्क, बेध्यान अन्यमना
शूर वि० शूर बहादुर वीर, पराक्रमी (२) पु० शूरवीर, शूर (३) जोश, आवेश। [–आववु, चडवु, छूटवु = शूरताके जोशमें आना, शौर्य सवार होना (२) जोश आना सनक सवार होना] [वीर व्यक्ति हिम्मती
शूरवीर वि० (२) पु० शूरवीर,
शूरातन न० शौर्य, पौरुष, पराक्रम
शूरु वि० शूर पराक्रमी
शूल न० एक शस्त्र जो भाला, बरछा जैसा होता है, शूल (२) सूली, शूली (३) त्रिशूल, शूल (४) कंटक, काँटा (५) एक वातप्रकोपजन्य वेदना, शूल
शूळ न० देखिये शूल(२) स्त्री० काँटा। [–ऊपडवु, फूटवु = काँटा चुभनेकी जैसी पीडाका होना, शूल उठना। –वागवी = शरीरमें काँटा चुभना]
शूळी स्त्री० सूली, शूली। [–आपवी, शूळीए चडाववु, –देवी = सूली पर चढाना]
शृंगारवु स० क्रि० सिंगारना, सजाना
शेक पु० सेंकनेकी क्रिया, सेंक
शेकवु स० क्रि० आग पर पकाना, कडा या लाल करना सेंकना (२) भूनना (३) शरीरके किसी अवयवको गरम करना, सेंकना (४) [ला] जलाना, सताना, कष्ट पहुँचाना
शेखच(–स)ल्ली पु० शेखचिल्ली, हवाई किले बाँधनेवाला व्यक्ति (२) आलसी और तरंगी आदमी
शेखाई, शेखी स्त्री० शेखी, घमंड
शेखीखोर वि० शेखीखोर, शेखीबाज
शेठ पु० सेठ साहूकार धनाढ्य महाजन (२) बनिया (३) (नौकरका) मालिक, आका, स्वामी (४) व्यापारी आदिका एक संबोधन (५) एक अल्ल
शेठाई स्त्री० सेठगीरी, सेठपन
शेठाणी स्त्री० सेठ या सेठकी स्त्री सेठानी
शेठियो पु० सेठ, साहूकार
शेड(ने) स्त्री० धारा, धार (२) [ला] धार जैसा नोकदार भाग, शंकु
शेडकढु(शे') वि० तुरतका दुहा हुआ, धारोष्ण (दूध)
शेडा पु० ब० व० रेंट, सेढ़ा [प]

शोषवुं स० क्रि० सोखना, जज्ब करना
शोषावुं अ० क्रि० 'शोषवुं'का कर्मणि, सूखना, जलहीन होना
शौच न० शौच, शुद्धि, पवित्रता, स्वच्छता (२) मल-त्याग द्वारा शरीर-शुद्धि-पाखाने जाना। [-जवुं = पाखाने जाना मल-त्यागके लिए जाना]
शौचकूप पु० संडास, पाखाना
श्मशान न० श्मशान, मसान, मरघट
श्मशानियो पु० मुरदेको कंधे पर उठा कर मसानमें ले जानेवाला, कंधा देनेवाला [तकलीफ़ श्रम
श्रम पु० श्रम थकान (२) मेहनत,
श्रमजीवी वि० शारीरिक परिश्रम कर जीविका चलानेवाला श्रमजीवी (बुद्धिजीवीका उलटा), मजदूर
श्रमण पु० बौद्ध या जैन संन्यासी
श्रववुं स० क्रि० श्रवण करना सुनना
श्राप पु० देखिये शाप
श्रावक वि० सुननेवाला श्रावक (२) पु० बौद्ध भिक्षु जैन संन्यासी, श्रावक
श्रावण पु० श्रावण सावन (मास)। [-भादरवो वहेवो = बहुत विलाप करना आठ-आठ आँसू रोना]
श्री पु० मंगल-सूचक शब्द जो किसी लिखावटके आरम्भमें प्रयुक्त होता है (२) श्रीमान् श्रीमती का संक्षेप (नामके पूर्व आदरार्थ जोड़ा जाता है) श्री (३) छ रागोंमें से एक राग श्री (४) स्त्री० लक्ष्मी, श्री (५) शोभा सौन्दर्य श्री (६) त्रिवर्ग—धर्म, अर्थ और काम तीन पुरुषार्थ श्री। [-गणेशाय नमः = श्री गणेशको नमस्कार (२) पु० ब० व० आरंभ, श्रीगणेश]
श्रीजी पु० (आदरार्थ ब० व०) प्रभु, विष्णु (२) स्वामीनारायण संप्रदायके प्रवर्तक श्री सहजानन्द स्वामी
श्रीफळ न० नारियल श्रीफल। [-आपवुं = छुट्टी दे देना, बरतरफ़ करना]
श्रीमंत वि० श्रीमंत धनी, लक्ष्मीवान (२) राजाओंके नामके पूर्व लगाया जानेवाला शब्द [भाव
श्रीमंताई स्त्री० श्रीमंत या धनी होनेका
श्रुतलेखन न० सुनकर लिखना, बोलकर लिखाना इमला डिक्टेशन
श्वसन न० श्वसन साँस लेना (२) पवन वायु श्वसन
श्वसवुं स० क्रि० साँस लेना जीना
श्वसित वि० श्वास द्वारा लिया हुआ या छोड़ा हुआ श्वसित (२) हाँफा हुआ (३) न० श्वास, श्वसित
श्वास पु० श्वास साँस, श्वसित (२) दम हाँफ श्वास (३) वर्णका एक बाह्य प्रयत्न [श्या] [-ऊपडवो = वेगपूर्वक श्वासोच्छ्वास चलना साँस उखड़ना, साँस चढ़ना, हाँफना (२) आसन्नमरण होना साँस ऊपरको चढ़ना। -खावो = दम मारना साँस लेना, सुस्ताना। -घूंटवो = साँस रोकना, दम साधना साँस चढ़ाना। -घेरावो = दम घुटना, साँस ऊपरको चढ़ना (२) दिल लगना विश्वास संपादित होना। -चडवो = साँस चढ़ना, साँस फूलना (२) दमेका हमला होना। -बहार काढतां लगी = आखिरी दम तक मरते दम तक। -मूकवो = आराम करना, दम मारना (२) मर जाना

दम फ़ना होना। –लेवो = साँस लेना (२) विश्राम करना; सुस्ताना; दम लेना]

श्वासनळी स्त्री० वह नाली जिसके द्वारा साँस फेफडामें जाती है, श्वास-प्रणाली [च्छ्वास

श्वासोच्छवास, श्वासोश्वास पु० श्वासो-

स

स पु० ऊष्मवर्गका तीसरा वर्ण (२) यह नामके आरम्भमें आकर 'सह, सहित, साथ या कहीं-कहीं 'समान' आदि अर्थ बताता है, उदा० सकुटुंब, सपिंड सजाति, सगोत्र'

स एक पूर्वग, यह शब्दके आरम्भमें आकर 'सु, अच्छा' आदि अर्थ बताता है, उदा० सजात सपूत'

सई पु० दर्जी, दरजी

सईस पु० साईस

सकटम वि० देखिये 'साकटम', सपरिवार

सकडवु स० क्रि० जकड़ना कसकर बाँधना, कसना

सकरकंद न० सकरकंदी शकरकंद

सकरटेटी स्त्री० देखिये शकरटेटी

सकरपारो पु० देखिये 'शकरपारा

सकर्मक वि० सकर्मक (क्रिया) [या]

सकर्मी वि० भाग्यशाली नसीबदार

सकल(–ळ) वि० सकल सब समस्त

सकंचो(–जो) पु० शिकजा (यंत्रणा देनेका यंत्र) (२) कसकर पकड़ने दबानेका यंत्र शिकजा (३) [ला] पकड़ काबू शिकजा

सकाम वि० कामनायुक्त सकाम (२) फलाकांक्षासे काम करनेवाला सकाम फलासक्त (३) स्वार्थी, खुदगरज

सकार पु० ढंग, सलीका (२) स्वाद, जायका (३) (किसी पदार्थका) सार सत, सत्त्व (४) 'स' अक्षर या उसकी ध्वनि, सकार। [–आववो = अच्छा बनना, कोई चीज़ रसोत्पादक बन ऐसा करना, जमना]

सकारो पु० वह लकड़ी या पट्टी जो तानेके तारोंको व्यवस्थित रखनेके लिए सूतमें डाली जाती है, सुतारा

सकुटुंब वि० सपरिवार सकुल

सक्कई वि० टकसाली, प्रमाणभूत, बढ़िया किस्मका खरा जो बनावटी न हो (२) सुन्दर मज़ेदार

सक्करखोर पु० देखिये 'शकरखोर'

सक्करटेटी स्त्री० देखिये शकरटेटी'

सक्करपारो पु० देखिये 'शकरपारो

सक्कस वि० अच्छी तरह कसा हुआ, खूब खींचा हुआ, जकड़बंद (२) सख्त मजबूत

सक्काई वि० देखिये 'सक्कई'

सक्कादार वि० देखिये शक्कादार'

सक्को पु० देखिये 'सिक्का' (२) लेन-देन संबंधी इतबार या प्रतिष्ठा, साख, छाप असर, प्रभाव (३) रोब, दबदबा, सिक्का (जमना) (४) शक्ल-सूरत, चेहरा (५) खेलनेकी पत्थरकी गोटी गोली

सल स्त्री०, न० चैन, सुख, आराम, करार। [-पडवु = शाति या चैन होना करार पाना। -वळवुं = चैन, करार पाना, शाति मिलना]
सलणु वि० नरम स्वभावका, सीधा, सरल (२) जो शरीर, नटखट उपद्रवी न हो जो चुलबुला न हो अचचल
सखत वि० सख्त, सखत, कडा (२) दृढ मजबूत, सख्त (३) निर्दय, कठोरहृदय, कडा सख्त (४) धक्का डालनेवाला घोर, कडा, कठिन (५) हदसे ज्यादा भारी, गजबका उदा० सखत भीड (६) तेज, तीखा उग्र, सख्त (७) जोरदार आग्रहयुक्त उदा० 'सखत भलामण' (८) मुश्किल, भारी। [-सजा = कद-सख्त, कडी कद। -हाथें = कडाईके साथ सख्तीसे]
सखतळी स्त्री० सुखतला, पाताबा
सखताई, सखती स्त्री० सख्ती, कडापन (२) जुल्म कठोर व्यवहार सख्ती (३) प्रतिबध, रोक। [-गुजारवी, वापरवी = कडाई करना सख्ती करना]
[हो गया हो, शिथिल
सखळडखळ वि० ढीला-ढाला, जो ढीला
सखावत स्त्री० सखावत, दान (२) उदारता, सखावत
सखावती वि० सखी दानी, उदार (२) सखावतका खराती
सखी वि० सखी, दानशील, उदार। [-नो लाल = बहुत उदार स्वभावका आदमी दरियादिल आदमी]
सखी स्त्री० सखी, सहेली
सखुन पु० देखिये 'सुखन' [आदि
सख्त (-ताई,-ती) देखिये सखत'
सग स्त्री० (दीयेकी) लौ, दीपशिखा
सगड पु०, स्त्री० समाचार, खबर टोह(२)चोरका पदचिह्न (३) पीछा
सगडग वि० अस्थिर डाँवाडोल डगमग
सगडगो पु० अस्थिरता, अनिश्चितता (२) सदेह, अनिश्चय
सगडी स्त्री० देखिये 'सगडी'
सगण पु० पीछा [सगाई मँगनी
सगपण न० सगापन, खूनका नाता (२)
सगराम पु०, न० देखिये 'सिगराम'
सगवड स्त्री० व्यवस्था सुपास सुभीता अनुकूलता। [-जोवी = किसी चीजका इतजाम होगा या नहा यह सोचना। -पडतु = अनुकूलताके अनुसार जो रास आये या अनुकूल हो मुआफिक]
सगवडियु वि० जो रास आये मनो नुकूल, जसा चाहिये वसा
सगवाड, सगाई स्त्री० देखिये 'सगपण'
सगासाई न० ब० व० सगे-सम्बधी, रिश्तेदार
सगीर वि० सगीर नाबालिग
सगु वि० एक ही खूनका जिससे विवाह आदिके कारण सबध हो सगा निकट सबधी(२)न० सबधी रिश्तेदार सगा
सगुवहालु वि० सगा सबधी रिश्तेदार
सगुसबधी न० सगे-सबधी
सघळ वि० सकल सब, सारा
सचराचर वि० जिसमें स्थावर-जगम सभी हो सचराचर(२)अ० सब जगह सर्वत्र [(२) अ० चिंताके साथ
सचिंत वि० चिंतायुक्त सचिंत चिंतित
सचोट वि० अचूक, जो चोट पहुँचा सक खाली न जानेवाला, शर्तिया, पुर-असर (२) अ० चूक न जाय इस तरह प्रभावपूर्वक अचूक

सच्चाई स्त्री० सचाई, सच्चापन (२) ईमानदारी, सच्चाई
सच्चु वि० सच्चा, ईमानदार, खरा
सजड वि० कसा हुआ, जकडबद, सख्त, दढ,मजबूत (२) कठिन मुश्किल, भारी, सख्त (३) सख्त चिपका, सटा या जुडा हुआ (४) अकडा हुआ, जकडा हुआ। [–थई जवु = मर जाना, टन हो जाना (२) हक्का-बक्का हो जाना, स्तब्ध सन्न रह जाना, सन्नाटेमें आना, जडवत हो जाना । –धाप = बडी भारी चोरी। –लेवु = खूब धमकाना, फटकारना]
सजनी स्त्री० सजनी, सहेली (२) प्रिया
सजवु स० क्रि० धारण करना, सजना (२) अलकृत करना, सजाना, सँवारना (३) युद्धादिके लिए तैयार करना, सजाना [अश्रुपूर्ण सजल
सजळ वि० जल्युक्त, सजल (२)
सजा स्त्री० सजा; जुर्माना; अपराधका दड
सजात वि० सुजात, सुजन्मा कुलीन
सजाति, सजातीय वि० सजातीय, सजाति
सजायो पु० उस्तुरा क्षुर
सजावट स्त्री० सजना सजावट, सजनेका तर्ज पद्धति आदि, अलकरण
सजावार वि० सजा पानेका अधिकारी सजायाब
सजीव वि० सजीव, जीवित, जिन्दा
सजीवन वि० सजीव, ज़िदा। [– औषधि = हमेशा बढ़नेवाला और काटने पर भी सजीव रहनेवाला वृक्ष। –पाणी = सदा बहनेवाला पानी अखूट पानी]
सजीवु वि० देखिये 'सजीव'
सजोडे अ० पति या पत्नीके साथ
सज्ज वि० सज्ज, तैयार, लैस
सज्जड वि० देखिये 'सजड'
सज्जा स्त्री० सज्जा, शय्या (२) शय्या-दान [(२) पोशाक सज्जा
सज्जा स्त्री० कवच, बख्तर, सज्जा
सट पु० समान चीज़ोका समूह सेट
सट (०क) अ० सट-सट जल्द। [–दईने, लईने = फौरन, तुरत सट-सट]
सटकवु अ० क्रि० छटकना, पलायन करना, भाग जाना (२) धीरेसे खिसक जाना, सटकना
सटकाववु स० क्रि० छडी आदिसे मारना, सटकाना (२) 'सटकवु'का प्रेरणार्थक
सटरपटर वि० अव्यवस्थित तितर-बितर (२) इधर-उधर, तितर बितर जहाँ-तहाँ (३) फुटकल, सटर-पटर (४) अ० बेतरतीब, अव्यवस्थित रूपमें
सटरपटरियु वि० सटर-पटर अव्यवस्थित
सटवु अ० क्रि० देखिये 'सटकवु'
सटाक अ० 'सट-सट' आवाज करते हुए, सट-सट सडाकसे (२) फौरन, जल्द, सट-सट (३) स्त्री० सटाकी (४) सटाकीकी आवाज, सटाक सडाक। [–दईने, लईने = त्वरासे, जल्द, सट-सट (२) सट-सट' आवाज करते हुए, सट-सट] [फुर्तीसे
सटाकाबध अ० तुरत, शीघ्रतासे
सटाको पु० कोडेकी आवाज, सटाक, सडाक (२) कोडा, सटाकी
सटोडियो पु० सटोरिया, सट्टेबाज
सटोसट अ० लगातार; सडासड; बिना रुके
सट्टाखोर वि० चीजोका सट्टा-सौदा करनेका आदी, सट्टेबाज

सट्टाखोरी स्त्री० चीजोंका सट्टा–सौदा करनेकी लत

सट्टो पु० सट्टेबाजका सौदा, सट्टा

सड वि० संज्ञाहीन, जड, ठस (२) चकित, विस्मित, भौचक्का (३) अ० त्वरासे, सडासड

सडक वि० (२) अ० चकित, भौचक्का (३) सडासड तेजीसे। [–थई जवुं = हैरान रह जाना, भौचक्का, चकित होना]

सडक स्त्री० सडक

सडको पु० देखिये 'सबडको'

सडवु अ० क्रि० सडना, गलना (२) [ला] भ्रष्ट होना, सडना

सडसठ (ठ) वि० सडसठ, ६७

सडसडाट पु० खौलनेकी आवाज सनसनाहट, 'सड-सड' आवाज (२) अ० फर्राटेसे, तेजीसे, सडासड

सडाक अ० शीघ्रतासे सडाकसे, सट सट

सडाको पु० चाबुककी आवाज, सडाक, सटाक (२) बीडी या चिलमका कश, दम (३) चभड चभड। [–ताणवो, मारवो, लेवो = चिलम आदिका कश खींचना]

सडासड अ० सडासड तेजीसे लगातार

सडियानां पान (डिं) न० ब० व० अरवीके पत्ते

सडियानी गांठ (डिं) स्त्री० अरवी

सडियो (डिं) पु० अरवी, घुइयाँ (२) उसका पत्ता या डंठी

सडेडाट अ० वेगपूर्वक, तेजीसे, सड सड आवाज करते हुए बिना विघ्न बाधाके निर्विघ्न

सडो पु० सडन बिगाड (२) भ्रष्टाचार, खराबी बिगाड [ला]

सढ पु० पाल, बादबान

सणको पु० वह दर्द जिसमें काँटासा चुभता हो, शूल (२) [ला] मनकी तरंग, धुन। [सणका आववा, नाखवा, मारवा = शूल उठना]

सणगावु अ० क्रि० देखिये 'शणगावु'

सणगो पुं० देखिये 'शणगो'

सणसणवु अ० क्रि० 'सन-सन' शब्द उत्पन्न होना, सनसनाना

सणसणाट पु० सनसनाहट

सणसार(–रो) पु० देखिये 'अणसार' (२) घोडे, बैल आदिको वेगसे हाँकना; टिटकारना सटकारना (३) लगाम आदिको जरा झकझोरना झटका देना

सत वि० सत्य, सच्चा (२) भला नेक सत् (३) जिसका अस्तित्व हो, जीवित (४) यथार्थ, सत् सत्य (५) न० अस्तित्व, सत्ता सत्त्व (६) सत्य, सत, सच्चाई (७) सार, सत्त्व, सत (८) सतीत्वका बल। [–आववुं चडवुं = सच्चाईका जोश उमडना (२) सतीत्वकी शक्तिका प्रादुर्भाव होना, प्रकट होना पतिकी मौत पर मरनेको तयार होना, सत पर चढ़ना। –बताववुं = अपने सत्यका परचा–परिचय देना]

सतजुग पु० सतजुग सत्ययुग

सतत वि० अविच्छिन्न, जो लगातार हो, सतत (२) अ० हमेशा, सतत

सतपत स्त्री०, **सतपताट** पु० चंचलता, वह भाव जिसमें स्थिर न रहा जाय, चुलबुलापन [चुलबुला, चपल

सतपतियु वि० जो स्थिर न रह सके,

सतम पु० स्त्री० जुल्म, सितम

सतसाई स्त्री० सतसई

सतामणी स्त्री० सताना, हैरानी

सतार पु०, स्त्री० सितार

सतारो पु० देखिये 'सितारो'। [–चडतो होवो = सितारा बुलद होना, सौभाग्य-काल होना, अच्छे दिन होना। –पांशरो होवो = भाग्यका अनुकूल होना, नसीब लडना]

सतावणी स्त्री० देखिये 'सतामणी'

सतावव् स०क्रि० सताना, परेशान करना

सताव् अ० क्रि० समाना, अँटना

सताश पु० समाई, निर्वाह, समाना

सतिय् वि० सत्यवादी, सच्चा

सत् वि० सच्चा, सन्मार्गगामी (२) सतवाला, सत्त्ववान (३) जिंदा, जीवित (४) चलता हुआ, वर्तमान

सतेज वि० (अधिक) प्रकाशयुक्त या सुलगता हुआ (२) उत्साहयुक्त, सत्त्व-शील उत्साही (३) सजग होशियार सावधान

सत्कारव् स० क्रि० स्वागत-सत्कार करना, सतकारना [प]

सत्कारसमिति स्त्री० स्वागत समिति

सत्तर वि० सत्रह मत्तरह १७। [–आना ने बे पाई = चाहिये उससे भी बढिया सर्वोत्तम। –जगाए = अनेक स्थानो पर। –जण = बहुत मनुष्य सौ-पचास आदमी। –वखत, वार = बहुत दफा बार-बार (२) अवश्य, जरूर]

सत्ता स्त्री० मालिकी, स्वामित्व (२) सत्ता, अधिकार, प्रभुत्व (३) अमल हुकूमत, शासन (४) बल, ज़ोर (५) अस्तित्व सत्ता। [–आववी = प्रभुत्व प्राप्त होना हुकूमत मिलना (२) कूवत प्राप्त होना बीमारीसे उठनेके बाद शक्ति प्राप्त होना। –चालवी = हुकूमत चलना रोब जमना धाक जमना। –मां आवव् = सत्ताधारी बनना, शासन-सूत्र हाथमें होना]

सत्ताधारी वि० सत्ताधारी

सत्ताधिकारी, सत्ताधीश वि० जिसके पास सत्ता और अधिकार हो (२) पु० अधिकारी, अफसर

सत्तावान वि० सत्ताधारी

सत्तावार वि० प्रमाणित विश्वसनीय, प्रमाणभूत

सत्तावाही वि० सत्तावाला, अधिकार-युक्त जो सत्ताका प्रभाव जमाये

सत्ताणु(–णुं) वि० सत्तानबे, सत्तानवे, ९७

सत्तावन वि० सत्तावन, ५७

सत्तावीस वि० सत्ताइस, २७

सत्तु पु० सत्तू, सतुआ

सत्तो पु० सात बूटियोवाला ताशका पत्ता या पासा, सत्ता

सत्य वि० सत्य, यथार्थ, सच, खरा (२) न० सत्य, यथार्थता, सच्ची बात

सत्याग्रह पु० सत्य-पालनका आग्रह, सत्याग्रह (२) उसके द्वारा लडा जाने-वाला अहिंसक युद्ध (३) उसके निमित्त की गई सविनय अवज्ञा

सत्याग्रही वि० सत्याग्रह-संबंधी (२) सत्याग्रह करनेवाला, सत्याग्रही (३) पु० सत्याग्रहका सहारा लेनेवाला 'सत्याग्रही'

सत्यानाश न० सत्यानास सवनाश बर वादी। [–जव्, वळव् = निर्वंश रहना (२) तहस-नहस होना। –नी पाटी = पूरी पामाली, मल्यामेट होना]

सत्याशी(–सी) वि० सतासी सत्तासी ८७

सथरप(–व)थर वि० अव्यवस्थित तितर बितर, बिखरा हुआ

सथवारो पु० साथ संग (२) क़ाफिला (३) राजकी एक जातिका आदमी

सदडु वि० गाढ़ा, जो अधिक पतला न हो
सदर वि० मुख्य प्रधान, श्रेष्ठ सदर सर्वोच्च (२) पहले बताया हुआ, पूर्वोक्त (३) सब, कुल (सत्ता, परवानगी) (४) न० प्रधान अधिकारीके रहनेका स्थान, उच्चाधिकारीकी कचहरी सदर सदरमुकाम (५) पु० सभापति सदर
सदरपरवानगी स्त्री० सर्वाधिकार चाहे सो करनेका कुल इख्तियार
सदरहु वि० पहले बताया हुआ पूर्वोक्त
सदरो पु० सदरी फतूही
सदवु अ० क्रि० रास आना' अनुकूल' होना
सदतर अ० हमेशाके लिए सदाके लिए (२) पूर्णत सर्वथा बिलकुल
सदा (०काळ) अ० सदा, हमेशा
सदी स्त्री० सदी शताब्दी (२) सौ, सैंकडा सदी
सदेहे अ० सदेह शरीरके साथ
सधवा वि० स्त्री० (२) स्त्री० सधवा
सधावु अ० क्रि० साधवु' का कमणि, सधना साधा जाना
सध्धर वि० शक्तिशाली सशक्त मजबूत मोटा (२) धनी। [—आसामी = मालदार व्यक्ति मोटा असामी धनी (२) रुपये पसेके मामलेमें सच्चा ईमानदार आदमी खरा असामी]
सन स्त्री० सन सवत् सन् (सन् ईसवी सन् हिजरी)
सनद स्त्री० सनद, परवाना
सनदी वि० सनदी, सनदयाफ्ता
सननन अ० तीर या बदूककी गोली छूटते समय होनेवाली आवाज सनसन
सनसनाटी स्त्री० सनसनी, सन्नाटा खलबली। [—फेलाई जवी = सन्नाटा छाना]
सनद, सनदी देखिये 'सनद' आदि
सनान न० सगे-सबधियाकी मौत पर किया जानेवाला स्नान, मृतस्नान। [—ना समाचार = अशुभ समाचार (२) आफ्त, कमबख्ती। —लागवु = किसीकी मृत्युके कारण स्नान करना पडना (२) किसी व्यक्तिकी मौत पर मृत्युस्नानका सबध होना]
सनानसूतक न० स्नान-सूतक (२) लेन-देन सरोकार लगाव [ला]। [—आववु होवु = मृत्यु-स्नान या सूतक लगे ऐसा सबध होना सरोकार सबध होना]
सने अ० सनके अनुसार, सन्‌में
सनेपात, सन्निपात पु० सन्निपात त्रिदोष
सन्मानवु स० क्रि० सम्मान करना सनमानना [प] [थक फँसाना
सपटाववु स० क्रि० सपटावु का प्रेरणा
सपटावु अ० क्रि० फसना उलझना पकडमें आना जकडा जाना
सपडाववु स० क्रि० सपडावु का प्रेरणाथक, फदेमें लाना फँसाना
सपडावु अ० क्रि० फदेमें पडना फसना पकडा जाना
सपनु न० देखिये स्वप्न
सपरमु वि० शुभ पववाला, मागलिक, शुभ (दिन) [तवाह नेस्तनाबूद
सपाट वि० सपाट हमवार (२) चौपट
सपाट स्त्री० चपाट, सलीपर (जूता)
सपाटाबध अ० तुरत, सपाटेसे
सपाटी स्त्री० किसी भी चीजका बिलकुल ऊपरका सपाट भाग सतह
सपाटो पु० सपाटा, तेजी, त्वरा (२) तमाचा (३) चाबुकका प्रहार (४) गप, गपोडा। [सपाटामां आववु =

हत्ये चढ़ना, हाथ आना, पकड़में आना। -करवो, मारवो, लगाववो = कोई काम रगड डालना, जोर मारना। -काढी नाखवो = पीटना, धमकाना, सबक़ सिखाना]
सपाड़ न०आभार,एहसान(२)वसीला, सिफारिश।[-चडवु=एहसान होना। -लागवु = एहसानमंद होनेकी भावना होना] [मुनासिब ढगसे
सपारे अ० ठीक, उचित रीतिसे,
सपूचु वि० समूचा, पूरा, तमाम
सपूत पु० सपूत, कुलका नाम बढाने-वाला (२) अच्छा पुत्र, सपूत
सपूरत स्त्री० सिपुदगी, सौंपना
सपेर(पॅ)अ० ठीक, उचित रीतिसे
सप्टेंबर पु० सितबर
सप्पट वि० चुस्त तग, चिमटा हुआ
सफर पु० सफर (हिजरी सनका दूसरा महीना) (२)स्त्री०प्रवास,सफर(३) जहाजका सफर समुद्रयात्रा
सफरजन न० एक फल सेब, सेव
सफरी वि० सफ़रका सफरी (२) उडाऊ खर्चीला (३) पु० मुसाफिर सफरी (४) खलासी, नाविक
सफल(-ळ) वि० सफल फलयुक्त, फलवाला (२) कामयाब कृतकार्य, सफल साथक
सफा वि० सफा साफ स्वच्छ (२) समाप्त,पूरा, जिसमें कुछ बाकी न हो
सफाई स्त्री० सफाई स्वच्छता (२) निष्कपटता सरलता सफाई(३)[ल्ग] शेखी, डीग(४)सुघरापन टीप-टाप ठाट-बाट। [-मारवी, हांकवी = शेखी बघारना डींग मारना। -मांधी हाथ न काढवो = अपने मुह मियाँ मिट्ठू बनना (२) अपनी निर्दोषता या सफ़ाई पेश किये जाना]
सफाईदार वि० साफ, स्वच्छ, सुथरा
सफाचट अ० सफ़ाचट, बिलकुल साफ
सफाळु वि० (अप्रत्याशित घटना आदिके कारण)घबराया हुआ, हक्का-बक्का, भौचक्का (२) बिना सोचा हुआ, अनचीता
सफील वि० साथ-साथ लगा हुआ, आया हुआ (घर, जायदाद आदि) (२) स्त्री० रक्षणके लिए बनायी हुई रचना फसील, परकोटा
सफुं न० सफहा, पृष्ठ
सफेदी स्त्री० सफेद बुकनी, चूर्ण (२) श्वेतता, सफेदी (३) चूनेकी पुताई, सफेदी (४) अडेका सफेद मग्ज़, अडेकी सफेदी
सफेदो पु० सफेद चूर्ण (२) सफेदा (रग)
सफो पु० सफहा, पृष्ठ
सबक पु० न० सबक, सीख
सबजी स्त्री० भग सब्जी (२) साग-पात सब्जी, हरी तरकारी
सबजो पु० मरुआ (पौधा), मरवा
सबडको पु० तरल वस्तु खाते समय निकलनेवाली आवाज, चमड चमड
सबडवु अ० क्रि० बासी पडा रहनेसे बिगड जाना,उतर जाना (२) निठल्ला होकर बठा रहना बेकार घूमना, सडना बुरी हालतमें रहना [ला]
सबघु वि० सुगठित मजबूत सक्षम समर्थ
सबब पु० सबब, कारण, हेतु (२) अ० क्योकि, कारण यह कि, सबब
सबमरीन स्त्री० सबमेरीन
सबर स्त्री० (२) अ० देखिये 'सबूर'
सबरस न० नमक सब रस

सबल(–ळ,–ळु) वि० सबल, बलवान मजबूत (२) खूब, अतिशय

सबीज वि० सबीज बीजवाला बीजयुक्त (२) सविकल्प (समाधिका एक प्रकार)

सबूर स्त्री० सब्र, धीरज, सहन नक्ति, सबर (२) अ० ठहरो, रुक जाओ' इस मतलबका उद्‌गार

सबूराई, सबूरी स्त्री० सब्र, धय। [–पकडवी, राखवी = सब्र करना, धीरज धरना]

सबोसब अ० तेजीसे, चटपट

सभर वि० पूरी तरह भरा हुआ भरपूर। [–भरवु, सभरे भरवु = पूरी तरह भरना]

सभा स्त्री० सभा परिषद् मजलिस (२) सभा समिति समाज मडली। [–भरवी = सभा करना सभा होना। –मळवी = जल्सा होना सभा होना]

सभाक्षोभ पु० सभामें खडे होकर बोलनेमें सकोच

सभागी वि० हिस्सेदार, सभाग

सभासद पु० सभासद सदस्य मेम्बर'

सभ्य वि० सभ्य शिष्ट, भद्र, सम्मानित सभावित (२) पु० सभासद सभ्य

सम पु० ब० व० सौगध कसम। [–आपवा, खवडाववा, घालवा, देवा = सौगध दिलाना। –खावा, लेवा = कसम खाना, शपथ लेना]

सम वि० सम, एकसा, सदृश समान (२) तालका आरभ-स्थान, सम (सगीतमें) (३) सगीतका एक अलकार, सम

समचरी स्त्री० प्रतिवष आनेवाली मृत्युतिथि, श्राद्धदिन (२) उस दिन की जानेवाली क्रिया, श्राद्धकम

समचोरस वि० (२) पु० जात्य सम चतुभुज, मुरब्बा, वग

समछरी स्त्री० देखिये 'समचरी

समज(०ण) स्त्री० समझ अक्ल बुद्धि मान होश सयानापन (२) आपसमें किया हुआ समझौता, करार, आपसी समझ। [–ना घरमां आववु = होश सँभालना, वयस्क होना, तमीज, व्यवहार सीखना। –पडवी = समझा जाना, जान पडना मालूम होना]

समजणु वि० समझदार, सयाना

समजदार वि० समझदार, बुद्धिमान

समजवु स० क्रि० समझना जानना (२) अथ ग्रहण करना अथ समयना (३) खरे-खोटेकी तुलना करना, बिचारना समझना (४) अ० क्रि० आग्रह छोडना, मान जाना। [समजी लेवु = समझौता करना, समझ लेना]

समजावट स्त्री० समझाना

समजाववु स० क्रि० समझाना (२) रूठे हुएको प्रसन्न करना ठडा करना मनाना समझाना (३) मीठी बातोंसे बहलाना फुसलाना, भुलावा देना, छलना

समजु वि० समझदार, सयाना

समजूत(–ती) स्त्री० समझ जाना मानना समझौता स्वीकार, कबूल करना (२) समझाना, दोनो पक्षोंमें मेल कराना समझौता (३) सीख, सलाह (४) किसी बातको सुगम करके समझाना, स्पष्टीकरण विवरण, खुलासा विवेचन। [–उपर आववु = समझौता करना]

समडी स्त्री० चील

समडो स्त्री० शमी वृक्ष

समडो पु० एक पेड, शमी
समणी स्त्री० बारीक चीजें पकडने, उठाने या तार मोडनेका नाजुक चिमटा, चिमटी
समणु न० सपना, स्वप्न। [–आववु = स्वप्न आना सपना पडना (२) तीव्र इच्छा होना, ललचना, उदा० 'तने तो पैसाना ज समणा आवे छे' (३) मनमें यकायक कोई खयाल उठना, धुन सवार होना]
समतल वि० समतल, हमवार (२) न० समतल समान सतह (३) समतल क्षेत्र 'प्लेन' [ग]
समतोल वि० बराबर वजनका सम तोल (२) समान, बराबर, एकसा (३) पु० न० समान वजन। [–ऊतरवुं = बराबर, समान उतरना]
समतोलता स्त्री०, (–न, –पणु) न० समतोल होना या बनना, समतुला, सन्तुलन [स्थल समतल
समथळ वि० समान सतहवाला, सम
समधारण वि० जो ऊँचा या नीचा न हो, समान (२) मध्यम प्रकारका, औसत दरजेका न घटिया न बढिया, सामान्य [समानता, 'मोडरेशन'
समधोरण न० प्रमाण माप आदिमें
समन्स पु० समन, सम्मन
समबाजु (–जू) वि० समान भुजाओ-वाला, समभुज (क्षेत्र) [ग]
समभाव पु० समताकी बुद्धि या भाव सममाव (२) आत्मीयमाव अपनापन
समभावी वि० सममावयुक्त
समभुज (–जीय) वि० देखिये 'समबाजु'
सममिति स्त्री० औसत सममिति [ग]
समय पु० समय, काल, वक्त (२) मौसम (३) मौका, अवसर, उपयुक्त काल, समय, सजोग (४) प्रतिज्ञा, नियम, समय (५) सकेत, शत, वादा, समय (६) सिद्धान्त, समय (७) पाठशालामें शिक्षणके लिए नियत किया हुआ समयका एक भाग, तास, 'पीरियड'। [–ओळखवो, जोवो, वतवो = अनुकूल अवसर है या नही यह देखना, अवसर ताकना, मौका ढूँढना। –थवो = (कोई काम करनेका) समय होना। –भराई जवो = समय पूरा होना मीआद गुजरना (२) अवकाश या फुरसत न रहना (३) वक्त आ जाना, मौतकी घडी आ जाना] [टाइमटेबुल
समयपत्रक न० समयसूची, समयसारणी,
समयसूचक वि० समयोचित कार्य करनेकी बुद्धिवाला, प्रत्युत्पन्नमति
समयसूचकता स्त्री० समयोचित कार्य करनेकी बुद्धि, प्रत्युत्पन्नमतिका भाव
समरण न० स्मरण, सुमिरन
समरवु स० क्रि० स्मरण करना, सुमरना [प]
समरावबु स० क्रि० 'समारवु' का प्रेरणाथक, मरम्मत कराना
समर्पवु स० क्रि० सर्मापित करना, सौंपना, समपना [प]
समशान न० स्मशान मसान
समसम अ० हवाकी जोरकी आवाज, सन-सन
समसमवु अ० क्रि० 'सन-सन' आवाज होना, सनसनाना (२) मन ही मन दुःख करना मसोसना
समस्या स्त्री० समस्या, जटिल प्रश्न, मसला (२) इशारा, सकेत, सैन (३

कहावत पहेली, समस्या मसल। [–पूरवी = समस्यापूर्ति करना]
समळी स्त्री० चील [शमी वृक्ष
समळी, समळो देखिये समडी, समडो',
समा स्त्री० ज्वारके अत और भाटेके आरभके बीचकी स्थिति जिसमें पानी बारह मिनट रुक्ता है
समाचार पु० समाचार खबर
समाचारपत्र न० समाचारपत्र, अखबार
समाज पु० समाज समूह, समुदाय (२) सभा समिति, समाज (३) समान धम या आचारवाला जनसमूह समाज (४) किसी खास उद्देश्यकी पूर्तिके लिए सघटित जनसमुदाय समाज [नियम आदि
समाजकारण न० समाजतत्रकी रचना,
समाजिक पु० समाजका सदस्य, सामाजिक (२) प्रेक्षक, सामाजिक
समाजी वि० समाजका सामाजिक, समाज-सबधी (२) जो किसी समाजमें शामिल हुआ हो (३) पु० ऐसा पुरुष, सामाजिक (सदस्य)
समाणी स्त्री० देखिये 'समणी
समाणु वि० समान एकसा, सरीखा (२) –को लागू होनेवाला (गाली) (३) अ० –के साथ सहित
समाणो पु० बडी चिमटी
समाधान न० समाधान, सदेह निवारण और शाति (२) सतोष तृप्ति (३) ध्यान, समाधि समाधान इन्द्रिय-निरोध (४) निवटारा होना, फ़सला होना, निवटाना, सुल्झाना, हल करना (५) समझौता, राजीनामा। [–उपर आववुं = समझौता करना, समझ लेना]
समाधानी स्त्री० समाधान, निबेडा, फसला (२) चित्तकी शाति, कल, चन (३) लडाई-झगडेका अभाव सुल्ह और शान्ति
समाधि पु० स्त्री० मनको ब्रह्म पर केन्द्रित करना, समाधि, योगका अतिम अग (२) साधु-सन्यासीका मरण (३) समाधिस्थल पर बनाया हुआ मकान आदि, समाधि। [–चडवी, थवी, –मा बेसवु, लागवी = समाधि लगना, परमात्म चितनमें तद्रूप होना समाधिस्थ होना। –चडाववी = समाधि लगाना। –लेवी = मर जाना (साधु-सतों या योगीका)]
समापवु स०क्रि० पूण समाप्त करना
समार पु० मरम्मत दुरुस्ती
समार पु० जोती हुई जमीन बराबर करनेका पटरा हेंगा, पटेला मेडा
समारकाम न० मरम्मत करना
समारवु स०क्रि० बनाना दुरुस्त करना, सुधारना (२) काटना (तरकारी) (३) सवारना, बनाना (बाल)
समारभ पु० ठाट-बाटके साथ किया हुआ आरम समारभ (२) धूमधाम युक्त उत्सव, जल्सा आदि, समारोह
समालवु स०क्रि० सभालना, रक्षा करना
समाव पु० समाई समाना
समावडाववुं स० क्रि० 'समाववु' का प्रेरणायक [समाना
समाववुं स०क्रि० समावु का प्रेरणायक
समावु अ० क्रि० समाना, भीतर आ जाना, अँटना (२) समाविष्ट हो जाना किसीको अनुकूल होकर स्थान प्राप्त करना किसी सस्था या तत्रमें समा जाना, बठना। [समाई जवु = भीतर

दाखिल होकर हिल मिल जाना, लुप्त, विलीन या ग़ायब हो जाना]
समावेश पु० समावेश, समाना
समास पु० समाई, समाना समावेश (२)समास[व्या](३)संक्षिप्त करना समास, छोटा रूप।[—थवो = समावेश होना किसी तंत्र या संस्थामें घुल मिल जाना] [हुआ;समाना तर पेरेलल
समांतर वि० समान अंतर पर आया
समीकरण न० समीकरण समान, बराबर करना (२) समीकरण, 'इक्वेशन' [ग] [संध्या
समीसंध्या, समीसांज स्त्री० सांझ,शाम,
समुद्र पु० समुद्र सागर। [—खेडवो = समुद्रयात्रा करना। —डहोळवो, वलोववो = समुद्रमंथन करना (२) कोई कठिन समस्याकी चर्चा करना]
समुद्रकांठो, समुद्रकिनारो पु० समुद्र तट समुद्रका किनारा [फेन
समुद्रफीण, समुद्रफेण(—न) न० समुद्र
समु वि० ठीक दुरुस्त व्यवस्थित जैसा चाहिये वैसा(२)देखिये समाणु' (३) अ० समेत, —के साथ उदा० घडाका समु ते नीचे पड्यु। [—करवु = दुरुस्त करना, सुधारना (२) तर तीवसे रखना सजाना]
समुनमु वि० ठीक दुरुस्त व्यवस्थित
समूल(—ळ) वि० मूल सहित समूल
समूळगु वि० समूचा, पूरा समूल
समूळु वि० देखिये समूल'
समेटवु स० क्रि० समटना (२) निव टाना समाप्त करना(३)बंद करना
समेत वि० समेत एकत्र संयुक्त(२) अ० साथ, समेत
समैयो पु० अगवानी,अगवाई(२)किसी संप्रदायके अनुयायियोंका समेलन
समो पु० समय,वक्त (२) उपयुक्त अवसर, मौक़ा(३)मुश्किलका वक्त, मुश्किल। [—कठण के बारीक होवो = मुसीबतके दिन होना, संकटपूर्ण या नाजुक वक्त होना, वक्त पडना। —जोवो = अनुकूल अवसरकी राह देखना मौका देखना(२) घातमें रहना, मौका तकना। —वळवो = पूर्व स्थिति पर आ जाना, पहलेके जैसा अच्छा हो जाना जमाना बदलना]
समोल(—ल,) स्त्री० जुएके सिरे पर लगायी जानेवाली खूटी, सैला, सिमल
समोवड वि० समान, बराबरका, समकक्ष (२) प्रतिस्पर्धी, बराबरीका
समोवडियण वि०स्त्री० हमउम्र सम वयस्क (स्त्री) (२) बराबरीकी, प्रतिस्पर्धी (स्त्री)
समोवडियु वि० हमउम्र (२) समान, जोडका (३) प्रतिस्पर्धी, हरीफ बराबरीका
समोवडु वि० देखिये समोवड'
समोवण न० स्नानके गरम पानीमें और पानी मिलाना या मिलानेका पानी
समोववु स० क्रि० स्नानके लिए रखे हुए उष्ण जलमें ठंडा जल मिलाना, समोना
सर स्त्री० गलेमें पहननेकी एक लडीकी मोती या मनकाकी माला कंठी मिकडी
सर वि० बडा' के अर्थमें शब्दके आरंभमें आता है, उदा० 'सरसूबो
सर पु० ताशके खेलमें किसी एक रंगके पत्ताका प्राधान्य, तुरुप, सर (२) शेयर भाग

सर पु० ब० व० (सूद गिननेमें) मूलधन और मुद्दतके महीनोंका गुणनफल
सर वि० तावे, अधीन, मात, परा जित हारा हुआ। [–करवु=जीतना। –थवु=मात होना, अधीन होना]
सर अ० 'अनुसार, मुताबिक, से' इस अर्थमें संज्ञा या विशेषणके साथ आता है उदा० 'कायदेसर माफकसर' (२) 'के लिए —के कारण' इस अर्थमें संज्ञाके साथ आता है,उदा० 'घणासर,हेतुसर'
सरकट न० बेंत या नरकट जैसा एक पौधा, सरकंडा
सरकणु वि० सरकीला, फिसलनवाला (२) न० सरकनेकी जगह फिसलन
सरकवु अ० क्रि० सरकना खिसकना, फिसलना (२) चुपकेसे चल देना खिसकना, सटकना
सरकस न० सर्कस
सरकार पु० स्त्री० सरकार, राज्य, हुकूमत (२) बडोंका संबोधन, हुजूर सरकार। [–दरबारे चडवुं=मुकदमा कचहरीमें पेश करना, दावा दायर करना]
सरकारधारो पु०,सरकारभरणु,सरकार भरत न० लगान भूमिकर पोत
सरकारी वि० सरकारका सरकार संबंधी, सरकारी
सरकियु न० सरकीली गाँठ
सरको पु० सिरका
सरखाई स्त्री०, सरखापणु न० समानता बराबरी
सरखामणी, सरखावट स्त्री० तुलना समानता (२) बराबरी, मुकाबला
सरखाववु स० क्रि० तुलना करना, मिलाकर जाँचना, मिलाना
सरखु वि० समान, बराबर सदृश (२) सपाट, समतल, जो ऊबड-खाबड न हो (३) ढंगका, व्यवस्थित, ठीक (४) उचित, योग्य, न्याय्य, उदा० 'मारा सरखु काम' (५) वाक्यमें संज्ञाके बाद आने पर 'तक' या 'भी' अर्थ सूचित करता है, उदा० आगळी सरखी न उपाडी'। [सरखी नजर=निष्पक्ष दृष्टि, समदृष्टि, एक आँखसे सबको देखनेकी दृष्टि। नहि सरखु=नहीवत् (२) जरा, तनिक, थोडा]
सरखेसरखु वि० बराबरका, जोडका समान, एकसा
सरगवो पु० सहिजन, मुनगा, सौंजना
सरघस न० जुलूस (समुदाय)। [–काडवु =जुलूस निकालना]
सरजनहार पु० देखिये 'सजनहार
सरजवु स० क्रि० देखिये 'सजवु
सरजोरी स्त्री० देखिये 'सिरजोरी'
सरड अ० सुडकनेसे होनेवाली आवाज
सरडको पु० सुडकनेकी क्रिया, आवाज, सुडक (२) चभड चभड, तरल चीज खानेसे होनेवाली आवाज
सरडी स्त्री० गिरगिट (२) मादा गिरगिट
सरडो पु० गिरगिट
सरणि(–णी) स्त्री० सरणी, सरणि पगडंडी (२) पद्धति तरीका रीति सरणी (३) सजावट व्यवस्थितता, सरणी
सरत स्त्री० नजर, दृष्टि (२) याद दाश्त स्मरणशक्ति (३) ध्यान, खयाल, सुरत। [–पहोंचवी=नजर या दृष्टि जाना (२) अक्ल काम करना। –रहेवी=ध्यान आना, –का खयाल रहना, स्मरण होना, खयाल

आना। -रहेवु = याद रहना, याद होना। -राखवी = खयाल रखना, निगाह रखना, सँभाल्ना]

सरतचूक स्त्री० देखनेमें चूक होना, दृष्टिदोष (२) ध्यानसे उतरना, भूल जाना

सरतुं वि० समीप, निकट, पास

सरदार पु० सरदार, नेता, मुखिया (२) अमीर, सरदार, सामंत

सरदारी स्त्री० सरदारकी सत्ता या पद, सरदारी (२) अगुआई, नेतृत्व (३) वि० सरदारका, सरदार-संबंधी

सरदेशमुखी स्त्री० मराठी राज्यकालका एक प्रकारका कर

सरनशीन पु० सभापति सदर

सरनामु न० पता, सरनामा

सरपट पु० एक वनस्पति, सरपत

सरपण न० जलावन, इंधन (लकड़ी)

सरपंच पु० सरपंच, पचोंका मुखिया

सरपाव पु० सिरपाव, खिलअत। [-आपवो = सिरोपाव बख्शना खिल्अत देना (२) शाबाशी देना]

सरमुखत्यार वि० कुल सत्ताधारी (२) पु० तानाशाह, अधिनायक

सरमुखत्यारी स्त्री० मुख्तारकुलका काम या पेशा, तानाशाही अधिनायकत्व

सरर अ० सन-सन, सर-सर (गोली, तीर आदिकी हवामें चलनेकी आवाज)

सररर अ० जल्दी सरकनेकी आवाज, सर-सर, सरसराहट

सरल वि० सरल, सीधा (२) आसान, सरल, सुकर (३) निश्छल, सरल

सरव पु० एक पेड़, सरो, सर्व

सरवडियुं, सरवडुं न०, सरवडा पुं० [illegible] रहकर आनेवाली बारिशकी बौछार

सरवण पुं० [illegible] (२) काँवर [illegible] भीख माँगनेवाला (३) श्रमण [illegible]

सरवणी स्त्री० [illegible] [illegible] [illegible] वाली [illegible] [illegible]

सरवर, सरवरियुं न० [illegible], [illegible]

सरवाणी स्त्री० [illegible] [illegible]

सरवाळुं न० [illegible] [illegible] विवरण, [illegible]

सरवयु न० देखिये सरवायु'
सरशियु न० सरसोका तेल कडआ तेल (२) केंचुआ, गिजाई
सरस पु० देखिये 'सरेस'
सरस वि० अच्छा, उत्तम, बढिया (२) रसवाला, रसीला, सरस (३) सुदर, मोहक। [–**तोल्वु** = तौलमें अधिक देना]
सरसंदेशो पु० खबर, समाचार
सरसव पु० सरसों
सरसाई स्त्री० होड, प्रतिस्पर्धा
सरसामान पु० घरगिरस्तीका सामान सरोसामान माल-असबाब
सरसियु न० देखिये सरशियु'
सरसीधु न० रसोईकी कच्ची सामग्री सीधा [समीप सटकर पास
सरसु वि० अच्छा उत्तम (२) अ०
सरसूबो पु० बडा सूबेदार प्रात या प्रदेशका बडा अधिकारी
सरहद स्त्री० सीमा सरहद (देशकी)
सरहदी वि० सीमा-सबधी; सरहदी (२) पु० सरहद प्रातका आदमी
सरळ वि० देखिये 'सरल
सरळता स्त्री० सरलता आसानी
सरजाम पु० आवश्यक सामग्री सरजाम (२) युद्ध या सेनाकी सामग्री
सरा स्त्री० देखिये सराई (२) प्रवाह धारा सरा (३) ऋतु मौसिम उदा० लगनसरा
सरा(०ई) स्त्री० सराय सरा; धर्मशाला
सराक पु० स्त्री० नोकदार सलाई फांस, किरिच, शूल
सराकडो पु० देखिये 'सरोखडो'
सराडे अ० सीधी राह पर ढगसे, ठिकाने पर। [–**चडवु** = ठीक रास्ते पर आना, ठिकाने आना, चल निकलना, ढगसे चलने लगना। –**चडाववु, पाडवु** = राह पर लाना]
सराण स्त्री० सान (चढ़ाना, देना, धरना) [सिकलीगर
सराणियो पु० सान धरनेवाला,
सराधरा अ० आदिसे अत तक
सराफ पु० देखिये शराफ
सराफी स्त्री० देखिये 'शराफी'। [–**धधो** = प्रामाणिक धधा, ईमानका सौदा (२) महाजनी साहूकारा]
सरार अ० अत तक सरासर सरबसर
सराव(०लु) न० सकोरा, सराव शराव
सरावबु स० क्रि० सारवु का प्रेरणार्थक (२) श्राद्धकर्म करना, पिंडा देना
सरासर अ० (–री) स्त्री० देखिये सरेराश'
सरांठी(०) स्त्री० अरहर आदिका सूखा डठल कडिया रहठा
सरियाम वि० प्रमुख मुख्य (रास्ता) (२) सरे आम जाहिर खुला (३) सीधा जो टूटा हुआ न हो, अखड
सरीखु वि० सरीखा, समान योग्य
सरीसु वि० देखिये सरीखु (२) अ० समीप पास
सरु न० एक पेड सरो सव
सरूप वि० सदृश सरूप, एकसा (२) रूपवाला सरूप, सुदर
सरेडे अ० देखिये सराडे
सरेलोरे अ० बाजे-गाजेके साथ (२) सरे-आम, जाहिरमें
सरेराश स्त्री० औसत पडता [ग] (२) अ० औसतन (३) अदाजन् लगभग, अटकलसे
सरेश(–स) पु० सरेश सरेस (पदार्थ)

सरयो(र') पु० खुशबूदार चीजें बेचनेवाला [मिट्टी
सरोखडो पु० चूनायुक्त या चूना मिली
सरोडु न० ज्वार-बाजरेका सूखा डंठल
सरोतरी वि० वाजिब,उचित, यथायोगत
सरोतो पु० सरौता, सरोता
सरोद पु० एक ततुवाद्य सरोद
सरोदो पु० सरौता (२) सरोद (३) स्वरोदय, सरोधा (विद्या)
सरोवर न० सरोवर, झील, सर
सर्कल(०इन्स्पेक्टर) पु० सर्किल इन्स्पेक्टर, गिर्दावर कानूनगो
सर्जनजूनु वि० सृष्टिके आरंभसे प्रचलित, आदिका, रोजे अजलसे जारी
सर्जनशक्ति स्त्री० रचना, निर्माण करनेकी बौद्धिक शक्ति, रचनाशक्ति, सर्जनशीलता [प] [सर्जनहार [प]
सर्जनहार पु० स्रष्टा, सिरजनहार,
सर्जवु स० क्रि० उत्पन्न करना, रचना करना सिरजना सृजना [प]
सर्व वि० सब, सर्व, समस्त। [-हक स्वाधीन = मालिकीके सब अधिकार अपने कब्जेमें होना]
सर्वपक्षी वि० सब पक्षोका, सब पक्षोंसे संबद्ध सर्वपक्षीय (२) सबका उचित पक्ष करनेवाला [सर्वभक्ष
सर्वभक्षी वि० सब कुछ खानेवाला
सर्वमान्य वि० सबको मान्य, सर्वमान्य
सर्वसत्ताधीश पु० सर्वाधिकारी मुख्तारकुल
सर्वसमत वि० सर्वमान्य सर्वसम्मत
सर्वसाधारण, सर्वसामान्य वि० सबको लागू होनेवाला सर्वसामान्य
सर्वानुमत वि० जिसको सबने अनुमति दी हो, सर्वसम्मत एकराय
सर्वानुमति स्त्री० सबकी अनुमति, सर्वसम्मति
सर्वांगी(०ण) वि० सब अगोंसे संबद्ध (२) सारे शरीरमें व्याप्त होनेवाला, सर्वांगीण
सर्वे स० सब, सब, सारा
सर्वोच्च वि० सर्वोच्च, सबसे बडा
सर्वोपरी वि० सबसे बढिया, सर्वोत्कृष्ट (२) श्रेष्ठ, उत्तम
सर्वोपरीपणु न० श्रेष्ठता, उत्तमता
सलगम न० सल्जम, शलगम
सलज्ज वि० हयादार, सलज्ज (२) अ० लज्जाके साथ शरमाकर
सलफो(-फो) पु० दम कश (चिलमका) (२)समूह, समुदाय
सलमो पु० सल्मा, बादला
सलववु स० क्रि० देखिये सालववु'
सलवामण स्त्री० उलझन, फँसाव
सलवावु अ० क्रि० कोई उपाय, हल न मिलनेसे घबराना, सकपकाना, हडबडीमें पडना, फँसना (२) साल्ववु', सलववु' का कर्मणि
सलाट पु० सिलावट, संगतराश
सलाटी स्त्री० धार तेज करनेका पत्थर, सिल्ली [बाँधना, गाँठना जोडना
सलाडवु स० क्रि० एकको दूसरेके साथ
सलाडी स्त्री० देखिये 'सलाटी'
सलाडु न० देखिये सलाटी'(२)चुगली
सलाडो पु० एक ऊँटको दूसरेकी दुमसे बाँधना (२) [ला] किसीको उसकी इच्छाके विरुद्ध काममें लगाना, जोतना (३)चुगली खाना इधरकी उधर करना
सलाम स्त्री० सलाम, नमस्कार। [-अलकुम, आलेकम = सलाम अलैकम। -करवी = नमस्कार करना। -झीलवी,

लेवी = सलामका जवाब देना सलाम लेना। –भरवी = झुक-झुककर नमस्कार करना कोरनिश बजा लाना (२) आजिजी या खुशामद करना]

सलामती स्त्री० सलामती तन्दुरस्ती कुशल (२) जिंदगी सलामती (३) रक्षा सुरक्षितता

सलामी स्त्री० सलामी सलामके रूपमें दिया जानेवाला मान भेंट या लगान (२) किसीके सम्मानार्थ सलामी देना सलामी

सलावडु न० मिट्टीका भिक्षापात्र खप्पर

सलाह स्त्री० सलाह सीख सिखावन (२) राय सलाह (३) सुलह मेल

सलाहकार वि० (२) पु० सलाह देनेवाला सलाहकार (३) सुलह करनेवाला या करानेवाला

सलूक स्त्री० सलूक बर्ताव, व्यवहार (२) सद्‌भाव मेल सलूक (३) नेकी भलाई सलूक सुलूक

सलूकाई स्त्री० सभ्यता शिष्ट व्यवहार (२) सलूक मेल, मुहब्बत

सलूणु वि० सलोना सुन्दर मनोहर

सलून न० सलून सैलून

सलेपाट पु० सलीपर सिलीपट (रेलका)

सल्ली स्त्री० उस्तरा तेज करनेका पत्थर सिल्ली पथरी [काम आनेवाला)

सल्लो पु० वरीदा चूना (पलस्तरमें

सवड पु० स्त्री० देखिये मगवड

सवळवु अ० क्रि० देखिये 'सळवळवु

सवळ(–ळु) वि० सुल्टा सीधा (२) घडीकी सुईकी दिशामें घूमनेवाला बाएँसे दाहिनी ओरका 'क्लाकवाइज'। [सवळा पासा पडवा = मनमें इच्छा हुआ पार उतरना फतह होना, पौ बारह पडना। –पडवु = सही निकलना सच होना (२) सफल होना पार उतरना। सवळे हाथे पूज्या हशे = विधिपूर्वक या फल मिले इस तरह आराधना की होगी]

सवा पु० ब०व० सोआ (बीज) (२) पापड या अचारमें पडनेवाला एक कीडा

सवा वि० सवा १।(२)चतुर्थांशके साथ कोई अंक किसी अंकसे पाव अधिक उदा० सवा छ (३) सौ हजार जैसी संख्याओंके पूर्व इससे सवा गुना अर्थ सूचित करता है उदा० सवासो सवा हजार'। [–आठ = मनपसन्द, अच्छा। –वीस = सच्चा यथार्थ सत्य। –शेर = बहुत खूब उदा० सवाशेर लोही चडवु याने अति आनन्द होना (२) बढ-चढकर, सवाई उदा० शेरने माथे सवाशेर']

सवाई वि० स्त्री० सवाई सवागुना, बढ चढकर (२) स्त्री० सवागुनेका भाव सवाई (३) उत्तमता बढती या उम्दापनका भाव अधिकता (४) सिपाहीका साफा या पगडी (५) नियत समयसे अतिरिक्त समयमें किया हुआ काम या उसका महनताना (६) सूद लेनेका एक प्रकार जिसमें मूलधन अपने चतुर्थांशसे युक्त होता है सवाई। [–चिठ्ठी = एक रुपयेका सूदके साथ सवा रुपया देनेका लिखित करार सवाईका रुक्का। –नो धधो = सवाई पर कर्ज देनेका धंधा]

सवाकवा पु० अनुकूल या प्रतिकूल वायु (२) दुर्घटना, आकस्मिक घटना

सवाको पु० एक पैसा

सवाण स्त्री० साथ, मैत्री या सगतका आनद, मुहबतसे मिलनेवाला बल (२)आराम, चन कल(३)न० मादा पशुका गर्भाधानका काल

सवादियु वि० स्वादिष्ट, जायकेदार (२) स्वादी चटोरा, जिभला

सवायु वि० सवाया सवागुना (२)सवाई बढ-चढकर

सवायो पु० एक पसा

सवार(स') स्त्री०, न० सवेरा, प्रात - काल। [-थवु, पडवु = सवेरा होना]

सवार वि० सवार सवारी पर बैठा हुआ (२)पु० सवारी पर चढा हुआ आदमी, सवार(३)अश्वारोही सिपाही सवार। [-थवु = घोडे पर सवार होना (२) सरकश होना, उद्दड होना सिरजोरी करना]

सवारी स्त्री० सवार होनेकी क्रिया, सवारी (२) गाडी पालकी आदि पर सवार होनेवाला, सवार सवारी (३) जुलूस सवारी (४) अधिकारीका दौरा गश्त (५) (फौजकी) कूच हमला चढाई (६) [ला] रोबदार, ठाटबाट-वाला आदमी (७)सगीतका एक ताल

सवाल पुं० सवाल प्रश्न (२) मांगना मांग प्रार्थना सवाल (३) बाल वचन, सवाल। [-करवो मागवो = सवाल करना मांगना याचना करना]

सवालजवाब पु०ब०व० सवाल-जवाब प्रश्नोत्तर (२) कहा-सुनी तकरार (३) पूछताछ, खोज

सवा सोळ वि० [ला] सही, प्रमाणभूत यथार्थ (२) निराधार

सवासण स्त्री० सुहागिन सुहागिनी

सवासो (सों) पु० सवासौ १२५

सविस्तर वि० विस्तारयुक्त, विस्तृत (२) अ० सविस्तर ब्योरेके साथ, तफसीलवार

सवे (वें,) अ० ठिकाने पर ठीक रास्ते पर व्यवस्थित (२) वि० अच्छा, खरा उत्तम। [-करवु = छिपा देना (२) नियत स्थान पर रख देना, ठिकाना लगाना (३) मार डालना, ठिकाने लगाना। -पडवु = अनुकूल होना (२) ठिकाना लगना, प्रबध होना, नौकरी पेशेमें लगना (३) नियत स्थान पर पहुचना। -लाववु = काममें लेना इस्तेमाल करना (२) ठीक रास्ते पर लाना सुधारना] [पहले, आगे

सवेळा अ० समय पर, नियत समयसे

सवयो पु० एक छद, सवया

सव्यापसव्य वि० बायाँ-दायाँ(२)झूठ-सच

ससणवु अ० क्रि० देखिये सणसणवु

ससणाट पु० देखिये सणसणाट

ससणी स्त्री० सन-सन सनसनाहट(२) बच्चोंका एक रोग, हब्बा डब्बा

ससरो पु० ससुर, श्वसुर

ससली स्त्री० खरगोश (मादा)

ससलु न० खरगोश, खरहा

ससलो पु० खरगोश (नर)

सस्तु वि० सस्ता, अल्प मूल्यका (२) [ला] बेवकअत, तुच्छ। [-पडवु = कीमतमें सस्ता लगना या आना। -मूकवु = सस्ता लगा देना सस्ता बेचना]

सहकार पु० सहकार(२)आम सहकार

सहकारी वि० सहकारयुक्त(२) सहकार करनेवाला या सहकारसे चलनेवाला, सहकारी (३) पु० सहायक सहकारी

सहकारी मडळ न० सहकारी मडळी स्त्री० सहकारी समिति

सहज वि० सहज, साथ-साथ जमा हुआ (२) प्राकृतिक, कुदरती सहज (३) आसान, सरल (४) अ० अकारण, व्यर्थ, योंही (५) स्वाभाविक ढगसे, सामान्यत (६) आसानीसे

सहजबुद्धि स्त्री० स्वाभाविक बुद्धि या प्रेरणा सहजज्ञान इंस्टिंक्ट

सहमत वि० सहमत, एकराय

सहमती स्त्री० एकवाक्यता एकमत होना

सहवास पु० साथ रहना, सहवास (२) सुहबत साथ-सबध (३) अभ्यास मुहावरा, मश्क

सहवासी वि० साथ बसनेवाला सहवासी (२) परिचित (३) अभ्यस्त आदी

सहशिक्षण न० सहशिक्षा

सहाय स्त्री० सहाय मन्द सहायता

सहाय पु० सहाय साथी मददगार

सहायभूत वि० जो मददगार हो सके, सहायक बना हुआ

सहायवृत्ति स्त्री० परस्पर सहायता करनेकी (प्राणीकी) सहजवृत्ति

सहारो पु० सहारा आश्रय, आधार

सहियर स्त्री० सखी सहेली

सहियारु वि० जिसमें भाग हिस्से हो, भागी साझेका (काम, जायदाद आदि) (२) सयुक्त मुश्तरका (३) न० साझेदारी पट्टीदारी

सही स्त्री० सही, हस्ताक्षर दस्तखत (२) वि० सही खरा सच्चा (३) अ० निश्चित पक्का सही मजूर स्वीकृत। [-करवी = हस्ताक्षर करना (२) स्वीकृत करना मजूर रखना। -करवु = पक्का करना मुहर लगाना निश्चित करना। -थवु = सिद्ध होना सफल होना। - होवु = कबूल-मजूर होना स्वीकृत होना (२) खरा सही होना]

सही स्त्री० सखी, सही [प]

सहीपणु न० सखीका नाता, बहनापा

सहीसलामत वि० निर्विघ्न, सहीसलामत सुरक्षित, निरापद (२) अ० सलामत सहीसलामत [सलामती

सहीसलामती स्त्री० सुरक्षितता,

सहु वि० सब, सव

सहूलियत स्त्री० सहूलियत, आसानी

सहृदय वि० सहृदय दूसराकी भावना या मनोभावाको समझनेवाला कोमलचित्त (२) दयाल सहृदय (३) रसिक, सहृदय

सहेज(सहें) वि० अल्प थोडा, तनिक (२) अ० देखिये सहज [जरासा कुछ

सहेजसाज (सहें) वि० (२) अ० थोडासा

सहेजे (सहें) अ० आसानीस, सरलतासे

सहेल (सहें) वि० सरल, आसान, सहल (२) स्त्री० मनबहलावके लिए भ्रमण सर (३) मनकी मौज आनद

सहेलगाह (सहें) स्त्री० सर करना मौज उडाना या उसका स्थान सरगाह रमणीय स्थान

सहेलाई (सहें) स्त्री० आसानी, सुगमता

सहेलाणी (सहें) वि० (२) पु० सलानी, आनदी, मनमौजी

सहेलु (सहें) वि० आसान, सहल

सहेलुसट (सहें) वि० बिलकुल आसान

सहेवावु (सहें) अ० क्रि० 'सहेवु का कर्मणि सहा जाना [बर्दाश्त करना

सहेवु (सहें) स० क्रि० सहना, झेलना

सह्यार्थे पु० कर्मवाच्य [व्या]

सळ पु० सिल्वट, शिकन, सलवट (२) छडीकी चोटका दाग़, सॉट

सळक स्त्री० शूल (दद)

सळकडी स्त्री० छोटी तीली, सलाई, शलाका (२) [ला] उकसाहट, उत्तेजन। [-करवी = उभारना, उत्तेजित करना]
सळकडु न० शलाका, छोटी सलाई
सळकवु अ०क्रि० जरासा हिलना, कुलबुलाना (२) खानेकी तीव्र इच्छा होना हौंस होना (३) शूल उठना
सळको पु० देखिये 'सळक' (२) तीव्र इच्छा लालसा [जलना
सळगवु अ०क्रि० सुलगना, सिलगना,
सळवळवु अ० क्रि० जरा-जरा हिलना, अँगडाई लेना, कुलबुलाना (२) शरीर पर कीडा रेंगनेकासा भाव उत्पन्न होना (३) कुछ करनेके लिए आमादा तत्पर हो जाना [कुलाहट
सळवळाट पु० हिलना-डुलना कुल
सळवु अ०क्रि० घुन द्वारा खाया जाना, घुनना घुन लगना
सळग वि० जिसमें जोड न हो जो बीचमेंसे जुडा हुआ न हो, अखड, अटूट, अविच्छिन्न (२) अ० लगातार बराबर, बिना रुके
सळगसूत्र वि० क्रमबद्ध सिलसिलेवार, अविच्छिन्न, एक सूत्रमें जोडा हुआ
सळियो पु० छड (धातुका), सीखचा लोहेकी तीली
सळी स्त्री० शलाका सलाई। [-आपवी = उभारना उकसाना। -करवी = नटखटी करना, छेडना]
सळीमचो पु० [ला] भले-बुरे उपाय युक्ति प्रयुक्ति (२) उकसाहट, उत्तेजना
सळेकडी स्त्री० (-डु) न० देखिये 'सळकडी' आदि
सळेखडी स्त्री० देखिये सळकडी'
सळेखडु न० देखिये सळकडु'। [-करवु = उभारना, उत्तेजित करना (२) चिढ़ाना, खिझाना (३) चिढानेके लिए उँगली आदिसे छूना, छेडना]
सळेखम न० जुकाम
सळो पु० घुनना कीडे लगना
सकडामण (-णी) स्त्री० जगहकी तगी सकीर्णता कुशादगीका न होना (२) मुश्किल सकट [प्रेरणार्थक
सकडाववु स० क्रि० 'सकडावु का
सकडावु अ०क्रि० सिमटना, सिकुडना, तग जगहमें दबना (२) जगहकी सकीर्णता सहन करना (३) सकट, भीड पडना, सकटमें फँसना [ला]
सकडाश स्त्री० तगी सकीर्णता जगहकी तगी (२) सकट मुश्किल
सकल्प पु० सकल्प, इरादा, इच्छा, प्रयोजन (२) निश्चय, सकल्प (३) कोई धार्मिक कृत्य करनेकी प्रतिज्ञा, सकल्प (४) कल्पना विचार, सकल्प तक। [-ऊठवो = कल्पना उठना जीमें आना, धुन बँधना। -करवो = निश्चय करना, ठानना (२) प्रतिज्ञा करना नियम बनाना। -मूकवो = प्रतिज्ञा लेना (२) निश्चय करना (३) आशा छोड देना]
सकळावु अ०क्रि० साकळवु'का कर्मणि सकलित होना, सलग्न होना, (जजीरके आँकडोकी तरह) जुडा हुआ होना
सकेत पु० पहलेसे की हुई गुप्त योजना (२) इशारा, इगित, चिह्न, सकेत (३) सकेत-स्थान, सकेत (४) शर्त सकेत (५) सकेतवाक्य, साकेतिक शब्द [व्या]
सकेलवु स०क्रि० समेटना बटोरना तह करके रखना (जाजिम आदि), सकेलना [प] (२) बद करना, सकेरना [प]

सकोच पु० सकोच तगी कमी सकीणता (जगह चाज आदिका) (२) हिचकिचाहट झिझक, सकोच (३) लज्जा, शम सकोच (४) मुदना वद होना (नेत्रका) सकोच (५) भय

सकोचवु स०क्रि० मूदना सिकोडना (२) मर्यादित करना सकुचित करना, सिकोडना

सकोचावु अ०क्रि० सकोचवु का कर्मणि, सकुचित होना मुदना सकुचाना [प] (२) झिझकना; हिचकना सकुचाना [प]

सकोडवु स० क्रि० सकुचित करना, सिकोडना (२) बटोरना

सकोरणी स्त्री० उकसानेकी क्रिया

सकोरवु स० क्रि० घुसाना आगे सरकाना उकसाना ज्यादा घुसेडना (२) प्रज्वलित करना भडकाना (३) उकसाना, उत्तेजित करना (४) देखिये सवेल्वु

सख्याबल (–ळ) न० सख्याओसे मिलनेवाली या पदा होनेवाली सम्मिलित शक्ति सख्यावल

सख्यावाचक वि० सख्यावाचक [व्या]

सख्यावृत्तिवाचक वि० आवृत्तिवाचक सख्यावाचक (विशेषण) उदा० बेवडु

सख्यासमूहवाचक वि० समूहवाचक सख्यावाचक (विशेषण) उदा० पचक सकु [व्या]

सख्याशवाचक वि० अपूर्णांकबोधक सख्यावाचक (विशेषण) उदा० 'अधु

सग पु० सग सयोग मिलन (२) सपर्क सबध सग (३) सुहबत सगति साथ सग (४) आसक्ति सग (५) मथुन सगति

सगटो पु० मिश्रण सयोग मिलावट

सगठन न० सघटन सगठन

सगति स्त्री० सगति, सयोग, मिलन (२) मेल सगत (३) साथ सोहबत सगति (४) पूर्वापर सबध (५) 'सिमेट्री सगति

सगतिदोष पु० सुहबतका बुरा असर

सगाथ पु० सग साथ मागका साथ

सगाथी वि० (२) पु० साथी सगी, हमराह [पु० साथी सुहबती, सगी

सगी वि० साथ करनेवाला, सगी (२)

सगीन वि० सगीन पत्थरका बना हुआ (२) मजबूत सगीन (३) स्त्री० सगीन बेयोनेट'

सगेमरमर पु० सगमरमर [[प]

सग्रहवु स०क्रि० सग्रह करना सग्रहना

सग्रहस्थान, सग्रहालय न० अजायबघर सग्रहस्थान म्यूजियम'

सघ पु० सघ समूह, दल (२) तीथयात्रियोका समूह (३) सघटित और व्यवस्थित समूह, सघ उदा० युवक सघ । [–काढवो = तीथ-यात्रियोका समूह लेकर चलना (२) (व्यग्यमें) (किसीके) पास कुछ नही है यह जताना पोल खुल जाय ऐसा करना (३) ढोग रचना। –काशीए जवो, पहोचवो = इच्छित प्रयोजनका सिद्ध होना काम होना]

सघबळ न० सघशक्ति

सघरणी स्त्री० सग्रहणी

सघरवु अ० क्रि० जमा करना एकत्र करना सग्रह करना सग्रहना [प] (२) हिफाजतसे रख छोडना (३) किसीको अपने अदर समाविष्ट करना अपनाना, मिलाना, रखना

सघराखोर वि० जरूरतसे ज्यादा संग्रह करनेकी वृत्तिवाला संग्राहक परिग्रही
सघराखोरी स्त्री० संग्राहक-वृत्ति
सघरो पु० संग्रह संचय परिग्रह
सघाडियो पु० खरादी
सघाडो पु० खराद
संघात पु० साथ संग (२) जमाव, भीड़; जत्था समूह, संघ (३) आघात, पीटना, संघात (४) अ० साथ संग, सहित, उदा० वोनी संघात गया?
संघाती वि० (२) पु० साथी संगी
संघाते अ० साथ संग
सघेडो पु० देखिये 'सघाडो' खराद
सच पु० गुप्त पेचदार रचना या बनावट (२) दीवार या पिटारी आदिमें बनाया हुआ गुप्त खाना या आलमारी
सचरवु अ० क्रि० चलना चलता बनना संचरना [प] (२) भीतर घुसना व्याप्त होना फैलना (३) स० क्रि० संचय करना, संचना [प] (४) व्यवस्थाकी फेरबदल करना [मेहनताना
सचरामण न० (-णी) स्त्री० फेरबदलका
सचरावव स०क्रि० सचरवु का प्रेरणार्थक (२) फेरबदल कराना
संचवु स० क्रि० इकट्ठा करना जमा संचय करना संचना [प] (२) गढ़ बनाना
संचळ पु० संचल, सांभर नमक, काला नमक
संचार पु० फैलना, प्रसार संचार (२) फैलाना, आगे बढ़ाना प्रेरणा करना संचार (३) गमन संचार भ्रमण (४) घुसना दूसरी रीतिमें प्रवेश संचार
संचारवुं स० क्रि० [illegible] फेरबदल फेरौरी करना (२) डालना सींचना
संचारो पु० फेरबदल करनेवाला

सचो पु० यंत्र, कल (२) देखिये 'सच' (३) स्टव
सचोरो पु० पापडाखार
सजाप (-ब) पु० सजाफ गोट किनारा
सजीवन न० पुनर्जीवित करना सजीवन
सजीवनी स्त्री० सजीवनी (औषधि) (२) सजीवनी विद्या
संजोग पु० संयोग संजोग, मिलन (२) दैवयोग संयोग, इत्तफाक (३) परिस्थिति
संजोगवशात अ० दैवयोगसे, इत्तफाकन्
संडास पु० न० संडास, पाखाना
सडोववु स०क्रि० शरीक करना फन्देमें लाना, घसीटना, फाँसना
सडोवावु अ०क्रि० सडोववु का कर्मणि
सत वि० साधु, पवित्र (२) पु० सत साधु
संतति स्त्री० संतति बाल-बच्चे, औलाद (२) फैलाव, विस्तार संतति (३) परंपरा, अविच्छिन्नता, संतति
संततिनियमन न० संतति निरोध
सतर न० सतरा
सतलस स्त्री० गुप्त मंत्रणा [illegible]
सताकूकडी स्त्री० एक रोग, आँख मिचौनी [करना
संताडवु स० क्रि० छिपाना, आडमें
संतापवु स० क्रि० पीडा कष्ट देना, सताना संतापना [प]
संतावु अ० क्रि० छिपना घुसना
संतोषवुं स० क्रि० संतुष्ट करना राजी करना [वदन
सतोलो पु० बालकके मापका [illegible]
संत्री पु० संतरी पहरेदार संत्री
संदर्भ पु० संदर्भ माला आदि पिरोना व्यवस्थित करना (२) एकत्र करना, [illegible] संदर्भ (३) [illegible]

अथवा सबध सबध निवाह, सदभ (४) रचना (५) प्रबध निबध आदि ग्रथ सदभ [रेफरन्स'

सदभग्रथ पु० आकर ग्रथ, 'बुक ऑव

सदेश पु० सदेश, खबर, सवाद

सदेशो पु० पुन्नाग पेड सिद्धस्वर

सदशा पु० देखिये 'सदेश' खबर

सदेह पु० सदेह शका वहम (२) एक अर्थालकार, सदेह। [-आणवो, लाववो = सदेह करना। -पडवो, मां पडवु = शक पडना शका होना]

सधाडवु स० क्रि० दो धातुओ टुकडाको एक दूसरेसे साथ चिपकाना मिलाना, सीना आदि जोडना, टाँकना

सधि पु०, स्त्री० सधि, सयोग, मेल (२) वह जगह जहाँ दो चीजें या दो टुकडे जुडें सधिस्थान जोड (३) सुलह, सधि मेल समझौता (४) जरूरतका वक्त अडी परिवतन काल (५) युगान्त-काल सधि (६) सधि [व्या] (७) नाटककी एक सधि (८) सेंध, सधि

सधिकाळ पु० दो युगो या विशिष्ट कालो के बीचका समय युगात-काल,सधिवेला

सधिया पु० गठिया सधिवात

सधु वि० सब सारा

सधे अ० सवत्र, सब जगह

सप पु० एकता मेल

सपवु अ०क्रि० मेल करना एका करना

सपाडवु स० क्रि० प्राप्त करना पाना

सपी(०लु) वि० मेल-जोलवाला मिलनसार मैत्री

सपेटवु स० क्रि० देखिये 'समटवु'

सपतर न० किसीको पहुँचानेके लिए सौंपा गई चीज

सबध पु० सबध, योग मेल, सपर्क, सयोग, सग ससग (२) मँगनी सगाई (३) मत्री परिचय, सबध, पहचान रिश्ता (४) छठा कारक, सबध [व्या]। [-जोडवो, बांधवो = नाता जोडना]

सबधी त्रि० सबधी, -से सबद्ध, सबध रखनेवाला (२) रिश्तेदार सगा

सबधी (३) अ० -के बारेमें विषयमें

सबा पु० समूह, समुदाय, समवाय

सबोधवु स० क्रि० सबोधन करना -को लक्ष्य करके बोलना (२) सम झाना सबोधना [प]

सभव पु० सभव शक्यता मुमकिन होना सभावना (२) मूल कारण हेतु सभव (३) उत्पत्ति, जन्म, सभव। [-थवो = पैदा होना उत्पन्न होना। -होवो = मुमकिन होना, शक्य होना]

सभववु अ० क्रि० उत्पन्न होना, बनना सभवना [प] (२) हो सकना सभव होना सभवना [प]

सभळाववु स० क्रि० साभळवु' का प्रेरणायक, सुनाना (२) प्रत्युत्तर देना खरी-खोटी सुनाना या गाली देना, सुनाना [सुना जाना

सभळावु अ० क्रि० 'साभळवु का कर्मणि;

सभार पु० सभार साज-सामान, उपकरण (२) तरकारी या अचारमें भरनेका मसाला

सभारण न० यादगार, निशानी

सभारवु स० क्रि० याद करना, स्मरण करना, सँभारना [प]

सभारियु वि० मसाला भरा हुआ (२) न० मसालाभरी तरकारी

समाळ स्त्री० सँभाल, देख-रेख, खबर (२) पोषणादिका भार, पालन,

रक्षा, सार-सँभाल। [-नीचे=-की देखरेखमें (२)-के आश्रयमें, शरणमें। -राखवी, लेवी=सँभालना, रक्षा, पालन करना, खबर लेना, रख-थाम करना]

सभाळवु स० क्रि० सँभालना, रक्षा करना, हिफाजतसे रखना, जतन करना, देखभाल करना (२) (किसी कामका) भार उठाना, जिम्मे लेना, चलाना निबाहना (३) अपनेका जतन करना सयत्न करना, सँभालना (४) अ० क्रि० सँभलना सावधान या होशियार रहना, बेखबर न रहना, चोट आदिसे बचाव करना

समत वि० सम्मत, सहमत (२) माना हुआ स्वीकृत, पसन्द, सम्मत

समति स्त्री० सम्मति, सहमति, स्वीकृति, अनुमति

समान न० सम्मान, आदर-सत्कार (२) प्रतिष्ठा, गौरव

समानकारिणी वि० स्त्री० समानकारी वि० सम्मान करनेवाला, आदर सत्कार करनेवाला

समानित वि० सम्मत, माना हुआ (२) सम्मानी जिसमें सम्मानका भाव हो

समान्य वि० सम्मान्य आदरणीय

समिश्रण न० सम्मिश्रण मिलावट

समुख वि० सम्मुख, जो सामने हो (२) -की ओर प्रवृत्त, अभिमुख सम्मुख (३) अ० सामने समक्ष सम्मुख

सयुक्त वि० सयुक्त जुडा हुआ मिला हुआ सबद्ध (२) अनेकोंने मिलकर किया हुआ

सयुक्तक्रियापद न० सयुक्त क्रिया

सयोग पु० सयोग, मिलन, मेल (२) सबध, मयोग (३) समागम, साथ, सगति (४) मिश्रण, सयोग (५) परिस्थिति [भूडमरूमध्य

सयोगीभूमि (-मी) स्त्री० सयोगभूमि

सवत पु० सवत विक्रम सवत् (२) उसका कोई भी वर्ष सवत

सवनन न० सवनन, वशमें करनेकी क्रिया (२) प्रेम करना प्रेम करके वशमें करनेका यत्न

सवरवु स० क्रि० ढकना, व्याप्त करना, छिपाना (२) समेटना, बटोरना (३) रोकना निग्रह करना

सवाद पु० सवाद वार्तालाप, सवाल-जवाब बातचीत (२) चर्चा, सवाद, बहस (३) मेल होना एकता (४) सहमति सवाद एकराय होना

सशय पु० सशय सदेह, शक (२) दहशत, भय

सशोधक पु० आविष्कारक नयी खोज करनेवाला (२) शुद्ध-साफ करनेवाला सशोधक

सशोधन न० सशोधन, शुद्धि (२) खोज शोध अन्वेषण, आविष्कार

सशोधवु स० क्रि० सशोधन करना

ससार पु० ससार जगत दुनिया सृष्टि (२) मायाजाल, लौकिक प्रपच ससार (३) आवागमन, जन्म-मरण, ससार (४) गृहस्थी, ससार। [-तरवो =दुनियादारीके व्यवहारमेंसे पार उतर जाना (२) पार उतरना भव बधनसे छुटकारा पाना तरना। -नो वा वावो=ससारके दूसरे लोगोंकी तरह आचरण करने लगना दुनियाके तौर-तरीके अपना लेना दुनिया

दारोकी हवा लगना । —मोझ्यो, मां पडवु = नाश करना ; पर थाना]

संसारव्यवहार पु० दुनियादारी

संसारसुधारो पु० सामाजिक सुधार समाज-सुधार

संसारी वि० संसार-व्यवहार-संबंधी, सांसारिक; दुनियादारी-संबंधी संसार का (२) दुनियादार ; लोकव्यवहारमें कुशल संसारी (३) संसारमें फँसा हुआ दुनियादार संसारी

संस्कार पु० संस्कार ; शुद्ध-साफ करना (२) सुधारना संस्कार (३) सजाना संस्कार (४) वासनाओं कर्मों आदिकी मनपर पड़ी हुई छाप, संस्कार (५) शिक्षा, उपदेश संगति आदिका मन पर पड़ा हुआ प्रभाव संस्कार (६) पूर्वजन्मके कृत्योंका फल संस्कार (७) अंत्येष्टि क्रिया मृतक कर्म, संस्कार (८) द्विजातियोंके शास्त्रविहित १६ कृत्य, संस्कार (९) पढ़ाई शिक्षा । [—करवो = शुद्ध करना (२) सजाना, व्यवस्थित करना । माथे संस्कार वीतवा = सिरपर आफत आना संकट आना]

संस्थान न० छोटा राज्य रियासत (२) उपनिवेश कोलोनी'

संस्थानवासी वि० (२) पु० उपनिवेशमें बसनेवाला उपनिवेशवासी; उपनिवेशी

संहरवु स० क्रि० एकत्र करना संग्रह करना संहरण (२) लौटा लेना (मंत्रसे बाण आदि) संहरण (३) नाश, संहार करना, संहारना [प]

साइकल स्त्री० साइकिल, बाइसिकिल

साईस पु० साईस

साकटम वि० सारे कुनबेको—सपरिवार दिया हुआ (न्योता)

साकटी (—ठो) स्त्री० (—टुं) न० (—टो) पु० सागौनका लंबा मोटा कुंदा

साकर स्त्री० मिसरी । [—पीरसवी वाटवी, मां रवा पीरसवा वाटी जीभ करवी = मानपूर्ण संभाषण करना]

साकरियो पु० फूलको मधुर दानेदार पराग का चूरा (२) चीनी चढ़ाया हुआ चना [चना

साकरियो चणो पु० चीनी चढ़ाया हुआ

साक्षर वि० (२) पु० साक्षर पढ़ा लिखा शिक्षित (३) शिक्षित विद्वान (४) लेखक साहित्यकार

साक्षरी वि० साहित्यकार-संबंधी (२) कठिन शब्दोंवाली (रचना)

साक्षी पु० (अपनी) आँखों देखनेवाला साक्षी (२) गवाह साक्षी

साक्षी स्त्री० साक्षी साक्ष्य गवाही *गवाहका बयान । [—आपवी पूरवी = गवाही देना (२) समर्थन करना]*

साक्षीदार पु० गवाह साक्षी

साक्षीभूत वि० साक्षीभूत जिसने स्वयं देखा हो

साख स्त्री० साक्ष गवाही साक्षी

साख स्त्री० डालका पका हुआ फल, टपका (आम)

साख स्त्री० चौखटके आधार पर *लगनेवाली दो खड़ी लकड़ियाँ साह* (२) [ला] आँगन चौक

साखप (—पा) डोशी पु० हमसाया पडोसी

साखी स्त्री० दो चरणोंका एक प्रकारका दोहा या पद साखी (२) गजल, लावनी या गरबीमें आनेवाली स्वर आलापवार गायी जानेवाली छोटी पंक्तियाँ

साग पु० सागौन सागवन

सागमटु वि० देखिये साकटम'

सागरीत(-द) पु० पुठवाल, साथी (खासकर बुरे कामोंमें सहायक)
सागवान न० सागौनकी लकडी
सागुचोखा, सागुदाणा पु० ब० व० सागू दाना; साबूदाना [वरीका चूना
सागोळ पु० छाना हुआ बारीक चूना
साच न० सत्य
साचक्लु वि० साँचला, सत्यवादी, ईमानदार सच्चा निष्कपट
साचमाच वि० सच्चा, यथार्थ, ठीक (२) अ० सचमुच वस्तुत
साचवण(-णी) स्त्री० (-णु) न० सभाल, देखभाल रक्षा पालन-पोषण
साचववु स० क्रि० संभालना, रक्षा करना, पालन करना व्यवस्था करना
साचाई स्त्री० सचाई, सत्यता; सच्चापन
साचाबोलु वि० सच बोलनेवाला सच्चा
साचु वि० सत्य, सच खरा जैसा हो वसा (२) सच्चा विशुद्ध खरा, असली, जो नकली न हो उदा० साचु मोती' (३) सच बोलनेवाला, सच्चा (४) वचन पालनेवाला सत्यवादी
साचुजूठु वि० झूठ सच सच झूठ (२) न० उकसाना, उभारना। [साचा जूठां करवा = झूठ-सच जोडना उभारना]
साचे अ० सचमुच वाकई निस्सदेह (२) उचित रीतिसे, यथायत
साचेसाचु वि० बिल्कुल सच, यथार्थ
साज पु० साज सामान आवश्यक सामग्री (२) सिंगार वस्त्राभूषण सजावटकी सामग्री साज (३) घोडेको सजानेका सामान साज। [-मांडवो = घोडेको सवारीके लिए तैयार करना]
साजन (०महाजन) न०, साजनिया पु० ब० व० बरयात्रामें शामिल होनेवाले लोग बराती
साजसरजाम, साजसामान पु० साज सामान, आवश्यक चीज-वस्तु
साजिदो पु० साज बजानेवाला; साजिंदा, सपरदाई (तबलची या सारगिया)
साजीखार पु० सज्जीखार सज्जी
साजु वि० तदुरुस्त स्वस्थ चगा (२) जो टूटा हुआ न हो, साबित, साबूत अखड [भला चगा
साजुताजु वि० ताजा और निरोगी,
साजुसम, साजुसमु वि० तदुरुस्त, निरोगी (२) बिल्कुल साबित, जो जरा भी टूटा हुआ न हो, अखड
साटको पु० चमडेकी पट्टी बाँधकर बनाया हुआ चाबुक या कोडा, सटाकी
साटमारी स्त्री० देखिये साठमारी'
साटववु स० क्रि० मूल्य ठहराना लगाना (दाम) (२) खरीदना (३) शर्त इकरार प्रतिज्ञा करना [लेना
साटवु स० क्रि० मूल्य ठहराना (२) मोल
साटाखत न० प्रतिज्ञापत्र इकरारनामा
साटातेखडां न० ब० व० कन्याके बदलेमें कन्या देनेका व्यवहार या बिरादरीके तीन व्यक्तियोंका आपसमें कन्याका लेन-देन करनेका व्यवहार
साटी स्त्री० शर्त प्रतिज्ञा वादा, उदा० तें रमतमा दान आपवानी साटी करी हती
साटु न० प्रतिज्ञा कौल बात, करार (२) मूल्य ठहराना (३) पेशगी, बयाना (४) मालके बदलेमें माल या कन्याके बदलेमें कन्या देना (५) बदला मुआवजा
साटुतेखडु न० देखिये साटातेखडा
साटे अ० बदलेमें एवजमें

साटोडी स्त्री० पुनर्नवा गदहपूरना साटी (वनस्पति)

साटोडीमूळ न० पुनर्नवाका मूल

साटोडो पु० एक वनस्पति

साठ(ठ) वि० साठ, ६०

साठमारी स्त्री० जंगली पशुओंको उकसाकर लडानेका तमाशा (२) लडाई, टंटा [ला]

साठी स्त्री० साठ सालकी आयु बुढापा(२) साठ वर्षका अंतर समय या अवधि। [साठे हाथ घालवा=खूब बूढा हो जाना सठियाना]

साठी स्त्री०साठ दिनमें पकनेवाला एक धान या ज्वार साठी (धान)

साडत्रीस(–स) वि० सैंतीस ३७

साडलो पु० स्त्रियोंकी धोती, साडी

साडा(ड') वि० आधेके साथ साढे। [–त्रण घडीनुं राज=क्षणिक सुख या सत्ता, चार दिनकी चाँदनी।–सात धार परवडवुं=ठीक पुसाता होना]

साडाबार(डा) स्त्री०[ला]गरज, परवा

साडी(डीं) वि० देखिये साडा

साडी स्त्री०स्त्रियोंकी कीमती धोती(२) स्त्रियोंकी धोती साडी

साडीबार(डीं) स्त्री०देखिये साडाबार

साडीसाती (डी) वि० साडेसाती

साडु(०भाई) (डु') पु० साढ़

साढु(०भाई) (ढु') पु० साढ

साणकुं न० बडा सकोरा(२)भिक्षापात्र

साणसी (–सी) स्त्री० सडसी

साणसो पु० सँडसा (२)पकड, फँसाव काबू (३) संकट मुश्किल [ला]

सात वि० सात ७। [–गळणे गाळवुं=खूब सोचना खूब विचार करना छान बीन करना।–गळणे गाळीने पाणी पीवुं=खूब सोच-समझकर कदम उठाना।–पाच थवी, वीतवी=पेटमें हडबडी पडना बहुत घबराना (२) मुसीबत आ पडना आसमान टूटना। –पेढी उथलाववी, –पढीना चोपडा उकेलवा=बीती हुई बात निकालकर गालियाँ देना गडे मुर्दे उखाडना बहुत निंदा करना, पानी पी-पीकर कोसना। –फेरा गरज होवी = कोई चारा न होना अत्यंत गरजमंद होना। –मण नें सवाशेरनुं काळजुं = पत्थरकी छाती घोर संकटमें भी न डिगनेवाला दिल मजबूत दिल(२)खूब सावधान। साते अवतार = जन्मजन्मांतरमें। साते घोडे साथे चडवुं=एक साथ अनेक फर्ज अदा करनेका जिम्मा लेना]

सातताळी स्त्री० दौडकर खेलनेका एक [खेल

सातभाई पु० सातभाई सतभइया(पक्षी)

सातम स्त्री० सप्तमी (तिथि)

सातमुं वि० सातवाँ। [सातमे आसमाने जवुं, चडवुं पहोचवुं=मिज़ाज सातवें आसमान पर होना, बहुत घमंड बढ जाना]

सातवो पु० सत्तू सतुआ

सातळो पु० एक पेड छतिवन सप्तपर्ण

सातोडियुं न० एक खेल

साथ पु० साथ संग सुहबत (२) सह वार (३) अ० साथ

साथरो पु० घासका बिछौना पयालका बिछौना साथरी [प] (२) कुशकी चटाई साथरी (३)मरणासन्न व्यक्तिके लिए गोबरसे लीपकर बनाया हुआ चौका। [साथरे सुवाडवुं=मरणासन्न व्यक्तिको चौके पर सुलाना]

साथवो पु० देखिये सातवो, सत्तू

साथळ स्त्री० जाँघ, रान, ऊरु

साथियो पु० स्वस्तिक मथिया[प][फ]। [साथिया पूरवा = आँगनमें स्वस्तिक आदिमें रंग भरना, चौक पूरना]

साथी पु० साथी, सहायक, मददगार (२) खेतीके लिए रखा हुआ नौकर

साथे अ० साथ, सहित, सह

साथेलागु अ० साथ-साथ, एकसाथ (२) बिल्कुल, तमाम, समूचा

साद पु० आवाज, पुकार, स्वर (२) चीख, चिल्लाहट। [-ऊघडवो = आवाज खुलना, गला खुलना। -करवो = हाँक देना, जोरकी आवाजसे बुलाना, आवाज देना। -देवो = जवाब देना। -नीकळवो = आवाज निकलना। -पाडवो = ढिंढोरा पीटना, मुनादी करना। -बेसवो = गला बैठ जाना]

सादड वि० फुटकर (२) सार्वजनिक, सबके लिए खुला हुआ [सादडो'

सादड स्त्री०, (-डियो) पु० देखिये

सादडी स्त्री० चटाई

सादडो पु० अर्जुनका पेड, ककुभ

सादाई स्त्री० सादगी सादापन

सादु वि० जिसमें तडक भडक दिखावा फजूलखर्ची जटिलता मिलावट दंभ या कृत्रिमता न हो, सादा (२) जिस पर रंग छाप स्टाप, टिकट या लिखाई न हो कोरा सादा (कागज) (३) साधारण (कैद), आसान सरल। [सादी केद = सादी कैद, बंद महज]

साधक वि० साधक कार्यकी सिद्धिमें उपयोगी (२) साधक सिद्ध करनेवाला (३) सिद्ध करनेका प्रयत्न करनेवाला (४) मन्त्रबलसे भूत प्रेतादिको सिद्ध करनेवाला साधक (५) पु० (मोक्षकी) साधना करनेवाला तपस्वी, साधक। [-बाधक कारणो = पक्षकी और उसके विपक्षकी दलीलें]

साधन न० सिद्ध करना पूरा करना साधना साधन (२) साधन औजार, सामग्री, उपकरण (३) उपाय साधन, जरिया, युक्ति (४) तप, नियम, उपासना आदि ईश्वर प्राप्तिके साधन (५) हेतु, साधन

साधनभूत वि० साधनरूप बना हुआ

साधनसमृद्धि स्त्री० साधनोंकी विपुलता

साधनी स्त्री० समतल जाननेका राज-बढईका एक औजार, साधनी

साधवु स०क्रि० साधना, सिद्ध करना, पूरा करना (२) प्रमाणित करना, साबित करना, साधना (३) (देव मंत्र आदिको वशमें करनेके लिए) साधना करना (४) अपने अनुकूल करना, वशमें करना, साधना (५) शब्दका सिद्ध रूप किन फेरफारोंसे हुआ यह बताना (६) (अवसर या मौकेसे) लाभ उठाना, प्राप्ति करना काम निकालना

साधारण वि० साधारण, मामूली आम, सामान्य (२) मध्यम न बहुत, न कम, औसत दरजेका, सामान्य, न बढिया न घटिया (३) समान जो सब पर लागू हो साधारण

साधारण अवयव पु० समापवर्तक 'कामन फेक्टर' [ग]

साधु वि० साधु, बढिया, उत्तम (२) धार्मिक, धर्मपरायण, सदाचारी, साधु (३) [व्या] शिष्ट, साधु (शब्द, भाषा) (४) (समासके अंतमें) सिद्ध करनेवाला, साधक, उदा० स्वार्थ-साधु तकसाधु' (५) पु० साधु-पुरुष,

साधु(६)त्यागी मुनि संत वैरागी (७)अ० शाबाश धन्य, साधु-साधु

सान स्त्री० शान, छटा

सान स्त्री० इशारा सकेत, सन आँखका सकेत (२)समझ अक्ल(३) स्वमान शान(४)न० रेहन गिरवी। [**–करवी** = इशारे करना आँखसे सकेत करना। **–मा कहेवु** = इशारेसे कहना सनसे कहना। **–मा मूकवु** = गिरवी रखना रेहन रखना। **–मां समजाववु** = इशारेसे समझा देना थोडेमें समझा देना]

सानी स्त्री० तलते समय ताईमें बचा हुआ चूरा(२)पेरे या कूटे हुए तिल्का तेलयुक्त चूरा तिलकुट(३)राख भस्म

सानुकूल(–ळ) वि० अनुकूल सहायक

साप पु०साँप सप। [**–उतारवो** = साप उतारना।**–काढवो** =(सँपेरेका)साप को तमाशाके लिए बाहर निकालना (२)कामकी घूममें दूसरा काम ले आना या बाधा खडी करना। **–छे के घो छे** = क्या है यह निश्चित नही किया जा सकता। **–ना के घोना भणाववा** = बहुत तरीकोंसे समझाना। **–नो भारो** = जोखिम, बला हानि कर कष्टकर चीज सापोंका सिरपर लिया हुआ पिटारा(२)खूब डाही ईर्षालु व्यक्ति साँपका बच्चा। **सापे छछुदर गळवु** = साप छछून्दरकी गति या दशा होना द्विविधामें होना]

सापण(–णी) स्त्री० सापिन साँपकी मादा [सँपोला

सापोल्यु न०छोटा साँप (२) पोला,

साफ वि० साफ स्वच्छ, निमल(२) जिसमें मैल न हो, जिसमें काँटे-कंकड न हो, मँजा हुआ साफ(३)समतल, बराबर, साफ(४)जिसमें मल बुराई, कपट न हो निर्दोष, साफ निष्कपट, साफदिल (५) स्पष्ट दाटूक, साफ (६) अ० साफ खुले तौरसे, स्पष्ट रूपसे। [**–करवु, करी देवु** = उडा देना खर्च कर डालना कुछ बाकी न छोडना साफ करना, सब खा-पी डालना (२) मार डालना, सबको खतम कर देना किसीको जीवित न छोडना, साफ करना]

साफ साफ वि० बिलकुल साफ(२)अ० साफ-साफ स्पष्टत (३)साफ दिलसे

साफसूफ वि० साफ निर्मल स्वच्छ, साफ-सुथरा(२)स्त्री० सफाई, झाड-पाछ(३)कामकाजमें सफाई फुरती चतुराई सफाई (४) पु० डडकी कसरतका एक प्रकार

साफसूफी स्त्री० सफाई,झाड-पाछ

साफी स्त्री० चिलम पीनेका कपडा साफी

साफी स्त्री०शखी बडाई(२)वि०बिना कमीशनका जिसमें बट्टा दलाली न मिली हो केवल खालिस

साफो पु० साफा मुरेठा

साबदु वि० सारा पूरा तमाम(२) सज्ज लैस तयार(३)स्वस्थ तनकर

साबर न० साबर साँभर हिरन

साबरशिगडु, साबरशिंगु, साबरशींगडु, साबरशींगु न० साबरका सींग

साबाश(–शी) देखिये 'शाबाश' आदि

साबित वि० साबित सिद्ध प्रमाणित

साबिती स्त्री० सबूत प्रमाण सुबूत

साबु पु० साबुन, साबून

साबुचोखा, साबुदाणा देखिये 'सागुचोखा'

साबू पु० देखिये 'साबु'

साबूत वि० साबित अखड, साबत, ज्याका त्या दुरुस्त, जिसमें कोई खामा न हो, पूरा-पूरा जीवित (२) सगीन, मजबूत, साबूत
साबूती स्त्री० मजबूती, सगीनी (२) सुरक्षितता [अ० आभारके साथ
साभार वि० एहसान-आभारसहित (२)
साम पु० स्वामी, पति (२) स्त्री० (मूसलका लोहेका) शव
साम पु० सामवद साम (२) साम (उपाय)
सामटु वि० इकट्ठा, एकसाथ, एकत्र, सम्मिलित (२) अ० साथ-साथ, एक-साथ [विरोध मुठभेड
सामनो (सा) पु० सामना मुकाबला,
सामर न० सेमल शाल्मली वक्ष
सामसामु (सा) वि० जो ठीक सामने हो, सम्मुख, समक्ष (२) विरुद्ध प्रतिकूल, विरोधी (३) स्पर्धावाला हरीफ, प्रतिस्पर्धी (४) अ० आमने-सामने, मुकाबलेमें (५) प्रतियोगितामें। [–आवी जवु = (लडनेके लिए) तयार होना सामने होना]
सामसामे (सा) अ० आमने-सामने (२) स्पर्धा प्रतियोगितामें
सामळ (–ळियो) पु० श्रीकृष्ण; साँवलिया
सामळु वि० साँवला, श्याम
सामळो पु० साँवलिया श्रीकृष्ण
सामान पु० सामान असबाब चीज वस्तु (२) साज (जीन लगाम आदि)। [–नाखवो भीडवो = जीन कसना]
सामान्य वि० सामान्य साधारण आम मामूली (२) सबमें पाया जानवाला गुण या चिह्न समान सामान्य (३) न० सामान्य लक्षण —
सामान्यनाम न० जातिवाचक सज्ञा [व्या]
सामापाचम स्त्री० ऋषिपचमी, भादा सुदी पचमी
सामावाळियु, सामावाळु (सा) वि० विपक्षी शत्रुके पक्षका, प्रतिपक्षी
सामावाळियो (सा) पु० प्रतिपक्षी शत्रु
सामासामी (सा सा) अ० एक दूसरेके विरुद्ध आमने-सामने, सामने (२) स्पर्धामें प्रतियोगितामें। [–आववु = मारपीट होना मुठभेड होना लडाई होना (२) स्पर्धा होना]
सामियानो पु० शामियाना
सामुद्रधुनी स्त्री० दो समुद्रोको जोडने-वाली खाडी जलडमरूमध्य
सामु (सा) वि० सामने आया हुआ सम्मुख, मौजूद (२) विरुद्ध, प्रतिकूल। [सामा शिगडा माडवां = लडनेको तयार होना, सामने होना मुकाबले पर आना। –आववु, जवु = आगे बढकर लेना या स्वागत करना, अगवानी करना। –जोवु = खबर लेना, देखभाल करना (२) –का खयाल करना, खयालमें लाना लिहाज करना, उदा० 'मारा घाळा वाळ सामु तो जो (३) नजर डालना देखना इच्छा करना; उदा० तेना सामु तो जोई जो'। –थवु = सामने होना धृष्टतापूर्वक जवाब देना (२) मारनेको दौडना। –पडवु = विरुद्ध पक्षमें जाना। –बोलवु = धृष्टतापूर्वक जवाब देना विरुद्ध बोलना मुह लगना]
सामे (सा) अ० सामने, रूबरू मौजूदगीमें (२) आँखोके सामने, सामने, समक्ष (३) विरोधमें विरुद्ध। [–आंगळी करवी = निन्दा करना। –बारणे = नजदीकमें, पासमें। –मोढे

= सामने आकर रूबरू, मुह पर]

सामेल वि० शामिल शरीक

सामयु न० अगवानी आगे बढकर लेना या स्वागत करना

सामो पु० एक कदन्न साँवाँ

सायत स्त्री० सायत ढाई घडी घटा

सायर पु० सागर सायर [प](२)न० शराब ताडी आदि पर लगनेवाली जकात

सायकाल(—ळ) पु० सायकाल

सायो पु० साया छाया छाँह(२)[ला] मदद आश्रय साया (३) फकीरका कुरता चोला

सार वि० अच्छा बढिया उत्तम(२) पु० न० सार सत कस(३) भावार्थ तात्पर्य मथितार्थ(४) [ला] लाभ, फायदा(५)उमग आनद (६) अच्छा भाव(७)सज्जनता अच्छाई

सारण वि० सारण चलानेवाला(२) पु० बावली या कुएमें से निकाली हुई नहर(३)न० अत्रवृद्धि

सारणगाँठ स्त्री० अत्रवृद्धि हार्निया'

सारणि(—णी) स्त्री० सारणी, नहर जल प्रणाली(२)तालिका, सारणी

सारणी स्त्री० बुनाईके लिए करघेमेंसे ताना पिरोना कघी भरना

सारप स्त्री०भलाई सज्जनता, अच्छाई

सारभाग पु० अच्छा भाग(२)साराश

सारभूत वि० निष्कर्ष या निचोडके रूपमें प्राप्त, सारभूत साररूप (२) सर्वोत्तम सारभूत साररूप

सारमाणसाई स्त्री० सज्जनता

सारववु स०क्रि० सार निकालना

सारवा स्त्री० सारवान् जमीन, उपजाऊ जमीन

सारवान पु० सारबान, ऊँटवान

सारवार स्त्री० सँभाल, सेवा टहल (२) तीमारदारी

सारवु स०क्रि० श्राद्धकर्म करना पिंड देना (२) पिरोना (३) झाडना गिराना (४)आजना आँखमें लगाना (५) पार लगाना पूरा करना (६) सुदर बनाना, सजाना पहनना (७) खिसकाना दूर करना सरकाना(८) टाँकना नकल कर लेना

सारस पु०, न० सारस लकलक

सारसी स्त्री० सारसकी मादा सारसी

सारग पु० जहाजका कप्तान, नाखुदा (२) उसका साथी खलासी

सारगी स्त्री० एक ततुवाद्य सारगी

साराई(—ग) स्त्री०अच्छाई सज्जनता भलमनसी

सारासारी स्त्री० अच्छा मेल या सबध

साराश पु० साराश तात्पर्य मथितार्थ

सारीगम स्त्री०सगीतके सात स्वर या उनकी लिपि (सगीतका) सप्तक, स्वरलिपि (२) किसी राग या गीतके स्वर सरगम

सारी पेठ(—ठे) अ० खूब, अच्छी तरह

सारु अ० —के लिए वास्ते

सारु वि०(२) न० अच्छा मगलमय शुभ भला(३)सुदर अच्छा मजेदार भला(४)सारा, समस्त सब(५)अ० (जवाबमें) भले अच्छा खैर।[(स्त्रीने) सारा दहाडा होवा = गर्भ रहना, पेट रहना। सारा पगलानु = नेकक़दम, जिसके पधारनेसे शुभ हो। सारो दहाडो = भले दिन सुखके दिन]

सारुनरसु, सारुमाठु वि० भला-बुरा। [—करवु = यह अच्छा है, यह खराब है

इस प्रकार नुक्स निकालना, जल्दी पसद न करना। —कहेवु = उल्हना देना, धमकाना (२) निंदा करना, बुरा कहना]
सारेवडु न० चावलके आटेका पापड
सार्वजनिक, सार्वजनीन वि० सार्वजनिक, सार्वजनीन
साल न० किसी छेदमें ठीक बैठनेवाला सिरा, लकडी आदिका पतला सिरा जो सालमें जमकर बैठे, चूल (२) वह जो दुःख देता हो, सालना। [—काढवु = लकडीके छेदमें ठीक बैठनेवाला सिरा बनाना (२) बाधा दूर करना (३) खतम करना, मार डालना, ठिकाने लगाना। —घालवु = बाधा खडी करना रुकावट डालना]
साल स्त्री० साल, वर्ष (२) फसल, पाकका मौसिम (३) सालियाना
सालगरेह सालगीरी स्त्री० सालगिरह, बरसगाँठ
सालपोल (—लियु) वि० जो जोडमेंसे ढीला पड गया हो, ढीला (२) जिसकी चूलें ठीक बैठी न हों, ढीली चूलवाला (३) [ला] ढीला, बोदा, सुस्त
सालम पु० सालम मिस्री सुधामूली
सालमपाक पु० सालम मिस्री डालकर बनाया जानेवाला एक पाक (२) मार [ला]
सालववु स०क्रि० लकडीका सिरा अन्य लकडीके छेदमें बैठाना सालना
सालवार अ० सालवार वर्षानुक्रममें
सालवारी स्त्री० वर्षानुक्रम (२) घटनाओंको सालवार क्रममें रखना उनकी सूची या नाम
सालवुं अ० क्रि० सालना, चुभना, खटकना (२) दिलमें दुःख होना, खलना, अखरना
सालस वि० सीधे स्वभावका, सीधा, [सरल
सालातूल वि० बेसमझ, बेढंगा (२) बेढगा (३) भोला भाला, सरल, अल्हड
सालियाणु न० सालियाना
सालो पु० देखिये साळो
सालोत्री पु० ढोरोंका डाक्टर, पशु चिकित्सक सलोतरी
साल्लो पु० स्त्रियोंकी धोती, साडी
साव (सा') अ० बिलकुल एकदम निपट
सावकु वि० सौतेला
सावचेत वि० सावधान, सावचेत
सावचेती स्त्री० सावचेती सावधानी, सजगता (२) चेतावनी, तबीह
सावज पु० बाघ (२) सिंह
सावध (—धान) वि० सावधान सतर्क
सावरणी स्त्री० झाडू बुहारी
सावरणो पु० बडी झाडू
सावलु न० सकोरा, नकोरा, शराव
सास पु० श्वास, साँस (२) [ला] प्राण, जीव, साँस (३) दम, जान सत्व। [—आववो = दुरुस्त होना, दोष या विकृतिका दूर होना सुधरना। —ऊपडवो, चढवो = साँस ऊपरको चढना आसन्नमृत्यु होना। —काढी नाखवो = खूब थका डालना (२) भुरकुस निकालना कचूमर निकालना। —चालवो = जिंदा होना साँस चलना]
सासरवासो पु० बिदाके समय बेटीको दिये जानेवाले कपडे गहने आदि
सासरियु न० ससुरके पक्षका, ससुरालवाला (२) ससुराल
सासरी स्त्री०, (—रु) न० ससुराल

सासु स्त्री० सास; पति या पत्नीकी माता
सासुजी स्त्री० सास (मानवाचक)
साहवु स०क्रि० लेना, पकडना, थामना
साहस न० साहस, जोखिमवाला काम (२) अविचारपूर्ण औद्धत्यपूर्ण काम साहस (३) किसी असाधारण काममें प्रवृत्त होनेकी वृत्ति साहस जीवट, हिम्मत। [—खेडवु = साहस करना जोखिम उठाना]
साहसकथा स्त्री० साहस या साहसपूर्ण कामोंका वर्णन करनेवाली कहानी, वीरोंकी कथा [आदमी साहसिक
साहसवीर पु० हिम्मतवर दिलेर
साहसिक, साहसी वि० साहस करनेवाला, साहसिक साहसी
साहो, साहीचूस देखिये शाही' आदि
साहुकार, साहुकारी देखिये शाहुकार' 'शाहुकारी
साहुडी स्त्री० देखिये 'शाहुडी
साहेब पु० साहिब, मालिक स्वामी (२) सरदार हाकिम आदरणीय व्यक्ति साहिब (३) टोपीवाला यूरोपियन साहब (४) ईश्वर साहिब
साहेबलोक पु० गोरे लोग (खासकर अंगरेज) [ष्ठित स्त्री
साहेबा स्त्री० साहिबा, सेठानी, प्रति
साहेबी स्त्री० साहबी ठाट, वैभव (२) मालिकपन साहिबी
साहेबो पु० स्वामी, वर
साहेली स्त्री० सहेली, सखी
साळ स्त्री० करघा
साळवी पु० बुनकर
साळावेली स्त्री० सालेकी पत्नी सल्हज
साळी स्त्री० पत्नीकी बहन, साली
साळु पु० रंगीन महीन साडी
साळो पु० पत्नीका भाई, साला
सांकड (०) स्त्री० सकीर्णता, तंगी (२) कठिनाई मुसीबत मुश्किल
सांकडु (०) वि० कम चौडा, सँकरा तंग (२) चुस्त, सकीर्ण, कसा हुआ (३) संकुचित अनुदार, सकीर्ण हृदय। [—पडवु = विस्तारमें कम पडना सकीर्णता अनुभव करना, कुशादगीका न होना]
सांकडे मांकडे (—ळे) (०,०) अ० सिकुड-सुकुडकर, सिमटकर बकुची मारकर
सांकळ (०) स्त्री० शृंखला जंजीर, सकल, साँकल सिकडी (२) दरवाजेकी साँकल कुंडी (३) जमीन नापनेकी १०० फुटकी एक नाप
सांकळवु (०) स० क्रि० (जंजीरकी तरह) जोडना मिलाना एक दूसरेसे लगाना (२) अ० क्रि० साँकलकी तरह जुडना सकलित होना
सांकळियु (०) न० अनुक्रमणिका विषयसूची
सांकळी (०) स्त्री० छोटी कडियाँ, छल्ले आदि जोडकर बनाई हुई लडी या जंजीर चेइन (२) जंजीर जैसा गलेका एक गहना, सिकडी
सांकळु (०) न० परका एक गहना, साँकडा [अंदाजा
सांको (०) पु० किसी चीजको मापका
सांखवु (०) स०क्रि० सहना झेलना (२) क्षमा करना (३) नापना (४) तुलना करना, मिलाकर देखना
सांखु (०) न० नाप (२) जोतकर खाली छोडा हुआ खेत [(व्यापारी)
सांखो (०) पु० एककी संख्याका संकेत

सागर(–री) (०)स्त्री० शमीकी फली, सगर [साथ, समस्त, पूरा,समूचा
सांगोपांग वि० (२)अ० अंग-उपांगोंके
सांचरवु (०) अ०क्रि० चलना, संचरना [प] (२) जाना बिदा होना
साचवु (०) स०क्रि० संचय करना इकट्ठा करना संचित करना
साचाकाम (०) न० यंत्र, कल मशीन (२)कलका काम यंत्रकाम (३)यंत्रकी बनावट, कल, पुरजे आदि [ठप्पा
साचो (०)पु०यंत्र, मशीन(२)सांचा,
साज(०)स्त्री०संध्या, शाम सांझ[प]। [–थवी, पडवी = सायंकाल होना शाम होना (२) बहुत देर करना [ला]। –पाडवी = विलंब करना काम टालनेमें डालना शाम-सुबह करना। –सवार= रोज, निरंतर, लगातार]
साजरे(०) अ० शामको
साजी(०)स्त्री० शामको गानेका लग्न-गीत (२) आरती
सांजे(०) देखिये 'साजरे'
सांझ, सांझरे, सांझी, सांझे देखिये 'साज' आदि [सूखा ठंठल रहठा
साठी(०) स्त्री० अरहर कपास आदिका
सांठो (०) पु० ज्वार ईख आदिका गाँठदार हरा तना सांठ (ईखका)
सांडशी, सांडसी, साडसो (०) देखिये 'साणसी' आदि [आदमी सांड[ला]
सांढ (०) पु० सांड(२) मस्त –बेफिक्र
सांढ (०ड) स्त्री० सांढनी ऊँटनी
सांढणी (०) स्त्री० सांढनी
सांढियो (०) पु० देखिये साढ' पु०
सांढो (०) पु० एक जंतु सांडा
सांतळवुं (०) स० क्रि० घी या तेलमें तलना या सेंकना

सांती(०)स्त्री० एक हलसे जोती जाय उतनी जमीन, जोत (२) न० देखिये 'सातीडु'
सातीडु (०) न० हल, सीर
सातेलु (०)न० बैलको जोतनेमें प्रयुक्त एक प्रकारका जुआ
साथ(०थ,) स्त्री० जमीनके मालिकको लगानके रूपमें ठहराई हुई शर्त पर अनाज या रुपयोंमें मिलनेवाला उपजका भाग, बटाई, गल्लई। [साथे आपवु, मूकवु = जमीन जोतनेके लिए देना जिसमें मालिकको लगानके रूपमें उपजका नियत हिस्सा मिले]
साथवु (०) स०क्रि० बटाई पर खेत जोतनेको देना
साथियो, साथी, साथोडो पु० पट्टे पर जमीन जोतनेवाला काश्तकार, असामी
साध(०ध,) स्त्री० देखिये 'साधो (२) कताई,बुनाई आदिमें तार जोडना सांध
साधण(०)न० जोडनेकी क्रिया जोड, संधि(२)आगेकी वस्तुके साथ जोडना, संधान(३) परिशिष्ट किसी चीजका पूरक अंग
सांधणी (०) स्त्री० जोडनेकी क्रिया, जोड(२)जोडनेकी कुशलता या रीति
सांधवु (०) अ०क्रि० सीना (२) दो चीजों टुकडोंको चिपकाना, मिलाना आदि जोडना (३) टाँकना, जोडना (४) (बरतनको) झालना, टाँका लगाना, चकती लगाना
सांधो (०) पु० वह जगह जहाँ दो चीजें जुडें जोड संधिस्थान (२) फटा या टूटा हुआ दुरुस्त करनेके लिए लगायी हुई थिगली या चकती। [–खावो = सफलता मिलना (२) मेल खाना

पटना। –बेसवो, मळवो = ठीक जुडना टांका ठीक लगना। –मारवो = जोडना, मिलाना सीना आदि]
सांपडवु (०) अ०क्रि० मिलना प्राप्त होना सपन्न होना (२) जनमना, पदा होना
सांबेलु (०) न० मूसल
सांभर (०) स्त्री० (ण०) न० स्मरण याद
सांभरवु (०) स०क्रि० इकट्ठा करना बटोरना (२) अ०क्रि० याद आना स्मरण होना [ध्यान देना सुनना
सांभळवु (०) स०क्रि० सुनना (२) [ला]
सांसता (०) स्त्री० धीरज, सब्र (२) सत्ता, बल (३) तगी मुश्किल भीड (पडना)
सांसतु (०) वि० सबूर धययुक्त (२) क्रोधादिसे निवृत्त; शात
सांसा (०) पु० ब० व० कमी बडा सकट, सांसत परेशानी, मुश्किल
सांसो (०) पु० सांसा सशय अनिश्चय
सांसोट (०) अ० सीधा आर-पार
सिक (–क्क) ल स्त्री० शकल चेहरा
सिक्काई वि० देखिये 'सक्कई
सिक्कादार वि० छापवाला मुद्रांकित, मुहर लगा हुआ (२) सुदर शकील
सिक्काबध वि० मुद्रांकित, मुहरवाला (२) ज्योंका त्यों, जो खुला न हो, बद
सिक्के अ० साथ, समेत
सिक्को पु० सिक्का, छाप मुहर (२) चलनसार सिक्का रुपया सिक्का। [–करवो, ठोकवो, मारवो, लगाववो = मुहर करना सिक्का लगाना (२) सफलतापूर्वक काम पूरा करना पार लगाना]
सिगराम पु०, न० देखिये 'शिगराम
सिगार (–रेट) स्त्री० सिगरेट, सिगार
सिझावु अ० क्रि० 'सीझवु' का भावे, सिझना
सिडाववु स०क्रि० सीडवु का प्रेरणाथक
सिडावु अ०क्रि० 'सीडवु' का कमणि, सीझना (ऋण)
सितार पु०, स्त्री० सितार
सितारो पु० सितारा, तारा (२) [ला] दशा भाग्य सितारा। [–चडतो होवो = अभ्युदय होना, सितारा बुलद होना। –पांसरो होवो = भाग्य अनुकूल होना, किस्मत लडना]
सित्तेर वि० सत्तर ७०
सित्तोतेर वि० सतहत्तर ७७ [८७
सित्याशी (–सी) वि० सतासी सत्तासी
सित्योतेर वि० देखिये सित्तोतेर'
सिद्ध वि० सिद्ध, अच्छी तरह तयार या पूरा किया हुआ सफल प्राप्त, ऊध (२) निश्चित प्रमाणित, सिद्ध (३) निष्णात दक्ष विशेषज्ञ (४) जिसने सिद्धि प्राप्त की हो (५) मुक्त सिद्ध (६) पु० सत या योगी जिसे सिद्धि प्राप्त हो गई हो सिद्ध (७) मुक्तपुरुष, सिद्ध
सिधार (–व) वु अ०क्रि० सिधारना जाना रवाना होना
सिनेमा पु० सिनेमा चलचित्र (२) सिनेमाघर सिनेमा
सिपाई पु० सिपाही सनिक (२) चप रासी सिपाही (३) पुलिस सिपाही
सिपाईगिरी स्त्री० सिपाहीका काम या नौकरी सिपहगरी, सनिकवृत्ति
सिपाईसपरां न०ब०व० सिपाही-पुलिस और उनके साथके व्यक्ति
सिफत स्त्री० सिफत गुण, विशेषता (२) तारीफ़, प्रशसा (३) चालाकी, होशियारी सफाई

सिफारस स्त्री० सिफ़ारिश
सिर न० सिर, शिर
सिरजोरी स्त्री० सरजोरी, जबरदस्ती (२) उद्दंडता, सरकशी, सरज़ोरी
सिरताज पु० मुकुट, ताज (२) [ला] मुरब्बी, बुज़ुग (३) सिरताज, सरदार
सिरनामु न० पता, सिरनामा
सिरपाव पु० देखिये सरपाव'
सिरपेच पु० पगडी पर बांधनेका एक गहना, सिरपेच, सरपेच
सिरस्तेदार पु० देखिये 'शिरस्तेदार'
सिरस्तो पु० देखिये 'शिरस्तो, रीत
सिलक स्त्री० खचमें से बची हुई रकम, बचत (२) हाथ परकी रोकड, शी राकड बाक़ी (३) वि० हाथ पर बचा हुआ रुपया नोट आदि' बाकी। [–काढवी = खचमें से बची हुई रकमका हिसाब करना। –मेळववी = आय-व्ययका हिसाब लगाकर रकमके घटने-बढनेका पता लगाना रोकड मिलाना। –रहेवु = बाक़ी बचना, बचत होना]
सिल्सिलाबध वि० सिलसिलेवार क्रम युक्त (२) जो लगातार हो अखंड (३) अ० अनुक्रमसे एकके बाद एक
सिलसिलो पु० सिल्सिला शृंखला, कडी (२) क्रम प्रथा परंपरा सिल्सिला (३) कुलपरपरा, कुरसीनामा, सिल्सिला शिजरा-नस्ब
सिलाई स्त्री० सीनेका ढंग, सिलाई (२) सीनेकी मजदूरी, सिलाई
सिवडामण न०, (–णी) स्त्री० सीनेकी मज़दूरी, सिलाई
सिवडाववु स०क्रि० 'सीववु का प्रेरणा-र्थक, सिलाना, सिलवाना
सिवाय अ०–के सिवा विना, अलावा
सिवावु अ०क्रि० 'सीववु का कर्मणि, सिया जाना
सिसकारवु स०क्रि० सिसकारना, आक्र-मण करनेके लिए उभारना
सिसकारो पु० सिसकारी, सिसकारना (आवाज)। [–करवो = सिसकारना, उसकाना, उभारना, लहकारना। –भरवो, मारवो, लेवो = सिसकारना मुंहसे सीटीकी-सी आवाज निकालना]
सिसोटी स्त्री० देखिये 'सीटी'
सिसोळियु न० साहीका कांटा
सिंग स्त्री० देखिये 'शिंग', फली
सिंचवु स० क्रि० सींचना, छिडकना डालना (२) (पेडको) पानी देना सींचना (३) एक पर एक चीजें तर-तीबसे रखना, लादना, गड्ड बनाना (४) लादना, किसी पर जिम्मेदारी भार डालना (५) (पानी निकालनेके लिए रस्सी या घडा) कुएँमें डालना
सिंदूर न० सिंदूर सदूर [प]
सिंदूरियु वि० सिंदूरके रंगका, सिंदूरिया सिंदूरी, सदूरी [सिंधव
सिंधव पु० न० सेंधा नमक, सधव
सिंधालूण न० सेंधा नमक
सिंह पु० सिंह शेर (२) पांचवीं राशि, सिंह। [–के शियाळ ? = फतहकी खबर या मौतकी ? । –नु बच्चु = वीर, बहादुर, शेरका बच्चा]
सिंहण स्त्री० सिंहनी शेरनी
सीक (–ख) स्त्री० लोहेकी सलाख या छड, सीख
सीगरो पु० बढ़ईका एक औज़ार बांक
सीझववु स० क्रि० 'सीझवु का प्रेरणा-र्थक' सिझाना

सीझवु अ०क्रि० आँच पर पक जाना, सिझना, सीझना (२) पार पडना, मतलब पूरा होना, सधना (३) [ला] शान्त होना, ठडा पडना (४) दु:खी होना कष्ट पाना, सीझना
सीटी स्त्री० सीटी (आवाज़)
सीडवु स०क्रि० गारेसे बद करना, डाट लगाना, अडाना (२) (ऋण) अदा करना, चुकाना
सीडी स्त्री० सीढी, निसनी
सीताफल(-ळ) न० सीताफल, शरीफा
सीताफळी स्त्री० सीताफलका पेड, शरीफा
सीत्कार(-रो) पु० सिसकी सीत्कार
सीदी पु० देखिये 'शीदी'
सीध स्त्री० खबर, सुध, समाचार (२) सीध सीधा होनेका भाव
सीधवु अ०क्रि० मतलब पूरा होना काम बनना, काम होना सधना
सीधवो पु० उलरुआ (गाडीका)
सीधाई स्त्री० सिधाई सरलता सीधापन
सीधु वि० जिसमें टेढापन या घुमाव न हो, जो एक ही दिशामें हो सीधा (२) जिसमें ऐंठ अकड न हो, जो शरीर, लडाका या फसादी न हो सरल, सीधा (३) सुबोध सरल जो झट समझा जाय (४) निष्कपट भोला भाला। [सीधी रीते = शरारत या ऊधम किय बिना (२) सरल व्यवहारसे नरमीसे। -करवु = [ला] ठाक-पीटकर ठीक करना, सीधा करना। -सभळावी देवु = मुह पर रूबरू कहना, साफ-साफ जवाब देना। सीधो जवाब = बिना ऐंच पेंचका सीधा जवाब। सीधो सवाल = खुला साफ़ प्रश्न, सीधा प्रश्न]
सीधु न० भोजनकी कच्ची सामग्री सीधा
सीधुदोर वि० सीधा तीर-सा
सीधुपाणी न० भोजनकी कच्ची सामग्री या उसका सामान सीधा [तीर-सा
सीधुसट वि० बिलकुल सीधा, सीधा
सीधुसामग्री स्त्री० सीधुसामान न०ब० व० सीधा, रसद, परचून [साफ
सीधेसीधु वि० बिल्कुल सीधा साफ-
सीनो पु० सीना छातीका फलाव
सीप स्त्री० सीप, शुक्ति (कडा खोल)
सीपमाछली स्त्री० सीप, शुक्ति सीपी (मोती बनानेवाला जीव) [उडेलना
सीपवु स०क्रि० छिडकना गिराना,
सीम स्त्री० खेत या गाँवकी सीमा, उस विभागकी जमीन, सिवान, सीव [प]
सीमळो पु० सेमल, शाल्मली वृक्ष
सीमत न० सीमत स्त्रीके सिरमें निकाली हुई माँग (२) सीमतोन्नयन सस्कार सीमत
सीमतिनी स्त्री० सौभाग्यवती स्त्री (२) वह स्त्री जिस सीमत आया हो
सीमाडो पु० गाँवकी सीमा हद सिवान
सीरमु वि० बिना सिचाईका उदा० सीरमा घउ
सील स्त्री० सील, मुहर ठप्पा। [-करवु, मारवु = सील-मुहर लगाना]
सीलबध वि० सील किया हुआ, मुहर बद (२) जिसका सील टूटा न हो जो खोला न गया हो ज्याका त्या
सीवण न० सीना या उसका ढग सिलाई, सीवन (२) वह जगह जहाँ सिया हो सिलाईका जोड सीवन
सीवणकाम न० सीनेका काम या उसका कौशल, सिलाई, सीवन
सीवणी स्त्री० सिलाई (काम ढग)

सीववु स० क्रि० सीना, टाँके लगाकर जोडना, सिलाई करना
सीसको पु० देखिये 'सिसकारो'
सीसपेन स्त्री० पेंसिल
सीसम स्त्री०, न० सीसम (पेड,लकडी)
सीसापेन स्त्री० पेंसिल
सीसी स्त्री० शीशी, बोतल
सीसु न० सीसा (धातु)
सीसो पु० शीशा, बडी बोतल
सींग स्त्री० देखिये 'सिंग', फली
सींचणियु न० पानी सीचनेका पात्र या साधन (२) कुएँमें से पानी निकालनेकी रस्सी लेजुरा, नेजु, उबहन
सींचवु स० क्रि० देखिये 'सिंचवु'
सींचाणो पु० बाज (पक्षी)
सींदरी स्त्री० नारियलकी रस्सी
सु अ० सुन्दर उत्तम उदा० 'सुकेशी, सुवास' (२) भलीभाँति, खब, पूरे तौर पर, उदा० सुरक्षित, सुसेवित' (३) सहज, अनायास, उदा० सुकर, सुलभ'
सुक्तान न० देखिये सूकगठ
सुकस्कडी वि० सूखकर काँटे-सा बना हुआ सुखडी क्षीणकाय [सूखा
सुकवणी स्त्री० सुखाई हुई चीज (२)
सुकवणुं न० कापी बारिश न होनसे खेती आदिका सूख जाना, सूखा
सुकान न० पतवार सुकान कण
सुकानी पु० पतवार पकडनेवाला कणधार [चीजको सुखाना
सुकाववुं स० क्रि० सुखाना शोषी
सुकावुं अ० क्रि० शुष्क होना सूखना (२) (शरीर) दुबला होना सूखना
सुकाळ पु० सुकाल, सुभिक्ष (दुर्भिक्षका उलटा) (२) भरमार, अधिकता [ता]
सुखड स्त्री० चदन (वृक्ष, लकडी या लेप), सदल [हलवाई
सुखडियो पु० मिठाई बनानेवाला,
सुखडी स्त्री० घी और गुडमें गेहूँका आटा सेंककर बनायी हुई एक खाद्य चीज जमी पजीरी जिसमें धनिया, साठ आदिका योग नहीं रहता (२) मिठाई (३) दस्तूरी, हक, बख्शिश। [—आपवी = भेंट या दस्तूरी देना। —कापवी = बेचे हुए मालकी क़ीमतमें से दस्तूरीके रूपमें कुछ रकम काटना, दस्तूरी काटना। —जमाडवी = मार मारना हलवा निकाल देना]
सुखणु वि० सुखी, सुखमें मग्न
सुखतळी स्त्री० सुखतला पाताबा
सुखद, सुखदायी सुखदेण वि० सुख दायक, सुख देनेवाला
सुखधाम वि० सुखके धामरूप, सुखद (२) जो स्वय सुखमय हो, सुखधाम (३) न० सुखका धाम, सुखधाम
सुखन पुं० सुखन सुखुन वचन, उक्ति। [बे सुखन कहेवा = सिफ़ारिश करना (२) सीख देना (३) उलहना देना]
सुखपाल स्त्री० एक प्रकारकी पालकी, सुखपाल [धनगे सहीसलामत
सुखरूप वि० (२) अ० कुशल-क्षेमपूर्वक,
सुखरेच पु० मद रेचन या जुलाब
सुखवेल स्त्री० एक तरहका बढ़िया धान
सुखशूर वि० सुखोपभोगमें शूर
सुखसगवड स्त्री०, न० ब० व० आराम और अनुकूलता ऐशोआराम सुख और सुभीता
सुखाकारी स्त्री० सुखी होना दशा (२) तदुरुस्ती; सुख-स्वास्थ्य

सुखासन न० सुखद आसन, सुखासन (२) पालकी सुखासन
सुखियारु, सुखियुं वि० सुखी, सुखिया
सुगरी स्त्री० एक चिड़िया, बया
सुगम पुं०, स्त्री०, (-धी) स्त्री० सुगंध, सुगंध
सुगंधीदार वि० सुगंधी, खुशबूदार
सुगावुं अ० क्रि० घिनाना नफ़रत करना किसी चीज आदिसे भागना
सुगाळ वि० खूब सस्ता अल्प मूल्यका
सुगाळ(०वुं, -ळुं) वि० जल्द घिन या नफ़रत करनेवाला किसी चीजसे भागनेवाला
सुघड वि० साफ, स्वच्छ (२) चतुर कुशल, सुघड (३) विवेकी ज्ञानी, समझदार
सुघडता सुघडाई स्त्री० स्वच्छता (२) सुघडता, सुघडाई कुशलता
सुघरी स्त्री० देखिये 'सुगरी', बया
सुजाण वि० सुजान ज्ञानी, समझदार
सुजात वि० सुजात कुलीन (२) सुन्दर, सुजात सुगठित
सुझाडवुं स० क्रि० 'सूझवु' का प्रेरणार्थक सुझाना, दिखाना, सूचित करना
सुडतालीस वि० सतालीस ४७
सुडोल वि० सुडौल सुंदर सुगठित
सुणवु स० क्रि० सुनना
सुणाववु स० क्रि० 'सुणवु' का प्रेरणार्थक सुनाना [सुगम सुबोध
सुतर वि० (२) अ० सरल, आसान,
सुतराउ वि० सूतका बना हुआ सूती
सुतरु वि० देखिये सुतर'
सुतरेल वि० देखिये 'सुतराउ', सूती
सुतार पु० बढ़ई, सुतार
सुतारकाम न० लकड़ी घड़नेका काम, बढ़ईगिरी, सुतारी
सुतारी वि० बढ़ईका बढ़ई-संबंधी (२) स्त्री० सुतारी, बढ़ईगिरी
सुथार(०काम, -री) देखिये 'सुतार' आदि [सुदी, उजेला पाख
सुद अ० शुक्ल पक्षमें (२) स्त्री० सुदि,
सुदामा पुं० सुदामा, श्रीकृष्णका एक सहपाठी (२) कंगाल मनुष्य [ला]।
[-ना तांदुल = ग़रीबका उपहार]
सुदामापुरी स्त्री० सौराष्ट्रका एक नगर पोरबन्दर (२) [ला] कंगालका निवासस्थान
सुदि अ० देखिये सुद'
सुधरवुं अ० क्रि० सुधरना, अच्छा होना
सुधराई स्त्री० सुधार सुधराई (२) नगरपालिका म्युनिसिपैल्टिी
सुधरावबुं स० क्रि० सुधरवु का प्रेरणार्थक सुधरवाना, ग़ल्ती दुरुस्त कराना
सुधार पु० सुधार इसलाह संस्कार
सुधारक वि० सुधारक, सुधार करनेवाला (२) पु० ऐसा व्यक्ति सुधारक
सुधारण न०, (-णा) स्त्री० सुधारना सुधार संस्कार इसलाह
सुधारवुं स० क्रि० अच्छा करना बिगड़े हुएको बनाना सुधारना (२) छीलना (तरकारी) मरम्मत करना दुरुस्त करना (मकान यंत्र आदि) (३) ग़लती दूर करके सही करना या लिखना सुधारना, संस्कार करना
सुधारावबु स० क्रि० देखिये सुधरावबु
सुधारो पु० सुधार, सुधरना, दोष या विकृतिका दूर होना अच्छी स्थिति (२) संस्कृति, सुधार सभ्यता (३) नयी प्रथा या रिवाज (४) प्रस्ताव

पर सशोधन, तरमीम। [—मूकवी = प्रस्ताव पर संशोधन रखना]
सुधी अ० तक, पयत
सुध्या(०त) अ० साथ, सहित समेत, सुद्धाँ
सुनावणी स्त्री० सुनवाई, सुनाई पेशी। [—पडवी, नीकळवी = मुक़दमेकी सुनवाई होना]
सुपरत स्त्री० सिपुर्दगी, हवाला (२) वि० सिपुर्द सौंपा हुआ। [—करवु = सौंपना]
सुफियाणु वि० ऊपर-ऊपरसे सुन्दर लगनेवाला, बाहरी सफाईवाला
सुमार पु० शुमार, अटकल अदाजा
सुमारे अ० अदाजन, लगभग
सुमेळ पु० अच्छा मेल, मनका अच्छा मिलन, बनत (२) सुदर मिलन, उत्तम प्रकारका मिश्रण [दाई
सुयाणी स्त्री० बच्चा जनानेवाली स्त्री
सुरख वि० सुख; लाल [[ला] असर
सुरखी स्त्री० सुर्खी, लाली सुरखी (२)
सुरता स्त्री० लगन, लौ (२) ध्यान होश सुरत [प] (३) याद, सुध सुरता
सुरती वि० सुरत शहरका या उस ओरका (२) स्त्री० सुरतकी ओरकी बोली (३) पु० सुरतका या उस तरफका रहनेवाला। [—लाला = छैला फक्कड]
सुरमो पु० सुरमा [पायजामा
सुरवाल(—ळ) पु०, स्त्री० सुरवाल
सुरग स्त्री० जमीनमें खोदकर बनाया हुआ गुप्त माग, सुरग (२) बारूदक गोलेकी एक युक्ति या बनावट (दीवार या चट्टान आदि उडानेके लिए) सुरग। [—कादवी = पहाडके नीचेसे खोदकर रास्ता बनाना]
सुराई स्त्री० सुराही
सुराख स्त्री० सूराख छेद
सुरावट स्त्री० सुर मिलाना, स्वरमेल (२) सुरीली आवाज, सुस्वर
सुरीलु वि० सुरीला, मधुर स्वरवाला
सुरेख वि० सुडौल, सुदर, गठीला
सुरेल वि० मधुर स्वरवाला, सुरीला
सुलक्षण(—णु) वि० सुन्दर या शुभ लक्षणोवाला, सुलक्षण [करना
सुलटावव स०क्रि० सुल्टा करना सीधा
सुलतानी वि० सुलतानका, सुल्तानी, शाही (२) स्त्री० सुलतानकी हुकूमत राज्य, सुलतानी (३) [ला] राजाका स्वच्छाचार या जुल्म
सुलाख स्त्री० सूराख छेद
सुलेह स्त्री० सुलह लडाई-झगडेका अभाव मेल (२) समझौता, सुलह
सुलेहशांति स्त्री० सुलह और अमन
सुवडा(—रा)ववु स० क्रि० सूवु का प्रेरणार्थक, सुलाना
सुवा पु० सोआ, सोवा (बीज)
सुवाडवु स०क्रि० सूवु'का प्रेरणार्थक, सुलाना
सुवाण स्त्री० देखिये सवाण'
सुवारोग पु० जच्चाको होनेवाला एक रोग, सूतिकारोग
सुवावड स्त्री० प्रसवकाल और उसके बादका बीमारीका समय [सौरी
सुवावडखानु न० प्रसवगृह जच्चाखाना,
सुवावडी स्त्री० जच्चा प्रसूता सूतिका
सुवावु अ०क्रि० सूवु'का भावे, सोया जाना [सौभाग्यवती सुवासिनी
सुवासण(—णी) स्त्री० सुहागन, सधवा
सुवासिणी(—नी) स्त्री० देखिये 'सुवासण
सुशोभन न० शोभाके लिए की हुई सजावट, सुदर सजावट

सुसवाट(-टो) पु० तेज हवा चलनेकी आवाज़ सरसराहट र्राटा
सुस्त वि० सुस्त, आलसी (२) धीमा, मंद, सुस्त
सुस्ती स्त्री० सुस्ती, आलस्य, नींदका खुमार(२)मंदता, सुस्ती। [-उडावी देवी का नाखवी = ठोक-पीटकर सीधा करना। -ऊडवी = अँगडाई लेना, बेदार होना। -करवी, राखवी = आलसी होना]
सुहाग पु० सुहाग, सौभाग्य
सुहागण वि० स्त्री० सुहागिन सुहागन सौभाग्यवती (२) पतिकी चहेती
सुहाण स्त्री० शांति, संदेहनिवारण, समाधान [सुंदर लगना
सुहावु अ० क्रि० सुहाना शोभित होना
सुवाळा (०) पु०ब०व० दशाहकी क्रिया
सुवाळी (०)स्त्री० पूरी जसी नाश्तेकी चीज, सुहारी
सुवाळु (०) वि० चिकना और मुला यम, सुकुमार(२)नरम स्वभावका, नमदिल मृदु (३) न० बालकके जन्मका सूतक सूतकाशौच
सूकताळु न० बालकको होनेवाला एक रोग सूखा रोग, सुखडी रिकेट्स'
सूकववु स० क्रि० देखिये सुकाववु
सूकु वि० जिसमें गीलापन न हो सूखा शुष्क शुष्क (२) दुबला सुखडी। [-रही जवु = कुछ असर न होना, कोरा रह जाना। सूको काळ = बारिश न होनेसे पडनेवाला अकाल सूखा। सूको दम = खाली धमकी बंदरघुडकी। सूको प्रदेश = वह विभाग जहाँ नशा बंदी हो ड्राय एरिया']
सूकुभ(-स)ट वि० बिल्कुल सूखा
सूको पु० तम्बाकूका चूरा जरदा सुरती
सूग स्त्री० घिन नफरत
सूचन न० सूचन, सुझाव
सूचववु स० क्रि० सूचित करना जताना ध्यान पर लाना, सुझाना
सूचवावु अ० क्रि० सूचववु'का कर्मणि सुझाया जाना
सूज स्त्री० सूजन शोथ [फूल जाना
सूजवु अ० क्रि० सूजना; किसी अंगका
सूझ स्त्री० सूझ समझ पहुँच
सूझतु न० जो अपनी पसंद या सूझके अनुरूप हो उदा० 'तमे तमारु सूझतु करो छो ए चाले?'
सूझवु अ० क्रि० दिखाई देना सूझना (२)खयाल या ध्यानमें आना सूझना
सूड वि० इकट्ठा सादा (ब्याज) (२) पु० न० मूल जड (३) न० जोतनेसे पहले खेतमेंसे खूटी ठूंठल, झाड आदिकी सफ़ाई करना
सूडलो पु० एक प्रकारका तोता सूआ
सूडी स्त्री० छोटा सरौता (२) सूएकी मादा [तोता, सूआ
सूडो पु० सरौता (२) एक तरहका
सूणवु अ० क्रि० सूजना [सूतक
सूतक न० जननाशौच या मरणाशौच,
सूतकी वि० सूतकी (जन्म या मरणका)
सूतर न० सूत कच्चा धागा। [-ने तांतणे बंधायेलु = प्रेमके धागेसे बंधा हुआ]
सूतरफेणी (फें) स्त्री० एक तरहकी मिठाई, फेनी, सुधाफेनी
सूतरशाळ स्त्री० एक प्रकारका धान
सूतळी स्त्री० सुतली
सूत्र न० सूत्र तंतु सूत, धागा (२) सूत, रुईका धागा (३)सूत्र व्यवस्था, नियम (४) सूत्र-ग्रंथ (कल्पसूत्र,

गृह्यसूत्र आदि) (५) ध्येयके रूपमें स्वीकृत किया हुआ कोई छोटा, अथ गर्भ वाक्य सूत्र (६) सूत्र, 'फारमूला' [ग] (७) साध्य, 'प्रापोजीशन' [ग]

सूध स्त्री० सुध, होश, चेत-खबर (२) पता, खबर। [–आववी, वळवी = होश आना चेतनायुक्त होना]

सूधबूध स्त्री० सुध-बुध, होश-हवास, अक्ल। [–ऊडी जवी = होश ठिकाने न रहना] (२) व० व० गणेशकी दो पत्नियाँ – शुद्धि और बुद्धि

सून वि० शून्य, शून, खाली, रहित

सूनकार पु० देखिये 'शूनकार'

सूनमून (–नु) वि० देखिये 'शूनमून'

सूनु वि० सूना, जनहीन उजाड (२) जिसकी देख रेख करनेवाला कोई न हो, सूना। [–पडवु = खाली या निर्जन पडना (२) बिना साथ-सहवास के रहना। –मूकवु = अकेला, साथी-संगीके बिना छोड देना]

सूनुसट वि० बिल्कुल सूना

सूपडी स्त्री० छोटा सूप या छाज

सूपडु न० सूप छाज

सूफ न० बकरीके बाल (२) उसका कपडा (३) ऊनका वस्त्र सूफ

सूबो पु० सूबा, प्रदेश, प्रांत (२) सूबेदार सूबेका शासक

सूम वि० (२) पु० सूम कंजूस

सूम वि० शून्य (२) पस्त हौसला, जड सुस्त। [–जेवु = काठका उल्लू बुत जैसा, बुद्धू जैसा। –मारी जवु = (सिर दिमाग) चक्कर काटने लगना]

सूमडु वि० सूमडा कंजूस

सूमसाम वि० आवाज या गतिसे शून्य सुनसान, सन्न (२) न० देखिये 'शून कार, सुनसान, सन्नाटा

सूर पु० सुर, आवाज, कंठ, स्वर। [–आपवो = गायकको चाहिये ऐसा स्वर बाजेमें निकालना, स्वर मिलाना। –पूरवो = स्वर भरना स्वर मिलाना (२) [ला] समर्थन करना]

सूरज पु० सूरज, सूर्य। [–चडती कळाए होवो = अभ्युदयका समय होना, नसीब चमकना, सितारा बुलंद होना। –तपतो होवो = उन्नति, तरक्की पर होना। –माथे आववो = दोपहरका समय होना (२) पूर्ण समृद्धि होना]

सूरजमुखी न० सूरजमुखी

सूरण न० जमीकंद, सूरण सूरन

सूरत (–ती) स्त्री० देखिये 'सुरता'

सूरपेटी स्त्री० स्वर भरनेका पेटीनुमा एक वाद्य

सूरोखार पु० एक क्षार, शोरा

सूर्यवंशी पु० सूर्यवंशी (२) सूर्योदयके बाद देरसे उठनेवाला

सूल न० हिसाब या झगडेका निब-टारा फैसला, समाधान समझौता (२) वि० सीधा सरल

सूलटु वि० सुलटा 'उलटा का उलटा (२) अनुकूल सुविधाजनक

सूवर पु० न० सूअर, सूवर

सूवु अ० क्रि० लेटना, किसी आधार पर पडे रहना (२) सोना नींद लेना। [सूई जवु = शांत होना, बंद पडना, रुकना (२) खर्चके अतिरेकसे खराब स्थिति होना नसीब सो जाना सोनेका घर मिट्टी हो जाना (३) हिम्मत पस्त होना दुर्बल होना। सूतु जागवु = अचानक बाधा आ पडना।

सूतु मूकवु = अवज्ञा करना, कुछ न गिनना। सूतेलो सिंह जगाडवो = विकराल या पराक्रमी पुरुषको छेडना]
[करना, सनसनाना
सूसववु अ०क्रि० सन सन आवाज
सूळ, सूळी देखिये शूळ', शूळी
सूळु न० जौ, गेहूँ, धान आदिकी बालके ऊपरका सूई जसा नुकीला रेशा, टूड
सूंघणी स्त्री० सुंघनी हुलास, नास
सूंघवु स० क्रि० सूंघना वास लेना (२) नाकके श्वाससे अदर खींचना (सुंघनी) [धक सुंघाना
सूंघाडवु स० क्रि० 'सूंघवु' का प्रेरणा
सूंठ स्त्री० सोंठ सुंठी
सूडली स्त्री० डलिया, टोकरी, सिवोली
सूडलो पु० डला टोकरा छबडा
सूडो पु० डला टोकरा
सूढ स्त्री सूड मूंढ
सूढल (ल') स्त्री० (बल या श्रमकी) किसानोंकी आपसकी सहायता हूड डगवारा [करना
सूढाडवु स० क्रि० सज्ज करना तयार
सूढाळु वि० सूडवाला
सूढियु वि० सूडवाला सूडाकार (मोट) (२) न० एक प्रकारकी हल्की ज्वार सुढिया (३) ऊँट या घोडेके पलानक नीचे डाला जानेवाला कपडा
सूथणी स्त्री० छोटा सुथना पाजामा
सूथणु न० सुथना पाजामा
सूथियु न० चीथड रस्सी पयाल आदिको बडा इडुरी गेंडुरी, वीडा, वीड (२) [ल्ग] वेढंगी या पुरानी पगडी या टोपी
सजवु स० क्रि० रचना, बनाना सिरजना [प]

सै (सैं) स्त्री० मदद सहाय। [-पूरवी = सहारा बल देना मददगार सिद्ध होना]
सेकटो पु० देखिये सरगवो
सेकड स्त्री० सेकड, सेकेंड
सेगरो पु० देखिये 'सीगरो
सेज (सें) स्त्री० सेज, शय्या
सेजळ न० नदीका पानी, सरित्जल (२) वि० बारिसके पानीसे होनेवाला (गेहूँ)
सेड (ड') स्त्री० देखिये शेड'
सेडकडु (ड') वि० देखिये शेडकडु
सेतान (-नियत, -नी) देखिये 'शेतान' आदि
सेतूर न० शहतूत
सेनो पु० एक प्रकारका कपडा लट्ठा
सेप न० सेब
सेपटां न०ब०व० चमडेकी पतली पट्टियाँ जो पनेके सिरे पर बाँधी जाती हैं वधियां। [-काढी नाखवा = (पीट-पीटकर) खाल उधेडना चमडी उड जाय इतना पीटना] [पट्टी सटाकी
सेपटी स्त्री० चमडेके चाबुककी पतली
सेब न० सेब [भ्रमण
सेर (सें) स्त्री० सर हवाखोरीके लिए
सेर (सें) स्त्री० वह डोरा जिसमें मोती मनके आदि पिरोये हों, लडी, इस तरहकी माला (२) घासकी चपटी पत्ती तिनका या शलाका (३) प्रवाह द्रव पदार्थकी धार (४) शिरा नस। [-आववी = धारा या प्रवाह निकलना गरना बहना। -छूटवी = फव्वारेकी तरह धारा वह निकलना]
सेरडो पु० देखिये शेरडो
सेरववु स० क्रि० सरकाना, आहिस्तेसे खिसकाना
सेरवो पु० शोरवा शोरवा

सेरिपु (से॑) न० सनकी जातके एक पौधेका बीज
सैलडु(-ड) न० घीकुआरका फूल
सेली स्त्री० राख, भस्म (२) गलेमें डालनेकी काले धागाकी अटी, सेली
सेलु न० देखिये शेलु'
सेलो पु० देखिये 'शेलो
सेव देखिये शेव'
सेवडी स्त्री० जन साध्वी
सेवडो पु० सेवडा, जैन साधु
सेवममरा देखिये 'शेवममरा
सेवधन(-नी) वि० इस नामकी एक प्रकारकी (सुपारी)
सेववु स० क्रि० सेवा, भक्ति करना, भजना (२) बहुत सेवा करना (३) काममें लाना व्यवहारमें लेना (४) (अडा) सेना
सेवधु वि० देखिये 'सेवध
सेवा स्त्री० सेवा खिदमत, चाकरी (२) पूजा आराधना, सेवा (३) सेवा-टहल, तीमारदारी (४) निष्काम भावसे अन्यका काम करना सेवाकाय
सेवाचाकरी स्त्री० सेवा-टहल तीमारदारी
सेवापूजा स्त्री० सेवा पूजा आराधना
सेवाळ, सेवाळवु देखिये शेवाळ' आदि
सेवो स्त्री० ब० व० सेव या सिवइयाँ
सेळभेळ वि० देखिये भेळसेळ
सेळभेळियु वि० मिलावटवाला
से॑ (सॅ०) पु० 'एक'का छोडकर किसी संख्यावाचक विशेषणके साथ आने वाला सौका रूप उदा० चारसें चारसें
सॅंकडो (सॅ०) पु० सौकी संख्या सौका समूह सकडा (२) सदी, शताब्दी (३) वि० सकडा, उदा० सॅंकडो माणसो

सेंत(-थ)लो (सॅ०) पु० झाड-झखाड उठानेका लकडीका एक साधन काटा
सेंथी (सॅ०) स्त्री० माग (बालोकी)
सेंथो (सॅ०) पु० देखिये 'सेंथी' (२) सिरका एक गहना माँग-टीका
सैकु न०, (-को) पु० सवडा मौका समूह (२) सौ सालका काल सदी
सडकागाठ स्त्री० रस्सा आदिका एक सिरा खीचनेसे छूट जानेवाली गाठ, मुद्धी डेढगाठ [बच्चोका एक खेल
सडकियु न० देखिये 'सडकागाठ (२)
सडकु न० देखिये 'सडकागाठ' (२) सुडक (आवाज)
सडको पु० सुडक (आवाज) (२) साडीके आँचलका कोना जो खीचकर काछमें खोसा जाता है काछ
सडण न० छाजनमें खपरलोंके नीचे डाली जानेवाली फट्टियाँ अतरवन आदि तिरपाल (२) उनको बाँधनेकी डोरी
सयड(-ड) पु० ब० व० चेचक शीतला
सा(सा) पु० सौ, १०० । [-गाळणे गाळीने = बहुत सावधानीके साथ खूब सोच विचारके बाद । -टचनु सोनु = उत्तमोत्तम सोना सौ टचका माना । -ना साठ करवा = घाटा सहना घाटेका धधा करना । -मण रूनी तळाई ए सूवु = सुखचन होना घाडे बेचकर सोना । -ये वर्ष पूरा थवा = सिमा पर आफत आ पडना मौतकी तयारी होना]
साई स्त्री० इतजाम सुभीता व्यवस्था
सोक्टाबाजी स्त्री० चौसर, चौपड
सोक्टी स्त्री० (-टु) न० (चौसरकी) गोटी, गोट । [-मारवी = गोटी मारना, दूसरेकी

मारना (२) चोट करना (३) गोटी जमना, प्रयोजन सिद्ध करना, फतह हासिल करना। –वागवी = मुक्ति सफल होना, गोटी जमना, गोटी बठना]

सोकठाबाजी स्त्री० देखिये 'साक्टाबाजी

सोक्ठी(–ठु) देखिये सोक्टी

सोग पु० साग, शोक

सोगटाबाजी स्त्री० देखिये 'साक्टाबाजी'

सोगटी(–टु) देखिये सोक्टी

सोगठाबाजी स्त्री०देखिये साक्टाबाजी

सोगठी(–ठु) देखिये सोक्टी

सोगन(सा) पु०ब०व० सौगध शपथ। [–आपवा, खवडावचा = कसम खिलाना, हलफ देना गीता, कुरान या गगाजल उठवाना। –खावा, लेवा = कसम खाना, कुरान गीता या गगाजल लेकर कहना]

सोगननामु (सा) न० शपथपत्र, हलफनामा एफिडेविट' [सोगननामु

सोगद, सोगदनामु देखिये 'सोगन,

सोगात(सा) स्त्री० सौगात भेंट

सोगियु वि० शोकवाला गमजदा शोक पूर्ण (२) न० शोकसूचक पहनावा मातमी लिबास

सोज पु० गभीरता, सयानापन, विवेक (२)सौजन्य सदवर्तन(३)रीति, ढब रहन-सहन ढग(४)वि०अच्छा उत्तम

सोजी स्त्री० मदा

सोजु वि० अच्छा उत्तम (२) स्वच्छ

सोजो पु० सूजन, शोथ —

सोटी स्त्री० छडी, छोटा पतला डडा

सोटो पु० मोटा बडा डडा, साटा। [–चलाववो = सोटेसे मारना, साटा चलाना जमाना(२)सत्ता चलाना]

सोड (साड) स्त्री० पाश्व, पहलू बगल (२) परदा करते समय या लेटे हुए आत्मीया अपना ओढा हुआ कपडा मुह पर तानना(३)ओढनेकी चादर या रजाई आदिके नीचेका मुलायम कपडा चादर सौर। [–ताणवी, ताणीने सूवु = पाँवसे सिर तक ओढना(२)चनसे सोना लबी तानना (३)आलस्यसे देर तक लेटा रहना (४)रूठकर सोना(५)मर जाना। –मा भराव = –के आश्रममें जाना, –की शरणमें जाना]

सोड(ड') पु० स्त्री० गध महक, बू

सोडम(ड')स्त्री० गध महक साधा

सोडवु(ड') स०क्रि० सूघना, बास लेना (२)अ०क्रि० गधाना, दुगध होना बू मारना

सोडावु(ड') अ०क्रि० बास आना गधाना बू मारना

सोडे(सा) अ० अगल्म नजदीक पासमें (२) –के अनुसार –की तरह

सोण पु०, स्त्री० पत्थर, कील

सोणलु सोणु न० सुपना, स्वप्न

सोत(–तु) (सा) अ० समेत, सह

सोदागर पु० सौदागर बडा व्यापारी

सोदाग(–गी)री स्त्री० बडा व्यापार, तिजारत सौदागरी (२) सौदा गरका पशा सौदागरी

सोदु(सा) वि० व्यभिचारी शोहदा, बदचलन (२) ठग, धूत

सोदो(सा) पु० सौदा व्यापार (२) [ला] खरीद-बेची या खरीद करनेका सकेत या वायदा सौदा(३)तिजारती साहस। [–पाकवो = सौदा सफल होना, ठीक सौदा होना, सौदा पटना

(२) वादा पूण होना, उसकी अवधि पूण होना]

सोनचपो पु० सुवण चपक, पीला चपा

सोनागेरु पु० एक प्रकारकी लाल मिट्टी सोनागेरू, हिरमजी

सोनामहोर स्त्री० सोनेका सिक्का, मुहर, अशरफी

सोनामुखी स्त्री० एक रेचक वनस्पति, सनाय, सोनामुखी (२) एक धातु, सोनामाखी, सोनामक्खी

सोनार पु० सुनार, सोनार

सोनारण स्त्री० सुनारकी स्त्री, सुनारी

सोनी (०महाजन) पु० सुनार, सोनार

सोनु न० सोना सुवण। [सोनानां नळिया करवां = सोनेके महल उठाना, बहुत धनवान होना। सोनानी लका लूटावी = अति मूल्यवान चीजका खो जाना या लुट जाना। सोनानो वरसाद वरसवो = बहुत कमाई होना, चाँदी कटना। सोनानो सूरज ऊगवो = बहुत सुख और समृद्धिका समय आना सितारा चमकना]

सोनेरी वि० सोनेके रगका, सुनहरा, सुनहला (२) सोनेका (३) सोनेका मुलम्मा चढाया हुआ (४) [ला] उत्तम, ध्यानमें लेने योग्य, बढिया (नियम कानून आदि) [-केळु = एक अच्छी जातका केला चपाकेला कलवतिया केला। -टोळी = धोखाधडीके काम करने वाली धूत लागोकी टोली]

सोनयो पु० सोनेका सिक्का स्वणमुद्रा

सोपट अ० सीधे बिना मुडे घूमे

सोपारा पु० अध्याय परिच्छेद। [-गणवा, गणी जवा = भाग जाना, नौ दो ग्यारह होना]

सोपारी स्त्री०, न० सुपारी, सोपारी

सोपो पु० रातके पहले पहरमें प्राणियोंके निद्राधीन होनेसे होनेवाली शान्ति या सन्नाटा

सोबत (साँ) स्त्री० सुहबत, सग, साथ, मित्रता। [सोबते चडवु = सुहबत उठाना, किसीकी सुहबतमें रहकर कुछ बुरी आदतें सीखना]

सोबती (साँ) पु० सुहबती, साथी, मित्र

सोम पु० सोमलता, सोमरस, सोम (२) चद्रमा, सोम (३) सामवार, सोम (४) सगीतमें एक अलकार सोम। [-नाह्या = सोमयागमें पूर्णाहुतिका स्नान करना (२) छूटे, बला टली, कल पडी इस मतलबका उदगार]

सोमल पु० न० सखिया

सोमवती अमास स्त्री० सोमवती अमावास्या, समोती मावस

सोमवार पु० सोमवार, सोम

सोमवेली स्त्री० सोमवल्ली, सोमलता

सोय (साँ) स्त्री० सूई सुई

सोयणी स्त्री० मोचीका एक औजार (२) एक रागिनी सोहिनी

सोयो (साँ) पु० बडी सूई, सूआ

सोरठ पु० सौराष्ट्रका एक हिस्सा (२) एक रागिनी, सोरठ, सोरठी

सोरठियाणी स्त्री० सोरठ प्रदेशकी स्त्री

सोरठी वि० सारठ प्रदेशका सोरठसे सबधित

सोरठा पु० एक मात्रिक छद, सोरठा

सोरण (साँ) स्त्री०, न० वियोगके दु खसे सूखना झूरना

सोरम स्त्री० देखिये 'सोडम'

सोरववु स० क्रि० चन पडना, कल मिलना

सोरवु(सो') स०क्रि० (लकडी, पेड आदिको) खुरचकर या काट-छाँटकर या टूंसे निकालकर साफ करना या ठीक करना (२)[ला]उचितसे अधिक दाम लेना, लूटना (३)गाली देना, फटकारना

सोराटवु(सो') स०क्रि० खूब छीलना, खब काट छाँट करना (लकडी बाँस आदिको) (२) [ला] खूब गालियाँ देना, फटकारना सौ बात सुनाना

सोरु अ० तक अरमेमें दरमियान

सो वसा अ० बिलकुल निश्चितरूपसे निस्सदेह, सौ बिस्वा [सुवासिनी

सोवासण(-णी) स्त्री० सुहागिन,

सोवु स०क्रि० (सूपसे) फटकना

सोस पु० खूब प्यास (लगना) गला सूखना खुश्क होना (२) [ला] तीव्र इच्छा लालसा (३) फिक्र चिंता। [**-पडवो** = खूब प्यास लगना गला सूखना]

सोसवावु अ०क्रि० रस सूख जाना सूखना जलहीन होना (२) दुबला होना सूखना (चितासे)

सोसवु अ०क्रि० सहन करना सहना (२)स०क्रि० सोखना जज्ब कर लेना

सोसावु अ०क्रि० देखिये सोसवावु (२) 'सोसवु'का कर्मणि

सोहवु अ०क्रि० सोहना सुदर लगना

सोहाग पु० सौभाग्य सुहाग, अहिवात (२)बडा भाग्य (३)अहिवात सुहागकी चीजें (चूडी, सिंदूर आदि)। [**-उतरावो** लेवरावो = पतिके मरनेपर पत्नीकी सुहागकी चीजें उतरवाना] [वती सुहागन

सोहागण वि०स्त्री० सुहागिन सौभाग्य

सोहागी वि० सुशोभित (२)भाग्यवान, सुखी (३)आनदी

सोहामणु वि० सुहावना सुशोभन

सोहाववु स०क्रि० 'सोहवु सोहावु'का प्रेरणायक

सोहावु अ०क्रि० देखिये सोहवु

सोहासण(-णी) स्त्री० सुहागिन सौभाग्यवती सुहागन [सोहिनी

सोहिणी(-नी) स्त्री० एक रागिनी,

सोह्यलु वि० सुहावना (२) सरल आसान (३) सुखदायक

सोळ वि० सोलह १६। [**-वाल नें एक रती** = बराबर ठीक न्यायके अनुसार बावन तोले पाव रत्ती। **सोळे कळा** = पूरा (चद्रकी सोलह कलाओ परसे) पूर्ण। **सोळे संस्कार थई चूकया** = सब प्रकारके सुखदुःखका अनुभव कर लिया सब कुछ भोग लिया। **सोळे सोपारा भणवा** = सब प्रकारसे होशियार चालाक बनना घाघ बनना। **सोळेसोळ आनी** = सोलहो आने जसा चाहिये वसा बिल्कुल]

सोळ(सा) पु० (-ळु) न० (छडी आदिकी) चोटका दाग साट

सोळु वि० धोकर अलग रखा हुआ (वस्त्र) (२) न० खाना पकाते समय पहना जानेवाला वस्त्र (३) पुष्टिमार्गीय आचार प्रणाली

सोंघ(०वारी) (स०) स्त्री० सस्ती सस्तापन महगीका न होना

सोंघारत(-थ) (मा०) स्त्री० न० देखिये 'सोंघवारी

सोंघु(सों०) वि० कम दामका सस्ता। [**-मोंघु थवु** = मान चाहना आदरकी अपेक्षा रखना]

सोंपण(सॉं०) स्त्री० सिपुर्दगी, हवाला
सोंपवुं(सॉं०) स०क्रि० सौंपना, सिपुर्द करना
सोंफ(सॉं०) स्त्री० सौंफ
सोंसरवुं, सोंसरु(सॉं०) वि०(२)अ० आर-पार। [–नीकळवुं, पडवुं = इस पारसे उस पार तक जाना(२)न पचना]
सौ वि० सब, सब, कुल (२) अ० भी, समेत, उदा० 'तु सौ आवजे'
स्टाप(०) पु० स्टाप, स्टॅम्प
स्टॉल पु०,स्त्री० स्टाल दुकान
स्त्री स्त्री० औरत, स्त्री (२) पत्नी
स्त्रीकेसर न० स्त्रीकेसर [त्रियाचरित्र
स्त्रीचरित(–त्र) न० तिरिया चरित्तर,
स्त्रीजन न० औरत, स्त्री
स्त्रीधर्म पु० स्त्रियोंका कर्तव्य स्त्रीधर्म (२) रजोदर्शन स्त्रीधर्म [स्त्रीपात्र
स्त्रीपात्र न० कथा, नाटक आदिका
स्त्रीबुद्धि स्त्री० स्त्रीकी बुद्धि, स्त्रीबुद्धि (२) स्त्रीकी सलाह [[ब्या]
स्त्रीलिंग न० स्त्रीलिंग, नारीजाति
स्थान न० स्थान जगह स्थल (२) रहनेकी जगह, घर स्थान (३) पद ओहदा, स्थान
स्थानक न० स्थान, स्थानक रहनेकी जगह (२) बैठक, आसन (३) पद, स्थानक, ओहदा
स्थानकवासी वि० (२) पु० जैनोका एक सम्प्रदाय (३) स्थानकवासीका या उससे संबंधित
स्थानिक स्वराज(–ज्य) न० स्थानिक स्वशासन, 'लोकल सेल्फ गवर्नमेंट'
स्थापवुं स०क्रि० स्थापित करना, कायम करना (संस्था आदि), स्थित करना, प्रतिष्ठित करना, निर्माण करना (२) (किसी स्थान पर) स्थिर करना, जमाना, रखना, नियुक्त करना, स्थापित करना (३) किसी विषयको सप्रमाण प्रतिपादित करना, प्रमाणित करना या निरूपित करना
स्थिति स्त्री० स्थिति, स्थिर रहना, एक स्थान या अवस्थामें लगातार बने रहना, ठहरना (२) निवास स्थिति (३) अवस्था, दशा, स्थिति (४) पद, ओहदा, स्थिति (५) मर्यादा, स्थिति
स्थितिचुस्त वि० रूढिवादी स्थिति पालक, 'कनजरवेटिव'
स्थितिस्थापक वि० पूर्व अवस्था प्राप्त करनेवाला, स्थितिस्थापक, लचीला
स्नान न० स्नान, नहाना (२) मृतस्नान। [–करवुं = नहाना (२) [ला] (किसी संबंधीको) मरा हुआ समझना, सारा संबंध तोड देना]
स्नेहलग्न न० प्रीतिविवाह
स्नेहसंमेलन न० स्नेहियोंका सम्मेलन, स्नेह-सम्मेलन, 'सोशल गॅदरिंग'
स्नेहाळ वि० प्रेमपूर्ण स्नेहल
स्पर्धवुं अ०क्रि० स्पर्धा करना
स्पर्धास्पर्धी स्त्री० होड प्रतिस्पर्धा
स्पर्श पु० छूना स्पर्श (२) संसर्ग, संपर्क स्पर्श (३) छूनेसे होनेवाला ज्ञान, स्पर्शज्ञान स्पर्श (४) [ला] थोडा अंश, लव गंध, अल्पमात्रा, लेश (५) (संसर्ग, स्पर्श या संगका) असर
स्पर्शवुं स०क्रि० छूना, स्पर्श करना
स्फुरण न० (–णा) स्त्री० स्फुरण (२) स्फूर्ति, तेजी फुरती
स्फुरवुं अ०क्रि० स्फुरित होना काँपना, (अंग) फडकना स्फुरना [प] (२) मनमें एकाएक आना प्रकाशित होना

चमकना(विचार, चमक आदि) स्फुरण होना (३) अंकुरित होना, फूटना
स्फोट पु० फूटकर निकलना (अंकुर आदि), फूटना; फटना; स्फोट (२) निबटारा, अंत फैसला (३) फोडा, सूजन; स्फोट (४) वर्णके श्रवणसे मनमें उत्पन्न होनेवाला भाव, शब्दार्थका बोध, स्फोट [-या]
स्मरण न० स्मरण स्मृति, याद (२) बार बार याद करना [स्मृतिचिह्न
स्मरणचिह्न न० स्मारक, यादगार
स्मरणपोथी स्त्री० देखिये 'नोंधपोथी'
स्मरवु स०क्रि० याद करना स्मरना [प]
स्रववु अ०क्रि० टपकना चूना
स्वदेशी वि० अपने देशका स्वदेशी (२) न० स्वदेशज स्वदेशबंधु (३) स्वदेशकी भावना (४) अपने देशका माल इस्तेमाल करनेकी भावना
स्वदेशी धर्म पु० अपने पडोसकी परिस्थितिकी सेवाके द्वारा जगतकी सेवा होती है यह भावना, स्वदेशीका धर्म
स्वधर्मी वि० अपने धर्मका (२) पु० अपने धर्मका आदमी स्वधर्मी
स्वधाम न० अपना वतन (२) स्वर्ग [-जवु, पहोंचवु = मर जाना, स्वर्गवास होना, परलोक सिधारना]
स्वप्न, स्वप्नुं न० स्वप्न सपना, ख्वाब
स्वभाव पु० स्वभाव सहजप्रकृति (२) टेव आदत, प्रकृति। [-पडवो = सदा बना रहनेवाला मूल गुण या धर्म बन जाना आदत पडना (२) आदत बन जाना]
स्वागतप्रमुख पु० स्वागताध्यक्ष
स्वागतसमिति स्त्री० स्वागतसमिति
स्वागता स्त्री० स्वागत, सत्कार अभिनंदन (२) पु० एक छंद
स्वाद पु० स्वाद, जायका (२) सौंदर्य, आनंद, रस (३) चखना (४) मजा, लज्जत, स्वाद (५) मोह; शौक; रुचि। [-करवो = चखना (२) खानेकी चीजोंका चसका लगना। -चखाडवो = चखाना (२) अनुभव कराना (३) स्वाद चखाना; मारना। -चाखवो, जोवो = चखना; रसानुभव करना; मजा लूटना। -पडवो = रुचिकर होना, पसंद आना मजा आना। -लेवो = देखिये 'स्वाद चाखवो']
स्वादियु, स्वादीलु वि० चटोरा, जिभला
स्वाधीन वि० जो अपने ही अधीन हो, स्वाधीन (२) जो अपने वशमें हो, स्वाधीन (३) स्वतंत्र आजाद स्वाधीन। [-करवु = सौंपना]
स्वार्थी (०लु) वि० स्वार्थी, खुदगर्ज
स्वाहा स्त्री० अग्निकी पत्नी, स्वाहा (२) अ० अग्निमें आहुति देते समय उच्चारण किया जानेवाला एक शब्द; स्वाहा। [-करवु = खा जाना चट कर जाना। -थवु = जल जाना नष्ट होना; स्वाहा होना (२) खाया जाना]
स्वीकार पु० स्वीकार अंगीकार
स्वीकारवु स०क्रि० स्वीकार करना, कबूलना, मान लेना

ह

ह पु० ऊष्मवर्गका अंतिम वर्ण

हक पु० हक, दावा, अधिकार (२) नेग हक (३) फर्ज, कर्तव्य, हक (४) सत्य, न्याय (५) वि० सही, सत्य, हक, न्याय्य, दुरुस्त। [—अदा करवो = फर्ज पूरा करना, हक अदा करना। —करवो = मालिकाना हक या अधिकारकी माँग करना, दावा करना। —चालवो = हक-अधिकार होना। —थवु = मर जाना। —दबाववो, मारवो = हकके अनुसार जिसे जो मिलना चाहिये वह उसे न देना, हक मारना। —पहोंचवो = हक-अधिकार होना। —मां = पक्षमें, हकमें] [ठीक; दुरुस्त, न्याय्य

हकदार वि० हकदार, अधिकारी (२)

हकदारण वि० स्त्री० हकदार (स्त्री)

हकदारी स्त्री० हकदार होनेका भाव

हकनाक, हकनाहक अ० हक-नाहक, अकारण

हकसाई स्त्री० नेग, हक, लाग

हकार पु० 'ह'की ध्वनि या 'ह' वर्ण हकार (२) हाँ करना, स्वीकृति देना। [—भणवो = हाँ करना, स्वीकार करना, कबूलना]

हकारवु स० क्रि० हाँक लगाकर या ललकारकर कहना, हँकारना

हकारो पु० हाँक लगाकर बुलानेवाला (२) हँकारकर निमंत्रण देनेवाला (३) हुँकारी

हकालवु स० क्रि० हटाना, भगा देना (२) हाँकना, चलाना (३) हँकारना, ऊँचे स्वरसे बुलाना

हकीकत स्त्री० सही अहवाल या घटना, सत्य बात, हकीकत (२) सच्ची खबर या समाचार सही हाल, हकीकत (३) खबर, हाल, वृत्तांत (४) घटना (५) सत्य, असलीयत, हकीकत, यथार्थता

हकीकतदोष पु० हकीकत, वृत्तांत, घटना आदिके बारेमें रही हुई त्रुटि या भूल

हकूमत स्त्री० हुकूमत, सत्ता, अधिकार

हकूमती वि० हुकूमत-संबंधी

हक्क पु० देखिये 'हक'

हगवु अ० क्रि० हगना

हचमचवु अ० क्रि० किसी स्थिर स्थान परसे या किसी जमी अवस्थासे इधर-उधर होना, हिल उठना

हचमचाववु स० क्रि० 'हचमचवु' का प्रेरणार्थक, हिलाना

हचाको पु० देखिये 'हिचाको'

हज स्त्री० हज, हज्ज (मक्केकी यात्रा)

हजम वि० हजम किया हुआ, पचा हुआ; हजम (२) [ला०] गबन किया हुआ, हजम

हजरत पु० मालिक, स्वामी, श्रीमान् (२) हजरत, जनाब, महोदय

हजाम पु० नाई, हजाम, हज्जाम

हजामत स्त्री० हजामत (२) [ला०] बेकार मेहनत, व्यर्थका परिश्रम, (३) कड़ी आलोचना करना, आड़े हाथों लेना

हजामपट्टी स्त्री० हजामतका काम, हज्जामी (तुच्छकारमें)। [—करवी = बिना काम धंधेका बैठा रहना, खाली बैठा रहना, निरर्थक काममें समय गँवाना]

हजार वि० हजार, १००० । [—गाडों = बहुत, बेहद, हजारहा । —घटीनो लोट खावो = बहुत अनुभव होना, खूब मुसाफिरी किये होना । —हाथनो धणी = परमेश्वर]
हजारी पु० एक पुष्पवृक्ष, गेंदा, हजारा
हजारी गोटो पु० गेंदेका फूल, हजारा, गेंदा
हजी अ० अभी अब तक (२) अब भी
हजीरो पु० मीनारावाला सदर मकबरा (२) [ला] बडी ख्याति प्रसिद्धिका काम (व्यंग्यमें)
हजु अ० देखिये 'हजी'
हजूर स्त्री० हुजूर, श्रीमान (२) उपस्थिति, हाजिर होना हुजूर । [—भरवो = हुजूरमें-सेवामें रहना]
हजूरियो पु० हुजूरमें रहनेवाला खास नौकर हुजूरी (२) अंगाछा, गमछा
हजूरी पु० हुजूरी, राजाका खास नौकर (२) स्त्री० सेवा-टहल
हटाणु न० खरीदनेका काम, सौदा-सुलुफका काम (२) खरीदने-बेचनेका पेशा, दुकानदारी, हटुवाई
हठ पु० स्त्री० हठ, जिद दुराग्रह । [—उपर आववु, पकडवी, मां आववुं, लेवी, हठे चडवु, हठे भरावु = हठ पकडना जिद पर आना जिद करना]
हठवु अ०क्रि० हठ करना, मचलना
हठवु अ०क्रि० हटना (२) पीछे हटना, भागना हटना
हठीलाई स्त्री० हठीलापन जिद
हठीलु वि० हठीला जिद्दी हठी (२) असाध्य, लाइलाज (रोग)
हडकवा पु० हडक जलातंक (रोग) (२) [ला] हडक जैसा पागल आवेग हडका, हडक । [—पवो, लागवो = हडक रोग होना, हडकाया बनना (२) हडक जैसे पागलपनके अधीन बनकर आचरण करना, हडकाये जैसा बर्ताव करना । —हालवो = खूब हडक उठना]
हडकायु (—येलु) वि० हडकाया, पागल
हडताल स्त्री० एक उपधातु हरताल
हडताल स्त्री० हडताल [हडताली
हडतालियो पु० हडताल करनेवाला,
हडताळ स्त्री० हडताल
हडताळियो पु० देखिये 'हडतालियो
हडदो पु० हाथ या परसे दिया जाने वाला धक्का टहोका
हडधूत स्त्री० चारो ओरसे धुतकार मिलना दुतकार (२) वि० सब जगहोंसे तिरस्कृत बना हुआ या दुतकारा हुआ
हडप स्त्री० आग्रह (२) अ० एकदम और तेजीसे त्वरित झटपट । [—करवु, करी जवु = विना चबाये एकदम निगल जाना हडपना (२) [ला] हडपना, हजम कर जाना (चोज माल आदि) । —लईने = एकदम और तेजीसे चटसे]
हडपची स्त्री० ठोडी, ठुड्डी
हडपवुं स० क्रि० हडपना, निगलना
हडफ अ० देखिये 'हडप', त्वरित
हडफट स्त्री० देखिये 'अडफट'
हडफवु स०क्रि० फेंक देना, झिडकना
हडफेट स्त्री० देखिये 'अडफट
हडबडवु अ० क्रि० पस्तहिम्मत होना, हिम्मत टूट जाना (२) हडबडाना, घबराना
हडबडाट पु० हडबडी, घबराहट
हडसेलवु स०क्रि० धक्का देना, धकेलना
हडसेलो पु० धक्का, टहोका

हडहडतुं वि० खौलता हुआ (२) [ला] पूरा, पक्का निरा [साथ खौलना

हडहडवुं अ० क्रि० 'हडहड' आवाजके

हडी स्त्री० दौड । [—काढवी, मेलवी =दौडना] [लपकनेकी आवाज

हडूडाट, हडूडू अ० तेजीसे दौडने या

हडेडाट अ० देखिये 'हडूडाट'

हडेहडे स्त्री० कुत्तेको हाँकनेकी आवाज (२) किसीके प्रति आदरका अभाव, अवज्ञा, अवहेलना

हडो पु० बैलगाडीका आगेकी ओर झुकनेसे रोकनेके लिए लगायी जाने वाली लकडी, हरना, उँटडा

हणवुं स० क्रि० कत्ल करना, जानसे मार डालना नाश करना हनना

हणहणवुं अ०क्रि० हिनहिनाना हींसना

हणहणाट पु० (—टी) स्त्री० हिनहिनाहट, हींस

हतुं नहोतुं थई जवुं = जडमूलसे नाश होना, नाम उठ जाना, नामोनिशान न रहना

हत्या स्त्री० हत्या, खून । [—चोटवी = हत्या लगना । —लेवी, वहोरवी = हत्या सिर लेना पापका भागी बनना]

हत्याकांड पु० भारी खूनखराबा या संहारकी घटना

हत्यारु वि० हत्यारा घातक

हथियार न० हथियार, अस्त्र शस्त्र (२) साधन, उपकरण (३) औजार, हथियार। [—उगामवां, ऊचकवां, पकडवां, लेवां, सजवां = हथियार उठाना, हथियार बांधना, युद्धके लिए तैयार होना]

हथियारबंध वि० हथियारबंद, सशस्त्र

हथियारबंधी स्त्री० हथियार रखनेकी मनाही, हथियारबंदी

हथेली स्त्री० हथेली, करतल । [—देखाडवी = कुछ मिलेगा नहीं ऐसा सूचित करना, अंगूठा दिखाना । —मां नचाववुं = किसीसे इच्छानुसार काम कराना, नाच नचाना, हाथमें करना । —मां स्वर्ग बतावयुं, मां हीरा बताववा = बडी बडी आशाएँ देकर ठगना गुड दिखाकर ढेला मारना] [ग्रहण

हथेवाळो पु० देखिये हाथेवाळो, पाणि-

हथेळी स्त्री० देखिये 'हथेली', हस्ततल

हथोटी स्त्री० हथौटी, हस्तकौशल (२) टेव अभ्यास

हथोडी स्त्री० हथौडी

हथोडो पु० हथौडा

हथ्थु वि० (समासांतमें) हाथकी नापका, उदा० 'अढीहथ्थु (२) हाथमें, उदा० एकहथ्थु

हद स्त्री० हद, सीमा, मर्यादा (२) अंत हद। [—आववी, थवी = हद होना, अति हो जाना, औचित्यकी सीमा लांघ जाना। —ओळगवी, वटाववी = हदसे गुजरना मर्यादाके पार हो जाना। —करवी, वाळवी = हद कर देना अति कर देना, औचित्यकी सीमा लांघ जाना] [बाहर

हदपार अ० बेहद अतिशय (२) हदके

हदपारी स्त्री० किसी हदके बाहर होना

हनुमानकूदको पु० हनुमान जसी लंबी कुदान छलांग लाग जप [वार

हप्तावार अ० किस्तके अनुसार, किस्त-

हप्तो पु० सप्ताह हफ्ता (२) किस्त चुकानेका नियत समय या नियत रकम किस्त [—करवो, बांधवो =

क़िस्त बांधना। —पडवो = किस्तका नियत समय पर अदा न होना, किस्त खिलाफ़ी होना। —भरवो = किस्त अदा करना]
हफ्तावार, हफ्तो देखिये हप्तो' आदि
हबक स्त्री० भारी डर, हैबत, हौल
हबकवुं अ०क्रि० चौंकना, डर जाना, हौल पडना
हबशी पु० हबशी
हबसण स्त्री० हबशीकी या हबशी जातिकी स्त्री, हबशिन, हबशन
हबसी पु० हबशी
हबहबाट पु० हब-हब' आवाज (२) कोलाहल, शोरगुल
हमणां अ० अभी, इस समय फिलहाल
हमराही स्त्री० साथ, सुहबत
हमवतनी वि० एक ही देशके निवासी, हमवतन [दस्ता, खल-बट्टा
हमामदस्तो पु० हावनदस्ता, हमाम
हमाल पु० हम्माल हमाल कुली
हमाली स्त्री० हमालका काम
हमियाणी स्त्री० (रुपये रखनेकी) थली, गँजिया (२) [ला] धन, दौलत
हमेल पु० गर्भ हमल (२) स्त्री० चपरास पट्टा। [—रहेवो = गर्भ-हामिला होना]
हमेश अ० हमेशा, रोज
हमेशां अ० हमेशा, नित्य, सदैव
हयात वि० जिन्दा, जीवित
हयाती स्त्री० जिन्दगी, हयात (२) अस्तित्व हस्ती
हर वि० हर, प्रत्येक
हरकत स्त्री० अडचन रुकावट, बाधा (२) आपत्ति, एतराज, हर्ज
हरकती वि० रुकावट डालनेवाला
हरकोई वि० प्रत्येक, चाहे जो कोई, कोई भी
हरख पु० हर्ष, आनंद, हरख [प]
हरखघेलुं वि० अति हर्षसे पागल बना हुआ, हर्षोन्मत्त
हरखभेर अ० हर्षके साथ, सहर्ष
हरख(–खा)वुं अ०क्रि० खुश होना, प्रसन्न होना, हरखना, हरखाना [प]
हरगिज(–स) अ० हरगिज, कभी किसी हालतमें
हरजी पु० परमेश्वर; हरि [फल' हड
हरडां न०ब०व० हडके अधपके छोटे
हरडे स्त्री० हर, हड हरीतकी (फल)
हरण न० हिरन, मृग, हरिण
हरणियुं न० (–यो) पु० मृगशिरा नक्षत्र, मृगशीर्ष [मृगशीर्ष नक्षत्र
हरणी स्त्री० हिरनी, हरिनी (२)
हरणुं न० हिरन मृग [हरताल
हरताल(–ळ) स्त्री० एक उपधातु,
हरतुंफरतुं वि० जो घूम फिर सके, घूम फिर सके ऐसा या उतना, चंगा
हरदम अ० हरदम, हमेशा [पहर
हरनिश अ० दिन रात अहर्निश आठों
हरफ पु० हरफ, बात, शब्द (२) अक्षर हर्फ [आना-जाना
हरफर स्त्री० घूमना फिरना वार-बार
हरबडवुं अ० क्रि० देखिये हबडवुं'
हरबडाट पु० हडबडी, घबराहट
हरमुं वि० हर्रेके स्वादका
हरवयुं स०क्रि० देखिये हराववुं'
हरवुं वि० हरा, सब्ज (रंग) (२) ताजा हरा
हरवुं स०क्रि० जबरदस्ती भगा ले जाना (स्त्रीको) हरना, हरण

करना (२) छीन लेना, हरना, हडपना (३) ले लेना

हरस पु० अर्श, बवासीर

हरसमसा पु० ब० व० अर्श और मस्सा

हराज वि० नीलाम किया हुआ; नीलामी

हराजी स्त्री० नीलाम। [-बोलाववी = नीलाम करना, नीलाम पर चढाना]

हराम वि० इसलामी धर्मशास्त्रके विरुद्ध, हराम, निषिद्ध, धर्मशास्त्रमें निषिद्ध (२) बिना हकका अनुचित, हरामका (३) मुफ्तखोर आलसी, निरुद्यम। [-ना पसा = हरामकी कमाई, हरामका माल। -नी ओलाद, -नु छोकरुं = हरामका बच्चा; हरामखोर दुष्ट; शठ। -नु खावु = हरामका खाना, बिना महनत किये खाना। -नो माल = हरामका माल, हरामकी कमाई]

हरामखोर वि० हरामका माल खानेवाला हरामखोर (२) कृतघ्न, नमकहराम, हरामखोर (३) दुष्ट बदमाश

हरामजादु वि० हरामके गर्भसे उत्पन्न, हरामजादा

हरामी वि० हरामखोर, कृतघ्न बदमाश हरामी (२) स्त्री० हरामखोरी, नमकहरामी, मुफ्तखोरी

हरायु वि० हरहा हरहट (पशु) (२) निरकुश, मत्त (पशु)। [-ढोर = पशु जो भागा फिरनेवाला हो और जिसका कोई मालिक न हो (२) [ला] उसके जैसा निरकुश व्यक्ति आवारा

हराववुं स० क्रि० हरवु 'हारवुं का प्रेरणार्थक, हराना (लडाई-झगडे आदिमें) [कर्मणि

हरावुं अ० क्रि० हरवु 'हारव का

हरि पु० हरि, विष्णु श्रीकृष्ण (२) घोडा, हरि (३) सिंह (४) बदर (५) चद्रमा। [-नो लाल = भगवानका भक्त ईश्वरकी प्रेरणासे चलनेवाला पुरुष (२) सखी आदमी दाता पुरुष]

हरिजन पु० हरिका आदमी, भगवज्जन, देवदूत (२) अत्यज अछूत, हरिजन (३) हरिका भक्त

हरिजनेतर पु० जो अत्यज न हो अत्यजसे भिन्न (२) पु० ऐसा पुरुष, सवर्ण

हरिण पु०, न० हरिण हिरन

हरिणी स्त्री० हरिणी हिरनी, मृगी (२) एक वर्णवृत्त हरिणी (छद)

हरिताल स्त्री० हरताल (उपधातु)

हरियाळी स्त्री० हरियाली सब्जा

हरियाळु वि० हरा सब्ज

हरीफ पु० हरीफ, प्रतिद्वद्वी, प्रतिस्पर्धी (२) विरोधी हरीफ शत्रु

हरीफाई, हरीफी स्त्री० स्पर्धा, होड, प्रतिद्वद्विता (२) लाग-डाँट, शत्रुता

हरेक वि० हर एक, प्रत्येक

हरेरो पु० एक पेड

हरोल (-ळ) स्त्री० सेनाका पिछला हिस्सा (२) पक्ति, कतार श्रेणी (३) बराबरी, जोड। [-मां आववु, ऊभुं रहेवु, बेसवुं = स्पर्धा करना]

हल पु० हल, निर्णय सुलझाव। [-करवु = हल करना सुलझाना]

हल न० हल (खेतीका औजार)

हलक स्त्री० कठ हलक गला (२) शोभा बहार रौनक (३) पल, क्षण

हलकदार वि० सुरीला

हलकट वि० हल्का, कमीना नीच, ओछा

हलकाई स्त्री० हल्कापन, नीचता [हल्कई

हलकापणु न० भार न होना, हलकापन
हलकारवु स० क्रि० ज़ोरसे पुकारना (२) टिटकारना, चिल्ला चिल्लाकर हांकना (३) चलाना, हाकना
हलकारो पु० हरकारा, कामिद (२) हरकारा दूत
हलकाश स्त्री० हलकापन
हलकु वि० कम वज़नवाला, जो भारी न हो हल्का (२) कम दामवाला, मामूली हल्का (३) जो जल्दी हज़म हो जाय, सुपाच्य पक्का (पानी) हल्का (४) कम परिश्रममें हो जानेवाला सहल, हल्का (५) हल्का ताजा थकान रहित प्रसन्न चितारहित उल्लासपूर्ण (६) जो (प्रहार) तेज़ या अधिक कष्ट देनेवाला न हो, जो गहरा न हो (रग) हल्का मीठा (७) घटिया निकृष्ट (८) नीच ओछा कमीना हल्का (९) अघटित निंदित अप्रतिष्ठित हल्का। [हलका पेटनु = पेटकी बात या गुप्त बात बता देनेवाला, पेटका हल्का (२) अनुदार मनवाला, सकुचित मनोवृत्ति वाला (३) नीच कुलका। -करवु = वज़न, भार कम करना (२) मार मारकर अशक्त बना देना, पीटकर भरता बना देना (३) घमड चूर करना। -पडवु = वज़न कम होना (२) देखिये हल्कु पडवु। -पडवुं = अपमानित होना हल्का होना। -लोही = घटिया दरजा या जाति अप्रतिष्ठितता (कुल आदिकी)]
हलमल स्त्री० खलबली, उपद्रव हलचल
हलमलवुं अ० क्रि० हिलना डोलना (२) [ला] भावमग्न होना दिल भर आना
हलवुं अ० क्रि० हिलना, डोलना

हलवो पु० एक मिठाई
हलाक वि० हैरान, हलाकान (२) कगाल
हलाकी स्त्री० हैरानी, हलाकानी तकलीफ़ (२) तगी गरीबी कगाली
हलामण स्त्री० चक्करमें आना भटकना, हैरानी (२) माथापच्ची, झझट, पचडा
हलाल वि० (इसलामी) शरअके अनुकूल हलाल, विहित जायज़। [-करवु = पशुका शरअकी विधिसे वध करना, हलाल करना (२) बदलेमें पूरा काम कर देना, हलाल करना]
हलालखोर पु० भगी, हलालखोर (२) कसाई (३) पूरा काम करके वदला प्राप्त करनेवाला हलाल करनेवाला
हलावबु स० क्रि० हालवु का प्रेरणार्थक, हिलाना (२) किसी वस्तुको ऊपर नीचे दायें-बायें ले जाना या गति देना, हरकत देना, हिलाना डोलाना (३) किसी वस्तु या व्यक्तिको किसी स्थानसे हटाना खिसकाना हिलाना (४) प्रचलन करना चलाना (विचार, बात चर्चा आदि) चलनेको प्रेरित करना (हलचल, प्रवृत्ति आदि)। [जीभ हलाववी = बोलना, ज़बान हिलाना (२) सिफारिश करना। माथु हलाववु = सिर हिलाना (स्वीकृति अस्वीकृति आदि सूचनाके लिए)। लूली हलाववी = देखिये 'जीभ हलाववी'। हाथ हलाववा = हाथ-पाँव हिलाना, काम करना; मेहनत करना] [जाना
हलावुं अ० क्रि० 'हालवु' का भावे हिला
हलावुंचलावुं अ० क्रि० हिला-डुला जाना कुछ क्रिया करनेमें समय होना
हलेतु वि० दुनियादारी न जाननेवाला, अल्हड़ (२) धीमा, मद, मथर

हलेसुं न० नाव खेनेका डंडा, डाँड, बल्ला
हल्लो पु० हमला, हल्ला, धावा (२) [ला] धक्का, हानि, घाटा (३) [ला] कामकाज, उद्यम
हवड वि० देखिये 'अवड'
हवणां अ० इस समय, अभी
हवस पु० हवस, इच्छा, वासना (२) कामवासना (३) लालच, हवस
हवसखोर वि० कामी, विषयी
हवा स्त्री० हवा, वायु (२) वातावरण, परिस्थिति हवा (३) नमी तरी। [(गाम मां)–केवी छे? = गाँवमें क्या चर्चा-बातचीत चल रही है? (२) गाँवमें जीवनको प्रभावित करनेवाली परिस्थिति या वातावरण कैसा है? (३) गाँवके लोगोंका आरोग्य कैसा है? –खावा जवुं = हवाखोरीके लिए स्वास्थ्यवर्धक स्थानको जाना, हवा खानेके लिए जाना (२) बेकार भटकते रहना या ठाली बैठे रहना, कहींकी हवा खाना। –खावी = हवा खाना, खुली जगहमें टहलना (२) कुछ न मिलना असफल रहना, हवा खाना (३) गायब हो जाना, हवा हो जाना। –मां कडी जवुं = गायब हो जाना हवा हो जाना (२) मेहनत बेकार जाना। –मां किल्ला बांधवा = हवाई किले रचना, खयाली पुलाव पकाना। –मां बाचका भरवा = व्यर्थ कोशिश करना, हवा पीटना। –लागवी = हवा लगना किसीके ससर्गका प्रभाव पडना (२) हवा या नमीका असर होना]
हवाई वि० हवाई, हवासे सबद्ध (२) हवाको चीरकर चलनेवाला हवाई (३) कल्पित मनसे गढ़ा हुआ हवाई (४) स्त्री० एक आतिशबाजी, हवाई। [–किल्ला बांधवा = देखिये 'हवामां किल्ला बांधवा'। –छूटवी = हवाई (आतिशबाजी) छटना (२) अफवाह फैलना, हवाई उडना]
हवाई जहाज न० हवाई जहाज, वायुयान
हवाट पु० किसी चीजपर नम हवा लगनेका असर (होना), नमी, तरी
हवाडो पु० जानवरोंके पानी पीनेके लिए (कुएँके पास) बनाया गया कुड उबारा
हवाण स्त्री० सुहबत मैत्री या साथ रहनेका आनद (२) साथ रहनेसे मिलनेवाला बल (३) आराम, चैन (४) न० पशुकी मादाके गर्भाधानका काल
हवातियुं न० व्यर्थ कोशिश मिथ्या प्रयत्न। [हवातियां मारवा = बेकार कोशिश करना]
हवाफेर पु० स्वास्थ्यके कारण हवाखोरीके लिए कहीं जाना
हवामान न० वातावरणमें होनेवाले हवाके दबाव आदि परिस्थितियोंकी नाप
हवाल पु० अवस्था हालत, हवाल [प] [(२) अहवाल वृत्तात
हवालदार पु० पटवारी या चौधरीका सिपाही हवलदार (२) फौजके सिपाहियोंकी या पुलिसकी छोटी टुकडीका अफसर हवलदार हवालदार
हवालदारी स्त्री० हवालदारका काम या पद
हवालो पु० कब्जा, अधिकार (२) सिपुर्दगी, हवाला (३) इख्तियार, सत्ता अधिकार (४) बारीक छलनी (५) परस्परके खातेमें जमा-उधार करना; स्थानातरित प्रविष्टि। [हवाले करवुं = कब्जेमें लेना (२) [illegible]

हवाले करना। –आपवो=जामिन बनना; हवाला देना (२) सौंपना। –नाखवो=परस्परके खातेमें जमा उधार करना]

हवावु अ०क्रि० किसी चीज़में हवाका मिलना, नमी लगना, हवा लगना

हवे अ० अब, इस समय (२) इसके बाद, आइंदा, आगे

हवेज पु० हलदीका चूर्ण

हवेडो पु० देखिये 'हवाडो'

हवेथी अ० आगेसे, आइंदा [मंदिर

हवेली स्त्री० हवेली (२) पुष्टिमार्गीय

हशे अ० खैर भले, कोई परवाह नहीं

हशेकु वि० थोडा गरम, कुनकुना

हसमुखु वि० हँसमुख, प्रसन्न

हसवु अ०क्रि० हँसना, खुले मुँहसे हर्ष ध्वनि निकालना (२) मज़ाक करना, हसना (३) स०क्रि० उपहास करना, हँसी उडाना (४) न० हँसी हास्य (५) मजाक, दिल्लगी, हँसी। [हसवामांथी खसवु थवु=मज़ाक उडानेसे बुरा नतीजा निकलना; मज़ाक करनेका फल भुगतना। हसी काढवु=हँसीमें उडा देना, हँसीमें ले लेना, हँसकर बात उडा देना। हसी नाखवु=हँस देना, हँस पडना (२) देखिये 'हसी काढवु'। दांत काढीने, पेट पकडीने हसवु= हँसते-हँसते पेटमें बल पड जाना, खूब हँसना लोट-पोट होना]

हसाववु स०क्रि० हसवु का प्रेरणार्थक, हँसाना। [लोक हसाववा=जगहँसाई, लोकनिंदा कराना] [हँस देना

हसावु अ० क्रि० हसवु का कर्मणि,

हसी स्त्री०, (–सु) न० हँसना, हँसी (२) हाँसी मज़ाक, हसी

हस्तक वि० (२) अ० –के ज़रिये, –के द्वारा (३) हवाले, कब्ज़ेमें, ताबे

हस्तधूनन न० अभिवादनके रूपमें आपसमें हाथ मिलानेकी क्रिया, 'शेकहैंड

हस्तप्रत स्त्री० पुस्तककी हस्तलिखित प्रति, पाडुलिपि, 'मेन्युस्क्रिप्ट'

हस्तमेळाप, हस्तमेळो पु० हथलेवा, पाणिग्रहण

हस्ते अ० हस्ते, –के द्वारा, मारफत। [–पोते=खुदने किया है ऐसा अर्थ सूचित करता है (प्राय हिसाब और लेन-देनमें)]

हळ न० ज़मीन जोतनेका औज़ार हल। [हळे जोडावु=हलमें जुतना (२) सख्त मेहनतके काममें लगातार जुते रहना]

हळद(०र) स्त्री० हलदी हलद

हळपति पु० (सुरतकी ओरकी) 'दुबळा जातिका एक व्यक्ति

हळपूणी स्त्री० फाल, कुसी (हलकी)

हळवाश स्त्री० प्रखरताका अभाव धीमापन मदता हल्कापन

हळवु वि० हल्का मद, आसान कम परिश्रममें हो जानेवाला, धीमा; धीर; मृदु नरम (२) [ला] अप्रतिष्ठित; हलका

हळवु अ०क्रि० हिल जाना, परचना, हिल मिल जाना (२) जी लगना ठीक लगना रुचना, भाना (३) अवध सबध जोडना, आशनाई करना

हळवुमळवु स०क्रि० हिलना मिलना, घुलना मिलना (२) हिल मिलकर चलना

हळवे(०थी) अ० होलेसे, आहिस्ता

हळाहळ वि० अति तीव्र, भीषण (२) न० कालकूट विष, हलाहल

हळीमळीने = हिल मिल्कर
हकारवु स०क्रि० हाँकना, चलाना
हगामी वि० अस्थायी, थोडे अरसेका
हगामो पु० हगामा; धमाल; उपद्रव (२) हुल्लड, हगामा, ऊधम
हफावयु स०क्रि० 'हांपवु का प्रेरणार्थक' थकाना, हराना
हमेश (–शां) अ० हमेशा, रोज
हस पु० हस (२) आत्मा, जीवात्मा, हस (३) एकदडी (सन्यासी), हस
हसणी स्त्री० हसनी, हसी
हसपद न० लिखावटमें ( ) चिह्न; हसपद
हसा पु०। एक छद (२) स्त्री० हसनी
हसी स्त्री० हसी, हसनी
हा अ० सम्मतिसूचक उद्गार, हाँ (२) स्त्री० स्वीकृति (देना), हाँ करना। [–पाडवी = हाँ करना, स्वीकार करना, मानना]
हाउ पु० हाऊ, हावा (२) साँप
हाक स्त्री० हाँक, जोरकी पुकार (२) प्रभाव धाक, रोब, आतक। [–देखाडवी, देवी = डर दिखाना।–मानवी = (किसीका) प्रभाव मानना आज्ञाकारी रहना भय मानना, रोबमें आना। –वागवी = प्रभावका असर होना डका बजना धाक जमना]
हाकल स्त्री० हाँक, जोरकी पुकार (२) उत्साहयुक्त अनुरोध या विनती, पुकार हाँक, आह्वान
हाकवु अ०क्रि० हाँकना, चलाना (२) हाँक देकर भगा देना
हाकोटो पु० देखिये 'हाकाटो'
हाकेम पु० हाकिम सूबेदार
हाकोटवु स० क्रि० जोरसे बोलना चिल्लाना (२) डाँटना फटकारना
हाकोटो पु० जोरकी आवाज, चीख, हाँक
हाजत स्त्री० हाजत, आवश्यकता, जरूरत (२) शौच आदिका वेग, हाजत (३) हवालात, हाजत, 'लोक-अप'। [–थवी, लागवी = टट्टी-पेशाबकी हाजत होना।–पडवी = आदत पडना। हाजते जवु = पाखाने जाना हाजत रफा करना]
हाजर वि० हाजिर, उपस्थित मौजूद
हाजरजवाब पु० हाजिरजवाब, जो बातका यथायोग्य जवाब तुरत दे
हाजरजवाबी वि० जिसे बातका यथायोग्य जवाब तुरत सूझ जाय, हाजिरजवाब (२) स्त्री० हाजिरजवाबी, तुरत जवाब देनेकी शक्ति
हाजरजामि(–मी)न पु० हाजिरजामिन
हाजराहजूर वि० जो हजूरमें-सेवामें हाजिर हो, हाजिरबाश (२) साक्षात्, आँखोंके सामने, हाजिर
हाजरी स्त्री० हाजिरी, मौजूदगी, उपस्थिति (२) सवेरेका खाना, हाजिरी। [–पूरवी, भरवी = हाजिरी रजिस्टरमें लिखना, हाजिरी लेना। –लेवी = उपस्थिति मालूम करना (२) सख्त उलहना देना, फटकारना]
हाजरीपत्रक न० हाजिरीकी किताब, रजिस्टर
हाजियो पु० हाँ (२) खुशामदी हाँजी-हाँजी करनेवाला। [–पूरवो = हाँ करना, सम्मति देना]
हाजी पु० हाजी हज करनेवाला
हा जी अ० हाँ जी, जी साहब
हा जी हा स्त्री० खुशामद, हाँजी-हाँजी
हाट स्त्री०, न० हाट दुकान

साप्ताहिक बाजार, हाट, गुजरी। [-माडवु = दुकान करना, हाट करना]

हाटियु न० दीवारमें बनी हुई अलमारी भडरिया

हाड न० हड्डो (२) देहकी गठन, काठी (३) अ० (मुहावरेमें) एकदम बिल्कुल, निपट (४) खूब, बहुत ही। [-आववु = खूब तग आना थक जाना उक्ता जाना (२) खूब दुबल हो जाना हड्डियाँ निकल आना सूखकर काँटा हो जाना। -जवु = असलियत जाहिर करना अपने पर आना (२) हाथसे जाना (३) रुपये-पैसेस बिल्कुल खाली हो जाना। -नो ताव = जीणज्वर, पुराना बुखार। -भागवां = बुरी तरह पीटना हड्डी तोडना (२) शरीरसे दुबल हड्हा बना देना (३) दिल लगाकर काम करना]

हाडकी स्त्री० छोटी और नाजुक हड्डी

हाडकु न० हड्डी। [हाडकां खोखरा करवां = हड्डी-गुडडी तोडना हड्डी तोडना अधमरा करना। हाडकां चालवां = शरीरमें काम करनेकी ताकत होना हाथ-पाँव चलना। हाड कांनु आळु, भागलु, आळां हाडकानु, हाडकांनु हराम = कामचोर आलसी। हाडकांनो माळो = हड्डियोका ढाँचा, ककाल। हाडकां भारे थवां = मार खानेके लक्षण दिखाई देना। हाडकां भांगवां = जी लगाकर मेहनत करना (२) बुरी तरह पीटना, हड्डी तोडना। हाडकां रगवां = हड्डी तोडना (२) खूब नुकसान करना। हाडकां वाळवां = कसरत करना (२) मेहनत करना। हाडकां हराम करवां = आलसी होकर काम न करना। -ऊतरवु, कतरी जवु = हड्डी उखडना। -नमाववु = दिल लगाकर कमर बाँधकर काम करना]

हाडपिंजर न० अस्थिपजर, ककाल

हाडमार स्त्री० दिक्कत, परेशानी, कठिनाई [(२)देखिये 'हाडमार'

हाडमारी स्त्री० तिरस्कार धुतकार

हाडवेर न० पक्का बर बापाबर

हाडवद(-द्य) पु० हड्डी बैठानेवाला, कमगर

हाडियो पु० कौआ (पक्षी) [बुखार

हाडियो ताव पु० जीणज्वर, पुराना

हाडे(-डो)हाड अ० हड्डिया तक, प्रत्येक अगमें। [-व्यापी जवु, लागी जवु = सिरसे पर तक आग लगना]

हाण(ण,) स्त्री० हानि, नुकसान

हाथ पु० हाथ, हस्त (२) कुहनीसे बीचकी उँगलीके सिरे तककी नाप हाथ (३) (ताशमें) जीता हुआ दावँ, हाथ (४) रेलका सिग्नल सिक दरा (५) [ला] हस्तकौशल (६) सहायता सहयोग, हाथ बँटाना, प्रेरणा साथ उदा० 'ए काममा मारो हाथ नथी (७) कृपा रहम, उदा० 'तेना उपर मारा बने हाथ छे' (८) (रँगाई आदिमें) दफा, बार, पुट, उदा० रगना बे हाथ दीधा' (९) पाणिग्रहण, हयलेवा उदा० 'कन्याना हाथनी मागणी करी' (१०) इख्तियार, सत्ता, काबू बस, उदा० 'मारा हाथनी वात नथी' (११) ओर तरफ, दिशा, हाथ, उदा० डाबे हाथे तेनु घर छे। [-अडकाडवो, अडाडवो = हाथसे स्पश करना, हाथ लगाना (२)

हाय बँटाना, काम करनेमें सहायता करना। –आववु = मिलना, फायदा होना, हाथ आना (२) अधिकार-कब्जेमें आना, हाथ आना। –उगामवो मारने पर उतारू होना, किसी पर हाथ उठाना। –उठाववो = देखिये 'हाथ उगामवो' (२) अपना कब्जा या हक़ छोड देना। –उपर लेवुं = वशमें करना, हाथमें करना (२) काम शुरू करना, हाथमें लेना। –उपाडवो = किसी पर हाथ उठाना, मारना। –ऊतरी जवो = हाथ उखडना, उतरना। –ऊपडवो = हाथ उठा बैठना हाथसे मारना। –ऊचो रहेवो = किसी काममें फँसनेके बाद उसमें से पदा होनेवाले दोषसे अलग रहना, बचना। (२) आज्ञा देनेवालेकी स्थितिमें होना। –करवु = अधिकार करना, हाथमें करना। –कापी आपवा = सही, क़बूलियत आदि देकर खुद विवश होना हाथ कटा देना, हाथ कटाना। –काळा करवा = बुरे काममें शरीक होना, कलंकका टीका लगाना, हाथ रँगना (२) घूस लेना, हाथ रँगना। –खंखेरवा = काममेंसे फारिग होना, किसी काममेंसे हाथ खींचना, काममें सहायता देना बद करना, हाथ उठा लेना, जिम्मेदारी फेंक देना (२) हाथ झाडना, आशा छोड देना। –घसवा = पछताना हाथ मलना (२) हार जाना, थकना। –घालवो = किसी काममें दखल देना, हाथ डालना हस्तक्षेप करना। –चडवुं = (काममें) हाथ जमना, बैठना (२) हत्थे चढ़ना हत्थे लगना। –चलाववो = काम करना, तेजीसे काम करना, हाथ चलाना (२) (किसी पर) हाथ उठाना, मारना, हाथ चलाना (३) जल्दी जल्दी खाने लगना, मुह चलाना (४) (लिखावटमें) काट-छाँट करना, सुधारना। –चळवळवा = (मारनेको) हाथ खुजलाना। –चाटवो = व्यर्थ प्रयत्न करना, हाथ-पाँव पीटना [ला]। –चालवो = हाथ चलना। –चोख्खो न होवो = स्त्रीका रजस्वला होना, कपडोंसे होना (२) हाथका झूठा, बेईमान होना। –चोख्खो होवो = हाथका सच्चा होना ईमानदार या निष्कलंक होना। –चोळवा = खानेके बाद पश्चात्ताप करना, हाथ मलना। –छूटो होवो = खूब खर्चीला या उदार होना, हाथ ऊँचा होना (२) हाथ छुटा होना, मारनेकी आदत होना। –जवा = सहारा, आधार जाना (२) हिम्मत हारना (३) हाथ न चलना, हाथसे काम करनेकी शक्तिका न रहना। –झालवो = हाथ पकडना (२) रोकना, मना करना, हाथ धरना (३) सहायता करना हाथ धरना, हाथ बँटाना (४) पाणिग्रहण करना हाथ धरना। –ठरवो = किसी काममें हाथका अभ्यस्त होना हाथ जमना, बठना। –ताळी देवी = सफ़ाईसे छटक जाना (२) छलना, दग़ाबाजी करना। –थी जवु = देखिये 'हाथेथी जवु'। –देखाडवो = ताक़तका परिचय देना (२) हस्तकौशल दिखाना (३) हस्तरेखाविद्को हाथ दिखाना। –देवो = हाथका सहारा देना, टेकाना (२)

चुपड़ना(रोटीमें घी आदि)(३)रोकना, मना करना, हाथ देना, हाथ धरना। —धरवुं=काम आरम करना, हाथ डालना। —धरवो=हाथ पसारना, माँगना।— धोई नाखवा=आशा छोड देना, हाथ धो बैठना (२) दिवाला निकालना (३) जिम्मेदारी या किसी काममेंसे हट जाना, हाथ खींचना, हाथ उठा लेना।—धोईने =देखिये हायपग' धोईने। —नाखवो =हडपना, लूटना, हाथ मारना, हाथ साफ करना(२)हाथसे पकड़ना। —नीचे=अधीन मातहत(२)आश्रयमें (३) निगरानीमें, देखभालमें।— नीचेनु=ताबेदार, मातहत, नीचे काम करनेवाला। —नी वात=वसकी बात, अधिकारकी बात। —नु कयु=अपने हाथसे किया हुआ (बुरा काम)। —नु चोख्खु=हायका सच्चा। —नु छूटु=हयछुट(२)उडाऊ। —नु जूठु= हाथका झूठा। —नु पोलु=उडाऊ। —नो मेल=तुच्छ वस्तु जिसे दे देनेमें झिझक न हो। —पकडवो=देखिये 'हाथ झालवो'। —पग=हाथ-पाँव (२)मुख्य आधार (३) हेतु आदि कारण मूलकारण। —पग गळी जवा =देखिये हायपग भागी जवा। —पग जोडीने बेसी रहेवु=हाथ पर हाथ धरे बठे रहना, आल्सी होकर बठा रहना।—पग धोईने=हाथ धोकर (किसीके पीछे पडना)। —पग भांगी जवा=हाथ-पाँव हारना बिलकुल निःशक्त होना(२)साहसहीन होना, हाथ-पाँव हारना। —पछाडवा=गुस्सा करना (२) तीव्र शोक करना, सिर पीटना। —पीळा करवा=हाथ पीले करना, ब्याह करना। —बतावबो= देखिये 'हाथ देखाडवो' (२) हाथका इशारा, सकेत करना। —बांधवा= किसीको विवश कर देना, हाथ काट देना। —बेसवो=किसी काममें हाथ बैठना जमना। —भीडमां होवो= तगदस्त होना, हाथ खाली होना। —मारवा=तरनेमें हाथ-पाँव हिलाना हाथ-पाँव मारना। —मारवो=चोरी करना हडपना हाथ मारना(२)रोगन, रग आदिसे रँगना (३) तैरनेमें हाथ पाँव मारना। —मां आववु=देखिये 'हाथ आववु'। —मां चांपवु, दाबवुं= घूस देना। —मां पडवु=वशमें होना, हाथ पडना, हाथ आना। —मां लेवुं= देखिये 'हाथ उपर लेवु'। —मां हाथ आपवो=वचन देना प्रतिज्ञा करना हाथ पर हाथ मारना(२)हाथमें हाथ देना'ब्याह कराना। —मां होवु=हाथमें होना, वशमें होना अधिकारमें होना। —मिलाववो=पाणिग्रहण करना, हाथ धरना(२)दोस्ती करना(३)मेल मिलाप करना। —मूकवो=गुरु या बुजुर्गका आशीर्वाद देना किसी व्यक्तिमें सरपर रखके गुणधर्म स्वभाव आदिका सचार होना, उदा० मामाए तेने माथे हाथ मूक्यो छे। —राखवु=वशमें रखना हाथमें रखना। —लगाडवो=हायसे स्पर्श करना, हाथ लगाना(२)मदद करना, हाथ बँटाना। —लबाववो= मदद माँगना हाथ पसारना(२)भीख माँगना(३)मदद करना हाथ बँटाना। —लागवु=मिलना हाथ लगना। —लागवो=किसी चीजका किसीके

हाथसे छू जाना, हाथ लगना। –लावो करवो = देखिये 'हाथ लववावो'। –बळवो = किसी काममें हाथ बठना, अभ्यस्त होना। –सारो होवो = किसी हस्तकौशलमें प्रवीण होना, हाथमें सफाई होना (२) जिससे यश प्राप्त हो ऐसा होना (३) ईमानदार होना, हाथका सच्चा होना (४) (स्त्रीका) रजस्वला न होना। –सांकडमां होवो = देखिये 'हाथ भीडमां होवो'। –हलको होवो = हाथसे काम करनेमें चोट न लगे या नुकसान न हो ऐसी कुशलता होना। –हलावता आववु = हाथ हिलाते आना। –हलाववा = उद्यम करना, हाथ चलाना। –हेठे पडवा = कोई उपाय न रहना हाथ पर हाथ धरकर बठ जाना, हाथ-पाँव हारना, हिम्मत हारना। –होवो = हाथ होना, शामिल होना। आडे हाथे देवु = खूब पीटना। आडो हाथ देवो, धरवो, राखवो = रोकना, अटकाना, हाथ देना या धरना। केडे हाथ देवा = थक जाना, कमर टूटना। माथे हाथ देवो = हताश हो जाना, सिर पकडकर बठ जाना। माथे हाथ फेरववो = मातम या स्नेह प्रदर्शित करना (२) आशीर्वाद देना, अपने गुण, स्वभाव किसीमें आयें इस प्रकार सिर पर हाथ रखना। माथे हाथ मूकवो = आशीर्वाद देना (२) अपना गुण, स्वभाव दूसरेको देना। माथे हाथ होवो = सिर पर साया होना, सिर पर होना]

हाथउछीनुं वि० पुन लौटा देनेकी शत पर ली हुई या दी हुई; मँगनीकी (चीज), हथउधार

हाथकडी स्त्री० हथकडी। [–करवी = हथकडी पहनाना, डालना]

हाथकतामण न० हाथकताई

हाथकागळ पु० हाथकागज

हाथकाम न० हाथका काम, हस्तकार्य

हाथकारीगरी स्त्री० दस्तकारी, हस्त क्रिया

हाथकातण न० हाथकताई

हाथगाडी स्त्री० हाथसे खींचनेकी या ठेलनेकी गाडी [हाथकी चतुराई

हाथचालाकी स्त्री० (जादूके खेलमें)

हाथछड स्त्री० (हाथसे) धान-कुटाई

हाथणी स्त्री० हथिनी, हथनी (२) (दीवारकी मजबूतीके लिए बनवाया जानेवाला पुश्ता [ला]

हाथताळी स्त्री० ताली, करताली। [–देवी = सफाईसे चपत हो जाना (२) छलना, चकमा देना]

हाथप्रत स्त्री० देखिये 'हस्तप्रत'

हाथबेडी स्त्री० हथकडी

हाथमहेनत स्त्री० हाथसे किया जाने-वाला श्रम [(देना)

हाथमुचरका पु० ब० व० खुद मुचलका

हाथमोजुं न० हाथका मोजा दस्ताना

हाथलाकडी स्त्री० छडी (हाथमें पकडनेकी) (२) सहारा, आधार [ला]

हाथवेंत(–मां) अ० बहुत नजदीक, पासमें हाथ आनेमें (होना)

हाथसाळ स्त्री० हाथकरघा

हाथियो पु० हस्त (नक्षत्र), हथिया

हाथी पु० हाथी। [धोळो हाथी बांधवो = बूतेसे बाहर खर्च हो ऐसा काम करना, सफेद हाथी बाँधना]

हाथीदांत पु० हाथीदाँत
हाथीपगु वि० जिसे हाथीपाँव रोग हो (२) बडी टाँगोंवाला
हाथे अ०हाथसे(२)हाथमें(३)खुद, आप। [-करीने = स्वेच्छासे, जान-बूझकर सकल्पपूर्वक। -चडवु = देखिये 'हाथ चडवु'। -थी जवु = हाथसे जाना, निकलना, अधिकारमें न रहना (२) किसीके काबू,वशके बाहर होना, हाथसे जाना। -बेसवु = कोई काम आना, हाथ जमना। हाथे हाथ मिलाववो = देखिये 'हाथ मिलाववो']
[हथलेवा
हाथेवाळो पु० वरकन्याका पाणिग्रहण,
हाथो पु० हाथा, दस्ता, मुठिया, हत्था (२)सहाय, मदद(३)पक्ष। [कुहाडानो हाथो बनवु = बुरे काममें दूसरेके साधन या हथियाररूप बनना]
हाथोहाथ अ० जिसका देना हो उसीके हाथमें, हाथमें (२) एक हाथसे दूसरे हाथमें, तुरत, हाथोहाथ, एक-दूसरेकी मददसे। [-ऊपडी जवु, वेचाई जवु = हाथोहाथ बिक जाना उड जाना]
[टालटूल
हा ना स्त्री० आनाकानी, टालमटोल,
हाम स्त्री० हिम्मत, साहस। [-भीडवी = हिम्मत करना]
हामलवु अ०क्रि० हिम्मत हार जाना, पस्तहिम्मत होना
हामी पु० जमानत देनेवाला, ज़ामिन (२)जमानत, ज़िम्मेदारी लेना
हाय अ० हाय (उद्गार) (२) स्त्री० बददुआ, शाप हाय। [-पोकारवी, लेवी = दिल दुखाना आह लेना]
हायपीट स्त्री० हाय मारना रोना-पीटना
हायवराळ स्त्री० शोक अफ़सोस, खेद
हायवोय स्त्री० शोक, अफ़सोस, चिंता (२) अ० आह, हाय
हार पु० फूलोंकी बडी माला, पुष्पहार (२)गलेमें पहननेका एक गहना, हार
हार(र)स्त्री० हार, पराजय(२)पंक्ति कतार।[-खावी = हार खाना,पराजित होना। -मां रहेवु = पंक्तिमें रहना (२)[ला]स्पर्धा करना,होडमें रहना]
हारडो पु० बडा हार (२) शक्करकी कतरियोंका हार, खजानीका हार
हारतोरा पु० ब० व० पुष्पमाला और फूलोंका गुच्छा(२)[ला] मान, आदर
हारबंध अ० कतारमें, पंक्ति बाँधकर
हारवु अ०क्रि० हारना, पराजित होना (२) तंग आना, थकना(३)स०क्रि० खाना, हारना
हारी पु० एक छंद(२)किसानीके काममें मददके लिए रखा हुआ व्यक्ति हरवाहा
हारे अ० साथमें, साथ, पासमें (२) तुलनामें, बराबर, साथ-साथ
हारेडु वि० ऊधमी उत्पाती
हारोहार अ० एक पंक्तिमें,पांत बांधकर, बराबर
[भावार्थ, मतलब, हार्द
हार्द न० हृदय (२) मर्म, रहस्य (३)
हाल पु०ब०व० हाल, दशा अवस्था(२) बुरा हाल, अवदशा(३)अ०हालमें अभी
हालचाल स्त्री० हाल-डोल हिलना-डुलना (२) चाल-ढाल तौर-तरीका
हालकडोलक वि० हिलता-डुलता, डगमगाता हुआ, डाँवाडोल
हालत स्त्री० हालत, दशा, हाल(२) आदत, लत
[पाल्यु'
हाल्पोल(-ल्यु) वि० देखिये 'साल
हालमां अ० हालमें, अभी
हालरडु न० लोरी (गीत)

हालरु न० बच्चाको नजर न लगे ऐसी चीजोंकी माला, बठला(२) समूह, टाली(३)दँवरी(खलिहानमें) (४) लोरी (गीत)
हालवु अ०क्रि० हिलना, डोलना, चंचल होना(२) जाना, चलना
हालहवाल पु०ब०व० बुरे हाल, दुर्दशा; तबाही(२)वि० दुर्दशाग्रस्त
हाल हाल अ० अभी, इसी वक्त तत्काल
हालहाला, हालाहाल स्त्री० बार-बार हिलना हिलना-डुलना
हालीमवाली पु० ऐरा-गैरा, मामूली हैसियतका आदमी
हालोचालो पु० घूमना फिरना
हाव पु० हाव, स्त्रियोंकी शृंगारसूचक चेष्टा (२) इच्छा, हवस
हावभाव पु०ब०व० हाव भाव, नाज नखरा (२) विलास चेष्टा
हावरबावरु वि० हक्काबक्का, पागल-सा, घबराया हुआ, हावला-बावला
हावाँ(-वे) अ० अब, अभी
हाश अ० चैन, संतोष या छुटकारेका उद्‌गार, हा (२) स्त्री० चिंतारहित दशा, चैन, कल, शान्ति
हास्तो अ० हाँ तो, हाँ जरूर
हास्यचित्र न० हास्योत्पादक चित्र, 'कैरिकेचर'
हाहाहीही अ० हास्य विनोदकी आवाज, हाहा (२) स्त्री० हाहाहीही, हाहा ठीठी हँसी-ठट्ठा
हाहो स्त्री० शोरगुल, हो-हल्ला, चीख पुकार (२) चहल-पहल, धूम
हाळी पु० हलवाहा, किसान (२) खेतीके काममें मदद करनेवाला नौकर
हां(०) अ० हाँ (एक उद्‌गार), उदा० 'तमे एम करजो, हां' (२) (कहानी सुनते समयकी) हुँकारी (भरना), हूँ (३) ललकार, हुंकारका उद्‌गार
हांक(०) स्त्री० हाँक, जोरकी पुकार
हांकवु(०) स०क्रि० हाँकना(२) [ला] लंबी चौडी बातें करना, बढा-चढाकर बातें करना, हाँकना। [हांक्ये राखवु = कम भी बनाये रखना, कभी भंग न होने देना, निबाहना (२) लंबी-चौडी बातें किये जाना]
हांकारो(०) पु० 'हा' आवाज
हांकेडु(०) पु० गाडीवान, हाँकनेवाला
हांजा गगडी जवा(०)=छक्के छूटना, हिम्मत पस्त होना
हांडली(०) स्त्री० हाँडी, हँडिया
हांडलु(०) न० बडी हाँडी
हांडवो(०) पु० एक खाद्य चीज
हांडी(०) स्त्री०हाँडी, हडी(मिट्टीकी) (२)हडा(धातुका)(३)हँडिया हाँडी (छतसे लटकानेका काँचका पात्र)
हांडो(०) पु० हडा(धातुका) (२)एक खाद्य चीज (३) [ला]मूर्ख, गावदी
हांफ(०)पु०,स्त्री०,(०ण)स्त्री० हाँफा। [-चडवी = हाँफा छूटना, हाँफना]
हांफवु(०) अ०क्रि० हाँपना, हाँफना
हांफळु(०) वि० व्याकुल, घबराया हुआ
हांफळुफांफळु वि० हक्का-बक्का, घबराया हुआ, बावला
हांल्ली स्त्री०, (-ल्लु) न० देखिये 'हाडली हाडलु'। [हांल्ली कुस्ती करे (परमां) = अत्यंत गरीब होना, दाँत पर मल न होना। हांल्लां ल्लडवां = झगड़ा तकरार होना। हांल्लां फोडवां = तकरार करना (२) घर बदलना (३)किसी एक काममें न लगा रहना।

—फोडवु = छिपी हुई बात बता देना भडा फोडना(२)जीविकाके साधनोका नाश करना, रूमी रोजी बिगाडना। —फोडी नाखवु = नुकसान करना तबाह करना (२) सिर फोडना(३) मारना]
हासडी(०) स्त्री० हँसली (गलेकी हड्डी) (२) गलेका एक गहना हँसली (३) अरिवन रस्सीका फदा
हांसल(०) वि० हासिल, लब्ध प्राप्त(२) न० जकात, चुगी कर(३)फायदा, लाभ हासिल (४) उपज, पदावार, हासिल (५)नतीजा हासिल निचोड
हासवो(०) पु० गती, कुदाल
हांसियो(०) पु० हाशिया (कागज़का)
हासिल(०) वि० देखिये हासल
हासी(०) स्त्री० हाँसी मज़ाक हँसी दिल्लगी (२) फजीहत बदनामी, हाँसी हँसाई
हां हां(०) अ० वजन करनेका उदगार, हाँ-हाँ [शोरगुल, कोलाहल
हिकराण न० रोना-पीटना कुहराम(२)
हिक्कड वि० निष्ठुर, हृदयहीन सख्त दिल(२)जो मिलनसार न हो [ठड
हिक्कळ न० बारिशसे होनेवाली बहुत
हिक्का स्त्री० हिक्का हिचकी
हिचकारु वि० कायर, नामर्द (२) अधम नीच,हल्का निंद्य हेय बुरा
हिचाको पु० भीड, भीड भडक्का धक्कमधक्का
हिजरत स्त्री० वतनसे अलग होना या वतन छोडना, हिजरत, हिजरत
हिजरती वि० हिजरत करनेवाला
हिजराबुं अ०क्रि० वियोगसे दु खी होना झूरना, हुडकना [होना
हितविरोध पु० किसीके हितमें विघ्नरूप
हितशत्रु पु० अपनी मूर्खतासे हितके बदले हानि करनेवाला मित्र (२) हितमें विघ्नरूप बननेवाला [स्वाथ
हितसबध पु० भला हित कल्याण(२)
हितेच्छु वि० हितपी, हितेच्छु
हिना स्त्री० हिना, मेहँदी
हिनो पु० मेहँदी, हिना(२)हिम
हिमायत स्त्री० हिमायत, तरफदारी (२) समर्थन करना (३) लगान मुकर्ररीमें की हुई वृद्धि
हिमायती वि० (२) पु० हिमायती, तरफदारी करनेवाला, हामी [ठडा
हिमाळु वि० बर्फीला हिमवान्, बफमा
हिमाळो पु० हिमालय। [—गाळवो = हिमालय चढकर बर्फमें देह छोडना]
हिरवणी पु० कपासकी एक जात
हिलचाल स्त्री० हिलना-डुलना, हाल डोल(२)प्रवृत्ति, आदोलन, हलचल
हिलोळवु स० क्रि० झूलेको हिलाना, झुलाना(२)हिलोरना
हिलोळो पु० हिलार हिलकोरा,हिल्लोल (२) झूलेका आगे-पीछे जाना पग(४) विनाद आनन्द हिल्लोल उछाह। [हिलोळे चडवु = झूलेकी तरह झूलना तरगित होना हिलोरा लेना (२) उधम मचाना उपद्रव करना]
हिल्लोल(—ळ) पु० लहर हिलोर, हिल्लोल (२) मनकी तरग, हिलोल
हिसाब पु० हिसाब गणना गिनती (२)गणितका प्रश्न, हिसाब[ग](३) लेखा,खरीद-बेची आय-व्यय लेन-देन आदिका ब्योरा हिसाब, हिसाब किताब(४)गिनती हैसियत बिसात महत्त्व(५)रीति, नियम ढग ढग, हिसाब तरीका।[(खूनने घेर)—आपवा

जवु = मर जाना। —गणवो = गिनती करना, गणितका प्रश्न करना (२) कुछ महत्त्वका समझना, हिसाब होना। —चूकववो = हिसाब पाव करना, हिसाब बेबाक करना, ऋण चुका देना। —राखवो = आवक-खर्चका ब्योरा रखना (२) हिसाब होना, कुछ हद रखना। —लेवो = हिसाब माँगना, हिसाब पूछना]

हिसाबकिताब पु० हिसाब किताब, हिसाबबही (२) लेन-देनका ब्योरा या लेखा हिसाब किताब

हिसाबनीश (—स) पु० हिसाबनवीस हिसाबदार 'अकाउंटेंट'

हिसाबी वि० हिसाब-सबधी (२) हिसाब रखनेवाला, हिसाबदार हिसाबसे चलनेवाला (३) गिनकर निश्चित किया हुआ, चौकस, ठीक (४) पु० हिसाब लिखनेवाला मुनीम

हिसाबे अ० हिसाबसे, हिसाबके मुताबिक

हिस्सेदार वि० हिस्सेदार, भागी, साझी

हिस्सो पु० हिस्सा, भाग, अंश साझा

हिंग स्त्री० हींग

हिंगळो (०क) पु० इंगुर शिंगरफ़

हिंगळोकियु न० इंगुर रखनेकी डिबिया इंगरौटी (२) वि० शिंगरफके रंगका शिंगरफी [फल इंगुवा

हिंगोर न०, हिंगोरो पु० हिंगोट वृक्षका

हिंगोरी स्त्री० हिंगोट वृक्ष, इंगुदी

हिंडोल (—ळ) पु० हिंडोल झूला

हिंडोळाखाट स्त्री० खाटका हिंडोला

हिंडोळो पुं० पालना जैसा बड़ा झूला, हिंडोला। [—खावो = झूले पर झूलना, पेंग मारना (२) [ला] किसी आशामें लटक रहना, झूलना]

हिंदवाणी स्त्री० हिंदुस्तानकी या हिंदू स्त्री, हिंदुआनी

हिंदोल पु० हिंदोल, झूला, हिंडाला (२) एक राग, हिंदोल

हिंदोळवु स० क्रि० हिंडोलेमें या पालनेमें झुलाना, झुलाना

हिंमत स्त्री० हिम्मत बहादुरी

हिंमतबाज, हिंमतवान वि० हिम्मती

हीक स्त्री० हिक्का हिचकी (२) शूल, वेदना (३) उतावली, ताकीद (४) दमा

हीकळ न० देखिये 'हिक्कळ'

हीचकवु अ० क्रि० देखिये 'हीचकवु'

हीचकारु वि० देखिये 'हिचकारु'

हीचकावु अ० क्रि० 'हीचकवु' का भावे (२) टकराना [देखिये 'ईचवु'

हीचवु अ० क्रि० देखिये 'हीचवु' (२)

हीजडो पु० हिजड़ा

हीण वि० हीन, नीच अधम (२) घटिया हल्का निम्न कोटिका (३) मिलावटवाला (४) रहित, हीन, वर्जित कम, अधूरा

हीणकम न० नीच कम हीनकर्म

हीणपत (—द) स्त्री०, न० नीचता बुराई, लांछन हीनता

हीणु वि० देखिये 'हीण'

हीबकवु अ० क्रि० चौंकना धकधकाना (२) सिसकना, हिचकी लेना

हीबकु स्त्री० सिसकी, हिचकी

हीमज स्त्री० छोटी हड़ हरीतकी

हीमजी हरडे स्त्री० छोटी हरी सूखी हड़

हीर न० रेशम (२) एक वृत्त, हीर (३) तेज नूर कांति (४) सत्त्व, जौहर, हीर मात्र (५) प्रेम, प्यार (६) हिम्मत। [—गुमावदु = नूर गँवाना। —हारवु = साख प्रतिष्ठा जाना, इज्जत खाना]

हीरकमहोत्सव, हीरकोत्सव पुं० हीरक जयन्ती, ६०वीं वर्षगाँठका उत्सव
हीरकोरी वि० रेशमी कोरवाला
हीराकणी स्त्री० हीरेकी कनी, कनी
हीराकशी(-सी) स्त्री० हीराकसीस
हीराकंठी स्त्री० पासदार मनकोंवाला गलेका हार
हीरागळ वि० रेशमी
हीराबोळ पु० एक प्रकारका गोंद, बोल
हीरावेध वि० हीरेको वेधे ऐसा (२) [ला] होशियार, चालाक, हीरा
हीरो पु० हीरा, एक श्वेत रत्न
हीलवुं अ०क्रि० हिलना डोलना (२) देखिये 'ईचवुं
हीहीं अ० हँसनेकी आवाज हीही
हींचवुं अ०क्रि० पेंग लेना, झूलना
हींचको पु० झूलनेका साधन झूला, हिंडोला (२) झूलते समय झूलेका आगे पीछे जाना पेंग हचकोला
हींचववुं स०क्रि० देखिये 'हींचाववुं
हींचवुं अ०क्रि० झूले पर झूलना पेंग लेना
हींचाववुं स०क्रि० 'हींचवुं का प्रेरणार्थक; झुलाना [झुलाना, पेंग मारना
हींचोळवुं स०क्रि० झूलेको हिलाना
हींचोळाखाट स्त्री० देखिये 'हिंडोळाखाट'
हींडछा स्त्री० चलनेका ढंग, चाल
हींडवुं अ० क्रि० चलना
हींडाड(-व)वुं स० क्रि० हींडवुं का प्रेरणार्थक चलाना [जाना
हींडावुं अ०क्रि० हींडवुं'का भावे, चला
हींडोल(-ळ), हींडोळाखाट, हींडोळो देखिये 'हिंडोल' आदि
हींयां अ० यहाँ हियाँ
हुकम पु० हुक्म, आज्ञा (२) (ताशमें) सर, तुरुप। [-आपवो, करवो, छोडवो = आज्ञा करना, हुक्म देना। -उठाववो = आज्ञाका पालन करना, हुक्म बजा लाना। -काढवो = आज्ञा जारी करना। -बहार पडवो = आज्ञा जाहिर होना, हुक्म निकलना]
हुकमनामुं न० डिगरी, डिक्री
हुक्कापाणी न०ब०व० हुक्का, पानी आदि पीना (२) हुक्का पीने पिलानेका व्यवहार या जाति बिरादरीका संबंध, हुक्कापानी। [-बंध करवां = हुक्का पानी बंद करना]
हुक्को पु० हुक्का नारियल। [-गग डावयो, ताणवो, पीवो = हुक्का पीना, गुडगुडाना। -भरवो = हुक्का भरना]
हुज्जत स्त्री० हठ जिद (२) हुज्जत झगडा
हुज्जती वि० हठी (२) झगडालू हुज्जती
हुडकारवुं स० क्रि० धुतकारना, धिक्कारना (२) धमकाना, डाँटना
हुडुडु अ० हल्ला या झपाझपीकी ध्वनि
हुताशनी स्त्री० हुताशनी होली
हुतुतुतु न० एक खेल कबड्डी
हुनर पु० हुनर फन, कारीगरी
हुनरउद्योग पु० हुनर और उद्योग धंधा
हुनरी वि० हुनरमंद, निपुण, कुशल
हुमलाखोर वि० हमलावर आक्रमणकारी
हुमलो पु० हमला आक्रमण, धावा
हुरम स्त्री० लौंडी, दासी हरम
हुरियो पु०, स्त्री० गत, भद्द, फजीहत (२) मजाक उडाना ठट्ठा (३) अ० कन्याका मजाक या तुच्छकारका उद्गार। [-बोलाववो = भद्द उडाना]
हुलराववुं स०क्रि० (बच्चेको) दुलारना लाड चाव करना
हुलामण न० लाड-चाव दुलार

हुलामणु न० दुलार (२) वि० प्यारमें दिया हुआ (नाम)

हुलामो पु० जोश, आवेश (२) [ला] धमाचौकडी, धमाल, उपद्रव

हुलाववु स० क्रि० देखिये 'हुलराववु (२) उछालना (३) हिलाना, चारो ओर घुमाना, फिराना (४) तल्वार भाला चाकू आदिकी नोक तेजीसे गडाना भोकना हूलना (५) 'हुलावु' 'हूल्वु का प्रेरणायक

हुलावुं स०क्रि० देखिये मवलावु (२) स०क्रि० दखिये 'हुलराववु, उदा० 'इ तो हुलावु मारा भाईने'

हुल्लड न० हुल्लड दगा प्रमाद बलवा

हुल्लडखोर वि० (२) पु० हुल्लडबाज बल्वाई विद्राही, उत्पाती

हुं (०) स० म [उद्गार)

हुं (०) अ० हुकार (दप लल्कार आदिका

हुंकार(-रो) (०) पु० बात सुननेकी स्वीकृतिका सूचक 'ह्' हुँ (२) जोर देकर कोई बात कहना (३) सिहनाद, गजना, हुकार

हुंसातुंश (-सी,-सी) (० ०) स्त्री० स्पर्धा, चढाऊपरी खीचतान, होड

हूक पु० हुक अंकुसी

हूक पु० बदर (बालभाषामें) (२) स्त्री० मरोड आताकी ऐंठन

हूकवुं अ०क्रि० बदरका बोल्ना (२) चीख मारना, चिल्लाना

हूकाहूक स्त्री० बदरोंकी हुकार

हूको पु० देखिये 'हुक्को

हूप अ० बन्दरकी 'हूप-हूप' आवाज (२) पु० बडा बदर

हूपाहूप अ० देखिये 'हूकाहूक'

हूबहू वि० हूबहू ज्योका त्यो, तादृश

हूरी स्त्री० हूर अप्सरा

हूलकु न० अनचीती घबराहट

हूल्वु अ०क्रि० देखिये 'ऊल्वु' (२) आनन्दमें आ जाना

हूंछी वि० नटखट, उत्पाती लगामको न माननेवाला (घोडा) (२) मनहूस अशुभ [मनहूस व्यक्ति

हूंछी घोडो पु० मुहजोर घोडा (२)

हूंडियामण न० हुडीकी दर, हुडावन

हूंडी स्त्री० हुडी। [-पाकवी = हुडीकी मुद्दत होना। -लखवी = हुडी करना, हुडी लिखना। -शिकारवी = हुडी सकारना]

हूंढल(ल,) स्त्री० हूँढ आपसकी सहायता [(सतीमें)

हूंफ स्त्री० उष्मा गरमाहट (२) [ला] सहायता आश्रय, बल। [-वळवी = गरमाहट अनुभव करना गरमाना]

हूंफाळ (-ळु) वि० गरम, गरमी पहुँचानेवाला

हृदय न० हृदय दिल (२) [ला] छाती हिम्मत हौसला (३) मन अतःकरण हृदय हिया (४) दयाद्र मनोभाव या वृत्तियाँ-प्रेम दया, समभाव आदि (५) मम रहस्य। [-पीगळवु = दिल पसीजना। -बध पडी जवु = दिलकी धडकन बद हो जाना। -भराई आववु = दिल भर आना]

हृदयपलटो पु० हृदय-परिवतन

हृदयमथन न० दिलमें होनेवाली उथल पुथल, मनोमथन

हृदयाफाट अ० देखिये 'हैयाफाट'

हे(हें) स्त्री० धीरज हिम्मत। [-पूरवी = सतुष्ट हाना (२) सहायता करना]

हेज पु० जमीनकी नमी तरी सील

हेठ अ० नीचे तले ...

हेठलाण न० नीचेकी ओरका हिस्सा निचाई
हेठलु वि० नीचेका, निचला
हेठळ अ० नीचे, तले [नीचे
हेठु वि० हल्का नीचा, हेठा (२) अ०
हेठे अ० देखिये 'हेठ'। [–बेसवु = नीचे बैठना तल्में जमना (२) उकताकर या हारकर कोई काम धंधा या प्रवृत्ति छोड देना, हाथ उठा लेना (३) पामाल होना]
हेड(ड) स्त्री० शिकंजा (अपराधीका यंत्रणा देनेका) (२) अडगोडा ठेंगुर (३) मगभा स्त्रीका नियमित रूपसे होनेवाली शारीरिक पीडा उदा० ऋतुटीनी हेड' (४) बेचनेके बलोका झुंड (५) [ला] जेल कदखाना
हेडकी स्त्री० सिसकी (२) हिचकी हिक्का
हेडबेडी स्त्री० शिकंजा और बेडी (२) अकुश दबाव शिकजा [ला]
हेडी स्त्री० बेचनेके बलोका झुड (२) समानता (वय आदिकी)
हेडो पु० अति प्यार, आसक्ति, अनुराग
हेत न० प्रीति स्नेह, ममता हेत [प]। [–चरसवु = अधिक प्रीति होना]
हेताळ(–ळु) वि० प्रेमपूर्ण स्नेही स्नेहल
हेबक(ह) स्त्री० हैबत दहशत, डर। [–खावी = चौंकना, डर जाना, हैबत छाना]
हेबकावु (ह) अ०क्रि० देखिये हबकवु'
हेबत (हॅ) स्त्री० देखिये 'हेबक
हेबतावु (हॅ) अ०क्रि० देखिये 'हेबकावु
हेमक (हॅ) वि० अहमक मूर्ख (२) डरपोक
हेमखे(–खे)म वि० सहीसलामत क्षेम कुशल
हेमती वि० हेमत-सबंधी
हेर(०क) पु० जासूस, भेदिया, हेरिक
हेरत(हॅ) स्त्री० हैरत, अचभा
हेरफेर वि० हेरफेर किया हुआ, अल्ट-बल्ट किया हुआ (२) परिवर्तित बदला हुआ (३) पु० हेरफेर, उल्ट-पल्टकी क्रिया परिवर्तन (४) फर्क, फेर, अंतर
हेरवु स०क्रि० गौरसे ताकना या छिपे छिपे देखना, निहारना हेरना [प] (२) ललकारना बढावा देना
हेरान (हॅ) वि० हैरान तंग आया हुआ, दिक [मुश्किल
हेरानगत (–ति) (हॅ) स्त्री० हैरानी
हेरियु न० छिप छिपे देखना (२) किसी सूराखमेंसे आनेवाली सूर्यकी किरण (३) झपकी नींदका झोंका (४) पवनके अनुकूल नाव घुमाना
हेरु(–रो) पु० जासूस हेरिक, भेदिया
हेरोफेरो पु० आना-जाना, आमद रफ्त, फेरा (२) आने-जाने जैसा कुछ थोडा काम, मिलना-जुलना
हेल(ल,) स्त्री० बोझ, भार (२) गाडीमें भरा हुआ बिकाऊ जलावन या वह गाडी जिसमें ये चीजें भरी हो हेल (३) सिर पर रखा हुआ या रखनेका हडा (४) बोझ उठानेकी मजदूरी (५) मजदूरका काम मजदूरी
हेलकरी पु० मजदूर, मुटिया
हेलकारो पु० धक्का, हेला हचकोला
हेलारो पु० हेला, धक्का हचक
हेली स्त्री० सतत वर्षा झडी
हेलो(–लो) पु० हेला, हचकोला धक्का (२) तेजी वेग (३) अडचन, नुकसान (४) दचका हचकोला
हेवातण(–न) (हॅ) न० सौभाग्य अहिवात

हेवान (हॅ) वि० हैवान, जंगली (२) न० पशु, जानवर, हैवान
हेवानियत (हॅ) स्त्री० हैवानियत, पाशवता, पशुता [परचा हुआ
हेवायु (हॅ) वि० हिल गया हुआ (किसीसे)
हेवाल (हॅ) पु० अहवाल वृत्तांत, हाल
हेवावु (हॅ) अ०क्रि० हिलना, परचना, हिल जाना
हेसियत (हॅ) स्त्री० हैसियत सामर्थ्य बिसात (२) मान प्रतिष्ठा, हैसियत
हेसियतदार (हॅ) वि० हैसियतदार, हैसियतवाला
हेळववु स०क्रि० हिले मिले ऐसा करना, हिलाना, परचाना (२) मनमें संतोष हो ऐसा करना, मन मनाना (३) सधाना पालना (पशुको)
हैडियावेरो पु० मुसलमानी राज्यका एक कर, जिजिया
हैडियो पु० टेंटुवा, घंटी
हैडु न० देखिये 'हैयु'
हैयाउकलत स्त्री० बुद्धि सूझ बूझ अक्ल
हैयाधारण स्त्री० संतोष समाधान, शान्ति (२) विश्वास, दिलजमई चित्तका समाधान
हैयाफाट वि० जिससे कलेजा फट जाय हृदयविदारक (२) अ० हृदय विदीर्ण हो जाय कलेजा फट जाय इस तरह, बिलख बिलखकर (रोना)
हैयाफूटु वि० मूढ हियेका अंधा, बेवकूफ
हैयाना(-स)गडी स्त्री० कलेजा भूननेवाला, छाती पर मूँग दलनेवाला
हैयासूनु वि० देखिये हैयाफूटु (२) निष्ठुर, हृदयशून्य
हैयु न० हृदय, दिल हिया। [हैया उपर राखवु=खूब देखभाल करना, प्यारसे पालना-पोसना छाती पर लगा रखना। हैयाना लाळा = अंतर्वेदना, दिलका जलापा, दिलकी फाम। हैयानी होळी = दिलका दुख। हैयानु फूटेलु, फूटयु = हियेका अंधा, बेवकूफ। हैयामां ज्होतरी राखवु= देखिये हैयामा लगी राखवु'। हैयामा लखी राखवु=ठीक रखना, जीमें रखना गांठ बांधना। -कबूल करतु नथी=तसल्ली न होना चित्तका समाधान नहीं होता मन मानता नहीं है (२) हिम्मत न पडना। -कह्यु न करे एवु= जो न माना जाय हैरत अंगेज, अचरजभरा। -खाली करवु = दिल खोलना दिलके फफोले फोडना, दिलका गुबार निकालना। -ठालववु = देखिये 'हैयु खाली करवु'। -फूटी जवु=अक्ल मारी जाना। -भराई आववु = दिल भर आना। -हाथ राखवु = मनकी स्वस्थता बनाये रखना। हैये तेवु होठे = जैसा मनमें बसा होठोंपर। हैये चांपवु = छातीसे लगाना, गले लगाना। हैये धरवु = मनमें रखना ठीक ध्यान देना, गांठमें बांधना]
होइयां अ० डकार या तृप्तिका उदगार। [-करवु = किसीका माल पचा जाना, डकारना]
होक्की (हॉ) स्त्री० छोटा हुक्का
होका(०यंत्र) न० कुतुबनुमा, दिग्दर्शक यंत्र, कंपास
होकारो (हॉ) पु० सम्मतिसूचक शब्द, हुँ, हुँकारी (२) चीख, हो-हल्ला, डाँटनेवाली आवाज। [-पूरवो = हुँकारी भरना, हुँ-हुँ करना]

होको(हाँ) पु० हुक्का (२) देखिये 'होकायंत्र'
होज(हा) पु० पानीका कुंड हौज
होजरी स्त्री० जठर पेट
होजरु न० पेट, गड्ढा (तुच्छकारमें)
होठ पु० देखिये 'ओठ'। [—फफडाववो =होठ हिलाना, कुछ बडबडाना। —मां ने होठमां = कोई न सुने इस तरह धीरेसे। होठे आवी रहेवु = बालनेको तयारी होना होठों पर मुंह पर आना]
होड स्त्री० होड शर्त। [—मां उतरवु, बकवी, मारवी = शर्त बदना बाँधना]
होडकु न० छोटी नाव डोंगी
होडी स्त्री० नाव, नौका
होद्देदार वि० ओहदेदार, पदाधिकारी
होद्दो पु० ओहदा, पद अधिकार
होनारत स्त्री० घटित होनेवाली घटना होनहार, भवितव्यता (२) दुर्घटना आकस्मिक घटना
होबाळो पु० लोक-समाजमें प्रकट हो जाना, चर्चा या फजीहत (होना)
होमवु स०क्रि० होमना, बलिदान करना
होय(हा) अ० खैर, भले
होलववुं स०क्रि० देखिये 'ओलववु'
होलावु अ०क्रि० बुझना (आग, दीपक आदिका), शान्त होना (डाह द्वेष)
होली स्त्री० मादा पडुक पडुकी
होलो पु० पडुक, टूटरूँ, फाख्ता
होवापणु(हाँ) न० अस्तित्व होना हस्ती
होवु (हाँ) अ०क्रि० होना बनना निर्मित होना
होवे अ० हाँ
होश पु० होश, चेतना, सुधबुध (२) सामर्थ्य। [—ऊडी जवो = होश उड जाना, होश जाते रहना। —मां आववु = होशमें आना, चेतना प्राप्त करना] [हवास, होश
होशकोश पु०ब०व० हिम्मत, होश
होशियार वि० होशियार, प्रवीण, चालाक (२) सजग, सावधान, होशियार (३) समझदार, होशियार। [—रहेवु = सावधान, होशियार रहना; सतर्क रहना]
होशियारी स्त्री० होशियारी। [—करवी, दाखववी, बतावबी, मारवी = मिथ्या बड़प्पन जताना]
होहा(—हो) स्त्री० हो-हल्ला, शोरगुल, कोलाहल (२) प्रसिद्धि, विज्ञापन, चर्चा, इश्तहार (३) घबराहट, खलबली (४) अ० 'हीहा आवाज
होळवु स०क्रि० कंघी करना, ब्यारना, बाल सँवारना
होळी स्त्री० होली। [—नु नाळियेर = आफत या जानजोखोंके कामोंमें कूद पडनेवाला, जान पर खेलनेवाला]
होळयो पु० मन सेर रुपये आदिका पूर्णतासूचक चिह्न, (उदा० ह० १०), विकारी [चीख-पुकार
हौकार(हाँ०) पु० देखिये 'हाकारो' न २
हौंश(हा०) स्त्री० हौस, उमंग, शौक
हौंशातोंशी (हा०, तॉ०) स्त्री० देखिये 'हासातासी'
हौंशीलु (हा०) वि० देखिये हासीलु'
हौंस (हा०) स्त्री० देखिये होंश'
हौंसातोंसी (हा० तॉ०) स्त्री० देखिये 'हुसातुसी'
हौंसीलु (हाँ०) वि० हौसलामंद उत्साही